समप्पणं

जाण किवाए मम मणस्स चंचलया नट्ठा, जेसिमुवएसेण मज्झंतक्करणे मतिमचारो हूओ, णाणदंसणचरित्तजोगेण सपराहिगयायणुरमूलणनिच्छय पत्तो, जेसिं मोहवयणेहिं अरहंतसुहमग्गो लद्धो, जेसिमपारमणुग्गहच्छत्तच्छाया-हदाणेण मह लेहणकलाए पवत्ती जाया, जेसिं ण धारणाववहाराणुसारं पयासणमिण वट्टए, तेसिमज्झप्पसत्थाणुराइअप्पडिबद्धविहारिप-वइनिक्कामपरोवयारिसवसुहमब्भुद्धारगमहारिसिपवरथविरपय-विभूसियणायपुत्तमहावीरजइणसंघाणुयाइगयसग्गपरम-पुज्ज १०८ सिरिजइणमुणिफकीरचंदमहारायाण पुणीयसमरणे हिययविसुद्धभत्तिपुव्वग एका-रसंगसजुयमेयं सुत्तागमपढम-अंसं समप्पिणोमि।

पुप्फभिक्खू

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

कृतज्ञताप्रकाश

जिसप्रकार स्थापत्यकलाकोविद अपनी मस्तिष्क शक्तिका उपयोग करके मालिकके आदेश-निर्देशमें तत्पर होकर एक सुंदर प्रासादका निर्माण करता है उसी भांति मेरे अन्तेवासी प्रशिष्य आयुष्मान् 'जिणचंदभिक्खू' ने अपनी विनयता मृदुता भक्ति-वैयावृत्य-सेवातत्परता दक्षता और प्राकृतविज्ञानकलामर्मज्ञता आदि सद्गुणोंसे तन्मय होकर 'सुत्तागमे' के प्रकाशन संबधी कार्य तथा प्रूफसंशोधनादिमें सेवाका सहयोग देकर ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्‌की ज्ञानसेवा और जिनवाणीकी भक्तितत्परता द्वारा खूब ही साथ दिया है। भला इस कीमती सेवा के मृदु सम्मरणोंको कैसे भुलाया जासकता है। मैं इस मूल्यवान् सेवाकी बड़ी कदर करता हू। आखिर मनुष्य दो प्रकारके ही तो होते हैं एक उपकार करनेवाला और दूसरा उपकारज्ञ!

पुप्फभिक्खू

प्रकाशकीय
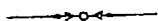
१ आजके इस वैज्ञानिक युगमें जहा मनुष्यने विज्ञानके द्वारा नई २ व्यवहारोपयोगी वस्तुओंका आविष्कार किया है वहा महान् से महान् सहारक अणुवम जैसे शस्त्रोंका भी। यह सव किसलिए? मेरी सत्ता समस्त ससार पर छा जाए, मैं ही सवका प्रभु हो जाऊ, एक ओर तो शस्त्रोंकी होडमे एक देश दूसरे देशसे आगे निकल जाना चाहता है तव दूसरी ओर आधुनिक जनता का अधिक भाग युद्धको न चाहकर शातिकी झखना करता है परन्तु शाति शस्त्रोंके वलवूते पर किए गए युद्धोंसे नहीं मिल सकती शातिका वास तो आध्यात्मिकतामें है भौतिकतामें नहीं और **ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्के** द्वारा प्रतिपादित आगम आध्यात्मिकतासे भरपूर हैं, उस आध्यात्मिकताके प्रसारके लिए ज्ञातपुत्र महावीर जैनसघानुयायी उग्रविहारी जैन मुनि १०८ श्रीफूलचद्रजी महाराज की विशुद्ध प्रेरणासे समितिने आगमोंके प्रकाशनका कार्य अपने हाथमें लिया है जिसका प्रथम फल आपके सन्मुख है। ३२ सूत्रोंको **'सुत्तागम'** के रूपमे एक ही जिल्दमें देनेकी उत्कट इच्छा होते हुए भी ग्रथराजका देह-सूत्र वढ जानेसे ११ अगोंका प्रथम अश अलग वनाना पडा। इसके प्रकाशनमें जिन २ महानुभावोंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूपमें किसी भी प्रकारकी जिनवाणीकी सेवा की है उनका हम हार्दिक आभार मानते हैं, साथ ही सूत्रोंके निकले हुए अलग २ प्रकाशनों पर जिन २ मुनिवरोंने अपनी २ शुभ सम्मतिएँ भिजवाई हैं हम उनके अनुगृहीत हैं और सहधर्मी महानुभावोंसे निवेदन है कि वे इस पवित्र कार्यमे सहयोग देकर हमारे उत्साह को वढाएँ।

हम हैं जिनवाणीके सेवाकाक्षी,

प्रधान—मास्टर दुर्गाप्रसाद जैन B A B T

मंत्री—वाबू रामलाल जैन नायव तहसीलदार

सुत्तागमे पर लोकमत

(नं १) "श्रीपुप्फभिक्खु द्वारा सम्पादित 'आयारांग' का मैंने भली भाँति अवलोकन किया है, धर्मोपदेशार्थीका यह प्रयास प्रशंसनीय है, संपादन बहुत ही सुंदर बना है, विशेषतः स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए इस शैलीसे अन्य सूत्रोंका भी संपादन हो। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी रमणीय रहा है, आगमप्रेमी सज्जनगण इस प्रयासमें अधिकसे अधिक सहयोग देकर जिनवाणीका प्रचार करेंगे।"

पूज्य श्रीपृथिवीचंद्रजी महाराज आगरा (लोहामंडी)

(नं २) श्रीधर्मोपदेशार्थी द्वारा संपादित 'आयारांगसुत्त' मैंने ध्यानपूर्वक देखा है, संपादनकी शैली सुंदर और गुणयुक्त है, स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए और साधु-साध्वियोंके लिए यह संस्करण बहुत ही उपयुक्त सिद्ध होगा। मुद्रणकलाकी दृष्टिसे भी प्रस्तुत ग्रंथ बड़ा रमणीय दीख पड़ता है, इसपर काफी ध्यान रक्खा गया है, आचारांग का प्रस्तुत संस्करण समाजमें अधिकाधिक स्थान प्राप्त करे यही हार्दिक अभिलाषा है, पुस्तक मुझे पसंद है।"

कविरत्न उपाध्याय श्रीअमरचंद्रजी महाराज जैनमुनि
कुंदनभवन ब्यावर

(नं ३) "यह [illegible] लघु होते हुए भी परमोपयोगी है, नित्यपाठ करनेवालोंके लिए यह विशेष सहायिका है, इसका प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। इस ग्रंथोपहारके लिए जैनमुनि पं. श्रीहेमचंद्रजी महाराजने आपका और [illegible] अनुपम पुप्फभिक्खू का सहस्रशः धन्यवाद किया है और हार्दिक कृतज्ञता प्रगट की है, तथा मुनिश्रीको सविनय सुखसाता पूछी है।"

समाना मंडी पटियाला (पंजाब)
भगवानदास प्रकाशचंद जैन बजाज

(नं. ४) "मैंने श्रद्धेय मुनि श्रीफूलचंदजी महाराज द्वारा संपादित आचारांगसूत्रके प्रथमश्रुतस्कंध के मूल संस्करण को देखा इसे पढ़कर मैं अत्यधिक आनंदित हुआ इस प्रकार के सुंदर प्रकाशन के लिए मुनिश्री धन्यवाद के पात्र हैं।"

श्रीमान् श्रद्धेय प्रवर्तक स्वामीजी
श्री श्री हजारीमलजी म. जैन स्थानक ब्यावर

(नं ५) "जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी प मुनिश्री फूलचंद्रजी महाराज से
ादित होकर प्रकाशित मूल आचारांग सूत्रके प्रथम श्रुतस्कंधको देखकर मुझे
हुतही हर्ष हुआ, इस संस्करणके मूलपाठ बहुत शुद्ध है, अपने परिश्रममें मुनिश्री
हुत सफल बने है।"

जैन न्याय साहित्यतीर्थ तर्कमनीषी पं. मुनिश्री मिश्रीमलजी म (मधुकर) प्रेषक धूलचंद्रजी महता व्यावर

(नं ६) "सुत्तागमे (आयारे) पुस्तक पहुच गई, यह उनकी बहुत कृपा है, उनको महाराज साहिब कोटि कोटि धन्यवाद करते हैं और अर्ज़ करते है कि और कोई पुस्तक अगर आपने छपवाई हो तो कृपा करके भेजें।"

गणावच्छेदक मुनिश्री रघुवरदयालजी महाराज प्रेषक तेलूराम जैन रईसेआज़म, जालधर-छावनी (पू. पजाव)

(न ७) "आचारांग सूत्र" जैसी पूर्ण बत्तीसी सूत्ररूपसे निकले, स्वाध्याय करनेवालोंके लिए बडी उच्चकोटीकी वस्तु होगी, ऐसा **श्रीमुनि हीरालालजी म.** ने फर्माया है।"

लालभवन जयपुर

(न ८) "तमारा तरफथी सुत्तागमे ए नामनु पवित्र आगम आचारांगजी नो प्रथम भाग मूलपाठे सम्पादक भिक्खु फूलचदजी महाराज। सदरहु पुस्तक तमोए रवाना करेल ते अमोने गई काले मल्यो छे अने ते **महाराज श्रीशामजीस्वामी** ने आपेल छे, पुस्तकनी शुद्धि अने व्यवस्थित जोई महाराजश्री घणा खुशी थया छे।"

शा मोहनलाल रतनजी कच्छ मांडवी

(नं ९) जैन जगतके सुप्रसिद्ध पर्यटक एवं जैन धर्मोपदेष्टा श्री पुप्फभिक्खु द्वारा संपादित सुत्तागमसुत्तम् मूलसंस्करण देखकर महती प्रसन्नता हुई। मूलपाठका सुन्दर उत्तम संपादन और नयनाभिराम प्रकाशन वस्तुतः आजके युगमें सर्वतोभावेन आदरणीय है।

स्वाध्याय प्रेमी विद्वानोंके लिए यह सफल बहुत ही सुन्दर प्रयत्न है। इस दिशामें श्रीपुप्फभिक्खुका यह सत्प्रयास चिरस्मरणीय रहेगा। मूल आगमों के प्रकाशनकी उनकी योजनाकी मैं हृदयसे सफलता चाहता हूं। सर्वसाधारण जनताके लिए बड़े काम की वस्तु है।

शंकरप्रसाद वाटिका }
१६ मई १९५१ } मुनि 'अमर'
ब्यावर }

(नोट) आपका पूरा नाम कविरत्नात पंडित उपाध्याय मुनि श्री १००८ श्री अमरचंदजी महाराज है।

(नं १०) श्रीमान् श्रद्धेय मुनिश्री हजारीमलजी महाराज तथा पंडित मुनिश्री मिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

"आचारांग" की तरह 'सूत्रकृतांग' का प्रकाशन भी बहुत सुंदर हुआ है। स्वाध्याय रसिकोंके लिए यह प्रकाशन बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

जैनधर्मोपदेष्टा आत्मार्थी पंडित मुनिश्री फूलचंद (पुप्फभिक्खु) का आगम-साहित्यकी दिशामें यह प्रयत्न हृदयसे अभिनंदनीय है। आशा है जैनसमाज मुनिश्री की इस विराट् आगमसंपादन योजनाका सहर्ष हृदयसे स्वागत करेगा। हम मुनिश्रीके इस शुभ प्रयासकी हार्दिक सफलता चाहते हैं।

प्रेषक श्रीपूनमचंदजी महता ब्यावर

(नं ११) "श्री पंडितराज, मधुर व्याख्याता आत्मार्थी जनपद प्रचारक जैन धर्मोपदेष्टा मुनिश्रीफूलचंदजी महाराज द्वारा संपादित सूत्रकृतांग एक सम्यक्तम पुस्तकाकार देखा। संपादकने इसमें पाठोंकी शुद्धि, उपकरणमें सुलभ तथा सुन्दरताकी दृष्टिसे सुंदर व्यवस्थित छपाई आदिका विशेष ध्यान रक्खा

है, अत स्वाध्याय प्रेमिओंके लिए विशेप उपयोगी है । सपादक शतश धन्य-वादके पात्र हैं, क्योंकि सुत्तागम प्रकाशनरूप जिनवाणीकी अनथक रूपसे आप उपासना कर रहे हैं । मुझे यह भी आशा है कि आगे इसी प्रकार निर्विघ्नतया सेवा करते रहेंगे ।" **मुनि प्रेमचंद, मानसा (E P)**

(न १२) "श्रीयुत पण्डितरत्न, **सुत्तागम** सपादक, जैनधर्मोपदेष्टा, '**पुप्फ-भिक्खु**' द्वारा सपादित **ठाणांग** सूत्र देखा, जिसमें पाठशुद्धि, भारमें हलका और सुंदर छपाई आदिका ध्यान सपादकका खूब रहा है । इस नई शैलीके प्रकाशनको देखकर प्रत्येक व्यक्ति यह खुले दिलसे कह सकता है कि गागरमें सागरकी उक्ति साफ चरितार्थ है । मुझे पूरा सतोप तब ही होगा जब पूर्ण **आगम बत्तीसी** सुत्तागमरूपेण प्रकाशित होगी । सपादक और सहायक शतश-धन्यवादार्ह हैं ।" **निवेदक मुनि प्रेमचंद मानसा (E. P.)**

(नं १३) श्रीमान् पूज्यवर जैनधर्मोपदेष्टा वीरशासन प्रभाकर विद्यावारिधि, धर्मनायक, पुप्फभिक्खू सादर स्नेहसुधासिक्त अनेक वदन! और आँग्लभापा विशारद सुमित्त भिक्खूको सुखशाति पृच्छा । आपश्री का सुत्तागमे सूत्रोंके मूल-पाठका सपादनका सुदर कार्य जैन समाज पर, विशेपकर मुनि और साध्वीवर्ग पर महान उपकारी है । आपने समाजके लिए यह अपूर्व अवसर दिया है । आपका यह मगलकार्य महान स्तुत्य है । मेरी चिरकालीन अभिलापा साकार हो उठी । क्योंकि मेरी यह प्रबल इच्छा थी कि जिस प्रकार चार वेद हैं इसी प्रकार हमारे ३२ सूत्रोंका चार भागोंमें प्रकाशन हो । पहला मूळपाठके रूपमें, दूसरा शब्दार्थके रूपमें, तीसरा भावार्थके रूपमें और चौथा सस्कृतच्छाया तथा नई टीकाओंके रूपमें । मूलपाठ सुदर अक्षरोंमें पुस्तकाकार हो । जैसे कुरान बाईबल ग्रथसाहब आदि पाए जाते हैं । इसके उपरात अग्रेजी, जापानी, चीनी और फ्रेंच आदि पाश्चात्यभापाओंमें भी अनुवाद हों । आपने तो मेरी सैंकडों मीलकी दूर रही भावनाको जानकर यह मगलकार्य बबई नगरमें रह कर आरभ किया है, मुझे तो ठीक यही भास हो उठा है । ठीक भी है क्योंकि मनको मनसे राहत होती है ।

हे ज्योतिर्धर! वैसे तो आपके जीवनका प्रत्येक अमूल्य क्षण प्राणीमात्रके हित और जैनसमाजके उत्थानमें व्यतीत हुआ है । आपने भगवान् ज्ञातपुत्र महावीर प्रभुकी पवित्र वाणीको भारतवर्षके कोने कोनेमें पहुचाकर सभ्य जनसमाज को सुनाया है । अपनी मधुर और ओजस्वी वाणी द्वारा पत्थर दिलोंको दयाके

पानीसे सिंचा दिया है। कितने ही पशुओंकी बलिवेदीके प्राणोंको उबार लिया है। हजारों मूक प्राणियोंके प्राणोंको मौतके घाट उतरनेसे बचाया है। धन्य है आपके दिव्य उत्तम जीवन को इस क्रूर हिंसाकी भयावह अंधियारी निशामें आप जैसे विरले ही दयाके प्रकाशमान उडुपति हैं तथा लाइट ऑफ बिहार हैं। आपने अहिंसाके ऊंचे ध्वजको फहराया है यानी देशके बड़े बड़े नगरोंमें दयाधर्मके डंकेको हाथमें लेकर भ्रमण किया है। जैसे कश्मीर, करांची, कलकत्ता झरिया कानपुर आदि २ और अबकी बार विभवपूर्ण और सौंदर्य-सम्पन्न कुबेरनगरीके समान बंबई नगरमें जैनधर्मकी विजयपताका फहरा रहे हैं।

इतनी दूर बाहर वीरशासनकी सेवा करना अपनी उपमा आपही है। अस्तु। मेरी तो शासनदेवसे यही प्रार्थना है कि आप चिरंजीवु हों। और आपने जो जैनागम प्रचारका शुभसंकल्प किया है इस भगीरथ कार्यमें आपको महान सफलता मिले और तीर्थंकर पदके भागी बनें। यद्यपि आपके पावन दर्शनका अवसर मुझे नहीं मिला तब क्या मैं यह आशा कर सकता हूं कि चातुर्मासके बाद इधर पधार कर दर्शनाभिलाषा पूरी करेंगे। क्योंकि आपके मनोहर और क्रांतिकारी उपदेश सुनने को दिल बहुत चाहता है और जो २ सूत्र प्रकाशित हों उन्हें भिजवानेकी कृपा करें आपकी बड़ी महरबानी होगी। मुझको लिए क्षमा।

प्रेषक
सेक्रेटरी S. S. जैन सभा
मूनक (पेप्सू)

आपका प्यारा दास
मुनि नागचंद

(नं १४) श्री १ ०८ श्री गणावच्छेदक श्रीरघुवरदयालजी महाराज के पास आपका भेजा हुआ दशवैकालिक सूत्र मिला. "संपादन" सुंदर है। धर्मोपदेष्टा श्रीफूलचंदजी महाराजके परिश्रमका यह फल है। आपकी परिश्रमशीलताको देखकर कौनसा मानव है जो आपकी स्तुति न करे। आप जैन साहित्यका कार्य करके अपने जीवनका चरमलक्ष्य पूरा करेंगे। जिसके लिए आपने कदम उठाया है। महाराज श्री आपको धन्यवाद देते हैं।

निवेदक
५-१०-५१ लाला जगन्नाथ जैन रईसेआज़म
चौक कसेरान
पटियाला (E. P)

(न १५) ता २०-९-५१ श्रीमान् बाबू रामलालजी साहब।

जय जिनेंद्र। आपका इरसाल करदह श्री **आचारांग** सूत्र तथा **सूत्रकृताङ्ग** सूत्र मोसूल हुए। मुलाहिजा **श्री १००८ श्रीचहुसूत्री पंडितरत्न श्रीमुनि नरपतरायजी महाराजने** अत्यन्त प्रसन्नता प्रगट की। नीज़ मुनि श्री फूलचन्द्रजीके इस प्रयासकी अति प्रशंसा करते हैं और फर्माते हैं कि यह कार्य जो उन्होंने आरंभ किया है भगवान् उनको सफलता दे।

संघ सेवक

मदनलाल जैन

फर्म-बंसीलाल बनारसीदास जैन

होशियारपुर E. P

(न १६) **मेवाड़भूषण पूज्य श्री १००८ श्रीमोतीलालजी महाराज** फर्माते हैं कि "आपकी तरफसे **'सुत्तागमे' सूयगडे** नामकी किताब मिली। पूज्यश्रीके नजर(भेंट)करदी गई। पूज्यश्रीने फर्माया है कि पुस्तक बडी ही सराहनीय है। आपने बडे परिश्रमके साथ आगमोद्धार करना आरंभ किया है। आपको हार्दिक धन्यवाद है।"

कालूराम हरकलाल जैन

कपासन (मेवाड़)

(न १७) "आपका भिजवाया हुआ (ठाणांग-समवायांग-मूल सूत्र दो प्रतिएँ) सुरू-पोष्ट लाला परसराम जैन खत्री द्वारा हमें प्राप्त हुआ है। एतदर्थ सुमहान धन्यवाद। ये महान् अनमोल रत्न भिजवाकर हमें कृतार्थ किया है और भविष्यके लिए आशा करते हैं कि इसी प्रकार अन्य अनमोल रत्न भी भिजवाकर अनुगृहीत करते रहेंगे। पुस्तककी छपाई-शुद्धता-सुंदरता-लघुता-आकार-प्रकार सब कुछ वैसा ही है जैसा मैं चाहता था, मानो मेरे विचारोंको समझकर ही आपने प्रकाशित करानेका प्रयत्न किया हो। यह संस्करण स्वाध्यायपरायण लघुविहारी मुनिराजोंके लिए परमोपयोगी है।"

रोपड़ १-९-१९५२ } **भवदीय**
मुनि फूलचंद्र (श्रमण)

(न १८) "श्रद्धेय धर्मोपदेष्टाजी जो आगमोंका संशोधित मूलपाठ प्रकाशित करवा रहे हैं इसकी परमावश्यकता थी, इस दिशाकी ओर बहुत कम विद्वान

(न २२) जैन मुनि श्रीश्री हजारीमलजी महाराज व प. मुनिश्री मिश्रीमलजी (मधुकर) महाराज की सम्मति

"स्थानांगसूत्रके दोनों अश और समवायांगसूत्र हमने पढे। आचारांग और सूत्रकृतांगकी तरह ये प्रकाशन भी बहुत सुंदर निकले हैं। इन आगमोंके सम्पादनमें जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी मंत्री मुनि श्रीफूलचन्द्रजी महाराजने जो परिश्रम उठाया है वह अत्यन्त प्रशसाके योग्य है। स्वाध्यायप्रेमियोंके लिए मुनिश्रीका यह प्रयास बहुत सफल सिद्ध हो रहा है।

भावना तो यह है कि आगेके प्रकाशनभी बहुत शीघ्र हमारे हाथोंमें आजाएं।"

प्रेषक—गजमल विरधीचंद तातेड मु० पो० विजयनगर (अजमेर)

(न २३) मुनि श्रीफूलचन्द्रजी म द्वारा सपादित 'सुत्तागम' अतर्गत आचारांग-सूत्रकृतांग-ठाणायंग और समवायांग पुस्तक नग ४ भेंट मिली। 'सुत्तागमे' की उपरोक्त पुस्तके स्वाध्याय योग्य होनेसे स्वाध्याय करके अतिप्रमोद प्राप्त हुआ है। जिज्ञासु और स्वाध्याय करनेवालों के लिए यह बहुत उपयोगी साधन है। विजय-डायरी पढनेसे मालूम हुआ है कि 'सुत्तागमप्रकाशकसमिति' (गुडगाँव पजाव)ने आगमप्रचारविषयक योजना विशाल रक्खी है। यदि सुत्तागमकी तरह सौ १०० भाषाओंमें श्रीश्रमण भगवान महावीरस्वामी द्वारा निर्दिष्ट जगज्जन्तुकल्याणक अनेकान्त स्याद्वादगर्भित जैनसिद्धान्त का प्रतिदेश प्रतिप्रान्त और प्रतिघरमें प्रचार हो तो इसके सिवाय दूसरा पुण्यकार्य क्या हो सकता है। यह धर्मप्रचारकी सर्वोपरि योजना है, यह कहते हुए हमें हर्ष होता है। जैनसमाजके धीमान् विद्वानोंका और श्रीमान लक्ष्मीनदनोंका इसमें पूरा साथ हो तो कार्य जल्दी सुचारूरूपसे हो सकता है अत दोनों उदार बनें।

जामजोधपुर ता ३१-८-५२ शुभेच्छुक जैन भिक्खु गच्छुलालजी म०

(न २४) आपकी ओरसे सूत्रोंका बुकपोस्ट मिला, मेवाड भूषण चतुर्मास-विहारमंत्री श्री १००८ मोतीलालजी म की सेवामें प्रस्तुत किया उत्तरमें फर्माया है कि आपको हार्दिक धन्यवाद है, आप बडे परिश्रमपूर्वक शास्त्रोद्धार कर रहे हैं आपका शास्त्रोद्धार सराहनीय है। ऐसा परिश्रम करके

शास्त्रोद्धार करनेवाले विरले मुनि हैं। आपसे जितनी उपमा दी जावें थोड़ी है। आपश्री चतुर्विध संघके लिए बड़ा ही सराहनीय कार्य कर रहे हो। ऐसा कार्य करने ही से समाजमें ज्ञानप्रचार व शास्त्रोद्धार हो सकता है, जोकि इसमें बहुत समझें। श्रीमान्-श्रावक संघका पैसा भी सदुपयोगमें कम रहा है। श्रावकसंघको चाहिए कि ऐसे कार्यमें कंजूसी न करते हुए द्रव्यका इनके प्रचारमें सदुपयोग करें जिसमें सबका कल्याण समाया हुआ है।

ता० ३१-७-१९५२ आपका मेघराजलाल जैन रामपीर

(नोट) इनके अतिरिक्त और बहुतसी सम्मतिए ग्रंथ बढ़नेके भयसे नहीं दे रहे। आपने इस पृष्ठपर अंकित सम्मतियोंसे यह तो जान ही लिया होगा कि ये प्रकाशन कैसे हैं। वैसे तो सब संप्रदायोंके मुनियों और महासतियोंकी ओरसे सूत्रोंकी मांगें बराबर आती रहती हैं, अर्थात् सूत्रोंका प्रचार आशासे अधिक हो रहा है। इसी प्रकार ११ आगमोंको यथासमय मुनियों और महासतियोंके करकमलोंमें पहुंचाकर समिति अपना ध्येय पूरा करनेका प्रयत्न करेगी। समिति यही चाहती है कि हमारे मुनिगण प्रकाण्ड विद्वान् बन कर जिनशासनका उत्थान करें।

मंत्री

सूयणा

इक्कारसगाइमिमाइमम्ह धम्मगुरूण गरिमजियमेरूण साहुकुलचूलामणीण अहिल-सग्गुणखणीण चत्तअदत्तकलत्तपुत्तमित्ताण पसतच्चित्ताण अग्गिव्व उग्गतवतेयदित्ताण पोम्म व अलित्ताण पागयजणमुच्छाविहाणनियाणविसयगामविरयाण पचविहायार-निरइयारचरणनिरयाण भवोयहितारणतरंडाण अण्णाणतमोहपयडमायडाण मोहेभ-निवारणवरडाण पासडिमाणसेलमद्दणवज्जदडाण वाउरिव अपडिबद्धाण तवसिरिस-मिद्धाण सम्मअवगयजिणमयसम्मयसुहुमयरवियारमयलभवसिद्धियलोयहिययगमाण सुसजयपचपमियतरलयरकरणतुरंगमाण दुज्जयअणगमायगभगसारगपुगवसरिच्छाण अक्कुव्व सुयणवुद्धवोहणअण्णाणमोहतिमिरभरहरणधम्मुज्जोयकरणिक्कतल्लिच्छाण दुह-तरुउम्मूलणेक्कखरपवणाण चरित्तणाणदसणफलट्ठद्धमुणिंदसउणमेरुवणाण सारयस-लिल व सुद्धमणाण पाविंघणोहहुयासणाण ससारण्णवमज्जतजीवगणतारणसमत्थवो-हित्थाण अद्दिव्व धीरिमापडिहत्थाण जिणपवयणगयणनिसायराण मेराणाणचरणाइ-निम्मलगुणरयणरयणायराण नियसुद्धुवएसदेसणाणिण्णासियभव्वजन्तुजायजीवियभू-यसम्मदंसणणासणपच्चलमिच्छादसणुग्गगरलाण दुज्जणदुव्वयणपवणवाए वि अतर-लाण विसयसुहनिप्पिवासाण मुक्कगिहवासपासाण दूरपरिचत्तविइगिच्छाअरइरइभीइ-हासाण मित्तसत्तुजणजुम्मसमाणमणोविलासाण नवविहवभचेरगुत्तिसम्मसरक्खणेक्कप-रायणाण दुक्कम्मदइच्चनिवहविद्धसणनारायणाण **सुत्तत्थविसारयाण** जिणधम्म-पसारयाण मरालुव्व परगुणखीरगहणदोसवुविवज्जणवियक्खणाण कयछक्कायर-क्खणाण ख व अणप्पङ्कवियप्पसकप्पसुण्णाण खतिमुत्तिअज्जवमद्दवलाघवाइपुण्णाण धरामंडलव्व सव्वसहाण भवदुक्खायवसतत्तपथिसतिदायगदहाण चदणवण व सुसीयलाण जसच्छाइयवरणीयलाण कदप्पदप्पदलणिक्कमल्लाण नीसल्लाण नियनिरुव-मवयणकलारंजियसयललोगाण सव्वहा निम्ममयाए निरासीकयसोगाण आइच्चुव्व तेयसा फुरताण धम्मुव्व मुत्तिमताण जियतिजयदप्पकदप्पमत्तगयवियडकुंभयड-दलणसीहाण निरीहाण जिणगणहरसमणुचिण्णसम्ममग्गाणुयाईण निहिलागमपार-याईण परजियपियहियमियफुडभासीण सयलगुणरासीण माणावमाणपससणिंदण-लाहालाहसुहदुहसमाणमणसाण असुमालिव्व फेडियदुम्मइतमसाण सतिमुत्तीण सियकित्तीण जीवुव्व अप्पडिहयगईण जिणपवयणाणुसारमईण अमयनिग्गमुव्व सोमसहावाण महापहावाण पचाणणुव्व दुप्पधंसणिज्जाण सयलजणाभिगमणिज्जाण सासणपभावगाण जीवे सम्मग्गे ठावगाण जम्मजरमरणकल्लोललोलजलपडलपुण्ण-

प्रस्तावना

इस अनादि अनत ससारमें आत्माने अनन्त वार जन्म मरण किए हैं परन्तु अपने स्वरूपको भूलकर विभाव-परपरिणतिमें रच पचकर कर्मवश होकर अनन्तानन्त दु ख सहन करता रहा है । यद्यपि सुखको पानेके लिए अनेक प्रकारके पापड वेलता है लेकिन अवतक उसे वह सच्चा और टिकाऊ सुख नहीं मिल सका है कि जिसके द्वारा ससृतिके सव दु खोंसे नितान्त छुटकारा पालेता, परन्तु धर्म पुरुपार्थके विना वह सुख कहा? 'धर्मात्सुखं' धर्मसे सुख मिलता है, सुखके पानेमे धर्म कारणभूत है, तव कारणके विना कार्य कैसे सपन्न हो सकता है। साथ ही यह भी स्मरण रहे कि धर्मपुरुपार्थ ही मोक्षका वास्तविक मार्ग है जिसके मुख्य तीन प्रकार सर्वज्ञों द्वारा प्रतिपादित हैं, वे हैं सम्यग्ज्ञान, सम्यग्दर्शन और सम्यक्चरित्र। शरीर और मनके दु खोंसे छुटकारा दिलाने वाला यही रत्नत्रय समर्थ साधन है । इस रत्नत्रयमें 'पढम नाण तओ दया'के अनुसार सम्यग्ज्ञानकी प्रधानता है । मोहरूपी महा अधकारके समूहको नष्ट करनेमें ज्ञान सूर्यके समान है । इष्ट वस्तुको प्राप्त करानेमें ज्ञान कल्पवृक्ष है । दुर्जेय कर्मरूपी हाथीको पछाडनेमें ज्ञान सिंह जैसा है । ज्ञानके अभावमे मुँहपर दो आंखें होनेपर भी वह अन्धेके सदृश है । ज्ञानके भी पाच प्रकार हैं जिनमे 'श्रुतज्ञान' वडे ही महत्वकी वस्तु और परोपकारी है । केवली भगवान्का केवलज्ञान उनके स्वयके लिए लाभ दायक है औरोंके लिए नहीं वे भी श्रुतज्ञानके द्वारा ही जगत्के असख्य भव्यजीवोंको प्रतिवोध देकर महान् उपकार करते हैं । लेकिन श्रुतज्ञानकी भी दो वीथियाँ हैं जिन्हें सम्यक्श्रुत और मिथ्याश्रुत कहते हैं । सम्यक्श्रुतके भी अनेक भेद हैं जिनमें वर्तमान समयमे केवल ३२ आगम ही उपलब्ध हैं और जो १४ पूर्वीय श्रुतज्ञान महान् समुद्रके समान था उसका काल दोपसे इस समय विच्छेद हो चुका है । यह हमारे मदभाग्य ही का कारण है, तो भी ये वार्तमानिक आगम आजके मत्साहित्यके मूल स्रोतके समान हैं । इन्हीं स्रोतों द्वारा हमारा साहित्य अमर विभूति प्राप्त है । साहित्य वह वस्तु है जो प्रत्येक धर्म और राष्ट्रका प्राणभूत होता है । जिसका अपना निजीसाहित्य न हो वह धर्म मृतकके समान है ।

जैनसाहित्यमें आगमोंका स्थान—यों तो जैनसाहित्य अन्य साहित्योंकी अपेक्षा अत्यन्त विशाल है । कोई ऐसा विपय नहीं है जिसपर जैनसाहित्यकों की लेखनी न उठी हो, परन्तु उसमे भी आगमोंका स्थान सर्वोच्च है । या यों कहिए

मिलता है। इसी भाति और अगोंमें भी उपागोंकी साक्षिया पाई जाती हैं, अर्थात् अमुक उपांगोंसे समझ लेना चाहिए। इससे यह स्वयसिद्ध है कि देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण वर्तमान आगमोंके सकलयिता थे, उन्होंने लिपिवद्ध करते समय पाठोंमें साम्य देखकर समयका अपव्यय न हो इसलिए ऐसा किया। आगमोंको पुस्तकारूढ करके उन्होंने जैन समाज पर जो महान् उपकार किया है उसे कभी भी नहीं भुलाया जा सकता।

एक आगमका उसी आगममें निर्देश—आगमोंमें प्रस्तुत आगमका प्रस्तुत आगममें भी निर्देश पाया जाता है, जैसे समवायांगसूत्रमें १२ अगोंके वर्णन में समवायांगका भी वर्णन है, यही क्रम और आगमोंमें भी मिलता है, इसका कारण आगमोंकी प्राचीन शैली है, यही प्राचीन पद्धति वेदोंमें भी पाई जाती है। जैसे "सुपर्णोऽसि गरुत्माँ स्त्रिवृत्ते शिरो गायत्र चक्षुर्वृहद्रथन्तरे पक्षौ स्तोमं आत्मा छन्दाᳫंस्यङ्गानि यजूᳫंषि नाम।"

जैनसाहित्यपर नई २ आपत्तियाँ—जिसकालमें बौद्धों और जैनोंके साथ हिंदुओंका महान् सघर्ष था उस समय धर्मके नाम पर वडे से वडे अत्याचार हुए, उस अवढ़में साहित्यको भी भारी धक्का लगा, फिर भी जैनसमाजका शुभ उदय समझें या आगमोंका माहात्म्य ! जिससे आगम वाल २ वचे और सुरक्षित रहे। परन्तु वडो पर आपत्तियाँ आया ही करती हैं। इसके अनन्तर चैत्यवासियोंका युग आया, उन्होंने चैत्यवादका जोर शोरसे आंदोलन किया और अपनी मान्यताको मजबूत करनेके लिए नई २ वातें घडनी शुरू कीं, जैसे कि अगूठे जितनी प्रतिमा वनवा देनेसे स्वर्गकी प्राप्ति होती है, जो पशु मदिरकी ईंटें ढोते हैं वे भी देवलोक जाते हैं, आदि २। वे यहा तक ही नहीं रुके वल्के उन्होंने आगमोंमें भी अनेक वनावटी पाठ घुसेड दिए। जिस प्रकार रामायणमें क्षेपकोंकी भरमार है उसी प्रकार आगमोंमें भी। इसके वाद युगने करवट वदली और उसी कटाकटीके समय धर्मप्राण लोकाशाह जैसे क्रान्तिकारी पुरुष प्रगट हुए। उन्होंने जनताको सन्मार्ग सुझाया और उसपर चलनेकी प्रेरणा दी। चैत्यवासियोंने तो उनको अनेक कष्ट दिए पर वे कहा उससे मस होनेवाले थे। **'धम्मो मंगलमुक्किट्ठं०'** गाथा पढकर और चैत्यवासियोंमें आचार विचार सवधी शिथिलता देखकर उन्होंने वह आवाज उठाई कि जिससे लोगोंमें क्रांति और जागृति उत्पन्न हुई तथा लवजी धर्मशी धर्मदासजी जीवराजजी जैसे भव्यआत्माओंने धर्मकी वास्तविकताको अपनाया और उसके स्वरूपका प्रचार आरभ

किया । परिणाम स्वरूप आज भी उनकी प्रणालीओंसे जीवित रहनेवालोंकी संख्या ५ लाखसे कहीं अधिक पाई जाती है । लोंकाशाह सहित इन चारों महापुरुषोंने वेसवासी मान्य अन्य आगमोंमें परस्पर विरोध एवं मन गढ़न्त बातें देखकर ३२ आगमोंको ही मान्य किया ।

आगमोंकी भाषा—समवायांग सूत्र तथा औपपातिकसूत्रमें क्रमशः पाठ आते हैं "भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ" 'तए णं समणे भगवं महावीरे कूणियस्स रण्णो भिंभिसारपुत्तस्स अद्धमागहाए भासाए भासइ । सा वि य णं अद्धमागहा भासा तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अप्पणो सभासाए परिणामेणं परिणमइ" अर्थात् ज्ञातपुत्र-महावीर भगवान् अर्धमागधी भाषामें उपदेश करते थे और वह भाषा सब जीवोंकी अपनी २ भाषामें परिणत होती थी। उनके प्रधान गणधर श्रीसुधर्मा स्वामीने द्वादशांगीकी रचना भी अर्धमागधीमें ही की । दिगंबरोंके मतसे वे १२ अंग विच्छिन्न हो चुके हैं परन्तु अपने मतानुसार जैसा कि पहले किया जा चुका है देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमणने आगमोंको लिपिबद्ध किया । इतने समयके बाद लिपि आनेपर भी भाषाकी प्राचीनतामें कमी नहीं आई । क्योंकि हिन्दुओं अथवा जैसे ब्राह्मणोंने मुखपाठके द्वारा वेदोंकी रक्षा की उसी प्रकार जैन मुनियोंने भी लगभग १ वर्ष पर्यन्त शिष्य परम्परासे इन पवित्र आगमोंको स्मृतिपथमें रक्खा । दूसरा कारण यह है कि जैन धर्ममें शुद्धपाठोच्चारण पर बहुत जोर दिया गया है, और 'हीणक्खरं' आदि अतिचार बताए गए हैं । फिर भी बारीकीसे देखनेपर यह अवश्य मालूम पड़ेगा कि आदे जैसे भाषामें परिवर्तन अवश्य हुआ है । ऐसा होना असंभव भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि आगम वेदोंकी भांति शब्द-प्रधान न होकर अर्थ-प्रधान हैं । ये सूत्र उस समयकी जनसाधारणकी बोलचालमें निर्मित हुए और समयानुसार बोलीमें (लोकभाषामें) होनेवाले परिवर्तनका प्रभाव लोगोंके समझानेके लिए आगमोंपर भी होना आश्चर्यजनक नहीं । इसका एक मुख्य कारण यह भी है कि ज्ञातपुत्र-महावीर भगवान् के मोक्ष जानेके लगभग २ वर्ष पीछे ई० स० पू० ३११ चन्द्रगुप्तके समयमें मगधमें १२ वर्षका भयानक अकाल पड़नेके कारण मुनियोंको संयम निभानेके लिए दक्षिण देशमें जाना पड़ा और पश्चात्‌...

१ देखो 'पटना रिपोर्ट ऑफ ओरियण्टल सोसायटी बंगाल' १८९८ की जोंबीका का लेख।

न कर सकनेके कारण उन्हें भूल से गए। उसके वाद पाटलीपुत्रमें सघं एकत्र हुआ और जिसे जितना याद था सुनकर ११ अगोंका सकलन किया गया अर्धमागधीमें मगधके आसपासके प्रदेशोंकी भाषाओंकी अपेक्षा दूरस्थ महाराष्ट्रकी भाषाका जो अधिक साम्य देखा जाता है उसका कारण भी यही है। इतिहास द्वारा यह भी सिद्ध है कि पुराने समयमें जैनधर्मका दक्षिणमें भली भाति प्रचार हुआ था, तव यह अनुमान असगत नहीं हो सकता कि दुर्भिक्षकालमें मुनिवर्ग दक्षिणमें न गया हो, तद्देशीय भाषाज्ञानके विना प्रचार सम्यक्तया नहीं हो सकता, अत उसका प्रभाव कठस्थ आगमोंकी भाषा पर भी पडा, इसके द्वारा प्रभावित वहुतसे मुनि पूर्वोक्त सम्मेलनमें पधारे, इसलिए अगोंके सकलनमें भी इसका थोड़ा वहुत असर पडा। उससे लगभग ८०० वर्ष वाद थोडे २ अतरसे मथुरा और वल्लभीमें आगमोंको पुस्तकारूढ करनेके लिए साधुसम्मेलन हुए, जिनमें सव प्रान्तोंसे मुनि आए, जिनके मुखस्थ सूत्रोंपर तत्तत्प्रदेशोंमें वहुत समय तक विचरनेसे उस देशकी भाषा, उच्चारण और व्याकरणका कुछ न कुछ प्रभाव अकित था। यही कारण है कि अगोंमें एक ही अगके भिन्न २ भागोंमें और कहीं २ एक ही वाक्यमें भाषाभेद दृष्टिगोचर होता है। इस प्रकार भाषापरिवर्तनके वहुतसे कारणोंके उपस्थित होनेपर भी पाटलीपुत्रके सम्मेलनके वाद विल्कुल अथवा अधिक परिवर्तन न होकर मात्र थोडा वहुत भाषा-भेद ही हुआ और अर्धमागधीके सैंकडों प्राचीन रूप अपने स्वरूपमें सुरक्षित रह सके, इसका श्रेय अशुद्ध उच्चारणके लिए पापवधके धार्मिक नियमको है जो कि सम्मेलनके पीछे और भी मजवूत किया गया। वर्तमान आगमोंमें कहीं २ जो पाठ-भेद मिलते हैं उनका कारण उपरोक्त वाचनाएँ हैं। समवायाग औपपातिक [२]व्याख्या-प्रज्ञप्ति और [३]प्रज्ञापनासूत्र तथा [४]वहुतसे प्राचीन ग्रंथोंमें जिसे अर्धमागधी कहा

---

१ देखो स्थविरावलिचरित्र सर्ग ९ श्लो ५५ से ५८ तक। २ देवा ण भते! कयराए भासाए भासति? कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति? गोयमा! देवा ण अद्धमागहाए भासाए भासंति, सा वि य ण अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति। ३ से किं त भासारिया? भासारिया जे ण अद्धमागहाए भासाए भासंति। ४ ' आरिसवयणे सिद्ध, देवाण अद्धमागहा वाणी। (काव्यालकारकी नमिसाधु कृत टीका २, १२) ॥ सर्वार्धमागधीं सर्वभाषासु परिणामिणीम्। सर्वेषां सर्वतो वाच, सार्वज्ञीं प्रणिदध्महे॥ (वाग्भट्टकाव्यानुशासन पृ० २) ॥ अकृत्रिमस्वादुपदा, परमार्थाभिधायिनीम्। सर्वभाषापरिणतां, जैनीं वाचमुपास्महे॥ (स्वोपज्ञ काव्यानुशासन, हेमचद्राचार्य)

गया। प्रज्ञापनासूत्र तथा अनुयोगद्वारमें जिसे अर्धमागधी कहा गया है और इसीके आधारपर हेमचंद्राचार्य आदिने इसका नाम 'आर्ष' रखा है अर्थात् अर्धमागधी ऋषिभाषिता और आर्ष तीनों एक ही नाम हैं। पहला नाम उत्पत्ति स्थान तथा बाकी दो भाषाका धर्मग्रन्थ साहित्यमें स्थान पानेसे संबंधित हैं। हेमचंद्राचार्यने अपने बनाए हुए प्राकृत व्याकरणमें आर्षके जो लक्षण तथा उदाहरण बताए हैं उनसे और 'अत एत् सौ पुंसि मागध्याम्' (हे.प्रा ४ २८७) इस सूत्रकी व्याख्यामें जो "यदपि 'पोराणमद्धमागहभासानिययं हवइ सुत्तं' इत्यादिना आर्षस्यार्धमागधभाषानियतत्वमाम्नायि वृद्धैस्तदपि प्रायोऽस्यैव विधानात् न वक्ष्यमाणलक्षणस्य" ऐसा कहकर उसके अनन्तर जो 'कयरे आगच्छइ' 'से तारिसे जिइंदिए' के उदाहरण दिए हैं उनसे उक्त बात अच्छी भांति सिद्ध हो जाती है, डॉक्टर हर्मन याकोबीने जैनागमोंकी भाषाको प्राचीन महाराष्ट्री कहकर 'जैन महाराष्ट्री' नाम दिया है। जिसका डॉ. पिशलने अपने विख्यात प्राकृत व्याकरणमें खंडन करके सप्रमाण सिद्ध किया है कि अर्धमागधीमें बहुतसी ऐसी अनेक विशेषताएँ हैं जो महाराष्ट्री आदि किसी प्राकृतमें ढूंढ़नेसे भी नहीं मिलतीं। इसलिए उपरोक्त नाम नहीं दिया जा सकता। नाटकोंमें जो अर्धमागधी पाई जाती है उसमें और सूत्रोंकी अर्धमागधीमें समानताकी अपेक्षा अत्यधिक भेद है। भरत मार्कण्डेय और क्रमदीश्वरने अर्धमागधीके भिन्न २ लक्षण बताए हैं, लेकिन वे केवल नाटकीय अर्धमागधीके लिए हैं। हेमचंद्राचार्यने अपने व्याकरणमें अर्धमागधीको 'आर्ष प्राकृत' और अर्वाचीन रूपको महाराष्ट्री माना है। इससे यह सिद्ध होता है कि महाराष्ट्रीसे अर्धमागधी बहुत प्राचीन है। अथवा यों कहिए कि अर्धमागधी ही महाराष्ट्रीकी मूल है।

---

१ सक्कता पागता चेव दुहा भणितीओ आहिया। सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसिभासिता। २ सक्कया पायया चेव भणिईओ होंति दोण्णि वा। सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसिभासिया ॥ ३ देखो हेमचंद्राचार्यका प्राकृतव्याकरण सूत्र १—३। आर्षोत्थमार्षतुल्यं च द्विविधं प्राकृतं विदुः। (काव्यादर्श टीका १–३३ में प्रेमचन्द्र तर्कवागीशद्वारा उद्धृत वाक्य) ॥ ४ वीं सेंचुरीके अंत तक प्राकृत व्याकरणके रचयिता च. १ १९ में हेमाचार्यने सबसे पहले आर्ष प्राकृतका नाम लिखा परंतु वह बिल्कुल नया है कारण कि उसका विवेचन है भाषाका नहीं। ५ देखिए प्राकृत व्याकरण जैनेन्द्र भाग १ १९ वीं सेंचुरीके।

अर्धमागधीकी संगत व्युत्पत्ति—बहुतसे लोग इसकी व्युत्पत्ति 'अर्ध मागध्याः' करते हैं अर्थात् जिसका आधा अंश मागधी भाषा हो वह अर्धमागधी है, क्योंकि नाटकीय अर्धमागधीमें मागधीके लक्षण बहुलतासे पाए जाते हैं इसलिए वह अर्धमागधी है और जैनसूत्रोंमें मागधीके लक्षण बहुत कम मिलते हैं इसलिए वह अर्धमागधी नहीं। परन्तु उनकी यह व्युत्पत्ति भ्रमात्मक एवं असंगत है। इसकी वास्तविक व्युत्पत्ति है 'अर्धमगधस्येयं' अर्थात् मगधदेशके अर्धांशकी जो भाषा हो वह भाषा अर्धमागधी है। इसकी उत्पत्ति पश्चिम मगध अथवा मगध और शूरसेनका मध्यप्रदेश (अयोध्या) होनेपर भी इसमें मागधी और शौरसेनीके इतने लक्षण नहीं दिखते जितने महाराष्ट्रीके। इसका कारण पहले लिखा जा चुका है, दुष्काल और मुनिओंका दक्षिण गमन एवं तद्देशीय भाषाका प्रभाव।

अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भेद—(१) अर्धमागधीमें दो स्वरोंके मध्यवर्ती असंयुक्त 'क' के स्थानमें प्रायः सर्वत्र 'ग' और बहुतसी जगह 'त' और 'य' होता है। जैसे-लोक=लोग, आकाश=आगास आदि। 'त' सामाइक=सामातित इत्यादि। 'य' शोक=सोय, कायिक=काइय आदि।

(२) दो स्वरोंके बीचका असंयुक्त 'ग' प्रायः कायम रहता है, जैसे भगवन्=भगव, आनुगामिक=आणुगामिय वगैरह। 'त' अतिग=अतित, 'य' सागर=सायर आदि।

(३) दो स्वरोंके बीचके असंयुक्त 'च' और 'ज' के स्थानमें 'त' और 'य' दोनों होते हैं। जैसे रुचि=रुति, वचस्=वति, लोच=लोय आदि। 'ज' के स्थानमें 'त' जैसे ओजस्=ओत, राजेश्वर=रातीसर इत्यादि। 'ज' के स्थानमें 'य' आत्मज=अत्तय, कामध्वजा=कामज्झया आदि।

(४) दो स्वरोंका मध्यवर्ती 'त' प्रायः कायम रहता है और कहीं २ 'य' भी होता है, जैसे कि जाति=जाति, 'य' करतल=करयल प्रभृति।

(५) स्वरोंके बीचमें स्थित 'द' का 'द' और 'त' ही अधिकांश देखा जाता है, कहीं २ 'य' भी होता है, जैसे-प्रदिश=पदिसो, भेद=भेद आदि। 'त' यदि=जति, मृषावाद=मुसावात आदि। 'य' चतुष्पद=चउप्पय, पाद=पाय आदि।

(६) दो स्वरोंके मध्यमें स्थित 'प' के स्थानमें प्रायः सर्वत्र 'व' ही होता है जैसे-अभ्युपपन्न=अज्झोववन्न, आधिपत्य=आहेवच्च वगैरह।

(७) स्वरोंका मध्यवर्ती 'य' प्रायः कायम रहता है जैसे-निरय=निरय, इंद्रिय=इंदिय आदि। अनेक स्थानोंमें इसके स्थानपर 'त' भी देखा जाता है, जैसे-पर्याय=परियात इत्यादि।

अर्धमागधी	महाराष्ट्री	अर्धमागधी	महाराष्ट्री
अभियागम	अब्भाअम	नितिय	णिच्च
आउटण	आउंचण	निएय	णिअअ
आहरण	उआहरण	पडुप्पन्न	पचुप्पन्न
उप्पि	उवरिं–अवरिं	पच्छेकम्म	पच्छाकम्म
किया	किरिआ	पाय (पात्र)	पत्त
कीस-केस	केरिम	पुढो (पृथक्)	पुढ-पिह
केवच्चिर	किअच्चिर	पुरेकम्म	पुराकम्म
गेहि	गिद्धि	पुव्विं	पुव्व
चियत्त	चइअ	माय (मात्र)	मत्त–मेत्त
छच्च	छक्क	माहण	बम्हण
जाया	जत्ता	मिलक्खु-मेच्छ	मिलिच्छ
णिगण-णिगिण(नग्न)	णग्ग	वग्गू	वाआ
णिगिणिण (नाग्न्य)	णग्गत्तण	वाहणा (उपानह्)	उवाणआ
तच्च (तृतीय)	तइअ	सहेज्ज	सहाअ
तच्च (तथ्य)	तच्छ	सीआण-सुसाण	मसाण
तेगिच्छा	चिइच्छा	सुमिण	सिमिण
दुवालसग	वारसंग	सुहम-सुहुम	सण्ह
दोच्च	दुइअ	सोहि	सुद्धि

और दुवालस, तेरस, अउणवीसइ, चत्तीस, पणतीस, इगयाल, तेयालीस, पणयाल, अढयाल, एगट्ठि, वावट्ठि, तेवट्ठि, छावट्ठि, अडसट्ठि, अउणत्तरि, वावत्तरि, पण्णत्तरि, सत्तहत्तरि, तेयासी, छलसीइ, वाणउइ **प्रभृति संख्या शब्दोंके रूप जैसे अर्धमागधीमें पाए जाते हैं वैसे महाराष्ट्रीमें नहीं।**

नामविभक्ति–(१) अर्धमागधीमें पुलिंग अकारात शब्दके प्रथमाके एकवचनमें प्राय सर्वत्र 'ए' और क्वचित् 'ओ' होता है जब कि महाराष्ट्रीमें केवल 'ओ' ही होता है।

(२) सप्तमीका एक वचन 'स्सिं' होता है किन्तु महाराष्ट्रीमें 'म्मि'।

(३) चतुर्थीके एकवचनमें 'आए' या 'आते' होता है, जैसे-अट्ठाए, गमणाए, देवाए, सवणयाए, अहिताते इत्यादि। महाराष्ट्रीमें ऐसा नहीं।

(४) अनेक शब्दोंके तृतीयाके एकवचनमें 'सा' होता है, जैसे–मणसा,

वयसा, कायसा जोयसा वक्कसा चक्खुसा। महाराष्ट्रीमें अनुक्रमसे इनके स्थानमें मणेण वएण काएण जोगेण वक्केण चक्खुणा होते हैं।

(५) 'कम्म' और 'धम्म' शब्दके तृतीयाके एकवचनमें 'कम्मुणा' और 'धम्मुणा' होता है, जिसका अनुकरण पाली भाषा भी करती है, जबकि महाराष्ट्रीमें 'कम्मेण' और 'धम्मेण' होता है।

(६) अर्धमागधीमें 'तत्' शब्दके पंचमीके बहुवचनमें 'तेब्भो' रूप भी देखा जाता है, जब कि महाराष्ट्रीमें इसका अदर्शन लोप है।

(७) 'युष्मत्' शब्दका षष्ठीका एकवचन 'तव' और 'अस्मत्' का षष्ठीका बहुवचन 'अस्माकम्' जिसका अनुकरण संस्कृतभाषा भी करती है, अर्धमागधीमें है महाराष्ट्रीमें नहीं।

आख्यात-विभक्ति—अर्धमागधीमें भूतकालके बहुवचनमें 'इंसु' प्रत्ययका प्रयोग होता है, जैसे 'आमासिंसु' 'गच्छिंसु' 'पुच्छिंसु' आदि। महाराष्ट्रीमें यह प्रयोग लुप्त है।

धातुरूप—अर्धमागधीमें अब्भवी-अब्बवी आहक्खु-आहंसु आइक्खइ-कुव्वइ-वेमिस्स तिउट्टी-तिउट्टिया-तिपायए दुरूहइ-पविकंपयाति-पहारत्था भूया-बुधि-भिगि घए-समुच्छिहिंति-धारमणे हुत्था होक्खइ होत्था-प्रभृति प्रभूत प्रयोगोंमें धातुकी प्रकृति प्रत्यय अथवा दोनों जिस आकारमें पाए जाते हैं महाराष्ट्रीमें वे अन्य २ प्रकारके देखे जाते हैं।

धातुप्रत्यय—अर्धमागधीमें 'त्वा' प्रत्यय के रूप अनेक तरहके होते हैं।

(१) (अ) टु; जैसे-कट्टु, कड्डु, साहट्टु आदि।

(आ) इत्ता एत्ता इत्ताणं और एत्ताणं यथा-चइत्ता पासित्ता विउट्टित्ता करेत्ता पासित्ताणं करेत्ताणं इत्यादि।

(इ) इत्तु; जैसे-जाणित्तु, दुरूहित्तु, वधित्तु वगैरह।

(ई) चा; यथा किच्चा णेच्चा नच्चा भोच्चा सोच्चा प्रभृति।

(उ) इया; जैसे-दुरूहिया परियाणिया आदि।

इसके अतिरिक्त अणुवीति निक्खम्म विउक्कम्म लद्धुं, लद्धूण समिय संखाए, दिस्सा आदि प्रयोगोंमें 'त्वा' के रूप भिन्न २ प्रकारके पाए जाते हैं।

(२) 'तुम्' प्रत्ययके स्थानमें 'इत्तए' वा 'इत्तते' प्राय देखा जाता है। जैसे-करित्तए गच्छित्तए, विहरित्तए, संभुंजित्तए, उवसामित्तते आदि।

(३) अकारान्त धातुके 'त' प्रत्ययके स्थानमें 'ड' होता है, जैसे-कड मड अभिहड आहड संवुड विवड विगड प्रभृति।

तद्धित

(१) अर्धमागधीमें 'तर' प्रत्ययका 'तराय' रूप होता है, जैसे-अणिट्ठतराए, अप्पतराए, बहुतराए, कततराए इत्यादि ।

(२) आउसो, आउसतो, गोमी, वुसिम, भगवतो, पुरत्थिम, पचत्थिम, ओयसि, दोसिणो, पोरेवच्च आदि प्रयोगोंमें 'मतुप्' और अन्य तद्धित प्रत्ययोंके जैसे रूप जैन अर्धमागधीमें देखे जाते हैं महाराष्ट्रीमें वे भिन्न प्रकारके होते हैं ।

महाराष्ट्री और अर्धमागधीमें इनके अतिरिक्त बहुतसे सूक्ष्म भेद हैं जिनका उल्लेख लेखका देहसूत्र बढनेके भयसे नहीं किया ।

आगमोद्धार

जैसाकि हम ऊपर आगमोंके इतिहास प्रकरणमें लिख चुके हैं स्थानकवासी समाजमें उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली गई, अत ज्ञानमें वृद्धि होनी ही थी । सबसे पहले श्रीधर्मसी स्वामीने मूलसूत्रोंपर 'टब्बे' लिखे, जो कि साधारण अभ्यासीके लिए अत्यत उपयोगी हैं । क्या ही अच्छा होता यदि उन्हें प्रकाशित किया जाता । इसके बाद पूज्य श्रीअमोलक ऋषिजी म० ने बत्तीसों सूत्रोंका अनुवाद किया । जिसका प्रकाशन हजारों रुपया व्यय करके श्रीमान राजा बहादुर सेठ दानवीर सुखदेवसहाय ज्वालाप्रसाद जौहरीने किया, इसके लिए वे अधिकाधिक धन्यवादके पात्र हैं । लेकिन पाठोंकी अशुद्धि, कागजकी खराबी और मिश्रित हिन्दी होनेके कारण समाजको इतना लाभ न मिल सका जितना मिलना चाहिए था । इसके अनन्तर जैनाचार्य पूज्य श्रीआत्मारामजी महाराज और पूज्य श्री-हस्तीमलजी म० ने भी कई सूत्रोंके अनुवाद किए और घासीलालमुनि भी कर रहे हैं ।

इसके अतिरिक्त रायबहादुर धनपतसिंह (मकसूदाबादवाले) और आगमोदय-समिति आदिने भी आगमोंका प्रकाशन किया है पर वे भी अशुद्धियोंसे खाली नहीं । कई प्राध्यापकों ने भी इंग्लिश अनुवाद सहित कुछ सूत्र प्रकाशित किए, परतु अतिसक्षिप्त और महाराष्ट्री प्रधान होनेके कारण स्वाध्यायी के लिए अधिक उपयोगी नहीं ।

सूत्रागमप्रकाशकसमिति

वैदिक प्रेस अजमेरकी छपी हुई चारों मूल वेदोंकी पुस्तक एक किसानने गुरु महाराजकी सेवामें पेश की और पूछा कि आपके आगम भी एक जिल्दमें मिल

श्राविका, सोमिल ब्राह्मण आदिके चरित्र भी है। **ज्ञाताधर्मकथांगमें** प्रथम-श्रुतस्कधमें १९ कथाए उपनय सहित है। जो कि रोचक होनेके साथ २ बोधप्रद भी है, मेघकुमारकी यावत् कडरीक-पुडरीककी। दूसरे श्रुतस्कधमें शिथिलाचार द्वारा होनेवाले दोषोंका दिग्दर्शन करानेवाली कथाएँ है। **उपासकदशांगमें** ज्ञातपुत्र महावीर भगवान् के १० मुख्य श्रावकोंका वर्णन है। उनमें भी आनंद और कामदेव का मुख्य स्थान है। **अतकृद्दशागमें** उन ९० महापुरुषोंका चरित्र है जिन्होंने कर्मोंका निकदन करके मोक्ष प्राप्त किया है। इसमें गजसुकुमाल, पद्मावती राणी, अर्जुन माली, अयवन्ताकुमारकी कथाएँ विशेप उल्लेखनीय हैं। **अनुत्तरोपपातिकसूत्रमें** अनुत्तरविमानमें उत्पन्न होनेवाले महापुरुषोंका वर्णन है। जिसमें महातपोधन धन्ना अणगार का वर्णन मुख्य है। **प्रश्न-व्याकरणमे** आस्रवद्वारमें हिंसा असत्य-स्तेय-अब्रह्म और परिग्रह इन पांचोंका स्वरुप समझाया है। इनके कर्ताओं और इनके फलका वर्णन भी है। सवरद्वारमें अहिंसा-सत्य-अचौर्य-ब्रह्मचर्य-अपरिग्रह, उनका फल और साथ ही उनकी भावनाएँ वर्णित है। **विपाकसूत्र**के प्रथम श्रुतस्कधमें १० जीवोंका वर्णन है। जिन्होंने असीम पाप करके महान् कष्ट उठाए, मृगापुत्रका यावत् अजूका। दूसरे श्रुतस्कधमें उन १० जीवोंका वणन है जिन्होंने सुपात्र दान देकर सुख प्राप्त किया। सुवाहुकुमारका यावत् वरदत्तकुमारका।

इन ११ अगोंमें धर्मकथानुयोग (प्रथमानुयोग) गणितानुयोग, द्रव्यानुयोग और चरणकरणानुयोगके प्राय सभी विपय वर्णित है। इनका अध्ययन-चिन्तन-मनन करके अनेक भव्य आत्माओंने उत्तरोत्तर ससारका अन्त करके मुक्तिको पाया है। इनकी अधिक महत्ता वताना सूर्यको दीपक दिखानेके समान है। ये सुभाषितोंके महाभडार है।

प्रस्तुत प्रकाशनकी विशेपता-(१) पाठशुद्धिका पूरा २ खयाल रक्खा गया है।

(२) इसके संपादनमें शुद्ध प्रतियोंका उपयोग किया है।

(३) सक्षिप्त अर्धमागधी व्याकरण भी दिया गया है ताकि समझनेमें सरलता हो सके।

(४) पाठान्तर नवीन पद्धतिसे दिए है।

कार्यविवरण-इसका आरभ पूना चातुर्मासमे हुआ। वहाँ केवल आचा-

रोग का प्रथम पुस्तक ही भव्य रूपमें प्रकट हो गया था कि बहुतसी साधु-साध्वियोंके करकमलोंमें पहुंचाया गया। इसके अनन्तर गुरुदेव जोधपुरसे अहमदनगर आदि क्षेत्रोंमें विचरते हुए नासिक पधारे। यहां तक केवल स्थानांगसूत्र तक छप सका। तदनन्तर घाटकोपर चातुर्मासमें समवायांग और भगवतीसूत्र तैयार हुए। पूर्वोक्त सूत्र भी कई साधु-साध्वियोंके पास पहुंचाए गए। मुद्रणपाठका निर्णय करनेमें बड़ी ही अत्यन्त परिश्रम उठाना पड़ा है। इसके बाद सादड़ी सम्मेलनमें जाना पड़ा। अतः लगभग पांच मास तक काम बंद रहा। दौंडायचा चातुर्मासमें फिर कार्य आरंभ हुआ। यहां से लगभग १ सूत्र साधु-साध्वियोंके हाथोंमें पहुंचाए गए। वर्ष २ काम चलता रहा और सिरपुर में ११ अंगोंके छपनेकी पूर्णाहुति हुई।

स्पष्टीकरण-(१) जिनमें ११ अंगोंमें वर्णन है उन्होंने भी ११ अंगोंका अध्ययन किया इसका कारण यह कि इनके प्रणेता श्रीसुधर्मा स्वामी हैं। भगवान् महावीरके पश्चात् वे ही पाटपर आए, और शासनकी बागडोर थामली। जैसे अनुत्तरोपपातिकसूत्रमें धन्ना अनगारका वर्णन है। कई प्रतियोंके आरंभमें पाठ मिलता है 'सेणिओ राया' श्रेणिक तो पहले ही मर चुके थे। अतः यह पाठ अशुद्ध है ऐसा जानना चाहिए।

(२) शब्दकोष मागधपद सानुवाद तैयार किया जा रहा है, अतः शब्दकोष नहीं दिया गया।

(३) अन्य उपयुक्त विषय जो कि ग्रंथके बेहद बढ़ जानेके कारण नहीं दिए जा सके वे अन्य पुस्तकमें दिए जायेंगे।

पुप्फभिक्खू

शांतिभवन
अंबरनाथ O. R.

ता ७-२-१९५१

संक्षिप्त-अर्धमागधी-व्याकरण

स्वरोंका प्रयोग

(१) अर्धमागधीमें 'ऋ' 'ऌ' 'ऐ' 'औ' का प्रयोग नहीं होता।

(२) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके दीर्घ स्वरके स्थानमें ह्रस्वका प्रयोग होता है, जैसे–आम्र=अंब इत्यादि।

(३) 'ऋ' के स्थानमें 'अ' और कहीं २ 'इ' 'उ' और 'रि' भी होता है। जैसे-घृत=घय, कृपा=किवा, स्पृष्ट=पुट्ठ, ऋद्धि=रिद्धि।

(४) 'ऌ' के स्थानमें 'इलि' होता है, जैसे–कॢप्त=किलित्त।

(५) संयुक्त व्यंजनसे पूर्वके 'इ' और 'उ' के स्थानमें 'ए' और 'ओ' का प्रयोग प्राय होता है, जैसे–बिल्व=बेल्ल, पुष्करिणी=पोक्खरिणी।

(६) 'ऐ' और 'औ' के स्थानमें 'ए' 'अइ' और 'ओ' 'अउ' होता है, जैसे–वैद्य=वेज्ज, वैशाख=वइसाह, यौवन=जोव्वण, पौर=पउर, विशेष–सौन्दर्यम्=सुंदेर, दौवारिक=दुवारिओ, गौरवम्=गारव–गउरव, नौ=नावा इत्यादि।

व्यंजनोंका प्रयोग–(१) 'म्ह' 'ण्ह' और 'ल्ह' के अतिरिक्त विजातीय संयुक्त व्यंजन प्रयुक्त नहीं होते, जैसे–पक्व=पक्क।

(२) स्वर रहित केवल व्यंजनका प्रयोग नहीं होता जैसे–राजन=राय, तमस्=तम।

संयुक्त व्यंजनोंमें परिवर्तन–(१) क्त-क्य-क्र-क्ल-क्व-त्क-र्क-ल्क-के स्थानमें 'क्क' होता है। जैसे–मुक्त=मुक्क, शाक्य=सक्क, शक्र=सक्क, विक्लव=विक्कव, पक्व=पक्क, उत्कंठा=उक्कंठा, अर्क=अक्क, वल्कल=वक्कल।

(२) ख-क्ष-ख्य-क्ष्य-त्क्ष-त्ख-ष्क-स्क-स्ख-के स्थानमें 'क्ख' होता है। जैसे–दुःख=दुक्ख, मक्षिका=मक्खिया, मुख्य=मुक्ख, भक्ष्य=भक्ख, उत्क्षिप्त=उक्खित्त, उत्खात=उक्खाय, पुष्कर=पोक्खर, प्रस्कंदन=पक्खंदण, प्रस्खलित=पक्खलिय।

(३) ग्न-ग्म-ग्य-ग्र-ङ्ग-द्ग-र्ग-ल्ग-के स्थानमें 'ग्ग' होता है। जैसे–संविग्न=संविग्ग, युग्म=जुग्ग, आरोग्य=आरोग्ग, समग्र=समग्ग, खड्ग=खग्ग, मुद्ग=मुग्ग, मार्ग=मग्ग, वल्गा=वग्गा।

(४) घ्न-घ्र-द्घ-र्घ-के स्थानमें 'ग्घ' होता है। जैसे–कृतघ्न=कयग्घ, शीघ्र=सिग्घ, उद्घाटन=उग्घाडण, दीर्घ=दिग्घ।

(५) च्य-त्य-त्व-थ्य-र्च-के स्थानमें 'च्च' होता है। जैसे–वाच्य=वच्च, अपत्य=अवच्च, कृत्वा=किच्चा, तथ्य=तच्च, वर्च=वच्च।

टित=पप्फोडिय । द्व-र्व-ब्र-के स्थानमें 'व्व' होता है, जैसे-उद्बोधित=उव्वोहिय, निर्वल=निव्वल, अब्रह्म-अव्वभ । ग्भ-द्भ-भ्य-भ्र-र्भ व्ह-इनके स्थानमें 'ब्भ' होता है, ईषत्प्राग्भार=ईसिपब्भार, सद्भूत=सब्भूय, अभ्याम=अब्भास, शुभ्र=सुब्भ, अर्भक=अब्भग, विव्हल=विब्भल ।

(१६) ग्म-न्म-म्य-र्म-ल्म-द्म-र्म्य-के स्थानमे 'म्म' होता है, जैसे-युग्म=जुम्म, मन्मथ=वम्मह, साम्य=सम्म, धर्म=धम्म, गुल्म=गुम्म, पद्म=पोम्म, हर्म्य=हम्म । क्ष्म-श्म-ष्म-स्म-ह्म-के स्थानमें 'म्ह' होता है, जैसे-पक्ष्मन्=पम्ह, कुश्मान=कुम्हाण, ग्रीष्म=गिम्ह, विस्मय=विम्हय, ब्रह्मा=वम्हा, विशेष-ब्राह्मण=वम्हण, वमण ।

(१७) र्य र्ल-ल्य ल्व-के स्थानमें 'ल्ल' होता है, जैसे-पर्यस्त=पल्लत्थ, निर्लज्ज= निल्लज्ज, कल्याण=कल्लाण, पल्वल=पल्लल, 'ह्ल' को 'ल्ह' आह्लाद=आल्हाय । द्व-र्व-व्य-त्र-के स्थानमें 'व्व' होता है, जैसे-उद्वेग=उव्वेग, उर्वी=उव्वी, काव्य=कव्व, प्रव्रज्या=पव्वज्जा ।

(१८) र्ष श्म श्य श्र-श्व-ष्य-स्य-स्र-स्व के स्थानमें 'स्स' होता है, जैसे-वर्ष= वस्स, रश्मि=रस्सि, लेश्या=लेस्सा, विश्राम=विस्साम, ईश्वर=इस्सर, दूष्य=दुस्स, तस्य=तस्स, सहस्र=सहस्स, ओजस्विन्=ओयस्सि ।

असंयुक्त व्यंजनोंमें परिवर्तन

(१) क ग-च-ज-त-द-प-य व=लुक् और ण न-के लिए देखो अर्धमागधी और महाराष्ट्रीमें भेद (१) से (१०) तक ।

(२) ख घ-थ ध-भ-के स्थानमें 'ह' होता है, जैसे-सुख=सुह, मेघ=मेह, रथ= रह, बधिर=वहिर, सफल=सहल, सभा=सहा ।

(३) ट-ठ-ड-के स्थानमें ड-ढ ल होते हैं जैसे-भट=भड, शठ=सढ, गुड=गुल ।

(४) आदि के 'य' को 'ज' होता है और उपसर्ग के पीछे 'य' आनेपर कहीं २ 'ज' होता है, जैसे-यम=जम, सयोग=सजोग ।

(५) कहीं २ 'र' को 'ल' होता है, जैसे-दरिद्र=दलिद्द ।

(६) 'श' और 'ष' के स्थानमें 'स' होता है जैसे-विशेष=विसेस ।

(७) अनुस्वारके पीछे 'ह' आवे तो उसे 'घ' विकल्पसे होता है, जैसे-सहार = सघारो, सहारो ।

शेष-(१) आदि के क्ष-स्क-त्य-द्य-ध्य-ध्व-स्त-स्थ स्प और 'ज्ञ' के स्थानमें ख छ-झ, ख, च, ज, झ, झ, थ, ठ य, फ और ण-न होते हैं, जैसे-क्षय =खओ, क्षीर= छीर, क्षर=झर, स्कन्ध=खध, त्याग =चाओ, द्युति=जुइ, ध्यान=झाण, ध्वज=झओ, स्तुति=थुइ,

(१२) 'उत्साह' और 'उत्सन्न' को छोड़कर जिन शब्दोंमे 'त्स' और 'च्छ' हो तो उनके पूर्वके 'उ' को 'ऊ' होता है, जैसे–उत्सुक=ऊसुओ, उच्छ्वास=ऊसास।

(१३) 'दृश' के 'दृ' को 'रि' होता है एव ऋण-ऋजु-ऋषभ-ऋतु-ऋषि इनमें 'ऋ' को 'रि' विकल्पसे होता है,जैसे–सदृश=सरिस, सदृक्ष=सरिच्छ, ऋण=रिण-अण, ऋजु=रिजु–उज्जु, ऋषभ=रिसह–उसह, ऋतु=रिउ–उउ, ऋषि=रिसि–इसि ।

(१४) सख्यावाचक शब्दोंमें असयुक्त 'द' को 'र' होता है और दश–पाषाण शब्दमें श–षको 'ह' विकल्पसे होता है, जैसे–एकादश=एआरह–एगारस, दश=दह–दस, पाषाण=पाहाण–पासाण ।

(१५) शब्दके अन्त्य व्यजनका लोप होता है। सामासिक शब्दोंमें प्रयोगके अनुसार (नित्य अथवा विकल्पसे) लोप होता है, जैसे–तावत्=ताव, सज्जन=सज्जण–सजण ।

(१६) स्त्रीलिंगी शब्दोंके अन्त्य व्यजनके स्थानमें 'आ' अथवा 'या' होता है जैसे–सरित=सरिआ–सरिया, **अपवाद**—विद्युत्=विज्जु, क्षुध्=छुहा, दिक्=दिसा, अप्सरस्=अच्छरसा–अच्छरा, प्रावृष्=पाउस्, ककुभ्=कउहा । व्यजनान्त स्त्रीलिंगमें अन्त्य 'र्' को 'रा' होता है, जैसे–धुर्=धुरा । शरद् आदि शब्दोंमे अन्त्य व्यजनको 'अ' होता है जैसे–शरद्=सरओ, भिषक्=भिसओ **विशेष**—आयुष्=आउसो–आउ, धनुष्=धणुह–धणू ।

(१७) दीर्घ स्वर और अनुस्वारके पीछे शेष व्यजन और आदेशभूत व्यजनको द्वित्व नहीं होता, एव र ह–को भी द्वित्व नहीं होता, जैसे—स्पर्श=फास; सन्ध्या=सझा, ब्रह्मचर्य=बमचेर, कार्षापण=काहावण । समासमें द्वित्व विकल्प से होता है, जैसे–देवस्तुति=देवत्थुइ–देवथुइ ।

(१८) संयुक्त व्यजनके अन्तमें म-न-य ल-व ब-र हो तो उसका और सयुक्त व्यजनका पहला व्यजन ल-ब-व-र हो तो लोप होता है। जहा दोनोंका लोप होता हो वहा प्रयोगानुसार दो में से एक का लोप होता है, जैसे–स्मर=सर, श्याम=साम, श्लक्ष्ण=सण्ह-लण्ह आदि ।

संधि

स्वरसंधि

(१) अर्धमागधीमें यदि एक ही पदमें दो स्वर साथमें आवें तो संधि नहीं होती जैसे–कुअर, करेइत्ता विणाओ। अपवाद रूपसे कहीं २ एक पदमें भी संधि होती है, जैसे–रोइइ=रोई बिइओ=बीओ। भिन्न २ दो पदोंके स्वरोंकी संधि संस्कृतके समान विकल्पसे होती है और ये दोनों पद सामासिक होने चाहिएँ, जैसे–मगह+अहिवो=मगहाहिवो; हर+ईसो=हरेसो इत्यादि। कहीं २ असामासिक दो पदोंमें भी संधि होती है, जैसे–तत्थ+आगओ=तत्थागओ।

(२) समासमें ह्रस्व स्वरको दीर्घ और दीर्घको ह्रस्व प्रयोगानुसार होता है, जैसे–सत्त+वीसा=सत्तावीसा; नई+मूलं=नइमूलं।

(३) इ–ई अथवा उ–ऊ के पीछे विजातीय स्वर आवे तो संधि नहीं होती इसी प्रकार ए और ओ के बाद कोई भी स्वर हो तो संधि नहीं होती जैसे–वंदामि अज्जवइरं=वंदामि अज्जवइरं; नई एत्थ= भाऊ एत्थ=„ वणे अडइ=„ अहो अच्छरियं„।

(४) स्वर परे हो तो पदके स्वरका प्रयोगानुसार प्रायः लोप होता है, जैसे–नीसास+ऊसासा=नीसासूसासा।

(५) 'अम्ह' आदि सर्वनाम तथा अव्ययके पीछे आए हुए 'अम्ह' आदि सर्वनाम अथवा अव्ययके प्रथम स्वरका प्रायः लोप होता है, जैसे–अम्हे+एत्थ=अम्हेत्थ; जो+इमो=जोम्मो; जइ+अहं=जइहं।

(६) 'इ' आदि पुरुषबोधक प्रत्ययके पीछे स्वर आवे तो संधि नहीं होती जैसे–होइ+इह=होइ इह।

(७) व्यंजन सहित स्वरमें से व्यंजनका लोप होने पर शेष स्वरकी पूर्वके स्वरके साथ संधि नहीं होती जैसे–पयावई=पयावई। कहीं २ संधि भी देखी जाती है जैसे–कुम्भआरो=कुंभारो।

व्यंजनसंधि

(१) अकारसे परे विसर्ग होनेपर पूर्वके स्वर सहित ओ होता है, जैसे–अग्रतः=अग्गओ; इसी प्रकार तस् प्रत्ययके स्थानमें त्तो ओ विकल्प जैसे–ततः=तत्तो तओ इत्यादि।

(२) पदान्त 'म्' के पूर्वके अक्षरके ऊपर अनुस्वार होता

पीछे स्वर हो तो अनुस्वार विकल्पसे होता है, जब अनुस्वार न हो तो 'म्' में पिछला स्वर मिल जाता है। जैसे-जिनम्=जिणं, उसभम् अजियं=उसम अजिय, उसभमजिय, कहीं २ अन्त्य व्यंजनको भी अनुस्वार हो जाता है, जैसे-साक्षात=सक्खं, यत्=ज, तत्=त, सम्यक्=सम्म।

(३) शब्दवर्ती 'ङ्-ञ्-ण्-न्' को अनुस्वार होता है, जैसे-पराङ्मुख=परंमुह, काञ्चनम्=कंचण, उत्कण्ठा=उक्कंठा, वन्ध्या=वंझा।

(४) अनुस्वारको सवर्गी व्यंजन परे हो तो अनुनासिक विकल्पसे होता है, जैसे-गङ्गा, गंगा, लञ्छण, लंछण, कण्टए, कंटए, आणन्दे, आणंदे, चम्पा-चंपा।

(५) वक्रादि शब्दोंमें पहले दूसरे या तीसरे स्वर पर प्रयोगानुसार अनुस्वार होता है, जैसे-वक्रम्=वंक, मनस्वी=मणंसी, उपरि=उवरिं।

(६) जहां स्वरादि पदोंकी द्विरुक्ति हो वहां विकल्पसे 'म्' का आगम होता है, जैसे-एक+एक=एक्कमेक्क, एक्केक्क।

(७) कई शब्दोंमें प्रयोगानुसार अनुस्वार का लोप होता है, जैसे-त्रिंशत्=तीसा, सिंह=सीह।

अव्ययसंधि

(१) अपि (अवि) अव्यय किसी भी पदके परे हो तो उसके आदिके 'अ' का लोप विकल्पसे होता है, जैसे-त+अपि=तपि-तमवि, केण+अवि=केणवि, केणावि।

(२) पदान्तमें स्वरसे परे 'इति' के स्थानमें 'त्ति' होता है, यदि पदान्तमें स्वर न हो तो 'ति' होता है, जैसे-तहा+इति=तहत्ति, जुत्त+इति=जुत्तति।

कारक

(१) अर्धमागधीमें द्विवचन नहीं होता बल्के उसके स्थानमें बहुवचन का ही प्रयोग होता है, जैसे-हस्तौ=हत्था।

(२) चतुर्थी विभक्ति के स्थानमें षष्ठीका प्रयोग होता है, जैसे-नमोऽर्हद्भ्य=णमो अरिहंताण।

(३) एक विभक्तिके स्थानमें अन्य विभक्तिका प्रयोग भी देखा जाता है, जैसे-तृतीयाके स्थानमें छट्ठी-तैरेतदनाचीर्णं=तेसिं एयमणाइण्ण, सप्तमीके स्थानमें छट्ठी-दानेषु श्रेष्ठ=दाणाण सेट्ठ, सप्तमीके स्थानमें तृतीया-तस्मिन् काले तस्मिन् समये=तेण कालेण तेण समएण इत्यादि।

इकारान्त पुल्लिंग

मुणि

प०—मुणी	मुणओ-उ, मुणिणो, मुणी
वि०—मुणिं	मुणिणो, मुणी
त०—मुणिणा	मुणीहि हिं-हिं
च०—मुणिणो, मुणिस्स	मुणीण, मुणीणं
पं०—मुणित्तो, मुणीओ-उ-हिंतो, मुणिणो	मुणित्तो, मुणीओ उ-हिंतो सुंतो
छ०—मुणिणो, मुणिस्स	मुणीण, मुणीण
स०—मुणिंसि, मुणिम्मि	मुणीसु, मुणीसुं
सं०—मुणी, मुणि	(प्रथमाके अनुसार)

उकारान्त पुल्लिंग

साहु

प०—साहू	साहवो, साहवे, साहओ उ, साहू, साहुणो
वि०—साहुं	साहुणो, साहू, साहवे

इससे आगेके रूप इकारान्त 'मुणि' शब्दके समान जानने चाहिएँ।

इकारान्त नपुंसक लिंग

दहि

प०—दहिं	दहीणि, दहीइ-इँ
वि०—,,	,, ,, ,,

तृतीयासे सप्तमी तकके रूप 'मुणि' के समान समझें।

सं०—दहि	(प्रथमाके अनुसार)

उकारान्त नपुंसक-लिंग

महु

प०—महु	महूणि-इ-इँ
वि०—,,	,, ,, ,,

तृतीयासे सप्तमी तक 'साहु' शब्दके समान जानें।

सं०—महु	(प्रथमाके अनुसार)

अप्पा-अप्पाण

प०-अप्पा, अप्पो, अप्पाणो	अप्पा, अप्पाणा, अप्पाणो
बि०-अप्प, अप्पाण, अप्पिण	अप्पे, अप्पा, अप्पाणे, अप्पाणा-णो
त०-अप्पेण-ण, अप्पाणेण ण, अप्पणा	अप्पेहि-हिं-हिँ, अप्पाणेहि-हि-हिँ
च०-अप्पस्स, अप्पाणस्स, अप्पणो	अप्पाण-ण, अप्पाणाण-णं, अप्पिण
पं०-अप्पत्तो, अप्पाओ उ-हि-हिंतो, अप्पा, अप्पाणो, अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ-उ हि-हिंतो, अप्पाणा	अप्पत्तो, अप्पाओ-उ-हि-हिंतो-सुंतो, अप्पेहि-हिंतो सुतो, अप्पाणत्तो, अप्पाणाओ-उ-हि-हिंतो सुतो, अप्पाणेहि-हिंतो-सुतो
छ०-अप्पस्स, अप्पाणस्स, अप्पणो	अप्पाण-ण, अप्पाणाण-णं, अप्पिण
स०-अप्पे, अप्पम्मि, अप्पाणे, अप्पाणम्मि	अप्पेसु सु, अप्पाणेसु-सु
सं०-हे अप्प, अप्पो, अप्पा, अप्पाण, अप्पाणो, हे अप्पाणा	अप्पा, अप्पाणा, अप्पाणो

इस प्रकार 'अन्' अत सव नामोंके रूप जानना।

विशेषः—'राय=रायाण' शब्दके रूपोंमें जो विशेपता है यह इस प्रकार है (१) णो, णा, म्मि ये तीन प्रत्यय लगाते समय पूर्वके 'य' को विकल्पसे 'इ' होता है, जैसे—राइणो, रायणो, राइणा, रायणा, राइम्मि, रायम्मि।

(२) द्वितीयाके एकवचन और छट्ठीके वहुवचनमें प्रत्यय सहित 'राय' शब्दके 'य' को 'इण' आदेश विकल्पसे होता है। जैसे—द्वि ए राइण अथवा राय, छ व राइणं अथवा रायाण।

(३.) तृतीया पचमी और छट्ठीके एकवचनमें णा, णो प्रत्ययके पहले 'राय' शब्दके 'आय' को 'अण' विकल्पसे होता है

तृ ए	रण्णा	अथवा	राइणा,	रायणा
प ए	रण्णो	अथवा	राइणो,	रायाणो
छ ए	रण्णो	अथवा	राइणो,	रायणो

(४) तृतीया, चतुर्थी, पचमी, षष्टी और सप्तमीके वहुवचनमें प्रत्ययोंसे पहले 'राय' शब्दके 'य' को विकल्पसे 'ई' होता है

तृ व	राईहि	अथवा	राएहि	
च छ व	राईण	अथवा	राइण,	रायाणं
पं व	राईओ, राईसुतो	अथवा	रायाओ,	रायासुंतो
स व	राईसुं	अथवा	राएसुं	

सव्व

प०–	सव्वे
च०छ०–	सव्वेसिं
पं०–सव्वम्हा	
स०–सव्वत्थ, सव्वस्सि, सव्वहिं, सव्वम्मि	

(नोट) 'एय' और 'इम' को 'हिं' प्रत्यय नहीं लगता।

आकारान्त स्त्रीलिंग सर्वनाम के रूप 'कहा' की तरह होते हैं। विशेष छट्ठीके बहुवचनमें 'सिं' प्रत्यय होता है।

अकारान्त नपुसकलिंगके रूप 'जल' के समान जानें।

तुम्ह-अम्ह के उपयोगी रूप

तुम्ह

पं०–तं, तुं, तुम	
बी०–त, तु, तुम	तुम्हे, तुब्भे, तुज्झे, भे
त०–तए, तुमए, तुमे	,, ,, ,, ,, वो
च० छ०–ते, तुह, तुज्झ	तुब्भेहिं, तुम्हेहिं, भे
पं०–तुमत्तो, तुमाओ	तुब्भाण, तुम्हाण, भे, वो
स०–तुमए, तए, तइ	तुम्हत्तो, तुम्हाओ, तुब्भत्तो, तुब्भाओ
	तुब्भेसु, तुम्हेसु-सु

अम्ह

प०–ह, अह, अहय	
बी०–मं, मम	अम्हे, मो, वय
त०–मइ, मए	अम्हे, णे
च० छ०–मे, मम, मज्झ, मह, मज्झ	अम्हेहिं, णे
पं०–ममत्तो, ममाओ	अम्ह, अम्हाण, णे, णो
स०–मइ, मज्झे, ममंसि, मम्हि	अम्हत्तो, अम्हाओ
	अम्हेसु

संख्यावाचक शब्द

एग-एक्क-इक्क शब्दके रूप तीनों लिंगोंमें प्रयुक्त होते हैं, उनके रूप 'सव्व'के समान जानना।

'दो' से 'अट्ठारह' तकके रूप बहुवचनमें प्रयुक्त होते हैं और तीनों लिंगोंमें समान रहते हैं। 'अट्ठारह' तकके संख्यावाचक शब्दोंके षष्ठीके बहुवचनमें 'ण्ह' और 'ण्हं' प्रत्यय लगता है।

दु-दो-बे

प० बी०—दुवे दोण्णि दुण्णि वेण्णि विण्णि दो वे
त०—दोहि-हिं-हिँ, बेहि-हिं-हिँ
च० छ०—दोण्ह, दोण्हं, दुण्ह, दुण्हं, बेण्ह, बेण्हं, बिण्ह, बिण्हं
पं०—दुत्तो दोओ-उ-हिंतो-सुंतो बित्तो बेओ-उ-हिंतो सुंतो
स०—दोसु-सुं, बेसु-सुं

ति

प० बी०—तिण्णि
च० छ०—तिण्ह, तिण्हं
शेष रूप 'मुणि' शब्दके बहुवचनानुसार जानें।

चउ

प० बी०—चत्तारो चउरो चत्तारि
त०—चउहि-हिं-हिँ, चऊहि-हिं-हिँ
च० छ०—चउण्ह, चउण्हं
शेष 'साहु' के बहुवचनानुसार जानें।

पंच

प० बी०—पंच
त०—पंचहि-हिं हिँ
च० छ०—पंचण्ह, पंचण्हं
शेष 'वद्धमाण' के बहुवचनानुसार।

क्रियापद

जैसे संस्कृतमें दस गण और उनमें परस्मैपदी आत्मनेपदी उभयपदी धातु और उनके भिन्न २ प्रत्यय होते हैं, वैसे अर्धमागधीमें नहीं। अर्धमागधीमें वर्तमानकाल, भूतकाल (ह्यस्तन परोक्ष अद्यतन भूतके स्थानमें) आज्ञार्थ विध्यर्थ भविष्यकाल (श्वस्तन भविष्य और सामान्य भविष्यके स्थानमें) और क्रियातिपत्त्यर्थ इतने कालोंका प्रयोग होता है।

स्वरान्त और व्यंजनान्त धातुमें भेद

व्यजनान्त धातुके अन्तमें 'अ' अवश्य लगता है और स्वरान्त धातुको विकल्पसे।

वर्तमान काल

हस्

	एकवचन	बहुवचन
प्र० पु०-	हसइ, हसेइ, हसए	हसन्ति, हसन्ते, हसिरे, हसेंति, हसेंते, हसेइरे, हसिंति, हसिंते, हसइरे
म० पु०-	हससि, हसेसि, हससे	हसह, हसित्या, हसेह, हसेइत्या, हस-इत्या, हसेत्या
उ० पु०-	हसामि, हसमि, हसेमि	हसिमो, हसामो, हसमो, हसेमो

(नोट) उत्तम पुरुषके बहुवचनमें 'मो-मु-म' ये तीन प्रत्यय लगते हैं यहाँ केवल 'मो' के रूप दिए हैं 'मु' और 'म' के रूप भी इसी प्रकार जानलें।

सर्ववचन सर्वपुरुष

हसेज्ज, हसेज्जा, हसिज्ज, हसिज्जा

'अस' धातुके रूप

प्र० पु०-अत्थि	सन्ति
म० पु०-सि	ह
उ० पु०-मि, असि	मो

स्वरान्तधातु 'हो'

जब उपरोक्त नियमानुसार 'अ' लगता है तो इसके रूप 'हस्' की तरह होते हैं जैसे—होअइ, होअसि, होअमि इत्यादि।

जब 'अ' नहीं लगता तो इसके रूप इस प्रकार होते है।

प्र० पु०-होइ	होंति, हुति, होंते, होइरे
म० पु०-होसि	होह, होइत्था
उ० पु०-होमि	होमो, होमु, होम

हो

उपरोक्त नियमानुसार 'हो' और 'होअ' दोनोंको हस्के समान प्रत्यय लगाएँ।

विशेष—कर् धातुको भविष्यकालमें 'का' आदेश विकल्पसे होता है, और उत्तम पुरुषके एक वचनमें 'काह' विकल्पसे होता है। ऐसे ही 'दा' धातुके विषयमें भी जानें।

आज्ञार्थ और विध्यर्थ

हस्

प्र० पु०—हसउ, हसेउ, हसए, हसे	हसंतु, हसेंतु, हसिंतु
म० पु०—हसहि, हससु, हसिज्जसु-ज्जहि-ज्जे-ज्जसि-ज्जासि-ज्जाहि, हसेहि-सु-ज्जसु-ज्जहि ज्जे-ज्जसि-ज्जासि-ज्जाहि, हस, हसे, हसाहि	हसह, हसेह, हसिज्जाह, हसेज्जाह
उ० पु०—हसमु, हसामु, हसिमु, हसेमु	हसमो, हसामो, हसिमो, हसेमो

सर्वपुरुष-सर्ववचन—हसेज्ज ज्जा, हसिज्ज-ज्जा

हो

(१) 'होअ' में हस्के समान प्रत्यय जुड़ते हैं।

(२) केवल 'हो' के रूप नीचे लिखे अनुसार हैं।

प्र०पु०—होउ	होंतु
म०पु०—होसु, होहि	होह
उ०पु०—होमु	होमो

क्रियातिपत्यर्थ

'क्रियातिपत्यर्थ' क्रियाकी निष्फलताका सूचक है जैसे-'ऐसा हुआ होता तो ऐसा होता' पर पहला कार्य न होने से दूसरा कार्य भी न बना।

प्रत्यय-विशेष्य के लिंगानुसार प्रथमा के एकवचन और बहुवचनके उस २ लिंगके प्रत्यय, 'न्त' लगाकर तैयार किए गए प्रत्यय और सर्ववचन सर्वपुरुषमें ज्ज-ज्जा प्रत्यय लगानेसे क्रियातिपत्यर्थके रूप होते हैं।

पुल्लिंग—हस्—हसन्ते हसन्तो	हसन्ता
हो—होन्ते हुन्ते होंतो हुंतो	होन्ता, हुन्ता
स्त्रीलिंग—हस्—हसन्ती हसन्ता	'ओ' और जोड़ देनेसे बहुवचनके रूप
हो—होन्ती हुन्ती होंता हुन्ता	बन जाते हैं।
नपुंसकलिंग—हस्—हसंतं	हसन्ताइं
हो—होन्तं हुन्तं	होन्ताइं, हुंताइं

'होअ' अंगके रूप

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
होअन्तो {होअन्ता	होअन्ती {होअन्ता	होअन्तं {होअन्ताइं

सर्ववचन सर्वपुरुष

हस्—हसेज्ज हसेज्जा

हो—होज्ज होज्जा होएज्ज होएज्जा

कर्मणि

जो धातु सकर्मक हो उसका कर्मणि प्रयोग होता है, कर्तामें तृतीया विभक्ति और कर्ममें प्रथमा विभक्ति होती है तथा कर्मके आधार पर क्रियापद होता है जैसे—बालो पुत्थयं पढइ—बालेण पुत्थयं पढिज्जइ इत्यादि। भाव प्रयोगमें कर्ताके स्थानमें तृतीया विभक्तिका प्रयोग होता है और कर्म न होनेके कारण क्रियापद प्रथम पुरुषके एकवचनमें प्रयुक्त होता है, जैसे—सो गच्छइ—तेण गम्मइ आदि।

धातुसे कर्म और भावमें रूप बनानेके लिए 'ईअ' अथवा 'इज्ज' प्रत्यय प्रयुक्त होता है, इसके बाद काल के पुरुषबोधक प्रत्यय लगते हैं।

भविष्यत्काल क्रियातिपत्ति आदिके रूप भाव और कर्ममें कर्ताके समान होते हैं।

कर्म और भावमें प्रयुक्त होनेवाले कुछ धातु

कर्तरि	कर्मणि	
वय्	वुच्च	
सुण्	सुव्व	
हण्	हम्म	
उह्	उज्झ	
भण्	भण्ण	
लह्	लब्भ	
हर्	हीर	
कर्	कीर	
जाण्	नज्ज	
पास्	दीस	इत्यादि विकल्पसे आदि निल

कृदन्त

वर्तमानकृदन्त

हसन्त, हसेन्त, हसमाण, हसेमाण (पुल्लिंगके रूप वद्धमाणके समान और नपुंसकलिंगके रूप जलके समान होते हैं)

स्त्रीलिंग–हसन्ती, हसन्ता, हसेन्ती, हसेंता, हसमाणी–माणा, हसेमाणी–माणा (आकारान्त कहाके समान और ईकारान्त मइ के समान)

हो

पुल्लिंग–होन्त, हुन्त, होमाण, होअन्त, होएन्त, होअमाण, होएमाण (पुल्लिंग वद्धमाणकी तरह नपुसकलिंग जलकी तरह)

स्त्रीलिंग–होन्ती, हुन्ती, होन्ता, हुन्ता, होमाणी-माणा ई अई-एई-अन्ती अन्ता-एन्ती-एन्ता अमाणी एमाणी-अमाणा-एमाणा (आकारान्त कहाकी भांति और ईकारान्त मइकी भांति)

धातुके कर्मणि अगको ये ही प्रत्यय लगानेसे कर्मणि वर्तमान कृदन्त होता है।

विध्यर्थ कृदन्त

धातुके अगको तव्व–यव्व-अणीअ और अणिज्ज प्रत्यय लगानेसे विध्यर्थ कर्मणि कृदन्त होता है, यदि 'तव्व' और 'यव्व' प्रत्यय लगाते समय पूर्वमें 'अ' हो तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है, जैसे—झाइतव्व झाएतव्व-झाइयव्व-झाएयव्व-झाअणीअ-झाअणिज्ज इत्यादि।

भूत-कृदन्त

धातुको 'य' अथवा 'त' प्रत्यय लगानेसे कर्मणि भूत कृदन्त होता है। प्रत्यय लगाते समय 'अ' को 'इ' होता है और यह कृदन्त विशेषण होता है। तथा स्त्रीलिंग करना हो तो 'आ' लगानेसे वैसा हो जाता है। जैसे-हसिय-हसिअं हसिए-त्त हसिओ-ओ हसिया-ता हु+अ-हुअ-हुयम-हुत्त हुम्हुम हुत।

हेत्वर्थ कृदन्त

धातुके अंतमें उं-तुं-त्तुं-त्तए प्रत्यय लगानेसे हेत्वर्थ कृदन्त होता है। पूर्वमें यदि 'अ' हो तो उसे 'इ' अथवा 'ए' होता है। जैसे-हसिउं हसेउं हसितुं, हसेतुं, हसित्तुं, हसेत्तुं। 'त्तए' के लिए देखो धातु-प्रत्यय नियम नं. २।

संबंधक भूत कृदन्त

धातुके अंतमें तुं-उं-अ-तूण-ऊण-तुआण-तूणं-ऊणं-तुआणं-उआणं-उआण प्रत्यय लगानेसे संबंधक भूत कृदन्त होता है तथा पूर्वके 'अ' को 'इ' अथवा 'ए' होता है। जैसे-हसितुं-उं-अ-तूण-ऊण-तुआण-तूणं-ऊणं-तुआणं-उआणं-उआण हसेतुं-उं-तूण आदि समान। विशेषताके लिए देखो धातु प्रत्यय नियम नं. १।

समास

संस्कृतके समान अर्धमागधीमें भी सात समास होते हैं।

गाहा-दंदे य बहुव्वीही कम्मधारयए दिगुयए चेव।

तप्पुरिसे अव्वईभावे एगसेसे य सत्तमे ॥ १ ॥ (अनुयोगद्वारसूत्र)

विशेषता यह है कि संस्कृतके स्थानमें अर्धमागधी शब्दोंका प्रयोग होता है।

सुत्ताणुक्कमणिया

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

आयारे

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ इहमेगेसिं णो सण्णा भवइ, तंजहा-पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि? दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि? अहो दिसाओ वा आगओ अहमंसि? अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि? एवमेगेसिं णो णायं भवइ अत्थि मे आया उववाइए णत्थि मे आया उववाइए के अहं आसि? के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि? ॥ २ ॥ से जं पुण जाणेज्जा सहसम्मइयाए परवागरणेणं अण्णेसिं अंतिए वा सोच्चा तंजहा— पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि जाव अण्णयरीओ दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि एवमेगेसिं जं णायं भवइ अत्थि मे आया उववाइए जो इमाओ-दिसाओ अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ सोहं, सव्वाओ दिसाओ-अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ, सोहं। से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई ॥ ३ ॥ अकरिस्सं चाहं कारवेसुं चऽहं करओ यावि समणुन्ने भविस्सामि, एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ४ ॥ अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ अणुदिसाओ अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ साहेइ, अणेगरूवाओ जोणीओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥ ५ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया ॥ ६ ॥ इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं ॥ ७ ॥ एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ८ ॥ जस्सेते लोगंसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ९ ॥ **पढमो उद्देसो ॥**

अट्टे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए अस्सिं लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास आतुरा अस्सिं परितावेंति ॥ १० ॥ संति पाणा पुढोसिया, लज्जमाणा पुढो

पास ॥ ११ ॥ अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेणं पुढविसत्थं समारंभमाणे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ १२ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव पुढविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा पुढविसत्थं समारंभावेइ। अण्णे वा पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणइ। तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥ १३ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे, एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ १४ ॥ से बेमि-अप्पेगे अंधमब्भे अप्पेगे अंधमच्छे, अप्पेगे पायमब्भे अप्पेगे पायमच्छे अप्पेगे गुप्फमब्भे २ अप्पेगे जंघमब्भे २ अप्पेगे जाणुमब्भे २ अप्पेगे ऊरुमब्भे २ अप्पेगे कडिमब्भे २ अप्पेगे णाभिमब्भे २ अप्पेगे उयरमब्भे २ अप्पेगे पासमब्भे २ अप्पेगे पिट्ठिमब्भे २ अप्पेगे उरमब्भे २ अप्पेगे हिययमब्भे २ अप्पेगे थणमब्भे २ अप्पेगे खंधमब्भे २ अप्पेगे बाहुमब्भे २ अप्पेगे हत्थमब्भे २ अप्पेगे अंगुलिमब्भे २ अप्पेगे णहमब्भे २ अप्पेगे गीवमब्भे २ अप्पेगे हणुमब्भे २ अप्पेगे होट्ठमब्भे २ अप्पेगे दंतमब्भे २ अप्पेगे जिब्भमब्भे २ अप्पेगे तालुमब्भे २ अप्पेगे गलमब्भे २ अप्पेगे गंडमब्भे २ अप्पेगे कण्णमब्भे २ अप्पेगे णासमब्भे २ अप्पेगे अच्छिमब्भे २ अप्पेगे भमुहमब्भे २ अप्पेगे णिडालमब्भे २ अप्पेगे सीसमब्भे २ अप्पेगे संपमारए, अप्पेगे उद्दवए ॥ १५ ॥ एत्थं सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाता भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाता भवंति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं पुढवि सत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं पुढविसत्थं समारंभावेज्जा णेवण्णे पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेते पुढविकम्मसमारंभा परिण्णाता भवंति से हु मुणी परिण्णातकम्मेत्ति बेमि ॥ १७ ॥ बीओ उद्देसो ॥

से बेमि जहावि अणगारे उज्जुकडे णियागपडिवण्णे अमायं कुव्वमाणे वियाहिए जाए सद्धाए णिक्खंतो तमेवमणुपालिज्जा वियहित्तु विसोत्तियं- ॥ १८ ॥ पणया वीरा महावीहिं, लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुतोभयं ॥ १९ ॥ से बेमि णेव सयं लोगं अब्भाइक्खेज्जा णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा। जे लोगं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोगं अब्भा-

इक्खइ ॥ २० ॥ लज्जमाणा पुढो, पास, अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा, जमिण विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेण उदयसत्थं समारभमाणे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ २१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउ, से सयमेव उदयसत्थ समारभति, अण्णेहिं वा उदयसत्थ समारभावेति, अन्ने उदयसत्थ समारभंते समणुजाणति, त से अहियाए, त से अवोहीए ॥ २२ ॥ से त सबुज्झमाणे आयाणीय समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराण अंतिए इहमेगेसिं णाय भवति, एस खलु गथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थ गढिए लोए जमिण विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेण उदयसत्थ समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ २३ ॥ से वेमि, सति पाणा उदयनिस्सिया जीवा अणेगे, इह च खलु भो! अणगाराण उदयजीवा वियाहिया। सत्थ चेत्थ अणुवीइ पासा। पुढो सत्थ पवेदितं ॥ २४ ॥ अदुवा अदिन्नादाण ॥ २५ ॥ कप्पइ णे कप्पइ णे पाउ, अदुवा विभूसाए, पुढो सत्थेहिं विउट्टंति एत्थऽवि तेसिं णो णिकरणाए ॥ २६ ॥ एत्थ सत्थ समारभमाणस्स इच्चेते आरभा अपरिण्णाया भवति। एत्थ सत्थ असमारभमाणस्स इच्चेते आरभा परिण्णाया भवति। त परिण्णाय मेहावी णेव सय उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवन्नेहिं उदयसत्थ समारभावेज्जा उदयसत्थ समारभतेऽवि अण्णे ण समणुजाणेज्जा, जस्सेते उदयसत्थसमारभा परिण्णाया भवति से हु मुणी परिण्णातकम्मे त्ति वेमि ॥ २७ ॥ **तइओद्देसो** ॥

से वेमि णेव सयं लोय अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताण अब्भाइक्खेज्जा, जे लोग अब्भाइक्खति, से अत्ताण अब्भाइक्खति, जे अत्ताण अब्भाइक्खति, से लोगं अब्भाइक्खति ॥ २८ ॥ जे दीहलोगसत्थस्स खेयन्ने, से असत्थस्स खेयन्ने, जे असत्थस्स खेयन्ने, से दीहलोगसत्थस्स खेयन्ने ॥ २९ ॥ वीरेहिं एय अभिभूय दिट्ठ, सजतेहिं सया जत्तेहिं सया अप्पमत्तेहिं ॥ ३० ॥ जे पमत्ते गुणट्ठीए, से हु दडे त्ति पवुच्चति। तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमह पुव्वमकासी पमादेण ॥ ३१ ॥ लज्जमाणा पुढो पास–अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिण विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेण अगणिसत्थं समारभमाणे, अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ३२ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवदणमाणणपूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउ, से सयमेव अगणिसत्थ समारंभति, अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारभावेइ अण्णेवा अगणिसत्थ समारभमाणे समणुजाणति। तं से अहियाए तं से अवोहिए ॥ ३३ ॥ से त संबुज्झमाणे आया-

णीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ अणगाराणं इहमेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारम्भमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ १४ ॥ से बेमि संति पाणा पुढविणिस्सिया तणणिस्सिया पत्तणिस्सिया कट्ठणिस्सिया गोमयणिस्सिया कयवरणिस्सिया; संति संपातिमा पाणा आहच्च संपयंति। अगणिं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति। जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ॥ १५ ॥ एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा अपरिण्णाता भवंति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे ण समणुजाणेज्जा। जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा परिण्णाता भवंति से हु मुणी परिण्णातकम्मे त्ति बेमि ॥ १७ ॥ चउत्थोद्देसो ॥

तं णो करिस्सामि समुट्ठाए मत्ता मतिमं अभयं विदित्ता तं जे णो करए, एसोवरए, एत्थोवरए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ॥ १८ ॥ जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे ॥ १९ ॥ उड्ढं अहं तिरियं पाईणं पासमाणे रूवाई पासति, सुणमाणे सद्दाई सुणेइ, उड्ढं अहं तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छति सद्देसु यावि। एस लोगे वियाहिए। एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाए वंकसमायारे पमत्तेऽगारमावसे ॥ २० ॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणा अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसंति ॥ २१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण माणण पूयणाए, जाईमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वणस्सइसत्थं समारम्भमाणे समणुजाणइ, तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥ २२ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवति-एस खलु गंथे एस खलु मोहे एस खलु मारे एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ २३ ॥ से बेमि-इमंपि जाइधम्मयं एयंपि जाइधम्मयं इमंपि वुड्ढिधम्मयं एयंपि वुड्ढिधम्मयं; इमंपि चित्तमंतयं एयंपि चित्तमंतयं; इमंपि छिण्णं मिलाति, एयंपि छिण्णं मिलाति; इमंपि आहारगं एयंपि आहारगं; इमंपि अणिच्चयं एयंपि अणिच्चयं; इमंपि असासयं एयंपि असासयं; इमंपि चओवचइयं एयंपि चओवचइयं; इमंपि विपरिणामधम्मयं एयंपि

विपरिणामधम्मय ॥ ४४ ॥ एत्थ सत्थं समारभमाणस्स इच्चेते आरभा अपरिण्णाता भवति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सय वणस्सइसत्थ समारमेज्जा, णेवण्णेहिं वणस्सइसत्थ समारभावेज्जा, णेवण्णे वणस्सइसत्थ समारभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते वणस्सइसत्थसमारंभा परिण्णाया भवति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ४५ ॥ **पंचमोद्देसो** ॥

से बेमि, सतिमे तसा पाणा, तजहा–अडया, पोयया, जराउया, रसया, ससेयया, समुच्छिमा, उब्भियया, उववातिया, एस ससारेत्ति पवुच्चति, मदस्स अवियाणतो ॥४६॥ णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाण सव्वेसिं पाणाण, सव्वेसिं भूयाण, सव्वेसिं जीवाण, सव्वेसिं सत्ताण, असात अपरिणिव्वाण, महब्भय दुक्ख त्ति बेमि ॥ ४७ ॥ तसति पाणा पदिसोदिसासुय । तत्य तत्थ पुढो पास आउरा परितावेंति । संति पाणा पुढोसिता ॥४८॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिग विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंमेण तसकायसत्थं समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४९ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता । इमस्स चेव जीवियस्स परिवदण, माणण, पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थ समारभति, अण्णेहिं वा तसकायसत्थ समारभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थ समारभमाणे समणुजाणति, त से अहियाए, त से अबोहीए ॥ ५० ॥ से त सबुज्झमाणे आयाणीय समुट्ठाय सोच्चा भगवओ, अणगाराण अंतिए इहमेगेसिं णाय भवइ–एस खलु गथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए, जमिग विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारमेण तसकायसत्थ समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसति ॥ ५१ ॥ से बेमि–अप्पेगे अच्चाए वहति, अप्पेगे अजिणाए वहति, अप्पेगे मसाए वहति, अप्पेगे सोणिताए वहंति, अप्पेगे हिययाए वहति, एवपित्ताए वसाए-पिच्छाए-पुच्छाए-वालाए-विसाणाए-दताए-दाढाए-णहाए-ण्हारुणीए-अट्ठीए-अट्ठीमिंजाए-अट्ठाए-अणट्ठाए-अप्पेगे हिंसिंसु मेत्ति वा वहति, अप्पेगे हिंसति मेत्ति वा वहति, अप्पेगे हिंसिस्सति मेत्ति वा वहति ॥ ५२ ॥ एत्थ सत्थ समारभमाणस्स इच्चेते आरभा अपरिण्णाया भवति एत्थ सत्थ असमारंभमाणस्स इच्चेते आरभा परिण्णाया भवति ॥ ५३ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेवसय तसकायसत्थ समारमेज्जा, णेवण्णेहिं तसकायसत्थ समारभावेज्जा, णेवण्णे तसकायसत्थ समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते तसकायसत्थसमारभा परिण्णाया भवति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥५४॥ **छट्ठोद्देसो** ॥

पहू एयस्स दुगंछणाए, आयंकदंसी अहियंति णच्चा। जे अज्झत्थं जाणइ, से बहिया जाणइ, जे बहिया जाणइ, से अज्झत्थं जाणइ। एयं तुलमन्नेसिं। इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ॥ ५५ ॥ लज्जमाणा पुढो पास। अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं, वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५६ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण माणण पूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वाउसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणइ। तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥ ५७ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ अणगाराणं अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५८ ॥ से बेमि संति संपाइमा पाणा आहच्च संपयंति य फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति। जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति। जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ॥ ५९ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा णेवण्णे वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेए वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६१ ॥ एत्थं पि जाणे उवादीयमाणा जे आयारे ण रमंति आरंभमाणा विणयं वयंति छंदोवणीया अज्झोववण्णा आरंभसत्ता पकरंति संगं ॥ ६२ ॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं णो अण्णेसिं ॥ ६३ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा णेवण्णे छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेए छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मेत्ति बेमि ॥ ६४ ॥ सत्तमोद्देसो ॥

॥ सत्थपरिण्णा णामं पढमज्झयणं समत्तं ॥

जे गुणे से मूलट्ठाणे जे मूलट्ठाणे से गुणे इति से गुणट्ठी महया परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते तंजहा-माया मे पिया मे भाया मे भइणी मे भज्जा मे पुत्ता मे धूया मे सुण्हा मे सहि-सयण-संगंथ-संथुया मे विवित्तुवगरण-परियट्टण-भोयण

च्छायग मे, इच्चत्थ गढ्ढिए लोए वसे पमत्ते ॥ ६५ ॥ अहोय राओ परियप्पमाणे, कालाकालसमुट्ठाई, सजोगट्ठी, अट्ठालोमी, आलुपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ॥६६॥ अप्प च खलु आउय इहमेगेसिं माणवाण, तजहा सोयपरिण्णाणेहिं, परिहायमाणेहिं, चक्खुपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, घाणपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, रसणापरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, फासपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कतं च खलु वय सपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयति ॥ ६७ ॥ जेहिं वा सद्धिं सवसति, तेविण एगया णियगा पुव्विं परिव्वयति । सो वि ते णियगे पच्छा परिवएज्जा, णाल ते तव ताणाए वा, सरणाए वा । तुम पि तेसिं नाल ताणाए वा, सरणाए वा । से ण हासाए, ण किड्डाए, ण रतीए, ण विभूसाए, ॥६८॥ इच्चेव समुट्ठिए अहोविहाराए अतर च खलु इम सपेहाए धीरो मुहुत्तमवि णो पमायए । वओ अच्चेइ जोव्वण च ॥ ६९ ॥ इह जीविए जे पमत्ता । से हता, छेत्ता, भेत्ता, लुपित्ता, विलुंपित्ता, उद्दवित्ता, उत्तासइत्ता, अकड करिस्सामित्ति मण्णमाणे ॥ ७० ॥ जेहिं वा सद्धिं सवसति ते वा ण एगया णियगा त पुव्विं पोसेंति, सो वा ते नियगे पच्छा पोसिज्जा । णाल ते तव ताणाए वा, सरणाए वा । तुमपि तेसिं णाल ताणाए वा सरणाए वा ॥ ७१ ॥ उवाईयसेसेण वा संणिहिसणियओ-किज्जति, इहमेगेसिं असजताण भोयणाए । तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जति ॥ ७२ ॥ जेहिं वा सद्धिं सवसति ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरिज्जा । णाल ते तव ताणाए वा सरणाए वा तुम पि तेसिं नाल ताणाए वा सरणाए वा ॥७३॥ एव जाणित्तु दुक्ख पत्तेय सायं, अणभिक्कंत च खलु वयं सपेहाए खण जाणाहि पंडिए ॥ ७४ ॥ जाव सोयपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव णेत्तपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव घाणपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव जीहपरिण्णाणा अपरिहीणा, जाव फासपरिण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेतेहिं विरूवरूवेहिं पन्नाणेहिं अपरिहीणेहिं आयट्ठं सम्म समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ ७५ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

अरई आउट्टे से मेहावी, खणसि मुक्के ॥ ७६ ॥ अणाणाय पुट्ठावि एगे णियट्टति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ७७ ॥ "अपरिग्गहा भविस्सामो" समुट्ठाय लद्धे कामे अभिगाहेंति, अणाणाए मुणिणो, पडिलेहति, एत्थ मोहे पुणो पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो, पाराए ॥ ७८ ॥ विमुत्ता हु ते जणा, जे जणा पारगामिणो लोभं अलोभेण दुगछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ, विणावि लोभं निक्खम्म एस अकम्मे जाणति पासति । पडिलेहाए णावकखति, एस अणगारित्तिपवुच्चति ॥ ७९ ॥ अहोयराओ

तंमि ठाणंमि चिट्ठइ ॥ ९९ ॥ इहमेगेसिं माणवाणं णत्थि ॥ १०० ॥ जस्से पुण गिद्धे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि॥१०१॥

तइओद्देसो समत्तो ॥

ततो से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥ १०२ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसति, ते वा णं एगया णियया पुव्विं परिवयंति । सो वा ते णियगे पच्छा परिवएज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥ १०३ ॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ १०४ ॥ भोगामेव अणुसोयंति- इहमेगेसिं माणवाणं, तिविहेण, जावि से तत्थ मत्ता भवइ, अप्पा वा, बहुगा वा, से तत्थ गढिए चिट्ठति, भोयणाए ॥ १०५ ॥ ततो से एगया विपरिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवति, तंपि से एगया दायाया विभयंति, अदत्तहारो वा से हरति, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारडाहेण वा से डज्झइ ॥ १०६ ॥ इय, से बाले परस्स अट्ठाए कूराणि कम्माणि पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेति ॥ १०७ ॥ आसं च छंदं च विगिंच धीरे ॥ १०८ ॥ तुमं चेव तं सल्लमाहट्टु ॥ १०९ ॥ जेणसिया तेण णो सिया ॥ ११० ॥ इणमेव णाव-बुज्झति, जे जणा मोहपाउडा ॥ १११ ॥ थीभिलोए पव्वहिए ते भो वयंति "एयाइं आयतणाइं" ॥ ११२ ॥ से दुक्खाए-मोहाए-माराए-णरगाए-णरगतिरि-क्खाए ॥ ११३ ॥ सततं मूढे धम्मं णाभिजाणाति ॥ ११४ ॥ उदाहु वीरे, अप्प-मादो महामोहे ॥ ११५ ॥ अलं कुसलस्स पमाएणं, संति मरणं संपेहाए, भेउरधम्मं संपेहाए ॥११६॥ णालं पास अलं ते एएहिं, एयं पस्स, मुणी ? महब्भयं ॥११७॥ णातिवाएज्ज कंचणं ॥ ११८ ॥ एस वीरे पससिए-जे ण णिव्विज्जति आदाणाए ॥ ११९ ॥ "ण मे देति" ण कुप्पिज्जा, थोवं लद्धुं ण खिंसए, पडिसेहियो परिण-मिज्जा, पडिलाभिओ परिणमेज्जा ॥ १२० ॥ एयं मोणं समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ १२१ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं लोगस्स कम्मसमारंभा कज्जंति, तंजहा-अप्पणो से पुत्ताणं, धूयाणं, सुण्हाणं, णातीणं, धातीणं, राईणं, दासाणं, दासीणं, कम्मकराणं, कम्मकरीणं, आएसाए, पुढोपेहणाए, सामासाए, पायरासाए, संणिहि-संनिचओ कज्जइ, इह मेगेसिं माणवाणं भोयणाए ॥ १२२ ॥ समुट्ठिते अणगारे आरिए आरि-यदंसी, आरियपण्णे, अयंसंधित्ति, अदक्खु, से णादिए, णादिआवए, णादियंतं समणुजाणइ ॥ १२३ ॥ सव्वामगंधं परिण्णाय णिरामगंधो परिव्वए ॥ १२४ ॥ अदिस्समाणे कयविक्कएसु, से ण किणे, ण किणावए, किणतं ण समणुजाणइ ॥१२५॥

धुणे कम्मसरीरग, पंत लूहं च सेवति, वीरा समत्तदंसिणो ॥ १४८ ॥ एस ओघंतरे मुणी, तिन्ने मुत्ते, विरते वियाहितेत्ति वेमि ॥ १४९ ॥ दुव्वसुमुणी अणाणाए० तुच्छए गिलाइ वत्तए ॥ १५० ॥ एस वीरे पससिए, अच्चेइ लोयसजोयं, ॥ १५१ ॥ एस णाए पवुच्चइ, ज दुक्ख पवेदित इह माणवाण, तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्ण-मुदाहरंति ॥ १५२ ॥ इति कम्म परिण्णाय सव्वसो ॥ १५३ ॥ जे अणन्नदंसी से अणण्णारामे, जे अणण्णारामे से अणण्णदंसी ॥ १५४ ॥ जहा पुण्णस्स कत्थति तहा तुच्छस्स कत्थति, जहा तुच्छस्स कत्थति तहा पुण्णस्स कत्थति ॥ १५५ ॥ अविय हणे अणातियमाणे । एत्थपि जाण, सेयति णत्थि ॥ १५६ ॥ केय पुरिसे कच णए ? एस वीरे पससिए, जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढ अह तिरिय दिसासु ॥१५७॥ से सव्वतो सव्वपरिण्णाचारि ण लिप्पति छणपएण, वीरे ॥ १५८ ॥ से, मेहावी अणुग्घायणखेयन्ने जे य बंधपमुक्खमन्नेसी ॥ १५९ ॥ कुसले पुण णो बद्धे, णो मुक्के ॥ १६० ॥ से ज च आरमे ज च णारमे । अणारद्ध च ण आरमे ॥१६१॥ छण छण परिण्णाय लोगसन्न च सव्वसो ॥ १६२ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १६३ ॥ बाले पुणे णिहे कामसमणुन्ने असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइत्ति वेमि ॥ १६४ ॥ छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

लोगविजय णाम बीअमज्झयणं समत्तं ॥

सुत्ता अमुणी मुणिणो सया जागरंति ॥ १६५ ॥ लोयंसि जाण अहियाय दुक्ख ॥ १६६ ॥ समय लोगस्स जाणित्ता, इत्थ सत्थोवरए ॥ १६७ ॥ जस्सिमे सद्दा य-रूवा य-गधा य-रसा य-फासा य-अहिसमन्नागया भवंति, से आयव-णाणव-वेयव-धम्मवं-बमव- पन्नाणेहिं परियाणइ लोयं, मुणीति वुच्चे धम्मविऊ, उज्जू आव-ट्टसोए संगमभिजाणति, सीउसिणच्चाई, से निग्गथे, अरइरइसहे फरुसयं णो वेदेति, जागरे-वेरोवरए-वीरे एव दुक्खा पमुच्चति ॥ १६८ ॥ जरामच्चुवसोवणीए णरे सयय मूढे धम्म णाभिजाणाति ॥१६९॥ पासिय आउरपाणे, अप्पमत्तो परिव्वए ॥१७०॥ मता य, मइम-पास ॥ १७१ ॥ आरंभजं दुक्खमिणति णच्चा, माइ पमाइ पुण-एइ गब्भं, उवेहमाणो सद्दरूवेसु उज्जू, माराभिसकी मरणा पमुच्चति ॥ १७२ ॥ अप्पमत्तो कामेहिं, उवरतो पावकम्मेहिं, वीरे आयगुत्ते खेयन्ने ॥ १७३ ॥ जे पज्जवजायस-त्थस्स खेयन्ने, से असत्थस्स खेयन्ने, जे असत्थस्स खेयन्ने, से पज्जवजाय सत्थस्स खेयन्ने ॥ १७४ ॥ अकम्मस्स ववहारो न विज्जइ, कम्मुणा उवाही जायइ ॥ १७५ ॥ कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूल च जं छणं ॥ १७६ ॥ पडिलेहिय, सव्व समायाय

दोहिं अंतेहिं अदिस्समाणे ॥ १७७ ॥ तं परिण्णाय मेहावी विदित्ता लोगं वंता लोगसण्णं से मइमं परक्कमिज्जासि त्ति बेमि ॥ १७८ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जाति च वुड्ढिं च इहज्ज पासे भूतेहिं जाणे पडिलेह सातं । तम्हाऽतिविज्जो परमंति णच्चा सम्मत्तदंसी ण करेति पावं ॥ १७९ ॥ उम्मुंच पासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी । कामेसु गिद्धा णिचयं करेंति । संसिच्चमाणा पुणरेंति गब्भं ॥ १८० ॥ अवि से हासमासज्ज हंता णंदीति मन्नति । अलं बालस्स संगेणं वेरं वड्ढेति अप्पणो ॥१८१॥ तम्हा-तिविज्जो परमंति णच्चा आयंकदंसी ण करेति पावं ॥ १८२ ॥ अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे पलिछिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥ १८३ ॥ एस मरणा पमुच्चति से हु दिट्ठभए मुणी लोगंसी परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिते सहिते सयाजए कालकंखी परिव्वए ॥ १८४ ॥ बहुं च खलु पावकम्मं पगडं सच्चंमि धितिं कुव्वहा एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावकम्मं झोसति ॥ १८५ ॥ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे से केयणं अरिहए पूरित्तए से अण्णवहाए, अण्णपरितावाए अण्णपरिग्गहाए, जणवयवहाए, जणवयपरितावाए, जणवयपरिग्गहाए ॥ १८६ ॥ आसेवित्ता एतमट्ठं इच्चेवेगे समुट्ठिता तम्हा तं बिइयं नो सेवे निस्सारं पासिय णाणी ॥ १८७ ॥ उववायं चवणं णच्चा अणण्णं चर माहणे ॥ १८८ ॥ से ण छणे ण छणावए, छणंतं णाणुजाणइ ॥ १८९ ॥ णिव्विंद णंदिं अरते पयासु, अणोमदंसी णिसण्णे पावेहिं कम्मेहिं ॥ १९० ॥ कोहाइमाणं हणिया य वीरे, लोभस्स पासे णिरयं महंतं । तम्हा य वीरे विरते वहाओ छिंदिज्ज सोयं लहुभूयगामी ॥ १९१ ॥ गंथं परिण्णाय इहज्ज वीरे सोयं परिण्णाय चरिज्ज दंते । उम्मज्ज लद्धुं इह माणवेहिं, णो पाणिणं पाणे समारभिज्जासि-त्ति बेमि ॥ १९२ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

संधिं लोगस्स जाणित्ता ॥ १९३ ॥ आयओ बहिया पास तम्हा ण हंता ण विघायए ॥ १९४ ॥ जमिणं अन्नमन्नवितिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं किं तत्थ मुणी कारणं सिया ? समयं तत्थुवेहाए अप्पाणं विप्पसायए ॥ १९५ ॥ अणन्नपरमं णाणी णो पमाए कयाइवि । आयगुत्ते सया वीरे, जायामायाए जावए ॥ १९६ ॥ विरागं रूवेहिं गच्छिज्जा महता खुड्डएहिं य ॥ १९७ ॥ आगतिं गतिं परिण्णाय दोहिंवि अंतेहिं अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्झइ, ण हम्मइ कंचणं सव्वलोए ॥ १९८ ॥ अवरेण पुव्विं ण सरंति एगे किमस्सतीतं किंवाऽऽगमिस्सं । भासंति एगे इह माणवाओ जमस्सतीतं तं आगमिस्सं ॥१९९॥ णातीतमट्ठं ण य आगमिस्सं अट्ठं नियच्छंति तहागया उ; विधूतकप्पे एयाणुपस्सी णिज्झोसइत्ता खवगे महेसी ॥ २०० ॥ का अरई ? के आणंदे ? एत्थंपि अग्गहे

चरे। सव्वं हास परिच्चज, आलीणगुत्तो परिव्वए ॥ २०१ ॥ **पुरिसा, तुममेव तुमं मित्त, किं वहिया मित्तमिच्छसि** ॥ २०२ ॥ जं जाणिज्जा उच्चालइय त जाणिज्जा दूरालइय, जं जाणिज्जा दूरालइय त जाणेज्जा उच्चालइयं ॥ २०३ ॥ पुरिसा! अत्ताणमेव अभिणिगिज्झ एव दुक्खा पमुच्चसि ॥ २०४ ॥ पुरिसा! सच्च-मेव समभिजाणाहि, सच्चस्साणाए से उवट्ठिए मेहावी मार तरति, सहिओ धम्म-मायाय सेयं समणुपस्सति ॥ २०५ ॥ दुहओ, जीवियस्स परिवदणमाणणपूयणाए, जसि एगे पमायंति ॥ २०६ ॥ सहिओ दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झझाए, पासिम दविए लोए लोयालोयपवचाओ मुच्चइत्ति बेमि ॥ २०७ ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

से वंता कोह च, माण च, माय च, लोभ च, एयं पासगस्स दसण, उवरयसत्थस्स पलियतकरस्स आयाण सगडब्भि ॥ २०८ ॥ **जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ** ॥ २०९ ॥ **सव्वतो पमत्तस्स भयं, सव्वतो अप्पमत्तस्स णत्थि भयं** ॥ २१० ॥ जे एग णामे से वहुं णामे, जे वहुं णामे से एगं णामे ॥ २११ ॥ दुक्खं लोयस्स जाणित्ता, वता लोगस्स संजोग, जंति वीरा महाजाण, परेण परं जंति, नावकंखंति जीविय ॥ २१२॥ एग विगिंचमाणे पुढो विगिंचइ पुढो विगिंचमाणे एग विगिंचइ ॥ २१३ ॥ सड्ढी आणाए मेहावी ॥ २१४ ॥ लोग च आणाए अभिसमेच्च अकुओभय ॥ २१५ ॥ अत्थि सत्थं परेण पर, णत्थि असत्थ परेण पर ॥ २१६ ॥ जे कोहदसी से माणदसी, जे माणदसी से मायादसी, जे मायादसी से लोभदसी, जे लोभदसी से पिज्जदसी, जे पिज्जदंसी से दोसदसी, जे दोसदसी से मोहदसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी, जे गब्भदसी से जम्मदसी, जे जम्मदंसी से मारदसी, जे मारदसी से णरयदसी, जे णरयदसी से तिरियदसी, जे तिरियदसी से दुक्खदसी ॥ २१७ ॥ से मेहावी अभि-निवट्टिज्जा, कोह च-माणं च-माय च-लोह च-पिज्जं च-दोस च-मोहं च-गब्भं च-जम्म च-मरण च-णरग च-तिरिय च-दुक्खं च-एय पासगस्स दसण उवरयसत्थस्स पलि-यतकरस्स ॥ २१८ ॥ आयाण णिसिद्धा सगडब्भि ॥ २१९ ॥ किमत्थि ओवाहि पासगस्स? ण विज्जइ? णत्थित्ति, बेमि ॥ २२० ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो** ॥

सीयोसणीयं तइयज्झयणं समत्तं

से बेमि—जेय अईया, जेय पडुप्पन्ना, जेय आगमिस्सा-अरहंता भगवतो सव्वे, एव-माइक्खंति-एवं भासति-एव पण्णविंति, एव परूविंति—सव्वे पाणा, सव

परियावेयव्वा न उद्दवेयव्वा ॥ २२१ ॥ एस धम्मे सुद्धे, णिइए-सासए-समिच्च लोयं खेयन्नेहिं पवेइए, तंजहा–उट्ठिएसु वा अणुट्ठिएसु वा उवट्ठिय-अणुवट्ठिएसु वा उवरयदंडेसु वा अणुवरयदंडेसु वा सोवहिएसु वा अणोवहिएसु वा संजोगरएसु वा असंजोगरएसु वा ॥ २२२ ॥ तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ ॥ २२३ ॥ तं आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे जाणित्तु धम्मं जहा तहा ॥२२४॥ दिट्ठेहिं णिव्वेयं गच्छिज्जा ॥ २२ ॥ णो लोगस्सेसणं चरे ॥ २२६ ॥ जस्स णत्थि इमा जाई अण्णा तस्स कओ सिया । ॥ २७ ॥ दिट्ठं सुयं मयं विण्णायं जमेयं परिकहिज्जइ ॥२२८॥ समेमाणा पलेमाणा पुणो पुणो जाइं पकप्पंति ॥ २२९ ॥ अहो य राओ य जयमाणे धीरे सया आगयपण्णाणे पमत्ते बहिया पास अप्पमत्ते सया परिक्कमिज्जासि त्ति बेमि ॥ २१ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे आसवा ते परिस्सवा जे परिस्सवा ते आसवा ॥ २११ ॥ जे अणासवा ते अपरिस्सवा जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २१२ ॥ एए पए संबुज्झमाणे लोयं च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइयं ॥ २११ ॥ आघाइ णाणी इह माणवाणं संसारपडिवन्नाणं संबुज्झमाणाणं विन्नाणपत्ताणं अट्टा वि संता अदुवा पमत्ता अहा सच्च मिणंति-बेमि ॥ २१४ ॥ णाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वंका-णिकेया कालगहिया णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइं पकप्पंति ॥ २१५ ॥ इह मेगेसिं तत्थ तत्थ संथवो भवति । अहोववाइए फासे पडिसंवेदेंति ॥ २१६ ॥ चिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं, चिट्ठं परिचिट्ठति; अचिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठति ॥२१७॥ एगे वयंति अदुवा वि णाणी णाणी वयंति अदुवा वि एगे ॥२१ ॥ आवंती केयावंती लोयंसि समणा य माहणा य पुढो विवायं वयंति "से दिट्ठं च णे सुयं च णे मयं च णे विण्णायं च णे उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वतो सुपडिलेहियं च णे सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता-हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा । एत्थं पि जाणह, णत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥२१९॥ तत्थ जे ते आरिया ते एवं वयासी—"से दुद्दिट्ठं च मे दुस्सुयं च मे दुम्मयं च मे दुव्विण्णायं च मे उड्ढं, अहं, तिरियं दिसासु सव्वतो दुप्पडिलेहियं च मे, जं णं तुब्भे एवमाइक्खह, एवं भासह, एवं परूवेह-एवं पण्णवेह-सव्वे पाणा-सव्वे भूया-सव्वे जीवा-सव्वे सत्ता हंतव्वा अज्जावेयव्वा परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा-एत्थ वि जाणह णत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥ २४ ॥ वयं पुण एवमाइक्खामो एवं भासामो एवं परूवेमो एवं पण्णवेमो "सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता ण हंतव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परिघेतव्वा ण परियावेयव्वा ण उद्-

वेयव्वा, एत्थवि जाणह, णत्थित्थ दोसो।" आरियवयणमेय ॥ २४१ ॥ पुव्व निकायसमय, पत्तेय पत्तेय पुच्छिस्सामो, ह भो पवादिया, कि भे साय दुक्ख उदाहु असायं² समिया पडिवन्ने यावि एव बूया,—सव्वेसिं पाणाण, सव्वेसिं भूयाण, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताण, असाय, अपरिणिव्वाण महब्भय दुक्खं त्ति बेमि ॥ २४२ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

उवेहि ण बहिया य लोय, से सव्वलोयमि जे केइ विन्नू ॥ २४३ ॥ अणुवीइ पास, णिक्खित्तदडा जे केइ सत्ता पलिय चयति, णरे मुयच्चा धम्मविदुत्ति अजू; आरभज दुक्खमिणति णच्चा, एवमाहु समत्तदसिणो ॥ २४४ ॥ ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिन्नमुदाहरति, इति कम्म परिन्नाय सव्वसो ॥ २४५ ॥ इह आणाकखी पडिए अणिहे, एगमप्पाण सपेहाए धुणे सरीर ॥ २४६ ॥ कसेहि अप्पाण, जरेहि अप्पाण ॥ २४७ ॥ जहा जुन्नाइ कट्ठाइ हव्ववाहो पमत्थति, एव अत्तसमाहिए अणिहे ॥२४८॥ विगिंच कोह अविकपमाणे, इम णिरुद्धाउय सपेहाए ॥२४९॥ दुक्खं च जाण अदुवागमेस्स, पुढो फासाइ च फासे, लोय च पास, विप्फदमाण ॥ २५० ॥ जे णिव्वुडा, पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥२५१॥ तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसजलिज्जासित्ति बेमि ॥२५२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

आवीलए पवीलए निप्पीलए, जहित्ता पुव्वसजोग हिच्चा उवसम ॥ २५३ ॥ तम्हा अविमणे वीरे, सारए समिए सहिते सया जए ॥ २५४ ॥ दुरणुचरो मग्गो वीराण अणियट्टगामीग ॥ २५५ ॥ विगिंच मससोणिय, एस पुरिसे दवीए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए, जे धुणाइ समुस्सय वसित्ता बभचेरमि ॥ २५६ ॥ णित्तेहिं पलिछिन्नेहिं आयाणसोयगढिए बाले, अव्वोच्छिन्नबधणे अणभिक्कतसजोए। तमसि अविजाणओ आणाए लभो णत्थि-त्ति बेमि ॥ २५७ ॥ जस्स नत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया² ॥ २५८ ॥ से हु पन्नाणमते बुद्धे आरभोवरए, सम्ममेयंति पासह, जेण वध वह घोर परिताव च दारुण ॥ २५९ ॥ पलिछिंदिय बाहिरग च सोयं, णिक्कम्मदसी इह मच्चिएहिं ॥ २६० ॥ कम्माण सफल दट्ठूण तओ णिज्जाइ पुव्ववी ॥ २६१ ॥ जे खलु भो! वीरा ते समिता सहिता सयाजता सघडदसिणो आतोवरया अहातह लोगमुवेहमाणा पाईण पडीण दाहीण उदीण इति सच्चसि परिचिट्ठिंसु ॥ २६२ ॥ साहिस्सामो णाण वीराणं समियाण सहियाण, सयाजताणं सघडदसिण आतोवरयाण अहातह लोगसमुवेहमाणाण किमत्थि उवाधी² पासगस्स ण विज्जति णत्थित्ति बेमि ॥ २६३ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

सम्मत्तं णाम चउत्थमज्झयणं समत्त

आवंती केयावंती लोयंसि विप्परामुसंति अट्ठाए अणट्ठाए वा। एएसु चेव विप्परामुसंति गुरू से कामा तओ से मारंते जओ से मारंते तओ से दूरे णेव से अंतो णेव से दूरे ॥ २६४ ॥ से पासति फुसियमिव कुसग्गे पणुन्नं निवतितं वातेरितं एवं बालस्स जीवियं मंदस्स अविजाणओ ॥ २६५ ॥ कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेति, मोहेण गब्भं मरणाइ एति एत्थ मोहे पुणो पुणो ॥ २६६ ॥ संसयं परिजाणतो संसारे परिन्नाते भवति संसयं अपरिजाणओ संसारे अपरिन्नाते भवति ॥ २६७ ॥ जे छेए से सागारियं ण सेवए ॥ २६८ ॥ कट्टु एवं अविजाणओ बितिया मंदस्स बालया ॥ २६९ ॥ लद्धा हुरत्था पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणयत्ति बेमि ॥ २७० ॥ पासह एगे रूवेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे एत्थ फासे पुणो पुणो आवंती केयावंती लोयंसि आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरंभजीवी एत्थवि बाले परिपच्चमाणे रमति पावेहिं कम्मेहिं असरणे सरणंति मन्नमाणे ॥ २७२ ॥ इहमेगेसिं एगचरिया भवति से बहुकोहे-बहुमाणे-बहुमाए-बहुलोहे-बहुरए-बहुनडे-बहुसढे-बहुसंकप्पे आसवसक्की पलिउच्छन्ने उट्ठियवायं पवयमाणे "मा मे केइ अदक्खू" अण्णाणपमायदोसेणं सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥ २७३ ॥ अट्टा पया माणव ! कम्मकोविया जे अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्टंतित्ति बेमि ॥ २७४ ॥

पढमोद्देसो समत्तो ॥

आवंती केयावंती लोए अणारंभजीविणो तेसु ॥ २७५ ॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे "अयं संधीति" अदक्खु, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणेत्ति अन्नेसी ॥ २७६ ॥ एस मग्गे आरिएहिं पवेदिते उट्ठिए णो पमायए, जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ २७७ ॥ पुढो छंदा इह माणवा पुढो दुक्खं पवेदितं से अविहिंसमाणे अणवयमाणे पुट्ठो फासे विप्पणुल्लए। एस समिया परियाए वियाहिते ॥ २७८ ॥ जे असत्ता पावेहिं कम्मेहिं उदाहु ते आयंका फुसंति इति उदाहु वीरे ते फासे पुट्ठो अहियासए ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेयं पच्छापेयं भिउरधम्मं विद्धंसणधम्मं-अधुवं अणितियं असासयं चयावचइयं विप्परिणामधम्मं पासह एयं रूवसंधिं ॥ २८० ॥ समुप्पेहमाणस्स इक्काययणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्सत्ति बेमि ॥ २८१ ॥ आवंती केयावंती लोयंसि परिग्गहावंती;—से अप्पं वा बहुं वा अणुं वा थूलं वा चित्तमंतं वा अचित्तमंतं वा एतेसु चेव परिग्गहावंती ॥२८२॥ एतमेवेगेसिं महब्भयं भवति लोगवित्तं च णं उवेहाए ॥ २८३ ॥ एए संगे अविजाणतो से सुपडिबद्धं सूवणीयंति णच्चा पुरिसा ! परमचक्खू विप्परिक्कमा एतेसु

चेव वभचेर त्ति वेमि ॥ २८४ ॥ से सुय च मे, अज्झत्थय च मे, बंधपमुक्खो अज्झत्थेव ॥ २८५ ॥ इत्थ विरते अणगारे दीहराय तितिक्खए ॥ २८६ ॥ पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए ॥ २८७ ॥ एय मोण सम्मं अणुवासिज्जासित्ति वेमि ॥ २८८ ॥ **वीयोद्देसो समत्तो ॥**

आवती के यावती लोयसि अपरिग्गहावंती एएसु चेव अपरिग्गहावती सुच्चा वई मेहावी, पण्डियाण णिसामिया ॥ २८९ ॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेदिते जहित्थ मए सधी झोसिए एवमण्णत्थ सधी दुज्झोसए भवति, तम्हा वेमि णो णिहणिज वीरिय ॥ २९० ॥ जे पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, जे पुव्वुट्ठाई पच्छाणिवाई, जे णो पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, सेऽवि तारिसिए सिया, जे परिण्णाय लोगमण्णेसयंति, एय णियाय मुणिणा पवेदित ॥ २९१ ॥ इह आणाकंखी पण्डिए अणिहे, पुव्वावरराय जयमाणे सया सील सुपेहाए ॥ २९२ ॥ सुणिया भवे अकामे अझझे ॥ २९३ ॥ इमेण चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण वज्झओ ? जुद्धारिह खलु दुल्लह ॥ २९४ ॥ जहित्थ कुसलेहिं परिन्नाविवेगे भासिए, चुए हु वाले गब्भाइसु रज्जइ ॥ २९५ ॥ अस्सिं चेयं पव्वुच्चति, रूवसि वा छणसि वा ॥ २९६ ॥ से हु एगे सविद्धपहे मुणी, अण्णहा लोगमुवेहमाणे ॥ २९७ ॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो से ण हिंसति संजमति णो पगब्भति, उवेहमाणो पत्तेयं सायं ॥ २९८ ॥ वन्नाएसी णारभे कचग सव्वलोए, एगप्पमुहे विदिसप्पइन्ने निव्विन्नचारी अरए पयासु ॥ २९९ ॥ से वसुम सव्वसमन्नागयपन्नाणेण अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्म तं णो अन्नेसी ॥ ३०० ॥ जं सम्म ति पासहा तं मोण ति पासहा, ज मोण ति पासहा त सम्म ति पासहा ॥ ३०१ ॥ ण इम सक्क सिढिलेहिं अद्दिज्जमाणेहिं गुणासाएहिं वक्कसमायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसतेहिं ॥ ३०२ ॥ मुणी मोण समायाए, धुणे कम्मसरीरगं, पत लूहं सेवति, वीरा समत्तदंसिणो ॥ एस ओह तरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति वेमि ॥ ३०३ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

गामाणुगाम दूइज्जमाणस्स दुज्जातं दुप्परक्कंत भवति अवियत्तस्स भिक्खुणो ॥ ३०४ ॥ वयसावि एगे बुइया कुप्पंति माणवा, उन्नयमाणे य णरे महता मोहेण मुज्झति, सवाहा वहवे भुज्जो २ दुरतिक्कमा अजाणतो, अपासतो, एयं ते मा होउ; एय कुसलस्स दसण ॥ ३०५ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सन्नी तन्निवेसणे जयं विहारी चित्तणिवाती पथणिज्झाती पलिवाहिरे, पासिय पाणे गच्छिज्जा । से अभिक्कममाणे पडिक्कममाणे संकुचमाणे पसारेमाणे विणिवट्टमाणे सपलिमज्जमाणे ॥ ३०६ ॥ एगया गुणसमियस्स रीयतो कायसफास समणुचिन्ना एगतिया पाणा

गच्छंति; इक्कोवयेसगनिवारणविहिं जं आउट्टिकयं कम्मं तं परिणाय विवेगमेति एवं से अप्पमाएणं विवेगं किट्टति वेयवी ॥ १०७ ॥ से पभूयदंसी पभूयपरिणाणे उवसंते समिए सहिए सयाजए, दट्ठुं विप्पडिवेदेति अप्पाणं "किमेस जणो करिस्सति ! एस से परमारामो जाओ लोगंमि इत्थीओ" मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥ १०८ ॥ उब्बाहिज्जमाणे गामधम्मेहिं अवि निब्बलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा, अवि उड्ढं ठाणं ठाइज्जा अवि गामाणुगामं दूइज्जा अवि आहारं वुच्छिंदिज्जा, अवि चए इत्थिसु मणं ॥ १०९ ॥ पुव्वं दंडा पच्छा फासा पुव्वं फासा पच्छा दंडा, इच्चेते कलहासंगकरा भवंति । पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥ ११० ॥ से णो काहिए, णो पासणिए, णो मामए, णो कयकिरिए, वइगुत्ते अज्झप्पसंवुडे परिवज्जइ सया पावं एवं मोणं समणुवासिज्जासि-त्ति बेमि ॥ १११ ॥ चउत्थोद्देसो समत्तो ॥

से बेमि—तंजहा अवि हरए पडिपुण्णे समंसि भोमे चिट्ठइ उवसंतरए सारक्खमाणे से चिट्ठति सोयमज्झगए, से पास सव्वतो गुत्ते पास लोए महेसिणो जे य पण्णाणमंता पबुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह, कालस्स कंखाए परिव्वयंति त्ति बेमि ॥ ११२ ॥ वितिगिच्छसमावन्नेणं अप्पाणेणं णो लभति समाहिं ॥११३॥ सिया वेगे अणुगच्छंति असिया वेगे अणुगच्छंति अणुगच्छमाणेहिं अणणुगच्छमाणे कहं न निव्विज्जे तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥ ११४ ॥ सड्ढिस्स णं समणुन्नस्स संपव्वयमाणस्स समियंति मन्नमाणस्स एगया समिया होति समियंति मन्नमाणस्स एगया असमिया होति असमियंति मन्नमाणस्स एगया समिया होति, असमियंति मन्नमाणस्स एगया असमिया होति ॥ ११५ ॥ समियंति मन्नमाणस्स समिया वा असमिया वा समिया होति उवेहाए ॥ ११६ ॥ असमियंति मन्नमाणस्स समिया वा असमिया वा असमिया होति उवेहाए ॥ ११७ ॥ उवेहमाणो अणुवेहमाणं बूया—"उवेहाहि समियाए इच्चेवं तत्थ संधी झोसितो भवति" ॥ ११८ ॥ से उट्ठियस्स ठियस्स गतिं समणुपासह, एत्थवि बालभावे अप्पाणं णो उवदंसिज्जा ॥ ११९ ॥ तुमंसि नाम सच्चेव जं हंतव्वंति मन्नसि तुमंसि नाम सच्चेव जं अज्जावेयव्वंति मन्नसि तुमंसि नाम सच्चेव जं परितावेयव्वंति मन्नसि एवं जं परिघेतव्वंति मन्नसि जं उद्दवेयव्वंति मन्नसि । अंजू चेयपडिबुद्धजीवी तम्हा न हंता न विघायए अणुसंवेयणमप्पाणेणं जं हंतव्वं णाभिपत्थए ॥ १२० ॥ जे आया से विन्नाया जे विन्नाया से आया जेण विजाणति से आया तं पडुच्च पडिसंखाए, एस आयावादी समियाए परियाए वियाहितेत्ति बेमि ॥ १२१ ॥ पंचमोद्देसो समत्तो ॥

अणाणाए एगे सोवट्ठाणा आणाए एगे निरुवट्ठाणा एत ते मा होउ, एयं कुसलस्स दसण ॥ ३२२ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे, अभिभूय अदक्खू, अणभिभूते पभू निरालंवणयाए, जे महं अवहिमणे ॥ ३२३ ॥ पवाएणं पवाय जाणिज्जा,सहसम्मइयाए,परवागरणेण अन्नेसिं वा अतिए सोच्चा॥३२४॥ णिद्देस णातिवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिया सव्वतो सव्वप्पणा सम्ममेव समभिण्णाय ॥ ३२५ ॥ इह आराम परिण्णाय अल्लीणगुत्तो आरामो परिव्वए, णिट्ठियट्ठी वीरे आगमेण सदा परिक्कमेज्जासि त्ति वेमि ॥३२६॥ उड्ढ सोता, अहे सोता, तिरिय सोता वियाहिया, एते सोया वियक्खाया, जेहिं सगति पासहा ॥ ३२७ ॥ आवट्ट तु उवेहाए, एत्थ विरमिज्ज पुव्ववी ॥ ३२८ ॥ विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एसमहं अकम्मा जाणति, पासति, पडिलेहाए णावकखति, इह आगतिं गतिं परिण्णाय अच्चेइ जातिमरणस्स वट्टमग्ग विक्खायरए ॥ ३२९ ॥ सव्वे सरा णियट्टंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिता, ओए अप्पतिट्ठाणस्स खेयन्ने ॥ ३३० ॥ से ण दीहे ण हस्से ण वट्टे ण तंसे ण चउरंसे ण परिमंडले, न किण्हे, न णीले, ण लोहिए, ण हालिद्दे ण सुक्किल्ले ण सुरहिगंधे ण दुरहिगंधे ण तित्ते ण कडुए, ण कसाए ण अंविले ण महुरे ण कक्खडे ण मउए ण गरुए ण लहुए ण सीए ण उण्हे ण णिद्धे ण लुक्खे ण काऊ ण रुहे ण सगे ण इत्थी ण पुरिसे ण अन्नहा परिण्णे, सण्णे ॥ ३३१ ॥ उवमा ण विज्जए, अरूवी सत्ता, अपयस्स पय णत्थि ॥ ३३२ ॥ से ण सद्दे ण रूवे ण गंधे ण रसे ण फासे इच्चेवत्ति वेमि ॥ ३३३ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

॥ लोकसारणाम पंचमज्झयणं समत्तं ॥

ओबुज्झमाणे इह माणवेसु आघाइ से णरे, जस्सिमाओ जाइओ सव्वओ सुपडिलेहियाओ भवंति, आघाइ से णाणमणेलिस ॥ ३३४ ॥ से किट्टति तेसिं समुट्ठियाण णिक्खित्तदंडाण समाहियाण पन्नाणमताण इह मुत्तिमग्ग, एव एगे महावीरा विप्परिक्कमंति, पासह एगे अविसीयमाणे अणत्तपन्ने ॥ ३३५॥ से वेमि से जहावि कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छन्नपलासे उम्मग्ग से णो लहइ ॥ ३३६ ॥ भंजगा इव सन्निवेस णो चयति, एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया, रूवेहिं सत्ता, कलुण थणति, णियाणओ ते ण लभति मुक्खं ॥ ३३७॥ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्ताए जाया ॥ ३३८ ॥ गंडी अदुवा कुट्ठी, रायंसी अवमारियं । काणियं झिमियं चेव, कुणियं खुज्जियं तहा ॥ उअरिं पास मूयं च, सूणिअं च गिलासिणिं, वेवइ पीढसप्पिं च, सिलिवयं महुमेहणिं सोलस एते रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो, अह णं फुसति

आयंका फासा य असमंजसा ॥ मरणं तेसिं संपेहाए, उववायं चवणं णच्चा, परियागं च संपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ १३९ ॥ संति पाणा अंधा तमंसि वियाहिया। तामेव सइं असइं अइअच्च उच्चावयफासे पडिसंवेएंति बुद्धेहिं एयं पवेइयं ॥ १४० ॥ संति पाणा वासगा रसगा उदए उदएचरा आगासगामिणो पाणा पाणे किलेसंति ॥ १४१ ॥ पास लोए महब्भयं ॥ १४२ ॥ बहुदुक्खा हु जंतवो ॥ १४३ ॥ सत्ता कामेसु माणवा अबलेण वहं गच्छंति सरीरेणं पभंगुरेण ॥ १४४ ॥ अट्टे से बहुदुक्खे इति बाले पकुव्वइ, एते रोगा बहू णच्चा आउरा परियावए ॥ १४५ ॥ णालं पास अलं तवेएहिं। एयं पास मुणी! महब्भयं णातिवाएज्ज कंचणं ॥ १४६ ॥ आयाण भो! सुस्सूस! भो! धूयवायं पवेयइस्सामि इह खलु अत्तत्ताए तेहिं तेहिं कुलेहिं अभिसेएण अभिसंभूया अभिसंजाया अभिणिव्वट्टा अभिसंवुड्ढा अभिसंबुद्धा अभिणिक्कंता अणुपुव्वेण महामुणी ॥ १४७ ॥ तं परिक्कमंतं परिदेवमाणा मा चयाहि इति ते वदंति; "छंदोवणीया अज्झोववण्णा" अक्कंदकारी जणगा रुदंति। अतारिसे मुणी णो ओहंतरए, जणगा जेण विप्पजढा ॥ १४८ ॥ सरणं तत्थ णो समेति कहं णु णाम से तत्थ रमति? एयं णाणं सया समणुवासिज्जासित्ति बेमि ॥ १४९ ॥ पढमोद्देसो समत्तो ॥

आउरं लोगमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं वसित्ता बंभचेरंसि, वसु वा अणुवसु वा जाणित्तु धम्मं जहा तहा अहेगे तमचाइ कुसीला वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं विउसिज्जा अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे ममायमाणस्स इयाणिं मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेए, एवं से अंतराइएहिं कामेहिं आकेवलिएहिं अवइण्णा चेए ॥ १५० ॥ अहेगे धम्ममायाय आयाणप्पभिइसु पणिहिए चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥ १५१ ॥ सव्वं गिद्धिं परिण्णाय एस पणए महामुणी ॥ १५२ ॥ अइअच्च सव्वओ संगं "ण महं अत्थित्ति इति एगोऽहमंसि" जयमाणे एत्थ विरए अणगारे, सव्वओ मुंडे रीयंते जे अचेले परिवुसिए संचिक्खति ओमोयरियाए ॥ १५३ ॥ से आकुट्ठे वा हए वा, लुंचिए वा पलियं पकत्थ अदुवा पकत्थ, अतहेहिं सद्दफासेहिं, इति संखाए एगतरे अण्णतरे अभिण्णाय तितिक्खमाणे परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा चिच्चा सव्वं विसोत्तियं संफासे फासे समियदंसणे ॥ १५४ ॥ एते भो णगिणा वुत्ता जे लोगंसि अणागमणधम्मिणो ॥ १५५ ॥ "आणाए मामगं धम्मं" एस उत्तरवादे इह माणवाणं वियाहिते ॥ १५६ ॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएणं विगिंचइ ॥ १५७ ॥ इहमेगेसिं एगचरिया होति तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी परिव्वए, सुब्भिं अदुवा दुब्भिं अदुवा तत्थ भेरवा पाणा पाणे किलेसंति ते फासे पुट्ठो धीरे अहियासेज्जासित्ति बेमि ॥ १५८ ॥ बीओद्देसो समत्तो ॥

एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मे विधूतकप्पे णिज्झोसइत्ता ॥३५९॥ जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ परिजुण्णे मे वत्थे वत्थं जाइस्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि वोक्कसिस्सामि, परिहिस्सामि पाउणिस्सामि ॥ ३६० ॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, तेउफासा सीयफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासेति, अचेले लाघवं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवति ॥ ३६१ ॥ जहेयं भगवता पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए समत्तमेव समभिजाणिज्जा एवं तेसिं महावीराणं चिरराइं पुव्वाइं वासाणि रीयमाणाणं दवियाणं पास, अहियासियं ॥ ३६२ ॥ आगयपन्नाणाणं किसा बाहवो भवंति, पयणुए मंससोणिए, विस्सेणिं कट्टु परिण्णाए, एस तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥ ३६३ ॥ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिररातोसियं अरती तत्थ किं विधारए ॥३६४॥ संधेमाणे समुट्ठिए, जहासे दीवे असंदीणे ॥३६५॥ एवं से धम्मे आयरियपदेसिए ॥३६६॥ ते अणवकंखमाणा, पाणे अणतिवातेमाणा जइया मेहाविणो पंडिया ॥ ३६७ ॥ एवं तेसिं भगवओ अणुट्ठाणे जहा से दियापोए एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइय त्ति बेमि ॥३६८॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया तेहिं महावीरेहिं पण्णाणमंतेहिं तेसिमंतिए पण्णाणमुवलब्भ हिच्चा उवसमं फारुसियं समादियंति ॥ ३६९ ॥ वसित्ता बंभचेरंसि आणं तं णो त्ति मण्णमाणा ॥३७०॥ अग्घायं तु सोच्चा णिसम्म "समणुन्ना जीविस्सामो" एगे णिक्खमंते असंभवंता विडज्झमाणा कामेहिं गिद्धा अज्झोववण्णा समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेव फरुसं वदंति ॥ ३७१ ॥ सीलमंता उवसंता संखाए रीयमाणा "असीला" अणुवयमाणस्स बितिया मंदस्स बालया ॥ ३७२ ॥ णियट्टमाणा वेगे आयारगोयरमाइक्खंति ॥ ३७३ ॥ णाणभट्ठा दंसणलूसिणो णममाणा एगे जीवितं विप्परिणामंति ॥ ३७४ ॥ पुट्ठावेगे णियट्टंति जीवियस्सेव कारणा, णिक्खंतंपि तेसिं दुण्णिक्खंतं भवति ॥ ३७५ ॥ बालवयणिज्जा हु ते नरा पुणो पुणो जातिं पकप्पंति अहे संभवंता विद्दायमाणा अहमंसि ति विउक्कसे उदासीणे फरुसं वदंति, पलियं पकत्थे अदुवा पकत्थे अतहेहिं तं मेहावी जाणिज्जा धम्मं ॥ ३७६ ॥ अहम्मट्ठी तुमंसि णामबाले, आरंभट्ठी अणुवयमाणे "हणपाणे" घायमाणे, हणओयावि समणुजाणमाणे "घोरे धम्मे उदीरिए" उवेहइ णं आणाणाए एस विसण्णे वियद्दे वियाहिते त्ति बेमि ॥ ३७७ ॥ किमणेणं भो जणेण करिस्सामि त्ति मण्णमाणा एवं एगे वइत्ता, मातरं पितरं हिच्चा, णातओ य

परिग्गहं, वीरायमाणा समुट्ठाए, अहिंसा सुव्वया दंता पस्स दीणे उप्पइए पडिव-यमाणे ॥ १७८ ॥ वसट्टा कायरा जणा लूसगा भवंति ॥ १७९ ॥ अहमेगेसिं सिलोए पावए भवइ, से समणो भवित्ता विब्भंते २ ॥ १८० ॥ पासहेगे सम-न्नागएहिं सह असमन्नागए, णममाणेहिं अणममाणे विरएहिं अविरए दविएहिं अद-विए ॥ १८१ ॥ अभिसमेच्चा पंडिए मेहावी निट्ठियट्ठे वीरे आगमेणं सया परक्क-मिज्जासि त्ति बेमि ॥ १८२ ॥ चउत्थोद्देसो समत्तो ॥

से गिहेसु वा गिहंतरेसु वा गामेसु वा गामंतरेसु वा नगरेसु वा नगरंतरेसु वा जणवएसु वा जणवयंतरेसु वा गामनयरंतरे वा गामजणवयंतरे वा नयरजणवयंतरे वा संतेगइया जणा लूसगा भवंति अदुवा फासा फुसंति ते फासे पुट्ठो वीरो अहियासए ओए समियदंसणे ॥ १८३ ॥ दयं लोगस्स जाणित्ता पाईणं पडीणं दाहिणं उदीणं आइक्खे विभए किट्टे, वेयवी ॥ १८४ ॥ से उट्ठिएसु वा अणुट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिं विरतिं उवसमं निव्वाणं सोयं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवत्तियं ॥ १८५ ॥ सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाणं सव्वेसिं सत्ताणं अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खेज्जा ॥ १८६ ॥ अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताणं आसाएज्जा णो परं आसाएज्जा णो अन्नाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा ॥ १८७ ॥ से अणासायए अणासा-यमाणे वज्झमाणाणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं जहा से दीवे असंदीणे एवं से भवइ सरणं महामुणी ॥ १८८ ॥ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चले अबहिल्लेसे परिव्वए ॥ १८९ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिनिव्वुडे ॥ १९० ॥ तम्हा संगं ति पासह, गंथेहिं गढिया णरा विसण्णा कामक्कंता तम्हा लूहाओ णो परिवित्तसेज्जा ॥ १९१ ॥ जस्सिमे आरंभा सव्वओ सव्वप्पयाए सुपरिन्नाया भवंति जेसिमे लूसिणो णो परिवित्तसंति से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च एस तुट्टे वियाहिए त्ति बेमि ॥ १९२ ॥ कायस्स वियावाए एस संगामसीसे वियाहिए, से हु पारंगमे मुणी अविहम्ममाणे फलगावयट्ठी कालोवणीए कंखेज्ज कालं जाव सरीर-भेउ त्ति बेमि ॥ १९३ ॥ पंचमोद्देसो समत्तो ॥

॥ धूतनामं छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥

महापरिण्णा णामं सत्तमज्झयणं वोच्छिण्णं

से बेमि समणुन्नस्स वा असमणुन्नस्स वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा णो पाएज्जा णो निमंतेज्ज

णो कुज्जा वेयावडिय परं आढायमाणेत्ति बेमि ॥ ३९४ ॥ धुवं चेत जाणेज्जा असण वा जाव पायपुछण वा, लभिया णो लभिया, भुंजिया णो भुजिया पथं विउत्ता विउकम्म विभत्तं धम्म जोसेमाणे समेमाणे चलेमाणे पाएज्जा वा णिमतेज्जा वा कुज्जा वेयावडिय परं अणाढायमाणेत्ति बेमि ॥ ३९५ ॥ इहमेगेसिं आयार-गोयरे णो सुणिसत्ते भवति, ते इह आरंभट्ठी अणुवयमाणा "हण पाणा" घायमाणा हणतो यावि समणुजाणमाणा अदुवा अदिन्नमाययति, अदुवा वायाओ विउज्जति, तजहा-अत्थि लोए णत्थि लोए धुवे लोए अधुवे लोए सादिए लोए अणादिए लोए सपज्जवसिते लोए अपज्जवसिते लोए सुक्डेत्ति वा दुक्डेत्ति वा कल्लाणेत्ति वा पावेत्ति वा साहुत्ति वा असाहुत्ति वा सिद्धीत्ति वा, असिद्धीत्ति वा, णिरएत्ति वा अणिरएत्ति वा ॥ ३९६ ॥ जमिग विप्पडिवण्णा "मामग धम्म" पन्नवेमाणा, इत्थवि जाणह अकम्हा । एव तेसिं णो सुअक्खाए सुपन्नत्ते धम्मे भवति, से जहेयं भगवया पवेदित आसुपण्णेण जाणया पासया, अदुवा गुत्ती वओगोयरस्स त्ति बेमि ॥३९७॥ सव्वत्थ समयं पावं, तमेव उवाइकम्म, एस मह विवेगे वियाहिते ॥ ३९८ ॥ गामे अदुवा रण्णे, णेव गामे णेव रण्णे, धम्ममायाणह पवेदितं माहणेण मईमया ॥३९९॥ जामा तिण्णि उदाहिया, जेसु इमे आयरिया सवुज्झमाणा समुट्ठिया ॥४००॥ जे णिव्वुया पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥ ४०१ ॥ उड्ढ अहे तिरिय दिसासु सव्वतो सव्वावति च णं पाडियक्क जीवेहिं कम्मसमारमे ण ॥ ४०२ ॥ त परिण्णाय मेहावी णेव सयं एतेहिं कायेहिं दडं समारभेज्जा, णेवण्णे एतेहिं कायेहिं दड समारंभावेज्जा, नेवन्ने एएहिं काएहिं दडं समारभंतेवि समणुजाणेज्जा ॥४०३॥ जेयन्ने एतेहिं काएहिं दडं समारभंति तेसिंपि वयं लज्जामो ॥४०४॥ तं परिण्णाय मेहावी त वा दड अण्ण वा णो दडेमि, दड समारभिज्जासि त्ति बेमि ॥ ४०५ ॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खु परक्कमेज्ज वा, चिट्ठेज्ज वा, णिसीएज्ज वा, तुयट्टेज्ज वा, सुसाणसि वा, सुन्नागारंसि वा, गिरिगुहसि वा, रुक्खमूलसि वा, कुंभाराययणसि वा, हुरत्था वा, कहिं चि विहरमाण तं भिक्खुं उवसकमित्तु गाहावती बूया आउसतो समणा ! अह खलु तव अट्ठाए असण वा, पाण वा, खाइम वा, साइम वा, वत्थ वा, पडिग्गह वा, कबल वा, पायपुछणं वा, पाणाइ, भूयाइ, जीवाइ, सत्ताइ, समारब्भ समुद्दिस्स कीयं, पामिच्च, अच्छिज्जं, अणिसट्ठ, अभिहड आहट्टु चेतेमि, आवसह वा समुस्सिणोमि, से भुंजह, वसह ॥ ४०६ ॥ आउसतो समणा ! भिक्खु त गाहावतिं समणस सवयस सपडियाइक्खे आउसंतो गाहावति ! णो खलु ते वयण आढामि, णो खलु ते वयणं परिजाणामि, जो तुम मम अट्ठाए असण वा (४) वत्थं वा (४) पाणाइं

उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता काय आयावेज्जा वा पयावेज्जा वा, त च भिक्खु पडिलेहाए आगमेत्ता आणविज्जा, अणासेवणाए त्ति बेमि ॥४२०॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खु तिवत्थेहिं परिवुसिते पायचउत्थेहिं तस्स णं णो एवं भवति "चउत्थं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइ वत्थाइ धारेज्जा, णो धोविज्जा णो रएज्जा णो धोयरत्ताइं वत्थाइ धारेज्जा, अपलिओवमाणे, गामंतरेसु, ओमचेलिए, एय खु वत्थधारिस्स सामग्गिय ॥ ४२१ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा; उवातिक्कते खलु हेमते, गिम्हे पडिवन्ने अहापरिजुण्णाइ वत्थाइ परिट्ठविज्जा, अदुवा संतरुत्तरे, अदुवा ओमचेले, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमन्नागए भवति । जमेयं भगवया पवेदित तमेव अभिसमेच्चा, सव्वतो सव्वत्ताए समत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४२२ ॥ जस्स ण भिक्खुस्स एवं भवति, पुट्ठो खलु अहमसि, नालमहमसि सीयफास अहियासित्तए, से वसुमं सव्वसमण्णागयपन्नाणेणं अप्पाणेण केइ अकरणयाए आउट्टे, तवस्सिणो हु त सेयं जमेगे विहमाइए, तत्थवि तस्स कालपरियाए, से वि तत्थ विअतिकारए, इच्चेतं विमोहायतण हियसुहखमणिस्सेयस आणुगामिय त्ति बेमि ॥४२३॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खु दोहिं वत्थेहिं परिवुसिते, पायतइएहिं, तस्स ण णो एव भवति, तइयं वत्थ जाइस्सामि, से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, जाव एवं खलु तस्स भिक्खुस्स सामग्गिय ॥ ४२४ ॥ अह पुण एव जाणेज्जा, उवाइक्कते खलु हेमते, गिम्हे पडिवन्ने, अहा परिजुण्णाइं वत्थाइं परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संतरुत्तरे, अदुवा ओमचेलए, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघविय आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवति, जहेय भगवता पवेदितं तमेव अभिसमेच्चा सव्वतो सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४२५ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एव भवति, पुट्ठो अवलो अहमसि, नालमहमंसि गिहंतरसकमण भिक्खायरिय गमणाए, से चेव वदंतस्स परो अभिहड असण वा (४) आहट्टु दलएज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसतो गाहावती णो खलु मे कप्पइ अभिहडं असण वा (४) भोत्तए वा, पायए वा, अन्ने वा एयप्पगारे ॥ ४२६ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स अय पगप्पे, अह च खलु पडिण्णत्तो अपडिन्नत्तेहिं, गिलाणो अगिलाणेहिं, अभिकख साहम्मिएहिं, कीरमाण वेयावडियं साइज्जिस्सामि । अह वा वि खलु अपडिन्नत्तो पडिण्णत्तस्स अगिलाणे गिलाणस्स, अभिकंख साहम्मिअस्स कुज्जा वेयावडिअ करणाए ॥ ४२७ ॥ आहट्टु परिण्णं अणुक्खिस्सामि, आहडं च सातिज्जिस्सामि, (१) आहट्टु परिण्ण आणक्खेस्सामि, आहड च णो सातिज्जिस्सामि (२) आहट्टु परिण्णं, णो आणक्खेस्सामि, आहडं

न साइज्जिस्सामि (३) आहट्टु परिन्नं नो आणक्खेस्सामि आहडं च नो साइ-ज्जिस्सामि (४) एवं से अहाकिट्टियमेव धम्मं समहिजाणमाणे संते विरते सुसमाहियलेसे तत्थावि तस्स कालपरियाए, से तत्थ विअंतिकारए, इच्चेयं विमोहायतणं हियं सुहं खमं निस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥ ४२८ ॥ पंचमोद्देसो समत्तो ॥

जे भिक्खू एगेण वत्थेण परिवुसिए पायबिइएण तस्स णं नो एवं भवइ, "बिइयं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जं वत्थं जाएज्जा अहापरिग्गहियं वत्थं धारेज्जा जाव गिम्हे पडिवन्ने अहा परिजुन्नं वत्थं परिट्ठवेज्जा २ अदुवा एगसाडे अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ एगो अहमंसि न मे अत्थि कोइ न याहमवि कस्स वि एवं से एगागिण-मेव अप्पाणं समभिजाणिज्जा लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमन्नागए भवइ जाव समभिजाणिया ॥ ४२९ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा (४) आहारेमाणे नो वामाओ हणुयाओ दाहिणं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे दाहिणाओ वा हणुयाओ वामं हणुयं नो संचारेज्जा आसाएमाणे से अणासायमाणे लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमन्नागए भवइ। जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ से गिलामि च खलु अहं इमंमि समए नो संचाएमि इमं सरीरगं अणुपुव्वेण परिवहित्तए, से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा आहारं अणुपुव्वेण संवट्टित्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिनिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता गामं वा नगरं वा खेडं वा कब्बडं वा मडंबं वा पट्टणं वा दोणमुहं वा आगरं वा आसमं वा संनिवेसं वा निगमं वा रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा तणाइं जाइत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा एगंतमवक्कमित्ता अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए-अप्पह-रिए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टिय-मक्कडासंताणए पडिलेहिय २ पम-ज्जिय २ तणाइं संथरेज्जा तणाइं संथरेत्ता एत्थवि समए इत्तरियं कुज्जा ॥ ४३१ ॥ तं सच्चं सच्चवाई ओए तिन्ने छिन्नकहंकहे, आईयट्ठे अणाईए चिच्चाण भेउरं कायं संविहुय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विस्संभणयाए भेरवमणुचिन्ने तत्थावि तस्स कालपरियाए, जाव आणुगामियं त्ति बेमि ॥ ४३२ ॥ छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

जे भिक्खू अचेले परिवुसिए तस्स णं एवं भवइ चाएमि अहं तणफासं अहियासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं अहियासित्तए, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छायणं चऽहं

णो सचाएमि अहियासित्तए, एव से कप्पति कडिवधणं धारित्तए ॥ ४३३ ॥ अदुवा तत्थ परक्कमत भुज्जो अचेल तणफासा फुसति, सीयफासा फुसति, तेउफासा फुसति, दसमसगफासा फुसति, एगयरे अन्नयरे विरूवरूवे फासे अहियासेति अचेले लाघविय आगममाणे, जाव समभिजाणिया ॥ ४३४ ॥ जस्सण भिक्खुस्स एव भवति, अह च खलु अन्नेसिं भिक्खूण असण वा (४) आहट्टु दलइस्सामि, आहड च सातिज्जिस्सामि [१] जस्सण भिक्खुस्स एव भवति, अह च खलु अन्नेसिं भिक्खूण असणं वा (४) आहट्टु दलइस्सामि आहड च णो सातिज्जिस्सामि (२) जस्सण भिक्खुस्स एव भवति, अह च खलु असण वा (४) आहट्टु नो दलइस्सामि आहड च सातिज्जिस्सामि (३) जस्सण भिक्खुस्स एव भवति अह च खलु अण्णेसिं भिक्खूण असणं वा (४) आहट्टु नो दलइस्सामि आहडं च णो सातिज्जिस्सामि ॥ ४ ॥ अह च खलु तेण अहाइरित्तेण अहेसणिज्जेण अहापरिग्गहिएण असणेण वा (४) अभिकख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए, अह वावि तेण अहातिरित्तेण अहेसणिज्जेण अहापरिग्गहिएण असणेण वा (४) अभिकख साहम्मिएहिं कीरमाण वेयावडियं सातिज्जिस्सामि लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३५ ॥ जस्सण भिक्खुस्स एव भवति से गिलामि खलु अह इमम्मि समये इम सरीरं अणुपुव्वेण परिवहित्तए, से अणुपुव्वेग आहार सवट्टेज्जा, सवट्टत्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहिअच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे, अणुपविसित्ता गाम वा जाव रायहाणिं वा तणाइ जाएज्जा, तणाइं जाएत्ता, से तमायाए एगतमवक्कमेज्जा, अप्पडे जाव तणाइं सथरेज्जा, इत्थवि समए काय च, जोग च, इरिय च, पच्चक्खाएज्जा ॥ ४३६ ॥ तं सच्च सच्चावादीओए तिन्ने छिन्नकहंकहे आतीतट्ठे अणातीते चेच्चाण भिउर काय सविहूणिय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विसभणाए भेरवमणुचिन्ने तत्थवि तस्सकालपरियाए से तत्थ विअतिकारए इच्चेय विमोहायतण हिय सुहं खम णिस्सेयस आणुगामिय त्ति बेमि ॥ ४३७ ॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज, वसुमतो मइमतो, सव्व णच्चा अणेलिस ॥१॥४३८॥ दुविहंपि विदित्ताण, जिणा धम्मस्स पारगा, अणुपुव्वीड सखाए, कम्मुणाउ तिउट्टति ॥२॥४३९॥ कसाए पयणू किच्चा, अप्पाहारो तितिक्खए, अह भिक्खु गिलाएज्जा, आहारस्सेव अतिय ॥ ३ ॥ ४४० ॥ जीविय णाभिकखेज्जा, मरण णोवि पत्थए, दुहतोवि ण सज्जेज्जा, जीविते मरणे तहा ॥४॥ मज्झत्थो णिज्जरापेही, समा-

अहासुय वदिस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाय, सखाय तंसि हेमते, अहुणा पव्वइए रीयत्था ॥ ४६२ ॥ णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तसि हेमते, से पारए आवकहाए, एव खु अणुधम्मिय तस्स ॥ ४६३ ॥ चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म, अभिरुज्झकायं विहरिंसु, आरुहियाण तत्थ हिंसिंसु ॥ ४६४ ॥ सवच्छरं साहिय मास, ज ण रिक्कासि वत्थग भगव, अचेलए ततो चाई, तं वोसिरिज्ज वत्थमणगारे ॥ ४६५ ॥ अदु पोरिसिं तिरियभित्तिं, चक्खुमासज्ज अतसो झायति, अह चक्खुमीया सहिया, ते हता बहवे कंदिंसु ॥ ४६६ ॥ सयणेहिं वितिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थसे परिण्णाय, सागारिय ण सेवेइ, य इति से सय पवेसिया झाति ॥४६७॥ जे केइ इमे अगारत्था, मीसीभाव पहाय ते झाति, पुट्ठो वि णाभिभासिंसु, गच्छति णाइवत्तइ अजू ॥ ४६८ ॥ णो सुगरमेतमेगेसिं, णाभिभासे अभिवायमाणे, हयपुव्वो तत्थ दडेहिं, लूसियपुव्वो अप्पपुन्नेहिं ॥ ४६९ ॥ फरुसाइं दुत्तितिक्खाइ, अतिअच्च मुणी परक्कममाणे, आघायणट्टगीताइं, दंडजुज्झाइ मुट्ठिजुज्झाइ ॥ ४७० ॥ गढिए मिहो कहासु, समयंमि **णायसुए** विसोगे अदक्खू, एताइ सो उरालाइ, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ॥ ४७१ ॥ अविसाहिए दुवे वासे, सीतोदं अभोच्चा णिक्खते; एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिण्णायदंसणे सते ॥ ४७२ ॥ पुढविं च आउकायं, तेउकाय च वाउकायं च, पणगाइ बीयहरियाइं, तसकाय च सव्वसो णच्चा "एयाइं संति" पडिलेहे, चित्तमताइ से अभिण्णाय, परिवज्जिय विहरित्था, इति सखाय से महावीरे ॥ ४७३ ॥ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवाय थावरत्ताए, अदुवा सव्व-जोणीया, सत्ता कम्मुणा कप्पिया पुढो बाला ॥ ४७४ ॥ भगव च एवमन्नेसिं, सोवहिए हु लुप्पती बाले, कम्मं च सव्वसो णच्चा, त पडियाइक्खे पावग भगवं ॥ ४७५ ॥ दुविह समिच्च मेहावी, किरियमक्खायमणेलिस णाणी, आयाण-सोयमतिवायसोयं जोग च सव्वसोणच्चा ॥ ४७६ ॥ अइवत्तिय अणाउट्टिं, सयमन्नेसिं अकरणयाए, जस्सित्थिओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाउसे अदक्खू ॥ ४७७ ॥ अहाकडं न से सेवे, सव्वसो कम्मुणा बध अदक्खू, जं किंचि पावग भगव, त अकुव्वं वियडं भुंजित्था ॥४७८॥ णो सेवती य परवत्थ, परपाएवि से ण भुंजित्था, परिवज्जियाण ओमाण, गच्छति सखडिं असरणयाए ॥ ४७९ ॥ मायन्ने असण-पाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु अपडिण्णे, अच्छिंपि णो पमज्जिज्जा, णोवि य कंडूयये मुणी गायं ॥ ४८० ॥ अप्पं तिरियं पेहाए, अप्प पिट्ठओ व पेहाए, अप्प बुइए पडिभाणी, पथपेही चरे जयमाणे ॥ ४८१ ॥ सिसिरंसि अद्धपडिवन्ने, त वोसिज्ज वत्थमणगारे, पसारित्तु बाहु परक्कमे, णो अवलंबिया ण खधंमि ॥ ४८२ ॥ एस

विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडिन्नेण भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ४८३ ॥ पढमोद्देसो समत्तो ॥

चरियासणाइं सेज्जाओ एगतियाओ जाओ बुइयाओ; आइक्ख ताइं सयणास-णाइं, जाइं सेविंसु से महावीरो ॥ ४८४ ॥ आवेसणसभापवासु, पणियसालासु, एगया वासो अदुवा पलियट्ठाणेसु, पलालपुंजेसु एगया वासो ॥ ४८५ ॥ आगंतारे आरामागारे तह य नगरे वि एगया वासो सुसाणे सुण्णागारे वा रुक्खमूले वि एगया वासो ॥ ४८६ ॥ एतेहिं मुणी सयणेहिं, समणे आसी पतेरसवासे; राइं दिवं पि जयमाणे अप्पमत्ते समाहिए झाति ॥ ४८७ ॥ णिद्दंपि णो पगामाए, सेवइ य भगवं उट्ठाए; जग्गावती य अप्पाणं ईसिं साई य अपडिन्ने ॥ ४८८ ॥ संबुज्झमाणे पुणरवि आसिंसु भगवं उट्ठाए; णिक्खम्म एगया राओ बहिं चंकमिया मुहुत्तागं ॥ ४८९ ॥ सयणेहिं तस्सुवसग्गा भीमा आसी अणेगरूवा य; संसप्पगा य जे पाणा अदुवा जे पक्खिणो उवचरंति ॥ ४९० ॥ अदुवा कुचरा उवचरंति, गामरक्खा य सत्तिहत्था य; अदुगामिया उवसग्गा इत्थी एगतिया पुरिसा य ॥ ४९१ ॥ इहलोइयाइं परलोइयाइं, भीमाइं अणेगरूवाइं; अवि सुब्भि-दुब्भिगंधाइं, सद्दाइं अणेगरूवाइं अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९२ ॥ अरइं रइं अभिभूय रीयई माहणे अबहुवाई ॥ ४९३ ॥ स जणेहिं तत्थ पुच्छिंसु, एगचरा वि एगया राओ; अव्वाहिए कसाइत्था पेहमाणे समाहिं अपडिन्ने ॥ ४९४ ॥ अयमंतरंसि को एत्थ अहमंसित्ति भिक्खू आहट्टु; अयमुत्तमे से धम्मे तुसिणीए सकसाइए झाति ॥ ४९५ ॥ जंसिप्पेगे पवेयंति सिसिरे मारुए पवायंते; तंसिप्पेगे अणगारा हिमवाए णिवायमेसंति ॥ ४९६ ॥ संघाडिओ पविसिस्सामो, एहा य समादहमाणा पिहिया वा सक्खामो अइदुक्खे हिमगसंफासा ॥ तंसि भगवं अपडिन्ने अहे विगडे अहियासए दविए; णिक्खम्म एगया राओ ठाइए भगवं समियाए ॥ ४९६ ॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडि-न्नेण भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ४९७ ॥ बितियोद्देसो समत्तो ॥

तणफासे सीयफासे य तेउफासे य दंसमसगे य; अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९८ ॥ अह दुच्चरलाढमचारी वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च; पंतं सेज्जं सेविंसु, आसणगाइं चेव पंताइं ॥ ४९९ ॥ लाढेहिं तस्सुवसग्गा बहवे जाणवया लूसिंसु; अह लूहदेसिए भत्ते कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवइंसु ॥ ५०० ॥ अप्पे जणे णिवारेइ, लूसणए सुणए दसमाणे; छुच्छुकारंति आहंसु 'समणं कुक्कुरा डसंतु'त्ति ॥ ५०१ ॥ एलिक्खए जणा भुज्जो बहवे वज्जभूमि फरुसासी; लट्ठिं गहाय णालीयं,'

समणा तत्थ य विहरिंसु ॥ ५०२ ॥ एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुव्वा अहेसि सुणएहिं, संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥ निधाय दंड पाणेहिं, तं कायं वोसिज्जमणगारे ॥ अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥५०२॥ णागो संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे ॥ ५०३ ॥ एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुव्वो वि एगदा गामे उवसंकमंतमपडिन्नं, गामंतियंमि अप्पत्तं, पडिणिक्खमित्तु लूसिंसु, एतातो परं पलेहित्ति ॥ ५०४ ॥ हयपुव्वो तत्थ दंडेण, अदुवा मुट्ठिणा, अदु कुंताइफलेण, अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥५०५॥ मंसाणि छिन्नपुव्वाइं, उट्ठंभिया एगया कायं; परीसहाइं लुंचिंसु, अहवा पंसुणा उवकरिंसु ॥ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु, वोसट्ठकाये पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिन्ने ॥ ५०६ ॥ सूरो संगामसीसे वा, संवुडे तत्थ से महावीरे, पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचले भगवं रीइत्था ॥ ५०७ ॥ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया, बहुसो अपडिन्नेण, भगवया एवं रीयंति, त्ति बेमि ॥ ५०८ ॥ **तइओद्देसो समत्तो** ॥

ओमोदरियं चाएति, अपुट्ठेवि भगवं रोगेहिं, पुट्ठो वा से अपुट्ठो वा, णो से सातिज्जति तेइच्छं ॥ ५०९ ॥ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं च सिणाणं च, संवाहणं ण से कप्पे, दंतपक्खालणं परिण्णाए ॥ ५१० ॥ विरए य गामधम्मेहिं, रीयति माहणो अबहुवाई ॥ ५११ ॥ सिसिरंमि एगदा भगवं, छायाए झाई आसीया ॥ आयावई य गिम्हाणं, अच्छति उक्कुडुए अभितावे ॥ ५१२ ॥ अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयणमंथुकुम्मासेण ॥ एयाणि तिन्नि पडिसेवे, अट्ठमासे य जावय भगवं ॥ ५१३ ॥ अवि इत्थ एगया भगवं, अद्धमासं अदुवा मासंपि ॥ अविसाहिए दुवे मासे, छप्पिमासे अदुवा विहरित्था ॥ रायोवरायं अपडिन्ने, अन्नगिलायमेगया भुंजे, छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेण दसमेण, दुवालसमेण एगया भुंजे, पेहमाणे समाहिं अपडिन्ने ॥ ५१४ ॥ णच्चा ण से महावीरे, णोवि य पावगं सयमकासी ॥ अन्नेहिं वा ण कारित्था, कीरंतंपि णाणुजाणित्था ॥ ५१५ ॥ गामं पविस्स णयरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए, सुविसुद्धमेसिया भगवं, आयतजोगयाए सेवित्था ॥ ५१६ ॥ अदु वायसा दिगिंच्छित्ता, जे अन्ने रसेसिणो सत्ता, घासेसणाए चिट्ठंति, सययं णिवतिए य पेहाए ॥ ५१७ ॥ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अतिहिं वा, सोवागं मूसियारं वा कुक्कुरं वा विट्ठितं पुरतो ॥ वित्तिच्छेदं वज्जंतो, तेसिमप्पत्तियं परिहरंतो, मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥५१८॥ अविसूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं, अदु बुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे

अहियासए दविए ॥ ५११ ॥ अवि झाति से महावीरे, आसणत्थे अकुक्कुए झाणं; उड्ढमहे तिरियं च पेहमाणे समाहिमपडिन्ने ॥ ५१ ॥ अकसाई विगय-गेही य सद्दरूवेसु अमुच्छिए झाति; छउमत्थो वि परक्कममाणो ण पमायं सइंपि कुव्वित्था ॥ ५११ ॥ सयमेव अभिसमागम्म आयतजोगमायसोहीए। अभिणिव्वुडे अमाइल्ले आवकहं भगवं समियासी ॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडिन्नेणं भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ५२२ ॥ चउत्थोद्देसो समत्तो ॥

॥ उवहाणसुयं णवमज्झयणं समत्तं ॥

॥ बंभचेरणाम पढमे सुयक्खंधे संपुण्णे ॥

णमो त्थु ण समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

बिइये सुयक्खंधे

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुल पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जं पुणजाणेज्जा असण वा पाण वा खाइम वा साइमं वा पाणेहिं वा पणएहिं वा बीएहिं वा, हरिएहिं वा, ससत्त उम्मिस्स सीओदएण वा ओसित्त, रयसा वा परिघासिय, तहप्पगार असण वा पाण वा खाइम वा साइम वा, परहत्थसि वा परपायसि वा, अफासुय अणेसणिज्जति मण्णमाणे लाभेवि सते णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२३ ॥ से य आहच पडिग्गहिए सिया से त आयाय एगतमवक्कमेज्जा, एगतमवक्कमित्ता अहे आरामसि वा अहे उवस्सयसि वा, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पवीए, अप्पहरिए, अप्पोसे, अप्पोदए, अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टियमक्कडासताणए विगिंचिय विगिंचिय उम्मीस विसोहिय विसोहिय तओ सजयामेव भुंजिज्ज वा, पीइज्ज वा, ज च णो सचाइज्जा भोत्तए वा पायए वा, से तमायाय एगतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अहे ज्झामथंडिलसि वा, किट्टरासिंसि वा, तुसरासिंसि वा, सुक्कगोमयरासिंसि वा अण्णयरसि वा तहप्पगारसि थडिलसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ सजयामेव परिठ्ठविजा ॥ ५२४ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुल पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा कसिणाओ सासिआओ अविदलकडाओ अतिरिच्छछिन्नाओ, अव्वोच्छिन्नाओ तरुणिय वा छिवाडिं अणभिक्कतभज्जिय पेहाए, अफासुय अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लामे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५२५ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा, अकसिणाओ असासियाओ, विदलकडाओ, तिरिच्छछिन्नाओ, वोच्छिण्णाओ, तरुणिअ वा छिवाडिं अभिक्कतं भज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जति मण्णमाणे लामे सते पडिगाहेज्जा ॥ ५२६ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण जाणेज्जा, पिहुय वा बहुरयं वा, भुज्जिय वा, मथु वा, चाउलं वा, चाउलपलंब वा, सई सभज्जियं, अफासुयं अणेसणिज्ज मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५२७ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण जाणिज्जा, पिहुय वा जाव चाउलपलव वा असई भज्जिय दुक्खुत्तो वा भज्जिय तिक्खुत्तो वा भज्जिय फासुय एसणिज्ज जाव लामे सते पडिगाहिज्जा ॥५२८॥ से भिक्खु वा भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे णो अन्नउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए

पविसिज्ज वा निक्खमिज्ज वा ॥५१९॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खममाणे पविसमाणे वा णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५२०॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से णो अण्णउत्थियस्स वा गारत्थियस्स वा परिहारिओ वा अपरिहारियस्स वा असणं पाणं खाइमं साइमं वा देज्जा अणुपदेज्जा वा ॥५२१॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ अपरिहारिएण वा सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५२२॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा असणं वा (४) अस्संपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं, भूयाइं जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तं तहप्पगारं असणं वा (४) पुरिसंतरकडं अपुरिसंतरकडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५२३॥ एवं बहवे साहम्मिया एगा साहम्मिणी बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ॥५२४॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा असणं वा (४) बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं वा ४ जाव समारब्भ आसेवियं वा अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५२५॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा असणं वा (४) बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स पाणाइं (४) आहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा (४) अपुरिसंतरकडं अबहिया णीहडं अणत्तट्ठियं अपरिभुत्तं अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५२६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं बहिया णीहडं अत्तट्ठियं परिभुत्तं आसेवियं फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥५२७॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा इमेसु खलु कुलेसु णितिए पिंडे दिज्जइ, णितिए अग्गपिंडे दिज्जइ, णितिए भाए दिज्जइ, अवड्ढभाए दिज्जइ, तहप्पगाराइं कुलाइं णितियाइं णितिउमाणाइं, णो भत्ताए वा णो पाणाए वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५२८॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥५२९॥ पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से ज पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) अट्ठमिपोसहिएसु वा, अद्धमासिएसु वा, मासिएसु वा, दोमासिएसु वा, तिमासिएसु वा, चाउमासिएसु वा, पंचमासिएसु वा, छमासिएसु वा, उऊसु वा, उऊसंधीसु वा, उउपरियट्टेसु वा, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाइओ वा, संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं (४) अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४० ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, तंजहा–उग्गकुलाणि वा भोगकुलाणि वा, राइण्णकुलाणि वा, खत्तियकुलाणि वा, इक्खागकुलाणि वा, हरिवंसकुलाणि वा, एसियकुलाणि वा, वेसियकुलाणि वा, गंडागकुलाणि वा, कोट्टागकुलाणि वा, गामरक्खकुलाणि वा, वोक्कसालियकुलाणि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु वा, असणं वा (४) फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से ज पुण जाणेज्जा असणं वा (४) समवाएसु वा, पिंडणियरेसु वा, इंदमहेसु वा, खंदमहेसु वा, रुद्दमहेसु वा, मुगुंदमहेसु वा, भूयमहेसु वा, जक्खमहेसु वा, णागमहेसु वा, थूभ-महेसु वा, रुक्खमहेसु वा, गिरिमहेसु वा, दरिमहेसु वा, अगडमहेसु वा, तडाग-महेसु वा, दहमहेसु वा, णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा, आगरमहेसु वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्टमाणेसु, बहवे समण-माहणअतिहिकिवणवणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा (४) अपुरि-संतरकडं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५४३ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, दिण्णं जं तेसिं दायव्वं, अह तत्थ भुंजमाणे पेहाए गाहावइभारियं वा, गाहावइभगिणिं वा, गाहावइपुत्तं वा, गाहावइधूयं वा, सुण्हं वा, धाइं वा, दासं वा, दासिं वा, कम्मकरं वा, कम्मकरिं वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणित्ति वा, दाहिसि मे इत्तो अन्नयरं भोयणजायं? से सेवं वयतस्स परो असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं असणं वा (४) सयं वा पुण जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४४ ॥ से भिक्खू वा (२) परं अद्धजोयणमेराए

संखडिं णच्चा संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५८५ ॥ से भिक्खू वा
(२) पाईणं संखडिं णच्चा पडीणं गच्छे अणाढायमाणे पडीणं संखडिं णच्चा पाईणं
गच्छे अणाढायमाणे दाहिणं संखडिं णच्चा उदीणं गच्छे अणाढायमाणे उदीणं संखडिं
णच्चा दाहिणं गच्छे अणाढायमाणे ॥ ५८६ ॥ जत्थेव सा संखडी सिया तंजहा
गामंसि वा नगरंसि वा खेडंसि वा कब्बडंसि वा मडंबंसि वा पट्टणंसि वा आगरंसि
वा दोणमुहंसि वा, निगमंसि वा आसमंसि वा रायहाणिंसि वा जाव संनिवेसंसि
वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं'
॥ ५८७ ॥ संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेमाणे आहाकम्मियं वा उद्देसियं मीस
जायं वा कीयगडं वा पामिच्चं वा अच्छेज्जं वा अणिसट्ठं वा अभिहडं वा आहट्टु
दिज्जमाणं भुंजिज्जा अयंजए भिक्खुपडियाए, खुड्डियदुवारियाओ महल्लियदुवारियाओ
कुज्जा महल्लियदुवारियाओ खुड्डियदुवारियाओ कुज्जा समाओ सिज्जाओ विसमाओ
कुज्जा विसमाओ सिज्जाओ समाओ कुज्जा पवायाओ सिज्जाओ णिवायाओ कुज्जा
णिवायाओ सिज्जाओ पवायाओ कुज्जा अंतो वा बहिं वा उवस्सयस्स हरियाणि छिंदिय
२ दालिय २ संथारगं संथारिज्जा एस विलुंगयामो सिज्जाए तम्हा से संजए णियंठे
अण्णयरं वा तहप्पगारं पुरे संखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो
अभिसंधारिज्ज गमणाए ॥ ५८८ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा साम-
ग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जए त्ति बेमि ॥५८९॥ बीओद्देसो समत्तो ॥

से एगया अण्णयरं संखडिं आसित्ता पिबित्ता छड्डेज्ज वा वमेज्ज वा भुत्ते वा से
णो सम्मं परिणमिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जिज्जा केवली बूया
आयाणमेयं ॥ ५९० ॥ इह खलु भिक्खू गाहावईहिं वा गाहावईणीहिं वा परिवा-
यएहिं वा परिवाइयाहिं वा एगज्जं सद्धिं सोंडं पाउं भो वतिमिस्सं हुरत्था वा
उवस्सयं पडिलेहेमाणे णो लभिज्जा तमेव उवस्सयं संमिस्सिभावमावज्जिज्जा अण्ण-
मणे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीबे वा तं भिक्खुं उवसंक-
मित्तु बूया 'आउसंतो समणा अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा राओ वा
वियाले वा गामधम्मनियंतियं कट्टु, रहस्सियं मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो' तं
चेवेगइओ साइज्जिज्जा अकरणिज्जं चेयं संखाए। एए आयाणा संति संविज्जमाणा
पच्चवाया भवंति तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा
संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्ज गमणाए ॥५९१॥ से भिक्खू वा (२)
अण्णयरिं संखडिं वा सोच्चा णिसम्म संपहावइ उस्सुयभूएण अप्पाणेणं 'धुवा संखडी'
णो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगा-

हित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थेयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥ ५५२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५५३ ॥ आइण्णा अवमा णं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे वा भवइ, सीओदएण वा उसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमा णं संखडिं संखडिपडियाए नो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥ ५५४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) एसणिज्जं सिया अणेसणिज्जं सिया वितिगिच्छसमावण्णेण अप्पाणेण असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५५५ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पविसित्तुकामे सव्वं भंडगमायाय गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥ ५५६ ॥ से भिक्खू वा (२) बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खममाणे पविसमाणे वा सव्वं भंडगमायाए बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥ ५५७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे सव्वं भंडगमायाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५५८ ॥ से भिक्खू वा (२) अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वासं वासेमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं महियं संणिचयमाणं पेहाए महावाएण वा रयं समुद्धुयं पेहाए तिरिच्छसंपाइमा वा तसा पाणा संयडा संनिचयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं भंडगमायाय गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ५५९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, तंजहा–खत्तियाण वा, राईण वा, कुराईण वा, रायपेसियाण वा, रायवंसट्ठियाण वा अंतो वा बहिं वा संणिविट्ठाण वा, गच्छंताण वा णिमंतेमाणाण वा अणिमंतेमाणाण वा असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा त्ति बेमि ॥ ५६० ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

वेसिय पिंडवाय पडिगाहित्ता आहार आहारिज्जा ॥ ५६६ ॥ एय खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५६६ ॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अग्गपिंडं उक्खिप्पमाण पेहाए, अग्गपिंड णिक्खिप्पमाण पेहाए अग्गपिंडं हीरमाण पेहाए, अग्गपिंड परिभाइज्जमाणं पेहाए, परिभुंजमाण पेहाए, अग्गपिंड परिट्ठविज्जमाणं पेहाए, पुरा असिणाइ वा, अवहाराइ वा पुरा जत्थण्णे समणमाहणअतिहिकिवण-वणीमगा खद्ध खद्ध उवसकमंति, से हंता अहमवि खद्ध २ उवसकमामि, माइट्ठाणं सफासे णो एव करिज्जा ॥ ५६७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव पविट्ठे समाणे अतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा सइ परक्कमे सजयामेव परक्कमिज्जा, णो उज्जुय गच्छिज्जा, केवली बूया आयाणमेय ॥ ५६८ ॥ से तत्थ परक्कममाणे पयलिज्ज वा, पक्ख-लेज्ज वा पवडिज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पक्खलेज्जमाणे पवडमाणे वा, तत्थ से काये उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणेण वा, वंतेण वा पित्तेण वा, पूएण वा, सुक्केण वा, सोणिएण वा, उवलित्ते सिया, तहप्पगार काय णो अणतरहि-याए पुढवीए णो ससिणिद्धाए पुढवीए, णो ससरक्खाए पुढवीए, णो चित्तमंताए सिलाए, णो चित्तमंताए लेलूए, कोलावाससि वा, दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे जाव ससंताणए, णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा, सलिहिज्ज वा, विलिहिज्ज वा, उव्व-लिज्ज वा, उवट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा, पयाविज्ज वा, से पुव्वामेव अप्पससरक्खं तणं वा, पत्तं वा, कट्ठ वा, सक्कर वा, जाइज्जा, जाइत्ता सेतमायाय एगतमवक्कमिज्जा, २ अहे झामथंडिलसि वा, जाव अण्णयरंसि वा, तहप्पगारसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ सजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ५६९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण जाणेज्जा गो। वियालं पडिपहे पेहाए, महिस वियाल पडिपहे पेहाए एव मणुस्स आसं हत्थिं सीह वग्घ विग दीवियं अच्छ तरच्छं परिसरं सियाल विरालं सुणयं कोलसुणय कोकंतिय चित्ताचेल्लरयं वियालं पडिपहे पेहाए सइपरक्कमे सजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुय गच्छेज्जा ॥ ५७० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे अतरा से ओवाओ वा, खाणू वा, कटए वा, घसी वा, भिलुगा वा, विसमे वा, विज्जले वा, परियावज्जिज्जा, सति परक्कमे सजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५७१॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलस्स दुवार-वाहं कटकबोंदियाए परिपिहिय पेहाए तेसिं पुव्वामेव उग्गह अणणुन्नविय अपडि-लेहिय अपमज्जिय णो अवंगुणिज्ज वा, पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा, तेसिं पुव्वामेव

उग्गहं अणुण्णविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव ओसक्किज्ज वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥५७२॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा समणं वा माहणं वा गामपिंडोलगं वा अतिहिं वा पुव्वपविट्ठं पेहाए णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा केवली बूया आयाणमेयं ॥ ५७३ ॥ पुरा पेहाए तस्सट्ठाए परो असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा एस हेऊ, एस उवएसो जं णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा से त्तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा ॥ ५७४ ॥ से परो अणावायमसंलोए चिट्ठमाणस्स असणं वा (४) आहट्टु दलएज्जा से य वएज्जा "आउसंतो समणा इमे भे असणे वा (४) सव्वजणाए णिसिट्ठे, तं भुंजह व णं परिभाएह व णं" तं चेगइओ पडिगाहेत्ता तुसिणीओ उवेहेज्जा अवियाइं एयं ममामेव सिया एवं माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से त्तमायाए तत्थ गच्छेज्जा (२) से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसंतो समणा इमे भे असणे वा (४) सव्व जणाए णिसिट्ठे तं भुंजह व णं परिभाएह व णं" सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा तुमं चेव णं परिभाएहि, से तत्थ परिभाएमाणे णो अप्पणो खद्धं २ डायं २ ऊसढं २ रसियं २ मणुण्णं २ णिद्धं २ लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे बहुसममेव परिभाएज्जा ॥ ५७५ ॥ से णं परिभाएमाणं परो वएज्जा "आउसंतो समणा मा णं तुमं परिभाएहि सव्वे वेगइया ठिया उ भोक्खामो वा पाहामो वा" से तत्थ भुंजमाणे णो अप्पणा खद्धं २ जाव लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए (४) बहुसममेव भुंजिज्ज वा पीएज्ज वा ॥ ५७६ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा समणं वा माहणं वा गामपिंडोलगं वा अतिहिं वा पुव्वपविट्ठं पेहाए णो ते उवाइक्कम्म पविसेज्ज वा ओभासेज्ज वा से त्तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पडिसेहिए वा दिण्णे वा तओ तंमि णियत्तिए संजयामेव पविसिज्ज वा ओभासिज्ज वा ॥ ५७७ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५७८ ॥ पंचमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा रसेसिणो बहवे पाणा घासेसणाए संथडे संणिवइए पेहाए तंजहा—कुक्कुडजाइयं वा सूयरजाइयं वा अग्गपिंडंसि वा वायसा संथडा संणिवइया पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥ ५७९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे णो गाहावइकुलस्स दुवारसाहं अवलंबिय २ चिट्ठेज्जा णो गाहावइकुलस्स दगच्छड्डणमत्तए

चिट्ठिज्जा, नो गाहावइकुलस्स चदणिउयए चिट्ठेज्जा, णो० सिणाणस्स वा वच्चस्स वा सलोए सपडिदुवारे चिट्ठिज्जा णो गाहावइकुलस्स आलोय वा थिग्गलं वा सधिं वा दगभवण वा बाहाउ पगिज्झिय २ अगुलियाए वा उद्दिसिय २ उण्णमिय २ अवनमिय २ णिज्झाइज्जा, णो गाहावइं अगुलियाए उद्दिसिय २ जाइज्जा, णो गाहावइं अगुलियए चालिय २ जाएज्जा, णो गाहावइ अगुलियए तज्जिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अगुलियाए उक्खुलपिय २ जाएज्जा, णो गाहावइ वदिय २ जाएज्जा, णो वयण फरुसं वइज्जा ॥ ५८० ॥ अह तत्थ कंचि भुजमाणं पेहाए, तजहा–गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोइज्जा, "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अन्नयरं भोयणजाय" से एव वयतस्स परो हत्थ वा मत्त वा दव्विं वा भायण वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति, वा भइणित्ति वा, मा एय तुम हत्थं वा, मत्त वा, दव्विं वा, भायण वा, सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेहि वा पहोवेहि वा, अभिकखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयतस्स परो हत्थं वा (४) सीओदगवियडेण वा २ उच्छोलेत्ता पहोइत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारेण पुरे कम्मकएण हत्थेण वा (४) असण वा (४) अफासुय अणेसणिज्ज जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एव जाणिज्जा णो पुरेकम्मएण उदउल्लेणं तहप्पगारेण वा ससिणिद्धेण वा हत्थेण वा (४) असणं वा (४) अफासुय जाव णो पडिगाहिज्जा अह पुण एव जाणेज्जा णो उदउल्लेग ससिणिद्धेणं सेस त चेव, एव ससरक्खे, मट्टिया, ऊसे हरियाले, हिंगुलए, मणोसिला, अजणे, लोणे, गेरुय, वन्निय, सेढिय, सोरट्ठिय पिट्ठ कुक्कस उक्कुट्ठ ससट्ठेण ॥ ५८१ ॥ अह पुण एव जाणिज्जा, णो असंसट्ठे, ससट्ठे तहप्पगारेण ससट्ठेण हत्थेण वा (४) असणं वा (४) फासुय जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५८२ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणेज्जा पिहुयं वा बहुरय वा जाव चाउलपलंब वा, असजए भिक्खुपडियाए चित्तमताए सिलाए जाव मक्कडासताणाए कुट्टिंसु वा, कुट्टिंति वा, कुट्टिस्सति वा, उप्फणिंसु वा (३) तहप्पगार पिहुय वा, जाव चाउलपलवं वा, अफासुय जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा बिल वा लोण उब्भिय वा लोण असजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव सताणाए भिंदिंसु वा, भिंदंति वा, भिंदिस्सति वा, रुचिंसु वा (३) बिलं वा लोणं उब्भिय वा लोण अफासुय जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८४ ॥ से भिक्खू वा जाव समाणे से ज पुण जाणेज्जा असणं वा (४) अगणिणिक्खित्त तहप्पगार

असणं वा (४) अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा। केवली बूया "आयाण-
मेयं" असंजए भिक्खुपडियाए उस्सिंचमाणे वा निस्सिंचमाणे वा आमज्जमाणे
वा पमज्जमाणे वा ओयारेमाणे वा उव्वत्तमाणे वा अगणिजीवे हिंसिज्जा, अह
भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा एस हेऊ एस कारणे एस उवएसे जं तहप्पगारं
असणं वा (४) अगणिणिक्खित्तं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा
॥ ५८५ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५८६ ॥

छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) खंधंसि
वा थंभंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अन्नय-
रंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि उवणिक्खित्ते सिया तहप्पगारं मालोहडं
असणं वा (४) जाव अफासुयं णो पडिगाहिज्जा। केवली बूया "आयाणमेयं"
असंजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा निस्सेणिं वा उदूहलं वा आहट्टु
उस्सविय दुरूहेज्जा से तत्थ दुरूहमाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयले-
माणे वा पवडेमाणे वा हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा उदरं वा सीसं वा
अन्नयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसिज्ज वा पाणाणि वा भूयाणि वा जीवाणि
वा सत्ताणि वा अभिहणिज्ज वा वित्तासिज्ज वा लेसिज्ज वा संघसिज्ज वा संघ-
ट्टिज्ज वा परियाविज्ज वा किलामिज्ज वा ठाणाओ ठाणं संकामिज्ज वा तं तहप्प-
गारं मालोहडं असणं वा (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८७ ॥ से भिक्खू
वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा (४) कुट्ठियाओ वा
कोलिज्जाओ वा असंजए भिक्खुपडियाए उक्कुज्जिय अवउज्जिय ओहरिय आहट्टु
दलएज्जा तहप्पगारं असणं वा (४) मालोहडंति णच्चा लाभे संते णो पडिगा-
हिज्जा ॥ ५८८ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं
वा (४) मट्टियाओलित्तं तहप्पगारं असणं वा (४) जाव लाभे संते णो पडिगा-
हिज्जा। केवली बूया 'आयाण मेयं' असंजए भिक्खुपडियाए मट्टिओलित्तं असणं
वा (४) उब्भिंदमाणे पुढवीकायं समारंभिज्जा तहा तेउ-वाउ-वणस्सइ-तस कायं
समारंभिज्जा पुणरवि ओलिंपमाणे पच्छाकम्मं करेज्जा। अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा
जाव जं तहप्पगारं मट्टिओलित्तं असणं वा, (४) लाभे संते णो पडिगाहिज्जा
॥ ५८९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं
वा (४) पुढवीकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा (४) अफासुयं जाव णो पडि-
गाहिज्जा ॥ ५९ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा

(४) आउकायपइट्ठियं चेव एव अगणिकायपइट्ठिय लाभे सते णो पडिगाहिज्जा, 'केवलीबूया' "आयाणमेय" असजए भिक्खूपडियाए अगणिं उस्सक्किय २ णिसक्किय २ ओहरिय २ आहट्टु, दलएज्जा अह भिक्खूण पुव्वोवदिट्ठा जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा (४) अच्चुसिण असजए भिक्खुपडियाए, सुप्पेण वा, विहुयणेण वा, तालियंटेण वा, पत्तेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण वा, चेलेण वा, चेलकण्णेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, फुमिज्ज वा, वीएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणि त्ति वा, मा एय तुम, असण वा, (४) अच्चुसिण सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा, वीयाहि वा, अभिकंखसि मे दाउ एमेव दलयाहि" से सेवं वयतस्स परो सुप्पेण वा जाव वीइत्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असण वा (४) अफासुय जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से ज पुण जाणेज्जा, असणं वा (४) वणस्सइकायपइट्ठिय तहप्पगारं असण वा (४) वणस्सइकायपइट्ठिय अफासुयं अणेसणिज्ज लाभे सते णो पडिगाहिज्जा, एव तसकाएवि ॥ ५९३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से ज पुण पाणगजाय जाणेज्जा, तजहा—उस्सेइम वा, ससेइम वा, चाउलोदगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजाय, अहुणाधोय, अणंबिल, अवोक्कत, अपरिणय अविद्धत्थ, अफासुयं, अणेसणिज्ज, मण्णमाणे णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९४ ॥ अह पुण एव जाणिज्जा, चिराधोयं, अबिलं, वुक्कत, परिणय, विद्धत्थं, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५९५ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तजहा—तिलोदग वा, तुसोदग वा, जवोदग वा, आयाम वा, सोवीरं वा, सुद्धवियड वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजाय पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणित्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अन्नयरं पाणगजायं ?" से सेवं वयंत परो वएज्जा "आउसंतो समणा, तुमं चेवेद पाणगजाय पडिग्गहेण वा उस्सिंचियाण २ ओयत्तियाणं गिण्हाहि" तहप्पगार पाणगजाय सय वा गिण्हिज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुय लाभे सते पडिगाहिज्जा ॥ ५९६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण पाणग जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए ओहट्टु निक्खित्ते सिया असजए भिक्खुपडियाए, उदउल्लेण वा, ससिणिद्धेण वा, सकसाएण वा, मत्तेण वा सीओदएण वा, संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणगजाय अफासुय लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९७ ॥ एय खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ५९८ ॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा तंजहा–अंबपाणगं वा अंबाडगपाणगं वा कविट्ठपाणगं वा माउलिंगपाणगं वा मुद्दियापाणगं वा दालिमपाणगं वा खज्जूरपाणगं वा णालिएरपाणगं वा करीरपाणगं वा कोलपाणगं वा आमलगपाणगं वा चिंचापाणगं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं सअणुयं सबीयगं असंजए भिक्खुपडियाए छब्बेण वा दूसेण वा वालगेण वा आवीलियाण वा पवीलियाण परिसावियाण आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५९९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अन्नगंधाणि वा पाणगंधाणि वा सुरभिगंधाणि वा आघाय २ से तत्थ आसायवडियाए मुच्छिए, गिद्धे, गढिए, अज्झोववन्ने 'अहो गंधो २' णो गंधमाघाइज्जा ॥ ६०० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा सालुयं वा विरालियं वा सासवणालियं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०१ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा पिप्पलिं वा पिप्पलिचुण्णं वा मिरियं वा मिरियचुण्णं वा सिंगबेरं वा सिंगबेरचुण्णं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा पलंबजायं तंजहा–अंबपलंबं वा अंबाडगपलंबं वा तालपलंबं वा झिज्झिरिपलंबं वा सुरभिपलंबं वा सल्लइपलंबं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं पलंबजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०३ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पवालजायं जाणिज्जा तंजहा–आसोत्थपवालं वा णग्गोहपवालं वा पिलुंखुपवालं वा, णीपूरपवालं वा सल्लइपवालं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं पवालजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०४ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण सरडुयजायं जाणिज्जा, तंजहा–अंबसरडुयं वा कविट्ठसरडुयं वा दालिमसरडुयं वा बिल्लसरडुयं वा अण्णयरं वा तहप्पगारं सरडुयजायं आमं असत्थपरिणयं अफासुयं णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०५ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण मंथुजायं जाणिज्जा तंजहा–उंबरमंथुं वा णग्गोहमंथुं वा पिलुंखुमंथुं वा आसोत्थमंथुं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं मंथुजायं आमयं दुरुक्कं साणुबीयं अफासुयं णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०६ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा आमडागं

वा, पूइपिण्णाग वा, सप्पिं वा, पेज्जं वा केज्जं वा खाइमं वा साइमं वा, पुराणं एत्थ पाणा, अणुप्पसूया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था, णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०७ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से ज पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरग वा अक्ककरेलुय वा, कसेरुग वा, सिंघाडग वा, पूतिआलुगं वा, अन्नयरं वा तहप्पगारं आमग असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणिज्जा, उप्पलं वा, उप्पल नाल वा, भिस वा, भिसमुणाल वा, पोक्खल वा, पोक्खलविभंग वा, अण्णतरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६०९ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गबीयाणि वा, मूलबीयाणि वा, खधबीयाणि वा, पोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खधजायाणि वा, पोरजायाणि वा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अन्नयरं वा तहप्पगार आमं असत्थपरिणय जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से ज पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अगारिय समिस्स, विगदूसिय, वेत्तग्ग वा, कंदलीऊसय वा, अण्णयर वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणय जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६११ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से ज पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्त वा, लसुणनाल वा, लसुणकंद वा, लसुणचोयं वा, अण्णयर वा तहप्पगारं कदजाय णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१२ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अच्छिअ वा, कुंभिपक्क, तिंदुग वा, टिंवरुय वा, विलुयं वा, पलगं वा, कासवणालिय वा, अण्णतरं वा आम असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१३ ॥ से भिक्खू वा, (२) जाव समाणे से ज पुण जाणिज्जा, कण वा कणकुण्डगं वा, कणपूयलियं वा, चाउल वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा, तिलपप्पडग वा, अन्नतरं वा, तहप्पगारं आम असत्थपरिणय जाव लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१४ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६१५ ॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो** ॥

इह खलु पाईण वा, पडीण वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, सतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा, तेसिं च ण एव वुत्तपुव्व भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असण वा (४) भोइत्तए वा पाइत्तए वा, से जं पुण इमं अम्ह अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा—असणं वा (४) सव्वमेयं समणाण णिसिरामो, अवियाई वय पच्छा अप्पणो अट्ठाए असणं

(४) जावइय (२) परिसडइ तावइय (२) भोक्खामो वा, पाहामो वा, सव्व-मेयं परिसडइ, सव्वमेय भोक्खामो वा" २ ॥ ६२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणिज्जा, असण वा, पाण वा, खाइम वा, साइम वा, परं समुद्दिस्स बहिया णीहड त परेहिं असमणुन्नाय अणिसिट्ठ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, न परेहिं समणुन्नाय सणिसिट्ठ फासुय लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥ ६२३ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६२४ ॥ **नवमोद्देसो समत्तो ॥**

१ से एगइओ साहारण वा पिंडवायं पडिगाहित्ता, ते साहम्मिए अणापुच्छित्ता जस्स जस्स इच्छइ तस्स तस्स खद्ध खद्ध दलयइ, माइट्ठाण सफासे णो एव करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा (२) पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसतो समणा, सति मम पुरे सथुया वा पच्छासथुया वा, तजहा-आयरिए वा, उवज्झाए वा, पवित्ती वा, थेरे वा, गणी वा, गणहरे वा, गणावच्छेइए वा, अवियाइ एएसिं खद्ध खद्ध दाहामि" से सेव वयत परो वएज्जा, कामं खलु आउसो अहापज्जत्त णिसिराहि जावइय २ परो वयइ तावइय २ णिसिरेज्जा, सव्वमेय परो वयइ सव्वमेय णिसिरेज्जा ॥ ६२५ ॥ से एगइओ मणुन्न भोयणजाय पडिगाहित्ता पतेण भोयणेण पलिच्छाएति "मामेय दाइयं सतं, दट्ठूण सयमायए, आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा, णो खलु मे कस्सवि किंचि दायव्व सिया" माइट्ठाण सफासे णो एव करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, (२) पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गह कट्टु "इम खलु इम खलु त्ति" आलोएज्जा, णो किंचिवि णिगूहेज्जा ॥ ६२६ ॥ से एगइओ अण्णतर भोयण-जायं पडिगाहित्ता, भद्दय भद्दय भोच्चा, विवन्न विरसमाहरइ, माइट्ठाण सफासे, णो एव करिज्जा ॥ ६२७ ॥ से भिक्खू वा, (२) से जं पुण जाणिज्जा, अतरुच्छियं वा, उच्छुगडिय वा, उच्छुचोयग वा, उच्छुमेरग वा, उच्छुसालग वा, उच्छुडालगं वा, सिंबलिं वा, सिंबलथालग वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे सिया भोयण-जाए, बहुउज्झियधम्मिए, तहप्पगारं अतरुच्छुय जाव सिंबली थालग वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६२८ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणिज्जा, बहुबीयग-बहुकंटग-फल अस्सिं खलु पडिगाहियसि अप्पेसिया भोयणजाए बहु-उज्झियधम्मिए-तहप्पगारं बहुबीयग बहुकटगं फल लाभे सते जाव णो पडिगा-हिज्जा ॥ ६२९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव समाणे, सिया ण परो बहुबीयएण, बहुकटगेण फलेण उवणिमतेज्जा "आउसतो समणा अभिकखसि! बहुबीयगं-बहुकटग फलं पडिगाहित्तए?" एयप्पगारं णिग्घोस सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणित्ति वा, णो खलु मे कप्पइ से बहुकटयं बहु-

दियवज्झं घाणिंदियवज्झं जिब्भिंदियवज्झं इत्थिवेयवज्झं पुरिसवेयवज्झं एवं चउक्कएणं भेएणं जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पयडीओ वेदेंति? गोयमा! एवं चेव चउद्दस कम्मप्पयडीओ वेदेंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८४० ॥ ३३-१-१ ॥ कइविहा णं भंते! अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प० तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। अणंतरोववन्नगा णं भंते! पुढविकाइया कइविहा प० ? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, एवं दुपएणं भेएणं जाव वणस्सइकाइया। अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पयडीओ प० ? गोयमा! अट्ठ कम्मप्पयडीओ प० तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। अणंतरोववन्नगबायरपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पयडीओ प० ? गोयमा! अट्ठ कम्मप्पयडीओ प० तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं एवं(चेव) जाव अणंतरोववन्नगबायरवणस्सइकाइयाणंति। अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पयडीओ बंधंति? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पयडीओ बंधंति एवं जाव अणंतरोववन्नगबायरवणस्सइकाइयत्ति। अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइया णं भंते! कइ कम्मप्पयडीओ वेदेंति? गोयमा! चउद्दस कम्मप्पयडीओ वेदेंति, तं०—णाणावरणिज्जं तहेव जाव पुरिसवेयवज्झं एवं जाव अणंतरोववन्नगबायरवणस्सइकाइयत्ति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ८४१ ॥ ३३-१-२ ॥ कइविहा णं भंते! परंपरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा परंपरोववन्नगा एगिंदिया प० तं०—पुढविकाइया एवं चउक्कओ भेओ जहा ओहि(य)उद्देसए। परंपरोववन्नगअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते! कइ कम्मप्पयडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहि(य)उद्देसए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव चउद्दस वेदेंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८४२ ॥ ३३-१-३ ॥ अणंतरोगाढा जहा अणंतरोववन्नगा ४ ॥ परंपरोगाढा जहा परंपरोववन्नगा ५ ॥ अणंतराहारगा जहा अणंतरोववन्नगा ६ ॥ परंपराहारगा जहा परंपरोववन्नगा ७ ॥ अणंतरपज्जत्तगा जहा अणंतरोववन्नगा ८ ॥ परंपरपज्जत्तगा जहा परंपरोववन्नगा ९ ॥ चरिमावि जहा परंपरोववन्नगा तहेव १० ॥ एवं अचरिमावि ११ ॥ एवं एए एक्कारस उद्देसगा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८४३ ॥ पढमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ १ ॥ कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया प० तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। कण्हलेस्सा णं भंते! पुढविकाइया कइविहा प० ? गोयमा! दुविहा प० तं०—सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य। कण्हलेस्सा णं भंते! सुहुमपुढविकाइया कइविहा

ज्जंति किं नेरइएसु उववज्जति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति० उव्वट्टणा जहा वक्कं-तीए । ते ण भते ! जीवा एगसमएण केवइया उव्वट्टति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा वारस वा सोलस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उव्वट्टति, ते ण भते ! जीवा कह उव्वट्टति ? गोयमा ! से जहानामए पवए एव तहेव, एव सो चेव गमओ जाव आयप्पओगेण उव्वट्टति नो परप्पओगेण उव्वट्टति, रयणप्पभापुढवि-(नेरइए) खुड्डागकडजुम्म० एव रयणप्पभाएवि एव जाव अहेसत्तमाएवि, एव खुड्डाग-तेओगखुड्डागदावरजुम्मखुड्डागकलिओगा नवरं परिमाण जाणियव्व, सेस त चेव । सेव भते ! २ त्ति ॥ ८४१ ॥ ३२।१ ॥ कण्हलेस्सकडजुम्मनेरइया एव एएण कमेण जहेव उववायसए अट्ठावीस उद्देसगा भणिया तहेव उव्वट्टणासएवि अट्ठावीस उद्देसगा भाणियव्वा निरवसेसा नवरं उव्वट्टतित्ति अभिलावो भाणियव्वो, सेस त चेव । सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥८४२॥ **बत्तीसइमं उववट्टणासयं समत्तं ॥**

कइविहा ण भते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया प०, त०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया, पुढविकाइया ण भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, त०-सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, सुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तजहा-पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया णं भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! एवं चेव, एव आउक्काइयावि चउक्कएण भेदेण भाणियव्वा एवं जाव वणस्सइकाइया(ण) । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, त०-नाणावरणिज जाव अतराइयं, पज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तजहा-नाणावरणिज्ज जाव अतराइय । अपज्जत्तबायरपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! एव चेव ८, पज्जत्तबायरपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एव चेव ८, एव एएण कमेण जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणति । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ बधति ? गोयमा ! सत्तविहबधगावि अट्ठविहबधगावि सत्त बधमाणा आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बधति अट्ठ बधमाणा पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बधति, पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बधति ? एव चेव, एवं सव्वे जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ बधति ? एव चेव । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेति, त०-नाणावरणिज्ज जाव अतराइय, सोइंदियवज्झ चक्खि-

गस्रो कण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिउद्देसए तहेव जाव वेदेंति । कइविहा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववन्नगा जाव वणस्सइकाइया । अणंतरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०—सुहुमपुढविकाइया (य बायरपुढविकाइया य) एवं दुयओ भेओ । अणंतरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मपगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ अणंतरोववन्नगउद्देसओ तहेव जाव वेदेंति, एवं एएणं अभिलावेणं एक्कारसवि उद्देसगा तहेव भाणियव्वा जहा ओहियसए जाव अचरिमोत्ति ॥ छट्ठं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ६ ॥ जहा कण्हलेस्सभवसिद्धिएहिं सयं भणियं एवं नीललेस्सभवसिद्धिएहिवि सयं भाणियव्वं ॥ सत्तमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ७ ॥ एवं काउलेस्सभवसिद्धिएहिवि सयं ॥ अट्ठमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ८ ॥ कइविहा णं भंते ! अभवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अभवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया एवं जहेव भवसिद्धियसयं भणियं नवरं नव उद्देसगा चरिमअचरिमउद्देसगवज्जा सेसं तहेव ॥ नवमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ९ ॥ एवं कण्हलेस्सअभवसिद्धियएगिंदियसयंपि ॥ दसमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ १० ॥ नीललेस्सअभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं ॥ ११ ॥ काउलेस्सअभवसिद्धियसयं एवं चत्तारिवि अभवसिद्धियसयाणि नव २ उद्देसगा भवंति एवं एयाणि बारस एगिंदियसयाणि भवंति ॥ ८४८ ॥ तेत्तीसइमं सयं समत्तं ॥

कइविहा णं भंते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया प०, तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया एवं एएणं चेव चउक्कएणं भेएणं भाणियव्वा जाव वणस्सइकाइया । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एगसमइएण वा दुसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०—उज्जुआयया सेढी एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ७, उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए

प० ? गोयमा ! एव एएण अभिलावेण चउक्कभेदो जहेव ओहिए उद्देसए जाव वण-स्सइकाइयत्ति, (अणतरोववन्नग) कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एव चेव एएण अभिलावेण जहेव ओहि (ओ अणतरोववण्णग) उद्देस(ओ)ए तहेव पन्नत्ताओ तहेव बंधति तहेव वेदेंति । सेव भते ! २ त्ति ॥ कइविहा ण भते ! अणतरोववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पन्नत्ता ? गोयमा ! पचविहा अणतरो-ववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया एव एएण अभिलावेण तहेव दुपओ भेदो जाव वणस्सइकाइयत्ति, अणतरोववन्नगकण्हलेस्ससुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्प-गडीओ प० ? एव एएण अभिलावेणं जहा ओहिओ अणतरोववन्नगाण उद्देसओ तहेव जाव वेदेंति । सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ कइविहा ण भते ! परपरोवव-न्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पचविहा परपरोववन्नगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पन्नत्ता, तजहा-पुढविकाइया एव एएण अभिलावेण तहेव चउक्कओ भेदो जाव वणस्सइकाइयत्ति, परपरोववन्नगकण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एव एएण अभिलावेण जहेव ओहिओ परंपरो-ववन्नगउद्देसओ तहेव जाव वेदेंति, एव एएण अभिलावेण जहेव ओहिएगिंदियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहेव कण्हलेस्ससएवि भाणियव्वा जाव अचरिमचरिम-कण्हलेस्सा एगिंदिया ॥ ८४७ ॥ बिइय एगिंदियसयं समत्त ॥ २ ॥ जहा कण्हले-स्सेहिं भणिय एव नीललेस्सेहिवि सय भाणियव्व । सेव भंते ! २ त्ति ॥ तइयं एगिं-दियसय समत्तं ॥ ३ ॥ एव काउलेस्सेहिवि सय भाणियव्व नवरं काउलेस्सेत्ति अभिलावो भाणियव्वो ॥ चउत्थ एगिंदियसय समत्त ॥ ४ ॥ कइविहा ण भंते ! भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पचविहा भवसिद्धिया एगिंदिया प०, त०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया भेदो चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । भवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एव एएण अभिलावेण जहेव पढमिल्लग एगिंदियसय तहेव भवसिद्धियसयपि भाणियव्व, उद्देसगपरिवाडी तहेव जाव अचरिमोत्ति । सेव भते ! २ त्ति ॥ पचम एगिंदियसय समत्त ॥ ५ ॥ कइविहा ण भते ! कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पचविहा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प०, त०-पुढविकाइया जाव वणस्सइ-काइया, कण्हलेस्सभवसिद्धियपुढविकाइया ण भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, त०-सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, कण्हलेस्सभवसिद्धिय-सुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तजहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, एव बायरावि, एव एएण अभिलावेण तहेव चउक्कओ भेदो भाणि-

उववाएयव्वो एवं पज्जत्तबायरतेउकाइओवि समयखेत्ते समोहणावेत्ता एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो जहेव अपज्जत्तओ उववाइओ एवं सव्वत्थवि बायर तेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते उववाएयव्वा समोहणावेयव्वावि २४ वाउकाइया वणस्सइकाइया य जहा पुढविक्काइया तहेव चउक्कएणं भेदेणं उववाएयव्वा जाव पज्जत्ता ४ ॥ बायरवणस्सइकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तबायरवणस्सइकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं सेसं तहेव जाव से तेणट्ठेणं अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसम(इ)एणं सेसं तहेव निरवसेसं एवं जहेव पुरच्छिमिल्ले चरिमंते सव्वपएसुवि समोहया पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया जे य समयखेत्ते समोहया पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया एए एएणं चेव कमेणं पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं एवं एएणं गमएणं दाहिणिल्ले चरिमंते (समयखेत्ते य) समोहयाणं उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाओ एवं चेव उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया दाहिणिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइए णं भंते! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहेव रयणप्पभाए जाव से तेणट्ठेणं एवं एएणं कमेणं जाव पज्जत्तएसु सुहुमतेउकाइएसु, अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइए णं भंते! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! कइसमइएणं पुच्छा गोयमा! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा से केणट्ठेणं भंते! पुच्छा एवं खलु गोयमा! मए सत्त सेढीओ प° तं० –उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं एवं पज्जत्तएसुवि बायरतेउकाइएसु, सेसं जहा रयणप्पभाए, जेऽवि बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते समोहणित्ता दोच्चाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते पुढविक्काइएसु चउव्विहेसु आउक्काइएसु चउव्विहेसु तेउकाइएसु दुविहेसु

सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उववज्जेज्जा । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेण उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा सेस त चेव जाव से तेणट्ठेण जाव विग्गहेण उववज्जेज्जा, एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ पुर(त्थि)च्छिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते बायरपुढविकाइएसु अपज्जत्तएसु उववाएयव्वो, ताहे तेसु चेव पज्जत्तएसु ४, एव आउकाइएसुवि चत्तारि आलावगा सुहुमेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं बायरेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो ४, एव चेव सुहुमतेउकाइएहिंवि अपज्जत्तएहिं १ ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो २, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहइत्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा ? सेसं त चेव, एवं पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववाएयव्वो ४, वाउकाइए(सु) सुहुमबायरेसु जहा आउकाइएसु उववाइओ तहा उववाएयव्वो ४, एवं वणस्सइकाइएसुवि २०, पज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एव पज्जत्तसुहुमपुढविकाइओवि पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता एएण चेव कमेण एएसु चेव वी(साए)सु ठाणेसु उववाएयव्वो जाव बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसुवि ४०, एव अपज्जत्तबायरपुढविकाइओवि ६०, एव पज्जत्तबायरपुढविकाइओवि ८०, एव आउकाइओवि चउसुवि गमएसु पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए एयाए चेव वत्तव्वयाए एएसु चेव वीसइठाणेसु उववाएयव्वो १६०, सुहुमतेउकाइओवि अपज्जत्तओ पज्जत्तओ य एएसु चेव वीससु ठाणेसु उववाएयव्वो, अपज्जत्तबायरतेउकाइए ण भंते ! मणुस्सखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा सेस तहेव जाव से तेणट्ठेण० एव पुढविकाइएसु चउव्विहेसुवि उववाएयव्वो, एव आउकाइएसु चउव्विहेसुवि, तेउकाइएसु सुहुमेसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य एव चेव उववाएयव्वो, अपज्जत्तबायरतेउकाइए ण भंते ! मणुस्सखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसमइएणं० सेस त चेव, एव पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताएवि उववाएयव्वो, वाउकाइयत्ताए य वणस्सइकाइयत्ताए य जहा पुढविकाइएसु तहेव चउक्कएणं भेदेणं

वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा से केणट्ठेणं अट्ठो तहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ एवं जाव अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते (अ) पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेसं तं चेव अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा से केणट्ठेणं अट्ठो जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ एवं पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताएवि वाउकाइएसु वणस्सइकाइएसु य जहा पुढविक्काइएसु उववाइओ तहेव चउक्कएणं भेदेणं उववाएयव्वो एवं पज्जत्तबायरतेउकाइओवि एएसु चेव ठाणेसु उववाएयव्वो वाउकाइयवणस्सइकाइयाणं जहेव पुढविक्काइ(ओ)वत्ते उववा(इ)ओ तहेव भाणियव्वो ! अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! उड्ढलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहणित्ता जे भविए अहेलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं ? एवं उड्ढलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहयाणं अहेलोगखेत्तनालीए बाहिरिल्ले खेत्ते उववज्जमाणाणं सो चेव गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव बायरवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु उववाइओ । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एगसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प० तंजहा—उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढि(ए) उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसे(ढीए)ढि उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमपुढविकाइएसु सुहुमआउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमतेउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमवाउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य बायरवाउकाइएसु अपज्जत्तएसु

वाउक्काइएसु चउव्विहेसु वणस्सइकाइएसु चउव्विहेसु उववज्जति तेऽवि एव चेव दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववाएयव्वा, वायरतेउक्काइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य जाहे तेसु चेव उववज्जति ताहे जहेव रयणप्पभाए तहेव एगसमइय-दुसमइयतिसमइयविग्गहा भाणियव्वा सेस जहा रयणप्पभाए तहेव निरवसेस, जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया एव जाव अहेसत्तमाए भाणियव्वा ॥ ८४९ ॥ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भते ! अहोलोयखेत्तनालीए वाहिरिल्ले खेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तनालीए वाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसमइएण विग्गहेग उववज्जेज्जा ? गोयमा ! तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेण उववज्जेज्जा, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेग उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण अहोलोयखेत्तनालीए वाहिरिल्ले खेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तनालीए वाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए एगपअरसि अणुसेढीए उववज्जित्तए से ण तिसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा जे भविए विसेढीए उववज्जित्तए से ण चउसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेण जाव उववज्जेज्जा, एव पज्जत्तसुहुम-पुढविकाइयत्ताएवि, एव जाव पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भते ! अहोलोग जाव समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तवायरतेउकाइय त्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेग उववज्जेज्जा, से केणट्ठेग० ? एव खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, त०-उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवं-काए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेण उववज्जेज्जा दुहओवकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएण विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेण०, एवं पज्जत्तएसुवि वायरतेउकाइएसुवि उववाएयव्वो, वाउक्काइयवणस्सइकाइयत्ताए चउक्कएण भेदेण जहा आउक्काइयत्ताए तहेव उववाएयव्वो २०, एव जहा अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयस्स गमओ भणिओ एव पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयस्सवि भाणियव्वो तहेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो ४०, अहोलोयखेत्तनालीए वाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहएत्ता एव वायरपुढविकाइयस्सवि अपज्जत्तगस्स पज्जत्तगस्स य भाणियव्व ८०, एव आउ-क्काइयस्स चउव्विहस्सवि भाणियव्वं १६०, सुहुमतेउक्काइयस्स दुविहस्सवि एव चेव २००, अपज्जत्तवायरतेउक्काइए ण भते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोगखेत्तनालीए वाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण

समोहओ पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो णवरं दुसमइयतिसमइयचउसमइय विग्गहो सेसं तहेव दाहिणिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जहेव सट्ठाणे तहेव एगसमइयदुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो पुरच्छिमिल्ले जहा पच्चच्छिमिल्ले तहेव दुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते समोहयाणं पच्चच्छिमिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे उत्तरिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो नत्थि सेसं तहेव पुरच्छिमिल्ले जहा सट्ठाणे दाहिणिल्ले एगसमइओ विग्गहो नत्थि सेसं तहेव उत्तरिल्ले समोहयाणं उत्तरिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहेव सट्ठाणे उत्तरिल्ले समोहयाणं पुरच्छिमिल्ले उववज्जमाणाणं एवं चेव णवरं एगसमइओ विग्गहो नत्थि उत्तरिल्ले समोहयाणं दाहिणिल्ले उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे उत्तरिल्ले समोहयाणं पच्चच्छिमिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो नत्थि सेसं तहेव जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव ॥ कहिं णं भंते ! बायरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु जहा ठाणपए जाव सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्ना प० समणाउसो ! । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प० तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं एवं चउक्कएणं भेएणं जहेव एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ॥ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि जहा एगिंदियसएसु जाव पज्जत्ता बायरवणस्सइकाइया । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति तंजहा—णाणावरणिज्जं जहा एगिंदियसएसु जाव पुरिसवेयवज्झं एवं जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं । एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? जहा वक्कंतीए पुढविकाइयाणं उववाओ ॥ एगिंदियाणं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! चत्तारि समुग्घाया प० तंजहा—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए ॥ एगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं

पज्जत्तएसु य सुहुमवणस्सइकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य वारससुवि ठाणेसु एएणं चेव कमेण भाणियव्वो, सुहुमपुढविकाइओ (अ)पज्जत्तओ एव चेव निरवसेसो वारससुवि ठाणेसु उववाएयव्वो २४, एवं एएग गमएण जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव भाणियव्वो ॥ अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भते ! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइएसु उववज्जित्तए से ण भते ! कइसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेण उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं भते ! एव वुच्चइ० ? एव खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ पन्नत्ताओ, तजहा—उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेण उववज्जेज्जा दुहओवकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढी(ए)ओ उववज्जित्तए से ण तिसमइएग विग्गहेण उववज्जेज्जा जे भविए विसे(ढीओ)ढिं उववज्जित्तए से ण चउसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा से तेणट्ठेण गोयमा !०, एव एएण गमएण पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहए दाहिणिल्ले चरिमते उववाएयव्वो जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव, सव्वेसिं दुसमइओ तिसमइओ चउसमइओ विग्गहो भाणियव्वो । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भते ! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स पच्चच्छिमिल्ले चरिमते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भते ! कइसमइएण विग्गहेण उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से केणट्ठेण० ? एव जहेव पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहया पुरच्छिमिल्ले चेव चरिमते उववाइया तहेव पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहया पच्चच्छिमिल्ले चरिमते उववाएयव्वा सव्वे, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भते ! लोगस्स पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स उत्तरिल्ले चरिमते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भंते ! एवं जहा पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहओ दाहिणिल्ले चरिमते उववाइओ तहा पुरच्छिमिल्ले चरिमते समोहओ उत्तरिल्ले चरिमते उववाएयव्वो, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए ण भंते ! लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चेव चरिमते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा पुरच्छिमिल्ले समोहओ पुरच्छिमिल्ले चेव उववाइओ तहेव दाहिणिल्ले समोहओ दाहिणिल्ले चेव उववाएयव्वो, तहेव निरवसेस जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु चेव पज्जत्तएसु दाहिणिल्ले चरिमते उववाइओ एवं दाहिणिल्ले

बीयगं फलं पडिगाहित्तए, अभिकंखसि मे दाउं जावइयं तावइयं फलस्स सार
भागं दलयाहि, मा य बीयाइं "से सेवं वयंतस्स परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गह-
गंसि बहुबीयगं २ फलं परिभाएत्ता णिहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहगं
परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा से
आहच्च पडिगाहिए सिया तं णो हि त्ति वएज्जा णो अणहि त्ति वएज्जा से त्तमायाए
एगंतमवक्कमेज्जा (२) अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडए जाव
अप्पसंताणए, फलस्स सारभागं भुच्चा बीयाइं कंटए गहाय से त्तमायाए
एगंतमवक्कमिज्जा अहे झामथंडिलंसि वा जाव पमज्जिय २ परिट्ठविज्जा ॥ ६१ ॥
से भिक्खू वा (२) जाव समाणे सिया परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गहए बिलं वा
लोणं उब्भियं वा लोणं परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहगं परह-
त्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा से आहच्च पडिग्गाहिए
सिया तं च णाइदूरगए जाणिज्जा से त्तमायाए तत्थ गच्छिज्जा (२) पुव्वामेव
आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा इमं ते किं जाणया दिन्नं उयाहु
अजाणया ? से य भणेज्जा णो खलु मे जाणया दिन्नं अजाणया दिन्नं कामं खलु
आउसो इयाणिं णिसिरामि तं भुंजह च णं परिभाएह च णं तं परेहिं समणुन्नायं
समणुसिट्ठं तओ संजयामेव भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा जं च णो संचाएइ भोत्तए वा
पायए वा साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुन्ना अपरिहारिया अदूरगया
तेसिं अणुप्पदायव्वं सिया णो जत्थ साहम्मिया जहेव बहुपरियावन्ने कीरति तहेव
कायव्वं सिया ॥ ६११ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं
॥ ६१२ ॥ दसमोद्देसो समत्तो ॥

भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे
मणुन्नं भोयणजायं लभित्ता "से य भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह से य
भिक्खू णो भुंजिज्जा आहरिज्जा तुमं चेव णं भुंजिज्जासि" से एगइओ भोक्खामित्ति
कट्टु पलिउंचिय २ आलोएज्जा, तंजहा—इमे पिंडे इमे लोए इमे तित्तए इमे कडुए
इमे कसाए इमे अंबिले इमे महुरे णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइत्ति
माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा तहेव तं आलोएज्जा जहेव तं गिलाणस्स
सयइत्ति तंजहा-तित्तयं तित्तएत्ति वा कडुयं कडुएत्ति वा कसायं कसाएत्ति वा,
अंबिलं अंबिलेत्ति वा महुरं महुरेत्ति वा ॥ ६१३ ॥ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु
समाणे वा वसमाणे वा, गामाणुगामं दूइज्जमाणे मणुन्नं भोयणजायं लभित्ता से
भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह सेय भिक्खू णो भुंजिज्जा आहरेज्जा से णं

पकरेंति, से केणट्टेण भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! एगिंदिया चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा-अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा १, अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा २, अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा ३, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा ४। तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति १, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति २, तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववन्नगा ते णं वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ३, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमोववन्नगा ते णं वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ४। से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८५० ॥ ३४-१-१ ॥
कइविहा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववन्नगा एगिंदिया प०, तंजहा-पुढविकाइया दुयाभेदो जहा एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइया य, कहि णं भंते ! अणंतरोववन्नगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु, तं०-रयणप्पभाए जहा ठाणपए जाव दीवेसु समुद्देसु एत्थ णं अणंतरोववन्नगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा प०, उववाएणं सव्वलोए समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोगस्स असंखेज्जइभागे, अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइया णं एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोए परियावन्ना प० समणाउसो !, एवं एएणं कमेणं सव्वे एगिंदिया भाणियव्वा, सट्ठा(णेण)णाइं सव्वेसिं जहा ठाणपए तेसिं पज्जत्तगाणं बायराणं उववायसमुग्घायसट्ठाणाणि जहा तेसिं चेव अपज्जत्तगाणं, बायराणं सुहुमाणं सव्वेसिं जहा पुढविकाइयाणं भणिया तहेव भाणियव्वा जाव वणस्सइकाइयत्ति । अणंतरोववन्नगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पन्नत्ताओ एवं जहा एगिंदियसएसु अणंतरोववन्नगउद्देसए तहेव पन्नत्ताओ तहेव बंधंति तहेव वेदेंति जाव अणंतरोववन्नगा बायरवणस्सइकाइया । अणंतरोववन्नगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहेव ओहिए उद्देसओ भणिओ तहेव । अणंतरोववन्नगएगिंदियाणं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! दोन्नि समुग्घाया प०, तं०-वेयणासमुग्घाए य कसायसमुग्घाए य । अणंतरोववन्नगएगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति पुच्छा तहेव, गोयमा ! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, से केणट्ठेण भंते ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! अणंतरोववन्नगा एगिं-

सिया दुविहा प० तं०—अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा अत्थेगइया समाउया
विसमोववन्नगा तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लवि-
साहियं कम्मं पकरेंति तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं तुल्लट्ठिईया
वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति से तेणट्ठेणं जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति।
सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८५१ ॥ ३४-१-१ ॥ कइविहा णं भंते! परंपरोववन्नगा एगिं-
दिया प० ? गोयमा! पंचविहा परंपरोववन्नगा एगिंदिया प० तं०—पुढविक्काइया
भेदो चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति। परंपरोववन्नगअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं
भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए
इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव पच्चच्छिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइय-
त्ताए उववज्जित्तए एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमो उद्देसओ जाव लोयचरिमं-
तोत्ति। कहि णं भंते! परंपरोववन्नगपज्जत्तगबायरपुढविकाइयाणं ठाणा प० ? गोयमा!
सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु एवं एएणं अभिलावेणं जहा पढमे उद्देसए जाव तुल्लट्ठि-
इत्ति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ३४-१-२ ॥ एवं सेसावि अट्ठ उद्देसगा जाव अचरिमोत्ति,
नवरं अणंतरा अणंतरसरिसा परंपरा परंपरसरिसा चरिमा य अचरिमा य एवं चेव
एवं एए एक्कारस उद्देसगा ॥ ८५२ ॥ ३४-१-११ ॥ पढमं एगिंदियसेढिसयं समत्तं ॥
कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा कण्हलेस्सा
एगिंदिया प० भेदो चउक्कओ जहा कण्हलेस्सएगिंदियसए जाव वणस्सइकाइयत्ति।
कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरच्छि-
मिल्ले एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिउद्देसओ जाव लोयचरिमंतेत्ति सव्वत्थ कण्हले-
स्सेसु चेव उववाएयव्वो। कहि णं भंते! कण्हलेस्सअपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं ठाणा
प० ? गोयमा! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहि(उ)उद्देसओ जाव तुल्लट्ठिइत्ति।
सेवं भंते! २ त्ति ॥ एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमं सेढिसयं तहेव एक्कारस उद्दे-
सगा भाणियव्वा ॥ ३४-२-११ ॥ बिइयं एगिंदियसेढिसयं समत्तं ॥ एवं नीललेस्सेहिवि
तइयं सयं। काउलेस्सेहिवि सयं एवं चेव चउत्थं सयं। भवसिद्धियएगिंदिएहिवि
सयं पंचमं समत्तं ॥ कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिया प० ? एवं
जहेव ओहिउद्देसओ। कइविहा णं भंते! अणंतरोववन्नगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया
एगिंदिया प० ? जहेव अणंतरोववन्नगउद्देसओ ओहिओ तहेव ॥ कइविहा णं भंते! परं-
परोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा! पंचविहा परंपरोववन्नग-
कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिया प० ओहिओ भेदो चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति।
परंपरोववन्नगकण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्प-

भाए पुढवीए एवं एएण अभिलावेणं जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव लोयचरिमतेत्ति, सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु भवसिद्धिएसु उववाएयव्वो । कहिन भंते ! परंपरोववन्नगकण्ह-लेस्सभवसिद्धियपजत्तवायरपुढविकाइयाण ठाणा प० एव एएणं अभिलावेण जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव तुल्लट्ठिईयत्ति, एव एएणं अभिलावेण कण्हलेस्सभवसिद्धिय-एगिंदिएहिवि तहेव एक्कारसउद्देसगसजुत्त सय, छट्ठ सय समत्त ॥ नीललेस्सभव-सिद्धियएगिंदिएसु सत्तम सय समत्त । एव काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं अट्ठम सय । जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाणि भणियाणि एव अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि सयाणि भाणियव्वाणि, नवरं चरिमअचरिमवज्जा नव उद्देसगा भाणियव्वा, सेस त चेव, एवं एयाइ वारस एगिंदियसेढीसयाइ भाणियव्वाइ । सेव भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८५३ ॥ **एगिंदियसेढीसयाइं समत्ताइं ॥ एगिंदिय-सेढिसयं चउत्तीसइमं समत्तं ॥**

कइ ण भते ! महाजुम्मा पन्नत्ता ? गोयमा ! सोलस महाजुम्मा प०, त०–कडजुम्मकडजुम्मे १, कडजुम्मतेओगे २, कडजुम्मदावरजुम्मे ३, कडजुम्मकलिओगे ४, तेओगकडजुम्मे ५, तेओगतेओगे ६, तेओगदावरजुम्मे ७, तेओगकलिओगे ८, दावरजुम्मकडजुम्मे ९, दावरजुम्मतेओगे १०, दावरजुम्मदावरजुम्मे ११, दावर-जुम्मकलिओगे १२, कलिओगकडजुम्मे १३, कलिओगतेओगे १४, कलिओगदावर-जुम्मे १५, कलिओगकलिओगे १६ । से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ सोलस महाजुम्मा प० त०–कडजुम्मकडजुम्मे जाव कलिओगकलिओगे ? गोयमा ! जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहार-समया तेऽवि कडजुम्मा सेत्त कडजुम्मकडजुम्मे १, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्त कडजुम्मतेओगे २, जे णं रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्त कडजुम्मदावरजुम्मे ३, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अव-हारसमया कडजुम्मा सेत्त कडजुम्मकलिओगे ४, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्त तेओगकडजुम्मे ५, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्त तेओगतेओगे ६, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे ण तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्त तेओगदावरजुम्मे ७, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे

एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओया सेत्तं तेओयकलिओगे ८ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकडजुम्मे ९ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मतेओगे १० जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मदावरजुम्मे ११ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकलिओगे १२ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकडजुम्मे १३, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगतेओगे १४ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगदावरजुम्मे १५, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकलिओगे १६। से तेणट्ठेणं जाव कलिओगकलिओगे ॥८५४॥ कडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो जहा उप्पलुद्देसए तहा उववाओ। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, ते णं भंते! जीवा समए समए पुच्छा गोयमा! ते णं अणंता समए समए अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणीउस्सप्पिणीहिं अवहीरंति णो चेव णं अवहिरिया सिया उच्चत्तं जहा उप्पलुद्देसए, ते णं भंते! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा? गोयमा! बंधगा नो अबंधगा एवं सव्वेसिं आउयवज्जाणं, आउयस्स बंधगा वा अबंधगा वा, ते णं भंते! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स वेदगा पुच्छा गोयमा! वेदगा नो अवेदगा एवं सव्वेसिं, ते णं भंते! जीवा किं सायावेदगा असायावेदगा पुच्छा गोयमा! सायावेदगा वा असायावेदगा वा एवं (जउ) उप्पलुद्देसगपरिवाडी सव्वेसिं कम्माणं उदई नो अणुदई, छण्हं कम्माणं उदीरगा नो अणुदीरगा वेयणिज्जाउयाणं उदीरगा वा अणुदीरगा वा, ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेस्सा पुच्छा गोयमा! कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेस्सा वा नो सम्मद्दिट्ठी नो सम्मामिच्छद्दिट्ठी मिच्छद्दिट्ठी नो नाणी अन्नाणी नियमं दुअन्नाणी तं०—मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य नो मणजोगी नो वइजोगी

कायजोगी, सागारोवउत्ता वा अणागारोवउत्ता वा, तेसि ण भंते ! जीवाणं सरीरा कइवण्णा जहा उप्पलुद्देसए सव्वत्थ पुच्छा, गोयमा ! जहा उप्पलुद्देसए ऊसासगा वा नीसासगा वा नो उस्सासगनीसासगा वा, आहारगा वा अणाहारगा वा, नो विरया अविरया नो विरयाविरया, सकिरिया नो अकिरिया, सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, आहारसन्नोवउत्ता वा जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वा, कोहकसाई वा जाव लोभकसाई वा, नो इत्थिवेदगा नो पुरिसवेदगा नपुंसगवेदगा, इत्थिवेद-बंधगा वा पुरिसवेदबंधगा वा नपुंसगवेदबन्धगा वा, नो सन्नी असन्नी, सइंदिया नो अणिंदिया, ते णं भंते ! कडजुम्मकडजुम्मएगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ वणस्सइकाइयकालो, संवेहो न भन्नइ, आहारो जहा उप्पलुद्देसए नवरं निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं सेसं तहेव, ठिई जहन्नेणं (एक्कं समयं) अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, समुग्घाया आइल्ला चत्तारि, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, उव्वट्टणा जहा उप्पलुद्देसए, अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता कडजुम्म २-एगिंदियत्ताए उववन्नपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, कडजुम्मते-ओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव, ते णं भंते ! जीवा एगसमए० पुच्छा, गोयमा ! एगूणवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, सेसं जहा कडजुम्मकडजुम्माणं जाव अणंतखुत्तो, कडजुम्मदावरजुम्म-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अट्ठारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, कडजुम्मकलिओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, तेओगकडजुम्मएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, तेओगतेओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं पन्नरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं एएसु सोलससु महाजुम्मेसु एक्को गमओ नवरं परिमाणे नाणत्तं तेओगदावरजुम्मेसु परिमाणं चउद्दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, तेओगकलिओगेसु तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मकडजुम्मेसु अट्ठ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा

एगपज्जवसिए से णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगकलिओगे ८ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकडजुम्मे ९ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मतेओगे १० जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मदावरजुम्मे ११ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकलिओगे १२ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकडजुम्मे १३ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगतेओगे १४ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगदावरजुम्मे १५ जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकलिओगे १६। से तेणट्ठेणं जाव कलिओगकलिओगे ॥८५७॥ कडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो जहा उप्पलुद्देसए तहा उववाओ। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, ते णं भंते! जीवा समए समए पुच्छा गोयमा! ते णं अणंता समए समए अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणीउस्सप्पिणीहिं अवहीरंति नो चेव णं अवहिरिया सिया उच्चत्तं जहा उप्पलुद्देसए, ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा? गोयमा! बंधगा नो अबंधगा एवं सव्वेसिं आउयवज्जाणं आउयस्स बंधगा वा अबंधगा वा ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स वेदगा पुच्छा गोयमा! वेदगा नो अवेदगा एवं सव्वेसिं ते णं भंते! जीवा किं सायावेदगा असायावेदगा पुच्छा गोयमा! सायावेदगा वा असायावेदगा वा एवं (जहा) उप्पलुद्देसगपरिवाडी सव्वेसिं कम्माणं उदई नो अणुदई, छण्हं कम्माणं उदीरगा नो अणुदीरगा वेयणिज्जाउयाणं उदीरगा वा अणुदीरगा वा ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेस्सा पुच्छा गोयमा! कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेस्सा वा नो सम्मद्दिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी नो नाणी अन्नाणी नियमं दुअन्नाणी तं०-मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य नो मणजोगी नो वइजोगी

कायजोगी, सागारोवउत्ता वा अणागारोवउत्ता वा, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरा कइवण्णा जहा उप्पलुद्देसए सव्वत्थ पुच्छा, गोयमा ! जहा उप्पलुद्देसए ऊसासगा वा नीसासगा वा नो उस्सासनीसासगा वा, आहारगा वा अणाहारगा वा, नो विरया अविरया नो विरयाविरया, सकिरिया नो अकिरिया, सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, आहारसन्नोवउत्ता वा जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वा, कोहकसाई वा जाव लोभकसाई वा, नो इत्थिवेदगा नो पुरिसवेदगा नपुसगवेदगा, इत्थिवेद-बंधगा वा पुरिसवेदबंधगा वा नपुसगवेदबन्धगा वा, नो सन्नी असन्नी, सइंदिया नो अणिंदिया, ते ण भंते ! कडजुम्मकडजुम्मएगिंदियत्ति कालओ केवच्चिर होइ ? गोयमा ! जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेण अणत काल अणताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ वणस्सइकाइयकालो, संवेहो न भन्नइ, आहारो जहा उप्पलुद्देसए नवरं निव्वाघाएण छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पचदिसिं सेस तहेव, ठिई जहन्नेण (एक्क समय) अतोमुहुत्तं उक्कोसेण बावीस वाससहस्साइ, समुग्घाया आइल्ला चत्तारि, मारणतियसमुग्घाएण समोहयावि मरति असमोहयावि मरति, उव्वट्टणा जहा उप्पलुद्देसए, अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता कडजुम्म २- एगिंदियत्ताए उववन्नपुव्वा ? हता गोयमा ! असइ अदुवा अणतखुत्तो, कडजुम्मते-ओगएगिंदिया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? उववाओ तहेव, ते ण भंते ! जीवा एगसमए० पुच्छा, गोयमा ! एगूणवीसा वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा उववज्जति, सेस जहा कडजुम्मकडजुम्माण जाव अणंतखुत्तो, कडजुम्मदावरजुम्म-एगिंदिया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? उववाओ तहेव, ते ण भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अट्ठारस वा संखेज्जा वा असखेज्जा वा अणंता वा उववज्जति सेस तहेव जाव अणतखुत्तो, कडजुम्मकलिओगएगिंदिया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? उववाओ तहेव परिमाण सत्तरस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा सेस तहेव जाव अणतखुत्तो, तेओगकडजुम्मएगिंदिया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? उववाओ तहेव परिमाण बारस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा उववज्जति सेसं तहेव जाव अणतखुत्तो, तेओगतेओगएगिंदिया ण भंते ! कओ उववज्जति०? उववाओ तहेव परिमाण पन्नरस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणंता वा सेस तहेव जाव अणतखुत्तो, एव एएसु सोलससु महाजुम्मेसु एक्को गमओ नवरं परिमाणे नाणत्त तेओगदावरजुम्मेसु परिमाण चउद्दस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा उववज्जति, तेओगकलिओगेसु तेरस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा उववज्जति, दावरजुम्मकडजुम्मेसु अट्ठ वा संखेज्जा वा असखेज्जा वा

अणंता वा उववज्जंति दावरजुम्मतेओगेसु एक्कारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति दावरजुम्मदावरजुम्मेसु दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति दावरजुम्मकलिओगेसु नव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति कलिओगकडजुम्मेसु चत्तारि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति कलिओगतेओगेसु सत्त वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति कलिओगदावरजुम्मेसु छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति कलिओगकलिओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? उववाओ तहेव परिमाणं पंच वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५५ ॥ ३५-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? गोयमा ! तहेव एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव सोलसखुत्तो बिइओवि भाणियव्वो तहेव सव्वं नवरं इमाणि दस नाणत्ताणि-ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइ भागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं आउयकम्मस्स नो बंधगा अबंधगा आउयस्स नो उदीरगा अणुदीरगा नो उस्सासगा नो निस्सासगा नो उस्सासनिस्सासगा सत्तविहबंधगा नो अट्ठविहबंधगा। ते णं भंते ! पढमसमयकडजुम्म २-एगिंदियत्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! एगं समयं एवं ठिईएवि समुग्घाया आइल्ला दोन्नि समोहया न पुच्छिज्जंति उव्वट्टणा न पुच्छिज्जइ, सेसं तहेव सव्वं निरवसेसं सोलससुवि गमएसु जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८५६ ॥ ३५-१-२ ॥ अपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? एसो जहा पढमुद्देसो सोलसहिवि जुम्मेसु तहेव नेयव्वो जाव कलिओगकलिओगत्ताए जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-३ ॥ चरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? एवं जहेव पढमसमयउद्देसओ नवरं देवा न उववज्जंति तेउलेस्सा न पुच्छिज्जंति सेसं तहेव। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३५-१-४ ॥ अचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? जहा (अ)पढमसमयउद्देसो तहेव निरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-५ ॥ पढमपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव निरवसेसं। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-६ ॥ पढमअपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव भाणियव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-७ ॥ पढमचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ

उववज्जति०? जहा चरिमुद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥३५-१-८॥ पढमअचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? जहा (पढमुद्देसओ) बीओ उद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥३५-१-९॥ चरिम२समयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? जहा चउत्थो उद्देसओ तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३५-१-१०॥ चरिमअचरिम-समयकडजुम्म२ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव निरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-११ ॥ एवं एएणं कमेणं एक्कारस उद्देसगा, पढमो तइओ पंचमओ य सरिसगमगा सेसा अट्ठ सरिसगमगा, नवरं चउत्थे छट्ठे अट्ठमे दसमे य देवा न उववज्जति तेउलेस्सा नत्थि ॥ ८५७ ॥ पणतीसइमे सए पढमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥

कण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? गोयमा ! उववाओ तहेव एवं जहा ओहियउद्देसए नवरं इमं नाणत्तं ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा? हंता कण्हलेस्सा, ते णं भंते ! कण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदियत्ति कालओ केवचिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, एवं ठिईएवि, सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलसवि जुम्मा भाणियव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥३५-२-१॥ पढमसमयकण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? जहा पढम-समयउद्देसओ नवरं ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा? हंता कण्हलेस्सा, सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३५-२-२ ॥ एवं जहा ओहियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहा कण्हलेस्ससएवि एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा, पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमगा सेसा अट्ठवि सरिसगमगा नवरं चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु उववाओ नत्थि देवस्स । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५ इमे सए बिइयं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥२॥ एवं नीललेस्सेहिवि सयं कण्हलेस्ससयसरिसं एक्कारस उद्देसगा तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ तइयं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥३॥ एवं काउलेस्सेहिवि सयं कण्हलेस्ससयसरिसं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ चउत्थं एगिंदियमहाजुम्मसयं ॥४॥ भवसि-द्धियकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? जहा ओहियसयं तहेव नवरं एक्कारससुवि उद्देसएसु, अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता भवसिद्धियकडजुम्म२-एगिंदियत्ताए उववन्नपुव्वा? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पंचमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ५ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्म२-एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जति०? एवं कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं बिइयसयकण्हलेस्ससरिसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ छट्ठं

एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ६ ॥ एवं नीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहि वि सयं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ सत्तमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ७ ॥ एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहि वि तहेव एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं एवं एयाणि चत्तारि भवसिद्धियसयाणि चउसु वि सएसु सव्वपाणा जाव उववन्नपुव्वा ? नो इणट्ठे समट्ठे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ अट्ठमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ ८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाइं भणियाइं एवं अभवसिद्धिएहि वि चत्तारि सयाणि लेस्सासंजुत्ताणि भाणियव्वाणि सव्वपाणा तहेव नो इणट्ठे समट्ठे, एवं एयाइं बारस एगिंदियमहाजुम्मसयाइं भवंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५८ ॥ पणतीसइमं सयं समत्तं ॥

कडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? उववाओ जहा वक्कंतीए, परिमाणं सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति अवहारो जहा उप्पलुद्देसए, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं बारस जोयणाइं, एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमुद्देसए तहेव नवरं तिन्नि लेस्साओ देवा न उववज्जंति सम्मदिट्ठी वा मिच्छदिट्ठी वा नो सम्मामिच्छादिट्ठी नाणी वा अन्नाणी वा नो मणजोगी वइजोगी वा कायजोगी वा । ते णं भंते ! कडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं ठिई जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं, आहारो नियमं छद्दिसिं तिन्नि समुग्घाया सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो एवं सोलससु वि जुम्मेसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ बेइंदियमहाजुम्मसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥ १६-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमसमयउद्देसए दस नाणत्ताइं ताइं चेव दस इह वि एक्कारसमं इमं नाणत्तं—नो मणजोगी नो वइजोगी कायजोगी सेसं जहा बेइंदियाणं चेव पढमुद्देसए । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ एवं एए वि जहा एगिंदियमहाजुम्मेसु एक्कारस उद्देसगा तहेव भाणियव्वा नवरं चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु सम्मत्तनाणाणि न भन्नंति जहेव एगिंदिएसु पढमो तइओ पंचमो य एक्कगमा सेसा अट्ठ एक्कगमा ॥ ११ इमे सए पढमं बेइंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥ कण्हलेस्सकडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? एवं चेव कण्हलेस्सेसु वि एक्कारसउद्देसयसंजुत्तं सयं नवरं लेस्सा संचिट्ठणा ठिई जहा एगिंदियकण्हलेस्साणं ॥ बिइयं बेइंदियसयं समत्तं ॥ २ ॥ एवं नीललेस्सेहि वि सयं ॥ तइयं सयं समत्तं ॥ ३ ॥ एवं काउलेस्सेहि वि सयं चउत्थं समत्तं ॥ ४ ॥ भवसिद्धियकडजुम्मकडजुम्मबेइंदिया णं भंते ! एवं भवसिद्धियसयाणि चत्तारि तेणेव पुव्वगमएणं नेयव्वा नवरं सव्वे पाणा णो

। खलु मे अतराए आहरिस्सामि इच्चेयाइ आयतणाइं उवाइक्कम्म ॥ ६३४ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा सत्त पिंडेसणाओ सत्त पाणेसणाओ तत्थ खलु इमा पढमा पिंडेसणा असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते, तहप्पगारेण असंसट्ठेण हत्थेण वा मत्तेण वा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा ण जाएज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **इति पढमा पिंडेसणा** ॥ ६३५ ॥ **अहावरा दोच्चा पिंडेसणा,** ससट्ठे हत्थे ससट्ठे मत्तए तहेव दोच्चा पिंडेसणा **इति दोच्चा पिंडेसणा** ॥ ६३६ ॥ अहावरा **तच्चा पिंडेसणा,** इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया सड्ढा भवंति गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा, तेसिं च णं अण्णतरेसु विरूवरूवेसु भायणजाएसु उवणिक्खित्तपुव्वे सिया तंजहा थालंसि वा, पिढरंसि वा सरगंसि वा, परगंसि वा, वरगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा, असंसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्ते, संसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते से य पडिग्गहधारी सिया पाणिपडिग्गहिए वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसोत्ति वा, भगिणि त्ति वा, एएण तुमं असंसट्ठेण हत्थेण संसट्ठेण मत्तेण संसट्ठेण वा हत्थेण असंसट्ठेण मत्तेण अस्सिं पडिग्गहगंसि वा पाणिंसि वा णिहट्टु उचित्तु दलयाहि" तहप्पगारं भोयणजायं सयं वा ण जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **तच्चा पिंडेसणा** ॥ ६३७ ॥ अहावरा **चउत्था पिंडेसणा** ॥ से भिक्खू वा, (२) से जं पुण जाणिज्जा, पिहुअं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे अप्पे पज्जवजाए, तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा सयं वा जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा । **इति चउत्था पिंडेसणा** ॥ ६३८ ॥ अहावरा **पंचमा पिंडेसणा** से भिक्खू वा भिक्खूणी वा, जाव समाणे, उग्गहितमेव भोयणजायं जाणिज्जा, तंजहा–सरावंसि वा, डिंडिमंसि वा, कोसगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा बहुपरियावन्ने पाणीसु उदगलेवे तहप्पगारं असणं वा (४) सयं वा ण जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा ॥ **पंचमा पिंडेसणा** ॥ ६३९ ॥ अहावरा **छट्ठा पिंडेसणा,** से भिक्खू वा (२) पग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, जं च सयट्ठाए पग्गहियं जं च परट्ठाए पग्गहियं तं पायपरियावन्नं तं पाणिपरियावण्णं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, **छट्ठा पिंडेसणा** ॥ ६४० ॥ अहावरा **सत्तमा पिंडेसणा,** से भिक्खू वा (२) जाव समाणे बहुउज्झियधम्मियं भोयणजायं जाणिज्जा, जं चऽन्ने बहवे दुपय-चउप्पय-समण-माहण-

इणट्ठे समट्ठे, सेस तहेव ओहियसयाणि चत्तारि। सेव भंते! सेवं भंते! त्ति॥ छत्तीसइमे सए अट्ठम सय समत्त॥ ८॥ जहा भवसिद्धियसयाणि चत्तारि एव अभवसिद्धियसयाणि चत्तारि भाणियव्वाणि नवरं सम्मत्तनाणाणि (सव्वहा) नत्थि, सेस त चेव, एव एयाणि वारस वेइंदियमहाजुम्मसयाणि भवति। सेवं भंते! सेव भते! त्ति॥ ८५९॥ वेइंदियमहाजुम्मसया समत्ता॥ १२॥ **छत्तीसइम सयं समत्तं॥**

कडजुम्म२तेइंदिया ण भते! कओ उववजति०? एव तेइंदिएसुवि वारस सया कायव्वा वेइंदियसयसरिसा नवरं ओगाहणा जहन्नेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण तिन्नि गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं एक्क समय उक्कोसेण एगूणपन्न राइंदियाइ सेस तहेव। सेव भते! सेव भते! त्ति॥ ८६०॥ तेइंदियमहाजुम्मसया समत्ता॥ १२॥ **सत्ततीसइमं सयं समत्तं॥**

चउरिंदिएहिवि एव चेव वारस सया कायव्वा नवर ओगाहणा जहन्नेणं अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण चत्तारि गाउयाइ, ठिई जहन्नेणं एक्क समय उक्कोसेणं छम्मासा सेस जहा वेइंदियाण। सेव भते! २ त्ति॥ ८६१॥ चउरिंदियमहाजुम्मसया समत्ता॥ १२॥ **अट्ठतीसइम सयं समत्तं॥**

कडजुम्म२असन्निपचिंदिया ण भते! कओ उववजति०? जहा वेइन्दियाण तहेव असण्णिसुवि वारस सया कायव्वा नवरं ओगाहणा जहन्नेण अगुलस्स असखेज्जइ भाग उक्कोसेण जोयणसहस्स सचिट्ठणा जहन्नेणं एक्क समयं उक्कोसेण पुव्वकोडिपुहुत्त ठिई जहन्नेण एक्क समय उक्कोसेण पुव्वकोडी सेस जहा वेइंदियाण। सेव भते! २ त्ति॥ ८६२॥ असण्णिपंचिंदियमहाजुम्मसया समत्ता॥ १२॥ **एगूणयालीसइमं सय समत्तं॥** कडजुम्म२सन्निपचिंदिया ण भंते! कओ उववज्जन्ति०? उववाओ चउसुवि गईसु, सखेज्जवासाउयअसखेज्जवासाउयपज्जत्तअपज्जत्तएसु य न कओवि पडिसेहो जाव अणुत्तरविमाणत्ति, परिमाण अवहारो ओगाहणा य जहा असन्निपचिंदियाण, वेयणिज्जवज्जाण सत्तण्ह कम्मपगडीण वधगा वा अवधगा वा, वेयणिज्जस्स वधगा नो अवधगा, मोहणिज्जस्स वेदगा वा अवेदगा वा सेसाण सत्तण्हवि वेदगा नो अवेदगा, सायावेदगा वा असायावेदगा वा, मोहणिज्जस्स उदई वा अणुदई वा सेसाण सत्तण्हवि उदई नो अणुदई, नामस्स गोयस्स य उदीरगा नो अणुदीरगा सेसाण छण्हवि उदीरगा वा अणुदीरगा वा, कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा, सम्मदिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा सम्मामिच्छादिट्ठी वा, णाणी वा अन्नाणी वा, मणजोगी(वा) वइजोगी कायजोगी, उवओगो वन्नमाई उस्सासगा

कण्हलेस्सा वा णो सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी णो णाणी अण्णाणी एवं जहा कण्हलेस्ससए णवरं णो विरया अविरया णो विरयाविरया संचिट्ठणा ठिई य जहा ओहियउद्देसए समुग्घाया आइल्लगा पंच उव्वट्टणा तहेव अणुत्तरविमाणवज्जं उववज्जंति णो इणट्ठे समट्ठे सेसं जहा कण्हलेस्ससए जाव अणंतखुत्तो एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पढमसमयअभवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? जहा सण्णीणं पढमसमयउद्देसए तहेव णवरं सम्मत्तं सम्मामिच्छत्तं णाणं च सव्वत्थ णत्थि सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ एवं एत्थवि एक्कारस उद्देसगा कायव्वा पढमतइयपंचमा एक्कगमा सेसा अट्ठवि एक्कगमा । सेवं भंते ! त्ति ॥ पढमं अभवसिद्धियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ चत्तालीसइमे सए पण्णरसमं सयं समत्तं ॥ १५ ॥ कण्हलेस्सअभवसिद्धियकडजुम्म२ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? जहा एएसिं चेव ओहियसयं तहा कण्हलेस्ससयंपि णवरं ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा ठिई संचिट्ठणा य जहा कण्हलेस्ससए सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ बिइयं अभवसिद्धियमहाजुम्मसयं ॥ चत्तालीसइमे सए सोलसमं सयं समत्तं ॥ १६ ॥ एवं छहिवि लेस्साहिं छ सया कायव्वा जहा कण्हलेस्ससयं णवरं संचिट्ठणा ठिई य जहेव ओहियसए तहेव भाणियव्वा णवरं सुक्कलेस्साए उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, ठिई एवं चेव णवरं अंतोमुहुत्तं णत्थि जहण्णगं तहेव सव्वत्थ सम्मत्तणाणाणि णत्थि विरई विरयाविरई अणुत्तरविमाणोववत्ति एयाणि णत्थि सव्वपाणा० णो इणट्ठे समट्ठे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ एवं एयाणि सत्त अभवसिद्धियमहाजुम्मसयाणि भवन्ति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ एवं एयाणि एक्कवीसं सण्णिमहाजुम्मसयाणि । सव्वाणिवि एक्कासीइमहाजुम्मसया समत्ता ॥ ८६४ ॥

चत्तालीसइमं सयं समत्तं ॥

कइ णं भंते ! रासीजुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि रासीजुम्मा पण्णत्ता तंजहा-कडजुम्मे जाव कलिओगे से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चत्तारि रासीजुम्मा पण्णत्ता तंजहा—कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं रासीजुम्मकडजुम्मे एवं जाव जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं रासीजुम्मकलिओगे से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे । रासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति ? उववाओ जहा वक्कंतीए, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा

सण्णिपंचिंदियपढमसमयउद्देसए तहेव निरवसेसं नवरं ते ण भंते ! जीवा कण्ह० लेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा सेसं तहेव, एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ एवं एएवि एक्कारस उद्देसगा कण्हलेस्सासए, पढमतइयपंचमा सरिसगमगा सेसा अट्ठवि एक्क(सरिस)गमगा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ बिइयं सयं समत्तं ॥ २ ॥ एवं नीललेस्सेसुवि सयं, नवरं संचिट्ठणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, एवं तिसु उद्देसएसु, सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ तइयं सयं समत्तं ॥ ३ ॥ एवं काउलेस्ससयंपि, नवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तिन्नि सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, एवं तिसुवि उद्देसएसु, सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ चउत्थं सयं ॥ ४ ॥ एवं तेउलेस्सेसुवि सयं, नवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं एवं ठिईएवि नवरं नोसण्णोवउत्ता वा, एवं तिसुवि(गमएसु) उद्देसएसु सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ पंचमं सयं ॥ ५ ॥ जहा तेउलेस्सासयं तहा पम्हलेस्सासयंपि नवरं संचिट्ठणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, नवरं अंतोमुहुत्तं न भण्णइ सेसं तहेव, एवं एएसु पंचसु सएसु जहा कण्हलेस्सासए गमओ तहा नेयव्वो जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ छट्ठं सयं समत्तं ॥ ६ ॥ सुक्कलेस्ससयं जहा ओहियसयं नवरं संचिट्ठणा ठिई य जहा कण्हलेस्ससए सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ सत्तमं सयं समत्तं ॥ ७ ॥ भवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहा पढमं सन्निसयं तहा णेयव्वं भवसिद्धियाभिलावेणं नवरं सव्वपाणा० ? णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ अट्ठमं सयं समत्तं ॥ ८ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियकण्हलेस्ससयं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ नवमं सयं ॥ ९ ॥ एवं नीललेस्सभवसिद्धिएवि सयं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ दसमं सयं ॥ १० ॥ एवं जहा ओहियाणि सण्णिपंचिंदियाणं सत्त सयाणि भणियाणि एवं भवसिद्धिएहिवि सत्त सयाणि कायव्वाणि, नवरं सत्तसुवि सएसु सव्वपाणा जाव णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ भवसिद्धियसया समत्ता ॥ चउद्दसमं सयं समत्तं ॥ १४ ॥ अभवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? उववाओ तहेव अणुत्तरविमाणवज्जो परिमाणं अव(आ)हारो उच्चत्तं बंधो वेदो वेदणं उदओ उदीरणा य जहा कण्हलेस्ससए कण्हलेस्सा वा जाव

किं सकिरिया अकिरिया? गोयमा! सकिरिया नो अकिरिया। जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ इगचत्तालीसइमे रासीजुम्मसए पढमो उद्देसो ॥ ४११ ॥ रासीजुम्मतेओगनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? एवं चेव उद्देसओ भाणियव्वो नवरं परिमाणं तिण्णि वा सत्त वा एक्कारस वा पन्नरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति संतरं तहेव ते णं भंते! जीवा जंसमयं तेओगा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं तेओगा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। जंसमयं तेओगा तंसमयं दावरजुम्मा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं तेओगा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, एवं कलिओगेणवि समं सेसं तं चेव जाव वेमाणिया नवरं उववाओ सव्वेसिं जहा वक्कंतीए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१२ ॥ रासीजुम्मदावरजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जन्ति? एवं चेव उद्देसओ नवरं परिमाणं दो वा छ वा दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति संतरो ते णं भंते! जीवा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं दावरजुम्मा? नो इणट्ठे समट्ठे, एवं तेओएणवि समं एवं कलिओगेणवि समं सेसं जहा पढमुद्देसए जाव वेमाणिया। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१३ ॥ रासीजुम्मकलिओगनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? एवं चेव नवरं परिमाणं एक्को वा पंच वा नव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जन्ति संतरो ते णं भंते! जीवा जंसमयं कलिओगा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं कलिओगा? नो इणट्ठे समट्ठे, एवं तेओगेणवि समं एवं दावरजुम्मेणवि समं सेसं जहा पढमुद्देसए एवं जाव वेमाणिया। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१४ ॥ कण्हलेस्सरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जन्ति? उववाओ जहा धूमप्पभाए सेसं जहा पढमुद्देसए, असुरकुमाराणं तहेव एवं जाव वाणमंतराणं मणुस्साणवि जहेव नेरइयाणं आयअजसं उवजीवंति अलेस्सा अकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति एवं (न) भाणियव्वं सेसं जहा पढमुद्देसए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१५ ॥ कण्हलेस्सतेओगेहिवि एवं चेव उद्देसओ सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१६ ॥ कण्हलेस्सदावरजुम्मेहिवि एवं चेव उद्देसओ। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१७ ॥ कण्हलेस्सकलिओगेहिवि एवं चेव उद्देसओ परिमाणं संवेहो य जहा ओहिएसु उद्देसएसु। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१८ ॥ जहा कण्हलेस्सेहिं एवं नीललेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा निरवसेसा नवरं नेरइयाणं उववाओ जहा वालुयप्पभाए सेसं तं चेव। सेवं भंते!

बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, ते णं भंते ! जीवा किं संतरं उववज्जन्ति निरंतरं उववज्जन्ति ? गोयमा ! संतरंपि उववज्जन्ति निरंतरंपि उववज्जंति, संतरं उववज्जमाणा जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अंतरं कट्टु उववज्जन्ति, निरंतरं उववज्जमाणा जहन्नेणं दो समया उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अणुसमयं अविरहियं निरंतरं उववज्जन्ति, ते णं भंते ! जीवा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं तेओगा जंसमयं तेओगा तंसमयं कडजुम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं दावरजुम्मा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं कडजुम्मा ? नो इणट्ठे समट्ठे, जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं कलिओगा जंसमयं कलिओगा तंसमयं कडजुम्मा ? णो इणट्ठे समट्ठे। ते णं भंते ! जीवा कहं उववज्जन्ति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे एवं जहा उववायसए जाव नो परप्पओगेणं उववज्जन्ति। ते णं भंते ! जीवा किं आयजसेणं उववज्जन्ति आयअजसेणं उववज्जन्ति ? गोयमा ! नो आयजसेणं उववज्जंति आयअजसेणं उववज्जन्ति, जइ आयअजसेणं उववज्जन्ति किं आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा ! नो आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति, जइ आयअजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा नो अलेस्सा, जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया नो अकिरिया, जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे। रासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भंते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहेव नेरइया तहेव निरवसेसं एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया नवरं वणस्सइकाइया जाव असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तं चेव, मणुस्सावि एवं चेव जाव नो आयजसेणं उववज्जन्ति आयअजसेणं उववज्जंति, जइ आयअजसेणं उववज्जन्ति किं आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा ! आयजसंपि उवजीवंति आयअजसंपि उवजीवंति, जइ आयजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सावि अलेस्सावि, जइ अलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! नो सकिरिया अकिरिया, जइ अकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति, जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया नो अकिरिया, जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति ? गोयमा ! अत्थेगइया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति अत्थेगइया नो तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति, जइ आयअजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा नो अलेस्सा, जइ सलेस्सा

सेवं भंते ! त्ति ॥ ४१।१२ ॥ काउलेस्सेहिवि एव चेव चत्तारि उद्देसगा कायव्वा नवरं नेरइयाणं उववाओ जहा रयणप्पभाए, सेस त चेव । सेव भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ४१।१६ ॥ तेउलेस्सरासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भते ! कओ उववज्जन्ति० ? एव चेव नवर जेसु तेउलेस्सा अत्थि तेसु भाणियव्व, एव एएवि कण्हलेस्ससरिसा चत्तारि उद्देसगा कायव्वा । सेव भते ! २ त्ति ॥ ४१।२० ॥ एव पम्हलेस्साएवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा पचिंदियतिरिक्खजोणियाण मणुस्साणं वेमाणियाण य एएसिं पम्हलेस्सा सेसाण नत्थि । सेव भते ! २ त्ति ॥ ४१।२४ ॥ जहा पम्हलेस्साए एव सुक्कलेस्साएवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा नवर मणुस्साण गमओ जहा ओहियउद्देसएसु सेस तं चेव, एव एए छसु लेस्सासु चउव्वीस उद्देसगा ओहिया चत्तारि, सव्वेते अट्ठावीस उद्देसगा भवति । सेव भते ! २ त्ति ॥४१।२८॥ भवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते ! कओ उववज्जति० ? जहा ओहिया पढमगा चत्तारि उद्देसगा तहेव निरवसेसं एए चत्तारि उद्देसगा । सेव भते ! २ त्ति ॥ ४१।३२ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? जहा कण्हलेस्साए चत्तारि उद्देसगा भवति तहा इमेवि भवसिद्धियकण्हलेस्सेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा ॥ ४१।३६ ॥ एवं नीललेस्सभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा ॥४१।४०॥ एव काउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ॥४१।४४॥ तेउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ओहियसरिसा ॥ ४१।४८ ॥ पम्हलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ॥ ४१।५२ ॥ सुक्कलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ओहियसरिसा, एवं एएवि भवसिद्धिएहिवि अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति । सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ४१।५६ ॥ अभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते ! कओ उववज्जन्ति० ? जहा पढमो उद्देसओ नवरं मणुस्सा नेरइया य सरिसा भाणियव्वा, सेस तहेव । सेवं भते ! २ त्ति । एवं चउसुवि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा । कण्हलेस्सअभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते ! कओ उववज्जति० ? एव चेव चत्तारि उद्देसगा, एव नीललेस्सअभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा एव काउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा एव तेउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा पम्हलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा सुक्कलेस्सअभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा, एव एएसु अट्ठावीसाएवि अभवसिद्धियउद्देसएसु मणुस्सा नेरइयगमेण नेयव्वा । सेव भते ! २ त्ति । एव एएवि अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ ४१।८४ ॥ सम्मद्दिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते ! कओ उववज्जति० ? एव जहा पढमो उद्देसओ एव चउसुवि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा भवसिद्धियसरिसा कायव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ कण्हलेस्ससम्मद्दिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मनेरइया ण भते ! कओ

वीसइम सय दोहिं दिवसेहिं छ छ उद्देसगा, पंचवीसइम दोहिं दिवसेहिं छ छ उद्देसगा, बधिसयाइ अट्ठसयाइ एगेण दिवसेण सेढिसयाइं वारस एगेणं एगिंदियमहाजुम्मसयाइ वारस एगेग एव वेइंदियाण वारस तेइंदियाण वारस चउरिंदियाणं वारस एगेण असन्निपर्चिदियाण वारस सन्निपंचिंदियमहाजुम्मसयाइ एक्कवीस एगदिवसेण उद्दिसिज्जन्ति रासीजुम्मसय एगदिवसेण उद्दिसिज्जइ ॥ **गाहाओ** वियसियअरविंदकरा नासियतिमिरा सुयाहि(वा)या देवी । मज्झपि देउ मेह बुहविवुहणमसिया णिच्च ॥ १ ॥ सुयदेवयाए पणमिमो जीए पसाएण सिक्खिय नाण । अण्णं पवयणदे(विं)वी संतिक(रिं)री त (ह)नमसामि ॥ २ ॥ सुयदेवया य जक्खो कुंभधरो वंभसति वेरोट्टा । विज्जा य अतहुडी देउ अविग्घ लिहतस्स ॥ ३ ॥ ८६७ ॥

सिरिविवाहपन्नत्ती समत्ता, पंचमं अग समत्तं ॥

खलु इमा सत्तमा पाणेसणा असंसट्ठे हत्थे २ तं चेव भाणियव्वं णवरं चउत्थाए णाणत्तं से भिक्खू वा (२) जाव समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा तंजहा- तिलोदगं वा तुसोदगं वा जवोदगं वा आयामं वा सोवीरं वा सुद्धवियडं वा अस्सिं खलु पडिग्गाहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ १४२ ॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पिंडेसणाणं सत्तण्हं पाणेसणाणं अन्नतरं पडिमं पडिवज्जमाणे णो एवं वएज्जा "मिच्छापडिवन्ना खलु एते भयंतारो अहमेगे सम्मं पडिवन्ने" जे एते भयंतारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जित्ताणं विहरंति जो य अहमंसि एयं पडिमं पडिवज्जित्ताणं विहरामि सव्वेऽवि ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अन्नोन्नसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥ १४३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥१४४॥

पिंडेसणा णामज्झयणस्स एगारसमोद्देसो विइयसुयक्खंधस्स पिंडेसणा णामं पढमज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा उवस्सयं एसित्तए, से अणुपविसित्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा ॥ १४५ ॥ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणयं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ १४६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा अप्पंडं अप्पपाणं जाव अप्पसंताणयं तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ १४७ ॥ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएति तहप्पगारे उवस्सए पुरिसंतरगडे वा अपुरिसंतरगडे वा जाव अणासेविए वा णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा । एवं बहवे साहम्मिया एगा साहम्मिणी बहवे साहम्मिणीओ॥१४८॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा अस्संजए भिक्खुपडियाए बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव चेएइ तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ १४९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा अस्संजए भिक्खुपडियाए कडिए वा उक्कंबिए वा छन्ने वा लित्ते वा घट्ठे वा मट्ठे वा, संमट्ठे वा संपधूमिए वा तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाणं वा, सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसे-

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त-महावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

॥ नायाधम्मकहाओ ॥

तेण कालेणं तेणं समएण चपा नाम नयरी होत्था । वण्णओ ॥ १ ॥ तीसे णं चपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए (एत्थ ण) पुण्णभेद्दे नामं उज्जाणे होत्था । वण्णओ ॥ २ ॥ तत्थ ण चपाए नयरीए कोणिए नाम राया होत्था । वण्णओ ॥ ३ ॥ तेण कालेण तेणं समएग समणस्स भगवओ महावीरस्स अतेवासी अज्जसुहम्मे नाम थेरे जाइसपन्ने कुलसपन्ने बलरूवविणयनाणदसणचरित्तलाघवसंपन्ने ओयसी तेयसी वचसी जससी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोहे जिइदिए जियनिद्दे जियपरीसहे जीवियासामरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे एवं करणचरण-निग्गहनिच्छयअज्जवमद्दवलाघवखतिगुत्तिमुत्तिविज्जामतबभ(चेर)वयनयनियमसच्च-सोयनाणदसणचारित्तप्पहाणे उ(ओ)राले घोरे घोरव्वए घोरतवस्सी घोरबभचेरवासी उच्छूढसरीरे सखित्तविउलते(य)उलेसे चोद्दसपुव्वी चउनाणोवगए पंचहिं अणगारस-एहिं सद्धिं सपरिवुडे पुव्वाणुपुव्वि चरमाणे गामाणुगाम दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपा नयरी जेणेव पुण्णभेद्दे उज्जाणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडि रूवं उग्गह ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता सजमेण तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ४ ॥ तए ण चपाए नयरीए परिसा निग्गया । कोणिओ निग्गओ । धम्मो कहिओ । परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तेण कालेण तेण समएणं अज्ज-सुहम्मस्स अणगारस्स जेट्ठे अतेवासी अज्जजबू नाम अणगारे कासवगोत्तेग सत्तु-स्सेहे जाव अज्जसुहम्मस्स थेरस्स अदूरसामंते उड्ढजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तए ण से अज्जजबूनामे जायसड्ढे जाय ससए जायकोउहल्ले सजायसड्ढे संजायससए सजायकोउहल्ले उप्पन्नसड्ढे उप्पन्नससए उप्पन्नकोउहल्ले समुप्पन्नसड्ढे समुप्पन्नससए समुप्पन्नकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता जेणामेव अज्जसुहम्मे थेरे तेणामेव उवागच्छइ २त्ता अज्जसुहम्मे थेरे तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ २ त्ता वदइ नमसइ वंदित्ता नमसित्ता अज्जसुहम्मस्स थेरस्स

णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे पंजलिउडे विणएणं पज्जुवासमाणे एवं वयासी- जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थयरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिस(वरपुंडरीएणं)वरेणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगनाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं सरणदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं बोहिदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मनायगेणं धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरनाणदंसणधरेणं वियट्टछउमेणं जिणेणं जा(ण)एणं तिण्णेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वण्णेणं सव्वदरिसिणा सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तियं सासयं ठाणमुवगएणं पंचमस्स अंगस्स अयमट्ठे पण्णत्ते छट्ठस्स णं अंगस्स भंते! णायाधम्मकहाणं के अट्ठे पण्णत्ते? जंबु त्ति अज्जसुहम्मे थेरे अज्जजंबूणामं अणगारं एवं वयासी एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स दो सुयक्खंधा पण्णत्ता तंजहा- णायाणि य धम्मकहाओ य। जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स दो सुयक्खंधा पण्णत्ता तंजहा-णायाणि य धम्मकहाओ य पढमस्स णं भंते! सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं णायाणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं णायाणं एगूणवीसं अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा-उक्खित्तणाए संघाडे अंडे कुम्मे य सेलगे। तुंबे य रोहिणी मल्ली मायंदी चंदिमाइ य ॥ १ ॥ दावद्दवे उदगणाए मंडुक्के तेयली वि य। नंदीफले अवरकंका आइण्णे सुंसुमाइ य ॥ २ ॥ अवरे य पुंडरीए णामए एगूणवीसमे ॥ ३ ॥ जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं णायाणं एगूणवीसं अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा-उक्खित्तणाए जाव पुंडरीए (त्ति) य पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे रायगिहे णामं णयरे होत्था। वण्णओ। गुणसिलए चेइए। वण्णओ। तत्थ णं रायगिहे णयरे सेणिए णामं राया होत्था। महया हिमवंत० वण्णओ। तस्स णं सेणियस्स रण्णो णंदा णामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया वण्णओ ॥ ६ ॥ तस्स णं सेणियस्स पुत्ते णंदाए देवीए अत्तए अभए णामं कुमारे होत्था अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरे जाव सुरूवे सामदंडभेयउवप्पयाणणीइसुप्पउत्तणयविहिण्णू ईहापोहमग्गणगवेसणअत्थसत्थमई उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए चउव्विहाए बुद्धीए उववेए सेणियस्स रण्णो बहुसु कज्जेसु य कुडुंबेसु य मंतेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य निच्छएसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमाणं आहारे आलंबणं चक्खू मेढीभूए पमाणभूए आहारभूए आलंबणभूए चक्खुभूए सव्वकज्जेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए

तुरुक्कधूवडज्झतमघमघतगंधुद्धुयाभिराम सुगधवरगंधिय गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य करित्ता य कारवित्ता य ए(व)यमाणत्तिय पच्चप्पिणह। तए ण ते कोडुवियपुरिसा सेणिएण रन्ना एव वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव पच्चप्पिणति। तए ण से सेणिए राया कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिलियंमि अहापंडुरे पभाए रत्तासोगप्पगासकिंसुयसुयमुहगुजद्ध(राग)वधुजीवगपारावयचलणनयणपरहुयसुरत्तलोयणजासुमणकुसुमजलियजलणतवणिज्जकलसहिंगुलयनिगररूवाइरेगरेहन्तसस्सिरीए दिवा(ग)यरे अहक्कमेण उदिए तस्स दिण(कर)करपरंपरावयारपारद्धमि अधयारे वालायवकुकुमेण खइयव्व जीवलोए लोयणविसयाणुयासविगसतविसददसियमि लोए कमलागरसडवोहए उट्ठियमि सूरे सहस्सरस्सिमि दिणयरे तेयसा जलते सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसाल अणुपविसइ २ त्ता अणेगवायामजोगवग्गणवामद्दणमल्लजुद्धकरणेहिं संते परिस्सते सयपागसहस्सपागेहिं सुगधवरतेल्लमाइएहिं पीगणिज्जेहिं दीवणिज्जेहिं दप्पणिज्जेहिं मयणिज्जेहिं विंहणिज्जेहिं सव्विंदियगायपल्हायणिज्जेहिं अब्भगएहिं अब्भगिए समाणे तेल्लचम्मसि पडिपुण्णपाणिपायसुकुमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं दक्खेहिं पट्ठेहिं कुसलेहिं मेहावीहिं निउणेहिं निउणसिप्पोवगएहिं जियपरिस्समेहिं अब्भगणपरिमद्दणुव्वलणकरणगुणनिम्माएहिं अट्ठिसुहाए मससुहाए तयासुहाए रोमसुहाए चउव्विहाए स(वा)वाहणाए सवाहिए समाणे अवगयपरिस्समे नरिंदे अट्टणसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता स(मु)म(न्त)त्तजालाभिरामे विचित्तमणिरयणकोट्टिमतले रमणिज्जे ण्हाणमंडवसि नाणामणिरयणभत्तिचित्तसि ण्हाणपीढसि सुहनिसण्णे सुहोदगेहिं पुप्फोदएहिं गधोदएहिं सुद्धोदएहि य पुणो पुणो कल्लाणगपवरमज्जणविहीए मज्जिए तत्थ कोउयसएहिं वहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसुकुमालगधकासा(ई)यलूहियगे अहयसुमहग्घदूसरयणसुसवुए सरससुरभिगोसीसचदणाणुलित्तगत्ते सुइमालावण्णगविलेवणे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरयपालवपलवमाणकडिसुत्तसुकयसोहे पि(ण)णिद्धगेविज्जे अगुलेज्जगललियगा(य)ललियकयाभरणे नाणामणिकडगतुडियथभियभुए अहियरूवसस्सिरीए कुडलुज्जोइयाणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे पालवपलंवमाणसुकयपडउत्तरिज्जे मुद्दियापिंगलंगुलीए नाणामणिकणगरयणविमलमहरिहनिउणोवियमिसिमिसतविरइयसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसठियपसत्थआविद्धवीरवलए, किं वहुणा? कप्परुक्खए चेव सुअलकियविभूसिए नरिंदे सकोरंटमल्लदामेण छत्तेणं धरिज्जमाणेण (उभओ)चउचामरवालवीइयंगे मगलजयसद्दकयालोए अणेगगणनायगदडनायगराईसरतलवरमाडविय-

कोडुंबियमंतिमहामंतिगणगदोवारियअमच्चचेडपीढमद्दनगरनिगमसेट्ठिसेणावइसत्थवा-
हदूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे धवलमहामेहनिग्गए इव गहगणदिप्पंतरिक्खताराग-
णाण मज्झे ससि व्व पियदंसणे नरवई मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव
बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे
सन्निसण्णे। तए णं से सेणिए राया अप्पणो अदूरसामंते उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए
अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थमंगलोवयारकयसंतिकम्माइं रयावेइ २ त्ता
(अप्पणो अदूरसामंते) णाणामणिरयणमंडियं अहियपेच्छणिज्जरूवं महग्घवरपट्टणुग्गयं
सण्हपट्टबहुभत्तिसयचित्त(ट्ठा)णं ईहामियउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिंनररुरु
सरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं सुखचियवरकणगपवरपेरंतदेसभागं अब्भिं-
तरियं जवणियं अंछावेइ २ त्ता अ(च्छ)त्थरगमउयमसूरगउच्छइयं धवलवत्थ-
पच्चुत्थुयं विसिट्ठं अंगसुहफासयं सुमउयं धारिणीए देवीए भद्दासणं रयावेइ २ त्ता
कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अट्ठंगम-
हानिमित्तसुत्तत्थपाढए विविहसत्थकुसले सुमिणपाढए सद्दावेह २ त्ता एयमाणत्तियं
खिप्पामेव पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा
हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं
देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति २ त्ता सेणियस्स रन्नो अंतियाओ
पडिनिक्खमंति २ त्ता रायगिहस्स नगरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सुमिणपाढगगिहाणि
तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सुमिणपाढए सद्दावेंति। तए णं ते सुमिणपाढगा सेणि-
यस्स रन्नो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया ण्हाया अप्पमह-
ग्घाभरणालंकियसरीरा हरियालियसिद्धत्थयकयमुद्धाणा सएहिं सएहिं गिहेहिंतो पडि-
निक्खमंति २ त्ता रायगिहस्स नगरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सेणियस्स रन्नो भवण-
व(डिं)सगदुवारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगयओ मि(ल)यंति २ त्ता सेणियस्स
रन्नो भवणवडिंसगदुवारेणं अणुपविसंति २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला
जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति
सेणिएणं रन्ना अच्चियवंदियपूइयमाणियसक्कारियसम्माणिया समाणा पत्तेयं २ पुव्वन्न-
त्थेसु भद्दासणेसु निसीयंति। तए णं से सेणिए राया जवणियंतरियं धारिणिं देविं ठवेइ
२ त्ता पुप्फफलपडिपुण्णहत्थे परेणं विणएणं ते सुमिणपाढए एवं वयासी—एवं खलु
देवाणुप्पिया! धारिणी देवी अज्ज तंसि तारिसयंसि सयणिज्जंसि जाव महासुमिणं
पासित्ता णं पडिबुद्धा तं एयस्स णं देवाणुप्पिया! उरालस्स जाव सस्सिरीयस्स
महासुमिणस्स के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ?। तए णं ते सुमिणपाढगा

सेणियस्स रन्नो अतिए एयमट्ठ सोचा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया त सुमिणं सम्म ओगिण्हति २ त्ता ईह अणुपविसति २ त्ता अन्नमन्नेण सद्धिं सचालेंति २ त्ता तस्स सुमिणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा सेणियस्स रन्नो पुरओ सुमिणसत्थाइ उच्चारेमाणा (२) एवं वयासी–एव खलु अम्ह सामी ! सुमिणसत्थसि वायालीस सुमिणा तीस महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा दिट्ठा । तत्थ ण सामी ! अरहतमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा अरहतंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भ वक्कममाणसि एएसिं तीसाए महासुमिणाण इमे चउद्दस महासुमिणे पासित्ता ण पडिबुज्झति तजहा–गयवसहसीहअभिसेयदामससिदिणयर झय कुंभ । पउमसरसागरविमाणभवणरयणुच्चय-सिहिं च ॥ १ ॥ वासुदेवमायरो वा वासुदेवसि गब्भ वक्कममाणसि एएसिं चउद्दसण्ह महासुमिणाणं अन्नयरे सत्त महासुमिणे पासित्ता ण पडिबुज्झति । बलदेवमायरो वा बलदेवसि गब्भ वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्ह महासुमिणाण अन्नयरे चत्तारि महासुमिणे पासित्ता ण पडिबुज्झति । मडलियमायरो वा मडलियसि गब्भ वक्कममाणसि एएसिं चोद्दसण्ह महासुमिणाण अन्नयर एग महासुमिण पासित्ता ण पडिबुज्झति । इमे य(ण) सामी ! धारिणीए देवीए एगे महासुमिणे दिट्ठे । त उराले ण सामी ! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमगल्लकारए ण सामी ! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे । अत्थलाभो सामी ! सोक्खलाभो सामी ! भोगलाभो सामी ! पुत्तलाभो रज्जलाभो, एव खलु सामी ! धारिणी देवी नवण्ह मासाण बहुपडिपुण्णाण जाव दारग पयाहि(सि)इ । से वि य ण दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कते वित्थिण्णविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा । त उराले ण सामी ! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव दिट्ठे–त्तिकट्टु भुज्जो २ अणु(वू)वूहेंति । तए ण सेणिए राया तेसिं सुमिणपाढगाण अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए करयल जाव एव वयासी—एवमेय देवाणुप्पिया ! जाव ज ण तुब्भे वयह–त्तिकट्टु त सुमिण सम्म पडिच्छइ २ त्ता ते सुमिणपाढए विउलेण असणपाणखाइमसाइमेण वत्थगधमल्लालकारेण य सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता विउल जीवियारिह पीइदाण दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए ण से सेणिए राया सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धारि(णीदेविं)णिं देवि एव वयासी–एव खलु देवाणुप्पिए ! सुमिणसत्थंसि बायालीस सुमिणा तीस महासुमिणा जाव एगं महासुमिण जाव भुज्जो २ अणुवूहेइ । तए ण सा धारिणी देवी सेणियस्स रन्नो अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियया

तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता जेणेव सए वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा विउलाइं जाव विहरइ ॥ १२ ॥ तए णं तीसे धारिणीए देवीए दोसु मासेसु वीइक्कंतेसु तइए मासे वट्टमाणे तस्स गब्भस्स दोहलकालसमयंसि अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहले पाउब्भवित्था–धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ सपुण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ (णं ताओ) कयपुण्णाओ कयलक्खणाओ कयविहवाओ सुलद्धे णं तासिं माणुस्सए जम्मजीवियफले जाओ णं मेहेसु अब्भुग्गएसु अब्भुज्जएसु अब्भुण्णएसु अब्भुट्ठिएसु सगज्जिएसु सविज्जुएसु सफुसिएसु सथणिएसु धंतधोयरुप्पपट्टअंकसंखचंदकुंदसालिपिट्ठरासिसमप्पभेसु चिउरहरियालभेयचंपगसणकोरंटसरिस(प)पउमरयसमप्पभेसु लक्खारससरसरत्तकिंसुयजासुमणरत्तबंधुजीवगजाइहिंगुलयसरसकुंकुमउरब्भससरुहिरइंदगोवगसमप्पभेसु बरहिणनीलगुलियसुगचासपिच्छभिंगपत्तसासगनीलुप्पलनियरनवसिरीसकुसुमणवसद्दलसमप्पभेसु जच्चंजणभिंगभेयरिट्ठगभमरावलिगवलगुलियकज्जलसमप्पभेसु फुरंतविज्जुयसगज्जिएसु वायवसविपुलगगणचवलपरिसक्किरेसु निम्मलवरवारिधारापय(प)लियपयंडमारुयसमाहयसमोत्थरंतउवरिउवरितुरियवासं पवासिएसु धारापहकरनिवायनिव्वावि(य)मेइणितले हरिय(ग)गणकंचुए पल्लविय पायवगणेसु वल्लिवियाणेसु पसरिएसु उन्नएसु सोभग्गमुवागएसु (नगेसु नएसु वा) वेभारगिरिप्पवायतडकडगविमुक्केसु उज्झरेसु तुरियपहावियपलोट्टफेणाउलं सकलुसं जलं वहंतीसु गिरिनईसु सज्जज्जुणनीवकुडयकंदलसिलिंधकलिएसु उववणेसु मेहरसियहट्ठतुट्ठचिट्ठियहरिसवसपमुक्ककंठकेकारवं मुयंतेसु बरहिणेसु उउवसमयजणियतरुणसहयरिपणच्चिएसु नवसुरभिसिलिंधकुडयकंदलकलंबगंधद्धणिं मुयंतेसु उववणेसु परहुयरुयरिभियसंकुलेसु उद्दा(इं)तरत्तइंदगोवयथोवयकारुण्णविलविएसु ओण(मोय)तणमंडिएसु दद्दुरपयंपिएसु संपिंडियदरियभमरमहुकरिपहकरपरिलिंतमत्तछप्पयकुसुमासवलोलमहुरगुंजंतदेसभाएसु उववणेसु परिसामियचंदसूरगहगणपणट्ठनक्खत्ततारगपहे इंदाउहबद्धचिंधपट्टंसि अंबरतले उड्डीणबलागपंतिसोभंतमेहविंदे कारंडगचक्कवागकलहंसउस्सुयकरे संपत्ते पाउसंमि काले ण्हायाओ किं ते वरपायपत्तनेउरमणिमेहलहारविरइय(उ)वियकडगखुड्डयविचित्तवरवलयथंभियभुयाओ कुंडलउज्जोवियाणणाओ रयणभूसिय(या)ओ नासानीसासवायवोज्झं चक्खुहरं वण्णफरिससंजुत्तं हयलालापेलवाइरेयं धवलकणयखचियंतकम्मं आगासफलिहसरिसप्पभं अंसुयं पवरपरिहियाओ दुगुल्लसुकुमालउत्तरिज्जाओ सव्वोउयसुरभिकुसुमपवरमल्लसोभियसिराओ कालागरु(पवर)धूवधूवियाओ सिरीसमाणवेसाओ सेयणगगंधहत्थिरयणं दुरूढाओ समाणीओ सकोरेंटमल्लदामेणं

छत्तेण धरिज्जमाणेणं चदप्पभवइरवेरुलियविमलदडसखकुंददगरयअमयमहियफेण-पुजसन्निगासचउचामरवालवीजियगीओ सेणिएण रन्ना सद्धिं हत्थिखधवरगएण पिट्ठओ (२) समणुगच्छमाणीओ चाउरगिणीए सेणाए महया हयाणीएण गयाणीएणं रहाणीएणं पायत्ताणीएण सव्विड्ढीए सव्वजुईए जाव निग्घोसनाइयरवेण रायगिह नयरं सिंघाडगति(य)गचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु आसित्तसित्तसु(चि)इयसम-ज्जिओवलित्तं जाव सुगधवरगंधिय गधवट्टिभूय अवलोएमाणीओ नागरजणेणं अभिन-दिज्जमाणीओ गुच्छलयारुक्खगुम्मवल्लिगुच्छओच्छाइय सुरम्म वेभारगिरिकडगपाय-मूलं सव्वओ समंता आहिंडेमाणीओ २ दोहल वि(णि)णयति । त जइ ण अहमवि मेहेसु अब्भु(व)ग्गएसु जाव दोहल विणिजामि ॥१३॥ तए णं सा धारिणी देवी तंसि डोहलसि अविणिज्जमाणसि असप(ण्ण)त्तदोहला असपुण्णदोहला असमाणियदोहल सुक्का भुक्खा निम्मसा ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा पमइलदुब्बला किलंता ओमंथियवयण-नयणकमला पडुइयमुही करयलमलियव्व चपगमाला नित्तेया दीणविवण्णवयणा जहो-चियपुप्फगधमल्लालकारहारं अणभिलसमाणी कीडारमणकिरिय च परिहावेमाणी दीण दुम्मणा निराणदा भूमिगयदिट्ठीया ओहयमणसकप्पा जाव झिया(य)इ । तए ण तीसे धारिणीए देवीए अगपडियारियाओ अब्भितरियाओ दासचेडियाओ धारिणिं देविं ओलुग्ग जाव झियायमाणिं पासति २ त्ता एव वयासी-किन्न तुमे देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव झियायसि ?, तए ण सा धारिणी देवी ताहिं अगपडियारियाहिं अब्भितरियाहिं दासचेडियाहिं(य) एव वुत्ता समाणी ताओ (दास)-चेडियाओ नो आढाइ नो(य) परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया सचिट्ठइ। तए ण ताओ अगपडियारियाओ अब्भितरियाओ दासचे(डी)डियाओ धारिणिं देविं दोच्चपि तच्चपि एव वयासी-किन्न तुमे देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव झियायसि ?, तए ण सा धारिणी देवी ताहिं अगपडियारियाहिं अब्भितरियाहिं (य) दासचे(डी)-डियाहिं दोच्चपि तच्चपि एव वुत्ता समाणी नो आढाइ नो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया सचिट्ठइ। तए ण ताओ अगपडियारियाओ अब्भित-रियाओ दासचेडियाओ (य)धारिणीए देवीए अणाढाइज्जमाणीओ अपरि(याण)जा-णिजमाणीओ तहेव सभताओ समाणीओ धारिणीए देवीए अतियाओ पडिनिक्खमति २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छति २ त्ता करयलपरिग्गहिय जाव कट्टु जएण विजएण वद्धावेंति २ त्ता एव वयासी-एव खलु सामी! किंपि अज्ज धारिणी देवी ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायइ। तए ण से सेणिए राया तासिं अगपडियारियाण अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म तहेव सभते समाणे सिग्घ तुरिय

जाव सेणिए जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धारिणिं देविं ओलुग्गं ओलुग्गसरीरं जाव अट्टज्झाणोवगयं झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तु(मे)मं देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायसि ? तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणी नो आढाइ जाव तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया धारि(णीं)णिं दे(वीं)विं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पिए! ओलुग्गा जाव झियायसि ? तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ता समाणी नो आढाइ नो परियाणाइ तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया धारिणिं देविं सवहसावियं करेइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पिए! अहमेयस्स अट्ठस्स अणरिहे सवणयाए ता णं तुमं ममं अयमेयारूवं मणोमाणसियं दुक्खं रहस्सीकरेसि ? । तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना सवहसाविया समाणी सेणियं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! मम तस्स उरालस्स जाव महासुमिणस्स तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहले पाउब्भूए—धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव वेभारगिरिपायमूलं आहिंडमाणीओ दोहलं विणिंति तं जइ णं अहमवि जाव दोहलं विणिज्जामि। तए णं हं सामी! अयमेयारूवंसि अकालदोहलंसि अविणिज्जमाणंसि ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि। एएणं अहं कारणेणं सामी! ओलुग्गा जावं अट्टज्झाणोवगया झियायामि। तए णं से सेणिए राया धारिणीए देवीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म धारिणिं देविं एवं वयासी मा णं तुमं देवाणुप्पिए! ओलुग्गा जाव झियाहि, अहं णं तहा करिस्सामि जहा णं तुब्भं अयमेयारूवस्स अकाल-दोहलस्स मणोरहसंपत्ती भविस्सइ–त्तिकट्टु धारिणिं देविं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं मणामाहिं वग्गूहिं समासासेइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसन्ने धारिणीए देवीए एयं अकालदोहलं बहूहिं आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य वेणइयाहि य कम्मि-याहि य पा(प)रिणामियाहि य चउव्विहाहिं बुद्धीहिं अणुचिंतेमाणे २ तस्स दोहलस्स आयं वा उवायं वा ठिइं वा उप्पत्तिं वा अविंदमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ ॥ १४ ॥ तयाणंतरं च णं अभए कुमारे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए पायवंदए पहारेत्थ गमणाए। तए णं से अभयकुमारे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता अयमेयारूवे अ(ज्झ)त्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–अन्नया(य) ममं सेणिए राया एज्जमाणं पासइ पासित्ता आढाइ परिजाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ आलवइ संलवइ अद्धासणेणं

विए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव जाव चेतेज्जा ॥ ६५० ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लिआओ कुज्जा, जहा पिंडेसणाए जाव संथारगं संथारिज्जा, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविते णो ठाणं वा, सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव जाव चेतेज्जा ॥ ६५१ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि वा, कंदाणि वा, मूलाणि वा, पत्ताणि वा, पुप्फाणि वा, फलाणि वा, बीयाणि वा, हरियाणि वा, ठाणाओ ठाणं साहरति, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा । अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरगडे जाव चेतेज्जा ॥ ६५२ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, से ज पुण जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ बहिया वा णिण्णक्खु, तहप्पगारे **उवस्सए** अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव चेतेज्जा ॥ ६५३ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तंजहा खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अन्नतरंसि वा तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि, णण्णत्थ आगाढाणागाढेहिं कारणेहिं, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा णो चेतेज्जा ॥ ६५४ ॥ से आहच्च चेतिते सिया णो तत्थ सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, हत्थाणि वा, पादाणि वा, अच्छीणि वा, दंताणि वा, मुहं वा, उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा, णो तत्थ ऊसढं पगरेज्जा, तंजहा–उच्चारं वा, पासवणं वा, खेलं वा, सिंघाणं वा, वंतं वा, पित्तं वा, पूयं वा, सोणियं वा, अन्नयरं वा सरीरावयवं केवली बूया "आयाणमेयं" से तत्थ ऊसढं पगरेमाणे पयलेज्ज वा, पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे पवडेमाणे वा हत्थं वा, जाव सीसं वा अन्नतरं वा कायंसि इंदियजालं लूसेज्जा पाणाणि वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जाव जं तहप्पगारे **उवस्सए** अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६५५ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा, आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइकुलेण सद्धिं संवसमाणस्स अलसए वा, विसूइया वा छड्डी वा उव्वाहिज्जा अन्नतरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अस-

मज्झ सोहम्मकप्पवासी पुव्वसंगइए देवे महिड्ढिए जाव महासोक्खे । तं सेयं
खलु मम पोसहसालाए पोसहियस्स बंभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवण्णस्स ववगय-
मालावण्णगविलेवणस्स निक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अबीयस्स दब्भसंथारोवग-
यस्स अट्ठमभत्तं प(रि)गिण्हित्ता पुव्वसंगइयं देवं मण(सि)सीकरेमाणस्स विहरित्तए ।
तए णं पुव्वसंगइए देवे मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूव(वे)ं अकाल-
मेहेसु डोहलं विणेहिइ । एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ
२ त्ता पोसहसालं पमज्जइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं
पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता अट्ठमभत्तं पगिण्हइ २ त्ता
पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पुव्वसंगइयं देवं मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ ।
तए णं तस्स अभयकुमारस्स अट्ठमभत्ते परिणममाणे पुव्वसंगइयस्स देवस्स आसणं
चलइ । तए णं पुव्वसंगइए सोहम्मकप्पवासी देवे आसणं चलियं पासइ २ त्ता
ओहिं पउंजइ । तए णं तस्स पुव्वसंगइयस्स देवस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव
समुप्पज्जित्था-एवं खलु मम पुव्वसंगइए जंबुद्दीवे २ भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे
रायगिहे नयरे पोसहसालाए पोसहिए अभए नामं कुमारे अट्ठमभत्तं परिगिण्हित्ता
णं मम मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ । तं सेयं खलु मम अभयस्स कुमारस्स अंतिए
पाउब्भवित्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता
वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निसिरइ । तंजहा-
रयणाणं वइराणं वेरुलियाणं लोहियक्खाणं मसारगल्लाणं हंसगब्भाणं पुलगाणं
सोगंधियाणं जोईरसाणं अंकाणं अंजणाणं रययाणं जायरूवाणं अंजणपुलगाणं फलि-
हाणं रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ त्ता अहासुहुमे पोग्गले परिगिण्हइ २
त्ता अभयकुमारमणुकंपमाणे देवे पुव्वभवजणियनेहपीइबहुमाणजायसोगे तओ विमा-
णवरपुंडरीयाओ रयणुत्तमाओ धरणियलगमणतुरियसंजणियगमणपया(रो)रे वाघुण्णि-
यविमलकणगपयरगवडिंसगमउडुक्कडाडोवदंसणि(ज्जो)ज्जे अणेगमणिकणगरयणपहकर-
परिमंडियभत्तिचित्तविणिउत्त(मउड)मणुगुणजणियहरिसे पेंखोलमाणवरललियकुंड-
लुज्जलियवयणगुणजणियसोमरूवे उदिओ विव कोमुदीनिसाए सणिच्छरंगारउज्ज-
लियमज्झभागत्थे णयणाणं(दो)दे सरयचंदे दिव्वोसहिपज्जलुज्जलियदंसणाभिरा(मो)मे
उउलच्छिसमत्तजायसोहे पइट्ठगंधुद्धयाभिरामे मेरुरिव नगव(रो)रे विगुव्वियविचित्त-
वेसे दीवसमुद्दाणं असंखपरिमाणनामधेज्जाणं मज्झयारेणं वीइवयमा(णो)णे उज्जोयंतो
पभाए विमलाए जीवलोगं रायगिहं पुरवरं च अभयस्स (य तस्स) पासं ओवयइ
दिव्वरूवधारी ॥ १९ ॥ तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवन्ने दसद्धवण्णाइं सखिं-

उवनिमतेइ मत्थयंसि अग्घाइ । इयाणिं मम सेणिए राया नो आढाइ नो परियाणइ नो सक्कारेइ नो सम्माणेइ नो इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं ओरालाहिं वग्गूहिं आलवइ सलवइ नो अद्धासणेणं उवनिमतेइ नो मत्थयसि अग्घा(य)इ(य) किंपि ओहयमणसकप्पे झियायइ । त भवियव्वं ण एत्थ कारणेण । त सेय खलु(मे) ममं सेणिय राय एयमट्ठ पुच्छित्तए । एवं सपेहेइ २ त्ता जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहिय सिरसावत्त मत्थए अजलिं कट्टु जएण विजएण वद्धावेइ २ त्ता एव वयासी-तुब्भे ण ताओ ! अन्नया मम एज्जमाण पासित्ता आढाह परिजाणह जाव मत्थयसि अग्घायह आसणेण उवनिमतेह, इयाणिं ताओ ! तुब्भे मम नो आढाह जाव नो आसणेण उवनिमतेह किंपि ओहयमणसकप्पा जाव झियायह, त भवियव्व ताओ ! एत्थ कारणेण, तओ तुब्भे म(म)म ताओ ! एय कारण अगूहेमाणा असकेमाणा अनिण्हवेमाणा अपच्छाएमाणा जहाभूयमवितहमसदिद्ध एयमट्ठ आइक्खह । तए ण ह तस्स कारणस्स अतगमण गमिस्सामि । तए ण से सेणिए राया अभएणं कुमारेण एवं वुत्ते समाणे अभयकुमारं एव वयासी-एव खलु पुत्ता ! तव चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए तस्स गब्भस्स दोसु मासेसु अइक्कतेसु तइयमासे वट्टमाणे दोहलकालसमयसि अयमेयारूवे दोहले पाउब्भवित्था-धन्नाओ ण ताओ अम्मयाओ तहेव निरवसेस भाणियव्व जाव विणिंति । तए ण अह पुत्ता ! धारिणीए देवीए तस्स अकालदोहलस्स बहूहिं आएहि य उवाएहिं जाव उप्पत्तिं अविंदमाणे ओहयमणसकप्पे जाव झियायामि तुम आगयपि न याणामि, त एएण कारणेण अह पुत्ता ! ओहयमणसकप्पे जाव झियामि । तए ण से अभए कुमारे सेणियस्स रण्णो अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए सेणिय राय एव वयासी-मा ण तुब्भे ताओ ! ओहयमणसकप्पा जाव झियायह । अह ण तहा करिस्सामि जहा ण मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवस्स अकालडो-हलस्स मणोरहसंपत्ती भविस्सइ-त्तिकट्टु सेणियं राय ताहिं इट्ठाहिं कताहिं जाव समासासेइ । तए ण सेणिए राया अभएणं कुमारेण एव वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे जाव अभय कुमार सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता पडिविसज्जेइ ॥ १५ ॥ तए ण से अभए कुमारे सक्कारिए सम्माणिए पडिविसज्जिए समाणे सेणियस्स रण्णो अतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणे निसण्णे । तए णं तस्स अभयकुमारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-नो खलु सक्का माणुस्सएण उवाएण मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अकालडोहलमणोरहसंपत्तिं करित्तए नन्नत्थ दिव्वेण उवाएण । अत्थि ण

२ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायगिहं नयरं सिंघाडगति-
गचउक्कचच्चर आसियसित्त जाव सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य
करेत्ता य कारवेत्ता य मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा
जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता
एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हयगयरहजोहपवरकलियं चाउरंगिणिं
से(ण्णं)णं सन्नाहेह सेयणयं च गंधहत्थिं परिकप्पेह। तेवि तहेव जाव पच्चप्पिणंति।
तए णं से सेणिए राया जेणेव धारिणी देवी तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता
धारिणिं देविं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए! सगज्जिया जाव पाउससिरी
पाउब्भूया तं णं तुमं देवाणुप्पिए! एयं अकालदोहलं विणेहि। तए णं
सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा जेणामेव
मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता अंतो अंतेउ
रंसि ण्हाया किं ते वरपायपत्तनेउर जाव आगासफालियसमप्पभं अंसुयं नियत्था
सेयणयं गंधहत्थिं दुरूढा समाणी अमयमहियफेणपुंजसन्निगासाहिं सेयचामरवाल-
वीयणीहिं वीइज्जमाणी २ संपत्थिया। तए णं से सेणिए राया ण्हाए सस्सिरीए
हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामराहिं वीइज्जमाणे
धारिणीदेविं पिट्ठओ अणुगच्छइ। तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रन्ना हत्थिखंध-
वरगएणं पिट्ठओ २ समणुगम्ममाणमग्गा हयगयरहजोहकलियाए चाउरंगिणीए
सेणाए सद्धिं संपरिवु(व)डा महया भडचडगरवंदपरिक्खित्ता सव्विड्ढीए सव्वज्जुईए
जाव दुंदुभिनिग्घोसनाइयरवेणं रायगिहे नयरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चर जाव महा-
पहेसु नागरजणेणं अभिनंदिज्जमा(णा)णी २ जेणामेव वेभारगिरिपव्वए तेणामेव
उवागच्छइ २ त्ता वेभारगिरिकडगतडपायमूले आरामेसु य उज्जाणेसु य काणणेसु य
वणेसु य वणसंडेसु य रुक्खेसु य गुच्छेसु य गुम्मेसु य लयासु य वल्लीसु य कंदरासु
य दरीसु य चुण्ढीसु य दहेसु य कच्छेसु य नदीसु य संगमेसु य विवरएसु य
अच्छमाणी य पेच्छमाणी य मज्जमाणी य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य
पल्लवाणि य गिण्हमाणी य माणेमाणी य अग्घायमाणी य परिभुंजमाणी य परि
भाएमाणी य वेभारगिरिपायमूले दोहलं विणेमाणी सव्वओ समंता आहिंडइ।
तए णं सा धारिणी देवी (तंसि अकालदोहलंसि विणीयंसि सम्माणियदोहला) विणी-
यदोहला संपुण्णदोहला संपन्नदोहला जाया यावि होत्था। तए णं सा धारिणी देवी
सेयणयगंधहत्थिं दुरूढा समाणी सेणिएणं हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ २ समणुग-
म्ममाणमग्गा हयगय जाव र(र)वेणं जेणेव रायगिहे नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

खिणियाइ पवरवत्थाइ परिहिए। एक्को ताव एसो गमो। अन्नोऽवि गमो–ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चडाए सीहाए उद्धुयाए ज(इ)यणाए छेयाए दिव्वाए देवगईए जेणामेव जवुद्दीवे २ भारहे वासे जेणामेव दाहिणद्धभरहे रायगिहे नयरे पोसहसालाए अभए कुमारे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अत(रि)लिक्खपडिवन्ने दसद्धवण्णाइ सखिखिणियाई पवरवत्थाइ परिहिए अभय कुमार एव वयासी–अह ण देवाणुप्पिया! पुव्वसगइए सोहम्मकप्पवासी देवे महड्डिए ज ण तुम पोसहसालाए अट्ठमभत्त पगिण्हित्ता ण मम मणसीकरेमाणे चिट्ठसि, त एस ण देवाणुप्पिया! अह इह हव्वमागए। सदिसाहि ण देवाणुप्पिया! किं करेमि किं दलामि किं पयच्छामि किं वा ते हियइच्छियं? । तए ण से अभए कुमारे तं पुव्व-सगइय देव अतलिक्खपडिवन्न पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे पोसह पारेइ २ त्ता करयल जाव अजलिं कट्टु एव वयासी–एव खलु देवाणुप्पिया! मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवे अकालडोहले पाउब्भूए–धन्नाओ ण ताओ अम्मयाओ तहेव पुव्वगमेणं जाव विणिजामि। तं ण तुम देवाणुप्पिया! मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवं अकालडोहल विणेहि। तए ण से देवे अभएण कुमारेण एव वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे अभय कुमारं एव वयासी–तुम ण देवाणुप्पिया! सुनिव्वुयवीसत्थे अच्छाहि, अह ण तव चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूव डोहल विणेमि-त्तिकट्टु अभयस्स कुमारस्स अतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता उत्तरपुरच्छिमे ण वेभारप-व्वए वेउव्वियसमुग्घाएण समोहण्णइ २ त्ता सखेज्जाइ जोयणाइ दड निस्सरइ जाव दोच्चपि वेउव्वियसमुग्घाएण समोहणइ २ त्ता खिप्पामेव सगज्जइयं सविज्जुय सफुसिय (त) पचवण्णमेहणिणाओवसोहिय दिव्व पाउससिरिं विउव्वइ २ त्ता जेणेव अभए कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अभय कुमार एव वयासी–एव खलु देवाणुप्पिया! मए तव पियट्ठयाए सगज्जिया सफुसिया सविज्जुया दिव्वा पाउससिरी विउव्विया, त विणेउ ण देवाणुप्पिया! तव चुल्लमाउया धारिणी देवी अयमेयारूव अकाल(मेह)डोहल। तए ण से अभए कुमारे तस्स पुव्वसगइयस्स सोहम्मकप्पवासिस्स देवस्स अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे सयाओ भवणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव अजलिं कट्टु एव वयासी–एव खलु ताओ! मम पुव्वसगइएण सोहम्मकप्पवासिणा देवेण खिप्पामेव सगज्जियसविज्जुय-(सफुसिय)पचवण्णमेहनिणाओवसोभिया दिव्वा पाउससिरी विउव्विया। त विणेउ ण मम चुल्लमाउया धारिणी देवी अकालदोहल। तए णं से सेणिए राया अभयस्स कुमारस्स अतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ

उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे संनिसण्णे स(य)एहि य सहस्सिएहि य सयसाहस्सिएहि य जाए(हिं)हि य दाएहि य भाएहि य दलयमाणे २ पडिच्छेमाणे २ एवं च णं विहरइ। तए णं तस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ त्ता बिइयदिवसे जागरियं करेंति २ त्ता तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेंति २ त्ता एवामेव निव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहदिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइनियगसयणसंबंधिपरियणं बलं च बहवे गणनायगदंडनायग जाव आमंतेंति तओ पच्छा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया महइमहालयंसि भोयणमंडवंसि तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं मित्तनाइ गणणायग जाव सद्धिं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभाएमाणा परिभुंजेमाणा एवं च णं विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागयावि य णं समाणा आयंता चोक्खा परमसुइभूया तं मित्तणाइनियगसयणसंबंधिपरियणं बलं च बहवे गणनायग जाव विउलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेंति सम्माणेंति स २ त्ता एवं वयासी—जम्हा णं अम्हं इमस्स दारगस्स गब्भत्थस्स चेव समाणस्स अकालमेहेसु डोहले पाउब्भूए तं होउ णं अम्हं दारए मेहे नामेणं मे(हकुमारे)हे। तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति मेहेइ। तए णं से मेहे कुमारे पंचधाईपरिग्गहिए तंजहा—खीरधाईए मंडणधाईए मज्जणधाईए कीलावणधाईए अंकधाईए अन्नाहि य बहूहिं खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणिवडभिबब्बरिबउसिजोणि(याहिं)पल्हवियाईसिणि(य)धोरु(गि)णिल्हासियलउसियआरबिदमिलिसिंहलिआरबिपुलिंदिपक्कणिबहलिमुरुंडिसबरिपारसीहिं नाणादेसीहिं विदेसपरिमंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणियाहिं सदेसनेवत्थगहियवेसाहिं निउणकुसलाहिं विणीयाहिं चेडियाचक्कवालवरिसधरकंचुइज्जमहयरगवंदपरिक्खित्ते हत्थाओ हत्थं सा(सं)हरिज्जमाणे अंकाओ अंकं परिभुज्जमाणे परिगिज्जमाणे उवला(ला)लिज्जमाणे रम्मंसि मणिकोट्टिमतलंसि परिमिज्जमाणे २ निव्वायनिव्वाघायंसि गिरिकंदरमल्लीणेव चंपगपायवे सुहंसुहेणं वड्ढइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं नामकरणं च पजेमणगं च एवं चंकमणगं च चोलोवणयं च महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं करिंसु। तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायगं चेव गब्भट्ठमे वासे सोहणंसि तिहिकरणमुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेंति। तए णं से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्जवसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खावेइ तंजहा—लेहं गणियं रूवं नट्टं गीयं वाइयं सरगयं पोक्खरगयं समतालं जूयं जणवायं पासयं अट्ठावयं पोरेकच्चं दगमट्टियं अन्नविहिं पाणविहिं वत्थविहिं विलेवणविहिं सयणविहिं

रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता विउलाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं जाव विहरइ ॥ १७ ॥ तए णं से अभए कुमारे जेणामेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता पुव्वसंगइयं देवं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से देवे सगज्जियं पंचवण्णमेहोवसोहियं दिव्वं पाउससिरिं पडिसाहरइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १८ ॥ तए णं सा धारिणी देवी तंसि अकालदोहलंसि विणीयंसि सम्माणियडोहला तस्स गब्भस्स अणुकंपणट्ठाए जयं चिट्ठइ जयं आस(य)इ जयं सुवइ आहारं पि य णं आहारेमाणी नाइतित्तं नाइकडुयं नाइकसायं नाइअंबिलं नाइमहुरं जं तस्स गब्भस्स हियं मियं पत्थयं देसे य काले य आहारं आहारेमाणी नाइचिंतं नाइसोगं (णाइदेण्णं)नाइमोहं नाइभयं नाइपरित्तासं ववगयचिंतासोयमोहभयपरित्तासा उउभयमाणसुहेहिं भोयणच्छायणगंधमल्लालंकारेहिं तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ ॥ १९ ॥ तए णं सा धारिणी देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं अद्धरत्तकालसमयंसि सुकुमालपाणिपायं जाव सव्वंगसुंदरं(गं) दारगं पयाया। तए णं ताओ अंगपडियारियाओ धारिणिं देविं नवण्हं मासाणं जाव दारगं पयायं पासंति २ त्ता सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! धारिणी देवी नवण्हं मासाणं जाव दारगं पयाया, तं णं अम्हे देवाणुप्पियाणं पियं निवेएमो पियं भे भवउ। तए णं से सेणिए राया तासिं अंगपडियारियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० ताओ अंगपडियारियाओ महुरेहिं वयणेहिं विउलेण य पुप्फगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता मत्थयधोयाओ करेइ पुत्ताणुपुत्तियं वित्तिं कप्पेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से सेणिए राया (पच्चूसकालसमयंसि) कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायगिहं नयरं आसियं जाव परिगीयं करेह २ त्ता चारगपरिसोहणं करेह २ त्ता माणुम्माणवद्धणं करेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया अट्ठारससेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! रायगिहे नयरे अब्भिंतरबाहिरिए उस्सुक्कं उक्करं अभडप्पवेसं अ(डं)दंडिमकुदंडिमं अधरिमं अधारणिज्जं अणुद्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं गणियावरनाडइज्जकलियं अणेगतालायराणुचरियं पमुइयपक्कीलियाभिरामं जहारिहं ठिइवडियं दसदिवसियं करेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह तेवि करेंति (२) तहेव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया बाहिरियाए

लावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं सरिसएहिंतो रायकुलेहिंतो आणि(णे)ल्लियाणं पसाहणट्ठंगअविहवबहुओवयणमंगलसुजंपिएहिं अट्ठहिं रायवरकन्नाहिं सद्धिं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु। तए णं तस्स मेहस्स अम्मापियरो इमं एयारूवं पीइदाणं दलयंति–अट्ठ हिरण्णकोडीओ अट्ठ सुवण्णकोडीओ गाहाणुसारेण भा(णि)यव्वं जाव पेच्छणकारियाओ अन्नं च विपुलं धणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएज्जं अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं । तए णं से मेहे कुमारे एगमेगाए भारियाए एगमेगं हिरण्णकोडिं दलयइ एगमेगं सुवण्णकोडिं दलयइ जाव एगमेगं पेसणकारिं दलयइ अन्नं च विउलं धण कणग जाव परिभाएउं दलयइ। तए णं से मेहे कुमारे उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं वरतरुणिसंपउत्तेहिं बत्तीसइबद्धएहिं नाडएहिं उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ सद्दफरिसरसरूवगंधविउले माणुस्सए कामभोगे पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ २४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणामेव रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे जाव विहरइ। तए णं (से) रायगिहे नयरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चर महया बहुजणसद्दे इ वा जाव बहवे उग्गा भोगा जाव रायगिहस्स नगरस्स मज्झंमज्झेणं एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छंति इमं च णं मेहे कुमारे उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं जाव माणुस्सए कामभोगे भुंजमाणे रायमग्गं च आलोएमाणे २ एवं च णं विहरइ। तए णं (से) मेहे कुमारे ते बहवे उग्गे भोगे जाव एगदिसाभिमुहे निग्गच्छमाणे पासइ २ त्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–किन्नं भो देवाणुप्पिया! अज्ज रायगिहे नयरे इंदमहे इ वा खंदमहे इ वा एवं रुद्दसिववेसमणनागजक्खभूयनईतलायरुक्खचेइयपव्वयउज्जाणगिरिजत्ताइ वा जओ णं बहवे उग्गा भोगा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छंति। तए णं से कंचुइज्जपुरिसे समणस्स भगवओ महावीरस्स गहियागमणपवित्तीए मेहं कुमारं एवं वयासी–नो खलु देवाणुप्पिया! अज्ज रायगिहे नयरे इंदमहे इ वा जाव गिरिजत्ताइ वा जं णं एए उग्गा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा निग्गच्छंति एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थयरे इहमागए इह संपत्ते इह समोसढे इह चेव रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ ॥ २५ ॥ तए णं से मेहे कुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह (तहत्ति) जाव उवणेंति। तए णं से

अज्ज पहेलिय मागहियं गाहं गीइय सिलोयं हिरण्णजुत्तिं सुवण्णजुत्तिं चुण्णजुत्तिं आभरणविहिं तरुणीपडिकम्म इत्थिलक्खण पुरिसलक्खणं हयलक्खण गयलक्खण गोणलक्खण कुक्कुडलक्खण छत्तलक्खण दंडलक्खणं असिलक्खण मणिलक्खणं का(ग)गिणिलक्खण वत्थुविज्ज खंधारमाण नगरमाणं वूहं पडिवूहं चारं पडिचारं चक्कवूहं गरुलवूहं सगडवूहं जुद्धं निजुद्धं जुद्धाइजुद्धं लट्ठिजुद्धं मुट्ठिजुद्धं बाहुजुद्धं लयाजुद्धं ईसत्थं छरुप्पवाय धणुव्वेय हिरण्णपाग सुवण्णपाग सुत्तखेड वट्टखेड नालियाखेड पत्तच्छेज्जं कड(ग)च्छेज्ज सज्जीव निज्जीव सउणरुय ति ॥ २० ॥ तए ण से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्जवसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खावेइ सेहावित्ता सिक्खावित्ता अम्मापिऊण उवणेइ। तए ण मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो त कलायरियं महुरेहिं वयणेहिं विउलेण वत्थगंधमल्लालंकारेण सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयंति २ त्ता पडिविसज्जेंति ॥२१॥ तए ण से मेहे कुमारे बावत्तरिकलापडिए नवंगसुत्तपडिबोहिए अट्ठारसविहिप्पगारदेसीभासाविसारए गी(इरई)यरइयगंधव्वनट्टकुसले हयजोही गयजोही रहजोही बाहुजोही बाहुप्पमद्दी अलंभोगसमत्थे साहसिए वियालचारी जाए यावि होत्था ॥२२॥ तए ण तस्स मेहकुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं बावत्तरिकलापडिय जाव वियालचारिं जायं पासंति २ त्ता अट्ठ पासायवडिंसए का(क)रेंति अब्भुग्गयमूसियपहसिए विव मणिकणगरयणभत्तिचित्ते वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागाछत्ताइच्छत्तकलिए तुंगे गगणतलमभिलंघमाणसिहरे जालंतररयणपंजरुम्मिल्लि(य)एव्व मणिकणगथूभियाए वियसियसयपत्तपुंडरीए तिलयरयणद्ध(य)चंदच्चिए नानामणिमयदामालंकिए अंतो बहिं च सण्हे तवणिज्जरुइलवालुयापत्थरे सुहफासे सस्सिरीयरूवे पासाईए जाव पडिरूवे। एगं च ण महं भवणं कारेंति अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं अब्भुग्गयसुकयवइरवेइयातोरणवररइयसालभंजियासुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थवेरुलियखंभनाणामणिकणगरयणखचियउज्जलं बहुसमसुविभत्तनिचियरमणिज्जभूमिभागं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं खंभुग्गयवयरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्तंपिव अच्चीसहस्समालणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं कंचणमणिरयणथूभियागं नाणाविहपंचवण्णघंटापडागपरिमंडियग्गसिहरं धवलमि(म)रीचिकवयं विणिम्मुयंतं लाउल्लोइयमहियं जाव गंधवट्टिभूयं पासाईयं दरिसणिज्जं अभिरूवं पडिरूवं ॥ २३ ॥ तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि सरिसियाणं सरि(स)व्वयाणं सरि(स)त्तयाणं सरिस-

य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-एवं खलु अम्मयाओ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। तए णं सा धारिणी देवी तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुन्नं अमणामं असुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा निसम्म इमेणं एयारूवेणं मणोमाणसिएणं महया पुत्तदुक्खेणं अभिभूया समाणी सेयागयरोमकूवपगलंतविलीणगाया सोयभरपवेवियंगी नित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुग्गदुब्बलसरीरा लावन्नसुन्ननिच्छायगयसिरीया पसिढिलभूसणपडंतखुम्मियसंचुन्नियधवलवलयपब्भट्ठउत्तरिज्जा सूमालविकिन्नकेसहत्था मुच्छावसणट्ठचेयगरुई परसुनियत्तव्व चंपगलया निव्वत्तम(हिमव्व)हे व इंदलट्ठी विमुक्कसंधिबंधणा कोट्टिमतलंसि सव्वंगेहिं धसत्ति पडिया। तए णं सा धारिणी देवी ससंभमोवत्तियाए तुरियं कंचणभिंगारमुहविणिग्गयसीयलजलविमलधाराए परिसिंचमाणा निव्वावियगायलट्ठी उक्खेवगतालियंटवीयणगजणियवाएणं सफुसिएणं अंतेउरपरिजणेणं आसासिया समाणी मुत्तावलिसन्निगासपवडंतअंसुधाराहिं सिंचमाणी पओहरे कलुणविमणदीणा रोयमाणी कंदमाणी तिप्पमाणी सोयमाणी विलवमाणी मेहं कुमारं एवं वयासी-तुमं सि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे थेज्जे वेसासिए सम्मए बहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे रयणे रयणभूए जीवियउस्सासए हिययाणंदजणणे उंबरपुप्फं पिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए, नो खलु जाया! अम्हे इच्छामो खणमवि विप्पओगं सहित्तए, तं भुंजाहि ताव जाया! विपुले माणुस्सए कामभोगे जाव ताव वयं जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्ससि ॥ १७ ॥ तए णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे अम्मापियरो एवं वयासी-तहेव णं तं अ(म्मो!)म्मयाओ! जहेव णं तुम्हे ममं एवं वयह-तुमं सि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते तं चेव जाव निरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि एवं खलु अम्मयाओ! माणुस्सए भवे अधुवे अणियए असासए वसणसउवद्दवाभिभूए विज्जुलयाचंचले अणिच्चे जलबुब्बुयसमाणे कुसग्गजलबिंदुसन्निभे संझब्भरागसरिसे सुविणदंसणोवमे सडणपडणविद्धंसणधम्मे पच्छा पुरं च णं अवस्सविप्पजहणिज्जे से के णं जाणइ अम्मयाओ! के पुव्विं गमणाए के पच्छा गमणाए।

मेहे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए चाउग्घंटं आसरहं दुरूढे समाणे सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेण धरिज्जमाणेणं महया भडचडगरविंदपरियालसपरिवुडे रायगिहस्स नयरस्स मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ त्ता जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स छत्ताइच्छत्त पडागाइपडाग विज्जाहरचारणे जंभए य देवे ओवयमाणे उप्पयमाणे पासइ २ त्ता चाउग्घंटाओ आसरहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता समण भगव महावीर पंचविहेण अभिगमेण अभिगच्छइ तंजहा—सचित्ताणं दव्वाण विउसरणयाए, अचित्ताण दव्वाणं अविउसरणयाए, एगसाडिय उत्तरासंगकरणेण, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेण, मणसो एगत्तीकरणेण। जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समण भगव महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स नच्चासन्ने नाइदूरे सुस्सूसमाणे नमंसमाणे प(अं)-जलि(य)उडे अभिमुहे विणएण पज्जुवासइ। तए ण समणे भगव महावीरे मेहस्स कुमारस्स तीसे य महइमहालियाए (महच्च)परिसाए मज्झगए विचित्तं धम्ममाइ-क्खइ जहा जीवा बज्झति मुच्चति जह य संकिलिस्सति, धम्मकहा भाणियव्वा जाव परिसा पडिगया ॥ २६ ॥ तए ण से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महा-वीरस्स अंतिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे समण भगव महावीरं तिक्खुत्तो आया-हिण पयाहिण करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एव वयासी—सद्दहामि ण भंते! निग्गंथ पावयण एव पत्तियामि ण रोएमि णं अब्भुट्ठेमि ण भंते! निग्गंथ पावयण, एवमेयं भंते! तहमेय अवितहमेय इच्छियमेय पडिच्छियमेय भंते! इच्छियपडिच्छियमेय भंते! से जहेव त तुब्भे वयह ज नवरं देवाणुप्पिया! अम्मा-पियरो आपुच्छामि तओ पच्छा मुंडे भवित्ता ण पव्वइस्सामि। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए ण से मेहे कुमारे समणं भगव महावीर वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणामेव चाउग्घंटे आसरहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंट आसरह दुरुहइ २ त्ता महया भडचडगरपहकरेण रायगिहस्स नगरस्स मज्झमज्झेण जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटाओ आसरहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणामेव अम्मापियरो तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊण पायवंडण करेइ २ त्ता एव वयासी–एवं खलु अम्मयाओ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए ण तस्स मेहस्स अम्मा-पियरो एव वयासी–धन्नोसि तुमं जाया! संपुण्णोसि० कयत्थोसि० कयलक्खणोसि तुमं जाया! जन्न तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते, से वि

वए बहुजणपरिवाए तं भिक्खुस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा उम्मट्टेण वा अब्भं-गेज्ज मक्खिज्ज वा सिणाणेण वा कक्केण वा, लोद्धेण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा उव्वलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पक्खोलेज्ज वा पहोएज्ज वा सिणा-विज्ज वा सिंचिज्ज वा दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु, अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालिज्ज वा उज्जालित्ता २ कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वो-वदिट्ठा एस पइन्ना जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसी-हियं वा चेतेज्जा ॥ १५६ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए उवस्सए वसमा-णस्स इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरी वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा पचंति वा रुंभंति वा उद्दवेंति वा अह भिक्खूणं उच्चावयं मणं णियंछिज्जा एते खलु अण्णमण्णं अक्कोसंतु वा मा वा अक्कोसंतु जाव मा वा उद्दविंतु । अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइन्ना जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ १५७ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावई अप्पणो सयट्ठाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जा-लेज्ज वा विज्झावेज्ज वा अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछिज्जा एते खलु अगणि-कायं उज्जालेंतु वा जाव मा वा विज्झावेंतु अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेतेज्जा ॥ १५८ ॥ आया-णमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा गुणे वा मणी वा मोत्तिए वा, हिरण्णे वा सुवण्णे वा कडगाणि वा तुडियाणि वा तिसरगाणि वा पालंबाणि वा हारे वा अद्धहारे वा एगावली वा मुत्तावली वा कणगावली वा रयणावली वा तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए, अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछेज्जा "एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया" इति वा णं बूया इति वा णं मणं साएज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा ४ जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ १५९ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहा-वईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइणीओ वा गाहावइधूयाओ वा गाहावइ-सुण्हाओ वा गाहावइधाईओ वा गाहावइदासीओ वा गाहावइकम्मकरीओ वा तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणधम्माओ णो खलु एतेसिं कप्पइ मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टित्तए, जा य खलु एएहिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टाविज्जा पुत्तं खलु सा लभेज्जा ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयणदरिसणिज्जं" एयप्पगारं

त इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महा- वीरस्स जाव पव्वइत्तए। तए ण त मेहं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी- इमाओ ते जाया! सरित्तियाओ सरि(स)त्तयाओ सरि(स)व्वयाओ सरिसलावण्णरूवजोव्वणगु- णोववेयाओ सरिसेहिंतो रायकुलेहिंतो आणियल्लियाओ भारियाओ, तं भुंजाहि ण जाया! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि। तए ण से मेहे कुमारे अम्मापियरं एवं वयासी-तहेव णं अम्मयाओ! जं ण तुब्भे मम एवं वयह-इमाओ ते जाया! सरित्तियाओ जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ! माणुस्सगा कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्तासवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा दुरुस्सासनीसा(स- वा)सा दुरु(य)वमुत्तपुरीसपूयबहुपडिपुण्णा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणगवंतपित्तसु- क्कसोणियसंभवा अधुवा अणि(इ)यया असासया सडणपडणविद्धंसणधम्मा पच्छा पुरं च ण अवस्सविप्पजहणिज्जा, से के ण अम्मयाओ! जाण(न्ति)इ के पुव्विं गमणाए के पच्छा गमणाए? तं इच्छामि णं अम्मयाओ! जाव पव्वइत्तए। तए णं त मेहं कुमारं अम्मापियरो एव वयासी-इमे(य) ते जाया! अज्जयपज्जयपिउपज्जयागए सुबहु हिरण्णे य सुवण्णे य कंसे य दूसे य मणिमोत्ति(ए य)यसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसाव- एज्जे य अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पगामं दाउं पगामं भोत्तुं पगामं परि भाएउ, तं अणुहोहि ताव (जाव) जाया! विपुलं माणुस्सगं इड्ढिसक्कारसमुदयं, तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए जाव पव्वइस्ससि। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरं एवं वयासी-तहेव ण अम्मयाओ! ज ण तं वयह- इमे ते जाया! अज्जगपज्जगपिउपज्जयागए जाव तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ! हिरण्णे य सुवण्णे य जाव सावएज्जे अग्गिसा- हिए चोरसाहिए रायसाहिए दाइयसाहिए मच्चुसाहिए अग्गिसामन्ने जाव मच्चुसामन्ने सडणपडणविद्धंसणधम्मे पच्छा पुरं च ण अवस्सविप्पजहणिज्जे, से के ण जाणइ अम्मयाओ! के पुव्विं जाव गमणाए? त इच्छामि ण जाव पव्वइत्तए। तए ण तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति मेहं कुमारं बहूहिं विसयाणुलोमाहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं संजमभउव्वेयकारियाहिं पन्नवणाहिं पन्नवेमाणा एव वयासी-एस ण जाया! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवलिए पडिपुण्णे नेयाउए संसुद्धे सल्लगत्तणे सिद्धि- मग्गे मुत्तिमग्गे निज्जाणमग्गे निव्वाणमग्गे सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे अहीव एगंतदि-

ट्ठीए खुरो इव एगंतधाराए लोहमया इव जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव निर-स्साए गंगा इव महानई पडिसोयगमणयाए महासमुद्दे इव भुयाहिं दुत्तरे तिक्खं चंक-मियव्वं गरुयं लंबेयव्वं असिधारव्वयं (च)चरियव्वं। णो (य) खलु कप्पइ जाया! समणाणं निग्गंथाणं आहाकम्मिए वा उद्देसिए वा कीयगडे वा ठविए वा रइए वा दुब्भिक्खभत्ते वा कंतारभत्ते वा वद्दलियाभत्ते वा गिलाणभत्ते वा मूलभोयणे वा कंदभोयणे वा फलभोयणे वा बीयभोयणे वा हरियभोयणे वा भोत्तए वा पायए वा। तुमं च णं जाया! सुहसमुचिए णो चेव णं दुहसमुचिए नालं सीयं नालं उण्हं नालं खुहं नालं पिवासं नालं वाइयपित्तियसिंभियसन्निवाइयविविहे रोगायंके उच्चावए गामकंटए बावीसं परीसहोवसग्गे उदिन्ने सम्मं अहियासित्तए। भुंजाहि ताव जाया! माणुस्सए कामभोगे तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे अम्मापियरं एवं वयासी—तहेव णं तं अम्मयाओ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह—एस णं जाया! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे पुणरवि तं चेव जाव तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि एवं खलु अम्मयाओ! निग्गंथे पावयणे की(वा)णं कायराणं कापुरिसाणं इहलोगपडिबद्धाणं परलोगनिप्पिवासाणं दुरणुचरे पाययजणस्स णो चेव णं धीरस्स निच्छियस्स ववसियस्स एत्थ किं दुक्करं करणयाए? तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्व-इत्तए॥ २ ॥ तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति बहूहिं विसया-णुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नव-णाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा सन्नवित्तए वा विन्नवित्तए वा ताहे अका(मए)-मए चेव मेहं कुमारं एवं वयासी—इच्छामो ताव जाया! एगदिवसमवि ते रायसिरिं पासित्तए। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवा-णुप्पिया! मेहस्स कुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव तेवि तहेव उवट्ठवेंति। तए णं से सेणिए राया बहूहिं गणनायगदंडनायगेहि य जाव संपरिवुडे मेहं कुमारं अट्ठसएणं सोवण्णियाणं कलसाणं एवं रुप्पमयाणं कलसाणं सुवण्णरुप्पमयाणं कलसाणं मणिमयाणं कलसाणं सुवण्णमणिमयाणं कलसाणं रुप्पमणिमयाणं कलसाणं सुवण्णरुप्पमणिमयाणं कलसाणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्वोदएहिं सव्वमट्टियाहिं सव्वपुप्फेहिं सव्वगंधेहिं सव्वमल्लेहिं सव्वोसहीहि य सिद्धत्थएहि य सव्विड्ढीए सव्वजुईए सव्वबलेणं जाव दुंदुहिनिग्घो-

सणाइयरवेण महया २ रायाभिसेएण अभिसिंचइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी–जय २ नंदा ! जय २ भद्दा ! जय नंदा ! भद्द ते अजिअं जि(णे)णाहि जियं पालयाहि जियमज्झे वसाहि अजियं जिणेहि सत्तुपक्खं जियं च पालेहि मित्तपक्खं जाव भरहो इव मणुयाणं रायगिहस्स नगरस्स अन्नेसिं च बहूणं गामागरनगर जाव सन्निवेसाणं आहेवच्चं जाव विहराहि त्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति । तए णं से मेहे राया जाए महया जाव विहरइ । तए णं तस्स मेहस्स रन्नो अम्मापियरो एवं वयासी–भण जाया ! किं दलयामो किं पयच्छामो किं वा ते हियइच्छिए सामत्थे(मते) ?, तए णं से मेहे राया अम्मापियरो एवं वयासी–इच्छामि णं अम्मयाओ ! कुत्तियावणाओ रयहरणं पडिग्ग(हग)हं च (आणियं) उवणेह कासवयं च सद्दा(वि उ)वेह । तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं पडिग्गहं च उवणेह सयसहस्सेणं कासवयं सद्दावेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय कुत्तियावणाओ दोहिं सयसहस्सेहिं रयहरणं पडिग्गहं च उवणेंति सयसहस्सेणं कासवयं सद्दावेंति । तए णं से कासवए तेहिं कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव (हय)हियए ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं (मंगल्लाइं)वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं करयलमंजलिं कट्टु एवं वयासी–संदिसह णं देवाणुप्पिया ! जं मए करणिज्जं । तए णं से सेणिए राया कासवयं एवं वयासी–गच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिया ! सुरभिणा गंधोदएणं निक्के हत्थपाए पक्खालेहि सेयाए चउप्फालाए पोत्तीए मुहं बंधित्ता मेहस्स कुमारस्स चउरंगुलवज्जे निक्खमणपाउग्गे अग्गकेसे कप्पेहि । तए णं से कासवए सेणिएणं रन्ना एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए जाव पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थपाए पक्खालेइ २ त्ता सुद्धवत्थेणं मुहं बंधइ २ त्ता परेणं जत्तेणं मेहस्स कुमारस्स चउरंगुलवज्जे निक्खमणपाउग्गे अग्गकेसे कप्पइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स माया महरिहेणं हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्गकेसे पडिच्छइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं चच्चाओ दलयइ २ त्ता सेयाए पोत्तीए बंधइ २ त्ता रयणसमुग्गयंसि पक्खिवइ २ त्ता मंजूसाए पक्खिवइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिन्नमुत्तावलिप्पगासाइं अंसूइं विणिम्मुयमाणी २ रोयमाणी २ कंदमाणी २ विलवमाणी २ एवं वयासी–एस णं अम्हं मेहस्स कुमारस्स अब्भुदएसु य उस्सवेसु य पसवेसु य तिहीसु य छणेसु य जन्नेसु य पव्वणीसु य अपच्छिमे

दरिसणे मल्लिसार–सिपइ उस्सीसमूले ठवेइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मा-
पियरो उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति मेहं कुमारं दोच्चंपि तच्चंपि सेयापीयएहिं
कलसेहिं ण्हावेंति २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाइयाए गायाइं लूहेंति २ त्ता
सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपंति २ त्ता नासानीसासवायवोज्झं जाव
हंसलक्खणं पड(ग)साडगं नियंसेंति २ त्ता हारं पिणद्धेंति २ त्ता अद्धहारं पिणद्धेंति
२ त्ता (एगं) एगावलिं (१) मुत्तावलिं (२) कणगावलिं (३) रयणावलिं (४) पालंबं(५)
पायपलंबं कडगाइं (६) तुडियाइं (७) केऊराइं (८) अंगयाइं (९) दसमुद्दियाणंतयं
कडिसुत्तयं (१०) कुंडलाइं चूडामणिं रयणुक्कडं मउडं पिणद्धेंति २ त्ता दिव्वं सुमणदामं
पिणद्धेंति २ त्ता दद्दरमलयसुगंधिए गंधे पिणद्धेंति। तए णं तं मेहं कुमारं
गंठिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगंपिव अलंकियविभूसियं
करेंति। तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–
खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अणेगखंभसयसन्निविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं
ईहामियउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिन्नररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभ-
त्तिचित्तं घंटावलिमहुरमणहरसरं सुभकंतदरिसणिज्जं निउणो(वि)यमिसिमिसिंतम-
णिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं खं(भु)ग्गयवइरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहर
जमलजंतजुत्तं पिव अच्चीसहस्समालणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं
चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं पुरिससहस्स
वाहि(णी)णीं सीयं उवट्ठवेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा हट्ठतुट्ठ जाव उवट्ठवेंति।
तए णं से मेहे कुमारे सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे
सन्निसण्णे। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स माया ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालं-
कियसरीरा सीयं दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणंसि निसीयइ।
तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अंबधाई रयहरणं च पडिग्गहगं च गहाय सीयं
दु(रु)हइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स वामे पासे भद्दासणंसि निसीयइ। तए णं तस्स
मेहस्स कुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसिय-
भणियचिट्ठियविलाससंलावुल्लावनिउणजुत्तोवयारकुसला आमेलगजमलजुयलवट्टिय-
अब्भुन्नयपीणरइयसंठियपओहरा हिमरययकुंदेंदुपगासं सकोरेंटमल्लदामं धवलं
आयवत्तं गहाय सलीलं ओहारेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स
दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारुवेसाओ जाव कुसलाओ सीयं दुरूहंति २ त्ता मेहस्स
कुमारस्स उभओ पा(सिं)सं नाणामणिकणगरयणमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाओ
चिल्लियाओ सुहुमवरदीहवालाओ संखकुंदेंदुदगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निकासाओ

चामराओ गहाय सलील ओहारेमाणीओ २ चिट्ठंति । तए णं तस्स मेहकुमारस्स एगा तरुणी सिंगारा जाव कुसला सीयं जाव दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स पुरओ पुरत्थिमेणं चंदप्पभवइरवेरुलियविमलदंडं ता(लिं)लियंटं गहाय चिट्ठइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स एगा वरतरुणी जाव सुरूवा सीयं दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स पुव्वदक्खिणेण सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमहामुहाकिइसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सरिसयाणं सरि(त)याणं सरि(स)-व्वयाणं एगाभरणगहियनिज्जोयाणं कोडुंबियवरतरुणाणं सहस्सं सद्दावेह जाव सद्दा-वेंति । तए णं (ते) कोडुंबियवरतरुणपुरिसा सेणियस्स रन्नो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दा-विया समाणा हट्ठा ण्हाया एगाभरणगहियणिज्जोया जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं एवं वयासी-संदिसह णं देवाणुप्पिया ! जं णं अम्हेहिं करणिज्जं । तए णं से सेणिए राया तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं एवं वयासी-गच्छह णं (तुब्भे)देवाणुप्पिया ! मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं परिव(हे)-हह । तए णं तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं सेणिएणं रन्ना एवं वुत्तं संतं हट्ठं तुट्ठं तस्स मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं परिवहइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूढस्स समाणस्स इमे अट्ठट्ठमंगलया तप्पढमयाए पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तंजहा-सोत्थिय सिरिवच्छ नंदियावत्त वद्धमाणग भद्दासण कलस मच्छ दप्पण जाव बहवे अत्यत्थिया जाव ताहिं इट्ठाहिं जाव अण-वरयं अभिनंदंता य अभित्थुणंता य एवं वयासी-जय २ नंदा ! जय २ भद्दा ! जय नंदा ! भद्दं ते अजि(य)याइं जिणाहि इंदियाइं जियं च पालेहि समणधम्मं जियविग्घोऽवि य वसाहि तं देव ! सिद्धिमज्झे निहणाहि रागदोसमल्ले तवेण धिइ-धणियबद्धकच्छे मद्दाहि य अट्ठकम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं अप्पमत्तो पावय वितिमिरमणुत्तरं केवलं नाणं गच्छ य मोक्खं परमं पयं सासयं च अयलं हंता परीसहच(मु)मूणं अभीओ परीसहोवसग्गाणं धम्मे ते अविग्घं भवउ-त्तिकट्टु पुणो २ मंगलजयसद्दं पउंजंति । तए णं से मेहे कुमारे रायगिहस्स नयरस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पच्चोरुहइ ॥ २९ ॥ तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं पुरओ कट्टु जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! मेहे कुमारे अम्हं एगे

पमाएयव्वं। तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए इम एयारूव धम्मियं उवएस निसम्म सम्म पडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ जाव उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमइ ॥ ३१ ॥ ज दिवस च ण मेहे कुमारे मुंडे भवित्ता अ(आ)गाराओ अणगारियं पव्वइए तस्स णं दिवसस्स पच्चावरण्हकालसमयंसि समणाण निग्गथाणं अहाराइणियाए सेज्जासंथारएसु विभज्जमाणेसु मेहकुमारस्स दारमूले सेज्जासथारए जाए यावि होत्था। तए णं समणा निग्गंथा पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए पुच्छणाए परियट्टणाए धम्माणुजोगचिंताए य उच्चारस्स य पासवणस्स य अइगच्छमाणा य निग्गच्छमाणा य अप्पेगइया मेह कुमारं हत्थेहिं सघट्टेंति एव पाएहिं सीसे पोट्टे कायंसि अप्पेगइया ओलण्डेंति अप्पेगइया पोलण्डेंति अप्पेगइया पायरयरेणुगुंडियं करेंति। एव महालिय च ण रयणिं मेहे कुमारे नो सचाएइ खणमवि अ(च्छि)च्छी निमीलित्तए। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु अह सेणियस्स रन्नो पुत्ते धारिणीए देवीए अत्तए मेहे जाव सवणयाए, त जया ण अह अगारमज्झे वसामि तया ण मम समणा निग्गथा आढायति परिजाणति सक्कारेंति सम्माणेंति अट्ठाइं हेऊइ पसिणाइं कारणाइ वागरणाइं आइक्खति इट्ठाहिं कंताहिं वग्गूहिं आलवेंति सलवेंति, जप्पभिइ च ण अह मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइए तप्पभिइ च ण म(म)म समणा नो आढायति जाव नो सलवेंति, अदुत्तरं च ण ममं समणा निग्गंथा राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए पुच्छणाए जाव महालिय च ण रत्तिं नो सचाएमि अच्छि निमि(ला)ल्लावेत्तए, तं सेय खलु मज्झ कल्ल पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलते समण भगव महावीर आपुच्छित्ता पुणरवि अगारमज्झे वसित्तए-त्तिकट्टु एव सपेहेइ २ त्ता अट्टदुहट्टवसट्ट-माणसगए निरयपडिरूविय च ण त रयणिं खवेइ २ त्ता कल्ल पाउप्पभायाए सुविमलाए रयणीए जाव तेयसा जलते जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ २ त्ता वंदइ नमसइ व० २ त्ता जाव पज्जुवासइ ॥ ३२ ॥ तए ण मेहाइ समणे भगव महावीरे मेहं कुमार एव वयासी-से नूणं तुम मेहा! राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि समणेहिं निग्गंथेहिं वायणाए पुच्छणाए जाव महालिय च ण राइ नो सचाए(मि)सि मुहुत्तमवि अच्छि निमिल्लावेत्तए, तए ण तु(र्म)ब्भे मेहा! इमे एयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जया ण अह अगारमज्झे वसामि तया णं मम समणा निग्गथा आढायति जाव सलवेंति, जप्पभिइ च ण मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वयामि

तालुयअसपुडियतुंडपक्खिसंघेसु ससतेसु गिम्हउम्हउण्हवायखरफरुसचंडमारुय सुक्कतणपत्तकयवरवाउलिभमतदि(त्त)त्तसंभंतसावयाउलमिगतण्हावद्धचिंधपट्टेसु गिरिवरेसु संवट्टिएसु तत्थमियपस(व)यसरीसिवेसु अवदालियवयणविवरनिल्लालियग्गजीहे महंततुबइयपुण्णकण्णे संकुचियथोरपीवरकरे ऊसियनं(लं)गूले पीणाइयविरसरडियसद्देणं फोडयंतेव अंबरतलं पायदद्दरएण कंपयंतेव मेइणितलं विणिम्मुयमाणे य सीयारं सव्वओ समंता वल्लिवियाणाइं छिंदमाणे रुक्खसहस्साइं तत्थ सुबहूणि नो(ल्ला)ल्लयंते विणट्ठरट्ठेव्व नरवरिंदे वायाइद्धेव्व पोए मंडलवाएव्व परिब्भमंते अभिक्खणं २ लिंडनियरं पमुंचमाणे २ बहूहिं हत्थीहि य जाव सद्धिं दिसोदिसिं विप्पलाइत्था। तत्थ णं तुमं मेहा! जुण्णे जराजज्जरियदेहे आउरे झंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते नट्ठसुइए मूढदिसाए सयाओ जूहाओ विप्पहूणे वणदवजालापारद्धे उण्हेण य तण्हाए य छुहाए य परब्भाहए समाणे भीए तत्थे तसिए उव्विग्गे संजायभए सव्वओ समंता आधावमाणे परिधावमाणे एगं च णं महं सरं अप्पोदयं पंकबहुलं अति(त्थि)त्थेणं पाणियपाए (उइण्णो) ओइण्णे। तत्थ णं तुमं मेहा! तीरमइगए पाणियं असंपत्ते अंतरा चेव सेयंसि विसण्णे। तत्थ णं तुमं मेहा! पाणियं पाइस्सामि-त्तिकट्टु हत्थं पसारेसि, से वि य ते हत्थे उदगं न पावइ। तए णं तुमं मेहा! पुणरवि कायं पच्चुद्धरिस्सामि-त्तिकट्टु बलियतराय पंकंसि खुत्ते। तए णं तुमं मेहा! अन्नया कयाइ एगे चिरनिज्जूढे गयवरजुवाणए सगाओ जूहाओ करचरणदंतमुसलप्पहारेहिं विप्परद्धे समाणे तं चेव महद्दहं पाणी(य पाएउ)यपाए समोयरइ। तए णं से कलभए तुमं पासइ २ त्ता तं पुव्ववेरं समरइ २ त्ता आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडिक्किए मिसिमिसेमाणे जेणेव तुमं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तुमं तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं तिक्खुत्तो पिट्ठओ उच्छुभइ २ त्ता पुव्ववेरं निज्जाएइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे पाणियं पियइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं तव मेहा! सरीरगंसि वेयणा पाउब्भवित्था उज्जला विउला (तिउला) कक्खडा जाव दुरहियासा पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरित्था। तए णं तुमं मेहा! तं उज्जलं जाव दुरहियासं सत्तराइंदियं वेयणं वेदेसि सवीसं वाससयं परमाउं पालइत्ता अट्टवसट्टदुहट्टे कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे गंगाए महानईए दाहिणे कूले विंझगिरिपायमूले एगेणं मत्तवरगंधहत्थिणा एगाए गयवरकरेणूए कुच्छिंसि गयकलभए जणिए। तए णं सा गयकलभिया नवण्हं मासाणं वसंतमासम्मि तुमं पयाया। तए णं तुमं मेहा! गब्भवासाओ विप्पमुक्के समाणे गयकलभए यावि होत्था रत्तुप्पलरत्तसूमालए जासुमणारत्तपारिजत्तय-

रत्तुप्पलरत्तसुमणसमरागवण्णे पुंछे नियगस्स जूहवइणो गणि(या)यारकणेरु-कोत्थहत्थी अणेगहत्थिसयसंपरिवुडे रम्मेसु गिरिकाननेसु सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा ! उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते जूहवइणा कालधम्मुणा संजुत्तेणं तं जूहं सयमेव पडिवज्जसि। तए णं तुमं मेहा ! वणयरेहिं निव्वत्तियनामधेज्जे जाव चउद्दंते मेरुप्पभे हत्थिरयणे होत्था। तत्थ णं तुमं मेहा ! सत्तंगपइट्ठिए तहेव जाव पडिरूवे। तत्थ णं तुमं मेहा ! सत्तसइयस्स जूहस्स आहेवच्चं जाव अभिरमेत्था। तए णं तुमं अन्नया कयाइ गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूले वणदवजालापलित्तेसु वणंतेसु(सु)धूमाउलासु दिसासु जाव मंडलवाए व्व परिब्भमंते भीए तत्थे जाव संजायभए बहूहिं हत्थीहि य जाव कलभियाहि य सद्धिं संपरिवुडे सव्वओ समंता दिसोदिसिं विप्पलाइत्था। तए णं तव मेहा ! तं वणदवं पासित्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-कहिं णं मन्ने मए अयमेयारूवे अग्गिसंभवे अणुभूयपुव्वे ! तए णं तव मेहा ! लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं अज्झवसाणेणं सोहणेणं सुभेणं परिणामेणं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सन्निपुव्वे जा(ई)सरणे समुप्पज्जित्था। तए णं तुमं मेहा ! एयमट्ठं सम्मं अभिसमेसि-एवं खलु मया अईए दोच्चे भवग्गहणे इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले जाव (सुहंसुहेणं विहरइ)तत्थ णं महया अयमेयारूवे अग्गिसंभवे समणुभूए। तए णं तुमं मेहा ! तस्सेव दिवसस्स पच्चावरण्हकालसमयंसि नियएणं जूहेणं सद्धिं समन्नागए यावि होत्था। तए णं तुमं मेहा ! सत्तुस्सेहे जाव सन्निजाइस्सरणे चउद्दंते मेरुप्पभे नामं हत्थी (राया) होत्था। तए णं तुज्झं मेहा ! अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-(तं)सेयं खलु मम इयाणिं गंगाए महानईए दाहिणिल्लंसि कूलंसि विंझगिरिपायमूले दवग्गि(ताण)संताणकारणट्ठा सएणं जूहेणं (महइ)महालयं मंडलं घाइत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेसि २ त्ता सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा ! अन्नया कयाइं पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि सन्निवइयंसि गंगाए महानईए अदूरसामंते बहूहिं हत्थीहिं जाव कलभियाहि य सत्तहि य हत्थिसएहिं संपरिवुडे एगं महं जोयणपरिमंडलं महइमहालयं मंडलं घाएसि जं तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कंटए वा लया वा वल्ली वा खाणुं वा रुक्खे वा खु(वे)वं वा तं सव्वं तिक्खुत्तो आहुणिय २ पाएणं उ(द्ध)रेसि हत्थेणं गेण्हसि एगंते ए(ड)डेसि। तए णं तुमं मेहा ! तस्सेव मंडलस्स अदूरसामंते गंगाए महानईए दाहिणिल्ले कूले विंझगिरिपायमूले गिरीसु य जाव विहरसि। तए णं तुमं मेहा ! अन्नया कयाइ मज्झिमए वरिसारत्तंसि

णिग्घोस सोचा णिसम्म तासिं च ण अण्णयरी सट्ठी त तवस्सिं भिक्खुं मेहुण-धम्मपरियारणाए आउट्टावेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव ज तहप्पगारे सागारिए **उवस्सए** णो ठाणं वा सेज्ज वा णिसीहिय वा चेतेज्जा ॥ ६६० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गिय ॥ ६६१ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो** ॥

गाहावइ णामेगे सुइसमायारा भवति से भिक्खू य असिणाणाए से तग्गंधे दुग्गधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, ज पुव्वकम्म त पच्छाकम्म, ज पच्छाकम्म त पुव्वकम्म तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा नो करेज्जा वा अह भिक्खूण पुव्वोवदिट्ठा जाव ज तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाण वा जाव चेतेज्जा ॥ ६६२ ॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं सवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सअट्ठाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा (४) उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा त च भिक्खू अभिकखेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा अह भिक्खूण पुव्वोवदिट्ठा जाव ज नो तहप्पगारे उवस्सए ठाण चेतेज्जा ॥ ६६३ ॥ आयाणमेय भिक्खुस्स गाहावइणा सद्धिं सवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवाइ दारुयाइ भिन्नपुव्वाइ भवति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा, किणेज्ज वा पामिच्चेज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणाम कट्टु अगणिकाय उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिकखेज्ज वा आतावेत्तए वा, पयावेत्तए वा, वियट्टित्तए वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव ज तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाण चेतेज्जा ॥ ६६४ ॥ से भिक्खू वा (२) उच्चारपासवणेण उव्वाहिज्जमाणे राओ वा विआले वा, गाहावइकुलस्स दुवारबाहं अवगुणेज्जा तेणे य तस्सधिचारी अणुपविसेज्जा, तस्स भिक्खुस्स णो कप्पइ एव वदित्तए "अय तेणे पविसइ वा णो वा पविसइ, उवल्लियइ वा णो वा उवल्लियइ, आवयति वा णो वा आवयति, वदति वा णो वा वदति, तेण हड अण्णेण हड, तस्स हड अण्णस्स हडं, अयं तेणे अय उवयरए, अय हता, अय एत्थमकासी," त तवस्सिं भिक्खु अतेण तेण ति सकइ, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो चेतेज्जा ॥ ६६५ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा तणपुंजेसु पलालपुंजेसु वा, सअडे जाव ससताणए तहप्पगारे **उवस्सए** णो ठाण वा सेज्ज वा णिसीहिय वा चेएज्जा ॥ ६६६ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण उवस्सय जाणिज्जा, तणपुजेसु वा, पलालपुंजेसु वा अप्पडे जाव चेएज्जा ॥ ६६७ ॥ से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा

संसारे परित्तीकए माणुस्साउए निबद्धे। तए णं से वणदवे अणुपुव्वेणं तं वणं झामेइ २ त्ता निट्ठिए उवरए उवसंते विज्झाए यावि होत्था। तए णं ते बहवे सीहा य जाव चिल्ललगा य तं वणदवं निट्ठियं जाव विज्झायं पासंति २ त्ता अग्गिभयविप्पमुक्का तण्हाए य छुहाए य परब्भाहया समाणा त(ओ)मंडलाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता सव्वओ समंता विप्पसरित्था। तए णं ते बहवे हत्थी जाव छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ मंडलाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता दिसोदिसिं विप्पसरित्था। तए णं तुमं मेहा! जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिढिलवलितयापिणिद्धगत्ते दुब्बले किलंते जुंजिए पिवासिए अत्थामे अबले अपरक्कमे अचंकमणो वा ठाणुखंडे वेगेण विप्पसरिस्सामि-त्तिकट्टु पाए पसारेमाणे विज्जुहए विव रययगिरिपब्भारे धरणितलंसि सव्वंगेहिं सन्निवइए। तए णं तव मेहा! सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दाहवक्कंतिए यावि विहरसि। तए णं तुमं मेहा! तं उज्जलं जाव दुरहियासं तिण्णि राइंदियाइं वेयणं वेएमाणे विहरित्ता एगं वाससयं परमाउं पालइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे नयरे सेणियस्स रन्नो धारिणीए देवीए कुच्छिंसि कुमारत्ताए पच्चायाए ॥ ११ ॥ तए णं तुमं मेहा! आ(णु)पुव्वेणं गब्भवासाओ निक्खंते समाणे उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते मम अंतियं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए। तं जइ ता(जा)व तुमे मेहा! तिरिक्खजोणियभावमुवगएणं अपडिलद्धसम्मत्तरयणलंभेणं से पाए पाणाणुकंपयाए जाव अंतरा चेव संधारिए नो चेव णं निक्खित्ते किमंग पुण तुमं मेहा! इयाणिं विपुलकुलसमुब्भवेणं निरुवहयसरीर(दंत)लद्धपंचिंदिएणं एवं उट्ठाणबलवीरियपुरिस(गा)रपरक्कमसंजुत्तेणं म(म)मं अंतिए मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे समणाणं निग्गंथाणं राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए जाव धम्माणुजोगचिंताए य उच्चारस्स वा पासवणस्स वा अइगच्छमाणाण य निग्गच्छमाणाण य हत्थसंघट्टणाणि य पायसंघट्टणाणि य जाव रयरेणुगुंडणाणि य नो सम्मं सहसि खमसि तितिक्खसि अहियासेसि! तए णं तस्स मेहस्स अणगारस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सुभेहिं परिणामेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सण्णिपुव्वे जाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमेइ। तए णं से मेहे कुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वजाईसरणे दुगुणाणीयसंवेगे आणंदंसुपुण्णमुहे हरिसवसेणं धाराहयकलंबकं पिव समुस्ससियरोमकूवे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—

महावुट्ठिकायंसि सन्निवइयसि जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता दोच्चंपि मंडलं घाएसि, एवं चरिमवासारत्तसि महावुट्ठिकायसि सन्निव(इ)यमाणसि जेणेव से मडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता तच्चपि मडलघाय करेसि ज तत्थ तणं वा जाव सुहसुहेण विहरसि। अह मेहा! तुम गइदभावम्मि वट्टमा(णे)णो कमेण नलिणिवणवि(वह)हवणगरे हेमते कुदलोद्धउद्धुयतुसारपउरम्मि अइक्कते अहिणवे गिम्हसमयंसि पत्ते वियट्टमा(णे)णो वणेसु वणकरेणुविविहदिन्नकयपसवघाओ तुम उउयकुसुमकयचामरकण्णपूरपरिमडियाभिरामो मयवसविगसतकडतडकिलिन्नगधमदवारिणा सुरभिजणियगधो करेणुपरिवारिओ उउसमतजणियसोहो काले दिणयरकरपयडे परिसोसियतरुवरसि(रि)हरभीमतरदसणिज्जे भिंगाररवतभेरवरवे नाणाविहपत्तकट्ठतणकयवरु(द्ध)द्धुयपइमारुयाइद्धनहयलदुमगणे वाउलि(या)दारुणतरे तण्हावसदोसदूसियभमंतविविहसावयसमाउले भीमदरिसणिज्जे वट्टते दारुणम्मि गिम्हे मारुयवसपसरपसरियवियभिएण अब्भहियभीमभेरवरवप्पगारेण महुधारापडियसित्तउद्धायमाण(धग)धगधगेंतसद्दु(द्धु)द्धएण दित्ततरसफुलिंगेण धूममालाउलेण सावयसयतकरणेण (अब्भहिय)वणदवेण जालालोवियनिरुद्धधूमधकारभीओ आयवालोयमहततुबइयपुण्णकण्णो आकुचियथोरपीवरकरो भयवसभयतदित्तनयणो वेगेणं महामेहोव्व वाय(पव)णोल्लियमहल्लरूवो जे(णेव)ण कओ ते(ण) पुरा दवग्गिभयभीयहियएग अवगयतणप्पएसरुक्खो रुक्खोद्देसो दवग्गिसताणकारणट्ठा (ए) जेणेव मडले तेणेव पहारेत्थ गमणाए। एक्को ताव एस गमो। तए ण तुम मेहा! अन्नया कयाई कमेण पचसु उऊसु समइक्कतेसु गिम्हकालसमयसि जेट्ठामूले मासे पायवघससमुट्ठिएणं जाव सवट्टिएसु मियपसुपक्खिसरीसिवे(सु) दिसोदिसिं विप्पलायमाणेसु तेहिं वहूहिं हत्थीहि य सद्धिं जेणेव (से) मंडले तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तत्थ ण अन्ने वहवे सीहा य वग्घा य विगा य दीविया अच्छा य तरच्छा य पारासरा य सरभा य सियाला विराला सुणहा कोला ससा कोकतिया चित्ता चिल्लला पुव्वपविट्ठा अग्गिभयभिद्दुया एगयओ विलधम्मेण चिट्ठति। तए णं तुमं मेहा! जेणेव से मडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता तेहिं वहूहिं सीहेहिं जाव चिल्ललेहि य एगयओ विलधम्मेण चिट्ठसि। तए ण तुम मेहा! पाएण गत्त कंडुइस्सामीतिकट्टु पाए उक्खित्ते, तसि च ण अतरंसि अन्नेहिं वलवतेहिं सत्तेहिं पणो(लि)ल्लिज्जमाणे २ ससए अणुप्पविट्ठे। तए ण तुम मेहा! गायं कडुइत्ता पुणरवि पायं पडिनि(क्खमि)क्खेविस्सामि–त्तिकट्टु त ससयं अणुपविट्ठ पाससि २ त्ता पाणाणुकपयाए भूयाणुकपयाए जीवाणुकपयाए सत्ताणुकंपयाए से पाए अतरा चेव सधारिए नो चेव ण निक्खित्ते। तए ण तुमं मेहा! ताए पाणाणुकपयाए जाव सत्ताणुकपयाए

आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं। दोच्चं मासं छट्ठंछट्ठेणं। तच्चं मासं अट्ठमंअट्ठमेणं। चउत्थं मासं दसमंदसमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं। पंचमं मासं दुवालसमंदुवालसमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं। एवं खलु एएणं अभिलावेणं छट्ठे चोद्दसमं २ सत्तमे सोलसमं २ अट्ठमे अट्ठारसमं २ नवमे वीसइमं २ दसमे बावीसइमं २ एक्कारसमे चउव्वीसइमं २ बारसमे छव्वीसइमं २ तेरसमे अट्ठावीसइमं २ चोद्दसमे तीसइमं २ पन्नर(पंचद)समे बत्तीसइमं २ सोलसमे(मासे) चउत्तीसइमं २ अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए (णं) सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण य अवाउडएण य। तए णं से मेहे अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं जाव सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोहेइ तीरेइ किट्टेइ अहासुत्तं अहाकप्पं जाव किट्टेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता बहूहिं छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ॥ १५॥ तए णं से मेहे अणगारे तेणं उरालेणं विउलेणं सस्सिरीएणं पयत्तेणं पग्गहिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धन्नेणं मंगल्लेणं उदग्गेणं उदारएणं उत्तमेणं महाणुभावेण तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे लुक्खे निम्मंसे निस्सोणिए किडिकिडियाभूए अट्ठिचम्मावणद्धे किसे धमणिसंतए जाए यावि होत्था जीवंजीवेणं गच्छइ जीवंजीवेणं चिट्ठइ भासं भासित्ता गिलाइ(य)इ भासं भासमाणे गिलायइ भासं भासिस्सामित्ति गिलायइ। से जहानामए इंगालसगडियाइ वा कट्ठसगडियाइ वा पत्तसगडियाइ वा तिलसगडियाइ वा एरंडकट्ठसगडियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का समाणी ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव मेहे अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचिए तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणे इव भासरासिपरिच्छन्ने तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे जाव पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणामेव रायगिहे नयरे जेणामेव गुणसिलए चेइए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं तस्स मेहस्स अणगारस्स राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं तहेव जाव भासं भासिस्सामित्ति गिलामि तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धा धिई संवेगे तं जाव

अज्जप्पभिई णं भंते ! मम दो अच्छीणि मोत्तूण अवसेसे काए समणाणं निग्गथाण निसट्ठे-त्तिकट्टु पुणरवि समण भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी-इच्छामि ण भंते ! इयाणिं दोच्चंपि सयमेव पव्वाविय सयमेव मुंडाविय जाव सयमेव आयारगोयर जायामायावत्तिय धम्ममाइक्ख(ह)न्तु । तए ण समणे भगवं महावीरे मेह कुमारं सयमेव पव्वावेइ जाव जायामायावत्तिय धम्ममाइक्खइ-एव देवाणुप्पिया ! गतव्व एव चिट्ठियव्व एव णिसीयव्व एव तुयट्टियव्वं एव भुजियव्वं एवं भासियव्व उट्ठाय २ पाणाण भूयाण जीवाण सत्ताण सजमेण सजमियव्व । तए ण से मेहे समणस्स भगवओ महावीरस्स अयमेयारूव धम्मिय उवएस सम्मं पडि(च्छइ)वज्जइ २ त्ता तह (चिट्ठइ) गच्छइ जाव सजमेण सजमइ । तए ण से मेहे अणगारे जाए इरियासमिए अणगारवण्णओ भाणियव्वो । तए ण से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए तहा(एया)रूवाण थेराण सामाइयमाइयाणि एक्कारस अगाइ अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं अप्पाण भावेमाणे विहरइ । तए ण समणे भगव महावीरे रायगिहाओ नयराओ गुणसिलयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहार विहरइ ॥ ३४ ॥ तए ण से मेहे अणगारे अन्नया कयाइ समण भगव महावीर वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी-इच्छामि ण भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे मासिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ताण विहरित्तए । अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबधं करेह । तए ण से मेहे अणगारे समणेण भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे मासिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ताण विहरइ, मासियं भिक्खुपडिम अहासुत्तं अहाकप्प अहामग्ग सम्म काएण फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ किट्टेइ सम्म काएण फासेत्ता पालित्ता सोभेत्ता तीरेत्ता किट्टेत्ता पुणरवि समण भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी-इच्छामि ण भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे दोमासिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ताण विहरित्तए । अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबध करेह । जहा पढमाए अभिलावो तहा दोच्चाए तच्चाए चउत्थाए पचमाए छम्मासियाए सत्तमासियाए पढमसत्तरा(य)इदियाए दोच्च सत्तराइदियाए तइय सत्तराइदियाए अहोराइदियाएवि एगराइदियाएवि । तए ण से मेहे अणगारे बारस भिक्खुपडिमाओ सम्म काएण फासेत्ता पालेत्ता सोभेत्ता तीरेत्ता किट्टेत्ता पुणरवि वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी-इच्छामि ण भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे गुणरयणसवच्छर तवोकम्म उवसपज्जित्ताण विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह । तए ण से मेहे अणगारे पढम मासं चउत्थंचउत्थेण अणिक्खित्तेण तवोकम्मेण दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे

दंसणसल्लं पच्चक्खामि सव्वं असणपाणखाइमसाइमं चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए। जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव विविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतीतिकट्टु एयं पि य णं चरमेहिं ऊसासनीसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं ते थेरा भगवंतो मेहस्स अणगारस्स अगिलाए वेयावडियं करेंति। तए णं से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवरिसाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेएत्ता आलोइयपडिक्कंते उद्धियसल्ले समाहिपत्ते आणुपुव्वेणं कालगए। तए णं (ते) थेरा भगवंतो मेहं अणगारं आणुपुव्वेणं कालगयं पासेंति २ त्ता परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ त्ता मेहस्स आयारभंडगं गेण्हंति २ त्ता विउलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ त्ता जेणामेव गुणसिलए उज्जाणे जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी मेहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए। से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुन्नाए समाणे गोयमाइए समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विउलं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता सयमेव मेघघणसन्निगासं पुढविसिलं (पट्टयं)पडिलेहेइ २ त्ता भत्तपाणपडियाइक्खिए अणुपुव्वेणं कालगए। एस णं देवाणुप्पिया! मेहस्स अणगारस्स आयारभंडए॥ १९॥ भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी मेहे नामं अणगारे से णं भंते! मेहे अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा! मम अंतेवासी मेहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बारस भिक्खुपडिमाओ गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं काएणं फासेत्ता जाव किट्टेत्ता मए अब्भणुन्नाए समाणे गोयमाइ थेरे खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं जाव विउलं पव्वयं दुरूहइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारोवगए सयमेव पंचमहव्वए उच्चारेइ बारस वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेएत्ता आलोइयपडिक्कंते उद्धियसल्ले समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूर-गहगणनक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं

त्ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धा धिई संवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव(ताव)मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलंते (स्रे)समणं भगवं महावीरं वंदित्ता नमंसित्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णायस्स समाणस्स सयमेव पंच महव्वयाइं आ(रु)रोहित्ता गोयमाइए समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं कडाईहिं थेरेहिं सद्धिं विउलं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता सयमेव मेहघणसन्निगासं पुढविसिलापट्टयं पडिलेहित्ता संलेहणाझूसणा(ए)झूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने नाइदूरे सुस्सूसमाणे नमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासइ। मे(हे)त्ति(हा)इ समणे भगवं महावीरे मेहं अणगारं एवं वयासी-से नूणं तव मेहा! राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं जाव जेणेव अ(इ)हं तेणेव हव्वमागए। से नूणं मेहा! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता गोयमाइ समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं कडाईहिं थेरेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता सयमेव मेहघणसन्निगासं पुढविसिलापट्टयं पडिलेहेइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसण्णे करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी-नमोत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, नमोत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे भगवं तत्थगए इहगयं-तिकट्टु वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-पुव्विं पि(य) णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए मुसावाए अदिन्नादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे पेज्जे दोसे कलहे अब्भक्खाणे पेसुन्ने परपरिवाए अरइरइ मायामोसे मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए। इयाणिं पि णं अहं तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव मिच्छा-

नामं होत्था ॥३९॥ तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पंथए ना(म)मं दासचेडे होत्था सव्वंगसुंदरंगे मंसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था। तए णं से धण्णे सत्थवाहे रायगिहे नयरे बहूणं नगरनिगमसेट्ठिसत्थवाहाणं अट्ठारसण्ह य सेणिप्पसेणीणं ब(हु)हूसु कज्जेसु य कुडुंबेसु य (मंतेसु य) जाव चक्खुभूए यावि होत्था नियगस्स वि य णं कुडुंबस्स बहु(सु) कज्जेसु जाव चक्खुभूए यावि होत्था ॥४०॥ तत्थ णं रायगिहे नयरे विजए नामं तक्करे होत्था पावे चंडालरूवे भीमतररुद्दकम्मे आरुसियदित्तरत्तनयणे खरफरुसमहल्लविगयबीभ(त्थ)च्छदाढिए असंपुडियउट्ठे उद्धुयपइण्णलंबंतमुद्धए भमरराहुवण्णे निरणुक्कोसे निरणुतावे दारुणे पइभए निसंसइए निरणुकंपे अ(हि)हीव एगंतदि(ट्ठि)ट्ठीए खुरेव एगंतधाराए गिद्धेव आमिसतल्लिच्छे अग्गिमिव सव्वभ(क्खे)क्खी जलमिव सव्व(गा)ग्गाही उक्कंचणवंचणमायानियडिकूडकवडसाइसंपओगबहुले चिरनगरविणट्ठदुट्ठसीलायारचरित्ते जूय(प)पसंगी मज्जपसंगी भोज्जपसंगी मंसपसंगी दारुणे हिययदारए साहसिए संधिच्छेयए उवहिए विस्संभघाई आलीवगतित्थभेयलहुहत्थसंपउत्ते परस्स दव्वहरणंमि निच्चं अणुबद्धे तिव्ववेरे रायगिहस्स नयरस्स बहूणि अइगमणाणि य निग्गमणाणि य वा(दा)राणि य अवदाराणि य छिं(डि)डीओ य खंडीओ य नगरनिद्धमणाणि य संवट्टणाणि य निव्वट्टणाणि य जू(य)खलयाणि य पाणागाराणि य वेसागाराणि य (तद्दारट्ठाणाणि य) तक्करट्ठाणाणि य तक्करघराणि य सिं(गा)घाडगाणि य ति(या)याणि य चउक्काणि य चच्चराणि य नागघराणि य भूयघराणि य जक्खदेउलाणि य सभाणि य पवाणि य पणियसालाणि य सुन्नघराणि य आभोएमाणे (१) मग्गमाणे गवेसमाणे बहुजणस्स छिद्देसु य विसमेसु य विहुरेसु य वसणेसु य अब्भुदएसु य उस्सवेसु य पसवेसु य तिहीसु य छणेसु य जन्नेसु य पव्वणीसु य मत्तपमत्तस्स य वक्खित्तस्स य वाउलस्स य सुहियस्स य दु(क्खि)क्खियस्स य विदेसत्थस्स य विप्पवसियस्स य मग्गं च छिद्दं च विरहं च अंतरं च मग्गमाणे गवेसमाणे एवं च णं विहरइ, बहिया वि य णं रायगिहस्स नयरस्स आरामेसु य उज्जाणेसु य वाविपोक्खरिणीदीहियागुंजालिया(सरेसु य)सरपंति(या य)सरसरपंतियासु य जिण्णुज्जाणेसु य भग्गकूवएसु य मालुयाकच्छएसु य सुसाणेसु य गिरिकंदरलेणउवट्ठाणेसु य बहुजणस्स छिद्देसु य जाव एवं च णं विहरइ ॥ ४१ ॥ तए णं तीसे भद्दाए भारियाए अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अहं धण्णेणं सत्थवाहेणं सद्धिं बहूणि वासाणि सद्द(फरिस)रसाणि माणुस्सगाइं कामभोगाइं पच्चणुब्भवमाणी विहरामि नो चेव णं अहं दारगं वा दारि(गं)यं वा प(या)यामि। तं धन्नाओ णं ताओ

बहूई जोयणसयसहस्साइं बहू(इ)इं जोयणकोडीओ बहूइं जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलंतगमहासुक्कसहस्साराणयपाणयारणच्चुए तिण्णि य अट्ठारसुत्तरे गेवेज्जविमा(ण)णावाससए वीइवइत्ता विजए महाविमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं ते(त)त्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं मेहस्सवि देवस्स तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता। एस णं भंते! मेहे देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिनिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं अप्पोपालभनिमित्तं पढमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ३७ ॥ **गाहा**–महुरेहिं निउणेहिं वयणेहिं चोययंति आयरिया। सीसे कहिंचि खलिए जह मेहमुणिं महावीरो ॥ १ ॥ **पढमं अज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते बिइयस्स णं भंते! नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ। [तत्थ णं रायगिहे नयरे सेणिए नामं राया होत्था महया वण्णओ] त(त्थ)स्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गुणसिलए नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ। तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे (पडिय) जिण्णुज्जाणे यावि होत्था विणट्ठदेवउले परिसडियतोरणघरे नाणाविहगुच्छगुम्मलयावल्लिवच्छच्छाइए अणेगवालसयसंकणिज्जे यावि होत्था। तस्स णं जिण्णुज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे भग्गकूवए यावि होत्था। तस्स णं भग्गकूवस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे मालुयाकच्छए यावि होत्था किण्हे किण्होभासे जाव रम्मे महामेहनिउरंबभूए बहूहिं रुक्खेहि य गुच्छेहि य गुम्मेहि य लयाहि य वल्लीहि य (तणेहि य) कुसेहि य खाणुएहि य संछन्ने पलिच्छन्ने अंतो झुसिरे बाहिं गंभीरे अणेगवालसयसंकणिज्जे यावि होत्था ॥ ३८ ॥ तत्थ णं रायगिहे नयरे ध(णे)ण्णे नामं सत्थवाहे अड्ढे दित्ते जाव विउलभत्तपाणे। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स भद्दा नामं भारिया होत्था सुकुमालपाणिपाया अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगी ससिसोमागारा कंता पियदंसणा सुरूवा करयलपरिमियतिवलियमज्झा कुंडलुल्लिहियगंडलेहा कोमुइ(य)रयणियरपडिपुण्णसोमवयणा सिंगारागारचारुवेसा जाव पडिरूवा वंझा अवियाउरी जाणुकोप्परमाया

२ त्ता लोमहत्थगं परामुसइ २ त्ता नागपडिमाओ य जाव वेसमणपडिमाओ य लोमहत्थेणं पमज्जइ उदगधाराए अब्भुक्खेइ २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासा(ई)ए गायाइं लूहेइ २ त्ता महरिहं वत्थारुहणं च मल्लारुहणं च गंधारुहणं च चुण्णारुहणं च वण्णारुहणं च करेइ २ त्ता (जाव) धूवं डहइ २ त्ता जाणुपायवडिया पंजलिउडा एवं वयासी–जइ णं अहं दारगं वा दारियं वा प(या)यामि तो णं अहं जायं च जाव अणुवड्ढेमि त्तिकट्टु उवाइयं करेइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विउलं असणं ४ आसाएमाणी जाव विहरइ जिमि(या)य जाव सुइभूया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागया। अदुत्तरं च णं भद्दा सत्थवाही चाउ(द्दसट्ठ)मुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु विउलं असणं ४ उवक्खडेइ २ त्ता बहवे नागा (जक्खे) य जाव वेसमणा य उवायमाणी नमंसमाणी जाव एवं च णं विहरइ ॥ ४१ ॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही अन्नया कयाइ केणइ कालंतरेणं आवण्णसत्ता जाया यावि होत्था। तए णं तीसे भद्दाए सत्थवाहीए दोसु मासेसु वीइक्कंतेसु त(इ)ए मासे वट्टमाणे इमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव कयलक्खणाओ (णं) ताओ अम्मयाओ जाओ णं विउलं असणं ४ सुबहुयं पुप्फ(वत्थ)गंधमल्लालंकारं गहाय मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणमहिलियाहिं य सद्धिं संपरिवुडाओ रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोक्खरिणिं ओगाहिंति २ त्ता ण्हायाओ सव्वालंकार विभूसियाओ विउलं असणं ४ आसाएमाणीओ जाव परिभुंजेमाणीओ दोहलं विणेंति। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मम तस्स गब्भस्स जाव विणेंति तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी जाव विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पि(ए)या! मा पडिबंधं करेह। तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुण्णाया समाणी ह(ट्ठ तु)ट्ठ जाव विउलं असणं ४ जाव ण्हाया उल्लपडसाडगा जेणेव नागघरए जाव धूवं ड(हे)इ २ त्ता पणामं करेइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ। तए णं ताओ मित्तनाइ जाव नयरमहिलाओ भद्दं सत्थवाहिं सव्वालंकारविभूसियं करेंति। तए णं सा भद्दा सत्थवाही ताहिं मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणनयरमहिलियाहिं सद्धिं तं विउलं असणं ४ जाव परिभुं(ज)जेमाणी (य) दोहलं विणेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं सा भद्दा सत्थवाही संपुण्ण(डो)दोहला जाव तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं सुकुमालपाणिपायं जाव दारगं पयाया। तए णं तस्स

अम्मयाओ जाव सुलद्धे णं माणुस्सए जम्मजीवियफले तासिं अम्मयाणं जासिं मन्ने नियगकुच्छिसंभूयाइं थणदुद्धलुद्धयाइं महुरसमुल्लावगाइं मम्मणपयंपियाइं थणमू(ल)ला कक्खदेसभागं अभिसरमाणाइं मुद्धयाइं थणयं पि(व)यंति तओ य कोमलकमलोव- मेहिं हत्थेहिं गिण्हिऊण उच्छंगे निवेसियाइं देंति समुल्लावए पिए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए। (त) अहं णं अधन्ना अपुण्णा अ[कय]लक्खणा (अकयपुण्णा) एत्तो एगमवि न पत्ता। तं सेयं मम कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते धण्णं सत्थवाहं आपुच्छित्ता धण्णेण सत्थवाहेणं अब्भणुन्नाया समाणी सुबहुं विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता सुबहुं पुप्फ(वत्थ)गंधमल्लालंकारं गहाय बहूहिं मित्तनाइनियगसयण- संबंधिपरिजणमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा जाइं इमाइं रायगिहस्स नयरस्स बहिया नागाणि य भूयाणि य जक्खाणि य इंदाणि य खंदाणि य रुद्दाणि य सि(से)वाणि य वेसमणाणि य तत्थ णं बहूणं नागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य महरिहं पुप्फच्चणियं करेत्ता जन्नु(जाणु)पायपडियाए एवं वइत्तए-जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं वा दारिगं वा पयायामि तो णं अहं तुब्भं जायं च दायं च भायं च अक्खय- णिहिं च अणुवड्ढेमि त्तिकट्टु उवाइयं उवाइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणामेव धण्णे सत्थवाहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं सद्धिं बहूइं वासाइं जाव देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए, तं णं अहं अहन्ना अपुण्णा अकयलक्खणा एत्तो एगमवि न पत्ता, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी विपुलं असणं ४ जाव अणुवड्ढेमि उवाइयं क(रे)रित्तए। तए णं धण्णे सत्थवाहे भद्दं भारियं एवं वयासी- मम पि य णं (खलु) देवाणुप्पिए! एस चेव मणोरहे-कहं णं तुमं दारगं वा दारियं वा पयाए(ज)ज्जासि (?) भद्दाए सत्थवाहीए एयमट्ठं अणुजाणइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुन्नाया समाणी हट्टतुट्ठ जाव हयहियया विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता सुबहुं पुप्फगंध(वत्थ)मल्लालंकारं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुक्खरिणीए तीरे सुबहुं पुप्फं जाव मल्लालंकारं ठवेइ २ त्ता पुक्खरिणिं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ जल(कीड)किड्डं करेइ २ त्ता ण्हाया उल्लपडसाडिगा जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हइ २ त्ता पुक्खरिणीओ पच्चोरुहइ २ त्ता तं सुबहुं पुप्फ[वत्थ]गंधमल्लं गेण्हइ २ त्ता जेणामेव नागघरए (य) जाव वेसमणघरए य तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता तत्थ णं नागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य आलोए पणामं करेइ ईसिं पच्चुन्नमइ

परियावसहेसु वा अभिक्खणं अभिक्खणं साहम्मिएहिं ओवयमाणेहिं णो ओवइज्जा ॥ १६८ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा जे भयंतारो उडुबद्धियं वा वासावासियं वा कप्पं उवाइणित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति अयमाउसो कालाइक्कंतकिरिया भवइ ॥ १६९ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा जे भयंतारो उडुबद्धियं वा वासावासियं वा कप्पं उवाइणित्ता तं दुगुणा दुगुणेण अपरिहरित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति अयमाउसो उवट्ठाणकिरिया यावि भवइ ॥ १७० ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ तं सद्दहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं, तं रोयमाणेहिं बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति तंजहा-आएसणाणि वा आयतणाणि वा देवकुलाणि वा सहाओ वा पवाणि वा पणियगिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सुहाकम्मंताणि वा दब्भकम्मंताणि वा वद्धकम्मंताणि वा वव्वयकम्मंताणि वा, वणकम्मंताणि वा इंगालकम्मंताणि वा कट्ठकम्मंताणि वा सुसाणकम्मंताणि वा संतिकम्मंताणि वा सुण्णागारकम्मंताणि वा गिरिकम्मंताणि वा कंदरकम्मंताणि वा सेलोवट्ठाणकम्मंताणि वा भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं ओवयमाणेहिं ओवयंति अयमाउसो अभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥१७१॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए समुद्दिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं अणोवयमाणेहिं ओवयंति अयमाउसो! अणभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥१७२॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा-गाहावई वा जाव कम्मकरी वा तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो सीलमंता जाव उवरया मेहुणधम्माओ णो खलु एएसिं भयंताराणं कप्पइ आहाकम्मिए उवस्सए वत्थए, से जाणि इमाणि अम्हं अप्पणो सयट्ठाए चेइयाइं भवंति तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा सव्वाणि ताणि समणाणं णिसिरामो अवियाइं वयं पच्छा अप्पणो सयट्ठाए चेइस्सामो तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इय-

दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ त्ता तहेव जाव विपुलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता तहेव मित्तनाइनियग० भोयावेत्ता अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति-जम्हा णं अम्हं इमे दारए बहूणं नागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य उवाइयलद्धे (ण) तं होउ णं अम्हं इमे दारए देवदिन्ने नामेणं। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति देवदिन्नेत्ति। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो जायं च दायं च भायं च अक्खयनिहिं च अणुवड्ढेंति ॥ ४३ ॥ तए णं से पंथए दासचेडए देवदिन्नस्स दारगस्स बालग्गाही जाए, देवदिन्नं दार(य)गं कडीए गेण्हइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य डिंभियाहि य दारएहि य दारियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे (अभिरममाणे) अभिरमइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही अन्नया कयाइ देवदिन्नं दारयं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पंथयस्स दासचेडयस्स हत्थयंसि दलयइ। तए णं से पंथए दासचेडए भद्दाए सत्थवाहीए हत्थाओ देवदिन्नं दारगं कडीए गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य डिंभियाहि य जाव कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं एगंते ठावेइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य जाव कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे पमत्ते यावि (होत्था) विहरइ। इमं च णं विजए तक्करे रायगिहस्स नयरस्स बहूणि वाराणि य अववाराणि य तहेव जाव आभोएमाणे मग्गेमाणे गवेसमाणे जेणेव देवदिन्ने दारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं सव्वालंकारविभूसियं पासइ २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स आभरणालंकारेसु मुच्छिए गढिए गिद्धे अज्झोववन्ने पंथ(यं)गं दासचेडं पमत्तं पासइ २ त्ता दिसालोयं करेइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं गेण्हइ २ त्ता कक्खंसि अल्लियावेइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं रायगिहस्स नगरस्स अवदारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव जिण्णुज्जाणे जेणेव भग्गकूवए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारयं जीवियाओ ववरोवेइ २ त्ता आभरणालंकारं गेण्हइ २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स सरी(रग)रं निप्पाणं निच्चेट्ठं जी(विय)वविप्पजढं भग्गकूवए पक्खिवइ २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अणुप्पविसइ २ त्ता निच्चले निप्फंदे तुसिणीए दिवसं ख(खि)वेमाणे चिट्ठइ ॥ ४४ ॥ तए णं से पंथए दासचेडे तओ मुहुत्तंतरस्स जेणेव देवदिन्ने दारए ठविए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिन्नं दारगं तंसि ठाणंसि अपासमाणे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स कत्थइ सुइं वा खुइं वा पउत्तिं वा अलभमाणे जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-एवं खलु सामी! भद्दा सत्थवाही देवदिन्नं दारगं ण्हायं जाव मम ह(त्थंसि)त्थे दलयइ। तए णं अहं देवदिन्नं दारगं कडीए गिण्हामि जाव मग्गणगवेसणं करेमि। तं ण णज्जइ णं सा(मि)मी! देवदिन्ने दारए केणइं ह(णी)ए वा अवहिए वा अ(वखि)क्खित्ते वा पायवडिए धण्णस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं निवेदेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंथयस्स दासचेडयस्स एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म तेण य महया पुत्तसोएणाभिभूए समाणे प(प)रसुनियत्ते व चंपगपायवे धसत्ति धरणीयलंसि सव्वंगेहिं संनिवइए। तए णं से धण्णे सत्थवाहे तओ मुहुत्तंतरस्स आसत्थे प(च्चा)गयपाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ देवदिन्नस्स दारगस्स कत्थइ सुइं वा खुइं वा प(उ)त्तिं वा अलभमाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता महत्थं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता जेणेव नगरगुत्तिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं महत्थं पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मम पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए देवदिन्ने नामं दारए इट्ठे जाव उंबरपुप्फंपिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए (?)। तए णं सा भद्दा [भारिया] देवदिन्नं [दारगं] ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं पंथगस्स हत्थे दलयइ जाव पायवडिए तं मम निवेदेइ। तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! देवदिन्नस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं कयं। तए णं ते नगरगुत्तिया धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा सन्नद्धबद्ध(वम्मिय)कवया उप्पीलियसरासण(व)पट्टिया जाव गहियाउहपहरणा धण्णेणं सत्थवाहेणं सद्धिं रायगिहस्स नगरस्स बहूणि अइगमणाणि य जाव पवाओ य मग्गणगवेसणं करेमाणा रायगिहाओ नगराओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव *जिण्णुज्जाणे जेणेव भग्गकूवए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरगं* निप्पाणं निच्चेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा अहो अकज्जमितिकट्टु देवदिन्नं दारगं भग्गकूवाओ उत्तारेंति २ त्ता धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थे(णं) दलयंति ॥४७॥

तए णं ते नगरगुत्तिया विजयस्स तक्करस्स पयमग्गमणुगच्छमाणा (१) जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मालुयाकच्छ(यं)गं अणुप्पविसंति २ त्ता विजयं तक्करं ससक्खं सहोढं सगेवेज्जं जीवग्गाहं गेण्हंति २ त्ता अट्ठिमुट्ठिजाणुकोप्परपहारसंभग्गमहियगत्तं करेंति २ त्ता अव(उडा)ओडगबंधणं करेंति २ त्ता देवदिन्न(ग)स्स दारगस्स [तं] आभरणं गेण्हंति २ त्ता विजयस्स तक्करस्स गीवाए बंधंति २ त्ता मालुयाकच्छगाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव रायगिहे नगरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता रायगिहं नगरं अणुप्पविसंति २ त्ता रायगिहे नगरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु कसप्पहारे य लयप्पहारे य छिवापहारे य

निवा(ए)यमाणा २ छारं च धूलिं च कयवरं च उवरिं पक्किरमाणा २ महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा एवं वयंति-एस णं देवाणुप्पिया! विजए नामं तक्करे जाव गिद्धे विव आमिसभक्खी बालघायए बालमारए, त नो खलु देवाणुप्पिया! एयस्स केइ राया वा (रायपुत्ते वा) रायमच्चे वा अवरज्झइ (एत्थट्ठे) नन्नत्थ अप्पणो सयाइं कम्माइं अवरज्झंति-त्तिकट्टु जेणामेव चारगसाला तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता हडिबंधणं करेंति २ त्ता भत्तपाणनिरोहं करेंति २ त्ता तिसंझं कसप्पहारे य जाव निवाएमाणा २ विहरंति। तए णं से धण्णे सत्थवाहे मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणेण सद्धिं रोयमाणे जाव विलवमाणे देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरस्स महया इड्ढीसक्कार-समुदएणं नी(नि)हरणं करे(न्ति)इ २ त्ता बहूइं लोइयाइं मय(ग)किच्चाइं करेइ २ त्ता केणइ कालंतरेणं अवगयसोए जाए यावि होत्था ॥ ४६ ॥ तए ण से धण्णे सत्थवाहे अन्नया कयाइ ल(हू)हुसयंसि रायावराहंसि संपलत्ते जाए यावि होत्था। तए णं ते नगरगुत्तिया धण्ण सत्थवाहं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चार(गे)ए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता चारगं अणुपवेसंति २ त्ता विजएण तक्करेणं सद्धिं एगयओ हडिबंधणं करेंति। तए णं सा भद्दा भारिया कल्लं जाव जलंते विपुल असणं ४ उवक्खडेइ २ त्ता भोयणपिंडए करेइ २ त्ता भो(भा)यणाइं पक्खिवइ २ त्ता लंछिय-मुद्दियं करेइ २ त्ता एगं च सुरभिवारिपडिपुण्णं दगवारयं करेइ २ त्ता पंथयं दासचेडं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छ(ह) णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं विपुलं असणं ४ गहाय चारगसालाए धण्णस्स सत्थवाहस्स उवणेहि। तए णं से पंथए भद्दाए सत्थवाहीए एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे तं भोयणपिंड(य)गं तं च सुरभिवरवारिपडिपुण्णं दगवारयं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव चारगसाला जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भोयणपि(डि)डयं ठावेइ २ त्ता उल्लंछेइ २ त्ता (भायणाइं) भोयणं गेण्हइ २ त्ता भायणाइं धोवेइ २ त्ता हत्थसोयं दलयइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं तेणं विपुलेणं असणेणं ४ परिवेसेइ। तए ण से विजए तक्करे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-तु(म)ब्भे णं देवाणुप्पिया! म(म)मं एयाओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेहि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं तक्करं एवं वयासी-अवियाइं अहं विजया! एयं विपुलं असणं ४ का(या)गाणं वा सुणगाणं वा दलएज्जा उक्कुरुडियाए वा णं छड्डेज्जा नो चेव णं तव पुत्तघायगस्स पुत्तमारगस्स अरिस्स वेरियस्स पडिणीयस्स पच्चामित्तस्स एत्तो विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेज्जामि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे तं विपुलं असणं ४ आहारेइ २ त्ता तं पंथगं पडिविसज्जेइ। तए णं से पंथए दासचे-

जेणेव ओसरणपडिकम्मं गिण्हइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स तं विपुलं असणं ४ आहारियस्स समाणस्स उच्चारपासवणे णं उव्वाहित्था। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं तक्करं एवं वयासी–एहि ताव विजया! एगंतमवक्कमामो जेणं अहं उच्चारपासवणं परिट्ठवेमि। तए णं से विजए तक्करे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–तुब्भं देवाणुप्पिया! विपुलं असणं ४ आहारियस्स अत्थि उच्चारे वा पासवणे वा ममं णं देवाणुप्पिया! इमेहिं बहूहिं कसप्पहारेहि य जाव लयापहारेहि य तण्हाए य छुहाए य परब्भवमाणस्स नत्थि केइ उच्चारे वा पासवणे वा, तं छंदेणं तुमं देवाणुप्पिया! एगंते अवक्कमित्ता उच्चारपासवणं परिट्ठवेहि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजएणं तक्करेणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे मुहुत्तंतरस्स बलियतरागं उच्चारपासवणेणं उव्वाहिज्जमाणे विजयं तक्करं एवं वयासी–एहि ताव विजया! जाव अवक्कमामो। तए णं से विजए धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–जइ णं तुमं देवाणुप्पिया! ता(त)ओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेहि ततो हं तु(मे)ब्भेहिं सद्धिं एगंतं अवक्कमामि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं एवं वयासी–अहं णं तुब्भं ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करिस्सामि। तए णं से विजए धण्णस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं से विजए धण्णेणं सद्धिं एगंतं अवक्क(मे)मइ उच्चारपासवणं परिट्ठवेइ आयंते चोक्खे परमसुइभूए तमेव ठाणं उवसंकमित्ताणं विहरइ। तए णं सा भद्दा कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ जाव परिवेसेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयस्स तक्करस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंथयं दासचेडं विसज्जेइ। तए णं से पंथए भोयणपिडयं गहाय चार(पा)गसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गि(गि)हे जेणेव भद्दा (भारिया) सत्थवाही तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भद्दं सत्थवाहिं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए! धण्णे सत्थवाहे तव पुत्तघायगस्स जाव पच्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेइ ॥ ४७ ॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही पंथयस्स दासचेडयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ता रुट्ठा जाव मिसिमिसेमा(णा)णी धण्णस्स सत्थवाहस्स पओसमावज्जइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे अन्नया कयाइं मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणेणं सएण य अत्थसारेणं रायकज्जाओ अप्पाणं मोयावेइ २ त्ता चारगसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अलंकारियकम्मं का(रे)रवेइ २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

अह धोयमट्टियं गेण्हइ २ त्ता पोक्खरिणीं ओगाहइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ २ त्ता ण्हाए रायगिहं नगर अणुप्पविसइ २ त्ता रायगिहस्स नगरस्स मज्झमज्झेण जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं (त) धण्ण सत्थवाहं एज्जमाण पासित्ता रायगिहे नयरे बहवे नियगसेट्ठिसत्थवाहपभि(त)इओ आढति परिजाणंति सक्कारेंति सम्माणेंति अब्भुट्ठेंति सरीरकुस(ल)लोदतं स-पुच्छति। तए ण से धण्णे [सत्थवाहे] जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ। जावि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तजहा-दासाइ वा पेस्साइ वा भियगाइ वा भाइल्लगाइ वा (से) सा वि य णं धण्ण सत्थवाहं एज्ज(न्त)माणं पासइ २ त्ता पायवडिया(ए) खेमकुसल पुच्छ(न्ति)इ। जावि य से तत्थ अब्भितरिया परिसा भवइ तंजहा-मायाइ वा पियाइ वा भायाइ वा भइणीइ वा सावि य ण धण्ण सत्थवाह एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कंठाकठिय अवयासिय बाहप्पमोक्खण करेइ। तए ण से धण्णे सत्थवाहे जेणेव भद्दा भारिया तेणेव उवागच्छइ। तए ण सा भद्दा धण्ण सत्थवाह एज्जमाण पासइ २ त्ता नो आढाइ नो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरि-याणमाणी तुसिणीया परम्मुही सचिट्ठइ। तए ण से धण्णे सत्थवाहे भद्दं भारिय एव वयासी-किं ण तुब्भ देवाणुप्पिए! न तुट्ठी वा न हरिसे वा नाणदे वा ज मए सएण अत्थसारेण रायकज्जाओ अप्पाण विमोइए। तए णं सा भद्दा धण्ण सत्थवाह एव वयासी-कह णं देवाणुप्पिया! मम तुट्ठी वा जाव आणदे वा भविस्सइ जेण तुम मम पुत्तघायगस्स जाव पच्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ सविभाग करेसि। तए ण से धण्णे भद्द [भारिय] एव वयासी-नो खलु देवाणुप्पिए! धम्मोत्ति वा तवोत्ति वा कयपडिकइयाइ वा लोगजत्ताइ वा नायएइ वा [स]घाडिएइ वा सहा-एइ वा सुहित्ति वा ताओ विपुलाओ असणाओ ४ सविभागे कए नन्नत्थ सरीरचिंताए। तए ण सा भद्दा धण्णेण सत्थवाहेण एवं वुत्ता समाणी ह(ट्ठतु)ट्ठा जाव आस-णाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कठाकठि अवयासेइ खेमकुसल पुच्छइ २ त्ता ण्हाया विपु-लाइ भोगभोगाइ भुजमाणी विहरइ। तए ण से विजए तक्करे चारगसालाए तेहिं बधेहिं वहेहिं कसप्पहारेहि य जाव तण्हाए य छुहाए य परब्भवमाणे कालमासे कालं किच्चा नरएसु नेरइयत्ताए उववन्ने। से ण तत्थ नेरइए जाए काले कालोभासे जाव वेयण पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। से ण तओ उव्वट्टित्ता अणादीय अणवदग्गं दीहमद्ध चाउरंतससारकतारं अणुपरियट्टिस्सइ। एवामेव जंबू! जे ण अम्ह निग्गथो वा निग्गथी वा आयरियउवज्झायाण अतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे विपुलमणि(मु)मोत्तियधणकणगरयणसारेण लुब्भइ से वि(य) एवं चेव

हे ४८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा नामं थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना कुल-संपन्ना जाव पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा जाव जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जाव अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति । परिसा निग्गया धम्मो कहिओ । तए णं तस्स धन्नस्स सत्थवाहस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना इहमागया इह-संपत्ता तं इच्छामि णं थेरे भगवंते वंदामि नमंसामि ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए पायविहार-चारेणं जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ । तए णं थेरा धन्नस्स विचित्तं धम्ममाइक्खंति । तए णं से धन्ने सत्थ-वाहे धम्मं सोच्चा एवं वयासी-सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथे पावयणे जाव पव्वइए जाव बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता भत्तं पच्चक्खाइत्ता मासियाए संले-हणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववन्ने । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० । तत्थ णं धन्नस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० । से णं धन्ने देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ ॥ ४९ ॥ जहा णं जंबू ! धन्नेणं सत्थवाहेणं नो धम्मोत्ति वा जाव विजयस्स तक्करस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागे कए नन्नत्थ सरीरसारक्खणट्ठाए एवामेव जंबू ! जे णं अम्हं निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे ववगयण्हाण(उम्म)मद्दणपुप्फगंधमल्लालंकारविभूसे इमस्स ओरालियसरीरस्स नो वण्णहेउं वा रूवहेउं वा (बल)विसयहेउं वा [तं विपुलं] असणं ४ आहारमाहारेइ नन्नत्थ नाणदंसणचरित्ताणं वहण(ह)याए से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं (बहूणं) समणीणं (बहूणं) सावयाण य सावियाण य अच्चणिज्जे जाव पज्जुवासणिज्जे भवइ । परलोए वि य णं नो (आगच्छइ) बहूणि हत्थच्छेयणाणि य कण्णच्छेयणाणि य नासाछेयणाणि य एवं हियय(य)उप्पायणाणि य वसणुप्पा(ड)यणाणि य उल्लंबणाणि य पाविहिइ अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं जाव वीईवइस्सइ जहा व से धन्ने सत्थवाहे । एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं दोच्चस्स नाय-ज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ५० ॥ गाहा-सिवसाहणेसु आहारविरहिओ जं न वट्टए देहो । तम्हा धन्नोव्व विजयं साहू तं तेण पोसेज्जा ॥ १ ॥ बीयं अज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं २ जाव संपत्तेणं दोच्चस्स अज्झयणस्स नायाधम्मकहाणं

अयमट्ठे पन्नत्ते तइअस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए सुभूमिभाए नामं उज्जाणे होत्था स(व्वो)व्वउयपुप्फफलसमिद्धे सुरम्मे नंदणवणे इव सुहसुरभिसीयलच्छायाए समणुबद्धे । तस्स णं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उत्तर(ओ)पुरत्थिमे एगदेसंमि मालुयाकच्छए होत्था वण्णओ । तत्थ णं एगा व(र)णम(यू)ऊरी दो पुट्ठे परियागए पिट्ठुंडीपंडुरे निव्वणे निरुवहए भिन्नमुट्ठिप्पमाणे मऊरी-अंडए पसवइ २ त्ता सएणं पक्खवाएणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी स(वि)चिट्ठेमाणी विहरइ । तत्थ णं चंपाए नयरीए दुवे सत्थवाहदारगा परिवसंति तंजहा-जिणदत्तपुत्ते य सागरदत्तपुत्ते य सहजायया सहवड्ढियया सहपंसुकीलियया सहदारदरिसी अन्नमन्नमणुर(त्तया)त्ता अन्नमन्नमणुव्व(य)या अन्नमन्नच्छंदाणुवत्तया अन्नमन्नहियइच्छियकारया अन्नमन्नेसु गिहेसु(किच्चाइं) कम्माइं करणिज्जाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ ५१ ॥ तए णं तेसिं सत्थवाहदारगाणं अन्नया कयाइं एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सन्निसण्णाणं सन्निविट्ठाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-जन्नं देवाणुप्पिया ! अम्हं सुहं वा दु(क्खं)हं वा पव्वज्जा वा विदेसगमणं वा समुप्पज्जइ तं णं अम्हेहिं एगयओ समेच्चा नित्थरियव्वं-तिकट्टु अन्नमन्नमेयारूवं संगारं पडिसुणेंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था ॥५२॥ तत्थ णं चंपाए नयरीए देवदत्ता नामं गणिया परिवसइ अड्ढा जाव भत्तपाणा चउसट्ठिकलापंडिया चउसट्ठिगणियागुणोववेया अउणत्ती(सं)सविसेसे रममाणी एक्कवीसरइगुणप्पहाणा बत्तीसपुरिसोवयारकुसला नवंगसुत्तपडिबोहिया अट्ठारसदेसीभासाविसारया सिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसिय जाव ऊसिय(झ)ज्झया सहस्सलंभा विदिन्नछत्तचामर-वाल(वि)वीयणिया कण्णीरहप्पयाया(या) वि होत्था बहूण गणियासहस्साणं आहेवच्चं जाव विहरइ । तए णं तेसिं सत्थवाहदारगाणं अन्नया कयाइं पु(व्वरत्तावरत्त)व्वावरण्हकालसमयंसि जिमियभुत्तुत्तरागयाणं समाणाणं आयन्ताणं चोक्खाणं परमसुइभूयाणं सुहासणवरगयाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-(तं) सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फगंधवत्थं गहाय देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स (उज्जाणस्स) उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणाणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता कल्लं पाउ(ब्भूए)प्पभायाए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं देवाणुप्पिया ! विपुलं असणं ४ उवक्ख(डे)डावेह २ त्ता तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फ गहाय जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव नंदापुक्खरिणी तेणामेव उवागच्छह २ त्ता नंदाए

पोक्खरिणीए अदूरसामंते थूणामंडवं आहणह २ त्ता आसियसम्मज्जिओवलित्तं सुगंधं जाव कलियं करेह २ त्ता अ(म्हे)म्हं पडिवालेमाणा २ चिट्ठह जाव चिट्ठंति। तए णं [ते] सत्थवाहदारगा दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव लहुकरणजुत्तजोइयं समखुरवालिहाणसमलिहियतिक्खग्गसिंगएहिं रययामयघंटसुत्तरज्जुपवरकंचणखचियणत्थपग्गहोवग्गहिएहिं नीलुप्पलकयामेलएहिं पवरगोणजुवाणएहिं नाणामणिरयणकंचणघंटियाजालपरिक्खित्तं पवरलक्खणोववेयं जु(उ)त्तामेव पवहणं उवणेह। ते वि तहेव उवणेंति। तए णं ते सत्थवाहदारगा ण्हाया अप्पमहग्घाभरणालंकिय सरीरा पवहणं दुरूहंति २ त्ता जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पवहणाओ पच्चोरुहंति २ त्ता देवदत्ताए गणियाए गिहं अणुपविसंति। तए णं सा देवदत्ता गणिया [ते] सत्थवाहदारए एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता ते सत्थवाहदारए एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमिहागमणप्पओयणं। तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्तं गणियं एवं वयासी-इच्छामो णं देवाणुप्पिए! तु(म्हे)ब्भेहिं सद्धिं सुभूमिभागस्स (उज्जाणस्स) उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरित्तए। तए णं सा देवदत्ता तेसिं सत्थवाहदारगाणं एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया किं ते पवर जाव सिरिसमाणवेसा जेणेव सत्थवाहदारगा तेणेव समा(उवा)गया। तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं जाणं दुरूहंति २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव नंदापोक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पवहणाओ पच्चोरुहंति २ त्ता नंदापोक्खरिणिं ओगाहेंति २ त्ता जलमज्जणं करेंति जलकिड्डं करेंति ण्हाया देवदत्ताए सद्धिं पच्चुत्तरंति जेणेव थूणामंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थूणामंडवं अणुपविसंति २ त्ता सव्वालंका(रि)रभूसिया आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया देवदत्ताए सद्धिं तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फगंधवत्थं आसाएमाणा वि(वी)साएमाणा (परिभाएमाणा) परिभुंजेमाणा एवं च णं विहरंति जिमियभुत्तुत्तरगया वि य णं समाणा (आयंता) देवदत्ताए सद्धिं विपुलाइं माणुस्सगाइं कामभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥५३॥ तए णं ते सत्थवाहदारगा पुव्वावरण्हकालसमयंसि देवदत्ताए गणियाए सद्धिं थूणामंडवाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता हत्थसंगेल्लीए सुभूमिभागे बहूसु आलिघरएसु य कयलीघरएसु य लयाघरएसु य अच्छणघरएसु य पेच्छणघरएसु य पसाहणघरएसु य मोहणघरएसु य सालघरएसु य जालघरएसु य कुसुमघरएसु य उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥५४॥ तए णं ते सत्थवाहदारगा जेणेव से मालुयाकच्छए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं सा वणमऊरी ते सत्थवाहदारए

एज्जमाणे पासइ २ त्ता भीया तत्था० महया २ सद्देणं केक्कारवं विणिम्मुयमाणी २ मालुयाकच्छाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता एगंसि रुक्खडालयंसि ठिच्चा ते सत्थवाहदारए मालुयाकच्छं च अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी २ चिट्ठइ। तए णं ते सत्थवाहदारगा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-जहा णं देवाणुप्पिया! एसा वणमऊरी अम्हे एज्जमा(णा)णे पासित्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा पलाया महया २ सद्देणं जाव अ(म्हे)म्ह मालुयाकच्छयं च पेच्छमाणी २ चिट्ठइ तं भवियव्वमेत्थ कारणेणं-त्तिकट्टु मालुयाकच्छयं अंतो अणुप्पविसंति २ त्ता तत्थ णं दो पुट्ठे परियागए जाव पासित्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमे वणमऊरी-अंडए साणं जाइमंताणं कुक्कुडियाणं अंडएसु (अ)पक्खिवावित्तए। तए णं ताओ जाइमं-ताओ कुक्कुडियाओ ए(ता)ए अंडए सए य अंडए सएणं पक्खवाएणं सारक्खमाणीओ संगोवेमाणीओ विहरिस्संति। तए णं अम्हं ए(त्थ)त्थ दो कीलावणगा मऊरपोयगा भविस्संति-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता सए सए दासचेडए सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! इमे अंडए गहाय सगाणं जाइमंताणं कुक्कुडीणं अंडएसु पक्खिवह जाव ते (वि) पक्खिवेंति। तए णं ते सत्थवाहदारगा देवद-त्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स (उज्जाणस्स) उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरित्ता तमेव जाणं दुरूढा समाणा जेणेव चंपा नयरी जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता देवदत्ताए गिहं अणुप्पविसंति २ त्ता देवदत्ताए गणियाए विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयंति २ त्ता सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता देवदत्ताए गिहाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था ॥५५॥ त(ए)त्थ णं जे से सागरदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए से णं कल्लं जाव जलंते जेणेव से वणमऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तंसि मऊरीअंडयंसि संकिए कंखिए विइगिच्छसमावन्ने भेयसमावन्ने कलुससमावन्ने किण्णं ममं एत्थ कीलावणए मऊ(री)रपोयए भविस्सइ उदाहु नो भविस्सइ-त्तिकट्टु तं मऊरीअंडयं अभिक्खणं २ उव्वत्तेइ परियत्तेइ आसारेइ संसारेइ चालेइ फंदेइ घट्टेइ खोभेइ अभिक्खणं २ कण्णमूलंसि टिट्टियावेइ। तए णं से व्रण-मऊरीअंडए अभिक्खणं २ उव्वत्तिज्जमाणे जाव टिट्टियावेज्जमाणे पोच्चडे जाए यावि होत्था। तए णं से सागर-दत्तपुत्ते सत्थवाहदारए अन्नया कयाइ जेणेव से वणमऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं मऊरीअंडयं पोच्चडमेव पासइ २ त्ता अहो णं मम (एस) एत्थ कीलावणए मऊ(री)रपोयए न जाए-त्तिकट्टु ओहयमण जाव झियायइ। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ आयरियउवज्झायाणं अंतिए पव्वइए समाणे पंचमहव्वएसु जाव

गच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो वज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७३॥ इह खलु पाईण वा पडीण वा दाहीण वा उदीण वा संतेगइया सड्ढा भवंति तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसते भवइ, जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेतिताइं भवंति तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति, इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो महावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७४॥ इह खलु पाईण वा पडीण दाहिण वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण० जाव समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिआइं भवंति-तंजहा आएसणाणि वा जाव भवण-गिहाणि वा जे भयतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति, अयमाउसो सावज्जकिरिया या वि भवइ ॥ ६७५ ॥ इह खलु पाईण वा जाव उदीण वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा-गाहावइ वा जाव कम्मकरी वा तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसते भवइ जाव तं रोयमाणेहिं एक्कं समणजाय समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेतिताइं भवंति, तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढवीकायसमारंभेण एवं महया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायसमारंभेण महया संरंभेणं महया आरंभेण महया विरूवरूवेहिं पावकम्मेहिं तंजहा छायणओ, लेवणओ, संथारदुवारपिहणाओ, सीतोदए वा, परिट्ठवियपुव्वे भवइ, अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इय-राइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति दुपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो महासावज्जकिरिया या वि भवइ ॥ ६७६ ॥ इह खलु पाईण वा जाव तं रोयमाणेहिं अप्पणो सअट्ठाए तत्थ २ अगारीहिं जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढविकायसमारंभेण जाव अग-णिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ जे भयतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति एगपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो अप्पसावज्जा किरिया या वि भवइ ॥ ६७७ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६७८ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

"से य णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे णो य खलु सुद्धे इमेहिं पाहुडेहिं, तंजहा-छायणओ, लेवणओ संथारदुवारपिहणओ पिंडवाएसणाओ से य भिक्खू चरियारए ठाणरए निसीहियारए सेज्जासंथारपिंडवाएसणारए" संति भिक्खुणो एवं मक्खाइणो उज्जुया णियागपडिवन्ना अमायं कुव्वमाणा वियाहिया ॥ ६७९ ॥ संते-

चलेंति खोभेंति नहेहिं आलुंपंति दंतेहिं य अक्खोडेंति नो चेव णं संचाएंति तेसिं कुम्मगाणं सरीरस्स आबाहं वा पबाहं वा वाबाहं वा उप्पा(ए)त्तए छविच्छेयं वा क(रे)त्तए। तए णं ते पावसियालगा (एए) ते कुम्मए दोच्चंपि तच्चंपि सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव नो चेव णं संचाएंति करेत्तए ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समाणा सणियं २ पच्चोस(क्क)ति एगंतमवक्कमंति २ त्ता निच्चला निप्फंदा तुसिणीया संचिट्ठंति। तत्थ णं एगे कुम्म(गे)ए ते पावसियालए चि(रं)गए दूरंगए जाणित्ता सणियं २ एगं पायं निच्छुभइ। तए णं ते पावसियालगा तेणं कुम्मएणं सणियं २ एगं पायं नीणियं पासंति २ त्ता (ताए उक्किट्ठाए गईए) सिग्घं चवलं तुरियं चंडं जइणं वेगियं जेणेव से कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तस्स णं कुम्मगस्स तं पायं नहेहिं आलुंपंति दंतेहिं अक्खोडेंति तओ पच्छा मंसं च सोणियं च आहारेंति २ त्ता तं कुम्मगं सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव नो चेव णं संचा(ए)एंति करेत्तए ताहे दोच्चंपि अवक्कमंति एवं चत्तारि वि पाया जाव सणियं २ गीवं णीणेइ। तए णं ते पावसियालगा तेणं कुम्मएणं गीवं णीणियं पासंति २ त्ता सिग्घं चवलं ४ नहेहिं दंतेहिं (य) कवालं विहाडेंति २ त्ता तं कुम्मगं जीवियाओ ववरोवेंति २ त्ता मंसं च सोणियं च आहारेंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा २ आयरियउवज्झायाणं अंतिए पव्वइए समाणे पंच य से इंदिया (इं) अगुत्ता भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे परलो(ग)ए वि य णं आगच्छइ बहूणं दंडणाणं जाव अणुपरियट्टइ जहा (व) से कुम्मए अगुत्तिंदिए। तए णं ते पावसियालगा जेणेव से दोच्चे कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं कुम्मगं सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव दंतेहिं अक्खुडेंति जाव करित्तए। तए णं ते पावसियालगा दोच्चंपि तच्चंपि जाव नो संचाएंति तस्स कुम्मगस्स किंचि आबाहं वा विबाहं वा जाव छविच्छेयं वा करेत्तए ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से कुम्मए ते पावसियालए चिरगए दूरगए जाणित्ता सणियं २ गीवं नेणेइ २ त्ता दिसावलोयं करेइ २ त्ता जमगसमगं चत्तारि वि पाए नीणेइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए कुम्मगईए वीईवयमाणे २ जेणेव मयंगतीरद्दहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तणाइनियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं अभिसमन्नागए यावि होत्था। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं समणो वा समणी वा पंच (य) से (इंदियाइं) इंदियाइं गुत्ताइं भवंति जाव जहा(उ) व से कुम्मए गुत्तिंदिए। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं चउत्थस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ ५४ ॥ पायाल-भिसप्प

सिट्ठिसुया अंडयगाही उदाहरण ॥ २ ॥ कत्थइ मइदुब्बलेण तव्विहायरियविरहओ या वि । नेयगहणत्तणेण नाणावरणोदएणं च ॥ ३ ॥ हेऊदाहरणासंभवे य सइ सुट्ठु ज न बुज्झिज्जा । सव्वण्णुमयमवितहं तहावि इइ चिंतए मइमं ॥ ४ ॥ अणुवकयपराणुग्गहपरायणा जं जिणा जगप्पवरा । जियरागदोसमोहा य णन्नहावाइणो तेण ॥ ५ ॥ तच्चं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं ३ नायाणं तच्चस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते चउत्थस्स णं नायाणं के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं वाणारसीए नयरीए (बहिया) उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गंगाए महानईए मयंगतीरद्दहे नामं दहे होत्था अणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजले अच्छविमलसलिलपलिच्छन्ने संछन्नपत्तपुप्फपलासे बहुउप्पलपउमकुमुयनलिणसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तकेसरपुप्फोवचिए पासाईए ४ । तत्थ णं बहूणं मच्छाण य कच्छभाण य गाहाण य मगराण य सुंसुमाराण य स(इ)या(ण)णि य (साहस्सियाण)सहस्साणि य सय(साहस्सियाण)सहस्साणि य जूहाइं निब्भयाइं निरुव्विग्गाइं सुहंसुहेणं अभिरममाणाइं २ विहरंति । तस्स णं मयंगतीरद्दहस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे मालुयाकच्छए होत्था वण्णओ । तत्थ णं दुवे पावसियालगा परिवसंति पावा चंडा रु(रो)द्दा तल्लिच्छा साहसिया लोहियपाणी आमिसत्थी आमिसाहारा आमिसप्पिया आमिसलोला आमिसं गवेसमाणा रत्तिं वियालचारिणो दिया पच्छन्न(न्ना) वि चिट्ठंति । तए णं ताओ मयंगतीरद्दहाओ अन्नया कयाइं सूरियंसि चिरत्थमियंसि लुलियाए संझाए पविरलमाणुसंसि निसंतपडिनिसंतंसि समाणंसि दुवे कुम्मगा आहारत्थी आहारं गवेसमाणा सणियं २ उत्तरंति तस्सेव मयंगतीरद्दहस्स परिपेरंतेणं सव्वओ समंता परिघोलेमाणा २ वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति । त(य)याणंतरं च णं ते पावसियालगा आहारत्थी जाव आहारं गवेसमाणा मालुयाकच्छ(या)गाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव मयंगतीरद्दहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तस्सेव मयंगतीरद्दहस्स परिपेरंतेणं परिघोलेमाणा २ वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति । तए णं ते पावसियाला ते कुम्मए पासंति २त्ता जेणेव ते कुम्मए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं ते कुम्मगा(ते) पावसियालए एज्जमाणे पासंति २ त्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया हत्थे य पाए य गीवाए य सएहिं २ काएहिं साहरंति २ त्ता निच्चला निप्फंदा तुसिणीया संचिट्ठंति । तए णं ते पावसियाल(या)गा जेणेव ते कुम्मगा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते कुम्मगा सव्वओ समंता उव्वत्तेंति परियत्तेंति आसारेंति संसारेंति चालेंति घट्टेंति

दूइज्जमाणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी सो चेव वण्णओ दसधणुस्सेहे नीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासे अट्ठारसहिं समणसाहस्सीहिं चत्तालीसाए अज्जियासाहस्सीहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव बारवई नयरी जेणेव रेवयगपव्वए जेणेव नंदणवणे उज्जाणे जेणेव सुरप्पियस्स जक्खस्स जक्खाययणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। परिसा निग्गया धम्मो कहिओ। तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सभाए सुहम्माए मेघोघरसियं गंभी(र)रमहुरसद्दं कोमुइयं भेरिं तालेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव मत्थए अंजलिं कट्टु एवं सामी! तह त्ति जाव पडिसुणेंति २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव स(हा)भा सुहम्मा जेणेव कोमुइया भेरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं मेघोघरसि(यं)यगंभीरमहुरसद्दं कोमुइयं भेरिं तालेंति। तओ निद्धमहुरगंभीरपडिसुएणं पिव सारइएणं बलाहएणं (पिव) अणुरसियं भेरीए। तए णं तीसे कोमुइयाए भे(रिया)रीए तालियाए समाणीए बारवईए नयरीए नवजोयणवित्थिण्णाए दुवालसजोयणायामाए सिंघाडगतियचउक्कचच्चरकंदरदरी(य) विवरकुहरगिरिसिहरनगरगोउरपासायदुवारभवणदेउलपडि(सु)सुयासयसहस्ससंकुलं(सद्दं) करेमाणे बारव(ई)ईए नय(रि)रीए सब्भिंतरबाहिरियं सव्वओ समंता(से)सद्दे विप्पसरित्था। तए णं बारवईए नयरीए नवजोयणवित्थिण्णाए बारसजोयणायामाए समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव कोमुईयाए भेरीए सद्दं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव ण्हाया आविद्धवग्घारियमल्लदामकलावा अहयवत्थचंदणो(क्कि)क्किण्णगायसरीरा अप्पेगइया हयगया एवं गयरहसीयासंदमाणीगया अप्पेगइया पायविहारचारेणं पुरिस वग्गुरापरिक्खित्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अंति(यं)ए पाउब्भवित्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे जाव अंतियं पाउब्भवमाणे (पासइ) पासित्ता हट्ठतुट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउरंगिणिं सेणं सज्जेह विजयं च गंधहत्थिं उवट्ठवेह। तेवि (तहत्ति) उवट्ठवेंति जाव पज्जुवासंति ॥१९॥ थावच्चापुत्ते वि णिग्गए जहा मेहे तहेव धम्मं सोच्चा निसम्म जेणेव थावच्चा गाहावइणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ जहा मेहस्स तहा चेव निवेयणा जाहे नो संचाएइ विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य

इंदिआइ रुभंता रागदोसनिम्मुक्का । पावंति निव्वुइसुहं कुम्मुव्व मयगदहसोक्ख ॥ १ ॥ अवरे उ अणत्थपरंपरा उ पावेंति पावकम्मवसा । संसारसागरगया गोमाउग्गसियकुम्मोव्व ॥ २ ॥ चउत्थं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं चउत्थस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते पंचमस्स णं भंते ! नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई नामं नयरी होत्था पाईणपडीणायया उदीणदाहिणवित्थिण्णा नवजोयणवित्थिण्णा दुवालसजोयणायामा धणवइमइनि(म्म)म्माया चामीयरपवरपागारा नाणामणिपंचवण्णकविसीसगसोहिया अलयापुरिसंकासा पमुइयपक्कीलिया पच्चक्खं देवलो(य)गभूया । तीसे णं बारवईए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए रेवयगे ना(म)मं पव्वए होत्था तुंगे गगणतलमणुलिहंतसिहरे नाणाविहगुच्छगुम्मलयावल्लिपरिगए हंसमि(ग)यमयूरकोंचसारसचक्कवायमयणसालकोइलकुलोववेए अणेगतडकडगवियरउज्झर(य)पवायपब्भारसिहरपउरे अच्छरगणदेवसंघचारणविज्जाहरमिहुणसंविचिण्णे निच्चच्छणए दसारवरवीरपुरिसतेलोक्कबलवगाणं सोमे सुभगे पियदंसणे सुरूवे पासाईए ४ । तस्स णं रेवयगस्स अदूरसामंते एत्थ णं नंदणवणे नामं उज्जाणे होत्था सव्वउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे नंदणवणप्पगासे पासाईए ४ । तस्स णं उज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए सुरप्पिए नामं जक्खाययणे होत्था वण्णओ । तत्थ णं बारवईए नयरीए कण्हे नामं वासुदेवे राया परिवसइ । से णं तत्थ समुद्दविजयपामोक्खाणं दसण्हं दसाराणं बलदेवपामोक्खाणं पंचण्हं महावीराणं उग्गसेणपामोक्खाणं सोलसण्हं राईसहस्साणं पज्जुन्नपामोक्खाणं अद्धुट्ठाणं कुमारकोडीणं संबपामोक्खाणं सट्ठीए दुद्दंतसाहस्सीणं वीरसेणपामोक्खाणं एक्कवीसाए वीरसाहस्सीणं महासेणपामोक्खाणं छप्पन्नाए बलवगसाहस्सीणं रुप्पि(णी)णिप्पामोक्खाणं बत्तीसाए महिलासाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं [रा]ईसरतलवर जाव सत्थवाहपभिईणं वेयड्ढगिरिसा(य)गरपेरंतस्स य दाहिणड्ढभरहस्स य बारवईए नयरीए आहेवच्चं जाव पालेमाणे विहरइ ॥ ५९ ॥ त(स्स)त्थ णं बारवईए नयरीए थावच्चा नामं गाहावइणी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया । तीसे णं थावच्चाए गाहावइणीए पुत्ते थावच्चापुत्ते नामं सत्थवाहदारए होत्था सुकुमालपाणिपाए जाव सुरूवे । तए णं सा थावच्चा गाहावइणी तं दार(य)गं साइरेगअट्ठवासजा(य)यं जाणित्ता सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेइ जाव भोगसमत्थं जाणित्ता बत्तीसाए इब्भकुलबालियाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेइ बत्तीसओ दाओ जाव बत्तीसाए इब्भकुलबालियाहिं सद्धिं विपुले सद्दफरिसरसरूववण्णगंधे जाव

आघवित्तए वा '४ ताहे अकामिया चेव थावच्चापुत्त(दारग)स्स निक्खमणमणु-मजित्था (णवरं निक्खमणाभिसेय पासामो, तए ण से थावच्चापुत्ते तुसिणीए सचिट्ठइ)। तए ण सा थावच्चा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता महत्थ महग्घ महरिह रा(य)यारिह पाहुड गेण्हइ २ त्ता मित्त जाव सपरिवुडा जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स भवणवरपडिदुवारदेसभाए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पडिहारदेसिएण मग्गेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता त महत्थं ४ पाहुड उवणेइ २ त्ता एव वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम एगे पुत्ते थावच्चापुत्ते नाम दारए इट्ठे जाव (से ण)ससारभउव्विग्गे (भीए) इच्छइ अरहओ अरिट्ठनेमिस्स जाव पव्वइत्तए। अह ण निक्खमणसक्कार करेमि। इच्छामि ण देवाणुप्पिया ! थावच्चा-पुत्तस्स निक्खममाणस्स छत्तमउडचामराओ य विदिन्नाओ। तए णं कण्हे वासुदेवे थावच्चागाहावइणिं एवं वयासी–अच्छाहि ण तुम देवाणुप्पिए ! सुनिव्वु(या)यवी-सत्था। अह णं सयमेव थावच्चापुत्तस्स दारगस्स निक्खमणसक्कारं करिस्सामि। तए ण से कण्हे वासुदेवे चाउरंगिणीए सेणाए विजय हत्थिरयणं दुरूढे समाणे जेणेव थावच्चाए गाहावइणीए भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थावच्चापुत्त एव वयासी–मा ण तु(मे)म देवाणुप्पिया ! मुडे भवित्ता पव्वयाहि, भुंजाहि ण देवाणुप्पिया ! विउले माणुस्सए कामभो(ए)गे मम वाहुच्छायापरिग्गहिए, केवल देवाणुप्पियस्स (अह) नो सचाएमि वाउकाय उवरिमेणं गच्छमाग निवारित्तए, अन्ने ण देवाणुप्पियस्स ज किंचि(वि) आवाह वा वि(वा)वाहं वा उप्पाएइ त सव्व निवारेमि। तए ण से थावच्चा-पुत्ते कण्हेण वासुदेवेण एव वुत्ते समाणे कण्ह वासुदेव एव वयासी–जइ ण (तुम)देवाणु प्पिया ! मम जीवियतकरण मच्चुं एज्जमाण निवारेसि जरं वा सरीररूवविणा(सि)सणिं सरीरं अइवयमाणिं निवारेसि तए णं अह तव वाहुच्छायापरिग्गहिए विउले माणुस्सए कामभोगे भुजमाणे विहरामि। तए ण से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तेण एव वुत्ते समाणे थावच्चापुत्त एवं वयासी–एए ण देवाणुप्पिया ! दुरइक्कमणिज्जा, नो खलु सक्का सुवलिएणावि देवेण वा दाणवेण वा निवारित्तए नन्नत्थ अप्पणो कम्मक्खएण। तए ण से थावच्चापुत्ते कण्ह वासुदेवं एवं वयासी–जइ णं एए दुरइक्कमणिज्जा नो खलु सक्का सुवलिएणावि देवेण वा दाणवेण वा निवारित्तए नन्नत्थ अप्पणो कम्मक्खएणं तं इच्छामि ण देवाणुप्पिया ! अन्नाणमिच्छत्तअविरइकसायसचियस्स अत्तणो कम्मक्खय करित्तए। तए ण से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तेण एव वुत्ते समाणे कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–गच्छह ण देवाणुप्पिया ! वारवईए नयरीए सिंघाडगति(य)ग जाव पहेसु (य) हत्थिखधवरगया महया २ सद्दणं उग्घोसेमाणा

गामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव सोगंधिया नयरी जेणेव नीलासोए उज्जाणे तेणेव समोसढे) थावच्चापुत्तस्स समोसरणं। परिसा निग्गया। सुदंसणो वि णिग्ग(ए)ओ थावच्चापुत्तं (णामं अणगारं था) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-तुम्हाणं किंमूलए धम्मे पन्नत्ते?। तए णं [से] थावच्चापुत्ते सुदंसणेणं एवं वुत्ते समाणे सुदंसणं एवं वयासी-सुदंसणा! विणयमूले धम्मे पन्नत्ते। से वि य विणए दुविहे पन्नत्ते तंजहा अगारविणए(य) अणगारविणए य। तत्थ णं जे से अगारविणए से णं पंच अणुव्वयाइं सत्त सिक्खावयाइं एक्कारस उवासगपडिमाओ। तत्थ णं जे से अणगारविणए से णं पंच महव्वयाइं तंजहा-सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं सव्वाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं सव्वाओ राईभोयणाओ वेरमणं जाव मिच्छादंसणसल्लाओ वेरमणं दसविहे पच्चक्खाणे बारस भिक्खुपडिमाओ इच्चेएणं दुविहेणं विणयमूलएणं धम्मेणं आणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपयडीओ खवेत्ता लोयग्गपइट्ठा(णे)णा भवंति। तए णं थावच्चा-पुत्ते सुदंसणं एवं वयासी-तु(म्हे)म्हं णं सुदंसणा! किंमूलए धम्मे पन्नत्ते? अम्हाणं देवाणुप्पिया! सोयमू(ले)लए धम्मे पन्नत्ते जाव सग्गं गच्छंति। तए णं थावच्चापुत्ते सुदंसणं एवं वयासी-सुदंसणा! से जहानामए केइ पुरिसे एगं महं रुहिरकयं वत्थं रुहिरेण चेव धोवेज्जा तए णं सुदंसणा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण (चेव) पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि काइ सोही? णो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव सुदंसणा! तुब्भंपि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं नत्थि सोही जहा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं चेव पक्खालिज्जमाणस्स नत्थि सोही। सुदंसणा! से जहानामए केइ पुरिसे एगं महं रुहिरकयं वत्थं सज्जियाखारेणं अणुलिंपइ २ त्ता पयणं आ(रु)रोहेइ २ त्ता उण्हं गाहेइ २ त्ता तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा धोवेज्जा से णूणं सुदंसणा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स सज्जियाखारेण अणुलित्तस्स पयणं आरोहियस्स उण्हं गाहियस्स सुद्धेणं वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स सोही भवइ? हंता भवइ। एवामेव सुदंसणा! अम्हंपि पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं अत्थि सोही जहा(वि) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स जाव सुद्धेणं वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि सोही। तत्थ णं (से) सुदंसणे संबुद्धे थावच्चापुत्तं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! धम्मं सोच्चा जाणित्तए जाव समणोवासए जाए अभि-गयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ। तए णं तस्स सुयस्स परिव्वायगस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु सुदंसणेणं सोयधम्मं विप्पजहाय विणयमूले धम्मे पडिवन्ने। तं सेयं खलु मम

होत्था उप्पत्तियाए ४ (चउब्विहाए बुद्धीए) उववेया (रज्जधुरचिंतयाति होत्था) रज्जधुरं चिंतयंति। (तए णं) थावच्चापुत्ते (णामं अणगारे सहस्सेणं अणगारेण सद्धिं जेणेव) सेलगपुरे (जेणेव सुभूमिभागे नाम उज्जाणे तेणेव) समोसढे। राया निग्गए (धम्मो कहिओ) धम्मकहा। धम्मं सोच्चा जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे उग्गा भोगा जाव चइत्ता हिरण्णं जाव पव्वइया तहा णं अहं नो संचाएमि पव्वइत्तए। अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव समणोवासए जा(य)ए अहिगयजीवाजीवे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। पंथगपामोक्खा पंच मंतिसया य समणोवासया जाया। थावच्चापुत्ते बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सोगंधिया नामं नयरी होत्था वण्णओ। नीलासोए उज्जाणे वण्णओ। तत्थ णं सोगंधियाए नयरीए सुदंसणे नामं नयरसेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए। तेणं कालेणं तेणं समएणं सुए नामं परिव्वायए होत्था रिउव्वेयज(उ)जुव्वेयसामवेयअथव्वणवेयसट्ठितंतकुसले संखसमए लद्धट्ठे पंच(जा)जमपंचनियमजुत्तं सोयमू(लय)लं दसप्पयारं परिव्वायगधम्मं दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणे पन्नवेमाणे (परूवेमाणे) धाउरत्तवत्थपवरपरिहिए तिदंडकुंडियछत्तछला-(लि)लयअंकुसपवित्तयकेसरिहत्थगए परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव सोगंधिया नयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता परिव्वायगावसहंसि भंडगनिक्खेवं करेइ २ त्ता संखसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं सोगंधियाए नगरीए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ-एवं खलु सुए परिव्वायए इह(हव्व)मागए जाव विहरइ। परिसा निग्गया। सुदंसणो वि निग्गए। तए णं से सुए परिव्वायए तीसे परिसाए सुदंसणस्स(य) अन्नेसिं च बहूणं संखाणं (धम्मं) परिकहेइ-एवं खलु सुदंसणा! अम्हं सोयमूलए धम्मे पन्नत्ते। से वि य सोए (धम्मे) दुविहे पन्नत्ते तं जहा-दव्वसोए य भावसोए य। दव्वसोए य उदएणं मट्टियाए य। भावसोए दब्भेहि य मंतेहि य। जं णं अम्हं देवाणुप्पिया! किंचि असुई भवइ तं सव्वं स(ज्जो)ज्जपुढवीए आलि(प्पइ)म्पइ तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा पक्खालिज्जइ तओ तं असुई सुई भवइ। एवं खलु जीवा जलाभिसेयपूयप्पाणो अविग्घेणं सग्गं गच्छंति। तए णं से सुदंसणे सुयस्स अंतिए धम्मं सोच्चा हट्ठे सुयस्स अंतियं सोयमूलयं धम्मं गेण्हइ २ त्ता परिव्वायए विउलेणं असणेणं ४ वत्थ० पडिलाभेमाणे जाव विहरइ। तए णं से सुए परिव्वाय(गवसहाओ)गे सोगंधियाओ नयरीओ निग्गच्छइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं (थावच्चापुत्ते णामं अणगारे सहस्सेणं अणगारेण सद्धिं पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणु-

सुदसणस्स दिट्ठिं वामेत्तए पुणरवि सोयमूलए धम्मे आघवित्तए-त्तिकट्टु एव सपेहेइ २ त्ता परिव्वायगसहस्सेण सद्धिं जेणेव सोगधिया नयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता परिव्वायगावसहसि भंडनिक्खेवं करेइ २ त्ता धाउरत्तव त्थ[पवर]परिहिए पविरलपरिव्वायगेणं सद्धिं सपरिवुडे परिव्वायगावसहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सोगधियाए नयरीए मज्झमज्झेण जेणेव सुदसणस्स गिहे जेणेव सुदसणे तेणेव उवागच्छइ। तए ण से सुदसणे त सुय एज्जमाण पासइ २ त्ता नो अब्भुट्ठेइ नो पच्चुग्गच्छइ नो आढाइ नो परियाणाइ नो वदइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से सुए परिव्वायए सुदंसणं अ(ण)णुब्भुट्ठिय पासित्ता एव वयासी-तु(म)ब्भे ण सुदंसणा! अन्नया मम एज्जमाण पासित्ता अब्भुट्ठेसि जाव वदसि, इयाणिं सुदसणा! तुम मम एज्जमाण पासित्ता जाव नो वदसि, त कस्स ण तुमे सुदसणा! इमेयारूवे विणयमू(ल)ले धम्मे पडिवन्ने? । तए ण से सुदसणे सुएण परिव्वाय(ए)गेण एव वुत्ते समाणे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता करयल जाव सुय परिव्वायग एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया! अरहओ अरिट्ठनेमिस्स अतेवासी थावच्चापुत्ते नाम अणगारे जाव इहमागए इह चेव नीलासोए उज्जाणे विहरइ, तस्स ण अतिए विणयमूले धम्मे पडिवन्ने। तए ण से सुए (परिव्वायए) सुदसण एव वयासी-त गच्छामो ण सुदसणा! तव धम्मायरियस्स थावच्चापुत्तस्स अतिय पाउब्भवामो इमाइ च ण एयारूवाइ अट्ठाइ हेऊइ पसिणाइ कारणाइं वागरणाइ पुच्छामो। त जइ(ण) मे से इमाइ अट्ठाइ जाव वागरइ त(ए)ओ ण (अह) वदामि नमसामि। अह मे से इमाइ अट्ठाइं जाव नो से वागरेइ तओ ण अह एएहिं चेव अट्ठेहिं हेऊहिं निप्पट्ठपसिणवागरण करिस्सामि। तए ण से सुए परिव्वायगसहस्सेण सुदसणेण य सेट्ठिणा सद्धिं जेणेव नीलासोए उज्जाणे जेणेव थावच्चापुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थावच्चापुत्त एवं वयासी-जत्ता ते भते! जवणिज्जं ते अव्वाबाह(पि ते) फासु(य)यविहारं(ते)? । तए णं से थावच्चापुत्ते सुएण (परिव्वायगेण) एव वुत्ते समाणे सुय परिव्वायग एव वयासी-सुया! जत्तावि मे जवणिज्जपि मे अव्वाबाहपि मे फासु(य)विहारंपि मे। तए ण (से) सुए थावच्चापुत्त एवं वयासी-किं भते! जत्ता? सुया! ज ण मम नाणदसणचरित्ततवसजममाइएहिं जोएहिं जो(ज)यणा से त जत्ता। से किं त भंते! जवणिज्ज? सुया! जवणिज्जे दुविहे पन्नत्ते तजहा-इंदियजवणिज्जे य नोइंदियजवणिज्जे य। से किं त इंदियजवणिज्ज? सुया! जं ण म(म)मं सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइ निरुवहयाइ वसे वट्टति से तं इंदियजवणि(ज्ज)ज्जे। से किं त नोइंदियजवणिज्जे? सुया! ज ण कोहमाणमायालोभा खीणा उवसंता नो उदयंति से तं नोइंदियजवणिज्जे। से किं तं भते!

गइया पाउणिया उक्खित्तपुव्वा भवइ एवं निक्खित्तपुव्वा भवइ परिभाइयपुव्वा भवइ परिभुत्तपुव्वा भवइ परिट्ठवियपुव्वा भवइ एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरेति ? हंता भवइ ॥ ५८० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा खुड्डियाओ खुड्डुवारियाओ नीयाओ संनिरुद्धाओ भवंति तहप्पगारे उवस्सए राओ वा वियाले वा निक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण वा पच्छा पाएण वा तओ संजयामेव निक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा केवली बूया आयाणमेयं जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्तए वा मत्तए वा दंडए वा लट्ठिया वा भिसिया वा नालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्मछेयणए वा दुब्बद्धे दुन्निक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले वा निक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलमाणे वा पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं वा लूसेज्ज वा पाणाणि वा जाव सत्ताणि वा अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए पुरा हत्थेणं पच्छा पाएणं तओ संजयामेव निक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ५८१ ॥ से आगंतारेसु वा अणुवीइ उवस्सयं जाएज्जा जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते उवस्सयं अणुन्नवेज्जा कामं खलु आउसो अहालंदं अहापरिन्नायं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स उवस्सए जाव साहम्मियाए तओ उवस्सयं गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥५८२॥ से भिक्खू वा (२) जस्सुवस्सए संवसिज्जा तस्स पुव्वामेव नामगोत्तं जाणिज्जा तओ पच्छा तस्स गिहे निमंतेमाणस्स अनिमंतेमाणस्स वा असणं वा (४) अफासुयं जाव नो पडिग्गाहिज्जा ॥ ५८३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं नो पन्नस्स निक्खमणपवेसाए, नो पन्नस्स वायण जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए नो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ५८४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथए पडिबद्धं नो पन्नस्स निक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे उवस्सए नो ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ५८५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अन्नमन्नमक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा नो पन्नस्स जाव चिंताए सेवं नच्चा तहप्पगारे उवस्सए नो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ५८६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अन्नमन्नस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा नवणीएण वा

धम्मं निसामित्तए । धम्मकहा भाणियव्वा । तए णं से सुए परिव्वायए थावच्चा-पुत्तस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! परिव्वायग-सहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता पव्वइत्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! जाव उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए ति(उ)दंडयं जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ २ त्ता सयमेव सिहं उप्पाडेइ २ त्ता जेणेव थावच्चापुत्ते २ तेणेव उवागच्छइ जाव मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सामाइयमाइयाइं (इक्कारस अंगाइं) चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ । तए णं थावच्चापुत्ते सुयस्स अणगार (स्स) सहस्सं सीसत्ताए वियरइ । तए णं थावच्चापुत्ते सोगंधियाओ (नयरीओ) नीलासोयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव पुंडरी(ए)यपव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुंडरीयं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता मेघघणसन्निगासं देवसन्निवायं पुढविसिलापट्टयं जाव पाओवगमणं (ण)णुवन्ने । तए णं से थावच्चापुत्ते बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए जाव केवलवरनाणदंसणं समुप्पाडेत्ता तओ पच्छा सिद्धे जाव प्पहीणे ॥६२॥ तए णं से सुए अन्नया कयाइ जेणेव सेलगपुरे नगरे जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे (समोसरणं) तेणेव समोसरिए परिसा निग्गया सेलओ निग्गच्छइ धम्मं सोच्चा जं नवरं देवाणुप्पिया ! पंथगपामोक्खाइं पंच मंतिसयाइं आपुच्छामि मंडुयं च कुमारं रज्जे ठावेमि तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि । अहासुहं । तए णं से सेलए राया सेलगपुरं नगरं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहास(ण)णे सन्निसण्णे । तए णं से सेलए राया पंथ(य)गपामोक्खे पंच मंतिसए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए सुयस्स अंतिए धम्मे निसंते से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, अहं णं देवाणुप्पिया ! संसारभ(य)उव्विग्गे जाव पव्वयामि, तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! किं करेह किं व(से)वसह किं वा (ते) भे हियइच्छिए सामत्थे ? । तए णं ते पंथगपामोक्खा सेलगं रायं एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संसारं जाव पव्वयह अम्हाणं देवाणुप्पिया ! (किमण्णे)को अन्ने आधारे वा आलंबे वा अम्हे वि य णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा जाव पव्वयामो, जहा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य जाव तहा णं पव्वइयाण वि समाणाणं बहूसु जाव चक्खुभूए । तए णं से सेलगे पंथगपामोक्खे पंच मंतिसए एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संसारं जाव पव्वयह तं गच्छह णं देवाणुप्पिया ! सएसु २ कुडुंबेसु जे(जे)ट्ठपुत्ते कुडुंबमज्झे ठावेत्ता

पुरिससहस्सवाहिणी[या]ओ सीयाओ दुरूढा समाणा मम अंतियं पाउब्भवह(त्ति)। तहेव पाउब्भवंति। तए णं से सेलए राया पंच मंतिसयाइं पाउब्भवमाणाइं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! मंडुयस्स कुमारस्स महत्थं जाव रायाभिसेयं उवट्ठवेह जाव अभिसिंचइ जाव राया जाए (जाव) विहरइ। तए णं से सेलए मंडुयं रायं आपुच्छइ। तए णं (से) मंडुए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव सेलगपुरं नयरं आसिय जाव गंध वट्टिभूयं करेह(य) कारवेह य क २ त्ता ए(य)माणत्तियं पच्चप्पिणइ। तए णं से मंडुए दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव सेलगस्स रण्णो महत्थं जाव निक्खमणाभिसेयं जहेव मेहस्स तहेव नवरं पउमावई-देवी अग्गकेसे पडिच्छइ सव्वेवि पडिग्गहं गहाय सीयं दुरूहंति अवसेसं तहेव जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विहरइ। तए णं से सुए सेलग(य)स्स अणगारस्स ताइं पंथगपामोक्खाइं पंच अणगारसयाइं सीसत्ताए वियरइ। तए णं से सुए अन्नया कयाइं सेलगपुराओ नगराओ सुभूमिभागाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तए णं से सुए अणगारे अन्नया कयाइं तेणं अणगारसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं विहरमाणे जेणेव पु(पो)ण्डरीयपव्वए तेणेव उवागच्छइ जाव सिद्धे ॥ ६१ ॥ तए णं तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स तेहिं अंतेहि य पंतेहि य तुच्छेहि य लूहेहि य अरसेहि य विरसेहि य सीएहि य उण्हेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य निच्चं पाणभोयणेहि य पयइ सुकुमाल(य)स्स य सुहोचियस्स सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा कंडु(य)दाहपित्तज्जरपरिगयसरीरे यावि विहरइ। तए णं से सेलए तेणं रो(या)यंकेणं सु(सु)क्के जाए यावि होत्था। तए णं [से] सेलए अन्नया कयाइं पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव सुभूमिभागे जाव विहरइ। परिसा निग्गया मंडुओऽवि निग्गओ सेल(गं)यं अणगारं (जाव) वंदइ जाव पज्जुवासइ। तए णं से मंडुए राया सेलगस्स अणगारस्स सरीर(गं)यं सुक्कं जाव सव्वाबाहं सरोगं पासइ २ त्ता एवं वयासी-अहं णं भंते! तुब्भं अहाप(वि)त्तेहिं तिगिच्छिएहिं अहापवत्तेणं ओसहभेसज(भत्त)पाण तिगिच्छं आउट्टावेमि। तुब्भे णं भंते! मम जाणसालासु समोसरह फासु-(ए)एसणिज्जं पीढफलगसेज्जासंथारगं ओगिण्हित्ताणं विहरह। तए णं से सेलए अणगारे मंडुयस्स रण्णो एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ। तए णं से मंडुए सेलगं वंदइ नमंसइ वं २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं से सेलए कल्लं जाव जलंते सभंडमत्तोवगरणमायाए पंथगपामोक्खेहिं पंचहिं अणगारसएहिं

सद्धिं सेलगपुरमणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव मडुयस्स जाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फासुय पीढ जाव विहरइ। तए ण से मंडुए (राया) ति(चि)गिच्छिए सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! सेलगस्स फासुएसणिज्जेण जाव ति(ते)गिच्छ आ(उट्टे)उटेह। तए ण तिगिच्छया मडुएण रन्ना एव वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा सेलगस्स (रायरिसिस्स) अहापवत्तेहिं ओसहभेसज्जभत्तपाणेहिं तिगिच्छं आउट्टेंति। तए ण तस्स सेलगस्स अहापवत्तेहिं ओसहभेसज्जभत्तपाणेहिं से रोगायंके उवसते जाए यावि होत्था हट्ठे (जाव) बलियसरीरे जाए ववगयरोगायके। तए ण से सेलए तसि रोयातकसि उवसतंसि समाणसि तसि विपुलंसि असणंसि ४ मुच्छिए गढिए गिद्धे अज्झोववन्ने ओसन्ने ओसन्नविहारी एव पासत्थे २ कुसीले २ पमत्ते २ ससत्ते २ उउबद्धपीढफलगसेज्जासथारए पमत्ते यावि विहरइ नो सचाएइ फासुए-सणिज्ज पीढ पच्चप्पिणित्ता मडुय च राय आपुच्छित्ता बहिया जाव विहरित्तए॥६४॥ तए ण तेसिं पथगवज्जाण पंचण्ह अणगारसयाण अन्नया कयाइ एगयओ सहियाण जाव पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि धम्मजागरिय जागरमाणाण अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु सेलए रायरिसी चइत्ता रज्ज जाव पव्वइए विउले (ण) असणे ४ मुच्छिए ४ नो सचाएइ चइउ जाव विहरित्तए। नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया ! समणाण जाव पमत्ताणं विहरित्तए। त सेय खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं कल्लं सेलग रायरिसिं आपुच्छित्ता पाडिहारिय पीढफलगसेज्जासथार(ग)य पच्चप्पिणित्ता सेलगस्स अणगारस्स पंथयं अणगार वेयावच्चकरं ठा(ठ)वेत्ता बहिया अब्भुज्जएण जाव विहरित्तए। एव सपेहेंति २ त्ता कल्ल जेणेव सेल(ए)गरायरिसी० आपुच्छित्ता पाडि-हारिय पीढफलग जाव पच्चप्पिणति २ त्ता पथय अणगार वेयावच्चकरं ठावेंति २ त्ता बहिया जाव विहरंति॥६५॥ तए ण से पंथए सेलगस्स सेज्जासथारउच्चारपासवणखेल-सिंघाणमलाओ ओसहभेसज्जभत्तपाणएण अगिलाए विणएण वेयावडियं करेइ। तए णं से सेलए अन्नया कयाइ कत्तियचाउम्मासियसि विउलं असणं ४ आहारमाहारिए पुव्वावरण्हकालसमयसि सुहप्पसुत्ते। तए ण से पथए कत्तियचाउम्मासियसि कय-काउस्सग्गे देवसियं पडिक्कमण पडिक्कते चाउम्मासिय पडिक्कमि(उ)उकामे सेलग रायरिसिं खामणट्ठयाए सीसेणं पाएसु सघट्टेइ। तए ण से सेलए पथएण सीसेणं पाएसु सघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे उट्ठेइ २ त्ता एव वयासी–से केस णं भो एस अपत्थियपत्थिए जाव वज्जिए जे णं ममं सुहपसुत्तं पाएसु सघट्टेइ ?, तए ण से पथए सेलएण एवं वुत्ते समाणे भीए तत्थे तसिए करयल जाव कट्टु एव वयासी–अह णं भंते ! पंथए कयकाउस्सग्गे देवसियं पडिक्कमणं पडिक्कते (चाउम्मासियं

पडिक्कंते) चाउम्मासियं खामेमाणे देवाणुप्पियं वंदमाणे सीसेणं पाएसु संघट्टेमि। तं खामेमि णं तुब्भे देवाणुप्पिया! खमंतु मे अवराहं तुमं णं देवाणुप्पिया! णाइभुज्जो एवं करणयाए—त्तिकट्टु सेलयं अणगारं एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेइ। तए णं तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स पंथएणं एवं वुत्तस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं रज्जं च जाव ओसन्नो जाव उउबद्धपीढ विहरामि। तं नो खलु कप्पइ समणाणं २ पासत्थाणं जाव विहरित्तए। तं सेयं खलु मे कल्लं मंडुयं रायं आपुच्छित्ता पाडिहारियं पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणित्ता पंथएणं अणगारेणं सद्धिं बहिया अब्भुज्जएणं जाव जणवयविहारेणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव विहरइ ॥ ६६ ॥ एवामेव समणाउसो! जाव निग्गंथो वा २ ओसन्ने जाव संथारए पमत्ते विहरइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे संसारो भाणियव्वो। तए णं ते पंथगवज्जा पंच अणगारसया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–[एवं खलु] सेलए रायरिसी पंथएणं बहिया जाव विहरइ। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं सेलयं [रायरिसिं] उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेंति २ त्ता सेलगं रायरिसिं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति ॥ ६७ ॥ तए णं (ते सेलगपामोक्खा) से सेलए रायरिसी पंथगपामोक्खा पंच अणगारसया बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव पुंडरीए पव्वए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जहेव थावच्चापुत्ते तहेव सिद्धा ४। एवामेव समणाउसो! जो निग्गंथो वा २ जाव विहरिस्सइ। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ ६८ ॥ गाहा–सिढिलियसंजमकज्जा वि होइउं उज्जमंति जइ पच्छा। संवेगाओ तो सेलओ व्व आराहया होंति ॥ १ ॥ पंचमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं १ जाव संपत्तेणं पंचमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते छट्ठस्स णं भंते! णायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (णामं णयरे होत्था। तत्थ णं रायगिहे णयरे सेणिए णामं राया होत्था। तस्स णं रायगिहस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं गुणसिलए णामं उज्जाणे होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव गुणसिलए उज्जाणे तेणेव समोसढे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ) समोसरणं परिसा निग्गया (सेणिओ वि निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा पडिगया)। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स

जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नाम अणगारे अदूरसामंते जाव झाणकोट्ठोवगए विहरइ। तए णं से इंदभूई जायसड्ढे जाव एवं वयासी–कहं णं भंते! जीवा ग(गु)रुयत्तं वा लहुयत्तं वा हव्वमागच्छंति? गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे एगं महं सुक्कं तुंबं निच्छि(ड्ड)ड्डं निरुवहयं दब्भे(हिं)हि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेण लिंपइ २ त्ता उण्हे दलयइ २ त्ता सुक्कं समाणं दोच्चंपि दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेण लिंपइ २ त्ता उण्हे दलयइ २ त्ता सु(सु)क्के समा(ण)णे तच्चंपि दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेण लिंपइ। एवं खलु एएण उवाएण (अंतरा) अंतरा वेढेमाणे अंतरा लिंप्प(लिंपे)माणे अंतरा सु(स)क्कवेमाणे जाव अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं आलिंपइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरिसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा। से नूणं गोयमा! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं गुरुययाए भारि(य)याए गुरुयभारिययाए उप्पिं सलिलमइवइत्ता अहे धरणियलपइट्ठाणे भवइ। एवामेव गोयमा! जीवावि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ समज्जि(णंति)णित्ता तासिं गरुययाए भारिययाए गरुयभारिययाए (एवामेव) कालमासे कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे नरगतलपइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयमा! जीवा गुरुयत्तं हव्वमागच्छंति। अहे णं गोयमा! से तुंबे तंसि पढमिल्लुगंसि मट्टियालेवंसि तिन्नंसि कुहियंसि परिसडियंसि ईसिं धरणियलाओ उप्पइत्ताणं चिट्ठइ। तयाणंतरं (च णं) दोच्चंपि मट्टियालेवे जाव उप्पइत्ताणं चिट्ठइ। एवं खलु एएणं उवाएणं तेसु अट्ठसु मट्टियालेवेसु तिन्नेसु जाव विमुक्कबंधणे अहे-धरणियलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ। एवामेव गोयमा! जीवा पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ खवेत्ता गगणतलमुप्पइत्ता उप्पिं लोयग्गपइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयमा! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ६९ ॥ **गाहाउ**–जह मिउलेवालित्तं गरुयं तुंबं अहो वयइ एवं। आसव कयकम्मगुरू जीवा वच्चंति अहरगइं ॥ १ ॥ तं चेव तव्विमुक्कं जलोवरिं ठाइ जायलहुभावं। जह तह कम्मविमुक्का लोयग्गपइट्ठिया होंति ॥ २ ॥ **छट्ठं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते सत्तमस्स णं भंते! नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था। (तत्थ णं रायगिहे नयरे सेणिए नामं राया होत्था, तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए)

सुभूमिभागे उज्जाणे (होत्था)। तत्थ णं रायगिहे णयरे ध(ध)ण्णे णामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए। (तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स) भद्दा (णामं) भारिया (होत्था) अहीणपंचिंदियसरीरा जाव सुरूवा। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पुत्ता भद्दाए भारियाए अत्तया चत्तारि सत्थवाहदारगा होत्था तंजहा–धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स चउण्हं पुत्ताणं भारियाओ चत्तारि सुण्हाओ होत्था तंजहा–उज्झिया भोगवइया रक्खिया रोहिणिया। तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स अण्णया कयाई पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं रायगिहे णयरे बहूणं राईसरतलवर जाव पभिईणं सयस्स कुडुंबस्स बहूसु कज्जेसु य कारणे(ज्जि)सु य कोडुंबेसु य मंतणेसु य गुज्झेसु रहस्सेसु निच्छएसु ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमा(णे)णं आहारे आलंबणे चक्खू मेढी–पमाणभूए सव्वकज्ज(व)ड्ढावए। त ण णज्ज(इ) णं मए गयंसि वा चुयंसि वा मयंसि वा भग्गंसि वा लुग्गंसि वा सडियंसि वा पडियंसि वा विदेस(त्थंसि)त्थंसि य विप्पवसियंसि वा इमस्स कुडुंबस्स(कि) के मन्ने आहारे वा आलंबे वा पडिबंधे वा भविस्सइ। तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते विउलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता मित्तणाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं आमंतेत्ता तं मित्तणाइणियगसयण चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं विउलेणं असणेणं ४ धूवपुप्फवत्थगंध जाव सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तणाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स (य) पुरओ चउण्हं सुण्हाणं परिक्खणट्ठयाए पंच २ सालिअक्खए दलइत्ता जाणामि ताव का किं(हं)वा सारक्खेइ वा संगोवेइ वा संवड्ढेइ वा। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव मित्तणाइ चउण्हं सुण्हाणं कुलघरवग्गं आमंतेइ २ त्ता विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ तओ पच्छा ण्हाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए (तं) मित्तणाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गेणं सद्धिं तं विउलं असणं ४ जाव सक्कारेइ सम्माणेइ स २ त्ता तस्सेव मित्तणाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स (य) पुरओ पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जे(जे)ट्ठं सु(ण्हा)ण्हं उज्झिय(या)णं (तं) सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं णं पुत्ता! मम हत्थाओ इमे पंच सालिअक्खए गेण्हाहि २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी विहराहि। जया णं अहं पुत्ता! तुमं इमे पंच सालिअक्खए जाएज्जा तया णं तुमं मम इमे पंच सालिअक्खए पडि(नि)ज्जाएज्जासि–त्तिकट्टु सुण्हाए हत्थे दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सा उज्झिया धण्णस्स तह त्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए

गेण्हइ २ त्ता एगंतमवक्कमइ एगंतमवक्कमियाए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्प-ज्जित्था-एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि बहवे पल्ला सालीणं पडिपुण्णा चिट्ठंति, तं जया णं मम(म)म ताओ इमे पंच सालिअक्खए जाए(ज्ज)इ तया णं अहं पल्लंतराओ अन्ने पंच सालिअक्खए गहाय दाहामि-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ते पंच सालिअ-क्खए एगंते एडेइ २ त्ता सकम्मसंजुत्ता जाया यावि होत्था। एवं भोगवइयाए वि नवरं सा छो(छि)ल्लेइ २ त्ता अणुगिलइ २ त्ता सकम्मसंजुत्ता जाया यावि होत्था। एवं रक्खिया वि नवरं गेण्हइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु मम ताओ इमस्स मित्तनाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ सद्दावेत्ता एवं वयासी-तुमं णं पुत्ता! मम हत्थाओ जाव पडिनिज्जाएज्जासि-त्तिकट्टु मम हत्थंसि पंच सालिअक्खए दलयइ, तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ते पंच सालिअक्खए सुद्धे वत्थे बंधइ २ त्ता रयणकरंडियाए पक्खि(वे)वइ २ त्ता ऊ(ऊ)-सीसामूले ठावेइ २ त्ता तिसंझं पडिजागरमाणी २ विहरइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे त(स्से)हेव मित्त जाव चउत्थिं रोहिणीयं सुण्हं सद्दावेइ २ त्ता जाव तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं (त) तिकट्टु सेयं खलु मम एए पंच सालिअक्खए सारक्खे-माणीए संगोवेमाणीए संवड्ढेमाणीए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कुलघरपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! एए पंच सालिअक्खए गेण्हह २ त्ता पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि समाणंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेह २ त्ता इमे पंच सालिअक्खए वावेह २त्ता दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयनि(क्ख)हए करेह २ त्ता वाडिपक्खेवं करेह २ त्ता सारक्खमाणा संगोवेमाणा आणुपुव्वेण संवड्ढेह। तए णं ते कोडुंबिया रोहिणीए एयमट्ठं पडिसुणंति (२ त्ता) ते पंच सालिअक्खए गेण्हंति २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खंति संगोविंति (विहरंति)। तए णं ते कोडुंबिया पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि समाणंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेंति २ त्ता ते पंच सालिअक्खए ववंति २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयनिहए करेंति २ त्ता वाडिपरिक्खेवं करेंति २ त्ता अणुपुव्वेण सारक्खेमाणा संगोवेमाणा संवड्ढेमाणा विहरंति। तए णं ते साली (अक्खए) अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा संवड्ढिज्जमाणा साला जाया किण्हा किण्होभासा जाव निउरंबभूया पासाईया ४। तए णं ते साली पत्तिया वत्तिया गब्भिया पसू[इ]या आगयगंधा खीराइया बद्धफला पक्का परियागया सल्लइया पत्तइया हरियपव्वकंडा जाया यावि होत्था। तए णं ते कोडुंबिया ते साली(ए) पत्तिए जाव सल्लइ(ए)यपत्तइए जाणित्ता तिक्खेहिं नवपज्जणएहिं असि(य)एहिं लुणंति २ त्ता करयलमलिए करेंति २ त्ता

पुणंति। तत्थ णं चोक्खाणं सू[इ]याणं अक्खंडाणं अ(फो)डियाणं छ(ड्ड)छड्डा-पूयाणं सालीणं मागहए पत्थए जाए। तए णं ते कोडुंबिया ते साली नवएसु घडएसु पक्खिवंति २ त्ता उ(वलिं)पिंति २ त्ता लंछियमुद्दिए करेंति २ त्ता कोट्ठागारस्स एगदेसंसि ठावेंति २ त्ता सारक्खमाणा संगोवेमाणा विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया दोच्चंसि वासारत्तंसि पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेंति २ त्ता ते साली ववंति दोच्चंपि (तच्चंपि) उक्खयनिहए जाव लुणेंति जाव चलणतलमलिए करेंति २ त्ता पुणंति। तत्थ णं सालीणं बहवे कुडवा जाव एगदेसंसि ठावेंति २ त्ता सारक्खमाणा संगोवेमाणा विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया तच्चंसि वासारत्तंसि महावुट्ठिकायंसि निवइयंसि बहवे केयारे सुपरिकम्मिए जाव लुणेंति २ त्ता संवहंति २ त्ता खलयं करेंति २ त्ता मलेंति जाव बहवे कुंभा जाया। तए णं ते कोडुंबिया साली कोट्ठागारंसि प(क्खि)वंति जाव विहरंति। चउत्थे वासारत्ते बहवे कुंभसया जाया। तए णं तस्स धण्णस्स पंचमयंसि संवच्छरंसि परिणममाणंसि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु म(म)ए इओ अईए पंचमे संवच्छरे चउण्हं सुण्हाणं परिक्खणट्ठयाए ते पंच २ सालिअक्खया हत्थे दिन्ना तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते पंच सालिअक्खए परिजाइत्तए जाव जाणामि(ताव) काए किहं सारक्खिया वा संगोविया वा संवड्ढिया (जाव त्तिकट्टु) वा एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते विउलं असणं ४ मित्तनाइनियग चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं जाव सम्माणित्ता तस्सेव मित्त चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स पुरओ जेट्ठं उज्झि(य)यं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अहं पुत्ता! इओ अईए पंचमंसि संवच्छरंसि इमस्स मित्त चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ तव हत्थंसि पंच सालिअक्खए दलयामि जया णं अहं पुत्ता! एए पंच सालिअक्खए जाएज्जा तया णं तुमं मम इमे पंच सालिअक्खए पडिनिज्जाएसि-त्तिकट्टु (तं हत्थंसि दलयामि)। से नूणं पुत्ता! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। तं णं [तुमं] पुत्ता! मम ते सालिअक्खए पडिनिज्जाए(हि)त्ति। तए णं सा उज्झि(इ)या एयमट्ठं धण्णस्स पडिसुणेइ त्ता जेणेव कोट्ठागारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पल्लाओ पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता (धण्णं सत्थवाहं) एवं वयासी—एए णं ते पंच सालिअक्खए-त्तिकट्टु धण्णस्स हत्थंसि ते पंच सालिअक्खए दलयइ। तए णं धण्णे उज्झियं सवहसावियं करेइ २ त्ता एवं वयासी—किं णं पुत्ता! (एए) ते चेव पंच सालिअक्खए उदाहु अन्ने? तए णं उज्झिया धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी—एवं खलु तुब्भे

ताओ ! इओ अईए पंचमे सवच्छरे इमस्स मित्तनाइ० चउण्ह य जाव विहराहि । तए ण अहं तुब्भ एयमट्ठं पडिसुणेमि २ त्ता ते पच सालिअक्खए गेण्हामि एगतमवक्कमामि । तए ण मम इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एव खलु तायाणं कोट्ठागारंसि जाव सकम्मसजुत्ता, त नो खलु ता(ओ)या ! ते चेव पच सालिअक्खए एए ण अन्ने । तए णं से धण्णे उज्झि[इ]याए अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे उज्झिइय तस्स मित्तनाइ० चउण्ह सुण्हाण कुलघरवग्गस्स य पुरओ तस्स कुलघरस्स छारुज्झियं च छाणुज्झियं च कयवरुज्झियं च सपु(समु)च्छियं च सम्मज्जिअ च पाउवदा(इ)इय च ण्हाणोवदा(ई)इय च वाहिरपेसणका(रिं)रिय [च] ठावेइ । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गथो वा २ जाव पव्वइए पंच य से महव्वयाइ उज्झियाइ भवति से ण इहभवे चेव वहूणं समणाण ४ हीलणिज्जे जाव अणुपरियट्टइस्सइ जहा सा उज्झिया । एव भोगवइयावि नवरं तस्स कुलघरस्स कडितियं च कोट्टतिय च पीसतिय च एव रुंधतिय (च) रंधतिय(च) परिवेसतिय च परिभायतिय च अब्भितरिय च पेसणकारिं महाणसिणिं ठावेइ । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं समणो वा २ पच य से महव्वयाइ फोडियाइ भवति से ण इहभवे चेव वहूण समणाण ४ हीलणिज्जे ४ जाव जहा व सा भोगवइया । एव रक्खिइयावि नवरं जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मजूस विहाडेइ २ त्ता रयणकरडगाओ ते पच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पच सालिअक्खए धण्णस्स हत्थे दलयइ । तए ण से धण्णे (स०) रक्खिइय एवं वयासी–किं ण पुत्ता ! ते चेव एए पच सालिअक्खए उदाहु अन्ने (त्ति)? । तए ण रक्खिइया धण्णं (सत्थवाह) एवं वयासी–ते चेव ताया ! एए पच सालिअक्खया नो अन्ने । कह ण पुत्ता ! ? एव खलु ताओ ! तुब्भे इओ पचममि (सवच्छरे) जाव भवियव्व एत्थ कारणेण–तिकट्टु ते पच सालिअक्खए सुद्धे वत्थे जाव तिसंझ पडिजागरमाणी यावि विहरामि । तओ एएण कारणेण ताओ ! ते चेव (ते) पच सालिअक्खए नो अन्ने । तए ण से धण्णे रक्खिइयाए अति(ए)य एयमट्ठ सोच्चा हट्ठतुट्ठे तस्स कुलघरस्स हिरण्णस्स य कसदूसविपुलधण जाव सावएज्जस्स य भडागारिणिं ठवेइ । एवामेव समणाउसो ! जाव पच य से महव्वयाइ रक्खियाइ भवति से ण इहभवे चेव वहूण समणाणं ४ अच्चणिज्जे जाव जहा सा रक्खि[इ]या । रोहि(णि)णीयावि एव चेव नवरं तुब्भे ताओ ! मम सुबहुयं सगडीसागडं दला(हि)ह जा(जे)ण अह तु(ब्भ)ब्भे ते पच सालिअक्खए पडिनिज्जाएमि । तए ण से धण्णे (सत्थवाहे) रोहिणिं एव वयासी–कह ण तुमं मम

पुत्ता ! ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं निज्जाए(इ)ज्जामि । । तए णं सा रोहिणी धण्णं (सत्थवाहं) एवं वयासी-एवं खलु ताओ ! इओ तुब्भे पंचमे संवच्छरे इमस्स मित्त जाव बहवे कुंभसया जाया तमेव कमेणं एवं खलु ताओ ! तुब्भे ते पंच सालिअक्खए मम(इ)सगडसागडेणं निज्जाएमि । तए णं से धण्णे सत्थवाहे रोहिणीयाए सुबहुं सगडसागडं दलयइ । तए णं रोहिणी सुबहुं सगडसागडं गहाय जेणेव सए कुलघरे तेणेव उवागच्छइ (२ त्ता) कोट्ठागा(रे)रे विहाडेइ २ त्ता पल्ले उब्भिदइ २ त्ता सगडसागडं भरेइ २ त्ता रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ । तए णं रायगिहे नगरे सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नं एवमाइक्खइ ४-धन्ने णं देवाणुप्पिया ! धण्णे सत्थवाहे जस्स णं रोहिणीया सुण्हा (जीए ण) पंच सालिअक्खए सगडसागडिएणं निज्जाएइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं निज्जा(ए)एइ पासइ २ त्ता हट्ठ जाव पडिच्छइ २ त्ता तस्सेव मित्तनाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघर(वग्गस्स)पुरओ रोहिणीयं सुण्हं तस्स कुलघरस्स बहुसु कज्जेसु य जाव रहस्सेसु य आपुच्छणिज्जं जाव वट्टावियं पमाणभूयं ठवेइ । एवामेव समणाउसो ! जाव पंच [से] महव्वयाइं संवड्ढियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं जाव वीइवइस्सइ जहा व सा रोहिणीया । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ७ ॥ गाहाओ-जह सेट्ठी तह गुरुणो जह णाइजणो तहा समणसंघो । जह बहुया तह भव्वा जह सालिकणा तह वयाइं ॥ १ ॥ जह सा उज्झियनामा उज्झियसाली जहत्थमभिहाणा । पेसणगारित्तेणं असंखदुक्खक्खणी जाया ॥ २ ॥ तह भव्वो जो कोई संघसमक्खं गुरुविदिण्णाइं । पडिवज्जिउं समुज्झइ महव्वयाइं महामोहा ॥ ३ ॥ सो इह चेव भवंमी जणाण धिक्कारभायणं होइ । परलोए उ दुहत्तो नाणाजोणीसु संचरइ ॥ ४ ॥ जह वा सा भोगवई जहत्थनामोवभुत्तसालिकणा । पेसणविसेसकारित्तणेण पत्ता दुहं चेव ॥ ५ ॥ तह जो महव्वयाइं उवभुंजइ जीवियत्ति पालिंतो । आहाराइसु सत्तो चत्तो सिवसाहणिच्छाए ॥ ६ ॥ सो एत्थ जहिच्छाए पावइ आहारमाइ लिंगित्ति । विउसाण नाइपुज्जो परलोयम्मी दुही चेव ॥ ७ ॥ जह वा रक्खियवहुया रक्खियसालीकणा जहत्थक्खा । परिजणमन्ना जाया भोगसुहाइं च संपत्ता ॥ ८ ॥ तह जो जीवो सम्मं पडिवज्जित्ता महव्वए पंच । पालेइ निरइयारे पमायलेसंपि वज्जेंतो ॥ ९ ॥ सो अप्पहियरई इहलोयंमिवि विऊहिं पणयपओ । एगंतसुही जायइ परंमि मोक्खंपि पावेइ ॥ १० ॥ जह रोहिणी उ सुण्हा रोवियसाली जहत्थमभिहाणा ।

मक्खेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाण वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८७ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण उवस्सय जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा, अण्णमण्णस्स गाय सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्देण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा, आघसति वा पघसति वा उव्वलति वा उव्वट्टिंति वा णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाण वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८८ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण उवस्सय जाणिज्जा इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलति वा पधोवेंति वा सिंचति वा सिणावेंति वा णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेतेज्जा ॥ ६८९ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा, इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा णिगिणा ठिआ णिगिणा उल्लीणा मेहुणधम्म विण्णवेंति रहस्सिय वा मत मतेंति णो पण्णस्स जाव णो ठाण वा जाव चेतेज्जा ॥ ६९० ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण **उवस्सयं** जाणिज्जा आइण्णसलिक्खं णो पण्णस्स जाव चिंताए जाव णो ठाण वा सेज्ज वा निसीहियं वा चेतेज्जा ॥ ६९१ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा सथार एसित्तए ॥ ६९२ ॥ से ज पुण सथारयं जाणिज्जा सअड जाव ससताणग तहप्पगारं सथारग लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९३ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण सथारय जाणिज्जा अप्पड जाव सताणग गरुय तहप्पगारं लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण सथारग जाणिज्जा, अप्पड जाव सताणग लहुय अपाडिहारिय तहप्पगार सेज्जा सथारयं लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९५ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण सथारग जाणिज्जा, अप्पंड जाव सताणगं लहुय पाडिहारिय णो अहावद्ध तहप्पगारं लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९६ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण सथारय जाणिज्जा अप्पड जाव सताणग लहुयं पाडिहारियं अहावद्ध तहप्पगारं सथारयं जाव लाभे सते पडिगाहिज्जा ॥ ६९७ ॥ इच्चेयाइ आयतणाइ उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं चउहिं पडिमाहिं सथारग एसित्तए तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा,—से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय उद्दिसिय सथारग जाएज्जा, तजहा—इक्कडं वा कढिण वा जतुयं वा परगं वा मोरग वा तण वा सोरग वा कुस वा कुच्चग वा पव्वग वा पिप्पलग वा पलालग वा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भगिणी त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारग ? तहप्पगार सय वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुय एसणिज्ज लाभे सते पडिगाहिज्जा **पढमा पडिमा**

पुत्ता ! ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं निज्जा(ए)एस्सामि ! । तए णं सा रोहिणी धण्णं (सत्थवाहं) एवं वयासी-एवं खलु ताओ ! तुब्भे इओ पंचमे संवच्छरे इमस्स मित्त जाव बहवे कुंभसया जाया तेणेव कमेणं एवं खलु ताओ ! तुब्भे ते पंच सालिअक्खए सग(ड)सागडेणं निज्जाएमि । तए णं से धण्णे सत्थवाहे रोहिणीयाए सुबहुयं सगडसागडं दलयइ । तए णं रोहिणी सुबहुं सगडसागडं गहाय जेणेव सए कुलघरे तेणेव उवागच्छइ (२ त्ता) कोट्ठागा(रे)रे विहाडेइ २ त्ता पल्ले उब्भिंदइ २ त्ता सगडसागडं भरेइ २ त्ता रायगिहं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ । तए णं रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नं एवमाइक्खइ ४-धन्ने णं देवाणुप्पिया ! धण्णे सत्थवाहे जस्स णं रोहिणीया सुण्हा (जीए णं) पंच सालिअक्खए सगडसागडिएणं निज्जाएइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं निज्जा(ए)इए पासइ २ त्ता हट्ठ जाव पडिच्छइ २ त्ता तस्सेव मित्तणाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघर(वग्गस्स)पुरओ रोहिणीयं सुण्हं तस्स कुलघरस्स बहूसु कज्जेसु य जाव रहस्सेसु य आपुच्छणिज्जं जाव वट्टावियं पमाणभूयं ठवेइ । एवामेव समणाउसो ! जाव पंच [से] महव्वयाइं संवड्ढियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं जाव वीईवइस्सइ जहा व सा रोहिणीया । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ ७ ॥ गाहाओ-जह सेट्ठी तह गुरुणो जह णाइजणो तहा समणसंघो । जह बहुया तह भव्वा जह सालिकणा तह वयाइं ॥ १ ॥ जह सा उज्झियनामा उज्झियसाली जहत्थमभिहाणा । पेसणगारित्तेणं असंखदुक्खक्खणी जाया ॥ २ ॥ तह भव्वो जो कोई संघसमक्खं गुरुविदिन्नाइं । पडिवज्जिउं समुज्झइ महव्वयाइं महामोहा ॥ ३ ॥ सो इह चेव भवंमी जणाण धिक्कारभायणं होइ । परलोए उ दुहत्तो नाणाजोणीसु संचरइ ॥ ४ ॥ जह वा सा भोगवई जहत्थनामोवभुत्तसालिकणा । पेसणविसेसकारित्तणेण पत्ता दुहं चेव ॥ ५ ॥ तह जो महव्वयाइं उवभुंजइ जीवियत्ति पालिंतो । आहाराइसु सत्तो चत्तो सिवसाहणिच्छाए ॥ ६ ॥ सो एत्थ जहिच्छाए पावइ आहारमाइ लिंगित्ति । विउसाण नाइपुज्जो परलोयम्मी दुही चेव ॥ ७ ॥ जह वा रक्खियवहुया रक्खियसालीकणा जहत्थक्खा । परिजणमन्ना जाया भोगसुहाइं च संपत्ता ॥ ८ ॥ तह जो जीवो सम्मं पडिवज्जित्ता महव्वए पंच । पालेइ निरइयारे पमायलेसंपि वज्जेंतो ॥ ९ ॥ सो अप्पहियएक्करई इहलोयंमिवि विऊहिं पणयपओ । एगंतसुही जायइ परंमि मोक्खंपि पावेइ ॥ १० ॥ जह रोहिणी उ सुण्हा रोवियसाली जहत्थमभिहाणा ।

वड्ढित्ता सालिकणे पत्ता सव्वस्स सामित्तं ॥ ११ ॥ तह जो भव्वो पाविय वयाइं पालेइ अप्पणा सम्म । अण्णेसिंवि भव्वाण देइ अणेगेसिं हियहेउं ॥ १२ ॥ सो इह संघपहाणो जुगप्पहाणेत्ति लहइ संसइं । अप्पपरेसिं कल्लाणकारओ गोयमपहुव्व ॥ १३ ॥ तित्थस्स वुड्ढिकारी अक्खेवणओ कुतित्थियाईण । विउसनरसेवियकमो कमेण सिद्धिंपि पावेइ ॥ १४ ॥ **सत्तमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते अट्ठमस्स णं भंते ! के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं निसढस्स वास-हरपव्वयस्स उत्तरेणं सीओयाए महानईए दाहिणेणं सुहावहस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुर(च्छि)त्थिमेणं एत्थ णं सलिलावई नामं विजए पन्नत्ते । तत्थ णं सलिलावईविजए वीयसोगा नामं रायहाणी पन्नत्ता नवजोयण-वित्थिण्णा जाव पच्चक्खं देवलोगभूया । तीसे णं वीयसोगाए रायहाणीए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए (एत्थ णं) इंदकुंभे नामं उज्जाणे (होत्था) । तत्थ णं वीयसोगाए रायहा-णीए बले नामं राया (होत्था) । त(स्सेव)स्स धारिणीपामोक्खं दे(वि)वीसहस्सं ओ(उव)रोहे होत्था । तए णं सा धारिणी देवी अन्नया कयाइ सीहं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा जाव महब्बले (नाम) दारए जाए उम्मुक्क जाव भोगसमत्थे । तए णं तं महब्बलं अम्मापियरो सरिसियाणं कमलसि(री)रिपामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकन्ना-सयाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेंति । पंच पासायसया पंचसओ दाओ जाव विह-रइ । (तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा नामं थेरा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव इंदकुंभे नामं उज्जाणे तेणेव समोसढा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति) थेरागमणं इंदकुंभे उज्जाणे समोसढे परिसा निग्गया बलो वि (राया) निग्गओ धम्मं सोच्चा निसम्म जं नवरं महब्बलं कुमारं रज्जे ठावेइ जाव एक्कारसंगवी बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव चारुपव्वए मासिएणं भत्तेणं (अपाणेणं केवलं पाउणित्ता जाव) सिद्धे । तए णं सा कमलसिरी अन्नया कयाइ (जाव) सीहं सुमिणे (पासित्ताणं पडिबुद्धा) जाव बलभद्दो कुमारो जाओ जुवराया यावि होत्था । तस्स णं महब्बलस्स रन्नो इमे छप्पियबालवयंसगा रायाणो होत्था तंजहा-अयले धरणे पूरणे वसू वेसमणे अभिचंदे सहजा[य]या जाव स(वड्ढिया ते)हियाए नित्थरियव्वे-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति (सुहंसुहेण विह-रंति) । तेणं कालेणं तेणं समएणं (ध० थे० जे० इं० उ० ते० स०) इंदकुंभे

उज्जाणे थेरा समोसढा। परिसा निग्गया। (महब्बलोवि राया निग्गओ धम्मो कहिओ) महब्बले णं धम्मं सोच्चा जं नवरं (देवाणुप्पिया!) छप्पियबालवयंसए आपुच्छामि बलभद्दं च कुमारं रज्जे ठावेमि जाव छप्पियबालवयंसए आपुच्छइ। तए णं ते छप्पिय महब्बलं रायं एवं वयासी—जइ णं देवाणुप्पिया! तुब्भे पव्वयह अम्हं के अन्ने आहारे वा जाव पव्वयामो। तए णं से महब्बले राया ते छप्पिय एवं वयासी—जइ णं (देवाणुप्पिया!) तुब्भे मए सद्धिं जाव पव्वयह तो णं गच्छह जेट्ठे पुत्ते सएहिं २ रज्जेहिं ठावेह पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूढा जाव पाउब्भवंति। तए णं से महब्बले राया छप्पियबालवयंसए पाउब्भूए पासइ २ त्ता हट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे (सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! बलभद्दस्स कुमारस्स जाव तेणेव तहेव जाव अभिसिंचइ तए णं से महब्बले बलभद्दं(आपुच्छइ) बलभद्दस्स रायाभिसेओ जाव आपुच्छइ। तए णं से महब्बले जाव महया इड्ढीए (प स) पव्वइए एक्कारसअंग(वाई)वी बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ। तए णं तेसिं महब्बलपामोक्खाणं सत्तण्हं अणगाराणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं इमेयारूवे मिहो—कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था—जं णं अम्हं देवाणुप्पिया! ए(ग)गे तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तं णं अम्हेहिं सव्वेहिं (सद्धिं) तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए—त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विहरंति। तए णं से महब्बले अणगारे इमेणं कारणेणं इत्थिनामगोयं कम्मं निव्वत्तिंसु—जइ णं ते महब्बलवज्जा छ अणगारा चउत्थं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तओ से महब्बले अणगारे छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। जइ णं ते महब्बलवज्जा [छ] अणगारा छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तओ से महब्बले अणगारे अट्ठमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। एवं [अह] अट्ठमं तो दसमं अह दसमं तो दुवाल(सं)समं। इमेहि य णं वीसाएहि य कारणेहिं आसेवियबहुलीकएहिं तित्थयरनामगोयं कम्मं निव्वत्तिंसु तंजहा—अरहंतसिद्धपवयणगुरुथेरबहुस्सुए तवस्सीसु। वच्छल्लया य तेसिं अभिक्ख नाणोवओ(गे)गे य ॥ १ ॥ दंसणविणए आवस्सए य सीलव्वए निरइया(र)रो। खणलवतव(चि,)च्चियाए वेयावच्चे समाही य ॥ २ ॥ अ( )पुव्वनाणगहणे सुयभत्ती पवयणे प(भा)वणया। एएहिं कारणेहिं तित्थयरत्तं लहइ (जीवो) सो उ ॥ ३ ॥ तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति जाव एगराइयं (भि क्खु)। तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुड्डागं सीहनिक्कीलियं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तंजहा—चउत्थं करेंति २ त्ता सव्वकामगुणियं पारेंति २ त्ता

वड्ढित्ता सालिकणे पत्ता सव्वस्स सामित्त ॥ ११ ॥ तह जो भव्वो पाविय वयाई पालेइ अप्पणा सम्मं । अण्णेसिवि भव्वाण देइ अणेगेसिं हियहेउ ॥ १२ ॥ सो इह सघपहाणो जुगप्पहाणेत्ति लहइ ससद्द । अप्पपरेसिं कल्लाणकारओ गोयमपहुव्व ॥ १३ ॥ तित्थस्स वुड्ढिकारी अक्खेवणओ कुतित्थियाईण । विउसनरसेवियकमो कमेण सिद्धिंपि पावेइ ॥ १४ ॥ **सत्तमं नायज्झयणं समत्तं** ॥

जइ ण भते ! समणेण जाव सपत्तेण सत्तमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते अट्ठमस्स ण भते ! के अट्ठे पन्नत्ते ? एव खलु जवू ! तेणं कालेणं तेण समएण इहेव जबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे मदरस्स पव्वयस्स पचत्थिमेण निसढस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं सीओयाए महानदीए दाहिणेण सुहावहस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेण पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुर(च्छि)त्थिमेण एत्थ ण सलिलावई नाम विजए पन्नत्ते। तत्थ ण सलिलावईविजए वीयसोगा नाम रायहाणी पन्नत्ता नवजोयणवित्थिण्णा जाव पच्चक्ख देवलोगभूया। तीसे ण वीयसोगाए रायहाणीए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए (एत्थ ण) इदकुभे नाम उज्जाणे (होत्था)। तत्थ ण वीयसोगाए रायहाणीए वले नाम राया (होत्था)। त(स्सेव)स्स धारिणीपामोक्ख दे(वि)वीसहस्स ओ(उव)रोहे होत्था। तए णं सा धारिणी देवी अन्नया कयाइ सीह सुमिणे पासित्ताण पडिवुद्धा जाव महव्वले (नाम) दारए जाए उम्मुक्क जाव भोगसमत्थे। तए ण त महव्वल अम्मापियरो सरिसियाणं कमलसि(री)रिपामोक्खाण पचण्ह रायवरकन्नासयाण एगदिवसेण पाणिं गेण्हावेंति। पच पासायसया पचसओ दाओ जाव विहरइ। (तेण कालेण तेण समएण धम्मघोसा नाम थेरा पचहिं अणगारसएहिं सद्धिं सपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगाम दूइज्जमाणा सुहसुहेण विहरमाणा जेणेव इंदकुमे नाम उज्जाणे तेणेव समोसढा सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा विहरंति) थेरागमण इदकुभे उज्जाणे समोसढे परिसा निग्गया वलो वि (राया) निग्गओ धम्म सोचा निसम्म ज नवरं महव्वल कुमारं रज्जे ठावेइ जाव एक्कारसगवी वहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव चारुपव्वए मासिएण भत्तेण (अपाणेण केवलं पाउणित्ता जाव) सिद्धे। तए ण सा कमलसिरी अन्नया कयाइ (जाव) सीह सुमिणे (पासित्ताणं पडिवुद्धा) जाव वलभद्दो कुमारो जाओ जुवराया यावि होत्था। तस्स ण महव्वलस्स रन्नो इमे छप्पियवालवयंसगा रायाणो होत्था तजहा-अयले धरणे पूरणे वसू वेसमणे अभिचदे सहजा[य]या जाव स(वड्ढिया ते)हियाए नित्थरियव्वे-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति (सुहसुहेण विहरंति)। तेण कालेण तेण समएण (ध० थे० जे० इ० उ० ते० स०) इदकुंभे

महब्बल(देव)वज्जा छप्पि(य) देवा (जयं)ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विसुद्धपिइमाइवंसेसु रायकुलेसु पत्तेयं २ कुमारत्ताए पच्चायाया(सी) तंजहा–पडिबुद्धी इक्खागराया चंदच्छाए अंगराया संखे कासिराया रुप्पी कुणालाहिवई, अदीणसत्तू कुरुराया जियसत्तू पंचालाहिवई। तए णं से महब्बले देवे तिहिं णाणेहिं समग्गे उच्चट्ठाण(ट्ठि)एसु गहेसु सोमासु दिसासु वितिमिरासु विसुद्धासु जइएसु सउणेसु पयाहिणाणुकूलंसि भूमिसप्पिंसि मारुयंसि पवायंसि निप्फन्नसस्समेइणीयंसि कालंसि पमुइयपक्कीलिएसु जणवएसु अद्धरत्तकालसमयंसि अस्सिणीनक्खत्तेणं जोगमुवागएणं जे से हेमंताणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे फग्गुणसुद्धे तस्स णं फग्गुणसुद्धस्स चउत्थिपक्खेणं जयंताओ विमाणाओ बत्तीसं सागरोवमट्ठि(ई)इयाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए रायहाणीए कुंभगस्स रन्नो पभावईए देवीए कुच्छिंसि आहारवक्कंतीए भववक्कंतीए सरीरवक्कंतीए गब्भत्ताए वक्कंते। तं रयणिं च णं चोद्दस महासुमिणा वण्णओ। भत्तारकहणं सुमिणपाढगपुच्छा जाव विहरइ। तए णं तीसे पभावईए देवीए तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमेयारूवे डोहले पाउब्भूए–धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ जाओ णं जलथलयभासुरप्पभूएणं दसद्धवण्णेणं मल्लेणं अत्थुयपच्चत्थुयंसि सयणिज्जंसि सन्निसन्नाओ संनिवन्नाओ य विहरंति एगं च महं सि(री)रिदामगंडं पाडलमल्लियचंप(य)असोगपुन्नागनागमरुयगदमणगअणोज्जकोज्जय(कोरंटपत्तवर)पउरं परमसुह(फास)दरिसणिज्जं महया गंधद्धणिं मुयंतं अग्घायमाणीओ डोहलं विणेंति। तए णं ती(से)ए पभावईए देवीए इमं ए(य)यारूवं डोहलं पाउब्भूयं पासित्ता अहासन्निहिया वाणमंतरा देवा खिप्पामेव जलथलय जाव दसद्धवण्णमल्लं कुंभग्गसो य भारग्गसो य कुंभगस्स रन्नो भवणंसि साहरंति एगं च णं महं सिरिदामगंडं जाव (गंधद्धणिं) मुयंतं उवणेंति। तए णं सा पभावई देवी जलथलय जाव मल्लेणं डोहलं विणेइ। तए णं सा पभावई देवी पसत्थडोहला जाव विहरइ। तए णं सा पभावई देवी नवण्हं मासाणं अद्धट्ठमाण य राइं(दि)दियाणं जे से हेमंताणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे मग्गसिरसुद्धे तस्स णं (मग्गसिरसुद्धस्स) एक्कारसीए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अस्सिणीनक्खत्तेणं (जोगमुवागएणं) उच्चट्ठाण जाव पमुइयपक्कीलिएसु जणवएसु आरोग्गारोग्गं एकूणवीसइमं तित्थयरं पयाया ॥ ७२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अ(हो)हेलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारी(ओ)मयह(रि)रियाओ जहा जंबुद्दीवपन्नत्तीए जम्मणं सव्वं (भाणियव्वं) नवरं मिहिलाए (नयरीए) कुंभ(राय)गस्स (भवणंसि) पभावईए (देवीए) अभिलावो संजोएयव्वो जाव नंदीसरव(रे)र

छट्ठं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति २ त्ता अट्ठम करेंति २ त्ता छट्ठ करेंति २ त्ता दसम करेंति २ त्ता अट्ठम करेंति २ त्ता दुवालसम करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता चो(चाउ)द्दसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता सोलसम करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता अट्ठारसम करेंति २ त्ता सोलसम करेंति २ त्ता वीसइम करेंति २ त्ता अट्ठारसम करेंति २ त्ता वीसइम करेंति २ त्ता सोलसम करेंति २ त्ता अट्ठारसमं करेंति २ त्ता चोद्दसम करेंति २ त्ता सोलसम करेंति २ त्ता दुवालसम करेंति २ त्ता चोद्दसम करेंति २ त्ता दसम करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता अट्ठम करेंति २ त्ता दसम करेंति २ त्ता छट्ठ करेंति २ त्ता अट्ठम करेंति २ त्ता चउत्थ करेंति २ त्ता छट्ठ करेंति २ त्ता चउत्थ करेंति सव्वत्थ सव्वकामगुणिएण पारेंति। एवं खलु एसा खुड्डागसीहनिक्कीलियस्स तवोकम्मस्स पढमा परिवाडी छहिं मासेहिं सत्तहि य अहोरत्तेहि य अहासु(त्ता)त्त जाव आराहिया भवइ। तयाणंतरं दोच्चाए परिवाडीए चउत्थ करेंति नवरं विग(इ)यवज्ज पारेंति। एव तच्चा[ए]वि परिवाडी[ए] नवरं पारणए अलेवाडं पारेंति। एव चउत्थावि परिवाडी नवरं पारणए आयबिलेण पारेंति। तए ण ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुड्डाग सीहनिक्कीलिय तवोकम्म दोहिं सवच्छरेहिं अट्ठावीसाए अहोरत्तेहिं अहासुत्त जाव आणाए आराहेत्ता जेणेव थेरे भगवंते तेणेव उवागच्छति २ त्ता थेरे भगवते वंदति नमसति वं० २ त्ता एव वयासी–इच्छामो ण भते! महालयं सीहनिक्कीलिय (तवोकम्मं) तहेव जहा खुड्डाग नवर चोत्तीसइमाओ नियत्त(ए)इ एगाए परिवाडीए कालो एगेण सवच्छरेण छहिं मासेहिं अट्ठार(से)सहि य अहोरत्तेहिं समप्पेइ। सव्वपि सीहनिक्कीलिय छहिं वासेहिं दो(हि य)हिं मासेहिं बारसहि य अहोरत्तेहिं समप्पेइ। तए ण ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा महालय सीहनिक्कीलिय अहासुत्त जाव आरा(हे)हित्ता जेणेव थेरे भगवंते तेणेव उवागच्छति २ त्ता थेरे भगवते वंदति नमसति व० २ त्ता बहूणि चउत्थ जाव विहरंति। तए ण ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा तेण उ(ओ)रालेण सुक्का भुक्खा जहा खदओ नवरं थेरे आपुच्छित्ता चारु(वक्खार)पव्वय [सणिय] दुरूहति जाव दोमासियाए संलेहणाए सवीस भत्तसय (अणसण) चउरासीईं वाससयसहस्साईं सामण्णपरियाग पाउणति २ त्ता चुलसीइ पुव्वसयसहस्साई सव्वाउय पालइत्ता जयते विमाणे देवत्ताए उववन्ना॥ ७१॥ तत्थ ण अत्थेगइयाण देवाणं वत्तीस सागरोवमाईं ठिईं पन्नत्ता। तत्थ णं महब्बलवज्जाणं छण्ह देवाण देसूणाइ बत्तीस सागरोवमाइ ठिईं। महब्बलस्स देवस्स पडिपुण्णाइ बत्तीसं सागरोवमाइ ठिईं(प०)। तए ण ते

तए णं पउमावई पडिबुद्धिणा एवं वुत्ता समाणी ह(तु)ट्ठा जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मम कल्लं नागजन्नए भविस्सइ। तं तुब्भे मालागारे सद्दावेह २ त्ता एवं वयह-एवं खलु पउमावईए देवीए कल्लं नागजन्नए भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! जलथलय( )दसद्धवन्नं मल्लं णायघरंसि साहरह एगं च णं महं सिरिदामगंडं उवणेह। तए णं जलथलयदसद्धवन्नेणं मल्लेणं णाणाविहभत्तिसुविरइयं (करेह तंसि भवणंसि) हंसमियमऊरकोंचसारसचक्कवागमयणसालकोइलकुलोववेयं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं महग्घं महरिहं विउलं पुप्फमंडवं विरएह। तस्स णं बहुमज्झदेसभाए एगं महं सिरिदामगंडं जाव गंधद्धणिं मुयंतं उल्लोयंसि ओ(ओ)लंबेह २ त्ता पउमावइं देविं पडिवालेमाणा २ चिट्ठह। तए णं ते कोडुंबिया जाव चिट्ठंति। तए णं सा पउमावई देवी कल्लं० कोडुंबि(यपुरिसे)ए (सद्दावेइ २ त्ता) एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सागेयं नयरं सब्भितरबाहिरियं आसियसम्मज्जिओवलित्तं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा पउमावई (देवी) दोच्चंपि कोडुंबिय जाव खिप्पामेव लहुकरणजुत्तं जाव जुत्तामेव (उवट्ठवेह, तए णं तेवि तहेव) उव(ट्ठ)वेंति। तए णं सा पउमावई अंतो अंतेउरंसि ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया धम्मियं जाणं दुरूढा। तए णं सा पउमावई नियगपरि(वा)लसंपरिवुडा सागेयं नयरं मज्झंमज्झेणं णि(ज्जा)याइ २ त्ता जेणेव पुक्खरणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पो(पु)क्खरणिं ओगा(ह)हेइ २ त्ता जलमज्जणं जाव परमसुइभूया उल्लपडसाडया जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हइ २ त्ता जेणेव नागघरए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं पउमावईए दासचेडीओ बहूओ पुप्फपडलगहत्थगयाओ धूव(क)डच्छु(य)हत्थगयाओ पिट्ठओ समणुगच्छंति। तए णं पउमावई सव्विड्ढीए जेणेव नागघ(रे)रए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता नागघ(रं)रं अणुप्पविसइ २ त्ता लोमहत्थगं जाव धूवं डहइ २ त्ता पडिबुद्धिं (रायं) पडिवालेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं पडिबुद्धी(राया) ण्हाए हत्थिखंधवरगए सकोरंट जाव सेयवरचामरा(हिं)हि य (महया)हयगयरह(जोह)महयाभडचडगर पहकरेहिं सागेयं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव नागघरए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता आलोए पणामं करेइ २ त्ता पुप्फमंडवं अणुपविसइ २ त्ता पासइ तं एगं महं सिरिदामगंडं। तए णं पडिबुद्धी तं सिरिदामगंडं सु(इ)चिरं कालं निरिक्खइ २ त्ता तंसि सिरिदामगंडंसि जायविम्हए सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-तुमं(णं) देवाणुप्पिया! मम दोच्चेणं बहूणि गामागर जाव सन्निवेसाइं आहिंडसि बहू(णि)ण य रा(इ)ईसर जाव गिहाइं अणुपविससि

दीवे महिमा। तया ण कुंभए राया बहूहिं भवणवईहिं ४ तित्थयर(जम्मणाभिसेय)-जायकम्म जाव नामकरण-जम्हा ण अ(म्हे)म्ह इमीए दारियाए (माउगब्भसि वक्कममाणसि) माऊए मल्लसयणीयंसि डोहले विणीए तं होउ ण नामेणं मल्ली (नामं ठवेइ) जहा महब्बले (नाम) जाव परिवड्ढिया-सा व(ड्ढ)ड्ढई भगवई दियलोयचुया अणोवमसिरीया। दासीदासपरिवुडा परिकिण्णा पीढमद्देहिं ॥१॥ असियसिरया सुनयणा विबोट्ठी धवलदंतपंतीया। वरकमलकोमलंगी फुल्लुप्पलगंधनीसासा ॥ २ ॥ ७३ ॥ तए ण सा मल्ली विदेहरायवरकन्ना उम्मुक्कबालभावा जाव रूवेण [य] जोव्वणेण य लावण्णेण य अईव २ उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया(या)वि होत्था। तए ण सा मल्ली (वि०) देसूणवाससयजाया ते छप्पि(य) रायाणो विउलेण ओहिणा आभोएमाणी २ विहरइ तंजहा-पडिबुद्धिं जाव जियसत्तु पचालाहिवइ। तए ण सा मल्ली(वि०) कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया! असोगवणियाए एग महं मोहणघरं करेह अणेगखमसयसन्निविट्ठं। तस्स ण मोहणघरस्स बहुमज्झदेसभाए छ गब्भघरए करेह। तेसि ण गब्भघरगाणं बहुमज्झदेसभाए जालघरयं करेह। तस्स णं जालघरयस्स बहुमज्झदेसभाए मणिपेढियं करेह (तेवि तहेव) जाव पच्चप्पिणंति। तए ण [सा] मल्ली मणिपेढियाए उवरिं अप्पणो सरिसियं सरित्तयं सरिव्वयं सरिसलावण्णजोव्वणगुणोववेयं कणगम(इ)यं मत्थयच्छिड्डं पउमप्पलपिहाणं पडिमं करेइ २ त्ता जं विउलं असणं ४ आहारेइ तओ मणुन्नाओ असणाओ ४ कल्लाकल्लिं एगमेगं पिंडं गहाय तीसे कण(ग)गामईए मत्थयच्छिड्डाए जाव पडिमाए मत्थयंसि पक्खिवमाणी २ विहरइ। तए ण तीसे कणगामईए जाव मत्थयछिड्डाए पडिमाए एगमेगंसि पिंडे पक्खिप्पमाणे २ (पउमुप्पलपिहाण पिहेइ) तओ गंधे पाउब्भवइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव एत्तो अणिट्ठतराए अमणामतराए [चेव] ॥ ७४ ॥ तेण कालेण तेण समएण कोसला नाम जणवए (होत्था)। तत्थ ण सागेए नाम नयरे। तस्स ण उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं (मह एगे) महेगे नागघरए होत्था। तत्थ ण सागेए नयरे पडिबुद्धी नाम इक्खा(गु)गराया परिवसइ पउमावई देवी सुबुद्धी अमच्चे सामदंड०। तए ण पउमावईए देवीए अन्नया कयाइ नागजन्नए यावि होत्था। तए ण सा पउमावई नागजन्नमुवट्ठियं जाणित्ता जेणेव पडिबुद्धी० करयल जाव एव वयासी-एव खलु सामी! मम कल्लं नागजन्नए (यावि) भविस्सइ, त इच्छामि ण सामी! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी नागजन्नयं गमित्तए, तुब्भेवि ण सामी! मम नागजन्नयंसि समोसरह। तए ण पडिबुद्धी पउमावईए (देवीए) एयमट्ठं पडिसुणेइ।

गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं मोएंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स(य) जाव चउव्विह(स्स)भंडस्स भरेंति तंदुलाण य समियस्स य तेल्लस्स य घयस्स य गुलस्स य गोरसस्स य उदयस्स य उदयभायणाण य ओसहाण य भेसज्जाण य तणस्स य कट्ठस्स य आवरणाण य पहरणाण य अन्नेसिं च बहूणं पोयवहणपाउग्गाणं दव्वाणं पोयवहणं भरेंति (२ त्ता) सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइ० आपुच्छंति २ त्ता जेणेव पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति। तए णं तेसिं मागंदियदारगाणं जाव वाणियगाणं परियणो जाव ता(हि)हिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अभिनंदंता य अभिसंथुणमाणा य एवं वयासी—अज्ज! ताय! भाय! माउल! भाइणेज्ज! भगवया समुद्देणं अभिरक्खिज्जमाणा २ चिरं जीवह भद्दं च भे पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे नियगं घरं हव्वमागए पासामो—त्तिकट्टु ताहिं सोमाहिं निद्धाहिं दीहाहिं सप्पिवासाहिं पप्पुयाहिं दिट्ठीहिं नि(नी)रिक्खमाणा मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठंति। तओ समाणिएसु पुप्फबलिकम्मेसु दिन्नेसु सरसरत्तचंदणदद्दरपंचंगुलितलेसु अणुक्खित्तंसि धूवंसि पूइएसु समुद्दवाएसु संसारियासु वलयबाहासु ऊसिएसु सिएसु झयग्गेसु पडुप्पवाइएसु तूरेसु जइएसु सव्वसउणेसु गहिएसु रायवरसासणेसु महया उक्किट्ठिसीहणाय जाव रवेणं पक्खुभियमहासमुद्दरवभूयंपिव मेइणिं करेमाणा एगदिसिं जाव वाणियगा णा(णं)वाए दुरूढा। तओ पुस्समाणवो वक्कमुदाहु—हं भो! सव्वेसिमवि अत्थसिद्धी उवट्ठियाइं कल्लाणाइं पडिहयाइं सव्वपावाइं जुत्तो पूसो विजओ मुहुत्तो अयं देसकालो। तओ पुस्समाणएणं व(वि)क्कमुदा(ही)हिए हट्ठतुट्ठे कुच्छिधारकण्णधारगब्भि(ज्ज)संजत्ताणावावाणियगा वावारिंसु तं नावं पुण्णुच्छंगं पुण्णमुहिं बंधणेहिंतो मुंचंति। तए णं सा नावा विमुक्कबंधणा पवणबलसमाहया ऊसि(सिय)सिया विततपक्ख(क्खा) इव गरु(रु)लजुवई गंगासलिलतिक्खसोयवेगेहिं संखुब्भमाणी २ उम्मीतरंगमालासहस्साइं समइच्छमाणी २ कइवएहिं अहोरत्तेहिं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढा। तए णं तेसिं मागंदियपामोक्खाणं संजत्ताणावावाणियगाणं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढाणं समाणाणं बहूइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं, तंजहा—अकाले गज्जिए अकाले विज्जुए अकाले थणियसद्दे अभिक्खणं २ आगासे देवयाओ नच्चंति एगं च णं महं पिसायरूवं पासंति तालजंघं दिवं-गयाहिं बाहाहिं मसिमूसगमहिसकालगं भरियमेहवण्णं लंबोट्ठं निग्गयग्गदंतं निल्लालियजमलजुयलजीहं आऊसियवयणगंडदेसं चीणचि(पि)डनासियं विगयभुग्गभग्गभुमयं खज्जोयगदित्तचक्खुरागं उत्तासणगं विसालवच्छं विसालकुच्छिं पलंबकुच्छिं पहसियपयलियपयडियगत्तं पण-

तं अत्थि णं तुमे कहिंचि एरिसए सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमे पउमा वई(ए)देवीए सिरिदामगंडे ? । तए ण सुबुद्धी पडिबुद्धिं रायं एव वयासी–एव खलु सामी ! अह अन्नया कयाइ तुब्भं दोच्चेणं मिहिलं रायहाणिं गए । तत्थ ण मए कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए (विदेहरायवरकन्नाए)संव च्छरपडिलेहणगंसि दिव्वे सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे । तस्स ण सिरिदामगंडस्स इमे पउमावईए [देवीए] सिरिदामगंडे सयसहस्सइमपि कल न अग्घइ । तए ण पडि-बुद्धी(राया) सुबुद्धिं अमच्चं एव वयासी–केरिसिया ण देवाणुप्पिया ! मल्ली २ जस्स ण संवच्छरपडिलेहणयंसि सिरिदामगंडस्स पउमावईए देवीए सिरिदामगंडे सयस हस्सइमपि कल न अग्घइ ? । तए ण सुबुद्धी (अमच्चे) पडिबुद्धिं इक्खागराय एव वयासी–(एवं खलु सामी !) मल्ली विदेहरायवरकन्नगा सुपइट्ठियकुम्मुन्नयचारुचरणा वण्णओ । तए ण पडिबुद्धी (राया) सुबुद्धिस्स अमच्चस्स अंतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म सिरिदामगंडजणियहासे दूय सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–गच्छाहि ण तुमं देवाणुप्पिया ! मिहिलं रायहाणिं, तत्थ णं कुंभगस्स रन्नो धूय पभावईए (देवीए) अ(त्त)त्तिय मल्लिं २ मम भारियत्ताए वरेहि जइ वि य ण सा सयं रज्जसुका । तए ण से दूए पडिबुद्धिणा रन्ना एव वुत्ते समाणे हट्ठ जाव पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंट आसरह पडि-कप्पावेइ २ त्ता दुरूढे जाव हयगयमहयाभडचडगरेणं साएयाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव विदेहजणवए जेणेव मिहिला रायहाणी तेणेव, पहारेत्थ गमणाए (१) ॥ ७५ ॥ तेण कालेणं तेण समएण अंग नाम जणवए होत्था । तत्थ ण चंपा नाम नयरी होत्था । तत्थ णं चंपाए नयरीए चंदच्छाए अंगराया होत्था । तत्थ ण चंपाए नयरीए अरहन्नगपामोक्खा बहवे संजत्तानावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया । तए णं से अरहन्नगे समणोवासए यावि होत्था अहिगयजीवाजीवे वण्णओ । तए ण तेसिं अरहन्नगपामोक्खाण संजत्तानावावाणियगाण अन्नया कयाइ एगयओ सहियाण इमे(ए)यारूवे मिहोकहासमुल्ला(सला)वे समुप्पज्जित्था–सेय खलु अम्ह गणिमं(च) धरिम च मेज्ज च प(पा)रिच्छेज्ज च भंडगं गहाय लवणसमुद्द पोयवहणेण ओगाहित्तए–त्तिकट्टु अन्नम(न्न)स्स एयमट्ठ पडिसुणेंति २ त्ता गणिमं च ४ गेण्हंति २ त्ता सग(ड्डि)डीसाग(डि)डय (च) सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स ४ भंडगस्स सगडसागडिय भरेंति २ त्ता सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तमुहुत्तंसि विउल असण ४ उवक्खडावेंति मित्तनाइ भोयणवेलाए भुंजावेंति जाव आपुच्छंति २ त्ता सगडीसागडिय जोयंति २ त्ता चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेण निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव

पमाणं अप्फोडंतं अभिवयंत अभिगज्जंत बहुसो २ अट्टहासे विणिम्मुयंत नीलुप्प-लगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासं खुरधारं असिं गहाय अभिमुहमावयमाणं पासंति। तए णं ते अरहन्नगवज्जा संजत्ताणावावाणियगा एगं च णं महं तालपिसायं (पासंति) पासित्ता तालजंघं दिवगयाहिं बाहाहिं फुट्टसिरं भमरनिगरवरमासरासिमहिसकालग भरियमेहवण्णं सुप्पणहं फालसरिसजीहं लंबोट्ठं धवलवट्टअसिलिट्ठतिक्खथिरपीणकु-डिलदाढोवगूढवयणं विकोसियधारासिजुयलसमसरिसतणुयचंचलगलंतरसलोलच-वलफुरफुरेंतनिल्लालियग्गजीहं अवयच्छियमहल्लविगयबीभच्छलालपगलंतरत्ततालुयं हिंगु(लु)लयसगब्भकंदरबिलं व अंजणगिरिस्स अग्गिजालुग्गिलंतवयणं आऊसिय-अक्खचम्मउइट्टगंडदेसं चीणचि(पिड)मिढवंकभग्गनासं रोसागयधमधमेंतमारुय-निट्ठुरखरफरुसझुसिरं ओभुग्गनासियपुडं घ(घा)डुब्भडरइयभीसणमुहं उद्धमुहक-ण्णसक्कुलियमहंतविगयलोमसंखालगलंबंतचलियकण्णं पिंगलदिप्पंतलोयणं भिउडित-डि(य)निडालं नरसिरमालपरिणद्धचिंधं विचित्तगोणससुबद्धपरिकरं अवहोलंतपु(प्फु)-प्फयायंतसप्पविच्छुयगोधुंदरनउलसरडविरइयविचित्तवेयच्छमालियागं भोगकूरकण्ह-सप्पधमधमेंतलंबंतकण्णपूरं मज्जारसियाललइयखंधं दित्त(घुघु)घूघूयंतघूयकयकुंतल-सिरं घंटारवेण भीमं भयंकरं कायरजणहिययफोडणं दित्तमट्टहासं विणिम्मुयंतं वसा-रुहिरपूयमंसमलमलिणपोच्चडतणुं उत्तासणयं विसालवच्छं पेच्छंताभिन्ननहमुहनयण-कण्णवरवग्घचित्तकत्तीणि(व)यसणं सरसरुहिरगयचम्मवितययऊसवियबाहुजुयलं ताहि य खरफरुसअसिणिद्धअणिट्ठदित्तअसुभअप्पिय(अमणुन्न)अकंतवग्गूहि य तज्जयंतं पासंति तं तालपिसायरूवं एज्जमाणं पासंति २ त्ता भीया संजायभया अन्नमन्नस्स कायं समतुरंगेमाणा २ बहूणं इंदाण य खंदाण य रुद्दसिववेसमणनागाणं भूयाण य जक्खाण य अज्जकोट्टकिरियाण य बहूणि उवाइयसयाणि ओवाइयमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से अरहन्नए समणोवासए तं दिव्वं पिसायरूवं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अचलिए असंभंते अणाउले अणुव्विग्गे अभिन्नमुहरागनयणवण्णे अदीणवि-मणमाणसे पोयवहणस्स एगदेसंसि वत्थंतेण भूमिं पमज्जइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता करयल(ओ) जाव एवं वयासी–नमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं, जइ णं अहं एत्तो उवसग्गाओ मुंचामि तो मे कप्पइ पारित्तए, अह णं एत्तो उवसग्गाओ न मुंचामि तो मे तहा पच्चक्खाएयव्वे–(त्ति)तिकट्टु सागारं भत्तं पच्चक्खाइ। तए णं से पिसायरूवे जेणेव अरहन्न(ए)गे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहन्नगं एवं वयासी–हं भो! अरहन्नगा अपत्थियपत्थिया जाव परिवज्जिया [!] नो खलु कप्पइ तव सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खा(णे)णपोसहोववासाइं चालित्तए वा एवं

खो(भे)मित्तए वा चालित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिणमित्तए वा। तं जइ णं तुमं सीलव्वयं जाव न परिच्चयसि तो ते अहं एयं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गेण्हामि २ त्ता सत्तट्ठतलप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उव्विहामि (२ त्ता) अंतो-जलंसि निच्छोलेमि ज(जे)णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे असमाहिपत्ते अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तए णं से अरहन्नगे समणोवासए तं देवं मणसा चेव एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिया! अरहन्नए नामं समणोवासए अहिगयजीवाजीवे नो खलु अहं सक्का केणइ देवेण वा जाव निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिण(मे)मित्तए वा तुमं णं जा सद्धा तं करेहि-त्तिकट्टु अभीए जाव अभिन्नमुहरागनयणवन्ने अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नयं समणोवासयं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! जाव (अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए) धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नयं धम्मज्झाणोवगयं पासइ २ त्ता बलियतरागं आसुरुत्ते तं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गिण्हइ २ त्ता सत्तट्ठतलाइं जाव अरहन्नगं एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! अपत्थियपत्थिया! नो खलु कप्पइ तव सीलव्वय तहेव जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से पिसायरूवे अरहन्नगं जाहे नो संचाएइ निग्गंथाओ चालित्तए वा (जाहे)तहेव (उव)संते जाव निव्विण्णे तं पोयवहणं सणियं २ उवरिं जलस्स ठवेइ २ त्ता तं दिव्वं पिसायरूवं पडिसाह(र)रेइ २ त्ता दिव्वं देवरूवं विउव्वइ २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ने सखिंखि(णि)याइं जाव परिहिए अरहन्नगं समणोवासयं एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! धन्नोसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले जस्स णं तव निग्गंथे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया एवं खलु देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए बहूणं देवाणं मज्झगए महया [१] सद्देणं [एवं] आइक्खइ ४-एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे चंपाए नयरीए अरहन्नए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे नो खलु सक्के केणइ देवेण वा (दाणवेण वा) २ निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा जाव विपरिणामित्तए वा। तए णं अहं देवाणुप्पिया! सक्कस्स (देविंदस्स) नो एयमट्ठं सद्दहामि( )। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए-गच्छामि णं [अहं] अरहन्न(ग)यस्स अंतियं पाउब्भवामि जाणामि ताव अहं अरहन्नगं किं पियधम्मे नो पियधम्मे दढधम्मे नो दढधम्मे सीलव्वयगुणे किं चालेइ जाव परिच्चयइ नो परिच्चयइ त्तिकट्टु एवं संपेहेमि २ त्ता ओहिं पउंजामि २ त्ता देवाणुप्पियं ओहिणा आभोएमि २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं २

उत्तरवेउव्वियं० ताए उक्किट्ठाए(जाव)जेणेव लवणसमुद्दे जेणेव देवाणुप्पिया तेणेव उवागच्छामि २ त्ता देवाणुप्पि(याणं)यं उवसग्गं करेमि नो चेव णं देवाणुप्पिया भीया वा(०), तं जं णं सक्के ३ [एवं] वयइ सच्चे णं एसमट्ठे, त दिट्ठे ण देवाणुप्पियाण इड्ढी जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए। तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु मरहंतु णं देवाणुप्पिया! नाइभुज्जो (२) एवंकरणयाए-त्तिकट्टु पंजलिउडे पायवडिए एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेइ (२ त्ता) अरहन्नगस्स [य] दुवे कुंडलजुयले दलयइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव(दिसिं)पडिगए॥ ७६॥ तए णं से अरहन्नए निरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ। तए ण ते अरहन्नगपामोक्खा जाव वाणियगा दक्खिणाणुकूलेणं वाएण जेणेव गभीरए पोय(पट्टणे)ट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयं लंबेंति २ त्ता सगडिसागडं सज्जेंति (२ त्ता) तं गणिमं [च] ४ सगडि० संकामेंति २ त्ता सगडी० जो(ए)विंति २ त्ता जेणेव मिहिला(०) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए रायहाणीए बहिया अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता (मिहिलाए रायहाणीए तं)महत्थं (महग्घं महरिहं) विउलं रायारिहं पाहुडं कुंडलजुयलं च गेण्हंति २ त्ता (मिहिलाए रायहाणीए) अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए(राया) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव महत्थं दिव्वं कुंडलजुयलं उवणेंति। तए ण कुंभए(राया) तेसिं संजत्तगाणं जाव पडिच्छइ २ त्ता मल्लिं २ सद्दावेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं मल्लीए २ पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए ण से कुंभए राया ते अरहन्नगपामोक्खे जाव वाणियगे विपुलेण (अस०) वत्थगंधमल्लालंकारेणं जाव उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता रायमग्गमोगाढे(इ)य आवासे वियरइ [२ त्ता] पडिविसज्जेइ। तए ण अरहन्नगसंजत्तगा जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भंडववहरणं करेंति (२ त्ता) पडिभं(डं)डे गेण्हंति २ त्ता सगडी० भरेंति जेणेव गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता भंडं संकामेंति दक्खिणाणु० जेणेव चंपा पोयट्ठाणे तेणेव पोयं लंबेंति २ त्ता सगडी० सज्जेंति २ त्ता तं गणिमं ४ सगडी० संकामेंति जाव महत्थं [महग्घं] पाहुडं दिव्वं च कुंडलजुयलं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चंदच्छाए अंगराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता त महत्थं जाव उवणेंति। तए णं चंदच्छाए अंगराया त दिव्वं महत्थं(च) कुंडलजुयलं पडिच्छइ २ त्ता ते अरहन्नगपामोक्खे एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेहिं ओगाहेह, तं अत्थियाइं भे केइ कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे? तए ण ते अरहन्नगपामोक्खा चंदच्छायं अंगरायं एवं

खो(भे)भित्तए वा चालित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिच्चइत्तए वा। तं जइ णं तुमं सीलव्वयं जाव न परिच्चयसि तो ते अहं एयं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गेण्हामि २ त्ता सत्तट्ठतलप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उव्विहामि (२ त्ता) अंतो-जलंसि णिच्छोलेमि जा(जे)णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे असमाहिपत्ते अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तए णं से अरहन्नगे समणोवासए तं देवं मणसा चेव एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिया! अरहन्नए णामं समणोवासए अहिगयजीवाजीवे नो खलु अहं सक्का केणइ देवेण वा जाव निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणा(मे)मित्तए वा तुमं णं जा सद्धा तं करेहि-त्तिकट्टु अभीए जाव अभिन्नमुहरागणयणवन्ने अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नगं समणोवासगं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! जाव (अदीणविमणमाणसे निच्चले निप्फंदे तुसिणीए) धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहन्नगं धम्मज्झाणोवगयं पासइ २ त्ता बलियतरागं आसुरुत्ते तं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गिण्हइ २ त्ता सत्तट्ठतलाइं जाव अरहन्नगं एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! अपत्थियपत्थिया! णो खलु कप्पइ तव सीलव्वय तहेव जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से पिसायरूवे अरहन्नगं जाहे नो संचाएइ निग्गंथाओ चालित्तए वा (०ताहे)तहेव (उव)-संते जाव निव्विण्णे तं पोयवहणं सणियं २ उवरिं जलस्स ठवेइ २ त्ता तं दिव्वं पिसायरूवं पडिसाह(र)रेइ २ त्ता दिव्वं देवरूवं विउव्वइ २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ने सखिंखि(णि)णियाइं जाव परिहिए अरहन्नगं समणोवासगं एवं वयासी-हं भो अरहन्नगा! धन्नोसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले जस्स णं तव निग्गंथे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया एवं खलु देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए बहूणं देवाणं मज्झगए महया [स]द्देणं [एवं] आइक्खइ ४-एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे चंपाए नयरीए अरहन्नए समणोवासए अहिगयजीवाजीवे नो खलु सक्का केणइ देवेण वा (दाणवेण वा) ६ निग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा जाव विपरिणामित्तए वा। तए णं अहं देवाणुप्पिया! सक्कस्स (देविंदस्स) नो एयमट्ठं सद्दहामि( )। तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०-गच्छामि णं [अहं] अरहन्न(ग)गस्स अंतियं पाउब्भवामि जाणामि ताव अहं अरहन्नगं किं पियधम्मे नो पियधम्मे दढधम्मे नो दढधम्मे सीलव्वयगुणे किं चालेइ जाव परिच्चयइ नो परिच्चयइ त्तिकट्टु एवं संपेहेमि २ त्ता ओहिं पउंजामि २ त्ता देवाणुप्पियं ओहिणा आभोएमि २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं २

ण देवाणुप्पिया ! मम दोचेणं बहूणि गामागरनगरगिहाणि अणुप्पविससि, त अत्थियाइ ते कस्सइ रन्नो वा ईसरस्स वा कहिंचि एयारिसए मज्जणए दिट्ठपुव्वे जारिसए ण इमीसे सुबाहुदारियाए मज्जणए ? । तए ण से वरिसधरे रुप्पि करयल जाव वद्धावेत्ता एव वयासी–एव खलु सामी ! अहं अन्नया तु(म्मेण)म्भ दोचेण मिहिल गए, तत्थ ण मए कुभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए २ मज्जणए दिट्ठे, तस्स ण मज्जणगस्स इ(मे)मीए सुबाहु(ए)दारियाए मज्जणए सयसहस्सइमपि कल न अ(ग्घे)ग्घइ । तए ण से रुप्पी राया वरिसधरस्स अंति-(ए)य एयमट्ठं सोचा निसम्म(सेस तहेव) मज्जणगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जेणेव मिहिला नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए (३) ॥ ७८ ॥ तेण कालेण तेण समएण कासी नाम जणवए होत्था । तत्थ ण वाणारसी नाम नयरी होत्था । तत्थ ण सखे नाम कासीराया होत्था । तए ण तीसे मल्लीए २ अन्नया कयाइ तस्स दिव्वस्स कुडलजुयलस्स सधी विसघडिए यावि होत्था । तए ण से कुभए राया सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! इमस्स दिव्वस्स कुडलजुयलस्स सधिं सघाडेह । तए ण सा सुवण्णगारसेणी एयमट्ठ तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता त दिव्व कुडलजुयलं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुवण्णगारभिसियासु निवेसेइ २ त्ता बहूहिं आएहि य जाव परिणामेमाण। इच्छ(न्ति)इ तस्स दिव्वस्स कुडलजुयलस्स सधिं घडित्तए नो चेव ण सचाएइ (स)घडित्तए । तए ण सा सुवण्णगारसेणी जेणेव कुभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एव वयासी–एव खलु सामी ! अज्ज तु(ब्भे)म्हे अम्हे सद्दावेह जाव सधिं सघाडेत्ता ए(य)वमा(ण)णत्तिय पच्चप्पिणह । तए ण अम्हे तं दिव्व कुंडलजुयल गेण्हामो जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ जाव नो सचाएमो सघाडित्तए । तए ण अम्हे सामी ! एयस्स दिव्वस्स कुडलस्स अन्न सरिसय कुडलजुयल घडेमो । तए ण से कुभए राया तीसे सुवण्णगारसेणीए अतिए एयमट्ठ सोचा निसम्म आसुरुत्ते ४ तिवलिय भिउडिं निडाले साहट्टु एव वयासी–(से के)केस ण तुब्भे कलायाण भवह (?) जे ण तुब्भे इमस्स [दिव्वस्स] कुंडलजुयलस्स नो संचाएह सधिं सघाडित्तए ? ते सुवण्णगारे निव्विसए आणवेइ । तए णं ते सुवण्णगारा कु(भे)भगेण रन्ना निव्विसया आणत्ता समाणा जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सभडमत्तोवगरणमाया(ओ)ए मिहिलाए रायहाणीए मज्झमज्झेण निक्खमति २ त्ता विदेहस्स जणवयस्स मज्झमज्झेण जेणेव कासी जणवए जेणेव वाणारसी नयरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अग्गुज्जाणसि सगडीसागड मोएति २ त्ता महत्थ जाव पाहुड गेण्हंति

वयासी–एवं खलु सामी! अम्हे इहेव चंपाए नयरीए अरहन्नगपामोक्खा बहवे
संजत्तानावावाणियगा परिवसामो। तए णं अम्हे अन्नया कयाइ गणिमं च ४
तहेव अहीण(म)अइरित्तं जाव कुंभगस्स रन्नो उवणेमो। तए णं से कुंभए मल्लीए २
तं दिव्वं कुंडलजुयलं पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तं एस णं सामी! अम्हेहिं
कुंभ[ग]रायभवणंसि मल्ली २ अच्छेरए दिट्ठे। तं नो खलु अन्ना काऽवि तारिसिया
देवकन्ना वा जाव जारिसिया णं मल्ली २। तए णं चंदच्छाए(ते)अरहन्नगपामोक्खे
सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता [उस्सुक्कं वियरइ] पडिविसज्जेइ। तए णं चंदच्छाए
वाणियगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जइ वि य णं सा सयं रज्जसुंका। तए णं से
दूए हट्ठ जाव पहारेत्थ गमणाए (२) ॥ ७७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुणाला
नामं जणवए होत्था। तत्थ णं सावत्थी नामं नयरी होत्था। तत्थ णं रुप्पी कुणा-
लाहिवई नामं राया होत्था। तस्स णं रुप्पिस्स धूया धारिणीए देवीए अत्तया
सुबा(हू)हू नामं दारिया होत्था सुकुमाल जाव रूवेण य जोव्वणे(ण)ण य लावण्णेण
य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा यावि होत्था। तीसे णं सुबाहूए दारियाए अन्नया
चाउम्मासियमज्जणए जाए यावि होत्था। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुबाहूए
दारियाए चाउम्मासियमज्जणयं उवट्ठियं जाणइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता
एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सुबाहु(ए)दारियाए कल्लं चाउम्मासियमज्जणए
भविस्सइ। तं(क)ल्लं तुब्भे णं रायमग्गमोगाढंसि(चच्चरंसि)मंडवंसि जलथलयदस-
द्धवण्णमल्लं साह(रे)रह जाव सिरिदामगं(डं) ओलइंति। तए णं से रुप्पी कुणाला-
हिवई सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया!
रायमग्गमोगाढंसि पुप्फमंडवंसि णाणाविहपंचवण्णेहिं तंदुलेहिं णगरं आलिहह तस्स
बहुमज्झदेसभाए पट्टयं रएह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई हत्थि-
खंधवरगए चाउरंगिणीए सेणाए महया भडचडगर जाव अंतेउरपरियालसंपरिवुडे
सुबाहुं दारियं पुरओ कट्टु जेणेव रायमग्गे जेणेव पुप्फमंडवे तेणेव उवागच्छइ २
त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पुप्फमंड(वं)सि अणुप्पविसइ २ त्ता सीहासणवरगए
पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे। तए णं ताओ अंतेउरियाओ सुबाहुं दारियं पट्टयंसि
दुरुहेंति २ त्ता से(य)पीयएहिं कलसेहिं ण्हावेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं
करेंति २ त्ता पिउणो पा(यं)वंदि(उं)यं उवणेंति। तए णं सुबाहू दारिया जेणेव
रुप्पी राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ। तए णं से रुप्पी राया
सुबाहुं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता सुबाहु(ए)दारियाए रूवेण य जोव्वणेण य
लावण्णेण य (जाव विम्हिए) जायविम्हए वरिसधरं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं

रूवं निव्वत्तित्तए। एव सपेहेइ २ त्ता भूमिभागं सज्जेइ (२ त्ता) मल्लीए २ पायगुट्ठा-णुसारेण जाव निव्वत्तेइ। तए ण सा चित्तगरसेणी चित्तसभ जाव हावभा(वे)व चित्तेइ २ त्ता जेणेव मल्लदिन्ने कुमारे तेणेव उवागच्छइ जाव ए(य)वमाणत्तिय पच्चप्पिणइ। तए ण मल्लदिन्ने चित्तगरसेणिं सक्कारेइ २(०) विपुल जीवियारिहं पीइदाण द(ले)लयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं मल्लदिन्न (कुमारे) अन्नया ण्हाए अतेउ-रपरियालसपरिवुडे अम्मधाईए सार्द्धि जेणेव चित्तसभा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चित्तसभं अणुप्पविसइ २ त्ता हावभावविलास(वि)विब्बोयकलियाइं रुवाइ पासमाणे (२) जेणेव मल्लीए २ तयाणुरु(वे)व निव्वत्तिए तेणेय पहारेत्थ गमणाए। तए णं से मल्लदिन्ने (कुमारे) मल्लीए २ तयाणुरूवं निव्वत्तिय पासइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एस ण मल्ली २ तिकट्टु लज्जिए वीडिए वि(अडे)ड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ। तए णं [त] मल्लदिन्न अम्मधाई [सणियं २] पच्चोसक्कत पासित्ता एव वयासी—किन्न तुम पुत्ता! लज्जिए वीडिए विड्ड सणिय २ पच्चोसक्कसि?। तए ण से मल्लदिन्ने अम्मधाइ एव वयासी—जुत्त ण अम्मो! मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवय-भूयाए लज्जणिज्जाए मम चित्तगरणिव्वत्तिय सभ अणुपविसित्तए?। तए ण अम्म-धाई मल्लदिन्नं कुमार एव वयासी—नो खलु पुत्ता! एस मल्ली, एस ण मल्लीए २ चित्तगरएण तयाणुरुवे निव्वत्तिए। तए णं [से] मल्लदिन्ने अम्मधाईए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते [४] एव वयासी—केस ण भो (!) [से] चित्त(य)गरए अपत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए जे ण मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवयभूयाए जाव निव्वत्तिए—त्तिकट्टु त चित्तगरं वज्झ आणवेइ। तए ण सा चित्तगर(स)सेणी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा जेणेव मल्लदिन्ने कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहिय जाव वद्धावेत्ता एव वयासी—एव खलु सामी! तस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्त(क)गरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया—जस्स ण दुपयस्स वा जाव निवत्तेइ, त मा ण सामी! तुब्भे त चित्तगरं वज्झ आणवेह, त तुब्भे ण सामी! तस्स चित्तगरस्स अन्नं तयाणुरूव दड निव्वत्तह। तए ण से मल्लदिन्ने तस्स चित्तगरस्स सडासग छिंदावेइ २ त्ता निव्वि सय आणवेइ। तए ण से चित्तगरए मल्लदिन्नेण निव्विसए आणत्ते (समाणे) सभड-मत्तोवगरणमायाए मिहिलाओ नयरीओ निक्खमइ २ त्ता विदेह जणवय मज्झमज्झेण जेणेव कुरुजणवए जेणेव हत्थिणाउरे नयरे (जेणेव अदीणसत्तू राया) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भडनिक्खेव करेइ २ त्ता चित्तफलगं सज्जेइ २ त्ता मल्लीए २ पायगुट्ठाणुसारेण रूवं निव्वत्तेइ २ त्ता कक्खतरंसि छुब्भइ २ त्ता महत्थ जाव पाहुड गेण्हइ २ त्ता हत्थिणाउरं नयरं मज्झमज्झेण जेणेव अदीणसत्तू राया तेणेव उवा-

२ त्ता वाणारसीए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखे कासीराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति २ त्ता (पाहुडं पुरओ ठावेंति २ त्ता संखरं णं) एवं वयासी-अम्हे णं सामी! मिहिलाओ (नयरीओ) कुंभएणं रन्ना निव्विसया आणत्ता समाणा इ(ह)हं हव्वमागया तं इच्छामो णं सामी! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं परिवसिउं। तए णं संखे कासीराया ते सुवण्णगारे एवं वयासी-किं णं तुब्भे देवाणुप्पिया! कुंभएणं रन्ना निव्विसया आणत्ता? तए णं ते सुवण्णगारा संखं एवं वयासी-एवं खलु सामी! कुंभगस्स रन्नो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए। तए णं से कुंभए सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ जाव निव्विसया आणत्ता। तं एएणं कारणेणं सामी! अम्हे कुंभएणं निव्विसया आणत्ता। तए णं से संखे सुवण्णगारे एवं वयासी-केरिसिया णं देवाणुप्पिया! कुंभ(ग)स्स [रन्नो] धूया पभावईदेवीए अत्तया मल्ली विदेहराय-वरकन्ना? तए णं ते सुवण्णगारा सं(ख)रायं एवं वयासी-नो खलु सामी! अन्ना का(ई)वि तारिसिया देवकन्ना वा गंधव्वकन्ना वा जाव जारिसिया णं मल्ली २। तए णं से संखे कुंडल(जुयल)जणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव तहेव पहारेत्थ गमणाए (४) ॥ ७१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुरुजणवए होत्था। हत्थिणाउरे नयरे। अदीणसत्तू नामं राया होत्था जाव विहरइ। तत्थ णं मिहिलाए [तस्स णं] कुंभगस्स पुत्ते पभावईए अत्तए मल्लीए अणु[मग्ग]जायए मल्लदि(न्नए)न्ने नामं कुमारे जाव जुवराया यावि होत्था। तए णं मल्लदिन्ने कुमारे अन्नया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे मम पमदवणंसि एगं महं चित्तसभं करेह अणेग जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से मल्लदिन्ने चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! चित्तसभं हावभावविब्भमविब्बोयकलिएहिं रूवेहिं चित्तेह जाव पच्चप्पिणह। तए णं सा चित्तगरसेणी तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सयाइं गिहाइं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तूलियाओ वन्नए य गेण्हइ २ त्ता जेणेव चित्तसभा तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुप्पविसइ २ त्ता भूमिभागे विरचइ २ त्ता भूमिं सज्जेइ २ त्ता चित्तसभं हावभाव जाव चित्तेउं पयत्ता यावि होत्था। तए णं एगस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्तगरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया-जस्स णं दुपयस्स वा चउ(प)प्पयस्स वा अपयस्स वा एगदेसमवि पासइ तस्स णं देसाणुसारेणं तयाणुरूवं [रूवं] नि(व्व)त्तेइ। तए णं से चित्तगार(दार)ए मल्लीए जवणियंतरियाए जालंतरेण पायंगुट्ठं पासइ। तए णं तस्स(णं) चित्तगरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-सेयं खलु ममं मल्लीए २ पायंगुट्ठाणुसारेणं सरिसगं जाव गुणोववेयं

एण य मट्टियाए जाव अविग्घेण सग्ग गच्छामो। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वाइय एव वयासी–चोक्खा! से जहानामए के(ई)इ पुरिसे रुहिरकय वत्थं रुहिरे(ण)णं चेव धोवेज्जा अत्थि णं चोक्खा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण धोव्वमाणस्स का(ई)इ सोही [२] नो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव चोक्खा! तुब्भे ण पाणाइवाएण जाव मिच्छादसणसल्लेण नत्थि काइ सोही जहा (व) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण चेव धोव्वमाणस्स। तए ण सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लीए २ एवं वुत्ता समा(णा)णी संकिया कखिया विइगिच्छिया भेयसमावन्ना जाया(या)वि होत्था मल्लीए नो संचाएइ किंचिवि पामोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीया सचिट्ठइ। तए ण त चोक्ख मल्लीए ?] व(हु)हुओ दासचेडीओ हीलेंति निंदति खिसति ग(र)रिहंति अप्पेगइया [ओ] हेरुया(ल)लेंति अप्पेगइया मुहमक्कडियाओ करेंति अप्पेगइया वग्घाडीओ करेंति अप्पेगइया त(ज्ज)ज्जेमाणीओ (क० अ०) तालेमा(णि)णीओ (क०अ०) निच्छु(भं)हति। तए ण सा चोक्खा मल्लीए २ दासचेडियाहिं हीलिज्जमाणी जाव गरहिज्जमाणी आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणी मल्लीए २ पओसमावज्जइ [२] भिसिय गेण्हइ २ त्ता कन्नतेउराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मिहिलाओ निग्गच्छइ २ त्ता परिव्वाइयासपरिवुडा जेणेव पचालजणवए जेणेव कपिल्लपुरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूग राईसर जाव परूवेमाणी विहरइ। तए ण से जियसत्तू अन्नया कयाइ अतेउरपरियालसद्धिं सपरिवुडे एव जाव विहरइ। तए ण सा चोक्खा परिव्वाइयासपरिवुडा जेणेव जियसत्तुस्स रन्नो भवणे जेणेव जियसत्तू तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुपविसइ २ त्ता जियसत्तुं जएण विजएण वद्धावेइ। तए ण से जियसत्तू चोक्ख परिव्वाइयं एज्जमाण पासइ २ त्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता चोक्ख (परिव्वाइय) सक्कारेइ २(०) आसणेण उवनिमतेइ। तए ण सा चोक्खा उदगपरिफोसियाए जाव भिसियाए निविसइ जियसत्तु राय रज्जे य जाव अतेउरे य कुसलोदत पुच्छइ। तए णं सा चोक्खा जियसत्तुस्स रन्नो दाणधम्म च जाव विहरइ। तए णं से जियसत्तू अप्पगो ओरोहसि (जाव विम्हिए) जायविम्हए चोक्ख (परिव्वाइय) एव वयासी–तुम ण देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव (अडह) आहिंडसि बहूग य राईसरगिहाइ अणुप्पविस(सि)हि, त अत्थियाइ ते कस्स(वि)इ रन्नो वा जाव एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए ण इमे म(ह)म ओ(उव)रोहे [२]। तए ण सा चोक्खा परिव्वाइया जियसत्तु (राय) एव (वयासी–)ईसिं अवहसिय करेइ २ त्ता एव वयासी–(एव च) सरिसए ण तुमं देवाणुप्पिया! तस्स अगडदद्दुरस्स। केस ण देवाणुप्पिए! से अगडदद्दुरे [२] जियसत्तू! से जहानामए अगडदद्दुरे सिया, से ण तत्थ जाए तत्थेव वु(ड्ढे)-

पच्चोरुहइ २ त्ता तं करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अहं सामी! मिहिलाओ रायहाणीओ कुंभगस्स रन्नो पुत्तेणं पभावईए देवीए अत्तएणं मल्लदिन्नेणं कुमारेणं निव्विसए आणत्ते समाणे इ(इ)हं हव्वमागए, तं इच्छामि णं सामी! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिए जाव परिवसित्तए। तए णं से अदीणसत्तू राया तं चित्तगरदारयं एवं वयासी—किण्णं तुमं देवाणुप्पिया! मल्लदिन्नेणं निव्विसए आणत्ते?। तए णं से चित्त(त्त)गरदारए अदीणस(त्तु)त्तुं रायं एवं वयासी—एवं खलु सामी! मल्लदिन्ने कुमारे अन्नया कया(इ)इ चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम चित्तसभं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव मम संडासगं छिंदावेइ २ त्ता निव्विसयं आणवेइ, तं एवं खलु [अहं] सामी! मल्लदिन्नेणं कुमारेणं निव्विसए आणत्ते। तए णं अदीणसत्तू राया तं चित्तगरं एवं वयासी—से केरिसए णं देवाणुप्पिया! तुमे मल्लीए त(ता)दाणुरूवे (रूवे) निव्वत्तिए?। तए णं से चित्तगरे कक्खंतराओ चित्तफल(ग)यं णीणेइ २ त्ता अदीणसत्तुस्स उवणेइ २ त्ता एवं वयासी—एस णं सामी! मल्लीए २ तयाणुरूवस्स रूवस्स केइ आयारभावपडोयारे निव्वत्तिए, णो खलु सक्का केणइ देवेण वा जाव मल्लीए २ तयाणुरूवे रूवे निव्वत्तित्तए। तए णं [से] अदीणसत्तू (राया) पडिरूवजणियहासे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी तहेव जाव पहारेत्थ गम(णा)णाए (५) ॥ ७८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पंचाले जणवए कंपि(ल्ले)ल्लपुरे (णामं) णयरे (होत्था)। जिय-सत्तू णामं राया पंचालाहिवई। तस्स णं जियसत्तुस्स धारिणीपामोक्खं दे(वि)वीस-हस्सं ओरोहे होत्था। तत्थ णं मिहिलाए चोक्खा णामं परिव्वाइया रिउव्वेय जाव [सु]प-रिणिट्ठिया यावि होत्था। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मिहिलाए बहूणं राईसर जाव सत्थवाहपभिईणं पुरओ दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवे-माणी पन्नवेमाणी परूवेमाणी उवदंसेमाणी विहरइ। तए णं सा चोक्खा (परिव्वा-इया) अन्नया कयाइं तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ (य) ४ गेण्हइ २ त्ता परिव्वाइयावसहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पविरलपरिव्वाइयासद्धिं संपरिवुडा मिहिलं रायहाणिं मज्झंमज्झेणं जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे जेणेव कन्नंतेउरे जेणेव मल्ली २ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उदयपरि(प्फो)फोसियाए दब्भोवरि पच्चत्थुयाए भिसियाए नि(सि)सीयइ २ त्ता मल्लीए २ पुरओ दाणधम्मं च जाव विहरइ। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वाइयं एवं वयासी—तुब्भे णं चोक्खे! किंमूलए धम्मे पन्नत्ते?। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लिं २ एवं वयासी—अम्हं णं देवाणु-प्पिए! सोयमूलए धम्मे पन्न(वेमि)त्ति जं णं अम्हं किंचि असुई भवइ तं णं उद-

यामेव बहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥ ७०८ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुफासुए सेज्जा संथारए सयमाणे णो अण्णमण्णस्स हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं, आसाएज्जा, से अणासायमाणे तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥ ७०९ ॥ से भिक्खू वा (२) उस्सासमाणे वा णीसासमाणे वा कासमाणे वा छीयमाणे वा जंभायमाणे वा उड्डुए वा वायणिसग्गे वा करेमाणे पुव्वामेव आसयं वा पोसयं वा पाणिणा परिपिहित्ता तओ संजयामेव ऊससेज्ज वा जाव वायणिसग्गं वा करेज्जा, ॥ ७१० ॥ से भिक्खू वा (२) समा वेगया सेज्जा भवेज्जा, विसमा वेगया सेज्जा भवेज्जा, पवाता वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिवाता वेगया सेज्जा भवेज्जा, ससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सदसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पदसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सउवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिरुवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, तहप्पगाराहिं सेज्जाहिं संविज्जमाणाहिं पग्गहिततरागं विहारं विहरेज्जा, णो किंचिवि गिलाएज्जा ॥ ७११ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७१२ ॥ **सेज्जाज्झयणस्स तइओद्देसो समत्तो ॥**

॥ सेज्जाणामबिइयमज्झयणं समत्तं ॥

"अब्भुवगए खलु वासावासे अभिपवुट्ठे बहवे पाणा अभिसंभूया, बहवे बीया-अहुणुब्भिन्ना, अंतरा से मग्गा, बहुपाणा बहुबीया, जाव संताणगा, अणभिक्कता पंथा णो विण्णाया मग्गा" सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि रायहाणिंसि वा णो महती विहारभूमी णो महती वियारभूमी, णो सुलभे पीढफलगसेज्जासंथारए णो सुलभे फासुए उञ्छे अहेसणिज्जे बहवे जत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागया उवागमिस्संति य अच्चाइण्णा वित्ती णो पण्णस्स निक्खमणपवेसाए जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा णो वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा महती विहारभूमी महती वियारभूमी सुलभे जत्थ पीढफलगसेज्जासंथारए सुलभे फासुए उञ्छे अहेसणिज्जे णो जत्थ बहवे समण

हिए अयं अगडे वा तलागे वा दहे वा सरे वा सागरे वा अपासमाणे (जेणं) जाणइ-
जाव जेव अगडे वा जाव सागरे वा। तए णं तं कूवं अन्ने सामुद्दए दद्दुरे हव्वमागए। तए
णं से कूवदद्दुरे तं स(सा)मुद्ददद्दुरं एवं वयासी-से केस णं तुमं देवाणुप्पिया! कत्तो
वा इह हव्वमागए? तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूवदद्दुरं एवं वयासी-एवं खलु
देवाणुप्पिया! अहं सामुद्दए दद्दुरे । तए णं से कूवदद्दुरे तं सामुद्दयं दद्दुरं एवं
वयासी-केमहालए णं देवाणुप्पिया! से समुद्दे? । तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूव
दद्दुरं एवं वयासी-महालए णं देवाणुप्पिया! समुद्दे। तए णं से कूवदद्दुरे पाएणं लीहं
कड्ढेइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया! से समुद्दे? णो इणट्ठे समट्ठे,
महालए णं से समुद्दे । तए णं से कूवदद्दुरे पुर(च्छि)त्थिमिल्लाओ तीराओ उप्पिडि
त्ताणं[पच्चत्थिमिल्लं तीरं]गच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया! से
समुद्दे? णो इणट्ठे(समट्ठे)तहेव। एवामेव तुमंपि जियसत्तू अन्नेसिं बहूणं राईसर जाव
सत्थवाह(प)प्पभिईणं भज्जं वा भगिणिं वा धूयं वा सुण्हं वा अपासमाणे जा(णे)स्सि
जारिसए मम चेव णं ओरोहे तारिसए णो अन्नस्स। तं एवं खलु जियसत्तू! मिहि
लाए नयरीए कुंभगस्स धूया पभावईए अत्तिया मल्लीनामं(मि)२ रूवेण य(जुव्वणेण य)
जाव णो खलु अन्ना काइ देवकन्ना वा जारिसिया मल्ली। विदेहवररायकन्नाए छिन्नस्स
वि पायंगुट्ठगस्स इमे तव ओरोहे सयसहस्सइमंपि कलं न अग्घइ-त्तिकट्टु जामेव
दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया। तए णं से जियसत्तू परिव्वाइयाजणियहासे
दूयं सद्दावेइ जाव पहारेत्थ गमणाए(६)॥ ८१ ॥ तए णं तेसिं जियस(त्तु)पामो
क्खाणं छण्हं राईणं दूया जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं छप्पि
(य)दू(राय)यमा जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए अग्गुज्जाणंसि
पत्तेयं २ खंधावारनिवेसं करेंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं अणुप्पविसंति २ त्ता
जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पत्तेयं(२)करयल जाव साणं २ राईणं वय-
णाइं निवेदेंति। तए णं से कुंभए(राया)तेसिं दूयाणं(अंतिए)एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ते
जाव तिवलियं भिउडिं(भिउडी साहट्टु)एवं वयासी-न देमि णं अहं तुब्भं मल्लिं २
त्तिकट्टु ते छप्पि दूए असक्कारिय असम्माणिय अवद्दारेणं निच्छुभावेइ । तए णं
जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं दूया कुंभएणं रन्ना असक्कारिया असम्माणिया
अवद्दारेणं निच्छुभाविया समाणा जेणेव सगा २ जा(ज)णवया जेणेव सयाइं २
नगराइं जेणेव स(या)गा २ रायाणो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं
वयासी-एवं खलु सामी! अम्हे जियस(त्तु)पामोक्खाणं छण्हं रा(ई)णं दूया
जमगसमगं चेव जेणेव मिहिला जाव अवद्दारेणं निच्छुभावेइ । तं ण देइ णं

एण य मट्टियाए जाव अविग्घेण सग्ग गच्छामो। तए णं मल्ली २ चोक्खं परिव्वाइय एव वयासी-चोक्खा! से जहानामए के(ई)इ पुरिसे रुहिरकय वत्थं रुहिरे(ण)ण चेव धोवेज्जा अत्थि ण चोक्खा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण धोव्वमाणस्स का(ई)इ सोही? नो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव चोक्खा! तुब्भे ण पाणाइवाएण जाव मिच्छादसणसल्लेण नत्थि काइ सोही जहा (व) वा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण चेव धोव्वमाणस्स। तए ण सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लीए २ एव वुत्ता समा(णा)णी सकिया कखिया विइगिच्छिया भेयसमावन्ना जाया(या)वि होत्था मल्लीए नो सचाएइ किंचिवि पामोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीया सचिट्ठइ। तए ण त चोक्खं मल्लीए २]व(हु)हूओ दासचेडीओ हीलेंति निंदति खिंसति ग(र)रिहंति अप्पेगइया [ओ] हेरुया(ल)लेंति अप्पेगइया मुहमक्कडियाओ करेंति अप्पेगइया वग्घाडीओ करेंति अप्पेगइया त(ज्ज)ज्जेमाणीओ (क० अ०) तालेमा(णि)णीओ (क०अ०) निच्छु(भ)हति। तए ण सा चोक्खा मल्लीए २ दासचेडियाहिं हीलिज्जमाणी जाव गरहिज्जमाणी आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणी मल्लीए २ पओसमावज्जइ [२] भिसिय गेण्हइ २ त्ता कन्नतेउराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मिहिलाओ निग्गच्छइ २ त्ता परिव्वाइयासपरिवुडा जेणेव पचालजणवए जेणेव कपिल्लपुरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूण राईसर जाव परूवेमाणी विहरइ। तए णं से जियसत्तू अन्नया कयाइ अतेउरपरियालसद्धिं सपरिवुडे एव जाव विहरइ। तए ण सा चोक्खा परिव्वाइयासपरिवुडा जेणेव जियसत्तुस्स रन्नो भवणे जेणेव जियसत्तू तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुपविसइ २ त्ता जियसत्तु जएण विजएण वद्धावेइ। तए ण से जियसत्तू चोक्ख परिव्वाइय एज्जमाण पासइ २ त्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता चोक्ख (परिव्वाइय) सक्कारेइ २(०) आसणेण उवनिमतेइ। तए णं सा चोक्खा उदगपरिफोसियाए जाव भिसियाए निविसइ जियसत्तु राय रज्जे य जाव अतेउरे य कुसलोदत पुच्छइ। तए ण सा चोक्खा जियसत्तुस्स रन्नो दाणधम्म च जाव विहरइ। तए णं से जियसत्तू अप्पणो ओरोहसि (जाव विम्हिए) जायविम्हए चोक्ख (परिव्वाइय) एव वयासी-तुम ण देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव (अडह) आहिंडसि बहूण य राईसरगिहाइ अणुप्पविस(सि)हि, त अत्थियाइ ते कस्स(वि)इ रन्नो वा जाव एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए ण इमे म(ह)म ओ(उव)रोहे? तए ण सा चोक्खा परिव्वाइया जियसत्तु (राय) एव (वयासी-)ईसिं अवहसियं करेइ २ त्ता एव वयासी-(एवं च) सरिसए ण तुमं देवाणुप्पिया! तस्स अगडदद्दुरस्स। केस णं देवाणुप्पिए! से अगडदद्दुरे? जियसत्तू! से जहानामए अगडदद्दुरे सिया, से ण तत्थ जाए तत्थेव वु(ड्ढे)-

कुंभए(राया)मल्लिं २ णो आढाइ णो परियाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं मल्ली
२ कुंभगं(रायं)एवं वयासी–तुब्भे णं ताओ ! अण्णया ममं एज्जमाणं जाव निवेसेह,
किं णं तुब्भं अज्ज ओहय जाव झियायह ? । तए णं कुंभए मल्लिं २ एवं वयासी–
एवं खलु पुत्ता ! तव कज्जे जियसत्तुपामोक्खेहिं छहिं राईहिं दूया संपेसिया । ते
णं मए असक्कारिया जाव णिच्छूढा । तए ण(त)जियसत्तुपा(मु)मोक्खा तेसिं दूयाणं
अंतिए एयमट्ठं सोच्चा परिकुविया समाणा मिहिलं रायहाणिं निस्संचारं जाव
चिट्ठंति । तए णं अहं पुत्ता(!)तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं अंतराणि
अलभमाणे जाव झियामि । तए णं सा मल्ली २ कुंभ(गं)गं रायं एवं वयासी–मा
णं तुब्भे ताओ ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह, तुब्भे णं ताओ ! तेसिं
जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं पत्तेयं २ रा(हस्सि)हस्सियं दूयसंपेसे करेह एगमेगं
एवं वयह–तव देमि मल्लिं १ त्तिकट्टु संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि निसंत-
पडिनिसंतंसि पत्तेयं २ मिहिलं रायहाणिं अणुप्प(वे)वेसेह २ त्ता गब्भघरएसु
अणुप्पवेसेह मिहिलाए रायहाणीए दुवाराइं पिहेह २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठह । तए
णं कुंभए(राया)एवं तं चेव जाव पवेसेइ रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं ते जियसत्तु-
पामोक्खा छप्पि(य)रायाणो कल्लं(पाउप्पभूता)जाव [जलंते] जालंतरेहिं कणगमयं
मत्थयछिड्डं पउमुप्पलपिहाणं पडिमं पासंति एस णं मल्ली २ त्तिकट्टु मल्लीए २ रूवे
य जोव्वणे य लावण्णे य मुच्छिया गिद्धा जाव अज्झोववन्ना अणिमिसाए दिट्ठीए
पेहमाणा २ चिट्ठंति । तए णं सा मल्ली २ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं
खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता जेणेव जालघरए जेणेव कण(ग)मयपडिमा तेणेव उवागच्छइ
२ त्ता तीसे कणग पडिमाए मत्थयाओ तं पउमं अवणेइ । तए णं गंधे णिद्धा(वा)वेइ
से जहानामए अहिमडेइ वा जाव असुभतराए चेव । तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा
तेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरि(ज्ज)एहिं आसाइं पिहेंति
२ त्ता परम्मुहा चिट्ठंति । तए णं सा मल्ली २ ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी–
किं णं तु(म्हे)ब्भे देवाणुप्पिया ! सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं जाव परम्मुहा चिट्ठह ! ।
तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा मल्लिं २ एवं वयंति–एवं खलु देवाणुप्पिए ! अम्हे
इमेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ जाव चिट्ठामो । तए णं मल्ली
२ ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी–जइ ताव देवाणुप्पिया ! इमीसे कणग जाव
पडिमाए कल्लाकल्लिं ताओ मणुण्णाओ असणाओ ४ एगमेगे पिंडे पक्खिप्पमाणे २
इमेयारूवे असुभे पोग्ग(ल)ले परिणामे इमस्स पुण ओरालियसरीरस्स खेलासवस्स
वंतासवस्स पित्तासवस्स सु(क्क)क्कासवस्स सोणियपूयासवस्स दु(रु)रूवऊसासनीसा-

सामी ! कुंभए मल्लिं २। साण २ राईण एयमट्ठं निवेदेंति। तए णं ते जियसत्तु-पामोक्खा छप्पि रायाणो तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा(निसम्म)आसुरुत्ता अन्नमन्नस्स दूयसंपेसणं करेंति (०)एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं छण्हं राईणं दूया जमगसमगं चेव जाव निच्छूढा। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया!(अम्हं) कुंभगस्स जत्तं गेण्हित्तए–त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता ण्हाया सन्नद्धा हत्थिखंधवरगया सकोरेंटमल्लदामा जाव सेयवरचामराहिं(०)महया-हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं सएहिं[तो]२ नगरेहिंतो जाव निग्गच्छंति २ त्ता एगयओ मिलायंति(२त्ता) जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं कुंभए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे बलवाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव(भो देवाणुप्पिया!) हय जाव सेन्नं सन्नाहेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं कुंभए(राया)ण्हाए सन्नद्धे हत्थि-खंधवरगए जाव सेयवरचाम(राहिं)रए महया (०) मिहिलं(रायहाणिं)मज्झंमज्झेणं नि(ग्गच्छइ)ज्जाइ २ त्ता विदे(हं)हजणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव देसअंते तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता)खंधावारनिवेसं करेइ २ त्ता जियसत्तूपामोक्खा छप्पि य रायाणो पडिवालेमाणे जुज्झसज्जे पडिचिट्ठइ। तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा छप्पि(य) रायाणो जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभएणं रन्ना सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था। तए णं (ते) जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो कुंभयं रायं हयमहिय-पवरवीरघाइय(नि)विवडियचिंध(द्ध)धय(छत्त) पडागं किच्छप्पाणोवगयं दिसोदि(सिं)-सं पडिसे(हिं)हंति। तए णं से कुंभए (राया)जियसत्तुपामोक्खेहिं छहिं राईहिं हय-महिय जाव पडिसेहिए समाणे अत्थामे अबले अवीरिए जाव अधारणिज्जमितिकट्टु सिग्घं तुरियं जाव वेइयं जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मिहिलं अणुपवि-सइ २ त्ता मिहिलाए दुवाराइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ। तए णं ते जिय सत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं निस्संचारं निरुच्चारं सव्वओ समंता ओरुंभित्ताणं चिट्ठंति। तए णं से कुंभए(राया)मिहिलं रायहाणिं रुद्धं जाणित्ता अ(ब्भ)ब्भिंतरियाए उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं छिद्दाणि य विवराणि य मम्माणि य अलभमाणे बहूहिं आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य ४ बुद्धीहिं परिणामेमाणे २ किंचि आयं वा उवायं वा अलभमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। इमं च णं मल्ली २ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं परि-वुडा जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पायग्गहणं करेइ। तए णं

देवाणुप्पिया! तएणं २ रज्जेहिं मे(हि)हुत्ते रज्जे ठवेह २ ता पुरिससहस्स-
वाहिणीओ सीयाओ दुरूहह(दुरूढा समाणा)२ ता मम अंतियं पाउब्भवह।
तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा मल्लिस्स अरहओ एयमट्ठं पडिसुणेंति। तए णं
मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामो(क्खे)क्खा गहाय जेणेव कुंभए (राया) तेणेव
उवागच्छइ २ ता कुंभगस्स पाएसु पाडेइ। तए णं कुंभए (राया) ते जियसत्तु-
पामोक्खा विउलेणं असणेणं ४ पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ जाव पडिवि-
सज्जेइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा कुंभएणं रन्ना विसज्जिया समाणा जेणेव
साइं २ रज्जाइं जेणेव नगराइं तेणेव उवागच्छंति २ ता सगाइं [२] रज्जाइं
उवसंपज्जित्ता[णं] विहरंति। तए णं मल्ली अरहा संवच्छरावसाणे निक्खमिस्सामित्ति
मणं पहारेइ ॥ ८२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्कस्स आसणं चलइ। तए णं
सक्के देविंदे देवराया आसणं चलियं पासइ २ ता ओहिं पउंजइ ता मल्लिं अरहं
ओहिणा आभोएइ ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु
जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए कुंभगस्स रन्नो मल्ली अरहा निक्खमिस्सामित्ति
मणं पहारेइ। तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पन्नमणागयाणं सक्काणं (३) अरहंताणं भगवं-
ताणं निक्खममाणाणं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं द(लि)लइत्तए, तंजहा—तिन्नेव य
कोडिसया अट्ठासीइं च हुं(हों)ति कोडीओ। असिइं च सयसहस्सा इंदा दलयंति
अरहाणं ॥ १ ॥ एवं संपेहेइ २ ता वेसमणं देवं सद्दावेइ २ ता एवं वयासी—एवं
खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जाव असीइं च सयसहस्साइं दलइत्तए,
तं गच्छह णं देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे (दीवे) भारहे वासे मिहिलाए कुंभगभवणंसि
इमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहराहि २ ता खिप्पामेव मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि। तए
णं से वेसमणे देवे सक्केणं देविंदेणं( ) एवं वुत्ते (समाणे) ह( )ट्ठे करयल जाव पडि-
सुणेइ २ ता जंभए देवे सद्दावेइ २ ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! जंबु-
द्दीवं २ भारहं वासं मिहिलं रायहाणिं कुंभगस्स रन्नो भवणंसि तिन्नेव य कोडिसया
अट्ठासीइं च कोडीओ अ(सि)सीइं च सयसहस्साइं अयमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहरह
२ ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते जंभगा देवा वेसमणेणं जाव सुणेत्ता
उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं वि(इ)उव्वंति २ ता
ताए उक्किट्ठाए जाव वीईवयमाणा जेणेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणेव मिहिला
रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे तेणेव उवागच्छंति २ ता कुंभगस्स रन्नो
भवणंसि तिन्नि कोडिसया जाव साहरंति २ ता जेणेव वेसमणे देवे तेणेव उवागच्छंति
२ ता करयल जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से वेसमणे देवे जेणेव सक्के १ तेणेव

सस्स दुरुयमुत्त(पु)पूइयपुरीसपुण्णस्स सडण जाव धम्मस्स केरिसए[य]परिणामे भविस्सइ ? त मा ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! माणुस्सएसु कामभोगेसु सज्जह रज्जह गिज्झह मुज्झह अज्झोववज्जह । एव खलु देवाणुप्पिया !(तुम्हे)अम्हे इ(माओ,मे तच्चे भवग्गहणे अवरविदेहवासे सलिलावईविजए वीयसोगाए रायहाणीए महब्बल पामोक्खा सत्त(वि)पियबालवयसया रायाणो होत्था सहजाया जाव पव्वइया । तए ण अह देवाणुप्पिया ! इमेण कारणेणं इत्थीनामगोय कम्म निव्वत्तेमि–जइ ण तु(ब्भे)ब्भे चउ(त्थो)त्थ उवसपज्जित्ताणं विहरह त(ए)ओ ण अह छट्ठ उवसपज्जित्ताण विहरामि सेस तहेव सव्वं । तए ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! कालमासे काल किच्चा जयते विमाणे उववन्ना । तत्थ ण तु(ब्भे)ब्भ देसूणाइ बत्तीसाइ सागरोवमाइ ठिई । तए ण तुब्भे ताओ देवलो(या)गाओ अणतर चय चइत्ता इहेव जबुद्दीवे २ (जाव) साइ २ रज्जाइ उवसपज्जित्ताण विहरह । तए ण अहं(देवाणुप्पिया !)ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव दारियत्ताए पच्चायाया । किं(थ)च तय पम्हुट्ठ ज थ तया भो जयतपवरंमि । वुत्था समयनिबद्ध देवा त सभरह जाइ ॥ १ ॥ तए ण तेसिं जियसत्तुपामोक्खाण छण्ह रा(या)ईण मल्लीए २ अतिए एयमट्ठ सोच्चा २ सुभेण परिणामेण पसत्थेण अज्झवसाणेण लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाण कम्माणं खओवसमेणं ईहा(वू)पूह जाव सन्निजाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठ सम्म अभिसमागच्छति । तए णं मल्ली अरहा जियसत्तुपामोक्खे छप्पि रायाणो समुप्पन्नजा(इ)ईसरणे जाणित्ता गब्भघराण दाराइ विहा(डावे)डेइ । तए ण(ते) जियसत्तुपामोक्खा जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति । तए ण महब्बलपामोक्खा सत्त पियबालवयंसा एगयओ अभिसमन्नागया(या)वि होत्था । तए ण मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे छप्पि(य)रायाणो एव वयासी–एवं खलु अह देवाणुप्पिया ! ससारभ(य)उव्विग्गा जाव पव्वयामि, त तुब्भे णं किं करेह किं ववसह(जाव)किं भे हियसामत्थे ? । तए णं जियसत्तुपामोक्खा(छ० रा०)मल्लिं अरह एव वयासी–जइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! ससार जाव पव्वयह अम्हाण देवाणुप्पिया ! के अन्ने आलबणे वा आहारे वा पडिबधे वा ? जह चेव ण देवाणुप्पिया ! तुब्भे अ(म्हे)म्हं इओ तच्चे भवग्गहणे बहूसु कज्जेसु य मेढी पमाण जाव धम्मधुरा होत्था त(हा)ह चेव ण देवाणुप्पिया ! इण्हिंपि जाव भविस्सह । अम्हे वि(य)ण देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा जाव भीया जम्मणमरणाण देवाणुप्पिया-(णं)सद्धिं मुडा भवित्ता जाव पव्वयामो । तए ण मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे एव वयासी–(जं)जइ ण तुब्भे ससार जाव मए सद्धिं पव्वयह त ॥गच्छह णं तुब्भे

अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइत्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करे(रे)ह । तए णं कुंभए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं [कलसाणं] जाव भोमेज्जाणं (ति) अन्नं च महत्थं जाव तित्थयराभिसेयं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे जाव अच्चुयपज्जवसाणा आगया । तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं (कलसाणं) जाव अन्नं च तं विउलं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तेवि कलसा ते चेव कलसे अणुपविट्ठा । तए णं से सक्के देविंदे देवराया कुंभए य राया मल्लिं अरहं सीहासणंसि पुरत्थाभिमुहं निवेसेइ अट्ठसहस्सेणं सोवण्णियाणं जाव अभिसिंचंति । तए णं मल्लिस्स भगवओ अभिसेए वट्टमाणे अप्पेगइया देवा मिहिलं च सब्भिंत(रं)रबा(हि)रिं जाव सव्वओ समंता [प]रिधावंति । तए णं कुंभए राया दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं जाव सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव मणोरमं सीयं उवट्ठवेह ते उवट्ठवेंति । तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव अणेगखंभ जाव (मणोरमं) सीयं उवट्ठवेह जाव सावि सीया तं चेव सीयं अणुप्पविट्ठा । तए णं मल्ली अरहा सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव मणोरमा सीया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मणोरमं सीयं अणुपयाहिणीकरेमाणा मणोरमं सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे । तए णं कुंभए (राया) अट्ठारस सेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया मल्लिस्स सीयं परिवहह जाव परिवहंति । तए णं सक्के ३ मणोरमाए [सीयाए] दक्खिणिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ । ईसाणे उत्तरिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ । चमरे दाहिणिल्लं हेट्ठिल्लं बली उत्तरिल्लं हेट्ठिल्लं अवसेसा देवा जहारिहं मणोरमं सीयं परिवहंति–पुव्विं उक्खित्ता माणु(स्)सेहिं (तो)सा हट्ठरोमकूवेहिं । पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंदना(गिं)दा ॥१॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी । देविंददाणविंदा वहंति सीयं जिणिंदस्स ॥२॥ तए णं मल्लिस्स अरहओ मणोरमं सीयं दुरूढस्स इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपु(व्वीए)व्वीए एवं निग्गमो जहा जमालिस्स । तए णं मल्लिस्स अरहओ निक्खममाणस्स अप्पेगइया देवा मिहिलं आसिय जाव अब्भिंतरवासविहिगाहा जाव परिधावंति । तए णं मल्ली अरहा जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरु(रु)हइ आभरणालंकारं पभावई पडिच्छइ ।

उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव पच्चप्पिणइ। तए णं मल्ली अरहा कल्लाकल्लिं जाव मागहओ पायरासो त्ति बहूणं सणाहाण य अणाहाण य पहियाण य पंथियाण य करोडियाण य कप्पडियाण य एगमेगं हिरण्णकोडिं अट्ठ य अणूणाइं सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलयइ। तए णं (से)कुंभए(राया) मिहिलाए रायहाणीए तत्थ २ तहिं २ देसे २ बहूओ महाणससालाओ करेइ। तत्थ णं बहवे मणुया दिन्नभइ-भत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति (०) जे जहा आगच्छंति तंजहा-पंथिया वा पहिया वा करोडिया वा कप्पडिया वा पासंडत्था वा गिहत्था वा तस्स य तहा आसत्थस्स वीसत्थस्स सुहासणवरगयस्स तं विउलं असणं ४ परिभाएमाणा परिवे-सेमाणा विहरंति। तए णं मिहिलाए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइ-क्खइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! कुंभगस्स रन्नो भवणंसि सव्वकामगुणियं किमिच्छियं विपुलं असणं ४ बहूणं समणाण य जाव परिवेसिज्जइ। वरवरिया घोसिज्जइ किमि-च्छियं दिज्जए बहुविहीयं। सुरअसुरदेवदाणवनरिंदमहियाण निक्खमणे॥ १॥ तए णं मल्ली-अरहा संवच्छरेण तिन्नि कोडिसया अट्ठासी(ति)यं च होंति कोडीओ अ(सिति)सीयं च सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलइत्ता निक्खमामित्ति मणं पहारेइ॥ ८३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं लोगंतिया देवा बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणपत्थडे सएहिं २ विमाणेहिं सएहिं २ पासायवडिंसएहिं पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं तिहिं, परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्नेहि य बहूहिं लोगंतिएहिं देवेहिं सद्धिं संपरि-वुडा महयाहयनट्टगीयवाइय जाव रवेणं भुंजमाणा विहरंति तंजहा——सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य। तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य॥ १॥ तए णं तेसिं लो(यं)गंतियाणं देवाणं पत्तेयं २ आसणाइं चलंति तहेव जाव अरहताणं निक्खममाणाणं संबोहणं क(रे)रित्तए-त्ति तं गच्छामो णं अम्हे वि मल्लिस्स अरहओ संबोहणं करे(मि)मो-त्तिकट्टु एवं संपेहेंति २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभा(य०)गं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति(०) सं(खि)खेज्जाइं जोयणाइं एवं जहा जंभगा जाव जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रन्नो भवणे जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अंतलिक्खपडिवन्ना सखिंखिणियाइं जाव वत्थाइं पवरपरिहिया करयल जाव ताहिं इट्ठाहिं (जाव) एवं वयासी-बुज्झाहि भगवं(!) लोग नाहा! पवत्तेहि धम्मतित्थं जीवाणं हियसुहनिस्सेयसकरं भविस्सइ-त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयंति (०) मल्लिं अरहं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भू(आ)या तामेव दिसिं पडिगया। तए णं मल्ली अरहा तेहिं लोगंतिएहिं देवेहिं संबोहिए समाणे जेणेव

साहस्सीओ उक्को । सम्मसपामोक्खा(मल्लिस्स णं अरहओ)णं सावयाणं एगा सयसा-
हस्सी चुलसीइं (च) सहस्सा ( ) सुनंदापामोक्खा(मल्लिस्स णं अरहओ)णं सावियाणं
तिण्णि सयसाहस्सीओ पण्णट्ठिं च सहस्सा ( ) छ(स)स्सया चोद्दसपुव्वीणं [संपया ।]
वी(स)सं सया ओहिनाणीणं बत्तीसं सया केवलनाणीणं पणतीसं सया वेउव्वियाणं
अट्ठसया मणपज्जवनाणीणं चोद्दससया वाईणं वीसं सया अणुत्तरोववाइयाणं ।
मल्लिस्स [णं] अरहओ दुविहा अंतगडभूमी होत्था तंजहा-जु(गं)तकरभूमी परिया-
यंतकरभूमी य जाव वीसइमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवा[स]परियाए
अंतमकासी । मल्ली णं अरहा पणवीसं धणू ( ) उड्ढं उच्चत्तेणं वण्णेणं पियंगु(स)समे
समचउरंससंठाणे वज्जरिसहनारायसंघयणे मज्झदेसे सुहंसुहेणं विहरित्ता जेणेव
सम्मेए पव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सम्मेयसेलसिहरे पाओवगमणुववन्ने । मल्ली
णं अरहा एगं वाससयं अगारवासमज्झे पणपन्नं वाससहस्साइं वाससयऊणाइं
केवलिपरियागं पाउणित्ता पणपन्नं वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जे से गिम्हाणं
पढमे मासे दोच्चे पक्खे चे(चि)त्तसुद्धे तस्स णं चेत्तसुद्धस्स चउत्थीए भरणीए नक्खत्तेणं
अद्धरत्तकालसमयंसि पंचहिं अज्जियासएहिं अब्भिंतरियाए परिसाए पंचहिं अणगार-
सएहिं बाहिरियाए परिसाए मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं वग्घारियपाणी खीणे वेयणिज्जे
आउए णा(मे)गोए सिद्धे । एवं परिनिव्वाणमहिमा भाणियव्वा जहा जंबुद्दीवपन्नत्तीए
नंदीसरे अट्ठाहियाओ पडिगयाओ । एवं खलु जंबू ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं
अट्ठमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते-त्तिबेमि ॥ ८५ ॥ गाहाउ-उग्गतव-
संजमवओ पगिट्ठफलसाहगस्स वि जियस्स । धम्मविसएवि सुहुमावि होइ माया
अणत्थाय ॥ १ ॥ जह मल्लिस्स महाबलभवंमि तित्थयरनामबंधेऽवि । तवविसय-
थेवमाया जाया जुवइत्तहेउत्ति ॥ २ ॥ अट्ठमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स नायज्झय-
णस्स अयमट्ठे पन्नत्ते नवमस्स णं भंते ! नायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के
अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था ।
(तीसे णं चंपाए नयरीए कोणिए नामं राया होत्था तस्स णं चंपाए नयरीए बहिया
उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए) पुण्णभद्दे(नामं) उज्जाणे(होत्था) । तत्थ णं माकंदी नामं
सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं भद्दा नामं भारिया होत्था ।
तीसे णं भद्दाए अत्तया दुवे सत्थवाहदारया होत्था तंजहा-जिणपालिए य जिणर-
क्खिए य । तए णं तेसिं मागंदियदारगाणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं इमेयारूवे
मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-एवं खलु अम्हे लवणसमुद्दं पोयवहणेणं एक्कारस

तए णं मल्ली अरहा सयमेव पंचमुट्ठिय लोय करेइ। तए णं सक्के ३ मल्लिस्स केसे पडिच्छइ (२त्ता) खीरोदगसमुद्दे साहर(पक्खिव)इ। तए णं मल्ली अरहा नमो(ऽ)त्थु णं सिद्धाण-तिकट्टु सामाइय(च)चारित्त पडिवज्जइ। जं समय च णं मल्ली अरहा चारित्तं पडिवज्जइ त समय च ण देवाण [य] माणुसाण य निग्घोसे तु(रि)डिय(नि)णा(य)ए गीयवाइय-निग्घोसे य सक्क(स्स)वयणसदेसेण निलुक्के यावि होत्था। ज समय च ण मल्ली अरहा सामाइ(यं)यचारित्त पडिवन्ने त समय च ण मल्लिस्स अरहओ माणुसधम्माओ उत्तरिए मणपज्जवनाणे समुप्पन्ने। मल्ली ण अरहा जे से हेमताण दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे पोससुद्धे तस्स ण पोससुद्धस्स एक्कारसीपक्खेण पुव्वण्हकालसमयसि अट्ठमेण भत्तेणं अपाणएण अस्सिणीहिं नक्खत्तेण जोगमुवागएण तिहिं इत्थीसएहिं अब्भितरियाए परिसाए तिहिं पुरिससएहिं बाहिरियाए परिसाए सद्धिं मुंडे भवित्ता पव्वइए। मल्लिं अरहं इमे अट्ठ ना(रा)यकुमारा अणुपव्वइसु तजहा—नदे य नदिमित्ते सुमित्तबलमित्त-भाणुमित्ते य। अमरवइ अमरसेणे महसेणे चेव अट्ठमए ॥ १ ॥ तए ण (स) ते भव-णवई ४ मल्लिस्स अरहओ निक्खमणमहिम करेंति २ त्ता जेणेव नदीस(रव)रे(०) अट्ठाहिय करेंति जाव पडिगया। तए ण मल्ली अरहा ज चेव दिवस पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वा(प०)वरण्हकालसमयसि असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयसि सुहासणवरगयस्स सुहेण परिणामेण(पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं) पसत्थाहिं लेसाहिं (विसुज्झमाणीहिं) तयावरणकम्मरयविकरणकर अपुव्वकरण अणुपविट्ठस्स अणते जाव केवल[वर]नाणदसणे समुप्पन्ने ॥८४॥ तेग कालेण तेण समएणं सव्वदेवाण आ-सणाइं च(ल)लेंति समोसढा सुर्णेति अट्ठाहि(य)य म(हिमा)हा० नदीस(रे)र [जाव] जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव (दिसिं) पडिगया। कुंभए वि निग्गच्छइ। तए ण ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि य रायाणो जेट्ठपुत्ते रज्जे ठावेत्ता पुरिससहस्सवाहिणी-याओ दुरूढा सव्विड्ढीए जेणेव मल्ली अरहा जाव पज्जुवासति। तए ण मल्ली अरहा तीसे महइमहालियाए कुभगस्स (रण्णो) तेसिं च जियसत्तपामोक्खाण धम्म [परि]कहेइ। परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। कुभए समणोवासए जाए पडिगए पभावई(य समणोवासिया जाया पडिगया) पि। तए ण जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो धम्म सोच्चा आलित्तए ण भंते! जाव पव्वइया [जाव] चोद्दसपुव्विणो अणते केव(लि)ली सिद्धा। तए ण मल्ली अरहा सहसववणाओ [पडि]निक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। मल्लिस्स ण (अरहओ) भिसग-(किंसुय)पामोक्खा अट्ठावीस गणा अट्ठावीस गणहरा होत्था। मल्लिस्स ण अरहओ [अट्ठ]चत्तालीस समणसाहस्सीओ उक्को०। बधुम(ई)इपामोक्खाओ पणपन्न अज्जिया-

जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिंसि वा तओ संज- यामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥ ७१५ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा नो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं नच्चा नो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१६ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच दस रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं नच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा वितिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सइ परक्कमे संज- यामेव परिक्कमेज्जा नो उज्जुयं गच्छेज्जा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव नो उज्जुयं गच्छेज्जा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७१९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतियाणि दस्सुगायतणाणि मिल- क्खूणि अणायरियाणि दुस्सन्नप्पाणि दुप्पन्नवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकाल- परिभोईणि सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं नो विहारवत्तियाए पव- ज्जेज्जा गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडि- ग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा भिंदेज्ज वा अवहरेज्ज वा परिट्ठवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंति- याणि दस्सुगायतणाणि जाव विहारवत्तियाए नो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा गणरायाणि वा जुवरायाणि वा दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा विरुद्धरज्जाणि वा सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं नो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२१ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से ज्जं पुण विहं जाणिज्जा एगाहेण वा दुयाहेण वा तियाहेण वा चउयाहेण वा पंचाहेण वा पाउणिज्ज वा नो पाउणिज्ज वा तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सइ लाढे जाव

वारा ओगाढा-सव्वत्थ वि य ण लद्धट्ठा कयकज्जा अणहसमग्गा पुणरवि निय(य) गघर हव्वमागया। त सेय खलु अम्ह देवाणुप्पिया! दुवालसमपि लवणसमुद्द पोयवहणेण ओगाहित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठ पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अम्हे अम्मयाओ! एक्कारस वारा त चेव जाव निय(यं)गघर हव्वमागया, त इच्छामो णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा दुवालम(म)लवणसमुद्द पोयवहणेणं ओगाहित्तए। तए ण ते मागदियदारए अम्मापियरो एव वयासी—इमे (ते) मे जाया! अज्जग जाव परिभाएत्तए, त अणुहोह ताव जाया! विपुले माणुस्सए इड्ढीसक्कारसमुदए, किं मे सपच्चवाएण निरालंबणेण लवणसमुद्दोत्तारेण? एव खलु पुत्ता! दुवालसमी जत्ता सोवसग्गा यावि भवइ, त मा ण तुब्भे दुवे पुत्ता! दुवालसमपि लवण जाव ओगाहेह, मा हु तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ। तए ण [ते] मा(ग)कदियदारगा अम्मापियरो दोच्चपि तच्चपि एव वयासी-एव खलु अम्हे अम्मयाओ! एक्कारस वारा लवण जाव ओगाहित्तए। तए ण ते मा(गदी)कदियदारए अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य (आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा) ताहे अकामा चेव एयमट्ठ अणु(जाणि)मन्नित्था। तए ण ते मार्कंदियदारगा अम्मापिऊहिं अब्भणुन्नाया समाणा गणिम च धरिम च मेज्ज च पारिच्छेज्ज च जहा अरहन्नगस्स जाव लवणसमुद्द बहूइं जो(अ)यणसयाइ ओगाढा ॥ ८६ ॥ तए ण तेसिं मार्कंदियदारगाण अणेगाइ जोयगसयाइ ओगाढाण समाणाण अणेगाइ उप्पाइयसयाइ पाउब्भूयाइ तजहा-अकाले गज्जिय जाव थणियसद्दे कालियवाए तत्थ समुट्ठिए। तए ण सा नावा तेण कालियवाएण आहुणिज्जमाणी २ संचालिज्जमाणी २ सखोभिजमाणी २ सलिलतिक्खवेगेहिं अइव(आय)ट्टिज्जमाणी २ कोट्टिमसि करतलाहए विव तिं(तें)दूसए तत्थेव २ ओवयमाणी य उप्पयमाणी य उप्पयमाणी-विव धरणीयलाओ सिद्धविज्जा विज्जाहरकन्नगा ओवयमाणी विव गगणतलाओ भट्ठविज्जा विज्जाहरकन्नगा विपलायमाणी विव महागरुलवेगवित्तासिया भुयगवरकन्नगा धावमाणी विव महाजणरसियसद्दवित्तत्था ठाणभट्ठा आसकिसोरी निगुजमाणी विव गुरुजणदिट्ठावराहा सु(य)जणकुलकन्नगा घुम्ममाणी विव वी(ची)-चिपहारसयतालिया गलियलवगा विव गगणतलाओ रोयमाणी विव सलिल[भिन्न]-गठिविप्पइरमाण(घो)घोरंसुवाएहिं नववहू उवरयभत्तुया विलवमाणी विव परचक्करायाभिरोहिया परममहब्भयाभिद्दुया महापुरवरी झायमाणी विव कवडच्छोम[ण]पओगजुत्ता जोगपरिव्वाइया नीस(निसा)समाणी विव महाकतारविणिग्गयपरिस्संता

साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य सियकुंदधवलजोण्हो कुसुमियलोद्धवणसंडमंडलतलो। तुसारदगधारपीवरकरो हेमंतउऊससी सया साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! वावीसु य जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे तत्थ वि उव्विग्गा वा जाव उस्सुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे अवरिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तं जहा—वसंते य गिम्हे य। तत्थ उ सहकारचारुहारो किंसुयकण्णियारासोगमउडो। ऊसियतिलग(ब)उलायवत्तो वसंतउऊ-णरवई साहीणो ॥ १ ॥ तत्थ य पाडलसिरीससलिलो म(ल्लि)यावासंतियधवलवेलो सीयलसुरभिअनिलमगरचरिओ गिम्हउऊसागरो साहीणो ॥ २ ॥ तत्थ णं बहूसु जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! तत्थ वि उव्विग्गा [वा] उस्सुया [वा उप्पुया वा] भवेज्जाह तओ तुब्भे जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छेज्जाह ममं पडिवालेमाणा २ चिट्ठेज्जाह। मा णं तुब्भे दक्खिणिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं महं एगे उग्गविसे चंडविसे घोरविसे महाविसे अइकाय(म)२ महाकाए जहा तेयनिसग्गे मसिमहिस(मू)-समुस्साकालए नयणविसरोसपुण्णे अंजणपुंजनिगरप्पगासे रत्तच्छे जमलजुयलचंचलचलंतजीहे धरणियलवेणिभूए उक्कडफुडकुडिलजडुलकक्खडविकडफडाडोवकरणदच्छे लोहागरधम्ममाणधमधमेंतघोसे अणागलियचंडतिव्वरोसे समु(हिं)तु(रि)यचवलं धम(धं)मंतदिट्ठीविसे सप्पे (य) परिवसइ। मा णं तुब्भे सरीर(य)स्स वावत्ती भविस्सइ। ते मागंदियदारए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोह[ ]णइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टेउं पयत्ता यावि होत्था ॥ ८ ॥ तए णं ते मागंदियदारगा तओ मुहुत्तंतरस्स पासायवडेंसए सइं वा रइं वा धिइं वा अलभमाणा अन्नमन्नं एवं वयासी एवं खलु देवाणुप्पिया! रयणदीवदेवया अम्हे एवं वयासी—एवं खलु अहं सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहिवइणा जाव वावत्ती भविस्सइ। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! पुरच्छिमि(ल्लं) वणसंडं गमित्तए। अन्नमन्नस्स (एयमट्ठं) पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव पुरच्छिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य जाव विहरंति। तए णं ते मागंदियदारगा तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव उत्तरिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति (२ त्ता) तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य विहरंति। तए णं ते मागंदियदार(गा)ग तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव विहरंति। तए णं ते मागंदियदारगा तत्थवि सइं वा जाव अलभमाणा अन्नमन्नं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे रयणदीवदेवया एवं वयासी—एवं खलु अहं देवाणु-

प्पिया ! सक्क(स्स)वयणसंदेसेणं सुट्ठिए(ण)ण लवणाहिवइणा जाव मा णं तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ । त भवियव्वं एत्थ कारणेण । तं सेयं खलु अम्हं दक्खिणिल्लं वणसंडं गमित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । त(ए)ओ णं गंधे निद्धाइ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अणिट्ठतराए(चेव) । तए णं ते माकंदियदार(या)गा तेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव उवागया । तत्थ णं महं एगं आ(घा)घयणं पासंति(०) अट्ठियरासिसयसकुलं भीमदरिसणिज्जं एगं च तत्थ सूलाइ(त)यं पुरिसं कलुणाइं कट्ठाइं विस्सराइं कुव्वमाणं पासंति(२ त्ता)भीया जाव सजायभया जेणेव से सूलाइ(य)ए पुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स आघयणे तुमं च णं के कओ वा इहं हव्वमागए केण वा इमेयारूवं आव(तिं)यं पाविए ? । तए णं से सूलाइए पुरिसे[ते]माकंदियदार(ए)गे एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवयाए आघयणे । अहं णं देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवाओ दीवाओ भारहाओ वासाओ का(गंदी)कंदिए आसवाणियए विपुलं पणियभंडमायाए पोयवहणेणं लवणसमुद्दं ओयाए । तए णं अहं पोयवहणविवत्तीए निब्बुड्डभंडसारे एगं फलगखंडं आसाएमि । तए णं अहं उवुज्झमाणे २ रयणदीवंतेणं संवूढे । तए णं सा रयणदीवदेवया ममं (ओहिणा) पासइ २ त्ता ममं गेण्हइ २ त्ता मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ । तए णं सा रयणदीवदेवया अन्नया कयाइ अहालहुसगंसि अवराहंसि परिकुविया समाणी ममं एयारूवं आवयं पावेइ । तं न नज्जइ णं देवाणुप्पिया ! तु(म्हं)ब्भं पि इमेसिं सरीरगाणं का मन्ने आवई भविस्सइ (?) । तए णं ते माकंदियदारगा तस्स सूलाइ(य)गस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म बलियतरं भीया जाव सजायभया सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी-कहं णं देवाणुप्पिया ! अम्हे रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थिं नित्थरिज्जामो ? । तए णं से सूलाइए पुरिसे ते माकंदियदारगे एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! पुरत्थिमिल्ले वणसंडे सेलगस्स जक्खस्स जक्खा(य)यणे सेलए नामं आसरूवधारी जक्खे परिवसइ । तए णं से सेलए जक्खे चाउ(चो)द्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु आगयसमए पत्तसमए महया २ सद्देणं एवं वदइ-कं तारयामि ? कं पालयामि ? तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! पुरत्थिमिल्लं वणसंडं सेलगस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्चणियं करेह २ त्ता जन्नुपायवडिया पंजलिउडा विणएणं पज्जुवासमाणा विहर(चिट्ठ)ह । जाहे णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वएज्जा-कं तारयामि ? कं पालयामि ? ताहे

जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता तेसिं मागंदियदारगाणं कत्थइ सुइं वा ३ अलभमाणी जेणेव उत्तरिल्ले (पासायवडेंसए) एवं चेव पच्चत्थिमिल्ले वि जाव अपासमाणी ओहिं पउंजइ (त्ता) ते मागंदियदारए सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ पासइ २ त्ता आसुरुत्ता असिखेडगं गेण्हइ २ त्ता सत्तट्ठ जाव उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जेणेव मागंदियदार(गा)या तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-हं भो मागंदियदारगा अपत्थियपत्थिया! किण्णं तुब्भे जाणह ममं विप्पजहाय सेलएणं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणा? तं एवमवि गए जइ णं तुब्भे ममं अवयक्खह तो भे अत्थि जीवियं, अह णं नावयक्खह तो भे इमेणं नीलुप्पलगवल जाव एडेमि। तए णं ते मागंदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अभीया अतत्था अणुव्विग्गा अक्खुभिया असंभंता रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं नो आढंति नो परियाणंति नो(णो अ)वयक्खंति अणाढायमाणा अपरियाणमाणा अणवयक्खमाणा [स]सेलए(ण)णं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयंति। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मागंदि[यदार]या जाहे नो संचाएइ बहूहिं पडिलोमेहि य उवसग्गेहि य चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा (लोभित्तए वा) ताहे महुरे(हि)हिं[य] सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गेउं पवत्ता यावि होत्था-हं भो मागंदियदारगा! जइ णं तुब्भेहिं देवाणुप्पिया! मए सद्धिं हसियाणि य रमियाणि य ललियाणि य कीलियाणि य हिंडियाणि य मोहियाणि य ताहे णं तुब्भे सव्वाइं अगणेमाणा ममं विप्पजहाय सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयह। तए णं सा रयणदीवदेवया जिणरक्खियस्स मणं ओहिणा आभोएइ २ त्ता एवं वयासी-निच्चंपि य णं अहं जिणपालियस्स अणिट्ठा ५। निच्चं मम जिणपालिए अणिट्ठे ५। निच्चंपि य णं अहं जिणरक्खियस्स इट्ठा ५। निच्चंपि य णं मम जिणरक्खिए इट्ठे ५। जइ णं ममं जिणपालिए रोयमा(णीं)णिं कंदमाणिं सोयमाणिं तिप्पमाणिं विलवमाणिं नावयक्खइ किण्णं तुमं[पि]जिणरक्खिया! ममं रोयमाणिं जाव नावयक्खसि? तए ण—सा पवररयणदीवस्स देवया ओहिणा (उ) जिणरक्खियस्स मणं। नाऊ(ण)णं वधनिमित्तं उव(रि)रिं मार्कंदियदारगा(णं)ण दोण्हपि ॥ १ ॥ दोसकलिया स(लि)लिलयं नाणाविहचुण्णवासमीसियं दिव्वं। घाणमणनिव्वुइकरं सव्वोउयसुरभिकुसुमवुट्ठिं पमुंचमाणी ॥ २ ॥ नाणामणिकणगरयणघटियखिंखिणिने(ऊ)उरमेहलभूसणरवेणं। दिसाओ विदिसाओ पूरयंती वयणमिणं बेइ सा (रा)कलुसा ॥ ३ ॥ होल वसुल गोल नाह दइय पिय रमण कंत सामिय निग्घिण नित्थक्क। थि(छि)ण्ण निक्किव

य कलुणेहि य उवसग्गेहिं य जाहे नो सचाएइ चालित्तए वा खोभित्तए वा वि(प)परिणामित्तए वा ताहे संता तंता परितंता निव्विण्णा समा(णा)णी जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दि(स)सिं पडिगया । तए णं से सेलए जक्खे जिणपालिएण सद्धिं लवणसमुद्द मज्झमज्झेण वीईवयइ २ त्ता जेणेव चपा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चपाए नयरीए अग्गुज्जाणंसि जिणपालियं प(पि)ट्ठाओ ओयारेइ २ त्ता एव वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! चपा–नयरी दीसइ–त्तिकट्टु जिणपालियं आपुच्छइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ९३ ॥ तए ण जिणपालिए चपं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊणं रोयमाणे जाव विलवमाणे जिणरक्खियवावत्तिं निवेदेइ । तए ण जिणपालिए अम्मापियरो मित्तनाइ जाव परियणेण सद्धिं रोयमाणाइ बहूइ लोइयाइ मयकिच्चाइ करेंति २ त्ता कालेण विगयसोया जाया । तए ण जिणपालियं अन्नया कया(इ)इ सुहासणवरगयं अम्मापियरो एव वयासी–कहण्ण पुत्ता ! जिणरक्खिए कालगए ? । तए णं से जिणपालिए अम्मापिऊण लवणसमुद्दोत्तारणं च कालियवायसमुच्छणं[च] पोयवहणविवत्तिं च फलहखडआसायणं च रयणदीवुत्तारं च रयणदीवदेवया(गिहं)-गेण्हं च भोगविभूइं च रयणदीवदेवयाअप्पाहणं च सूलाइयपुरिसदरिसणं च सेलगजक्खआरुहणं च रयणदीवदेवयाउवसग्गं च जिणरक्खियविवत्तिं च लवणसमुद्दउत्तरणं च चपागमणं च सेलगजक्खआपुच्छणं च जहाभूयमवितहमसदिद्धं परिकहेइ । तए ण जिणपालिए जाव अप्पसोगे जाव विउलाइ भोगभोगाइ भुजमाणे विहरइ ॥ ९४ ॥ तेणं कालेणं तेण समएण समणे भगवं महावीरे (जाव जेणेव चपा न(ग)यरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव) समोसढे (परिसा णिग्गया कूणिओ वि राया निग्गओ जिणपालिए) जाव धम्मं सोच्चा पव्वइए ए(क्का)गारसंग(विऊ)वी मासिएणं भत्तेणं जाव अत्ताणं झूसेत्ता सोहम्मे कप्पे दो सागरोवमाइ ठिई प० । ताओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणतरं चयं चइत्ता जेणेव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अतं काहिइ । एवामेव समणाउसो ! जाव माणुस्सए कामभोगे नो पुणरवि आसाइ से ण जाव वीईवइस्सइ जहा व से जिणपालिए । एवं खलु जबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥९५॥ **गाहाओ**–जह रयणदीवदेवी तह एत्थं अविरई महापावा । जह लाहत्थी वणिया तह सुहकामा इह जीवा ॥ १ ॥ जह तेहिं भीएहिं दिट्ठो आघायमडले पुरिसो । ससारदुक्खभीया पासंति तहेव धम्मकहं ॥ २ ॥ जह तेण तेसि कहिया देवी दुक्खाण कारणं घोरं । तत्तो च्चिय नित्थारो सेलगजक्खाओ

नण्णाओ ॥३॥ तह धम्मकही भव्वाण साहए दिट्ठअविरइसहावो। सयलदुहहेउभूया
विसया विरयंति जीवाणं ॥४॥ सत्ताणं दुहत्ताणं सरणं चरणं जिणिंदपन्नत्तं।
आणंदरूवनिव्वाणसाहणं तह य देसेइ ॥५॥ जह तेसिं तरियव्वो रुद्दसमुद्दो तहेव
संसारो। जह तेसिं सगिहगमणं निव्वाणगमो तहा एत्थं ॥६॥ जह सेलग-
पिट्ठाओ भट्ठो देवीइ मोहियमईओ। सावयसहस्सपउरम्मि सायरे पाविओ निहणं
॥७॥ तह अविरईए नडिओ चरणचुओ दुक्खसावयाइण्णे। निवडइ अपारसंसार-
सायरे दारुणसरूवे ॥८॥ जह देवीए अक्खोहो पत्तो सट्ठाण जीवियसुहाइं। तह
चरणट्ठिओ साहू अक्खोहो जाइ निव्वाणं ॥९॥ नवमं नायज्झयणं समत्तं॥

जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं नवमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते दसमस्स( )
के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (नामं) नयरे
(हो तत्थ णं रा न से णा रा हो तस्स णं रा न न र मि
एत्थ णं गु णा स हो ते च ते स स भ म पु च जाव
जे सु च ते स) सामी समोसढे (प नि ग्गिया प रि सा धम्मं
सोच्चा प प तए णं)गोयम(महासामी)मे (समणं १) एवं वयासी-कहण्णं भंते! जीवा
वड्ढंति वा हायंति वा? गोयमा! से जहाणामए बहुलपक्खस्स पाडिवयाचंदे पुण्णि-
माचंदं पणिहाय ही(णे)णे वण्णेणं हीणे सो(म)म्माए हीणे निद्धयाए हीणे कंतीए एवं
दित्तीए जुत्तीए छायाए पभाए ओयाए ले(से)साए मंडलेणं। तयाणंतरं च णं बीया-
चंदे प(पा)डिव(य)ाचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं। तयाणंतरं च
णं तइयाचंदे बी(बिति)याचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं। एवं खलु
एएणं कमेणं परिहायमाणे २ जाव अमाव(स)ाचंदे चाउद्दसिचंदं पणिहाय नट्ठे वण्णेणं
जाव नट्ठे मंडलेणं। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गंथो वा निग्गंथी वा जाव
पव्वइए समाणे हीणे खंतीए एवं मुत्तीए गुत्तीए अज्जवेणं मद्दवेणं लाघवेणं सच्चेणं
तवेणं चियाए अकिंचणयाए बंभचेरवासेणं। तयाणंतरं च णं हीणे हीणतराए खंतीए
जाव हीणतराए बंभचेरवासेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ नट्ठे खंतीए
जाव नट्ठे बंभचेरवासेणं। से जहा वा सुक्कपक्खस्स पडिवयाचंदे अमावासा(ए)चंदं
पणिहाय अहिए वण्णेणं जाव अहिए मंडलेणं। तयाणंतरं च णं बीयाचंदे पडिव-
याचंदं पणिहाय अहियतराए वण्णेणं जाव अहियतराए मंडलेणं। एवं खलु एएणं
कमेणं परि(व)वड्ढमाणे २ जाव पुण्णिमाचंदे चाउद्दसिं चंदं पणिहाय पडिपुण्णे
वण्णेणं जाव पडिपुण्णे मंडलेणं। एवामेव समणाउसो! जाव पव्वइए समाणे
अहिए खंतीए जाव बंभचेरवासेणं। तयाणंतरं च णं अहियतराए खंतीए जाव

यंभचेरवासेण । एव खलु एएणं कमेण परिवड्ढमाणे २ जाव पडिपुण्णे वभचेरवा-सेणं । एव खलु जीवा वड्ढंति वा हायंति वा । एव खलु जंबू ! समणेण भगवया महावीरेण० दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ॥९६॥ गाहाओ–जह चंदो तह साहू राहुवरोहो जहा तह पमाओ । वण्णाई गुणगणो जह तहा खमाई समणधम्मो ॥ १ ॥ पुण्णो वि पइदिण जह हायतो सव्वहा ससी नस्से । तह पुण्णचरित्तोऽवि हु कुसीलससग्गिमाईहिं ॥ २ ॥ जणियपमाओ साहू हायंतो पइदिण खमाईहिं । जायइ नट्ठचरित्तो तत्तो दुक्खाई पावेइ ॥ ३ ॥ हीणगुणो वि हु होउं सुहगुरुजोगाइजणियसवेगो । पुण्णसरूवो जायइ विवड्ढमाणो सम्-हरोव्व ॥ ४ ॥ **दसमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ ण भंते ! समणेण० दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते एक्कारसमस्स(०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एव खलु जंबू ! तेण कालेणं तेणं समएण रायगिहे जाव गोयमे (समणं ३) एव वयासी–कहं ण भंते ! जीवा आराहगा वा विराहगा वा भवति ? गोयमा ! से जहानामए एगसि समुद्दकूलसि दावद्दवा नाम रुक्खा पन्नत्ता किण्ह-जाव निउ(रु)रंवभूया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव उवसोभेमाणा २ चिट्ठति । जया ण दीविच्चगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायति तया णं वहवे दावद्दवा रुक्खा पत्तिया जाव चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा परिसडियपडुपत्तपुप्फफला सुक्करुक्खओ विव मिला-यमाणा २ चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! (जे) जो अम्ह निग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे वहूणं समणाण ४ सम्म सहइ जाव अहियासेइ वहूण अन्नउत्थि-याण वहूण गिहत्थाण नो सम्म सहइ जाव नो अहियासेइ एस णं मए पुरिसे देसविराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया ण सामुद्दगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मदा-वाया महावाया वायंति तया णं वहवे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा जाव मिलाय-माणा २ चिट्ठति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्ह निग्गथो वा २ जाव पव्वइए समाणे वहूण अन्नउत्थि(याणं व०)यगिहत्थाण सम्म सहइ वहूण समणाण ४ नो सम्म सहइ एस ण मए पुरिसे देसाराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया ण नो दीविच्चगा नो सामु-द्दगा ईसिं (पुरेवाया) पच्छावाया जाव महावाया वायति त(ए)या ण सव्वे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा(०) । एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे वहूण समणाण ४ वहूणं अन्नउत्थियगिहत्थाण नो सम्म सहइ एस ण मए पुरिसे सव्वविराहए पन्नत्ते समणाउसो ! जया णं दीविच्चगा वि सामुद्दगा वि ईसिं (पुरेवाया पच्छावाया) जाव

भवंति तया णं समणे दावद्दवा (रुक्खा) पत्तिया जाव चिट्ठंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं पव्वइए समाणे बहूणं समणाणं ४ बहूणं अन्नउत्थियगिहत्थाणं सम्मं सहइ एस णं मए पुरिसे सव्वाराहए पण्णत्ते (समणाउसो!)। एवं खलु गोयमा! जीवा आराहगा वा विराहगा वा भवंति। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ ९७ ॥ गाहाओ-जह दावद्दवतरुवणमेवं साहू जहेव दीविच्चा। वाया तह समणाइयसपक्खवयणाइं दुसहाइं ॥ १ ॥ जह सामुद्दयवाया तहऽन्नतित्थाइकडुयवयणाइं। कुसुमाइसंपया जह सिवमग्गाराहणा तह उ ॥ २ ॥ जह कुसुमाइविणासो सिवमग्गविराहणा तहा नेया। जह दीववाउजोगे बहु इड्ढी ईसि य अणिड्ढी ॥ ३ ॥ तह साहम्मियवयणाण सहमाणाराहणा भवे बहुया। इयराणमसहणे पुण सिवमग्गविराहणा थोवा ॥ ४ ॥ जह जलहिवाउजोगे थेविड्ढी बहुयरा यऽणिड्ढी य। तह परपक्खक्खमणे आराहणमीसि बहु य नरं ॥ ५ ॥ जह उभयवाउविरहे सव्वा तरुसंपया विणट्ठ त्ति। अनिमित्तोभयमच्छररूवे विराहणा तह य ॥ ६ ॥ जह उभयवाउजोगे सव्वसमिड्ढी वणस्स संजाया। तह उभयवयणसहणे सिवमग्गाराहणा वुत्ता ॥ ७ ॥ ता पुण्णसमणधम्माराहणचित्तो सया महासत्तो। सव्वेण वि कीरंतं सहेज्ज सव्वं पि पडिकूलं ॥ ८ ॥ एक्कारसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते बारसमस्स णं ( ) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णा(म)म नयरी। पुण्णभद्दे उज्जाणे। जियसत्तू [णामं] राया (होत्था)। (तस्स णं जिय सत्तुस्स रण्णो) धारिणी (णामं) देवी (होत्था अहीण जाव सुरूवा)। (तस्स णं जि र पुत्ते धारिणीए अत्तए) अदीणसत्तू णामं कुमारे जुवराया वि होत्था। सुबुद्धी [णामं] अमच्चे जाव रज्जधुराचिंतए [यावि होत्था जाव] समणोवासए (य)। तीसे णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमेणं एगे फरिहोदए यावि होत्था मेयवसारुहिरमंसपूय-पडलपोच्चडे मयगकलेवरसंछन्ने अमणुन्ने [णं] वण्णेणं जाव फासेणं से जहानामए अहिमडे इ वा गोमडे इ वा जाव मयकुहियविणट्ठकिमिणवावन्नदुरभिगंधे किमिजालाउले संसत्ते असुइविगयबीभच्छदरिसणिज्जे। भवेयारूवे सिया? णो इणट्ठे समट्ठे। एत्तो अणिट्ठतराए चेव जाव गंधेणं पण्णत्ते ॥ ९८ ॥ तए णं से जियसत्तू राया अन्नया कयाइं ण्हाए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे बहूहिं(ई)सर जाव सत्थवाहपभि(ति)ईहिं सद्धिं [भोयणमंडवंसि] भोयणवेलाए सुहासणवरगए विउलं असणं ४ जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए जाव सुइभूए तंसि विउलंसि असण(ण)ंसि ४ जाव

णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वाढे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, बीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाए वा, अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव णो गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा गमणाए ॥७२२॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावा संतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु, थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारियं भत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥ ७२४ ॥ से भिक्खू वा (२) णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झतो दुरुहेज्जा, णो बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥ ७२५ ॥ से णं परो णावागतो णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिन्नं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२६ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहर एतं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसिस्सामो" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२७ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावं आलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवल्लुएण वा वाहेहि णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२८ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वदेज्जा "आउसंतो समणा एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिंचणेण वा उस्सिंचाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७२९ ॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, आउसंतो समणा एतं तो तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण

खलु णं तं चेव। तए णं से सुबुद्धी अमच्चे जियसत्तुणा रन्ना दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे एवं वयासी—नो खलु सामी! अम्हं एयंसि फरिहोदगंसि केइ विम्हए। एवं खलु सामी! सुब्भिसद्दा वि पोग्गला दुब्भिसद्दत्ताए परिणमंति तं चेव जाव पओगवीससापरिणया वि य णं सामी! पोग्गला। तए णं जियसत्तू(राया) सुबुद्धिं (अमच्चं) एवं वयासी—मा णं तुमं देवाणुप्पिया! अप्पाणं च परं च तदुभयं च बहूहि य असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेण य वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहराहि। तए णं सुबुद्धिस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए समुप्पज्जित्था—अहो णं जियसत्तू संते तच्चे तहिए अवितहे सब्भूए जिणपण्णत्ते भावे नो उवलभइ। तं सेयं खलु मम जियसत्तुस्स रन्नो संताणं तच्चाणं तहियाणं अवितहाणं सब्भूयाणं जिणपण्णत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवा(इ)णावेत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता पच्चइएहिं पुरिसेहिं सद्धिं अंतरावणाओ नवए घड(ग)ए य पडए य ग(प)ण्हइ २ त्ता संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि णिसंतपडिणिसंतंसि जेणेव फरिहोदए तेणेव उवाग(च्छ)च्छइ २ त्ता तं फरिहोदगं गेण्हावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता [सज्जक्खारं पक्खिवावेइ] लंछियमुद्दिए क(का)रवेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता दोच्चंपि नवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता नवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता सज्ज(क्ख)क्खारं पक्खिवावेइ २ त्ता लंछियमुद्दिए का(र)रवेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता तच्चंपि नवएसु घडएसु जाव संवसावेइ। एवं खलु एएणं उवाएणं अंतरा गा(ल)लावेमाणे अंतरा पक्खिवावेमाणे अंतरा य (विपरि)वसावेमाणे (२) सत्तसत्त[य]राइंदिय[इं](णि) परिवसावेइ। तए णं से फरिहोदए सत्त(म)मंसि सत्तगंसि परिणममाणंसि उदगरयणे जाए यावि होत्था अच्छे पत्थे जच्चे तणुए फालिय(वण्ण)वण्णाभे वण्णेणं उववेए ४ आसायणिज्जे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए णं सुबुद्धी(अमच्चे) जेणेव से उदगरयणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलंसि आसाएइ २ त्ता तं उदगरयणं वण्णेणं उववेयं ४ आसायणि(ज्जे)ज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जं जाणित्ता हट्ठतुट्ठे बहूहिं उदगसंभारणिज्जेहिं दव्वेहिं संभारेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुमं (च) णं देवाणुप्पिया! इमं उदगरयणं गेण्हाहि २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवणेज्जासि। तए णं से पाणियघरिए सुबुद्धि(स्स)स्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता तं उदगरयणं गेण्ह(ण्हा)इ २ त्ता जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवट्ठवेइ। तए णं से जियसत्तू राया तं विपुलं असणं ४ आसाएमाणे जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तर(गए)गए वि य णं जाव परमसुइभूए तंसि उदगरय(णे)णंसि जाय-

जायविम्हए ते बहवे ईसर जाव पभिईए एव वयासी–अहो ण देवाणुप्पिया! इमे मणुन्ने असण ४ वण्णेण उववेए जाव फासेण उववेए अस्सायणिज्जे वि(स)सायणिज्जे पीणणिज्जे दीवणिज्जे दप्पणिज्जे मयणिज्जे विंहणिज्जे सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए ण ते बहवे ईसर जाव पभियओ जियसत्तुं एवं वयासी–तहेव ण सामी! जण्ण तुब्भे वयह–अहो ण इमे मणुन्ने अस(ण)णे ४ वण्णेण उववेए जाव पल्हायणिज्जे। तए ण जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्च एव वयासी–अहो ण सुबुद्धी! इमे मणुन्ने असणे ४ जाव पल्हायणिज्जे। तए ण सुबुद्धी जियसत्तुस्स [रन्नो] एयमट्ठ नो आढाइ जाव तुसिणीए सचिट्ठइ। [तए ण जियसत्तू सुबुद्धिं दोच्चपि तच्चपि एव वयासी–अहो ण सुबुद्धी! इमे मणुन्ने तं चेव जाव पल्हायणिज्जे।] तए ण (जियसत्तुणा) से सुबुद्धी [अमच्चे] दोच्चपि तच्चपि एव वुत्ते समाणे जियसत्तु राय एव वयासी–नो खलु सामी! अ(हं)म्ह एयसि मणुन्नसि असणसि ४ केइ विम्हए। एव खलु सामी! सु(ब्भि)रभिसद्दा वि पो(पु)ग्गला दुरभिसद्दत्ताए परिणमंति दुरभिसद्दा वि पोग्गला सुरभिसद्दत्ताए परिणमंति। सुरूवा वि पोग्गला दुरूवत्ताए परिणमंति दुरूवा वि पोग्गला सुरूवत्ताए परिणमंति। सुरभिगंधा वि पोग्गला दुरभिगंधत्ताए परिणमंति दुरभिगंधा वि पोग्गला सुरभिगंधत्ताए परिणमंति। सुरसा वि पोग्गला दुरसत्ताए परिणमंति दुरसा वि पोग्गला सुरसत्ताए परिणमंति। सुहफासा वि पोग्गला दुहफासत्ताए परिणमंति दुहफासा वि पोग्गला सुहफासत्ताए परिणमंति। पओगवीससा–परिणया वि य ण सामी! पोग्गला पन्नत्ता। तए ण(से)जियसत्तू सुबुद्धिस्स अमच्चस्स एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठ नो आढाइ नो परियाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए ण से जियसत्तू अन्नया कयाइ ण्हाए आसखधवरगए महया–भडचडगर(ह)आसवाहणियाए निज्जायमाणे तस्स फरिहोद(ग)यस्स अदूरसामंतेण वीईवयइ। तए ण जियसत्तू (राया) तस्स फरिहोदगस्स असुभेण गंधेण अभिभूए समाणे सएण उत्तरिज्ज(गे)एण आसग पिहेइ एगत अवक्कमइ (ते) २ त्ता बहवे ईसर जाव पभिइओ एव वयासी–अहो ण देवाणुप्पिया! इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेण ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए ण ते बहवे राईसर जाव पभियओ एव वयासी–तहेव ण त सामी! ज ण तुब्भे एव वयह–अहो ण इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेण ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्च एव वयासी–अहो ण सुबुद्धी! इमे फरिहोदए अमणुन्ने वण्णेण ४ से जहानामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव। तए ण[से]सुबुद्धी अमच्चे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जियसत्त राया सुबुद्धिं अमच्च दोच्चंपि तच्चपि एव वयासी–

निग्गंथं पावयणं १ जाव से जहेयं तुब्भे वयह । तं इच्छामि णं तव अंतिए पंचा
णुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया !
मा पडिबंधं (करेह) । तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिस्स (अमच्चस्स) अंतिए पंचाणु-
व्वइयं जाव दुवालसविहं सावयधम्मं पडिवज्जइ । तए णं जियसत्तू समणोवासए जाए
अ(भि)गयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं
(थेरा जेणेव चंपा णयरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव स) थेरागमणं । जियसत्तू
राया सुबुद्धी य णिग्गच्छइ । सुबुद्धी धम्मं सोच्चा जं णवरं जियसत्तुं आपुच्छामि
जाव पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! । तए णं[से]सुबुद्धी जेणेव जियसत्तू तेणेव
उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी ! मए थेराणं अंतिए धम्मे णिसंते ।
से(ऽ)वि य धम्मे इच्छि(य)ए पडिच्छिए १ । तए णं अहं सामी ! संसारभउव्विग्गे
भीए जाव इच्छामि णं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए (स) जाव पव्वइत्तए । तए णं
जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी-अ(च्छा)हि ताव देवाणुप्पिया ! कइवयाइं वासाइं
उरालाइं जाव भुंजमाणा । तओ पच्छा एगयओ थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव
पव्वइस्सामो । तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स रण्णो एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं तस्स
जियसत्तुस्स रण्णो सुबुद्धिणा सद्धिं विउलाइं माणुस्सगाइं जाव पच्चणुब्भवमाणस्स
दुवालस वासाइं वीइक्कंताइं । तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं । (तए णं) जिय
सत्तू धम्मं सोच्चा एवं ज णवरं देवाणुप्पिया ! सुबुद्धिं आमंतेमि जेट्ठपुत्तं रज्जे ठ(ठ)-
वेमि तए णं तुब्भं [अंतिए] जाव पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! । तए णं
जियसत्तू राया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबुद्धिं सद्दावेइ २ त्ता
एवं वयासी-एवं खलु मए थेराणं जाव पव्व(आ)यामि तुमं णं किं करेसि ? । तए
णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी जाव के अण्णे आ(हा)रे वा जाव प(व्वया)मि ।
तं जइ णं देवाणुप्पिया ! जाव प(व्वयह)माहि । गच्छह णं देवाणुप्पिया ! जेट्ठपुत्तं च
कुडुंबे ठावेहि २ त्ता सीयं दुरूहित्ताणं ममं अंतिए सीया जाव पाउब्भ(वेहि)वइ ।
(त ह जाव पाउब्भवइ) तए णं जियसत्तू कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं
वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! अदीणसत्तुस्स कुमारस्स रायाभिसेयं उव-
ट्ठवेह जाव अभिसिंचंति जाव पव्वइए । तए णं जियसत्तू एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ
बहूणि वासाणि परियाओ(पाउणित्ता)मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धे । तए णं सुबुद्धी
एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहूणि वासाणि जाव सिद्धे । एवं खलु जंबू ! समणेणं
भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति
बेमि ॥ ९९ ॥ गाहा-मिच्छत्तमोहियमणा पावपसत्तावि पाणिणो विगुणा । फलिहो
दगं व गुणिणो हवंति वरगुरुपसायाओ ॥ १ ॥ बारसमं णायज्झयणं समत्तं ॥

विम्हए ते बहवे राईसर जाव एव वयासी–अहो णं देवाणुप्पिया ! इमे उदगरयणे अच्छे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे। तए ण[ते] बहवे राईसर जाव एव वयासी–तहेव ण सामी ! जण्ण तुब्भे वयह जाव एवं चेव पल्हायणिज्जे। तए ण जियसत्तू राया पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–एस णं तु(ब्भे)मे देवाणुप्पिया ! उदगरयणे कओ आसाइए ? । तए णं से पाणियघरिए जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी ! मए उदगरयणे सुबुद्धिस्स अतियाओ आसाइए। तए णं जियसत्तू (राया) सुबुद्धिं अमच्च सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–अहो ण सुबुद्धी ! केण कारणेण अह तव अणिट्ठे ५ जेण तुम मम कल्लाकल्लिं भोयणवेलाए इम उदगरयण न उवट्ठवेसि ? तं एस(तए) ण तुमे देवाणुप्पिया ! उदगरयणे कओ उवलद्धे ? । तए ण सुबुद्धी जियसत्तु एवं वयासी–एस णं सामी ! से फरिहोदए। तए ण से जियसत्तू सुबुद्धिं एव वयासी–केण कारणेण सुबुद्धी ! एस से फरिहोदए ? तए ण सुबुद्धी जियसत्तु एव वयासी–एवं खलु सामी ! तु(म्हे)ब्भे तया मम एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठ नो सद्दहह। तए ण मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०–अहो ण जियसत्त संते जाव भावे नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ। तं सेय खलु म(म)म जियसत्तुस्स रन्नो सताणं जाव सब्भूयाण जिणपन्नत्ताण भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठ उवायणावेत्तए। एव सपेहेमि २ त्ता त चेव जाव पाणियघरियं सद्दावेमि २ त्ता एव वदामि–तुमं ण देवाणुप्पिया ! उदगरयण जियसत्तुस्स रन्नो भोयणवेलाए उवणेहि। त एएण कारणेणं सामी ! एस से फरिहोदए। तए णं जियसत्तू राया सुबुद्धिस्स(अमच्चस्स)एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठ नो सद्दहइ ३ असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरो(य)एमाणे अब्भितर(ट्ठा)-ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! अतरावणाओ नव[ए]घडए पडए य गेण्हह जाव उदगस(ट्ठा)भारणिज्जेहि दव्वेहिं सभारेह। तेवि तहेव सभारेंति २ त्ता जियसत्तुस्स उवणेंति। तए ण से जियसत्तू राया त उदगरयण करयलसि आसाएइ आसायणिज्ज जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्ज जाणित्ता सुबुद्धिं अमच्च सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–सुबुद्धी ! एए ण तुमे सता तच्चा जाव सब्भूया भावा कओ उवलद्धा ? । तए ण सुबुद्धी जियसत्तु एव वयासी–एए ण सामी ! मए संता जाव भावा जिणवयणाओ उवलद्धा। तए ण जियसत्तू सुबुद्धिं एव वयासी–त इच्छामि ण देवाणुप्पिया ! तव अतिए जिणवयणं निसा(मे)मित्तए। तए ण सुबुद्धी जियसत्तुस्स विचित्तं केवलिपन्नत्त चाउज्जाम धम्म परिकहेइ तमाइक्खइ जहा जीवा बज्झति जाव पचाणुव्वयाई। तए ण जियसत्तू सुबुद्धिस्स अतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० सुबुद्धिं अमच्च एव वयासी–सद्दहामि णं देवाणुप्पिया !

ण्हाए मित्तणाइ जाव संपरिवुडे महत्थं जाव पाहुडं रायारिहं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ जाव पाहुडं उवट्ठवेइ २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं सामी! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे रायगिहस्स बहिया जाव खणावेत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया (!)। तए णं[दे] णंदे सेणिएणं रन्ना अब्भणुन्नाए समाणे हट्ठतुट्ठे रायगिहं [नयरं] मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता वत्थुपाढयरोइयंसि भूमिभागंसि णंदं पोक्खरणिं खणा(वि)उं पयत्ते यावि होत्था। तए णं सा णंदा पोक्खरणी अणुपुव्वेणं ख(ण)णमाणा २ पोक्खरणी जाया यावि होत्था चाउक्कोणा समतीरा अणुपु(व्व)सुजायवप्पसीयलजला संछण्णप(त्ति)भिसमुणाला बहु[उ]प्पलपउमकुमुयणलि(णि)सुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्त(पफुल्ल)पुप्फकेसरोववेया परिहत्थभमंतमच्छछप्पयअणेगसउणगणमिहुणवियरिय(सद्दु)न्नइयमहुरसरनाइया पासाईया ४। तए णं से णंदे मणियारसेट्ठी णंदाए पोक्खरिणीए चउद्दिसिं चत्तारि वणसंडे रोवावेइ। तए णं ते वणसंडा अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा (य) संवड्ढि(य)ज्जमाणा य (ते) वणसंडा जाया किण्हा जाव नि(कु)रुंबभूया पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति। तए णं णंदे पुरच्छिमिल्ले वणसंडे एगं महं चित्तसभं करावेइ [१] अणेगखंभसयसंनिविट्ठं पासाईयं ४। तत्थ णं बहूणि किण्हाणि य जाव सुक्किलाणि य कट्ठकम्माणि य पोत्थकम्माणि य चित्त( )-ले(प्पि)म्म( )गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमाइं(म)मल्लं उवदंसिज्जमाणाइं २ चिट्ठंति। तत्थ णं बहूणि आसणाणि य सयणाणि य अत्थुयपच्चत्थुयाइं चिट्ठंति। तत्थ णं बहवे णडा य णट्टा य जाव दिन्नभइभत्तवेयणा तालायरकम्मं करेमाणा विहरंति। रायगिहविणिग्गओ(य) त(थ)त्थ [बं] ब(ह)ुजणो तेसु पुव्वन्नत्थेसु आसणसयणेसु संनिसन्नो य संतुयट्टो य सुणमाणो य पेच्छमाणो य सा(सो)हेमाणो य सुहंसुहेणं विहरइ। तए णं णंदे दाहिणिल्ले वणसंडे एगं महं महाणससालं करावेइ अणेगखंभ जाव रूवं। तत्थ णं बहवे पुरिसा दिन्नभइभत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति बहूणं समणमाहणअति(हि)किवणवणीमगाणं परिभाएमाणा २ विहरंति। तए णं णंदे मणियारसेट्ठी पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं ति(ते)गिच्छियसालं क(रे)रावेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं। तत्थ णं बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाणुया य जाणुयपुत्ता य कुसला य कुसलपुत्ता य दिन्नभइभत्तवेयणा बहूणं वाहिया(णं)ण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य तेइ(च्छ)कम्मं करेमाणा विहरंति। अन्ने य त(इ)त्थ बहवे पुरिसा दिन्नभइ देंति बहूणं वाहियाण य रोगि( )य गिला( )णुब्बलाण य ओसहभेसज्जभत्तपाणेणं पडियारकम्मं करेमाणा विहरंति। तए णं णंदे उत्तरिल्ले वणसंडे एगं

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स (णा०) अयमट्ठे पन्नत्ते तेरस-मस्स (णं भंते ! नाय०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे(०)गुणसिलए उज्जाणे (ते० का० ते० स० समणे ३ चउ(द्द)सहिं समणसाहस्सीहिं जाव सद्धिं पु० च० जाव जे० गु० उ० ते० स० अ० उ० सं० त० अ० भा० विहरइ) समोसरणं परिसा निग्गया। तेणं कालेणं तेणं समएणं सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए दद्दुरंसि सीहासणंसि दद्दुरे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिसाहिं एवं जहा सू(सु)रिया-(भो)भे जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमा(णो)णे विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबु-दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ जाव नट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगए जहा सूरियाभे। भंते(त्ति)! त्ति भगवं गोयमे समणं ३ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-अहो णं भंते ! दद्दुरे देवे महिड्ढिए ६। दद्दुरस्स णं भंते ! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी ३ कहिं गया ? कहिं (अणु)पविट्ठा ? गोयमा ! सरीरं गया सरीरं अणु-पविट्ठा कूडागारदिट्ठंतो। दद्दुरेणं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी ३ किण्णा लद्धा जाव अभिसमन्नागया ? एवं खलु गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया। तत्थ णं रायगिहे नंदे नामं मणियारसेट्ठी परिव-सइ अड्ढे दित्ते०। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! समोस(ढे)ड्ढे परिसा निग्गया सेणिए वि (राया) निग्गए। तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए पायचारेणं जाव पज्जुवासइ। नंदे धम्मं सोच्चा समणोवासए जाए। तए णं अहं रायगिहाओ पडिनिक्खमंते बहिया जणवयविहारं विहरामि। तए णं से नं(दे)दमणियारसेट्ठी अन्नया कयाइ असाहुदंसणेण य अपज्जुवासणाए य अणणुसा-सणाए य असुस्सूसणाए य सम्मत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ मिच्छत्तपज्जवेहिं परि-वड्ढमाणेहिं २ मिच्छत्तं विप्पडिवन्ने जाए यावि होत्था। तए णं नंदे मणियारसेट्ठी अन्नया [कयाइ] गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूलंसि मासंसि अट्ठमभत्तं परिगेण्हइ २ त्ता पोसहसालाए जाव विहरइ। तए णं नंदस्स अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि तण्हाए छुहाए य अभिभूयस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-धन्ना णं ते जाव ईसर-पभियओ जेसिं णं रायगिहस्स बहिया बहूओ वावीओ पोक्ख(र)रिणीओ जाव सर-सरपंतियाओ जत्थ णं बहुजणो ण्हाइ य पियइ य पाणियं च संवहइ। तं सेयं खलु म(म)मं कल्लं (पाउ०) सेणियं रायं आपुच्छित्ता रायगिहस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभा(ए)गे वे[भ]ारपव्वयस्स अदूरसामंते वत्थुपाढगरोइयंसि भूमिभागंसि(जाव) नंदं पोक्खरिणिं खणावेत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव पोसहं पारेइ २ त्ता

घोसणं घोसेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तेवि तहेव पच्चप्पिणंति। तए णं रायगिहे इमेयारूवं घोसणं सोच्चा निसम्म बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाव कुसलपुत्ता य सत्थकोसहत्थगया य (कोसगपायहत्थगया य) सिलियाहत्थगया य गुलियाहत्थगया य ओसहभेसज्जहत्थगया य सएहिं २ गिहेहिंतो निक्खमंति २ त्ता रायगिहं मज्झंमज्झेणं जेणेव नंदस्स मणियारसेट्ठिस्स गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता नंदस्स मणियारस्स सरी(री)रगं पासंति [२] तेसिं रोगायंकाणं नियाणं पुच्छंति [२ त्ता] नंदस्स मणियारस्स बहूहिं उव्वलणेहि य उव्वट्टणेहि य सिणेहपाणेहि य वमणेहि य विरेयणेहि य सेयणेहि य अवदहणेहि य अवण्हा[ण]णेहि य अणुवास(णे)णाहि य व(व)त्थिकम्मेहि य निरूहेहि य सिरावेहेहि य तच्छणाहि य पच्छणाहि य सिर(वे)वत्थीहि य तप्पणाहि य पु(ड)पागेहि य छल्लीहि य वल्लीहि य मूलेहि य कंदेहि य पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहि य बीएहि य सिलियाहि य गुलियाहि य ओसहेहि य भेसज्जेहि य इच्छंति तेसिं सोलसण्हं रोगायंकाणं एगमवि रोगायंकं उवसामित्तए नो चेव णं संचाएंति उवसामेत्तए। तए णं ते बहवे वेज्जा य ६ जाहे नो संचाएंति तेसिं सोलसण्हं रो(गा)यायंकाणं एगमवि रोगायंकं उवसामित्तए ताहे संता तंता जाव पडिगया। तए णं नंदे [मणियारे] तेहिं सोलसेहिं रोगायंकेहिं अभिभूए समाणे नंदा[ए] पु(पो)क्खरिणीए मुच्छिए ४ तिरिक्खजोणिएहिं निबद्धाउए बद्धपएसिए अट्टदुहट्टवसट्टे कालमासे कालं किच्चा नंदाए पोक्खरिणीए दद्दुरीए कुच्छिंसि दद्दुरत्ताए उववन्ने। तए णं नंदे दद्दुरे गब्भाओ वि(णिम्मु)प्पमुक्के समाणे उ(उ)म्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणु[ ]पत्ते नंदाए पोक्खरिणीए अभिरममाणे २ विहरइ। तए णं नंदाए पोक्खरिणीए बहुज(णे)णो ण्हायमाणो य पिय(माणो)य य पाणियं च संवहमाणो(य)अन्नम(न्नस्स)न्नं एवमाइक्खइ ४—धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारे जस्स णं इमेयारूवा नंदा पुक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरच्छिमिल्ले वणसंडे चित्तसभा अणेगखंभ( )तहेव चत्तारि स(हा)भाओ जाव जम्मजीवियफले। तए णं तस्स दद्दुरस्स तं अभिक्खणं २ बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए समुप्पज्जित्था—से कहिं मन्ने मए इमेयारूवे सद्दे निसंतपुव्वे—त्तिकट्टु सुभेणं परिणामेणं जाव जाईसरणे समुप्पन्ने पुव्वजाई सम्मं समागच्छइ। तए णं तस्स दद्दुरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०—एवं खलु अहं इहेव रायगिहे नयरे नंदे नामं मणियारे अड्ढे। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे[इह]समोसढे। तए णं[मए]समणस्स ३ अंतिए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए जाव पडिवन्ने। तए णं अहं अन्नया कयाइ असाहुदंसणेण य जाव मिच्छत्तं

मह अलंकारियसभं कारेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं। तत्थ णं बहवे अलंकारि-य(पुरिसा)मणुस्सा दिन्नभइभत्त(वेय)णा बहूण समणाण य [माहणाण य सनाहाण य] अणाहाण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य अलंकारियकम्मं करेमाणा २ विहरंति। तए णं तीए नंदाए पोक्खरिणीए बहवे सणाहा य अणाहा य पंथिया य पहिया य करोडिया य (कारिया०) त(णा)णहारा पत्तहारा कट्ठहारा अप्पेगइया ण्हायंति अप्पेगइया पाणियं पियंति अप्पेगइया पाणियं संवहंति अप्पेगइया विस-ज्जियसेयजल्लमलपरिस्समनिद्दखुप्पिवासा सुहंसुहेण विहरंति। रायगिह(वि)निग्गओ वि ए(ज)त्थ बहुजणो किं ते जलरमणविविहमज्जणकयलिलया(घ)हरयकुसुमसत्थर-यअणेगसउणगण(रु)कयरिभियसंकुलेसु सुहसुहेणं अभिरममाणो २ विहरइ। तए णं नंदाए पोक्खरिणीए बहुजणो ण्हायमाणो य पीयमाणो य पाणियं च संवहमाणो य अन्नमन्न एवं वयासी-धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारसेट्ठी कयत्थे जाव जम्म जीवियफले जस्स णं इमेयारूवा नंदा पोक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले तं चेव सव्वं चउसु वि वणसंडेसु जाव रायगिहविणिग्गओ जत्थ बहु-जणो आसणेसु य सयणेसु य सन्निसण्णो य संतुयट्टो य पेच्छमाणो य साहेमाणो य सुहसुहेणं विहरइ। तं धन्ने कयत्थे [कयलक्खणे] कयपुण्णे कया णं लोया(!) सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले नंदस्स मणियारस्स। तए णं रायगिहे सिं(स)घाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४-धन्ने णं देवाणुप्पिया! नंदे मणियारे सो चेव गमओ जाव सुहसुहेणं विहरइ। तए णं से नंदे मणियारे बहुजणस्स अंतिए एय-मट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे धाराहयक(ल)यंब(गं)कं पिव समूस(सि)वियरोमकूवे परं सायासोक्खमणुभ(व)वेमाणे विहरइ॥ १००॥ तए णं तस्स नंदस्स मणिया-रसेट्ठिस्स अन्नया कयाइ सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया। तंजहा-सासे कासे जरे दाहे कुच्छिसूले भगंदरे। अरिसा अजीरए दि(द्वि)ट्ठीमुद्धसूले अ(गा)कारए॥ १॥ अच्छिवेयणा कण्णवेयणा कंडू दउदरे कोढे॥ तए णं से नंदे मणियारसेट्ठी सोलसहिं रोयायंकेहिं अभिभूए समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव(म०)पहेसु महया [२] सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-एवं खलु देवाणुप्पिया! नंदस्स मणियार(सेट्ठि)स्स सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा-सासे जाव कोढे। तं जो णं इच्छइ देवाणुप्पिया! वि(वे)ज्जो वा विज्जपुत्तो वा जाणुओ वा २ कुसलो वा २ नंदस्स मणियारस्स तेसिं च णं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसा(मे)मित्तए तस्स णं (दे०!)नंदे मणियारे विउलं अत्थसंपयाणं दलयइ-त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि

कंतं जाव मा फुसंतु एयंपि [य] णं चरिमेहिं ऊसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु। तए णं से ददुरे कालमासे कालं किच्चा जाव सोहम्मे कप्पे ददुरवडिंसए (विमाणे) उववायसभाए ददुरदेवत्ताए उववन्ने। एवं खलु गोयमा! ददुरेणं सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा ३। ददुरस्स णं भंते! देवस्स केव(ति)यं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। [ददुरे णं भंते! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा!] से णं ददुरे देवे ( ) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ [मुच्चिहिइ] जाव अंतं करेहिइ। एवं खलु [जंबू!] समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति बेमि ॥ १ १ ॥ गाहाउ-संपत्तगुणो वि जओ सुसाहुसंसग्गविवज्जिओ पायं। पावइ गुणपरिहाणिं ददुरजीवोव्व मणियारो ॥ १ ॥ तित्थयरवंदणत्थं चलिओ भावेण पावए सग्गं। जह ददुरदेवेणं पत्तं वेमाणियसुरत्तं ॥ २ ॥
तेरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चोद्दसमस्स ( ) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं तेयलिपु(रे)रे णा(मे)म ण(य)रे (होत्था)। (त णं से ण ग रि एत्थ णं) पमयवणे (नामं) उज्जाणे (होत्था)। (तत्थ णं से णयरे) कणगरहे (नामं) राया (होत्था)। तस्स णं कणगरहस्स (रण्णो) पउमावई (नामं) देवी (होत्था)। तस्स णं कणगरहस्स रण्णो तेयलिपुत्ते नामं अमच्चे (होत्था) साम(दाम)दंडभेय(दं)-विहण्णे। तत्थ णं तेयलिपुरे कलाए नामं मूसियारदारए होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए। तस्स णं भद्दा नामं भारिया (होत्था)। तस्स णं कलायस्स मूसियारदार(ग)स्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नामं दारिया होत्था रूवेण य (जोव्वणेण य लाव)ण्ण) जाव उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा। तए णं [सा] पोट्टिला दारिया अन्नया कयाइ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया चेडियाचक्कवालसंपरिवुडा उप्पिं पासायवरगया आगासतलगंसि कणग(मएणं)तिंदूसएणं कीलमाणी २ विहरइ। इमं च णं तेयलिपुत्ते अमच्चे ण्हाए आसखंधवरगए महया भडचडगर[ ] आसवाहणियाए निज्जायमाणे कलायस्स मूसियारदारयस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। तए णं से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] मूसियारदारयगिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे २ पोट्टिलं दारियं उप्पिं (पासायवरगयं) आगासतलगंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणिं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए दारियाए रूवे य (५) जाव अज्झोववन्ने कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कस्स दारिया किंनामधेज्जा [वा]? तए णं

निप्पडिवन्ने। तए णं अहं अन्नया कया(इ)ं गि(म्हे)म्हकालसमयंसि जाव उवसंप-ज्जित्ताणं विहरामि-एवं जहेव चिंता आपुच्छणा नंदापुक्खरिणी वणसंडा सहाओ तं चेव सव्वं जाव नंदाए (पु(पो)क्ख०) दद्दुरत्ताए उववन्ने। तं अहो णं अहं अहन्ने अपुण्णे अकयपुण्णे निग्गंथाओ पावयणाओ नट्ठे भट्ठे परिब्भट्ठे। तं सेयं खलु मम सयमेव पुव्वपडिवन्नाइं पंचाणुव्वयाइं (०) उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता पुव्वपडिवन्नाइं पंचाणुव्वयाइं जाव आरु(हे)हइ २ त्ता इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ-कप्पइ मे जाव(जी)ज्जीवं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं अप्पाणं भावेमाणस्स विहरित्तए। छट्ठस्स वि य णं पारणगंसि कप्पइ मे नंदाए पोक्खरिणीए परिपेरंतेसु फासुएणं ण्हाणोदएणं उम्मद्द(णो)णालोलियाहि य वित्तिं कप्पेमाणस्स विहरित्तए। इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! गुणसिलए समोसढे परिसा निग्गया। तए णं नंदाए पो(पु)क्खरिणीए बहुजणो ण्हा(य०)इ ३ अन्नमन्न (०) जाव समणे ३ इहेव गुणसि-लए उज्जाणे समोसढे। तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! समणं ३ वंदामो जाव पज्जुवा-सामो। एयं (मे) णे इहभवे परभवे य हियाए जाव आ(अ)णुगामियत्ताए भविस्सइ। तए णं तस्स दद्दुरस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झ-त्थिए० समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे ३ (०) समोसढे। तं गच्छामि णं वंदा-मि (०)। एवं संपेहेइ २ त्ता नंदाओ पुक्खरिणीओ सणियं २ उत्त(र)रेइ (२ त्ता) जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए ५ दद्दुरगईए वीईवयमाणे जेणेव मम अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। इमं च णं सेणिए राया भिं(भ)भसारे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सको(रं)रेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमा-णेणं सेयवरचाम(रा)रे० हयगयरह० महया भडचडगर(०)चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे मम पायवंदए हव्वमागच्छइ। तए णं से दद्दुरे सेणियस्स रन्नो एगेणं आसकिसोरएणं वामपाएणं अक्कंते समाणे अंतनिग्घाइए कए यावि होत्था। तए णं से दद्दुरे अ(द)थामे अबले अवीरिए अपुरिस(का)कारपरक्कमे अधारणिज्जमि-तिकट्टु एगंतमवक्कमइ (०) करयल(परिग्गहियं तिक्खुत्तो सिरसावत्तं म० अ० कट्टु) जाव एवं वयासी-नमोत्थु णं अ(र)रहंताणं (भगवंताणं) जाव संपत्ताणं। नमोत्थु णं (समणस्स ३) मम धम्मायरियस्स जाव संपाविउकामस्स। पुव्विंपि य णं मए समणस्स ३ अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए। तं इयाणिंपि तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव सव्वं परिग्गहं पच्च-क्खामि जावज्जीवं सव्वं असणं ४ पच्चक्खामि जावज्जीवं जंपि य इमं सरीरं इट्ठं

वा पाएण वा बाहुणा वा ऊरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सिंचणएण चेलेण वा मट्टियाए वा कुसपत्तएण वा कुरुविंदेण वा पिहेहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा ॥ ७१० ॥ से भिक्खू वा (२) णावाए उत्तिंगेण उदयं आसवमाणं पेहाए उवरुवरिं णावं कज्जलावेमाणिं पेहाए णो परं उवसंकमित्तु एवं बूया "आउसंतो गाहावइ! एयं ते णावाए उदयं उत्तिंगेण आसवइ उवरुवरिं वा णावा कज्जलावेइ" एयप्पगारं मणं वा वायं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा अप्पुस्सुए अबहिल्लेसे एगंतगएणं अप्पाणं विउसेज्ज समाहीए, तओ संजयामेव णावासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥ ७११ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७१२ ॥ इरियाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा एयं ता तुमं छत्तगं वा जाव चम्मछेयणगं वा गिण्हाहि एयाणि तुमं विरूवरूवाणि सत्थजायाणि धारेहि एयं ता तुमं दारगं वा पज्जेहि" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥ ७१३ ॥ से णं परो णावागए णावागयं वएज्जा एस णं समणे णावाए भंडभारिए भवइ से णं बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेढिज्ज वा णिव्वेढिज्ज वा उप्फेसं वा करेज्जा ॥ ७१४ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा अभिक्कंतकूरकम्मा खलु बाला बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा से पुव्वामेव वएज्जा आउसंतो! गाहावइ! मा मेत्तो बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह सयं चेव णं अहं णावाओ उदगंसि ओगाहिस्सामि से णेवं वयंतं परो सहसा बलसा बाहाहिं गहाय उदगंसि पक्खिविज्जा तं णो सुमणे सिया णो दुम्मणे सिया णो उच्चावयं मणं णियच्छिज्जा णो तेसिं बालाणं घायाए वहाए समुट्ठिज्जा अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७१५ ॥ से भिक्खू वा (२) उदगंसि पवमाणे णो हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं आसाएज्जा से अणासायणाए अणासायमाणे तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७१६ ॥ से भिक्खू वा (२) उदगंसि पवमाणे णो उम्मुग्गणिमुग्गियं करेज्जा मामेयं उदगं कण्णेसु वा अच्छीसु वा णक्कंसि वा मुहंसि वा परियावज्जिज्जा तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७१७ ॥ से भिक्खू वा (२) उदगंसि पवमाणे दोब्बलियं पाउणिज्जा खिप्पामेव उवहिं विगिंचिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो चेव णं साइज्जिज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण

कोडुंबियपुरि(से)सा तेयलिपुत्तं एव वयासी–एस ण सामी! कलायस्स मूसियारदारयस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला नामं दारिया रूवेण य जाव [उक्किट्ठ]सरीरा। तए णं से तेयलिपुत्ते आसवाहणियाओ पडिनियत्ते समाणे अब्भिंतर(ट्ठा)ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! कला(द)यस्स २ धूयं भद्दाए अत्तय पोट्टिल दारियं मम भारियत्ताए वरेह। तए ण ते अब्भिंतरठाणिज्जा पुरिसा तेयलिणा एव वुत्ता (समाणा) हट्ठ० करयल० तहत्ति जेणेव कलायस्स २ गिहे तेणेव उवागया। तए ण से कलाए मूसियारदार[ए]ते पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइ अणुगच्छइ २ त्ता आसणेणं उवणिमतेइ २ त्ता आसत्थे वीसत्थे सुहासणवरगए एव वयासी–संदिसंतु ण देवाणुप्पिया! किमागमणपओयण (?)। तए ण ते अब्भिंतरठाणिज्जा (पुरिसा) कलाय २ एव वयासी–अम्हे ण देवाणुप्पिया! तव धूय भद्दाए अत्तयं पोट्टिल दारिय तेयलिपुत्तस्स भारियत्ताए वरेमो, त जइ ण जाणसि देवाणुप्पिया! जुत्त वा पत्त वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा सजोगो ता दिज्जउ णं पोट्टिला दारिया तेयलिपुत्तस्स, (ता) तो भण देवाणुप्पिया! किं दलामो सुक्कं (?)। तए ण कलाए २ ते अब्भिंतरठाणिज्जे पुरिसे एवं वयासी–एस चेव ण देवाणुप्पिया! मम सु(क्कि)क्क जण्णं तेयलिपुत्ते मम दारियानिमित्तेण अणुग्गहं करेइ। ते ठाणिज्जे पुरिसे विपुलेणं अस(ण)णेण ४ पुप्फवत्थ जाव मल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ (०) पडिविसज्जेइ। तए ण [ते पुरिसा] कलायस्स २ गिहाओ पडिनि(क्खम)यत्तति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छति २ त्ता तेयलिपुत्तं एयमट्ठं निवे(य)इंति। तए ण कलाए २ अण्णया कयाइ सोहणंसि तिहिं[करण]नक्खत्तमुहुत्तंसि पोट्टिल दारिय ण्हाय सव्वालंकारविभूसिय सीयं (दुरूहइ) दुरु(हि)हेत्ता मित्तणाइसपरिवुडे सया(सा)ओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सव्विड्ढीए [४] तेयलिपुरं [नयर] मज्झंमज्झेणं जेणेव तेयलिस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ (०) पोट्टिलं दारिय तेयलिपुत्तस्स सयमेव भारियत्ताए दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिल दारियं भारियत्ताए उवणीयं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए सद्धिं पट्टयं दुरुहइ २ त्ता सेयापी(त)एहिं कलसेहिं अप्पाण मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं करेइ २ त्ता पाणिग्गहणं करेइ २ त्ता पोट्टिलाए भारियाए मित्तनाइ जाव परि(ज)यण विउलेण असणपाणखाइमसाइमेण पुप्फ[वत्थ] जाव पडिविसज्जेइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए भारियाए अणुरत्ते अविरत्ते उरालाइ जाव विहरइ ॥ १०२॥

तए णं से कणगरहे (राया) रज्जे य रट्ठे य बले य वाहणे य कोसे य कोट्ठागारे य अतेउरे य मुच्छिए ४ जाए २ पुत्ते वियगेइ। अप्पेगइयाणं हत्थमुट्टियाओ छिंदइ

अप्पेगइयाणं हत्थंगुट्ठए छिंदइ। एवं पायंगुलियाओ पायंगुट्ठए वि कण्ण(सक्कु)लीओ-
(ए)याओ वि नासापुडाइं फालेइ अं(गमं)गोवंगाइं वियंगेइ। तए णं तीसे पउमाव-
ईए देवीए अन्नया [कयाइ] पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४
समुप्पज्जित्था—एवं खलु कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगेइ जाव अंगमंगाइं
वियंगेइ। तं जइ [णं] अहं दारयं प(या)यामि सेयं खलु म(मं)म तं दारगं कणग-
रहस्स रहस्सि[य]यं चेव सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए विहरित्तए—त्तिकट्टु एवं संपेहेइ
२ त्ता तेयलिपुत्तं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! कण-
गरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। तं जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं पयायामि
तए णं तुमं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे संव-
ड्ढेहि। तए णं से दारए उम्मुक्कबालभावे [जाव] जोव्वणगमणुप्पत्ते तव य मम य
भिक्खाभायणे भविस्सइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पउमावईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २
त्ता पडिगए। तए णं पउमावई (य) देवी पोट्टिला य अमच्ची सममेव गब्भं गेण्ह-
(न्ति)इ सममेव (गब्भं) परिवहंति (सममेव गब्भं परिवड्ढंति)। तए णं सा पउ-
मावई नवण्हं मासाणं जाव पियदंसणं सुरूवं दारयं पयाया। जं रयणिं च णं पउ-
मावई (देवी) दारयं पयाया तं रयणिं च णं पोट्टिला वि अमच्ची नवण्हं मासाणं
विणि(हा)घायमावन्नं दारियं पयाया। तए णं सा पउमावई देवी अम्मधाइं सद्दा-
वेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तु(मे)मं अम्मो! (तेयलि(पुत्त)गिहे) तेयलि-
पुत्तं रहस्सिययं चेव सद्दावे(ह)हि। तए णं सा अम्मधाई तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता
अंतेउरस्स अव(द)दारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव तेयलिस्स गिहे जेणेव तेयलि-
पुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया!
पउमावई देवी सद्दावेइ। तए णं तेयलिपुत्ते अम्मधाईए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा
(निसम्म) हट्ठ(तु)ट्ठे अम्मधाईए सद्धिं साओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता अंतेउ-
रस्स अवदारेणं रहस्सिययं चेव अणु[प]विसइ २ त्ता जेणेव पउमावई (देवी) तेणेव
उवागच्छइ (२ त्ता) करयल जाव एवं वयासी—संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं मए
कायव्वं। तए णं पउमावई तेयलिपुत्तं एवं वयासी—एवं खलु कणगरहे राया जाव
वियंगेइ। अहं च णं देवाणुप्पिया! दारयं पयाया। तं तु(मं)मे णं देवाणुप्पिया!
(तं) एयं दारगं गेण्हाहि जाव तव मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ—त्तिकट्टु तेय-
लिपुत्तस्स हत्थे दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पउमावईए हत्थाओ दारयं गेण्हइ उत्त-
रिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स रहस्सिययं अवदारेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव
सए गिहे जेणेव पोट्टिला भारिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी—एवं

खलु देवाणुप्पि(या)ए! कणगरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। अयं च णं दारए कणगरहस्स पुत्ते पउमावईए अत्तए। (तेण) तन्न तुम देवाणुप्पिए! इम दारग कणगरहस्स रहस्सियर्यं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खाहि य सगोवेहि य सवड्ढेहि य। तए ण एस दारए उमुक्कबालभावे तव य मम य पउमावईए य आहारे भविस्सइ-त्तिकट्टु पोट्टिलाए पासे निक्खिवइ [२] पोट्टिला(ओ)ए पासाओ त विणिहायमावन्नियं दारियं गेण्हइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अतेउरस्स अवदारेण अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमावईए देवीए पासे ठावेइ (०) जाव पडिनिग्गए। तए ण तीसे पउमावईए अगपडियारियाओ पउमावइ देविं विणिहायमावन्निय (च) दारियं पयाय पासति २ त्ता जेणेव कणगरहे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एव खलु सामी! पउमावई देवी म(इ)एल्लियं दारियं पयाया। तए ण कणगरहे राया तीसे मएल्लियाए दारियाए [महया] नीहरण करेइ बहू(णि)इ लो(इ)गियाइं मयकिच्चाइं करेइ [२] कालेण विगयसोए जाए। तए ण से तेयलिपुत्ते क(ल्लि)ल्ल कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-खिप्पामेव चारगसोहण जाव ठिइपडियं जम्हा ण अम्ह एस दारए कणगरहस्स रज्जे जाए तं होउ ण दारए नामेण कणगज्झए जाव अलभोगसमत्थे जाए॥ १०३॥ तए ण सा पोट्टिला अन्नया कयाइ तेयलिपुत्तस्स अणिट्ठा ५ जाया यावि होत्या नेच्छइ (य) णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए नामगो(त्त)यमवि सवणयाए किंपुण द(दरि)सण वा परिभोगं वा (?)। तए णं तीसे पोट्टिलाए अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु अह तेयलिस्स पुव्वि इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाया। नेच्छइ ण तेयलिपुत्ते मम नाम जाव परिभोग वा ओहयमणसकप्पा जाव झियायइ। तए ण तेयलिपुत्ते पोट्टिल ओहयमणसंकप्प जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी-मा ण तुमं देवाणुप्पिए! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुम ण मम महाणसंसि विपुल असण ४ उवक्खडावेहि २ त्ता बहूण समणमाहण जाव वणीमगाण देयमाणी य द(दे)वावेमाणी य विहराहि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तेण [अमच्चेणं] एव वुत्ता समा(णा)णी हट्ठ० तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कल्लाक(ल्ल)ल्लिं महाणससि विपुलं असण ४ जाव दवावेमाणी विहरइ॥ १०४॥ तेण कालेण तेण समएणं सुव्वयाओ नाम अज्जाओ इ(ई)रियासमियाओ जाव गुत्तबम(या)चारिणीओ बहुस्सुयाओ बहुपरिवाराओ पुव्वाणुपुव्विं [चरमाणीओ] जेणामेव तेयलिपुरे नयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं उग्गह ओगिण्हंति २ त्ता संजमे(ण)णं तवसा

अप्पाणं भावेमाणीओ विहरंति। तए णं तासिं सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जाव अडमाणीओ तेयलिस्स गिहं अणुपविट्ठाओ। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ २ त्ता हट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ ( ) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता विउ(ले)णं असण(पा)णं ४ पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं अज्जाओ! तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव दंसणं वा परिभोगं वा, तं तुब्भे णं अज्जाओ बहुनायाओ [ब]हुसिक्खियाओ बहुपढियाओ बहूणि गामागर जाव आहिंडह बहूणं राईसर जाव गिहाइं अणुपविसह, तं अत्थि-याइं भे अज्जाओ! केइ क(हिं)चि चुण्णजोए वा मंतजोगे वा कम्मणजोए वा हियउड्डावणे वा काउड्डावणे वा आभिओगिए वा वसीकरणे वा कोउयकम्मे वा भूइकम्मे वा मूले [वा] कंदे [वा] छल्ली वल्ली सिलिया वा गुलिया वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवलद्धपुव्वे जेणाहं तेयलिपुत्तस्स पुणरवि इट्ठा ५ भवेज्जामि [?]। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए एवं वुत्ताओ समाणीओ दोवि कण्णे [ठइंति] ठवे(इं)ति २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिए! समणीओ निग्गंथीओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ। नो खलु कप्पइ अम्हं एयप्प(गा)रं कण्णे(हिं)वि णिसा(मि)त्तए किमंग पुण उव(दि)सित्तए वा आयरित्तए वा (?)। अम्हे णं तव देवाणुप्पिया! विचित्तं केवलिपन्नत्तं धम्मं प(रि)कहिज्जामो। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ! तु(म्ह)ं अंतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं निसामित्तए। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए विचित्तं धम्मं परिकहेंति। तए णं सा पोट्टिला धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० एवं वयासी-सद्दहामि णं अज्जाओ! निग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह, इच्छामि णं अहं तुब्भं अंतिए पंचाणुव्व(या)इयं जाव धम्मं पडिवज्जित्तए। अहासुहं [देवाणुप्पिया]। तए णं सा पोट्टिला तासिं अज्जाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव धम्मं पडिवज्जइ ताओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सा पोट्टिला समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ ॥ १५ ॥ तए णं तीसे पोट्टिलाए अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए-एवं खलु अहं तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव परिभोगं वा, तं सेयं खलु म(म)ं सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए पव्वइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं (पाउ) जेणेव तेयलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए धम्मे निसंते जाव अब्भणुन्नाया पव्वइत्तए। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी-एवं खलु

तुमं देवाणुप्पिए! मुंडा पव्वइया समाणी कालमासे कालं किच्चा अ(अ)णंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जिहिसि, तं जइ णं तुमं देवाणुप्पिए! ममं ताओ देवलो(या)गाओ आगम्म केवलिपन्नत्ते धम्मे बो(हि)हेहि तो हं विसज्जेमि, अह णं तुमं ममं न संबोहेसि तो ते न विसज्जेमि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं तेयलिपुत्ते विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तनाइ जाव आमंतेइ (०) जाव सम्माणेइ २ पोट्टिलं ण्हायं स० पुरिससहस्सवा(ह)हिणीयं सीयं दुरूहित्ता मित्तनाइ जाव [स]परिवुडे सव्वि(ड्ढि)ड्ढीए जाव रवेणं तेयलिपु(रस्स)रं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुव्वयाण उवस्सए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पोट्टिलं पुरओ-कट्टु जेणेव सुव्वया अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पि(ए)या! मम पोट्टिला भारिया इट्ठा ५, एस णं संसारभउव्विग्गा जाव पव्वइत्तए, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सिस्सिणिभिक्खं (दलयामि)। अहासुहं मा पडिबंधं (करेह)। तए णं सा पोट्टिला सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ० उत्तरपुर(च्छिमे)त्थिमं दिसीभा(ए)गं [अवक्कमइ २] सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव सुव्वयाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-आलित्ते णं भंते! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव एक्कारस अंगाइं बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणस(णाई)णेणं [छेएत्ता] आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ना ॥ १०६ ॥ तए णं से कणगरहे राया अन्नया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था। तए णं [ते] राईसर जाव नीहरणं करेंति २ त्ता अन्नमन्नं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगित्था। अम्हे णं देवाणुप्पिया! रायाहीणा रायाहिट्ठिया रायाहीणकज्जा। अयं च णं तेयली अमच्चे कणगरहस्स रण्णो सव्वट्ठाणेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए दिन्नवियारे सव्वकज्जव(ट्टा)ड्ढावए यावि होत्था। तं सेयं खलु अम्हं तेयलिपुत्तं अमच्चं कुमारं जाइत्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! कणगरहे राया रज्जे य रट्ठे य जाव वियंगेइ, अम्हे (य) णं देवाणुप्पिया! रायाहीणा जाव रायाहीणकज्जा, तुमं च णं देवाणुप्पिया! कणगरहस्स रण्णो सव्व(ट्ठा)ठाणेसु जाव रज्जधुराचिंतए [होत्था], तं जइ णं देवाणुप्पिया! अत्थि केइ कुमारे रायलक्खणसंपन्ने अभिसेयारिहे तण्णं तुमं अम्हं दलाहि जण(जा)णं अम्हे

महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचामो। तए णं तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव एयमट्ठं
पडिसुणेइ २ त्ता कणगज्झयं कुमारं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेइ २
त्ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कणगरहस्स
रण्णो पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए कणगज्झए नामं कुमारे अभिसेयारिहे रायल-
क्खणसंपन्ने मए कणगरहस्स रण्णो रहस्सिययं संवड्ढिए, एयं णं तुब्भे महया २
रायाभिसेएणं अभिसिंचह। सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणियं परिकहेइ। तए णं
ते ईसर जाव कणगज्झयं कुमारं महया (२) रायाभिसेएणं अभिसिंचंति। तए णं
से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवंत(मलय) वण्णओ जाव रज्जं पसा-
(सा)सेमाणे विहरइ। तए णं सा पउमावई देवी कणगज्झयं रायं सद्दावेइ २ त्ता
एवं वयासी-एस णं पुत्ता! तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुमं च तेयलिपुत्तस्स [अम-
च्चस्स] प(भा)भावेणं तं तुमं णं तेयलिपुत्तं अमच्चं आढाहि परियाणाहि सक्कारेहि
सम्माणेहि इंतं अब्भुट्ठेहि ठियं पज्जुवासाहि वच्चंतं पडिसंसाहेहि अद्धासणेणं उव-
निमंतेहि भोगं च से अणुवड्ढेहि। तए णं से कणगज्झए पउमावईए (देवीए)
तहत्ति [वयणं] पडिसुणेइ जाव भोगं च से [वं]ड्ढेइ ॥ १७० ॥ तए णं से पोट्टिले
देवे तेयलिपुत्तं अभिक्खणं २ केवलिपन्नत्ते धम्मे संबोहेइ नो चेव णं से तेयलि-
पुत्ते संबुज्झइ। तए णं तस्स पोट्टिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु कण-
गज्झए राया तेयलिपुत्तं आढाइ जाव भोगं च संवड्ढेइ। तए णं से तेय(ली)लि-
पुत्ते अभिक्खणं २ संबोहिज्जमाणे वि धम्मे नो संबुज्झइ। तं सेयं खलु कणगज्झयं
तेयलिपुत्ताओ विप्परिणा(मि)मित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कणगज्झयं तेयलिपु-
त्ताओ विप्परिणामेइ। तए णं तेयलिपुत्ते कल्लं ण्हाए आसखंधवरगए बहूहिं पुरिसेहिं
[सद्धिं] संपरिवुडे साओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कणगज्झए राया तेणेव
पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्तं अमच्चं जे जहा बहवे राईसरतलवर जाव
पभियओ पासंति ते तहेव आढायंति परि(या)याणंति अब्भुट्ठेंति २ त्ता अंजलि-
परिग्गहं करेंति इट्ठाहिं कंताहिं जाव वग्गूहिं आल(वे)वमाणा य संलवमाणा य
पुरओ य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुगच्छंति। तए णं से तेयलिपुत्ते
जेणेव कणगज्झए तेणेव उवागच्छइ। तए णं [से] कणगज्झए तेयलिपुत्तं एज्ज-
माणं पासइ २ त्ता नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ पर-
म्मुहे संचिट्ठइ। तए णं [से] तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रण्णो अंजलिं करेइ। तए
णं से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं तेयलि-
पुत्ते कणगज्झयं [रायं] विप्परिणयं जाणित्ता भीए जाव संजायभए एवं वयासी-रुट्ठे

णं मम कणगज्झए राया। हीणे णं मम कणगज्झए राया। अवज्झाए ण कणग-ज्झए (राया)। तं न नज्जइ ण मम केणइ कुमारेण मारेहिइ-त्तिकट्टु भीए तत्थे (य) जाव सणियं २ पच्चोस(क्कि)क्कइ २ त्ता तमेव आसखंध दुरु(हि)हइ २ त्ता तेय-लिपुरं मज्झंमज्झेण जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्त जे जहा ईसर जाव पासति ते तहा नो आढायंति नो परियाणति नो अब्भुट्ठेति नो अज(लि)लिं० इट्ठा(हिं)इ जाव नो सलवंति नो पुरओ य पिट्ठओ य पासओ (य मग्गओ य)समणुगच्छंति। तए णं तेयलिपुत्ते जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग-(च्छइ)ए। जा वि य से तत्थ वाहिरिया परिसा भवइ तजहा-दासेइ वा पेसेइ वा माइल्लएइ वा सा वि य णं नो आढाइ ३। जा मि य से अब्भितरिया परिसा भवइ तजहा-पियाइ वा मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा सा वि य ण नो आढाइ ३। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव वासघरे जेणेव (सए) सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणिज्जंसि निसीयइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं सयाओ गिहाओ निग्गच्छामि त चेव जाव अब्भितरिया परिसा नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्टेइ। तं सेयं खलु मम अप्पाण जीवियाओ ववरोवित्तए-त्तिकट्टु एव सपेहेइ २ त्ता तालउड विसं आसगसि पक्खिवइ, से (य विसे) नो सकमइ। तए णं से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] नीलुप्पल जाव असिं खं(धे)धंसि ओहरइ, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला। तए ण से तेयलिपुत्ते जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासग गीवाए वधइ २ त्ता रुक्खं दुरूहइ २ त्ता पा(स)सगं रुक्खे वधइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से रज्जू छिन्ना। तए ण से तेयलिपुत्ते महइमहा(ल)लियं सिलं गीवाए वधइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरि(सि)सीयंसि उदगंसि अप्पाण मुयइ, तत्थ वि से थाहे जाए। तए ण से तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडंसि अगणिकाय पक्खिवइ २ त्ता अप्पाण मुयइ, तत्थ वि य से अगणिकाए विज्झाए। तए णं से तेयलिपुत्ते एवं वयासी-सद्धेयं खलु भो समणा वयंति, सद्धेयं खलु भो माहणा वयंति, सद्धेय खलु भो समणा माहणा वयंति, अह एगो असद्धेयं वयामि, एवं खलु अह सह पुत्तेहिं अपुत्ते, को मेद सद्दहिस्सइ? सह मित्तेहिं अमित्ते, को मेद सद्दहिस्सइ? एव अत्थेण दारेणं दासेहिं [पेसेहिं] परिजणेणं। एवं खलु तेयलिपुत्तेणं अमच्चेणं कणगज्झएणं रन्ना अव-ज्झाएण समाणेणं तालपुडगे विसे आसगंसि पक्खित्ते, से वि य नो (सं)कमइ, को मेयं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते नीलुप्पल जाव खंधंसि ओहरिए, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला, को मेदं सद्दहिस्सइ? तेयलिपु(त्तस्स)त्ते पासग गीवाए ब(धे)धित्ता जाव रज्जू छिन्ना, को मे(दं)य सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते महा(सिल)लियं जाव बधित्ता

महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचामो। तए णं तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कणगज्झयं कुमारं ण्हायं सस्सिरीयं करेइ २ त्ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कणगरहस्स रण्णो पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए कणगज्झए णामं कुमारे अभिसेयारिहे रायलक्खणसंपन्ने मए कणगरहस्स रण्णो रहस्सिययं संवड्ढिए, एयं णं तुब्भे महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचह। सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणियं परिकहेइ। तए णं ते ईसर जाव कणगज्झयं कुमारं महया (२) रायाभिसेएणं अभिसिंचंति। तए णं से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवंत(मलय) वण्णओ जाव रज्जं पसा-(से)माणे विहरइ। तए णं सा पउमावई देवी कणगज्झयं रायं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं पुत्ता! तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुमं च तेयलिपुत्तस्स [अमच्चस्स] प(भा)वेणं तं तुमं णं तेयलिपुत्तं अमच्चं आढाहि परिजाणाहि सक्कारेहि सम्माणेहि इंतं अब्भुट्ठेहि ठियं पज्जुवासाहि वच्चंतं पडिसंसाहेहि अद्धासणेणं उवणिमंतेहि भोगं च से अणुवड्ढेहि। तए णं से कणगज्झए पउमावईए (देवीए) तहत्ति [वयणं] पडिसुणेइ जाव भोगं च से [व]ड्ढेइ ॥ १७० ॥ तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अभिक्खणं २ केवलिपन्नत्ते धम्मे संबोहेइ नो चेव णं से तेयलिपुत्ते संबुज्झइ। तए णं तस्स पोट्टिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु कणगज्झए राया तेयलिपुत्तं आढाइ जाव भोगं च संवड्ढेइ। तए णं से तेय(लि)पुत्ते अभिक्खणं २ संबोहिज्जमाणे वि धम्मे नो संबुज्झइ। तं सेयं खलु कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणा(मे)मित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणामेइ। तए णं तेयलिपुत्ते कल्लं ण्हाए आसखंधवरगए बहूहिं पुरिसेहिं [सद्धिं] संपरिवुडे साओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कणगज्झए राया तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलिपुत्तं अमच्चं जे जहा बहवे राईसरतलवर जाव पभिइओ पासंति ते तहेव आढायंति परि(जा)णंति अब्भुट्ठेंति २ त्ता अंजलिपरिग्गहं करेंति इट्ठाहिं कंताहिं जाव वग्गूहिं आल(वे)माणा य संलवमाणा य पुरओ य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुगच्छंति। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव कणगज्झए तेणेव उवागच्छइ। तए णं [से] कणगज्झए तेयलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ २ त्ता नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं [से] तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रण्णो अंजलिं करेइ। तए णं से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे संचिट्ठइ। तए णं तेयलिपुत्ते कणगज्झयं [रायं] विप्परिणयं जाणित्ता भीए जाव संजायभए एवं वयासी-रुट्ठे

णं मम कणगज्झए राया। हीणे णं मम कणगज्झए राया। अवज्झाए णं कणग॰ज्झाए (राया)। तं न नज्जइ ण मम केणइ कुमारेण मारेहिइ–त्तिकट्टु भीए तत्थे (य) जाव सणियं २ पच्चोस(क्क)कइ २ त्ता तमेव आसखंधं दुरू(हे)हइ २ त्ता तेय-लिपुरं मज्झंमज्झेण जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए ण तेयलिपुत्त जे जहा ईसर जाव पासति ते तहा नो आढायंति नो परियाणति नो अब्भुट्ठेति नो अंज(लि)लिं० इट्ठा(हिं)इ जाव नो सलवति नो पुरओ य पिट्ठओ य पासओ (य मग्गओ य)समणुगच्छति। तए णं तेयलिपुत्ते जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग॰(च्छइ)ए। जा वि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तंजहा–दासेइ वा पेसेइ वा भाइलएइ वा सा वि य णं नो आढाइ ३। जा वि य से अब्भिंतरिया परिसा भवइ तंजहा–पियाइ वा मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा सा वि य ण नो आढाइ ३। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव वासघरे जेणेव (सए) सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणिज्जंसि निसीयइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं सयाओ गिहाओ निग्गच्छामि त चेव जाव अब्भिंतरिया परिसा नो आढाइ नो परियाणाइ नो अब्भुट्ठेइ। त सेयं खलु मम अप्पाणं जीवियाओ ववरोवित्तए–त्तिकट्टु एव सपेहेइ २ त्ता तालउड विसं आसगंसि पक्खिवइ, से (य विसे) नो सकमइ। तए ण से तेयलिपुत्ते [अमच्चे] नीलुप्पल जाव असिं खं(धे)धंसि ओहरइ, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला। तए ण से तेयलिपुत्ते जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासग गीवाए बंधइ २ त्ता रुक्खं दुरूहइ २ त्ता पा(स)सगं रुक्खे बंधइ २ त्ता अप्पाण मुयइ, तत्थ वि य से रज्जू छिन्ना। तए ण से तेयलिपुत्ते महइमहा(ल)लियं सिल गीवाए बंधइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरि(सि)सीयंसि उदगंसि अप्पाण मुयइ, तत्थ वि से थाहे जाए। तए ण से तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडंसि अगणिकाय पक्खिवइ २ त्ता अप्पाण मुयइ, तत्थ वि य से अगणिकाए विज्झाए। तए णं से तेयलिपुत्ते एवं वयासी–सद्धेयं खलु भो समणा वयति, सद्धेय खलु भो माहणा वयंति, सद्धेयं खलु भो समणा माहणा वयंति, अह एगो असद्धेय वयामि, एव खलु अहं सह पुत्तेहिं अपुत्ते, को मेद सद्दहिस्सइ? सह मित्तेहिं अमित्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ? एव अत्थेणं दारेणं दासेहिं [पेसेहिं] परिजणेणं। एवं खलु तेयलिपुत्तेणं अमच्चेण कणगज्झएण रन्ना अव-ज्झाएण समाणेणं तालपुडगे विसे आसगंसि पक्खित्ते, से वि य नो (सं)कमइ, को मेयं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते नीलुप्पल जाव खंधंसि ओहरिए, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला, को मेद सद्दहिस्सइ? तेयलिपु(त्तस्स)त्ते पासग गीवाए बं(धे)धित्ता जाव रज्जू छिन्ना, को मे(दं)यं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते महा(सिल)लियं जाव बंधित्ता

अलाइ जाव सव्वंपि अप्पा[णं] मुक्के ताव मि य णं पाडे जाए, को मेयं सद्दहिस्सइ ? तेयलिपुत्ते सहिं ति तवसूरे अप्पणो निज्झाए, को मेयं सद्दहिस्सइ ?—कोस- म्मपवरपुप्फे जाव किया[ब]इ। तए णं से पोट्टिले देवे पोट्टिलारूवं विउव्वइ २ त्ता तेयलिपुत्तस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी—हं भो तेयलिपुत्ता ! पुरओ पवाए पिट्ठओ हत्थिभयं दुहओ अचक्खुफासे मज्झे सराणि वर्ष(वरिसंति) गामे पलित्ते रण्णे झियाइ रण्णे पलित्ते गामे झियाइ, आउसो (!) तेयलिपुत्ता ! कओ वयामो ? । तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी—भीयस्स खलु भो ! पव्वज्जा सरणं उक्कं(ठि)- ठियस्स सदेसगमणं छुहियस्स अन्नं तिसियस्स पाणं आउरस्स भेसज्जं माइयस्स रहस्सं अभिजुत्तस्स पच्चयकरणं अद्धाणपरिस्संतस्स वाहणगमणं तरिउकामस्स पव- ह(णं)किच्चं परं अभिओजिउकामस्स सहायकिच्चं खंतस्स दंतस्स जिइंदियस्स एत्तो एगमवि न भवइ। तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अमच्चं एवं वयासी— सुट्ठु णं तुमं तेयलिपुत्ता ! एयमट्ठं आया(यि)णाहि–त्तिकट्टु दोच्चंपि [तच्चंपि] एवं वयइ २ त्ता जामेव दि(दि)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १८ ॥ तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स सुभेणं परिणामेणं जाईसरणे समुप्पन्ने। तए णं (तस्स) तेयलिपुत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए समुप्पन्ने—एवं खलु अहं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे पोक्खलावइविजए पोंड(डी)रिगिणीए रायहाणीए महापउमे नामं राया होत्था। तए णं (म)हं थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव चोद्दस–पुव्वाइं ( ) बहूणि वासाणि सामण्णपरियाग(य)ं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए महासुक्के कप्पे देवे (उववन्ने)। तए णं हं ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं [भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता] इहेव तेयलिपुरे तेयलिस्स अमच्चस्स भद्दाए भारियाए दार- गत्ताए पच्चायाए। तं सेयं खलु मम पुव्वदिट्ठाइं महव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता सयमेव महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता जेणेव पमय- वणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहनिसण्णस्स अणुचिंतेमाणस्स पुव्वाहीयाइं सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं सय- मेव अभिसमन्नागयाइं। तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स अणगारस्स सुभेणं परिणा- मेणं जाव तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरणं पविट्ठस्स केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ १९ ॥ तए णं तेयलिपुरे नयरे अहासं- निहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं देवीहि य देवदुं(दुं)हीओ समाहयाओ दसद्धवण्णे कुसुमे निवाडिए दिव्वे गीयगंधव्वनिनाए कए यावि होत्था। तए णं से कणगज्झए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे एवं वयासी—एवं खलु तेय(लि)पुत्ते मए अव-

वा काएण उदगतीरे चिट्ठिज्जा ॥ ७३८ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा ससि-णिद्धं वा कायं णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा संलिहिज्ज वा णिल्लिहिज्ज वा उव्व-लिज्ज वा उव्वट्टिज्ज वा, आयाविज्ज पयाविज्ज वा, अह पु० विगओदए मे काए छिण्णसिणेहे काए त० आ० पयाविज्ज वा० तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७३९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो परेहिं सद्धिं परिज-विय परिजविय गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७४० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जंघासंतारिमे उदए सिया से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा से पुव्वामेव पम-ज्जित्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥ ७४१ ॥ से भिक्खू वा (२) जंघासंतारिमे उदगे अहा-रियं रीयमाणे णो हत्थेण वा हत्थं पाएण वा पायं काएण वा कायं आसाएज्जा, से अणासायए अणासायमाणे तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥ ७४२ ॥ से भिक्खू वा (२) जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो साया-वडियाए णो परिदाहवडियाए महइ महालयंसि उदगंसि कायं विउसिज्जा, तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिट्ठेज्जा ॥ ७४३ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा कायं ससि-णिद्धं वा कायं णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, अह पुण एवं जाणिज्जा विगतोदए मे काए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा, तओ संजया-मेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४४ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो मट्टियामएहिं पाएहिं हरियाणि छिंदिय २ विकुज्जिय २ विफालिय २ उम्मग्गेणं हरियवहाए गच्छेज्जा "जहेयं पाएहिं मट्टियं खिप्पामेव हरियाणि अवहरंतु" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से पुव्वामेव अप्पहरियं मग्गं पडिलेहेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४५ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा, गड्डाओ वा, दरीओ वा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा, केवली बूया 'आयाणमेयं' से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा ॥ ७४६ ॥ से तत्थ पयलमाणे वा, पवडेमाणे वा, रुक्खाणि वा, गुच्छाणि वा, गुम्माणि वा, लयाओ वा, वल्लीओ वा, तणाणि वा, गहणाणि वा, हरियाणि वा, अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, जे तत्थ पाडिपहिया उवागच्छंति, ते पाणी

ज्झाए मुंडे भवित्ता पव्वइए तं गच्छामि णं तेयलिपुत्तं अणगारं वंदामि नमंसामि वं० २ त्ता एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेमि । एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए चाउरंगिणीए सेणाए जेणेव पमयवणे उज्जाणे जेणेव तेयलिपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेयलिपुत्तं (अणगारं) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एयमट्ठं च [णं] विणएण भुज्जो २ खामेइ [२] नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ । तए णं से तेयलिपुत्ते अणगारे कणगज्झयस्स रन्नो तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ । तए णं से कणगज्झए राया तेयलिपुत्तस्स केवलिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं सावगधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता समणोवासए जाए जाव अ(हि)भिगयजीवाजीवे । तए णं तेयलिपुत्ते केवली बहूणि वासाणि केवलिपरियागं पाउणित्ता जाव सिद्धे । एवं खलु जंबू ! समणेण भगवया महावीरेण जाव संपत्तेणं चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ११० ॥ **गाहा**—जाव न दुक्खं पत्ता माणब्भंसं च पाणिणो पायं । ताव न धम्मं गेण्हंति भावओ तेयलिसुउव्व ॥ १ ॥ **चोद्द(चउद)समं नाय(अ)ज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते ! समणेणं० चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते पन्नरसमस्स णं (०) के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना(म)मं नयरी होत्था पुण्णभद्दे उज्जाणे जियसत्तू राया । तत्थ णं चंपाए नयरीए ध(०)णे नामं सत्थवाहे होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए । तीसे णं चंपाए नयरीए उत्तरपुरत्थिमे दि(सि)सीभाए अहिच्छत्ता ना(म)मं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा वण्णओ । तत्थ णं अहिच्छत्ताए नयरीए कणगकेऊ नामं राया होत्था (महया) वण्णओ । [तए णं] तस्स ध(०)णस्स सत्थवाहस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था—सेयं खलु मम विपुल पणियभंडमायाए अहिच्छत्तं न(गरं)यरिं वाणिज्जाए गमित्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता गणिमं च ४ चउव्विहं भंडं गेण्हइ (०) सगडीसागडं सज्जेइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! चंपाए नयरीए सिंघाडग जाव पहे(सु)सु [एवं वयह—]एवं खलु देवाणुप्पिया ! धणे सत्थवाहे विपु(ले)लं पणि(य०)य [आदाय] इच्छइ अहिच्छत्तं नयरिं वाणिज्जाए गमित्तए । तं जो णं देवाणुप्पिया ! चरए वा चीरिए वा चम्मखंडिए वा भिच्छुंडे वा पं(डु)डुरगे वा गोयमे वा गोव(ती)तिए वा (गिहिधम्मे वा) गिहिधम्मचिंतए वा अविरुद्धविरुद्धवुड्ढसावगरत्तपडनिग्गंथप्पभिइपासंडत्थे वा गिहत्थे वा (तस्स णं) ध(०)णेणं सद्धिं अहिच्छत्तं नयरिं गच्छइ तस्स णं धणे अच्छत्तगस्स

छत्तं दलयइ अणुवाहणस्स उवा(ह)णा(उ)ओ दलयइ अकुंडियस्स कुंडियं दल-
यइ अपत्थयणस्स पत्थयणं दलयइ अपक्खेवगस्स पक्खेवं दलयइ अंतरा वि य से
पडियस्स वा भग्गलुग्ग[स्स] साहेज्जं दलयइ सुहंसुहेण य (णं) अहिच्छत्तं संपावे-
तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि [घोसणं] घोसेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं
ते कोडुंबियपुरिसा जाव एवं वयासी—हंदि सुणंतु भगवंतो चंपानगरीवत्थव्वा बहवे
चरगा (य) जाव पच्चप्पिणंति। तए णं (से) तेसिं कोडुंबिय(पुरिस)पुरिसाणं [अंतिए
एयमट्ठं] सो(च्चा)च्चा चंपाए नयरीए बहवे चरगा य जाव गिहत्था य जेणेव धण्णे सत्थ-
वाहे तेणेव उवागच्छंति। तए णं धण्णे [सत्थवाहे] तेसिं चरगाण य जाव गिहत्थाण
य अच्छत्तगस्स छत्तं दलयइ जाव पत्थयणं दलयइ—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया!
चंपाए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणंसि ममं पडिवालेमाणा चिट्ठह। तए णं [ते] चरगा
य धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा जाव चिट्ठंति। तए णं धण्णे सत्थवाहे
सोहणंसि तिहिकरणनक्खत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणा(ई)इ
आमंतेइ २ त्ता भोयणं भोयावेइ २ त्ता आपुच्छइ २ त्ता सगडीसागडं जोयावेइ २
त्ता चंपा[ओ] नयरीओ निग्गच्छइ ( ) णाइविप्पगिट्ठेहिं अद्धाणेहिं वसमाणे २ सुहेहिं
वसहिपायरासेहिं अंगं जणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव देसग्गं तेणेव उवागच्छइ २
त्ता सगडीसागडं मोयावेइ ( ) सत्थणिवेसं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २
त्ता एवं वयासी—तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम सत्थनिवेसंसि महया २ सद्देणं उग्घो-
सेमाणा २ एवं वयह—एवं खलु देवाणुप्पिया! इमीसे आगामियाए छिन्नावायाए
दीहमद्धाए अडवीए बहुमज्झदेसभाए [एत्थ णं] बहवे णंदिफला नामं रुक्खा पन्नत्ता
किण्हा जाव पत्तिया पुप्फिया फलिया हरिया रेरिज्जमाणा सिरीए अईव २ उवसो-
भेमाणा चिट्ठंति मणुन्ना वण्णेणं [४] जाव मणुन्ना फासेणं मणुन्ना छायाए। तं जो णं
देवाणुप्पिया! तेसिं नंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद( )तयपत्तपुप्फफलबी-
याणि वा हरियाणि वा आहारेइ छायाए वा वीसमइ तस्स णं आवाए भद्दए भवइ
तओ पच्छा परिणममाणा २ अकाले चेव जीवियाओ ववरोवें(ति)इ। तं मा णं
देवाणुप्पिया! केइ तेसिं नंदिफलाणं मूलाणि वा जाव छायाए वा वीसमउ मा णं
से(ऽ)वि अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जिस्सइ। तुब्भे णं देवाणुप्पिया! अन्नेसिं
रुक्खाणं मूलाणि य जाव हरियाणि य आहारे(ह)इ छायासु वीसमह त्ति घोसणं
घोसेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं धण्णे सत्थवाहे सगडीसागडं जोएइ २ त्ता जेणेव
नंदिफला रुक्खा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं नंदिफलाणं अदूरसामंते सत्थनिवेसं
करेइ २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुब्भे णं

ज्झाए मुंडे भवित्ता पव्वइए तं गच्छामि णं तेयलिपुत्तं अणगारं वंदामि नमंसामि वं० २ त्ता एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेमि । एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए चाउरंगिणीए सेणाए जेणेव पमयवणे उज्जाणे जेणेव तेयलिपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छेइ २ त्ता तेयलिपुत्त (अणगारं) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एयमट्ठं च [णं] विणएणं भुज्जो २ खामेइ [२] नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ। तए णं से तेयलिपुत्ते अणगारे कणगज्झयस्स रन्नो तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ। तए णं से कणगज्झए राया तेयलिपुत्तस्स केवलिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं सावगधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता समणोवासए जाए जाव अ(हिं)भिगयजीवाजीवे। तए णं तेयलिपुत्ते केवली बहूणि वासाणि केवलिपरियागं पाउणित्ता जाव सिद्धे। एवं खलु जंबू! समणेण भगवया महावीरेण जाव संपत्तेणं चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि ॥ ११० ॥ **गाहा**–जाव न दुक्खं पत्ता माणब्भंसं च पाणिणो पायं। ताव न धम्मं गेण्हंति भावओ तेयलिसुउव्व ॥ १ ॥ **चोद्द(चउद)समं नाय(अ)ज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! समणेणं० चोद्दसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते पन्नरसमस्स णं (०) के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना(मं)म नयरी होत्था पुण्णभद्दे उज्जाणे जियसत्तू राया। तत्थ णं चंपाए नयरीए ध(ण)णे नाम सत्थवाहे होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए। तीसे णं चंपाए नयरीए उत्तरपुरत्थिमे दि(सि)सीभाए अहिच्छत्ता ना(म)मं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा वण्णओ। तत्थ णं अहिच्छत्ताए नयरीए कणगकेऊ नाम राया होत्था (महया) वण्णओ। [तए णं] तस्स ध(ण)णस्स सत्थवाहस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–सेयं खलु मम विपुलं पणियभंडमायाए अहिच्छत्तं न(गरं)यरिं वाणिज्जाए गमित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता गणिमं च ४ चउव्विहं भंडं गेण्हइ (०) सगडीसागडं सज्जेइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! चंपाए नयरीए सिंघाडग जाव पहे(सुं)सु [एवं वयह—]एवं खलु देवाणुप्पिया! धणे सत्थवाहे विपु(ले)लं पणि(य०)य [आदाय] इच्छइ अहिच्छत्तं नयरिं वाणिज्जाए गमित्तए। तं जो णं देवाणुप्पिया! चरए वा चीरिए वा चम्मखंडिए वा भिच्छुंडे वा पं(डु)डुरगे वा गोयमे वा गोव(ती)तिए वा (गिहिधम्मे वा) गिहिधम्मचिंतए वा अविरुद्धविरुद्धवुड्ढसावगरत्तपडनिग्गंथप्पभिइपासंडत्थे वा गिहत्थे वा (तस्स णं) ध(ण)णेण सद्धिं अहिच्छत्तं नयरिं गच्छइ तस्स णं धणे अच्छत्तगस्स

एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पन्नरस[म]स्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ १११ ॥ गाहाओ-चंपा इव मणुयगई धणो व्व भयवं जिणो दएक्करसो। अहिछत्तनयरिसमं इह निव्वाणं मुणेयव्वं ॥ १ ॥ घोसणया इव तित्थंकरस्स सिवमग्गदेसणमहग्घं। चरगाइणोव्व एत्थं सिवसुहकामा जिया बहवे ॥ २ ॥ नंदिफलाइ व्व इहं सिवपहपडिवण्णगाण विसया उ। तब्भक्खणाओ मरणं जह तह विसएहिं संसारो ॥ ३ ॥ तव्वज्जणेण जह इट्ठपुरगमो विसयवज्जणेण तहा। परमाणंदनिबंधणसिवपुरगमणं मुणेयव्वं ॥ ४ ॥ पन्नरसमं नायज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं पन्नरसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते सोलसमस्स णं भंते! नायज्झयणस्स ( ) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था। तीसे णं चंपाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सुभूमिभागे नामं उज्जाणे होत्था। तत्थ णं चंपाए नयरीए तओ माहणा भायरो परिवसंति, तंजहा-सोमे सोमदत्ते सोमभूई अड्ढा जाव [अपरि-भूया] रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जाव सुपरिनिट्ठिया। ते(सि णं)सिं माहणाणं तओ भारियाओ होत्था, तंजहा-नागसिरी भूयसिरी जक्खसिरी सुकुमा-(ल)पा जाव तेसि णं माहणाणं इट्ठाओ वि(पु)उले माणुस्सए जाव विहरंति। तए णं तेसिं माहणाणं अन्नया कयाइ एगयओ समुवागयाणं जाव इमेयारूवे मिहोकहासमु-ल्लावे समुप्पज्जित्था-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमे विउले धणे जाव सावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! अन्नमन्नस्स गिहेसु कल्लाकल्लिं विपुलं अस(णं)णपा-(णं)खाइ(मं)मसाइमं उवक्खडेउं (२) परिभुं(ज)जेमाणाणं विहरित्तए। अन्नम-न्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति कल्लाकल्लिं अन्नमन्नस्स गिहेसु विपुलं असणं ४ उवक्खडा-वेंति २ त्ता परिभुंजेमाणा विहरंति। तए णं तीसे नागसिरीए माहणीए अन्नया [कयाइ] भोयणवारए जाए यावि होत्था। तए णं सा नागसिरी [माहणी] विपुलं असणं ४ उवक्ख(डे)डावेइ २ त्ता एगं महं सालइयं ति(त्त)त्तालाउ(यं)यं बहुसंभार संजुत्तं नेहावगाढं उवक्खडावेइ एगं बिंदुयं करयलंसि आसाएइ [१] तं खारं कडुयं अखज्जं (अभोज्जं) विस(भू)भूयं जाणित्ता एवं वयासी-धिरत्थु णं मम नागसिरीए अ(ह)हन्नाए अपुन्नाए दूभगाए दूभगसत्ताए दूभगनिंबोलियाए जा(णी)ए णं मए सालइए बहुसंभारसंभिए नेहावगाढे उवक्खडिए सुबहुदव्वक्खए(णं) नेहक्खए य कए। तं जइ णं ममं जाउयाओ जाणिस्संति तो णं मम खिंसिस्संति। तं जाव-ताव ममं जाउयाओ ण जाणंति ताव मम सेयं एयं सालइयं ति(त्ता)त्तालाउ[यं] बहुसंभार

देवाणुप्पिया ! मम सत्थनिवेससि महया [२] सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एव वयह–एए णं देवाणुप्पिया ! ते नंदिफला [रुक्खा] किण्हा जाव मणुन्ना छायाए । त जो णं देवाणुप्पिया ! एएसिं नंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद(०)पुप्फतयापत्तफलाणि जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेइ । तं मा ण तुब्भे जाव (दूरं दूरेणं परिहरमाणा) वीसमह मा ण अकाले [चेव] जीवियाओ ववरोविस्संति अन्नेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमह–त्तिकट्टु घोसणं [जाव] पच्चप्पिणंति । तत्थ ण अत्थेगइया पुरिसा धणस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठ सद्दहति जाव रोयति एयमट्ठं सद्दहमाणा तेसिं नंदिफलाण दूरंदूरेण परिहरमाणा २ अन्नेसिं रुक्खाण मूलाणि य जाव वीसमति । तेसि णं आवाए नो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ सु(ह)भरूवत्ताए ५ भुज्जो २ परिणमंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्ह निग्गंथो वा २ जाव पचसु कामगुणेसु नो स(ज्जे)ज्जइ (नो रज्जेइ) से ण इहभवे चेव बहूणं समणाण ४ अच्चणिज्जे परलोए नो आगच्छइ जाव वीईवइस्सइ । तत्थ णं (जे से) अप्पेगइया पुरिसा धणस्स एयमट्ठ नो सद्दहंति ३ धणस्स एयमट्ठ असद्दहमाणा ३ जेणेव ते नंदिफला तेणेव उवागच्छति २ त्ता तेसिं नदिफलाण मूलाणि य जाव वीसमति तेसि ण आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा जाव ववरोवेंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं निग्गथो वा २ पव्वइए पचसु कामगुणेसु सज्जइ जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व ते पुरिसा । तए ण से धणे सगडीसागड जोयावेइ २ त्ता जेणेव अहिच्छत्ता नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहिच्छत्ताए नयरीए बहिया अग्गुज्जाणे सत्थनिवेसं करेइ २ त्ता सगडीसागड मोयावेइ । तए ण से धणे सत्थवाहे महत्थ ३ रायारिहं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता बहुपुरिसेहिं सद्धिं सपरिवुडे अहिच्छत्त नय(रं)रिं मज्झमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता त महत्थं ३ पाहुड उवणेइ । तए ण से कणगकेऊ राया हट्ठतु(ट्ठ०)ट्ठे धणस्स सत्थवाहस्स त महत्थ (३) जाव पडिच्छइ २ त्ता ध(०)णं सत्थवाह सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता उस्सुक्क वियरइ २ त्ता पडिविसज्जेइ [२] भंडविणिमयं करेइ २ त्ता पडिभंड गेण्हइ २ त्ता सुहसुहेण जेणेव चपा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तनाइअभिसमन्नागए विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव विहरइ । तेण कालेणं तेण समएणं थेरागमण ध० धम्म सोच्चा जेट्ठपुत्तं कुडुबे ठावेत्ता [जाव] पव्वइए सामा[इयमा]इयाइ एक्कारस अगाइ बहूणि वासाणि जाव मासियाए (स०) जाव अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने (से णं देवे ताओ देवलोगाओ आउक्ख० चय चइत्ता) महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अतं करेहिइ ।

चिरं असणं ४ पडिगाहेत्ता आहारं आहारेंति। तए णं से धम्मरुई अणगारे धम्म-
घोसेणं थेरेणं एवं वुत्ते समाणे धम्मघोसस्स थेरस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता
सुभूमिभा(म)ाओ उज्जाणाओ अदूरसामंते थंडिलं पडिलेहेइ २ त्ता ता(त)ओ साल-
इयाओ एगं बिंदुगं ग(हे)हाय २ थंडि(लं)लंसि निसिरइ। तए णं तस्स सालइयस्स
तित्तकडुयस्स बहुनेहावगाढस्स गंधेणं बहूणि पिपीलियासहस्साणि पाउब्भूए जा
जहा य णं पिपीलिया आहारेइ सा [णं] तहा अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जइ।
तए णं तस्स धम्मरुइस्स अणगारस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए५—जइ ताव इमस्स
सालइयस्स जाव एगंमि बिंदु(गं)मि पक्खित्तंमि अणेगाइं पिपीलि(या)सहस्साइं
ववरोविज्जंति तं जइ णं अहं एयं सालइयं थंडिलंसि सव्वं निसिरामि (तए) तो णं
बहूणं पाणाणं ४ वहकरणं भविस्सइ। तं सेयं खलु मम एयं सालइयं जाव [नेहाव]-
गाढं सयमेव आहा(रे)रेत्तए मम चेव एएणं सरी(रे)रएणं णिज्जाउ-त्तिकट्टु एवं
संपेहेइ २ त्ता मुहपोत्तियं [२] पडिलेहेइ २ त्ता ससीसोवरियं कायं पमज्जेइ २ त्ता तं
सालइयं तित्तकडुयं बहुनेहावगाढं बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पा(णे)णएणं सव्वं सरी-
रको(ट्ठ)ट्ठंसि पक्खिवइ। तए णं तस्स धम्मरु[इ]स्स तं सालइयं जाव नेहावगाढं
आहारियस्स समाणस्स मुहुत्तंतरेणं परिणममाणंसि सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया
उज्जला जाव दुरहियासा। तए णं से धम्मरु(ई)ई अणगारे अथामे अबले अवीरिए
अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु आयारभंडगं एगंते ठ(ठ)वेइ २ त्ता थंडिलं
पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथारेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्था-
भिमुहे संपलियंकनिसन्ने करयलपरिग्गहियं एवं वयासी—नमोत्थु णं अरहंताणं जाव
संपत्ताणं नमोत्थु णं धम्मघोसाणं थेराणं मम धम्मायरियाणं [मम] धम्मोवएसगाणं
पुव्विं पि णं मए धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जी-
वाए जाव परिग्गहे इयाणिं पि णं अहं तेसिं चेव भगवंताणं अंति(यं)ए सव्वं
पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव परिग्गहं पच्चक्खामि जाव(ज्जी)जीवाए जहा खंदओ
जाव चरिमेहिं ऊसासेहिं वोसिरामि-त्तिकट्टु आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालगए।
तए णं ते धम्मघोसा थेरा धम्मरुइं अणगारं चि(रं)रगयं जाणित्ता समणे निग्गंथे
सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! धम्मरुइस्स अणगारस्स मास-
[क्ख]मणपारणगंसि सालइयस्स जाव [नेहाव]गाढस्स निसिरणट्ठयाए बहिया
निग्गए चिरा[वे]इ, तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! धम्मरुइस्स अणगारस्स
सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेह। तए णं ते समणा निग्गंथा जाव पडिसुणेंति २
त्ता धम्मघोसाणं थेराणं अंतियाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता धम्मरुइस्स अणगारस्स

नेहकय एगते गो(वे)वित्तए अन्नं सालइय महु(रा)रलाउय जाव नेहावगाढ उव-क्ख(डे)डित्तए। एव सपेहेइ २ त्ता त सालइय जाव गोवेइ [२] अन्न सालइय महुर-लाउय उवक्खडेइ [२] तेसिं माहणाण ण्हायाण सुहासणवरगयाण त विपुल असण ४ परिवेसेइ। तए ण ते माहणा जिमियभुत्तुत्तरागया समाणा आयता चोक्खा परम-सुइभूया सकम्मसपउत्ता जाया यावि होत्था । तए ण ताओ माहणीओ ण्हायाओ सव्वालंकारविभूसियाओ त विपुल असणं ४ आहारेंति २ त्ता जेणेव सयाइ २ गि(गे)-हाइ तेणेव उवागच्छति २ त्ता सकम्मसंपउत्ताओ जायाओ ॥ ११२ ॥ तेण कालेणं तेणं समएण धम्मघोसा ना(म)मं थेरा जाव बहुपरिवारा जेणेव चपा (नाम) नयरी जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छति २ त्ता अहापडिरूव जाव विहरंति । परिसा निग्गया धम्मो कहिओ परिसा पडिगया। तए ण तेसिं धम्मघोसाण थेराण अतेवासी धम्मरुई नाम अणगारे उ(ओ)राले जाव ते(उ)यलेस्से मासमासेण खम-माणे विहरइ। तए ण से धम्मरुई अणगारे मासखमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झाय करेइ २ त्ता बीयाए पोरिसीए एव जहा गोयमसामी तहेव उग्गाहेइ २ त्ता तहेव धम्मघोस थेरं आपुच्छइ जाव चपाए नयरीए उच्चनीयमज्झिमकुलाई जाव अडमाणे जेणेव नागसिरीए माहणीए गिहे तेणेव अणुपविट्ठे। तए ण सा नाग सिरी माहणी धम्मरुइ एज्जमाणं पासइ २ त्ता तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहु-(०)नेहावगाढस्स एड(निसिर)णट्ठयाए हट्ठतुट्ठा [उट्ठाए] उट्ठेइ २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता त सालइयं तित्तकडुय च बहुने(ह)हावगाढं धम्मरुइस्स अणगारस्स पडिग्गहसि सव्वमेव नि(सि)स्सिरइ। तए ण से धम्मरुई अणगारे अहा-पज्जत्तमितिकट्टु नागसिरीए माहणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता चपाए नयरीए मज्झमज्झेणं पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छइ २] धम्मघोसस्स अदूरसामते अन्न-पाण पडि(दसे)लेहेइ २ त्ता अन्नपाण करयलसि पडिदसेइ। तए ण (ते) धम्मघोसा थेरा तस्स सालइयस्स नेहावगाढस्स गंधेणं अभिभूया समाणा तओ सालइयाओ नेहावगाढाओ एग बिंदु(ग)यं गहाय करयलंसि आसा(दे)देंति ति(त्तग)त्त खार कडुय अखज्ज अभोज्जं विसभूय जाणित्ता धम्मरुइ अणगारं एवं वयासी–जइ णं तुम देवाणुप्पिया! एय सालइय जाव नेहावगाढ आहारेसि तो णं तुमं अकाले चेव जीवि-याओ ववरोविज्जसि। त मा णं तुम देवाणुप्पिया! इम सालइय जाव आहारेसि मा ण तुम अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तं गच्छ[ह] ण तुम देवाणुप्पिया! इम सालइय एगतमणावाए अ(चि)च्चित्ते थंडि(ले)ल्ले परिट्ठवेहि २ त्ता अन्न फासुयं एस-

सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा जेणेव थंडिल्लं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता धम्म-रुइयस्स अणगारस्स सरीरगं निप्पाणं निच्चेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा [!] अहो ! अकज्जमितिकट्टु धम्मरुइस्स अणगारस्स परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति (०) धम्मरुइस्स आयारभंडग गेण्हंति २ त्ता जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता गमणागमणं पडिक्कमंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अम्हे तुब्भं अंतियाओ पडिनिक्खमामो २ त्ता सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स परिपेरंतेणं धम्मरुइस्स अणगा-रस्स सव्वं जाव करेमा(णे)णा जेणेव थंडिल्ले तेणेव उवागच्छामो (०) जाव इहं हव्वमागया, तं कालगए णं भंते ! धम्मरुई अणगारे इमे से आयारभंडए । तए णं (ते) धम्मघोसा थेरा पुव्वगए उवओगं गच्छंति २ त्ता समणे निग्गंथे निग्गंथीओ य सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जो ! मम अंतेवासी धम्मरुई ना(म)मं अण-गारे पगइभद्दए जाव विणीए मासंमासेण अणिक्खित्तेण तवोकम्मेणं जाव नाग-सिरीए माहणीए गि(हे)हं अणुपवि(ट्ठे)सइ । तए णं सा नागसिरी माहणी जाव निसिरइ । तए णं से धम्मरुई अणगारे अहापज्जत्तमि(ति)त्तिकट्टु जाव कालं अणव-कंखमाणे विहरइ । से णं धम्मरुई अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं सोह(म्म)म्मे जाव सव्वट्ठ-सिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववन्ने । तत्थ णं [अत्थेगइयाणं] (अ)जहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । तत्थ [णं] धम्मरुइस्स वि देवस्स तेत्तीसं सागरो-वमाइं ठिई पन्नत्ता । से णं धम्मरुई देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥११३॥ तं धिरत्थु णं अज्जो ! नागसिरीए माहणीए अधन्नाए अपुण्णाए जाव निंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू [साहुरूवे] धम्मरुई अणगारे मासक्खमण-पारणगंसि सालइएणं जाव गाढेणं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए । तए णं ते समणा निग्गंथा धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म चंपाए सिंघाडग (तिग) जाव [पहेसु] बहुजणस्स एवमाइक्खंति [४]-धिरत्थु णं देवाणुप्पिया ! नाग-सिरीए (माहणीए) जाव निंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू साहुरूवे सालइएणं जीवियाओ ववरो(वेइ)विए । तए णं तेसिं समणाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ-धिरत्थु णं नागसिरीए माहणीए जाव जीवियाओ ववरोविए । तए णं ते माहणा चंपाए नयरीए बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव नागसिरी माहणी तेणेव उवा-गच्छंति २ त्ता नागसि(रीं)रिं माह(णीं)णिं एवं वयासी-हं भो नागसिरी ! अपत्थियप-त्थिए [!] दुरंतपंतलक्खणे [!] हीणपुण्णचाउद्दसे [!] धिरत्थु णं तव अधन्नाए अपु-

वाएज्जा तओ संजयामेव अक्कमंसिय १ उत्तरेज्जा तओ गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जवसाणि वा, सगडाणि वा रहाणि वा सचक्काणि वा परचक्काणि वा, से णं वा विरूवरूवं संनिरुद्धं पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥ ७४८ ॥ से णं परो सेणागओ वएज्जा आउसंतो एस णं समणे सेणाए अभिनिवारियं करेइ, से णं बाहाए गहाय आगसह, से णं परो बाहाहिं गहाय आगसेज्जा तं णो सुमणे सिया जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७४९ ॥ से भिक्खू वा (२) अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा आउसंतो समणा केवइए एस गामे वा रायहाणी वा केवइया एत्थ आसा हत्थी गामपिंडोलगा मणुस्सा परिवसंति? से बहुभत्ते बहुउदए बहुजणे बहुजवसे से अप्पुदए अप्पभत्ते अप्पजणे अप्पजवसे एयप्पगाराणि पसिणाणि पुट्ठो वा अपुट्ठो वा णो वागरेज्जा एयप्पगाराणि पसिणाणि णो पुच्छेज्जा ॥ ७५० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ७५१ ॥ इरियाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा फलिहाणि वा पागाराणि वा जाव दरीओ वा कूडागाराणि वा पासायाणि वा णूमगिहाणि वा रुक्खगिहाणि वा पव्वयगिहाणि वा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा णो बाहाओ पगिज्झिय १ अंगुलियाए उद्दिसिय १ ओणमिय १ उन्नमिय १ णिज्झाएज्जा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७५२ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से कच्छाणि वा दवियाणि वा णूमाणि वा वलयाणि वा गहणाणि वा गहणविदुग्गाणि वा वणाणि वा वणविदुग्गाणि वा पव्वयाणि वा पव्वयविदुग्गाणि वा अगडाणि वा तलागाणि वा दहाणि वा णईओ वा, वावीओ वा पुक्खरिणीओ वा दीहियाओ वा गुंजालियाओ वा सराणि वा सरपंतियाणि वा सरसरपंतियाणि वा णो बाहाओ पगिज्झिय जाव णिज्झाएज्जा केवली बूया 'आयाणमेयं' जे तत्थ मिगा वा पसू वा पक्खी वा सिरीसिवा वा सीहा वा जलचरा वा थलचरा वा खहचरा वा सत्ता ते उत्तसेज्ज वा वित्तसेज्ज वा वाडं वा सरणं वा कंखेज्जा "वारेति मे अयं समणे" अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जं णो बाहाओ पगिज्झिय १ जाव णिज्झाएज्जा तओ संजयामेव आयरिय उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७५३ ॥ से भिक्खू वा (२) आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो आयरियउवज्झायस्स हत्थेण वा हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं जाव दू

यत्ति। तए णं सा सूमालिया दारिया पंचधाईपरिग्गहिया तंजहा-खीरधाईए जाव गिरिकंदरमल्लीणा इव चंप(क)गलया नि(०)वा(ए)मनिव्वाघायंसि जाव परिवड्ढइ। तए णं सा सूमालिया दारिया उम्मुक्कबालभावा जाव रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था॥ ११५॥ तत्थ णं चंपाए नयरीए जिणदत्ते ना(म)मं सत्थवाहे अड्ढे(०)। तस्स णं जिणदत्तस्स भद्दा भारिया सूमाला इट्ठा (जाव) माणुस्सए कामभो(ए)गे पच्चणुब्भवमाणा विहरइ। तस्स णं जिणदत्तस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सागरए नामं दारए सुकुमाले जाव सुरूवे। तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे अन्नया कयाइ सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सागरदत्तस्स सत्थवाह(गिह)स्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। इमं च णं सूमालिया दारिया ण्हाया चेडियासंघपरिवुडा उप्पिं आगासतलगंसि कणग(तें)तिंदूसएण कीलमाणी (२) विहरइ। तए ण से जिणदत्ते सत्थवाहे सूमालियं दारियं पासइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए रूवे य ३ जायविम्हए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! कस्स दारिया किं वा नामधेज्जं से?। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जिणदत्तेणं सत्थवाहेण एव वुत्ता समाणा ह० करयल जाव एवं वयासी-एस णं (देवाणुप्पिया!) सागरदत्तस्स २ धूया भद्दाए अत्तया सूमालिया ना(म)मं दारिया सुकुमालपाणिपाया जाव उक्किट्ठा। तए णं (से) जिणदत्ते सत्थवाहे तेसिं कोडुंबियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाए स० मित्तनाइपरिवुडे चंपाए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवाग(च्छइ)ए। तए णं [से] सागरदत्ते २ जिणदत्तं २ एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता आसणेणं उवनिमंतेइ २ त्ता आसत्थं वीसत्थं सुहासणवरगयं एवं वयासी-भण देवाणुप्पिया! किमागमणपओयणं(?)। तए णं से जिणदत्ते (सत्थवाहे) सागरदत्तं (सत्थवाहं) एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तव धूयं भद्दाए अत्तियं सूमालियं सागरस्स भारियत्ताए वरेमि। जइ ण जाणह देवाणुप्पिया! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं सूमालिया सागर[दारग]स्स। तए णं देवाणुप्पिया! किं दलयामो सुंकं [च] सूमालियाए?। तए णं से सागरदत्ते (तं) २ जिणदत्तं [२] एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! सूमालिया दारिया (मम) एगा एगजाया इट्ठा [५] जाव किमंग पुण पासणयाए। तं नो खलु अहं इच्छामि सूमालियाए दारियाए खणमवि विप्पओगं। तं जइ णं देवाणुप्पिया! सागर[ए] दारए मम घरजामाउए भवइ तो णं अहं सागर(स्स)दारगस्स सूमालियं दलयामि। तए णं से जिणदत्ते २ सागरदत्तेण २ एवं वुत्ते समाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवाग-

त्ता वासघरस्स दारं विहाडेइ २ त्ता मारामुक्के विव काए जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ११७ ॥ तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा पतिव्वया जाव अपासमाणी सयणिज्जाओ उट्ठेइ सागरस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसण करेमाणी २ वासघरस्स दारं विहाडियं पासइ २ त्ता एवं वयासी–गए [णं] से साग(रे)रए–त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ । तए णं सा भद्दा सत्थवाही कल्लं पाउप्पभा[या]ए दासचे(डिय)डिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिए ! व(हु)हूवरस्स मुह(सोह)धोवणियं उवणेहि । तए णं सा दासचेडी भद्दाए एवं वुत्ता समाणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ [२] मुहधोवणियं गेण्हइ २ त्ता जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ (०) सूमालियं दारियं जाव झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं तु(म)ब्भे देवाणुप्पि(ए)या ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि(सि) ? । तए णं सा सूमालिया दारिया तं दासचे(डी)डियं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सागरए दारए म(म)मं सुहपसुत्तं जाणित्ता मम पासाओ उट्ठेइ २ त्ता वासघरदुवारं अवगु(ण्ड)णेइ जाव पडिगए । तए णं [हं] तओ (अहं) मुहुत्तंतरस्स जाव विहाडियं पासामि [२] गए णं से सागरए–त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायामि । तए णं सा दासचेडी सूमालियाए दारियाए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरदत्ते [२] तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तस्स एयमट्ठं निवे(ए)देइ । तए णं से सागरदत्ते दासचेडीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते [४ जाव मिसिमिसेमाणे] जेणेव जिणदत्त[स्स] २ गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जिणदत्तं २ एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया ! ए(वं)यं जुत्तं वा पत्तं वा कुलाणुरूवं वा कुलसरिसं वा जण्णं सागर[ए] दारए सूमालियं दारियं अदिट्ठदो(सं)सवडियं पइवयं विप्पजहाय इहमाग(ओ)ए [?] बहूहिं खिज्जणियाहि य रुंटणियाहि य उवा(ल)लंभइ । तए णं जिणदत्ते सागरदत्तस्स [२] एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरए (दारए) तेणेव उवागच्छइ २ त्ता साग(रयं)रं दारयं एवं वयासी–दुट्ठु णं पुत्ता ! तुमे कयं सागरदत्तस्स गिहाओ इहं हव्वमाग(ते)च्छंतेणं, तं गच्छह णं तुमं पुत्ता ! एवमवि गए सागरदत्तस्स गिहे । तए णं से सागरए जिणदत्तं एवं वयासी–अवि–याइं अहं ताओ ! गिरिपडणं वा तरुपडणं वा मरुप्पवायं वा जलप्प(वेसं)वायं वा जलणप्पवेसं वा विसभक्खणं वा सत्थोवाडणं वा वि(वे)हाणसं वा गिद्ध(पि)पट्ठं वा पव्वज्जं वा विदेसगमणं वा अब्भुवग(च्छि)च्छेज्जा(मि), नो खलु अहं सागरदत्तस्स गिहं ग(च्छि)च्छेज्जा । तए णं से सागरदत्ते २ कुडुंतरि[या]ए सागरस्स एयमट्ठं निसामेइ २ त्ता लज्जिए वि(लि)लीए विड्डे जिणदत्तस्स [२] गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

सागरदत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं वासघरं अणुपविसइ सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलिमंसि निवज्जइ। तए णं से दमगपुरिसे सूमालियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ सेसं जहा सागरस्स जाव सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता वासघराओ निग्गच्छइ २ त्ता खंडमल्लगं खंडघ(डं)डगं च गहाय मारामुक्के विव काए जामेव दि(स)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा सूमालिया जाव गए णं से दमगपुरिसे-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ॥ ११८॥ तए ण सा भद्दा कल्लं पाउप्पभायाए दासचेडिं सद्दावेइ (२ एवं वयासी) जाव सागरदत्तस्स एयमट्ठं निवेदेइ। तए णं से सागरदत्ते तहेव संभंते समाणे जेणेव वास(ह)घरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियं दारियं अंके निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी-अहो ण तुमं पुत्ता! पुरापोराणाण [कम्माणं] जाव पच्चणुब्भवमाणी विहरसि, तं मा णं तुम पुत्ता! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुम णं पुत्ता! मम महाणसंसि विपुलं असण ४ जहा पो(पु)ट्टिला जाव परिभाएमाणी विहराहि। तए णं सा सूमालिया दारिया एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता महाणसंसि विपुल असणं ४ जाव दलमाणी विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं गोवालियाओ अज्जाओ बहुस्सुयाओ एवं जहेव तेयलिणाए सुव्वयाओ तहेव समोस(ढा)ढाओ तहेव संघाडओ जाव अणुपविट्ठे तहेव जाव सूमालिया पडिला(भि)भेत्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जाओ! अहं सागरस्स अणिट्ठा जाव अमणामा, नेच्छइ णं सागरए [दारए] मम नामं वा जाव परिभोगं वा, जस्स जस्स वि य ण दे(दि)ज्जामि तस्स तस्स वि य णं अणिट्ठा जाव अमणामा भवामि, तुब्भे य णं अज्जाओ! बहुनायाओ एवं जहा पोट्टिला जाव उवलद्धे [णं] जेण अहं सागरस्स दारगस्स इट्ठा कंता जाव भवेज्जामि। अज्जाओ तहेव भणति तहेव साविया जाया तहेव चिंता तहेव सागरद(त्त स०)त्तस्स आपुच्छइ जाव गोवालियाण अंति(ए)यं पव्वइया। तए ण सा सूमालिया अज्जा जाया इ(ईं)रियासमिया जाव [गुत्त]बंभयारिणी बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अन्नया कयाइ जेणेव गोवालियाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी चंपा(ओ)ए बाहिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेण अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेण सूराभिमुही आयावेमाणी विहरित्तए। तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं एवं वयासी-अम्हे णं अ(ज्जे)ज्जो! समणीओ निग्गंथीओ इ(ईं)रियासमियाओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ, नो खलु अम्हं कप्पइ बहिया गामस्स [वा] जाव सन्निवेसस्स वा छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरित्तए, कप्पइ णं अम्हं अंतो-

सागरदत्तस्स एयमट्ठ पडिसुणेइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं वासघरं अणुपविसइ सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलिमसि निवज्जइ। तए णं से दमगपुरिसे सूमालियाए इमं एयारूवं अगफास पडिसवेदेइ सेस जहा सागरस्स जाव सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता वासघराओ निग्गच्छइ २ त्ता खंडमल्लग खंडघ(ड)डगं च गहाय मारामुक्के विव काए जामेव दि(स)सिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा सूमालिया जाव गए णं से दमगपुरिसे-त्तिकट्टु ओहयमणसकप्पा जाव झियायइ॥ ११८॥ तए णं सा भद्दा कल्लं पाउप्पभायाए दासचेडिं सद्दावेइ (२ एव वयासी) जाव सागरदत्तस्स एयमट्ठ निवेदेइ। तए ण से सागरदत्ते तहेव संभंते समाणे जेणेव वास(ह)घरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियं दारियं अके निवेसेइ २ त्ता एवं वयासी-अहो ण तुमं पुत्ता! पुरापोराणाण [कम्माणं] जाव पच्चणुब्भवमाणी विहरसि, त मा णं तुम पुत्ता! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं ण पुत्ता! मम महाणसंसि विपुलं असण ४ जहा पो(पु)ट्टिला जाव परिभाएमाणी विहराहि। तए णं सा सूमालिया दारिया एयमट्ठ पडिसुणेइ २ त्ता महाणससि विपुल असण ४ जाव दलमाणी विहरइ। तेण कालेण तेण समएणं गोवालियाओ अज्जाओ बहुस्सुयाओ एवं जहेव तेयलिणाए सुव्वयाओ तहेव समोस(ड्ढा)ढाओ तहेव सघाडओ जाव अणुपविट्ठे तहेव जाव सूमालिया पडिला(भि)मेत्ता एव वयासी-एवं खलु अज्जाओ! अहं सागरस्स अणिट्ठा जाव अमणामा, नेच्छइ णं सागरए [दारए] मम नाम वा जाव परिभोगं वा, जस्स जस्स वि य ण दे(दि)ज्जामि तस्स तस्स वि य णं अणिट्ठा जाव अमणामा भवामि, तुब्भे य ण अज्जाओ! बहुनायाओ एवं जहा पोट्टिला जाव उवलद्धे [ण] जेण अहं सागरस्स दारगस्स इट्ठा कता जाव भवेज्जामि। अज्जाओ तहेव भणति तहेव साविया जाया तहेव चिंता तहेव सागरद(त्त स०)त्तस्स आपुच्छइ जाव गोवालियाण अंति(ए)य पव्वइया। तए णं सा सूमालिया अज्जा जाया इ(ई)रियासमिया जाव [गुत्त]बंभयारिणी बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अन्नया कयाइ जेणेव गोवालियाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वदइ नमंसइ व० २ त्ता एव वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणी चपा(ओ)ए बाहिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठछट्ठेण अणिक्खित्तेण तवोकम्मेण सूराभिमुही आयावेमाणी विहरित्तए। तए ण ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालिय एव वयासी-अम्हे णं अ(ज्जे)ज्जो! समणीओ निग्गंथीओ इ(ई)रियासमियाओ जाव गुत्तबभचारिणीओ, नो खलु अम्ह कप्पइ बहिया गामस्स [वा] जाव सन्निवेसस्स वा छट्ठछट्ठेणं जाव विहरित्तए, कप्पइ ण अम्हं अतो-

छट्ठंछट्ठस्स अपरिनिक्खित्तस्स सूराभिमुहियाए णं समतलपइयाए आयाव(वे)माणीए। तए णं सा सूमालिया गोवालियाए (अज्जाए) एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमा(णे)णी ३ सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ ॥ ११६ ॥ तत्थ णं चंपाए (न) ललिया नाम गोट्ठी परिवसइ नरवइदिन्न-(वि)यारा अम्मापिइनिययनिप्पिवासा वेसविहारकयनिकेया नाणाविहअविणय-प्पहाणा अड्ढा जाव अपरिभूया। तत्थ णं चंपाए ( ) देवदत्ता नामं गणिया होत्था सु(सु)कुमाला जहा अंडनाए। तए णं तीसे ललियाए गोट्ठीए अन्नया [कयाइ] पंच गोट्ठिल्लपुरिसा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। तत्थ णं एगे गोट्ठिल्लपुरिसे देवदत्तं गणियं उच्छंगे ध(र)रेइ एगे पिट्ठओ आयवत्तं धरेइ एगे पुप्फपूर(रं)गं रएइ एगे पाए रएइ एगे चामरुक्खेवं करेइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा देवदत्तं गणियं तेहिं पंचहिं गोट्ठिल्लपुरिसेहिं सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमा(णिं)णीं पासइ २ त्ता इमेयारूवे संकप्पे समुप्पज्जित्था–अहो णं इमा इत्थिया पुरापोराणाणं कम्माणं जाव विहरइ। तं जइ णं केइ इमस्स सुचरियस्स तवनियमबंभचेरवासस्स कल्लाणे फलवित्तिविसेसे अत्थि तो णं अहमवि आगमिस्सेणं भवग्गहणेणं इमेयारूवाइं उरालाइं जाव विहरिज्जामि–त्तिकट्टु नियाणं करेइ २ त्ता आयावणभू(मी)मीए पच्चोरु(रु)हइ ॥ ११७ ॥ तए णं सा सूमालिया अज्जा सरीर(ब)बाउसा जाया यावि होत्था अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ [अभिक्खणं २] पाए धोवेइ सीसं धोवेइ मुहं धोवेइ थणंतराइं धोवेइ कक्खंतराइं धोवेइ गु(गो)ज्झंतराइं धोवेइ जत्थ [२] णं ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएइ तत्थ वि य णं पुव्वामेव उदएणं अब्भु(क्ख-क्खे)त्ता तओ पच्छा ठाणं वा ३ चेएइ। तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं एवं वयासी–एवं खलु (देवा !) अज्जे ! अम्हे समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव बंभचेरधारिणीओ नो खलु कप्पइ अम्हं सरीरबाउसियाए होत्तए, तुमं च णं अज्जे ! सरीरबाउसिया अभिक्खणं २ हत्थे धो(ध)वेसि जाव चे(चे)एसि, तं तुमं णं देवाणुप्पिए ! एय(त)स्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि। तए णं सूमालिया गोवालियाणं अज्जाणं एयमट्ठं नो आढाइ नो परि(जाण)याणइ अणाढायमाणी अपरि(या)जाणमाणी विहरइ। तए णं ताओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं अभिक्खणं २ (अभि)ही(हे)लेंति जाव परिभवंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं निवारेंति। तए णं तीसे सूमालियाए समणीहिं निग्गंथीहिं हीलिज्जमाणीए जाव वारिज्जमाणीए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जया णं अहं अगारवासमज्झे

वसामि तया णं अहं अप्पवसा। जया ण अहं मु(डे)डा भवित्ता पव्वइया तया णं अहं परवसा। पुव्विं च णं मम समणीओ आढायंति इयाणिं नो आ(ढं)ढायंति। तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए गोवालियाण अतियाओ पडिनिक्खमित्ता पाडिएक्कं उवस्स(गं)यं उवसपज्जित्ताण विहरित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं(पा०) गोवालियाणं (अज्जाणं) अतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पाडिएक्क उवस्सयं उवसंपज्जित्ताण विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अणोहट्टिया अनिवारिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव चेएइ तत्थ वि य ण पासत्था पासत्थविहा(री)रिणी ओसन्ना २ कुसीला २ ससत्ता २ बहूणि वासाणि सामण्णपरियाग पाउणइ [२] अद्धमासियाए सलेहणाए तस्स ठाणस्स अणालोइय(अ)पडिक्कंता कालमासे काल किच्चा ईसाणे कप्पे अन्नयरंसि विमाणंसि देवगणियत्ताए उववन्ना। तत्थेगइयाण देवीणं नव-पलिओवमाइ ठिई पन्नत्ता। तत्थ णं सूमालियाए देवीए नवपलिओवमाइ ठिई पन्नत्ता ॥ १२१ ॥ तेण कालेणं तेण समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कपिल्लपुरे नाम नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं दुवए नामं राया होत्था वण्णओ। तस्स ण चुलणी देवी धट्ठज्जुणे कुमारे जुवराया। तए णं सा सूमालिया देवी ताओ देवलोगाओ आउक्खएण जाव चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे नयरे दु(प)वयस्स रन्नो चुलणीए देवीए कुच्छिंसि दारियत्ताए पच्चायाया। तए णं सा चुलणी देवी नवण्हं मासाणं जाव दारिय पयाया। तए ण तीसे दारियाए निव्वत्तबारसाहियाए इमं एयारूव (०) नाम(०)-जम्हा ण एसा दारिया दु(व)पयस्स रन्नो धूया चुलणीए देवीए अत्तया त हो(उ)ऊ णं अम्ह इमीसे दारियाए नाम(विज्जे)धेज्जं दोवई। तए ण तीसे अम्मापियरो इमं एयारूव गो(गु)ण्णं गुणनिप्फन्न नामधेज्ज क(रिं)रेंति दोवई। तए ण सा दोवई दारिया पंचधा(इ)ईपरिग्गहिया जाव गिरिकंदरमल्ली(ण)णा इव चंपगलया निवायनिव्वाघायंसि सुहसुहेण परिवड्ढइ। तए ण सा दोवई [देवी] रायवरकन्ना उम्मुक्कबालभावा जाव उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तए ण त दोवइ रायवरकन्न अन्नया कयाइ अंतेउरियाओ ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता दुवयस्स रन्नो पायवदि(उं)यं पे(स)सेंति। तए णं सा दोवई २ जेणेव दुवए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दुवयस्स रन्नो पायग्गहण करेइ। तए ण से दुवए राया दोवइं दारिय अंके निवेसेइ २ त्ता दोवईए २ रूवे(ण) य ३ जायविम्हए दोवइं २ एवं वयासी-जस्स ण अह [तुम] पुत्ता! रायस्स वा जुवरायस्स वा भारियत्ताए सयमेव दलइस्सामि तत्थ णं तुम सुहिया वा दु(क्खि)हिया वा भ(वि)वे-

जामि । तए णं म(मे)म जावजीवाए हियय(डा)हे भविस्सइ । तं णं अहं तव पुत्ता ! अज्जयाए सयंवरं वि(र)यामि । अज्जयाए णं तुमं दिन्नं सयंवरा । (तं) जं णं तुमं सयमेव रायं वा जुवरायं वा वरेहिसि से णं तव भत्तारे भविस्सइ त्तिकट्टु ताहिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ ॥ १२२ ॥ तए णं से दुवए राया दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! बारवइं नयरिं। तत्थ णं तुमं कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे बलदेवप(मु)क्खे पंच महावीरे उग्गसेणपामोक्खे सोलस रायसहस्से पज्जुण्णपा(मु)क्खाओ अद्धुट्ठाओ कुमारकोडीओ संबपामोक्खाओ सट्ठिं दुद्दंतसाहस्सीओ वीरसेणपा(मु)क्खाओ ए(इ)क्कवीसं [राय]वीरपुरिससाहस्सीओ म(ह)सेणपामोक्खाओ छप्पन्नं बलवगसाहस्सीओ अन्ने य बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भ(से)ट्ठिसेणावइसत्थवाहपभिइओ करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेहि २ त्ता एवं वयाहि—एवं खलु देवाणुप्पिया ! कंपिल्लपुरे नयरे दुवयस्स रन्नो धूयाए चुलणीए (देवीए) अत्तयाए धट्ठज्जुणकुमारस्स भ(भि)गिणीए दोवईए २ सयंवरे भविस्सइ । (तं) तए णं तुब्भे (देवा !) दुवयं रायं अणुगिण्हेमाणा अकालपरिहीणं चेव कंपिल्लपुरे नयरे समोसरह । तए णं से दूए करयल जाव कट्टु दुवयस्स रन्नो एयमट्ठं (विणएणं) पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तए णं से दूए ण्हाए अलंकार सरीरे चाउग्घंटं आसरहं दु(रु)हइ २ त्ता बहूहिं पुरिसेहिं सन्नद्ध जाव गहिया(उ)हपहरणेहिं सद्धिं संपरिवुडे कंपिल्लपुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ ( ) पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव बारवई नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बारवइं नयरिं मज्झंमज्झेणं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं ठ(ठ)वेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पायचारविहा(रा)रेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपा(मु)क्खे य दस दसारे जाव बलवगसाहस्सीओ करयल तं चेव जाव समोसरह । तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स दूयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ[तुट्ठे] जाव हियए तं दूयं सक्कारेइ सम्माणेइ स २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरि(सं)से सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! सभाए सुहम्माए सामुदाणियं भेरिं तालेहि । तए णं से कोडुंबिय-

ज्जिज्जा ॥ ७५४ ॥ से भिक्खू वा (२) आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं दूइज्जमाणे अतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते ण पाडिपहिया से एव वएज्जा "आउसतो समणा के तुब्भे? कओ वा एह? कहिं वा गच्छिहिह" जे तत्थ आयरियउवज्झाए से भासेज्ज वा, वियागरेज्ज वा, आयरियोवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अतराभास करेज्जा, तओ सजयामेव अहारातिणिए वा० दूइज्जेज्जा ॥ ७५५ ॥ से भिक्खू वा (२) अहारातिणिय गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अहारातिणियस्स हत्येण हत्य जाव अणासायमाणे तओ सजयामेव अहारातिणिय गामाणुगाम दूइज्जिज्जा ॥ ७५६ ॥ से भिक्खू वा (२) अहारातिणिय दूइज्जमाणे अतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा, ते ण पाडिपहिया एव वदेज्जा, आउसतो समणा के तुब्भे? कओ वा एह? कहिं वा गच्छिहिह? जे तत्थ सव्वरातिणिए से भासेज्ज वा वागरेज्ज वा अहारातिणियस्स भासमाणस्स वियागरेमाणस्स वा णो अतराभास भासेज्जा, तओ सजयामेव अहाराइणियाए गामाणुगाम दूइज्जिज्जा ॥ ७५७ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगाम दूइज्जमाणे अतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा, ते ण पाडिपहिया एव वदेज्जा "आउसतो समणा! अवियाइ एत्तो पडिपहे पासह तजहा—मणुस्स वा गोण वा महिस वा पसु वा पक्खि वा, सिरीसिव वा जलयर वा से आइक्खह दसेह" त णो आइक्खेज्जा णो दसेज्जा णो तेसिं त परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा, **जाणं वा, णो जाणंति वएज्जा,** तओ सजयामेव गामाणुगाम दूइज्जेज्जा ॥ ७५८ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगाम दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिपहिया आगच्छेज्जा ते ण पाडिपहिया एव वएज्जा "आउसतो समणा अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह उदगपसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदग वा संणिहियं अगणिं वा सणिक्खित्त, सेस त चेव से आइक्खह, जाव दूइज्जेज्जा ॥ ७५९ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगाम दूइज्जमाणे अतरा से पाडिपहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिपहिया एव वएज्जा, आउसतो समणा अवियाइं एत्तो पडिपहे पासह, जवसाणि वा, जाव से ण वा, विरूवरूव सणिविट्ठ, से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६० ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगाम दूइज्जमाणे अतरा से पाडिपहिया जाव "आउसतो समणा! केवइए एत्तो गामे वा जाव रायहाणी वा से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६१ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगाम दूइज्जमाणे अतरा से पाडिपहिया जाव "आउसतो समणा केवइए एत्तो गामस्स णगरस्स वा जाव रायहाणीए वा मग्गे, से आइक्खह तहेव जाव दूइज्जिज्जा ॥ ७६२ ॥ से भिक्खु वा

रिसे करयल जाव कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सभाए सुह-म्माए सामुदाइया भेरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सामुदाइयं भेरिं महया २ सद्देणं तालेइ। तए णं ताए सामुदाइयाए भेरीए तालियाए समाणीए समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव महासेणपामोक्खाओ छप्पन्नं बलवगसाहस्सीओ ण्हाया सव्वालंकार-विभूसिया जहाविभवइड्ढिसक्कारसमुदएणं अप्पेगइया [हयगया] जाव [अप्पेगइया] पाय(विहारचा) चारविहारेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव कण्हं वासुदेवं जएण विजएणं वद्धावेंति। तए ण से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अभिसेक्कं हत्थिरयणं पडि-कप्पेह हयगय जाव पच्चप्पिणंति। तए ण से कण्हे वासुदेवे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समुत्तजालाकुलाभिरामे जाव अंजणगिरिकूडसन्निभं गयवइ नरवई दुरूढे। तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपा(मु)मोक्खेहिं दसहिं दसारेहिं जाव म० छ० ब० सद्धिं सपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव रवेण बारव(इ)इ नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्ग-च्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेण जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कंपिल्लपुरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से दुवए राया दोच्चं [पि] दूयं सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–गच्छ[ह] ण तुमं देवाणु-प्पिया! हत्थिणाउर नयरं, तत्थ ण तुम पंडुराय सपुत्तय जुहिट्ठिल्लं भीमसेण अज्जुण नउल सहदेवं दुज्जोहण भाइसयसमग्ग गंगेय विदुरं दोण जयद्दह सउ(णी)णिं कीव आसत्थामं करयल जाव कट्टु तहेव [जाव] समोसरह। तए ण से दूए एवं (व०–) जहा वासुदेवे नवरं भेरी नत्थि जाव जेणेव कंपिल्लपुरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गम-णाए। एएणेव कमेणं तच्चं दूयं चं(पा)पं नयरिं, तत्थ णं तुम कण्हं अगराय स(से)ल्लं नंदिराय करयल तहेव जाव समोसरह। चउत्थ दूय सुत्तिमइ नयरिं, तत्थ ण तुमं सिसुपालं दमघोससुयं पचभाइसयसंपरिवुडं करयल तहेव जाव समोसरह। पंचमग दूयं हत्थिसी(स)सं नय(रं)रिं, तत्थ णं तुम दमदंतं रायं करयल (तहेव) जाव समोसरह। छट्ठ दूयं महुर नयरिं, तत्थ ण तुम धरं रायं करयल जाव समोसरह। सत्तमं दूय रायगिहं नयरं, तत्थ ण तुमं सहदेव जरा(सिंधु)संधसुयं करयल जाव समोसरह। अट्ठम दूयं कोडिण्ण नयरं। तत्थ ण तुम रुप्पि मे(भे)सगसुय करयल तहेव जाव समोसरह। नवमं दूय विरा(ड)ट नय(रं)रिं, तत्थ ण तुम की(कि)यगं भाचसयसमग्ग करयल जाव समोसरह। दसमं दूय अवसेसेसु (य) गामागरनगरेसु अणेगाइं रायसहस्साइं जाव समोसरह। तए ण से दूए तहेव निग्गच्छइ जेणेव गामागर [तहेव] जाव समोसरह। तए ण ताइं अणेगाइ रायसहस्साइ तस्स दूयस्स

प्पिया! दुवयं रायाणं अणुगिण्हेमाणा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया हत्थिखंधव-रगया सको(र)रेंट० सेयवरचामर० हयगयरह० महया भडच(र)डगरेणं जाव परिक्खित्ता जेणेव सयंवरामंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पत्तेयं नामंकेसु आसणेसु निसीयइ २ त्ता दोवइं २ पडिवालेमाणा २ चिट्ठइ घोसणं घोसेह [२] मम एयमाणत्तिय पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबिया तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणु-प्पिया! सयंवरमंड(पं)वं आसियसमज्जिओवलित्तं सुगंधवरगंधियं पंचवण्णपु(प्फ-पुंजो)प्फोवयारकलियं कालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं मंचाइमंचकलियं करेह कारवेह करेत्ता कारवेत्ता वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं पत्तेयं २ नामंकाइं आसणाइं अत्थुय(सेयव०)पच्चत्थुयाइं रएह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह (तेवि) जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा कल्लं (पाउ०) ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया हत्थिखंधवरगया सकोरेंट० सेयवरचामराहिं [महया] हयगय जाव परिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं जेणेव सयंव(रे)रामंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अणुप्पविसंति २ त्ता पत्तेयं २ नाम(के)कएसु निसीयंति दोवइं २ पडिवालेमाणा चिट्ठंति। तए णं से दुवए राया कल्लं ण्हाए सव्वालंकार-विभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरेंट० हयगय० कंपिल्लपुरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २(०) जेणेव सयंवरामंडवे जेणेव वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाणं करयल जाव वद्धावेत्ता कण्हस्स वासुदेवस्स सेयवरचामरं गहाय उववीयमाणे चिट्ठइ॥ १२४॥ तए णं सा दोवई २ [कल्लं जाव] जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [मज्जणघरं अणुपवि-सइ २ त्ता] ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिया मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव अंतेउरे तेणेव उवागच्छइ। तए णं तं दोवइं २ अंतेउरियाओ सव्वालंकारविभूसियं करेंति, किं ते ? वरपायपत्तनेउरा जाव चेडियाचक्कवाल(यह)हयरगविंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता किड्डावियाए लेहियाए सद्धिं चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ। तए णं से धट्ठज्जुणे कुमारे दोवईए कण्णाए सारत्थं करेइ। तए णं सा दोवई २ कंपिल्लपुरं (नयरं) मज्झंमज्झेणं जेणेव सयंव(र)रामंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठावेइ रहाओ पच्चोरु(ह)भइ २ त्ता किड्डावियाए लेहियाए (य) सद्धिं सयंवरमंडवं अणुपविसइ करयल [जाव] तेसिं वासुदेवपा(०)मोक्खाणं बहूणं रायवरसहस्साणं पणामं करेइ। तए णं सा दोवई २

उरे पंचण्हं पंडवाणं पंच पासायवडिंसए कारे(ह)हि अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ जाव पडिरूवे। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा पडिसुणेंति जाव कार(करा)वेंति। तए णं से पं(डुए)डू राया पचहिं पंडवेहिं दोवईए देवीए सद्धिं हयगयसपरिवुडे कंपिल्लपुराओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागए। तए णं से पंडुराया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं आगमण जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरस्स नयरस्स बहिया वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आवासे कारेह अणेग(खं)थभसय तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागच्छंति। तए णं (से) पंडूराया ते(सिं) वासुदेवपामो(क्खाणं)क्खे [जाव] आग(मण)ए जाणित्ता हट्ठतुट्ठे ण्हाए जहा दु(प)वए जाव जहारिह आवासे दलयइ। तए णं ते वासुदेवपा(०)मोक्खा बहवे रायसहस्सा जेणेव सया(इ) २ आवासा(ई) तेणेव उवागच्छंति (०) तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडूराया हत्थिणाउरं नयरं अणुपविसइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! विपुल असणं ४ तहेव जाव उवणेंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रा(या)यसहस्सा ण्हाया तं विपुलं असणं ४ तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडूराया [ते] पंचपंडवे दोवइं च देविं पट्टयं दुरूहेइ२ त्ता सीयापीएहिं कलसेहिं ण्हावे(न्ति)इ२ त्ता कल्लाण(का)करं करेइ २ त्ता ते वासुदेवपामोक्खे बहवे रायसहस्से विपुलेणं अस(ण)णेणं ४ पुप्फवत्थेणं सक्कारेइ सम्माणेइ (०) जाव पडिविसज्जेइ। तए ण ताइं वासुदेवपामोक्खाइं बहू(हिं)इं जाव पडिगयाइं ॥ १२६ ॥ तए णं ते पंच पंडवा दोवईए देवीए (सद्धिं अंतो अंतेउरपरियाल) सद्धिं कल्लाकल्लिं वारंवारेणं उ(ओ)रालाइं भोगभोगाइं जाव विहरंति। तए णं से पंडू राया अन्नया कया(ई)इं पंचहिं पंडवेहिं कोंतीए देवीए दोवईए (देवीए) य सद्धिं अंतोगतेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे सीहासणवरगए यावि विहरइ। इमं च णं कच्छुल्लनारए दंसणेणं अइभद्दए विणीए अतो(२)य कलुसहियए मज्झ(त्थो)त्थउवत्थिए य अल्लीणसोमपियदंसणे सुरूवे अमइलसगलपरिहिए कालमियचम्मउत्तरासंगरइयव(त्थे)च्छे दण्डकमण्डलुहत्थे जडामउडदित्तसिरए जन्नोवइयगणेत्तियमुंजमेह(ल)लावागलधरे हत्थकयकच्छभीए पियगंधव्वे धरणिगोयरप्पहाणे संवरणावरणओवय(णउ)-णुप्पयणिलेसणीसु य संकामणि(अ)आभिओगपन्नत्तिगमणीथं(भ)भिणीसु य ब(हु)हूसु विज्जाहरीसु विज्जासु विस्सुयजसे इट्ठे रामस्स य केसवस्स य पज्जुन्नपईवसंबअनिरुद्धनिसढउम्मुयसारणगयसुमुहदुम्मुहाई(ण)णं जायवाण अद्धुट्ठाण[य]कुमारकोडीणं हियय दइए संथवए कलहजुद्धकोलाहलप्पिए भंडणाभिलासी बहूसु य सम(रेसु)रसयसपराएसु

वयासी-तु(म्मं)मं देवाणुप्पिया ! बहूणि, गामाणि जाव गि(गे)हाइं अणुपविससि, त अत्थि याइं ते कहिंचि देवाणुप्पिया ! एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं मम ओरोहे ? । तए ण से कच्छुल्लनारए पउमनाभेणं (रन्ना) एव वुत्ते समाणे ईसिं विहसियं करेइ २ त्ता एवं वयासी-सरिसे णं तुम पउमनाभा ! तस्स अगडदद्दुरस्स । के ण देवाणुप्पिया ! से अगडदद्दुरे ? एव जहा मल्लिणाए । एव खलु देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे [नयरे] दुपयस्स रन्नो धूया चुलणीए देवीए अत्तया पंडुस्स सुण्हा पचण्हं पडवाण भारिया दोवई देवी रूवेण य जाव उक्किट्ठसरीरा । दोवईए णं देवीए छिन्नस्सवि पायगुट्ठ(य)स्स अयं तव ओरोहे स(तिमं)यंपि कल न अग्घइ-त्तिकट्टु पउमनाभ आपुच्छइ (०) जाव पडिगए । तए णं से पउमनाभे राया कच्छुल्लनारयस्स अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म दोवईए देवीए रूवे य ३ मुच्छिए ४ (०) जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं जाव पुव्वसगइय देवं एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे जाव [उक्किट्ठ]सरीरा, त इच्छामि ण देवाणुप्पिया ! दोव(ई)इं देविं इहमा(णि)णीय । तए ण पुव्वसंगइए देवे पउमनाभ एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पिया ! ए(य)वं भूय वा भव्व वा भविस्स वा ज-ण्णं दोवई देवी पंच पंडवे मोत्तू(ण)ण अन्नेणं पुरिसेण सद्धिं उ(ओ)रालाइं जाव विहरिस्सइ । तहावि य णं अह तव पियट्ठ(त)याए दोवइं देविं इह हव्वमाणेमि-त्तिकट्टु पउम नाभं आपुच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव लवणसमुद्दं मज्झमज्झेण जेणेव हत्थिणाउरे नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तेण कालेणं तेण समएण हत्थिणाउरे [नयरे] जुहिट्ठिल्ले राया दोवईए देवीए सद्धिं उप्पिं आगासत(लं)लगसि सुह[प]पसुत्ते यावि होत्था । तए ण से पुव्वसगइए देवे जेणेव जुहिट्ठिल्ले राया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोवईए देवीए ओसोवणिय दलयइ २ त्ता दोवइं देविं गिण्हइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव अ-वरकका जेणेव पउमनाभस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमनाभस्स भवणसि असोगवणियाए दोवइं देविं ठावेइ २ त्ता ओसोवणिं अवहरइ २ त्ता जेणेव पउमनाभे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एस ण देवाणुप्पिया ! मए हत्थिणाउराओ दोवई देवी इ(ह)ह हव्वमाणीया तव असोगवणियाए चिट्ठइ । अओ परं तुमं जाणसि-त्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । तए ण सा दोवई देवी तओ मुहुत्ततरस्स पडिबुद्धा समाणी तं भवण असोगवणियं च अपच्चभिजाणमाणी एव वयासी-नो खलु अम्हं एसे सए भवणे नो खलु एसा अम्हं स(गा)या असोगवणिया । त न नज्जइ णं अहं

कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से पंडू राया दोवईए देवीए कत्थइ सुई वा जाव अलभमाणे कोंतीं देवीं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिन्या ! बारवइं नयरिं कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं निवेदेहि । कण्हे णं परं वासुदेवे दोवईए (देवीए) मग्गणगवेसण करेज्जा अन्नहा न नज्जइ दोवईए देवीए सु(ती)ई वा खु(ती)ई वा पव(त्ती)त्तिं वा उवलभेज्जा । तए णं सा कोंती देवी पडु(रण)गा एवं वुत्ता समाणी जाव पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया हत्थिखंधवरगया हत्थिणा(उ)पुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता कुरुजणवयं मज्झमज्झेणं जेणेव सुर(ट्ठ)ट्ठाजणवए जेणेव वारवई नयरी जेणेव अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! जेणेव (वारवई ण०) बारवई नयरिं अणुपविसह २ त्ता कण्हं वासुदेवं करयल[०] एवं वयह–एवं खलु सामी ! तुब्भ पिउच्छा कोंती देवी हत्थिणाउराओ नयराओ इहं हव्वमागया तुब्भं दंसणं कखइ । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव करेंति । तए णं कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसाण अंतिए [एयमट्ठं] सोच्चा निसम्म [हट्ठतुट्ठे] हत्थिखंधवरगए हयगय[०] वारवईए (य) नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव कोंती देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोंतीए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता कोंतीए देवीए सद्धिं हत्थिखंधं दुरूहइ २ त्ता वारव(तीए)इ नय(रीए)रिं मज्झंमज्झेण जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयं गिहं अणुप्पविसइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कों(ती)तिं देविं ण्हाय जिमियभुत्तुत्तरागयं जाव सुहासणवरगयं एवं वयासी–संदिसउ णं पिउच्छा ! किमागमणपओयणं (?) । तए णं सा कोंती देवी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता ! हत्थिणाउरे नयरे जुहिट्ठिल्लस्स [रन्नो] आगासत(ले)लए सुह[प]पसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी न नज्जइ केणइ अवहिया जाव अवक्खित्ता वा, तं इच्छामि णं पुत्ता ! दोवईए देवीए मग्गणगवेसणं कयं । तए णं से कण्हे वासुदेवे कों(तिं)तीपिउच्छिं एवं वयासी–जं नवरं पिउच्छा (!) दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव लभामि तो णं अहं पायालाओ वा भवणाओ वा अद्धभरहाओ वा समंतओ दोवइं [देविं] साहत्थिं उवणेमि–त्तिकट्टु कों(तीं)तीपिउ(त्थि)च्छिं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं सा कोंती देवी कण्हेणं वासुदेवेण पडिविसज्जिया समाणी जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! बारवइं नयरिं एवं जहा पंडू तहा घोसणं घोसावेइ जाव पच्चप्पिणंति पंडुस्स जहा । तए णं से कण्हे वासुदेवे अन्नया अंतोअंते-

(२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से गोणं वियालं पडिपहे पेहाए जाव चित्तचिल्लडं वियालं पडिपहे पेहाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा णो मग्गाओ उम्मग्गं संकमिज्जा णो गहणं वा वणं वा दुग्गं वा अणुपविसेज्जा णो रुक्खंसि दुरुहेज्जा णो महइमहालयंसि उदयंसि कायं विउसेज्जा णो वाडं वा सरणं वा सेणं वा सत्थं वा कंखेज्जा अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७६३ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा उवगरणपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा, णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७६४ ॥ से भिक्खू वा (२) गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा ते णं आमोसगा एवं वएज्जा आउसंतो समणा आहर एयं वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं वा देहि णिक्खिवाहि, तं णो देज्जा णिक्खिवेज्जा णो वंदिय २ जाएज्जा णो अंजलिं कट्टु जाएज्जा णो कलुणपडियाए जाएज्जा धम्मियाए जाएज्जा तुसिणीयभावेण वा उवेहेज्जा ते णं आमोसगा 'सयं करणिज्जं' ति कट्टु, अक्कोसंति वा जाव उवद्दवंति वा वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा जाव परिट्ठवेज्ज वा तं णं णो गामसंसारियं कुज्जा णो रायसंसारियं कुज्जा णो परं उवसंकमित्तु बूया आउसंतो गाहावइ एए खलु मे आमोसगा उवगरणपडियाए सयं करणिज्जं ति कट्टु अक्कोसंति वा जाव परिट्ठवेंति वा एयप्पगारं मणं वा वयं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७६५ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं, जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७६६ ॥

इरियाज्झयणस्स तइओद्देसो समत्तो ॥ तइयं इरियाज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) इमाइं वयायाराइं सोच्चा णिसम्म इमाइं अणायाराइं अणायरियपुव्वाइं जाणिज्जा जे कोहा वा माणा वा मायाए वा लोहा वा वायं विउंजंति, जाणओ वा फरुसं वयंति अजाणओ वा फरुसं वयंति सव्वमेयं सावज्जं वज्जेज्जा विवेगमायाए ॥ ७६७ ॥ धुवं चेयं जाणिज्जा अधुवं चेयं जाणिज्जा असणं वा (४) लभिय णो लभिय भुंजिय णो भुंजिय अदुवा आगए णो आगए, अदुवा एइ णो एइ, अदुवा एहिति णो एहिति, एत्थवि आगए णो आगए, एत्थवि एइ णो एइ, एत्थवि एहिति णो एहिति ॥ ७६८ ॥ अणुवीइ णिट्ठाभासी समियाए संजए भासं भासेज्ज तंजहा-एगवयणं दुवयणं बहुवयणं इत्थिवयणं पुरिसवयणं णपुंसगवयणं

वेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्ग वियरेहि जा(ज)णं अहं अवरकंकारायहाणिं दोवईए कूवं गच्छामि । तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-किं(हं)णं देवाणुप्पिया! जहा चेव पउम-नाभस्स रन्नो पुव्वसंगइएणं देवेणं दोवई जाव साहि(संहरि)या तहा चेव दोवइं देविं धायईसंडाओ दीवाओ भारहाओ जाव हत्थिणाउरं साहरामि उदाहु पउम-नाभं रायं सपुरबलवाहणं लवणसमुद्दे पक्खिवामि? । तए णं [से] कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं देवं एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव साहराहि, तुमं णं देवाणुप्पिया! [मम] लवणसमुद्दे [पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं] अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं मग्गं वियराहि, सयमेव णं अहं दोवईए कूवं गच्छामि । तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं होउ [णं] । पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं वियरइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे चाउरंगि(णी)णिं सेणं पडिविसज्जेइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव अ-वरकंका रायहाणी जेणेव अ वरकंकाए [रायहाणीए] अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठा(ठ)वेइ २ त्ता दारुयं सारहिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! अ वरकंकारायहाणिं अणु-प्पविसाहि २ त्ता पउम-नाभस्स रन्नो वामेणं पाएणं पायपीढं अ[व]क्कमित्ता कुंतग्गेणं लेहं पणामेहि तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु आसुरुत्ते रुट्ठे कुद्धे कुविए चंडिक्किए एवं व०-हं भो पउम-ना(हा)भा! अपत्थियपत्थिया दुरंतपंतलक्खणा हीणपुण्णचाउद्दसा सि(री)रिहिरि(धी)धिइपरिवज्जिया [!] अज्ज न भवसि किन्न तुमं न याणासि कण्हस्स वासुदेवस्स भगिणिं दोवइं देविं इह हव्वमा(ण)णेमा(णे)णं? तं एयमवि गए पच्चप्पिणाहि णं तुमं दोवइं देविं कण्हस्स वासुदेवस्स अहव णं जुद्धसज्जे निग्गच्छाहि, एस णं कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं [सद्धिं] अप्पछट्ठे दोवई[ए] देवीए कूवं हव्वमागए । तए णं से दारुए सारही कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे (जाव) पडिसुणेइ २ त्ता अ वरक(का)कं रायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव पउमना(हि)भे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एस णं सामी! मम विणयपडिवत्ती इमा अन्ना मम सामिस्स समुहाणत्ति-त्तिकट्टु आसुरुत्ते वामपाएणं पायपीढं अ(णु)वक्कमइ २ त्ता कुं(कों)तग्गेणं लेहं पणा-(म)मेइ (०) जाव कूवं हव्वमागए । तए णं से पउम-नाभे दारुएणं सारहिणा एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते तिवलिं भिउडिं निडाले साहट्टु एवं वयासी-(णो) न अप्पिणामि णं अहं देवाणुप्पिया! कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं । एस णं अहं सयमेव जुज्झस(ज्जो)-

वासुदेवे धणु परामुसइ वेढो धणुं पूरेइ २ त्ता धणुसद्दं करेइ । तए णं तस्स पउमनाभस्स दोच्चे बलतिभाए तेण धणुसद्देणं हयमहिय जाव पडिसेहिए । तए ण से पउमनाभे राया तिभागबलावसेसे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्क(म)मे अधारणिज्ज मि त्तिकट्टु सिग्घ तुरिय जेणेव अ वरकका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अ वरकं(क)कारायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता बा(दा)राइ पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव अवरकका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठा वेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोह[ण]णइ(०) एगं मह नरसीहरूवं विउव्वइ २ त्ता महया २ सद्देणं पा(द)यदद्दरिय करेइ । तए ण (से) कण्हेण वासुदेवेण महया २ सद्देण पायदद्दरएणं कएण समाणेणं अवरकका रायहाणी सभग्गपागारगो(पु)उराट्टालयचरियतोरणपल्हत्थियपवरभवणसिरिघरा सर(स)सरस्स धरणियले सन्निवइया । तए ण से पउमनाभे राया अवरकक रायहाणिं संभग(ग)ग जाव पासित्ता भीए दोवइं देविं सरणं उवेइ । तए ण सा दोवई देवी पउमनाभं रायं एव वयासी–किन्नं तुम देवाणुप्पिया! (न) जाणसि कण्हस्स वासुदेवस्स उत्तमपुरिसस्स विप्पिय करेमाणे (मम इह हव्वमाणेसि)? त एवमवि गए गच्छह ण तुमं देवाणुप्पिया! ण्हाए उल्लपडसाडए ओ(अव)चूलगवत्थ-नियत्थे अतेउरपरियालसपरिवुडे अग्गाइं वराइं रयणाइ गहाय ममं पुरओ काउ कण्ह वासुदेव करयल [जाव] पाय(प)वडिए सरण उवेहि, पणिवइयवच्छला णं देवाणुप्पिया! उत्तमपुरिसा । तए ण से पउमनाभे दोवईए देवीए एयमट्ठ पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरणं उवेइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–दिट्ठा ण देवाणुप्पियाण इड्ढी जाव परक्कमे । तं खामेमि ण देवाणुप्पिया! जाव खमतु ण जाव नाह भुज्जो २ एवं करणयाए–त्तिकट्टु पंजलि(वु)उडे पायवडिए कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं देविं साहत्थिं उवणेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे पउमनाभं एव वयासी–ह भो पउमनाभा! अ(प)पत्थियपत्थिया ४ कि ण्ण तुमं (ण) जाणसि मम भगिणिं दोवइं देविं इह हव्वमाणमाणे? त एवमवि गए नत्थि ते ममाहिंतो इयाणिं भयमत्थि-त्तिकट्टु पउमनाभं पडिविसज्जेइ (०) दोवइ देविं गे(गि)ण्हइ २ त्ता रह दुरूहेइ २ त्ता जेणेव पच पंडवा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पचण्हं पडवाणं दोवइ देविं साहत्थिं उवणेइ । तए ण से कण्हे पचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्द मज्झमज्झेण जेणेव जबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ १२९ ॥ तेणं कालेण तेणं समएणं धायइसडे दीवे पुरत्थिमद्धे भारहे वासे चपा नाम नयरी होत्था । पुण्णभद्दे उज्जाणे ।

तत्थ णं चंपाए नयरीए कविले नामं वासुदेवे राया होत्था (महया हिमवंत) वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा चंपाए पुण्णभद्दे समोसढे। क(पि)विले वासुदेवे धम्मं सुणेइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयस्स अरहओ [अंतिए] धम्मं सुणेमाणे कण्हस्स वासुदेवस्स संखसद्दं सुणेइ। तए णं तस्स कविलस्स वासुदेवस्स इमेयारूवे अ(ज्झ)त्थिए [४] समुप्पज्जित्था—किं मन्ने धायइसंडे दीवे भारहे वासे दोच्चे वासुदेवे समुप्पन्ने (?) जस्स णं अयं संखसद्दे ममं पिव मुहवायपूरिए वियंभइ [?] कविले वासुदे(वे)त्ता म(त)ा(रि)व (वंदेइ) मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी—से नूणं (ते) कविला वासुदेवा! म(म)ं अंतिए धम्मं निसामेमाणस्स संखसद्दं आकण्णित्ता इमेयारूवे अ-ज्झत्थिए—किं मन्ने जाव वियंभइ। से नूणं कविला वासुदेवा! अ(य)मट्ठे समट्ठे? हंता [!] अत्थि। [तं] नो खलु कविला! एवं भूयं वा भ(व्व)ं वा भविस्स(इ)इ वा जन्नं ए(गे)-खेत्ते एगजुगे एगसमए [णं] दुवे अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं खलु वासुदेवा! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणाउ(र)राओ नयराओ पंडुस्स रण्णो सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी तव पउम-नाभस्स रण्णो पुव्वसंगइएणं देवेणं अवरकंक-नयरिं साहरिया। तए णं से कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं अवरकंकं रायहाणिं दोवईए देवीए कूवं हव्वमागए। तए णं तस्स कण्हस्स वासुदेवस्स पउम-नाभेणं रण्णा सद्धिं संगामं संगामेमाणस्स अयं संख-सद्दे तव मुहवाया (इव) इट्ठे (कंते) इ(ह)व वियंभइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—गच्छामि णं अहं भंते! कण्हं वासुदेवं उत्तमपुरिसं [मम] सरिसपुरिसं पासामि। तए णं मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी—नो खलु देवाणुप्पिया! एवं भूयं वा ३ जन्नं अरहंता वा अरहंतं पासंति चक्कवट्टी वा चक्कवट्टिं पासंति बलदेवा वा बलदेवं पासंति वासुदेवा वा वासुदेवं पासंति। तहवि य णं तुमं कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी(ति)ईवयमाणस्स सेयापीयाइं धयग्गाइं पासिहिसि। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता हत्थिखंधं दुरुहइ २ त्ता सिग्घं २ जेणेव वेल(उ)ाउले तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी(ई)ईवयमाणस्स सेयापीया(इं)इं धयग्गाइं पासइ २ त्ता एवं वयइ—एस णं मम सरिसपुरिसे उत्तमपुरिसे कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवय-त्तिकट्टु पंचजन्नं संखं परामुसइ [२] मुहवायपूरियं करेइ। तए णं से कण्हे वासु-

देवे कविलस्स वासुदेवस्स संखसद्दं आय-ण्णेइ २ त्ता पंचयन्नं जाव पूरियं करेइ । तए णं दोवि वासुदेवा संखसद्द(सा)समायारिं करेंति । तए ण से कविले वासुदेवे जेणेव अ-वरकका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अ-वरककं रायहाणिं संभग्गतोरणं जाव पासइ २ त्ता पउम नाभ एवं वयासी–किन्नं देवाणुप्पिया ! एसा अ-वरकंका संभग्ग जाव सन्निवइया? । तए णं से पउमन्ना-भे कविलं वासुदेव एवं वयासी–एवं खलु सामी ! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ इह हव्वमागम्म कण्हेणं वासुदेवेणं तुब्भे परिभूय अ-वरकंका जाव सन्नि(वा)वडिया । तए णं से कविले वासुदेवे पउम-ना-भस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा पउम ना(ह)भ एवं वयासी–हं भो पउमनाभा ! अप-त्थियपत्थिया [५।] किन्नं तुम (न) जाणसि मम सरिसपुरिसस्स कण्हस्स वासुदेवस्स विप्पियं करेमाणे? आसुरुत्ते जाव पउम-ना-भं निव्विसय आणवेइ पउमन्ना-भस्स पुत्तं अ-वरकका[ए] रायहाणीए महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ जाव पडिगए ॥ १३० ॥ तए ण से कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वी-ईवयइ (गंग उवागए) ते पंच-पंडवे एवं वयासी–गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! ग(गा)ग महा-न(दि)इं उत्तरह जाव ताव अह सुट्ठियं लवणाहिवइ पासामि । तए णं ते पंच पडवा कण्हेण २ एवं वुत्ता समाणा जेणेव गंगा महानदी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगट्ठियाए नावाए मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता एगट्ठियाए नावाए गं-ग महान-इं उत्तरंति २ त्ता अ-न्नम-न्नं एवं वयति–पहू ण देवाणुप्पिया ! कण्हे वासुदेवे ग-गं महा-न इं वाहाहिं उत्तरित्तए उदाहु नो प(भू)हू उत्तरित्तए–त्तिकट्टु एगट्ठियाओ (नावाओ) णूमेंति २ त्ता कण्हं वासुदेवं पडिवालेमाणा २ चिट्ठति । तए ण से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइ पासइ २ त्ता जेणेव गगा महा-न(दी)ई तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एगट्ठियाए सव्वओ समता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता एगट्ठियं अपासमाणे एगाए वाहाए रहं सतुरगं ससारहिं गेण्हइ एगाए वाहाए गगं महा-न ई वासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयण च वि(च्छि)त्थिण्णं उत्तरिउ पयत्ते यावि होत्था । तए ण से कण्हे वासुदेवे गंगा[ए] महा-न-ईए बहुमज्झदेसभा(गं)ए सपत्ते समाणे संते तंते परितंते बद्धसेए जाए यावि होत्था । तए ण [तस्स] कण्हस्स वासुदेवस्स इमे(ए)यारूवे अ-ज्झत्थिए (जाव समुप्पज्जित्था)-अहो णं पच पंडवा महाबलवगा जेहिं गगामहा-न ई वा(स)वट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयण च वि-त्थिण्णा बाहाहिं उत्तिण्णा, इच्छतएहिं णं पचहिं पडवेहिं पउम-नाभे (राया) हयमहिय जाव नो पडिसेहिए । तए णं गगा-देवी कण्हस्स वासुदेवस्स इम एयारूव अ-ज्झत्थियं जाव जाणित्ता थाह वियरइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे मुहुत्तंतरं समासा(स)सेइ २ त्ता गं गं महा-नदिं बावट्ठिं जाव

उत्तरइ २ त्ता जेणेव पंच-पंडवा तेणेव उवागच्छइ ( ) पंच पंडवे एवं वयासी-गच्छे णं तुब्भे देवाणुप्पिया! महाणइगंगा बे[हिं] णं तुब्भेहिं गंगामहा-णई बाहाहिं जाव उत्तिण्णा इच्छंतएहिं [णं] तुब्भेहिं पउम[णाहे] जाव णो पडिसेहिए । तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गंगा महा-णई तेणेव उवागच्छामो २ त्ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसणं तं चेव जाव णूमेमो तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे तेसिं पंच(ण्हं)पंडवाणं [अंतिए] एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव तिवलियं एवं वयासी-अहो णं जया मए लवणसमुद्दं दुवे जोयणसयसह(स्सा)स्साइं-विच्छिण्णं वीईवइत्ता पउमणाभं हयमहि(य)यं जाव पडिसेहित्ता अमरकंका संभग्ग(प)या दोवई साहत्थिं उवणीया तया णं तुब्भेहिं मम माहप्पं ण विण्णायं इयाणिं जाणिस्सह-त्तिकट्टु लोहदंडं परामुसइ पंचण्हं पंडवाणं रहे चूर(चू)रेइ २ त्ता णिव्विसए आणवेइ २ त्ता तत्थ णं रहमद्दे णामं कोट्टे णिविट्ठे । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए खंधावारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सएणं खंधावारेणं सद्धिं अभिसमण्णागए यावि होत्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव बारवई णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अणु-प्पविसइ ॥१११॥

तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव हत्थिणाउरे (णयरे) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जेणेव पंडू [राया] तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु ताओ! अम्हे कण्हेणं णिव्विसया आणत्ता । तए णं पंडु-राया ते पंच-पंडवे एवं वयासी-कहण्णं पुत्ता! तुब्भे कण्हेणं वासुदेवेणं णिव्विसया आणत्ता? । तए णं ते पंच-पंडवा पं(डु)रायं एवं वयासी-एवं खलु ताओ! अम्हे अमरकंकाओ पडि-णियत्ता लवणसमुद्दं दोण्णि जोयणसयसहस्साइं वीईव(इ)त्ता । तए णं से कण्हे वासुदेवे अम्हे एवं व(या)-सी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! गंगं महा-णइं उत्तरह जाव (चिट्ठह) ताव अहं एवं तहेव जाव चिट्ठामो । तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं दट्ठूण तं चेव सव्वं णवरं कण्हस्स चिंता ण जुज्जइ(वुच्च(जुज्ज)इ) जाव (अम्हे) णिव्विसए आणवेइ । तए णं से पंडु-राया ते पंच-पंडवे एवं वयासी-दुट्ठु णं [तुब्भे] पुत्ता! कयं कण्हस्स वासुदेवस्स विप्पियं करेमाणेहिं । तए णं से पंडु-राया कोंतिं देविं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह[इ] णं तुमं देवाणुप्पिया! बारवइं कण्हस्स वासुदेवस्स णिवेदेहि-एवं खलु देवाणुप्पिया! तु(म्हे)मे पंच-पंडवा णिव्विसया आणत्ता, तुमं च णं देवाणुप्पिया! दाहिणड्ढभरहस्स सामी तं संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! ते पंच-पंडवा कयरं(यरिं) देसं वा (दि)सिं वा गच्छंतु? । तए णं सा कोंती पंडुणा एवं वुत्ता समाणी हत्थिखंधं

दुरूहइ (०) जहा हेट्ठा जाव संदिसतु णं पिउ(त्था)च्छा ! किमागमणपओयण- । तए णं सा कोंती कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु तुमे पुत्ता ! पच-पंडवा निव्विसया आणत्ता तुमं च णं दाहिणड्डभरह[स्स] जाव (वि)दि(सिं)स वा गच्छतु (?)। तए ण से कण्हे वासुदेवे कोंतिं देविं एवं वयासी-अपू(ई)यवयणा ण पिउच्छा ! उत्तमपुरिसा वासुदेवा बलदेवा चक्कवट्टी । त गच्छंतु णं (देवाणु०!) पच पडवा दाहिणि(ल्ल)ल्लवेयालिं तत्थ पंडुमहुरं निवेसतु मम अदिट्ठसेवगा भवंतु-त्तिकट्टु कोंतिं देविं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं सा कोंती (देवी) जाव पडुस्स एयमट्ठ निवेएइ। तए णं पडू राया पंच पडवे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-गच्छह ण तुब्भे पुत्ता! दाहिणिल्लं वेयालिं, तत्थ ण तुब्भे पडुमहुरं निवेसेह। तए णं [ते] पंच-पडवा पंडुस्स रन्नो जाव तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता सबलवाहणा हयग० हत्थिणाउराओ पडि-निक्खमंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वेयाली तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पडुमहुर [नाम] नग(रिं)रं निवे(से)संति (०) । तत्थ[वि] ण ते विपुलभोगसमिइसम-न्नागया यावि होत्था ॥१३२॥ तए ण सा दोवई देवी अन्नया कया(इ)इ आव-न्नसत्ता जाया(या)वि होत्था । तए णं सा दोवई देवी नवण्ह मासाण जाव सुरूवं दारग पयाया सूमालं निव्वत्तबारसाहस्स इम एयारूवं-जम्हा णं अम्हं एस दारए पचण्ह पंडवाणं पुत्ते दोवईए देवीए अत्तए तं हो(उ)ऊ (अम्ह) ण इमस्स दारगस्स नामधेज्ज पंडुसेणे[त्ति]। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं क(रेइ)रेंति पडुसेणत्ति । बावत्तरिं कलाओ जाव [अल]भोगसमत्थे जाए जुवराया जाव विहरइ । (तेण कालेणं तेण समएणं धम्मघोसा) थेरा समोसढा परिसा निग्गया । पडवा निग्गया धम्म सोच्चा एवं वयासी-जं नवरं देवाणुप्पिया! दोवइं देविं आपुच्छामो पडुसेणं च कुमारं रज्जे ठावेमो तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामो । अहासुहं देवाणुप्पिया! । तए णं ते पच-पंडवा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छति २ त्ता दोवइं देविं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिए! अम्हेहिं थेराणं अतिए धम्मे निसते जाव पव्वयामो, तुम [ण] देवाणुप्पिए! किं करेसि ? । तए ण सा दोवई (देवी) ते पंच-पडवे एव वयासी-जइ ण तुब्भे देवाणुप्पिया! ससार-भउव्विग्गा [जाव] पव्वयह मम के अन्ने आलंबे वा जाव भविस्सइ ? अह पि य णं संसारभउव्विग्गा देवाणुप्पिएहिं सद्धिं पव्वइस्सामि । तए ण ते पच-पंडवा पडुसेणस्स अभिसेओ जाव राया जाए जाव रज्ज पसाहेमाणे विहरइ । तए ण ते पच पंडवा दोवई य देवी अन्नया कया-इ पंडुसेणं रायाणं आपुच्छंति । तए ण से पंडुसेणे राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो [!] देवाणुप्पिया!

देवाणुप्पिया (!) जाव कालगए। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! इमं पुव्वगहियं भत्तपाण परिट्ठवेत्ता सेत्तुजं पव्वयं सणियं २ दु(रु)रुहित्तए सलेहण(ए)झूसणा[झो]-सियाणं काल अण(वकख)वेक्खमाणाणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडि-सुणेंति २ त्ता त पुव्वगहियं भत्तपाणं एगंते परिट्ठवेंति २ त्ता जेणेव सेत्तुजे पव्वए तेणेव उवागच्छति २ त्ता सेत्तुज पव्वयं [सणियं २] दुरुहंति (०) जाव काल अणवक-खमाणा विहरंति। तए णं ते जुहिट्ठिलपामोक्खा पंच अणगारा सामाइयमाइयाइ चोद्दस-पुव्वाइ अहि(ज्जित्ता)ज्जंति वहूणि वासाणि (सामण्णपरियाग पाउणित्ता) दोमासियाए सलेहणाए अत्ताणं झो(सि)सेत्ता जस्सट्ठाए की(कि)रइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे जाव तमट्ठमाराहेंति २ त्ता अणते जाव केवलवर-नाणदसणे समुप्पन्ने जाव सिद्धा ॥ १३५ ॥ तए णं सा दोवई अज्जा सुव्वयाणं अज्जियाण अतिए सामाइयमाइयाइ एक्कारस अगाइ अहिज्जइ २ त्ता वहूणि वासाणि (सा०) मासि-याए सलेहणाए आलोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा वंभलोए उववन्ना। तत्थ ण अत्थेगइयाणं देवाण दस सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता। तत्थ ण दुव(ति)यस्स [वि] देवस्स दस-सागरोवमाइ ठिई पन्नत्ता। से ण भंते ! दुवए देवे ता(त)ओ जाव महाविदेहे वासे जाव अत काहिइ। एव खलु जवू ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण सोलसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिवेमि ॥ १३६ ॥

गाहाउ—सुवहु पि तवकिलेसो नियाणदोसेण दूसिओ सतो। न सिवाय दोवईए जह किल सुकुमालियाजम्मे ॥ १ ॥ अमणुन्नमभत्तीए पत्ते दाण भवे अणत्थाय। जह कडुयतुंवदाण नागसिरिभवम्मि दोवइए ॥ २ ॥ **सोलसमं नायज्झयणं समत्तं ॥**

जइ ण भंते ! समणेणं० सोलसमस्स नायज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते सत्तर-समस्स (०) नायज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जवू ! तेण कालेण तेणं सम एणं हत्थिसीसे नामं नयरे होत्था वण्णओ। तत्थ ण कणगकेऊ नाम राया होत्था वण्णओ। तत्थ ण हत्थिसीसे नयरे वहवे सजुत्ता-नावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव व(ह)हुजणस्स अपरिभूया यावि होत्था। तए ण तेसिं सजुत्तानावावाणियगाण अन्नया कयाइ एगयओ (सहियाण) जहा अरहन्नओए जाव लवणसमुद्द अणेगाइ जोयणस-याइं ओगाढा यावि होत्था। तए णं तेसिं जाव वहूणि उप्पा(ति)यसयाइं जहा मान्क-दियदारगाणं जाव कालियवाए य तत्थ स(स)मु(त्थि)च्छिए। तए ण सा नावा तेणं कालियवाएण आ(घोलि)घुणिज्जमाणी २ सचालिज्जमाणी २ संखोहिज्जमाणी २ तत्थेव परिभमइ। तए ण से निज्जामए नट्ठमईए नट्ठसुईए नट्ठसन्ने मूढदिसाभाए जाए यावि होत्था न जाणइ कयरं (देस वा) दिसं वा विदिसं वा पोयवहणे [अ]व-

अज्झत्थवयण, उवणीयवयण, अवणीयवयण, उवणीयावणीयवयण, अवणीयोवणीयवयग, तीयवयण, पडुप्पन्नवयणं, अणागयवयग, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥ ७६९ ॥ से एगवयण वदिस्सामीति एगवयण वएज्जा, जाव परोक्खवयण वइस्सामीति परोक्खवयण वएज्जा, इत्थी वेस पुरिसो वेस, णपुसग वेस, एवं वा चेय, अण्ण वा चेय, अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए सजए भास भासिज्जा, इच्चेयाइं आयतणाइ उवातिकम्म ॥ ७७० ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तजहा–सच्चमेग पढम भासज्जाय, बीय मोस, तइय सच्चामोस, ज णेव सच्च णेव मोस नेव सच्चामोस "असच्चामोस" णाम तं चउत्थं भासजात ॥ ७७१ ॥ से बेमि जे अतीता जे य पडुप्पन्ना जे य अणागया अरहता भगवंतो सव्वे ते एयाणि च्चेव चत्तारि भासाजायाइ भासिंसु वा भासति वा भासिस्संति वा, पण्णविंसु वा, पण्णवेंति वा, पण्णविस्सति वा, सव्वाइं च ण एयाइ अचित्ताणि वण्णमताणि गंधमताणि रसमताणि फासमताणि चओवचइयाइ विपरिणामधम्माइं भवतीति समक्खायाइ ॥ ७७२ ॥ से भिक्खू वा (२) पुव्विं भासा अभासा भासमाणा भासा भासा, भासासमयविइक्कता च ण भासिया भासा अभासा ॥७७३॥ से भिक्खू वा (२) जाय भासा सच्चा, जाय भासा मोसा, जाय भासा सच्चामोसा, जाय भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भास सावज्ज सकिरिय कक्कस कडुय निट्ठुरं फरुस अण्हयकरिं छेयणभेयणकरिं परितावणकरिं उद्दवकरिं भूतोवघाइय अभिकख भास णो भासेज्जा ॥ ७७४ ॥ से भिक्खू वा (२) जा य भासा सच्चा सुहुमा जाय भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भास असावज्ज अकिरियं जाव अभूतोवघाइय अभिकख भास भासेज्जा, अदुवा य पुम आमंतेमाणे आमतिते वा अपडिसुणेमाण णो एव वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा कुपक्खे त्ति वा घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई त्ति वा मुसावाई त्ति वा एयाइं तुम ते जणगा वा, एतप्पगारं भास सावज्ज सकिरियं जाव अभिकंख नो भासेज्जा ॥ ७७५ ॥ से भिक्खू वा (२) पुमं आमतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे एव वएज्जा, अमुगे त्ति वा आउसोत्ति वा आउसतोत्ति वा सावगे त्ति वा उपासगेत्ति वा धम्मिएत्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगार भास असावज्जं जाव अभूतोवघाइय अभिकख भासेज्जा ॥ ७७६ ॥ से भिक्खू वा (२) इत्थिं आमंतेमाणे आमतिए य अपडिसुणेमाणीं नो एव वएज्जा, होली इ वा गोली इ वा इत्थीगमेणं णेतव्वं ॥ ७७७ ॥ से भिक्खू वा (२) इत्थिय आमतेमाणे आमतिए य अपडिसुणेमाणीं एवं वएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणि त्ति वा भगवइ त्ति वा साविगे त्ति वा उवासिए त्ति वा धम्मिए त्ति

गकेऊ (राया) तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव उवणेंति । तए णं से कणगकेऊ तेसिं सजुत्ता(णावा)वाणियगाणं तं महत्थ जाव पडिच्छइ [२] ते सजुत्ता-वाणियगा एव वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेण ओगा(ह)हेह, तं अत्थि-या(इं)इ [त्थ] केइ भे कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे ? । तए णं ते सजुत्ता-वाणियगा कणगकेउ (रायं) एवं वयासी-एवं खलु अम्हे देवाणुप्पिया ! इहेव हत्थिसीसे नयरे परिवसामो तं चेव जाव कालि(य)यं-दीवंतेणं सच्छूढा । तत्थ णं वहवे हिरण्णागरा य जाव वहवे तत्थ आसे, किं ते ? हरिरेणु जाव अणेगाइ जोयणाइ उब्भमति । तए णं सामी ! अम्हेहिं कालियदीवे ते आसा अच्छेरए दिट्ठपुव्वे । तए ण से कणगकेऊ तेसिं संजु(त्तगा)त्ताणं अंतिए एयमट्ठ सोच्चा ते संजुत्तए एव वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया ! मम कोडुं-वियपुरिसेहिं सद्धिं कालियदीवाओ ते आसे आणेह । तए ण ते संजुत्तावाणियगा कणगकेउं-एवं वयासी-एव सामि-त्ति(कट्टु) आणाए विणएणं वयण पडिसुणेंति । तए णं [से] कणगकेऊ-कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सजुत्तएहिं [नावावाणियएहिं] सद्धिं कालियदीवाओ मम आसे आणेह । तेवि पडिसुणेंति । तए णं ते कोडुंवि(य०)या सगडीसागड सज्जेंति २ त्ता तत्थ ण वहूणं वीणाण य वल्लकीण य भामरीण य कच्छभीण य भभाण य छब्भा-मरीण य विचित्तवीणाण य अन्नेसिं च वहूण सो(तिं)यदियपाउग्गाण दव्वाणं सग-डीसागडं भरेंति २ त्ता वहूण किण्हाण य जाव सुक्किलाण य कट्ठकम्माण य ४ गथिमाण य ४ जाव संघाइमाण य अन्नेसिं च वहूणं चक्खिदियपाउग्गाण दव्वाण सगडीसागड भरेंति २ त्ता वहूण कोट्ठपुडाण य केयइपुडाण य जाव अन्नेसिं च वहूणं घाणिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागड भरेंति २ त्ता वहुस्स खंडस्स य गुलस्स य सक्कराए य मच्छंडियाए य पुप्फुत्तरपउमुत्तर० अन्नेसिं च जिब्भिदिय-पाउग्गाण दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता [अन्नेसिं च] वहूणं कोय(वया)वाण य कंवलाण य पा(वरणा)वाराण य नवतयाण य मलयाण य मसूराण य सिलाव-ट्टाण [य] जाव हंसगब्भाण य अन्नेसिं च फासिंदियपाउग्गाण दव्वाण जाव भरेंति २ त्ता सगडीसागडं जो(ए)यति २ त्ता जेणेव गंभीरए पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति (०) सगडीसागड मो(ए)यंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता तेसिं उक्किट्ठाण सद्दफ-रिसरसरूवगंधाणं कट्ठस्स य तणस्स य पाणियस्स य तंदुलाण य समियस्स य गोरसस्स य जाव अन्नेसिं च वहूण पोयवहणपाउग्गाण पोयवहण भरेंति २ त्ता दक्खिणाणुकूलेण वाएण जेणेव कालियदीवे तेणेव उवागच्छति २ त्ता पोयवहण

२ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता ते आसे उत्तारेंति २ त्ता जेणेव हत्थिसीसे नयरे जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति (०) ते आसे उवणेंति। तए ण से कणगकेऊ (राया) तेसिं संजुत्तावाणियगाण उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता सक्कारेइ समाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए ण से कणगकेऊ-कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से कणगकेऊ राया आसमद्दए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे ण देवाणुप्पिया! मम आसे विणएह। तए ण ते आसमद्दगा तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता ते आसे वहूहिं मुहवंधेहि य कण्णवधेहि य नासावधेहि य वालवधेहि य खुरवधेहि य कडगवधेहि य खलिणवधेहि य अहिला(णे)णवधेहि य पडियाणेहि य अकणाहि य (विलप्पहारेहि य) वि(चि)त्तप्पहारेहि य लयप्पहारेहि य कसप्पहारेहि य छिवप्पहारेहि य विणयंति (०) कणगकेउस्स रण्णो उवणेंति। तए णं से कणगकेऊ ते आसमद्दए सक्कारेइ २ (०) पडिविसज्जेइ। तए ण ते आसा वहूहिं मुहवधेहि य जाव छि(व०)वापहारेहि य वहूणि सारीरमाणसा(णि)ई दुक्खाइ पावेंति। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं निग्गथो वा निग्गथी वा पव्वइए समाणे इट्ठेसु सद्दफरिसरसरूवगधेसु सज्ज(न्ति)इ रज्ज इ गिज्झ-इ मुज्झ-इ अज्झोववज्ज इ से णं इहलोए चेव वहूण समणा(ण य)ण [वहूण समणीण] जाव साविया(ण य)णं हीलणिज्जे जाव अणुपरिय(ट्टिस्स)ट्टइ। [गाहा]—कलरिभियमहुरततीतलतालवंसकउहाभिरामेसु। सद्देसु रज्जमाणा रम(ती)ति सोइंदियवसट्टा॥ १॥ सोइंदियदुद्दतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। दीविगरुयमसहतो वहबंध तित्तिरो पत्तो॥ २॥ थणजहणवयणकरचरण-नयणगव्वियविलासियग(ती)एसु। रूवेसु रज्जमाणा रमति चक्खिदियवसट्टा॥ ३॥ चक्खिदियदुद्दतत्तणस्स अह एत्तिओ ह(भ)वइ दोसो। ज जलणम्मि जलंते पडइ पयगो अबुद्धीओ॥ ४॥ अ(गु)गरुवरपवरधूवणउउयमल्लाणुलेवणविहीसु। गंधेसु रज्जमाणा रमति घाणिंदियवसट्टा॥ ५॥ घाणिंदियदुद्दतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। ज ओसहिगंधेणं विलाओ निद्धावई उरगो॥ ६॥ तित्तकडुयं कसाय(व) [अविरं] महुरं वहुखज्जपेज्जलेज्झेसु। आसायंमि उ गिद्धा रमंति जिब्भिदियवसट्टा॥ ७॥ जिब्भिदियदुद्दतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। जं गललग्गुक्खित्तो फुरइ थलवि(र)रेल्लिओ मच्छो॥ ८॥ उउमयमाणसुहे(सु)हि य सविभवहिययमणनिव्वुइकरे(सु)हिं। फासेसु रज्जमाणा रमति फासिंदियवसट्टा॥ ९॥ फासिंदियदुद्दतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो। ज खणइ मत्थय कुंजरस्स लोहकुसो तिक्खो॥ १०॥ कलरिभियमहुरंतंतीतलतालवंसकउहाभिरामेसु। सद्देसु जे न गिद्धा वसट्टमरणं न ते मरए॥ ११॥

दारियाण य गंठिभेयगाण य संधिच्छेयगाण य खत्तखणगाण य रायावगारीण य अणधारगाण य बालघायगाण य वीसंभघायगाण य जूयकराण य खंडरक्खाण य अन्नेसिं च बहूणं छिन्नभिन्न(ब)बाहिराहयाणं कुडंगे यावि होत्था। तए णं से विजए (तक्करे) चोरसेणावई रायगिहस्स दाहिणपुरत्थिमं जणवयं बहूहिं गामघाएहि य नगरघाएहि य गो(ग्)गहणेहि य बंदिग्गहणेहि य पंथकोट्टेहि य खत्तखणणेहि य उवीलेमाणे २ विद्धंसेमाणे २ नित्थाणं निद्धणं करेमाणे विहरइ। तए णं से चिलाए दासचे(डे)डए रायगिहे (नयरे) बहूहिं अत्थाभिसंकीहि य चो(रा)राभिसंकीहि य दाराभिसंकीहि य ध(णि)णिएहि य जू(इ)यकरेहि य परब्भवमाणे २ रायगिहाओ नय(रा)राओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सीहगु(हा)हा चोरपल्ली तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विजयं चोरसेणावइं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं से चिलाए दासचेडे विजयस्स चोरसेणावइस्स अग्गे असिल(ट्ठि)ट्ठिग्गाहे जाए यावि होत्था। जाहे वि य णं से विजए चोरसेणावई गामघायं वा जाव पंथकोट्टिं वा काउं वच्चइ ताहे वि य णं से चिलाए दासचेडे सुबहुंपि (हु) कूवियबलं हयमहिय जाव पडिसेहेइ [२] पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे सीहगुहं चोरपल्लिं हव्वमागच्छइ। तए णं से विजए चोरसेणावई चिलायं तक्करं बहु(इ)ओ चोरविज्जाओ य चोरमंते य चोरमायाओ य चोरनिगडीओ य सिक्खावेइ। तए णं से विजए चोरसेणावई अन्नया कया(इ)इ कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था। तए णं ताइं पंच-चोरसयाइं विजयस्स चोरसेणावइस्स महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं नीहरणं करेंति २ त्ता बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करे(इ)न्ति २ त्ता जाव विगयसोया जाया यावि होत्था। तए णं ताइं पंच चोरसयाइं अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! विजए चोरसेणावई कालधम्मुणा संजुत्ते। अयं च णं चिलाए तक्करे विजएणं चोरसेणावइणा बहूओ चोरविज्जाओ य जाव सिक्खाविए। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! चिलायं तक्करं सीहगुहाए चोरपल्लीए चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचित्तए–त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता चिलायं (तीए) सीहगुहाए [चोरपल्लीए] चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई जाए अहम्मिए जाव विहरइ। तए णं से चिलाए चोरसेणावई चोर-नायगे जाव कुडंगे यावि होत्था। से णं तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाण य एवं जहा विजओ तहेव सव्वं जाव रायगिहस्स [नगरस्स] दाहिणपुर-त्थिमिल्लं जणवयं जाव नित्थाणं निद्धणं करेमाणे विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से चिलाए चोरसेणावई अन्नया कयाइ विपुलं असणं ४ [उवक्खडावेइ] उवक्खडावेत्ता ते पंच चोरसए आमंतेइ तओ पच्छा ण्हाए कयब-

कडीए गिण्हइ २ त्ता बहूहिं दारएहि य दारियाहि य डिंभएहि य डिंभियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं अभिरममाणे २ विहरइ। तए ण से चिलाए दासचेडे तेसिं बहूण दारयाण य ६ अप्पेगइयाणं खुल्लए अवहरइ एवं वट्टए आडोलियाओ तिंदू(तेंदु)सए पोत्तुल्लए साडोल्लए, अप्पेगइयाण आभरणमल्लालंकारं अवहरइ अप्पेगइ(या)ए आउ(स)सइ एव अवहसइ निच्छोडेइ निब्भच्छेइ तज्जेइ अप्पेगइ-ए तालेइ। तए ण ते बहवे दारगा य ६ रोयमाणा य ५ साण साण अम्मापिऊण निवेदेंति। तए ण तेसिं बहूण दारगाण य ६ अम्मापियरो जेणेव धणे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ध(ण्)ण २ बहूहिं खि(खे)ज्ज(णा)णियाहि य रुंटणाहि य उ(व)पालभणाहि य खिज्जमाणा य रुंटमाणा य उ(व)वाल(भे)भमाणा य धणस्स [२] एयमट्ठं निवेदेंति। तए ण [से] धणे २ चिलाय दासचेड एयमट्ठ भुज्जो भुज्जो निवारे(न्ति)इ नो चेव ण चिलाए दासचेडे उवरमइ। तए ण से चिलाए दासचेडे तेसिं बहूण दारगाण य ६ अप्पेगइयाणं खुल्लए अवहरइ जाव तालेइ। तए ण ते बहवे दारगा य ६ रोयमाणा य जाव अम्मापिऊणं निवेदेंति। तए णं ते आसुरुत्ता ५ जेणेव धणे २ तेणेव उवागच्छंति २ त्ता बहूहिं खिज्जणाहि (य) जाव एयमट्ठ निवे-(दिं)देंति। तए ण से धणे २ बहूण दारगाण ६ अम्मापिऊणं अतिए एयमट्ठ सोच्चा आसुरुत्ते चिलाय दासचेड उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ उद्धसइ नि(ब्भच्छे)ब्भिछइ निच्छोडेइ तज्जेइ उच्चावयाहिं तालणाहिं तालेइ साओ गिहाओ निच्छुभइ ॥ १३९ ॥ तए ण से चिलाए दासचेडे साओ गिहाओ निच्छूढे समाणे रायगिहे नयरे सिंघाड(ए)ग जाव पहेसु देवकुलेसु य सभासु य पवासु य जूयखलएसु य वेसाघ(रे)रएसु य पाणघरएसु य सुहंसुहेण परिवड्ढइ। तए ण से चिलाए दासचेडे अणोहट्टिए अणिवारिए सच्छंदमई सइरप्पयारी मज्जप्पसंगी चोज्जप्पसंगी (मंस०) जूयप्पसगी वे(सा)सप्पसगी परदारप्पसगी जाए यावि होत्था। तए ण रायगिहस्स न-यरस्स अदूरसामंते दाहिणपुरत्थिमे दि सीभाए सीहगुहा नाम चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकडगको(डं)लवसन्निविट्ठा वसीकलंकपागारपरिक्खित्ता छिन्नसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा एगदुवारा अणेगखंडी विदितजण-निग्गम[प]पवेसा अब्भितरपाणिया सुदुल्लभजलपेरंता सुबहुस्सवि कूवियबलस्स आगयस्स दुप्पहसा यावि होत्था। तत्थ णं सीहगुहाए चोरपल्लीए विजए नाम चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव अ(ध)हम्मकेऊ समुट्ठिए बहु-नगर निग्गयजसे सूरे [?] दढप्पहारी साह(सी)सिए सद्दवेही। से ण तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पचण्ह चोरसयाण आहेवच्च जाव विहरइ। तए ण से विजए तक्करे (चोर)सेणावई बहूण चोराण य पार-

धण(ए)हारियं जाणित्ता महत्थं ३ पाहुडं गहाय जेणेव नगरगुत्तिया तेणेव उवाग-
च्छइ २ त्ता तं महत्थं पाहुडं (जाव) उवणे(न्ति)इ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु
देवाणुप्पिया! चिलाए चोरसेणावई सीहगुहाओ चोरपल्लीओ इहं हव्वमागम्म पंचहिं
चोरसएहिं सद्धिं मम गिहं घाएत्ता सुबहुं धणकणगं सुंसुमं च दारियं गहाय जाव
पडिगए, तं इच्छा(मो)मि णं देवाणुप्पिया! सुंसुमा[ए] दारियाए कूवं गमि-
तु(ब्भे)ब्भं णं देवाणुप्पिया! से विपुले धणकणगे ममं सुंसुमा दारिया। तए णं ते
ण(न)गरगुत्तिया धण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता सन्नद्ध जाव गहियाउहपहरणा
महया २ उक्किट्ठ जाव समुद्दरवभूयं पिव करेमाणा रायगिहाओ निग्गच्छंति २ त्ता
जेणेव चिलाए चोरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता चिलाएणं चोरसेणावइणा सद्धिं संप-
लग्गा यावि होत्था। तए णं [ते] नगरगुत्तिया चिलायं चोरसेणावइं हयमहि(य)य
जाव पडिसेहेंति। तए णं ते पंच-चोरसया नगर(गो)गुत्तिएहिं हयमहिय जाव पडिसे-
हिया समाणा तं विपुलं धणकणगं विच्छ(ड्ड)ड्डेमाणा य विप्पकि(रे)रमाणा य सव्वओ
समंता विप्पलाइत्था। तए णं ते नगरगुत्तिया तं विपुलं धणकणगं गेण्हंति २ त्ता
जेणेव रायगिहे तेणेव उवागच्छंति। तए णं से चिलाए तं चोरसेणं तेहिं नगर-
गुत्तिएहिं हयमहिय (जाव) [पवर]भीए [तत्थ] तत्थे सुंसुमं दारियं गहाय एगं महं
अ(म)गामियं दीहमद्धं अडविं अणुप्पविट्ठे। तए णं धण्णे सत्थवाहे सुंसुमं दारियं
चिलाएणं अडवीमु(हि)हं अवहीरमाणिं पासित्ताणं पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे
सन्नद्ध[ ] चिलायस्स प(य)यमग्गविहिं (अभिगच्छति) अणुगच्छमाणे अभिग-
(ज्जमाणे)ज्जंते हक्कारेमाणे पुक्कारेमाणे अभितज्जेमाणे अभितासेमाणे पिट्ठओ अणुग-
च्छइ। तए णं से चिलाए तं धण्णं सत्थवाहं पंचहिं पुत्तेहिं [सद्धिं] अप्पछट्ठं सन्नद्धं
समणुगच्छमाणं पासइ २ त्ता अत्थामे ४ जाहे नो संचाएइ सुंसुमं दारियं निव्वाहित्त-
ताहे संते तंते परि(त)तंते नीलुप्पल[गवल]जं असिं परामुसइ २ त्ता सुंसुमाए दारि-
याए उत्तमंगं छिंदइ २ त्ता तं गहाय तं अ(ग्गा)गामियं अडविं अणुप्पविट्ठे। तए णं [से]
चिलाए तीसे अगामियाए अडवीए तण्हाए [छुहाए] अभिभूए समाणे पम्(म्हु)ट्ठदि-
सामाए सीहगुहं चोरपल्लिं असंपत्ते अंतरा चेव कालगए। एवामेव समणाउसो! जाव
पव्वइए समाणे इमस्स ओरालियसरीरस्स वंतासवस्स जाव विद्धंसणधम्मस्स वण्ण-
हेउं [वा] जाव आहारं आहारेइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे
जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व से चिलाए तक्करे। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंचहिं
पुत्तेहिं अप्पछट्ठे चिलायं [तीसे अगामियाए सव्वओ समंता] परिधाडेमाणे २
(तण्हाए छुहाए य) संते तंते परितंते नो संचाएइ चिलायं चोरसेणावइं साहत्थिं

मंडवसि तेहिं पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं विपुलं असणं ४ सुरं च मज्जं च मंसं च सीधुं च पसन्नं च आसाएमाणे ४ विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए ते पंच चोरसए विपुलेण धूवपुप्फगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता एव वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! रायगिहे नयरे धणे नाम सत्थवाहे अड्ढे[०], तस्स णं धूया भद्दाए अत्तया पचण्ह पुत्ताणं अणुमग्गजाइया सुसुमा नामं दारिया (यावि) होत्था अहीणा जाव सुरूवा, तं गच्छामो ण देवाणुप्पिया! धणस्स सत्थवाहस्स गिह विलुंपामो, तुब्भ विपुले धणकणग जाव सिलप्पवाले मम सुसुमा दारिया। तए णं ते पंच चोरसया चिलायस्स (०) पडिसुणेंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई तेहिं पचहिं चोरसएहिं सद्धिं अल्लचम्मं दुरूहइ [२] पच्चावरण्हकालसमयंसि पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं स नद्ध जाव गहियाउहपहरणा माइयगोमुहि(एहिं)फलएहिं नि(क)क्किट्ठाहिं असिलट्ठीहिं असगएहिं तोणेहिं स(जी)जीवेहिं धणूहिं समुक्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालियाहिं दीहाहिं ओसारियाहिं उरुघटियाहिं छिप्पतूरेहिं वज्जमाणेहिं महया २ उक्किट्ठसीह नाय(चोरकलकलरवं) जाव समुद्दरवभूय [पिव] करेमाणा सीहगुहाओ चोरपल्लीओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव रायगिहे न-यरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता रायगिहस्स अदूरसामंते एग मह गहणं अणु प्पविसंति २ त्ता दिवस खवेमाणा चिट्ठति। तए ण से चिलाए चोरसेणावई अद्धरत्तकालसमयसि निसंतपडिनिसतसि पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं माइयगोमुहिएहिं फलएहिं जाव मूइ(आ)याहिं उरुघटियाहिं जेणेव रायगिहे [नयरे] पुर त्थिमिल्ले दुवारे तेणेव उवागच्छइ (०) उदग(व)वत्थिं परामुसइ (०) आयंते चोक्खे परमसुइभूए तालुग्घाडणिविज्ज आवाहेइ २ त्ता रायगिहस्स दुवारकवाडे उदएण अच्छोडेइ २ त्ता कवाड विहाडेइ २ त्ता रायगिह अणु प्पविसइ २ त्ता महया २ सद्देण उग्घोसेमाणे २ एव वयासी–एव खलु अह देवाणुप्पिया! चिलाए नामं चोरसेणावई पचहिं चोरसएहिं सद्धिं सीहगुहाओ चोरपल्लीओ इ( )ह हव्वमागए धणस्स सत्थवाहस्स गिह घाउकामे। त (जो) जे णं नवियाए माउयाए दुद्ध पाउकामे से ण नि(ग)गच्छउत्तिकट्टु जेणेव धणस्स सत्थवाहस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धणस्स गिहं विहाडेइ। तए ण से धणे चिलाएण चोरसेणावइणा पचहिं चोरसएहिं सद्धिं गिहं घाइज्जमाण पासइ २ त्ता भीए तत्थे ४ पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं एगत अवक्कमइ। तए ण से चिलाए चोरसेणावई धणस्स सत्थवाहस्स गिहं घाएइ २ त्ता सुबहु धणकण(ग)गं जाव सावएज्जं सुसुमं च दारिय गेण्हइ २ त्ता रायगिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सीहगुहा तेणेव पहारेत्थ गमणाए॥ १४१॥ तए णं से धणे सत्थवाहे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबहुं धणकणग सुंसुम च दारियं

गिण्हित्तए। से ण तओ पडिनियत्तइ २ त्ता जेणेव सा सुंसुमा वालि(दारि)या चिलाएणं जीवियाओव वरोवि(ल्लि)या (तेण)तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुंसुम दारिय चिलाएणं जीवियाओ ववरोविय पासइ २ त्ता परसुनिय(न्तेव)त्तेव्व चंपगपायवे[०]। तए णं से धणे सत्थवाहे (पचहिं पु०) अप्पछट्ठे आसत्थे कूवमाणे कदमाणे विलवमाणे महया २ सद्देणं कु(ह)हुकु हु(सु)स्स परुन्ने सुचि(रं)रकाल वा(वा)ह[प्प]मोक्खं करेइ। तए णं से धणे [सत्थवाहे] पचहिं पुत्तेहिं अप्पछट्ठे चिलायं तीसे आ गामियाए सव्वओ समता परिधाडेमा(णा)णे तण्हाए छुहाए य प(रि)रब्भ(रद्ध)ते समाणे तीसे आगामियाए अडवीए सव्वओ समंता उदगस्स मग्गणगवेसण करे(न्ति)इ २ त्ता सते तते परितते निव्विण्णे [समाणे] तीसे आगामियाए (अडवीए उदगस्स मग्गणगवेसण करेमाणे नो चेव ण उदग आसादेति तए ण) उदग अणासाएमाणे जेणेव सुसुमा जीवियाओ ववरो(एल्लि)विया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जेट्ठ पुत्त धणे (स०) सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी–एवं खलु पुत्ता! सुसुमाए दारियाए अट्ठाए चिलाय तक्कर सव्वओ समता परिधाडेमाणा तण्हाए छुहाए य अभिभूया समाणा इमीसे आगामियाए अडवीए उदगस्स मग्गणगवेसणं करेमाणा नो चेव ण उदग आसादेमो। तए ण उदग अणासाएमाणा नो सचाएमो रायगिहं सपावित्तए। तण्ण तुब्भे मम देवाणुप्पिया! जीवियाओ ववरोवेह [मम] मस च सोणिय च आहारेह (०) तेण आहारेग अव(हिट्ठा)थद्धा समाणा तओ पच्छा इम आगामिय अडविं नित्थरिहिह रायगिह च सपावि(हि)हह मित्तनाइ(य)० अभिसमागच्छिहह अत्थस्स य धम्मस्स य पुण्णस्स य आभागी भविस्सह। तए णं से जे(ट्ठ)ट्ठे पुत्ते धणेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ते समाणे धणं २ एव वयासी–तुब्भे ण ताओ! अम्ह पिया गु(रू)रुजण(या)यदेवयभूया ठावका पइ(ट्ठा)ट्ठवका सरक्खगा सगोवगा। त कहण्ण अम्हे ताओ! तुब्भे जीवियाओ ववरोवेमो तुब्भं णं मंस च सोणिय च आहारेमो? त तुब्भे ण ताओ! मम जीवियाओ ववरोवेह मसं च सोणिय च आहारेह आगामियं अडविं नित्थर[ह]ह त चेव सव्व भणइ जाव अत्थस्स जाव (पुण्णस्स) आभागी भविस्सह। तए ण धणं सत्थवाह दोच्चे पुत्ते एव वयासी–मा ण ताओ! अम्हे जेट्ठ भायरं गु(रु)रुदेवय जीवियाओ ववरोवेमो, तुब्भे ण ताओ! मम्मं जीवियाओ ववरोवेह जाव आभागी भविस्सह। एव जाव पचमे पुत्ते। तए ण से धणे सत्थवाहे पचपुत्ताण हियइच्छिय जाणित्ता ते पच पुत्ते एवं वयासी–मा ण अम्हे पुत्ता! एगमवि जीवियाओ ववरोवेमो। एस ण सुंसुमाए दारियाए सरी(रए)रे निप्पाणे जाव जीवविप्पजढे। त सेय खलु पुत्ता! अम्हं सुसुमाए दारियाए मस च सोणिय च

वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासेज्जा ॥ ७७८ ॥ से भिक्खू वा (२) णो एवं वएज्जा णभोदेवेत्ति वा गज्जदेवेत्ति वा विज्जुदेवेत्ति वा पवुट्ठदेवेत्ति वा निवुट्ठदेवेत्ति वा पडउ वा वासं मा वा पडउ निप्फज्जउ वा सस्सं मा वा निप्फज्जउ विभाउ वा रयणी मा वा विभाउ उदेउ वा सूरिए मा वा उदेउ सो वा राया जयउ मा वा जयउ णो एयप्पगारं भासं भासिज्जा, पण्णवं ॥ ७७९ ॥ से भिक्खू वा (२) अंतलिक्खेत्ति वा गुज्झाणुचरिएत्ति वा संमुच्छिए वा णिवइए वा पओवएज्जा वा वुट्ठबलाहगेत्ति वा ॥ ७८० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७८१ ॥ भासज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा तंजहा-गंडी गंडीति वा कुट्ठी कुट्ठीति वा जाव महुमेहुणीति वा हत्थच्छिन्नं हत्थच्छिन्नेति वा एवं पायणक्कण्णउट्ठछिण्णेति वा । जे या वन्ने तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं वुइया वुइया कुप्पंति माणवा तेयावि तहप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख णो भासेज्जा ॥ ७८२ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा-ओयंसी ओयंसीति वा तेयंसी तेयंसी ति वा वच्चंसी वच्चंसीति वा जसंसी जसंसीति वा अभिरूवं अभिरूवेति वा पडिरूवं पडिरूवेति वा, पासाइयं पासाइयंति वा दरिसणिज्जं दरिसणीएत्ति वा जे या वन्ने तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं वुइया वुइया णो कुप्पंति माणवा तेयावि तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख भासिज्जा । तहप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८३ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तंजहा-वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा तंजहा-सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७८४ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तंजहा-वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा-आरंभकडेइ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा पासाइयं पासाइएति वा दरिसणीयं दरिसणीएति वा अभिरूवं अभिरूवेति वा पडिरूवं पडिरूवेति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८५ ॥ से भिक्खू वा (२) असणं वा (४) उवक्खडियं पेहाए तहाविहं तं णो एवं वएज्जा तंजहा-सुकडेति वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७८६ ॥ से भिक्खू वा (२) असणं वा (४) उवक्खडियं

दीवे पुव्वविदेहे सीयाए महान-ईए उत्तरिल्ले कूले नीलवतस्स दाहिणेणं उत्तरिल्लस्स सीयामुहवणसडस्स प(च्छि)चत्थिमेणं एगसेलगस्स वक्खारपव्वयस्स पुर त्थिमेणं एत्थ ण पुक्खलावई नाम विजए प-न्नत्ते। तत्थ णं पुंडरिगिणी नाम रायहाणी पन्नत्ता नवजोयणवि-त्थिण्णा दुवालसजोयणायामा जाव पच्चक्ख देवलो(य)गभूया पासाईया दरिसणीया अभिरूवा पडिरूवा । तीसे ण पुडरिगिणीए नयरीए उत्तरपुर त्थिमे दि-सीभाए नलिणिवणे नाम उज्जाणे होत्था (वण्णओ)। तत्थ ण पुडरिगिणीए राय-हाणीए महापउमे नामं राया होत्था । तस्स ण पउमावई नाम देवी होत्था । तस्स णं महापउमस्स रन्नो पुत्ता पउमावईए देवीए अत्तया दुवे कुमारा होत्था तं जहा— पुडरीए य कडरीए य सुकुमालपाणिपाया[०]। पुडरीए जुवराया। तेण कालेण तेणं समएण (धम्मघोसा थेरा पचहिं अणगारसएहिं सद्धिं स० पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा जाव ण० उज्जाणे तेणेव स०) थेरागमणं महापउमे राया निग्गए धम्मं सोच्चा पु(पों)डरीय रज्जे ठवेत्ता पव्वइए पुंडरीए राया जाए कंडरीए जुवराया । महापउमे अणगारे चोद्दस-पुव्वाइ अहिज्जइ। तए ण थेरा वहिया जणवयविहारं विहरंति। तए ण से महापउमे बहूणि वासाणि जाव सिद्धे ॥ १४४ ॥ तए णं थेरा अन्नया कया-इ पुणरवि पुडरिगिणीए रायहाणीए नलिणवणे उज्जाणे समोसढा । पुन्डरीए राया निग्गए। कंडरीए महाजणसद्द सोच्चा जहा म(हब्)हाबलो जाव पज्जुवासइ । थेरा धम्म परिकहेंति पुडरीए समणोवासए जाए जाव पडिगए। तए ण कडरीए उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जाव से जहेय तुब्भे वयह ज नवर पुडरीय राय आपुच्छामि तए णं जाव पव्वयामि। अहासुह देवाणुप्पिया!। तए ण से कडरीए जाव थेरे वदइ नमसइ वं० २ त्ता [थेराण] अतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता तमेव चाउ[ग]घट आसरह दुरू-हइ जाव पच्चोरुहइ जेणेव पुडरीए राया तेणेव उवागच्छइ (०) करयल जाव पुड-रीय [राय] एव वयासी—एव खलु (देवा०!) मए थेराणं अंतिए (जाव) धम्मे निसंते से धम्मे अभिरुइए। तए णं (देवा०!) जाव पव्वइत्तए। तए ण से पुडरीए कडरीयं एव वयासी—मा ण तुम भाउ(देवाणुप्पि)या! इ(दा)याणिं मुडे जाव पव्वयाहि, अह ण तुम म(हया २)हारायाभिसेएणं अभिसिं(चया)चामि। तए ण से कडरीए पुडरीयस्स रन्नो एयमट्ठं नो आढाइ जाव तुसिणीए सचिट्ठइ। तए णं पुडरीए राया कडरीय दोच्चपि तच्चपि एव वयासी जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए ण पुडरीए कंडरीयं कुमारं जाहे नो संचाएइ बहूहिं आघवणा(हिं)हि य पन्नवणाहि य ४ ताहे अकामए चेव एयमट्ठ अणुमन्नित्था जाव निक्खमणाभिसेएण अभिसिंचइ जाव थेराण सीसभिक्ख दलयइ पव्वइए अणगारे जाए एक्कारसंगन्नी । तए णं थेरा

भगवंतो अन्नया कयाइ पुंड(री)गिणीओ नयरीओ नलि(णी)वणाओ उज्जाणाओ पडि-निक्खमंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति ॥ १४५ ॥ तए णं तस्स कंडरीयस्स अणगारस्स तेहिं अंतेहि य पंतेहि य जहा सेलगस्स जाव दाहवक्कंतीए यावि विहरइ । तए णं थेरा अन्नया कया(इ)य जेणेव पोंडरीगिणी तेणेव उवागच्छ(इ)न्ति २ त्ता नलि(णि)वणे समोसढा । पुंडरीए निग्गए धम्मं सुणेइ । तए णं पुंडरीए राया धम्मं सोच्चा जेणेव कंडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता कंडरीयस्स अणगारस्स सरीरगं सव्वाबाहं सरो(रो)यं पासइ २ त्ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थेरे भगवंते वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहण्णं भंते ! कंडरीयस्स अणगारस्स अहापवत्तेहिं ओसह-भेसज्जेहिं जाव तिगि(ते)च्छं आ(उ)ट्टामि तं तुब्भे णं भंते ! मम जाणसालासु समोसरह । तए णं थेरा भगवंतो पुंडरीयस्स पडिसुणेंति ( ) जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरंति । तए णं पुंडरीए (राया) जहा मंडुए सेलगस्स जाव बलियसरीरे जाए । तए णं थेरा भगवंतो पुंडरीयं रायं [आ]पुच्छंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति । तए णं से कंडरीए ताओ रोयायंकाओ विप्पमुक्के समाणे तंसि मणुन्नंसि असण पाणखाइमसाइमंसि मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने णो संचाएइ पुंडरीयं आपुच्छित्ता बहिया अब्भुज्जएणं (जणवयविहारं) जाव विहरित्तए तत्थेव ओसन्ने जाए । तए णं से पुंडरीए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव कंडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं तिक्खुत्तो आयाहि(ण)पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–धन्नेसि णं तुमं देवाणुप्पिया ! कयत्थे कयपुन्ने कयलक्खणे सुलद्धे णं देवाणुप्पिया ! तव माणुस्सए जम्मजीवियफले जे णं तुमं रज्जं च जाव अंतेउरं च [वि]छ(ड्ड)इत्ता विगोवइत्ता जाव पव्वइए, अहण्णं अहन्ने [अपुन्ने] अकयपुन्ने रज्जे [य] जाव अंतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने नो संचाएमि जाव पव्वइत्तए, तं धन्नेसि णं तुमं देवाणुप्पिया ! जाव जीवियफले । तए णं से कंडरीए अणगारे पुंडरीयस्स एयमट्ठं नो आढाइ जाव संचिट्ठइ । तए णं से कंडरीए पोंडरीएणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे अकामए अव(स)वसे लज्जाए गारवेण य पुंडरीयं (रायं) आपुच्छइ २ त्ता थेरेहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरइ । तए णं से कंडरीए थेरेहिं सद्धिं किं(किं)चि कालं उग्गंउग्गेणं विह(रि)त्ता तओ पच्छा समणत्तणपरितंते समणत्तण-णिव्वि(ण्णे) समणत्तण-निब्भ(च्छि)ए समणगुणमुक्कजोगी थेराणं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ २ त्ता जेणेव पुंडरीगिणी

नयरी जेणेव पुंडरीयस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवणियाए असोगवर-पायवस्स अहे पुढविसिलापट्टगसि निसीयइ २ त्ता ओहयमणसकप्पे जाव झियाय-माणे सचिट्ठइ। तए ण तस्स पोंडरीयस्स अव(अम्म)धाई जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं अणगार असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिला(व)-पट्टगसि ओहयमणसकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता जेणेव पुण्डरीए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुण्डरीय रायं एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया! तव पि(उ)य-भाउए कंडरीए अणगारे असोगवणियाए असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिला पट्टे ओहयमणसकप्पे जाव झियायइ। तए ण [से] पुंडरीए अम्मधा(इ)ईए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म तहेव सभते समाणे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता अतेउरपरियालसपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जाव कडरीय तिक्खुत्तो (०) एव वयासी-धन्नेसि णं तुम देवाणुप्पिया! जाव पव्वइए, अहं णं अधन्ने[३] जाव [अ]पव्वइत्तए, त धन्नेसि ण तुमं देवाणु-प्पिया! जाव जीवियफले। तए ण कडरीए पुडरीएणं एव वुत्ते समाणे तुसिणीए सचिट्ठइ दोच्चंपि तच्चपि जाव चिट्ठइ। तए ण पुडरीए कंडरीयं एव वयासी-अट्ठो भते! भोगेहिं? हता [!] अट्ठो। तए ण से पुण्डरीए राया कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! कडरीयस्स महत्थ जाव रायाभिसे-(अ)य उवट्ठवेह जाव रायाभिसेएण अभिसिंचइ॥ १४६॥ तए ण [से] पुडरीए सयमेव पचमुट्ठियं लोय करेइ सयमेव चाउज्जाम धम्म पडिवज्जइ २ त्ता कडरी-यस्स सतिय आयारभंड(य)ग गेण्हइ २ त्ता इम एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ-कप्पइ मे थेरे वदित्ता नमसित्ता थेराण अतिए चाउज्जाम धम्म उवसपज्जित्ताण तओ पच्छा आहारं आहारित्तए-त्तिकट्टु इमं (च) एयारूव अभिग्गह अभिगि(ण्हे)-ण्हित्ताण पुण्डरिगिणी(ए)ओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे [जेणेव] थेरा भगवतो तेणेव पहारेत्थ गमणाए॥ १४७॥ तए ण तस्स कंडरीयस्स रन्नो त पणीय पाणभोयण आहारियस्स समाणस्स अइजाग(रि)-रएण य अइभोयणप्पसंगेण य से आहारे नो सम्म परिण(मइ)ए। तए ण तस्स कडरीयस्स रन्नो तसि आहारंसि अपरिणममाणसि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि सरी(रं)रगसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला विउला पगाढा जाव दुरहियासा पित्तज्ज-रपरिगयसरीरे दाहवक्कतीए यावि विहरइ। तए ण से कडरीए राया रज्जे य रट्ठे य अतेउरे य जाव अज्झोववन्ने अट्टदुहट्टवसट्टे अकामए अव-सवसे कालमासे काल किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयसि नरयसि नेरइयत्ताए उववन्ने। एवामेव समणाउसो! जाव पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभो(गे)ए आसा-

गहियसीलगासण्णा । साहिंति निरयफलं पुंडरीयमहारिसिव्व जहा ॥ २ ॥

एगूणवीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ नायाधम्मकहाणं पढमो सुय-क्खंधो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ । तस्स णं रायगिहस्स [नयरस्स] बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए तत्थ णं गुण(सी)सिलए नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मा नामं थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना कुलसंपन्ना जाव चो(चउ)द्दसपुव्वी चउनाणोवगया पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दू(दु)इज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव रायगिहे नयरे जेणेव गुण-सिलए उज्जाणे जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति । परिसा निग्गया धम्मो कहिओ परिसा जामेव दि(स)सिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स (अणगारस्स) अंतेवासी अज्जजंबू नामं अणगारे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते ! समणेणं (३) जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स पढम[स्स] सुयक्खंधस्स ना(यसु)याणं अयमट्ठे पन्नत्ते दोच्चस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स धम्मकहाणं समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! समणेणं० धम्मकहाणं दस वग्गा पन्नत्ता तंजहा—चमरस्स अग्गमहिसीणं पढमे वग्गे, बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो अग्गमहिसीणं बीए वग्गे, असुरिंदवज्जियाणं दाहिणिल्लाणं इंदाणं अग्गमहिसीणं त(इ)इए वग्गे, उत्तरिल्लाणं असुरिंदवज्जियाणं भवणवासिइंदाणं अग्गमहिसीणं चउत्थे वग्गे, दाहिणिल्लाणं वाणमंतराणं इंदाणं अग्गमहिसीणं पंचमे वग्गे, उत्तरिल्लाणं वाणमंतराणं इंदाणं अग्गमहिसीणं छट्ठे वग्गे, चंदस्स अग्गमहिसीणं सत्तमे वग्गे, सूरस्स अग्गमहिसीणं अट्ठमे वग्गे, सक्कस्स अग्गमहिसीणं नवमे वग्गे, ईसाणस्स [य] अग्गमहिसीणं दसमे वग्गे । जइ णं भंते ! समणेणं० धम्मकहाणं दस वग्गा पन्नत्ता पढमस्स णं भंते ! वग्गस्स समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! समणेणं० पढमस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा—काली राई रयणी विज्जू मेहा । जइ णं भंते ! समणेणं० पढमस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पन्नत्ता पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुण-सिलए उज्जाणे सेणिए राया चे(ल)ल्लणा देवी सामी समोस(रिए)ढे परिसा निग्गया जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं काली (नामं) देवी चमरचंचाए रायहाणीए कालव-डेंसगभवणे कालंसि सीहासणंसि चउहिं

चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं महत्तरियाहिं सपरिवाराहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्ने(हिं)हि य ब(हुएहिं य)हूहिं कालवडिंसगभवणवासीहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडा महयाहय जाव विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी २ पासइ ए(इ)त्थ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं ओगि(ण्हि)ण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिया पीइमणा जाव (ह)-यहियया सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता तित्थगराभिमुही सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणियलंसि निहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणियलंसि निवेसेइ ( ) ईसिं पच्चुन्नमइ २ त्ता कड(ग)तुडियथंभियाओ भुयाओ साहरइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी-नमो त्थु णं अरहंताणं (भगवंताणं) जाव संपत्ताणं। नमोत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहग(ए)-या पासउ मे समणे २ तत्थ-गए इह-गयं-तिकट्टु वंदइ नमंसइ णं २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहा निसन्ना। तए णं तीसे कालीए देवीए इमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था [अज्झत्थिए]-सेयं खलु मे समणं २ वंदित्ता जाव पज्जुवासित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता आभिओगि(ए)या दे(वे)वा सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे २ एवं जहा सू-रियाभो तहेव आणत्तियं देइ जाव दिव्वं सुरवराभिगमणजोग्गं करेह २ त्ता जाव पच्चप्पिणह। तेवि तहेव करेत्ता जाव पच्चप्पिणंति। णवरं जोयणसहस्सवि-त्थिण्णं जाणं सेसं तहेव। तहेव नामगोयं साहेइ तहेव नट्टविहिं उवदंसेइ जाव पडिगया। भंते त्ति भगवं गोयमे समणं २ वंदइ नमंसइ णं २ त्ता एवं वयासी-का(लि)लीए णं भंते! देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ कहिं गया? कूडागारसालादिट्ठंतो। अहो णं भंते! काली देवी महिड्ढिया [३]। कालीए णं भंते! देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ किण्णा लद्धा किण्णा पत्ता किण्णा अभिसमन्ना-गया? एवं जहा सूरियाभस्स जाव एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आमलकप्पा णामं नयरी होत्था वण्णओ। अंबसाल-वणे चेइए। जियसत्तू राया। तत्थ णं आमलकप्पाए नयरीए काले णामं गाहा-वई होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए। तस्स णं कालस्स गाहावइस्स कालसिरी नामं भारिया होत्था सुकुमाल(पाणिपाया) जाव सुरूवा। तस्स णं काल(ग)स्स गाहाव-इस्स धूया कालसिरीए भारियाए अत्तया काली णामं दारिया होत्था वड्ढा वड्ढकुमारी

जुण्णा जुण्णकुमारी पडियपुयत्थणी निव्वि-ण्णवरा वरपरिवज्जिया वि होत्था। तेणं कालेण तेण समएण पासे अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जहा वद्धमाणसामी नवरं नवहत्थुस्सेहे सोलसहिं समणसाहस्सीहिं अट्ठत्तीसाए अज्जियासाहस्सीहिं सद्धिं सप-रिवुडे जाव अवसालवणे समोसढे। परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तए ण सा काली दारिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठ जाव हियया जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एव वयासी–एव खलु अम्मयाओ! पासे अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जाव विहरइ, त इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्मेहिं अब्भणुन्नाया समाणी पासस्स [ण] अरहओ पुरिसादाणीयस्स पायवदिया गमित्तए। अहासुह देवाणुप्पिया! मा पडिवध करेहि। तए ण सा का(लिया)ली दारिया अम्मापिईहिं अब्भणुन्नाया समाणी हट्ठ जाव हियया ण्हाया सुद्धप्(प)पावेसाइ मगल्लाइ वत्थाइ पवर परिहिया अप्पमहग्घाभरणालकियसरीरा चेडियाचक्कवालपरिकिण्णा साओ गिहाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मिय जाणपवरं दुरूढा। तए ण सा काली दारिया धम्मियं जाण[प्]पवरं एव जहा दोवई (जाव) तहा पज्जुवासइ। तए ण पासे अरहा पुरिसादाणीए कालीए दारियाए तीसे य महइमहा(ल)लियाए परिसाए धम्म कहेइ। तए णं सा काली दारिया पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अतिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियया पास अरह पुरिसादाणीय तिक्खुत्तो वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी–सद्दहामि णं भते! निग्गथ पावयण जाव से जहेय तुब्भे वयह ज नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि तए ण अह देवाणु-प्पियाणं अतिए जाव पव्वयामि। अहासुह देवाणुप्पिए!। तए ण सा काली दारिया पासेण अरहया पुरिसादाणीएण एव वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया पासं अरहं वदइ नमसइ व० २ त्ता तमेव धम्मिय जाणप्पवरं दु-रूहइ २ त्ता पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अतियाओ अवसालवणाओ उज्जाणाओ पडि निक्खमइ २ त्ता जेणेव आमलकप्पा नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आमलकप्प नयरिं मज्झमज्झेण जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मिय जाण प्-पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता करयल[परिग्गहिय] जाव एय वयासी–एव खलु अम्मयाओ! मए पासस्स अरहओ अतिए धम्मे निसंते, से वि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभि-रुइए, तए ण अह अम्मयाओ! ससारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाण इच्छामि ण तुब्मेहिं अब्भणुन्नाया समाणी पासस्स अरहओ अतिए मुंडा भवित्ता आ-गा-

राओ अणगारियं पव्वइत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिए! मा पडिबंधं करेहि। तए णं से काले गाहावई विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्त-णाइ णियगसयणसंबंधिपरियणं आमंतेइ २ त्ता तओ पच्छा ण्हाए विउलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारे(ता)इ सम्माणेइ [२] तस्सेव मित्त-णाइ-णियगसयणसंबंधिपरियणस्स पुरओ कालियं दारियं सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहि(णीं)णिं सीयं दुरूहेइ २ त्ता मित्त-णाइ-णियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं संपरिवु(डा)डे सव्विड्ढीए जाव रवेणं आमलकप्पं णयरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव अंबसालवणे चेइए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता छत्ताइए तित्थगराइ(स)ए पासइ २ त्ता सीयं ठवेइ २ त्ता [कालियं दारियं सीयाओ पच्चोरुहइ। तए णं तं] कालियं दारियं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छ(इ)न्ति २ त्ता वंद-न्ति णमंस-न्ति णं २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! काली दारिया अम्हं धूया इट्ठा कंता जाव किमंग पुण पासणयाए? एस णं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गा इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडा भवित्ता (णं) जाव पव्वइत्तए, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं सिस्सिणिभिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सिस्सिणिभिक्खं। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं (करेह)। तए णं [सा] काली कुमारी पासं अरहं वंदइ णमंसइ णं २ त्ता उत्तरपुरत्थिमं दि-सीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव लोयं करेइ २ त्ता जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासं अरहं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ णं २ त्ता एवं वयासी-आलित्ते णं भंते! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव सयमेव पव्वा(वि)वेउं। तए णं पासे अरहा पुरिसादाणीए का(लिं)लियं सयमेव पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सिणियत्ताए दलयइ। तए णं सा पुप्फचूला अज्जा कालिं कुमारिं सयमेव पव्वावेइ जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं सा काली अज्जा जाया इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी। तए णं (सा) काली अज्जा पुप्फचूला[ए] अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूहिं चउत्थ जाव विहरइ। तए णं सा काली अज्जा अण्णया कया(इ)इ सरीरबाउसिया जाया(या)वि होत्था अभिक्खणं २ हत्थे धो(व)वेइ पाए धोवेइ सीसं धोवेइ मुहं धोवेइ थणंतरा(इं)णि धोवेइ कक्खंतराणि धोवेइ गुज्झंतरा(इं)णि धोवेइ जत्थ जत्थ वि य णं ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएइ तं पुव्वामेव अब्भु(क्खे)क्खित्ता तओ पच्छा आसयइ वा सयइ वा। तए णं सा पुप्फचूला अज्जा कालिं अज्जं एवं वयासी-णो खलु कप्पइ देवाणुप्पिए! समणीणं णिग्गंथीणं सरीरबाउसियाणं होत्तए,

तुमं च णं देवाणुप्पिए! सरीरबाउसिया जाया अभिक्खणं २ हत्थे धोवसि जाव आसयाहि वा सयाहि वा, त तुमं देवाणुप्पिए! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पायच्छित्तं पडिवज्जाहि। तए ण सा काली अज्जा पुप्फचूलाए अज्जाए एयमट्ठं नो आढाइ जाव तुसिणीया सचिट्ठइ। तए णं ताओ पुप्फचूलाओ अज्जाओ कालिं अज्जं अभिक्खणं २ हीलेंति निंदंति खिं(स)सेंति गरहंति अवमण्णंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं निवारेंति। तए णं तीसे कालीए अज्जाए समणीहिं निग्गंथीहिं अभिक्खणं २ हीलिज्जमाणीए जाव वारिज्जमाणीए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अ(आ)गारवासमज्झे वसित्था तया णं अहं सयंवसा। जप्पभिइं च णं अहं मुं(डे)डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया तप्पभिइं च णं अहं परवसा जाया। तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते पाडि(क्कि)क्कयं उवस्सयं उवसपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते पाडि(ए)क्कं उवस्सयं गे(गि)ण्हइ तत्थ ण अणिवारिया अणोहट्टिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव आसयइ वा सयइ वा। तए णं सा काली अज्जा पासत्था पासत्थविहारी० ओसन्ना ओसन्नविहारी० कुसीला कुसीलविहारी० अहाछंदा अहाछंदविहारी० संसत्ता संसत्तविहारी० बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए सलेहणाए अ(त्ता)प्पाणं झूसेइ २ त्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेएइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरचचाए रायहाणीए कालवडिंसए भवणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसतरिया अगुलस्स असखे(ज्जइ)ज्जभागमेत्ताए ओगाहणाए कालीदे(वी)वित्ताए उववन्ना। तए णं सा काली देवी अहुणोववन्ना समाणी पंचविहाए पज्जत्तीए जहा सूरियाभो जाव भासामणपज्जत्तीए। तए णं सा काली देवी चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव अन्नेसिं च बहूणं कालवडेंसगभवणवासीण असुरकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ। एवं खलु गोयमा! कालीए देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया। कालीए ण भंते! देवीए केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता? गोयमा! अड्ढाइज्जाइं पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। काली णं भंते! देवी ताओ देवलोगाओ अणंतरं उ(व)वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ [जाव अंतं काहिइ]। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पढम[स्स] वग्गस्स पढमज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्तिबेमि॥ १५०॥ (**धम्मकहाणं पढमज्झयणं समत्तं**)॥

जइ णं भंते! समणेण० धम्मकहाणं पढमस्स वग्गस्स पढमज्झयणस्स

अयमट्ठे पन्नत्ते निसुंभस्स णं भंते! अज्झयणस्स समणेणं (१) जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं राई देवी चमरचंचाए रायहाणीए एवं जहा काली तहेव आगया नट्टविहिं उवदं(दं)सित्ता पडिगया। भंतेति भगवं गोयमे पुव्वभवपुच्छा। एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं आमलकप्पा नयरी अंबसालवणे चेइए जियसत्तू राया राई गाहावई रा(ई)यसिरी भारिया राई दारिया पासस्स समोसरणं राई दारिया जहेव काली तहेव निक्खंता तहेव सरीरबाउसिया तं चेव सव्वं जाव अंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! बि(इ)यज्झयणस्स निक्खेवओ॥ जइ णं भंते! तइयज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए एवं जहेव राई तहेव रयणी वि नवरं आमलकप्पा नयरी रय(णी)गाहावई रयणसिरी भारिया रयणी दारिया सेसं तहेव जाव अंतं काहिइ। एवं विज्जू वि आमलकप्पा नयरी वि(ज्जु)ज्जू गाहावई विज्जुसिरी भारिया विज्जू दारिया सेसं तहेव। एवं मेहा वि आमलकप्पाए नयरीए मेहे गाहावई मेहसिरी भारिया मेहा दारिया सेसं तहेव। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं धम्मकहाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पन्नत्ते ॥ १५१ ॥ जइ णं भंते! समणेणं दोच्चस्स वग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! समणेणं दोच्चस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पन्नत्ता, तंजहा—सुंभा निसुंभा रंभा निरंभा म(द)यणा। जइ णं भंते! समणेणं धम्मकहाणं दोच्चस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा प० दोच्चस्स णं भंते! वग्गस्स पढमज्झयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए सामी समोस(ढे) परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सुंभा देवी बलिचंचाए रायहाणीए सुंभवडेंसए भवणे सुंभंसि सीहासणंसि कालीगमएणं जाव नट्टविहिं उवदंसित्ता जाव पडिगया। पुव्वभवपुच्छा। सावत्थी नयरी कोट्ठए चेइए जियसत्तू राया सुंभे गाहावई सुंभसिरी भारिया सुंभा दारिया सेसं जहा का(लीए)लीए नवरं अद्धुट्ठाइं पलिओवमाइं ठिई। एवं खलु जंबू! निक्खेवओ अज्झयणस्स। एवं सेसावि चत्तारि अज्झयणा सावत्थीए नवरं माया पिया सरिसनामया। एवं खलु जंबू! निक्खेवओ बि(बी)इयवग्गस्स ॥ १५२ ॥ उक्खे(वओ)वओ तइयवग्गस्स। एवं खलु जंबू! समणेणं तइय(स्स)वग्गस्स चउपन्नं अज्झयणा प० तंजहा—पढमे अज्झयणे जाव चउपन्नइमे अज्झयणे। जइ णं भंते! समणेणं धम्मकहाणं तइयवग्गस्स चउप्प(न)न्नं [अ]ज्झयणा पन्नत्ता पढमस्स णं

पेहाए एव वएज्जा, तंजहा-आरम्भकडे त्ति वा सावज्जकडे त्ति वा पयत्तकडेत्ति वा भद्दय भद्दए त्ति वा ऊसढ ऊसढे त्ति वा रसिय रसिए त्ति वा मणुण्णं मणुण्णे त्ति वा एयप्पगारं भास असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८७ ॥ से भिक्खू वा (२) मणुस्सं वा गोण वा महिस वा मिग वा पसु वा, पक्खि वा सरीसिव वा जलयरं वा से त्त परिवूढकाय पेहाए णो एव वएज्जा थूलेइ वा पमेइलेइ वा वट्टेइ वा वज्झे इ वा पाइमे इ वा एयप्पगार भास सावज्ज जाव णो भासिज्जा ॥ ७८८ ॥ से भिक्खू वा (२) मणुस्स जाव जलयरं वा से त परिवूढकाय पेहाए एव वएज्जा, परिवूढकाएत्ति वा, उवचियकाए त्ति वा थिरसघयणेत्ति वा उवचियमस-सोणिएत्ति वा वहुपडिपुण्णइंदिएत्ति वा एयप्पगार भास असावज्ज जाव भासिज्जा ॥ ७८९ ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तजहा-गाओ दोज्झाओ त्ति वा दम्मेत्ति वा गोरहत्ति वा वाहिमत्ति वा रहजोग्गत्ति वा एयप्पगारं भास सावज्ज जाव णो भासिज्जा ॥ ७९० ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एव वएज्जा तजहा-जुवगवेत्ति वा धेणु त्ति वा रसवइ त्ति वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा सवहणि त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्ज जाव अभिकख भासिज्जा ॥ ७९१ ॥ से भिक्खू वा (२) तहेव गतुमुज्जाणाइ पव्वयाइ वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एव वएज्जा, तजहा-पासायजोग्गा ति वा तोरणजोग्गाति वा गिहजोग्गा इ वा फलिहजोग्गाइ वा अग्गल-नावा-उदगदोणि-पीढ-चगवेर-णगल-कुलिय-जंतलट्ठी-णाभि-गडी-आसण-सयण-जाण-उवस्सय-जोग्गा इ वा, एयप्पगारं भास सावज्जं [जा]व णो भासिज्जा ॥ ७९२ ॥ से भिक्खू वा (२) तहेव गतुमुज्जाणाइं पव्व-[याणि] वणाणि य रुक्खा महल्ला पेहाए एव वएज्जा, तजहा-जातिमता इ वा [दी]हवट्टा इ वा, महालया इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा [पा]साइया इ वा जाव पडिरूवा इ वा एयप्पगारं भास असावज्ज जाव अभिकख [भा]सिज्जा ॥ ७९३ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसभूया वणफला पेहाए तहावि [त]े णो एवं वएज्जा तंजहा-पक्का ति वा पायक्खज्जाइ वा वेलोइयाति वा टालाइ [व]ा वेहिया इ वा एयप्पगारं भास सावज्ज जाव णो भासिज्जा ॥ ७९४ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसभूयाफला अबा पेहाए एव वएज्जा, तजहा-असंथडा इ वा बहुणिवट्टिमफला इ वा बहुसभूया इ वा भूयरूवेत्ति वा एयप्पगारं भास असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९५ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एव वएज्जा, तंजहा-पक्का इ वा नीलिया इ वा छवीइ वा

भंते ! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पन्नत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अ(इ)ला देवी धर(णी)णाए रायहाणीए अलाव(ड)डेंसए भवणे अलंसि सीहासणंसि, एवं कालीगमएणं जाव नट्टविहिं उवदंसेत्ता पडिगया। पुव्वभवपुच्छा। वाणारसीए नयरीए काममहावणे उज्जाणे अले गाहावई अलसिरी भारिया इला दारिया सेसं जहा कालीए नवरं धरण(स्स)अग्ग महिसित्ताए उववाओ, साइरे(ग)ग अद्धपलिओव(म)म ठिई सेसं तहेव। एवं खलु निक्खेवओ पढमज्झयणस्स। एवं क(मा सते)मसोतरा सोयामणी इंदा घ(णा)णया विज्जुया वि। सव्वाओ एयाओ धरणस्स अग्गमहिसीओ (एव)। एए छ अज्झयणा वेणुदेवस्स वि अविसेसिया भाणियव्वा, एवं जाव घोसस्स वि एए चेव छ अज्झयणा। एवमेते दाहिणिल्लाण इंदाणं चउप्पन्न अज्झयणा भवंति सव्वाओ वि वाणारसीए काममहावणे उज्जाणे। तइयवग्गस्स निक्खेव(ओ)गो ॥ १५३ ॥ चउत्थस्स उक्खेवगो। एवं खलु जंबू ! समणेणं० धम्मकहाणं चउत्थवग्गस्स चउप्पन्नं अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–पढमे अज्झयणे जाव चउप्पन्नइमे अज्झयणे। पढमस्स अज्झयणस्स उक्खेवगो। एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं रूया देवी रू(भू)याणंदा राय हाणी रूयगव(डिं)डेंसए भवणे रूयगंसि सीहासणंसि जहा कालीए तहा नवरं पुव्वभवे चंपाए पुण्णभद्दे उज्जाणे रूयगगाहावई रूयगसिरी भारिया रूया दारिया सेसं तहेव नवरं भूयाण(द)दा अग्गमहिसित्ताए उववाओ देसूणं पलिओवम ठिई। निक्खेवओ। एवं खलु सुरूया वि रूयंसा वि रूयगावई वि रूयकंता वि रूयप्पभा वि। एयाओ चेव उत्तरिल्लाणं इंदाणं भाणियव्वाओ जाव महाघोसस्स। निक्खेवओ चउत्थवग्गस्स ॥ १५४ ॥ पंचमवग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! जाव बत्तीसं अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–कमला कमलप्पभा चेव, उप्पला य सुदंसणा। रूववई बहुरूवा, सुरूवा सुभगा वि य ॥ १ ॥ पुण्णा बहुपुत्तिया चेव, उत्तमा भारिया वि य। पउमा वसुमई चेव, कणगा कणगप्पभा ॥ २ ॥ वडेंसा के(ठ)ऊमई चेव, वइरसेणा रइप्पिया। रोहिणी नवमिया चेव, हिरी पुप्फवई(ति) वि य ॥ ३ ॥ भुयगा भुयगवई चेव, महाकच्छा(ऽ)परा(फुडा)इ(य)या। सुघोसा विमला चेव, सुस्सरा य सरस्सई ॥ ४ ॥ उक्खेवओ पढमज्झयणस्स। एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं कमला देवी कमलाए रायहाणीए कमलवडेंसए भवणे कमलंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए तहेव

सा(गेयनयरे)एए दो जणीओ पढमे पियरो विजया मायराओ सव्वाओ वि पासस्स अंति(ए)य पव्वइयाओ सक्कस्स अग्गमहिसीओ ठिई सत्त पलिओवमाइं महाविदेहे वासे अंतं काहिंति । नवमो वग्गो समत्तो ॥ १५९ ॥ दसमस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ! जाव अट्ठ अज्झयणा पन्नत्ता तंजहा–कण्हा य कण्हराई रामा तह रामरक्खिया वसू-या । वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुधरा चेव ईसाणे ॥ १ ॥ पढमज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेण समएण रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ । तेण कालेणं तेण समएणं कण्हा देवी ईसाणे कप्पे कण्हवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए कण्हंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए एव अट्ठवि अज्झयणा कालीगमएणं ना(णे)यव्वा नवरं पुव्वभ-वो वाणारसीए नयरीए दो जणीओ रायगिहे नयरे दो-जणीओ सावत्थी(ए)नयरीए दो-जणीओ कोसमीए नयरीए दो जणीओ रामे पिया धम्मा माया सव्वाओ वि पासस्स अरहओ अंतिए पव्वइयाओ पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सि(णी)णियत्ताए ईसाणस्स अग्गमहिसीओ ठिई नवपलिओवमाइं महाविदेहे वासे सिज्झिहिंति बुज्झिहिंति मुच्चिहिंति सव्वदुक्खाण अंतं काहिंति । एवं खलु जंबू ! निक्खेव गो दसमवग्गस्स । दसमो वग्गो समत्तो ॥ १६० ॥ एवं खलु जंबू ! समणेण भगवया महावीरेण आइगरेणं तित्थगरेण सयसंबुद्धेण पुरिसोत्तमेणं [पुरिससीहेणं] जाव सपत्तेण धम्मकहाणं अयमट्ठे पन्नत्ते । धम्मकहा सुयक्खंधो समत्तो । दसहिं वग्गेहिं नायाधम्मकहाओ समत्ताओ ॥ १६१ ॥ बीओ सुयक्खंधो समत्तो ॥ **नायाधम्मकहाओ समत्ताओ** ॥

बहुया सद्धिं अणुरत्ता अविरत्ता इ(सु)ट्ठे सद्द जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोए
पच्चणुभवमाणी विहरइ । तस्स णं वाणियगामस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए
एत्थ णं कोल्लाए नामं सन्निवेसे होत्था, रिद्धत्थिमिय जाव पासादीए (४) । तत्थ
णं कोल्लाए सन्निवेसे आणन्दस्स गाहावइस्स बहुए मित्तनाइनियगसयणसंबंधि-
परिजणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए ।' तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे
भगवं महावीरे जाव समोसरिए । परिसा निग्गया कूणिए राया जहा तहा
जियसत्तू निग्गच्छइ (२ ता) जाव पज्जुवासइ । तए णं से आणन्दे गाहावई
इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे जाव विहरइ, तं महाफलं [जाव]
गच्छामि णं जाव पज्जुवासामि' एवं सम्पेहेइ, सम्पेहित्ता ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव
अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता
सकोरिं(रें)टमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पायविहार-
चारेणं वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणामेव दू(दु)इपलासे
उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो
आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वन्दइ नमंसइ जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे
भगवं महावीरे आणन्दस्स गाहावइस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए जाव
धम्मकहा । परिसा पडिगया राया य ग(प)ओ ॥ ३ ॥ तए णं से आणन्दे गाहावई
समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव एवं
वयासी-'सद्दहामि णं भन्ते ! निग्गन्थं पावयणं, पत्तियामि णं भन्ते ! निग्गन्थं
पावयणं, रोएमि णं भन्ते ! निग्गन्थं पावयणं, एवमेयं भन्ते ! तहमेयं भंते !
अवितहमेयं भन्ते ! इच्छियमेयं भन्ते ! पडिच्छियमेयं भन्ते ! इच्छियपडिच्छिय-
मेयं भन्ते ! से जहेयं तुब्भे वयह त्तिकट्टु जहा णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए बहवे राई-
सरतलवरमाडम्बियकोडुम्बियसेट्ठि[सेणावइ]सत्थवाहप्पभि(इ)ओ मुण्डे(डा)
भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया नो खलु अहं तहा संचाएमि मुण्डे जाव
पव्वइत्तए, अहं णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए पञ्चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं
गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करे(हि)ह ॥ ४ ॥
तए णं से आणन्दे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए तप्पढमयाए
थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं न करे(इ)मि न कारवे-
(इ)मि मणसा वयसा कायसा' १ । तयाणन्तरं च णं थूलगं मुसावायं पच्चक्खाइ,
'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं न करेमि न कारवेमि मणसा वयसा कायसा' २ ।
तयाणन्तरं च णं थूलगं अ(दि)दिन्नादाणं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

उवासगदसाओ

तेण कालेणं तेण समएणं चम्पा नाम नयरी होत्था । वण्णओ । पुण्णभद्दे उज्जाणे । वण्णओ ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेण समएण अज्जसुहम्मे समोसरिए जाव जम्बू पज्जुवासमाणे एव वयासी–जइ ण भन्ते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव सम्पत्तेणं छट्ठस्स अङ्गस्स नायाधम्मकहाण अयमट्ठे पण्णत्ते, सत्तमस्स ण भन्ते ! अगस्स उवासगदसाणं समणेण जाव सम्पत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जम्बू ! समणेण जाव सम्पत्तेण सत्तमस्स अगस्स उवासगदसाण दस अज्झयणा पण्णत्ता, तंजहा–आणन्दे १, कामदेवे य २, गाहावइचुलणीपिया ३, सुरादेवे ४, चुल्लसयए ५, गाहावइकुण्डकोलिए ६, सद्दालपुत्ते ७, महासयए ८, नन्दिणीपिया ९, सालिहीपिया १० ॥ २ ॥ जइ ण भन्ते ! समणेणं जाव सम्पत्तेण सत्तमस्स अगस्स उवासगदसाण दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! समणेण जाव सम्पत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते? एव खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेण समएण वाणियगामे नामं नयरे होत्था । वण्णओ । तस्स [णं] वाणियगामस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुर(त्थि)च्छिमे दिसीभाए दूइपलासए नाम उज्जाणे [होत्था] । तत्थ ण वाणियगामे नयरे जियसत्तू राया (होत्था) । वण्णओ । तत्थ णं वाणियगामे आणन्दे नाम गाहावई परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं आणन्दस्स गाहावइस्स चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वु(व)ड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दस-गोसाहस्सिएणं वएणं होत्था । से णं आणन्दे गाहावई बहूणं राईसर जाव सत्थवाहाण बहूसु कज्जेसु य कारणेसु य मन्तेसु य कुडुम्बेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य निच्छएसु य ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे (य) पडिपुच्छणिज्जे, सयस्सवि य ण कुडुम्बस्स मेढी पमाण आहारे आलम्बण चक्खू, मे(ढी)ढिभूए जाव सव्वकज्ज-व(ड्ढा)ड्ढावए यावि होत्था । तस्स ण आणन्दस्स गाहावइस्स सि(वा)वनन्दा नामं भारिया होत्था, अहीण जाव सुरूवा आणन्दस्स गाहावइस्स इट्ठा आणन्देणं गाहा-

तिविहेणं न करेमि न कारवेमि मणसा वयसा कायसा' ३ । तयाणन्तरं च णं सदारसन्तो(सी)सिए परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एक्काए सिवनन्दाए भारियाए, अवसेस सव्वं मेहुणविहिं पच्चक्सा(इ)मि मणसा वयसा कायसा' ४ । तयाणन्तर च णं इच्छाविहिपरिमाणं करेमाणे हिरण्णसुवण्णविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ चउहिं हिरण्णकोडीहिं निहाणपउत्ताहिं, चउहिं वु-ड्ढिपउत्ताहिं, चउहिं पवित्थर-पउत्ताहिं, अवसेस सव्वं हिरण्णसुवण्णविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं चउप्पयविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ चउहिं वएहिं दसगोसाहस्सिएण वएण, अवसेसं सव्व चउप्पयविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं खेत्तवत्थु-विहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ पञ्चहिं हलसएहिं नियत्तणसइएण हलेण, अवसेसं सव्वं खेत्तवत्थुविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तर च ण सगडविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ पञ्चहिं सगडसएहिं दिसायत्तिएहिं, पञ्चहिं सगडसएहिं संवाहणिएहिं, अवसेसं सव्व सगडविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च ण वाहणविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ चउहिं वाहणेहिं दिसायत्तिएहिं, चउहिं वाहणेहिं संवाहणिएहिं, अव-सेस सव्व वाहणविहिं पच्चक्खामि ३' ५ । तयाणन्तर च णं उवभोगपरिभोगविहिं पच्चक्खाएमाणे उल्लणियाविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ एगाए गन्धकासाईए, अवसेस सव्वं उल्लणियाविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तर च ण दन्तवणविहि-परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं अल्ललट्ठीमहुएणं, अवसेस दन्तवणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तर च ण फलविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं खीरामलएण, अवसेस फलविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं अब्भङ्गणविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं, अवसेस अब्भङ्गणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च ण उव्वट्ट(ण)णाविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ एगेण सुरहिणा गन्धट्टएण, अवसेस उव्वट्ट-णाविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च ण मज्जणविहि-परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ अट्ठहिं उ(ट्टि)ट्टिएहिं उदगस्स घडएहिं, अवसेस मज्जणविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं वत्थविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ एगेणं खोमजुयलेणं, अवसेसं वत्थविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च ण विलेवणविहि परिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ अ(ग)गुरुकुङ्कुमचन्दणमादिएहिं, अवसेस विलेवणविहिं पच्च-क्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं पुप्फविहिपरिमाणं करेइ, 'नन्नत्थ एगेण सुद्धपउमेणं मालइकुसुमदामेण वा, अवसेस पुप्फविहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं आभ-रणविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ मट्ठक[ण्]णेजएहिं नाममुद्दाए य, अवसेस आभरण-विहिं पच्चक्खामि ३' । तयाणन्तरं च णं धूवणविहिपरिमाण करेइ, 'नन्नत्थ अगरुतु

कामभोगतिव्वाभिलासे ४। तयाणन्तरं च णं इच्छापरिमाणस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-खेत्तवत्थुपमाणाइक्कमे, हिरण्णसुवण्णपमाणाइक्कमे, दुपयचउप्पयपमाणाइक्कमे, धणधन्नपमाणाइक्कमे, कुवियपमाणाइक्कमे ५। तयाणन्तरं च णं दिसि(ि)वयस्स पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-उड्ढदिसिपमाणाइक्कमे, अहोदिसिपमाणाइक्कमे, तिरियदिसिपमाणाइक्कमे, खेत्तवुड्ढी, सइअन्तरद्धा ६। तयाणन्तरं च णं उवभोगपरिभोगे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-भोयणओ य कम्मओ य। तत्थ णं भोयणओ [य] समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-सचित्ताहारे, सचित्तपडिबद्धाहारे, अप्पउलिओसहिभक्खणया, दुप्पउलिओसहिभक्खणया, तुच्छोसहिभक्खणया। कम्मओ णं समणोवासएणं पण्णरस कम्मादाणाइं जाणियव्वाइं न समायरियव्वाइं, तंजहा-इङ्गालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे, भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दन्तवाणिज्जे, लक्(खा)वाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, जन्तपीलणकम्मे, निल्लञ्छणकम्मे, दवग्गिदावणया, सरदहतलावसोसणया, असईजणपोसणया ७। तयाणन्तरं च णं अणट्ठादण्डवेरमणस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-कन्दप्पे, कुक्कु[इ]ए, मोहरिए, संजुत्ताहिगरणे, उवभोगपरिभोगाइरित्ते ८। तयाणन्तरं च णं सामाइयस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-मणदुप्पणिहाणे, वयदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, सामाइयस्स सइअकरणया, सामाइयस्स अणवट्ठियस्स करणया ९। तयाणन्तरं च णं देसावगासियस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-आणवणप्पओगे, पेसवणप्पओगे, सद्दाणुवाए, रूवाणुवाए, बहिया पोग्गलपक्खेवे १०। तयाणन्तरं च णं पोसहोववासस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियसिज्जासथारे, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियसिज्जासथारे, अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियउच्चारपासवणभूमी, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियउच्चारपासवणभूमी, पोसहोववासस्स सम्मं अणणुपालणया ११। तयाणन्तरं च णं अहासंविभागस्स समणोवासएणं पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-सचित्तनिक्खेवणया, सचित्त(पे)पिहणया, कालाइक्कमे, प(रो)रववदेसे, मच्छरिया १२। तयाणन्तरं च णं अपच्छिममारणन्तियसलेहणाझूसणाराहणाए पञ्च अइयारा जाणियव्वा न समायरियव्वा, तंजहा-इहलोगासंसप्पओगे, परलोगासंसप्पओगे, जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामभोगा-

समदुमा इ वा मक्खिमा इ वा बहुउज्जा इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव नो भासेज्जा ॥ ७९६ ॥ से भिक्खू वा (२) बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ एवं वएज्जा तंजहा–रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९७ ॥ से भिक्खू वा (२) जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा तहावि एयाइं नो एवं वएज्जा तंजहा–सुसद्दे इ वा दुसद्दे इ वा एयप्पगारं सावज्जं जाव नो भासेज्जा, तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा–सुसद्दं सुसद्दे त्ति वा दुसद्दं दुसद्दे त्ति वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९८ ॥ एवं रूवाइं कण्हे त्ति वा ५ गंधाइं सुब्भिगंधे त्ति वा २ रसाइं तित्ताणि वा ५ फासाइं कक्खडाणि वा ८ ॥ ७९९ ॥ से भिक्खू वा (२) वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च अणुवीइ निट्ठाभासी निसम्मभासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ॥ ८०० ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८०१ ॥ भासज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥ चउत्थं भासज्झयणं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा वत्थं एसित्तए, से जं पुण वत्थं जाणिज्जा तंजहा–जंगियं-भंगियं-साणयं-पोत्तयं-खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं ॥ ८०२ ॥ जे निग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा नो बिइयं जा निग्गंथी सा चत्तारि संघाडीओ धारेज्जा एगं दुहत्थवित्थारं, दो तिहत्थवित्थाराओ एगं चउहत्थवित्थारं, एएहिं वत्थेहिं अविज्जमाणेहिं अह पच्छा एगमेगं संसीवेज्जा ॥ ८०३ ॥ से भिक्खू वा (२) परं अद्धजोयणमेराए वत्थपडियाए नो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ८०४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८०५ ॥ एवं बहवे साहम्मिया एगं साहम्मिणिं बहवे साहम्मिणीओ बहवे समणमाहणा तहेव पुरिसंतरकडं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८०६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण वत्थं जाणिज्जा असंजए भिक्खुपडियाए कीयं वा धोयं रत्तं वा घट्ठं वा मट्ठं वा संमट्ठं वा संपधूमियं वा तहप्पगारं वत्थं अपुरिसंतरकडं जाव नो पडिगाहेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव पडिगाहेज्जा ॥ ८०७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण वत्थाइं जाणिज्जा विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं तंजहा–आजिणगाणि वा सहिणाणि वा सहिणकल्लाणाणि वा आयाणि वा कायाणि वा खोमियाणि वा दुगुल्लाणि वा पट्टाणि वा मलयाणि वा पत्तुन्नाणि वा अंसुयाणि

पण्णत्ता । तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ बहिया जाव विहरइ । तए ण से आणन्दे समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तए ण सा सिवनन्दा भारिया समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ ॥ ९ ॥ तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स उच्चावएहिं सीलव्वय-गुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणस्स चउ(चो)द्दस संवच्छराइं वइक्कन्ताइं, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अन्तरा वट्टमाणस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्ता वरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिन्तिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-'एवं खलु अहं वाणियगामे नयरे बहूणं राईसर जाव सयस्सवि य णं कुडुम्बस्स जाव आधारे, तं एएणं वि(व)क्खेवेणं अहं नो संचाएमि समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरित्तए, तं सेयं खलु ममं कल्लं जाव जलन्ते विउलं असणं० जहा पूरणो जाव जेट्ठपुत्तं कुडुम्बे ठवेत्ता तं मित्त जाव जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता कोल्लाए सन्निवेसे नायकुलंसि पोसहसालं पडिलेहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरित्तए' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता कल्लं विउल[०] तहेव जिमियभुत्तुत्तरागए तं मित्त जाव विउलेणं पुप्फ[०] ५ सक्कारेइ सम्माणेइ, सक्कारित्ता संमाणित्ता तस्सेव मित्त जाव पुरओ जेट्ठपुत्तं सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-'एवं खलु पुत्ता ! अहं वाणियगामे बहूणं राईसर[०] जहा चिन्तियं जाव विहरित्तए, तं सेयं खलु मम इदाणिं तुमं सयस्स कुडुम्बस्स आलम्बणं ४ ठवेत्ता जाव विहरित्तए' । तए णं जेट्ठपुत्ते आणन्दस्स समणोवास(ग)-यस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ । तए णं से आणन्दे समणोवासए तस्सेव मित्त जाव पुरओ जेट्ठपुत्तं कुडुम्बे ठवेइ, ठवेत्ता एवं वयासी-'मा णं देवाणु-प्पिया ! तुब्भे अज्जप्पभिइ केइ मम बहूसु कज्जेसु जाव आपुच्छउ वा पडिपुच्छउ वा, मम अट्ठाए असणं वा ४ उवक्खडेउ [वा] उवकरेउ वा । तए णं से आणन्दे समणोवासए जेट्ठपुत्तं मित्तनाइं आपुच्छइ, आपुच्छित्ता सयाओ गिहाओ पडिणि-क्खमइ, पडिनिक्खमित्ता वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्ग-च्छित्ता जेणेव कोल्लाए सन्निवेसे जेणेव नायकुले जेणेव पोसहसाला तेणेव उवा-गच्छइ, उवागच्छित्ता पोसहसालं पमज्जइ, पमज्जित्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता दब्भसंथारयं संथरइ, दब्भसंथारयं दुरूहइ, दुरूहित्ता पोसहसालाए पोसहिए दब्भसंथारोवगए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ ॥ १० ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए उवासगपडि-

मासं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। पढमं उवासगपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोहेइ तीरेइ कित्तेइ आराहेइ। तए णं से आणन्दे समणोवासए दोच्चं उवासगपडिमं एवं तच्चं चउत्थं पंचमं छट्ठं सत्तमं अट्ठमं नवमं दसमं एक्कारसमं जाव आराहेइ ॥ ११ ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए इमेणं एयारूवेणं उरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं तवोकम्मेणं सुक्के जाव किसे धमणिसन्तए जाए। तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्ता जाव धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयं अज्झत्थिए ५ एवं खलु अहं इमेणं जाव धमणिसन्तए जाए, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धाधिइसंवेगे तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे सद्धाधिइसंवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता मे सेयं कल्लं जाव जलन्ते अपच्छिममारणन्तियसंलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए। एवं संपेहेइ, संपेहित्ता कल्लं पाउ जाव अपच्छिममारणन्तिय जाव कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं तस्स आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्नया कयाइ सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ओहिनाणे समुप्पन्ने। पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पंचजोयणसय(सा)इं खेत्तं जाणइ पासइ, एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेण य, उत्तरेणं जाव चुल्लहिमवन्तं वासहरपव्वयं जाणइ पासइ, उड्ढं जाव सोहम्मं कप्पं जाणइ पासइ, अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं नरयं चउरासीइवाससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ १२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसरिए, परिसा निग्गया जाव पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अन्तेवासी इन्दभूई नामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहनारायसंघयणे कणगपुलगनिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे घोरतवे महातवे उराले घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबम्भचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेयलेस्से छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ, बिइयाए पोरिसीए झाणं झियाइ, तइयाए पोरिसीए अतुरियं अचवलं असंभन्ते मुहपत्तिं पडिलेहेइ, २ त्ता भायणवत्थाइं पडिलेहेइ, २ त्ता भायणवत्थाइं पमज्जइ, २ त्ता भायणाइं उग्गाहेइ, उग्गाहित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता

एवं वयासी–'इच्छामि णं भन्ते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए छट्ठक्खमण(स्स)पारणगंसि वाणियगामे नयरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमु(द्दा)दाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए'। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबन्धं करेह । तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियाओ दूइपलासाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता अतुरियमचवलमसम्भन्ते जुगन्तरपरिलोयणाए दिट्ठीए पुरओ ई(इ)रियं सोहेमाणे जेणेव वाणियगामे नयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता वाणियगामे नयरे उच्चनीयमज्झिमाइ कुलाई घरसमु दाणस्स भिक्खायरियाए अडइ। तए णं से भगव गोयमे वाणियगामे नयरे जहा पण्णत्तीए तहा जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं भत्तपाण सम्मं पडिग्गाहेइ, पडिग्गाहित्ता वाणियगामाओ पडिणिग्गच्छइ पडिणिग्गच्छित्ता कोल्लायस्स सन्निवेसस्स अदूरसामन्तेणं व(वी)ईवयमाणे बहुजणसद्द निसामेइ । बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४–'एव खलु देवाणुप्पिया ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तेवासी आणन्दे नाम समणोवासए पोसहसालाए अपच्छिम जाव अणवकखमाणे विहरइ'। तए णं तस्स गोयमस्स बहुजणस्स अन्तिए ए(य)यमट्ठ सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४–'तं गच्छामि णं आणन्दं समणोवासयं पासामि' एव सम्पेहेइ, सपेहित्ता जेणेव कोल्लाए सन्निवेसे जेणेव आणन्दे समणोवासए जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ । तए णं से आणन्दे समणोवासए भगवं गोयमं एज्जमाण पासइ, पासित्ता हट्ठ[तुट्ठ] जाव हियए भ(ग)गव गोयम वन्दइ नमंसइ, वदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–'एव खलु भन्ते ! अह इमेणं उरालेणं जाव धमणिसन्तए जाए, (नो) न संचाएमि देवाणुप्पियस्स अन्तियं पाउब्भवित्ता णं तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाए अभिवन्दित्तए, तुब्भे णं भन्ते ! इच्छाकारेणं अणभिओएण इओ चेव एह, जा णं देवाणुप्पियाणं तिक्खुत्तो मुद्धाणेण पाएसु वन्दामि नमंसामि' । तए णं से भगवं गोयमे जेणेव आणन्दे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ ॥ १३ ॥ तए ण से आणन्दे समणोवासए भगवओ गोयमस्स तिक्खुत्तो मुद्धाणेण पाएसु वन्दइ नमसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एव वयासी–'अत्थि ण भन्ते ! गिहिणो गि(हि)हमज्झावसन्तस्स ओहिनाणे (ण) समुप्पज्जइ?' हन्ता अत्थि । जइ णं भन्ते ! गिहिणो जाव समुप्पज्जइ, एवं खलु भन्ते ! ममवि गिहिणो गिहिमज्झावसन्तस्स ओहिनाणे समुप्पन्ने–पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पञ्च जोयणसयाइ जाव लोलुयच्चुयं नरयं जाणामि पासामि । तए णं से भगव गोयमे आणन्द समणोवासय एव वयासी–'अत्थि ण आणन्दा ! गिहिणो जाव समुप्पज्जइ, नो चेव णं एमहालए, तं ण तुमं आणन्दा ! एयस्स ठाणस्स

आलोएहि जाव तवोकम्मं पडिवज्जाहि"। तए णं से आणन्दे समणोवासए भगवं गोयमं एवं वयासी—"अत्थि णं भन्ते! जिणवयणे सन्ताणं तच्चाणं तहियाणं सब्भूयाणं भावाणं आलोइज्जइ जाव पडिवज्जिज्जइ?" "नो इणट्ठे समट्ठे।" "जइ णं भन्ते! जिणवयणे सन्ताणं जाव भावाणं नो आलोइज्जइ जाव तवोकम्मं नो पडिवज्जिज्जइ तं णं भन्ते! तुब्भे चेव एयस्स ठाणस्स आलोएह जाव पडिवज्जह"। तए णं से भगवं गोयमे आणन्देणं समणोवासएणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए विइगिच्छासमावन्ने आणन्दस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव दूइपलासे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामन्ते गमणागमणाए पडिक्कमइ, पडिक्कमित्ता एसणमणेसणं आलोएइ, आलोएत्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ, पडिदंसित्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी— एवं खलु भन्ते! अहं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए तं चेव सव्वं कहेइ जाव तए णं अहं संकिए ३ आणन्दस्स समणोवासगस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमामि पडिणिक्खमित्ता जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, तं णं भन्ते! किं आणन्देणं समणोवासएणं तस्स ठाणस्स आलोएयव्वं जाव पडिवज्जेयव्वं उदाहु मए?" "गोयमा!" इ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी "गोयमा! तुमं चेव णं तस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि, आणन्दं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेहि"। तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ, आणन्दं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से आणन्दे समणोवासए बहूहिं सीलव्वएहिं जाव अप्पाणं भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणित्ता एक्कारस य उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेणं अरुणे विमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं आणन्दस्स वि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। आणन्दे णं भन्ते! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणन्तरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ १५ ॥ निक्खेवो ॥ सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भन्ते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, दोच्चस्स णं भन्ते! अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चम्पा नामं नयरी होत्था। पुण्णभद्दे उज्जाणे। जियस(त्तु)त्तू राया। कामदेवे गाहाव(इ)ई। भद्दा भारिया। छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, छ(हि०)वुड्ढिपउत्ताओ, छ-पवित्थरपउत्ताओ। छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। (तेणं का० तेणं स० भगवं म०) समोस(ढे)रणं। जहा आणन्दो तहा निग्गओ, तहेव सावयधम्मं पडिव-ज्जइ। सा चेव वत्तव्वया जाव जेट्ठपुत्तं मित्तनाइं (आपुच्छइ) आपुच्छित्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जहा आणन्दो जाव समणस्स भग-वओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ॥ १६ ॥ तए णं तस्स कामदेवस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे मायी मिच्छ-द्दिट्ठी अन्तियं पाउब्भूए। तए णं से देवे एगं महं पिसायरूवं विउव्वइ। तस्स णं देवस्स पिसायरूवस्स इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते-सीसं से गोकिलञ्जसंठाण-संठियं, सालिभसेल्लसरिसा से केसा कविलतेएणं दिप्पमाणा, महल्लउट्टियाकभल्लसंठा-णसंठियं निडालं, मुगुंसपुंछं व तस्स भुमगाओ फुग्गफुग्गाओ विगय(बी)बीभ(त्थ)-च्छदंसणाओ, सीसघडिविणिग्गयाइं अच्छीणि विगयबीभच्छदंसणाइं, कण्णा जह सुप्पकत्तरं चेव विगयबीभच्छदंसणिज्जा, उरब्भपुडसन्निभा से नासा, झुसिरा जम-लचुल्लीसंठाणसंठिया दो[ऽ]वि तस्स नासापुडया, घोडयपुंछं व तस्स मंसूइं कविलक-विलाइं विगयबीभच्छदंसणाइं, उट्ठा उ(ट्ठ)ट्टस्स चेव लम्बा, फालसरिसा से दन्ता, जिब्भा ज(ह)हा सुप्पकत्तरं चेव विगयबीभच्छदंसणिज्जा, हलकु(डा)द्दालसंठिया से हणुया, गल्लकडिल्लं च तस्स खड्डं फुट्टं कविलं फरुसं महल्लं, मुइङ्गाकारोवमे से खन्धे, पुरवरकवाडोवमे से वच्छे, कोट्ठियासंठाणसंठिया दो वि तस्स बाहा, निसापाहाणसं-ठाणसंठिया दो वि तस्स अग्गहत्था, निसालोढसंठाणसंठियाओ हत्थेसु अंगुलीओ, सिप्पिपुडग(संठाण)संठिया से नक्खा, ण्(ह)हावियपसेवओ व्व उरंसि लम्बन्ति दो-ऽवि तस्स थणया, पोट्टं अयकोट्ठओ व्व वट्टं, पाणकलन्दसरिसा से नाही, सिक्कगसंठाणसंठि(या)ए से नेत्ते, किण्णपुड(सडवसण)संठाणसंठिया दो-ऽवि तस्स वसणा, जमलकोट्ठियासंठाणसंठिया दो ऽ वि तस्स ऊरू, अज्जुणगुट्ठं व तस्स जाणूइं कुडिलकुडिलाइं विगयबीभच्छदंसणाइं, जंघाओ क(क्ख)क्खडीओ लोमेहिं उवचि-याओ, अहरीसंठाणसंठिया दो-ऽ वि तस्स पाया, अहरीलोढसंठाणसंठियाओ पाएसु अंगुलीओ, सिप्पिपुड(सं०)संठिया से नक्खा, लडहमडहजाणुए विगयभग्गभुग्ग-

कुच्छिं अलम्बकुच्छिं पलम्बलम्बोदराधरकरं अब्भुग्गयमउलमल्लियाविमलधवलदन्तं कञ्चणकोसीपविट्ठदन्तं आणामियचावललियसंविल्लियग्गसोण्डं कु(म्मिव)म्मपडिपुण्ण-चलणं वीसइनक्खं अल्लीणपमाणजुत्तपुच्छं मत्तं मेहमिव गुलगुलेन्तं मणपवणजइणवेगं दिव्वं हत्थिरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवा-सए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! समणोवासया! तहेव भणइ जाव न भञ्जेसि, तो ते अज्ज अहं सोण्डाए गिण्हामि, गिण्हित्ता पोसहसालाओ नीणेमि, नीणित्ता उड्ढं वेहासं उव्वि-हामि, उव्विहित्ता तिक्खेहिं दन्तमुसलेहिं पडिच्छामि, पडिच्छित्ता अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो पाएसु लोलेमि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं हत्थिरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता दोच्चं-पि तच्चं-पि कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! तहेव जाव सो ऽ वि विहरइ। तए णं से देवे हत्थि-रूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता आसु(र)रुत्ते ४ कामदेवं समणोवासयं सोण्डाए गिण्(ह)हेइ, गिण्हित्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ, उव्वि-हित्ता तिक्खेहिं दन्तमुसलेहिं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो पाए-(पदे)सु लोलेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ ॥१९॥ तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं जाहे नो संचाएइ जाव सणियं सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता दिव्वं हत्थिरूवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं सप्परूवं विउव्वइ, (तं) उग्गविसं चण्डविसं घोरविसं (दिट्ठिविसं) महाकायं म(सि)सीमूसाकालगं नयणविसरोसपुण्णं अञ्जणपुञ्जनिगरप्पगासं रत्तच्छं लोहियलोयणं जमलजुयलचञ्चलजीहं धरणीयलवे-(णी)णिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्कसवियड(फु)फडाडोवकरणदच्छं लोहागरध-म्ममाणधमधमेन्तघोसं अणागलियतिव्वचण्डरोसं सप्परूवं वि(वे)उव्(वे)वइ, २ त्ता जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा! समणोवासया! जाव न भ(ञ्ज)-ञ्जेसि तो ते अ(ज्ज)ज्जेव अहं सरसरस्स कायं दु(रू)रुहामि, २ त्ता पच्छिमेणं भाएणं तिक्खुत्तो गीवं वेढेमि, वेढेत्ता तिक्खाहिं विसपरिगयाहिं दाढाहिं उरंसि चेव निकुट्टेमि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं सप्परूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ, सो-ऽ वि

दोच्चं-पि तच्चं-पि भणइ, कामदेवो-ऽवि जाव विहरइ। तए णं से देवे सप्परूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता आसुरुत्ते ४ कामदेवस्स समणोवास(य)स्स सरसरस्स कायं दुरुहइ, दुरुहित्ता पच्छिमभाएणं तिक्खुत्तो गीवं वेढे(इ)इ, वेढित्ता तिक्खाहिं विसपरिगयाहिं दाढाहिं उरंसि चेव निकुट्टेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ ॥ २८ ॥ तए णं से देवे सप्परूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता जाहे नो संचाएइ कामदेवं समणोवासयं निग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे सन्ते ३ सणियं सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिनिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता दिव्वं सप्परूवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं देवरूवं विउव्वइ, हारविराइयवच्छं जाव दस-दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं पासाईयं दरिसणिज्जं अभिरूवं पडिरूवं दिव्वं देवरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता कामदेवस्स समणोवासयस्स पोसहसालं अणुप्पविसइ, अणुप्पविसित्ता अन्तलिक्खपडिवन्ने सखिंखिणियाइं पंचवण्णाइं वत्थाइं पवरपरिहिए कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी—हं भो कामदेवा! समणोवासया! धन्ने सि णं तुमं देवाणुप्पिया! स(पु)ण्णे कयत्थे कयलक्खणे सुलद्धे णं तव देवाणुप्पिया! माणुस्सए जम्मजीवियफले जस्स णं तव निग्गन्थे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया। एवं खलु देवाणुप्पिया! सक्के देविन्दे देवराया जाव सक्कंसि सीहासणंसि चउरासीईए सामाणियसाहस्सीणं जाव अन्नेसिं च बहूणं देवाण य देवीण य मज्झगए एवमाइक्खइ ४—एवं खलु देवा( )! जम्बुद्दीवे दीवे भारहे वासे चम्पाए नयरीए कामदेवे समणोवासए पोसहसालाए पोसहि(य)बम्भ(चेरवासी)चारी जाव दब्भसं(थ)थारोवगए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्ति(य)यं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ, नो खलु से स(क्क)क्को केणइ देवेण वा दाणवेण वा जाव गन्धव्वेण वा निग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा। तए णं अहं सक्कस्स देविन्दस्स देवरण्णो एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ इह हव्वमागए, तं अहो णं देवाणुप्पिया! इड्ढी ६ लद्धा ३ तं दिट्ठा णं देवाणुप्पिया! इड्ढी जाव अभिसमन्नागया, तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमन्तु मज्झ देवाणुप्पिया! खन्तुम(र)रिहन्ति णं देवाणुप्पिया! नाइं भुज्जो करणयाए त्ति-कट्टु पायवडिए पंजलिउडे एयमट्ठं भुज्जो भुज्जो खामेइ, खामेत्ता जामेव दि(सिं)सं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए। तए णं से कामदेवे समणोवासए निरुवसग्गं (इ)ति कट्टु पडिमं पारेइ ॥ २९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ। तए णं से कामदेवे समणो-

वासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, त सेय खलु मम समणं भगव महावीर वन्दित्ता नमंसित्ता तओ पडिणियत्तस्स पोसहं पारित्तए'त्ति कट्टु एव सम्पेहेइ, सपेहित्ता सुद्धप्पावेसाइं वत्थाइ जाव मणुस्स-वग्गुरापरिक्खित्ते सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता चम्प नगरिं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे जहा सङ्खो जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगव महावीरे कामदेवस्स समणोवासयस्स तीसे य जाव धम्मकहा समत्ता ॥ २२ ॥ कामदेवा! इ समणे भगव महावीरे कामदेवं समणोवासय एव वयासी–से नूण कामदेवा! तुब्भ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अन्तिए पाउब्भूए, तए णं से देवे एग मह दिव्वं पिसायरूव विउव्वइ, विउ-व्वित्ता आसुरुत्ते ४ एगं मह नीलुप्पल–जाव असिं गहाय तुम एवं वयासी–हं भो कामदेवा! जाव जीवियाओ ववरोविज्जसि, तं तुम तेण देवेण एव वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरसि, एव वण्णगरहिया तिण्णि-वि उवसग्गा तहेव पडिउच्चारेयव्वा जाव देवो पडिगओ। से नूण कामदेवा! अट्ठे समट्ठे? हन्ता, अत्थि। 'अज्जो! इ समणे भगव महावीरे वहवे समणे निग्गन्थे य निग्गन्थीओ य आमन्तेत्ता एव वयासी–जइ ताव अज्जो! समणोवासगा गिहिणो गि(हि)हमज्झावसन्ता दिव्वमा-णु(स)सतिरिक्खजोणिए उवसग्गे सम्म सहन्ति जाव अहियासेन्ति, सक्का–पुणा(इ)ई अज्जो! समणेहिं निग्गन्थेहिं दुवालसङ्ग गणिपिडगं अहिज्जमाणेहिं दिव्वमाणुसति-रिक्खजोणिए सम्म सहित्तए जाव अहियासित्तए। तओ ते वहवे समणा निग्गन्था य निग्गन्थीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स त(हि)इत्ति एयमट्ठ विणएण पडिसु-णन्ति। तए ण से कामदेवे समणोवासए ह० जाव समण भगव महावीरं पसिणाइ पुच्छइ, अट्ठमादियइ, समण भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वन्दइ नमसइ, वंदित्ता नम-सित्ता जामेव दि-सिं पाउब्भूए तामेव दि-सिं पडिगए ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ चम्पाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवय-विहारं विहरइ ॥ २३ ॥ तए ण से कामदेवे समणोवासए पढमं उवासगपडिम उव-सम्पज्जित्ताण विहरइ, तए ण से कामदेवे समणोवासए बहूहिं [सीलवएहिं] जाव भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियाग पाउणित्ता एक्कारस उवासगपडिमाओ सम्म काएणं फासेत्ता मासियाए सलेहणाए अप्पाण झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्म-वडिंसयस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेण अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाण देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, (तत्थणं) काम-

वा, चीणसुयाणि वा, देसरागाणि वा, अमिलाणि वा, गज्जफलाणि वा, फालियाणि वा, कोयवाणि वा, कंबलगाणि वा, पावरणाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइ महद्धणमोल्लाइ लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८०८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइ पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणिज्जा, तजहा-उद्दाणि वा पेसाणि वा, पेसलाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईण-गाणि वा कणगाणि वा कणगकताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचित्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे सते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८०९ ॥ इच्चेइयाइं आयतणाइ उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा, चउहिं पडिमाहिं वत्थ एसित्तए ॥ ८१० ॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा, से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय २ वत्थ जाएज्जा, तंजहा-जगिय वा साणय वा पोत्तय वा खोमिय वा तूलकड वा तहप्पगारं वत्थ सय वा ण जाएज्जा परो वा ण देज्जा, फासुय एसणीयं लाभे सते पडिगाहिज्जा, **पढमा पडिमा** ॥ ८११ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) पेहाए २ जाएज्जा, तजहा-गाहावई वा जाव कम्मकरी वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णतरं वत्थं ? तहप्पगारं वत्थ सय वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, जाव फासुय एसणीय लाभे सते पडिगाहिज्जा ॥ **दोच्चा पडिमा,** ॥ ८१२ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण वत्थं जाणिज्जा तजहा-अतरिज्जग वा उत्तरिज्जग वा तहप्पगारं वत्थं सय वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा ॥ **तच्चा पडिमा** ॥ ८१३ ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) उज्झियधम्मिय वत्थ जाएज्जा, ज चऽण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा णावकखति, तहप्पगार उज्झियधम्मिय वत्थं सय वा ण जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा, **चउत्था पडिमा** ॥ ८१४ ॥ इच्चेयाण चउण्ह पडिमाण जहा पिंडेसणाए ॥ ८१५ ॥ सिया णं एयाए एसणाए एसमाणं परो वएज्जा आउसंतो समणा एज्जाहि तुम मासेण वा दसराएण वा पंचराएण वा सुए वा सुयतरे वा तो ते वय आउसो अण्णयरं वत्थ दाहामो ।" तहप्पगारं णिग्घोस सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे सगारे वयणे पडिसुणेत्तए अभिकखसि मे दाउ इयाणिमेव दलयाहि, से णेव वयंत परो वएज्जा आउसतो समणा अणुगच्छाहि तो ते वयं अण्णतरं वत्थं दाहामो से पुव्वामेव आलोएज्जा

(त-णं) अहं तेणं पुरिसेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि। तए णं से पुरिसे ममं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता ममं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी—हं भो चुलणीपिया समणोवासया! तहेव जाव गायं आयंचइ। तए णं अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि। एवं तहेव उच्चारेयव्वं सव्वं जाव कणीयसं जाव आयंचइ, अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि। तए णं से पुरिसे ममं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता ममं चउत्थं-पि एवं वयासी—हं भो चुलणीपिया समणोवासया! अपत्थियपत्थया जाव न भंजसि तो ते अज्ज जा इमा (तव) माया (भ) गुरु[ ] जाव ववरोविज्जसि। तए णं अहं तेणं पुरिसेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि। तए णं से पुरिसे दोच्चं-पि तच्चं-पि ममं एवं वयासी—हं भो चुलणीपिया समणोवासया! अज्ज जाव ववरोविज्जसि। तए णं तेणं पुरिसेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि ममं एवं वुत्तस्स समाणस्स इ(अय)मेयारूवे अज्झत्थिए ५-अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ, जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ तहेव जाव कणीयसं जाव आयंचइ, तु(ज्झे)म्हे-ऽवि य णं इच्छइ साओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उद्धाइए, से-ऽवि य आगासे उप्पइए, मए-ऽवि य खंभे आसाइए, महया महया सद्देणं कोलाहले कए ॥ १८ ॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी—नो खलु के(इ)वि पुरिसे तव जाव कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेइ, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएइ, एस(ण) णं केइ पुरिसे तव उवसग्गं करेइ, एस णं तुमे विदरिसणे दिट्ठे, तं णं तुमं इ(या)णिं भग्गवए भग्गनियमे भग्गपोसह(ोववासे)ाए विहरसि, तं णं तुमं पुत्ता! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए अम्मगाए भद्दाए सत्थवाहीए तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ ॥ १९ ॥ तए णं से चुलणीपिया समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ, पढमं उवासगपडिमं अहासुत्तं जहा आणंदो जाव ए(इ)क्कारस-ऽवि। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं उरालेणं जहा कामदेवो जाव सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरच्छिमेणं अरुणप्पभे विमाणे देवत्ताए उववन्(नो)ने। चत्तारि पलिओवमाइं ठिई (जाव) पण्णत्ता। महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ५ ॥ २ ॥ ॥ निक्खेवो (तहेव) ॥ सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं तइयं अज्झयणं समत्तं ॥

उक्खेवओ चउत्थस्स अज्झयणस्स। एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी। कोट्ठए उज्जाणे। जियसत्तू राया। सुरादेवे गाहावई,

पिय समणोवासयं एव वयासी–ह भो चुलणीपिया! समणोवासया! अपत्थिय-प(त्थि)त्थया [!] जाव न भजसि तो ते अहं अज्ज मज्झिमं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, जहा जेट्ठं पुत्तं तहेव भणइ, तहेव करेइ। एवं तच्चं पि कणीयस जाव अहियासेइ ॥ २७ ॥ तए ण से देवे चुलणीपिय समणोवासय अभीय जाव पासइ, पासित्ता चउत्थं-पि चुलणीपिय समणोवासयं एव वयासी–"ह भो चुलणीपिया! समणोवासया! अपत्थियपत्थ० ४ जइ ण तुम जाव न भजसि तओ अह अज्ज जा इमा तव माया भद्दा सत्थवा(हिणी)ही देवय-गुरुजणणी दुक्करदुक्करकारिया त ते साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता तओ मससोल्लए करेमि, करेत्ता आदाणभरियसि कडाहयसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गाय मसेण य सोणिएण य आयश्चामि जहा ण तुमं अट्टदुहट्टव सट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि"। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं देवेण एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासय अभीय जाव विहरमाण पासइ, पासित्ता चुलणीपियं समणोवासय दोच्चं पि तच्च-पि एव वयासी–हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! तहेव जाव ववरोविज्जसि। तए ण तस्स चुलणीपियस्स समणोवासयस्स तेणं देवेण दोच्च-पि तच्च-पि एव वुत्तस्स समाणस्स इमेयारुवे अज्झत्थिए ५–अहो ण इमे पुरिसे अणा-रिए (अणारियवुद्धी) अणारि(याइं पावाइ)यकम्माइं समायरइ, जेण म(म)मं जेट्ठ पुत्तं साओ गिहाओ नीणेइ, नीणेत्ता मम अग्गओ घाएइ, घाएत्ता जहा कय तहा चिन्तेइ जाव गाय आयश्चइ, जेण म-मं मज्झिम पुत्त साओ गिहाओ जाव सोणिएण य आयश्चइ, जेण ममं कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ तहेव जाव आयश्चइ, जा-ऽ-वि य ण इमा मम माया भद्दा सत्थवाही देवयगुरुजणणी दुक्करदुक्करकारिया तं-पि य ण इच्छइ सा(सया)ओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ घा(इ)एत्तए, त सेयं खलु मम एयं पुरिस गिण्हित्तए त्तिकट्टु उ(ट्ठा)द्धाइए, से-ऽ वि य आगासे उप्प-इए, तेण च खम्भे आसाइए, महया महया सद्देण कोलाहले कए, तए ण सा भद्दा सत्थवा-ही तं कोलाहलसद्द सोच्चा निसम्म जेणेव चुलणीपिया समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता चुलणीपिय समणोवासयं एवं वयासी–किण्णं पुत्ता! तुम महया महया सद्देणं कोलाहले कए? तए ण से चुलणीपिया समणोवासए अम्मय भद्दं सत्थवाहिं एव वयासी–एव खलु अम्मो! न जा(या)णामि, केवि पुरिसे आसु-रुत्ते ५ एग मह नीलुप्पल–जाव असिं गहाय ममं एव वयासी–ह भो चुलणी-पि० समणोवासया! अपत्थियपत्थया ४ वज्जिया जइ ण तुमं जाव ववरोविज्जसि।

अट्ठे (जाव अपरिभूए)। छ हिरण्णकोडीओ जाव छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। धन्ना भारिया। सामी समोसढे। जहा आणन्दो तहेव पडिवज्जइ गिहिधम्मं। जहा कामदेवो जाव समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ ॥ ३१ ॥ तए णं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। से देवे एगं महं नीलुप्पल जाव असिं गहाय सुरादेवं समणोवासयं एवं वयासी-हं भो सुरादे० समणोवासया! अपत्थियपत्थया ४ जइ णं तुमं सी(लव्वया)लाइं जाव न भञ्जसि तो ते जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता पञ्च (मंस)सोल्लए करेमि, (क त्ता) आ(या)-दाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आ(-ञ्च)-यामि, जहा णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। एवं मज्झि(म)मयं, कणीयसं, एक्केक्के पञ्च सोल्लया, तहेव करेइ, जहा चुलणीपियस्स, नवरं एक्केक्के पञ्च सोल्लया। तए णं से देवे सुरादेवं समणोवासयं चउत्थं-पि एवं वयासी-हं भो सुरा-देवा! समणोवासया! अपत्थियपत्थया ४ जाव न परिच्चय(भंज)सि (त)नो (अहं) ते अज्ज (तव) सरीरंसि जमगसमगमेव सोलस रोगायङ्के पक्खिव(वे)ामि, तं-जहा-सासे, कासे जाव को(ढए)ढे, जन्हा णं तुमं अट्टदुहट्ट[०] जाव ववरोविज्जसि। तए णं से सुरादेवे समणोवासए जाव विहरइ। एवं देवो दोच्चं-पि तच्चं-पि भणइ जाव ववरोविज्जसि ॥ ३२ ॥ तए णं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चं पि तच्च-पि एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ (समु०)-अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ, जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं जाव कणीयसं जाव आयञ्चइ, जे-ऽ-वि य इमे सोलस रोगायङ्का ते-ऽ-वि य इच्छइ मम सरीरगंसि पक्खिवित्तए, तं सेयं खलु मम एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उद्धाइए। से-ऽ वि य आगासे उप्पइए, तेण य खम्भे आसाइए, महया महया सद्देणं कोलाहले कए ॥ ३३ ॥ तए णं सा धन्ना भारिया कोलाह(लसद्द)ल सोच्चा निसम्म जेणेव सुरादेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता एवं वयासी-किण्णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं महया महया सद्दे(ण)णं कोलाहले कए? तए णं से सुरादेवे समणोवासए धन्नं भारियं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए! के(इ)-ऽ वि पुरिसे तहेव कहेइ जहा चुलणीपिया। धन्ना-ऽ-वि पडि-भणइ-जाव कणीयसं, नो खलु देवाणुप्पिया! तुब्भं के-ऽ-वि पुरिसे सरीरंसि जमग-समगं सोलस रोगायङ्के पक्खिवइ, एस णं के-वि पुरिसे तुब्भं उवसग्गं करेइ, सेसं जहा चुलणीपियस्स तहा भणइ। एवं सेसं जहा चुलणीपियस्स निरवसेसं जाव सोहम्(म)मे कप्पे अरुणकन्ते विमाणे उववन्ने। चत्तारि पलिओवमाइं ठिई, महा-

भारिया। छ हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, छ वु(वि)ड्ढिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउत्ताओ, छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। सामी समोसढे। जहा कामदेवो तहा सावयधम्मं पडिवज्जइ। (से) स(व्वे)चेव वत्तव्वया जाव पडिलाभेमाणे विहरइ॥ ३८॥ तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए अन्नया कयाइ पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जेणेव पुढविसिलापट्टए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता नाममुद्दगं च उत्तरिज्जगं च पुढ(वी)विसिलापट्टए ठवेइ, ठवेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ॥ ३९॥ तए णं तस्स कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे नाममु(द्द)द्दं च उत्तरि(य)ज्जं च पुढविसिलापट्टयाओ गे(गि)ण्हइ, २ त्ता सखिंखिणि[०] अन्तलिक्खपडिवन्ने कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी—हं भो कुण्डकोलि०समणोवासया! सुन्दरी णं देवाणुप्पिया! गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती, नत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वी(वि)रिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा, नियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती, अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा, अणियया सव्वभावा॥ ४०॥ तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी—जइ णं देवा—! सुन्दरी गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती—नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव नियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती—अत्थि उट्ठाणे इ वा जाव अणियया सव्वभावा, तुमे णं देवा—! इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे किणा लद्धे, किणा पत्ते, किणा अभिसमन्नागए, किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेणं, उदाहु अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं? तए णं से देवे कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! मए इमेयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया। तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी—जइ णं देवा—! तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, जेसिं णं जीवाणं नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा, ते किं न देवा? अह णं देवा—! तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ उट्ठाणेणं जाव परक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, तो जं वदसि—सुन्दरी णं गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती, नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव नियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती—अत्थि उट्ठाणे इ वा जाव अणियया सव्वभावा, तं ते मिच्छा। तए णं से देवे कुण्ड-

जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वन्दइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासइ ॥ ४७ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीवियोवासगस्स तीसे य महइ जाव धम्मकहा समत्ता। 'सद्दालपुत्ता' इ समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीवियोवासयं एवं वयासी- से नूणं सद्दालपुत्ता! कल्लं तुमं पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जाव विहरसि। तए णं तुब्भं एगे देवे [अन्तियं] पाउब्भवित्था। तए णं से देवे अन्तलिक्खपडिवन्ने एवं वयासी-हं भो सद्दालपुत्ता! तं चेव सव्वं जाव पज्जुवासिस्सामि'। से नूणं सद्दालपुत्ता! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। (तं) नो खलु सद्दालपुत्ता! तेणं देवेणं गोसालं मंखलिपुत्तं पणिहाय एवं वुत्ते। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीवियोवासगस्स समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४-'एस णं समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव तच्चकम्मसंपया-संपउत्ते तं सेयं खलु ममं समणं भगवं महावीरं वन्दित्ता नमंसित्ता पाडिहारिएणं पीढफलग[ ]जाव उवनिमन्तित्तए' एवं संपेहेइ, संपेहित्ता उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-'एवं खलु भन्ते! ममं पोलासपुरस्स नयरस्स बहिया पंच कुम्भकारावणसया। तत्थ णं तुब्भे पाडिहारियं पीढ[ ]जाव संथारयं ओगिण्हित्ता-णं विहरह'। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीवियोवासगस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता सद्दालपुत्तस्स आजीवियोवासगस्स पंचकुम्भकारावणसएसु फासुएसणिज्जं पाडिहारियं पीढफलग-जाव संथारयं ओगिण्हि(त्ता)त्ता-णं विहरइ ॥ ४८ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीवियोवासए अन्नया कया(इ) वायाहययं कोलालभण्डं अन्तो सालाहिंतो बहिया नीणेइ, नीणेत्ता आयवंसि दलयइ। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीवियोवासयं एवं वयासी-'सद्दालपुत्ता! एस णं कोलालभण्डे कओ?' तए णं से सद्दालपुत्ते आजीवियोवासए समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-एस णं भन्ते! पुव्विं मट्टिया आसी, तओ पच्छा उदएणं निमिज्जइ २ त्ता छारेण य करिसेण य एगयओ मीसिज्जइ, २ त्ता चक्के आ(रो)रोहिज्जइ, त(तो)ओ बहवे करगा य जाव उट्टियाओ य कज्जंति। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीवियोवासयं एवं वयासी-'सद्दालपुत्ता! एस णं कोलालभण्डे किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्ज(न्ति)इ, उदाहु अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्जइ?' तए णं से सद्दालपु(त्ते)त्ते आजीवियोवासए समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-

आजीविओवासगस्स एक्का हिरण्णकोडी निहाणपउत्ता, एक्का वुड्ढिपउत्ता, एक्का पवित्थरपउत्ता, ए(गे)क्के वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवास(य)गस्स अग्गिमित्ता नामं भारिया होत्था। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स पोलासपुरस्स नगरस्स बहिया पञ्च कुम्भकारावणसया होत्था। तत्थ णं बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं बहवे करए य वारए य पिहडए य घडए य अद्धघडए य कलसए य अलिञ्जरए य जम्बूलए य उट्टियाओ य करेन्ति। अन्ने य से बहवे पुरिसा दिन्नभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं तेहिं बहूहिं करएहि य जाव उट्टिया(हिं)हि य रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति ॥ ४४ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए अन्नया कयाइ पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोसालस्स मङ्खलिपुत्तस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे अन्तलिक्खपडिवन्ने सखिंखिणियाइं जाव परिहिए सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी–एहिइ णं देवाणुप्पिया! कल्लं इ(ह)हं महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे तीयपडुप्पन्नमणागयजाणए अरहा जिणे केवली सव्वण्णू सव्वदरिसी तेलोक्कवहियमहियपूइए सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स अच्चणिज्जे वन्दणिज्जे (पूयणिज्जे) सक्कारणिज्जे समाणणिज्जे कल्लाणं मङ्गलं देवयं चेइयं जाव पज्जुवासणिज्जे त(चो)च्चकम्मसम्पयासम्पउत्ते, तं णं तुमं वन्देज्जाहि जाव पज्जुवासेज्जाहि, पाडिहारिएणं पीढफलगसिज्जासंथारएणं उवनिमन्तेज्जाहि, दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयइ वइत्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ॥ ४५ ॥ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तेणं देवेणं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पन्ने–'एवं खलु ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मङ्खलिपुत्ते, से णं महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव तच्चकम्मसम्पयासम्पउत्ते, से णं कल्लं इहं हव्वमागच्छिस्सइ। तए णं तं अहं वन्दिस्सामि जाव पज्जुवासिस्सामि, पाडिहारिएणं जाव उवनिमन्तिस्सामि' ॥ ४६ ॥ तए णं कल्लं जाव जलन्ते समणे भगवं महावीरे जाव समोस(ढे)रिए। परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ। तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं, वन्दामि जाव पज्जुवासामि' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे मणुस्सवग्गुरापरिगए साओ गिहाओ पडिणि(ग्गच्छ)क्खमइ, २त्ता पोलासपुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता

'भन्ते ! अणुट्ठाणेण जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं(क्जति), नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा, नियया सव्वभावा' ॥ ४९ ॥ तए ण समणे भगव महावीरे सद्दाल-पुत्त आजीविओवासय एवं वयासी–'सद्दालपुत्ता ! जइ ण तुब्भं केइ पुरिसे वायाहयं वा पक्केल्लय वा कोलालभण्ड अवहरे(ज)ज्जा वा वि(क्खरि-)क्खिरेज्जा वा भिन्दे-ज्जा वा अच्छिदे-ज्जा वा परि(ठ)ट्ठवे ज्जा वा, अग्गिमित्ताए वा भारियाए सद्धिं विउ(उरा)लाइ भोगभोगाइ भुञ्जमाणे विहरे(-चा)ज्जा, तस्स ण तुम पुरिसस्स किं दण्ड [नि]वत्तेज्जासि ?' भन्ते ! अह णं त पुरिसं आओसे-ज्जा वा हणे ज्जा वा वं(वधि)धेज्जा वा महे-ज्जा वा तज्जे-ज्जा वा ताले-ज्जा वा निच्छोडे-ज्जा वा निब्(भ)भच्छे-ज्जा वा अकाले चेव जीवि-याओ ववरो(वि)वे(-वा)ज्जा। सद्दालपुत्ता ! नो खलु तुब्(भ)भ केइ पुरिसे वा(त)याहयं वा पक्केल्लय वा कोलालभण्डं अवह(रे)रइ वा जाव परिट्ठवेइ वा, अग्गिमित्ताए वा भारियाए सद्धिं विउलाई भोगभोगाइ भुञ्जमाणे विहरइ, नो वा तुम त पुरिस आओसेज्जसि वा ह(णे)णिज्जसि वा जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरो-वेज्जसि, जइ(ण)नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा नि(ति)यया सव्वभावा। अ(ह)ह ण तुब्भं के(ई)इ पुरिसे वायाहय जाव परिट्ठवेइ वा, अग्गिमित्ताए वा जाव विहरइ, तुम वा त पुरिस आओसेसि वा जाव ववरो(-ज)वेसि, तो ज वदसि नत्थि उट्ठाणे इ वा जाव नियया सव्वभावा तं ते मिच्छा । एत्थ णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए सम्बुद्धे ॥ ५० ॥ तए ण से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समण भगवं महावीरं वन्दइ नमंसइ, वन्दित्ता नमंसित्ता एव वयासी–'इच्छामि ण भन्ते ! तुब्भ अन्ति(य)ए धम्म निसा-मेत्तए' । तए णं समणे भगव महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तीसे य जाव धम्म परिकहेइ। तए ण से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणस्स भग-वओ महावीरस्स अन्तिए धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए जहा आणदो तहा गिहिधम्मं पडिवज्जइ । नवरं एगा हिरण्णकोडी निहाणपउत्ता, एगा हिरण्ण-कोडी वुड्ढिपउत्ता, एगा हिरण्णकोडी पवित्थरपउत्ता, ए(ग)गे वए दसगोसाहस्सिएणं वएण, जाव समण भगव महावीरं वन्दइ नमसइ, वन्दित्ता नमसित्ता जेणेव पोलासपुरे नयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पोलासपुर नयरं मज्झमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव अग्गिमित्ता भारिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अग्गिमित्तं भारिय एव वयासी–'एव खलु देवाणुप्पिए ! समणे भगव महावीरे जाव समोस-ढे, त गच्छाहि णं तुमं समणं भगवं महावीरं, वन्(द)दाहि जाव पज्जु-वा(स)साहि, समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए पञ्चाणुव्वइय सत्तसिक्खावइयं दुवालसविह गिहिधम्म पडिव ज्जाहि' ॥ ५१ ॥ तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया

आउसो ति वा भइणि ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संथारगवत्थे पडिग्गा-
हेत्तए, अभिकंखसि मे दाउं इयाणिमेव दलयाहि।" से सेवं वदंतं परो णेता
वएज्जा "आउसो ति वा भइणि ति वा आहरेयं वत्थं समणस्स दाहामो अवियाइं
वयं पच्छावि अप्पणो सयट्ठाए पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स
जाव चेइस्सामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं वत्थं अफासुयं
जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१६ ॥ सिया णं परो णेता वएज्जा "आउसो ति वा
भइणि ति वा आहरेयं वत्थं सिणाणेण वा ४ जाव आघंसित्ता वा पघंसित्ता वा
समणस्स णं दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलो-
एज्जा आउसो ति वा भइणि ति वा मा एयं तुमं वत्थं सिणाणेण वा जाव पघंसाहि
वा अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वदंतस्स परो सिणाणेण वा जाव
पघंसित्ता दलएज्जा तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१७ ॥ से
णं परो णेता वएज्जा "आउसो ति वा भइणि ति वा आहर एयं वत्थं सीओदग-
वियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेत्ता वा पधोवेत्ता वा समणस्स दाहामो
एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो ति वा भइणि
ति वा मा एयं तुमं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेहि
वा पधोवेहि वा अभिकंखसि सेसं तहेव जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८१८ ॥ से णं
परो णेता वएज्जा "आउसो ति वा भइणि ति वा आहरेयं वत्थं कंदाणि वा जाव
हरियाणि वा विसोहित्ता समणस्स दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म
जाव "भइणि ति वा मा एयाणि तुमं कंदाणि वा जाव विसोहेहि णो खलु मे
कप्पइ एयप्पगारे वत्थे पडिग्गाहित्तए" से सेवं वदंतस्स परो कंदाणि वा जाव
विसोहित्ता दलएज्जा तहप्पगारं वत्थं अफासुयं णो पडिगाहेज्जा ॥ १९ ॥ सिया
से परो णेता वत्थं णिसिरिज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो ति वा भइणि ति
वा तुमं चेवणं संतियं वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिस्सामि" केवली बूया आयाणमेयं
वत्थंतेण बद्धे सिया कुंडले वा गुणे वा हिरण्णे वा सुवण्णे वा मणी वा जाव
रयणावली वा पाणे वा बीए वा हरिए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं
पुव्वामेव वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८२ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज्जं
पुण वत्थं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडि-
गाहेज्जा ॥ २१ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज्जं पुण वत्थं जाणिज्जा अप्पंडं जाव
अप्पसंताणगं अणलं अथिरं अधुवं अधारणिज्जं रोइज्जंतं ण रुच्चइ तहप्पगारं वत्थं
अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज्जं पुण वत्थं

(चइ)त्ता समणाणं निग्गन्थाणं दिट्ठिं पडिवन्ने, तं गच्छामि णं सद्दालपुत्तं आजीविओ-वासयं समणाणं निग्गन्थाणं दिट्ठिं वामेत्ता पुणरवि आजीवियदिट्ठिं गेण्हावित्तए' त्ति-कट्टु एवं सम्पेहेइ, सपेहित्ता आजीवियसङ्घसम्परिवुडे जेणेव पोलासपुरे नयरे जेणेव आजीवियसभा तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता आजीवियसभाए भण्ड-(ग)निक्खेवं करेइ, करेत्ता कइवएहिं आजीविएहिं सद्धिं जेणेव सद्दालपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मङ्खलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता नो आढाइ, नो परिजा(णा)णइ, अणाढा[य]माणे अपरिजाण-माणे तुसिणीए संचिट्ठइ ॥ ५५ ॥ तए णं से गोसाले मङ्खलिपुत्ते सद्दालपुत्तेण समणो-वासएण अणाढाइज्जमाणे अपरिजाणिज्जमाणे पीढफलगसिज्जासंथारट्ठयाए समणस्स भगवओ महावीरस्स गुणकित्तणं करे(ति)माणे सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी-'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महामाहणे?' तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मङ्खलिपुत्तं एवं वयासी-'के णं देवाणुप्पिया! महामाहणे?' तए णं से गोसाले मङ्खलि-पुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी-'समणे भगवं महावीरे महामाहणे' 'से केणट्ठेण देवाणुप्पिया! एवं वु(उ)च्चइ-समणे भगवं महावीरे महामाहणे?' 'एवं खलु सद्दालपुत्ता! समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पन्नणाणदंसणधरे जाव महिय-पूइए जाव तच्चकम्मसम्पयासंपउत्ते, से तेणट्ठेण देवाणुप्पिया! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महामाहणे' 'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महागोवे?' 'के णं देवाणुप्पिया! महागोवे?' 'समणे भगवं महावीरे महागोवे' 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया! जाव महागोवे?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे न(त)स्समाणे विणस्समाणे खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्प-माणे धम्ममएणं दण्डेणं सा(स)रक्खमाणे संगोवेमाणे निव्वाणमहावा(डे)ईं साहत्थिं सम्पावेइ, से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महागोवे' 'आगए णं देवाणुप्पिया! इहं महासत्थवाहे?' 'के णं देवाणुप्पिया! महासत्थवाहे?' सद्दालपुत्ता! समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे' 'से केणट्ठेण (देवाणु० महासत्थ-वाहे)?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे नस्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे (उम्मग्गपडिवण्णे) धम्ममएणं पन्थेणं सारक्खमाणे निव्वाणमहापट्ट(णंसि)णाभिमुहे साहत्थिं सम्पावेइ, से तेणट्ठेणं सद्दा-लपुत्ता! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे' 'आगए णं देवाणु-प्पिया! इहं म(ह)हाधम्मकही?' 'के णं देवाणुप्पिया! महाधम्मकही?' 'समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही' 'से केणट्ठेणं समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही?' 'एवं

ण्हि त्ता-णं विहरइ । तए णं से गोसाले मङ्खलिपुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं जाहे नो सचाएइ बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि य विण्णवणाहि य (परूवणेहि य) निग्गन्थाओ पावयणाओ (स)चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे सन्ते तन्ते परितन्ते पोलासपुराओ नगराओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता वहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ५८ ॥ तए ण तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स बहूहिं सील-जाव भावेमाणस्स चोद्दस सवच्छरा व(वी)इक्कन्ता, पण्णरसमस्स सवच्छरस्स अन्तरा वट्टमाणस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले जाव पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-णं विहरइ । तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स (अतिए) पुव्वरत्तावरत्तका(लसमयंसि)ले एगे देवे अन्तियं पाउब्भवित्था । तए णं से देवे एगं महं नीलुप्पल-जाव असिं गहाय सद्दालपुत्तं समणोवासय एवं वयासी–जहा चुलणीपियस्स तहेव देवो उवसग्ग करेइ, नवरं एक्केक्के पुत्ते नव (२) मंससोल्लए करेइ जाव कणीयसं घाएइ, घाइत्ता जाव आयञ्चइ । तए ण से सद्दालपुत्ते समणोवासए अभीए जाव विहरइ । तए णं से देवे सद्दालपुत्तं समणोवासय अभीयं जाव पा(से)सित्ता चउत्थं-पि सद्दालपुत्त समणोवासय एवं वयासी–'हं भो सद्दालपुत्ता ! समणोवासया ! अपत्थियपत्थया जाव न भञ्जसि तओ ते जा इमा अग्गिमित्ता भारिया धम्मसहाइया धम्म(वि)विइज्जिया धम्माणुरागरत्ता समसुहदु(ह)क्खसहाइया तं ते साओ गिहाओ नीणेमि, नीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता नव मससोल्लए करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गाय मसेण य सोणिएण य आयञ्चामि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्ट[०] जाव ववरोविज्जसि' । तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए तेण देवेणं एव वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ । तए णं से देवे सद्दालपुत्त समणोवासय दोच्चं-पि तच्च-पि एवं वयासी–'हं भो सद्दालपुत्ता ! समणोवासया ! तं चेव भणइ । तए ण तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स तेण देवेण दोच्चं-पि तच्च पि एवं वुत्तस्स समाणस्स अयं अज्झत्थिए ४ समुप्प(ज्जित्था)न्ने । एवं जहा चुलणीपिया तहेव चिन्तेइ–'जेणं ममं जेट्ठं पुत्त, जेण ममं मज्झिम-मयं पुत्तं, जेणं मम कणीयस पुत्तं जाव आयञ्चइ, जा-ऽ-वि य ण मम इमा अग्गिमित्ता भारिया समसुहदु-क्खसहाइया तं-पि य इच्छइ साओ गिहाओ नीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, त सेयं खलु ममं एय पुरिस गिण्हित्तए' त्ति-कट्टु उद्धाइए जहा चुलणीपिया तहेव सव्वं भाणियव्वं, नवरं अग्गिमित्ता भारिया कोलाहल सु(णे)णित्ता भणइ, सेस जहा चुलणिपियावत्तव्वया, नवरं अरुणभूए विमाणे उव(वाओ)वन्ने, जाव महाविदे(ह)हे वासे सिज्झि-

हिर (५) ॥ ५९ ॥ निक्खे(वो)वओ ॥ सत्तमस्स अङ्गस्स उवासगदसाणं सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥

अट्ठमस्स उक्खेवओ । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे । गुणसि(ल)ए चेइए । सेणि(ए)ए राया । तत्थ णं रायगिहे महासयए नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे-जहा आणन्दो । नवरं अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ निहाणपउत्ताओ, अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ वु(-वु)ड्ढिपउत्ताओ अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ पवित्थरपउत्ताओ अट्ठ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । तस्स णं महासयगस्स रेव(इ)ईपामोक्खाओ तेरस भारियाओ होत्था अहीण[ ] जाव सुरूवाओ । तस्स णं महासयगस्स रेवईए भारियाए कोल(घ)घरियाओ अट्ठ हिरण्णकोडीओ अट्ठ-वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं होत्था । अवसेसाणं दुवालसण्हं भारियाणं कोल-घरिया एगमेगा हिरण्णकोडी एगमेगे य वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं होत्था ॥ ६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे । परिसा निग्गया । जहा आणन्दो तहा निग्गच्छइ, तहेव साव(ग)यधम्मं पडिवज्जइ । नवरं अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ उच्चारेइ, अट्ठ वया, रेवईपामोक्खाहिं तेर(से)सहिं भारियाहिं अवसेसं मेहुणविहिं पच्चक्खाइ, सेसं सव्वं तहेव । इमं च णं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कल्लाकल्लिं [च णं] कप्पइ मे बे(-दो)दोणियाए कंसपाईए हिरण्णभरियाए संववहरित्तए । तए णं से महासयए समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६१ ॥ तए णं तीसे रेवईए गाहावइणीए अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कु(डु)डुम्ब[ ] जाव इमेयारूवे अज्झत्थिए ४–'एवं खलु अहं इमासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं विघाएणं नो संचाएमि महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं उ(ओ)रालाइं माणुस्सयाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणी विहरित्तए, तं सेयं खलु मम-मं एयाओ दुवालस-वि सवत्तियाओ अग्गिप्पओगेणं वा सत्थप्पओगेणं वा विसप्पओगेणं वा जीवियाओ ववरोवित्ता एयासिं एगमेगं हिरण्णको(डी)डिं एगमेगं वयं सयमेव उवसंपज्जित्ता-णं महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं उरालाइं जाव विहरित्तए' एवं संपेहेइ, संपेहित्ता तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अन्तराणि य छिद्दाणि य वि(र)रहाणि य पडिजागरमाणी विहरइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्नया कयाइ तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अन्तरं जाणित्ता छ सवत्तीओ सत्थप्पओगेणं उद्दवेइ, उद्दवेत्ता छ सवत्तीओ विसप्पओगेणं उद्दवेइ, उद्दवेत्ता तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं कोलघरियं एगमेगं हिरण्णकोडिं एगमेगं वयं सयमेव पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता महासयएणं

समणोवासएण सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणी विहरइ । तए ण सा रेवई गाहावइणी मंसलोलुया मंसेसु मुच्छिया जाव अज्झोववन्ना बहुविहेहिं मंसेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य सुरं च महुं च मेरगं च मज्जं च सीधुं च पसन्नं च आसाएमाणी ४ विहरइ ॥ ६२ ॥ तए णं रायगिहे नयरे अन्नया कयाइ अमा(रि)घाए घुट्ठे यावि होत्या । तए ण सा रेवई गाहावइणी मंसलोलुया मंसेसु मुच्छिया ४ कोलघरिए पुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी-'तुब्भे (णं) देवाणुप्पिया ! म(म)म कोलघरिएहिंतो (गो)वएहिंतो कल्लाकल्लिं दुवे दुवे गोणपोयए उद्दवेह, उद्दवेत्ता मम्मं उवणेह । तए ण (ते) कोल-घरिया पुरिसा रेव-ईए गाहावइणीए 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसु(णे)णन्ति, पडिसुणेत्ता रेवईए गाहावइणीए कोलघरिएहिंतो वएहिंतो कल्लाकल्लिं दुवे दुवे गोणपोयए वहेन्ति,वहेत्ता (तं) रेवईए गाहावइणीए उवणेन्ति । तए ण सा रेवई गाहावइणी तेहिं गोणमसेहिं सोल्लेहि य ४ सुरं च ६ आसाएमाणी ४ विहरइ ॥ ६३ ॥ तए ण तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स बहूहिं सील-जाव भावेमाणस्स चो(चउ)द्दस संवच्छरा वइक्कन्ता । एवं तहेव जे(ट्ठ)ट्ठ पुत्त ठवेइ जाव पोसहसालाए धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ता-ण विहरइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी मत्ता लुलिया विइण्णकेसी उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मोहुम्मायजणणाइं सिङ्गारियाइं इत्थिभावाइं उवदंसेमाणी २ महासययं समणोवासयं एवं वयासी-'हं भो महासय(गा)या ! समणोवासया ! धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मकङ्खिया ४ धम्मपिवासिया ४ किण(कि)ण तुब्भं देवाणुप्पिया ! धम्मेण वा पुण्णेण वा सग्गेण वा मोक्खेण वा [?] जण्ण तुमं मए सद्धिं उरालाइं जाव भुञ्जमाणे नो विहरसि(?)' । तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए एयमट्ठं नो आढाइ, नो परियाणाइ, अणाढायमाणे अपरियाणमाणे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ । तए ण सा रेवई गाहावइणी महासययं समणोवासयं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वयासी-'हं भो ! (म० स०) तं चेव भणइ, सो-ऽ वि तहेव जाव अणाढायमाणे अपरियाणमाणे विहरइ । तए ण सा रेव-ई गाहावइणी महासयएण समणोवासएण अणाढाइज्जमाणी अपरियाणिज्जमाणी जामेव दि-सिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडिगया ॥ ६४ ॥ तए णं से महासयए समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ । पढमं अहासुत्तं जाव एक्कारस-ऽ-वि । तए ण से महासयए समणोवासए तेणं उरालेणं जाव किसे धमणिसन्तए जाए । तए ण तस्स महासययस्स समणोवासयस्स अन्नया कया(इ)ई

पुव्वरत्तावरत्तकाले धम्मजागरियं जागरमाणस्स (इमेयारूवे) अयं अज्झत्थिए ४-
'एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं जहा आणन्दो तहेव अपच्छिममारणन्तियसंलेहणा-
(झू)झूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालं अणवकङ्खमाणे विहरइ। तए णं
तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स सुभेणं अज्झवसाणेणं(परिणामे)णं जाव खओव-
समेणं ओहिनाणे समुप्पन्ने। पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे जोयण(सा)हस्सियं खेत्तं जा(णइ)
जाणइ पासइ, एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं जाव चुल्लहिमवन्तं वासहरपव्वयं
जाणइ पासइ, अहे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं नरयं चउ(रा)सी(इ)वा-
ससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ ५५ ॥ तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्नया कयाइं
मत्ता जाव उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणो-
वासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता महासययं तहेव भणइ, जाव दोच्चंपि
तच्चंपि एवं वयासी–'हं भो तहेव। तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए
गाहावइणीए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरत्ते ४ ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता
ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी–'हं भो रेव(ई)!
अपत्थियपत्थिए-!-४ एवं खलु तुमं अन्तो सत्तरत्तस्स अलसएणं वाहिणा अभि-
भूया समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा असमाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे इमीसे रयण-
प्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुए नरए चउरासी(इ)वाससहस्सट्ठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए
उववज्जिहिसि'। तए णं सा रेवई गाहावइणी महासयएणं समणोवासएणं एवं
वुत्ता समाणी (भीया) एवं वयासी–'रुट्ठे णं ममं महासयए समणोवासए, हीणे णं
ममं महासयए समणोवासए, अवज्झाया णं अहं महासयएणं समणोवासएणं न
नज्जइ णं अहं केणवि कुमारेणं मारिज्जिस्सामि'त्ति-कट्टु भीया तत्था तसिया उव्विग्गा
संजायभया सणियं २ पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ,
उवागच्छित्ता ओहय[ ] जाव झियाइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी अन्तो सत्तरत्तस्स
अलसएणं वाहिणा अभिभूया अट्टदुहट्टवसट्टा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्प-
भाए पुढवीए लोलुयच्चुए नरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए
उववन्ना ॥ ५६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे, समोसरणं,
जाव परिसा पडिगया। 'गोयमा'-!-इ समणे भगवं महावीरे एवं वयासी–'एवं
खलु गोयमा! इहेव रायगिहे नयरे ममं अन्तेवासी महासयए नामं समणोवासए
पोसहसालाए अपच्छिममारणन्तियसंलेहणाए झूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए
कालं अणवकङ्खमाणे विहरइ। तए णं तस्स महासयगस्स रेवई गाहावइणी मत्ता
जाव विक(ड्ढ)माणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए तेणेव उवागच्छइ, उवा-
गच्छित्ता मोहुम्माय[ ] जाव एवं वयासी–तहेव जाव दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी

तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए दोच्चं पि तच्चं पि एव वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ४ ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी—जाव 'उववज्जिहिसि'। नो खलु कप्पइ गोयमा ! समणोवासगस्स अपच्छिम[०]जाव झूसियसरीरस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स परो सन्तेहिं तच्चेहिं तहिएहिं सब्भूएहिं अणिट्ठेहिं अकन्तेहिं अप्पिएहिं अमणुण्णेहिं अमणामेहिं वागरणेहिं वागरित्तए, तं गच्छ(ह)ग देवाणुप्पिया ! तुमं महासययं समणोवासयं एवं वयाहि—नो खलु देवाणुप्पिया ! कप्पइ समणोवासगस्स अपच्छिम—जाव भत्तपाणपडियाइक्खियस्स परो सन्तेहिं जाव वागरित्तए। तुमे य णं देवाणुप्पिया ! रेवई गाहावइणी सन्तेहिं ४ अणिट्ठेहिं ५ वागरणेहिं वागरिया, तं णं तुमं एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव जहारिहं च पायच्छित्तं पडिवज्जाहि'। तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता रायगिहं न(ग)यरं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ, अणुपविसित्ता जेणेव महासयगस्स समणोवासयस्स गिहे जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ। तए णं से महासयए (समणोवासए) भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हृ(ट्ठे)ट्ठ जाव हियए भगवं गोयमं वन्दइ नमसइ। तए णं से भगवं गोयमे महासययं समणोवासयं एवं वयासी—'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ भासइ पण्णवेइ परूवेइ—नो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया ! समणोवासगस्स अपच्छिम जाव वागरित्तए, तुमे णं देवाणुप्पिया ! रेवई गाहावइणी सन्तेहिं जाव वागरि(या)आ, तं णं तुमं देवाणुप्पिया ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि'। तए णं से महासयए समणोवासए भग(वं)वओ गोयमस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव अहारिहं च पायच्छित्तं पडिवज्जइ। तए णं से भगवं गोयमे महासयगस्स समणोवासयस्स अन्तियाओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता रायगिहं नगरं मज्झमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमसइ, वदित्ता नमसित्ता सजमे(ण)णं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नयराओ पडिणिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६७ ॥ तए णं से महासयए समणोवासए बहूहिं सील जाव भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासयपरिया(ग)यं पाउणित्ता एक्कारस उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता मासियाए सलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कन्ते समाहिपत्ते कालमासे

कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणवडिंसए विमाणे देवत्ताए उववन्ने । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई । महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६८ ॥ निक्खेवो ॥ सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

नवमस्स उक्खेवो । एवं खलु जम्(बु)बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नयरी । कोट्ठ(य)ए चेइए । जियसत्तू राया । तत्थ णं सावत्थीए नयरीए नन्दिणीपिया नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे । चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वुड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । अस्सिणी भारिया । सामी समोसढे । जहा आणन्दो तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ । सामी बहिया (विहारं) विहरइ । तए णं से नन्दिणीपिया समणोवासए जाए जाव विहरइ । तए णं तस्स नन्दिणीपियस्स समणोवासयस्स बहूहिं सीलव्वयगुण[ ] जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छराइं वइक्कन्ताइं । तहेव जेट्ठं पुत्तं ठवेइ, धम्मपण्णत्तिं वीसं वासाइं परियागं नवरं अरुणगवे विमाणे उववाओ । महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६९ ॥ निक्खेवो ॥ सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं नवमं अज्झयणं समत्तं ॥

दसमस्स उक्खेवो । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नयरी । कोट्ठए चेइए । जियसत्तू राया । तत्थ णं सावत्थीए नयरीए सालिहीपिया नामं गाहावई परिवसइ । अड्ढे दित्ते । चत्तारि हिरण्णकोडीओ निहाणपउत्ताओ चत्तारि हिरण्णकोडीओ वुड्ढिपउत्ताओ चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ । चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । फग्गुणी भारिया । सामी समोसढे । जहा आणन्दो त(ह)ेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ, जहा कामदेवो तहा जेट्ठं पुत्तं ठवे(इ)त्ता पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ । नवरं निरुवसग्गाओ एक्कारस-वि उवासगपडिमाओ तहेव भाणियव्वाओ । एवं कामदेवगमेणं नेयव्वं जाव सोहम्मे कप्पे अरुणकीले विमाणे देवत्ताए उववन्ने । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ ७० ॥ ( )॥ सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दसमं अज्झयणं समत्तं ॥

दसण्ह-वि पन्नरसमे संवच्छरे वट्टमाणाणं चिन्ता । दसण्ह-वि वीसं वासाइं समणोवासयपरियाओ । एवं खलु जम्बू ! समणेणं जाव सम्पत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७१ ॥ उवासगदसाओ समत्ताओ । उवासगदसाणं सत्तमस्स अंगस्स एगो सुयक्खन्धो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जन्ति तओ सुयक्खन्धो समुद्दिसिज्जइ अणुण्णविज्जइ दोसु दिवसेसु, अंगं तहेव ॥

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

अंतगडदसाओ

[पढमो वग्गो]

तेणं कालेग तेण समएण चपा नाम न(ग)यरी (हो० व० तत्थ ण चं० न० उ० दि० ए०) पुण्णभद्दे (णा०) उज्जाणे (हो०) वण्णओ, (ती० च० न० को० ना० ए० हो० म० हि० व०) तेण कालेण तेण समएण अज्जसुहम्मे (थे० जाव पं० अ० स० सं० पु० च० गा० सु० वि० जे० च० न० जे० पु० उ० ते०) समोसरि(ते)ए परिसा निग्ग(ता)या जाव पडिग-या, तेण कालेण तेणं समएण अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्जजबू जाव पज्जुवास(माणे)इ, एव व(दासि)यासी-ज-(ति)इ णं भंते! समणेण (भ० म०) आ(इग)दिकरेण जाव सपत्तेणं सत्तमस्स अगस्स उवासगदसाण अयमट्ठे पण्णत्ते अट्ठमस्स ण भंते! अगस्स अतगडदसाण समणेणं जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते? एव खलु जबू! समणेणं जाव सपत्तेणं अट्ठमस्स अगस्स अतगडदसाण अट्ठ वग्गा पण्णत्ता, जइ ण भते! समणेण जाव सपत्तेणं अट्ठमस्स अगस्स अतगडदसाण अट्ठ वग्गा पण्णत्ता पढमस्स ण भते! वग्गस्स अतगडदसाण समणेण जाव सपत्तेण कइ अज्झयणा पण्णत्ता? एव खलु जंबू! समणेण जाव सपत्तेण अट्ठमस्स अगस्स अतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, त०-'गोयम-समुद्द-सागर-गभीरे चेव होइ थिमिए य। अयले कपिल्ले खलु अक्खोभ पसेण(ती)इ(वण्ही)विण्हू ॥ १ ॥' जइ ण भते! समणेणं जाव सपत्तेणं अट्ठमस्स अगस्स अतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता (त० गो० जाव वि०) पढमस्स ण भते! अज्झयणस्स अतगडदसाणं समणेण जाव सपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जबू! तेण कालेण तेण समएण बारवई-नाम नयरी होत्था, दुवालसजोयणायामा नवजो(अ)यणवित्थिण्णा धणवइम-इणिम्माया चामीकरपागारा नाणामणिपचवण्णकविसीसग(परि)मडिया सुरम्मा अल-कापुरिसंकासा पमुदियपक्कीलिया पच्चक्खं देवलोगभूया पासा(दी)दिया ४, तीसे णं

बारवईए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं रेवयए नामं पव्वए होत्था तत्थ णं रेवयए पव्वए नंदणवणे नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ सुरप्पिए नामं जक्खाययणे होत्था पोराणे असोगवरपायवे[०], तत्थ णं बारवई(इ)ए नयरीए कण्हे नामं वासुदेवे राया परिवसइ महया[ ] रायवण्णओ से णं तत्थ समुद्दविजयपा(मु)मोक्खाणं दसण्हं दसाराणं बलदेवपामोक्खाणं पंचण्हं महावीराणं पज्जुन्नपामोक्खाणं अद्धुट्ठाणं कुमारकोडीणं संबपामोक्खाणं सट्ठीए दुद्दंतसाहस्सीणं महसेणपामोक्खाणं छप्पन्नाए ब(ल्ग)वगसाहस्सीणं वीरसेणपामोक्खाणं एगवीसाए वीरसाहस्सीणं उग्गसेणपामोक्खाणं सोलसण्हं रायसाहस्सीणं रुप्पिणीपामोक्खाणं सोलसण्हं दे(वि)वीसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं ईसर जाव सत्थवाहाणं बारवईए नयरीए अद्धभरहस्स य सम(त्थ-त)त्थस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं बा(रा)रवईए नयरीए अंधग(वि-ण्हू)वण्ही(ण्ही)-नामं राया परिवसइ, महया रायवण्णओ तस्स णं अंधगवण्हिस्स रन्नो धारिणी नामं देवी होत्था वण्णओ तए णं सा धारिणी देवी अन्नया कयाइं तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि (एवं) जहा महब्बले 'सुमिणदंसणकहणा जम्मं बालत्तणं कलाओ य। जोव्वणपाणिग्गहणं (कंता) कन्ना पासायभोगा य ॥ १ ॥' नवरं गोयमो नामेणं अट्ठण्हं रायवरकन्नाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेंति अट्ठट्ठओ दाओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी आ-दिगरे जाव विहरइ चउव्विहा देवा आगया कण्हे-वि निग्गए, तए णं तस्स गोयमस्स कुमारस्स[ ] जहा मेहे तहा निग्गए धम्मं सोच्चा (जि) जं नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि देवाणुप्पियाणं एवं जहा मेहे जाव अणगारे जाए [इरिया समिए] जाव इणमेव निग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ, तए णं से गोयमे (अ) अन्नया कया(इ)इं अरहओ अरिट्ठनेमिस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहि(ज्ज)ज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ (तए) से अरिहा अरिट्ठनेमी अन्नया कयाइं बारवईओ [नयरीओ] नंदणवणाओ (उ) पडिनिक्खमइ (२ त्ता) बहिया जणवयविहारं विहरइ, तए णं से गोयमे अणगारे अन्नया कयाइं जेणेव अरहा अरिट्ठनेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठनेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, एवं जहा खंदओ तहा बारस भिक्खुपडिमाओ फासेइ ( ) गुणरयणंपि तवोकम्मं तहेव फासेइ निरवसेसं जहा खंदओ तहा चिंतेइ तहा आपुच्छइ तहा थेरेहिं सद्धिं सेत्तुंजं दुरूहइ मासियाए संलेहणाए बारस वरिसाइं परियाए जाव सिद्धे (५) ॥ १ ॥ एवं

जाणिज्जा, अप्पडं जाव सताणगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं रोइज्जंतं रुच्चइ तहप्पगारं वत्थं फासुयं जाव पडिग्गाहेज्जा ॥ णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा जाव पघसेज्जा ॥ ८२३ ॥ पुण णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सीतोदगवियडेण वा जाव पहोवेज्जा ॥ ८२४ ॥ पुण दुब्भिगंधे मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा तहेव सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा (आलावओ) ॥ ८२५ ॥ पुण अभिकखेज वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं णो अणंतरहियाए जाव पुढवीए णो ससिणद्धाए जाव सताणाए आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२६ ॥ पुण अभिकखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे दुन्निक्खित्ते अणिकंपे चलाचले णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२७ ॥ पुण अभिकखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं कुलियंसि भित्तिंसि सिलंसि वा लेलुंसि वा अण्णतरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८२८ ॥ पुण अभिकखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारे वत्थे खंधंसि वा मंचंसि-मालंसि-पासायंसि-हम्मियतलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज वा पयावेज वा ॥ ८२९ ॥ से तमादाय एगतमवक्कमेज्जा अहे ज्झामथंडिलंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव वत्थं आयावेज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं सया जइज्जासि त्ति बेमि ॥ ८३१ ॥

वत्थेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा अपलिउंचमाणे गामंतरेसु ओमचेलिए, एयं खलु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ८३२ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइ कुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, एवं बहिया विचारभूमिं विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जेज्जा । अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए जहा पिंडेसणाए णवरं सव्वं चीवरमायाए ॥ ८३३ ॥ से एगइओ मुहुत्तगं २ पाडिहारियं वीयं वत्थं जाएज्जा, जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तियाहेण-चउ-पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छेज्जा, तहप्पगारं वत्थं णो अप्पणा गिण्हेज्जा, णो अण्णमण्णस्स देज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं

खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढम[स्स]व-ग्ग[स्स]पढम[स्स]अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, एवं जहा गोयमो तहा सेसा वण्ही पिया धारिणी माया समुद्दे सागरे गंभीरे थिमिए अयले कपिल्ले अक्खोभे पसेणई विण(हुए)ह्न एए एगगमा, पढमो वग्गो दस अज्झयणा पण्णत्ता ॥ २ ॥

[दोच्चो वग्गो]

जइ दोच्चस्स वग्गस्स[०] उक्खेवओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं बा-रवईए नय-रीए वण्ही पिया धारिणी माया–अक्खोभसागरे खलु समुद्दहिमवंत-अ(य)चलनामे य । धरणे य पूरणे-वि य अभिचंदे चेव अट्ठमए ॥ १ ॥ जहा पढ(मो)मे वग(गो)गे तहा सव्वे अट्ठ अज्झयणा, गुणरय(ण)णं तवोकम्मं, सोलस-वासाइं परियाओ, सेत्तुंजे मासियाए संलेहणाए (जाव) सि(द्धे)द्धी (०) ॥ ३ ॥

[तच्चो वग्गो]

जइ तच्चस्स[०] उक्खेवओ एवं खलु जंबू ! (स० जाव सं० अ० अ०) तच्चस्स वग्गस्स अंतगडदसाणं तेरस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०–अणीयसे(ण) अणंतसेणे [अजियसे-णे] अणिहय(वि)रि(उ)ऊ देव(जसे)सेणे सत्तुसेणे सारणे गए सुमुहे दुम्मुहे कूवए दारुए अणादिट्ठी । जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं (०) तच्चस्स वग्गस्स अंतगडदसाणं तेरस अज्झयणा प० (तं० अ० जाव अ०) तच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स पढम-अज्झयणस्स अंतगडदसाणं (०) के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं भद्दिलपुरे नामं न(य)गरे होत्था (रि०) वण्णओ, तस्स णं भद्दि-लपुरस्स (न०) उत्तरपुर(त्थि)च्छिमे दिसीभाए सिरिवणे नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, जियसत्तू राया, तत्थ णं भद्दिलपुरे न-यरे नागे नामं गाहावई होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए, तस्स णं नागस्स गाहावइस्स सुलसा नामं भारिया होत्था सू(सु-कु)माला जाव सुरूवा, तस्स णं नागस्स गाहावइस्स पुत्ते सुलसाए भारियाए अत्तए अणीय(ज)से-नामं कुमारे होत्था सू-माले जाव सुरूवे पंचधाइपरिक्खित्ते तं०–खीर-धाई[०] जहा दढपइण्णे जाव गिरि० सुहंसुहेणं परिवड्ढइ, तए णं तं अ(णि)णीयसं कुमारं सा(इ)तिरेगअट्ठवासजायं अम्मापियरो कलायरिय[०] जाव[०] भोगसमत्थे जाए यावि होत्था, तए णं तं अणीयसं कुमारं उम्मुक्कबालभावं जा(णे)णित्ता अम्मा-पियरो सरि[सियाणं] जाव बत्तीसाए इब्भवरकण्णगाणं एगदिवसे पाणिं गेण्हावेंति, तए णं से नागे गाहावई अणीयसस्स कुमारस्स इमं एयारूवं पीइदाणं दलयइ तं०–बत्तीसं हिरण्णकोडीओ[०] जहा म(हब्)हाबलस्स जाव उप्पिं पासायवरगए फुट्ट० विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठ[णेमी] जाव समोसढे सिरि-

त्ता सत्तट्ठ-पयाइं (अ० २ त्ता) तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमं-सइ वं० २ त्ता जेणेव भत्तघ(रे)रए तेणेव उवाग(च्छइ २ त्ता)या सीहकेसराणं मोयगाणं थालं भरेइ (०) ते अणगारे पडिलाभेइ (०) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता पडिविसज्जेइ, त(दा)याणंतरं च णं दोच्चे संघाडए बारवईए (न०) उच्च[०] जाव विसज्जेइ, तयाणंतरं च णं तच्चे संघाडए बारवईए नयरीए उच्च जाव पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया! कण्हस्स वासुदेवस्स इमीसे बारवईए नयरीए (दु०) नवजोयण० पच्चक्खदेवलोगभूयाए समणा निग्गंथा उच्च–जाव अडमाणा भत्तपाणं नो लभंति (?) जण्णं ताइं चेव कुलाइं भत्तपाणाए भुज्जो २ अणुप्पविसंति ?, तए णं ते अणगारा देवइं देविं एवं वयासी–नो खलु देवा०! कण्हस्स वासुदेवस्स इमीसे बारवईए नयरीए जाव देवलोगभूयाए समणा निग्गंथा उच्च-जाव अडमाणा भत्तपाणं णो लभंति नो [ज] चेव णं ताइं ताइं कुलाइं दोच्चं-पि तच्चं पि भत्तपाणाए अणुपविसंति, एवं खलु देवाणुप्पि०! अम्हे भद्दिलपुरे नयरे नागस्स गाहावइस्स पुत्ता सुलसाए भारियाए अत्तया छ भायरो सहोदरा सरिसया[०] जाव नलकुब्बर-समाणा अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा-संसारभउव्विग्गा भीया जम्म-(ण)मरणाणं मुंडा जाव पव्वइया, तए णं अम्हे जं चेव दिवसं पव्वइया तं चेव दिवसं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदामो नमंसामो वं० २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभि-गेण्हामो–इच्छामो णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा जाव अहासुहं०, तए णं अम्हे अरहओ (अ०) अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विह-रामो, तं अम्हे अज्ज छट्ठक्खमणपारणयंसि पढमाए पोरिसिए जाव अडमाणा तव गेहं अणुप्पविट्ठा, तं नो खलु देवाणुप्पिए! ते चेव णं अम्हे, अम्हे णं अण्णे-देवइं देविं एवं वदंति २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया, (तए णं) तीसे देवईए (देवीए) अयमेयारूवे अ(ब्भ)ज्झत्थिए ४ समुप्पण्णे, एवं खलु अहं पोलासपुरे नयरे अइमुत्तेणं कुमारसमणेणं बालत्तणे वागरिया तुमण्णं देवाणुप्पिए! अट्ठ पुत्ते पयाइ-स्ससि सरिसए जाव नलकुब्बरसमाणे नो चेव णं भरहे वासे अण्णाओ अम्मयाओ तारिसए पुत्ते पयाइस्संति तं णं मिच्छा, इमं णं पच्चक्खमेव दिस्सइ भरहे वासे अण्णाओ-वि अम्मयाओ (खलु) एरिसे जाव पुत्ते पयायाओ, तं गच्छामि णं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदामि (न० वं०) २ त्ता इमं च णं एयारूवं वागरणं पुच्छिस्सामी-तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसा सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी लहुकरण-प्पवरं[०] जाव उवट्ठवेंति, जहा देवाणंदा जाव पज्जुवासइ,-ते अरहा अरिट्ठणेमी देवइं देविं एवं वयासी–से नूणं तव देवई! इमे छ अणगारे पासेत्ता अयमेयारूवे

सभूययाइं थणदुद्धलुद्धयाइ महुरसमुल्लावयाइ ममण(प)जपियाइं थणमूलकक्खदेस-भाग अभिसरमाणाइ मुद्धयाइ पुणो य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं (गेण्हंति) गिण्हि-ऊण उच्छगि णिवेसियाइ देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मजुलप्पभणिए अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकयपुण्णा एत्तो ए(क)क्कतरमपि न पत्ता, ओहय० जाव झिया-यइ। इम च णं कण्हे वासुदेवे ण्हाए सव्वालकारविभूसिए देवईए देवीए पायवदए हव्वमागच्छइ, तए णं से कण्हे वासुदेवे देवइ देविं० पासइ २ त्ता देवईए देवीए पायग्गहण करेइ २ त्ता देवई देविं एव वयासी–अण्णया णं अम्मो! तुब्भे ममं पासेत्ता हट्ठ जाव भवह, किण्ण अम्मो! अज्ज तुब्भे ओहय[०] जाव झियायह ?, तए ण सा देवई देवी कण्ह वासुदेव एव वयासी–एव खलु अह पुत्ता! सरिसए जाव समाणे सत्त-पुत्ते पयाया नो चेव णं मए एगस्स-वि बालत्तणे अणुब्भूए तुम-पि(य)णं पुत्ता! मम छण्ह २ मासाण मम अंतियं पादवदए हव्वमागच्छसि त धण्णाओ ण ताओ अम्मयाओ जाव झियामि, तए ण से कण्हे वासुदेवे देवइं देविं एवं वयासी–मा णं तुब्भे अम्मो! ओहय-जाव झियायह अहण्ण तहा घ(त्ति)इस्सामि जहा णं ममं सहोदरे कणीयसे भाउए भविस्सतीतिकट्टु देवइ देविं ताहिं इट्ठाहिं (क० जाव) वग्गूहिं समासासेइ (२) तओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवाग-च्छइ २ त्ता जहा अभओ नवर हरिणेगमेसिस्स अट्ठमभत्तं पगेण्हइ जाव अजलिं कट्टु एव व-यासी–इच्छामि णं देवाणुप्पिया! सहोदरं कणीयस भाउय विदिण्ण, तए णं से हरिणेगमेसी (देवे) कण्ह वासुदेव एवं वयासी–होहिइ ण देवाणुप्पिया! तव देव-लोयचुए सहोदरे कणीयसे भाउए से ण उम्मुक्क[०] जाव अणुप्पत्ते अरहओ अरिट्ठ-णेमिस्स अतिय मुडे जाव पव्वइस्सइ, कण्ह वासुदेव दोच्च पि तच्चं-पि एव वदइ २ त्ता जामेव दिस पाउब्भूए तामेव दिस पडिगए, तए ण से कण्हे वासुदेवे पोसह-सालाओ पडिणि० जेणेव देवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवईए देवीए पायग्गहण करेइ २ त्ता एव वयासी–होहिइ ण अम्मो! म(मं)म सहोदरे कणीयसे (भाउ-ए)त्तिकट्टु देवइ देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ त्ता जामेव दिसं पाउ-ब्भूए तामेव दिसं पडिगए। तए ण सा देवई देवी अण्णया कयाइ तंसि तारिस-गसि जाव सीहं सुमिणे पासेत्ता पडिवुद्धा जाव पाढया हट्ठ(तु०)हियया (तं ग० सु०) परिवहइ, तए णं सा देवई देवी नवण्ह मासाण जासु(म)मिणारत्तयबधुजीवयलक्खार-ससरसपारिजातकतरुणदिवायरसमप्पभं सव्वणयणकत सुकुमालं जाव सुरूव गयता-लुयसमाण दारय पयाया जम्मणं जहा मेहकुमारे जाव जम्हा ण अम्ह इमे दारए गयतालुसमाणे त होउ ण अम्ह एयस्स दारगस्स नामधेज्जे गयसुकुमाले (२), तए

रस्स णं उज्जलं जाव अहियासेमाणस्स सुभेणं परिणामेणं पसत्थज्झवसाणेणं त(या)वा-वरणिज्जाणं कम्माणं खएणं कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरणं अणु[प]विट्ठस्स अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने तओ पच्छा सिद्धे जाव पहीणे तत्थ णं अहासंनिहिएहिं देवेहिं सम्मं आराहियंतिकट्टु दिव्वे सुरभिगंधोदए वुट्ठे दसद्धवण्णे कुसुमे निवाडिए चेलुक्खेवे कए दिव्वे य गीयगंधव्वनिनाए कए यावि होत्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सको(र)रेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरेज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धु(व्व)व्वमाणीहिं महया भडचडगरपहकरवंदपरिक्खित्ते बारवइं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव अरहा अरिट्ठनेमी तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से कण्हे वासुदेवे बारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छमाणे ए(गं)गं पुरिसं पासइ जुण्णं जराजज्जरियदेहं जाव (किलंतं) महइमहालयाओ इट्टगरासीओ एगमेगं इट्टगं गहाय बहियारत्थापहाओ अंतोगिहं अणुप्पविसमाणं पासइ, तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स पुरिसस्स अणुकंपणट्ठाए हत्थिखंधवरगए चेव एगं इट्टगं गेण्हइ २ त्ता बहिया रत्थापहाओ अंतोगिहं अणुप्पवेसेइ, तए णं कण्हेणं वासुदेवेणं एगाए इट्टगाए गहियाए समाणीए अणेगेहिं पुरिससएहिं से महालए इट्टगस्स रासी बहिया रत्थापहाओ अंतोघरंसि अणुप्पवेसिए, तए णं से कण्हे वासुदेवे बारवईए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठनेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता गयसुकुमालं अणगारं अपासमाणे अरहं अरिट्ठनेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—कहि णं भंते! से ममं सहोयरे कणीयसे भाया गयसुकुमाले अणगारे (?) जा(ज)णं अहं वंदामि नमंसामि [?], तए णं अरहा अरिट्ठनेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी—साहिए णं कण्हा! गयसुकुमालेणं अणगारेणं अप्पणो अट्ठे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठनेमिं एवं वयासी—कहण्णं (भंते!) गयसुकुमालेणं अणगारेणं साहिए अप्पणो अट्ठे? तए णं अरहा अरिट्ठनेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी—एवं खलु कण्हा! गयसुकुमाले णं (अणगारे णं) ममं कल्लं पुव्वावरण्हकालसमयंसि वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तए णं तं गयसुकुमालं अणगारं एगे पुरिसे पासइ २ त्ता आसुरुत्ते ५ जाव सिद्धे, तं एवं खलु कण्हा! गयसुकुमालेणं अणगारेणं साहिए अप्पणो अट्ठे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठनेमिं एवं वयासी—(केस) से णं भंते! से पुरिसे अप्पत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए (?) जे णं ममं सहोय(र)रे कणीय(स)से भाय(र)रे गयसुकुमाल(ले) अणगा(र)रे अकाले चेव

मिस्स अंतिए जाव पव्वइत्तए, तए णं तं गयसुकुमालं कण्हे वासुदेवे अम्मापियरो य जाहे नो संचाए० बहुयाहिं अणुलोमाहिं जाव आघवित्तए ताहे अकामाइं चेव एवं वयासी-तं इच्छामो णं ते जाया ! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए निक्खमणं जहा महाबलस्स जाव तमाणाए तहा[०]तहा जाव संजमइ, से गयसुकुमाले अणगारे जाए ई(इ)रिया(०) जाव[०]गुत्तबंभयारी, तए णं से गयसुकुमा(रे)ले (अ०) जं चेव दिवसं पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं० वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे महाकालंसि सुसाणंसि एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता णं विह(रे)रित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह, तए णं से गयसुकुमाले अणगारे अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाए समाणे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंति० सह-सबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव महाकाले सुसाणे तेणेव उवागए २ त्ता थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता (उच्चार-पासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता) ई(सिं)सिपब्भारगएणं काएणं जाव दो-वि पाए साहट्टु एगराइं महापडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, इमं च णं सोमिले माहणे सामिधेयस्स अट्ठाए बा-रवईओ नयरीओ बहिया पुव्वणिग्गए समिहाओ य दब्भे य कुसे य पत्तामोडं च गेण्हइ २ त्ता तओ पडिणियत्तइ २ त्ता महाकालस्स सुसाणस्स अदूर-सामंतेणं वीईवयमाणे (२) संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि गयसुकुमालं अणगारं पासइ २ त्ता तं वेरं सरइ २ त्ता आसुरुत्ते ५ एवं वयासी-एस णं भो ! से गय(सू)सुकुमाले कुमारे अ(प)पत्थियं जाव परिवज्जिए, जे णं मम धूयं सोमसिरीए भारियाए अत्तयं सोमं दारियं अदिट्ठदोसपइयं कालवत्तिणिं विप्पजहेत्ता मुंडे जाव पव्वइए, तं सेयं खलु मम गयसुकुमालस्स कुमारस्स वेरनिज्जायणं करेत्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता दिसापडिलेहणं करेइ २ त्ता सरसं मट्टियं गेण्हइ २ त्ता जेणेवं गयसुकुमाले अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ग(ज)य सुकुमालस्स कुमा(अणगा)रस्स मत्थए मट्टियाए पालिं बंधइ २ त्ता जलंतीओ चिययाओ फुल्लियकिंसुयसमाणे ख(य)इरंगारे कहल्लेणं गेण्हइ २ त्ता गय-सुकुमालस्स अणगारस्स मत्थए पक्खिवइ २ त्ता भीए ५ तओ खिप्पामेव अवक्कमइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए, तए णं (से) तस्स ग-य-सुकुमालस्स अणगारस्स सरीरयंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा, तए णं से गय-सुकुमाले अणगारे सोमिलस्स माहणस्स मणसा-वि अप्पदुस्समाणे तं उज्जलं जाव अहियासेइ, तए णं तस्स गय-सुकुमालस्स अणगा-

णं बलदेवस्स रण्णो धारिणी-नामं देवी होत्था वण्णओ। तए णं सा धारिणी सीहं सुमिणे जहा गोयमे नवरं सुमुहे नामं कुमारे पन्नासं कन्नाओ पन्नासओ दाओ चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ वीसं वासाइं परियाओ सेसं तं चेव (जाव) सेत्तुंजे सिद्धे निक्खेवओ। एवं दुम्मुहे-वि कूव(दा)ए-वि तिण्णिवि बलदेवधारिणीसुया दारुए-वि एवं चेव, नवरं वा(व)सुदेवधारिणीसुए। एवं अणाह(धि)ट्ठी-वि वासुदेवधारिणीसुए, एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स तेरसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७ ॥

[चउत्थो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं (च्चं) तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चउत्थस्स (णं भं व अं व जाव सं) के अट्ठे पण्णत्ते! एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स (णं) दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं—जालिमयालिउवया(लि)पुरिससेणे य वारिसेणे य। पज्जुन्नसंबअनिरुद्धे सच्चनेमी य दढनेमी (य) ॥ १ ॥ जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं (भं) अज्झयणस्स (स जाव सं) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बा-रवई (णा) नयरी (ए) तीसे जहा पढमे वग्गे नायरेणं वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं बारवईए नयरीए वसुदेवे राया [तस्स णं वसुदेवस्स रण्णो] धारिणी [नामं देवी होत्था] वण्णओ जहा गोयमो नवरं जालिकुमारे पन्नासओ दाओ बारसंगी सोलस-वासा परियाओ सेसं जहा गोयमस्स जाव सेत्तुंजे सिद्धे। एवं मयाली-वी उवयाली-वी पुरिससेणे य वारिसेणे य। एवं पज्जुन्ने-वि-ति नवरं कण्हे पिया रुप्पिणी माया। एवं संबे-वि नवरं जंबवई माया। एवं अनिरुद्धे-वि नवरं पज्जुन्ने पिया वेदब्भी माया। एवं सच्चनेमी नवरं समुद्दविजए पिया सिवा माया, (एवं) दढनेमी-वि सव्वे एगगमा, चउत्थ(स्स) वग्गस्स निक्खेवओ ॥ ॥

[पंचमो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पंचमस्स (णं भं) वग्गस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते! एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं—पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य। जंबव(ई)सच्चभामा रुप्पिणिमूलसिरि(री)मूलदत्ता-वि ॥ १ ॥ जइ णं भंते! [समणेणं जाव संपत्तेणं] पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा य पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स के

जीवियाओ ववरोविए [?], तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–मा (णं) कण्हा! तुमं तस्स पुरिसस्स पदोसमावज्जाहि, एवं खलु कण्हा! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स अणगारस्स साहिज्जे दिण्णे, कहण्णं भंते! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स णं सा(हे)हिज्जे दिण्णे?, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–से नूणं कण्हा! ममं तुमं पायवंदए हव्वमागच्छमाणे बारवईए नयरीए (एगं) पुरिसं पाससि जाव अणु-प्पविसिए, जहा णं कण्हा! तुमं तस्स पुरिसस्स साहिज्जे दिण्णे एवमेव कण्हा! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स अणगारस्स अणेगभवसयसहस्ससंचियं कम्मं उदीरेमाणेणं बहुकम्मणिज्जरत्थं साहिज्जे दिण्णे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी–से णं भंते! पुरिसे मए कहं जाणियव्वे?, तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जे णं कण्हा! तुमं बारवईए नयरीए अणुपविसमाणं पासेत्ता ठियए चेव ठिइभेएणं कालं करिस्सइ तण्णं तुमं जा(णे)णिज्जासि एस णं से पुरिसे, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव आभिसे(ये)यं हत्थिरयं(णे)णं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिं दु-रूहइ २ त्ता जेणेव बारवई नयरी जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए, (तए णं) तस्स सोमिलमाहणस्स कल्लं जाव जलंते अयमेयारूवे अ-ज्झत्थिए ४ समुप्पण्णे–एवं खलु कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं पायवंदए निग्गए तं नायमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया सि(द्ध)ट्ठमेयं अरहया भविस्सइ कण्हस्स वासुदेवस्स, तं न नज्जइ णं कण्हे वासुदेवे ममं केणवि कुमारेणं मारिस्सइत्तिकट्टु भीए ४ सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, कण्हस्स वासुदेवस्स बा-रवइं नयरिं अणु-प्पविसमाणस्स पुरओ सपक्खिं सपडिदिसिं हव्वमागए, तए णं से सोमिले माहणे कण्हं वासुदेवं सहसा पासेत्ता भीए ४ ठि(ए य)यए चेव ठिइभेयेणं कालं करेइ धरणि(त्त)तलंसि सव्वंगेहिं धसत्ति सण्णिवडिए, तए णं से कण्हे वासुदेवे सोमिलं माहणं पासइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं (भो) देवाणुप्पिया! से सोमिले माहणे अ पत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए जे(ण)णं ममं सहोयरे कणीयसे भायरे गयसुकुमाले अणगारे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए[ति]त्तिकट्टु सोमिलं माहणं पाणेहिं कड्ढावेइ २ त्ता तं भूमिं पाणिएणं अब्भोक्खावेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए सयं गिहं अणु-प्पविट्ठे, एवं खलु जंबू! जाव अट्ठमस्स अगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स अट्ठमज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ६ ॥ नवमस्स (उ) उक्खेवओ, एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए नयरीए जहा पढमए जाव विहरइ, तत्थ णं बारवईए–बलदेवे नामं राया होत्था वण्णओ, तस्स

अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई-नगरी-जहा पढमे जाव कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तस्स णं कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावई ना(म)म देवी हो(हु)त्था वण्णओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी समोसढे जाव विहरइ, कण्हे वासुदेवे निग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं सा पउमाव(इ)ई देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा (समाणी) हट्ठ० जहा देवई जाव पज्जुवासइ, तए णं अ-रहा अरिट्ठणेमी कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावईए (दे०) य धम्मकहा परिसा पडिगया, तए णं कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इमीसे णं भंते ! बारवईए नगरीए-नवजोयण[०] जाव देवलोगभूयाए किंमूलाए विणासे भविस्सइ ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! इमीसे बा-रवईए नयरीए-नवजोयण-जाव[०] भूयाए सुरग्गिदीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ, (तए णं) कण्हस्स वासुदेवस्स अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए ए(यमट्ठ)यं सोच्चा निसम्म (अ०) एयं अब्भत्थिए ४-धण्णा णं ते जालिमयालि(उ०)पुरिससेण-वारिसेणपज्जुण्णसंबअणिरुद्धदढणेमिसच्चणेमिप्पभियओ कुमारा जे णं (च्चिच्चा) चइत्ता हिरण्णं जाव परिभा(ए)इत्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं मुंडा जाव पव्वइया, अहण्णं अधण्णे अकयपुण्णे रज्जे य जाव अंतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए ४ नो संचाएमि अरहओ अरिट्ठणेमिस्स जाव पव्वइत्तए, कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठ-णेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-से नूणं कण्हा ! तव अयम-ब्भत्थिए ४-धण्णा णं ते जाव पव्वइत्तए, से नूणं कण्हा ! अ(यम)ट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, तं नो खलु कण्हा ! तं एवं भू(य)तं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जण्णं वासुदेवा चइत्ता हिरण्णं जाव पव्व-इस्संति, से के-णं [अ]ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-न ए(व)यं भूयं वा जाव पव्व-इस्संति ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! सव्वे-वि य णं वासुदेवा पुव्वभवे नि-दाणगडा, से ए(ए)तेणट्ठेणं कण्हा ! एवं वुच्चइ-न एयं भूयं० पव्वइस्संति, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी-अहं णं भंते ! इ(ओ)तो कालमासे कालं किच्चा कहिं गमिस्सामि (?) कहिं उववज्जिस्सामि ?, तए णं अ-रहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! बारवईए नयरीए सुरग्गिदीवायण(कुमार)कोवनि(द)दड्ढाए अम्मापिइनियगविप्पहूणे रामे(ण)णं बल-देवे-णं सद्धिं दाहिणवेयालिं अभिमुहे जो(जु)हिट्ठिल्लपामोक्खाणं पंचण्हं पंडवाणं पंडुरायपुत्ताणं पासं पंडुमहुरं संपत्थिए कोसंबवणकाणणे नग्गोहवरपायवस्स अ(धे)हे पुढविसिलापट्टए पीयवत्थपच्छाइयसरीरे ज(र)राकुमारेणं तिक्खेणं कोदंडविप्पमुक्केणं इसुणा वामे पा(ये)दे विद्धे समाणे कालमासे कालं किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए

णं बलदेवस्स रण्णो धारिणी-नामं देवी होत्था वण्णओ तए णं सा धारिणी सीहं सुमिणे जहा गोयमे नवरं सुमुहे नामं कुमारे पन्नासं कन्नाओ पन्नासओ दाओ चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ वीसं वासाइं परियाओ सेसं तं चेव (जाव) सेत्तुंजे सिद्धे निक्खेवओ। एवं दुम्मुहे-वि कूव(दा)ए-वि तिण्णिवि बलदेवधारिणीसुया दारए-वि एवं चेव, नवरं वा(व)सुदेवधारिणीसुए। एवं अणा(हि)ट्ठी-वि वा-सुदेवधारिणीसुए, एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स तेरसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७ ॥

[चउत्थो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं (-णं) तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चउत्थस्स (णं भं ते वं गं स जाव सं)के अट्ठे पण्णत्ते। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स (णं) दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं- जालिमयालिउवया(लि)-वि पुरिससेणे य वारिसेणे य। पज्जुन्नसंबअनिरुद्धे सच्चनेमी य दढनेमी (य) ॥ १ ॥ जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं (भं) अज्झयणस्स (स-जाव सं) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बा-रवई (बा) नयरी (हो), तीसे जहा पढमे कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं बारवईए नयरीए वसुदेवे राया [तस्स णं वसुदेवस्स रण्णो] धारिणी [नामं देवी होत्था] वण्णओ जहा गोयमो नवरं जालिकुमारे पन्नासओ दाओ बारसंगी सोलस-वासा परियाओ सेसं जहा गोयमस्स जाव सेत्तुंजे सिद्धे। एवं मयालि-वि उवयालि-वि पुरिससेणे य वारिसेणे य। एवं पज्जुन्ने-वि-त्ति नवरं कण्हे पिया रुप्पिणी माया। एवं संबे-वि नवरं जंबवई माया। एवं अनिरुद्धे-वि, नवरं पज्जुन्ने पिया वेदब्भी माया। एवं सच्चनेमी, नवरं समुद्दविजए पिया सिवा माया (एवं) दढनेमी-वि सव्वे एगगमा चउत्थ(स्स) वग्गस्स निक्खेवओ ॥ ८ ॥

[पंचमो वग्गो]

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पंचमस्स (णं भं) वग्गस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं -पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य। जंबव(ई)सच्चभामा रुप्पिणिमूलसि(रि)मूलदत्ता-वि ॥ १ ॥ जइ णं भंते! [समणेणं जाव संपत्तेणं]

अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई-नगरी-जहा पढमे जाव कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तस्स णं कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावई ना(म)मं देवी हो(हु)त्था वण्णओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी समोसढे जाव विहरइ, कण्हे वासुदेवे निग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं सा पउमाव(इ)ई देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा (समाणी) हट्ठ० जहा देवई जाव पज्जुवासइ, तए णं अ-रहा अरिट्ठणेमी कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावईए (दे०) य धम्मकहा परिसा पडिगया, तए णं कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इमीसे णं भंते ! बारवईए न-गरीए-नवजोयण[०] जाव देवलोगभूयाए किंमूलाए विणासे भविस्सइ ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! इमीसे बा-रवईए नयरीए-नवजोयण-जाव[०] भूयाए सुरग्गिदीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ, (तए णं) कण्हस्स वासुदेवस्स अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए ए(यमट्ठं)यं सोच्चा निसम्म (अ०) एयं अब्भत्थिए ४-धण्णा णं ते जालिमयालि(उ०)पुरिससेण-वारिसेणपज्जुण्णसंबअणिरुद्धदढणेमिसच्चणेमिप्पभियओ कुमारा जे णं (चिच्चा) चइत्ता हिरण्णं जाव परिभा(ए)इत्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं मुंडा जाव पव्वइया, अहण्णं अधण्णे अकयपुण्णे रज्जे य जाव अंतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए ४ नो संचाएमि अरहओ अरिट्ठणेमिस्स जाव पव्वइत्तए, कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठ-णेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-से नूणं कण्हा ! तव अयम-ब्भत्थिए ४-धण्णा णं ते जाव पव्वइत्तए, से नूणं कण्हा ! अ(यम)ट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, तं नो खलु कण्हा ! तं एवं भू(य)तं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जण्णं वासुदेवा चइत्ता हिरण्णं जाव पव्व-इस्सति, से के-णं [अ]ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-न ए(व)यं भूयं वा जाव पव्व-इस्संति ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! सव्वे-वि य णं वासुदेवा पुव्वभवे नि-दाणगडा, से ए(ए)तेणट्ठेणं कण्हा ! एवं वुच्चइ-न एयं भूयं० पव्वइस्संति, तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी-अहं णं भंते ! इ(ओ)तो कालमासे कालं किच्चा कहिं गमिस्सामि (?) कहिं उववज्जिस्सामि ?, तए णं अ रहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी-एवं खलु कण्हा ! बारवईए नयरीए सुरग्गिदीवायण(कुमार)कोवनि(इ)दड्ढाए अम्मापिइनियगविप्पहूणे रामे(ण)णं बल-देवे-णं सद्धिं दाहिणवेयालिं अभिमुहे जो(जु)हिट्ठिलपामोक्खाणं पंचण्हं पंडवाणं पंडुरायपुत्ताणं पासं पंडुमहुरं संपत्थिए कोसंबवणकाणणे नग्गोहवरपायवस्स अ(धे)हे पुढविसिलापट्टए पीयवत्थपच्छाइयसरीरे ज(र)राकुमारेणं तिक्खेणं कोदंडविप्पमुक्केणं इसुणा वामे पा(ये)दे विद्धे समाणे कालमासे कालं किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए

समाणी अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अतिए मुडा जाव पव्व०, अहासुहं०, तए ण से कण्हे वासुदेवे कोडुविए (पु०) सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव (भो दे०) पउमा-वईए (०) महत्थ निक्खमणाभिसेय उवट्ठवेह २ त्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणह, तए ण ते जाव पच्चप्पिणति, तए णं से कण्हे वासुदेवे पउमावइ देविं पट्टयं[सि] दु-रूहेइ (०) अट्ठसएण सोवण्णकलस जाव महाणिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता सव्वालकारविभूसिय करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सि(वि)विय दुरू(हावे)हेइ २ त्ता वारवईए नयरीए मज्झमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव रेवयए पव्वए जेणेव-सहसववणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीय ठवेइ (०) पउमावई देवी सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरह अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिण करेइ २ त्ता वंदइ नमसइ वं० २ त्ता एव वयासी–एस ण भते! मम अग्गमहिसी पउमावई नाम देवी इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणा(मा अ)भिरामा जाव किमग पुण पासणयाए? तण्ण अह देवाणुप्पिया! सिस्सि(णी)णिभिक्ख दलयामि पडिच्छतु ण देवाणुप्पिया! सिस्सिणिभिक्खं, अहासुहं०, तए ण सा पउमावई (०) उत्तरपुर-च्छि(मे)म दिसीभा(गे)ग अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणालकार ओमुयइ २ त्ता सयमेव पचमुट्ठिय लोयं करेइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरह अरिट्ठणेमिं वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी–आलित्ते जाव धम्ममाइक्खि(त)उ, तए ण अरहा अरिट्ठणेमी पउमावइ देविं सयमेव पव्वा-वेइ २ त्ता सयमेव मुडावेइ सयमेव जक्खिणीए अज्जाए सिस्सिणिं दलयइ, तए ण सा जक्खिणी अज्जा पउमावइ देविं स(य)यमेव पव्वा० जाव सजमियव्व, तए ण सा पउमावई जाव सजमइ, तए ण सा पउमावई अज्जा जाया ईरियासमिया जाव गुत्तवभयारिणी, तए ण सा पउमावई अज्जा जक्खिणीए अज्जाए अतिए सामाइयमाइयाइ एक्कारस अगाइ अहिज्जइ, वहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं० अप्पाण भावेमा(णी)णा विहरइ, तए ण सा पउमावई अज्जा वहुपडिपुण्णाइ वीस वासाइ सामण्णपरियाग [पाउणइ] पाउणित्ता मासियाए सल्लेह-णाए अप्पाण झू(झो)सेइ २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणस(णेण)णा-ए छेदेइ २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जिणकप्पभावे थेरकप्पभावे जाव तमट्ठ आराहेइ चरिमुस्सासेहिं सिद्धा ५ ॥ १ ॥ (उ० य अ०) तेण कालेण तेण समएण वारवई (ण०) रेवयए उज्जाणे नदणवणे तत्थ ण वारवईए नयरीए कण्हे वासुदेवे० तस्स ण कण्ह[स्स]वासुदेवस्स गोरी देवी वण्णओ अरहा (अ०) समोसढे कण्हे णिग्गए गोरी

जहा पउमावई तहा निक्खंता धम्मकहा परिसा पडिगया कण्हे-वि तए णं सा गोरी जहा पउमावई तहा निक्खंता जाव सिद्धा ५। एवं गं(धा)री। लक्खणा। सुसीमा। जंबवई। सच्चभामा। रुप्पिणी। अट्ठ-वि पउमावई[(स)]सरिसाओ अट्ठ अज्झयणा ॥ ९ ॥ (न) तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई[ए]नयरीए रेवयए (प) नंदणवणे (उ) कण्हे तत्थ णं बारवईए नयरीए कण्हस्स वासुदेवस्स पु(त्ते)त्ते जंबवईए देवीए अत्तए संबे नामं कुमारे होत्था अहीण तस्स णं संबस्स कुमारस्स मूलसिरी-नामं भारिया होत्था वण्णओ अरह-समोसढे कण्हे निग्गए मूलसिरी-वि निग्गया जहा पउमावई णं नवरं देवाणुप्पिया! कण्हं वासुदेवं आपुच्छामि जाव सिद्धा। एवं मूलदत्ता-वि। पंचमो वग्गो ॥ ११ ॥

[छट्ठो वग्गो]

जइ (णं भं) छट्ठ(म)स्स उक्खेवओ नवरं सोलस अज्झयणा प तं०- मं(मं)काई किंक(म)मे चेव मोग्गरपाणी य कासवे। खेमए धिइ(म)हरे चेव केलासे हरिचंदणे ॥ १ ॥ वारत्तसुदंसणपुण्णभद्दसुमणभद्दसुपइट्ठे मेहे। अइमुत्ते य[लि] अलक्खे अज्झयणाणं [त]ु सोलसयं ॥ २ ॥ जइ सोलस अज्झयणा प [ ] पढमस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (तत्थ णं) मंकाई-नामं गाहावई परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे गुणसिलए जाव विहरइ परिसा निग्गया तए णं से मंकाई गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे जहा पण्णत्तीए गंगदत्ते तहेव इमो(ऽ)वि जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठवेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीए सीयाए निक्खंते जाव अणगारे जाए ईरियासमिए तए णं से मंकाई अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सेसं जहा खंदयस्स गुणरयणं तवोकम्मं सोलसवासाइं परियाओ तहेव वि(पु)लए सिद्धे। (दो च) किंकमे-वि एवं चेव जाव वि-उले सिद्धे ॥ १२ ॥ (त च प स णं) तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे (न) गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया चेल्लणा-देवी[वण्णओ], तत्थ णं रायगिहे-अज्जुणए नामं मालागारे परिवसइ, अड्ढे[ ] जाव अपरिभूए, तस्स णं अज्जुणयस्स मालागारस्स बंधुमई-नामं भारिया होत्था सूमा तस्स णं अज्जुणयस्स मालागारस्स रायगिहस्स नयरस्स बहिया एत्थ णं महं एगे पुप्फारामे होत्था कि(ण)ण्हे जाव नि(कु-उ)रंबभूए दसद्धवण्णकुसुमकुसुमिए पासाईए ४ तस्स णं पुप्फारामस्स अदूरसामंते तत्थ णं अज्जुणयस्स माला(गा)गारस्स अज्जय-

पज्जयपिइपज्जयागए अणेगकुलपुरिसपरंपरागए मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खा-
ययणे होत्था, तत्थ ण मोग्गरपाणिस्स पडिमा एग मह पलसहस्सणिप्फण्ण
अयोमय मोग्गर गहाय चिट्ठइ, तए ण से अज्जुणए मालागारे बालप्पभिइ चेव
मोग्गरपाणिजक्ख(स्स)भत्ते यावि होत्था, कल्लाकल्लिं प(च्छि)त्थि(या)यपिडगाइ गेण्हइ
२ त्ता रायगिहाओ न-यराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव पुप्फारामे तेणेव उवा-
गच्छइ २ त्ता पुप्फुच्चय करेइ २ त्ता अग्गाइ वराइ पुप्फाइ गहाइ २ त्ता
जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खायतणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मो(मु)ग्गरपाणिस्स
जक्खस्स महरिह पुप्फच्चणय करेइ २ त्ता जण्णुपाय(व)पडिए पणाम करेइ, तओ
पच्छा रायमग्गसि वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ, तत्थ णं रायगिहे नयरे ललिया
नाम गोट्ठी परिवसइ अड्ढा[०] जाव अपरिभू(या)ता जकयसुकया यावि होत्था, तए
ण रायगिहे न-यरे अण्णया कयाइ पमो(ए)दे घुट्टे यावि होत्था, तए ण से अज्जुणए
मालागारे कल्ल पभूयत(राए)रेहिं पुप्फेहिं कज्जमितिकट्टु पच्चूसकालसमयसि बधु
मईए भारियाए सद्धिं प-त्थियपिडयाइ गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडि-
णिक्खमइ २ त्ता रायगिह न-गरं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुप्फा-
रामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बधुमईए भारियाए सद्धिं पुप्फुच्चय करेइ, तए
ण तीसे ललियाए गोट्ठीए छ गोट्ठिल्ला पुरिसा जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स
जक्खायतणे तेणेव उवागया अभिरममाणा चिट्ठति, तए णं से अज्जुणए माला
गारे बधुमईए भारियाए सद्धिं पुप्फुच्चय करेइ (०) अग्गाइ वराइ पुप्फाइं गहाय
जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खायतणे तेणेव उवागच्छइ, तए ण-छ
गोट्ठिल्ला पुरिसा अज्जुणयं मालागारं बधुमईए भारियाए सद्धिं एज्जमाण पासति
२ त्ता अण्णमण्ण एव वयासी—एस ण देवाणुप्पिया! अज्जुणए मालागारे बधु-
मईए भारियाए सद्धिं इहं हव्वमागच्छइ त सेय खलु देवाणुप्पिया! अम्ह
अज्जुणय मालागारं अव(उ)ओडयबधणय करेत्ता बधुमईए भारियाए सद्धिं
विउलाइ भोगभोगाइ भुजमाणाण विहरित्तए-त्तिकट्टु एयमट्ठ अण्णमण्णस्स पडि-
सुणेंति २ त्ता कवाडतरेसु निलुक्कति निच्चला निप्फंदा तुसिणीया पच्छण्णा
चिट्ठति, तए ण से अज्जुणए मालागारे बधुम(ईए)इभारियाए सद्धिं जेणेव मोग्गर-
पाणिजक्खायतणे तेणेव उवागच्छइ (०) आलोए पणाम करेइ (०) महरिह पुप्फ
च्चणं करेइ (०) जण्णुपायपडिए पणामं करेइ, तए ण-छ गो(ट्ठि)ट्ठिल्ला पुरिसा दव-
दवस्स कवाडतरेहिंतो निग्गच्छति २ त्ता अज्जुणय मालागारं गेण्हति २ त्ता
अवओड(ग)यबधण करेंति (०) बधुमईए मालागारीए सद्धिं वि-उलाइ भोगभोगाइं

भुंजमाणा विहरंति। तए णं तस्स अज्जुणयस्स मालागारस्स अयमज्झत्थिए ४ (स) एवं खलु अहं बालप्पभिइं चेव मोग्गरपाणिस्स भगवओ कल्लाकल्लिं जाव कप्पेमाणे विहरामि तं जइ णं मोग्गरपा(णि)णी जक्खे इह संनिहिए होंते से णं किं ममं एयारूवं आवइं पावेज्जमाणं पासंते? तं नत्थि णं मोग्गरपाणी जक्खे इह संनिहिए, सुव्वत्तं णं एस कट्ठे, तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे अज्जुणयस्स मालागारस्स अयमेयारूवं अज्झत्थियं जाव वियाणि(त्ति)त्ता अज्जुणयस्स मालागारस्स सरीरयं अणुपविसइ २ त्ता तडतडस्स बंधाइं छिंदइ, [छिंदित्ता] तं पलसहस्सनिप्फन्नं अयोमयं मोग्गरं गेण्हइ २ त्ता ते इत्थिसत्तमे पुरिसे घाएइ, तए णं से अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा जक्खेणं अण्णाइट्ठे समाणे रायगिहस्स नगरस्स परिपेरंतेणं कल्लाकल्लिं छ इत्थिसत्तमे पुरिसे घाएमाणे विहरइ, (तए णं) रायगिहे नयरे सिंघाडग-जाव महापहपहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४-एवं खलु देवाणुप्पिया! अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा अण्णाइट्ठे समाणे रायगिहे नयरे बहिया छ इत्थिसत्तमे पुरिसे घा(ए)एमाणे विहरइ, तए णं से सेणिए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे कोडुंबिय सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अज्जुणए मालागारे जाव घाएमाणे जाव विहरइ तं मा णं तुब्भे केइ कट्ठस्स वा तणस्स वा पाणियस्स वा पुप्फफलाणं वा अट्ठाए सइरं निग्गच्छउ मा णं तस्स सरीरस्स वावत्ती भविस्सइत्तिकट्टु दोच्चं-पि तच्चं-पि घोसणयं घोसेह २ त्ता खिप्पामेव ममेयं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबिय[ ] जाव पच्चप्पिणंति तत्थ णं रायगिहे नयरे सुदंसणे नामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे तए णं से सुदंसणे समणोवासए यावि होत्था अभिग(य)जीवाजीवे जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं जाव समोसढे [ ] विहरइ तए णं रायगिहे नयरे सिंघाडग बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए [ ] एवं तस्स सुदंसणस्स बहुजणस्स अंतिए एयं सोच्चा निसम्म अयं अज्झत्थिए ४-एवं खलु समणे जाव विहरइ तं गच्छामि णं [ ] वंदामि एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी-एवं खलु अम्मताओ! समणे जाव विहरइ तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि नमंसामि जाव पज्जुवासामि तए णं (तं) सुदंसणं सेट्ठिं अम्मापियरो एवं वयासी-एवं खलु पुत्ता! अज्जु(णे)णए मालागारे जाव घाएमाणे विहरइ, तं मा णं (तुमं) पुत्ता! समणं भगवं महावीरं वंदए निग्गच्छाहि मा णं

तव सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ, तुब्भ ण्हगाए चेव समणं भगवं महावीरं वंदाहि नमंसाहि, तए णं सुदंसणे सेट्ठी अम्मापि(तरो)यरं एवं वयासी-कि(ण्ण)(तुब्भे) अहं अम्मयाओ ! समणं भगवं महावीरं इहमागयं इह-पत्तं इह समोसढं इहगए चेव वंदिस्सामि(न०)?, तं गच्छामि णं अहं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे (स०) भगवं महावीरं वं(दा० जाव प०)दए, तए णं सुदंसण(ण)ं सेट्ठिं अम्मापियरो जाहे नो संचा(यं)एंति बहूहिं आघवणाहिं ४ जाव परूवेत्तए ताहे एवं वयासी-अहासुहं०, तए णं से सुदंसणे अम्मापिईहिं अब्भणुण्णाए समाणे ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं रायगिहं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खायययणस्स अदूरसामंतेणं जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव प(धा)हारेत्थ गमणाए, तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे सुदंसणं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं (२) पासइ २ त्ता आसुरुत्ते ५ तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं उल्लालेमाणे २ जेणेव सुदंसणे समणोवासए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं से सुदंसणे समणोवासए मोग्गरपाणिं जक्खं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अणुव्विग्गे अक्खुभिए अचलिए असंभंते वत्(थए)यंतेणं भूमिं पमज्जइ २ त्ता करयल० एवं वयासी-नमोऽत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं नमोऽत्थु णं समणस्स जाव संपाविउकामस्स, पुव्विं (च) पि णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए थूलए मुसावाए थूलए अदिण्णादाणे सदारसंतोसे कए जावज्जीवाए इच्छापरिमाणे कए जावज्जीवाए, तं इदाणिं-पि णं तस्सेव अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए (०) मुसावायं (०) अदत्तादाणं (०) मेहुणं (०) परिग्गहं पच्चक्खामि जावज्जीवाए सव्वं कोहं जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि जावज्जीवाए सव्वं असणं पाणं खाइमं साइमं चउव्विहं-पि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जइ णं एत्तो उवसग्गाओ मुच्चिस्सामि तो मे कप्पेइ पारेत्तए अह णो एत्तो उवसग्गाओ (न) मुच्चिस्सामि तओ मे तहा पच्चक्खाए चेवत्तिकट्टु सागारं पडिमं पडिवज्जइ । तए णं से मोग्गरपा-णी जक्खे तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं उल्लालेमाणे २ जेणेव सुदंसणे समणोवासए तेणेव उवाग(च्छ०)ए नो चेव णं संचाएइ सुदंसणं समणोवासयं तेयसा समभिपडित्तए, तए णं से मोग्गरपाणी-जक्खे सुदंसणं समणोवासयं सव्वओ समंताओ परिघोलेमाणे २ जाहे नो [चेव णं] संचाएइ सुद

सर्ज्ज समणोवासयं तेयसा समभिपडित्तए ताहे सुदंसणस्स समणोवासयस्स पुरओ सपक्खिं सपडिदिसिं ठिच्चा सुदंसणं समणोवासयं अणिमिसाए दिट्ठीए सुचिरं निरिक्खइ २ त्ता अज्जुणयस्स मालागारस्स सरीरं विप्पज(हा)इ २ त्ता तं पलसहस्सणिप्फण्णं अओमयं मोग्गरं गहाय जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए, तए णं से अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा जक्खेणं विप्प(मु)मुक्के समाणे धस त्ति धरणियलंसि सव्वंगेहिं (नि)निवडिए, तए णं से सुदंसणे समणोवासए निरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ, तए णं से अज्जुणए मालागारे त(त्ते)त्तो मुहुत्तंतरेणं आसत्थे समाणे उट्ठेइ २ त्ता सुदंसणं समणोवासयं एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! के कहिं वा संपत्थिया? तए णं से सुदंसणे समणोवासए अज्जुणयं मालागारं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अहं सुदंसणे नामं समणोवासए अभिगयजीवाजीवे गुणसिलए चेइए समणं भगवं महावीरं वंदए संपत्थिए, तए णं से अज्जुणए मालागारे सुदंसणं समणोवासयं एवं वयासी-तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! अहमवि तुमए सद्धिं समणं भगवं महावीरं वं(दि)त्तए जाव पज्जुवा(सि)त्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह, तए णं से सुदंसणे समणोवासए अज्जुणएणं मालागारेणं सद्धिं जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जुणएणं मालागारेणं सद्धिं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ, तए णं [से] समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स समणोवासयस्स अज्जुणयस्स मालागारस्स तीसे य धम्मकहा सुदंसणे पडिगए। तए णं से अज्जुणए [मालागारे] समणस्स भगवओ महावीरस्स अंति(ए)यं धम्मं सोच्चा [निसम्म] हट्ठ० सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं जाव अब्भुट्ठेमि, अहासुहं० तए णं से अज्जुणए मालागारे उत्तर सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ [करित्ता] जाव अणगारे जाए जाव विहरइ, तए णं से अज्जुणए अणगारे जं चेव दिवसं मुंडे जाव पव्वइए तं चेव दिवसं समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं उ(ग्गो ओगे)ण्हइ-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स विहरित्तए-त्तिकट्टु अयमेयारूवं अभिग्गहं ओगेण्हइ २ त्ता जावज्जीवाए जाव विहरइ, तए णं से अज्जुणए अणगारे छट्ठक्खमणपारणयंसि पढ(म)माए पोरिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी जाव अड(विहर)इ, तए णं तं अज्जुणयं अणगारं रायगिहे नयरे उच्च[ ] जाव अडमाणं बहवे इ(त्थिया)त्थीओ य पुरिसा य

आलावगा, पचमे वहवे समणमाहणा पगणिय २ तहेव ॥ ८४३ ॥ पुण असजए भिक्खुपडियाए वहवे समणमाहणा (वत्थेसणाऽऽलावओ) ॥ ८४४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइं पुण पादाइ जाणिज्जा विरूवरूवाइ महद्धणमुल्लाइं तंजहा-अयपादाणि वा तउ० तवपादाणि वा सीसग-हिरण्ण-सुवण्ण-रीरिय-हारपुड-पायाणि वा मणि-काय-कस-सख-सिंग-दत-चेल-सेल-पायाणि वा चम्मपायाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइ पायाइं अफासुयाइ जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८४५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जाइ पुण पायाइ जाणिज्जा, विरूवरूवाइ महद्धणवधणाइ तं० अयवधणाणि वा जाव चम्मवंधणाणि वा अन्नयराइं तहप्पगाराइं महद्धणवधणाइ अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा, इच्चेइयाइं आयतणाइं उवातिकम्म ॥ ८४६ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चउहिं पडिमाहिं पाय एसित्तए, तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा से भिक्खू वा (२) उद्दिसिय २ पायं जाएज्जा, तंजहा-अलाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा तहप्पगारं पाय सय वा ण जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा ॥ **पढमा-पडिमा** ॥ ८४७ ॥ **अहावरा दोच्चा पडिमा,** से भिक्खू वा (२) पेहाए पायं जाएज्जा, तंजहा-गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पाय, तजहा-अलाउयपाय वा", जाव तहप्पगारं पाय सय वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा जाव पडिगाहेज्जा ॥ **दोच्चा पडिमा** ॥ ८४८ ॥ **अहावरा तच्चा पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण पाय जाणिज्जा, संगतियं वा वेजइयतियं वा तहप्पगारं पायं सयं वा जाव पडिगाहिज्जा ॥ **तच्चा पडिमा** ॥ ८४९ ॥ **अहावरा चउत्था पडिमा** ॥ से भिक्खू वा (२) उज्झियधम्मियं पायं जाएज्जा, ज चऽण्णे वहवे समणमाहणा जाव वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं पाय सय वा णं जाव पडिगाहिज्जा, **चउत्था पडिमा** ॥ ८५० ॥ इच्चेयाण चउण्ह पडिमाण अण्णयरं पडिमं (जहा पिंडेसणाए) ॥ ८५१ ॥ से ण एताए एसणाए एसमाणं पासित्ता परो वएज्जा, "आउसतो समणा एज्जासि तुमं मासेण वा जाव" **जहा वत्थेसणाए** ॥ ८५२ ॥ से ण परो णेया वएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेय पायं तेल्लेण वा घएण वा अब्भंगेत्ता वा तहेव सिणाणाइ तहेव सीओदगकंदाइ तहेव ॥ ८५३ ॥ से ण परो णेया वएज्जा, "आउसतो समणा मुहुत्तग २ अच्छाहि जाव ताव अम्हे असण वा उवकरेंसु उवक्खडेंसु वा, तो ते वयं आउसो सपाणं सभोयणं पडिग्गहग दाहामो, तुच्छए पडिग्गहए दिण्णे समणस्स णो सुट्ठु साहु भवइ" से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो

सत्तावीसं वासा परियाओ विपुले सिद्धे ११। एवं मेहे वि णवरं रायगिहे नयरे बहूइं वासाइं परियाओ विपुले सिद्धे १४॥१४॥ (छ प क ए ण ए प चं) तेणं कालेणं तेणं समएणं पोलासपुरे न-यरे सि-रिवणे उज्जाणे तत्थ णं पोलासपुरे नयरे विजये णामं राया होत्था तस्स णं विजयस्स रन्नो सिरी-णामं देवी होत्था वन्नओ तस्स णं विजयस्स रन्नो पुत्ते सिरीए देवीए अत्तए अइमुत्ते णामं कुमारे होत्था सु-उमाले[ ], तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव सि-रिवणे विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभू(ई)ती जहा पण्णत्तीए जाव पोलासपुरे नयरे उच्च-जाव अडइ, इमं च णं अइमुत्ते कुमारे ण्हाए सव्वा-लंकारविभूसिए बहूहिं दारए[हिं]हि य दारिया-हि य डिंभएहि य डिंभियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे स(सा)ओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव इंदट्ठाणे तेणेव उवागए तेहिं बहूहिं दारएहि य ६ संपरिवुडे अभिरममाणे २ विहरइ, तए णं भगवं गोयमे पोलासपुरे न-यरे उच्च-जाव अडमाणे इंदट्ठाणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासइ २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागए २ त्ता भगवं गोयमं एवं वयासी-के णं भंते! तुब्भे! किं वा अडह! तए णं भगवं गोयमे अइमुत्तं कुमारं एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिया! समणा णिग्गंथा ईरियासमिया जाव बंभयारी उच्च-जाव अडामो, तए णं अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी-एह णं भंते! तुब्भे (जेणेव) जा णं अहं तु(ब्भं)ब्भं भिक्खं दवावेमीत्तिकट्टु भगवं गोयमं अंगुलीए गेण्हइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए, तए णं सा सिरीदेवी भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठ आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागया भगवं गोयमं तिक्खुत्तो आयाहिण-पयाहिणं वंदइ विउलेणं असण जाव पडिविसज्जेइ, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी-कहि णं भंते! तुब्भे परिवसह? तए णं [से] भगवं गोयमे अइमुत्तं कुमारं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए भगवं महावीरे आइगरे जाव संपाविउकामे इहेव पोलासपुरस्स न-यरस्स बहिया सिरिवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं ओगि-ण्हित्ता संजमेणं जाव भावेमाणे विहरइ, तत्थ णं अम्हे परिवसामो तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी-गच्छामि णं भंते! अहं

डहरा य महल्ला य जुवाणा य एव वयासी-इमे-ण मे पिता-मा(र)रिए [माता मारि-या] भाया० भगिणी० भज्जा० पु(त्त)त्ते० धूया० सुण्हा० इमेण मे अण्ण-यरे सयणसवधिपरियणे मारिएत्तिकट्टु अप्पेगइया अक्कोसति अप्पेगइया हीलति निंदति खिंसति गरिहति तज्जेंति तालेंति, तए ण से अज्जुणए अणगारे तेहिं वहूहिं इत्थीहि य पुरिसेहि य डहरेहि य महल्लेहि य जुवाणएहि य आ-तो--सिज्जमाणे जाव तालेज्जमाणे तेसिं मणसा-वि अपउस्समाणे सम्म सहइ सम्म खमइ तितिक्खइ अहियासेइ सम्म सहमाणे० रायगिहे नयरे उच्चणीय-मज्झिमकुलाइ अडमाणे जइ भत्त ल-हइ तो पाण न लभइ जइ पाणं तो भत्त न लभइ, तए ण से अज्जुणए (अ०) अदीणे अविमणे अकलुसे अणाइले अविसा(ई)दी अपरितंतजोगी अडइ २ त्ता रायगिहाओ न-गराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव गुणसिलए उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे जहा गोयमसामी जाव पडिदसेइ २ त्ता समणेण भगवया महावीरेण अ०भणुण्णाए अमुच्छिए ४ विलमिव पण्णगभूएण अप्पाणेण तमाहार आहारेइ, तए ण समणे भगव महावीरे अन्नया (क०) राय० पडिणिक्खमइ २ त्ता वहिं जण० विहरइ, तए ण से अज्जुणए अणगारे तेण ओ(उ)रालेण (वि०) पयत्तेण पग्गहिएण महाणुभागेण तवो-कम्मेण अप्पाण भावेमाणे वहुपुण्णे छम्मासे सामण्णपरियाग पाउणइ,[पाउ णित्ता] अद्धमासियाए सलेहणाए अप्पाण झू[झु]सेइ [२ त्ता] तीस भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव सिद्धे ३ ॥ १३ ॥ (उ० च० अ० ए० ख० ज०) तेण कालेण तेण समएण रायगिहे न-गरे गुणसिलए उज्जाणे (तत्थ णं) सेणिए राया कासवे नाम गाहावई परिवसइ जहा म-काई, सोलस वासा परियाओ विपुले सिद्धे ४। एव खेमए-ऽ-वि गाहावई, नवरं का(ग)यधी नयरी सोलस वासा परियाओ विपुले पव्वए सिद्धे ५। एव धिइहरे-वि गाहावई का(म)यदीए नयरीए सोलस वासा परियाओ (जाव) विपुले सिद्धे ६। एव केलासे-वि गाहा-वई नवरं सागेए नयरे वारस-वासाइ परियाओ विपुले सिद्धे ७, एव हरि-चदणे-वि गाहावई साएए वारस-वासा परियाओ विपुले सिद्धे ८। एव वारत्तए-वि गाहावई नवरं रायगिहे न-गरे वारस-वासा परियाओ विपुले सिद्धे ९। एव सुदसणे-वि गाहावई नवरं वाणिय[ग]गामे नयरे दूइपलासए उज्जाणे पंच-वासा परियाओ विपुले सिद्धे १०। एव पुण्णभद्दे-वि गाहावई वाणिय-गामे नयरे पच-वासा परियाओ विपुले सिद्धे ११। एव सुमणभद्दे-वि गाहावई सावत्थीए नयरीए वहुवा(स-सा)साइ परि० सिद्धे १२। एव सुपइट्ठे-वि गाहावई सावत्थीए नयरीए

सयमेव(स) छट्ठुय जहा दमिए जाव पज्जुवासइ धम्मकहा तए णं से अलक्खे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए जहा उदायणे तहा निक्खंते णवरं जेट्ठपुत्तं रज्जे अहिसिंचइ एक्कारस अंगाइं बहू वासा परियाओ जाव विपुले सिद्धे १६। एवं जंबू! समणेणं जाव छट्ठस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ १५॥

[सत्तमो वग्गो]

जइ णं भंते! सत्तमस्स वग्गस्स उक्खेवओ[ ] जाव तेरस अज्झयणा पण्णत्ता तं०—'नंदा तह नंद(मती)वई नं(दो)त्तर नं(द)सेणिया चेव। म(रुया)य सुमरु-य महमरु-य मरु(दे)वा य अट्ठमा ॥ १ ॥ भद्दा य सुभद्दा य सुजाया सुमणा(इया)वि य। भूयदि(ता)न्ना य बो(द्ध)व्वा सेणिय भज्जा(ण)णं नामाइं ॥ २ ॥' जइ णं भंते! तेरस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स समणेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया (व) तस्स णं सेणियस्स रण्णो नंदा णामं देवी होत्था वण्णओ सामी समोसढे परिसा निग्गया तए णं सा नंदा-देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा (स जाव ट्ठ) कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता जाणं जहा पउमावई जाव एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता वीसं वासाइं परियाओ जाव सिद्धा। एवं तेरस-वि देवीओ नंदागमेण णेयव्वाओ (सि) ॥ सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ १६ ॥

[अट्ठमो वग्गो]

जइ णं भंते! अट्ठमस्स वग्गस्स उक्खेवओ-जाव दस अज्झयणा पण्णत्ता तं०— काली सुकाली महाकाली कण्हा सुकण्हा महाकण्हा। वीरकण्हा य बोद्धव्वा रामकण्हा तहेव य ॥ १ ॥ पिउसेणकण्हा नवमी दसमी महासेणकण्हा य। जइ दस अज्झयणा[ ] पढमस्स (णं भं) अज्झयणस्स (स जाव सं) के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था पुण्णभद्दे उज्जाणे तत्थ णं चंपाए नयरीए कोणिए राया वण्णओ तत्थ णं चंपाए नयरीए सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो चुल्लमाउया काली नामं देवी होत्था वण्णओ जहा नंदा जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, बहूहिं चउत्थ जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा काली (अज्जा) अन्नया कयाइ जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागया २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाया समाणा रयणावलिं तवं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, अहासुहं तए णं सा काली अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणुन्नाया

तुब्भेहिं सद्धिं समणं भगवं महावीरं पायवंदए, अहासुहं०, तए णं से अइमुत्ते कुमारे भग(व)वया गोयमेणं सद्धिं जेणेव समणे (भ०) महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ जाव पज्जुवासइ, तए णं भगवं गोयमे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए जाव पडिदंसेइ २ त्ता संजमेणं तव० विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अइमुत्तस्स कुमारस्स तीसे य धम्मकहा, तए णं से अइमुत्ते (कु०) समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ० जं नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं [करेह], तए णं से अइमुत्ते [कुमारे] जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागए जाव पव्वइत्तए, अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–बाले-सि जा(ता)व तुमं पुत्ता! असंबुद्धे-सि० किं णं तुमं जा(णा)णसि धम्मं?, तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–एवं खलु (अहं) अम्मयाओ! जं चेव जाणामि तं चेव न जा(या)णामि जं चेव न जाणामि तं चेव जाणामि, तए णं तं अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–कहं णं तुमं पुत्ता! जं चेव जाणसि जाव तं चेव जाणसि?, तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–जाणामि अहं अम्मयाओ! जहा जाएणं अवस्समरियव्वं न जाणामि अहं अम्मयाओ! काहे वा कहिं वा कहं वा केचिरेण वा?, न जाणामि-अम्मयाओ! केहिं कम्माययणेहिं जीवा नेरइयतिरिक्खजोणिमणुस्सदेवेसु उववज्जंति, जाणामि णं अम्मयाओ! जहा सएहिं कम्माययणेहिं जीवा नेरइय[०] जाव उववज्जंति, एवं खलु अहं अम्मयाओ! जं चेव जाणामि तं चेव न जाणामि जं चेव न जाणामि तं चेव जाणामि, इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए जाव पव्वइत्तए, तए णं तं अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति बहूहिं आघव० तं इच्छामो ते जाया! एगदिवसमवि रा(ज)यसिरिं पासित्तए, तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापिउवयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ अभिसेओ जहा महाबलस्स निक्खमणं जाव सामाइयमाइयाइं अहिज्जइ बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं गुणरयणं जाव विपुले सिद्धे १५। (उ० सो० अ० ए० ख० ज०) तेणं कालेणं तेणं समएणं वा(वा)णारसीए नयरीए काममहावणे उज्जाणे, तत्थ णं वाणारसी(इ)ए अलक्खे नामं राया होत्था, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे जाव विहरइ परिसा निग्गया, तए णं [से] अलक्खे राया इमीसे कहाए

समा-णा रयणावलिं (त०) उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ तं०-चउत्थं करेइ चउत्थ करेत्ता सव्वकामगुणियं पारेइ सव्वकामगुणियं पारेत्ता छट्ठं करेइ छट्ठं करेत्ता सव्व-कामगुणियं पारेइ २ अट्ठमं करेइ २ सव्वकाम० २ अट्ठ छट्ठाइं करेइ २ सव्वकाम० २ चउत्थं करेइ २ सव्वकाम० २ छट्ठं करेइ २ सव्वकाम० २ अट्ठमं करेइ २ सव्वकाम० २ दसमं करेइ २ सव्वकाम० २ दुवालसमं करेइ २ सव्वकाम० २ चोद्दसम० २ सव्व० २ सोलसम० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ बावीसइमं० २ सव्व० २ चउवीसइमं० २ सव्व० २ छव्वीसइमं० २ सव्व० २ अट्ठावीसइमं० २ सव्व० २ तीसइमं० २ सव्व० २ बत्तीसइमं० २ सव्व० २ चोत्तीसइमं० २ सव्व० २ चोत्तीसं छट्ठाइं करेइ २ सव्व० २ चोत्ती(सइम)सं करेइ २ सव्व० २ बत्ती-स० २ सव्व० २ तीस० २ सव्व० २ अट्ठावी-स० २ सव्व० २ छव्वी-स० २ सव्व० २ चउवी-स० २ सव्व० २ बावी-स० २ सव्व० २ वी-स० २ सव्व० २ अट्ठार(सम)स० २ सव्व० २ सोलसम० २ सव्व० २ चोद्दसम० २ सव्व० २ बारसमं० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठ छट्ठाइं करेइ २ सव्व० २ अट्ठमं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं करेइ २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० एवं खलु एसा रयणावलीए तवोकम्मस्स पढमा परिवाडी एगेणं संवच्छरेण तिहिं मासेहिं बावीसाए य अहोरत्तेहिं अहासुत्ता जाव आराहिया भवइ, तयाणंतरं च णं दोच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ (०) एवं जहा पढमाए-वि नवरं सव्वपारणए विगइ-वज्जं पारेइ जाव आराहिया भवइ, तयाणंतरं च णं तच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेइ चउत्थं करेत्ता अलेवाडं पारेइ सेसं तहेव, एवं चउत्था परिवाडी नवरं सव्वपारणए आयंबिलं पारेइ सेसं [तहेव] तं चेव,-'पढमंमि सव्वकामं पार-णयं बिइयए विगइवज्जं । तइयंमि अलेवाडं आयंबि(लमो)लं चउत्थंमि ॥ १ ॥' तए णं सा काली अज्जा रयणावली-तवोकम्मं पंचहिं संवच्छरेहिं दोहि य मासेहिं अट्ठावीसाए य दिवसेहिं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवा० २ त्ता अज्जचंदणं अज्जं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता बहूहिं चउत्थ[०] जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा काली अज्जा तेणं उ(ओ)रालेणं जाव धमणिसंतया जाया यावि होत्था से जहा इंगाल० जाव सुहुयहुयासणे इव भासरासिपलिच्छण्णा तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अ-तीव

आराहेइ २ त्ता जाहे चउत्थं जाव मासद्धमासविविहतवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणी
विहरइ, तए णं सा कण्हा अज्जा तेणं ओरालेणं जाव सिद्धा ॥ निक्खेवओ ॥
पंचम(स्स)ज्झय(णस्स)॥ ११ ॥ एवं महाकण्हा-वि णवरं खुड्डागं सव्वओभद्दं
पडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, (तं०-) चउत्थं करेइ २ सव्वकामगुणियं
पारेइ २ छट्ठं करेइ २ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २ सव्व
२ दुवालसमं २ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २ सव्व २
दुवालसमं २ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ दुवाल०
२ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व
२ दसमं २ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २
सव्व २ दुवाल-सं २ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ दसमं २ सव्व २
दुवालसमं २ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ अट्ठमं
२ सव्व एवं खलु एयं खुड्डागसव्वओभद्दस्स तवोकम्मस्स पढमं परिवाडिं
तिहिं मासेहिं दसहिं दिवसेहिं अहासुत्तं जाव आरा(हे)त्ता दोच्चाए परिवाडीए
चउत्थं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ २ जहा रयणावलीए तहा एत्थ-वि चत्तारि
परिवाडीओ पारणा तहेव, चउण्हं कालो संवच्छरो मासो दस य दिवसा सेसं तहेव
जाव सिद्धा ॥ निक्खेवओ ॥ [छट्ठं] अज्झयणं ॥ १२ ॥ एवं वीरकण्हा-वि णवरं
महालयं सव्वओभद्दं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ, तं -चउत्थं करेइ
२ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २ सव्व
२ दुवालसमं २ सव्व २ चोद्द(चउद्द)सं २ सव्व २ सोल(स)सं २
सव्व २ (प लया) दसमं २ सव्व २ दुवालसमं २ सव्व २ चोद्द-सं
२ सव्व २ सोल-समं २ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ छट्ठं २
सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ (बि ल) सोल-समं २ सव्व २ चउत्थं २
सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २ सव्व २ दुवाल
२ सव्व २ चोद्द-सं २ सव्व २ (ति ल) अट्ठमं २ सव्व २ दसमं
२ सव्व २ दुवाल-सं २ सव्व २ चोद्दसमं २ सव्व २ सोलसमं २
सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २ (च ल) चोद्द-सं २ सव्व
२ सोलसमं २ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ छट्ठं २ सव्व २
अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २ सव्व २ दुवाल० २ सव्व २ (पं ल) छट्ठं
२ सव्व २ अट्ठमं २ सव्व २ दसमं २ सव्व २ दुवाल० २ सव्व
२ चोद्द-सं २ सव्व २ सोलसमं २ सव्व २ चउत्थं २ सव्व २ (छ ल)

२ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २-दुवालसं० २ सव्व० २ चोद्दसं० २ सव्व० २ दसम० २ सव्व० २-दुवालस० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठ० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्वकामगुणियं पारेइ-तहेव चत्तारि परिवाडीओ, एक्काए परिवाडीए छम्मासा सत्त य दिवसा, चउण्ह दो वरिसा अट्ठावीसा य दिवसा जाव सिद्धा ॥ १९ ॥ एवं कण्हा-वि नवरं महालय सीहणिक्कीलिय तवोकम्म जहेव खुड्डाग नवरं चोत्तीसइम जाव नेयव्व तहेव ऊसारेयव्व, एक्काए वरिसं छम्मासा अट्ठारस य दिवसा, चउण्हं छव्वरिसा दो मासा वारस य अहोरत्ता, सेस जहा कालीए जाव सिद्धा ॥ २० ॥ एव सुकण्हा-वि नवरं सत्तसत्तमिय भिक्खुपडिमं उवसपज्जित्ताण विहरइ, पढमे सत्तए एक्केक्क भोयणस्स दत्ति पडिगाहेइ एक्केक्कं पाणयस्स, दोच्चे सत्तए दो दो भोयणस्स दो दो पाणयस्स पडिगाहेइ, तच्चे सत्तए तिण्णि० चउत्थे० पचमे० छ० सत्तमे सत्तए सत्त दत्तीओ भोयणस्स पडि(ग)गाहेइ सत्त पाणयस्स, एव खलु एय सत्तसत्तमिय भिक्खुपडिम एगूणपण्णाए रा(इ)तिंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्ता जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचदणा अज्जा तेणेव उवागया [२ त्ता] अज्जचदण अज्ज वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी—इच्छामि णं अज्जाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ताण विहरेत्तए, अहासुह०, तए ण सा सुकण्हा अज्जा अज्जचदणाए अब्भणुण्णाया समाणी अट्ठट्ठमिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ताण विहरइ, पढमे अट्ठए एक्केक्क भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्क पाण(ग)यस्स जाव अट्ठमे अट्ठए अट्ठट्ठ भोयणस्स (दत्तिं) पडिगाहेइ अट्ठ पाण यस्स, एवं खलु एय अट्ठट्ठमिय भिक्खुपडिम चउसट्ठीए रा-तिंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासु(त्त)त्ता जाव नवनवमिय भिक्खुपडिमं उवसपज्जित्ता-णं विहरइ, पढमे नवए एक्केक्क भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ (य) एक्केक्क पाणयस्स जाव नवमे नवए नव नव द० भो० पडि०—नव २ पाणयस्स, एव खलु नवनवमिय भिक्खुपडिम एकासी-ईराइदिएहिं चउहिं पचोत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव दसदसमिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ताण विहरइ, पढमे दसए एक्केक्क भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ-एक्केक्कं पाणयस्स जाव दसमे दसए दस २ भोयणस्स द(त्ति)त्ती[ओ] पडि-गाहेइ दस २ पाण[य]स्स०, एव खलु एय दसदसमिय भिक्खुपडिमं एक्केण राइंदियसएण अद्धछट्ठेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्त जाव

करेइ २ तिण्णि आयंबिलाइं करेइ २ चउत्थं १ चत्तारि १ चउत्थं १ पंच २ चउत्थं १ छ १ चउत्थं २ एवं एक्कोत्तरियाए वड्ढीए आयंबिलाइं वड्ढंति चउत्थंतरियाइं जाव आयंबिलसयं करेइ २ चउत्थं करेइ, तए णं सा महासेणकण्हा अज्जा आयंबिलवड्ढमाणं तवोकम्मं चोद्दसहिं वासेहिं तिहि य मासेहिं वीसाहि य अहोरत्तेहिं अहासुत्तं जाव सम्मं काएणं फासेइ जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवा० २ त्ता (अ अ) वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता बहूहिं चउ(छट्ठे)त्थ जाव भावेमाणी विहरइ, तए णं सा महासेणकण्हा अज्जा तेणं ओरालेणं जाव उवसोभेमाणी चिट्ठइ, तए णं तीसे म(हा)सेणकण्हाए अज्जाए अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकाले चिंता जहा खंदयस्स जाव अज्जचंदणं(-णा)आपुच्छइ जाव संलेहणा[ ] कालं अणवकंखमाणी विहरइ, तए णं सा महासेणकण्हा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं सत्तरस वासाइं परियायं पालइत्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव तमट्ठं आराहेइ [आराहित्ता] चरिमउस्सासनीसासेहिं सिद्धा बुद्धा [ ]। अट्ठ य वासा आ(धी)ई एक्कोत्त(रि)याए जाव सत्तरस। एसो खलु परियाओ सेणियभज्जाणं नायव्वो ॥ १ ॥ एवं खलु जं(जं)बू! समणेणं (भगवया महावीरेणं आइगरेणं) जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते ( ) ॥ अंगं स(सं)मत्तं ॥ २६ ॥ अंतगडदसाणं अंगस्स एगो सुयखंधो अट्ठ वग्गा अट्ठसु चेव दिवसेसु उद्दि[सि]ज्जंति तत्थ पढमबिइयवग्गे दस दस उद्देसगा तइयवग्गे तेरस उद्देसगा चउत्थपंचमवग्गे दस दस उद्देस(गा)गा छट्ठवग्गे सोलस उद्देसगा सत्तमवग्गे तेरस उद्देसगा अट्ठमवग्गे दस उद्देसगा सेसं जहा नायाधम्मकहाणं ॥ २७ ॥

दुवाल० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठम० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० (स० ल०) एक्केक्काए लयाए अट्ठ मासा पंच य दिवसा चउण्हं दो वासा अट्ठ मासा वीस दिवसा सेस तहेव जाव सिद्धा ॥ २३ ॥ एवं रामकण्हा वि नवरं भद्दोत्तरपडिमं उवसपज्जित्ताणं विहरइ तं०—दुवालसमं करेइ २ सव्व० २ चोद्दसम० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ सोलसम० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवाल-सं० २ सव्व० २ चोद्दसम० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठार-समं० २ सव्व० २ चोद्दसम० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइम० २ सव्व० २ दुवालसम० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० एक्काए कालो छम्मासा वीस य दिवसा, चउण्ह कालो दो वरिसा दो मासा वीस य दिवसा, सेसं तहेव जहा काली जाव सिद्धा ॥ २४ ॥ एव पिउसेणकण्हा-वि नवरं मुत्तावलीतवोकम्म उवसपज्जित्ताणं विहरइ, तं०—चउत्थं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ चोद्दसम० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० २ अट्ठार-समं० २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० २ वीसइम० २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० २ बावीसइम० २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० २ चउवीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छव्वीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठावीसं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ तीसइम० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ वत्तीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थ० २ सव्व० २ चोत्तीसइम०[सव्व०] (२ त्ता च० २ त्ता स० २ त्ता च० २ त्ता) एवं तहेव ओसारेइ जाव (चउत्थ करेइ) चउत्थं क(रे-इ)रित्ता सव्वकामगुणियं पारेइ, एक्काए कालो एक्कारस मासा पणरस य दिवसा चउण्ह तिण्णि वरिसा दस य मासा सेस जाव सिद्धा ॥ २५ ॥ एव महासेणकण्हा-वि, नवरं आयंबिलवड्ढमाण तवोकम्म उवसपज्जित्ताण विहरइ, त०—आयंबिलं करेइ २ चउत्थं करेइ २ बे आयंबिलाइं करेइ २ चउत्थं

ति वा भइणि ति वा णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे
वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा मा उवकरेहि मा उवक्खडेहि, अभिकंखसि मे
दाउं एमेव दलयाहि से सेवं वयंतस्स परो असणं वा जाव उवक्खडेत्ता उवक्खडिय
सपाणयं सभोयणं पडिग्गहगं दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं अफासुयं जाव णो
पडिगाहेज्जा ॥ ८५४ ॥ सिया से परो उवणेत्ता पडिग्गहं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव
आलोएज्जा आउसो ति वा भइणि ति वा तुमं चेव णं संतियं पडिग्गहगं अंतोअंतेणं
पडिलेहिस्सामि ॥ ८५५ ॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहंसि पाणाणि
वा बीयाणि वा हरियाणि वा जाव अह भिक्खूणं एस पइण्णा जं पुव्वामेव पडि-
ग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८५६ ॥ सअंडाइं सव्वे आलावगा भाणियव्वा
जहा वत्थेसणाए, णाणत्तं तेल्लेण वा घएण वा सिणाणाइ जाव अण्णयरंसि वा तहप्प-
गारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्जा ॥ ८५७ ॥
एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिएहिं सया
जएज्जासि ति बेमि ॥ ८५८ ॥ पत्तेसणज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे पुव्वामेव
पेहाए पडिग्गहगं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवाय-
पडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ८५९ ॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो
पडिग्गहंसि पाणे वा बीए वा रए वा परियावज्जेज्ज अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा
एस पइण्णा जं पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संज-
यामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥ ८६० ॥ से
भिक्खू वा (२) गाहावइ जाव समाणे सिया से परो आहट्टु अंतो पडिग्गहंसि
सीओदगं परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा परपायंसि
वा अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥ ८६१ ॥ से य आहच्च पडिग्गाहिए सिया से
खिप्पामेव उदगंसि साहरिज्जा से पडिग्गहमायाए पाणं परिट्ठविज्जा, ससणिद्धाए
वा भूमीए णियमिज्जा ॥ ८६२ ॥ से भिक्खू वा (२) उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा
पडिग्गहं णो आमज्जिज्ज वा जाव पयावेज्ज वा ॥ ८६३ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा
विगओदए मे पडिग्गहए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं पडिग्गहं तओ संजयामेव आम-
ज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ८६४ ॥ से भिक्खू वा (२) गाहावइकुलं वा
पविसिउकामे से पडिग्गहमायाए गाहा० पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्ख-
मिज्ज वा एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा
॥ ८६५ ॥ तिव्वदेसियाए जहा बिइयाए वत्थेसणाए णवरं एत्थ पडिग्गहे ॥ ८६६ ॥

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

अणुत्तरोववाइयदसाओ

[पढमो वग्गो]

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे (णा०) [नयरे] (हो० से० ना० रा० हो० चे० दे० गु० उ० व० ते० का० ते० स० रा० न०) अज्जसुहम्म(णा० थे०)स्स समोस(रिए)रण परिसा निग्गया जाव जंबू (जाव) पज्जुवासइ० एव वयासी–जइ ण भते ! समणेण जाव सपत्तेण अट्ठमस्स अगस्स अतगडदसाण अयमट्ठे पण्णत्ते नवमस्स ण भंते ! अगस्स अणुत्तरोववाइयदसाण समणेण जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते ?, (तेण०) तए ण से सुहम्मे अणगारे जं(बू)बुं अणगारं एव वयासी–एव खलु जम्बू ! समणेण जाव सपत्तेण नवमस्स अगस्स अणुत्तरोववाइयदसाण तिण्णि वग्गा पण्णत्ता,- जइ ण भते ! समणेण जाव सपत्तेण नवमस्स अगस्स अणुत्तरोववाइयदसाण (ति०) तओ वग्गा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाण समणेणं जाव सपत्तेण (के) कइ अज्झयणा पण्णत्ता ? एव खलु जबू ! समणेण जाव सपत्तेण अणुत्तरोववाइयदसाण पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, त०–(गा०-)जालिमयालिउव(मा-जा-लि)याली पुरिससेणे य वारिसेणे य दीहदंते य लट्ठदंते य वे(वि)हल्ले वेहा[य]से अभए इ य कुमारे ॥ जइ ण भंते ! समणेणं जाव सपत्तेण पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भते ! अज्झयणस्स अणुत्तरोववाइयदसाण समणेण जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जबू ! तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नयरे रिद्धत्थिमियसमिद्धे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया धा(र)रिणी-देवी सी(ह)हो सुमि(ण)णे (पा० प्र० जाव) जाली-कुमा(रेजाए)रो जहा मेहो (जाव) अट्ठट्ठओ दाओ जाव उप्पिं पासाय० विहरइ, (ते० का० ते० स० स० भ० म० जाव) सामी समोसढे सेणिओ निग्गओ जहा मेहो तहा जाली-वि निग्गओ तहेव निक्खतो जहा मेहो, एक्कारस अगाई अहिज्जइ, गुणरयण तवोकम्म [जहा खंदयस्स] एवं जा चेव खद(य)ग[स्स] वत्तव्वया सा चेव चिंतणा आपुच्छणा थेरेहिं सद्धिं वि(पु)उल तहेव दु(रु)रुहइ, नवरं सोलस वासाइ सामण्णपरियाग

पढम-ज्झयणस्स समणेणं (३) जाव सपत्तेण के अट्ठे प० ? एवं खलु जवू ! तेणं कालेणं तेणं समएण रायगिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे सेणिए राया धा-रिणी देवी सी(हे)हो सुमिणे जहा जाली तहा जम्(मणं)म बालत्तण कलाओ नवर दीहसे(णे)णो कुमा(रे)रो स(चे)च्चेव वत्तव्वया जहा जालिस्स जाव अत काहिइ, एव तेरस-वि रायगिहे (न०) सेणि(ए)ओ(प्पि)पिया धारिणी माया तेरसण्ह-वि सोलस-वासा परियाओ, आणुपुव्वीए (उ०) विजए दोण्णि वेजयते दोण्णि जयंते दोण्णि अपराजिए दोण्णि, सेसा महादुमसेणमाई पंच सव्वट्ठसिद्धे, एवं खलु जंबू ! समणेणं० अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, मासियाए सलेहणाए दोसु-वि वग्गेसु ॥ २ ॥ [त्ति(०बीओ) दोच्चो वग्गो समत्तो ।]

[तच्चो वग्गो]

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेण अणुत्तरोववाइयदसाण दोच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते तच्चस्स ण भंते ! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाण समणेणं जाव संपत्तेण के अट्ठे प० ? एवं खलु जवू ! समणेण जाव सपत्तेण अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, त०– धण्णे य सुण-क्खत्ते [य], इसिदासे (अ) य आहिए । पेल्लए रामपुत्ते य, चदिमा पि(पु)ट्ठिमा-इ(या)य ॥ १ ॥ पेढालपुत्ते अणगारे, नवमे पो(पु)ट्टिले (इ) वि य । वे-हल्ले दसमे वुत्ते, इमे(ते)य दस (ए० अ०) आहि(ते)या ॥ २ ॥ जइ ण भंते ! समणेणं जाव सपत्तेण अणुत्तरोववाइयदसाण तच्चस्स वग्गस्स दस अज्झयणा प० पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेण जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते ? एव खलु जवू ! तेण कालेण तेण समएणं का(गं-क)यदी ना(म)मं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा सह(स)सववणे उज्जाणे स०(वोउए)वउउ० जि(अ)यस(त्तु)त्तू राया, तत्थ णं का-यंदीए नयरीए भद्दा-नाम सत्थवाही परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभू(आ)या, तीसे णं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते धण्णे ना(मए)म दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे पचधा[इ]ई-परिग्गहिए त०–खीरधाई[ए] जहा म(हाब)हब्बले जाव बावत्त(रि)रिं कलाओ अ(हि०)हीए जाव अल-भोगसमत्थे जाए यावि होत्था, तए ण सा भद्दा सत्थवाही धण्(ण)ण दारय उम्मुक्कबालभाव जाव भोगसमत्थं या(वा)वि(या)जा-णि(या)त्ता बत्तीसं पासायवडिंसए कारेइ अब्भुग्गयमूसिए जाव तेसिं मज्झे भवण अणेग-खंभसयसंणिविट्ठ जाव बत्तीसाए इब्भवरकण्णगाणं एगदिवसेण पाणिं गेण्हावेइ (२) बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासाय० फु(ट्टं)ट्टंतेहिं जाव विहरइ, तेणं कालेण तेण समएणं समणे० समोसढे परिसा निग्गया राया जहा कोणिओ तहा जियसत्तू

णओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाईं अहिज्जइ [अहिज्जित्ता] संजमेण तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए ण से धण्णे अणगारे तेण उ(ओ)रालेणं (त०) जहा खंदओ जाव० चिट्ठइ, धण्णस्स णं अणगारस्स पायाण अय(इ)मेयारूवे तवरूवलावण्णे होत्या, से जहा-नामए सुक्कछल्ली-इ वा कट्ठपाउया-इ वा जरग्ग(उ)ओवाहणा-इ वा, एवामेव धण्णस्स अणगारस्स पाया सुक्का (लुक्खा) निम्मसा अट्ठिचम्मछिरत्ताए पण्णायति नो चेव णं मंससोणियत्ताए, धण्णस्स ण अणगारस्स पायंगुलियाणं अयमेयारूवे० से जहा-नामए कलसगलिया-इ वा मुग्ग(स०)माससगलिया-इ वा तरुणिया छिण्णा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी मिलायमाणी २ चिट्ठति, एवामेव धण्णस्स (अ०) पायगुलियाओ सुक्काओ जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स (ण अ०) जघाण अयमेयारूवे० से जहा० काकजघा-इ वा ककजघा-इ वा ढेणियालि(य)याजघा-इ वा जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स (णं) जाणूगं अयमेयारूवे० से जहा० का(ली)लिपोरे-इ वा मयूरपोरे-इ वा ढेणियालियापोरे-इ वा एव जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स उरुस्स० जहा नामए सामक(रे)रिल्ले-इ वा बो(रि)रीकरिल्ले-इ वा सल्लइकरिल्ले-इ वा साम-लिकरिल्ले-इ वा तरुणिए (छि०) उण्हे जाव चिट्ठइ एवामेव धण्णस्स उरु जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स कडिप(ट्ट)त्तस्स इमेयारूवे० से जहा० उट्टपा(ए)दे-इ वा जरग्गपाए-इ वा [महिसपाए-इ वा] जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स उदरभायणस्स इ(अय)मेयारूवे० से जहा० सुक्कदिए इ वा भज्ज-(णय)यणकभल्ले-इ वा कट्ठकोलंबए-इ वा, एवामेव उदरं सुक्क[०], धण्णस्स पा(पा)सु-लि(या)यक(र)डयाण इमेयारूवे० से जहा० थासयावली-इ वा पाणावली-इ वा मुडा-वली-इ वा[०], धण्णस्स पि(ट्ठ)ट्ठिकरंड-याण अयमेयारूवे० से जहा० कण्णावली-इ वा गोलावली-इ वा वट्टयावली-इ वा, एवामेव०, धण्णस्स उ(रु)रक-डयस्स अय-मेयारूवे० से जहा० चित्त(य)कट्टरे-इ वा वियणपत्ते-इ वा तालियंटपत्ते-इ वा एवा-मेव०, धण्णस्स बाहाण० से जहा-नामए समिसगलिया-इ वा प(वा)हा(य)या-सगलिया-इ वा अगत्थिय-सगलिया-इ वा एवामेव०, धण्णस्स हत्थाण० से जहा० सुक्कछगणिया-इ वा वडपत्ते-इ वा पलासपत्ते-इ वा, ए(व)वामेव०, धण्णस्स हत्थं-गुलियाण० से जहा० क(लाय)लसगलिया-इ वा मुग्ग(०)माससंगलिया-इ वा तरुणिया छिण्णा आयवे दिण्णा सुक्का समाणी एवामेव०, धण्णस्स गीवाए० से जहा० करग-गीवा-इ वा कुंडियागीवा-इ वा उच्च(त्थ)ट्ठवणए-इ वा एवामेव०, धण्णस्स ण हणु(आ)याए० से जहा० लाउ(य)फले-इ वा हकुवफले-इ वा अवगट्ठिया-इ वा एवामेव०, धण्णस्स-उट्ठाण० से जहा० सुक्कजलोया-इ वा सिलेसगुलिया-इ वा अलत्त(ग)-

तुम्बियाइ वा एवामेव धन्नस्स जिब्भाए से जहा॰ वडपत्तेइ वा पलासपत्तेइ वा (संबर) सागपत्तेइ वा एवामेव धन्नस्स णा(सि)साए से जहा अंबगपेसिया-इ वा अंबाडगपेसिया-इ वा माउ(लि)लुंगपेसिया-इ वा एवामेव धन्नस्स अच्छीणं से जहा वीणाछि(ड्डे)ड्डे-इ वा व(द्धी)धी(सग)छिड्डे-इ वा पा(प)भाइयता(रि)रगा-इ वा एवामेव धन्नस्स कण्णाणं से जहा मू(ला)लाछल्लिया-इ वा वालुंक कारेल्ल(य)छ(ल्लि)ल्लिया-इ वा एवामेव धन्नस्स (स) सीसस्स से जहा तरुणगलाउए-इ वा तरुणगएला(लु)लुय(ए)-इ वा सिण्हा(ल)लए(इ) वा तरुणए जाव चिट्ठइ, एवामेव धन्नस्स अणगारस्स सीसं सुक्कं लुक्खं निम्मंसं(अट्ठि)चम्म(छि)छिरत्ताए पन्नायइ नो चेव णं मंससोणियत्ताए, एवं सव्वत्थ(वि), नवरं उ(द)यरभायण(क)कण्ण जीहा उट्ठा एएसिं अट्ठी न भण्णइ चम्मछिरत्ताए पन्नायइ-त्ति भण्णइ, धन्ने णं अणगारे णं सुक्केणं भु(सु)क्खेणं पायजंघोरुणा विगयतडिकरालेणं कडिकडाहेणं पि-ट्ठि(म)मस्सिएणं उदरभायणेणं जोइज्जमाणेहिं पा(-सु)सुलि[य]कडएहिं अक्खसुत्तमाला(इ वा)विव (गणिज्जमाणेहिं वा) ग(णे)णिज्जमा(णा)णेहिं पि-ट्ठि(करंड)करंडगसंधीहिं गंगातरंगभूएणं उरकडगदेसभाएणं सुक्कसप्पसमाणाहिं बाहाहिं सि(ढ)ढिलकडालीविव चलं(तेहि)तेहिं य अग्गहत्थेहिं कंपमाणइ(वो)एविव वेवमाणीए सीसघडीए पव्वायवयणकमले उब्भडघ(ण)डामुहे उब्बुड्डणयणकोसे जीवं-जीवेणं गच्छइ जीवं-जीवेणं चिट्ठइ भासं भासिस्सा(मीति)मि त्ति गिला(य)इ २ से जहा नामए इंगालसगडिया-इ वा जहा खंदओ तहा जाव हुयासणे इव भासरा(सी)सिपलिच्छन्ने तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए (अ) उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसढे परिसा निग्गया सेणि(ओ)ए निग्गए धम्मकहा परिसा पडिगया, तए णं से सेणिए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं॰ २ त्ता एवं वयासी-इमासि णं भंते ! इंदभूइपामोक्खाणं चो(च उ)द्दसण्हं समणसाहस्सीणं क(य)यरे अणगारे महादुक्करकारए चेव महानिज्जरतराए चेव ? एवं खलु सेणिया ! इमासिं इंदभूइपामोक्खाणं चो-(च)द्दसण्हं समणसाहस्सीणं धन्ने अणगारे महादुक्करकारए चेव महानिज्ज(र)रतराए चेव से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ इमासिं जाव साहस्सीणं धन्ने अणगारे महादुक्करकारए चेव महानिज्ज(-र)रतराए चेव ? एवं खलु सेणिया ! तेणं कालेणं तेणं समएणं का-कंदी नाम नयरी होत्था [ ] उप्पि पासायवडिंसए विहरइ, तए णं अहं अन्नया कयाइ पुव्वाणु-

(व्वि)व्वीए चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव का-यंदी नयरी जेणेव सह-सव-वणे उज्जाणे तेणेव उवागए [उवागमित्ता] अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हामि २ त्ता सजमेण जाव विहरामि, परिसा निग्गया, तहे(त चे)व जाव पव्वइए जाव बिलमिव जाव आहारेइ, धण्णस्स णं अणगारस्स पादाण सरीरवण्णओ सव्वो जाव उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं सेणिया ! (इमं) एव वुच्चइ-इमासिं चउदसण्हं (समण)साहस्सीण धण्णे अणगारे महादुक्करकारए महानिज्जरयराए चेव, तए णं से सेणि(य)ए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंति(य)ए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ० समण भगवं महावीर तिक्खुत्तो आयाहि(ण)णपयाहिण करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव धण्णे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं अण-गारं तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहिणं करेइ २ त्ता व(दे)दइ नमंसइ व० २ त्ता एव वयासी-धण्णे(ऽ)सि ण तुमं देवाणुप्पिया ! सुपुण्णे(०) सुकयत्थे कयलक्खणे सुलद्धे ण देवाणुप्पिया ! तव मा(म)णुस्सए जम्मजीवियफलेत्तिकट्टु वंदइ नमसइ व० २ त्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगव महावीरं तिक्खुत्तो (जाव) वदइ नमंसइ व० २ त्ता जामेव दि(सिं)स पाउब्भूए तामेव दि-स पडिगए ॥ ४ ॥ तए णं तस्स धण्णस्स अणगारस्स अण्णया कया(इ)इ पुव्व-रत्तावरत्तका(ले)लसमयंसि धम्मजागरियं० इमेयारूवे अ(ज्झ)ब्भत्थिए० एव खलु अह इमेण उ-रालेण [०] जहा खदओ तहेव चिंता आपुच्छ(णा)ण थेरेहिं सद्धिं वि(-लप०)उल दुरू(हंति)हइ मासिया संलेहणा नव-मा(स)सा परियाओ जाव काल-मासे कालं किच्चा उड्ढं चदिम जाव नव-य-गे(वि)वेज्ज(वि०)विमाणपत्थडे उड्ढं दूर वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववण्णे, थेरा तहेव उ(त्त)यरंति जाव इमे से आयारभंडए, भंतेत्ति भगवं गोयमे तहेव पुच्छइ जहा खदयस्स भगव वागरेइ जाव सव्वट्ठसिद्धे विमाणे उववण्णे । धण्णस्स ण भंते ! देवस्स केवइयं काल ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! तेत्तीसं सागरोवमाई ठिई पण्णत्ता । से ण भंते ! ता(त)ओ देवलोगाओ (आ० ३) कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदे(ह)हे वासे सिज्झिहिइ ५ । तं एव खलु जंबू ! समणेण जाव संपत्तेणं पढमस्स अज्झय-णस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ५ ॥ (इ० ति० व०) पढ(म)म अज्झयण समत्त ॥ जइ णं भंते ! [०] उक्खेवओ एव खलु जंबू ! तेण कालेण तेण समएण [का यंदी (ना०) नयरी (हो०) जियस० राया तत्थ ण] का-यंदीए नयरीए भद्दा-नामं सत्थ-वाही परिवसइ अड्ढा०, तीसे ण भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते सुणक्खत्ते नामं दारए होत्था अहीण० जाव सुरूवे पचधाइपरिक्खित्ते जहा ध(न्ने)ण्णो त(हेव)हा वत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासायव(डें)डिंसए विहरइ, तेण कालेणं तेण समएण (सामी)

(व्वि)व्वीए चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव का-यंदी नयरी जेणेव सहस्सव-वणे उज्जाणे तेणेव उवागए [उवागमित्ता] अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हामि २ त्ता सजमेण जाव विहरामि, परिसा निग्गया, तहे(तं चे)व जाव पव्वइए जाव बिलमिव जाव आहारेइ, धण्णस्स णं अणगारस्स पादाण सरीरवण्णओ सव्वो जाव उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं सेणिया ! (इमं) एव वुच्चइ-इमासिं चउदसण्हं (समण)साहस्सीण धण्णे अणगारे महादुक्करकारए महानिज्जरयराए चेव, तए णं से सेणि(य)ए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंति(य)ए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ० समण भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहि(ण)णपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ व० २ त्ता जेणेव धण्णे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्ण अण-गारं तिक्खुत्तो आयाहि-णपयाहिणं करेइ २ त्ता वं(दे)दइ नमसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–धण्णे(ऽ)सि णं तुमं देवाणुप्पिया ! सुपुण्णे(०) सुकयत्थे कयलक्खणे सुलद्धे णं देवाणुप्पिया ! तव मा(म)णुस्सए जम्मजीवियफलेत्तिकट्टु वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समण भगव महावीरं तिक्खुत्तो (जाव) वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जामेव दि(सिं)स पाउब्भूए तामेव दि-स पडिगए ॥ ४ ॥ तए णं तस्स धण्णस्स अणगारस्स अण्णया कया(इं)इ पुव्व-रत्तावरत्तका(ले)लसमयंसि धम्मजागरिय० इमेयारूवे अ(ज्झ)ब्भत्थिए० एवं खलु अहं इमेण उ-रालेण [०] जहा खदओ तहेव चिंता आपुच्छ(णा)ण थेरेहिं सद्धिं वि(-लप०)उल दुरू(हंति)हइ मासिया संलेहणा नव-मा(स)सा परियाओ जाव काल-मासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम जाव नव-य-गे(वि)वेज्ज(वि०)विमाणपत्थडे उड्ढं दूरं वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववण्णे, थेरा तहेव उ(त्त)यरंति जाव इमे से आयारभंडए, भंतेत्ति भगवं गोयमे तहेव पुच्छइ जहा खदयस्स भगव वागरेइ जाव सव्वट्ठसिद्धे विमाणे उववण्णे । धण्णस्स ण भंते ! देवस्स केवइयं काल ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! तेत्तीस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । से ण भंते ! ता(त)ओ देवलोगाओ (आ० ३) कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदे(ह)हे वासे सिज्झिहिइ ५ । तं एव खलु जंबू ! समणेण जाव संपत्तेणं पढमस्स अज्झय-णस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ५ ॥ (इ० ति० व०) पढ(म)म अज्झयण समत्त ॥ जइ णं भंते ! [०] उक्खेवओ एव खलु जंबू ! तेण कालेणं तेणं समएण [का यंदी (ना०) नयरी (हो०) जियस० राया तत्थ णं] का-यंदीए नयरीए भद्दा-नामं सत्थ-वाही परिवसइ अड्ढा०, तीसे ण भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते सुणक्खत्ते नाम दारए होत्था अहीण० जाव सुरूवे पंचधाइपरिक्खित्ते जहा ध(न्ने)ण्णो त(हेव)हा बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासायव(डें)डिंसए विहरइ, तेण कालेण तेण समएण (सामी)

एय खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ज सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति वेमि ॥ ८६७ ॥ **पत्तेसणाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**

छट्ठं पत्तेसणाज्झयण समत्तं ॥

समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुट्ठाए सव्व भंते अदिण्णादाण पच्चक्खामि ॥ ८६८ ॥ से अणुपविसित्ता गाम वा जाव० णेव सयं अदिन्न गिण्हिज्जा, णेवण्णेण अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णेण अदिण्णं गिण्हत समणुजाणेज्जा। जेहिवि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पुव्वामेव उग्गह अणुण्णविय अपडिलेहिय अपमज्जिय णो गिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा तेसिं पुव्वामेव उग्गह जाइज्जा अणुण्णविय पडिलेहिय पमज्जिय तओ सं० उगिण्हिज्ज वा पगिण्हिज्ज वा ॥ ८६९ ॥ से आगतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गह जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गह अणुण्णवेज्जा काम खलु आउसो अहालद अहापरिण्णात वसामो जाव आउसतस्स उग्गहे जाव साहम्मिया एइ ताव उग्गह गिण्हिस्सामो तेण पर विहरिस्सामो ॥ ८७० ॥ से किं पुण तत्थोग्गहसि **एवोग्गहियंसि ?** जे तत्थ साहम्मिया समोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसित्तए असणे वा (४) तेण ते साहम्मिया समोइया समणुण्णा उवणिमतेज्जा, णो चेव ण परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमतेज्जा ॥ ८७१ ॥ से आगतारेसु वा (४) जाव से किं पुण तत्थोग्गहसि एवोग्गहियसि, जे तत्थ साहम्मिया अण्णसभोइया समणुन्ना उवागच्छेज्जा जे तेण सयमेसित्तए पीढे वा फलए वा सेज्जासथारए वा, तेण ते साहम्मिए अण्णसमोइए समणुन्ने उवणिमतेज्जा णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमतेज्जा ॥ ८७२ ॥ से आगंतारेसु वा (४) जाव से किं पुण तत्थोग्गहसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा अप्पणो त एगस्स अट्ठाए पाडिहारिय जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपदेज्ज वा सय करणिज्जं त्ति कट्टु से तमादाए तत्थ गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे त्ति कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इम खलु इम खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव ण सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा ॥ ८७३ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण उग्गहं जाणिज्जा अणतरहियाए पुढवीए ससणिद्धाए पुढवीए जाव सताणाए तहप्पगारं उग्गह णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८७४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणसि वा (४) तहप्पगारे अतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

पण्हावागरणं

नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्वसाहूणं। (तेणं कालेणं तेण समएणं चपा-नाम नगरी होत्था, पुण्णभद्दे उज्जाणे असोगवरपायवे पुढविसिलापट्टए, तत्थ णं चपाए नयरीए कोणिए नाम राया होत्था, धारिणी देवी, तेणं कालेणं तेणं समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतेवासी अज्जसुहम्मे नाम थेरे जाइसपन्ने कुलसपन्ने वलसपन्ने रूवसंपन्ने विणय-सपन्ने नाणसपन्ने दसणसंपन्ने चरित्तसंपन्ने लज्जासंपन्ने लाघवसपन्ने ओयसी तेयसी वचंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोभे जियनिद्दे जिय-इंदिए जियपरीसहे जीवियासमरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे मुत्तिप्प-हाणे विज्जापहाणे मंतप्पहाणे वभप्पहाणे वयप्पहाणे नयप्पहाणे नियमप्पहाणे सच्चप्पहाणे सोयप्पहाणे नाणप्पहाणे दसणप्पहाणे चरित्तप्पहाणे चोद्दसपुव्वी चउनाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं सपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगाम दूइज्जमाणे जेणेव चपा न(ग)यरी तेणेव उवागच्छइ जाव अहापडिरूवं उग्गह उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति। तेण कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्जजवू नाम अणगारे कासवगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव सखित्तविपुलतेयलेस्से अज्जसुहम्मस्स थेरस्स अदूरसामन्ते उड्ढं-जाणू जाव संजमेणं तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ। तए ण से अज्जजवू जायसड्ढे जायससए जायकोउहल्ले उप्पन्नस(ड्ढे)ड्ढे ३ सजायसड्ढे ३ समुप्पन्नसड्ढे ३ उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव अज्जसुहम्मे थेरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जसुह-म्म(मे)मं थे(रे)रं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने नाइदूरे विणएणं पंजलिपुडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ ण भंते! सम-णेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं णवमस्स अगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं अय-मट्ठे प० दसमस्स णं (भ०) अगस्स पण्हावागरणाण समणेण जाव सपत्तेणं के अट्ठे प०? जवू! दसमस्स अंगस्स समणेणं जाव सपत्तेण दो सुयक्खधा पण्णत्ता—

लसरडजाहगमुगु(सी-सा)सखाडहि(ला)लवाउ(प्पि)प्पहुय[घी]घरोलियसिरीसिवगणे य एवमादी, कादंब(कं)कवककलाकासारसआडासेतीयकुललवंजुलपारिप्पवचकीवसउण-[पि]पीपीलिय[दीविय]हसधत्तरिट्ठगभासकुलीकोसकुंचदगतुंडढेणियालगसू-(यी)ईमुहकविलपिंगलक्खगकारंडगचक्कवागउक्कोसगरुलपिंगुलसुयवरहिणमयणसाल-नदीमुहनंदमाणगकोरगभिंगारगकोणालगजी(वं)वजीव(ग)कतित्तिरवट्टकलावककपिं-जलककवोतक[काग]पारेवयग(च)चिडिगढिंकुकुडवेसरमयूरगचउरगहयपोंडरीय-सालग[करक]वीरल्लसेणवायसयविहंग(भे)मिणासि(य)चासवग्गुलिचम्मट्ठिलविततपक्खिखहयरविहाणाकते य एवमादी, जलथलखगचारिणो उ पचिंदिए पसुगणे बियतियचउरिंदिए विविहे जीवे पियजीविए मरणदुक्खपडिकूले वराए हणंति बहुसंकिलिट्ठकम्मा। इमेहिं विविहेहिं कारणेहिं, किं ते ?, चम्मवसामंसमेयसोणियजगफिप्फिसमत्थु[लिं]लुंगहितयंतपित्तफोफसदंत(ट्ठी)ट्ठा अट्ठिमिंजनहनयणकण्णण्हारुणिनक्कधमणिसिंगदाढिपिच्छविसविसाणवालहेउ, हिंसंति य भमरमधुकरिगणे रसेसु गिद्धा तहेव तेंदिए सरीरोवकरणट्ठयाए किवणे बेंदिए बहवे वत्थोहरपरिमंडणट्ठा, अण्णेहि य एवमाइएहि बहूहिं कारणसतेहिं अबुहा इह हिंसंति तसे पाणे इमे य एगिंदिए बहवे वराए तसे य अण्णे तदस्सिए चेव तणुसरीरे समारभंति अत्ताणे असरणे अणाहे अबंधवे कम्मनिगलबद्धे अकुसलपरिणाममंदबुद्धिजणदुव्विजाणए पुढ(वी)-विम[ये]ए पुढ-विसंसि(ये)ए जलमए जलगए अणलाणिलतणवणस्सतिगणनिस्सिए य तम्मयतज्जिते चेव तदाहारे तप्परिणतवण्णगंधरसफासबोंदिरूवे अचक्खुसे चक्खुसे य तसकाइए असंखे थावरकाए य सुहुमबायरपत्तेयसरीरनामसाधारणे अणंते हणंति अविजाणओ य परिजाणओ य जीवे इमेहिं विविहेहिं कारणेहिं, किं ते ?, करिसणपोक्खरणीवाविवप्पिणिकूवसरतलागचितिवे(दि)तियखातियआरामविहारथूभपागारदारगोउरअट्टालगचरियासेतुसंकमपासायविकप्पभवणघरसरणलेणआवणचेतियदेवकुलचित्तसभापवाआयतणावसहभूमिघरमंडवाण य कए भायणभंडोवगरणस्स विविहस्स य अट्ठाए पुढविं हिंसंति मंदबुद्धिया जलं च मज्जणयपाणभोयणवत्थधोवणसोयमादिएहिं पयणपयावणजलावणविदंसणेहिं अगणिं सुप्पवियणतालयंटपेहुणमुहकरयलसागपत्तवत्थमादिएहिं अणिलं अगारपरिवा(डि-या)रभक्खभोयणसयणासणफल(क)गमुसलउक्खलततविततातोज्जवहणवाहणमंडवविविहभवणतोरणविडंगदेवकुलजालयद्धचंदनिज्जूगचंदसालियवेतियणिस्सेणिदोणिचंगेरिखीलमेढकसभापवावसहगंधमल्लाणुलेवणवरजुयनंगलमइयकुलियसंदणसीयारहसगडजाणजोग्गअट्टालगचरिअदारगोपुरफलिहाजंतसूलियलउडमुसंढिसतग्घिबहुपहरणावरणुवक्खराण कते,

दुस्सहेसु य अत्ताणासरणकडुयदुक्खपरितावणेसु अणुबद्धनिरंतरवेयणेसु जमपुरिस-संकुलेसु, तत्थ य अन्तोमुहुत्तलद्धिभवपच्चएणं निव्वत्तेंति उ ते सरीरं हुंडं बीभच्छदरिसणिज्जं बीहणगं अट्ठिण्हारुणहरोमवज्जियं असुभ-गंध-दुक्खविसहं, ततो य पज्जत्तिमुवगया इंदिएहिं पंचहिं वेदेंति असुभाए वेयणाए उज्जलबलविउलउक्कड-खरफरुसपयंडघोरबीहणगदारुणाए, किं ते ?, कंदुमहाकुंभियपयणपउलणतवग-तलणभट्ठभज्जणाणि य लोहकडाहुकड्ढणाणि य कोट्टबलिकरणकोट्टणाणि य सामलि-तिक्खग्गलोहकंटकअभिसरणपसारणाणि फालणविदालणाणि य अवकोडकबंधणाणि लट्ठिसयतालणाणि य गलगबलुल्लंबणाणि सूलग्गभेयणाणि य आएसपवंचणाणि खिंसणविमाणणाणि विघुट्ठपणिज्जणाणि वज्झसयमातिकाति य एव ते । पुव्वकम्म-कयसंचयोवतत्ता निरयग्गिमहग्गिसंपलित्ता गाढदुक्खं महब्भयं कक्कसं असायं सारीरं माणसं च तिव्वं दुविहं वेदेंति वेयणं पावकम्मकारी बहूणि पलिओवम-सागरोवमाणि कलुणं पालेन्ति ते अहाउयं जमकातियतासिता य सद्दं करेंति भीया, किं ते ?, अविभायसामि(माम)भायबप्पतायजितव मुय मे मरामि दुब्बलो वाहिपीलिओऽहं किं दाणिऽसि ? एवदारुणो णिद्दय मा देहि मे पहारे उस्सासेतं (एयं) मुहुत्तयं मे देहि पसायं करेहि मा रुस वीसमामि गेविज्जं मु(म्च)य[ह] मे मरामि, गाढ तण्हातिओ अहं देह पाणीयं हंता पिय इमं जलं विमलं सीयलंति घेत्तूण य नरयपाला तवियं तउयं से देंति कलसेण अंजलीसु दट्ठूण य तं पवे[पि]वियगोवंगा अंसुपगलंतपप्पुयच्छा छिण्णा तण्हाइयम्ह कलुणाणि जंपमाणा विप्पेक्खन्ता दिसो-दिसिं अत्ताणा असरणा अणाहा अबंधवा बंधुविप्पहूणा विपलायंति य मिगा इव वेगेण भयुव्विग्गा, घेत्तूण बला पलायमाणाणं निरणुकंपा मुहं विहाडेत्तु लोहदंडे-डेहिं कलकलं ण्हं वयणंसि छुभंति केइ जमकाइया हसंता, तेण दड्ढा संतो रसंति य भीमाइं विस्सराइं रुवंति य कलुणगाइं पारेवतगाव एवं पलवितविलावकलुणा-कंदियबहुरुन्नरुदियसद्दो परि[वे]देवितरुद्धबद्धयनारकारवसंकुलो णीसट्ठो रसियभणिय-कुवियउक्कूइयनिरयपालतज्जिय गेण्ह-क्कम पहर छिंद भिंद उप्पाडेहुक्खणाहि कत्ताहि विकत्ताहि य भुज्जो हण विहण विच्छुभोच्छुब्भ आकड्ढ विकड्ढ किं ण जंपसि ? सराहि पावकम्माइं दुक्कयाइं एवं वयणमहप्पगब्भो पडिसुयासद्दसंकुलो तासओ सया निरयगोयराणं महाणगरडज्झमाणसरिसो निग्घोसो सु[च्च]व्वए अणिट्ठो तहियं नेरइयाणं जाइज्जंताणं जायणाहिं, किं ते ?, असिवणदब्भवणजंतपत्थरसूइतलक्खा-रवाविकलकलन्तवेयरणिकलंबवालुयाजलियगुहनिरुंभणउसिणोसिणकंटइल्लदुग्गमरह-जोयणतत्तलोहमग्गगमणवाहणाणि, इमेहिं विविहेहिं, आयुहेहिं किं ते ? मोग्गरमुसु-

वेइंदियाण तहिं २ चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता कालं संखेज्जकं भमंति नेरइय-समाणतिव्वदुक्खा फरिसरसणघाणसंपउत्ता (तहेव वेइ(वें)दि(ये)एसु) गंडूलयजलूय-किमियचंदणगमादिएसु य जा(ती)तिकुलकोडिसयसहस्सेहिं सत्तहिं अणूणएहिं वेइंदि-याण तहिं २ चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता काल संखिज्जक भमंति नेरइयसमाणति-व्वदुक्खा फरिसरसणसंपउत्ता पत्ता एगिंदियत्तणपि-य पुढविजलजलणमारुयवणप्फति सुहुमवायरं च पज्जत्तमपज्जत्त पत्तेयसरीरणाम-साहारणं च पत्तेयसरीरजीविएसु य तत्थवि कालमसंखेज्जगं भमति- अणतकालं च अणंतकाए फासिंदियभावसंपउत्ता दुक्खसमुदयं इम अणिट्ठ पाविंति पुणो २ तहिं २ चेव परभवतरुगणग(ह)णे कोद्दालकुलियदालणसलिलमलणखुंभणरुंभणअणलाणिलविविहसत्थघट्टणपरोप्पराभिह-णणमारणविराहणाणि य अकामकाइं परप्पओगोदीरणाहि य कज्जपओयणेहि य पेस्स-पसुनिमि[त्तं]त्तओसहाहारमाइएहिं उक्खणणउक्कत्थणपयणकोट्टणपीसणपिट्टणभज्जण-गालणआमोडणसडणफुडणभंजणछेयणतच्छणाविलुंचणपत्तज्झोडणअग्गिदहणाइया-(ति)तिं एव ते भवपरंपरादुक्खसमणुबद्धा अडंति संसारबीहणकरे जीवा पाणाइ-वायनिरया अणंतकालं जेविय इह माणुसत्तणं आगया क(हिं वि)हंचि नरगा उव्वट्टिया अधन्ना तेविय दीसंति पायसो विकयविगलरूवा खुज्जा वडभा य वामणा य वहिरा काणा कुंटा पंगुला विउला य (अविय जल)मू(या)का य मंमणा य अ(धि-ल्ले)धयगा एगचक्खू विणिहयसं(पिस वे)चिल्लया वाहिरोगपीलियअप्पाउयसत्थवज्झ-बाला कुलक्खणुक्किन्नदेहा दुब्बलकुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा किविणा य हीणा हीणसत्ता निच्चं-सोक्खपरिवज्जिया असुहदुक्खभा[ग]गी णरगाओ [उव्वट्टिया] इह सावसेसकम्मा, एवं णरग तिरिक्खजोणिं कुमाणुसत्तं च हिंडमाणा पावंति अणंताइं दुक्खाइं पावकारी एसो सो पाणवहस्स फलविवागो इहलोइओ पा(प)-रलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भयो बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चती, न य अवेदयित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति एवमाहंसु, नायकुल-नंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो क(हइ सीह)हेसी य पाणवह(ण)स्स फलविवागं, एसो सो पाणवहो चंडो रुद्दो खुद्दो अणारिओ निग्घिणो निसंसो मह-ब्भओ बीहणओ तासणओ अणज्जो उव्वेयणओ य णिरवयक्खो निद्धम्मो निप्पिवासो निक्कलुणो निरयवासगमणनिधणो मोहमहब्भयपवड्ढओ मरणवेमणस्सो पढमं अहम्मदारं समत्तंतिबेमि ॥ ४ ॥ जंबू! बितियं च अलियवयणं लहुसगलहु-चवलभणियं भयंकरं दुहकरं अयसकरं वेरकरगं अरतिरतिरागदोसमणसंकिलेसवियरणं अलियनियडिसातिजोयबहुलं नीयजणनिसेवियं निस्संसं अप्पच्चयकारकं परम-

अलिय-पयावइणा इस्सरेण य कयंति केति, एवं विण्हुमयं कसिणमेव य जगंति केई, एवमेके वदंति मोसं एको आया अकारको वेदको य सुकयस्स दुक्कयस्स य करणाणि कारणाणि सव्वहा सव्वहिं च निच्चो य निक्किओ निग्गुणो य अ(णो अ)णुवलेव-ओत्ति-विय एवमाहंसु असब्भावं, जंपि इहं किंचि जीवलोके दीसइ सुकयं वा दुकयं वा एयं जदिच्छाए वा सहावेण वावि दइवतप्पभावओ वावि भवति, नत्थेत्थ किंचि कयकं [तत्तं]कयं च लक्खणविहाणनियती[ए]य कारि[यं]या एवं केइ जपंति इड्ढि-रससातगारवपरा बहवे करणालसा परूवेंति धम्मवीमंसएण मोसं, अवरे अहम्मओ रायदुट्ठं अब्भक्खाणं भणेंति-अलियं चोरोत्ति अचोरयं करेंतं डामरिउत्तिवि-य एमेव उदासीणं दुस्सीलोत्ति य परदारं गच्छतित्ति मइलिंति सीलकलियं अयपि गुरुतप्पओ, अण्णे एमेव भणंति उवाहणंता मित्तकलत्ताई सेवंति अयंपि लुत्तधम्मो इमोवि विस्स-भ[वाइ]घायओ पावकम्मकारी अकम्मकारी अगम्मगामी अयं दुरप्पा बहुएसु य पा(प)वगेसु जुत्तोत्ति एवं जपंति मच्छरी, भद्दके वा गुणकित्तिनेहपरलोगनिप्पिवासा, एवं ते अलियवयणदच्छा परदोसुप्पायणप्पसत्ता वेढेन्ति अक्खातियबीएण अप्पाणं कम्मबंधणेण मुहरी असमिक्खियप्पलावा निक्खेवे अवहरंति परस्स अत्थंमि गढि-यगिद्धा अभिजुंजंति य परं असंतएहिं लुद्धा य करेंति कूडसक्खित्तणं असच्चा अत्थालियं च कन्नालियं च भोमालियं च तह गवालियं च गरुयं भणंति अहरगति-गमणं(कारणं), अन्नपि य जातिरूवकुलसीलपच्चयं मायाणिगुणं चवलं पिसुणं पर-मट्ठभेदकम[स]संतकं विद्देसमणत्थकारकं पावकम्ममूलं दुद्दिट्ठं दुस्सुयं अमुणियं निल्लज्जं लोकगरहणिज्जं वहबंधपरिकिलेसबहुलं जरामरणदुक्खसोयनिम्मं असुद्धपरिणामसंकि-लिट्ठं भणंति अलिया(हिं)हिंस(ति)धिसंनिविट्ठा असंतगुणुदीरका य संतगुणनासका य हिंसाभूतोवघातितं अलियसंपउत्ता वयणं सावज्जमकुसलं साहुगरहणिज्जं अधम्मं जणणं भणंति अणभिगयपुन्नपावा, पुणोवि अधिकरणकिरियापवत्तका बहुविहं अणत्थं अवमद्दं अप्पणो परस्स य करेंति, एमेव जपमाणा महिससूकरे य साहिंति घायगाणं ससं-यपसयरोहिए य साहिंति वागुराणं तित्तिरवट्टकलावके य कविंजलकवोयके य साहिंति साउणीणं झसमगरकच्छभे य साहिंति मच्छियाणं संखके खुल्लए य साहिंति म(गि) गराणं अयगरगोणसमंडलिदव्वीकरे मउली य साहिंति वा(यलिया)लवीणं गोहा सेहग सल्लगसरड[गे]के य साहिंति लुद्धगाणं गयकुलवानरकुले य साहिंति पासियाणं सुकबरहिणमयणसालकोइलहंसकुले सारसे य साहिंति पोसगाणं वधबंधजायणं च साहिंति गोम्मियाणं धणधन्नगवेलए य साहिंति तक्कराणं गामागरनगरपट्टणे य साहिंति चारियाणं पारघाइयपंथघातियाओ सा(हं)हिंति य गंठिभेयाण कयं च चोरियं

॥ ८७५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा जाव णो उगिण्हेज्ज वा (२) ॥ ८७६ ॥ से भिक्खू वा (२) खंधंसि वा अन्नयरे वा तहप्पगारे जाव णो उगिण्हेज्ज वा (२) ॥ ८७७ ॥ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थिं सखुड्डं सपसुं सभत्तपाणं णो पन्नस्स निक्खमण-पवेसे जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए ससागारिए जाव सखुड्ड-पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्जा वा २ ॥ ८७८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिबद्धं वा णो पन्नस्स जाव से एवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८७९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अन्नमन्नं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सीओदगवि-यडनिगिणियाइ य जहा सिज्जाए आलावगा नवरं उग्गहवत्तव्वया ॥ ८८० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइन्नसंलिक्खे णो पन्नस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हिज्ज वा २ ॥ ८८१ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं ॥ ८८२ ॥ उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो ॥

से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुन्नविज्जा कामं खलु आउसो अहालंदं अहापरिन्नायं वसामो जाव आउसो जाव आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मियाए ताव उग्गहं उगिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८८३ ॥ से किं पुण तत्थ उग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा दंडए वा छत्तए वा जाव चम्मछेदणए वा तं णो अंतोहिंतो बाहिं णीणेज्जा बहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा णो सुत्तं वा णं पडिबोहेज्जा णो तेसिं किंचिवि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ॥ ८८४ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा अंबवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुजाणावेज्जा कामं खलु जाव विहरिस्सामो ॥ ८८५ ॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि अह भिक्खू इच्छेज्जा अंबं भोत्तए वा से जं पुण अंबं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ८८६ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण अंबं जाणिज्जा अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अति-रिच्छछिन्नं अवोच्छिन्नं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ८८७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण अंबं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छछिन्नं वोच्छिन्नं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ८ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा अंबभि-त्तगं वा अंबपेसियं वा अंबचोयगं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा

अलिय-पयावइणा इस्सरेण य कयंति केति, एवं विण्हुमयं कसिणमेव य जगंति केई, एवमेके वदंति मोस एको आया अकारको वेदको य सुकयस्स दुक्कयस्स य करणाणि कारणाणि सव्वहा सव्वहिं च निच्चो य निक्किओ निग्गुणो य अ(ण्णो अ)णुवलेव-ओत्ति-विय एवमाहंसु असब्भाव, जंपि इहं किंचि जीवलोके दीसइ सुकयं वा दुकयं वा एयं जदिच्छाए वा सहावेण वावि दइवतप्पभावओ वावि भवति, नत्थेत्थ किंचि कयकं [तत्तं]कयं च लक्खणविहाणनियती[ए]य कारि[यं]या एव केइ जपंति इड्ढि-रससातगारवपरा वहवे करणालसा परूवेंति धम्मवीमंसएण मोसं, अवरे अहम्मओ रायदुट्ठ अब्भक्खाणं भणेंति-अलियं चोरोत्ति अचोरयं करेंतं डामरिउत्तिवि-य एमेव उदासीणं दुस्सीलोत्ति य परदारं गच्छतित्ति मइलिंति सीलकलिय अयपि गुरुतप्पओ, अण्णे एमेव भणंति उवाहणंता मित्तकलत्ताई सेवंति अयपि लुत्तधम्मो इमोवि विस्स-भ[वाइ]घायओ पावकम्मकारी अकम्मकारी अगम्मगामी अय दुरप्पा वहुएसु य पा(प)वगेसु जुत्तोत्ति एवं जपंति मच्छरी, भद्दके वा गुणकित्तिनेहपरलोगनिप्पिवासा, एवं ते अलियवयणदच्छा परदोसुप्पायणप्पसत्ता वेढेन्ति अक्खातियवीएण अप्पाणं कम्मवंधणेण मुहरी असमिक्खियप्पलावा निक्खेवे अवहरेंति परस्स अत्यंमि गढि-यगिद्धा अभिजुंजंति य परं असतएहिं लुद्धा य करेंति कूडसक्खित्तणं असच्चा अत्थालियं च कन्नालियं च भोमालिय च तह गवालिय च गरुयं भणंति अहरगति-गमण(कारण), अन्नपि य जातिरूवकुलसीलपच्चयं मायाणिगुणं चवल पिसुणं पर-मट्ठभेदकम[स]सतक विद्देसमणत्थकारक पावकम्ममूलं दुद्दिट्ठ दुस्सुय अमुणिय निल्लज्जं लोकगरहणिज्ज वहवधपरिकिलेसवहुल जरामरणदुक्खसोयनिम्मं असुद्धपरिणामसंकि-लिट्ठ भणति अलिया(हिं)हिसं(ति)धिसनिविट्ठा असंतगुणुदीरका य सतगुणनासका य हिंसाभूतोवघातित अलियसपउत्ता वयणं सावज्जमकुसल साहुगरहणिज्ज अधम्म जणणं भणति अणभिगयपुन्नपावा, पुणोवि अधिकरणकिरियापवत्तका वहुविहं अणत्थं अवमद्दं अप्पणो परस्स य करेंति, एमेव जपमाणा महिससूकरे य साहिंति घायगाणं सस-यपसयरोहिए य साहिंति वागुराणं तित्तिरवट्टकलावके य कविंजलकवोयके य साहिंति साउणीण झसमगरकच्छभे य साहिंति मच्छियाण संखंके खुल्लए य साहिंति म(ग्गि)गराण अयगरगोणसमंडलिदव्वीकरे मउली य साहिंति वा(यलिया)लवीणं गोहा सेहग सल्लगसरंड[गे]के य साहिंति लुद्धगाणं गयकुलवानरकुले य साहिंति पासियाणं सुकबरहिणमयणसालकोइलहंसकुले सारसे य साहिंति पोसगाणं वधवधजायण च साहिंति गोम्मियाण धणधन्नगवेलए य साहिंति तक्कराणं गामागरनगरपट्टणे य साहिंति चारियाणं पारघाइयपंथघातियाओ सा(हं)हिंति य गठिभेयाण कय च चोरियं

आइद्धा पुणब्भवधकारे-भमंति भीमे दुग्गतिवसहिमुवगया, ते य दीसतिह दुग्गया दुरंता परवसा अत्थभोगपरिवज्जिया असुहिता फुडियच्छविबीभच्छविवन्ना खरफरुसविरत्तज्झामज्झुसिरा निच्छाया ललविफलवाया असक्कतमसक्कया अगंधा अचेयणा दुब्भगा अकंता काकस्सरा हीणभिन्नघोसा विहिंसा जडवहिरन्ध(मू)या य मम्मणा अ(क)कंतविकयकरणा णीया णीयजणनिसेविणो लोगगरहणिज्जा भिच्चा असरिसजणस्स पेस्सा दुम्मेहा लोकवेदअज्झप्पसमयसुतिवज्जिया नरा धम्मवुद्धिवियला अलिएण य तेण पडज्झमाणा असंतएण य अवमाणणपट्टिमसाहिक्खेवपिसुणभेयणगुरुबंधवसयणमित्तवक्खारणादियाइं अब्भक्खाणाइ बहुविहाइं पावेंति अ(मणोर)णुवमा[णि]इं हिययमणदूमकाइं जावज्जीव दुरुद्धराइं अणिट्ठ(स)खरफरुसवयणतज्जणनिब्भच्छणदीणवदणविमणा कुभोयणा कुवाससा कुवसहीसु किलिस्संता नेव सुह नेव निव्वुइ उवलभंति अच्चंतविपुलदुक्खसयसपलित्ता। एसो सो अलियवयणस्स फलविवाओ इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ, न य अवेदयित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहसु नायकुलनंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य अलियवयणस्स फलविवाग एय त वितीयपि अलियवयणं लहुसगलहुचवलभणिय भयंकर दुहकरं अयसकरं वेरकरग अरतिरतिरागदोसमणसकिलेसवियरण अलियणियडिसादिजोगबहुल नीयजणनिसेविय निस्सस अप्पच्चयकारक परमसाहुगरहणिज्जं परपीलाकारकं परमकण्हलेससहिय दुग्गतिविनिवायवड्ढणं (भव)पुणब्भवकरं चिरपरिचियमणुगय दु(रुत्त)रंत वितिय अधम्मदारं समत्त ॥ ८ ॥ जंबू ! तइय च अदत्तादाणं हरदहमरणभयकलुसतासणपरसंतिगऽभेज्जलोभमूल कालविसमसंसिय अहोऽच्छिन्नतण्हपत्थाणपत्थोइमइय अकित्तिकरण अणज्ज छिद्दमंतरविधुरवसणमग्गणउस्सवमत्तप्पमत्तपसुत्तवंचणक्खिवणघायणपराणिहुयपरिणामतक्करजणबहुमयं अकलुण रायपुरिसरक्खिय सया साहुगरहणिज्जं पियजणमित्तजणभेदविप्पीतिकारक रागदोसबहुल पुणो य उप्पूरसमरसंगामडमरकलिकलहवेहकरण दुग्ग[ति]इविणिवायवड्ढण भवपुणब्भवकरं चिरपरिचितमणुगय दुरंत तइय अधम्मदारं ॥ ९ ॥ तस्स य णामाणि गोन्नाणि होंति तीस, तंजहा—चोरिक्क १ परहडं २ अदत्त ३ कूरि(कुरुडय)क(य)ड ४ परलाभो ५ असंजमो ६ परधणमि गेही ७ लोलिक्कं ८ तक्करत्तणवि-य ९ अवहारो १० हत्थल(हु)त्तणं ११ पावकम्मकरण १२ तेणिक्कं १३ हरणविप्पणासो १४ आदियणा १५ लुंपणा घणाणं १६ अप्पच्चओ १७ ओ(अ)वीलो १८ अक्खेवो १९ खेवो २० विक्खेवो २१ कूडया २२ कुलमसी य २३ कंखा २४ लालप्पणपत्थणा य २५ (आससणाय)

सुक्कट्टहासपुक्कंतवोलबहुले फुर(फल)फलगावरणगहियगयवरपत्थितद(प्पि)रियभड-खलपरोप्परपलग्गजुद्धगव्वितविउसितवरासिरोसतुरियअभिमुहपहरितछिन्नकरिकरवि-भंगितकरे अवइ[ट्ठ]द्धनिसुद्धभिन्नफालियपगलियरुहिरकतभूमिकद्दमचिलिचिल्लपहे कुच्छि(वि)दालियगलित[रुलित]निभेल्लतफुरुफुरंतविगलमम्माहयविकयगाढदिन्न-पहारमुच्छितरुलतवेंभलविलावकलुणे हयजोहभमततुरगउद्दाममत्तकुंजरपरिसकित-जणनिव्वुक्कच्छिन्नधयभग्गरहवरनट्ठसिरकरिकलेवराकिन्नपतितपहरणाविकिन्नाभरण-भूमिभागे नच्चतकबंधपउरभयकरवायसपरिलेंतगिद्धमंडलभमतच्छायधकारगंभीरे वसुवसुहविकंपितव्व पच्चक्खपिउवणं परमरुद्दबीहणगं दुप्पवेसतरगं अभिवयंति संगाम-संकडं परधण महंता अवरे पाइक्कचोरसंघा सेणावतिचोरवदपागड्ढिका य अडवीदेस-दुग्गवासी कालहरितरत्तपीतसुक्किल्लअणेगसयचिंधपट्टबद्धा परविसए अभिहणंति लुद्धा धणस्स ,कज्जे रयणागरसागरं उम्मीसहस्समालाउलाकुलवितोयपोतकलकलेंतकलिय पा(ता)याल(कलस)सहस्सवायवसवेगसलिलउद्धम्ममाणदगरयरयधकारं वरफेणप-उरधवलपुलपुलसमुट्ठियट्टहासं मारुयविच्छुभमाणपाणियजलमालुप्पीलहुलिय अविय समंतओ खुभियलुलियखोखुब्भमाणपक्खलियचलियविपुलजलचक्कवालमहानईवेग-तुरियआपूरमाणगंभीरविपुलआवत्तचवलभममाणगुप्पमाणुच्छलतपच्चोणियत्तपाणिय-पधावियखरफरुसपयंडवाउलियसलिलफुट्टंतवीतिकल्लोलसंकुलं महामगरमच्छकच्छ-भोहारगाहतिमिसुंसुमारसावयसमाहयसमुद्धायमाणकपूरघोरपउरं कायरजणहिययकं-पणं घोरमारसंतं महब्भयं भयंकरं पतिभयं उत्तासणगं अणोरपारं आगासं चेव निरवलंबं उप्पाइयपवणधणितनोल्लियउवरुवरितरंगदरियअतिवेगवेगचक्खुपहमुच्छ-रेंतकच्छइगंभीरविपुलगज्जियगुंजियनिग्घायगरुयनिवतितसुदीहनीहारिदूरसु[णं]व्वंत-गंभीरधु(गु)गधुगतसद्दं पडिपहरुंभंतजक्खरक्खसकुहंडपिसायरुसियतज्जायउवसग्ग-सहस्ससंकुलं बहूप्पाइयभूयं विरचितबलिहोमधूवउवचारदिन्नरुधिरच्चणाकरणपयतजो-गपययचरियं परियन्तजुगंतकालकप्पोवमं दुरंतमहानईनईव[इ]ईमहाभीमदरिसणिज्जं दुरणुच्चरं विसमप्पवेसं दुक्खुत्तारं दुरासयं लवणसलिलपुण्णं असियसियसमूसियगे(हि)-हिं दच्छ(हत्थ)तरकेहिं वाहणेहिं अइवइत्ता समुद्दमज्झे हणंति गंतूण जणस्स पोते परदव्वहरा नरा निरणुकंपा नि(रा)रवयक्खा गामागरनगरखेडकव्वडमडंबदोण-मुहपट्टणासमणिगमजणवते य धणसमिद्धे हणंति थिरहिययछिन्नलज्जा बंदिग्गह-गोग्गहे य गेण्हति दारुणमती णिक्किवा णियं हणंति छिंदंति गेहसंधिं निक्खित्ताणि य हरंति धणधन्नदव्वजायाणि जणवयकुलाणं णिग्घिणमती परस्स दव्वाहिं जे अविरया, तहेव केई अदिन्नादाणं गवेसमाणा कालाकालेसु संचरंता चियकापज्ज-

वसट्टा बहुमोहमोहिया परधणंमि लुद्धा फासिंदियविसयतिव्वगिद्धा इत्थिगयरूवसद्दरसगंधइट्ठरतिमहितभोगतण्हाइया य धणतोसगा गहिया य जे नरगणा पुणरवि ते कम्मदुव्वियद्धा उवणीया रायकिंकराण तेसिं वहसत्थगपाढयाणं विलउलीकारकाणं लंचसयगेण्हगाण कूडकवडमायानियडिआयरणपणिहिवंचणविसारयाण बहुविहअलियसतजंपकाण परलोकपरम्मुहाण निरयगतिगामियाण तेहि य आणत्तजीयदंडा तुरि(य)य उग्घाडिया पुरवरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु वेत्तदंडलउडकट्ठलेट्ठुपत्थरपणालिपणोल्लिमुट्ठिलयापादपण्हिजाणुकोप्परपहारसभग्गमहियगत्ता अट्ठारसकम्मकारणा जाइयंगमंगा कलुणा सुक्कोट्ठकंठगलकतालुजीहा जायता पाणीय विगयजीवियासा तण्हादिता वरागा तंपिय ण लभंति वज्झपुरिसेहिं धाडियता तत्थ य खरफरुसपडहघट्टितकूडग्गहगाढरुट्ठनिसट्ठपरामुट्ठा वज्झकरकुडिजुयनियत्था सुरत्तकणवीरगहियविमुकुलकंठेगुणवज्झदूतआविद्धमल्लदामा मरणभयुप्पण्णसेदआयतणेहुत्तुपियकिलिन्नगत्ता चुण्णगुंडियसरीररयरेणुभरियकेसा कुसुंभगोकिन्नमुद्धया छिन्नजीवियासा घुन्नता वज्झ[या]पाण[भीता]पीया तिल तिल चेव छिज्जमाणा सरीरविक्किन्तलोहिओलि[त्ता]त्तकागणिमंसाणि खावियता पावा खर[फरु]करसएहिं तालिज्जमाणदेहा वातिकनरनारिसंपरिवुडा पेच्छिज्जता य नागरजणेण वज्झनेवत्थिया पणेज्जति नयरमज्झेण किवणकलुणा अत्ताणा असरणा अणाहा अबंधवा बंधुविप्पहीणा विपिक्खिता दिसोदिसिं मरणभयुव्विग्गा आघायणपडिदुवारसंपाविया अधन्ना सूलग्गविलग्गभिन्नदेहा, ते य तत्थ कीरंति परिकप्पियंगमंगा उल्लंबिज्जति रुक्खसालासु केइ कलुणाइ विलवमाणा अवरे चउरंगधणियबद्धा पव्वयकडगा पमुच्चते दूरपातबहुविसमपत्थरसहा अन्ने य गयचलणमलणयनिम्मद्दिया कीरंति पावकारी अट्ठारसखंडिया य कीरंति मुंडपरसूहिं केइ उक्कत्तकन्नोट्ठनासा उप्पाडियनयणदसणवसणा जि[ब्भिंदियं]ब्भछि[या]यछिन्नकन्नसिरा पणिज्जते छिज्जन्ते य असिणा निव्विसया छिन्नहत्थपाया पमुच्चते जावजीवबंधणा य कीरंति केइ परदव्वहरणलुद्धा कारग्गलनियलजुयलरुद्धा चारगा[व]ए हतसारा सयणविप्पमुक्का मित्तजणनि[रिक्खि]र(क्खि)ता निरासा बहुजणधिक्कारसद्दलज्जायिता (अलज्जाविया) अलज्जा अणुबद्धखुहापारद्धसीउण्हतण्हवेयणदुग्घट्टघट्टिया विवन्नमुहविच्छविया विहलमतिलदुब्बला किलंता कासंता वाहिया य आमाभिभूयगत्ता परूढनहकेसमंसुरोमा छगमुत्तमि णियगंमि खुत्ता तत्थेव मया अकामका बंधिऊण पादेसु कड्डिया खाइयाए छूढा तत्थ य व(व)गसुणगसियालकोलमज्जारवदसंदसगतुंडपक्खिगणविविहमुहसय[ल]विलुत्तगत्ता कयविहंगा केइ किमिणो य कुहियदेहा अणिट्ठवयणेहिं सप्पमाणा सुट्ठु कयं जं

उव्विग्गावासवसहिं जहिं आउयं निबंधंति पावकम्मकारी बंधवजणसयणमित्तपरिवज्जिया अणिट्ठा भवंति अणादेज्जदुव्विणीया कुठाणासणकुसेज्जकुभोयणा असुइणो कुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा बहुकोहमाणमायालोभा बहुमोहा धम्मसण्णसम्मत्तपब्भट्ठा दारिद्दोवद्दवाभिभूया निच्चं परकम्मकारिणो जीवणत्थरहिया किविणा परपिंडतक्कका दुक्खलद्धाहारा अरसविरसतुच्छकयकुच्छिपूरा परस्स पेच्छंता रिद्धिसक्कारभोयणविसेससमुदयविहिं निंदंता अप्पकं कयंतं च परिवयंता इह य पुरेकडाइं कम्माइं पावगाइं विमणसो सोएण डज्झमाणा परिभूया होंति सत्तपरिवज्जिया य छोभासिप्पकलासमयसत्थपरिवज्जिया जहाजायपसुभूया अवियत्ता णिच्चनीयकम्मोवजीविणो लोयकुच्छणिज्जा मोघमणोर[हा]हनिरासबहुला आसापासपडिबद्धपाणा अत्थोपायाणकामसोक्खे य लोयसारे होंति अफलवंतका य सुट्ठुविय उज्जमंता तद्दिवसुज्जुत्तकम्मकयदुक्खसंठवियसित्थपिंडसंचयप[क]राखीणदव्वसारा निच्चं अधुवधणधण्णकोसपरिभोगविवज्जिया रहियकामभोगपरिभोगसव्वसोक्खा परसिरिभोगोवभोगनिस्साणमग्गणपरायणा वरागा अकामिकाए विणेंति दुक्खं णेव सुहं णेव निव्वुतिं उवलभंति अच्चंतविपुलदुक्खसयसंपलित्ता परस्स दव्वेहिं जे अविरया, एसो सो अदिण्णादाणस्स फलविवागो इहलोइओ पारलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चति, न य अवेयइत्ता अत्थि उ मोक्खोत्ति, एवमाहंसु णायकुलणंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य अदिण्णादाणस्स फलविवागं एयं तं ततियंपि अदिण्णादाण हरदहमरणभयकलुसतासणपरसंतिकभेज्जलोभमूलं एवं जाव चिरपरिगतमणुगतं दुरंतं ततियं अहम्मदारं समत्तं तिबेमि ॥ १२ ॥ जंबू ! अबभं च चउत्थं सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पत्थणिज्जं पंकपणयपासजालभूयं थीपुरिसनपुंसवेदचिंधं तवसंजमबंभचेरविग्घं भेदायतणबहुपमादमूलं कायरकापुरिससेवियं सुयणजणवज्जणिज्जं उड्ढनरयतिरियतिलोक्कपइट्ठाणं जरामरणरोगसोगबहुलं वधबंधविघातदुव्विघायं दंसणचरित्तमोहस्स हेउभूयं चिरपरि[गय]चितमणुगयं दुरंतं चउत्थं अधम्मदारं ॥ १३ ॥ तस्स य णामाणि गोण्णाणि इमाणि होंति तीसं, तं०—अबंभं १ मेहुणं २ चरंतं ३ संसग्गि ४ सेवणाधिकारो ५ संकप्पो ६ बाहणा पदाणं ७ दप्पो ८ मोहो ९ मणसं[खेवो]खोभो १० अणिग्गहो ११ वुग्गहो १२ विघाओ १३ विभंगो १४ विब्भमो १५ अधम्मो १६ असीलया १७ गामधम्म[ति]तत्ती १८ रती १९ राग(चिंता)कामभोगमारो २१ वेरं २२ रहस्सं २३ गुज्झं २४ बहुमाणो २५ बंभचेरविग्घो २६ वावत्ति २७ विराहणा २८ पसंगो २९ कामगुणोत्ति ३० विय

भोत्तए वा पायए वा से ज पुण जाणिज्जा, **अवभित्तगं** वा जाव **अवडालगं** वा सअड जाव सताणग अफासुय जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८८९ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणिज्जा, **अवभित्तगं** वा जाव, अप्पड जाव सताणग अतिरिच्छच्छिन्न वा अवोच्छिन्न वा अफासुय जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण जाणिज्जा **अवभित्तगं** वा जाव, अप्पड जाव सताणग तिरिच्छछिन्नं वोच्छिन्नं फासुय जाव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९१ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकखेज्जा **उच्छुवणं** उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जाव उग्गहसि० ॥ ८९२ ॥ अह भिक्खू इच्छेज्जा **उच्छु** भोत्तए वा पायए वा से ज उच्छु जाणिज्जा, सअडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ अतिरिच्छच्छिन्नं तहेव, तिरिन्छच्छिन्ने वि तहेव ॥ ८९३ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण अभिकखेज्जा **अतरुच्छुयं उच्छुगडियं वा उच्छुचोयगं** वा **उच्छुसालगं** वा उच्छुडालग वा सअडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९४ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणिज्जा, अतरुच्छुय वा जाव डालग वा सअड जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९५ ॥ से भिक्खू वा (२) से ज पुण जाणिज्जा अतरुच्छुय वा जाव डालग वा अप्पड जाव णो पडिग्गाहिज्जा, अतिरिच्छच्छिन्न तहेव ॥ ८९६ ॥ तिरिच्छन्छिन्न तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९७ ॥ से भिक्खू वा (२) आगतारेसु वा (४) जाव उग्गहियसि जे तत्थ, गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चेयाइ आयतणाइ उवाइकम्म ॥ ८९८ ॥ अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं सत्तहिं पडिमाहिं उग्गहं उगिण्हित्तए ॥ ८९९ ॥ **पढमा पडिमा,** से आगंतारेसु वा (४) अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जाव० विहरिस्सामो ॥ ९०० ॥ **दोच्चा पडिमा.** जस्सण भिक्खुस्स एव भवइ "अह च खलु अण्णेसिं भिक्खूण अट्ठाए उग्गह गिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूण उग्गहिए उग्गहे उवल्लिस्सामि, ॥ ९०१ ॥ **तच्चा पडिमा,** जस्सण भिक्खुस्स एव भवइ "अह च खलु अण्णेसिं भिक्खूण अट्ठाए उग्गह उगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं च उग्गहिए उग्गहे णो उवल्लिस्सामि ॥ ९०२ ॥ **चउत्था पडिमा,** जस्सण भिक्खुस्स एव भवइ "अह च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गह णो उगिण्हिस्सामि अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि ॥ ९०३ ॥ **पंचमा पडिमा,** जस्सण भिक्खुस्स एव भवइ, अह च खलु अप्पणो अट्ठाए उग्गह उगिण्हिस्सामि, णो दोण्ह, णो तिण्हं, णो चउण्ह, णो पचण्हं, ॥ ९०४ ॥ **छट्ठा पडिमा,** जस्सेव उग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहा समण्णागए, तजहा-इक्कडे जाव पलाले वा तस्स लाभे सवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा ॥ ९०५ ॥ **सत्तमा**

क्खणपसत्थअच्छिद्दजालपाणी पीवरसुजायकोमलवरंगुली तंबतलिणसुइरुइलनिद्ध-न-क्खा निद्धपाणिलेहा चंदपाणिलेहा सूरपाणिलेहा संखपाणिलेहा चक्कपाणिलेहा दिसासोवत्थियपाणिलेहा रविससिसंखवरचक्कदिसासोवत्थियविभत्तसुविरइयपाणिलेहा वरमहिसवराह[सीह]सदूल[सी](सिं)रिसहनागवरपडिपुन्नविउलखंधा चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसग्गीवा अवट्ठियसुविभत्तचित्तमंसू उवचियमंसलपसत्थसदूलविपुलहणुया ओयवियसिलप्पवालबिंबफलसन्निभाधरोट्ठा पंडुरससिसकलविमलसंखगोखीर-फेणकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेढी अखंडदंता अप्फुडियदंता अविरलदंता सुणिद्धदंता सुजायदंता एगदंतसेढिव्व अणेगदंता हुयवहनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्ततल[ता]लतालुजीहा गरुलायतउज्जुतुंगनासा अवदालियपोंडरीयनयणा कोकासियधवलपत्तलच्छा आणामियचावरुइलकिण्हब्भराजिसंठियसंगयाययसुजायभुमगा अल्लीणपमाणजुत्तसवणा सुसवणा पीणमंसलकवोलदेसभागा अचिरुग्गयबालचंदसंठियमहानिडाला उडुवतिरिव पडिपुन्नसोमवयणा छत्तागारुत्तमंगदेसा घणनिचियसुबद्धलक्खणुन्नयकूडागारनिभपिंडियग्गसिरा हुयवहनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्तकेसंतकेसभूमी सामलीपोंडघणनिचियछोडियमिउविसंतपसत्थसुहुमलक्खणसुगंधिसुंदरभुयमोयगभिंगनीलकज्जलपहट्ठभमरगणनिद्धनिगुरुंबनिचियकुंचियपयाहिणावत्तमुद्धसिरया सुजातसुविभत्तसंगय(गमं)गा लक्खणवंजणगुणोववेया पसत्थबत्तीसलक्खणधरा हंसस्सरा कुंचस्सरा दुंदुभिस्सरा सीहस्सरा ओघ(उज्ज)सरा मेघसरा सुस्सरा सु[स्]सरनिग्घोसा वज्जरिसहनारायसंघयणा समचउरंससंठाणसंठिया छायाउज्जोवियंगमंगा पसत्थच्छवी निरातंका कंकग्गहणी कवोतपरिणामा सउणिपोसपिट्ठंतरोरुपरिणया पउमुप्पलसरिसगंधुस्साससुरभिवयणा अणुलोमवाउवेगा अवदायनिद्धकाला विग्गहियउन्नयकुच्छी अमयरसफलाहारा तिगा[ऊ]उयसमूसिया तिपलिओवमट्ठि(ती)तिका तिन्नि य पलिओवमाइं परमाउं पालयित्ता ते-वि उवणमंति मरणधम्मं अवि[त]तित्ता कामाणं। पमया-वि य तेसिं होंति सोम्मा सुजायसव्वंगसुंदरीओ पहाणमहिलागुणेहिं जुत्ता तिकंतविसप्पमाणमउयसुकुमालकुम्मसंठियविलिट्ठच[र]लणा उज्जुमउयपीवरसुसाहतंगुलीओ अब्भुन्नतरतिततलिणतंबसुइनिद्धनखा रोमरहियवट्टसंठि[अ]यअजहन्नपसत्थलक्खणअकोप्पजंघजुयला सुणिम्मितसुनिगूढजाणूमंसलपसत्थसुबद्धसंधी कयलीखंभातिरेकसंठियनिव्वणसुकुमालमउयकोमलअविरलसमसहितसुजायवट्टपीवरनिरंतरोरू अट्ठावयवीइपट्टसंठियपसत्थविच्छिन्नपिहुलसोणी वयणायामप्पमाणदुगुणियविसालमंसलसुबद्धजहणवरधारिणीओ वज्जविराइयपसत्थलक्खणनिरोदरीओ तिवलिवलियतणुनमियमज्झियाओ उज्जुयसमसहियजच्चतणुकसिणनिद्धआदेज्जलडहसुकुमाल-

इया य वद्धरुद्धा य एवं जाव गच्छंति विपुलमोहाभिभूयसन्ना, मेहुणमूलं च सुव्वए तत्थ तत्थ वत्तपुव्वा संगामा जणक्खयकरा सीयाए दोवईए कए रुप्पिणीए पउमावईए ताराए कंचणाए रत्तसुभद्दाए अहिल्लियाए सुवन्नगुलियाए किन्नरीए सुरूवविज्जुमतीए रोहिणीए य, अन्नेसु य एवमादिएसु बहवो महिलाकएसु सुव्वंति अइक्कंता संगामा गामधम्ममूला इहलोए ताव नट्ठा परलोएवि य नट्ठा महया मोहतिमिसंधकारे घोरे तसथावरसुहुमबादरेसु पज्जत्तमपज्जत्तसाहारणसरीरपत्तेयसरीरेसु य अंडजपोतजजराउयरसजसंसेइमसमुच्छिमउब्भियउववादिएसु य नरगतिरियदेवमाणुसेसु जरामरणरोगसोगबहुले पलिओवमसागरोवमाइं अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति जीवा मोहवससंनिविट्ठा। एसो सो अबंभस्स फलविवागो इहलोइओ पारलोइओ य अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चती, न य अवेदइत्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहंसु नायकुलनंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य अबंभस्स फलविवागं एयं, तं अबंभंपि चउत्थं सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स पत्थणिज्जं एवं चिरपरिचियमणुग[तं]य दुरंतं चउत्थं अधम्मदारं समत्तंति बेमि ॥ १६ ॥ जंबू! इत्तो परिग्गहो पंचमो उ नियमा णाणामणिकणगरयणमहरिहपरिमलसपुत्तदारपरिजणदासीदासभयगपेसहयगयगोमहिसउट्टखरअयगवेलगसीयासगडरहजाणजुग्गसंदणसयणासणवाहणकुवियधणधन्नपाणभोयणाच्छायणगंधमल्लभायणभवणविहिं चेव बहुविहीयं भरहं णगणगरणियमजणवयपुरवरदोणमुहखेडकब्बडमडंबसंवाहपट्टणसहस्सपरिमंडियं थिमियमेइणीयं एगच्छत्तं ससागरं भुंजिऊण वसुहं अपरिमियमणंततण्हमणुगयमहिच्छसारनिरयमूलो लोभकलिकसायमहक्खंधो चिंतासयनिचियविपुलसालो गारवपविरल्लियग्गविडवो नियडितयापत्तपल्लवधरो पुप्फफलं जस्स कामभोगा आयासविसूरणाकलहपकंपियग्गसिहरो नरवतिसंपूजितो बहुजणस्स हिययदइओ इमस्स मोक्खवरमोत्तिमग्गस्स फलिहभूओ चरिमं अहम्मदारं ॥ १७ ॥ तस्स य नामाणि इमाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा–परिग्गहो १ संचयो २ चयो ३ उवचओ ४ निहाणं ५ संभारो ६ संकरो ७ (एव) आयरो ८ पिंडो ९ दव्वसारो १० तहा महिच्छा ११ पडिबंधो १२ लोहप्पा १३ महद्[दी]ई १४ उवकरणं १५ संरक्खणा य १६ भारो १७ संपाउप्पायको १८ कलिकरंडो १९ पवित्थरो २० अणत्थो २१ संथवो २२ अगुत्ती २३ आयासो २४ अविओगो २५ अमुत्ती २६ तण्हा २७ अणत्थको २८ आसत्ती २९ असंतोसोत्तिविय ३०, तस्स एयाणि एवमादीणि नामधेज्जाणि होंति तीसं ॥ १८ ॥ तं च

तत्थ पढमं अहिंसा जा सा सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स भवति दीवो ताणं सरणं गती पइट्ठा निव्वाणं १ निव्वुई २ समाही ३ (संती) सत्ती ४ कित्ती ५ कंती ६ रती य ७ विरती य ८ सुयंगतित्ती ९-१० दया ११ विमुत्ती १२ खन्ती १३ सम्मत्ताराहणा १४ महंती १५ बोही १६ बुद्धी १७ धिती १८ समिद्धी १९ रिद्धी २० विद्धी २१ ठिती २२ पुट्ठी २३ नंदा २४ भद्दा २५ विसुद्धी २६ लद्धी २७ विसिट्ठदिट्ठी २८ कल्लाणं २९ मंगलं ३० पमोओ ३१ विभूती ३२ रक्खा ३३ सिद्धावासो ३४ अणासवो ३५ केवलीण ठाणं ३६ सिवं ३७ समिई ३८ सील(मि)ं ३९ संजमोत्ति य ४० सीलपरिघरो ४१ संवरो ४२ य गुत्ती ४३ ववसाओ ४४ उस्सओ ४५ जन्नो ४६ आयतणं ४७ जतण मप्पमाओ ४८-४९ अस्सासो ५० वीसासो ५१ अभओ ५२ सव्वस्सवि अमाघाओ ५३ चोक्खपवित्ता ५४-५५ सूती ५६ पूया ५७ विमल ५८ पभासा ५९ य निम्मलतर ६० त्ति एवमादीणि नियगुणनिम्मियाइं पज्जवनामाणि होंति अहिंसाए भगवतीए ॥२१॥ एसा सा भगवती अहिंसा जा सा भीयाण विव सरणं पक्खीणं विव ग(म)मणं तिसियाणं विव सलिलं खुहियाणं विव असणं समुद्दमज्झे व पोतवहणं चउप्पयाणं व आसमपयं दुहट्ठियाणं (च) च ओसहिबलं अडवीमज्झे विसत्थगमणं एत्तो विसिट्ठतरिका अहिंसा जा सा पुढवीजलअगणिमारुयवणस्सइबीयहरियजलचरथलचरखहचरतसथावरसव्वभूयखेमकरी एसा भगवती अहिंसा जा सा अपरिमियनाणदंसणधरेहिं सीलगुणविणयतवसंजमनायकेहिं तित्थंकरेहिं सव्वजगजीववच्छलेहिं तिलोयमहिएहिं जिणचंदेहिं सुट्ठु दिट्ठा ओहिजिणेहिं विण्णाया उज्जुमतीहिं विदिट्ठा विउलमतीहिं विदिता पुव्वधरेहिं अधीता वेउव्वीहिं पतिन्ना आभिणिबोहियनाणीहिं सुयनाणीहिं मणपज्जवनाणीहिं केवलनाणीहिं आमोसहिपत्तेहिं खेलोसहिपत्तेहिं जल्लोसहिपत्तेहिं विप्पोसहिपत्तेहिं सव्वोसहिपत्तेहिं बीजबुद्धीहिं कुट्ठबुद्धीहिं पदाणुसारीहिं संभिन्नसोतेहिं सुयधरेहिं मणबलिएहिं वयबलिएहिं कायबलिएहिं नाणबलिएहिं दंसणबलिएहिं चरित्तबलिएहिं खीरासवेहिं म(धु)आसवेहिं सप्पियासवेहिं अक्खीणमहाणसिएहिं चारणेहिं विज्जाहरेहिं चउत्थभत्तिएहिं एवं जाव छम्मासभत्तिएहिं उक्खित्तचरएहिं निक्खित्तचरएहिं अंतचरएहिं पंतचरएहिं लूहचरएहिं समुदाणचरएहिं अन्नइलाएहिं मोणचरएहिं संसट्ठकप्पिएहिं तज्जायसंसट्ठकप्पिएहिं उवनिहिएहिं सुद्धेसणिएहिं संखादत्तिएहिं दिट्ठलाभिएहिं अदिट्ठलाभिएहिं पुट्ठलाभिएहिं आयंबिलिएहिं पुरिमड्ढिएहिं एक्कासणिएहिं निव्वितिएहिं भिन्नपिंडवाइएहिं परिमियपिंडवाइएहिं अंताहारेहिं पंताहारेहिं अरसाहारेहिं विरसाहारेहिं लूहाहारेहिं तुच्छाहारेहिं अंतजी-

परदव्वअभिज्जा संप[रि]रदारअभिगमणासेवणाए आयासविसूरणं कलहभंडणवेराणि य अवमाणणविमाणणाओ इच्छामहिच्छप्पिवाससततितिसिया तण्हगेहिलोभघत्था अत्ताणा अणिग्गहिया करेंति कोहमाणमायालोभे अकित्तणिज्जे परिग्गहे चेव होंति नियमा सल्ला दंडा य गारवा य कसाया सन्ना य कामगुण-अण्हगा य इंदियलेसाओ सयणसपओगा सचित्ताचित्तमीसगाइं दव्वाइं अणंतकाइं इच्छंति परिघेत्तुं सदेवमणुयासुरम्मि लोए लोभपरिग्गहो जिणवरेहिं भणिओ नत्थि एरिसो पासो पडिबंधो अत्थि सव्वजीवाणं सव्वलोए ॥ १९ ॥ परलोगम्मि य नट्ठा तमं पविट्ठा महयामोहमोहियमती तिमिसंधकारे तसथावरसुहुमबादरेसु पज्जत्तमपज्जत्तग एवं जाव परियट्टंति दीहमद्धं जीवा लोभवससंनिविट्ठा । एसो सो परिग्गहस्स फलविवाओ इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ, न-य-अवे(त)तित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहंसु नायकुलनंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरनामधेज्जो कहेसी य परिग्गहस्स फलविवागं । एसो सो परिग्गहो पंचमो उ नियमा नाणामणिकणगरयणमहरिह एवं जाव इमस्स मोक्खवरमोत्तिमग्गस्स फलिहभूयो चरिमं अधम्मदारं समत्तं । एएहिं पंचहिं असवरेहिं रयमा[दि]णिणित्तु अणुसमयं । चउव्विहग[ति]इ(पज्ज)पेरंतं अणुपरियट्टंति संसारं ॥ १ ॥ सव्वगई पक्खंदे का[हिं]हिंति अणंतए अकयपुण्णा । जे य ण सुणंति धम्मं सो(सुणि)ऊण य जे पमायंति ॥ २ ॥ अणुसिट्ठंपि बहुविहं मिच्छादिट्ठी (य जे) णरा अ(हमा)बुद्धीया । बद्धनिकाइयकम्मा सु(ण)णेंति धम्मं न य करेंति ॥ ३ ॥ किं सक्का काउं जे जं णेच्छह ओसहं मुहा पाउं । जिणवयणं गुणम[धु]हुरं विरेयणं सव्वदुक्खाणं ॥ ४ ॥ पंचेव य उज्झिऊण पंचेव य रक्खिऊण भावेणं । कम्मरयविप्पमुक्का सिद्धिवरमणुत्तरं जंति ॥ ५ ॥ (त्तिबेमि ॥) २० ॥ जंबू !-एत्तो संवरदाराइं पंच वोच्छामि आणुपुव्वीए । जह भणियाणि भगवया सव्वदुहविमोक्खणट्ठाए ॥ १ ॥ पढमं होइ अहिंसा बितियं सच्चवयणंति पन्नत्तं । दत्तमणुन्नाय संवरो य बंभचेरमपरिग्गहत्तं च ॥ २ ॥ तत्थ पढमं अहिंसा तसथावरसव्वभूयखेमकरी । तीसे सभावणा(ए)ओ किंची वोच्छं गुणुद्देसं ॥ ३ ॥ ताणि उ इमाणि सुव्वय ! महव्वयाइं लोक[हियस]धिइअव्वयाइं सुयसागरदेसियाइं तवसंजममहव्वयाइं सीलगुणवरव्वयाइं सच्चज्जवव्वयाइं नरगतिरियमणुयदेवगतिविवज्जकाइं सव्वजिणसासणगाइं कम्मरयविदारगाइं भवसयविणासणकाइं दुहसयविमोयणकाइं सुहसयपवत्तणकाइं कापुरिसदुरुत्तराइं सप्पुरिस(तीरि)निसेवियाइं निव्वाणगमणमग्ग-सग्ग(°)प(याण)णाय[गा]काइं संवरदाराइं पंच कहियाणि उ भगवया ।

-सुसाहू, बितीयं च मणेण पावएणं पाव[गं]कं अहम्मियं दारुणं निस्संसं वहबंधप-
रिकिलेसबहुलं भय(मय)मरणपरिकिलेससंकिलिट्ठं न कयावि मणेण पावतेणं पावगं
किंचि-वि झायव्वं एवं मणसमितिजोगेण भाविओ भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठ-
निव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू, ततियं च वतीते पावियाते पावकं-
न किं— वईए पाविया(ओ)ए पावगं न किंचिवि भासियव्वं एवं वतिसमितिजोगेण
भाविओ भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसओ संजओ
सुसाहू, चउत्थं आहारएसणाए सुद्धं उंछं गवेसियव्वं अन्नाए अ[गढिते]अदुट्ठे अ[दी]-
णे अकलुणे अविसादी अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोग-
संपओगजुत्ते भिक्खू भिक्खेसणाते जुत्ते समुदाणेऊण भिक्खचरियं उंछं घेत्तूण आगओ
गुरुजणस्स पासं गमणागमणातिचारे पडिक्कमणपडिक्कंते आलोयणदायणं च दाऊण
गुरुजणस्स गुरुसंदिट्ठस्स वा जहोवएसं निरइयारं च अप्पमत्ते पुणरवि असणाए
पयतो पडिक्कमित्ता पसंते आसीणसुहनिसण्णे मुहुत्तमेत्तं च झाणसुहजोगणाणसज्झाय-
गोवियमणे धम्ममणे अविमणे सुहमणे अविग्गहमणे समाहियमणे सद्धासंवेगणिज्जरमणे
पवयणवच्छ(ल)भावियमणे उट्ठेऊण य पहट्ठतुट्ठे जहारायणियं निमंतइत्ता य साहवे
भावओ य विइण्णे य गुरुजणेणं उवविट्ठे संपमज्जिऊण ससीसं कायं तहा करतलं
अमुच्छिते अगिद्धे अगढिए अगरहिते अणज्झोववण्णे अणाइले अलुद्धे अणत्तट्ठिते
असुरसुरं अचवचवं अदुयमविलंबियं अपरिसाडिं आलोयभायणे जयं पयत्तेण
ववगयसंजोगमणिंगालं च विगयधूमं अक्खोवंजण-वण-णाणुलेवणभूयं संजमजायामाया-
निमित्तं संजमभारवहणट्ठयाए भुंजेज्जा पाणधारणट्ठयाए संजएण समियं एवं आहार-
समितिजोगेणं भाविओ भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वणचरित्तभावणाए
अहिंसए संजए सुसाहू, पंचमं आदा[ण]निक्खेव[ण]समिती पीढफलगसिज्जा-
संथारगवत्थपत्तकंबलदंडगरयहरणचोलपट्टगमुहपोत्तियपायपुंछणादी एयंपि संजमस्स
उववूहणट्ठयाए वातातवदंसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहियं
परिहरितव्वं संजमेणं निच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण
होइ सययं निक्खिवियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणभंडोवहिउवगरणं एवं आयाणभंड-
निक्खेवणासमितिजोगेण भाविओ भवति अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठनिव्वण-
चरित्तभावणाए अहिंसए संजते सुसाहू, एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होति
सुप्पणिहितं इमेहिं पंचहिंवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं निच्चं आमरणंतं च
एस जोगो णेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी
असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुण्णाओ एवं पढमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं

पडिमा, से भिक्खू वा अहासंथडमेव उग्गहं जाएज्जा तंजहा—पुढविसिलं वा, कट्ठसिलं वा अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा नेसज्जिओ वा विहरेज्जा ॥ १०६ ॥ इच्चेसिं सत्तण्हं पडिमाणं अन्नयरं जहा पिंडेसणाए ॥ १०७ ॥ सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते तंजहा—देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ १०८ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ सामग्गियं ॥ १०९ ॥ उग्गहपडिमाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥ सत्तमं उग्गहपडिमज्झयणं समत्तं पढमा चूला समत्ता ॥

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा ठाणं ठाइत्तए से अणुपविसिज्जा गामं वा, नगरं वा जाव सन्निवेसं वा से अणुपविसित्ता गामं वा जाव सन्निवेसं वा से जं पुण ठाणं जाणिज्जा सअंडं जाव समक्कडासंताणयं तं तहप्पगारं ठाणं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते नो पडिगाहिज्जा एवं सेज्जागमेण नेयव्वं जाव उदयपसूयाईं इइ ॥११०॥ इच्चेयाइं आयतणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू इच्छेज्जा चउहिं पडिमाहिं ठाणं ठाइत्तए ॥१११॥ पढमा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्मादि सवियारं ठाणं ठाइस्सामि ॥" ॥ ११२ ॥ दोच्चा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ नो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि ॥११३॥ तच्चा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा नो काएण विपरिकम्माइं नो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति ॥ ११४ ॥ चउत्था पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा नो अवलंबेज्जा काएण नो विपरिकम्माइं नो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति वोसट्ठकाए वोसट्ठकेसमंसुलोमनहे संनिरुद्धं वा ठाणं ठाइस्सामि त्ति ॥ ११५ ॥ इच्चेयासिं चउण्हं पडिमाणं जाव पग्गहियतरागं विहरेज्जा नो तत्थ किंचिवि वएज्जा ॥ ११६ ॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ११७ ॥ ठाणसत्तिक्कयं अट्ठमं अज्झयणं समत्तं पढमं सत्तिक्कयं समत्तं ॥

से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा निसीहियं फासुयं गमणाए से पुण निसीहियं जाणिज्जा सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं निसीहियं अफासुयं लाभे संते नो चेइस्सामि ॥ ११८ ॥ से भिक्खू वा (२) अभिकंखेज्जा निसीहियं गमणाए से जं पुण निसीहियं जाणिज्जा अप्पंडं अप्पपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं निसीहियं फासुयं एसणिज्जं लाभे संते चेइस्सामि एवं सेज्जागमेणं

तीरियं किट्टियं आराहियं आणाते अणुपालियं भवति, ए(यं)वं नायमुणिणा भगवया पन्नविय परूवियं पसिद्धं सिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवितं सुदेसितं पसत्थं पढमं संवरदारं समत्तं तिबेमि [इति पढमं संवरदार] ॥ २३ ॥ जंबू ! वितियं च सच्चवयणं सुद्ध सुचिय सिवं सुजायं सुभासियं सुव्वय सुकहियं सुदिट्ठं सुपतिट्ठियं सुपइट्ठियजस सुसजमियवयणबुइयं सुरवरनरवसभपवरबलवगसुविहियजणबहुमयं परमसाहुधम्मचरणं तवनियमपरिग्गहियं सुगतिपहदेस[ग]क च लोगुत्तमं वयमिण विज्जाहरगगणगमणविज्जाणसाहकं सग्गमग्गसिद्धिपहदेसकं अवितहं त सच्च उज्जुय अकुडिलं भूयत्थ अत्थतो विसुद्धं उज्जोयकरं पभासक भवति सव्वभावाण जीवलोगे अविसवादि जहत्थमधुरं पच्चक्ख दयिवयव ज तं अच्छेरकारक अवत्थतरेसु बहुएसु माणुसाणं सच्चेण महासमुद्दमज्झेवि चिट्ठति न निमज्जंति मूढाणिया-वि पोया सच्चेण य उदगसभममिवि न वुज्झइ न य मरंति थाह ते लभंति सच्चेण य अगणिसभमंमिवि न डज्झंति उज्जुगा मणूसा सच्चेण य तत्ततेल्लतउलोहसीसकाइं छिवंति घरेंति न य उज्झति मणूसा पव्वयकडकाहिं मुच्चंते न य मरति सच्चेण य परिग्ग(ही)हिया असिपजरगया समराओ-वि णिइंति अणहा य सच्चवादी वहबधभियोगवेरघोरेहिं पमुच्चंति य अमित्तमज्झाहिं निइंति अणहा य सच्चवादी सादेव्वाणि य देवयाओ करेंति सच्चवयणे रताण । त सच्चं भगवं तित्थकरसुभासिय दसविह चोद्दसपुव्वीहिं पाहुडत्थविदितं महरि(सि)सीण य समय(पइ)प्पदि(न्नचि)न्नं देविंदनरिंदभासियत्थ वेमाणियसाहियं महत्थ मंतोसहिविज्जासाहणत्थं चारणगणसमणसिद्धविज्ज मणुयगणाणं वदणिज्जं अमरगणाण अच्चणिज असुरगणाण च पूयणिज्ज अणेगपासडिपरिग्गहित जं त लोकंमि सारभूयं गभीरतरं महासमुद्दाओ थिरतरग मेरुपव्वयाओ सोमतरगं चंदमडलाओ दित्ततरं सूरमंडलाओ विमलतरं सरयनहयलाओ सुरभितरं गंधमादणाओ जेविय लोगम्मि अपरिसेसा मतजोगा जवा य विज्जा य जंभका य अत्थाणि य सत्थाणि य सिक्खाओ य आगमा य स(व्वा)व्वाणिवि ताइं सच्चे पइट्ठियाइ, सच्चपि-य सजमस्स उवरोहकारक किंचि न वत्तव्व हिंसासावज्जसपउत्त भेयविकहकारक अणत्थवायकलहकारक अणज्जं अववायविवायसपउत्तं वेलंबं ओजधेज्जबहुलं निल्लज्ज लोयगरहणिज्जं दुद्दिट्ठ दुस्सुय अमुणिय अप्पणो थवणा परेसु निंदा न तंसि मेहावी ण तंसि धन्नो न तसि पियधम्मो न त कुलीणो न तसि दाण-[व]पती न तंसि सूरो न तंसि पडिरूवो न तसि लट्ठो न पडिओ न बहुस्सुओ नवि य त तवस्सी ण यावि परलोगणिच्छियमतीऽसि सव्वकाल जातिकुलरूववाहिरोगेण चावि ज होइ वज्जणिज्ज दु(हओ)हिल उवयारमतिक्कत एवविह सच्चपि न वत्तव्व,

जह वेमसियं पुणाइ सच्चं तु भासियव्वं । जं तं दव्वेहिं पज्जवेहि य गुणेहिं कम्मेहिं बहुविहेहिं सिप्पेहिं आगमेहि य नामक्खायनिवाउवसग्गतद्धियसमाससंधिपयहेउजोगियउणाइकिरियाविहाणधाउसरविभत्तिवन्नजुत्तं तिकल्लं दसविहंपि सच्चं जह भणियं तह य कम्मुणा होइ दुवालसविहा होइ भासा वयणंपि य होइ सोलसविहं, एवं अरहंतमणुन्नायं समिक्खियं संजएण कालंमि य वत्तव्वं ॥२४॥ इमं च अलियपिसुणफरुसकडुयचवलवयणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभाविकं आगमेसिभद्दं सुद्धं नेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाणं विओसमणं तस्स इमा पंच भावणाओ बिइयस्स वयस्स अलियवयणस्स वेरमणपरिरक्खणट्ठयाए, पढमं सोऊणं संवरट्ठं परमट्ठं सुट्ठु जाणिऊण न वेगियं न तुरियं न चवलं न कडुयं न फरुसं न साहसं न य परस्स पीलाकरं सावज्जं सच्चं च हियं च मियं च गाहगं च सुद्धं संगयमकाहलं च समिक्खियं संजएण कालंमि य वत्तव्वं एवं अणुवीइसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो, बिइयं कोहो न सेवियव्वो कुद्धो चंडिक्कि[ओ]ओ मणूसो अलियं भणेज्ज पिसुणं भणेज्ज फरुसं भणेज्ज अलियं पिसुणं फरुसं भणेज्ज कलहं करेज्जा वेरं करेज्जा विकहं करेज्जा कलहं वेरं विकहं करेज्जा सच्चं हणेज्ज सीलं हणेज्ज विणयं हणेज्ज सच्चं सीलं विणयं हणेज्ज वेसो हवेज्ज वत्थुं भवेज्ज गम्मो भवेज्ज वेसो वत्थुं गम्मो भवेज्ज एयं अन्नं च एवमाइयं भणेज्ज कोहग्गिसंपलित्तो तम्हा कोहो न सेवियव्वो, एवं खंतीए भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो तइयं लोभो न सेवियव्वो लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं खेत्तस्स व वत्थुस्स व कएण १ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं कित्तीए लोभस्स व कएण २ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं रिद्धी(ए)य व सोक्खस्स व कएण ३ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं भत्तस्स व पाणस्स व कएण ४ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं पीढस्स व फलगस्स व कएण ५ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं सेज्जाए व संथारगस्स व कएण ६ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं वत्थस्स व पत्तस्स व कएण ७ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं कंबलस्स व पायपुंछणस्स व कएण ८ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं सीसस्स व सिस्सिणीए व कएण ९ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं अन्नेसु य एवमाइसु बहुसु कारणसएसु लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं तम्हा लोभो न सेवियव्वो एवं मुत्तीए भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपन्नो चउत्थं न भाइयव्वं भीयं खु भया अइंति लहुयं भीओ अबितिज्जओ मणूसो भीओ भूएहिं घिप्पइ भीओ अन्नंपि हु भेसेज्जा भीओ तवसंजमंपि हु मुएज्जा भीओ य भरं न नित्थरेज्जा

सप्पुरिसनिसेविय च मग्ग भीतो न समत्थो अणुचरिउं तम्हा न भातियव्वं भयस्स वा वाहिस्स वा रोगस्स वा जराए वा मच्चुस्स वा अन्नस्स वा ए(वमादिय)गस्स-वा-एवं धेज्जेण भाविओ भवति अतरप्पा सजयकरचरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसपन्नो, पंचमक हासं न सेवियव्वं अलियाइ असतकाइं जंपंति हासइत्ता परपरिभवकारणं च हास परपरिवायप्पिय च हास परपीलाकारग च हास भेदविमुत्तिकारकं च हास अन्नोन्नजणिय च होज्ज हास अन्नोन्नगमणं च होज्ज मम्मं अन्नोन्नगमणं च होज्ज कम्मं कंदप्पाभियोगगमण च होज्ज हास आसुरिय किब्बिसत्तणं च जणेज्ज हास तम्हा हास न सेवियव्व एव मोणेण भाविओ भवइ अतरप्पा सजयकर-चरणनयणवयणो सूरो सच्चज्जवसपन्नो, एवमिणं सवरस्स दार सम्मं सवरियं होइ सुप्पणिहिय इमेहिं पंचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं निच्च आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुन्नाओ, एव वितिय सवरदारं फासिय पालियं सोहियं तीरिय किट्टिय अणुपालिय आणाए आराहियं भवति, एव नायमुणिणा भगवया पन्नवियं परूविय पसिद्ध सिद्धवरसासणमिण आघवितं सुदेसि(य)त पसत्थ वितिय सवरदारं समत्त तिबेमि [इति वितिय दारं] ॥ २५ ॥ जबू ! दत्तमणुण्णायसवरो नाम होति ततियं सुव्वता ! महव्वत गुणव्वत परदव्वहरणपडिविरइकरणजुत्त अपरिमियमणंततण्हाणु-गयमहिच्छमणवयणकलुसआयाणसुनिग्गहिय सुसजमियम[णो]णहत्थपायनिभियं निग्गंथं णेट्ठिकं निरुत्तं निरासव निब्भयं विमुत्त उत्तमनरवसभपवरबलवगसुविहित-जणसमत परमसाहुधम्मचरणं जत्थ य गामागरनगरनिगमखेडकब्बडमडंबदोणमुह-सवाहपट्टणासमगयं च किंचि दव्वं मणिमुत्तसिलप्पवालकंसदूसरययवरकणगरयणमादिं पडियं पम्हुट्ठ विप्पणट्ठ न कप्पति कस्सति कहेउ वा गेण्हिउ वा अहिरन्नसुवन्निकेण समलेट्ठुकचणेणं अपरिग्गहसंवुडेण लोगमि विहरियव्वं, जपिय होजाहि दव्वजातं खल(थल)ग(यं)त खेत्त-गतंरन्न-मतरग(य)त वा किंचि तणकट्ठसक्करादि अप्पं च वहुं च अणुं च थूलग वा न कप्प(ती)ति उग्गहमि अदिण्णमि गिण्हिउं जे, हणि हणि उग्गह अणुन्नविय गेण्हियव्व वज्जेयव्वो [य] सव्वकाल अचियत्त-घरप्पवेसो अचियत्तभत्तपाण अचियत्तपीढफलगसेज्जासथारगवत्थपत्तकबलरयहरण-निसेज्जचोलपट्टगमुहपोत्तियपायपुछणाइ भायणभंडोवहिउवकरण परपरिवाओ परस्स दोसो परववएसेण जं च गेण्हइ परस्स नासेइ जं च सुकय दाणस्स य अतरातियं दाणविप्पणासो पेसुन्नं चेव मच्छरित्तं च, जेविय पीढफलगसेज्जासथारगवत्थ(पत्त)-पायकबल[रयहरणनिसेज्जचोलपट्टग]मुहपोत्तियपायपुंछणादिभायणभंडोवहिउवकरणं

दत्तमणुन्नायउग्गहरुती । चउत्थ साहारणपिंडपातलाभे भोत्तव्वं सजएण समिय न सायसूयाहिकं न खद्ध ण वेगितं न तुरियं न चवलं न साहस न य पर[स्स]पीलाकर-सावज्ज तह भोत्तव्व जह से ततियवयं न सीदति साहारणपिंडपा[त]यलाभे सुहुम अदिन्नादाण-विरमण-वयनियम(विरम)ण, एव साहारणपिंडवायलाभे समितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा निच्च अहिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते दत्तमणुन्नाय-उग्गहरुती । पंचमग साहम्मिए विणओ पउंजियव्वो उव[ग]करणपारणासु विणओ पउजियव्वो वायणपरियट्टणासु विणओ पउंजियव्वो दाणगहणपुच्छणासु विणओ पउंजियव्वो निक्खमणपवेसणासु विणओ पउजियव्वो अन्नेसु य एवमादिसु वहुसु कारणसएसु विणओ पउजियव्वो, विणओवि तवो तवोवि धम्मो तम्हा विणओ पउजियव्वो गुरुसु साहूसु तवस्सीसु य, एवं विणतेण भाविओ भवइ अतरप्पा णिच्च अधिकरणकरणकारावणपावकम्मविरते दत्तमणुन्नायउग्गहरुई । एवमिण सव-रस्स दारं सम्म सवरिय होइ सुपणिहिय एवं जाव आघविय सुदेसितं पसत्थं ततियं संवरदारं समत्ततिवेमि ॥ २६ ॥ जं(बु)वू । एत्तो य वभचेरं उत्तमतवनिय-मणाणदसणचरित्तसम्मत्तविणयमूल य [ज]मनियमगुणप्पहाणजुत्त हिमवंतमहततेयमतं पसत्थगभीरथिमितमज्झ अज्जवसाहुजणाचरित मोक्खमग्ग विसुद्धसिद्धिगतिनिलयं सासयमव्वावाहमपुणब्भव पसत्थ सोम सुभ सिवमचलमक्खयकर जतिवरसारक्खित सुचरिय सु[भासि]साहियं नवरि मुणिवरेहिं महापुरिसधीरसूरधम्मियधितिमताण य सया विसुद्धं भव्वं भव्वजणाणुचिन्नं निस्संकिय निब्भय नित्तुस निरायास निरुवलेव निव्वुतिघरं नियमनिप्पकप तवसंजममूलदलियणेम्म पचमहव्वयसुरक्खियं समितिगुत्तिगुत्त झाणवरकवाडसुकयमज्झप्पदिन्नफलिहं सनद्धोच्छइयदुग्गइपह सुगति-पहदेसगं च लोगुत्तम च वयमिण पउमसरतलागपालिभूयं महासगडअरगतुवभूय महाविडिमरुक्खक्खधभूय महानगरपागारकवाडफलिहभूय रज्जुपिणिद्धो व इदकेतू विसुद्धणेगगुणसपिणद्ध जमि य भग्गमि होइ सहसा सव्व सभग्गम(हि)थियचुन्निय-कुसल्लियपल्लट्टपडियखडियपरिसडियविणासिय विणयसीलतवनियमगुणसमूह त वभं भगवंत गहगणनक्खत्ततारगाणं (व) वा जहा उडुपती मणिमुत्तासिलप्पवालरत्तरय-णागराण (च) व जहा समुद्दो वेरुलिओ चेव जहा मणीणं जहा मउडो चेव भूसणाणं वत्थाण चेव खोमजुयल अरविंद चेव पुप्फजेट्ठं गोसीसं चेव चदणाणं हिमवंतो चेव ओसहीणं सीतोदा चेव निन्नगाण उदहीसु जहा सयभुरमणो रुयगवरे चेव मडलिकपव्वयाण पवरे एरावण इव कुजराण सीहोव्व जहा मिगाणं पवरे प[ण]व-काणं चेव वेणुदेवे धरणो जह पण्णगइदराया कप्पाण चेव वभलोए सभासु य

अन्नेवि य एवमादी अवकासा ते हु वज्जणिज्जा जत्थ मणोविब्भमो वा भगो वा भंस(गो)णा वा अट्ट रुद्द च हुज्ज झाण त तं वज्जेज्ज वज्जभीरू अणायतण अतपंतवासी, एवमस्ससत्तवासवसहीसमितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा आरतमणविरयगामधम्मे जि[तें]तिंदिए वभचेरगुत्ते । वितियं नारीजणस्स मज्झे न कहेयव्वा कहा विचित्ता वि(व्वो)व्वोयविलाससपउत्ता हाससिंगारलोइयकहव्व मोहजणणी न आवाहविवाहवरकहाविव इत्थीण वा सुभगदुभगकहा चउसट्टिं च महिलागुणा न वन्नदेसजातिकुलरूवनामनेवत्थपरिजणकहा इत्थियाणं अन्नावि य एवमादियाओ कहाओ सिंगारकलुणाओ तवसजमवभचेरघातोवघातियाओ अणुचरमाणेण वभचेरं न कहेयव्वा न सुणेयव्वा न चिंतेयव्वा, एव इत्थीकहविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा आरतमणविरयगामधम्मे जितिंदिए वभचेरगुत्ते । ततीय नारीण हसितभणि(त)तं चेट्टियविप्पेक्खितगइविलासकीलिय विव्वोतियनट्टगीतवातियसरीरसंठाणवन्नकरचरणनयणलाव ण्णरूवजोव्वणपयोहराधरवत्थालकारभूसणाणि य गुज्झोवकासियाइ अन्नाणि य एवमादियाइ तवसजमवभचेरघातोवघातियाइं अणुचरमाणेण वभचेर न चक्खुसा न मणसा न वयसा पत्थेयव्वाइ पावकम्माइ, एवं इत्थीरूवविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा आरतमणविरयगामधम्मे जितेंदिए वंभचेरगुत्ते । चउत्थ पुव्वरयपुव्वकीलियपुव्वसंगयगथसंथुया जे ते आवाहविवाहचोल्लकेसु य तिथिसु जन्नेसु उस्सवेसु य सिंगारागारचारुवेसाहिं हावभावपललियविक्खेवविलाससालिणीहिं अणुकूलपेम्मिकाहिं सद्धिं अणुभूया सयणसपओगा उदुसुहवरकुसुमसुरभिचदणसुगधिवरवासधूवसुहफरिसवत्थभूसणगुणोववेया रमणिज्जाउज्जगेयपउरनडनट्ट(ग)कजाल्लमल्लमुट्ठिकवेलवगकहगपवगलासगआइक्खगलखमखतूणइल्लतुववीणियतालायरपकरणाणि य वहूणि महुरसरगीतसुस्सराइं अन्नाणि य एवमादियाणि तवसजमवभचेरघातोवघातियाइं अणुचरमाणेणं वभचेरं न तातिं समणेण लब्भा दट्ठु न कहेउं नवि सुमरिउं जे, एव पुव्वरयपुव्वकीलियविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा आरयमणविरतगामधम्मे जिइदिए वभचेरगुत्ते । पंचमग आहारपणीयनिद्धभोयणविवज्जते सजते सुसाहू ववगयखीरदहिसप्पिनवनीयतेल्लगुलखडमच्छडिकमहुमज्जमसखज्जकविगतिपरिच्चत्तकयाहारे ण दप्पणं न वहुसो न नितिक न सायसूपाहिक न खद्धं तहा भोत्तव्व जह से जायामाता-य भवति, न य भवति विब्भमो न भसणा य धम्मस्स, एवं पणीयाहारविरतिसमितिजोगेण भावितो भवति अतरप्पा आरयमणविरतगामधम्मे जिइदिए वभचेरगुत्ते । एवमिण सवरस्स दारं सम्म संवरिय होइ सुपणिहित इमेहिं पचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरि-

[जी]जीववच्छलेहिं तिलोयमहिएहिं जिणवरिंदेहिं एस जोणी जगा[जगमा]ण दिट्ठा न कप्पइ जोणिसमुच्छेदोत्ति तेण वज्जति समणसीहा, जंपिय ओदणकुम्मासगं[जं]ज-तप्पणमथुभुज्जियतिलपुप्फपिट्ठसूपसक्कुलिवेढिमवरसरकचुन्नकोसगपिंडसिहरिणिवट्टमो-यगखीरदहिसप्पितेल्लगुलखंडमच्छडियखज्जकवजणविधिमादिक पणीय उवस्सए परघरे व रन्ने न कप्प ति तपि सन्निहिं काउ सुविहियाण, जपि-य उद्दिट्ठठवियरन्चियग-पज्जवजात पकिण्णपाउकरणपामिच्च मीसकजाय कीयकडपाहुड च दाणट्ठपुन्नपगडं समणवणीमगट्ठयाए व कय पच्छाकम्म पुरेकम्म नि[च्च]तिकम्म मक्खिय अतिरित्त मोहरं चेव सयग्गहमाहड मट्टि[उ]ओवलित्तं अच्छेज्ज चेव अणीसट्ठ ज त तिहीसु जन्नेसु ऊसवेसु य अतो व वहिं व होज्ज समणट्ठयाए ठवियं हिंसासावज्जसपउत्त न कप्प-ति तंपि-य परिघेत्तु, अह केरिसय पुणाइ कप्पति ?, जं त एक्कारसपिंडवायसुद्ध किणणहणणपयणकयकारियाणुमोयणनवकोडीहिं सुपरिसुद्ध दसहि य दोसेहिं विप्पमुक्क उग्गमउप्पायणेसणाए सुद्ध ववगयचुयचवियचत्तदेह च फासुय ववगयसंजोगमणिंगालं विगयधूम छट्ठाणनिमित्त छक्कायपरिरक्खणट्ठा ह[णि]णिं ह-णिं फासुकेण भिक्खेण वट्टियव्व, जपि-य समणस्स सुविहियस्स उ रोगायके वहुप्पकारमि समुप्पन्ने वाताहिकपित्तसिंभअतिरित्तकुविय तह सन्निवातजाते व उदयपत्ते उज्जलवलविउ-ल[विउल]कक्खडपगाढदुक्खे असुभकडुयफरुसे चंडफलविवागे महब्भ[ये]ए जीवि-यतकरणे सव्वसरीरपरितावणकरे न कप्प-ति तारिसे-वि तह अप्पणो परस्स वा ओसहभेसज्ज भत्तपाण च तंपि सनिहिकय, जपि-य समणस्स सुविहियस्स तु पडिग्गहधारिस्स भवति भायणभंडोवहिउवकरणं पडिग्गहो पादबंधण पादकेस-रिया पादठवण च पडलाइ तिन्नेव रयत्ताण च गोच्छओ तिन्नेव य पच्छाका रयोहरणचोलपट्टकमुहणतकमादीय एय पि य सजमस्स उववूहणट्ठयाए वायायवदसम सगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरण रागदोसरहिय परिहरियव्व सजएण णिच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण होइ सतत निक्खिवि-यव्व च गिण्हियव्व च भायणभडोवहिउव(क)गरण, एवं से सजते विमुत्ते निस्सगे निप्परिग्गहरुई निम्ममे निन्नेहबंधणे सव्वपावविरते वासीचदणसमाणकप्पे सम-तिणमणिमुत्तालेट्ठुकचणे समे य माणावमाणणाए समियरते समितरागदोसे समिए समितीसु सम्म(दि)दिट्ठी समे य जे सव्वपाणभूतेसु से हु समणे सुयधारते उज्जु[त्ते]ते संजते स साहू सरणं सव्वभूयाणं सव्वजगवच्छले सच्चभासके य संसारतट्ठिते य संसारसमुच्छिन्ने सतत मरणाणुपारते पारगे य सव्वेसिं ससयाण पवयणमायाहिं अट्ठहिं अट्ठकम्मगठीविमोयके अट्ठमयमहणे ससमयकुसले य भवति सुहदुक्ख-

णेयव्वं जाव उदगप्पसूयाई ॥ ९१९ ॥ जे तत्थ दुवग्गा जाव पंचवग्गा वा अभिसंधारेंति णिसीहियं गमणाए ते णो अण्णमण्णस्स कायं आलिंगेज्ज वा विलिंगेज्ज वा चुंबेज्ज वा दंतेहिं णहेहिं वा अच्छिंदेज्ज वा वुच्छिंदेज्ज वा ॥ ९२० ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स (२) वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जएज्जा सेयमिणं मण्णिज्जासि त्ति बेमि ॥ ९२१ ॥ **णवमं णिसीहियाज्झयणं समत्तं, णिसीहियासत्तिक्कयं समत्तं बीयं ॥**

से भिक्खू वा (२) उच्चारपासवणकिरियाए उब्बाहिज्जमाणे सयस्स पायपुंछणस्स असईए तओ पच्छा साहम्मियं जाएज्जा ॥ ९२२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अप्पपाणं अप्पबीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२४ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिया समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए एगं साहम्मिणिं समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स अस्सिं० बहवे समणमाहणवणीमगा पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं (४) जाव उद्देसियं चेतेति, तहप्पगारं थंडिलं पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अनीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२५ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, बहवे समणमाहणकिवणवणीमगअतिही समुद्दिस्स पाणाइं (४) जाव उद्देसियं चेतेति, तहप्पगारं थंडिलं अपुरिसंतरकडं जाव बहिया अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२६ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२७ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए कयं वा कारियं वा पामिच्चियं वा छण्णं वा घट्ठं वा मट्ठं वा लित्तं वा संपधूमियं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२८ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा मूलाणि वा जाव हरियाणि वा अंतराओ वा बाहिं णीहरंति बहियाओ वा अंतो साहरंति अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९२९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, खंधंसि वा पीढंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा

सद्देसु मणुन्नभद्दएसु ण तेसु समणेण सज्जियव्वं न रज्जियव्वं न गिज्झियव्वं न मुज्झियव्वं न विनिग्घायं आवज्जियव्वं न लुभियव्वं न तुसियव्वं न हसियव्वं न सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि सोइंदिएण सोच्चा सद्दाइं अमणुन्नपावकाइं, किं ते ?, अक्कोसफरुसखिंसणअवमाणणतज्जणनिब्भच्छणदित्तवयणतासणउक्कूजियरुन्नरडियकंदियनिग्घुट्ठरसियकलुणविलवियाइं अन्नेसु य एवमादिएसु सद्देसु अमणुण्णपावएसु न तेसु समणेण रूसियव्वं न हीलियव्वं न निंदियव्वं न खिंसियव्वं न छिंदियव्वं न भिं[भि]दियव्वं न वहेयव्वं न दुगुंछावत्तियाए लब्भा उप्पाएउं, एवं सोतिंदियभावणाभावितो भवति अंतरप्पा मणुन्नाऽमणुन्नसुब्भिदुब्भिरागदोसप्पणिहियप्पा साहू मणवयणकायगुत्ते संवुडे पणिहितिंदिए चरेज्ज धम्मं । बितियं चक्खिंदिएण पासिय रूवाणि मणुन्नाइं भद्दकाइं सचित्ता[ऽ]चित्तमीसकाइं कट्ठे पोत्थे य चित्तकम्मे लेप्पकम्मे सेले य दंतकम्मे य पंचहिं वण्णेहिं अणेगसंठाणसं(थि)ठियाइं गं[थि]ठिमवेढिमपूरिमसंघातिमाणि य मल्लाइं बहुविहाणि य अहियं नयणमणसुहकराइं वणसंडे पव्वते य गामागरनगराणि य खुद्दियपुक्खरिणिवावीदीहियगुंजालियसरसरपंतियसागरबिलपंतियखादियनदीसरतलागवप्पिणीफुल्लुप्पलपउमपरिमंडियाभिरामे अणेगसउणगणमिहुणविचरिए वरमंडवविविहभवणतोरणचेतियदेवकुलसभप्पवावसहसुकयसयणासणसीयरहसयडजाणजुग्गसंदणनरनारिगणे य सोमपडिरूवदरिसणिज्जे अलंकितविभूसिते पुव्वकयतवप्पभावसोहग्गसंपउत्ते नडनट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलंबगकहग[क]गपवगलासगआइक्खगलंखमंखतूणइल्लतुंबवीणियतालायरपकरणाणि य बहूणि सुकरणाणि अन्नेसु य एवमादिएसु रूवेसु मणुन्नभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं न रज्जियव्वं जाव न सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि चक्खिंदिएण पासिय रूवाइं अमणुन्नपावकाइं, किं ते ?, गंडिकोढिकुणिउदरिकच्छुल्लपइल्लकुज्जपंगुलवामणअंधिल्लगएगचक्खुविणिहयसप्पिसल्लगवाहिरोगपीलियं विगयाणि य मयककलेवराणि सकिमिणकुहियं च दव्वरासिं अन्नेसु य एवमादिएसु अमणुन्नपावतेसु न तेसु समणेण रूसियव्वं जाव न दुगुंछावत्तियावि लब्भा उप्पातेउं, एवं चक्खिंदियभावणाभावितो भवति अंतरप्पा जाव चरेज्ज धम्मं । ततियं घाणिंदिएण अग्घाइय गंधाणि मणुन्नभद्दगाइं, किं ते ?, जलयथलयसरसपुप्फफलपाणभोयणकुट्ठतगरपत्तचोदमणकमरुयएलारसपिक्कमंसिगोसीससरसचंदणकप्पूरलवंगअगरकुंकुमकक्कोलउसीरसेयचंदणसुगन्धसारंगजुत्तिवरधूववासे उउयपिंडिमणिहारिमगंधिएसु अन्नेसु य एवमादिएसु गंधेसु मणुन्नभद्दएसु न तेसु समणेण सज्जियव्वं जाव न सतिं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि घाणिंदिएण अग्घातिय गंधाणि अमणुन्न-

सुप्पणिहिय इमेहिं पंचहि-वि कारणेहिं मणवयकायपरिरक्खिएहिं निच्चं आमरणंत च एस जोगो नेयव्वो धितिमया मतिमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुन्नातो, एव पचम सवरदार फासिय पालिय सोहिय तीरियं किट्टिय अणुपालिय आणाए आराहिय भवति, एव नायमुणिणा भगवया पन्नविय परूविय पसिद्ध सिद्ध सिद्धवरसासणमिण आघविय सुदेसिय पसत्थ पंचम सवरदारं समत्ततिबेमि। एयार्ति वयाइ पचवि सुव्वयमहव्वयाइं हेउसयविचित्त-पुक्लाइ कहियाइ अरिहतसासणे पच समासेण सवरा वित्थरेण उ पणवीसतिस-मियसहियसवुडे सया जयणघडणसुविसुद्धदसणे एए अणुचरियसजते चरमसरीरधरे भविस्सतीति ॥ २९ ॥ पण्हावागरणे ण एगो सुयक्खधो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जति एगतरेसु आयबिलेसु निरुद्धेसु आउत्तभत्तपाणएणं अग जहा आयारस्स ॥ ३० ॥

तं०—मियापुत्ते य जाव नंदू य पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं मिय[ग]गामे नामं नयरे होत्था वण्णओ तस्स णं मियग्गामस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुर(त्थि)त्थिमे दिसीभाए चंदणपायवे नामं उज्जाणे होत्था सव्वोउय० वण्णओ तत्थ णं मियग्गामे नयरे विजए नामं खत्तिए राया परिवसइ वण्णओ तस्स णं विजयस्स खत्तियस्स मिया नामं देवी होत्था अहीण० वण्णओ तस्स णं विजयस्स खत्तियस्स पुत्ते मियाए देवीए अत्तए मियापुत्ते नामं दारए होत्था जाइअंधे जाइमूए जाइबहिरे जाइपंगुले (य) हुंडे य वायव्वे य नत्थि णं तस्स दारगस्स हत्था वा पाया वा कण्णा वा अच्छी वा नासा वा केवलं से तेसिं अंगोवंगाणं आ(ग)गिई आगि(इ)मेत्ते, तए णं सा मिया देवी तं मियापु(त्त)त्तं दारगं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागरमाणी २ विहरइ ॥ २ ॥ तत्थ णं मि(य)ग्गामे नयरे एगे जाइअंधे पुरिसे परिवसइ, से णं एगेणं सचक्खुएणं पुरिसेणं पुरओ दंडएणं पग(डि)ड्ढिज्जमाणे २ फुट्टहडाहडसीसे मच्छियाचडगरपहकरेणं अन्निज्ज-माणमग्गे मियग्गामे नयरे गे(गि)हे २ कालुणवडियाए वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसरिए जाव परिसा निग्गया। तए णं से विजए खत्तिए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जहा कू(को)णिए तहा निग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं से जाइअंधे पुरिसे तं म(हा)हया जणसद्दं जाव सुणेत्ता तं पुरिसं एवं वयासी—किं णं देवाणुप्पिया! अज्ज मियग्गामे नयरे इंदमहे इ वा जाव निग्गच्छइ? तए णं से पुरिसे तं जाइअंधपुरिसं एवं वयासी—नो खलु देवाणुप्पिया! इंदमहे इ वा जाव निग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे जाव विहरइ, तए णं एए जाव निग्गच्छंति, तए णं से अंधपुरिसे तं पुरिसं एवं वयासी—गच्छामो णं देवाणुप्पिया! अम्हे-वि समणं भगवं जाव पज्जुवासामो तए णं से जाइअं(ध)धे पुरिसे [तेणं] पुरओ-दंडएणं [पुरिसेणं] पगड्ढिज्जमाणे २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए (२ त्ता) तिक्खुत्तो आयाहिण-पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ २ त्ता जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे विजयस्स खत्तियस्स तीसे य धम्ममाइक्खइ( ) जाव परिसा (जाव) पडिगया विजए-वि गए ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभू(ति)ई नामं अणगारे जाव विहरइ, तए णं से भगवं (२) गोयमे तं जाइअंधपुरिसं पासइ २ त्ता जायसड्ढे जाव एवं वयासी—अत्थि णं भंते! के(इ)इ

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

विवागसुयं

तेण कालेण तेण समएण चंपा नाम नयरी होत्था वण्णओ, (० चं० ण० उ० दि० एत्थ ण) पुण्णभद्दे (णा०) उज्जाणे (हो० व०) ॥ १ ॥ तेण कालेण तेण समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अतेवासी अज्जसुहम्मे-नाम अणगारे जाइसप-न्ने वण्णओ चउ(द)द्दसपुव्वी चउनाणोवगए पचहिं अणगारसएहिं सद्धिं सपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं जाव जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे अहापडिरूव जाव विहरइ, परिसा निग्गया धम्म सोच्चा निसम्म जामेव दि(स)सिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडि-गया, तेण कालेण तेण समएण अज्जसुहम्म(स्स)अतेवासी अज्जजवू-नाम अणगारे सत्तुस्सेहे जहा गोयमसामी तहा जाव झाणकोट्ठो[वगए] विहरइ, तए ण अज्ज-जवू-ना(मे)म अणगारे जायसड्ढे जाव जेणेव अज्जसुहम्मे अणगारे तेणेव उवागए तिक्खुत्तो आयाहि(णं)णपयाहिण करेइ २ त्ता वदइ नमसइ व० २ त्ता जाव पज्जुवासइ, [?] एव वयासी–जइ ण भते ! समणेणं भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण दसमस्स अगस्स पण्हावागरणाण अयमट्ठे पन्नत्ते, एक्कारसमस्स ण भंते ! अगस्स विवागसुयस्स समणेण जाव सपत्तेण के अट्ठे प न्नत्ते ?, तए ण अज्जसुहम्मे अणगारे ज(वू)वु अणगारं एवं वयासी–एव खलु जवू ! समणेण जाव सपत्तेण एक्कारसमस्स अगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खधा पन्नत्ता, त०–दुहविवागा य सुहविवागा य, जइ ण भते ! समणेण जाव संपत्तेण एक्कारसमस्स अगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खधा पन्नत्ता, त०–दुहविवागा य सुहविवागा य, पढमस्स ण भते ! सुयक्खधस्स दुहविवागाण समणेण जाव सपत्तेण (के) कइ अ(ट्ठे)ज्झयणा पन्न(त्ते)त्ता ?, तए ण अज्जसुहम्मे अणगारे जवु अणगारं एव वयासी–एव खलु जवू ! समणेण० आइगरेण तित्थगरेण जाव सपत्तेण दुहविवागाण दस अज्झयणा पन्नत्ता, त०–'मियापुत्ते य उज्झियए अभग्ग सगडे व(ब)हस्सई नदी । उवर सोरियदत्ते य देवदत्ता य अजू य ॥ १ ॥' जइ ण भते ! समणेण० आइगरेणं तित्थ(य)गरेणं जाव संपत्तेण दुहविवागाणं दस अज्झयणा पन्नत्ता,

पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे ? हंता अत्थि, क[ह]हि णं भंते ! से पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे ? एवं खलु गोयमा ! इहेव मियग्गामे नयरे विजयस्स खत्तियस्स पुत्ते मियादेवीए अत्तए मियापुत्ते नामं दारए जाइअंधे जाइअंधारूवे, नत्थि णं तस्स दारगस्स जाव आ-गिइ-मेत्ते, तए णं सा मियादेवी जाव पडिजागरमाणी २ विहरइ, तए णं से भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणु-न्नाए समाणे मियापुत्तं दार(य)गं पासित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया !, तए णं से भगवं गोयमे समणेणं भग-वया महावीरेणं अब्भणु-न्नाए समाणे ह(ट्ठे)ट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता अतुरियं जाव सोहेमाणे (२) जेणेव मि-यग्गामे नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मि यग्गामं नयरं मज्झमज्झे(ण)णं जेणेव मिया(ए)-देवीए गि(गे)हे तेणेव उवाग(च्छइ)ए, तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ जाव एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमागमण-[प]प(यो)ओयणं ?, तए णं [से] भगवं गोयमे मियादेविं एवं वयासी-अहं णं देवा-णुप्पि(या)ए ! तव पुत्तं पासिउं हव्वमागए, तए णं सा मियादेवी मियापुत्तस्स दार-(य)गस्स अणुमग्गजायए चत्तारि पुत्ते सव्वालंकारविभूसिए करेइ २ त्ता भग(व)वओ गोयमस्स पाएसु पाडेइ २ त्ता एवं वयासी-एए णं भंते ! मम पुत्ते पासह, तए णं से भगवं गोयमे मि(य)यादे(वीं)विं एवं वयासी-नो खलु देवा० अहं एए तव पुत्ते पासिउं हव्वमागए, तत्थ णं जे से तव जेट्ठे (पु०) मियापुत्ते दारए जाइअंधे जाइअंधारूवे जं णं तुमं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागर-माणी २ विहरसि तं णं अहं पासिउं हव्वमागए, तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एवं वयासी-से के णं गोयमा ! से तहारूवे नाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एसमट्ठे मम ताव रह(स्सि)स्सीकए तुब्भं हव्वमक्खाए जओ णं तुब्भे जाणह ?, तए णं भगवं गोयमे मियादे-विं एवं वया(सि)सी-एवं खलु देवाणु-प्पिए ! मम धम्मायरिए समणे भगवं महावीरे (जाव) जओ णं अहं जाणामि, जावं च णं मियादेवी भगवया गोयमेणं सद्धिं एयमट्ठं संलवइ तावं च णं मियापुत्तस्स दारगस्स भत्तवेला जाया यावि होत्था, तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एवं वयासी-तुब्भे णं भंते ! इ(ह)हं चेव चिट्ठह जा णं अहं तुब्भं मियापुत्तं दार-गं उव-दंसेमित्तिकट्टु जेणेव भत्तपाणघ(रए)रे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वत्थपरियं(ट्टं)ट्टयं करेइ २ [त्ता] कट्ठसगडियं गिण्हइ २ [त्ता] वि(पु)उलस्स असणपाणखाइमसाइमस्स भरेइ २ [त्ता] तं कट्ठसगडियं अणुकड्ढमाणी २ जे(णे)णामेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ

दाहिणपुरत्थिमे दि(सि)सीभाए विजयवद्धमाणे नामं खेडे होत्था रिद्ध-त्थिमियसमिद्धे, तस्स ण विजयवद्धमाणस्स खेडस्स पच गामसयाइ आभोए यावि हो-त्था, तत्थ ण विजयवद्धमाणे खेडे इ(ए)क्काई नामं रट्ठकूडे होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणदे, से ण इ-क्का(इणाम)ई रट्ठकूडे विजयवद्धमाणस्स खेडस्स पचण्ह गामसयाणं आहेवच्च जाव पालेमाणे विहरइ, तए ण से इ-क्काई (र०) विजयवद्धमाणस्स खेडस्स पच-गामसयाई बहूहिं करेहि य भरेहि य विद्धीहि य उक्कोडाहि य पराभवेहि य दे(दि)ज्जेहि य भेज्जेहि य कुतेहि य लछपोसेहि य आलीवणेहि य पथकोट्टेहि य ओ(उ)वीले-माणे २ विहम्मेमाणे २ तज्जेमाणे २ तालेमाणे २ निद्धणे करेमाणे २ विहरइ। तए ण से इक्काई रट्ठकूडे विजयवद्धमाणस्स खेडस्स बहूण राईसरतलवरमाडविय-कोडुंवियसेट्ठिसत्थवाहाण अ-न्नेसिं च बहूण गामेल्लगपुरिसाणं ब(हु)हूसु कज्जेसु य कारणेसु य मतेसु य गुज्झेसु य निच्छएसु य ववहारेसु य सुणमाणे भणइ-न सुणेमि असुणमाणे भणइ-सुणेमि एव पस्समाणे भासमाणे गिण्हमाणे जाणमाणे, तए ण से इ-क्का(इ)ई रट्ठकूडे एयकम्मे एयप्पहाणे एयविज्जे एयसमायारे सुब(हु)हु पावकम्मं कलिकलुस समज्जिणमाणे विहरइ, तए ण तस्स इ-क्का(ई)इयस्स रट्ठकूडस्स अ-न्नया क्या(इ ई)इ सरीरगसि जमगसमगमेव सोलम रोगायका पाउब्भूया, त०-सासे का(खा)से जरे दाहे कुच्छिसूले भगदरे। अरि(से)सा अजी(रे)रए दिट्ठीमुद्धसूले अ(रोय)कारए॥ १॥ अ(क्खि)च्छिवेयणा कण्णवेयणा कड्डू उ(द)यरे को(ड्ढे)ढे। तए णं से इ-क्का(इ)ई रट्ठकूडे सोलसहिं रो(या)गायकेहिं अभिभूए समाणे कोडुवियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया! विजयवद्धमाणे खेडे सिं(स)घाडगति गचउक्कचच्चरमहापहपहेसु महया २ सद्देण उग्घोसेमाणा २ एवं वयह-(एव) इह खलु देवाणुप्पिया! इ क्का-ईरट्ठकूडस्स सरीरगसि सोलस-रोगायंका पाउब्भूया, तं०-सासे का-से जरे जाव कोढे, त जो ण इच्छइ देवाणुप्पिया! वे(वि)ज्जो वा वे-ज्जपुत्तो वा जा(णु)णओ वा जा-णयपुत्तो वा तेगिच्छी वा तेगिच्छिपुत्तो वा इ-क्का-ईरट्ठकूडस्स तेसिं सोलसण्ह रोगायकाण एगमवि रोगायंकं उवसामित्तए तस्स ण इ-क्का-ई रट्ठकूडे वि-उल अत्थसंपयाण दलयइ, दोच्चं-पि तच्च पि उग्घोसेह २ त्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणह, तए ण ते कोडुंवियपुरिसा जाव पच्चप्पिणति, तए ण (से) विजयवद्धमा(ण)णे खे(डसि)डे इम एयारूव उग्घोसण सोच्चा निसम्म बहवे वे-ज्जा य ६ सत्थकोसहत्थगया सएहिं[तो] २ गिहेहिंतो पडिनिक्खमति २ त्ता विजयवद्धमाणस्स खेडस्स मज्झंमज्झेण जेणेव इ क्का-ईरट्ठकूडस्स गिहे तेणेव उवागच्छति २ त्ता इ क्काईरट्ठकूडस्स सरीर-ग परामुसति २ त्ता तेसिं रोगाण नि(या)दाण पुच्छति २ त्ता

दुहंदुहेण परिवहइ, तस्स ण दारगस्स गब्भगयस्स चेव अट्ठ-नालीओ अब्भितर-प्पवहाओ अट्ठ-नालीओ बाहिर[प]पवहाओ अट्ठ-पूयप्पवहाओ अट्ठ-सोणियप्पवहाओ दुवे दुवे कण्णतरेसु दुवे दुवे अ(च्छि-किंख)च्छिअतरेसु दुवे दुवे नक्कतरेसु दुवे दुवे धमणिअतरेसु अभिक्खण अभिक्खण पूय च सोणिय च परि(स)सवमाणीओ २ चेव चिट्ठति, तस्स ण दारगस्स गब्भगयस्स चेव अग्गिए-नाम वाही पाउब्भूए जे णं से दारए आहारेइ से ण खिप्पामेव विद्ध(स)समागच्छइ (०) पूयत्ताए (य) सोणियत्ताए य परिणमइ, त-पि-य से पूय च सोणिय च आहारेइ, तए णं सा मियादेवी अ-नया कया-इ नवण्हं मासाण बहुपडिपुण्णाणं दारग पयाया जाइअधे जाव आ-गिइ-मेत्ते, तए ण सा मियादेवी त दार-ग हुड अधारूव पासइ २ त्ता भीया ४ अम्मधाइ सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-गच्छ[ह] ण देवाणुप्पि(ए)या! तुम एयं दारग एगते उक्कुरुडियाए उज्झाहि, तए ण सा अम्मधाई मियादेवीए तहत्ति एयमट्ठ पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव विजए खत्तिए तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] करयलपरिग्गहिय एव वयासी-एव खलु सा(मि)मी! मियादेवी नवण्ह मासाण . . जाव आ-गिइ-मेत्ते, तए ण सा मियादेवी तं हुड अधारूव पासइ २ त्ता भीया तत्था उव्विग्गा सजायभया मम सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-गच्छ[ह] ण तु[ब्भे]म देवाणुप्पि या! एय दार-ग एगते उक्कुरुडियाए उज्झाहि, त सदिसह ण सामी! त दारग अह एगते उज्झामि उदाहु मा?, तए ण से विजए खत्तिए तीसे अम्मधाईए अतिए एयमट्ठ सोच्चा [निसम्म] तहेव सभते उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव मियादेवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मियादे-विं एव वयासी-देवाणुप्पि-या! तुब्भ पढम गब्भे त जइ ण तु-म्ह एय (दा०) एगते उक्कुरुडियाए उज(झा)झसि (तो) तओ ण तुब्(भे)म पया नो थिरा भविस्सइ, तो(ते)ग तुम एय दारग रहस्सियगंसि भूमिघरंसि रहस्सिएण भत्तपाणेण पडिजागरमाणी (?) विहराहि तो ण तुब्भ पया थिरा भविस्सइ, तए ण सा मियादेवी विजयस्स खत्तियस्स तहत्ति एयमट्ठ विणएग पडिसुणेइ २ त्ता त दारग रहस्सि(य)यसि भूमिघरंसि रहस्सिएण भत्तपाणेण पडिजागरमाणी विहरइ, एव खलु गोयमा! मियापु-त्ते दारए पुरा(पो)पुराणाणं जाव पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ ५ ॥ मियापुत्ते ण भते! दारए इओ कालमासे काल किच्चा कहिं गमहिइ (?) कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! मियापुत्ते दारए छव्वीसं वासाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे काल किच्चा इहेव जबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले सीहकुलंसि सीहत्ताए पच्चायाहिइ, से ण तत्थ सीहे भविस्सइ अहम्मिए जाव साहसिए सुबहु पाव जाव समज्जिणइ २ [त्ता] कालमासे काल

सिरी-नामं देवी होत्था वण्णओ, तत्थ णं वाणियगा(मण०)मे कामज्झया-नाम गणिया होत्था अहीण जाव सुरूवा बावत्त(री)रिकलापडिया चउसट्ठिगणियागुणोववेया ए(कू)-गूणतीसविसेसे- रममाणी एक्कवीसरइगुणप्पहाणा बत्तीसपुरिसोवयारकुसला नवग-सुत्तपडिबोहिया अट्ठारसदेसीभासाविसारया सिंगारागा(रु)रचारुवेसा गीयरइ(य)-गधव्व-नट्टकुसला सगयगय० सुंदरथण० ऊसिय(ध)ज्झया सहस्सलंभा विदिण्णछत्त-चामरवालवीयणीया कण्णीरहप्पयाया यावि होत्था, बहूण गणियाणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ ७ ॥ तत्थ ण वाणियगामे विजयमित्ते नामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे०, तस्स ण विजयमित्तस्स सुभद्दा-नाम भारिया होत्था अहीण०, तस्स ण विजयमित्तस्स पुत्ते सुभद्दाए भारियाए अत्तए उज्झियए नामं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे। तेण कालेण तेण समएण समणे भगवं महावीरे (जाव) समोस(ढे)ढे परिसा निग्गया राया(वि) जहा कू-णिओ तहा निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा पडिगया राया य गओ, तेण कालेण तेण समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभू(इ)ई नाम अणगारे जाव ले[स]से छट्ठछट्ठेण जहा पन्नत्तीए पढम जाव जेणेव वाणियगामे [नयरे] तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उच्चनीय' 'अडमाणे जेणेव रायमग्गे तेणेव (उ०) ओगाढे, तत्थ णं बहवे हत्थी पासइ सनद्धबद्धवम्मियगुडिय-उप्पीलियकच्छे उद्दामियघंटे नाणामणिरयणविविहगे(वि)वेज्जउत्तरकंचुइज्जे पडि-कप्पिए झयपडागवरपंचामेलआरूढहत्थारोहे गहियाउहप्पहरणे अन्ने य तत्थ बहवे आसे पासइ सनद्धबद्धवम्मियगुडिए आविद्धगु(डि)डे ओसारियपक्खरे उत्तरकंचुइय-ओचूलमुहचंडाधरचामरथासगपरिमंडियकडिए आरूढ(अस)आसारोहे गहियाउह-प्पहरणे अन्ने य तत्थ बहवे पुरिसे पासइ सनद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलियसरा-सणप(ट्टी)ट्टिए पि(णि)णद्धगेवेज्जे विमलवरबद्धचिंधपट्टे गहियाउहप्पहरणे, तेसिं च णं पुरिसाण मज्झगय (एग) पुरिस पासइ अव(उ)ओड(ग)यबधण उक्खित्तकण्ण-नासं नेहतुप्पियगत्त वज्झक(रक)क्खडियजुय-नियत्थ कंठेगुणरत्तमल्लदाम चुण्णगुंडिय-(गाय)गत्त चुण्णय व[व]ज्झपाण(पी)पिय तिलतिल चेव छिज्जमाणं का(क-णी)-गणिमसाइ खावियंतं पाव खक्खरगसएहिं हम्ममाण-अणेग-नर-नारीसपरिवुडं चच्चरे चच्चरे खडपडहएण उग्घोसिज्जमाणं, इम च णं एयारूव उग्घोसणं पडिसुणेइ-नो खलु देवा० ! उज्झियगस्स दारगस्स केइ राया वा रायपुत्तो वा अवरज्झइ अप्पणो से सयाइ कम्माइं अवरज्झन्ति ॥ ८ ॥ तए णं से भगवओ गोयमस्स तं पुरिस पासित्ता इमे अज्झत्थिए ५-अहो ण इमे पुरिसे जाव न(णि)रयपडिरूवियं वे(द)यण वे(दे)एइत्तिकट्टु वाणियगामे नयरे उच्च-नीयमज्झिमकु(ले)लाइ जाव अडमाणे अहापज्जत्तं समु(या)-

वा(ण)णियं निग्गइ २ त्ता वाणियगा(मं)मे नय(र)रे मज्झंमज्झेणं जाव पडिदंसेइ [२] समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं भंते! तु(ब्भे)म्भे(हिं)हिं अब्भणु-न्नाए समाणे वाणियगामं जाव तहेव (नि)वे-एइ, से णं भंते! पुरिसे पुव्वभवे के आसी जाव पच्चणु-भवमाणे विहरइ? एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणा-उरे नामं नयरे होत्था रिद्ध० तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे सुनंदे नामं राया होत्था महया० तत्थ णं हत्थिणाउरे (न(य)गरे) बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे गोमंड(वे)वए होत्था अणेगखंभसयसंनिविट्ठे पासाईए ४ तत्थ णं बहवे ण(य)गरगोरूवाणं सणाहा य अणाहा य ण-गरगा(वि)वी(उ)ओ य णगरबसभा य ण-गरब(लि)लीवद्दा य ण-गरपड्डिया-ओ य पउरतणपाणिया निब्भया निरुव्विग्गा सुहंसुहेणं परिवसंति तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे भीमे नामं कूडग्गा(ही)हे होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। तस्स णं भीमस्स कूडग्गाहस्स उप्पला नामं भारिया होत्था अहीण० तए णं सा उप्पला कूडग्गाहिणी अन्नया कया(इ) आवन्नसत्ता जाया यावि होत्था तए णं तीसे उप्पलाए कूड[ग्]गाहिणीए ति(ण्)ण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अयमेयारूवे दोहले पाउब्भूए-धन्ना-ओ णं ताओ अम्मयाओ ४ जाव सुलद्धे जम्मजीवि(ए)यफले जाओ णं बहूणं ण-गरगो-(रू)वाणं सणाहाण य जाव वसभाण य ऊहेहि य थणेहि य वसणेहि य छे-(प्प-छि)प्पाहि य ककुहेहि य वहेहि य कण्णेहि य अ(च्छि)च्छीहि य नासाहि य जिब्भाहि य ओ(ट्)ट्ठेहि य कंबलेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य परिसुक्केहि य लावणेहि य सुरं च महुं च मेरगं च जाइं च सी(धु)धुं च पसन्नं च आसाएमाणीओ विसाएमाणीओ परिभाएमाणीओ परिभु(ज)ञ्जेमाणीओ दोहलं वि(ण्)णेंति तं जइ णं अहमवि बहूणं ण-गर जाव विणिज्जामित्तिकट्टु तंसि दोह-लंसि अविणिज्जमाणंसि सुक्का भुक्खा निम्मंसा ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा नित्तेया दीणविमणवयणा पंडुल्लइयमु(ही)हा ओमंथियनयणवयणकमला जहोचियं पुप्फवत्थ-गंधमल्लालंकारं अपरिभुंजमाणी करयलमलियव्व कमलमाला ओहय जाव झिया-(य)इ। इमं च णं भीमे कूडग्गाहे जेणेव उप्पला कूडग्गा(हि)हिणी तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता ओहय जाव पासइ २ [त्ता] एवं वयासी-किं णं तु(मं)मं देवाणु-प्पिए! ओहय जाव झियासि? तए णं सा उप्पला भारिया भी(म)मं कूडग्गाहं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! ममं तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दोह(ले)ला पाउब्भू(ए)आ-धन्ना णं ता जाओ णं बहूणं जाव ऊ(ह)हेहि य जाव

लाय(णए)णेहि य सुरं च ६ आसाएमाणी[ओ]० दोहलं वि(णिं)णेंति, तए णं अहं देवाणुप्पिया! तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि जाव झियामि। तए णं से भी(म)मे कूडग्गा-हे उप्पलं भारियं एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिया! ओहय० झियाहि, अहं णं (तं) तहा करिस्सामि जहा णं तव दोहलस्स संपत्ती भविस्सइ, ताहिं इट्ठाहिं ५ जाव वग्गूहिं समासासेइ, तए णं से भीमे कूडग्गाहे अद्धरत्तकालसमयंसि एगे अबीए संनद्ध जाव पहरणे सया(ता)ओ गिहाओ निग्गच्छइ २ [त्ता] हत्थिणाउ(रे)रे नयरे मज्झंमज्झेणं जेणेव गोमंडवे तेणेव उवाग(-२ त्ता)ए बहूणं न-गरगो-रुवाणं जाव वसभाण य अप्पेगइयाणं ऊहे छिंदइ जाव अप्पेगइयाणं कंबले छिंदइ अप्पेगइयाणं अ-न्नमन्नाणं अंगोवंगाणं वियंगेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उप्पलाए कूडग्गा-हिणीए उवणेइ, तए णं सा उप्पला भारिया तेहिं बहूहिं गोमंसेहि य सोल्ले(सूले)हि य सुरं च [५] आसाएमा० तं दोहलं विणेइ, तए णं सा उप्पला कूडग्गा(ही-)हिणी संपुण्णदोहला संमाणियदोहला विणीयदोहला वोच्छिन्नदोहला संपन्नदोहला तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ, तए णं सा उप्पला कूडग्गाहिणी अन्नया कया(इ-)इ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दार-गं पयाया ॥ ९ ॥ तए णं तेणं दारएणं जायमेत्तेणं चेव महया महया सद्देणं विघुट्ठे विसरे आरसिए, तए णं तस्स दारगस्स आरसियसद्दं सोच्चा निसम्म हत्थिणाउरे नयरे बहवे न-गरगो-रूवा जाव वसभा य भीया उव्विग्गा सव्वओ समंता विप्पलाइत्था, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं नामधेज्जं करेंति, जम्हा णं अम्(हे)हं इमेणं दारएणं जायमेत्तेणं चेव महया महया चिच्चीसद्देणं विघुट्ठे विस्सरे आरसिए तए णं एयस्स दारगस्स आरसि(यं)यसद्दं सोच्चा निसम्म हत्थिणाउरे बहवे न-गरगो-रूवा जाव भीया ४ सव्वओ समंता विप्पलाइत्था तम्हा णं होउ अम्हं दारए गोत्तासए नामेणं, तए णं से गोत्ता(से)सए दारए उम्मुक्कबालभा० जाए यावि होत्था, तए णं से भीमे कूडग्गाहे अन्नया कया-(ई-ई)इ कालधम्मुणा संजुत्ते, तए णं से गोत्तासे दारए ब(हू)हुएणं मित्त-नाइ-नियगसयणसंबंधिपरि(ज)यणेणं सद्धिं संपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे भीमस्स कूडग्गा(हि)हस्स नीहरणं करेइ २ [त्ता] बहूइं लोइयमय(कज्जा)किच्चाइं करेइ, तए णं से सु-नंदे राया गोत्तासं दारयं अन्नया कयाइ सयमेव कूडग्गाहत्ताए ठा(ठ)वेइ, तए णं से गोत्तासे दारए कूडग्गाहे जाए यावि होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तए णं से गोत्तासे दारए कूडग्गा(हे)हित्ताए कल्लाकल्लिं अद्धर(त)त्तियकालसमयंसि एगे अबीए सनद्धबद्धकवए जाव गहि(आ)याउह[ए]पहरणे सया-ओ

मिहत्थो नि(ग्ग)च्छइ [२] जेणेव गोमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] बहूणं नगरगोरूवाणं सणाहाण य जाव वियंगेइ २ त्ता जेणेव सए गे(गि)हे तेणेव उवा-ग(च्छ)इ, तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे तेहिं बहूहिं गोमंसे(से)हि य सोल्लेहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विसाएमाणे जाव विहरइ, तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे एय-कम्मे ४ सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता पंचवाससयाइं परमाउयं पालइत्ता अट्ट-दुहट्टोवगए कालमासे कालं किच्चा दोच्चाए पुढवीए उक्कोसं तिसागरोवमठिइएसु नेरइएसु नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ १ ॥ तए णं सा विजयमित्तस्स सत्थवाहस्स सुभद्दा भारिया जायणिंदुया यावि होत्था जाया जाया दारगा विणिहायमावज्जंति, तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे दोच्चा(च्चे)ए पुढवी(वी)ए अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव वाणिय-गामे नयरे विजयमित्तस्स सत्थवाहस्स सुभद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उव-वन्ने, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही अन्नया कया(इ)इ नवण्हं मासाणं बहुपडि-पुण्णाणं दारगं पयाया, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तं दारगं जायमेत्तयं चेव एगंते उ(क्कु)रुडियाए उज्झावेइ उज्झावेत्ता दोच्चंपि गिण्हावेइ २ त्ता अ(आ)णुपुव्वेणं सारक्ख(क्खे)माणी संगोवेमाणी संवड्ढेइ, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो ठिइवडियं [च] चंदसूरदंस(णि)णं च जागरियं [च] महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं करेंति, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो ए(इ)क्कारसमे दिवसे निव्वत्ते संपत्ते बार(सा)हे इमं एयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति जम्हा णं अम्हं इमे दारए जायमेत्तए चेव एगंते उक्कुरुडियाए उज्झिए तम्हा णं होउ अम्हं दारए उज्झियए नामेणं, तए णं से उज्झियए दारए पंचधाईपरिग्ग(ही)हिए तं० खीरधाईए (१) मज्जणधाईए (२) मंडणधाईए (३) कीलावणधाईए (४) अंकधाईए (५) जहा दढपइन्ने जाव निव्वायनिव्वाघायंसि गिरिकंदरमल्लीणे [वि]व चंपगपायवे सुहंसुहेणं विहरइ, तए णं से विजयमित्ते सत्थवाहे अन्नया कयाइ गणिमं च १ धरिमं च २ मेज्जं च ३ पारिच्छेज्जं च ४ चउव्विहं भंडगं गहाय लवणसमुद्दं पोयवहणे(णं)ण उवागए, तए णं से विजयमित्ते तत्थ लवणसमुद्दे पोय-विवत्तीए नि[ब्]बुड्डभंडसारे अत्ताणे असरणे कालधम्मुणा संजुत्ते तए णं तं विजयमित्तं सत्थवाहं जे जहा बहवे ईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसत्थवाहा लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए छूढं निब्बुड्डभंडसारं कालधम्मुणा संजुत्तं सुणेंति ते तहा हत्थनिक्खेवं च बाहिरभंडसारं च गहाय एगं(तं)ते अवक्कमंति । तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही विजयमित्तं सत्थवाहं लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए निब्बुड्डं कालधम्मुणा संजुत्तं सुणेइ २ त्ता महया पइसोएणं अप्फुण्णा समाणी परसुनियत्ता विव चंपगलया

घस-त्ति धरणीयलंसि सव्वंगे(हिं)ण सनि(प)वडिया, तए ण सा सुभद्दा सत्थवाही मुहुत्तंतरे-ण आसत्था समाणी बहूहिं मित्त जाव परिवुडा रोयमाणी कंदमाणी विलवमाणी विजयमित्तसत्थवाहस्स लोइयाइ मयकिच्चाइ करेइ, तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही अ-न्नया कया-इ लवणसमुद्दोत्तरण च लच्छिविणास च पोयविणास च पइमरण च अणुचिं(त)तेमाणी २ कालधम्मुणा सजुत्ता ॥ ११ ॥ तए ण ते न-गरगुत्तिया सुभद्द सत्थवा(ह)हिं कालगय जाणित्ता उज्झियग दारगं सया-ओ गिहाओ निच्छुभति निच्छुभित्ता तं गिह अ-न्नस्स दलयति, तए णं से उज्झियए दारए सयाओ गिहाओ निच्छूढे समाणे वाणियगामे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु जूय-(ख)खेलएसु वेसियाघ रेसु पाणागारेसु य सुहसुहेण परिवड्ढइ, तए ण से उज्झियए दारए अणोह[ट्टि]ट्टए अणिवारिए सच्छदमई सइर[प]पयारे मज्जप्पसंगी चोरजूयवेसदारप्पसगी जाए यावि होत्था, तए ण से उज्झियए अ-न्नया कया-इ कामज्झयाए गणियाए सद्धिं सपलग्गे जाए यावि होत्था, कामज्झयाए गणियाए सद्धिं विउलाइं उरालाइ माणुस्सगाइ भोगभोगाइ भुजमाणे विहरइ, तए ण तस्स विजयमित्तस्स र-न्नो अ न्नया कया-इ सिरीए देवीए जो(णी)णिसूले पाउब्भूए यावि होत्था, नो सचाएइ विजयमित्ते राया सि(रि)रीए देवीए सद्धिं उरालाइ माणुस्सगाइ भोगभोगाइं भुजमाणे विहरित्तए, तए ण से विजयमित्ते राया अ-न्नया कया-इ उज्झियदारय कामज्झयाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ २ त्ता कामज्झयं गणिय अब्भितरिय ठावेइ २ त्ता कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुजमाणे विहरइ। तए णं से उज्झियए दारए कामज्झयाए गणियाए गिहाओ निच्छुभेमाणे कामज्झयाए गणियाए मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोवव-न्ने अ-न्नत्थ कत्थइ सुइं च रइ च धिइं च अविंदमाणे तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तयप्पियकरणे तब्भावणाभाविए कामज्झयाए गणियाए बहूणि अंतराणि य छि(द्दा)द्दाणि य विवराणि य पडिजागरमाणे २ विहरइ, तए ण से उज्झियए दारए अ न्नया कया-इ कामज्झयं गणिय अतरं ल(भे)ब्मेइ, [२] कामज्झयाए गणियाए गिह रहसिय अणुप्पविसइ २ त्ता कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइ माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ । इम च ण मित्ते राया ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए मणुस्सवागुरा(ए)परि[खि]क्खित्ते जेणेव कामज्झयाए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तत्थ णं उज्झियए दारए कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइ भोगभोगाइं जाव विहरमाण पासइ २ त्ता आसुरुत्ते [४] तिवलियभिउडिं नि(लाडे)डाले साहट्टु उज्झियन्ग दार-ग पुरिसेहिं गिण्हावेइ २ त्ता अट्ठिमुट्ठिजाणुकोप्परपहारसमग्गमहियगत्तं करेइ

राया होत्था, तत्थ ण पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए देसप्पते अडवी सठिया, एत्थ ण साला-नाम अडवी-चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकंदरकोल-चस-निविट्ठा वसीकलकपागारपरिक्खित्ता छि-न्नसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा अब्भिं-तरपाणीया सुदुल्लभजलपेरंता अणेगखंडी-विदियजणदि-न्ननिग्गम[प्]पवेसा सुवहुय-स्स-वि कुवियस्स जणस्स दुप्पहसा यावि होत्था, तत्थ ण सालाडवीए चोरपल्लीए विजए नाम चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव (हणछिन्नभिन्नवियत्तए) लोहिय-पाणी वहु-नयर-निग्गयजसे सूरे दढप्पहारे साहसिए सद्दवेही परिवसइ (अहम्मिए०) असिलट्ठिपढममल्ले, से णं तत्थ सालाडवीए चोरपल्लीए पंचण्ह चोरसयाण आहेवच्च जाव विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से विजए चोरसेणावई वहूणं चोराण य पारदारि-याण य गठिभेयाण य सधिच्छेयाण य खंडपट्टाण य अन्नेसिं च वहूणं छि-न्नभि-न्न-वाहिराहियाणं कुडगे यावि होत्था, तए ण से विजए चोरसेणावई पुरिमतालस्स नयरस्स उत्तरपुर-त्थिमिल्ल जणवय वहूहिं गामघाएहि य न-गरघाएहिं य गोग्गह-णेहि य वदिग्गहणेहि य पथकोट्टहि य खत्तखणणेहि य ओ-वीलेमाणे (२) विद्धसे-माणे तज्जेमाणे तालेमाणे नित्थाणे निद्धणे निक्कणे कप्पायं करेमाणे विहरइ, महव्व-लस्स र-न्नो अभिक्खण २ कप्पायं गे-ण्हइ, तस्स ण विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसि(रि-)री नाम भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं विजयचोरसेणावइस्स पुत्ते खदसिरीए भारियाए अत्तए अभग्गसेणे नामं दारए होत्था अहीणपुण्णपं(चें)-चिंदियसरीरे वि(ण्णा)न्नयपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणु-पत्ते । तेण कालेण तेण समएणं समणे भगवं महावीरे पुरिमताले नयरे (जे० अ० उ० ते०) समोसढे परिसा निग्गया राया निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया य पडिगओ, तेण कालेण तेण समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अतेवासी गोयमे जाव रायमग्ग समोगाढे, तत्थ ण वहवे हत्थी पासइ बहवे आसे पुरिसे संनद्धवद्धकवए ते(सि)सिं ण पुरिसाण मज्झगय एग पुरिसं पासइ अव-ओडय जाव उग्घो(से)सि-ज्जमाणं, तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा पढम(मि)सि चच्चरंसि नि(सि)सीया(विं)वेंति २ त्ता अट्ठ चुल्ल[प्पिय]पिउए अग्गओ घाएति २ [त्ता] कसप्पहारेहिं तालेमाणा २ कलुण का-गणिमंसाइ खावेंति खावेत्ता रुहिरपा(णी)णिय च पा(य)एति तयाणंतरं च ण दोच्चंसि चच्चरंसि अट्ठ चुल्ल(लहु)माउयाओ अग्गओ घा-एति एवं तच्चे चच्चरे अट्ठ महापिउए चउत्थे अट्ठ महामाउयाओ पंचमे पुत्ते छट्ठे सुण्हा सत्तमे जामा-उया अट्ठमे धूयाओ नवमे नत्तुया दसमे नत्तुईओ एक्कारसमे नत्तुयावई वारसमे न्नत्तुइणीओ तेरसमे पिउस्सियपइया चो(चउ)द्दसमे पिउसियाओ प-न्नरसमे माउ-

वोसिरेज्जा ॥ ९३९ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इंगार-डाहेसु वा, खारडाहेसु वा, मडयडाहेसु वा, मडयथूभियासु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४० ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा णदियाययणेसु वा, पंकाययणेसु वा, ओघाय-यणेसु वा, सेयणवहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपा-सवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४१ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, णवियासु वा मट्टियखाणियासु णवियासु गोप्पहेलियासु वा, गवाणीसु वा, खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४२ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, डागवच्चंसि वा, सागवच्चंसि वा, मूलगवच्चंसि वा, हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४३ ॥ से भिक्खू वा (२) से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, असणवणंसि वा, सणवणंसि वा, धायइवणंसि वा, केयइवणंसि वा, अंबवणंसि वा, असोगवणंसि वा, णागवणंसि वा, पुण्णागवणंसि वा, चुल्लगवणंसि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु वा पत्तोवेएसु वा, पुप्फोवेएसु वा, फलोवेएसु वा, बीओवेएसु वा, हरिओवेएसु वा णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४४ ॥ से भिक्खू वा (२) सयपाययं वा परपाययं वा गहाय सेतमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोइयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा उवस्सयंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता सेतमायाए एगंतमवक्कमे अणावाहंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा, ज्झामथंडिलंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजया-मेव उच्चारपासवणं परिट्ठवेज्जा ॥ ९४५ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा साम-ग्गियं जाव जएज्जासि त्तिबेमि ॥ ९४६ ॥ **उच्चारपासवणसत्तिक्कयं दसम-मज्झयणं समत्तं ॥ सत्तिक्कयं समत्तं तइयं ॥**

से भिक्खू वा (२) मुइंगसद्दाणि वा, नंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि विततांइ सद्दाइं कण्णसोयणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४७ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा–वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा, पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, वणयसद्दाणि वा, तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाणि सद्दाणि विततांइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९४८ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा–

असणं पाणं खाइमं साइम सुरं च म० च आसाएमाणी विसाएमाणी० विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागयाओ पुरिस नेवत्थिया सनद्धवद्ध जाव [गहियाउहप्]पहरणा(वरणा) भरिए(हि य)हिं फ(लि)लएहिं निक्किट्ठाहिं असीहिं असागएहिं तोणेहिं सजीवेहिं धणूहिं समुक्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालिया-हिं दा(हा)माहिं लंविया हि य ओसारियाहिं ऊरुघटाहिं छिप्पतूरेण वज्जमाणेणं २ महया उक्किट्ठ जाव समुद्दरवभूयं-पिव करेमाणीओ सालाडवीए चोरपल्लीए सव्वओ समता ओलोएमाणीओ २ आहिंडमाणीओ (२) दोहल विर्णेति, त जइ (णं) अह-पि जाव [दोहल] विणिज्जामित्तिकट्टु तसि दोहलंसि अविणिज्जमाणसि जाव झियाइ । तए ण से विजए चोरसेणावई खंदसि-रिभारिय ओहय जाव पासइ, २ [त्ता] एवं वयासी-किं णं तुम देवाणुप्पि या ! ओहय जाव झियासि ?, तए ण सा खदसिरी (भा०) विजयं एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! मम्म तिण्ह मासाण जाव झियामि, तए ण से विजए चोरसेणावई खदसिरीए भारियाए अति(य)ए एयमट्ठं सोचा निसम्म खदसिरिभारिय एवं वयासी-अहासुह देवाणुप्पियत्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ, तए णं सा खंदसि(री)रिभारिया विजएण चोरसेणावइणा अब्भणु न्नाया समाणी हट्ठतुट्ठ० वहूहिं मित्त जाव अन्नाहि य वहूहिं चोरमहिलाहिं सद्धिं सपरिवुडा ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया वि-उल असण ४ सुरं च ६ आसाएमा(णा)णी ४ विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागया पुरिस नेव[च्छा]त्था सनद्धवद्ध जाव आहिंडमाणी दोहल विणेइ, तए णं सा खदसि रिभारिया सपुण्णदोहला समाणियदोहला विणीयदोहला वोच्छि न्नदोहला संपन्नदोहला त गब्भं सुहसुहेण परिवहइ, तए ण सा (खंदसिरी) चोरसेणावइणी नवण्हं मासाणं वहुपडिपुण्णाण दार-गं पयाया, तए णं से विज(य)ए चोरसेणावई तस्स दारगस्स महया इ(ड्ढि)ड्ढीसक्कारसमुदएण दसरत्तं ठिइवडिय करेइ, तए ण से विजए चोरसेणावई तस्स दारगस्स एक्कारसमे दिवसे वि-उल असण ४ उवक्खडावेइ [२]मित्त-नाइ० आमतेइ २ त्ता जाव तस्सेव मित्त-नाइ० पुरओ एव वयासी-जम्हा ण अम्ह इमंसि दारगंसि गब्भगयसि समाणंसि इमे एयारूवे दोहले पाउब्भूए तम्हा ण होउ अम्ह दार(गे)ए अभग्गसेणे नामेण, तए णं से अभग्गसेणे कुमारे पंचधाई(ए), जाव परिवड्ढइ ॥ १७ ॥ तए ण से अभग्गसेणे कुमारे उम्मुक्कवालभावे यावि होत्था अट्ठ दारियाओ जाव अट्ठओ दाओ उप्पिं पासा० भुजमाणे विहरइ, तए णं से विजए चोरसेणावई अ-न्नया कया(ई)इ कालधम्मुणा संजुत्ते, तए णं से अभग्गसे(ण)णे कुमारे पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं सपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे विजयस्स चोरसेणावइस्स महया इ-ड्ढीसक्कार-

सालाडवी चोरपल्ली तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए ण से अभग्गसेणे चोरसेणावई तेसिं चारपुरिसाण अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म पच-चोरसयाइ सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया! पुरिमताले नयरे म-हावले जाव तेणेव पहारेत्थ गमणाए (आगए, तए णं से अभग्गसेणे ताइ पच-चोरसयाइं एवं वयासी-) त सेय खलु देवाणुप्पिया! अम्हं तं दड सालाडविं चोरपल्लिं असप(त्त)त्ते अतरा चेव पडिसेहित्तए, तए ण ताइं पच-चोरसयाइं अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तहत्ति जाव पडिसुणेंति, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई वि-उल असणं पाण खाइम साइम उवक्खडावेइ २ त्ता पचहिं चोरसएहिं सर्द्धि ण्हाए भोयणमडवसि त वि-उल असण ४ सुर च ६ आसाएमाणे ४ विहरइ, जिमियभुत्तुत्तरागए-वि (अ) य ण समाणे आयते चोक्खे परमसुइभूए पंचहिं चोरसएहिं सर्द्धि अल्लं चम्मं दु(रू)रुहइ २ [त्ता] सन्नद्धवद्ध जाव पहरणेहिं मग्गइएहिं जाव रवेण पुव्वा (पच्चा)वरण्हकालसमयसि सालाडवीओ चोरपल्लीओ निग्गच्छइ २ [त्ता] विसमदुग्गगहण ठिए गहियभत्तपाणे त दड पडिवालेमाणे चिट्ठइ, तए ण से दडे जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावई तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] अभग्गसेणेण चोरसेणावइणा सर्द्धि सपलग्गे यावि होत्था, तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई त दड खिप्पामेव हयमहिय जाव पडिसेहि० तए ण से दडे अभग्गसेणे-ण चोरसेणावइणा हय जाव पडिसेहिए समाणे अ(त)थामे अवले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु जेणेव पुरिमताले नयरे जेणेव म-हावले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० एव वयासी-एव खलु सामी! अभग्गसेणे चोरसेणावई विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपा(णि)णीए नो खलु से सक्का केणइ सुवहुएणावि आसबलेण वा हत्थिवलेण वा जोहवलेण वा रहवलेग वा चाउरंगिणिं-पि० उरउरेण गिण्हित्तए ताहे सामेण य भे-एण य उवप्प(दा)याणेण य वि[स](वी)सभमाणे उ(प)वयए यावि होत्था, जे-वि (य) से अब्भितरगा सीसग(स)भमा मित्त-नाइ नियगसयणसंवधिपरियण च वि-उलधणकणगरयणसतसारसाव(इ)एज्जेण भिंदइ अभग्गसेणस्स य चोरसेणावइस्स अभिक्खणं २ महत्थाइ महग्घाइ महरिहाइं पाहुडाइ पेसेइ [२] अ(भंग)भगासेणं चोरसेणावइं वी(वि)सभमाणेइ ॥ १८ ॥ तए ण से म-हावले राया अ-न्नया कया-इ पुरिमताले नयरे एग मह महइमहालिय कूडागारसालं करेइ अणेगक्खंभसयसनिविट्ठ पासा(इ)ईय दरसणिज्ज०, तए ण से म-हावले राया अन्नया कया-इ पुरिमताले नयरे उस्सुक्क जाव दसरत्तं पमोय (उग)घोसावेइ २ त्ता कोडुबियपुरि(स)से सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह ण तुब्भे देवाणुप्पिया!

अन्ने य से बहवे पुरिसा अयाण य जाव महिसे निस्सा चिट्ठंति अन्ने य से बहवे पुरिसा दि-न्नभइभत्तवेयणा बहवे अय(ए)ए य (जाव) सहस्स(स्सि)ए य जीवियाओ ववरोवेंति [२] मंसाइं क(प्प-णी)प्पणिकप्पियाइं करेंति [२] छ(च)णियस्स छाग-लि-यस्स उवणेंति अन्ने य से बहवे पुरिसा ताइं ब(हु)हुयाइं अयमंसाइं जाव महीसमंसाइं तवएसु य कवल्लीसु य कं(दू)दुएसु य भज्जणेसु य इंगालेसु य त(लिं)लेंति य भज्जेंति य सो(ल्ल)ल्लेंति य तओ रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, अप्पणा-वि-य णं से छ(चि-)णिए छाग(ली)लिए तेहिं बहूहिं सोल्लेहिं जाव महीसमंसेहिं सोल्लेहि य त(लि)लिएहि य भ(ज्जि)ज्जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विहरइ, तए णं से छ(च)णिए (य) छागलि-ए एयकम्मे ... सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता सत्त-वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा चउत्थीए पुढवीए उक्कोसेणं दससागरोवमट्ठिइएसु नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ १ ॥ तए णं तस्स सुभद्द-सत्थवाहस्स भद्दा भारिया जा(य)णिंदुया यावि होत्था जाया जाया दारगा विणिहायमावज्जंति तए णं से छ-ण्णिए छाग(लि-)लिए चउ-त्थीए पुढवीए अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव साहंजणीए नयरीए सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उववन्ने तए णं सा भद्दा सत्थवाही अन्नया कयाइ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दारगं पयाया तए णं तं दारगं अम्मापियरो जायमेत्तं चेव सगडस्स हे(ट्ठ)ट्ठ[ओ] ठवेंति ( ) दोच्चं-पि गिण्हावेंति ( ) अणुपुव्वेणं सारक्ख(खं)ति संगोवेंति संवड्ढेंति जहा उज्झियए जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए जायमेत्तए चेव सगडस्स हेट्ठा ठविए तम्हा णं होउ णं अम्हं एस दारए सगडे नामेणं सेसं जहा उज्झियए, सुभद्दे लवणसमुद्दे कालगए माया-वि कालगया से(ऽ)वि सयाओ गिहाओ निच्छूढे तए णं से सगडे दारए सयाओ गिहाओ निच्छूढे समाणे सिं(घा)घाडग... तहेव जाव सुदरिसणाए गणियाए सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था तए णं से सुसेणे अमच्चे तं सगडं दारगं अन्नया कयाइ सुदरिसणाए गणियाए गिहाओ निच्छुभावेइ [२] सुदरिस(णं)णियं गणियं अब्भिंतरियं ठवेइ २ त्ता सुदरिसणाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, तए णं से सगडे दारए सुदरिसणा(ओ)ए गिहाओ निच्छूढे समाणे अन्नत्थ कत्थ(इ)इ सुइं वा ... अलभमाणे अन्नया कयाइ र(हस्सि)हस्सियं सुदरिसणा-गेह(हं) अणुप्पविसइ २ त्ता सुदरि(सि)सणाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं सुसेणे अमच्चे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए मणुस्सवग्गुराए जेणेव सुदरिसणा[ए] गणियाए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ [त्ता] सगडं दारयं सुदरिसणाए

पुरा(पु)राणाणं जाव विहरइ। अभग्गसेणे णं भंते! चोरसेणावई कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! अभग्गसेणे चोरसेणावई सत्ततीसं वासाइं परमाउं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलभिन्ने कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोस नेरइएसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता एवं संसारो जहा पढ(मो)मे जाव पुढवीए, तओ उव्वट्टित्ता वाणारसीए नयरीए सूयरत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ सो(सू)यरिएहिं जीवियाओ ववरोविए समाणे तत्थेव वाणारसीए नयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे एवं जहा पढमो जाव अंतं काहिइ॥ निक्खेवो॥ १५॥ **तइयं अज्झयणं समत्तं॥**

जइ णं भंते! चउत्थस्स उक्खेवो, एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं साहंजणी-नामं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा, तीसे णं साहंजणीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए देवरमणे नामं उज्जाणे होत्था, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए महचंदे नाम राया होत्था महया०, तस्स णं महचंदस्स रन्नो सुसेणे नामं अमच्चे होत्था सामभेयदंड० निग्गहकुसले, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए सु(द)दरिसणा-नामं गणिया होत्था वण्णओ, तत्थ णं साहंजणीए नयरीए सुभद्दे नाम सत्थवाहे (हो०) परिवसइ अड्ढे०, तस्स णं सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दा-नामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं सुभद्द(स्स)सत्थवाहस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सगडे नामं दारए होत्था अहीण०, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसरणं परिसा राया य निग्गए धम्मो कहिओ परिसा (रा०) पडिग(ओ)या, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जाव रायमग्गमोगाढे तत्थ णं हत्थी आसे पुरिसे तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगा[ए]य पासइ एगं सइ-त्थीय पुरिसं अव-ओडयबंधण उक्खित्त जाव घो(सेण)सिज्जमाण चिंता तहेव जाव भगवं वागरेइ, एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे छगलपुरे नामं नयरे होत्था, तत्थ सी(सिं)हगि(रि)री नाम राया होत्था महया०, तत्थ णं छगलपुरे नयरे छ(ण्णि)णिए नामं छागलि(छगली)ए परिवसइ अड्ढे० अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं छ-णियस्स छा(छ)गलियस्स बहवे अ(जा)याण य ए(ला)लयाण य रोज्झाण य वसभाण य ससयाण य सूयराण य पसयाण य सिंघाण य हरिणाण य मयूराण य महिसाण य सयबद्धाण य सहस्सबद्धाण य जूहाणि वाडगंसि सन्निरुद्धाइं चिट्ठंति, अन्ने य तत्थ बहवे पुरिसा दिन्न-भइभत्तवेयणा बहवे अए य जाव महिसे य सारक्ख(स)माणा संगोवेमाणा चिट्ठंति,

कालेणं तेणं समएणं कोसंबी-णामं णयरी होत्था रिद्धत्थिमिय० बाहिं चंदोयरणे उज्जाणे तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सयाणीए णामं राया होत्था महया (त चंद र) मियावई (णा) देवी (हो अ णाम मु) तस्स णं सयाणीयस्स (र) पुत्ते मिया(वईए)देवीए अत्तए उदायणे णामं कुमारे होत्था अहीण जुवराया, तस्स णं उदायणस्स कुमारस्स पउमाव(इ)ई-णामं देवी होत्था तस्स णं सयाणीयस्स सोमदत्ते णामं पुरोहिए होत्था रिउ[व्वे]वेय तस्स णं सोमदत्तस्स पुरोहियस्स वसुदत्ता णामं भारिया होत्था, तस्स णं सोमदत्तस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए ब(ब)हस्सइदत्ते णामं दारए होत्था अहीण तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोस(रिए)ढे तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे तहेव जाव रायमग्गमोगाढे तहेव पासइ हत्थी आसे पुरि(सि)समज्झे पुरिसे पिच्छा तहेव पुच्छइ पुव्वभवं भगवं वागरेइ-एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सव्वओभद्दे णामं णयरे होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धे तत्थ णं सव्वओभद्दे णयरे जियसत्तू (णा(णा)मं) राया (हो)। तस्स णं जियसत्तुस्स रण्णो महेसरदत्ते णामं पुरोहिए होत्था रिउव्वेय जाव अथव्वणवेदे सा(भा)मि होत्था तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए जियसत्तुस्स रण्णो रज्जबलविवद्धणट्ठयाए कल्लाकल्लिं एगमेगं माहणदारगं एगमेगं खत्तियदारगं एगमेगं वइस्सदारगं एगमेगं सुद्दारगं गिण्हावेइ २ त्ता तेसिं जीवंतगाणं चेव हिययउंडए गिण्हावेइ [२] जियसत्तुस्स रण्णो संतिहोमं करेइ, तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठमीचोद्दसीसु दुवे २ माहणखत्तियवइस्स(वे)सुद्दे चउ(णो)ण्हं मासाणं चत्तारि २ छण्हं मासाणं अट्ठ २ संवच्छरस्स सोलस २ जाहे जाहे(ऽ)वि य णं जियसत्तू राया परबलेणं अभिजुज्जइ ताहे ताहे-वि य णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठसयं माहणदारगाणं अट्ठसयं खत्तियदारगाणं अट्ठसयं वइस्सदारगाणं अट्ठसयं सुद्दारगाणं पुरिसेहिं गिण्हावेइ गिण्हावेत्ता तेसिं जीवंतगाणं चेव हिययउंडए गिण्हावेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रण्णो संतिहोमं करेइ ॥ २१ ॥ तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए एयकम्मे सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता तीसं वाससयं परमाउं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा पंच(मा)मीए पुढवीए उक्कोसेणं सत्तरससागरोवमट्ठिइए णरए उववन्ने, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव कोसंबीए णयरीए सोमदत्तस्स पुरोहियस्स वसुदत्ताए [भारियाए] पुत्तत्ताए उववन्ने, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो निव्वत्तबारसाहस्स इ(मं)मं एयारूवं णाम(धि)धेज्जं करेंति जम्हा णं अम्हं इमे दारए सोमदत्तस्स पुरोहियस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए तम्हा णं होउ अम्(ह)हं दारए बह-

गणियाए सद्धिं उरालाइ भोगभोगाइं भुजमाणं पासइ २ त्ता आसुरुत्ते जाव मि(स)सिमिसेमाणे तिवलिय भिउडिं निडाले साहट्टु सगड दारय पुरिसेहिं गिण्हावेइ [२] अट्ठि जाव महिय करेइ [२] अव-ओड-यवध(णगं)ण करेइ २ त्ता जेणेव महचदे राया तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता करयल जाव एव वयासी—एवं खलु सामी! सगडे दारए मम अते-उरंसि अवरद्धे, तए ण से महचदे राया सुसेणं अमच्च एव वयासी—तुम चेव ण देवाणुप्पिया! सगडस्स दारगस्स दंडं (नि)वत्तेहि, तए ण से सुसेणे अमच्चे महचदेणं रन्ना अब्भणुन्नाए समाणे सगड दारयं सुदरिसण च गणिय एएण विहाणेण वज्झ आणवेइ, त एव खलु गोयमा! सगडे दार-ए पु(पो)रा-पोराणाण पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ २१ ॥ सगडे ण भते! दारए कालगए कहिं गच्छिहि० कहिं उववज्जिहिइ? सगडे ण दारए गोयमा! सत्ताव-न्न वासाइ परमाउय पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे एग मह अ(ओ)-योमय त(त्त)त्तं समजोइभूयं इ(त्थी)त्थिपडिम अवयासाविए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओ अणतरं उव्वट्टित्ता रायगिहे नयरे मातगकुलसि जुग(जम)लत्ताए पच्चायाहिइ, तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो नि[व्]वत्तवारस(म)गस्स (दि०) इम एयारूव गोण्ण नामधेज्जं करिस्सति, त हो-उ ण दार० सगडे नामेण हो-उ ण दारिया सुदरिसणा-नामेण, तए ण से सगडे दारए उम्मुक्कबालभावे जोव्वण भविस्सइ, तए ण सा सुदरि-सणा वि दारिया उम्मुक्कबालभावा (विण्(णा)णय) जोव्वणगमणुप्पत्ता रूवेण य जोव्व-णेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा यावि भविस्सइ, तए ण से सगडे दारए सुदरिसणाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य मुच्छिए ४ सुदरिसणाए (भ०) सद्धिं उरालाइ (मा०) भोगभोगाइ भुजमाणे विहरिस्सइ, तए ण से सगडे दारए अन्नया (कया(इ)इं) सयमेव कूड-गाहित्त उवसपज्जित्ताण विहरिस्सइ, तए णं से सगडे दारए कूड-गाहे भविस्सइ अहम्मिए जाव दुप्पडियाणदे एयकम्मे० सुबहु पावकम्मं (जाव) समज्जिणित्ता कालमासे काल किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववन्ने, ससारो तहेव जाव पुढवीए, से ण तओ अणतरं उव्वट्टित्ता वाणारसीए नयरीए मच्छत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तत्थ (णं) मच्छवधिएहिं वहिए तत्थेव वाणारसीए नयरीए सेट्ठिकुलसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ बोहिं बु(ज्झे)द्धे० पव्व० सोहम्मे कप्पे महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ निक्खेवो ॥ २२ ॥ **चोत्थं अज्झयणं समत्तं ॥**

जइ णं भंते! पचमस्स (अज्झयणस्स) उक्खे(वओ)वो, एव खलु जबू! तेणं

रण्णो चित्ते नामं अलंकारिए होत्था सिरिदामस्स रण्णो चित्ते बहुविहं अलंकारियकम्मं करेमाणे सव्वट्ठाणेसु य सव्वभूमियासु य अंतेउरे य दिण्णवियारे यावि होत्था; तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा निग्गया राया(वि) निग्गओ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समण जेट्ठे…जाव रायमग्(गं ओ)गाढे तहेव हत्थी आसे पुरिसे— तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगयं एगं पुरिसं पासइ जाव नर-ना(रि)संपरिवुडं तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा चच्चरंसि तत्तंसि अयोमयंसि समजो(इ)भूयंसि सीहासणंसि नि(वे)सावेंति तयाणंतरं च णं पुरिसाणं मज्झगयं बहूहिं अयकलसेहिं तत्तेहिं समजोइभूएहिं अप्पेगइया तंबभरिएहिं अप्पेगइया तउयभरिएहिं अप्पेगइया सीसगभरिएहिं अप्पेगइया कलकलभरिएहिं अप्पेगइया खारतेल्लभरिएहिं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचंति तयाणंतरं च णं तत्तं अयोमयं समजोइभूयं अयोमयसंडासएणं गहाय हारं पिणद्धंति तयाणंतरं च णं अ(द्ध)हारं जाव पट्टं मउडं चिंता तहेव जाव वागरेइ—एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सीहपुरे नामं नयरे होत्था रिद्ध० तत्थ णं सीहपुरे नयरे सीहरहे नामं राया होत्था तस्स णं सीहरहस्स रण्णो दुज्जोहणे ना(मे)मं चारगपालए होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स इमेयारूवे चारगभंडे होत्था—बहवे अयकुंडीओ अप्पेगइयाओ तंबभरियाओ अप्पेगइयाओ तउयभरियाओ अप्पेगइयाओ सीसगभरियाओ अप्पेगइयाओ कलकलभरियाओ अप्पेगइयाओ खारतेल्लभरियाओ अगणिकायंसि अद्दहिया(ओ) चिट्ठंति तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स बहवे उट्टियाओ अप्पेगइयाओ आसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ हत्थिमुत्तभरि(या)ओ अप्पेगइयाओ गोमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ महिसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ उट्टमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ अयमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ एल(ग)मुत्तभरियाओ बहुपडिपुण्णाओ चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स बहवे हत्थं(डु)याण य पायंडुयाण य हडीण य नियलाण य संकलाण य पुंजा (य) निगरा य संनिक्खित्ता चिट्ठंति तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स बहवे वेणुलयाण य वेत्तलयाण य चिंचालयाण य छिया(ण)ण य कसाण य वायरासीण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स बहवे सिलाण य लउडाण य मोग्गराण य कणंगराण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स बहवे तंताण य वरत्ताण य वा(ग)र(ज्जू)ण य वा(ल)यसुत्तरज्जूण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालस्स बहवे असिपत्ताण य करपत्ताण य

स्सइदत्ते नामेणं, तए णं से व-हस्सइदत्ते दारए पंचधा(इ)ईपरिग्गहिए जाव परि-वड्ढइ, तए णं से व-हस्सइदत्ते उम्मुक्कबालभावे जो(जु)व्वण० वि-न्नय० होत्था से ण उदायणस्स कुमारस्स पियबालवयस्सए यावि होत्था सहजायए सहव(ड्ढी)-ड्ढियए सहपंसुकीलियए, तए णं से सयाणीए राया अ-न्नया कया-इ कालधम्मुणा सजुत्ते, तए ण से उदाय(णे)णकुमारे व(हु)हूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभि(इ)ईहिं सद्धिं सपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे सयाणीयस्स र-न्नो महया इड्ढीसक्कार-समुदएण नीहरण करेइ, [२] बहूइ लोइयाइ मयकिच्चाइ करेइ, तए णं ते बहवे राईसर जाव सत्थवाह० उदायण कुमारं मह० रायाभिसेएणं अभिसिंचति, तए ण से उदायणे कुमारे राया जाए महया०, तए ण से व-हस्सइदत्ते दारए उदाय-णस्स र-न्नो पुरोहियकम्मं करेमाणे सव्वट्ठाणेसु सव्वभूमियासु अतेउरे य दिन्न-वियारे जाए यावि होत्था, तए ण से व-हस्स(ती)इदत्ते पुरोहिए उदायणस्स र-न्नो अतेउ(रे)रसि वेलासु य अवेलासु य काले य अकाले य राओ य वियाले य पवि-समाणे अ-न्नया कया इ पउमाव(इ)ईए देवीए सद्धिं सपलग्गे यावि होत्था पउमावईए देवीए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरइ, इम च णं उदायणे राया ण्हाए सव्वालकारविभूसिए जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ, [२] व-ह-स्सइदत्त पुरोहिय पउमावईदेवीए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइ भुजमाणं पासइ [२] आसुरुत्ते तिव(लिं)लिय भिउडिं [नि-डाले] साहट्टु व-हस्सइदत्त पुरोहिय पुरिसेहिं गिण्हावेइ जाव एएणं विहाणेण वज्झ आ०, एव खलु गोयमा! व-हस्सइदत्ते पुरोहिए पुरापोराणाण जाव विहरइ। व-हस्सइदत्ते ण भते! दारए इओ कालगए समाणे कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! व-हस्सइदत्ते ण दारए पुरोहिए चो-सट्ठिं वासाइ परमाउय पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सू(ली)लियभिन्ने कए समाणे कालमासे काल किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए०, ससारो तहेव० पुढवी, तओ हत्थिणाउरे नयरे मि-गत्ताए पच्चायाइस्सइ, से ण तत्थ वाउरिएहिं वहिए समाणे तत्थेव हत्थिणाउरे नयरे सेट्ठिकुलसि पुत्तत्ताए० बोहिं० सोहम्मे कप्पे० महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥ निक्खेवो ॥ २४ ॥ **पंचमं अज्झयणं समत्तं** ॥

जइ णं भते! छट्ठस्स उक्खेवो एव खलु जबू! तेण कालेण तेण समएण महुरा ना(म)म नयरी [होत्था], भडीरे उज्जाणे, सि(री)रिदामे राया, बधुसिरी भारिया पुत्ते नदिवद्धणे (णा०) कुमारे अही० जुवराया, तस्स (ण) सि-रिदामस्स सुबन्(धु-)धू नामं अमच्चे होत्था सामदड०, तस्स ण सुबन्धुस्स अमच्चस्स (व० णा० भा० हो० त० णं सु० अ०) बहुमित्तपुत्ते नाम दारए होत्था अहीण०, तस्स णं सिरिदामस्स

तालसद्दाणि वा कंसतालसद्दाणि वा लत्तियसद्दाणि वा गोहियसद्दाणि वा किरिकिरियसद्दाणि वा अन्नयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५४९ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—संखसद्दाणि वा वेणुसद्दाणि वा वंससद्दाणि वा खरमुहीसद्दाणि वा पिरिपिरियसद्दाणि वा अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५० ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—वप्पाणि वा फलिहाणि वा, जाव सराणि वा सागराणि वा सरसरपंतियाणि वा अन्नयराइं तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५१ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—कच्छाणि वा णूमाणि वा गहणाणि वा वणाणि वा वणदुग्गाणि वा पव्वयाणि वा पव्वयदुग्गाणि वा अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५२ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—गामाणि वा णगराणि वा णिगमाणि वा रायहाणिआसमपट्टणसंनिवेसाणि वा अन्नयराइं तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५३ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—आरामाणि वा उज्जाणाणि वा वणाणि वा वणसंडाणि वा देवकुलाणि वा सभाणि वा पवाणि वा अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५४ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा अट्टाणि वा अट्टालयाणि वा चरियाणि वा दाराणि वा गोपुराणि वा अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५५ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—तियाणि वा चउक्काणि वा चच्चराणि वा चउम्मुहाणि वा अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५६ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—महिसट्ठाणकरणाणि वा वसभट्ठाणकरणाणि वा, अस्सट्ठाणकरणाणि वा हत्थिट्ठाणकरणाणि वा जाव कविंजलट्ठाणकरणाणि वा, अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५७ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—महिसजुद्धाणि वा वसभजुद्धाणि वा, अस्सजुद्धाणि वा हत्थिजुद्धाणि वा जाव कविंजलजुद्धाणि वा अन्नयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ५५८ ॥ से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेति तंजहा—जूहियट्ठाणाणि वा, हयजूहियट्ठाणाणि अन्नयराइं

इएपत्ताण य कलंबचीरपत्ताण य पुंजा निगरा चिट्ठति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे लोहखीलाण य कडगसक्कराण य चम्मपट्टाण य अल्लपल्लाण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे सूईण य डंभणाण य कोट्टिल्लाण य पुंजा निगरा चिट्ठति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे पच्छा(सत्था)ण य पिप्पलाण य कुहाडाण य नहच्छेयणाण य दब्भतिणाण य पुंजा निगरा चिट्ठंति, तए णं से दुज्जोहणे चारगपा(ले)लए सीहर(ह)हस्स रन्नो बहवे चोरे य पारदारिए य गंठिभेए य रायाव(का)यारी य अण[हा]धारए य बालघायए य वि-स्सभघाए य जयग(जुतिक)रे य ख(खं)डपट्टे य पुरिसेहिं गिण्हावेइ २ त्ता उत्ताणए पाडेइ [२] लोहदंडे(ण)णं मुहं विहाडेइ [२] अप्पेगइए तत्ततवं पज्जेइ अप्पेगइ(या)ए तउयं पज्जेइ अप्पेगइए सीसगं पज्जेइ अप्पेगइए कलकलं पज्जेइ अप्पेगइए खार(ति)तेल्लं [पज्जेइ] अप्पेगइयाणं तेण चेव अभिसेयगं करेइ, अप्पेगइए उत्ताणए पाडेइ [२] आसमुत्तं पज्जेइ अप्पेगइए हत्थिमुत्तं पज्जेइ जाव एलमुत्तं पज्जेइ, अप्पेगइए हे(हि)ट्ठामुहे पाडेइ, छडछडस्स वम्मावेइ, [२] अप्पेगइयाणं तेण चेव ओवील दलयइ, अप्पेगइए हत्थंदुयाइं बधावेइ अप्पेगइए पायन्दु(डिय)ए बधावेइ, अप्पेगइए हडिबंधणं करेइ अप्पेगइए निय(ल)डबंधणं करेइ अप्पेगइए संकलबंधणं करेइ, अप्पेगइए सकोडियमोडिय[य]ए करेइ अप्पेगइए हत्थ(छि)च्छिन्नए करेइ जाव सत्थोवाडि-ए करेइ, अप्पेगइ-ए वेणुलयाहि य जाव वायरासीहि य हणावेइ, अप्पेगइए उत्ताणए कारवेइ [२] उरे सिलं दलावेइ (०) तओ लउ(लं)डं छु(भा)हावेइ २ त्ता पुरिसेहिं उक्कपावेइ, अप्पेगइए तंतीहि य जाव सुत्तरज्जूहि य हत्थेसु (य) पा-एसु य बधावेइ अगडंसि उच्च[ओ]चूलयालगं पज्जेइ, अप्पेगइए असिपत्तेहि य जाव कलंबचीरपत्तेहि य पच्छावेइ [२] खारतेल्लेणं अ(ब्भं)ब्भिगावेइ, अप्पे० निलाडेसु य अवदूसु य कोप्परेसु य जा(णु)णूसु य खलुएसु (अ) य लोहकीलए य कडसक्कराओ य द(ला)वावेइ अ(ल)लिए भंजावेइ, अप्पेगइए सू(सु)ईओ य द(दं)भणाणि य हत्थंगुलियासु य पायंगुलियासु य कोट्टिल्लएहिं आउडावेइ २ त्ता भूमिं कंडूयावेइ, अप्पेगइए सत्थेहि य जाव नहच्छे(द-णए)यणेहि य अंग पच्छावेइ दब्भेहि य कुसेहि य ओ-ल्ल(व)वद्धेहि य वेढावेइ [२] आयवंसि दलयइ [२] सुक्के समाणे चडचडस्स उप्पाडेइ। तए णं से दुज्जोहणे चारगपालए एयकम्मे ४ सुबहु पावकम्मं समज्जिणित्ता एगतीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोवमठिइएसु नेरइ(एसु)त्ताए उववन्ने ॥ २५ ॥ से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव महुराए नयरीए सि-रिदामस्स रन्नो बधुसिरीए

जइ णं भंते ! 'उक्खेवो सत्तमस्स एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं पाड[ल]लिसंडे नयरे, वणसंडे नामं उज्जाणे, तत्थ णं पाडलिसंडे नयरे सिद्धत्थे राया, तत्थ णं पाडलिसंडे नयरे सागरदत्ते सत्थवाहे होत्था अड्ढे० गंगदत्ता भारिया, तस्स (णं) सागरदत्तस्स पुत्ते गंगदत्ताए भारियाए अत्तए उंबरदत्ते नामं दारए होत्था अहीण जाव पंचिंदियसरीरे, तेणं कालेणं तेणं स० समोसरणं जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे तहेव जेणेव पाडलिसंडे नयरे तेणेव उवागच्छइ [२] पाडलिसंडं नयरं पुरत्थि(मे)मिल्लेणं दुवारेणं अणुप्पविसइ [२] तत्थ णं पासइ एगं पुरिसं कच्छुल्लं कोढियं दोउयरियं भगंद(लि)रियं अरिसिल्लं कासिल्लं सासिल्लं सोगिलं सु[सु]यमुह[सु]सूयहत्थं सु(सु)-यपायं सडि(सु)यहत्थंगुलियं सडियपायंगुलियं सडियकण्णनासियं र(सी)सियाए (वा) य पू(ई)इएण य थिविथि[विय]वितवणमुहकिमिउत्तयतपगलतपूयरुहिरं लालापगलं-तकन्न नासं अभिक्खणं २ पूयकवले य रुहिरकवले य किमियकवले य वममाणं कट्ठाइं कलुणाइं वी[वि]सराइं कूय(कुव)माणं मच्छियाचडगरपह(ग)करेणं अन्निज्जमा-णमग्गं फुट्टहडाहडसीसं दंडिखंडवसणं खंडमल्लगखंडघडहत्थगयं गेहे [२] दे(ह)हं-बलियाए वित्तिं कप्पेमाणं पासइ, त(दा-ए णं)या भगवं गोयमे उच्चनीय जाव अडइ [२] अहापज्जत्त० गिण्ह० पाड० पडिनिक्खमइ [२] जेणेव समणे भगवं० भत्तपाणं आलोएइ भत्तपाणं पडिदंसेइ समणेणं अब्भणुन्नाए समाणे जाव बिलमिव पन्नगभूए[णं] अप्पाणेणं आहारमाहारेइ, संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विह-रइ। तए णं से भगवं गोयमे दोच्चंपि छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पो(र)रिसीए सज्झायं जाव पाडलिसंडं नयरं दाहिणिल्लेणं दुवारेणं अणुप्पविसइ तं चेव पुरिसं पासइ कच्(छुल)छुल्लं तहेव जाव संजमेणं तवसा० विहरइ, तए णं से गोयमे त० छट्ठ० तहेव जाव पच्चत्थिमिल्लेणं दुवारेणं अणु(प)पविसमाणे तं चेव पुरिसं कच्छुल्लं ... पास० चो-त्(थ)थं पि छट्ठ० उत्तरेणं० इ० अज्झत्थिए समुप्पन्ने-अहो णं इमे पुरिसे पुरापोराणाणं जाव एवं वयासी-एवं खलु अहं भंते ! छट्ठ० जाव री(रि)यंते जेणेव पाडलिसंडे नयरे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता पाड० पुरत्थिमिल्लेणं दुवारेणं (अणु)पविट्ठे, तत्थ णं एगं पुरिसं पासामि कच्छुल्लं जाव कप्पेमाणं० अहं दोच्चछ० पारण(ए)गंसि दाहिणिल्लेणं दुवारेणं ' ' तच्चछट्ठक्खमण० पच्चत्थिमेणं तहेव० अहं चो-त्थछट्ठ० उत्तरदुवारेणं अणुप्पविसामि तं चेव पुरिसं पासामि कच्छुल्लं जाव वित्तिं कप्पेमा० विह० चिंता मम पुव्वभवपुच्छा० वागरेइ-एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विजयपुरे नामं नयरे

होत्था वण्णओ। तत्थ णं विजयपुरे णयरे कणगरहे णामं राया होत्था, तस्स णं कणगरहस्स रण्णो धन्नंतरी-णाम(मे)णं वे(वि)ज्जे होत्था अट्ठंगाउव्वेयपाढए, तं०-कु(को)मारभिच्चं १ सालागे २ सल्ल(ल्ला)हत्ते ३ कायतिगिच्छा ४ जंगोले ५ भूय-(वे)वि(ज्जे)ज्जा ६ रसायणे ७ वाजीकरणे ८ तए णं से धन्नंतरी वेज्जे विजयपुरे णयरे कणगरहस्स रण्णो अंतेउरे य अन्नेसिं च बहूणं राईसर जाव सत्थवाहाणं अन्नेसिं च बहूणं दु(द)ब्बलाण य गिलाणाण य वाहियाण य रोगियाण य अणाहाण य सणाहाण य माहणाण य भिक्ख(खा)याण य करोडियाण य कप्पडियाण य आउराण य अप्पेगइयाणं मच्छमंसाइं उव(व-दि)सेइ अप्पेगइयाणं कच्छपमंसाइं (कच्छ) अप्पेगइयाणं गा(गा)हमं अप्पेगइयाणं मगरमं अप्पेगइयाणं सुंसुमारमं अप्पेगइयाणं अयमं एवं ए(ए)लगरोज्झ(ज्झ)सूयरमिग-ससगगोमं(मा)समहिसमंसाइं अप्पेगइयाणं ति(ति)त्तिरमं साइं अप्पेगइयाणं वट्टग( )लावग( )क[पो]तग( )कुक्कुड( )मयूरमंसाइं अन्नेसिं च बहूणं जलयरथलयरखहयरमा(दी)ईणं मंसाइं उवदेसेइ अप्पणाऽवि य णं से धन्नंतरी वेज्जे तेहिं बहूहिं मच्छमंसेहि य जाव मयूरमंसेहि य अन्नेहि य बहूहिं जलयरथलयरखहयर-मंसेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य (भिज्जेहि) भज्जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विसाएमाणे विहरइ। तए णं से धन्नंतरी वेज्जे एयकम्मे सुबहुं पावं कम्मं समज्जिणित्ता बत्तीसं वाससयाइं परमा(उ)उयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोवम उववन्ने। तए णं [सा] गंगदत्ता भारिया जाय-निंदुया यावि होत्था जाया जाया दारगा विणि(घा)यमावज्जंति, तए णं तीसे गंगदत्ताए सत्थवाहीए अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणी अयं अज्झत्थिए समुप्पन्ने-एवं खलु अहं सागरदत्तेणं सत्थवाहेणं सद्धिं बहूइं वासाइं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरामि, नो चेव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि तं धन्नाओ णं ताओ अम्मयाओ सपुन्नाओ कयत्थाओ (कयपु) कयलक्खणाओ सुलद्धे णं तासिं अम्मयाणं माणुस्सए जम्म-जीवियफले जासिं मन्ने नियगकुच्छिसंभू(ब्भू)याइं थणदुद्धलुद्ध-(या)याइं महुर-समुल्लावगाइं मम्म(म्म)ण(ण)पंपियाइं थणमूलकक्खदेसभागं अ(भि)सरमाणाइं मुद्धयाइं पुणो [पुणो] य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं गिण्ह(हे)ऊण उच्छं(च्छ)ग-निवेसियाइं दे(दिं)ति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए, अहं णं अधन्ना अपुन्ना अकयपुन्ना एत्तो एगमवि न पत्ता तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते सागरदत्तं सत्थवाहं आपुच्छित्ता सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं गहाय बहूमित्त-णाइ

नियगसयणसवधिपरि-यणमहिलाहिं सद्धिं पाड-लिसडाओ नयराओ पडि-निक्खमित्ता वहिया जेणेव उवरदत्तस्स जक्खस्स जक्खायवणे तेणेव उवागच्छित्तए तत्थ णं उवरदत्तस्स जक्खस्स म(हा)हरिह पुप्फच्चण क(रेइ)रित्ता जन्नु(जाणु)पायवडियाए ओ(यावि-उवाए)वायइत्तए–जइ णं अह देवाणुप्पिया ! दारगं वा दारिय वा पयामि तो ण अह तुब्भ जाय च दाय च भाय च अक्खय-निहिं च अणुव(ड्ढे)ड्ढइस्सामि-त्तिकट्टु ओवाइय उ[ओ]वाइणित्तए, एव सपेहेइ २ त्ता कल्ल जाव जलते जेणेव सागरदत्ते सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु अह देवाणुप्पिया ! तुब्भेहिं सद्धिं जाव न पत्ता, त इच्छामि ण देवाणुप्पिया ! तुब्भेहिं अब्भणु-न्नाया जाव उ-वाइणित्तए, तए ण से सागरदत्ते (स०) गगदत्त भारिय एव वयासी–ममं-पि णं देवाणु० एस चेव मणोरहे कह (ण) तुमं दारग (वा) दारियं वा पया(ए)इज्जसि(?), गगदत्ताए भारियाए एयमट्ठ अणुजाणइ, तए ण सा गगदत्ता भारिया सागरदत्तसत्थवाहेण एयमट्ठ अब्भणु-न्नाया समाणी सुवहु पुप्फ जाव महिलाहिं सद्धिं सयाओ गिहाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता पाड-(ली)लिसड नयरं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुक्खरिणीए तीरे सुवहु पुप्फवत्थगधमल्लालंकारं ठवे[उवणे]इ २ त्ता पुक्खरि-(र्णी)णिं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जण करेइ २ त्ता जलकीड करे(इ २ त्ता)माणी ण्हाया उल्ल(ग)पडसाडिया पुक्खरिणीओ पच्चुत्तरइ २ त्ता तं पुप्फ० गिण्हइ २ त्ता जेणेव उवरदत्तस्स जक्खस्स जक्खायवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उवरदत्तस्स जक्खस्स आलोए पणाम करेइ २ त्ता लोमहत्थ परामुसइ (०) उवरदत्तं जक्खं लोमहत्(थए)थेणं पमज्जइ २ त्ता दगधाराए अब्(भो)भुक्खेइ २ त्ता पम्हल० गायल (०) ओलूहेइ २ त्ता सेयाइं वत्थाइं परिहेइ [२] महरिहं पुप्फारुहणं (वत्थारुहण) मल्लारुहण गंधारुहण चुण्णारुहण करेइ २ त्ता धूव डहइ [२] ज ु-पाय-वडिया एव व(यासी)यइ–जइ णं अह देवाणुप्पिया ! दारग वा दारिय वा पयामि तो ण जाव उ-वाइणइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडिगया । तए णं से ध-न्नतरी वे-ज्जे ताओ नर-याओ अणतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पाड-लिसडे नयरे गंगदत्ताए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उवव-न्ने, तए ण तीसे गगदत्ताए भारियाए तिण्हं मासाण बहुपडिपुण्णाण अयमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–ध-न्नाओ ण ताओ जाव फले जोओ ण वि-उलं असण ४ उवक्खडावेंति २ त्ता वहूहिं जाव परिवुडाओ तं वि-उल असणं ४ सुरं च ६ पुप्फ जाव गहाय पाड-लिसडं नयरं मज्झंमज्झेण पडि-निक्खमति २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छति २ [त्ता] पुक्ख(रि)रणीं

नियगसयणसबधिपरि-यणमहिलाहिं सद्धिं पाड-लिसडाओ नयराओ पडि-निक्खमित्ता बहिया जेणेव उवरदत्तस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छित्तए तत्थ णं उवरदत्तस्स जक्खस्स म(हा)हरिह पुप्फच्चण क(रेइ)रित्ता जन्नु(जाणु)पायवडियाए ओ(यावि-उवाए)वायइत्तए-जइ ण अह देवाणुप्पिया! दारगं वा दारिय वा पयामि तो ण अह तुब्भं जाय च दाय च भाय च अक्खय-निहिं च अणुव(ड्ढे)ड्ढइस्सामि-त्तिक ओवाइय उ[ओ]वाइणित्तए, एव संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलते जेणेव सागरदत्ते सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तं सत्थवाहं एवं वयासी-एव खलु अह देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं सद्धिं जाव न पत्ता, त इच्छामि ण देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणु-न्नाया जाव उ-वाइणित्तए, तए ण से सागरदत्ते (स०) गंगदत्त भारिय एव वयासी-ममं पि ण देवाणु० एस चेव मणोरहे कह (ण) तुम दारग (वा) दारिय वा पया(ए)इज्जसि(?), गगदत्ताए भारियाए एयमट्ठ अणुजाणइ, तए ण सा गंगदत्ता भारिया सागरदत्तसत्थवाहेण एयमट्ठ अब्भणु-न्नाया समाणी सुबहुं पुप्फ जाव महिलाहिं सद्धिं सयाओ गिहाओ पडि-निक्खमइ २ त्ता पाड-(ली)लिसड नयरं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुक्खरिणीए तीरे सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालकारं ठवे[उवणे]इ २ त्ता पुक्खरि-(र्णी)णिं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जण करेइ २ त्ता जलकीड करे(इ २ त्ता)माणी ण्हाया उल्ल(ग)पडसाडिया पुक्खरिणीओ पच्चुत्तरइ २ त्ता त पुप्फ० गिण्हइ २ त्ता जेणेव उंवरदत्तस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उवरदत्तस्स जक्खस्स आलोए पणाम करेइ २ त्ता लोमहत्थ परामुसइ (०) उंवरदत्त जक्ख लोमहत्(थए)थेणं पमज्जइ २ त्ता दगधाराए अब्(भो)भुक्खेइ २ त्ता पम्हल० गायल (०) ओलूहेइ २ त्ता सेयाइं वत्थाइ परिहेइ [२] महरिहं पुप्फारुहणं (वत्थारुहण) मल्लारुहण गधारुहण चुण्णारुहण करेइ २ त्ता धूवं डहइ [२] ज -पाय-वडिया एव व(यासी)यइ-जइ णं अह देवाणुप्पिया! दारग वा दारिय वा पयामि तो णं जाव उ-वाइणइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडिगया। तए ण से ध-न्नतरी वे-ज्जे ताओ नर-याओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पाड-लिसडे नयरे गगदत्ताए भारियाए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उवव-न्ने, तए ण तीसे गगदत्ताए भारियाए तिण्ह मासाण वहुपडिपुण्णाण अयमेयारूवे दोहले पाउब्भूए-ध-न्नाओ ण ताओ जाव फले जोओ ण वि-उल असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता वहूहिं जाव परिवुडाओ तं वि-उल असणं ४ सुरं च ६ पुप्फ जाव गहाय पाड-लिसड नयरं मज्झमज्झेण पडि-निक्खमति २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छति २ [त्ता] पुक्ख(रि)रणीं

तस्स ण सोरियपुरस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुर-त्थि-मे दिसीभा(गे)ए एत्थ ण एगे मच्छध[वा]पाडए होत्था, तत्थ ण समुद्दत्ते-नाम मच्छधे परिवसइ अहम्मिए जाव दुप्पडियाणदे, तस्स ण समुद्दत्तस्स समुद्दत्ता-नाम भारिया होत्था अहीण०पं-चिंदियसरीरा, तस्स णं समुद्दत्तस्स (म०) पुत्ते समुद्दत्ता[ए]भारियाए अत्तए सोरियदत्ते नाम दारए होत्था अहीण०, तेण कालेण तेण समएण सामी समोस-ढे जाव परिसा पडिगया, तेग कालेण तेण समए० जेट्ठे (अ०) सीसे जाव सोरियपुरे नयरे उच्च-नीयमज्झि(म)माइ कुलाइ० अहापज्जत्त समुदाण गहाय सोरियपुराओ नयराओ पडि-निक्खमइ, [२] तस्स मच्छध-पाडगस्स अदूरसामतेण वी(ई)इवयमाणे महइमहालियाएम [हुच्च]णुस्सपरिसाए मज्झगय पासइ एग पुरिस सुक्कं भुक्ख निम्मंसं अट्ठिचम्मावणद्ध किडिकि(डी)डियाभूय नीलसाडग-निय(च्छ)त्थ मच्छकटएण गलए अणुलग्गेणं कट्ठाइं कलुणाइ वी-सराइ कूवेमाणं अभिक्खण २ पूयकवले य रुहिरकवले य किमिकवले य व(म)ममाण पासइ, [२] इमे(यारूवे) अज्झत्थिए ५-पुरा-पोराणाण जाव विहरइ, एवं सपेहेइ [२] जेणेव समणे भगवं जाव पुव्वभवपुच्छा जाव वागरण-एव खलु गोयमा ! तेण कालेण तेण समएण इहेव जबुद्दीवे दीवे भारहे वासे नदिपुरे-नाम नयरे होत्था मित्ते राया, तस्स ण मित्तस्स रन्नो सिरीए नामं महाणसिए होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं सिरीयस्स महाणसियस्स वहवे मच्छिया य वागुरिया य साउणिया य दि-न्नभइभत्तवेयणा कल्लाक(ल्ल)ल्लिं वहवे सण्हमच्छा य जाव पडागाइपडागे य अए य जाव महिसे य तित्तिरे य जाव म(यू)ऊरे य जीवियाओ ववरोवेंति [२] सिरीयस्स महाणसियस्स उवणेंति, अन्ने य से वहवे तित्तिरा य जाव म-ऊरा य पजरंसि सनिरुद्धा चिट्ठति, अन्ने य वहवे पुरिसा दि-न्नभइभत्तवेयणा ते वहवे तित्तिरे य जाव म-ऊरे य जीवियाओ चेव निप[पक्]पखेंति [२] सिरीयस्स महाणसियस्स उवणेंति, तए ण से सिरीए महाणसिए वहूणं जलयरथलयरखहयराण मसाइं कप्प(-य)णिकप्पियाइं करेइ, त०-सण्हखडि-याणि य वट्टखडियाणि य दीहखडियाणि य रहस्सखडियाणि य हिमपक्काणि य जम्म-[प०](घम्म)वेग० मारुयपक्काणि य कालाणि य हेरगाणि य महिट्ठाणि य आमलर-सियाणि य मुद्दियारसियाणि य कविट्ठरसियाणि य दालिमरसियाणि य मच्छरसियाणि य तलियाणि य भज्जियाणि य सोल्लियाणि य उवक्खडावेइ अन्ने य वहवे मच्छरसे य ए(णि)णेज्जरसे य तित्तिररसे य जाव मयूररसे य अन्नं च विउल हरियसागं उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तस्स रन्नो भोयणमडवसि भोयणवेलाए उवणेइ अप्पणा-वि य णं से सि(रि)रीए महाणसिए ते० वहू० जलयर(०)थलयर(०)खहयरमं-

ई णो अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥ ९५९ ॥ से भिक्खू वा (२) जाव सुणेति
त्ताइयट्ठाणाणि वा, माणुम्माणियट्ठाणाणि वा, महयाऽऽहयणट्टगीयवाइय-
लतुडियपडुप्पवाइयट्ठाणाणि वा, अण्णयराई वा तहप्पगाराई णो अभिसं-
मणाए ॥ ९६० ॥ से भिक्खू वा (२) जाव सुणेति तंजहा–कलहाणि वा,
ा, डमराणि वा, दोरज्जाणि वा, वेररज्जाणि वा विरुद्धरज्जाणि वा, अण्णय-
हप्पगाराइ सद्दाई णो अभिसधारेज्ज गमणाए ॥९६१॥ से भिक्खू वा (२)
इ सुणेइ खुड्डियं दारियं परिभुत्तमंडियालंकियनिवुज्झमाणिं पेहाए एगं पुरिसं
णीणिज्जमाणं पेहाए अण्णयराई वा तहप्पगाराई णो अभिसधारेज्ज गमणाए
॥ से भिक्खू वा (२) अण्णयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणिज्जा
हुसगडाणि वा, बहुरहाणि वा, बहुमिलक्खूणि वा, बहुपच्चंताणि वा, अण्ण-
तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसधारेज्ज
॥ ९६३ ॥ से भिक्खू वा (२) विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणिज्जा
इत्थीणि वा, पुरिसाणि वा, थेराणि वा, डहराणि वा, मज्झिमाणि वा, आभ-
ूसियाणि वा, गायंताणि वायंताणि वा, णच्चंताणि वा, हसंताणि वा, रमंताणि
हंताणि वा, विउलं असणपाणखाइमसाइमं परिभुंजंताणि वा, परिभाइंताणि
च्छड्डियमाणाणि वा, विगोवयमाणाणि वा, अण्णयराई वा तहप्पगाराइं विरू-
इं महुस्सवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसधारेज्ज गमणाए ॥ ९६४ ॥ से
ू वा (२) णो इहलोइएहिं सद्देहिं णो परलोइएहिं सद्देहिं, णो सुएहिं सद्देहिं,
सुएहिं सद्देहिं, णो दिट्ठेहिं सद्देहिं णो अदिट्ठेहिं सद्देहिं, णो कंतेहिं सद्देहिं सज्जिज्जा,
ज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा ॥ ९६५ ॥ एवं खलु
भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९६६ ॥ **सद्दस-
क्कयं एयारहममज्झयणं समत्तं सद्दसत्तिक्कयं चउत्थं ॥**

से भिक्खू वा (२) अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ तंजहा–गंथिमाणि वा, वेढिमाणि
पूरिमाणि वा, संघाइमाणि वा, कट्ठकम्माणि वा, पोत्थकम्माणि वा, चित्तक-
ाणि वा, मणिकम्माणि वा, दंतकम्माणि वा, पत्तच्छेज्जकम्माणि वा, विविहाणि
वेढिमाइं जाव अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो
भिसधारेज्ज गमणाए ॥ ९६७ ॥ एवं णायव्वं जहा सद्दपडियाए सव्वा वाइत्तवज्जा
पडियाएवि ॥ ९६८ ॥ **रूवसत्तिक्कयं दुवालसममज्झयणं समत्तं रूव-
त्तिक्कयं पंचमं ॥**

परकिरियं अज्झत्थियं संसेसियं णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९६९ ॥ सिया

कारेंति अब्भुग्गयम॰ तए णं तस्स सीहसेणस्स कुमारस्स अम्मापियरो अन्नया कयाइ सामापामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकन्नगसयाणं एगदिवसे पाणिं गिण्हा(वें)ति पंच-सयओ दाओ तए णं से सीहसेणे कुमारे सामापामोक्खाहिं पंच(हिं)सयाहिं देवीहिं सद्धिं उप्पिं जाव विहरइ, तए णं से महासेणे राया अन्नया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते नीहरणं॰ राया जाए महया॰ तए णं से सीहसेणे राया सामाए देवीए मुच्छिए ४ अवसेसाओ देवीओ नो आढाइ नो परियाणाइ अणा-ढायमाणे अपरियाणमाणे विहरइ, तए णं तासिं एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूणाइं पंच(पा-इ)माईसयाइं इमीसे कहाए लद्धट्ठाइं समाणाइं एवं खलु सामी सीहसेणे राया सामाए देवीए मुच्छिए ४ अम्हं धूयाओ नो आढाइ नो परियाणाइ अणाढायमाणे अपरियाणमाणे विहरइ, तं सेयं खलु अम्हं सा(मा)मं देविं अग्गि-पओगेण वा विसप्पओगेण वा सत्थप्पओगेण वा जीवियाओ ववरोवित्तए, एवं संपे-हेन्ति [२] सामाए देवीए अंतराणि य छिद्दाणि य वि[व]राणि य पडिजागर-माणीओ (२) विहरंति, तए णं सा सामा देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी एवं वयासी-एवं खलु ममं पंचण्हं सवत्तीसयाणं पंच माइसयाइं इमीसे कहाए लद्धट्ठाइं समाणाइं अन्नमन्नं एवं वयासी-एवं खलु सीहसेणे॰ जाव पडिजागरमाणीओ विहरंति तं न नज्जइ णं ममं केणइ कुमारेणं मारिस्संतित्तिकट्टु भीया जाव जेणेव कोवघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ओहय जाव झियाइ, तए णं से सीहसेणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जेणेव कोवघरए जेणेव सामा देवी तेणेव उवा-गच्छइ २ त्ता सामं देविं ओहय जाव पासइ २ त्ता एवं वयासी-किं णं तुमं देवाणु-प्पिए! ओहय जाव झियासि? तए णं सा सामा देवी सीहसेणेणं रन्ना एवं वुत्ता समाणी उप्फेण(णो)उप्फे(णी)णिया सीहसेणं रायं एवं वयासी-एवं खलु सामी! ममं एगूणपंचसवत्तीसयाणं एगूणपंच(पा)माइसयाणं इमीसे कहाए लद्धट्ठाणं समाणाणं अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु सीहसेणे राया सामाए देवीए उवरिं मुच्छिए ४ अम्ह(हं णं)धू(ध्या)याओ नो आढाइ॰ जाव अंतराणि य छिद्दाणि पडिजागरमाणीओ विहरंति तं न नज्जइ भीया जाव झियामि, तए णं से सीहसेणे राया सामं देविं एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणु-प्पिए! ओहय जाव झिया(य)हि अहं णं त(ह)हा ज(घ)त्तिहामि जहा णं तव नत्थि कत्तोवि सरीरस्स आ(वा)बाहे (वा) पबाहे वा भविस्सइत्तिकट्टु ताहिं इट्ठाहिं ६ समासासेइ, [२] तओ पडि-निक्खमइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सुपइट्ठस्स नयरस्स बहिया एगं

ते कोडुंबियपुरिसा जाव उग्घो(स)सेंति, त-ए णं ते बहवे वे-ज्जा य ६ इमेयारूवं उग्घोसणं उग्घोसिज्जमाणं निसामेंति २ त्ता जेणेव सोरिय० गे-हे जेणेव सोरियमच्छंधे तेणेव उवागच्छंति [२] बहूहिं उप्पत्तियाः० परिणममाणा वमणेहि य छड्डणेहि य ओ-वीलणेहि य कवलग्गाहेहि य सल्लुद्धरणेहि य विसल्लकरणेहि य इच्छंति सोरिय-मच्छ० मच्छकंट-य गलाओ नीहरित्तए नो (चेव ण) सचाएंति नीहरित्तए वा विसो-हित्तए वा, तए ण ते बहवे वे-ज्जा य ६ जाहे नो सचाएंति सोरिय० मच्छक-टगं गलाओ नीहरित्तए ताहे संता जाव जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दि-सिं पडिगया, तए ण से सोरिय० म० विज्ज०पडियारनि(वि)व्विण्णे तेण दुक्खेणं महया अभिभूए सुक्के जाव विहरइ, एवं खलु गोयमा ! सोरियदत्ते पुरापोराणाणं जाव विहरइ, सोरिए ण भंते ! मच्छंधे इओ (य) कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छि-हिइ (?) कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! सत्तरि-वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए०, संसारो तहेव० पुढ० हत्थिणाउरे नयरे मच्छत्ताए उवव०, से ण तओ मच्छिएहिं जीवियाओ ववरोविए तत्थेव सेट्ठिकुलं-सि बो० सोहम्मे कप्पे महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥ निक्खेवो ॥ २८ ॥

अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

जइ ण भंते ! उक्खेवो नवमस्स० एवं खलु जंबू ! तेण कालेण तेणं समएणं रोहीडए-नामं नयरे होत्था रिद्ध०, पुढ(वी)विव-डिंसए उज्जाणे, वेसमणद[त्तो]त्ते राया, सिरी देवी, पूस-नंदी कुमारे जुवराया, तत्थ ण रोहीडए नयरे दत्ते नामं गाहा-वई परिवसइ अड्ढे० कण्हसिरी भारिया, तस्स ण दत्तस्स धूया क(ण्ह)ण्हसिरीए अत्तया देवदत्ता-नामं दारिया होत्था अहीण(*) जाव उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा, तेण कालेण तेणं समएणं सामी समोस-ढे जाव परिसा०, तेण कालेणं तेणं समए० जेट्ठे अंतेवासी छट्ठक्खमण " तहेव जाव रायमग्ग-मोगाढे हत्थी आसे पुरिसे पासइ, तेसिं पुरिसाण मज्झगयं पासइ एगं इत्थियं अव-ओड-यबंधण उक्खित्तक-ण्ण-नासं जाव सूले भिज्जमाणं पासइ, [२] इमे अ-ज्झत्थिए तहेव निग्गए जाव एवं वयासी–एसा ण भंते ! इत्थिया पुव्वभवे का आसी ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेण तेण समएणं इहेव जंबुद्दी(व)वे दीवे भारहे वासे सुपइट्ठे नामं नयरे होत्था रिद्ध०, म(ह)हासे-णे राया, तस्स ण महासेणस्स र-ण्णो धा-रिणीपामोक्(ख)खाणं देवीसहस्सं ओरोहे यावि होत्था, तस्स णं महासेणस्स रण्णो पुत्ते धारिणीए देवीए अत्तए सीहसेणे नामं कुमारे होत्था अहीण० जुवराया, तए णं तस्स सीहसेणस्स कुमारस्स अम्मापियरो अ-न्नया कया-इ पंच पासायवडिंसयसयाइं

महं कूडागारसालं करेह अणेगक्खंभसयसंनिवि० पासा० ४ करेह २ त्ता ममं एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते को-डुंबियपुरिसा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता सुपइट्ठनयरस्स बहिया पच्च-त्थिमे दिसीविभाए एगं महं कूडागारसालं जाव करेंति अणेगक्खंभ० पासा० ४ जेणेव सीहसेणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तमा-णत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं से सीहसेणे राया अ-न्नया कयाइ एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूणाइं पंचमाइसयाइं आमंतेइ, तए णं तासिं एगू(णा)गपंचदेवीसयाणं एगूणपंचमाइसयाइं सीहसेणेणं र-न्ना आमंतियाइं समाणाइं सव्वालंकारविभूसियाइं जहाविभवेणं जेणेव सुपइट्ठे नयरे जेणेव सीहसेणे राया तेणेव उवागच्छंति, तए णं से सीहसे-णे राया ए-गूणपंचदेवीसयाणं ए-गूणगाणं पंचण्हं मा(इं)इसयाणं कूडागारसालं आवा(से)सं दलयइ, तए णं से सीहसेणे राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु-ब्भे देवाणुप्पिया ! विउलं असणं० उवणेह सुब-हुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं च कूडागारसालं साहरह [य], तए णं ते कोडुंबिय-पुरिसा तहेव जाव साहरेंति, तए णं तासिं एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूण-पंचमा[इं]इसयाइं सव्वालंकारविभूसिया० तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ आसा-एमाणा० गंधव्वे-हि य नाडए-हि य उवगीयमाणाइं २ विहरंति, तए णं से सीह-सेणे राया अद्धरत्तकालसमयंसि बहूहिं पुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव कूडागा-रसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कूडागारसालाए दुवाराइं पिहेइ [२] कूडा-गारसालाए सव्वओ समंता अगणिकायं दलयइ, तए णं तासिं एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूणगाइं पंच-मा-इसयाइं सीहर-न्ना आलीवियाइं समाणाइं रोयमाणाइं ३ अत्ताणाइं असरणाइं कालधम्मुणा संजुत्ताइं, तए णं से सीहसेणे राया एयकम्मे ४ सुबहु पावकम्मं समज्जिणित्ता चो-त्तीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोव(माइं ठि)मट्ठिइएसु [निरइय-त्ताए] उवव-न्ने, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव रोहीडए नयरे दत्तस्स सत्थ-वाहस्स क-ण्हसि-रीए भारियाए कुच्छिंसि दारियत्ताए उवव-न्ने, तए णं सा क-ण्ह-सिरी नवण्हं मासाणं जाव दारियं पयाया सु(कु)उमाल० सुरूवं, तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो नि(व्वि)व्वत्तबारसाहियाए विउलं असणं ४ जाव मित्त-नाइ० नामधेज्जं करेंति तं हो-उ णं दारिया देवदत्ता नामेणं, तए णं सा देवदत्ता [दारिया] पंचधाईपरि[ग]गहिया जाव परिवड्ढइ, तए णं सा देवदत्ता दारिया उम्मुक्कबालभावा जोव्वणेण य रूवेण य लावण्णेण य जाव अई० उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था, तए णं सा देवदत्ता दारिया अ-न्नया कया(इं)इ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया

बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता उप्पिं आगासतलगंसि कणगतिंदू(स)एणं कीलमाणी विहरइ, इमं च णं वेसमणदत्ते राया ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए आसं दुरूहित्ता बहूहिं पुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे आसवा[हि]ह(णी)याए निज्जायमाणे दत्तस्स गाहावइस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वी(वि)इवयइ, तए णं से वेसमणे राया जाव वी(वि-इ)वयमाणे देवदत्तं दारियं उप्पिं आगासतलगंसि कणगति(दु)(स)एणं कील-माणिं पासइ, देवदत्ताए दारियाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य जाय-विम्हिए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–कस्स णं देवाणुप्पिया! एसा दारिया किं वा नामधेज्जेणं? तए णं ते कोडुंबियपुरिसा वेसमणरायं करयल एवं वयासी–एस णं सामी! दत्तस्स सत्थवाहस्स धूया कण्हसि(रि)रीए भारियाए अत्तया देवदत्ता नामं दारिया रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठ-सरीरा. तए णं से वेसमणे राया आसवा-हणियाओ पडि-नियत्ते समाणे अब्भिंतर (ठा)ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ [ता] एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! दत्तस्स धूयं कण्हसिरीए भारियाए अत्तयं देवदत्तं दारियं पूस(णं)(दि)(न)णंदिस्स जुवर-ण्णो भारियत्ताए वरेह, जइ-वि सा सयंरज्जसुक्का. तए णं ते अब्भिंतर-ठाणिज्जा पुरिसा वेसमणेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं संपरिवुडा जेणेव दत्तस्स-गिहे तेणेव उवागच्छित्था तए णं से द-त्ते सत्थवाहे ते पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ [त्ता] हट्ठतुट्ठ आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ [त्ता] सत्तट्ठ पयाइं पच्चुग्गए आसणेणं उवनिमंतेइ २ त्ता ते पुरिसे आसत्थे वीसत्थे सुहासणवरगए एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किं आगमणप्प-ओयणं? तए णं ते रायपुरिसा द-त्तं सत्थवाहं एवं वयासी–अम्हे णं देवाणुप्पिया! तव धूयं कण्हसिरीए अत्तयं देवदत्तं दारियं पूस-णंदिस्स जुवर-ण्णो भारियत्ताए वरेमो तं जइ णं जाणासि देवाणुप्पिया! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो दिज्जउ णं देवदत्ता भारिया पूस-णंदिस्स जुवर-ण्णो भण देवाणुप्पिया! किं दलयामो सुक्कं? तए णं से दत्ते ते अब्भिंतर-ठाणिज्जे पुरिसे एवं वयासी–ए(यं)-चेव णं देवाणुप्पिया! मम सुक्कं जं णं वेसम(णदत्ते)णे राया मम दारिया-निमित्तेणं अणुगिण्हइ, ते ठ(ठा)णिज्जपुरिसे विउलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ पडिविसज्जेइ, तए णं ते ठाणिज्जपुरिसा जेणेव वेसमणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता वेसमणस्स र-ण्णो एयमट्ठं निवेदेंति तए णं से दत्ते गाहावई अ-न्नया कया(इं)इ सोभणंसि तिहिकरणदिवस-नक्खत्तमुहुत्तंसि वि-उलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्त-णाइ आमंतेइ ण्हाए सुहासणवरगए तेणं मित्त सद्धिं संपरिवुडे तं विउलं

असण ४ आसाएमा० विहरइ जिमियभुत्तुत्तराग० आयते २ त मित्त-नाइनियग० विउलगंधपुप्फ जाव अलकारेण सक्कारेइ० देवदत्त दारिय ण्हाय सव्वालकारविभूसियसरीर पुरिससहस्सवाहिणीय सीय दु-रुहेइ २ त्ता सुबहुमित्त जाव सद्धिं सपरिवुडे स(व्वइ)व्विड्ढीए जाव नाइयरवेण रोही(डं)ड-यं नयरं मज्झंमज्झेण जेणेव वेसमण-र-न्नो गिहे जेणेव वेमम(णो)णे राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता वेसमणस्स रन्नो देवदत्त दारियं उवणेइ, तए णं से वेसम णे राया देवदत्त दारियं उव(णि)णीय पासइ २ [त्ता] हट्ठतुट्ठ० विउल असण ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्त नाइ० आमतेइ जाव सक्कारेइ० पूस-नदिकुमार देवदत्त च दारिय पट्टयं दु-रुहेइ २ त्ता से(सि)यापीएहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता वर-नेव-त्थाइ करेइ २ त्ता अग्गिहोमं करेइ [२] पूस-नं(दी)दिकुमारं देवदत्ताए दारियाए पाणिं गिण्हावेइ, तए ण से वेसम-णे राया पूस-नंदिकुमारस्स देवदत्त दारिय स व्विड्ढीए जाव रवेणं महया-इड्ढीसक्कारसमुदएण पाणिग्गहणं कारेइ [२] देवदत्ताए दारियाए अम्मापियरो मित्त जाव परियणं च विउलेणं असण० वत्थगधमल्लालकारेण य सक्कारेइ संमाणेइ जाव पडिविसज्जेइ, तए ण से पूस-नंदी-कुमारे देवदत्ताए सद्धिं उप्पिं पासाय० फु(ट्टे)ट्टमाणेहिं मुइंगमत्(थे)थएहिं वत्ती० उवगिज्जमाणे जाव विहरइ, तए णं से वेसमणे राया अ-न्नया कया(ई)इ कालधम्मुणा सजुत्ते नीहरण जाव राया जाए, तए ण से पूस-नदी राया सिरीए देवीए मा(य)याभ(त्ति-त्ते)त्तए यावि होत्था, कल्लाकल्लिं जेणेव सिरी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सिरीए देवीए पायवडणं करेइ [२] सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भिगावेइ अट्ठिसुहाए मससुहाए तयासुहाए (चम्मसुहाए) रोमसुहाए चउ-व्विहाए सवाहणा(इ)ए संवाहावेइ [२] सुरभिणा गधवट्टएणं उव्वट्टावेइ [२] तिहिं उदएहिं मज्जावेइ त०—उसिणोदएण सीओदएण गधोदएण, [२] विउल असण ४ भोयावेइ [२] सिरीए देवीए ण्हायाए जिमियभुत्तुत्तरागयाए त-ए ण पच्छा ण्हाइ वा भुजइ वा उरालाइं मा(म)णुस्सगाइं भोगभोगाइ भुजमाणे विहरइ। त-ए ण तीसे देवदत्ताए देवीए अ-न्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कु-डुवजागरिय जागरमाणी-ए इमेयारूवे अ[ब्भ]ज्झत्थिए ५ समुप्पन्ने—एव खलु पूस-नदी राया सिरीए देवीए माइभत्ते जाव विहरइ त एएण वक्खेवेणं नो संचाएमि अह पूस-नदिणा र-न्ना सद्धिं उरालाइ० भुजमाणी विहरित्तए तं सेयं खलु मम सि(री)रिं दे-विं अग्गिपओगेण वा सत्थ० विस० मतप्पओगेण वा जीवियाओ ववरो(वे)वित्तए २ त्ता पूसनदि[णा]रन्ना सद्धिं उरालाइ भोगभोगाइ भुजमाणीए विहरित्तए, एव सपेहेइ २ त्ता सिरीए देवीए अतराणि य ३ पडि-

तेण समएणं जेट्ठे जाव अडमाणे जाव विजयमित्तस्स रन्नो गिहस्स असोगवणियाए अदूरसामंतेण वी(वि)इवयमाणे पासइ एगं इत्थियं सुक्कं भुक्खं निम्मंसं किडिकिडिया-भूयं अट्ठिचम्मावणद्धं नीलसाडग-नियत्थं कट्ठाइं कलुणाइं वी-सराइं कूवमाणं पासइ० चिंता तहेव जाव एवं वयासी–सा णं भंते ! इत्थिया पुव्वभवे [के] का आ सी ?, वागरणं–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इंदपुरे नामं नयरे होत्था, तत्थ णं इंददत्ते राया पुढवीसिरी ना-मं गणिया होत्था वण्णओ, तए णं सा पुढ-वीसिरी गणिया इंदपुरे नयरे बहवे राईसर जाव प्पभि[ई]यओ बहूहिं चुण्णप्पओगेहि य जाव आभि-ओगेत्ता उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमा-णी विहरइ, तए णं सा पुढवीसिरी गणिया एयकम्मा ४ सुबहु० समज्जिणित्ता पणतीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेण० नेरइयत्ताए उवव-न्ना, सा णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव वद्धमाणपुरे नयरे धणदेवस्स सत्थवाहस्स पियंगुभारियाए कुच्छिंसि दारिय-त्ताए उववन्ना, तए णं सा पियंगुभारिया नवण्हं मासाणं दारियं पयाया, नामं अ(जू)ज्जुसिरी, सेसं जहा देवदत्ताए। तए णं से विजए राया आसवाह० जहा वेसमणदत्ते तहा अंजुं पासइ नवरं अप्पणो अट्ठाए वरेइ जहा तेयली जाव अंजूए भारियाए सद्धिं उप्पिं जाव विहरइ, तए णं तीसे अंजूए देवीए अ-न्नया कया-इ जो-णिसूले पाउब्भूए यावि होत्था, तए णं [से] विजए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दा-वेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं देवाणुप्पिया ! वद्धमा(णे)णपुरे नयरे सिंघा-डग जाव एवं व-यह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! विजय० अंजूए देवीए जोणिसूले पाउब्भूए जो णं इ० वे-ज्जो वा ६ जाव उग्घोसेंति, तए णं ते बहवे वे-ज्जा० ६ इमं एयारूवं सोच्चा निसम्म जेणेव विज(य)ए राया तेणेव उवागच्छंति० उप्पत्तियाहिं० परिणामेमाणा इच्छंति अंजूए देवीए जोणिसूलं उवसामित्तए नो संचाएंति उवसामित्तए, तए णं ते बहवे वे-ज्जा य ६ जाहे नो संचाएंति अंजू० जोणिसूलं उवसामित्तए ताहे संता तंता परितंता जामेव दिसिं पाउ-ब्भूया तामेव दिसिं पडिगया, तए णं सा अंजू-देवी ताए वेयणाए अभिभूया समा-णी सुक्का भुक्खा निम्मंसा कट्ठाइं कलुणाइं वी-सराइं विलवइ, एवं खलु गोयमा ! अंजू-देवी पुरापोराणाणं जाव विहरइ। अंजू णं भंते ! देवी इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ० कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! अंजू णं देवी नउइं वासाइं परमाउयं पा लइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, एवं संसारो जहा पढमे तहा नेयव्वं जाव वणस्सइ०, सा णं तओ

अणंतरं उव्वट्टित्ता सव्वओभद्दे नयरे मयूरत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ साउणिएहिं व-हिए समाणे तत्थेव सव्वओभद्दे नयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे तहारूवाणं थेराणं केवलं बोहिं बुज्झिहिइ पव्वज्जा सोहम्मे से णं ताओ देवलोगाओ आउक्खए कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जि-हिइ? गोयमा! महाविदेहे जहा पढमे जाव सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प-ण्णत्ते सेवं भंते ॥ १ ॥ दसमं अज्झयणं समत्तं ॥ दुहविवागो दससु अज्झयणेसु ॥ पढमो सुयक्खंधो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसि(सि)लए उज्जाणे सु(हु)म्मे समोसढे-जंबू जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-जइ णं भंते! समणेणं जाव संप-त्तेणं दुहविवागाणं अयमट्ठे प-ण्णत्ते सुहविवागाणं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प-ण्णत्ते? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी-एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं दस अज्झयणा प-ण्णत्ता, तं०-(गा) सुबाहू भद्द-नंदी य सुजाए य सुवासवे। तहेव जिणदासे [य] धण(-णव)ई य महब्बले ॥ १ ॥ भद्द-नंदी महच्चंदे वरदत्ते [तहेव य]। जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं दस अज्झयणा प-ण्णत्ता पढमस्स णं भंते! अज्झय-णस्स सुहविवागाणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प-ण्णत्ते? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी-एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं ह(त्थी)सी-सीसे-नामं नयरे होत्था रिद्ध० त[स्स]स्स णं हत्थिसीसस्स (णय(य)रस्स) बहिया उत्तरपुर-त्थिमे दिसीभाए एत्थ णं पुप्फकरंडए नामं उज्जाणे होत्था सव्वो-उय तत्थ णं हत्थिसीसे नयरे अदीणसत्तू-नामं राया होत्था महया० तस्स णं अदीणसत्तुस्स र-न्नो धा-रिणीपामो- देवीसहस्सं ओरोहे यावि होत्था तए णं सा धा-रिणी देवी अ-न्नया कयाइ तंसि तारिसगंसि वास(भवणं)सि सीहं सुमिणे पासइ जहा मेहस्स जम्मणं तहा भाणियव्वं जाव सुबाहुकुमारे अलं-भोगसम-त्थं जाणंति पंच-पासायवडिंसगसयाइं कार(व्वा)वेंति अब्भुग्गय० भवणं एवं जहा महाबलस्स र-न्नो नवरं पुप्फचूलापामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकन्नसयाणं एगदि-वसेणं पाणिं गिण्हावेंति तहेव पंचसइओ [दाओ] जाव उप्पिं पासायवरगए फुट्ट[माणेहिं] जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समो-सढे परिसा निग्गया अदीणसत्तू जहा कू[णि]ए(ओ) निग्गओ सुबाहू-वि जहा जमाली तहा रहेणं निग्गए जाव धम्मो कहिओ रा(या)परिसा (पडि)गया, तए

तेण समएण जेट्ठे जाव अडमाणे जाव विजयमित्तस्स र-न्नो गिहस्स असोगवणियाए अदूरसामतेणं वी(वि)इवयमाणे पासइ एग इत्थियं सुक्क भुक्ख निम्मंसं किडिकिडिया-भूय अट्ठिचम्मावणद्ध नीलसाडग-नियत्थ कट्ठाइं कलुणाइ वी-सराइ कूवमाण पासइ० चिंता तहेव जाव एवं वयासी–सा णं भंते ! इत्थिया पुव्वभवे [के] का आ-सी ?, वागरण–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेग तेण समएण इहेव जबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इंदपुरे नाम नयरे होत्था, तत्थ ण इंददत्ते राया पुढवीसिरी ना-म गणिया होत्था वण्णओ, तए णं सा पुढ-वीसिरी गणिया इंदपुरे नयरे बहवे राईसर जाव प्पभि[ई]यओ बहूहिं चुण्णप्पओगेहि य जाव आभि-ओगेत्ता उरालाई माणुस्सगाइ भोगभोगाइं भुंजमा-णी विहरइ, तए ण सा पुढवीसिरी गणिया एयकम्मा ४ सुबहु० समज्जिणित्ता पणतीस वाससयाइ परमाउय पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेण० नेरइयत्ताए उववन्ना, सा ण तओ अणतरं उव्वट्टित्ता इहेव वद्धमाणपुरे नयरे धणदेवस्स सत्थवाहस्स पियगुभारियाए कुच्छिसि दारिय-त्ताए उववन्ना, तए ण सा पियगुभारिया नवण्ह मासाण दारिय पयाया, नाम अ(ज़ू)जुसिरी, सेस जहा देवदत्ताए । तए ण से विजए राया आसवाह० जहा वेसमणदत्ते तहा अजु पासइ नवर अप्पणो अट्ठाए वरेइ जहा तेयली जाव अजूए भारियाए सद्धिं उप्पिं जाव विहरइ, तए णं तीसे अजूए देवीए अ-न्नया कया-इ जो-णिसूले पाउब्भूए यावि होत्था, तए ण [से] विजए राया कोडुबियपुरिसे सद्दा-वेइ २ त्ता एव वयासी–गच्छह ण देवाणुप्पिया ! वद्धमा(णे)णपुरे नयरे सिंघा-डग जाव एव व-यह–एव खलु देवाणुप्पिया ! विजय० अजूए देवीए जोणिसूले पाउब्भूए जो णं इ० वे-ज्जो वा ६ जाव उग्घोसेंति, तए णं ते बहवे वे-ज्जा० ६ इम एयारूव सोच्चा निसम्म जेणेव विज(य)ए राया तेणेव उवागच्छति० उप्पत्तियाहिं० परिणामेमाणा इच्छति अजूए देवीए जोणिसूल उवसामित्तए नो सचाएति उवसामित्तए, तए ण ते बहवे वे-ज्जा य ६ जाहे नो सचाएति अजू० जोणिसूल उवसामित्तए ताहे सता तता परितता जामेव दिसिं पाउ-ब्भूया तामेव दिसिं पडिगया, तए ण सा अजू-देवी ताए वेयणाए अभिभूया समा-णी सुक्का भुक्खा निम्मसा कट्ठाइं कलुणाइ वी-सराइ विलवइ, एव खलु गोयमा ! अजू-देवी पुरापोराणाग जाव विहरइ । अजू ण भते ! देवी इओ कालमासे काल किच्चा कहिं गच्छिहिइ० कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! अंजू ण देवी नउइ वासाइं परमाउय पा लइत्ता कालमासे काल किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, 'एवं ससारो जहा पढमे तहा नेयव्व जाव वणस्सइ०, सा ण तओ

से परो पाए आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई संबाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई फुसेज्ज वा रएज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई अन्नयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाई अन्नयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो पायाओ खाणुं वा कंटयं वा नीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो पायाओ पूयं वा सोणियं वा नीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ १७० ॥ सिया से परो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायं संबाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायं लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायं अन्नयरेणं विलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा नो तं सायए, नो तं नियमे । सिया से परो कायं अन्नयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ १७१ ॥ सिया से परो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायंसि वणं संबाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगिज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे । सिया से परो कायंसि वणं लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे सिया से परो कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा नो तं सायए नो तं नियमे ॥ १७२ ॥ से सिया परो कायंसि वणं अन्नयरेणं विलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा नो तं २। सिया से परो कायंसि वणं अन्नयरेणं धूवणजाएणं धूवेज्ज वा प० नो तं २। सिया से परो कायंसि

णं से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ जाव एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथं पावयं० जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे राईसर जाव अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पं(च अ)-चाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं गिहिधम्मं पडि०, अहासुहं मा पडिबंधं करेह, तए णं से सुबाहू समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं गिहिधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता तमेव० दु-रुहइ [?] जामेव०, तेणं कालेणं तेणं स० जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई जाव एवं वयासी—अहो णं भंते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे कंते कंतरूवे पिए पियरूवे मणु-न्ने २ मणामे २ सोमे सुभगे पियदंसणे सुरूवे, बहुजणस्स वि य णं भंते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे ५ सोमे ४ साहुजणस्स-वि य णं भंते ! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे ५ जाव सुरूवे सुबाहुणा भंते ! कुमारेण इमा एयारूवा उराला माणुस्सरिद्धी कि-ण्णा लद्धा कि-ण्णा पत्ता कि-ण्णा अभिसम-ण्णागया [?] (को) के वा एस आ-सी पुव्वभवे० एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणाउरे नामं नयरे होत्था रिद्ध०, तत्थ णं हत्थिणाउरे नयरे सुमुहे नामं गाहावई परिवसइ अड्ढे०, तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा-नामं थेरा जाइसंप-न्ना जाव पंचहिं समणसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वा-णुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा जेणेव हत्थिणाउरे नयरे जेणेव सहस्स-ववणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता (ण) संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरन्ति, तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघो-साणं थेराणं अंतेवासी सुदत्ते नामं अणगारे उराले जाव लेस्से मासमासेणं खम-माणे विहरइ, तए णं से सुदत्ते अणगारे मासक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी तहेव धम्मघोसे थेरे आपुच्छइ जाव अडमाणे सुमुहस्स गाहावइस्स गे(-हं)हे अणुप्पविट्ठे, तए णं से सुमु(ह)हे गाहावई सुदत्तं अणगारं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पाय[वी]पीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता सुदत्तं अणगारं सत्तट्ठ-पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहि(ण)णं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयहत्थेणं विउलेणं असणपा० पडिला(भे)भिस्सामीति तुट्ठे ,तए णं तस्स सुमुहस्स गाहावइस्स तेणं दव्वसुद्धेण 'तिविहेणं तिकरणसुद्धेणं सुदत्ते अणगारे पडिलाभिए समाणे संसारे परित्तीकए मणुस्साउए निबद्धे गेहंसि य से इमाइं पंच-दिव्वाइं पाउब्भूयाइं तं०—वसुहारा वुट्ठा दसद्धवण्णे कुसुमे निवाइए चेलुक्खेवे कए आहयाओ

भावेमाणे विहरइ परिसा राया निग्गया । तए णं तस्स सुबाहु(ग)स्स कुमार० तं महया जहा पढम तहा निग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया पडिगया, तए णं से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० जहा मेहे तहा अम्मापियरो आपुच्छइ निक्खमणाभिसेओ तहेव जाव अणगारे जाए इ(ई)रियासमिए जाव बंभयारी, तए णं से सुबा(हु)हू अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठम० तवो[व]विहाणेहिं अप्पाणं भावित्ता बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छे(दि)इत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववन्ने, से णं ता(त)ओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं ल(भि)हिहिइ २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ २ त्ता तहारूवाणं थेराणं अंतिए मुंडे जाव पव्वइस्सइ, से णं तत्थ बहूइं वासाइं सामण्णं पाउणिहिइ आलोइयपडिक्कंते समाहि० काल० सणंकुमारे कप्पे देवत्ताए उवव०, से णं ताओ देवलो(या)गाओ माणुस्सं पव्वज्जा बंभलोए माणुस्सं तओ महासुक्के तओ माणुस्सं आणए० देवे तओ माणुस्सं तओ आर(णए)णे० देवे तओ माणुस्सं सव्वट्ठसिद्धे, से णं तओ अणंत[रे]रं उव्वट्टित्ता महाविदेहे वासे जा[इं]व अड्ढाइं जहा दढपइ(ण्णे)० सिज्झिहिइ [५], एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प० ॥ ३१ ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

बीय(वितिय)स्स (ण) उक्खेवो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं उसभपुरे नयरे थूभकरं(डग)डे उज्जाणे धणावहो राया सरस्स(इ)ई देवी सुमिणदसण कह(णा)ण ज(म्म)मणं बालत्तणं कलाओ य जो(जु)व्व(णे)णं पाणिग्गहणं दाओ पासा० भोगा य जहा सुबाहुस्स नवरं भद्दनंदी कुमारे सि-रिदेवीपा(मु)मोक्खाणं पंचसय० सामीसमोसरणं सावगधम्मं पुव्वभवपुच्छा महाविदेहे वासे पुंडरीकिणी नयरी विजयए कुमारे जुगबाहू तित्थ(क)यरे पडिलाभिए म(मा)णुस्साउए निबद्धे इह उप्पन्ने सेसं जहा सुबाहुस्स जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ० ॥ बिइयं अज्झयणं समत्तं ॥

तच्चस्स उक्खेवो० वीरपुरं नयरं मणोरमं उज्जाणं वीरकण्हमित्ते राया सिरी देवी सुजाए कुमारे बलसिरीपामो० पंचसयक० सामीसमोसरणं पुव्वभवपुच्छा उसुयारे

नयरे उसभदत्ते गाहावई पुप्फदत्ते अणगारे पडिलाभिए मणुस्साउए निबद्धे इह उप्प-न्ने जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥

चउत्थस्स उक्खेवो विजयपुरं नयरं (मणोरमं) नंदणवणं उज्जाणं वासवदत्ते राया कण्हा देवी सुवासवे कुमारे भद्दापामोक्खाणं पंचसय जाव पुव्वभवे कोसंबी नयरी धणपाले राया वेसमणभद्दे अणगारे पडिलाभिए इ(ह)ह जाव सि ॥ चोत्थं अज्झयणं समत्तं ॥

पंचमस्स उक्खेवो सोगंधिया नयरी नीलासोए उज्जाणे अप्पडिहओ राया सुकण्हा देवी महचंदे कुमारे तस्स अरहदत्ता भारिया जिणदासो पुत्तो तित्थ(य)र-रागमणं जिणदासपुव्वभवे म(ज्झि)मिया नयरी मेहरहो राया सु(ध)म्मे अणगारे पडिलाभिए जाव सि ॥ पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥

छट्ठस्स उक्खेवो कणगपुरं नयरं सेयासोयं उज्जाणं पियचंदो राया सुभद्दा देवी वेसमणे कुमारे जुवराया सिरिदेवीपामोक्खा पंचसय क पाणिग्गहणं तित्थयरागमणं धणवई जुवरा(या)पुत्ते जाव पुव्वभवे मणिवया नयरी मित्ते राया संभूइ-विजए अणगारे पडिलाभिए जाव सि ॥ छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥

सत्तमस्स उक्खेवो महापुरं नयरं रत्तासोगं उज्जाणं बले राया सुभद्दा देवी म(हा)बले कुमारे रत्तवईपामोक्खा पंचसय क पाणिग्गहणं तित्थयरागमणं जाव पुव्वभवे मणिपुरं नयरं नागदत्ते गाहावई इंदपुरे अणगारे पडिलाभिए जाव सि ॥ सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥

अट्ठमस्स उक्खेवो सुघोसं नयरं देवरमणं उज्जाणं अज्जु(ण)णो राया तत्तवई देवी भद्दनंदी कुमारे सिरिदेवीपामोक्खा पंचसय जाव पुव्वभवे महाघोसे नयरे धम्मघोसे गाहावई धम्मसीहे अणगारे पडिलाभिए जाव सि ॥ अट्ठमं अज्झय-यणं समत्तं ॥

नवमस्स उक्खेवो चंपा नयरी पुण्णभद्दे उज्जाणे दत्ते राया र(त्त)वई देवी महचंदे कुमारे जुवराया सिरिकंतापामोक्खा पंचसय क जाव पुव्वभवे तिगिच्छी नयरी जियस(त्)तू राया धम्मवीरिए अणगारे पडिलाभिए जाव सि ॥ नवमं अज्झयणं समत्तं ॥

(जइ णं) दसमस्स उक्खेवो-एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं साएए णामं नयरे होत्था उत्तरकुरुउज्जाणे मित्तनंदी राया सिरिकंता देवी वर-दत्ते कुमारे वरसेणापामो पंच देवीसया तित्थयरागमणं सावगधम्मं⋯पुव्व-

भ(वो)वपुच्छा सयदुवारे नयरे विमलवाहणे राया धम्मरु(चि)ई नाम अणगारं एज्जमाण पासइ० पडिलाभिए समा० मणुस्साउए निबद्धे इह उप्प-न्ने सेस जहा सुबाहु-स्स कुमारस्स चिंता जाव पव्वज्जा कप्पंतरिओ जाव सव्वट्ठसिद्धे तओ महाविदेहे जहा दढपइन्नो जाव सिज्झहिइ ५। एव खलु जंबू! समणेण (भगवया महावीरेणं) जाव संपत्तेण सुहविवागाण दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प-न्नत्ते, सेवं भंते !० ॥ ३२ ॥ **दसमं अज्झयणं समत्तं ॥ सुहवि० ॥ बीओ सुय-क्खंधो समत्तो ॥ विवागसुयं समत्तं ॥**

विवागसुयस्स दो सुयक्खधा दुहविवागो य सुहविवागो य, तत्थ दुहविवागे दस अज्झयणा ए(क)क्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति, एवं सुहविवा-(गो)गे-वि, सेस जहा आयारस्स ॥

॥ एक्कारसमं अंगं समत्तं ॥

तस्समत्तीए

एक्कारस अंगाइं समत्ताइं

॥ सव्वसिलोगसखा ३५००० ॥

वण अन्नयरेणं सत्थजाएण अच्छिंदिज्ज वा विच्छिंदिज्ज वा प० नो त० २। सिया से परो कायसि वणं अन्न० सत्थजाएण अच्छिंदित्ता वा विच्छिंदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा नीहरिज्ज वा वि० नो त० २। सिया से परो कायसि गड वा, अरइं वा, पुलइय वा, भगदल वा, आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो त सायए णो तं नियमे। सिया से परो कायंसि गडं वा, अरइय वा, पुलइय वा, भगदलं वा, सवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो त सायए णो त नियमे, सिया से परो कायसि गडं वा जाव भगंदल वा, तेल्लेण वा घएण वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगेज्ज वा णो त सायए णो त नियमे। सिया से कायंसि गड वा जाव भगदल वा, लोद्धेण वा, कक्केण वा चुन्नेण वा, वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, णो त सायए णो तं नियमे। सिया से परो कायसि गंड वा भगंदल वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पधोवेज्ज वा, णो त सायए, णो त नियमे, सिया से परो कायसि गड वा जाव भगदल वा अण्णयरेण सत्थजाएण अच्छिंदेज्ज विच्छिंदेज्ज वा, सिया से परो अण्णयरेण सत्थजाएण अच्छिंदित्ता वा २ पूय वा सोणिय वा णीहरेज्ज वा णो तं सायए णो तं नियमे ॥९७३॥ सिया से परो कायाओ सेय वा जल्ल वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो त सायए णो त नियमे ॥९७४॥ सिया से परो अच्छिमल, कण्णमलं वा, दतमल वा णहमल वा, णीहरिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो त सायए णो त नियमे ॥९७५॥ सिया से परो दीहाइं वालाइ, दीहाइं रोमाइ, दीहाइं भमुहाइ, दीहाइं कक्खरोमाइं, दीहाइ वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो त सायए णो तं नियमे ॥९७६॥ सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूय वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो त नियमे ॥ ९७७ ॥ सिया से परो अंकसि पलियंकसि वा तुयट्टावित्ता पादाइ आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा एव हिट्ठिमो गमो पायादि भाणियव्वो, सिया से परो अकसि वा पलियंकसि वा तुयट्टावित्ता, हारं वा अद्धहारं वा उरत्थ वा, गेवेयं वा, मउडं वा, पालंब वा सुवण्णसुत्त वा, आविहिज्ज वा, पिणहिज्ज वा णो तं सायए णो त नियमे ॥ ९७८ ॥ सिया से परो आरामसि वा, उज्जाणंसि वा, णीहरित्ता वा पविसित्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, णो त सायए णो त नियमे ॥ ९७९ ॥ एव णेयव्वा अण्णमण्णकिरियावि ॥ ९८० ॥ सिया से परो सुद्धेण वइबलेण तेइच्छ आउट्टे सिया से परो असुद्धेण वतिबलेण तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कड्ढित्तु वा कड्ढावित्तु वा तेइच्छ आउट्टाविज्जा णो त सायए णो त नियमे ॥ ९८१ ॥ कडुवेयणा पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेदेंति ॥ ९८२ ॥

तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे तंपि य दाहिणमाहणकुंडपुरसंनिवेसंसि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरायणसगोत्ताए कुच्छिंसि गब्भं साहरइ ॥ ९८९ ॥ समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साहरिज्जमाणे न जाणइ साहरिएमित्ति जाणइ समणाउसो ! ॥ ९९० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं तिसलाए खत्तियाणीए अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीतिक्कंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चित्तसुद्धे तस्स णं चित्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं, हत्थुत्तराहिं जोगमुवागएणं समणं भगवं महावीरं आरोग्गारोग्गं पसूया ॥९९१॥ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं राइं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि य देवीहि य उवयंतेहि य उप्पयंतेहि य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देवसण्णिवाते देवकहक्कहे उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥ ९९२ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं बहवे देवा य देवीओ य एगं महं अमयवासं च, गंधवासं च, चुण्णवासं च, पुप्फवासं च, हिरण्णवासं च, रयणवासं च वासिंसु ॥ ९९३ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं रयणिं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सूइकम्माइं तित्थयराभिसेयं च करिंसु ॥ ९९४ ॥ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भं आगए तत्तो णं पभिइ तं कुलं विपुलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ, तत्तो णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सुचिभूयंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणातिसयणसंबंधिवग्गं उवणिमंतेंति उवणिमंतेत्ता बहवे समणमाहणकिवणवणिमगाहिं भिच्छुंडगपंडरगातीण विच्छड्डेंति विग्गोवेंति विस्साणेंति दातारेसु णं दाणं पज्जभाएंति, विच्छड्डित्ता विग्गोवित्ता विस्साणित्ता दायारेसु णं दाणं पज्जभाइत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं भुंजावेंति भुंजावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति, जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे आगए, तओणं पभिइ इमं कुलं, विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ तं होउ णं कुमारे "वद्धमाणे" ॥ ९९५ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधातिपरिवुडे तंजहा–खीरधाईए-मज्जणधाईए-मंडावणधाइए-खेल्लावणधाइए-अंकधाईए अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणिकोट्टिमतले गिरिकंदरस-

अब्भंगेत्ता गंधकसाइएहिं उल्लोलेंति उल्लोलित्ता सुद्धोदएणं मज्जावेंति मज्जावित्ता जस्स णं मुल्लं सयसहस्सेणं तिपडोलतित्तिएणं साहिएणं सीएणं गोसीसरत्तचंदणेणं अणुलिंपंति अणुलिंपित्ता ईसिंनिस्सासवायवोज्झं वरणगरपट्टणुग्गयं कुसलणरपसंसियं अस्सलालापेलवं छेयायरियकणगखचियंतकम्मं हंसलक्खणं पट्टजुयलं णियंसावेंति णियंसावेत्ता हारं अद्धहारं उरत्थं नेवत्थं एगावलिं पालंबसुत्तं पट्टमउडरयणमालाओ आविंधावेंति आविंधावेत्ता गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं मल्लेणं कप्परुक्खमिव समलंकरेंति २ दोच्चंपि महया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता एगं महं चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं विउव्वइ, तंजहा–ईहामियउसभतुरगणरमगरविहगवालगकिंनररुरुसरभचमरसद्दूलसीहवणलयपउमलयभत्तिचित्तविज्जाहरमिहुणजुयलजंतजोगजुत्तं अच्चीसहस्समालिणीयं सुनिरूवियं मिसिमिसिंतरूवगसहस्सकलियं ईसिंभिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं मुत्ताहलमुत्ताजालंतरोवियं तवणीयपवरलंबूसपलंबंतमुत्तदामं हारद्धहारभूसणसमोणयं अहियपिच्छणिज्जं पउमलयभत्तिचित्तं, असोगकुंदणाणालयभत्तिचित्तं विरइयं सुभं चारुकंतरूवं णाणामणिपंचवण्णघंटापडागपरिमंडियग्गसिहरं पासादीयं दरिसणीयं सुरूवं ॥ १ ११ ॥ सीया उवणीया जिणवरस्स जरमरणविप्पमुक्कस्स, ओसत्तमल्लदामा जलथलयदिव्वकुसुमेहिं ॥ १ ॥ सिबियाए मज्झयारे दिव्वं वररयणरूवचेंचइयं; सीहासणं महरिहं सपायपीढं जिणवरस्स ॥ २ ॥ आलइयमालमउडो भासुरबोंदी वराभरणधारी; खोमियवत्थणियत्थो जस्स य मोल्लं सयसहस्सं ॥ ३ ॥ छट्ठेण उ भत्तेणं अज्झवसाणेण सोहणेण जिणो लेसाहिं विसुज्झंतो आरुहइ उत्तमं सीयं ॥ ४ ॥ सीहासणे णिविट्ठो सक्कीसाणा य दोहिं पासेहिं, वीयंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंडाहिं ॥ ५ ॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्टरोमकूवेहिं, पच्छा वहंति देवा सुरअसुरगरुलणागिंदा ॥ ६ ॥ पुरओ सुरा वहंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि। अवरे वहंति गरुला, णागा पुण उत्तरे पासे ॥ ७ ॥ वणसंडं व कुसुमियं पउमसरो वा जहा सरयकाले सोहइ कुसुमभरेणं इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ८ ॥ सिद्धत्थवणं व जहा कणियारवणं व चंपयवणं वा सोहइ कुसुमभरेणं इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ९ ॥ वरपडहभेरिझल्लरिसंखसयसहस्सिएहिं तूरेहिं। गगणतले धरणितले तूरणिणाओ परमरम्मो ॥ १० ॥ ततविततं घणझुसिरं आउज्जं चउव्विहं बहुविहीयं; वायंति तत्थ देवा बहूहिं आणट्टगसएहिं ॥ ११ ॥ १ १२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे मग्गसिरबहुले तस्स णं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराणक्खत्तेणं जोगोवगएणं

दाण दाइत्ता परिभाइत्ता, संवच्छरं दलइत्ता, जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सण मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेण हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेण जोगमुवागएण अभिणिक्खमणाभिप्पाए यावि होत्था ॥ १००३ ॥ संवच्छरेण होहिंति अभिणिक्खमण तु जिणवरिंदाण, तो अत्थि संपदाण, पव्वत्तइ पुव्वसूराओ ॥ १००४ ॥ एगा हिरण्णकोडी, अट्ठेव अणूणया सयसहस्सा, सूरोदयमाईयं दिज्जइ जा पायरासोत्ति ॥ १००५ ॥ तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च होंति कोडीओ, असिइं च सयसहस्सा, एवं संवच्छरे दिण्ण ॥ १००६ ॥ वेसमणकुंडलधरा, देवा लोगंतिया महिड्ढिया। बोहिंति य तित्थयरं, पण्णरससु कम्मभूमिसु ॥ १००७ ॥ बंभमि य कप्पमि य बोद्धव्वा कण्हराइणो मज्झे, लोगंतिया विमाणा, अट्ठसुवत्था असंखेज्जा ॥ १००८ ॥ एते देवणिकाया, भगवं बोहिंति जिणवर वीरं, सव्वजगज्जीवहियं, अरहं तित्थं पव्वत्तेहि ॥ १००९ ॥ तओ ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अभिणिक्खमणाभिप्पाय जाणेत्ता भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य सएहिं सएहिं रूवेहिं, सएहिं सएहिं णेवत्थेहिं, सएहिं सएहिं चिंधेहिं, सव्विड्ढीए, सव्वजुईए, सव्वबलसमुदएण, सयाइ सयाइ जाणविमाणाइं दुरुहंति सयाइ २ जाणविमाणाइ दुरुहित्ता, अहा बादराइ पोग्गलाइ परिसाडेंति परिसाडित्ता, अहासुहुमाइ पोग्गलाइ परियाइंति परियाइत्ता, उड्ढं उप्पयंति उप्पइत्ता, ताए उक्किट्ठाए सिग्घाए चवलाए तुरियाए दिव्वाए देवगईए अहेण ओवयमाणा २ तिरिएण असंखेज्जाइ दीवसमुद्दाइ वीतिक्कममाणा २ जेणेव जंबुद्दीवे दीवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसे तेणेव उवागच्छित्ता, तस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तेणेव झत्तिवेगेण ओवट्ठिया ॥ १०१० ॥ तओ ण सक्के देविंदे देवराया सणियं सणियं जाणविमाणं ठवेति ठवेत्ता, सणियं २ जाणविमाणाओ पच्चोत्तरति, पच्चोत्तरित्ता एगंतमवक्कमेति एगंतमवक्कमेत्ता, महया वेउव्विएण समुग्घाएण समोहणति, महया वेउव्विएणं समुग्घाएण समोहणित्ता, एगं महं णाणामणिकणगरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं देवच्छंदयं विउव्वति, तस्सणं देवच्छंदयस्स बहुमज्झदेसभाए एगं महं सपायपीढं सीहासणं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, समणं भगवं महावीरं वंदति णमंसति, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं गहाय जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता, सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयावेइ णिसीयावेत्ता सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेति

वा माणुस्सा वा तेरिच्छिया वा ते सव्वे उवसग्गे समुप्पन्ने समाणे अणाउले अव्व-
हिए अदीणमाणसे तिविहमणवयणकायगुत्ते सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ
॥ १ १९ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स एएणं विहारेणं विहरमाणस्स
बारसवासा वीइक्कंता तेरसमस्स वासस्स परियाए वट्टमाणस्स जे से गिम्हाणं दोच्चे
मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे, तस्स णं वइसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं
दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए
वियत्ताए पोरिसीए जंभियगामस्स नगरस्स बहिया नईए उज्जुवालियाए उत्तरे
कूले सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरणंसि वेयावत्तस्स चेइयस्स उत्तरपुरत्थिमे
दिसीभाए सालरुक्खस्स अदूरसामंते उक्कुडुयस्स गोदोहियाए आयावणाए आयावे-
माणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उड्ढंजाणुअहोसिरस्स धम्मज्झाणकोट्ठोवगयस्स
सुक्कज्झाणंतरियाए वट्टमाणस्स निव्वाणे कसिणे पडिपुण्णे अव्वाहए निरावरणे
अणंते अणुत्तरे केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ १ २० ॥ से भगवं अरहा
जिणे जाए, केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पज्जाए
जाणइ, तंजहा-आगतिं गतिं ठितिं चवणं उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसेवियं
आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्व-
भावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ॥ १ २१ ॥ जण्णं दिवसं समणस्स
भगवओ महावीरस्स णिव्वाणे कसिणे जाव समुप्पन्ने तण्णं दिवसं भवणवइवाण-
मंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि य देवीहि य उप्पयंतेहिं य जाव उप्पिंजलग-
भूए यावि होत्था ॥ १ २२ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पन्नवरनाणदंसणधरे
अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खइ तओ पच्छा
मणुस्साणं ॥ १ २३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पन्ननाणदंसणधरे गोय-
माईणं समणाणं निग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवनिकायाइं आइक्खइ,
भासइ, परूवेइ, तंजहा-पुढविकाए जाव तसकाए ॥ १ २४ ॥ पढमं भंते ! महव्वयं
पच्चक्खामि सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा बायरं वा तसं वा थावरं वा णेव
सयं पाणाइवायं करेज्जा ३ जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा
तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १ २५ ॥
तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १ २६ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा,
इरियासमिए से निग्गंथे णो अणइरियासमिए त्ति केवली बूया अणइरियासमिए से
निग्गंथे पाणाइं ४ अभिहणेज्ज वा वत्तेज्ज वा परियावेज्ज वा लेसेज्ज वा, उद्दवेज्ज
वा इरियासमिए से निग्गंथे णो अणइरियासमिए त्ति पढमा भावणा ॥ १ २७ ॥

पाईणगामिणीए छायाए विइयाए पोरिसीए छट्ठेण भत्तेणं अपाणएणं, एगसाडगमायाए, चंदप्पहाए सिवियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराएपरिसाए समणिज्जमाणे २ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसस्स मज्झमज्झेणं णिगच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिंरयणिप्पमाणं अच्छोप्पेणं भूमिभागेणं सणिय २ चंदप्पभं सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ ठवेत्ता सणिय २ चंदप्पभाओ सिवियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ, पच्चोयरित्ता सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयेइ, आभरणालंकारं ओमुयइ, तओणं वेसमणे देवे जन्नुव्वायपडिओ समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेण पडेणं आभरणालंकारं पडिच्छइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेण दाहिणं वामेण वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, तओ णं सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जन्नुव्वायपडिए वयरामयेण थालेणं केसाइं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता "अणुजाणेसि भंते" त्ति कट्टु खीरोयसायरं साहरइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेण दाहिणं वामेण वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ करेत्ता, "**सव्वं मे अकरणिज्जं पावकम्मं**"ति कट्टु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जित्ता देवपरिसं मणुयपरिसं च आलिक्खचित्तभूयमिव ठवेइ ॥ १०१३ ॥ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणिणाओ य सक्कवयणेण, खिप्पामेव णिलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥ १ ॥ पडिवज्जित्तु चरित्तं अहोणिसिं सव्वपाणभूतहितं, साहट्टु लोमपुलया, सव्वे देवा निसामिंति २ ॥ १०१४ ॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सामाइयं खाओवसमियं चरित्तं पडिवन्नस्स मणपज्जवणाणे णामं णाणे समुप्पन्ने, अड्ढाइज्जेहिं दीवेहिं दोहिं य समुद्देहिं सण्णीणं पंचेंदियाणं पज्जत्ताणं वियत्तमणसाणं मणोगयाइं भावाइं जाणेइ ॥ १०१५ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पव्वइते समाणे मित्तणातिसयणसंबंधिवग्गं पडिविसज्जेति, पडिविसज्जित्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, "बारसवासाइं वोसट्ठकाए चत्तदेहे जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति, तंजहा-दिव्वा वा, माणुस्सा वा, तेरिच्छिया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे सम्मं सहिस्सामि, खमिस्सामि अहियासइस्सामि" ॥ १०१६ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हित्ता वोसट्ठकाए चत्तदेहे दिवसे मुहुत्तसेसे कुम्मारगामं समणुपत्ते ॥ १०१७ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे वोसट्ठचत्तदेहे अणुत्तरेणं आलएणं, अणुत्तरेणं विहारेणं, एवं संजमेणं, पग्गहेणं, संवरेणं तवेणं, बंभचेरवासेणं, खंतीए, मोत्तीए, तुट्ठीए, समितीए, गुत्तीए, ठाणेणं, कम्मेणं, सुचरियफलणिव्वाणमुत्तिमग्गेणं, अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १०१८ ॥ एवं वा विहरमाणस्स जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति दिव्वा

भयं परियाणाइ से निग्गंथे णो भयभीरुए सिया। केवली बूया, भयपत्ते भीरू समावइज्जा मोसं वयणाए, भयं परियाणाइ से निग्गंथे णो भयभीरुए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १३९ ॥ अहावरा पंचमा भावणा हासं परियाणाइ से निग्गंथे णो य हासणए सिया केवली बूया हासपत्ते हासी समावइज्जा मोसं वयणाए, हासं परियाणाइ से निग्गंथे णो य हासणए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १४० ॥ एतावता दोच्चे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए या वि भवइ ॥ दोच्चे भंते महव्वए० ॥ १४१ ॥ अहावरं तच्चं भंते! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं, से गामे वा नगरे वा अरण्णे वा, अप्पं वा बहुं वा अणुं वा थूलं वा चित्तमंतं वा अचित्तमंतं वा णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा णेवण्णेहिं अदिण्णं गिण्हावेज्जा अण्णंपि अदिण्णं गिण्हंतं न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाव वोसिरामि ॥ १४२ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति तत्थिमा पढमा भावणा अणुवीइ मिउग्गहं जाई से निग्गंथे णो अणणुवीइमिउग्गहं जाई से निग्गंथे केवली बूया अणणुवीइमिउग्गहं जाई से निग्गंथे अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहं जाई से निग्गंथे णो अणणुवीइमिउग्गहं जाइ त्ति पढमा भावणा ॥ १४३ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा अणुण्णवियपाणभोयणभोई से निग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली बूया अणणुण्णवियपाणभोयणभोई से निग्गंथे अदिण्णं भुंजेज्जा तम्हा अणुण्णवियपाणभोयणभोई से निग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोइ त्ति दोच्चा भावणा ॥ १४४ ॥ अहावरा तच्चा भावणा निग्गंथे णं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिया केवली बूया निग्गंथेणं उग्गहंसि अणुग्गहियंसि एतावताव अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा निग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १४५ ॥ अहावरा चउत्था भावणा निग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया निग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा निग्गंथे उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १४६ ॥ अहावरा पंचमा भावणा अणुवीइमिउग्गहजाई से निग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई, केवली बूया अणणुवीइमिउग्गहजाई से निग्गंथे साहम्मिएसु अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहजाई से निग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १४७ ॥ एतावताव तच्चे महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, तच्चं भंते मह-

अहावरा दोच्चा भावणा, मण परिजाणाइ से णिग्गथे, जे य मणे पावए सावज्जे सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अधिकरणिए पाउसिए, परिताविए पाणाइवाइए, भूओवघाइए तहप्पगारं मण णो पधारेज्जा, मण परिजाणाति से णिग्गंथे जे य मणे अपावए त्ति **दोच्चा भावणा** ॥ १०२८ ॥ अहावरा तच्चा भावणा ॥ वइं परिजाणाइ से णिग्गथे जा य वइं पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया तहप्पगार वइ णो उच्चारिज्जा, जे वइ परिजाणाइ से णिग्गथे जाय वइं अपाविय त्ति **तच्चा भावणा** ॥ १०२९ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,** आयाणभडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गथे, णो अणायाणभडमत्तणिक्खेणासमिए णिग्गथे केवली बूया, आयाणभडमत्तणिक्खेवणाअसमिए णिग्गथे पाणाइभूयाइंजीवाइ सत्ताइ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आयाणभडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गथे णो आयाणभडमत्तणिक्खेवणाअसमिए त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३० ॥ **अहावरा पंचमा भावणा,** आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गथे पाणाई वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोइ त्ति पंचमा भावणा ॥ १०३१ ॥ एतावता पढमे महव्वए सम्म काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ ॥ १०३२ ॥ पढमे भते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १०३३ ॥ **अहावर दोच्चं महव्वयं** पच्चक्खामि सव्व मुसावाय वइदोसं से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवन्नेणं मुस भासावेज्जा, अण्ण पि मुस भासत ण समणुजाणेज्जा, तिविह तिविहेण मणसा वायसा कायसा तस्स भते पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ॥ १०३४ ॥ तस्सिमाओ पच्च भावणाओ भवति ॥ १०३५ ॥ **तत्थिमा पढमा भावणा,** अणुवीइभासी से णिग्गथे, णो अणणुवीइभासी, केवली बूया, अणणुवीइभासी से णिग्गथे समावज्जिज्ज मोस वयणाए, अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासि त्ति पढमा भावणा ॥ १०३६ ॥ **अहावरा दोच्चा भावणा,** कोह परिजाणाइ से णिग्गथे, णो कोहणे सिया, केवली बूया, कोहपत्ते कोहत्त समावदेज्जा मोस वयणाए, कोह परिजाणाइ से णिग्गथे, णय कोहणे सियत्ति दोच्चा भावणा ॥ १०३७ ॥ **अहावरा तच्चा भावणा,** लोभं परिजाणाइ से णिग्गथे, णो य लोभणए सिया, केवली बूया, लोभपत्ते लोभी समावदेज्जा मोसं वयणाए, लोभ परिजाणाइ से णिग्गथे, णो य लोभणए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०३८ ॥ **अहावरा चउत्था भावणा,**

जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भंसिज्जा ॥ १५८ ॥ न सक्का न सोउं सद्दा सोयविसयमागया। रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १५९ ॥ सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ ॥ १६० ॥ अहावरा दोच्चा भावणा चक्खुओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा केवली बूया मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसिज्जा ॥ १६१ ॥ न सक्का रूवमद्दट्ठुं चक्खुविसयमागयं। रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १६२ ॥ चक्खुओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ ॥ १६३ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा केवली बूया मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसिज्जा ॥ १६४ ॥ णो सक्का गंधमग्घाउं णासाविसयमागयं रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १६५ ॥ घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ ॥ १६६ ॥ अहावरा चउत्था भावणा जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्साएइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो रज्जेज्जा जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा केवली बूया निग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया जाव भंसिज्जा ॥ १६७ ॥ णो सक्का रसमस्साउं जीहाविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १६८ ॥ जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्साएइ ॥ १६९ ॥ अहावरा पंचमा भावणा फासओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेएइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा णो गिज्झेज्जा णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा णो विणिग्घायमावज्जेज्जा केवली बूया, निग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भंसिज्जा ॥ १७० ॥ णो सक्का फासमवेएउं फासविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १७१ ॥ फासओ मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेएइ ॥ १७२ ॥ एयावया पंचमे महव्वए सम्मं काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ, पंचमं भंते ! महव्वयं ॥ १७३ ॥ इच्चेएहिं पंचमहव्वएहिं पणवीसाहि य भावणाहिं संपन्ने अणगारे अहासुयं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएण फासित्ता,

व्वय ॥ १०४८ ॥ अहावर **चउत्थं महव्वयं** पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं, से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा तं चेव अदिण्णादाणवत्तव्वया भाणियव्वा, जाव वोसिरामि ॥ १०४९ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०५० ॥ तत्थिमा **पढमा भावणा,** णो णिग्गंथे अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहेमाणे संतिभेदा संतिविभंगा संतिकेवलीपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथेण अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहित्तए सिय त्ति पढमा भावणा ॥१०५१॥ अहावरा **दोच्चा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०५२ ॥ अहावरा **तच्चा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०५३ ॥ अहावरा **चउत्था भावणा,** णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो पणीयरसभोयणभोई, केवली बूया, अइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोई य संतिभेदा जाव भंसेज्जा, णोऽतिमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोइ त्ति **चउत्था भावणा,** ॥ १०५४ ॥ अहावरा **पंचमा भावणा,** णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेण इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवेमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सियत्ति पंचमा भावणा ॥१०५५॥ एतावताव चउत्थे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आराहिए या वि भवइ, चउत्थं भंते ! महव्वयं० ॥१०५६॥ अहावर पंचमं भंते ! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि, से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं परिग्गहं गिण्हेज्जा, णेवण्णेहिं परिग्गहं गिण्हाविज्जा, अण्णंपि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा, जाव वोसिरामि ॥ १०५७ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, सोयओणं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथेणं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे

पालित्ता, तीरित्ता, किट्टित्ता, आणाए आराहिए यावि भवइ ॥१०७४॥ **भावणा-ज्झयणं पणरहमं समत्तं इय तइआ चूला समत्ता ॥**

अणिच्चमावासमुवेंति जंतुणो, पलोयए सुच्चमिद अणुत्तरं, विऊसिरे विन्नु अगार-बंधण, अभीरु आरंभपरिग्गह चए ॥ १०७५ ॥ तहागअ भिक्खुमणतसंजयं, अणेलिस विन्नु चरंतमेसणं, तुदति वायाहिं अभिद्दवं णरा, सरेहिं संगामगय व कुंजरं ॥ १०७६ ॥ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्दफासा फरुसा उईरिया, तितिक्खए णाणि अदुट्ठचेयसा, गिरिव्व वाएण ण सपवेयए ॥१०७७॥ उवेहमाणे कुसलेहिं सवसे, अकतदुक्खी तसथावरा दुही, अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहा हि से सुस्समणे समाहिए ॥ १०७८ ॥ विऊ णए धम्मपय अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स मुणिस्स ज्झायओ, समाहियस्सऽग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ ॥ १०७९ ॥ दिसोदिसिंऽणतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपदा पवेदिता, महागुरू णिस्सयरा उदीरिया, तमेव तेऊत्तिदिसं पगासया ॥ १०८० ॥ सिएहिं भिक्खू असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूअण, अणिस्सिओ लोगमिण तहा परं, णमिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥ १०८१ ॥ तहा विमुक्कस्स परिण्णचारिणो धिईमओ दुक्खखमस्स भिक्खुणो, विसुज्झई जसि मलं पुरेकड, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ १०८२ ॥ से हु प्परिण्णा समयमि वट्टइ, णिरासंसे उवरय मेहुणा चरे, भुजगमे जुण्णतयं जहा जहे, विमुच्चइ से दुहसेज माहणे ॥ १०८३ ॥ जमाहु ओह सलिलं अपारग, महासमुद्दं व भुयाहिं दुत्तर, अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी अतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०८४ ॥ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु विमोक्ख आहिओ, अहा तहा बधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०८५ ॥ इममि लोए परए य दोसुवि, ण विज्जइ बधण जस्स किंचिवि, से हु णिरालवणमप्पइट्ठिए, कलंकली भावपहं विमुच्चइ त्ति बेमि ॥ १०८६ ॥ **सोलहमं विमुत्तिज्झयणं समत्तं ॥ सदाचारणाम बीओ सुयक्खंधो संपुण्णो, चउत्था चूडा समत्ता ॥**

इइ आयारे

णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

सूयगडं

पढमे सुयक्खंधे

समयज्झयणे पढमे

बुज्झिज्ज त्ति तिउट्टिज्जा बन्धण परिजाणिया । किमाह बन्धणं वीरो किं वा जाणं तिउट्टइ ॥ १ ॥ १ ॥ चित्तमन्तमचित्तं वा परिगिज्झ किसामवि । अन्नं वा अणुजाणाइ एव दुक्खा न मुच्चई ॥ २ ॥ २ ॥ सय तिवायए पाणे अदुवऽन्नेहि घायए । हणन्त वाऽणुजाणाइ वेरं वड्ढइ अप्पणो ॥ ३ ॥ ३ ॥ जस्सिं कुले समुप्पन्ने जेहिं वा सवसे नरे । ममाइ लुप्पई वाले अन्ने अन्नेहि मुच्छिए ॥ ४ ॥ ४ ॥ वित्त सोयरिया चेव सव्वमेय न ताणइ । संखाएँ जीविय चेव कम्मुणा उ तिउट्टइ ॥ ५ ॥ ५ ॥ एए गन्थे विउक्कम्म एगे समणमाहणा । अयाणन्ता विउस्सित्ता सत्ता कामेहि माणवा ॥ ६ ॥ ६ ॥ सन्ति पञ्च महब्भूया इहमेगेसिमाहिया । पुढवी आउ तेऊ वा वाउ आगासपञ्चमा ॥ ७ ॥ ७ ॥ एए पञ्च महब्भूया तेब्भो एगो त्ति आहिया । अह तेसिं विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥ ८ ॥ ८ ॥ जहा य पुढवीथूमे एगे नाणाहि दीसइ । एव भो कसिणे लोए विन्नू नाणाहि दीसइ ॥ ९ ॥ ९ ॥ एवमेगे त्ति जम्पन्ति मन्दा आरम्भनिस्सिया । एगे किच्चा सय पाव तिव्व दुक्खं नियच्छइ ॥१०॥१०॥ पत्तेयं कसिणे आया जे वाला जे य पण्डिया । सन्ति पिच्चा न ते सन्ति नत्थि सत्तोववाइया ॥ ११ ॥ ११ ॥ नत्थि पुण्णे व पावे वा नत्थि लोए इओवरे । सरीरस्स विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥ १२ ॥ १२ ॥ कुव्व च कारय चेव सव्वं कुव्व न विज्जई । एव अकारओ अप्पा एव ते उ पगब्भिया ॥ १३ ॥ १३ ॥ जे ते उ वाइणो एव लोए तेसिं कओ सिया । तमाओ ते तम जन्ति मन्दा आरम्भनिस्सिया ॥ १४ ॥ १४ ॥ सन्ति पञ्च महब्भूया इहमेगेसिमाहिया । आयछट्ठा पुणो आहु आया लोगे य सासए ॥ १५ ॥ १५ ॥ दुहओ न विणस्सन्ति नो य उप्पज्जए असं । सव्वे वि सव्वहा भावा नियत्तीभावमागया ॥ १६ ॥ १६ ॥ पञ्च खन्धे वयन्तेगे वाला उ खणजोइणो । अन्नो अणन्नो नेवाहु हेउय च अहेउय ॥१७॥१७॥ पुढवी आउ तेऊ य तहा वाऊ य एगओ । चत्तारि धाउणो रूव एवमाहंसु आवरे ॥ १८ ॥ १८ ॥ अगारमावसन्ता वि अरण्णा वा वि पव्वया । इमं दरिसणमावन्ना सव्वदुक्खा विमुच्चई ॥१९॥१९॥ ते नावि संधिं नच्चा ण न ते धम्मविऊ जणा ।

सिए ॥ ६ ॥ ६५ ॥ सयंभुणा कडे लोए इइ वुत्तं महेसिणा । मारेण संथुया माया तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ ६६ ॥ माहणा समणा एगे आह अंडकडे जए । असो तत्तमकासी य अयाणन्ता मुसं वए ॥ ८ ॥ ६७ ॥ सएहिं परियाएहिं लोयं बूया कडे त्ति य । तत्तं ते ण वियाणन्ति ण विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ ६८ ॥ अमणुन्नसमुप्पायं दुक्खमेव वियाणिया । समुप्पायमयाणन्ता कहं नायन्ति संवरं ॥ १० ॥ ६९ ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहियं । पुणो किड्डापदोसेणं सो तत्थ अवरज्झई ॥ ११ ॥ ७० ॥ इह संवुडे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए । वियडम्बु जहा भुज्जो नीरयं सरयं तहा ॥ १२ ॥ ७१ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भचेरेण ते वसे । पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सयं सयं ॥ १३ ॥ ७२ ॥ सए सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव न अन्नहा । अहो इहेव वसवत्ती सव्वकामसमप्पिए ॥ १४ ॥ ७३ ॥ सिद्धा य ते अरोगे य इहमेगेसिमाहियं । सिद्धिमेव पुरो काउं सासए गढिया नरा ॥ १५ ॥ ७४ ॥ असंवुडा अणाईयं भमिहिन्ति पुणो पुणो । कप्पकालमुवज्जन्ति ठाणा आसुरकिब्बिसिय ॥ १६ ॥ ७५ ॥ त्ति बेमि ॥ समयज्झयणे तइयुद्देसो ॥

एए जिया भो न सरणं बाला पण्डियमाणिणो । हिच्चा णं पुव्वसंजोगं सिया किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ ७६ ॥ तं च भिक्खू परिन्नाय वियं तेसु ण मुच्छए । अणुक्कसे अप्पलीणे मज्झेण मुणि जावए ॥ २ ॥ ७७ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा इहमेगेसिमाहियं । अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खू ताणं परिव्वए ॥ ३ ॥ ७८ ॥ कडेसु घासमेसेज्जा विऊ दत्तेसणं चरे । अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाणं परिवज्जए ॥ ४ ॥ ७९ ॥ लोगवायं निसामेज्जा इहमेगेसिमाहियं । विवरीयपन्नसंभूयं अन्नउत्तं तयाणुयं ॥ ५ ॥ ८० ॥ अणन्ते निइए लोए सासए ण विणस्सई । अन्तवं निइए लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥ ६ ॥ ८१ ॥ अपरिमाणं वियाणाइ इहमेगेसिमाहियं । सव्वत्थ सपरिमाणं इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ ८२ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठन्ति अदु थावरा । परियाए अत्थि से अञ्जू तेण ते तसथावरा ॥ ८ ॥ ८३ ॥ उरालं जगओ जोगं विवज्जासं पलेन्ति य । सव्वे अक्कन्तदुक्खा य अओ सव्वे अहिंसिया ॥ ९ ॥ ८४ ॥ एयं खु नाणिणो सारं जं न हिंसइ किंचण । अहिंसासमयं चेव एतावन्तं वियाणिया ॥ १० ॥ ८५ ॥ वुसिए य विगयगेही आयाणं सम्म रक्खए । चरियासणसेज्जासु भत्तपाणे य अन्तसो ॥ ११ ॥ ८६ ॥ एएहिं तिहिं ठाणेहिं संजए सययं मुणी । उक्कसं जलणं णूमं मज्झत्थं च विगिंचए ॥ १२ ॥ ८७ ॥ समिए उ सया साहू पञ्चसंवरसंवुडे । सिएहिं असिए भिक्खू आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ १३ ॥ ८८ ॥ त्ति बेमि ॥ समयज्झयणं पढमं ॥

॥ ४२ ॥ एवमन्नाणिया नाणं वयन्ता वि सयं सयं । निच्छयत्थं ण जाणन्ति मिलक्खु व्व अबोहिया ॥ १६ ॥ ४३ ॥ अन्नाणियाण वीमंसा अन्नाणे न नियच्छइ । अप्पणो य परं नालं कुत्तो अन्नाणुसासिउं ॥ १७ ॥ ४४ ॥ वणे मूढे जहा जन्तू मूढे नेयाणुगामिए । दो वि एए अकोविया तिव्वं सोयं नियच्छई ॥ १८ ॥ ४५ ॥ अन्धो अन्धं पहं नेन्तो दूरमद्धाणुगच्छइ । आवज्जे उप्पहं जन्तू अदु वा पन्थाणुगामिए ॥ १९ ॥ ४६ ॥ एवमेगे नियागट्ठी धम्ममाराहगा वयं । अदु वा अहम्ममावज्जे न ते सव्वज्जुयं वए ॥ २० ॥ ४७ ॥ एवमेगे वियक्काहिं नो अन्नं पज्जुवासिया । अप्पणो य वियक्काहिं अयमञ्जू हि दुम्मई ॥ २१ ॥ ४८ ॥ एवं तक्काइ साहेन्ता धम्माधम्मे अकोविया । दुक्खं ते नाइतुट्टन्ति सउणी पञ्जरं जहा ॥ २२ ॥ ॥ ४९ ॥ सयं सयं पसंसन्ता गरहन्ता परं वयं । जे उ तत्थ विउस्सन्ति संसारं ते विउस्सिया ॥ २३ ॥ ५० ॥ अहावरं पुरक्खायं किरियावाइदरिसणं । कम्मचिन्तापणट्ठाणं संसारस्स पवड्ढणं ॥ २४ ॥ ५१ ॥ जाणं काएणऽणाउट्टी अबुहो जं च हिंसइ । पुट्ठो संवेयइ परं अवियत्तं खु सावज्जं ॥ २५ ॥ ५२ ॥ सन्तिमे तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । अभिकम्मा य पेसा य मणसा अणुजाणिया ॥ २६ ॥ ५३ ॥ एए उ तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । एवं भावविसोहीए निव्वाणमभिगच्छई ॥ २७ ॥ ५४ ॥ पुत्तं पिया समारब्भ आहारेज्ज असंजए । भुञ्जमाणो य मेहावी कम्मुणा नोवलिप्पई ॥ २८ ॥ ५५ ॥ मणसा जे पउस्सन्ति चित्तं तेसिं न विज्जइ । अणवज्जमतहं तेसिं न ते संवुडचारिणो ॥२९॥ ॥ ५६ ॥ इच्चेयाहि य दिट्ठीहिं सायागारवनिस्सिया । सरणं ति मन्नमाणा सेवन्ती पावगं जणा ॥ ३० ॥ ५७ ॥ जहा अस्साविणिं नावं जाइअन्धो दुरूहिया । इच्छई पारमागन्तुं अन्तरा य विसीयई ॥ ३१ ॥ ५८ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । संसारपारकंखी ते संसारं अणुपरियट्टन्ति ॥ ३२ ॥ ५९ ॥ त्ति बेमि ॥

समयज्झयणे बिइयुद्देसो ॥

जं किंचि उ पूइकडं सड्ढीमागन्तुमीहियं । सहस्सन्तरियं भुञ्जे दुपक्खं चेव सेवई ॥ १ ॥ ६० ॥ तमेव अवियाणन्ता विसमंसि अकोविया । मच्छा वेसालिया चेव उदगस्सभियागमे ॥ २ ॥ ६१ ॥ उदगस्स पहावेण सुक्कं सिग्घं तमेन्ति उ । ढङ्केहि य कङ्केहि य आमिसत्थेहि ते दुही ॥ ३ ॥ ६२ ॥ एवं तु समणा एगे वट्टमाणसुहेसिणो । मच्छा वेसालिया चेव घायमेस्सन्ति णन्तसो ॥ ४ ॥ ६३ ॥ इणमन्नं तु अन्नाणं इहमेगेसिमाहियं । देवउत्ते अयं लोए बम्भउत्ते इ आवरे ॥ ५ ॥ ॥ ६४ ॥ ईसरेण कडे लोए पहाणाइ तहावरे । जीवाजीवसमाउत्ते सुहदुक्खसम-

पावेहिं पुणो पगब्भिया ॥ २० ॥ १०८ ॥ तम्हा दवि इक्ख पंडिए पावाओ
विरएऽभिनिव्वुडे । पणए वीरं महाविहिं सिद्धिपहं णेयाउयं धुवं ॥ २१ ॥ १०९ ॥
वेयालियमग्गमागओ मणवयसा काएण संवुडो । चिच्चा वित्तं च णायओ आरम्भं
च सुसंवुडे चरे ॥ २२ ॥ ११० ॥ त्ति बेमि वेयालियज्झयणे पढमुद्देसो ॥

तयसं व जहाइ से रयं इइ संखाय मुणी ण मज्जई । गोयन्नतरेण माहणे
अहसेयकरी अन्नेसि इंखिणी ॥ १ ॥ १११ ॥ जो परिभवई परं जणं संसारे परि-
वत्तई महं । अदु इंखिणिया उ पाविया इइ संखाय मुणी ण मज्जई ॥ २ ॥ ११२ ॥
जे यावि अणायगे सिया जे वि य पेसगपेसगे सिया । जे मोणपयं उवट्ठिए णो
लज्जे समयं सया चरे ॥ ३ ॥ ११३ ॥ सम अन्नयरम्मि संजमे संसुद्धे समणे
परिव्वए । जे आवकहा समाहिए दविए कालमकासि पंडिए ॥ ४ ॥ ११४ ॥
दूरं अणुपस्सिया मुणी तीयं धम्ममणागयं तहा । पुट्ठे फरुसेहिं माहणे अवि हण्णू
समयम्मि रीयइ ॥ ५ ॥ ११५ ॥ पण्णसमत्ते सया जए समताधम्ममुदाहरे मुणी ।
सुहुमे उ सया अलूसए णो कुज्झे णो माणि माहणे ॥ ६ ॥ ११६ ॥ बहुजण-
णमणम्मि संवुडे सव्वट्ठेहिं णरे अणिस्सिए । हरए व सया अणाविले धम्मं पादुर-
कासि कासवं ॥ ७ ॥ ११७ ॥ बहवे पाणा पुढो सिया पत्तेयं समयं समीहिया ।
जे मोणपयं उवट्ठिए विरइं तत्थ अकासि पंडिए ॥ ८ ॥ ११८ ॥ धम्मस्स य
पारगे मुणी आरम्भस्स य अन्तए ठिए । सोयन्ति य णं ममाइणो णो लब्भन्ति
णियं परिग्गहं ॥ ९ ॥ ११९ ॥ इहलोगदुहावहं विऊ परलोगे य दुहं दुहावहं ।
विद्धंसणधम्ममेव तं इइ विज्जं को गारमावसे ॥ १० ॥ १२० ॥ महयं पलिगोव
जाणिया जा वि य वंदणपूयणा इहं । सुहुमे सल्ले दुरुद्धरे विउमंता पयहिज्ज संथवं
॥ ११ ॥ १२१ ॥ एगे चरे ठाणमासणे सयणे एगे समाहिए सिया । भिक्खू
उवहाणवीरिए वइगुत्ते अज्झत्तसंवुडे ॥ १२ ॥ १२२ ॥ णो पीहे ण यावपंगुणे दारं
सुन्नघरस्स संजए । पुट्ठे ण उदाहरे वयं ण समुच्छे णो संथरे तणं ॥ १३ ॥ १२३ ॥
जत्थत्थमिए अणाउले समविसमाइं मुणी हियासए । चरगा अदु वा वि भेरवा अदु
वा तत्थ सरीसिवा सिया ॥ १४ ॥ १२४ ॥ तिरिया मणुया य दिव्वगा उवसग्गा
तिविहाहियासिया । लोमादीयं ण हारिसे सुन्नागारगओ महामुणी ॥ १५ ॥ १२५ ॥
णो अभिकंखेज्ज जीवियं णो वि य पूयणपत्थए सिया । अब्भत्थमुवेंति भेरवा
सुन्नागारगयस्स भिक्खुणो ॥ १६ ॥ १२६ ॥ उवणीयतरस्स ताइणो भयमाणस्स
विविक्कमासणं । सामाइयमाहु तस्स जं जो अप्पाण भए ण दंसए ॥ १७ ॥ १२७ ॥
उसिणोदगतत्तभोइणो धम्मट्ठियस्स मुणिस्स हीमओ । संसग्गी असाहु राईहिं

वेयालियज्झयणे बिइए

सबुज्झह किं न बुज्झह सबोही खलु पेच्च दुल्हा। नो हूवणमन्ति राइयो नो सुलभ पुणरावि जीवियं ॥ १ ॥ ८९ ॥ डहरा वुड्ढा य पासह गब्भत्था वि चयन्ति माणवा। सेणे जह वट्टय हरे एव आउखयम्मि तुट्टई ॥ २ ॥ ९० ॥ मायाहि पियाहि लुप्पई नो सुलहा सुगई य पेच्चओ। एयाइ भयाइ पेहिया आरम्भा विरमेज्ज सुव्वए ॥ ३ ॥ ९१ ॥ जमिण जगई पुढो जगा कम्मेहिं लुप्पन्ति पाणिणो। सयमेव कडेहि गाहई नो तस्स मुच्चेज्जऽपुट्ठयं ॥ ४ ॥ ९२ ॥ देवा गन्धव्वरक्खसा असुरा भूमिचरा सरीसिवा। राया नरसेट्ठिमाहणा ठाणा ते वि चयन्ति दुक्खिया ॥ ५ ॥ ९३ ॥ कामेहि य सथवेहि गिद्धा कम्मसहा कालेण जन्तवो। ताले जह वन्धणच्चुए एव आउखयम्मि तुट्टई ॥ ६ ॥ ९४ ॥ जे यावि वहुस्सुए सिया धम्मिय माहण भिक्खुए सिया। अभिनूमकडेहि मुच्छिए तिव्व ते कम्मेहि किच्चई ॥ ७ ॥ ९५ ॥ अह पास विवेगमुट्ठिए अवितिण्णे इह भासई धुव। नाहिसि आर कओ परं वेहासे कम्मेहि किच्चई ॥ ८ ॥ ९६ ॥ जइ वि य नगिणे किसे चरे जइ वि य भुजिय मासमन्तसो। जे इह मायाहि मिज्जई आगन्ता गब्भाय णन्तसो ॥ ९ ॥ ९७ ॥ पुरिसोरम पावकम्मुणा पलियन्तं मणुयाण जीवियं। सन्ना इह काममुच्छिया मोहं जन्ति नरा असवुडा ॥ १० ॥ ९८ ॥ जयय विहराहि जोगवं अणुपाणा पन्था दुरुत्तरा। अणुसासणमेव पक्कमे वीरेहिं सम्मं पवेइय ॥ ११ ॥ ९९ ॥ विरया वीरा समुट्ठिया कोहकायरियाइपीसणा। पाणे न हणन्ति सव्वसो पावाओ विरयाऽभिनिव्वुडा ॥ १२ ॥ १०० ॥ न वि ता अहमेव लुप्पए लुप्पन्ती लोगसि पाणिणो। एव सहिएहि पासए अणिहे से पुट्ठेऽहियासए ॥ १३ ॥ १०१ ॥ धुणिया कुलिय व लेववं किसए देहमणासणाइहिं। अविहिंसामेव पव्वए अणुधम्मो मुणिणा पवेइयो ॥ १४ ॥ १०२ ॥ सउणी जह पसुगुण्डिया विहुणिय धंसयई सियं रय। एवं दविओवहाणव कम्म खवइ तवस्सि माहणे ॥ १५ ॥ १०३ ॥ उट्ठियमणगारमेसण समणं ठाणठिय तवस्सिण। डहरा वुड्ढा य पत्थए अवि सुस्से न य त लमेज्ज नो ॥ १६ ॥ १०४ ॥ जइ कालुणियाणि कासिया जइ रोयन्ति य पुत्तकारणा। दविय भिक्खु समुट्ठिय नो लब्भन्ति न सठवित्तए ॥ १७ ॥ १०५ ॥ जइ वि य कामेहि लाविया जइ नेज्जाहि ण वन्धिउं घरं। जइ जीविय नावकखए नो लब्भन्ति न सठवित्तए ॥ १८ ॥ १०६ ॥ सेहन्ति य ण ममाइणो माय पिया य सुया य भारिया। पोसाहि ण पासओ तुम लोग पर पि जहासि पोसणो ॥ १९ ॥ १०७ ॥ अन्ने अन्नेहि मुच्छिया मोह जन्ति नरा असंवुडा। विसम विसमेहि गाहिया ते

असमाही उ तहागयस्स वि ॥ १८ ॥ १२८ ॥ अहिगरणकडस्स भिक्खुणो वयमाणस्स पसज्झ दारुणं । अट्ठे परिहायई बहू अहिगरणं न करेज्ज पण्डिए ॥ १९ ॥ १२९ ॥ सीओदग पडि दुगुञ्छिणो अपडिन्नस्स लवावसप्पिणो । सामाइ-यमाहु तस्स जं जो गिहिमत्तेऽसणं न भुञ्जई ॥ २० ॥ १३० ॥ न य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई । बाले पावेहि मिज्जई इइ संखाय मुणी न मज्जई ॥ २१ ॥ १३१ ॥ छंदेण पले इमा पया बहुमाया मोहेण पाउडा । वियडेण पलेन्ति माहणे सीउण्हं वयसा हियासए ॥ २२ ॥ १३२ ॥ कुजए अपराजिए जहा अक्खेहिं कुसलेहिं दीवयं । कडमेव गहाय नो कलिं नो तीयं नो चेव दावरं ॥ २३ ॥ १३३ ॥ एवं लोगम्मि ताइणा बुइए जे धम्मे अणुत्तरे । तं गिण्ह हियं ति उत्तमं कडमिव सेसऽवहाय पण्डिए ॥ २४ ॥ १३४ ॥ उत्तर मणुयाण आहिया गामधम्म इइ मे अणुस्सुयं । जंसी विरया समुट्ठिया कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २५ ॥ १३५ ॥ जे एय चरन्ति आहियं नाएण महया महेसिणा । ते उट्ठिय ते समुट्ठिया अन्नोन्नं सारेन्ति धम्मओ ॥ २६ ॥ १३६ ॥ मा पेह पुरा पणामए अभिकखे उवहिं धुणित्तए । जे दूमण तेहि नो नया ते जाणन्ति समाहिमाहियं ॥ २७ ॥ १३७ ॥ नो काहिए होज्ज संजए पासणिए न य संपसारए । नच्चा धम्मं अणुत्तरं कयकिरिए न यावि मामए ॥ २८ ॥ १३८ ॥ छन्नं च पसंस नो करे न य उक्कोस पगास माहणे । तेसिं सुविवेगमाहिए पणया जेहि सुजोसियं धुयं ॥२९॥ ॥ १३९ ॥ अनिहे सहिए सुसंवुडे धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । विहरेज्ज समाहिइंदिए अत्तहियं खु दुहेण लब्भइ ॥ ३० ॥ १४० ॥ न हि नूण पुरा अणुस्सुयं अदु वा तं तह नो समुट्ठियं । मुणिणा सामाइ आहियं नाएण जगसव्वदंसिणा ॥३१॥१४१॥ एवं मत्ता महन्तरं धम्ममिणं सहिया बहू जणा । गुरुणो छन्दाणुवत्तगा विरया तिण्ण महोघमाहियं ॥३२॥१४२॥ ति बेमि ॥ **वेयालियज्झयणम्मि बिइयुद्देसो ॥**

संवुडकम्मस्स भिक्खुणो जं दुक्खं पुट्ठं अबोहिए । तं संजमओऽवचिज्जई मरणं हेच्च वयन्ति पण्डिया ॥१॥१४३॥ जे विन्नवणाहिजोसिया संतिण्णेहि समं वियाहिया । तम्हा उड्ढं ति पासहा अदक्खु कामाईं रोगवं ॥ २ ॥ १४४ ॥ अग्गं वणिएहि आहियं धारेन्ती राइणिया इहं । एवं परमा महव्वया अक्खाया उ सराइभोयणा ॥ ३ ॥ १४५ ॥ जे इह सायाणुगा नरा अज्झोववन्ना कामेहि मुच्छिया । किवणेण समं पगब्भिया न वि जाणन्ति समाहिमाहियं ॥ ४ ॥ १४६ ॥ वाहेण जहा व विच्छए अबले होइ गवं पचोइए । से अन्तसो अप्पथामए नाइवहे अबले विसीयइ ॥ ५ ॥ १४७ ॥ एवं कामेसणं विऊ अज्ज सुए पयहेज्ज संथवं । कामी कामे न

न जाणाइ जेएण परिच्छिए ॥ २ ॥ १६६ ॥ एवं सेहे वि अप्पुट्ठे भिक्खायरिया-अकोविए । सूरं मन्नइ अप्पाणं जाव लूहं न सेवए ॥ ३ ॥ १६७ ॥ जया हेमन्त-मासम्मि सीयं फुसइ सव्वगं । तत्थ मन्दा विसीयन्ति रज्जहीणा व खत्तिया ॥ ४ ॥ ॥ १६८ ॥ पुट्ठे गिम्हाहितावेणं विमणे सुपिवासिए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति मच्छा अप्पोदए जहा ॥ ५ ॥ १६९ ॥ सया दत्तेसणा दुक्खा जायणा दुप्पणोल्लिया । कम्मत्ता दुब्भगा चेव इच्चाहंसु पुढोजणा ॥ ६ ॥ १७० ॥ एए सद्दे अचायन्ता गामेसु नगरेसु वा । तत्थ मन्दा विसीयन्ति संगामम्मि व भीरुया ॥ ७ ॥ १७१ ॥ अप्पेगे खुहियं भिक्खुं सुणी डंसइ लूसए । तत्थ मन्दा विसीयन्ति तेउपुट्ठा व पाणिणो ॥ ८ ॥ १७२ ॥ अप्पेगे पडिभासन्ति पडिपन्थियमागया । पडियारगया एए जे एए एवजीविणो ॥ ९ ॥ १७३ ॥ अप्पेगे वइ जुञ्जन्ति नगिणा पिण्डोलगाहमा । मुण्डा कण्डूविणट्ठङ्गा उज्जल्ला असमाहिया ॥ १० ॥ १७४ ॥ एवं विप्पडिवन्नेगे अप्पणा उ अजाणया । तमाओ ते तमं जन्ति मन्दा मोहेण पाउडा ॥ ११ ॥ १७५ ॥ पुट्ठो य दंसमसगेहिं तणफासमचाइया । न मे दिट्ठे परे लोए जइ परं मरणं सिया ॥ १२ ॥ १७६ ॥ संतत्ता केसलोएणं बम्भचेरपराइया । तत्थ मन्दा विसीयन्ति मच्छा विट्ठा व केयणे ॥ १३ ॥ १७७ ॥ आयदण्डसमायारे मिच्छासंठियभावणा । हरिसप्पओसमावन्ना केई लूसन्तिऽनारिया ॥ १४ ॥ १७८ ॥ अप्पेगे पलियन्तेसिं चारो चोरो त्ति सुव्वयं । बन्धन्ति भिक्खुयं बाला कसायवयणेहि य ॥ १५ ॥ १७९ ॥ तत्थ दण्डेण संवीते मुट्ठिणा अदु फलेण वा । नाईणं सरई बाले इत्थी वा कुद्धगा-मिणी ॥ १६ ॥ १८० ॥ एए भो कसिणा फासा फरुसा दुरहियासया । हत्थी वा सरसंवित्ता कीवाऽवस गया गिहं ॥ १७ ॥ १८१ ॥ ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे पढमुद्देसे** ॥

अहिमे सुहुमा संगा भिक्खूणं जे दुरुत्तरा । जत्थ एगे विसीयन्ति न चयन्ति जवित्तए ॥ १ ॥ १८२ ॥ अप्पेगे नायओ दिस्स रोयन्ति परिवारिया । पोस णे ताय पुट्ठो सि कस्स ताय जहासि णे ॥ २ ॥ १८३ ॥ पिया ते थेरओ ताय ससा ते खुड्डिया इमा । भायरो ते सगा ताय सोयरा किं जहासि णे ॥ ३ ॥ १८४ ॥ मायरं पियरं पोस एवं लोगो भविस्सइ । एवं खु लोइयं ताय जे पालेन्ति य मायरं ॥ ४ ॥ १८५ ॥ उत्तरा महुरुल्लावा पुत्ता ते ताय खुड्डया । भारिया ते नवा ताय मा सा अन्नं जणं गमे ॥ ५ ॥ १८६ ॥ एहि ताय घरं जामो मा य कम्मे सहा वयं । बिइयं पि ताय पासामो जामु ताव सयं गिहं ॥६॥१८७॥ गन्तुं ताय पुणो गच्छे न तेणा समणो सिया । अकामगं परिक्कम्मं को ते वारेउमरिहइ ॥७॥१८८॥

सबद्धसमकप्पा उ अन्नमन्नेसु मुच्छिया । पिण्डवाय गिलाणस्स जं सारेह दलाह य ॥ ९ ॥ २१२ ॥ एव तुब्भे सरागत्था अन्नमन्नमणुव्वसा । नट्ठसप्पहसब्भावा संसारस्स अपारगा ॥ १० ॥ २१३ ॥ अह ते परिभासेज्जा भिक्खु मोक्खविसारए । एवं तुब्भे पभासन्ता दुपक्खं चेव सेवह ॥ ११ ॥ २१४ ॥ तुब्भे भुञ्जह पाएसु गिलाणो अभिहडम्मि य । तं च बीओदगं भोच्चा तमुद्दिस्सादि जं कडं ॥ १२ ॥ २१५ ॥ लित्ता तिव्वाभितावेण उज्झिया असमाहिया । नाइकण्डूइयं सेयं अरुयस्सावरज्झई ॥ १३ ॥ २१६ ॥ तत्तेण अणुसिट्ठा ते अपडिन्नेण जाणया । न एस नियए मग्गे असमिक्खा वई किई ॥ १४ ॥ २१७ ॥ एरिसा जा वई एसा अग्गवेणु व्व करिसिया । गिहिणो अभिहडं सेयं भुञ्जिउं न उ भिक्खुणं ॥ १५ ॥ २१८ ॥ धम्मपन्नवणा जा सा सारम्भा न विसोहिया । न उ एयाहि दिट्ठीहिं पुव्वमासिं पगप्पियं ॥ १६ ॥ २१९ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं अचयन्ता जवित्तए । तओ वायं निराकिच्चा ते भुज्जो वि पगब्भिया ॥ १७ ॥ २२० ॥ रागदोसाभिभूयप्पा मिच्छत्तेण अभिद्दुया । आउस्से सरणं जन्ति टंकणा इव पव्वयं ॥ १८ ॥ २२१ ॥ बहुगुणप्पगप्पाइं कुज्जा अत्तसमाहिए । जेणन्ने न विरुज्झेज्जा तेण तं तं समायरे ॥ १९ ॥ २२२ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं । कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २० ॥ २२३ ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिनिव्वुडे । उवसग्गे नियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥२१॥२२४॥ त्ति बेमि ॥ **उवसग्गज्झयणे तइयुद्देसे** ॥

आहंसु महापुरिसा पुव्विं तत्ततवोधणा । उदएण सिद्धिमावन्ना तत्थ मन्दो विसीयइ ॥ १ ॥ २२५ ॥ अभुञ्जिया नमी विदेही रामगुत्ते य भुञ्जिया । बाहुए उदगं भोच्चा तहा नारायणे रिसी ॥ २ ॥ २२६ ॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी । पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३ ॥ २२७ ॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिया इह संमया । भोच्चा बीओदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥ ४ ॥ २२८ ॥ तत्थ मन्दा विसीयन्ति वाहच्छिन्ना व गद्दभा । पिट्ठओ परिसप्पन्ति पिट्ठसप्पी य संभमे ॥ ५ ॥ २२९ ॥ इहमेगे उ भासन्ति सायं साएण विज्जई । जे तत्थ आरियं मग्गं परमं च समाहियं ॥ ६ ॥ २३० ॥ मा एयं अवमन्नन्ता अप्पेणं लुम्पहा बहुं । एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७ ॥ २३१ ॥ पाणाइवाए वट्टन्ता मुसावाए असंजया । अदिन्नादाणे वट्टन्ता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८ ॥ २३२ ॥ एवमेगे उ पासत्था पन्नवन्ति अणारिया । इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९ ॥ २३३ ॥ जहा गण्डं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं । एवं विन्नवणित्थीसु

सीहं जहा व कुणिमेण निब्भयमेगचरं ति पासेण । एवित्थियाउ बन्धन्ति संवुडं एगइयमणगारं ॥ ८ ॥ २५४ ॥ अह तत्थ पुणो नमयन्ती रहकारो व नेमिं आणुपुव्वीए । बद्धो मिए व पासेण फन्दन्ते वि न मुच्चए ताहे ॥ ९ ॥ २५५ ॥ अह सेऽणुतप्पई पच्छा भोच्चा पायसं व विसमिस्सं । एवं विवेगमायाय संवासो न वि कप्पए दविए ॥ १० ॥ २५६ ॥ तम्हा उ वज्जए इत्थी विसलित्तं व कण्टगं नच्चा । ओए कुलाणि वसवत्ती आघाए न से वि निग्गन्थे ॥ ११ ॥ २५७ ॥ जे एयं उञ्छं अणुगिद्धा अन्नयरा होन्ति कुसीलाणं । सुतवस्सिए वि से भिक्खू नो विहरे सह णमित्थीसु ॥ १२॥ २५८ ॥ अवि धूयराहि सुण्हाहि धाईहिं अदुव दासीहिं । महईहि वा कुमारीहिं संथवं से न कुज्जा अणगारे ॥ १३ ॥ २५९ ॥ अदु नाइणं च सुहीण वा अप्पियं दट्ठु एगया होइ । गिद्धा सत्ता कामेहिं रक्खणपोसणे मणुस्सोऽसि ॥ १४ ॥ ॥ २६० ॥ समणं पि दट्ठुदासीणं तत्थ वि ताव एगे कुप्पन्ति । अदु वा भोयणेहिं नत्थेहिं इत्थीदोससंकिणो होन्ति ॥ १५ ॥ २६१ ॥ कुव्वन्ति संथवं ताहिं पब्भट्ठा समाहिजोगेहिं । तम्हा समणा न समेन्ति आयहियाए संनिसेज्जाओ ॥१६॥२६२॥ बहवे गिहाइं अवहट्टु मिस्सीभावं पत्थुया य एगे । धुवमग्गमेव पवयन्ति वायावीरियं कुसीलाणं ॥ १७ ॥ २६३ ॥ सुद्धं रवइ परिसाए अह रहस्सम्मि दुक्कडं करेन्ति । जाणन्ति य णं तहाविऊ माइल्ले महासढेऽयं ति ॥ १८ ॥ २६४ ॥ सयं दुक्कडं च न वयइ आइट्ठो वि पकत्थइ बाले । वेयाणुवीइ मा कासी चोइज्जन्तो गिलाइ से भुज्जो ॥ १९ ॥ २६५ ॥ ओसिया वि इत्थिपोसेसु पुरिसा इत्थिवेयखेयन्ना । पन्नासमन्निया वेगे नारीण वसं उवकसन्ति ॥ २० ॥ २६६ ॥ अवि हत्थपायछेयाए अदु वा वद्धमंसउक्कन्ते । अवि तेयसाभितावणाणि तच्छिय खारसिंचणाईं य ॥२१॥२६७॥ अदु कण्णनासछेयं कण्ठच्छेयणं तिइक्खन्ती । इइ एत्थ पावसंतत्ता न वेन्ति पुणो न काहिन्ति ॥ २२ ॥ २६८ ॥ सुयमेयमेवमेगेसिं इत्थीवेय त्ति हु सुयक्खायं । एयं पि ता वइत्ताणं अदु वा कम्मुणा अवकरेन्ति ॥ २३ ॥ २६९ ॥ अन्नं मणेण चिन्तेन्ति वाया अन्नं च कम्मुणा अन्नं । तम्हा न सद्दहे भिक्खू बहुमायाओ इत्थिओ नच्चा ॥ २४ ॥ २७० ॥ जुवई समणं बूया विचित्तलंकारवत्थगाणि परिहित्ता । विरया चरिस्सहं रुक्खं धम्ममाइक्ख णे भयन्तारो ॥ २५ ॥ २७१ ॥ अदु साविया पवाएणं अहमंसि साहम्मिणी य समणाणं । जउकुम्भे जहा उवज्जोई संवासे विऊ विसीएज्जा ॥ २६ ॥ २७२ ॥ जउकुम्भे जोइउवगूढे आसुभितत्ते नासमुवयाइ । एवित्थियाहिं अणगारा संवासेण नासमुवयन्ति ॥ २७ ॥ २७३ ॥ कुव्वन्ति पावगं कम्मं पुट्ठा वेगेवमाहिंसु । नो हं करेमि पावं ति अंकेसाइणी ममेस त्ति ॥२८॥२७४॥

दासे मिए व पेसे व पसुभूए वा से न वा केई ॥ १८ ॥ २९५ ॥ एवं खु तासु विण्णप्प संथवं सवासं च वज्जेज्जा । तज्जातिया इमे कामा वज्जकरा य एवमक्खाए ॥ १९ ॥ २९६ ॥ एयं भयं न सेयाए इइ से अप्पगं निरुम्भित्ता । नो इत्थिं नो पसुं भिक्खू नो सयं पाणिणा निलिज्जेज्जा ॥ २० ॥ २९७ ॥ सुविसुद्धलेसे मेहावी परकिरियं च वज्जए नाणी । मणसा वयसा काएण सव्वफासमहे अणगारे ॥ २१ ॥ ॥ २९८ ॥ इच्चेवमाहु से वीरे धुयरए धुयमोहे से भिक्खू । तम्हा अज्झत्तविसुद्धे सुविमुक्के आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ २९९ ॥ त्ति बेमि ॥ **इत्थिपरिअज्झयणं चउत्थं ॥**

निरयविभत्तियज्झयणे पञ्चमे

पुच्छिस्सहं केवलियं महेसिं कहं भितावा नरगा पुरत्था । अजाणओ मे मुणि बूहि जाणं कहिं नु वाला नरगं उवेन्ति ॥ १ ॥ ३०० ॥ एवं मए पुट्ठे महाणुभावे इणमोऽब्ववी कासवे आसुपन्ने । पवेयइस्सं दुहमट्ठदुग्गं आईणियं दुक्कडिणं पुरत्था ॥ २ ॥ ३०१ ॥ जे केइ वाला इह जीवियट्ठी पावाइँ कम्माइँ करेन्ति रुद्दा । ते घोररूवे तमिसन्धयारे तिव्वाभितावे नरगे पडन्ति ॥ ३ ॥ ३०२ ॥ तिव्वं तसे पाणिणो थावरे य जे हिंसई आयसुहं पडुच्चा । जे लूसए होइ अदत्तहारी न सिक्खई सेयवियस्स किंचि ॥ ४ ॥ ३०३ ॥ पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई अनिव्वुए घायमुवेइ बाले । निहो निसं गच्छइ अन्तकाले अहोसिरं कट्टु उवेइ दुग्गं ॥ ५ ॥ ३०४ ॥ हण छिन्दह भिन्दह णं दहेति सद्दे सुणेन्ता परधम्मियाण । ते नारगाओ भयभिन्नसन्ना कंखन्ति कं नाम दिसं वयामो ॥ ६ ॥ ३०५ ॥ इङ्गालरासिं जलियं सजोइं तत्तोवमं भूमिमणुक्कमन्ता । ते डज्झमाणा कलुणं थणन्ति अरहस्सरा तत्थ चिरट्ठिईया ॥ ७ ॥ ३०६ ॥ जइ ते सुया वेयरणी भिदुग्गा निसिओ जहा खुर इव तिक्खसोया । तरन्ति ते वेयरणिं भिदुग्गं उसुचोइया सत्तिसु हम्ममाणा ॥ ८ ॥ ॥ ३०७ ॥ कीलेहिं विज्झन्ति असाहुकम्मा नावं उवेन्ते सइविप्पहूणा । अन्ने उ सूलाहिं तिसूलियाहिं दीहाहिं विद्धूण अहे करेन्ति ॥ ९ ॥ ३०८ ॥ केसिं च बन्धित्तु गले सिलाओ उदगंसि बोलेन्ति महालयंसि । कलंबुयावालुयमुम्मुरे य लोलन्ति पच्चन्ति य तत्थ अन्ने ॥ १० ॥ ३०९ ॥ आसूरियं नाम महाभितावं अन्धतमं दुप्पतरं महन्तं । उड्ढं अहे य तिरियं दिसासु समाहिओ जत्थगणी झियाइ ॥ ११ ॥ ३१० ॥ जसी गुहाए जलणेऽतिउट्टे अविजाणओ डज्झइ लुत्तपन्नो । सया य कलुणं पुण धम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं ॥ १२ ॥ ३११ ॥ चत्तारि

म्मंसि पयमाणा एगन्तदुक्खमणं करेन्ति ॥ २१ ॥ १४७ ॥ एयाई फासाई फुसन्ति बालं निरन्तरं तत्थ चिरट्ठिईयं । न हम्ममाणस्स उ होइ ताणं एगो सयं पच्चणुहोइ दुक्खं ॥ २२ ॥ १४८ ॥ जं जारिसं पुव्वमकासि कम्मं तमेव आगच्छइ संपराए । एगन्तदुक्खं भवमज्जणित्ता वेयन्ति दुक्खी तमणन्तदुक्खं ॥ २३ ॥ १४९ ॥ एयाणि सोच्चा णरगाणि धीरे न हिंसए किंचण सव्वलोए । एगन्तदिट्ठी अपरिग्गहे उ बुज्झिज्ज लोयस्स वसं न गच्छे ॥ २४ ॥ १५० ॥ एवं तिरिक्खे मणुयामरेसुं चउरन्तणन्तं तयणुव्विवागं । स सव्वमेयं इइ वेयइत्ता कंखेज्ज कालं धुवमायरेज्ज ॥ २५ ॥ १५१ ॥ त्ति बेमि ॥ निरयविभत्तिअज्झयणं पंचमं ॥

सिरिवीरत्थुइअज्झयणं छट्ठं

पुच्छिस्सु णं समणा माहणा य अगारिणो या परतित्थिया य । से केइ णेगन्तहियं धम्ममाहु अणेलिसं साहुसमिक्खयाए ॥ १ ॥ १५२ ॥ कहं च णाणं कह दंसणं से सीलं कहं नायसुयस्स आसि । जाणासि णं भिक्खु जहातहेणं अहासुयं बूहि जहा णिसन्तं ॥ २ ॥ १५३ ॥ खेयन्नए से कुसलासुपन्ने अणन्तनाणी य अणन्तदंसी । जसंसिणो चक्खुपहे ठियस्स जाणाहि धम्मं च धिइं च पेहि ॥ ३ ॥ १५४ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । से णिच्चणिच्चेहि समिक्ख पन्ने दीवे व धम्मं समियं उदाहु ॥ ४ ॥ १५५ ॥ से सव्वदंसी अभिभूयनाणी णिरामगन्धे धिइमं ठियप्पा । अणुत्तरे सव्वजगंसि विज्जं गन्था अईए अभए अणाऊ ॥ ५ ॥ १५६ ॥ से भूइपन्ने अणिएयचारी ओहंतरे धीरे अणन्तचक्खू । अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा वइरोयणिन्दे व तमं पगासे ॥ ६ ॥ १५७ ॥ अणुत्तरं धम्ममिणं जिणाणं णेया मुणी कासव आसुपन्ने । इन्दे व देवाण महाणुभावे सहस्सणेया दिवि णं विसिट्ठे ॥ ७ ॥ १५८ ॥ से पन्नया अक्खयसागरे वा महोदही वा वि अणन्तपारे । अणाइले वा अकसाइ मुक्के सक्के व देवाहिवई जुईमं ॥ ८ ॥ १५९ ॥ से वीरिएणं पडिपुण्णवीरिए सुदंसणे वा णगसव्वसेट्ठे । सुरालए वा वि मुदागरे से विरायए णेगगुणोववेए ॥ ९ ॥ १६० ॥ सयं सहस्साण उ जोयणाणं तिकण्डगे पण्डगवेजयन्ते । से जोयणे णवणवए सहस्से उद्धुस्सिओ हेट्ठ सहस्समेगं ॥ १० ॥ १६१ ॥ पुट्ठे णभे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए जं सूरिया अणुपरियट्टयन्ति । से हेमवन्ने बहुनन्दणे य जंसी रइं वेययन्ती महिन्दा ॥ ११ ॥ १६२ ॥ से पव्वए सद्दमहप्पगासे विरायई कंचणमट्ठवन्ने । अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे गिरीवरे से जलिए व भोमे

हन्ति । रहंसि जुत्त सरयन्ति वाल आरुस्स विज्झन्ति तुदेण पिट्ठे ॥ ३ ॥ ३२९ ॥ अय व तत्त जलिय सजोइ तऊवम भूमिमणुक्कमन्ता । ते डज्झमाणा कलुण थणन्ति उसुचोइया तत्तजुगेसु जुत्ता ॥ ४ ॥ ३३० ॥ वाला वला भूमिमणुक्कमन्ता पविज्जल लोहपह च तत्त । जसी भिदुग्गसि पवज्जमाणा पेसे व दण्डेहि पुरा करेन्ति ॥ ५ ॥ ॥ ३३१ ॥ ते सपगाढसि पवज्जमाणा सिलाहि हम्मन्ति निपातिणीहिं । सतावणी नाम चिरट्ठिईया सतप्पई जत्थ असाहुकम्मा ॥ ६ ॥ ३३२ ॥ कन्दूसु पक्खिप्प पयन्ति वाल तओ वि दड्ढा पुण उप्पयन्ति । ते उड्ढकाएहि पखज्जमाणा अवरेहि खज्जन्ति सणप्फएहिं ॥ ७ ॥ ३३३ ॥ समूसिय नाम विधूमठाण जं सोयतत्ता कलुण थणन्ति । अहोसिर कट्टु विगत्तिऊण अय व सत्थेहि समोसवेन्ति ॥ ८ ॥ ॥ ३३४ ॥ समूसिया तत्थ विसूणियगा पक्खीहि खज्जन्ति अयोमुहेहिं । सजीवणी नाम चिरट्ठिईया जसी पया हम्मइ पावचेया ॥ ९ ॥ ३३५ ॥ तिक्खाहि सूलाहि निवाययन्ति वसोगय सावयय व लद्ध । ते सूलविद्धा कलुण थणन्ति एगन्तदुक्ख दुहओ गिलाणा ॥ १० ॥ ३३६ ॥ सया जल नाम निह महन्त जसी जलन्तो अगणी अकट्ठो । चिट्ठन्ति बद्धा बहुकूरकम्मा अरहस्सरा केइ चिरट्ठिईया ॥ ११ ॥ ॥ ३३७ ॥ चिया महन्तीउ समारभित्ता छुब्भन्ति ते त कलुण रसन्ति । आवट्टई तत्थ असाहुकम्मा सप्पी जहा पडिय जोइमज्झे ॥ १२ ॥ ३३८ ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाण गाढोवणीय अइदुक्खधम्म । हत्थेहि पाएहि य बन्धिऊणं सत्तु-व्वदण्डेहि समारभन्ति ॥ १३ ॥ ३३९ ॥ भञ्जन्ति वालस्स वहेण पुट्ठी सीस पि भिन्दन्ति अयोघणेहिं । ते भिन्नदेहा फलग व तच्छा तत्ताहि आराहि नियोजयन्ति ॥ १४ ॥ ३४० ॥ अभिजुजिया रुद्द असाहुकम्मा उसुचोइया हत्थिवह वहन्ति । एगं दुरुहित्तु दुवे तओ वा आरुस्स विज्झन्ति ककाणओ से ॥ १५ ॥ ३४१ ॥ वाला वला भूमिमणुक्कमन्ता पविज्जल कण्टइल महन्त । विवद्धतप्पेहि विवण्णचित्ते समीरिया कोट्टवलिं करेन्ति ॥ १६ ॥ ३४२ ॥ वेयालिए नाम महाभितावे एगायए पव्वयमन्तलिक्खे । हम्मन्ति तत्था बहुकूरकम्मा परं सहस्साण मुहुत्तगाण ॥ १७ ॥ ॥ ३४३ ॥ सवाहिया दुक्कडिणो थणन्ति अहो य राओ परितप्पमाणा । एगन्तकूडे नरगे महन्ते कूडेण तत्था विसमे हया उ ॥ १८ ॥ ३४४ ॥ भञ्जन्ति णं पुव्वमरी सरोस समुग्गरे ते मुसले गहेउ । ते भिन्नदेहा रुहिरं वमन्ता ओमुद्धगा धरणितले पडन्ति ॥ १९ ॥ ३४५ ॥ अणासिया नाम महासियाला पागब्भिणो तत्थ सयायकोवा । खज्जन्ति तत्था बहुकूरकम्मा अदूरगा संखलियाहि बद्धा ॥ २० ॥ ॥ ३४६ ॥ सयाजला नाम नई भिदुग्गा पविज्जल लोहविलीणतत्ता । जंसी भिदु-

कुसीलपरिभासियज्झयणे सत्तमे

पुढवी य आऊ अगणी य वाऊ तण रुक्ख बीया य तसा य पाणा । जे अण्डया जे य जराउ पाणा संसेयया जे रसयाभिहाणा ॥ १ ॥ १८१ ॥ एयाइं कायाइं पवेइयाइं एएसु जाणे पडिलेह सायं । एएण काएण य आयदण्डे एएसु या विप्परियासुवेन्ति ॥ २ ॥ १८२ ॥ जाईपहं अणुपरियट्टमाणे तसथावरेहिं विणिघायमेइ । से जाइ जाई बहुकूरकम्मे जं कुव्वई मिज्जइ तेण बाले ॥ ३ ॥ १८३ ॥ अस्सिं च लोए अदु वा परत्था सयग्गसो वा तह अन्नहा वा । संसारमावन्न परं परं ते बन्धन्ति वेयन्ति य दुन्नियाणि ॥ ४ ॥ १८४ ॥ जे मायरं वा पियरं च हिच्चा समणव्वए अगणिं समारभिज्जा । अहाहु से लोएँ कुसीलधम्मे भूयाइं जे हिंसइ आयसाए ॥ ५ ॥ १८५ ॥ उज्जालओ पाण निवायएज्जा निव्वावओ अगणिं निवायवेज्जा । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं न पण्डिए अगणिं समारभिज्जा ॥ ६ ॥ १८६ ॥ पुढवी वि जीवा आऊ वि जीवा पाणा य संपाइम संपयन्ति । संसेयया कट्ठसमस्सिया य एए दहे अगणिं समारभन्ते ॥ ७ ॥ १८७ ॥ हरियाणि भूयाणि विलम्बगाणि आहार देहा य पुढो सियाइं । जे छिन्दई आयसुहं पडुच्च पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई ॥ ॥ २ ॥ जाइं च वुड्ढिं च विणासयन्ते बीयाइ अस्संजय आयदण्डे । अहाहु से लोएँ अणज्जधम्मे बीयाइ जे हिंसइ आयसाए ॥ ९ ॥ १८९ ॥ गब्भाइ मिज्जन्ति बुयाबुयाणा णरा परे पञ्चसिहा कुमारा । जुवाणगा मज्झिम थेरगा य चयन्ति ते आउखए पलीणा ॥ १ ॥ १९ ॥ संबुज्झहा जन्तवो माणुसत्तं दट्ठुं भयं बालिसेणं अलम्भो । एगन्तदुक्खे जरिए व लोए सकम्मुणा विप्परियासुवेइ ॥ ११ ॥ १९१ ॥ इहेग मूढा पवयन्ति मोक्खं आहारसंपज्जणवज्जणेणं । एगे य सीओदगसेवणेणं हुएण एगे पवयन्ति मोक्खं ॥ १२ ॥ १९२ ॥ पाओसिणाणाइसु नत्थि मोक्खो खारस्स लोणस्स अणासएणं । ते मज्जमंसं लसुणं च भोच्चा अन्नत्थ वासं परिकप्पयन्ति ॥ १३ ॥ १९३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सायं च पायं उदगं फुसन्ता । उदगस्स फासेण सिया य सिद्धी सिज्झिंसु पाणा बहवे दगंसि ॥ १४ ॥ १९४ ॥ मच्छा य कुम्मा य सिरीसिवा य मग्गू य उट्ठा दगरक्खसा य । अट्ठाणमेयं कुसला वयन्ति उदगेण जे सिद्धिमुदाहरन्ति ॥ १५ ॥ १९५ ॥ उदयं जइ कम्ममलं हरेज्जा एवं सुहं इच्छामित्तमेव । अन्धं व णेयारमणुस्सरित्ता पाणाणि चेवं विणिहन्ति मन्दा ॥ १६ ॥ १९६ ॥ पावाइं कम्माइं पकुव्वओ हि सिओदगं तु जइ तं हरेज्जा । सिज्झिंसु एगे दगसत्तघाई मुसं वयन्ते जलसिद्धिमाहु ॥ १७ ॥ १९७ ॥ हुएण जे सिद्धिमुदाहरन्ति सायं च पायं अगणिं फुसन्ता । एवं सिया

॥ १२ ॥ ३६३ ॥ महीइ मज्झम्मि ठिए नगिन्दे पन्नायए सूरियसुद्धलेसे । एव सिरीए उ स भूरिवण्णे मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥ ३६४ ॥ सुदसणस्सेव जसो गिरिस्स पवुच्चई महओ पव्वयस्स । एओवमे समणे नायपुत्ते जाईजसोदसण-नाणसीले ॥ १४ ॥ ३६५ ॥ गिरीवरे वा निसहाययाग स्यए व सेट्ठे वलयाययाण । तओवमे से जगभूइपन्ने मुणीण मज्झे तमुदाहु पन्ने ॥ १५ ॥ ३६६ ॥ अणुत्तर धम्ममुईरइत्ता अणुत्तरं झाणवरं झियाइ । सुसुक्कसुक्क अपगण्डसुक्क सखिन्दुएगन्तव-दायसुक्क ॥ १६ ॥ ३६७ ॥ अणुत्तरग्ग परम महेसी असेसकम्मं स विसोहइत्ता । सिद्धिं गए साइमणन्तपत्ते नाणेण सीलेण य दसणेण ॥ १७ ॥ ३६८ ॥ रुक्खेसु णाए जह सामली वा जस्सिं रइं वेययई सुवण्णा । वणेसु वा नन्दणमाहु सेट्ठ नाणेण सीलेण य भूइपन्ने ॥ १८ ॥ ३६९ ॥ थणिय व सद्दाण अणुत्तरे उ चन्दो व ताराण महाणुभावे । गन्धेसु वा चन्दणमाहु सेट्ठ एव मुणीण अपडिन्नमाहु ॥१९॥३७०॥ जहा सयभू उदहीण सेट्ठे नागेसु वा धरणिन्दमाहु सेट्ठ । खोओदए वा रस वेजयन्ते तवोवहाणे मुणि वेजयन्ते ॥ २० ॥ ३७१ ॥ हत्थीसु एरावणमाहु नाए सीहो मिगाण सलिलाण गङ्गा । पक्खीसु वा गरुळे वेणुदेवो निव्वाणवादीणिह नायपुत्ते ॥ २१ ॥ ॥ ३७२ ॥ जोहेसु नाए जह वीससेणे पुप्फेसु वा जह अरविन्दमाहु । खत्तीण सेट्ठे जह दन्तवक्के इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥ ३७३ ॥ दाणाण सेट्ठ अभयप्प-याणं सच्चेसु वा अणवज्जं वयन्ति । तवेसु वा उत्तम बम्भचेर लोगुत्तमे समणे नाय-पुत्ते ॥ २३ ॥ ३७४ ॥ ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा सभा सुहम्मा व सभाण सेट्ठा । निव्वाणसेट्ठा जह सव्वधम्मा न नायपुत्ता परमत्थि नाणी ॥ २४ ॥ ३७५ ॥ पुढोवमे धुणइ विगयगेही न सन्निहिं कुव्वइ आसुपन्ने । तरिउ समुद्द व महाभवोघं अभयकरे वीर अणन्तचक्खू ॥ २५ ॥ ३७६ ॥ कोह च माण च तहेव माय लोभं चउत्थं अज्झत्तदोसा । एयाणि वन्ता अरहा महेसी न कुव्वई पाव न कारवेइ ॥ २६ ॥ ३७७ ॥ किरियाकिरिय वेणइयाणुवायं अन्नाणियाणं पडियच्च ठाण । से सव्ववाय इइ वेयइत्ता उवट्ठिए सजमदीहराय ॥ २७ ॥ ३७८ ॥ से वारिया इत्थि सराइभत्त उवहाणव दुक्खखयट्ठयाए । लोग विदित्ता आरं परं च सव्व पभू वारिय सव्ववारं ॥ २८ ॥ ३७९ ॥ सोच्चा य धम्मं अरहन्तभासियं समाहियं अट्ठपदोव-सुद्ध । त सद्दहाणा य जणा अणाऊ इन्दा व देवाहिव आगमिस्सन्ति ॥२९॥३८०॥ त्ति बेमि ॥ सिरिवीरत्थुइज्झयणं छट्ठं ॥

माइणो ॥ ५ ॥ ४१५ ॥ मणसा वयसा चेव कायसा चेव अन्तसो । आरओ परओ वा वि दुहा वि य असंजया ॥ ६ ॥ ४१६ ॥ वेराइं कुव्वई वेरी तओ वेरेहिं रज्जई । पावोवगा य आरम्भा दुक्खफासा य अन्तसो ॥ ७ ॥ ४१७ ॥ संपरायं नियच्छन्ति अत्तदुक्कडकारिणो । रागदोसस्सिया बाला पावं कुव्वन्ति ते बहुं ॥ ८ ॥ ४१८ ॥ एयं सकम्मवीरियं बालाणं तु पवेइयं । इत्तो अकम्मवीरियं पण्डियाणं सुणेह मे ॥ ९ ॥ ४१९ ॥ दविए बन्धणुम्मुक्के सव्वओ छिन्नबन्धणे । पणोल्ल पावगं कम्मं सल्लं कन्तइ अन्तसो ॥ १ ॥ ४२ ॥ नेयाउयं सुयक्खायं उवादाय समीहए । भुज्जो भुज्जो दुहावासं असुहत्तं तहा तहा ॥ ११ ॥ ४२१ ॥ ठाणी विविहठाणाणि चइस्सन्ति न संसओ । अणियए अयं वासे णायएहिं सुहीहि य ॥ १२ ॥ ४२२ ॥ एवमायाय मेहावी अप्पणो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपज्जे सव्वधम्ममकोवियं ॥ १३ ॥ ४२३ ॥ सहसंमइए नच्चा धम्मसारं सुणेत्तु वा । समुवट्ठिए उ अणगारे पच्चक्खायपावए ॥ १४ ॥ ४२४ ॥ जं किंचुवक्कमं जाणे आउक्खेमस्स अप्पणो । तस्सेव अन्तरा खिप्पं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिए ॥ १५ ॥ ४२५ ॥ जहा कुम्मे सअङ्गाइं सए देहे समाहरे । एवं पावाइं मेहावी अज्झप्पेण समाहरे ॥ १६ ॥ ४२६ ॥ साहरे हत्थपाए य मणं पञ्चिन्दियाणि य । पावगं च परीणामं भासादोसं च तारिसं ॥ १७ ॥ ४२ ॥ अणु माणं च मायं च तं परिण्णाय पण्डिए । सायागारवणिहुए उवसन्ते णिहे चरे ॥ १ ॥ ४२८ ॥ पाणे य णाइवाएज्जा अदिन्नं पि य णायए । साइयं न मुसं बूया एस धम्मे वुसीमओ ॥ १९ ॥ ४२९ ॥ अइक्कमन्ति वायाए मणसा वि न पत्थए । सव्वओ संवुडे दन्ते आयाणं सुसमाहरे ॥ २ ॥ ४३ ॥ कडं च कज्जमाणं च आगमिस्सं च पावगं । सव्वं तं णाणुजाणन्ति आयगुत्ता जिइन्दिया ॥ २१ ॥ ४३१ ॥ जे अबुद्धा महाभागा वीरा असमत्तदंसिणो । असुद्धं तेसि परक्कन्तं सफलं होइ सव्वसो ॥ २२ ॥ ४३२ ॥ जे य बुद्धा महाभागा वीरा सम्मत्तदंसिणो । सुद्धं तेसि परक्कन्तं अफलं होइ सव्वसो ॥ २३ ॥ ४३३ ॥ तेसिं पि न तवो सुद्धो निक्खन्ता जे महाकुला । जं नेवन्ने वियाणन्ति न सिलोगं पवेज्जए ॥ २४ ॥ ४३४ ॥ अप्पपिण्डासि पाणासि अप्पं भासेज्ज सुव्वए । खन्ते भिनिव्वुडे दन्ते वीयगिद्धी सया जए ॥ २५ ॥ ४३५ ॥ झाणजोगं समाहट्टु कायं विउसेज्ज सव्वसो । तितिक्खं परमं नच्चा आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २६ ॥ ४३६ ॥ त्ति बेमि ॥ वीरियज्झयणं अट्ठमं ॥

सिद्धि हवेज्ज तम्हा अगणिं फुसन्ताण कुकम्मिण पि ॥ १८ ॥ ३९८ ॥ अपरिक्ख दिट्ठं न हु एव सिद्धी एहिन्ति ते घायमवुज्झमाणा । भूएहि जाण पडिलेह साय विज्ज गहाय तसथावरेहिं ॥ १९ ॥ ३९९ ॥ थणन्ति लुप्पन्ति तसन्ति कम्मी पुढो जगा परिसखाय भिक्खू । तम्हा विऊ विरओ आयगुत्ते दट्ठु तसे या पडिसहरेज्जा ॥ २० ॥ ४०० ॥ जे धम्मलद्ध विणिहाय भुञ्जे वियडेण साहट्टु य जे सिणाइ । जे धोवई लूसयई च वत्थ अहाहु ते नागणियस्स दूरे ॥ २१ ॥ ४०१ ॥ कम्म परिन्नाय दगसि धीरे वियडेण जीवेज्ज य आदिमोक्ख । से बीयकन्दाइ अभुञ्जमाणे विरए सिणाणाइसु इत्थियासु ॥ २२ ॥ ४०२ ॥ जे मायरं च पियरं च हिच्चा गारं तहा पुत्तपसु धणं च । कुलाइँ जे धावइ साउगाइ अहाहु से सामणियस्स दूरे ॥ २३ ॥ ४०३ ॥ कुलाइँ जे धावइ साउगाइ आघाइ धम्म उयराणुगिद्धे । अहाहु से आयरियाण सयसे जे लावएज्जा असणस्स हेऊ ॥ २४ ॥ ४०४ ॥ निक्खम्म दीणे परभोयणम्मि मुहमङ्गलीए उयराणुगिद्धे । नीवारगिद्धे व महावराहे अदूरए एहिइ घायमेव ॥ २५ ॥ ४०५ ॥ अन्नस्स पाणस्सिहलोइयस्स अणुप्पिय भासइ सेवमाणे । पासत्थयं चेव कुसीलयं च निस्सारए होइ जहा पुलाए ॥ २६ ॥ ४०६ ॥ अन्नाय-पिण्डेण हियासएज्जा नो पूयण तवसा आवहेज्जा । सद्देहि रूवेहि असज्जमाण सव्वेहिं कामेहि विणीय गेहिं ॥ २७ ॥ ४०७ ॥ सव्वाइँ सगाइँ अइच्च धीरे सव्वाइँ दुक्खाइं तितिक्खमाणे । अखिले अगिद्धे अणिएयचारी अभयकरे भिक्खु अणाविलप्पा ॥ २८ ॥ ४०८ ॥ भारस्स जाआ मुणि भुञ्जएज्जा कंखेज्ज पावस्स विवेग भिक्खू । दुक्खेण पुट्ठे धुयमाइएज्जा सगामसीसे व पर दमेज्जा ॥ २९ ॥ ४०९ ॥ अवि हम्ममाणे फलगावतट्ठी समागम कखइ अन्तगस्स । निधूय कम्म न पवञ्चुवेइ अक्खक्खए वा सगडं ति वेमि ॥ ३० ॥ ४१० ॥ **कुसीलपरिभासियज्झयणं सत्तमं** ॥

वीरियज्झयणे अट्ठमे

दुहा वेय सुयक्खाय वीरिय ति पवुच्चई । किं नु वीरस्स वीरत्त कह चेय पवुच्चई ॥ १ ॥ ४११ ॥ कम्ममेगे पवेदेन्ति अकम्मं वा वि सुव्वया । एएहिं दोहि ठाणेहिं जेहिं दीसन्ति मच्चिया ॥ २ ॥ ४१२ ॥ पमाय कम्ममाहसु अप्पमाय तहावरं । तब्भावादेसओ वा वि वाल पण्डियमेव वा ॥ ३ ॥ ४१३ ॥ सत्थमेगे तु सिक्खन्ता अइवायाय पाणिण । एगे मन्ते अहिज्जन्ति पाणभूयविहेडिणो ॥ ४ ॥ ४१४ ॥ मायिणो कट्टु माया य कामभोगे समारभे । हन्ता छेत्ता पगब्भित्ता आयसायाणु-

भत्तपाणं तहाविहं । अणुप्पयाणमन्नेसिं तं विज्जं परिजाणिया ॥ २३ ॥ ४५९ ॥ एवं उदाहु निग्गंथे महावीरे महामुणी । अणंतनाणदंसी से धम्मं देसितवं सुतं ॥ २४ ॥ ४६० ॥ भासमाणो न भासेज्जा णेव वंफेज्ज मम्मयं । मातिट्ठाणं विवज्जेज्जा अणुचिंतिय वियागरे ॥ २५ ॥ ४६१ ॥ तत्थिमा तइया भासा जं वदित्ताऽणुतप्पती । जं छन्नं तं न वत्तव्वं एसा आणा णियंठिया ॥ २६ ॥ ४६२ ॥ होलावायं सहीवायं गोयावायं च नो वदे । तुमं तुमं ति अमणुन्नं सव्वसो तं ण वत्तए ॥ २७ ॥ ४६३ ॥ अकुसीले सया भिक्खू णेव संसग्गियं भए । सुहरूवा तत्थुवस्सग्गा पडिबुज्झेज्ज ते विऊ ॥ २८ ॥ ४६४ ॥ नन्नत्थ अंतराएणं परगेहे ण णिसीयए । गामकुमारियं किड्डं नातिवेलं हसे मुणी ॥ २९ ॥ ४६५ ॥ अणुस्सुओ उरालेसु जयमाणो परिव्वए । चरियाए अप्पमत्तो पुट्ठो तत्थ हियासए ॥ ३० ॥ ४६६ ॥ हम्ममाणो न कुप्पेज्ज वुच्चमाणो न संजले । सुमणे अहियासेज्जा ण य कोलाहलं करे ॥ ३१ ॥ ४६७ ॥ लद्धे कामे ण पत्थेज्जा विवेगे एवमाहिए । आयरियाइं सिक्खेज्जा बुद्धाणं अंतिए सया ॥ ३२ ॥ ४६८ ॥ सुस्सूसमाणो उवासेज्जा सुप्पन्नं सुतवस्सियं । वीरा जे अत्तपन्नेसी धितिमन्ता जितिंदिया ॥ ३३ ॥ ४६९ ॥ गिहे दीवमपासन्ता पुरिसादाणिया नरा । ते वीरा बंधणुम्मुक्का नावकंखंति जीवियं ॥ ३४ ॥ ४७० ॥ अगिद्धे सद्दफासेसु आरम्भेसु अणिस्सिए । सव्वं तं समयातीतं जमेतं लवियं बहु ॥ ३५ ॥ ४७१ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिन्नाय पंडिए । गारवाणि य सव्वाणि णिव्वाणं संधए मुणि ॥ ३६ ॥ ४७२ ॥ त्ति बेमि ॥ धम्मज्झयणं नवमं ॥

समाहिअज्झयणे दसमे

आघं मइमं अणुवीइ धम्मं अंजू समाहिं तमिणं सुणेह । अपडिन्न भिक्खू उ समाहिपत्ते अणियाण भूतेसु परिव्वएज्जा ॥ १ ॥ ४७३ ॥ उड्ढं अहेयं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । हत्थेहि पाएहि य संजमित्ता अदिन्नमन्नेसु य णो गहेज्जा ॥ २ ॥ ४७४ ॥ सुयक्खायधम्मे वितिगिच्छतिन्ने लाढे चरे आयतुले पयासु । आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी चयं न कुज्जा सुतवस्सि भिक्खू ॥ ३ ॥ ४७५ ॥ सव्विंदियाभिनिव्वुडे पयासु चरे मुणी सव्वतो विप्पमुक्के । पासाहि पाणे य पुढो वि सत्ते दुक्खेण अट्टे परितप्पमाणे ॥ ४ ॥ ४७६ ॥ एतेसु बाले य पकुव्वमाणे आवट्टती कम्मसु पावएसु । अतिवायतो कीरति पावकम्मं निउंजमाणे उ करेइ कम्मं ॥ ५ ॥ ४७७ ॥ आदीणवित्ती व करेति पावं मन्ता उ एगंतसमाहिमाहु । बुद्धे समाहीय रते विवेगे पाणातिवाया विरते ठितप्पा ॥ ६ ॥ ४७८ ॥

धम्मज्झयणे नवमे

१ कयरे धम्मे अक्खाए माहणेण मईमया । अञ्जु धम्म जहातच्चं जिणाणं त सुणेह मे ॥ १ ॥ ४३७ ॥ माहणा खत्तिया वेस्सा चण्डाला अदु बोक्कसा । एसिया वेसिया सुद्दा जे य आरम्भनिस्सिया ॥ २ ॥ ४३८ ॥ परिग्गहनिविट्ठाण पाव तेसिं पवड्ढई । आरम्भसम्भिया कामा न ते दुक्खविमोयगा ॥ ३ ॥ ४३९ ॥ आघायकिच्चमाहेउं नाइओ विसएसिणो । अन्ने हरन्ति त वित्त कम्मी कम्मेहि किच्चई ॥ ४ ॥ ४४० ॥ माया पिया ण्हुसा भाया भज्जा पुत्ता य ओरसा । नाल ते तव ताणाय लुप्पन्तस्स सकम्मुणा ॥ ५ ॥ ४४१ ॥ एयमट्ठं सपेहाए परमट्ठा-णुगामियं । निम्ममो निरहंकारो चरे भिक्खू जिणाहियं ॥ ६ ॥ ४४२ ॥ चिच्चा वित्त च पुत्ते य नाइओ य परिग्गहं । चिच्चा णं अन्तग सोयं निरवेक्खो परिव्वए ॥ ७ ॥ ४४३ ॥ पुढवी अगणी वाऊ तणरुक्ख सबीयगा । अण्डया पोयजराऊ रससंसेयउब्भिया ॥ ८ ॥ ४४४ ॥ एएहिं छहिं काएहिं त विज्ज परिजाणिया । मणसा कायवक्केण नारम्भी न परिग्गही ॥ ९ ॥ ४४५ ॥ मुसावाय बहिद्ध च उग्गह च अजाइया । सत्थादाणाइ लोगसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ १० ॥ ४४६ ॥ पलिउञ्चण च भयण च थण्डिल्लुस्सयणाणि य । धूणादाणाइ लोगसि त विज्जं परिजाणिया ॥ ११ ॥ ४४७ ॥ धोयणं रयण चेव वत्थीकम्मं विरेयण । वमणञ्ज-णपलीमथ त विज्ज परिजाणिया ॥ १२ ॥ ४४८ ॥ गन्धमल्लसिणाण च दन्त-पक्खालण तहा । परिग्गहित्थिकम्म च त विज्ज परिजाणिया ॥ १३ ॥ ४४९ ॥ उद्देसियं कीयगड पामिच्च चेव आहडं । पूय अणेसणिज्ज च त विज्ज परिजाणिया ॥ १४ ॥ ४५० ॥ आसूणिमक्खिराग च गिद्धुवघायकम्मग । उच्छोलण च कक्क च त विज्जं परिजाणिया ॥ १५ ॥ ४५१ ॥ सपसारी कयकिरिए पसिणायतणाणि य । सागारिय च पिण्ड च तं विज्ज परिजाणिया ॥ १६ ॥ ४५२ ॥ अट्ठावय न सिक्खिज्जा वेहाईय च नो वए । हत्थकम्म विवाय च तं विज्ज परिजाणिया ॥ १७ ॥ ४५३ ॥ पाणहाओ य छत्त च नालीय वालवीयणं । परकिरिय अन्नमन्न च त विज्जं परिजाणिया ॥ १८ ॥ ४५४ ॥ उच्चारं पासवग हरिएसु न करे मुणी । वियडेण वा वि साहट्टु नावमज्जे कयाइ वि ॥ १९ ॥ ४५५ ॥ परमत्ते अन्नपाण न भुञ्जेज्ज कयाइ वि । परवत्थं अचेलो वि त विज्ज परिजाणिया ॥ २० ॥ ४५६ ॥ आसन्दी पलियङ्के य निसिज्ज च गिहन्तरे । संपुच्छणं सरणं वा तं विज्ज परिजा-णिया ॥ २१ ॥ ४५७ ॥ जसं कित्तिं सिलोग च जा य वन्दणपूयणा । सव्वलो-यंसि जे कामा त विज्जं परिजाणिया ॥ २२ ॥ ४५८ ॥ जेणेह निव्वहे भिक्खू

सव्वं जगं तू समयाणुपेही पियमप्पियं कस्स वि नो करेज्जा । उट्ठाय दीणो य पुणो विसण्णो संपूयणं चेव सिलोयकामी ॥ ७ ॥ ४७९ ॥ आहाकडं चेव निकाम-मीणे नियामचारी य विसण्णमेसी । इत्थीसु सत्ते य पुढो य बाले परिग्गहं चेव पकुव्वमाणे ॥ ८ ॥ ४८० ॥ वेराणुगिद्धे निचयं करेइ इओ चुए से दुहमट्ठदुग्गं । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं चरे मुणि सव्वउ विप्पमुक्के ॥ ९ ॥ ४८१ ॥ आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी असज्जमाणो य परिव्वएज्जा । निसम्मभासी य विणीय गिद्धिं हिंसन्नियं वा न कहं करेज्जा ॥ १० ॥ ४८२ ॥ आहाकडं वा न निकामएज्जा निकामयन्ते य न संथवेज्जा । धुणे उरालं अणुवेहमाणे चिच्चा न सोयं अणवेक्ख-माणो ॥ ११ ॥ ४८३ ॥ एगत्तमेयं अभिपत्थएज्जा एवं पमोक्खो न मुसं ति पास । एसप्पमोक्खो अमुसे वरे वि अकोहणे सच्चरए तवस्सी ॥ १२ ॥ ४८४ ॥ इत्थीसु या आरय मेहुणाओ परिग्गहं चेव अकुव्वमाणे । उच्चावएसु विसएसु ताई निस्संसयं भिक्खु समाहिपत्ते ॥ १३ ॥ ४८५ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू तणाइफासं तह सीयफासं । उण्हं च दंसं चऽहियासएज्जा सुब्भिं व दुब्भिं य तितिक्खएज्जा ॥ १४ ॥ ४८६ ॥ गुत्तो वईए य समाहिपत्तो लेसं समाहट्टु परिव्वएज्जा । गिहं न छाए न वि छायएज्जा संमिस्सभावं पयहे पयासु ॥ १५ ॥ ४८७ ॥ जे केइ लोगम्मि उ अकिरियआया अन्नेण पुट्ठा धुयमादिसन्ति । आरम्भसत्ता गढिया य लोए धम्मं न जाणन्ति विमोक्खहेउ ॥ १६ ॥ ४८८ ॥ पुढो य छन्दा इह माणवा उ किरियाकिरीयं च पुढो य वायं । जायस्स बालस्स पकुव्व देहं पवड्ढई वेरम-संजयस्स ॥ १७ ॥ ४८९ ॥ आउक्खयं चेव अबुज्झमाणे ममाइ से साहसकारि मन्दे । अहो य राओ परितप्पमाणे अट्टेसु मूढे अजरामरे व्व ॥ १८ ॥ ४९० ॥ जहाहि वित्तं पसवो य सव्वं जे बन्धवा जे य पिया य मित्ता । लालप्पई से वि य एइ मोहं अन्ने जणा तंसि हरन्ति वित्तं ॥ १९ ॥ ४९१ ॥ सीहं जहा खुड्डमिगा चरन्ता दूरे चरन्ति परिसंकमाणा । एवं तु मेहावि समिक्ख धम्मं दूरेण पावं परिवज्जएज्जा ॥ २० ॥ ४९२ ॥ संबुज्झमाणे उ नरे मईमं पावाउ अप्पाण निवट्ट-एज्जा । हिंसप्पसूयाइं दुहाइं मत्ता वेराणुबन्धीणि महब्भयाणि ॥ २१ ॥ ४९३ ॥ मुसं न बूया मुणि अत्तगामी निव्वाणमेयं कसिणं समाहिं । सयं न कुज्जा न य कारवेज्जा करन्तमन्नं पि य नाणुजाणे ॥ २२ ॥ ४९४ ॥ सुद्धे सिया जाएँ न दूस-एज्जा अमुच्छिए न य अज्झोववन्ने । धिइमं विमुक्के न य पूयणट्ठी न सिलोयगामी य परिव्वएज्जा ॥ २३ ॥ ४९५ ॥ निक्खम्म गेहाउ निरावकंखी कायं विउस्सेज्ज नियाणछिन्ने । नो जीवियं नो मरणाभिकंखी चरेज्ज भिक्खू वलया विमुक्के ॥ २४ ॥ ॥ ४९६ ॥ त्ति बेमि ॥ **समाहियज्झयणं दसमं** ॥

य अप्पत्तएहिं नो किरियमाहंसु अकिरियवाई ॥ ४ ॥ ५१८ ॥ सम्मिस्सभावं च गिरा गहीए से मुम्मुई होइ अणाणुवाई । इमं दुपक्खं इममेगपक्खं आहंसु छलायतणं च कम्मं ॥ ५ ॥ ५१९ ॥ ते एवमक्खन्ति अबुज्झमाणा विरूवरूवाणि अकिरियवाई । जे मायइत्ता बहवे मणूसा भमन्ति संसारमणोवदग्गं ॥ ६ ॥ ५२० ॥ णाइच्चो उएइ ण अत्थमेइ ण चन्दिमा वड्ढइ हायई वा । सलिला ण सन्दन्ति ण वन्ति वाया वञ्झो णियओ कसिणे हु लोए ॥ ७ ॥ ५२१ ॥ जहा हि अन्धे सह जोइणा वि रूवाइं नो पस्सइ हीणनेत्ते । सन्तं पि ते एवमकिरियवाई किरियं न पस्सन्ति निरुद्धपन्ना ॥ ८ ॥ ५२२ ॥ संवच्छरं सुविणं लक्खणं च निमित्तदेहं च उप्पाइयं च । अट्ठङ्गमेयं बहवे अहित्ता लोगंसि जाणन्ति अणागयाइं ॥ ९ ॥ ५२३ ॥ केई निमित्ता तहिया भवन्ति केसिंचि तं विप्पडिएइ णाणं । ते विज्जभावं अणहिज्जमाणा आहंसु विज्जा परिमोक्खमेव ॥ १० ॥ ५२४ ॥ ते एवमक्खन्ति समिच्च लोगं तहा तहा समणा माहणा य । सयंकडं णन्नकडं च दुक्खं आहंसु विज्जाचरणं पमोक्खं ॥ ११ ॥ ५२५ ॥ ते चक्खु लोगंसिह णायगा उ मग्गाणुसासन्ति हियं पयाणं । तहा तहा सासयमाहु लोए जंसी पया माणव संपगाढा ॥ १२ ॥ ५२६ ॥ जे रक्खसा वा जमलोइया वा जे वा सुरा गंधव्वा य काया । आगासगामी य पुढोसिया जे पुणो पुणो विप्परियासुवेन्ति ॥ १३ ॥ ५२७ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं जाणाहि णं भवगहणं दुमोक्खं । जंसी विसन्ना विसयङ्गणाहिं दुहओ वि लोयं अणुसंचरन्ति ॥ १४ ॥ ५२८ ॥ न कम्मुणा कम्म खवेन्ति बाला अकम्मुणा कम्म खवेन्ति धीरा । मेहाविणो लोभमयावतीया संतोसिणो नो पकरेन्ति पावं ॥ १५ ॥ ५२९ ॥ ते तीयउप्पन्नमणागयाइं लोगस्स जाणन्ति तहागयाइं । णेतारो अन्नेसि अणन्नणेया बुद्धा हु ते अन्तकडा भवन्ति ॥ १६ ॥ ५५ ॥ ते नेव कुव्वन्ति न कारवेन्ति भूयाहिसंकाइ दुगुंछमाणा । सया जया विप्पणमन्ति धीरा विण्णत्ति धीरा य हवन्ति एगे ॥ १७ ॥ ५३१ ॥ डहरे य पाणे वुड्ढे य पाणे ते अत्तओ पासइ सव्वलोए । उव्वेहई लोगमिणं महन्तं बुद्धेऽप्पमत्तेसु परिव्वएज्जा ॥ १८ ॥ ५३२ ॥ जे आयओ परओ वा वि णच्चा अलमप्पणो होन्ति अलं परेसिं । तं जोइभूयं च सयावसेज्जा जे पाउकुज्जा अणुवीइ धम्मं ॥ १९ ॥ ५३३ ॥ अत्ताण जो जाणइ जो य लोगं गइं च जो जाणइ णागइं च । जो सासयं जाण असासयं च जाइं च मरणं च चयणोववायं ॥ २० ॥ ५३४ ॥ अहो वि सत्ताण विउट्टणं च जो आसवं जाणइ संवरं च । दुक्खं च जो जाणइ निज्जरं च सो भासिउमरिहइ किरियवायं ॥ २१ ॥

आघाइ साहु त दीव पइट्ठेसा पवुच्चई ॥ २३ ॥ ५१९ ॥ आयगुत्ते सया दन्ते छिन्नसोए अणासवे । जे धम्म सुद्धमक्खाइ पडिपुण्णमणेलिसं ॥ २४ ॥ ५२० ॥ तमेव अवियाणन्ता अबुद्धा बुद्धमाणिणो । बुद्धा मो त्ति य मन्नन्ता अन्त एए समाहिए ॥ २५ ॥ ५२१ ॥ ते य बीयोदगं चेव तमुद्दिस्सा य जं कड । भोच्चा झाणं झियायन्ति अखेयन्नासमाहिया ॥ २६ ॥ ५२२ ॥ जहा ढंका य कंका य कुलला मग्गुका सिही । मच्छेसण झियायन्ति झाण ते कलुसाधम ॥ २७ ॥ ५२३ ॥ एव तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । विसएसण झियायन्ति कंका वा कलुसाहमा ॥ २८ ॥ ५२४ ॥ सुद्ध मग्गं विराहित्ता इहमेगे उ दुम्मई । उम्मग्गगया दुक्खं घायमेसन्ति तं तहा ॥ २९ ॥ ५२५ ॥ जहा आसाविणिं नाव जाइअन्धो दुरूहिया । इच्छई पारमागन्तु अन्तरा य विसीयइ ॥ ३० ॥ ५२६ ॥ एव तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । सोय कसिणमावन्ना आगन्तारो महब्भय ॥ ३१ ॥ ५२७ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइय । तरे सोय महाघोरं अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ३२ ॥ ५२८ ॥ विरए गामधम्मेहिं जे केइ जगई जगा । तेसिं अत्तुवमायाए थाम कुव्व परिव्वए ॥ ३३ ॥ ५२९ ॥ अइमाण च माय च त परिन्नाय पण्डिए । सव्वमेय निराकिच्चा निव्वाणं संधए मुणी ॥ ३४ ॥ ५३० ॥ संधए साहुधम्मं च पावधम्म निराकरे । उवहाणवीरिए भिक्खू कोहं माण न पत्थए ॥ ३५ ॥ ५३१ ॥ जे य बुद्धा अतिक्कन्ता जे य बुद्धा अणागया । सन्ति तेसिं पइट्ठाण भूयाण जगई जहा ॥ ३६ ॥ ५३२ ॥ अह णं वयमावन्न फासा उच्चावया फुसे । न तेसु विणिहण्णेज्जा वाएण व महागिरी ॥ ३७ ॥ ५३३ ॥ संवुडे से महापन्ने धीरे दत्तेसणं चरे । निव्वुडे कालमाकखी एवं केवलिणो मय ॥ ३८ ॥ ५३४ ॥ त्ति बेमि ॥ **मग्गज्झयणं एयारहमं ॥**

समोसरणज्झयणे बारहमे

चत्तारि समोसरणाणिमाणि पावादुया जाइँ पुढो वयन्ति । किरियं अकिरियं विणय ति तइय अन्नाणमाहंसु चउत्थमेव ॥ १ ॥ ५३५ ॥ अन्नाणिया ता कुसला वि सन्ता असंथुया नो वितिगिच्छतिण्णा । अकोविया आहु अकोवियेहिं अणाणुवीइत्तु मुसं वयन्ति ॥ २ ॥ ५३६ ॥ सच्च असच्चं इति चिन्तयन्ता असाहु साहु त्ति उदाहरन्ता । जेमे जणा वेणइया अणेगे पुट्ठा वि भावं विणइंसु नाम ॥ ३ ॥ ॥ ५३७ ॥ अणोवसंखा इइ ते उदाहु अट्ठे स ओभासइ अम्ह एवं । लवावसकी

आजीवगं चेव चउत्थमाहु से पण्डिए उत्तमपोग्गले से ॥ १५ ॥ ५७१ ॥ एयाइँ मयाइँ विगिंच धीरा न ताणि सेवन्ति सुधीरधम्मा । ते सव्वगोत्तावगया महेसी उच्चं अगोत्तं च गतिं वयन्ति ॥ १६ ॥ ५७२ ॥ भिक्खू मुयच्चे तह दिट्ठधम्मे गामं च नगरं च अणुप्पविस्सा । से एसणं जाणमणेसणं च अन्नस्स पाणस्स अणाणुगिद्धे ॥ १७ ॥ ५७३ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू बहुजणे वा तह एगचारी । एगन्तमोणेण वियागरेज्जा एगस्स जन्तो गइरागई य ॥ १८ ॥ ५७४ ॥ सयं समेच्चा अदुवा वि सोच्चा भासेज्ज धम्मं हिययं पयाणं । जे गरहिया सणियाणप्पओगा न ताणि सेवन्ति सुधीरधम्मा ॥ १९ ॥ ५७५ ॥ केसिंचि तक्काइ अबुज्झ भावं खुद्दं पि गच्छेज्ज असद्दहाणे । आउस्स कालाइयारं वघाए लद्धाणुमाणे य परेसु अट्ठे ॥ २० ॥ ५७६ ॥ कम्मं च छन्दं च विगिंच धीरे विणएज्ज उ सव्वओ आयभावं । रूवेहिं लुप्पन्ति भयावहेहिं विज्जं गहाय तसथावरेहिं ॥ २१ ॥ ५७७ ॥ न पूयणं चेव सिलोयकामी पियमप्पियं कस्सइ नो करेज्जा । सव्वे अणट्ठे परिवज्जयन्ते अणाउले या अकसाइ भिक्खू ॥ २२ ॥ ५७८ ॥ आहत्तहीयं समुपेहमाणे सव्वेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । नो जीवियं नो मरणाहिकंखी परिव्वएज्जा वलया विमुक्के ॥ २३ ॥ ५७९ ॥ त्ति बेमि ॥ आहत्तहीयज्झयणं तेरहमं ॥

गन्थज्झयणं चोद्दहमं

गन्थं विहाय इह सिक्खमाणो उट्ठाय सुबम्भचेरं वसेज्जा । ओवायकारी विणयं सुसिक्खे जे छेय से विप्पमायं न कुज्जा ॥ १ ॥ ५८० ॥ जहा दियापोयमपत्तजायं सावासगा पविउं मन्नमाणं । तमचाइयं तरुणमपत्तजायं ढंकाइ अव्वत्तगमं हरेज्जा ॥ २ ॥ ५८१ ॥ एवं तु सेहं पि अपुट्ठधम्मं निस्सारियं वुसिमं मन्नमाणा । दियस्स छायं व अपत्तजायं हरिंसु णं पावधम्मा अणेगे ॥ ३ ॥ ५८२ ॥ ओसाणमिच्छे मणुए समाहिं अणोसिए णन्तकरि त्ति नच्चा । ओभासमाणे दवियस्स वित्तं न निक्कसे बहिया आसुपन्ने ॥ ४ ॥ ५८३ ॥ जे ठाणओ य सयणासणे य परक्कमे यावि सुसाहुजुत्ते । समिईसु गुत्तीसु य आयपन्ने वियागरन्ते य पुढो वएज्जा ॥ ५ ॥ ५८४ ॥ सद्दाणि सोच्चा अदु भेरवाणि अणासवे तेसु परिव्वएज्जा । निद्दं च भिक्खू न पमाय कुज्जा कहंकहं वा वितिगिच्छतिण्णे ॥ ६ ॥ ५८५ ॥ डहरेण वुड्ढेणणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं । सम्मं तयं थिरओ नाभिगच्छे निज्जन्तए वा वि अपारए से ॥ ७ ॥ ५८६ ॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डहरेण वुड्ढेण उ चोइए य । अच्चुट्ठि-

॥ ५५५ ॥ सद्देसु रूवेसु असज्जमाणे गन्धेसु रसेसु अदुस्समाणे । नो जीवियं नो मरणाहिकखी आयाणगुत्ते वलया विमुक्के ॥ २२ ॥ ५५६ ॥ त्ति बेमि ॥ **समोसरणज्झयणं बारहमं ॥**

आहत्तहीयज्झयणे तेरहमे

आहत्तहीय तु पवेयइस्स नाणप्पकारं पुरिसस्स जाय । सओ य धम्म असओ असील सन्ति असन्ति करिस्सामि पाउं ॥ १ ॥ ५५७ ॥ अहो य राओ य समुट्ठिएहिं तहागएहिं पडिलब्भ धम्म । समाहिमाघायमजोसयन्ता सत्थारमेव फरुस वयन्ति ॥ २ ॥ ५५८ ॥ विसोहिय ते अणुकाहयन्ते जे आयभावेण वियागरेज्जा । अट्ठाणिए होइ बहूगुणाणं जे नाणसंकाइ मुस वएज्जा ॥ ३ ॥ ५५९ ॥ जे यावि पुट्ठा पलिउंचयन्ति आयाणमट्ठ खलु वञ्चइत्ता । असाहुणो ते इह साहुमाणी मायण्णि एस्सन्ति अणन्तघाय ॥ ४ ॥ ५६० ॥ जे कोहणे होइ जयट्ठभासी विओसियं जे उ उदीरएज्जा । अन्धे व से दण्डपह गहाय अविओसिए धासइ पावकम्मी ॥ ५ ॥ ५६१ ॥ जे विग्गहीए अन्नायभासी न से समे होइ अझंझपत्ते । ओवायकारी य हिरीमणे य एगन्तदिट्ठी य अमाइरूवे ॥ ६ ॥ ५६२ ॥ से पेसले सुहुमे पुरिसजाए जच्चन्निए चेव सुउज्जुयारे । बहु पि अणुसासिएँ जे तहच्चा समे हु से होइ अझंझपत्ते ॥ ७ ॥ ५६३ ॥ जे यावि अप्पं वसुम ति मत्ता सखाय वायं अपरिक्ख कुज्जा । तवेण वाह सहिउ त्ति मत्ता अन्न जणं पस्सइ बिम्बभूय ॥ ८ ॥ ५६४ ॥ एगन्तकूडेण उ से पलेइ न विज्जई मोणपयंसि गोत्ते । जे माणणट्ठेण विउक्कसेज्जा वसुमन्नतरेण अबुज्झमाणे ॥ ९ ॥ ५६५ ॥ जे माहणे खत्तियजायए वा तहुग्गपुत्ते तह लेच्छई वा । जे पव्वईए परदत्तभोई गोत्ते न जे थब्भइ माणबद्धे ॥ १० ॥ ५६६ ॥ न तस्स जाई व कुल व ताणं नन्नत्थ विज्जाचरण सुचिण्ण । निक्खम्म से सेवइऽगारिकम्म न से पारए होइ विमोयणाए ॥ ११ ॥ ५६७ ॥ निक्किंचणे भिक्खु सुलूहजीवी जे गारवं होइ सिलोगकामी । आजीवमेय तु अबुज्झमाणो पुणो पुणो विप्परियासुवेन्ति ॥ १२ ॥ ५६८ ॥ जे भासव भिक्खु सुसाहुवाई पडिहाणवं होइ विसारए य । आगाढपन्ने सुविभावियप्पा अन्नं जण पन्नया परिहवेज्जा ॥ १३ ॥ ५६९ ॥ एव न से होइ समाहिपत्ते जे पन्नवं भिक्खु विउक्कसेज्जा । अहवा वि जे लाहमयावलित्ते अन्न जण खिंसइ बालपन्ने ॥ १४ ॥ ५७० ॥ पन्नामय चेव तवोमयं च निन्नामए गोयमयं च भिक्खू ।

याए। घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणुसिट्ठे ॥ ८ ॥ ५८७ ॥ न तेसु कुज्झे न य पव्वहेज्जा न यावि किंची फरुसं वएज्जा । तहा करिस्सं ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं न पमाय कुज्जा ॥ ९ ॥ ५८८ ॥ वणंसि मूढस्स जहा अमूढा मग्गाणुसासन्ति हियं पयाणं । तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे बुहा समणुसासयन्ति ॥१०॥५८९॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता । एओवमं तत्थ उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥ ११ ॥ ५९० ॥ नेया जहा अन्धकारंसि राओ मग्गं न जाणाइ अपस्समाणे । से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि ॥ १२ ॥ ५९१ ॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं न जाणाइ अबुज्झमाणे । से कोविए जिणवयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥ १३ ॥ ५९२ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकम्पमाणे ॥ १४ ॥ ५९३ ॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं । तं सोयकारी य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥ १५ ॥ ५९४ ॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी एएसु या सन्ति निरोहमाहु । ते एवमक्खन्ति तिलोगदंसी न भुज्जमेयन्ति पमायसंगं ॥ १६ ॥ ५९५ ॥ निसम्म से भिक्खु समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य । आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥ १७ ॥ ५९६ ॥ संखाइ धम्मं च वियागरन्ति बुद्धा हु ते अन्तकरा भवन्ति । ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए ससोधियं पण्हमुदाहरन्ति ॥ १८ ॥ ५९७ ॥ नो छायए नो वि य लूसएज्जा माणं न सेवेज्ज पगासणं च । न यावि पन्ने परिहास कुज्जा न याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥ १९ ॥ ५९८ ॥ भूयाभिसंकाइ दुगुञ्छमाणे न निव्वहे मन्तपएण गोयं । न किंचिमिच्छे मणुए पयासुं असाहुधम्माणि न संवएज्जा ॥ २० ॥ ५९९ ॥ हासं पि नो संधइ पावधम्मे ओए तहीयं फरुसं वियाणे । नो तुच्छए नो य विकत्थइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥ २१ ॥ ६०० ॥ संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा । भासादुयं धम्मसमुट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपन्ने ॥ २२ ॥ ६०१ ॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तहा तहा साहु अकक्कसेण । न कत्थई भास विहिंसइज्जा निरुद्धगं वावि न दीहइज्जा ॥ २३ ॥ ६०२ ॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी निसामिया समियाअट्ठदंसी । आणाइ सुद्धं वयणं भिउंजे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ ६०३ ॥ अहाबुइयाइं सुसिक्खएज्जा जइज्जया नाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि न लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥२५॥६०४॥ अलूसए नो पच्छन्नभासी नो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइ वायं

॥ २० ॥ ६२६ ॥ अणुत्तरे य ठाणे से कासवेण पवेइए। जं किच्चा निव्वुडा एगे निट्ठं पावन्ति पण्डिया ॥ २१ ॥ ६२७ ॥ पण्डिए वीरियं लद्धुं निग्घायाय पवत्तगं धुणे पुव्वकडं कम्मं नवं वा वि न कुव्वई ॥ २२ ॥ ६२८ ॥ न कुव्वई महावीरे अणुपुव्वकडं रयं। रयसा संमुहीभूया कम्मं हेच्चाण जं मयं ॥ २३ ॥ ६२९ ॥ जं मयं सव्वसाहूणं तं मयं सल्लगत्तणं। साहइत्ताण तं तिण्णा देवा वा अभविंसु ते ॥२४॥६३०॥ अभविंसु पुरा धीरा आगमिस्सा वि सुव्वया। दुन्निबोहस्स मग्गस्स अन्तं पाउकरा तिण्णे ॥२५॥६३१॥ त्ति बेमि ॥ **आयाणियज्झयणं पण्णरहमं ॥**

गाहज्झयणे सोळसमे

अहाह भगवं—एवं से दन्ते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा १ समणे त्ति वा २ भिक्खु त्ति वा ३ निग्गन्थे त्ति वा ४। पडिआह—भन्ते कहं नु दन्ते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा समणे त्ति वा भिक्खु त्ति वा निग्गन्थे त्ति वा। तं नो बूहि महामुणी ॥ इति विरए सव्वपावकम्मेहिं पिज्जदोसकलह० अब्भक्खाण० पेसुन्न० परपरिवाय० अरइरइ० मायामोस० मिच्छादंसणसल्लविरए समिए सहिए सया जए नो कुज्झे नो माणी माहणे त्ति वच्चे ॥ १ ॥ ६३२ ॥ एत्थ वि समणे अनिस्सिए अणियाणे आयाणं च अइवायं च मुसावायं च बहिद्धं च कोहं च माणं च मायं च लोहं च पिज्जं च दोसं च इच्चेव जओ जओ आयाणं अप्पणो पद्दोसहेऊ तओ तओ आयाणाओ पुव्वं पडिविरए पाणाइवाया सिआ दन्ते दविए वोसट्ठकाए समणे त्ति वच्चे ॥ २ ॥ ६३३ ॥ एत्थ वि भिक्खू अणुन्नए विणीए नामए दन्ते दविए वोसट्ठकाए संविधुणीय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अज्झप्पजोगसुद्धादाणे उवट्ठिए ठिअप्पा संखाए परदत्तभोई भिक्खु त्ति वच्चे ॥ ३ ॥ ६३४ ॥ एत्थ वि निग्गन्थे एगे एगविऊ बुद्धे संछिन्नसोए सुसंजए सुसमिए सुसामाइए आयवायपत्ते विऊ दुहओ वि सोयपलिच्छिन्ने णो पूयणसक्कारलाभट्ठी धम्मट्ठी धम्मविऊ नियागपडिवन्ने समियं चरे दन्ते दविए वोसट्ठकाए निग्गन्थे त्ति वच्चे ॥ ४ ॥ ६३५ ॥ से एवमेव जाणह जमहं भयन्तारो ॥ त्ति बेमि ॥ **गाहज्झयणं सोळसमं, पढमे सुयक्खन्धे समत्ते ॥**

पोण्डरियज्झयणे पढमे

सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु पोण्डरीए नामज्झयणे

अहावरे तच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे पच्चत्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं एगं महं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ दोण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए जाव सेयंसि निसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना अकुसला अपण्डिया अवियत्ता अमेहावी बाला नो मग्गट्ठा नो मग्गविऊ नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एए पुरिसा एवं मन्ने-अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो, नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जाव जावं च णं अभिक्कमे ताव तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए जाव अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे तच्चे पुरिसजाए ॥ ४ ॥ ६३९ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए। अह पुरिसे उत्तराओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ तिण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव सेयंसि निसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना जाव नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं णं एए पुरिसा एवं मन्ने-अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि पुरिसे खेयन्ने जाव मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे ताव तावं च णं महन्ते उदए महन्ते सेए जाव निसण्णे चउत्थे पुरिसजाए ॥ ५ ॥ ६४० ॥ अह भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयन्ने जाव गइपरिक्कमन्नू अन्नयराओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं जाव पडिरूवं। ते तत्थ चत्तारि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव पउमवरपोण्डरीयं नो हव्वाए नो पाराए अन्तरा पुक्खरिणीए सेयंसि निसण्णे। तए णं से भिक्खू एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयन्ना जाव नो मग्गस्स गइपरिक्कमन्नू जं एए पुरिसा एवं मन्ने अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामो, नो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उन्निक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मन्ने। अहमंसि भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयन्ने जाव गइपरिक्कमन्नू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उन्निक्खिस्सामि त्ति कट्टु इति वुच्चा से भिक्खू

(रायवण्णओ जहा ओववाइए) जाव पसंतडिम्बडमरं रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तस्स णं रन्नो परिसा भवइ उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता इक्खागाइ इक्खागाइ-पुत्ता नाया नायपुत्ता कोरव्वा कोरव्वपुत्ता भट्टा भट्टपुत्ता माहणा माहणपुत्ता लेच्छइ लेच्छइपुत्ता पसत्थारो पसत्थपुत्ता सेणावई सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा वा माहणा वा संपहारिंसु गमणाए। तत्थ अन्नयरेणं धम्मेण पन्नत्तारो वयं इमेणं धम्मेण पन्नवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपन्नत्ते भवइ। तं जहा–उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए नो जीवइ, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य नो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं निज्जइ, अगणिझामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति, आसंदीपंचमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अन्नो भवइ जीवो अन्नं सरीरं, तम्हा ते एवं नो विपडिवे-देंति–अयमाउसो आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे त्ति वा चउरंसे त्ति वा आयए त्ति वा छलंसिए त्ति वा अट्ठंसे त्ति वा किण्हे त्ति वा नीले त्ति वा लोहियहालिद्दे त्ति वा सुक्किल्ले त्ति वा सुब्भिगंधे त्ति वा दुब्भिगंधे त्ति वा तित्ते त्ति वा कडुए त्ति वा कसाए त्ति वा अम्बिले त्ति वा महुरे त्ति वा कक्खडे त्ति वा मउए त्ति वा गुरुए त्ति वा लहुए त्ति वा सीए त्ति वा उसिणे त्ति वा निद्धे त्ति वा लुक्खे त्ति वा। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अन्नो जीवो अन्नं सरीरं, तम्हा ते नो एवं उवलब्भंति। से जहानामए–केइ पुरिसे कोसीओ असिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो असी अयं कोसी, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए केइ पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो मुंजे इयं इसियं, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे मंसाओ अट्ठिं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो मंसे अयं अट्ठी, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे करयलाओ आमलकं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदं-सेज्जा अयमाउसो करयले अयं आमलए, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अय-माउसो आया इयं सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे दहीओ नवणीयं अभिनिव्व-ट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो नवणीयं अयं तु दही, एवमेव नत्थि केइ पुरिसे जाव सरीरं। से जहानामए–केइ पुरिसे तिलेहिंतो तेल्लं अभिनिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा

चा सिद्धि त्ति वा असिद्धि त्ति वा निरए त्ति वा अनिरए त्ति वा अवि अन्तसो तणमायमवि ॥ तं च पिहुद्देसेणं पुढोभूयसमवायं जाणेज्जा । तं जहा पुढवी एगे महब्भूए, आऊ दुच्चे महब्भूए, तेऊ तच्चे महब्भूए, वाऊ चउत्थे महब्भूए, आगासे पञ्चमे महब्भूए । इच्चेए पञ्च महब्भूया अनिम्मिया अनिम्माविया अकडा नो कित्तिमा नो कडगा अणाइया अणिहणा अवञ्झा अपुरोहिया सतता सासया आयछट्ठा । पुण एगे एवमाहु–सओ नत्थि विणासो असओ नत्थि संभवो । एयावया जीवकाए एयावया व अत्थिकाए एयावया व सव्वलोए, एयं मुहं लोगस्स करणयाए, अवि अन्तसो तणमायमवि । से किणं किणावेमाणे हणं घायमाणे पयं पयावेमाणे अवि अन्तसो पुरिसमवि कीणित्ता घायइत्ता एत्थ पि जाणाहि नत्थित्थ दोसो । ते नो एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा–किरिया इ वा जाव अनिरए इ वा । एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए । एवमेव ते अणारिया विप्पडिवन्ना तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा जाव ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । दोच्चे पुरिसजाए पञ्चमहब्भूइए त्ति आहिए ॥ १० ॥ ६४५ ॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेण लोयं उववन्ना । तं जहा–आरिया वेगे जाव तेसिं च णं महंते एगे राया भवइ जाव सेणावइपुत्ता । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए जाव जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपन्नत्ते भवइ । इह खलु धम्मा पुरिसादिया पुरिसोत्तरिया पुरिसप्पणीया पुरिससंभूया पुरिसपज्जोइया पुरिसमभिसमन्नागया पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए–गण्डे सिया सरीरे जाए सरीरे संवुड्ढे सरीरे अभिसमन्नागए सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए–अरई सिया सरीरे जाया सरीरे संवुड्ढा सरीरे अभिसमन्नागया सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति से जहानामए–वम्मिए सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमन्नागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठति, से जहानामए–रुक्खे सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमन्नागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए–पुक्खरिणी सिया पुढविजाया जाव पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसादिया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति । से जहानामए–उदगपुक्खले सिया उदगजाए जाव

जाणमाणे एएसिं। एवं से मेहावी पुव्वामेव अप्पणा एवं समभिजाणेज्जा। इह खलु मम अन्नयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव दुक्खे नो सुहे, से हंता भयंतारो कामभोगाइं मम अन्नयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयह अणिट्ठं जाव नो सुहं। ता अहं दुक्खामि वा सोयामि वा जाव परितप्पामि वा, इमाओ मे अन्नयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ परिमोएह अणिट्ठाओ जाव नो सुहाओ, एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। तेसिं वा वि भयंताराणं मम णाययाणं अन्नयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव नो सुहे, से हंता अहमेएसिं भयंताराणं णाययाणं इमं अन्नयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयामि अणिट्ठं जाव नो सुहं, मा मे दुक्खंतु वा जाव मा मे परितप्पंतु वा, इमाओ णं अन्नयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ परिमोएमि अणिट्ठाओ जाव नो सुहाओ, एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। अन्नस्स दुक्खं अन्नो न परियाइयइ, अन्नेण कडं अन्नो नो पडिसंवेदेइ, पत्तेयं जायइ, पत्तेयं मरइ पत्तेयं चयइ पत्तेयं उववज्जइ पत्तेयं झंझा पत्तेयं सन्ना पत्तेयं मन्ना एवं विन्नू वेयणा। इइ खलु णाइसंजोगा नो ताणाए वा नो सरणाए वा। पुरिसे वा एगया पुव्विं णाइसंजोगे विप्पजहइ, णाइसंजोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहंति, अन्ने खलु णाइसंजोगा अन्नो अहमंसि, से किमंग पुण वयं अन्नमन्नेहिं णाइसंजोगेहिं मुच्छामो, इति संखाए णं वयं णाइसंजोगं विप्पजहिस्सामो। से मेहावी जाणेज्जा बहिरंगमेयं, इणमेव उवणीयतरागं। तं जहा–हत्था मे पाया मे बाहा मे ऊरू मे उदरं मे सीसं मे सीलं मे आऊ मे बलं मे वण्णो मे तया मे छाया मे सोयं मे चक्खू मे घाणं मे जिब्भा मे फासा मे ममाइज्जइ, वयाउ पडिजूरइ। तं जहा–आउओ बलाओ वण्णाओ तयाओ छायाओ सोयाओ जाव फासाओ। सुसंधिओ संधी विसंधीभवइ, वलियतरंगे गाए भवइ, किण्हा केसा पलिया भवंति। तं जहा–जं पि य इमं सरीरगं उरालं आहारोवइयं एयं पि य अणुपुव्वेणं विप्पजहियव्वं भविस्सइ। एयं संखाए से भिक्खू भिक्खायरियाए समुट्ठिए दुहओ लोगं जाणेज्जा, तं जहा–जीवा चेव अजीवा चेव तसा चेव थावरा चेव ॥ ११ ॥ ६४८ ॥ इह खलु गारत्था सारंभा सपरिग्गहा संतेगइया समणा माहणा वि सारंभा सपरिग्गहा, जे इमे तसा थावरा पाणा ते सयं समारंभंति अन्नेण वि समारंभावेंति अन्नं पि समारंभंतं समणुजाणंति। इह खलु गारत्था सारंभा सपरिग्गहा संतेगइया समणा माहणा वि सारंभा सपरिग्गहा, जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते सयं परिगिण्हंति अन्नेण वि परिगिण्हावेंति अन्नं पि परिगिण्हंतं समणुजाणंति। इह खलु गारत्था सारंभा सपरिग्गहा संतेगइया समणा माहणा वि

पुरिसजाए नियइवाइए त्ति आहिए ॥ इच्चेए चत्तारि पुरिसजाया नाणापन्ना नाणा-छंदा नाणासीला नाणादिट्ठी नाणारुई नाणारम्भा नाणाअज्झवसाणसंजुत्ता पहीण-पुव्वसंजोगा आरियं मग्गं असंपत्ता इति ते नो हव्वाए नो पाराए अंतरा काम-भोगेसु विसण्णा ॥ १२ ॥ ६४७ ॥ से बेमि पाईणं वा ६ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे हस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाणि भवंति, तं जहा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा। तेसिं च णं जणजाणवयाइं परिग्गहियाइं भवन्ति, तं जहा अप्पयरा भुज्जयरा वा। तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म अभिभूय एगे भिक्खायरियाए समुट्ठिया। सओ वा वि एगे नायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया। असओ वा वि एगे नायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खाय-रियाए समुट्ठिया। [जे ते सओ वा असओ वा नायओ य अणायओ य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया] पुव्वमेव तेहिं नायं भवइ। तं जहा–इह खलु पुरिसे अन्नमन्नं ममट्ठाए एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा–खेत्तं मे वत्थू मे हिरण्णं मे सुवण्णं मे धणं मे धन्नं मे कंसं मे दूसं मे विपुलधणकणगरयणमणिमो-त्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएय मे। सद्दा मे रूवा मे गंधा मे रसा मे फासा मे। एए खलु मे कामभोगा अहमवि एएसिं। से मेहावी पुव्वामेव अप्पणो एवं समभिजाणेज्जा। तं जहा–इह खलु मम अन्नयरे दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुन्ने अमणामे दुक्खे नो सुहे। से हंता भयंतारो कामभोगाइं मम अन्नयरं दुक्खं रोगायंकं परियाइयह अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुन्नं अमणामं दुक्खं नो सुहं । ता अहं दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा इमाओ मे अन्नयराओ दुक्खाओ रोगायंकाओ पडिमोयह अणिट्ठाओ अकंताओ अप्पियाओ असुभाओ अमणुन्नाओ अमणामाओ दुक्खाओ नो सुहाओ। एवमेव नो लद्धपुव्वं भवइ। इह खलु कामभोगा नो ताणाए वा नो सरणाए वा। पुरिसे वा एगया पुव्विं कामभोगे विप्पजहइ, कामभोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहन्ति। अन्ने खलु कामभोगा अन्नो अहमंसि। से किमंग पुण वयं अन्नमन्नेहिं कामभोगेहिं मुच्छामो । इति संखाए णं वयं च कामभोगेहिं विप्पजहिस्सामो। से मेहावी जाणेज्जा बहिरंगमेयं इणमेव उवणीययरागं। तं जहा–माया मे पिया मे भाया मे भगिणी मे भज्जा मे पुत्ता मे धूया मे पेसा मे नत्ता मे सुण्हा मे सुहा मे पिया मे सहा मे सयणसगंथसंथुया मे । एए खलु मम नायओ

सारम्भा सपरिग्गहा, अहं खलु अणारम्भे अपरिग्गहे, जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, एएसिं चेव निस्साए बम्भचेरवासं वसिस्सामो। कस्स णं तं हेउ? जहा पुव्वं तहा अवरं जहा अवरं तहा पुव्वं, अञ्जू एए अणुवरया अणुवट्ठिया पुणरवि तारिसगा चेव। जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, दुहओ पावाइं कुव्वंति इति संखाए दोहि वि अंतेहिं अदिस्समाणो इति भिक्खू रीएज्जा ॥ से बेमि पाईणं वा ६ जाव एवं से परिन्नायकम्मे, एवं से ववेयकम्मे, एवं से विअंतकारए भवइ त्ति-मक्खायं ॥ १४ ॥ ६४९ ॥ तत्थ खलु भगवया छज्जीवनिकायहेऊ पन्नत्ता। तं जहा-पुढवीकाए जाव तसकाए। से जहानामए-मम अस्सायं दण्डेण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आउट्टिज्जमाणस्स वा हम्ममाणस्स वा तज्जिज्जमाणस्स वा ताडिज्जमाणस्स वा परियाविज्जमाणस्स वा किलामिज्जमाणस्स वा उद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेव जाण सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वे पाणा सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आउट्टिज्जमाणा वा हम्ममाणा वा तज्जिज्जमाणा वा ताडिज्जमाणा वा परियाविज्जमाणा वा किलामिज्जमाणा वा उद्दविज्जमाणा वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति। एवं नच्चा सव्वे पाणा जाव सत्ता न हंतव्वा न अज्जावेयव्वा न परिघेयव्वा न परितावेयव्वा न उद्दवेयव्वा। से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पन्ना जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पन्नवेंति एवं परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता न हंतव्वा न परिघेयव्वा न अज्जावेयव्वा न परितावेयव्वा न उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे नीइए सासए समिच्च लोगं खेयन्नेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव विरए परिग्गहाओ नो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा नो अंजणं नो वमणं नो धूवणे नो तं परिआविएज्जा ॥ से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे अमाणे अमाए अलोहे उवसंते परिनिव्वुडे नो आससं पुरओ करेज्जा इमेण मे दिट्ठेण वा सुएण वा मएण वा विन्नाएण वा इमेण वा सुचरियतवनियमबम्भचेरवासेणं इमेण वा जायामायावुत्तिएणं धम्मेण इओ चुए पेच्चा देवे सिया कामभोगाण वसवत्ती सिद्धे वा अदुक्खमसुभे एत्थ वि सिया एत्थ वि नो सिया। से भिक्खू सद्देहिं अमुच्छिए रूवेहिं अमुच्छिए गंधेहिं अमुच्छिए रसेहिं अमुच्छिए फासेहिं अमुच्छिए विरए कोहाओ माणाओ मायाओ लोभाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खाणाओ पेसुन्नाओ परपरिवायाओ

से भिक्खू धम्मट्ठी धम्मविऊ नियागपडिवन्ने से जहेयं वुइयं अदुवा पत्ते पउमवर-पोण्डरीयं अदुवा अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं, एवं से भिक्खू परिण्णायकम्मे परिण्णाय-संगे परिण्णायगेहवासे उवसन्ते समिए सहिए सयाजए। सेयं वयणिज्जे तं जहा—समणे त्ति वा माहणे त्ति वा खन्ते त्ति वा दन्ते त्ति वा गुत्ते त्ति वा मुत्ते त्ति वा इसि त्ति वा मुणि त्ति वा कइ त्ति वा विऊ त्ति वा भिक्खु त्ति वा लूहे त्ति वा तीरट्ठि त्ति वा चरणकरणपारविऊ त्ति बेमि ॥ १५ ॥ ६५० ॥ **पोण्डरियज्झयणं पढमं समत्तं ॥**

किरियाठाणज्झयणे बिइये

सुयं मे आउस! तेण भगवया एवमक्खायं। इह खलु किरियाठाणे नामज्झयणे पन्नत्ते, तस्स णं अयमट्ठे। इह खलु संजूहेणं दुवे ठाणे एवमाहिज्जन्ति। तं जहा। धम्मे चेव अधम्मे चेव उवसन्ते चेव अणुवसन्ते चेव। तत्थ णं जे से पढमस्स ठाणस्स अहम्मपक्खस्स विभङ्गे तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते। इह खलु पाईणं वा ६ सन्तेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं इमं एयारूवं दण्डसमादाणं संपेहाए। तं जहा—नेरइ-एसु वा तिरिक्खजोणिएसु वा मणुस्सेसु वा देवेसु वा जे यावन्ने तहप्पगारा पाणा विन्नू वेयणं वेयंति॥ तेसिं पि य णं इमाइं तेरस किरियाठाणाइं भवंतीतिमक्खायं। तं जहा—अट्ठादण्डे १, अणट्ठादण्डे २, हिंसादण्डे ३, अकम्हादण्डे ४, दिट्ठिविपरि-यासियादण्डे ५, मोसवत्तिए ६, अदिन्नादाणवत्तिए ७, अज्झत्थवत्तिए ८, माणवत्तिए ९, मित्तदोसवत्तिए १०, मायावत्तिए ११, लोभवत्तिए १२, इरियावहिए १३ ॥१॥६५१॥ पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए—केइ पुरिसे आयहेउं वा नाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा मित्तहेउं वा नागहेउं वा भूयहेउं वा जक्खहेउं वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव निसिरइ अन्नेण वि निसिरावेइ अन्नं पि निसिरंतं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥ २ ॥ ६५२ ॥ अहावरे दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहानामए—केइ पुरिसे जे इमे तसा पाणा भवंति ते नो अच्चाए नो अजिणाए नो मंसाए नो सोणियाए एवं हिययाए पित्ताए वसाए पिच्छाए पुच्छाए वालाए सिंगाए विसाणाए

सावज्ज आहिज्जइ । चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए आहिए ॥५॥६५५॥ अहावरे पञ्चमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भगिणीहिं वा भज्जाहिं वा पुत्तेहिं वा धूयाहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे मित्त अमित्तमेव मन्नमाणे मित्ते हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे । से जहानामए-केइ पुरिसे गामघायंसि वा नगरघायंसि वा खेडघायंसि कब्बडघायंसि मडंबघायंसि वा दोणमुहघायंसि वा पट्टणघायंसि वा आसमघायंसि वा संनिवेसघायंसि वा निग्गमघायंसि वा रायहाणि-घायंसि वा अतेण तेणमिति मन्नमाणे अतेणे हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे । एवं खलु तस्स तप्पत्तिय सावज्ज ति आहिज्जइ । पञ्चमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरि-यासियादण्डवत्तिए त्ति आहिए॥ ६ ॥ ६५६ ॥ अहावरे छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा नाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा सयमेव मुसं वयइ अण्णेण वि मुसं वाएइ मुसं वयन्तं पि अन्नं समणु-जाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तिय सावज्ज ति आहिज्जइ । छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिए ॥७॥६५७॥ अहावरे सत्तमे किरियट्ठाणे अदिन्नादाणवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा जाव परिवारहेउं वा सयमेव अदिन्नं आदियइ अन्नेणं वि अदिन्नं आदियावेइ अदिन्नं आदियन्तं अन्नं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्ज ति आहिज्जइ । सत्तमे किरियट्ठाणे अदिन्नादाणवत्तिए त्ति आहिए ॥८॥६५८॥ अहावरे अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे नत्थि णं केइ किंचि विसंवादेइ सयमेव हीणे दीणे दुट्ठे दुम्मणे ओहयमण-संकप्पे चिन्तासोगसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठिए झियाइ, तस्स णं अज्झत्थया आससइया चत्तारि ठाणा एवमाहिज्जन्ति । तं जहा-कोहे माणे माया लोहे । अज्झत्थमेव कोहमाणमायालोहे । एवं खलु तस्स तप्प-त्तिय सावज्ज ति आहिज्जइ । अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिए ॥९॥६५९॥ अहावरे नवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहानामए-केइ पुरिसे जाइमएण वा कुलमएण वा बलमएण वा रूवमएण वा तवमएण वा सुयमएण वा लाभमएण वा इस्सरियमएण वा पन्नामएण वा अन्नयरेण वा मयट्ठाणेण मत्ते समाणे-परं हीलेइ निन्देइ खिंसइ गरहइ परिभवइ अवमन्नेइ, इत्तरिए अयं, अहमंसि पुण विसिट्ठजाइकुलबलाइगुणोववेए । एवं अप्पाणं समुक्कस्से, देहचुए कम्मबिइए अवसे पयाइ । तं जहा-गब्भाओ गब्भं ४ जम्माओ जम्मं माराओ मारं नरगाओ नरगं चण्डे थद्धे चवले माणी यावि भवइ । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्ज

अज्झोववन्ना जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा भुञ्जित्तु भोगभोगाइं कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु आसुरिएसु किब्बिसिएसु ठाणेसु उववत्तारो भवन्ति । तओ विप्पमुच्चमाणे भुज्जो भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए जाइमूयत्ताए पच्चायन्ति । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । दुवालसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिए । इच्चेयाइं दुवालस किरियट्ठाणाइं दविएणं समणेण वा माहणेण वा सम्मं सुपरिजाणियव्वाइं भवन्ति ॥ १३ ॥ ६६३ ॥ अहावरे तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ । इह खलु अत्तत्ताए संवुडस्स अणगारस्स इरियासमियस्स भासासमियस्स एसणासमियस्स आयाणभण्डमत्तनिक्खेवणासमियस्स उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमियस्स मणसमियस्स वयसमियस्स कायसमियस्स मणगुत्तस्स वयगुत्तस्स कायगुत्तस्स गुत्तिन्दियस्स गुत्तबम्भयारिस्स आउत्तं चिट्ठमाणस्स आउत्तं निसीयमाणस्स आउत्तं तुयट्टमाणस्स आउत्तं भुञ्जमाणस्स आउत्तं गच्छमाणस्स आउत्तं भासमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कम्बलं पायपुञ्छणं गिण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा जाव चक्खुपम्हनिवायमवि अत्थि विमाया सुहुमा किरिया इरियावहिया नाम कज्जइ । सा पढमसमए बद्धा पुट्ठा बिइयसमए वेइया तइयसमए निज्जिण्णा सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया निज्जिण्णा सेयकाले अकम्मे यावि भवइ । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ, तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ । से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पन्ना जे य आगमिस्सा अरिहन्ता भगवन्ता सव्वे ते एयाइं चेव तेरस किरियट्ठाणाइं भासिंसु वा भासेन्ति वा भासिस्सन्ति वा पन्नविंसु वा पन्नवेन्ति वा पन्नविस्सन्ति वा, एवं चेव तेरसमं किरियट्ठाणं सेविंसु वा सेवन्ति वा सेविस्सन्ति वा ॥ १४ ॥ ६६४ ॥ अदुत्तरं च णं पुरिसविजयं विभङ्गमाइक्खिस्सामि । इह खलु नाणापन्नाणं नाणाछन्दाणं नाणासीलाणं नाणादिट्ठीणं नाणारुईणं नाणारम्भाणं नाणाज्झवसाणसजुत्ताणं नाणाविहपावसुयज्झयणं एवं भवइ । तं जहा–भोमं उप्पायं सुविणं अन्तलिक्खं अङ्गं सरं लक्खणं वञ्जणं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं मेण्ढलक्खणं कुक्कुडलक्खणं तित्तिरलक्खणं वट्टगलक्खणं लावयलक्खणं चक्कलक्खणं छत्तलक्खणं चम्मलक्खणं दण्डलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कागिणिलक्खणं सुभगाकरं दुब्भगाकरं गब्भाकरं मोहणकरं आहव्वणिं पागसासणिं दव्वहोमं खत्तियविज्जं चन्दचरियं सूरचरियं सुक्कचरियं बहस्सइचरियं उक्कापायं दिसादाहं मियचक्कं वायसपरिमण्डलं पंसुवुट्ठिं केसवुट्ठिं मंसवुट्ठिं रुहिरवुट्ठिं वेयालिं अद्धवेयालिं ओसोवणिं तालुग्घाडणिं सोवागिं सोवारिं दामिलिं कालिङ्गिं

गोवालभावं पडिसंधाय तमेव गोवालं वा परिजविय परिजविय हन्ता जाव उव-क्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियभावं पडिसंधाय तमेव सुणगं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियन्तियभावं पडिसंधाय तमेव मणुस्सं वा अन्नयरं वा तसं पाणं हन्ता जाव आहारं आहारेइ इति से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ॥ १६॥ ६६६॥ से एगइओ परिसामज्झाओ उट्ठित्ता अहमेयं हणामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविञ्जलं वा अन्नयरं वा तसं वा पाणं हन्ता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं सस्साइं झामेइ अन्नेण वि अगणिकाएणं सस्साइं झामावेइ अगणिकाएणं सस्साइं झामन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अन्नेण वि कप्पावेइ कप्पन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुरा-थालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा गोणसालाओ वा घोड-गसालाओ वा गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाए पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ अन्नेण वि झामावेइ झामन्तं पि अन्नं समणुजाणइ, इति से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुरा-थालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा कुण्डलं वा मणिं वा मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ अन्नेण वि अवहरावेइ अवहरन्तं पि अन्नं समणुजाणइ इति से महया जाव भवइ॥ से एगइओ केणइ वि आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा भण्डगं वा मत्तगं वा लट्ठिं वा भिसिगं वा चेलगं वा चिलिमिलिगं वा चम्मयं वा छेयणगं वा चम्मकोसियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ॥ से एगइओ नो वितिगिञ्छइ। तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं ओसहीओ झामेइ जाव अन्नं पि झामन्तं समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ नो वितिगिञ्छइ, तं जहा—गाहा-वईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सय-मेव घूराओ कप्पेइ अन्नेण वि कप्पावेइ अन्नं पि कप्पन्तं समणुजाणइ। से एगइओ

गिज्झन्ति । एस ठाणे अणारिए अकेवले अप्पडिपुण्णे अणेयाउए असंसुद्धे असल्लगत्तणे असिद्धिमग्गे अमुत्तिमग्गे अनिव्वाणमग्गे अनिज्जाणमग्गे असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहु । एस खलु पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥१७॥६६७॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे नीयागोया वेगे कायमन्ता वेगे हस्समन्ता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे । तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाइं भवन्ति, एसो आलावगो जहा पोण्डरीए तहा नेयव्वो, तेणेव अभिलावेण जाव सव्वोवसन्ता सव्वत्ताए परिनिव्वुडे त्ति बेमि ॥ एस ठाणे आरिए केवले जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगन्तसम्मे साहु । दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥१८॥६६८॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ । जे इमे भवन्ति आरण्णिया आवसहिया गामणियन्तिया कण्हुइरहस्सिया जाव ते तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयाए तमूयत्ताए पच्चायन्ति । एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहू । एस खलु तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ १९ ॥ ६६९ ॥ अहावरे पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति–गिहत्था महिच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अधम्मिया अधम्माणुया अधम्मिट्ठा अधम्मक्खाई अधम्मपायजीविणो अधम्मपलोई अधम्मपलज्जणा अधम्मसीलसमुदायारा अधम्मेण चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति । हण छिन्द भिन्द विगत्तगा लोहियपाणी चण्डा रुद्दा खुद्दा साहस्सिया उक्कुञ्चणवञ्चणमायानियडिकूडकवडसाइसपओगबहुला दुस्सीला दुव्वया दुप्पडियाणन्दा असाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कोहाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडिविरया, सव्वाओ ण्हाणुम्मद्दणवण्णगन्धविलेवणसद्दफरिसरसरूवगन्धमल्लालंकाराओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसियासन्दमाणियासयणासणजाणवाहणभोगभोयणपवित्थरविहीओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कयविक्कयमासद्धमासरूवगसंववहाराओ अप्पडिविरया, जावज्जीवाए, सव्वाओ हिरण्णसुवण्णधणधन्नमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कूडतुलकूडमाणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ आरम्भसमारम्भाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ करणकारावणाओ अप्पडिविरया

काल किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे नरगयलपइट्ठाणे भवइ ॥ २० ॥ ६७० ॥ ते णं नरगा अन्तो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया निच्चन्धकारतमसा ववगयगहचन्दसूरनक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसामंसरुहिरपूयपडलचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणयला असुई वीसा परमदुब्भिगन्धा कण्हा अगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरएसु वेयणाओ ॥ नो चेव नरएसु नेरइया निद्दायन्ति वा पयलायन्ति वा सुइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभन्ते । ते णं तत्थ उज्जलं विउलं पगाढं कडुयं कक्कसं चण्डं दुक्खं दुग्गं तिव्वं दुरहियासं नेरइया वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ २१ ॥ ६७१ ॥ से जहानामए रुक्खे सिया पव्वयग्गे जाए मूले छिन्ने अग्गे गरुए जओ निण्णं जओ विसमं जओ दुग्गं तओ पवडइ, एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए गब्भाओ गब्भं जम्माओ जम्मं माराओ मारं नरगाओ नरगं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिए नेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहिए यावि भवइ । एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तमिच्छे असाहू । पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए ॥ २२ ॥ ६७२ ॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा—अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुगा धम्मिट्ठा जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति, सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणन्दा सुसाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जीवाए जाव जे यावन्ने तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मन्ता परपाणपरियावणकरा कज्जन्ति तओ वि पडिविरया जावज्जीवाए ॥ से जहानामए—अणगारा भगवन्तो इरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभण्डमत्तनिक्खेवणसमिया उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपरिट्ठावणियासमिया मणसमिया वयसमिया कायसमिया मणगुत्ता वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिन्दिया गुत्तबम्भयारी अकोहा अमाणा अमाया अलोभा सन्ता पसन्ता उवसन्ता परिनिव्वुडा अणासवा अग्गन्था छिन्नसोया निरुवलेवा कंसपाइ व्व मुक्कतोया सखो इव निरञ्जणा जीव इव अपडिहयगई गगणतलं पिव निरालम्बणा वाउरिव अपडिबद्धा सारदसलिलं व सुद्धहियया पुक्खरपत्तं व निरुवलेवा कुम्मो इव गुत्तिन्दिया विहग इव विप्पमुक्का खग्गिविसाणं व एगजाया भारुण्डपक्खी व अप्पमत्ता कुञ्जरो इव सोण्डीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा मन्दरो इव अप्पकम्पा सागरो इव गम्भीरा चन्दो इव सोमलेसा सूरो इव दित्ततेया जच्चकणगं व जायरूवा वसुंधरा इव सव्वफासविसहा सुहुयहुयासणो विय तेयसा जलन्ता । नत्थि णं तेसिं भगवन्ताणं

पवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोंदी पलम्बवणमालाधरा दिव्वेण रूवेण दिव्वेणं वण्णेण दिव्वेण गन्धेण दिव्वेणं फासेण दिव्वेणं सघाएणं दिव्वेण सठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चाए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दया यावि भवन्ति। एस ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगन्तसम्मे सुसाहू। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभङ्गे एवमाहिए॥ २३॥ ६७३॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्सविभङ्गे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। त जहा-अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरन्ति सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणन्दा साहू एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावजीवाए एगच्चाओ अप्पडिविरया जाव जे यावन्ने तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मन्ता परपाणपरितावणकरा कज्जन्ति तओ वि एगच्चाओ अप्पडिविरया। से जहानामए समणोवासगा भवन्ति अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरवेयणानिज्जराकिरियाहिगरणबन्धमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगन्धव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गन्थाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव निग्गन्थे पावयणे निस्सकिया निक्कखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा अट्ठिमिञ्जपेम्माणुरागरत्ता। अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे उसियफलिहा अवङ्गुयदुवाराअचियत्तन्तेउरपरघरपवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे निग्गन्थे फासुएसणिज्जेण असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुञ्छणेणं ओसहभेसज्जेणं पीढफलगसेज्जासन्थारएण पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरन्ति॥ ते णं एयारूवेण विहारेण विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता आबाहंसि उप्पण्णंसि वा, अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएन्ति बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेन्ति बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तंजहा-महड्ढिएसु महज्जुइएसु जाव महासोक्खेसु सेस तहेव जाव एसठ्ठाणे आयरिए जाव एगतसम्मे साहू तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्स विभंगे एवमाहिए॥ २४॥ ६७४॥ अविरइं पडुच्च बाले आहिज्जइ विरइं पडुच्च पडिए आहिज्जइ विरयाविरइं पडुच्च बालपंडिए आहिज्जइ, तत्थणं

भाइमरणाणं भगिणीमरणाणं भज्जापुत्तधूयासुण्हामरणाण दारिद्दाण दोहग्गाणं अप्पिय-संवासाण पियविप्पओगाण बहूण दुक्खदोमणस्साण आभागिणो भविस्संति अणादियं च ण अणवयग्ग दीहमद्ध चाउरंतससारकंतारं भुज्जो भुज्जो अणुपरियट्टिस्सति ते णो सिज्झिस्सति णो बुज्झिस्संति जाव णो सव्वदुक्खाणमत करिस्सति एस तुला एस पमाणे एस समोसरणे पत्तेय तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे । तत्थ ण जे ते समणा माहणा एवमाइक्खन्ति जाव परूवेन्ति । सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता न हन्तव्वा न अज्जावेयव्वा न परिघेयव्वा न उद्दवेयव्वा ते नो आगन्तुच्छेयाए ते नो आगन्तुभेयाए जाव जाइजरामरणजोणिजम्मणसंसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलकलीभागिणो भविस्सन्ति, जाव अणाइय च णं अणवयग्ग दीहमद्ध चाउरन्तससारकन्तारं भुज्जो भुज्जो नो अणुपरियट्टिस्सन्ति, ते सिज्झिस्सन्ति जाव सव्वदुक्खाण अन्त करिस्सन्ति ॥ २८ ॥ ६७८ ॥ इच्चेएहिं बारसहिं किरियाठाणेहिं वट्टमाणा जीवा नो सिज्झिसु नो बुज्झिसु नो मुच्चिसु नो परिणिव्वाइंसु जाव नो सव्वदुक्खाणं अन्त करेंसु वा नो करेन्ति वा नो करिस्सन्ति वा । एयसि चेव तेरसमे किरियाठाणे वट्टमाणा जीवा सिज्झिसु बुज्झिसु मुच्चिसु परिणिव्वाइंसु जाव सव्वदुक्खाणं अंत करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा । एव से भिक्खू आयट्ठी आयहिए आयगुत्ते आयजोगे आयपरक्कमे आयरक्खिए आयाणुकम्पए आयणिप्फेडए आयाणमेव पडिसाहरेज्जासि त्ति बेमि **किरियाठ्ठाणज्झयणं बिइयं** ॥२९॥६७९॥

आहारपरिन्नज्झयणे तइये

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं । इह खलु आहारपरिन्ना नामज्झयणे तस्स ण अयमट्ठे । इह खलु पाईण वा ४ सव्वओ सव्वावति य ण लोगसि चत्तारि बीयकाया एवमाहिज्जंति । त जहा—अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खधबीया । तेसिं च ण अहाबीएण अहावगासेण इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढवीसभवा पुढवीवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणियासु पुढवीसु रुक्खत्ताए विउट्टंति ॥ ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउसरीरं तेउसरीरं वाउसरीर वणस्सइसरीरं । नाणाविहाण तसथावराण पाणाणं सरीरं अचित्त कुव्वति परिविद्धत्थ । त सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणय सारूवियकड संत । अवरे वि य ण तेसिं पुढविजोणियाण रुक्खाणं सरीरा नाणावण्णा नाणागधा नाणारसा

तयपाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं । एवं पुढविजोणियाणं रुक्खाणं चत्तारि गमा अज्झारुहाण वि तहेव तणाणं ओसहिहरियाणं चत्तारि आलावगा भाणियव्वा एक्केके, अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए अवगत्ताए पणगत्ताए सेवालत्ताए कलम्बुगत्ताए हडत्ताए कसेरुगत्ताए कच्छभाणियत्ताए उप्पलत्ताए पउमत्ताए कुमुयत्ताए नलिणत्ताए सुभगत्ताए सोगंधियत्ताए पोंडरीयमहापोंडरीयत्ताए सयपत्तत्ताए सहस्सपत्तत्ताए एवं कल्हारकोकणत्ताए अरविंदत्ताए तामरसत्ताए भिसभिसमुणालपुक्खलत्ताए पुक्खलच्छिभगत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं उदयाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढवीसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं । एगो चेव आलावगो ॥ ११ ॥ ५५ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता तेसिं चेव पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, रुक्खजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, पुढविजोणिएहिं तणेहिं तणजोणिएहिं तणेहिं तणजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं । एवं ओसहीहि वि तिन्नि आलावगा एवं हरिएहि वि तिन्नि आलावगा । पुढविजोणिएहि वि आएहिं काएहिं जाव कूरेहिं उदगजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं एवं अज्झारोहेहि वि तिन्नि । तणेहि पि तिन्नि आलावगा । ओसहीहि पि तिन्नि हरिएहि पि तिन्नि उदगजोणिएहिं उदएहिं अवएहिं जाव पुक्खलच्छिभएहिं तसपाणत्ताए विउट्टन्ति । ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाणं उदगजोणियाणं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहीजोणियाणं हरियजोणियाणं रुक्खाणं अज्झारोहाणं तणाणं ओसहीणं हरियाणं मूलाणं जाव बीयाणं आयाणं कायाणं जाव कूराणं [कुराणं] उदगाणं अवगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सिणेहमाहारेन्ति । ते जीवा आहारेन्ति पुढवीसरीरं जाव सन्तं । अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहीजोणियाणं हरियजोणियाणं मूलजोणियाणं कन्दजोणियाणं जाव बीयजोणियाणं आयजोणियाणं कायजोणियाणं जाव कूरजोणियाणं उदगजोणियाणं अवगजोणियाणं जाव पुक्खलच्छिभगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं ॥ १२ ॥ ५६ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं मणुस्साणं । तं जहा—कम्मभू-

॥ ५ ॥ ६८४ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थ वुक्कमा रुक्खजोणिएसु अज्झारोहेसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ६ ॥ ६८५ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थ वुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति-पुढविसरीरं आउसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोह जोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ७ ॥ ६८६ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति जाव अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं मूलाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ८ ॥ ६८७ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढविजोणिया पुढविसंभवा जाव णाणाविहजोणियासु पुढवीसु तणत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति जाव ते जीवा कम्मोववन्ना भवंति त्ते मक्खायं-एवं पुढविजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति जाव मक्खायं-एवं तणजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति तणजोणियं तणसरीरं च आहारेंति, जाव-मक्खायं-एवं तणजोणिएसु तणेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा जाव एवमक्खायं-एवं ओसहीणं वि चत्तारि आलावगा-एवं हरियाणवि चत्तारि आलावगा-॥ ९-१० ॥ ६८८-६८९ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढविसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणियासु पुढवीसु आयत्ताए वायत्ताए कायत्ताए कूहणत्ताए कन्दुकत्ताए उव्वेहणियत्ताए निव्वेहणियत्ताए सछत्ताए छत्तगत्ताए वासाणियत्ताए कूरत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेन्ति । ते वि जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं आयत्ताणं जाव कूराणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं । एगो चेव आलावगो सेसा तिण्णि नत्थि। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहजोणिएसु उदएसु रुक्खत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं नाणाविहजोणियाणं

गाणं अकम्मभूमगाणं अन्तरदीवगाण आरियाणं मिलक्खुयाण। तेसिं च णं अहा-बीएणं अहावगासेण इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणिए एत्थ णं मेहुणवत्तियाए (व) नाम सजोगे समुप्पज्जइ। ते दुहओ वि सिणेह सचिणन्ति। तत्थ णं जीवा इत्थि-त्ताए पुरिसत्ताए नपुसगत्ताए विउट्टन्ति, ते जीवा माओउयं पिउसुक्क त तदुभय ससट्ठ कलुसं किव्विस त पढमत्ताए आहारमाहारेंति तओ पच्छा ज से माया णाणाविहाओ रसविहीओ आहारमाहारेंति तओ एगदेसेण ओयमाहारेंति अणुपुव्वेण वुड्ढा पलिपाग-मणुपवन्ना तओ कायाओ अभिनिवट्टमाणा इत्थिं वेगया जणयति पुरिसं वेगया जण-यंति, णपुसग वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीर सप्पिं आहारेंति आणुपुव्वेणं वुड्ढा ओयण कुम्मासं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सारूवियकड संत अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाण मणुस्सगाण कम्मभूमगाण अकम्मभूमगाणं अतरदीवगाण आरियाण मिलक्खूणं सरीरा णाणावण्णा भवंति त्ति मक्खाय ॥ ६९२ ॥ अहावर पुरक्खायं णाणाविहाण जलचराण पचिंदियतिरिक्ख-जोणियाण, तजहा—मच्छाण जाव सुंसुमाराण तेसिं च ण अहाबीएण अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडा तहेव जाव तओ पच्छा एगदेसेण ओयमाहारेंति आणुपुव्वेण वुड्ढा पलिपागमणुपवन्ना तओ कायाओ अभिनिवट्टमाणा अड वेगया जणयंति पोय वेगया जणयति, से अडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगया जणयति, पुरिस वेगया जणयति, णपुसग वेगया जणयति, ते जीवा डहरा समाणा आउसिणेहमा-

आणुपुव्वेण वुड्ढा वणस्सइकाय तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति र जाव सत अवरेवि य ण तेसिं णाणाविहाण जलचरपचिंदियतिरिक्ख-ग मच्छाणं सुसुमाराण सरीरा णाणावण्णा जावमक्खाय ॥ ६९३ ॥ अहावर य णाणाविहाण चउप्पयथलयरपचिंदियतिरिक्खजोणियाण तजहा एगखुराण गडीपदाण सणप्पयाण तेसिं च ण अहाबीएण अहावगासेण इत्थिपुरिसस्स य ाव मेहुणवत्तिए णाम सजोगे समुप्पज्जइ ते दुहओ सिणेहं संचिणति तत्थणं इत्थित्ताए पुरिसत्ताए जाव विउट्टति ते जीवा माउओयं पिउसुक्कं एव जहा ाण इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसंपि नपुसगपि ते जीवा डहरा समाणा खीरं सप्पिं आहारेंति आणुपुव्वेण वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते आहारेंति पुढविसरीरं जाव सत अवरेवि य ण तेसिं णाणाविहाण चउप्प-यरपचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एगखुराण जाव सणप्पयाण सरीरा णाणावण्णा क्खायं ॥ ६९४ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाण उरपरिसप्पथलयरपचिं-तिरिक्खजोणियाणं तजहा—अहीण अयगराण आसालियाणं महोरगाण तेसिं च

यागं ओसाण जाव सुद्धोदगाण सरीरा नाणावण्णा जावमक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा तसथावरजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाण सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्त। अवरे वि य ण तेसिं तसथावरजोणियाण उदगाणं सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाण जाव कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टन्ति ते जीवा तेसिं उदगजोणियाण उदगाणं सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्तं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाण उदगाण सरीरा नाणावण्णा जाव मक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाण जाव कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु तसपाणत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं उदगजोणियाण उदगाण सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्त। अवरे वि य ण तेसिं उदगजोणियाणं तसपाणाण सरीरा नाणावण्णा जाव-मक्खायं ॥ १५ ॥ ६९९ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा नाणाविहाण तसथावराण पाणाण सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा अगणिकायत्ताए विउट्टन्ति। ते जीवा तेसिं नाणाविहाणं तसथावराण पाणाण सिणेहमाहारेन्ति। ते जीवा आहारेन्ति पुढविसरीरं जाव सन्त। अवरे वि य ण तेसिं तसथावरजोणियाण अगणीण सरीरा नाणावण्णा जावमक्खायं। सेसा तिण्णि आलावगा जहा उदगाण। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणियाण जाव कम्मनियाणेण तत्थवुक्कमा नाणाविहाण तसथावराण पाणाण सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा वाउकायत्ताए विउट्टन्ति। जहा अगणीण तहा भाणियव्वा चत्तारि गमा ॥ १६ ॥ ॥ ७०० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता नाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा नाणाविहाण तसथावराण पाणाण सरीरेसु सच्चित्तेसु वा अच्चित्तेसु वा पुढवित्ताए सक्करत्ताए वालुयत्ताए। इमाओ गाहाओ अणुगन्तव्वाओ–पुढवी य सक्करा वालुया य उवले सिला य लोणूसे। अय तउय तम्ब सीसग रुप्प सुवण्णेय वइरे य (१) हरियाले हिंगुलए, मणोसिला सासगजणपवाले, अब्भपडलब्भवालुय, वायरकाए मणिविहाणा (२) गोमेज्जए य रुयए, अंके फलिहे य लोहियक्खेय, मरगयमसारगल्ले भुयमोयगइंदनीले य (३) चंदणगेरुयहंसगब्भे, पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे, चंदप्पभवेरुलिए, जलकंते सूरकंते य (४), एयाओ एएसु भाणियव्वाओ गाहाओ जाव सूरकन्तत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराण

कायं जाव तसकायं। से एगइओ पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ-एवं खलु अहं पुढवीकाएणं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि, णो चेव णं से एवं भवइ-इमेण वा इमेण वा, से एएणं पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। से णं तओ पुढवीकायाओ असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे यावि भवइ। एवं जाव तसकाए त्ति भाणियव्वं। से एगइओ छहिं जीवनिकाएहिं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ-एवं खलु छहिं जीवनिकाएहिं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि। णो चेव णं से एवं भवइ-इमेहिं वा २। से य तेहिं छहिं जीवनिकाएहिं जाव कारवेइ वि। से य तेहिं छहिं जीवनिकाएहिं असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एस खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सुविणमवि अपस्सओ। पावे य से कम्मे कज्जइ। से तं सण्णिदिट्ठंते। से किं तं असण्णिदिट्ठंते? जे इमे असण्णिणो पाणा तं जहा-पुढवीकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा वेगइया तसा पाणा जेसिं णो तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणा इ वा वई इ वा सयं वा करणाए अण्णेहिं वा कारवेत्तए करंतं वा समणुजाणित्तए, ते वि णं बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूया मिच्छासंठिया निच्चं पसढविओवायचित्तदंडा तं० पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। इच्चेव जाव णो चेव मणे णो चेव वई पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जूरणयाए तिप्पणयाए पिट्टणयाए परितप्पणयाए। ते दुक्खणसोयण जाव परितप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। इति खलु से असण्णिणो वि सत्ता अहोनिसिं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति जाव अहोनिसिं परिग्गहे उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति [एवं भूयवाई]। सव्वजोणिया वि खलु सत्ता सण्णिणो हुच्चा असण्णिणो होंति असण्णिणो हुच्चा सण्णिणो होंति होच्चा सण्णी अदुवा असण्णी तत्थ से अविविचित्ता अविधूणित्ता असंमुच्छित्ता अणणुतावित्ता असण्णिकायाओ वा सण्णिकाए संकमंति सण्णिकायाओ वा असण्णिकायं संकमंति सण्णिकायाओ वा सण्णिकायं संकमंति असण्णिकायाओ वा असण्णिकायं संकमंति। जे एए सण्णि वा असण्णि वा सव्वे ते मिच्छायारा निच्चं पसढविओवायचित्तदंडा। तं जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते से बाले अवियारमणवयकायवक्के सुविणमवि ण पासइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ ४ ॥ ७१ ॥ चोयए-से किं कुव्वं किं कारवं कहं संजयविरय-

पावे कम्मे कज्जइ, त सम्म कस्स णं तं हेउं? आयरिय आह, तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता, तजहा पुढविकाइया जाव तसकाइया इच्चेएहिं छहिं जीव-णिकाएहिं आया अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, निच्च पसढविउवातचित्तदण्डे, तजहा-पाणाइवाए जाव परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादसणसल्ले ॥ ७०६ ॥ आयरिय आह तत्थ खलु भगवया वहए दिट्ठन्ते पण्णत्ते। से जहानामए-वहए सिया गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खण निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूण वहिस्सामि सपहारेमाणे से किं नु हु नाम से वहए तस्स गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खण निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धू णं वहिस्सामि पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छा-संठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ? एव वियागरेमाणे समियाए वियागरे चोयए-हंता भवइ। आयरिय आह-जहा से वहए तस्स गाहावइस्स वा तस्स गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खण निद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूण वहिस्सामि त्ति पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमि-त्तभूए मिच्छासठिए निच्च पसढविउवायचित्तदण्डे, एवमेव बाले वि सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छा-सठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। त जहा-पाणाइवाए जाव मिच्छादसणसल्ले। एव खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकि-रिए असवुडे एगन्तदण्डे एगन्तबाले एगन्तसुत्ते यावि भवइ। से बाले अवियारम-णवयणकायवक्के सुविणमवि न पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ। जहा से वहए तस्स वा गाहावइस्स जाव तस्स वा रायपुरिसस्स पत्तेय पत्तेयं चित्तसमादाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासठिए निच्चं पसढविउवायचि-त्तदण्डे भवइ, एवमेव बाले सव्वेसिं पाणाण जाव सव्वेसिं सत्ताण पत्तेयं पत्तेय चित्तसमादाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासठिए निच्च पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ ॥२॥७०७॥ नो इणट्ठे समट्ठे [चोयए]। इह खलु बहवे पाणा० जे इमेणं सरीरसमुस्सएणं नो दिट्ठा वा सुया वा नाभिमया वा विन्नाया वा जेसिं नो पत्तेय पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागर-माणे वा अमित्तभूए मिच्छासठिए निच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। त जहा पाणाइवाए जाव मिच्छादसणसल्ले॥३॥७०८॥ आयरिय आह-तत्थ खलु भगवया दुवे दिट्ठन्ता पण्णत्ता। त जहा-सन्निदिट्ठन्ते य असन्निदिट्ठन्ते य। से किं तं सन्निदिट्ठन्ते? जे इमे सन्निपञ्चिन्दिया पज्जत्तगा एएसिं ण छज्जीवनिकाए पडुच्च, तं जहा-पुढवी-

प्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे भवइ? आयरिय आह–तत्थ खलु भगवया छज्जीव-निकायहेऊ पन्नत्ता, त जहा–पुढवीकाइया जाव तसकाइया । से जहानामए मम अस्सायं दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आतोडिज्जमाणस्स वा जाव उवद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारं दुक्ख भय पडिसवेदेमि, इच्चेव जाण सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आतोडिज्जमाणे वा हम्ममाणे वा तज्जिज्जमाणे वा तालिज्जमाणे जाव उवद्दविज्जमाणे वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारं दुक्ख भय पडिसवेदेन्ति । एव नच्चा सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता न हन्तव्वा जाव न उद्दवेयव्वा । एस धम्मे धुवे निइए सासए समिच्च लोगं खेयन्नेहिं पवेइए । एव से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव मिच्छा-दसणसल्लाओ । से भिक्खू नो दन्तपक्खालणेण दन्ते पक्खालेज्जा, नो अञ्जणं नो वमणं नो धूवणित्त पि आइए । से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे जाव अलोभे उवसन्ते परिनिव्वुडे । एस खलु भगवया अक्खाए सजयविरयपडिहयपच्चक्खाय-पावकम्मे अकिरिए सवुडे एगन्तपण्डिए भवइ त्ति बेमि ॥ ५ ॥ ७१० ॥ **पच्च-क्खाणकिरियज्झयण चउत्थं ॥**

आयारसुयज्झयणे पञ्चमे

आदाय बम्भचेरं च आसुपन्ने इम वइ । अस्सिं धम्मे अणायार नायरेज्ज कयाइ वि ॥ १ ॥ ७११ ॥ अणाईय परिन्नाय अणवदग्गे त्ति वा पुणो । सासयमसासए वा इइ दिट्ठिं न धारए ॥ २ ॥ ७१२ ॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो न विज्जई । एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ३ ॥ ७१३ ॥ समुच्छिहिन्ति सत्थारो सव्वे पाणा अणेलिसा । गण्ठिगा वा भविस्सन्ति सासय ति व नो वए ॥ ४ ॥ ॥ ७१४ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई । एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ५ ॥ ७१५ ॥ जे केइ खुड्गा पाणा अदुवा सन्ति महालया । सरिस तेहि वेरं ति असरिसं ति य नो वए ॥ ६ ॥ ७१६ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई । एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ७ ॥ ७१७ ॥ अहाकम्माणि भुञ्जन्ति, अन्नमन्ने सकम्मुणा । उवलित्ते त्ति जाणिज्जा अणुवलित्ते त्ति वा पुणो ॥ ८ ॥ ७१८ ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई । एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायार तु जाणए ॥ ९ ॥ ७१९ ॥ जमिदं ओरालमाहारं कम्मग च तहेव य । सव्वत्थ वीरियं अत्थि नत्थि सव्वत्थ वीरिय ॥ १० ॥ ७२० ॥ एएहिं दोहि ठाणेहिं ववहारो न विज्जई । एएहिं दोहि ठाणेहिं अणायारं तु जाणए ॥ ११ ॥ ७२१ ॥

अद्दइज्जज्झयणे छट्ठे

पुराकडं अद्द इमं सुणेह मेगन्तयारी समणे पुरासी । से भिक्खुणो उवणेत्ता अणेगे आइक्खएण्हिं पुढो वित्थरेण ॥ १ ॥ ७४४ ॥ साऽऽजीविया पट्ठवियाऽथिरेण सभागओ गणओ भिक्खुमज्झे । आइक्खमाणो बहुजन्नमत्थं न संधयाई अवरेण पुव्वं ॥ २ ॥ ७४५ ॥ एगन्तमेव अदुवा वि एण्हिं दोऽवन्नमन्नं न समेइ जम्हा । पुव्विं च एण्हिं च अणागयं वा एगन्तमेव पडिसंधयाइ ॥ ३ ॥ ७४६ ॥ समिच्च लोगं तसथावराणं खेमकरे समणे माहणे वा । आइक्खमाणो वि सहस्समज्झे एगन्तयं सारयई तहच्चे ॥ ४ ॥ ७४७ ॥ धम्मं कहन्तस्स उ नत्थि दोसो खन्तस्स दन्तस्स जिइन्दियस्स । भासाय दोसे य विवज्जगस्स गुणे य भासाय निसेवगस्स ॥ ५ ॥ ७४८ ॥ महव्वए पञ्च अणुव्वए य तहेव पञ्चासव संवरे य । विरइं इह स्सामणियम्मि पण्णे लवावसक्की समणे त्ति बेमि ॥ ६ ॥ ७४९ ॥ सीओदगं सेवउ बीयकाय आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एगन्तचारिस्सिह अम्हं धम्मे तवस्सिणो नाभिसमेइ पावं ॥ ७ ॥ ७५० ॥ सीओदग वा तह बीयकाय आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एयाइ जाण पडिसेवमाणा अगारिणो अस्समणा भवन्ति ॥ ८ ॥ ७५१ ॥ सिया य बीयोदगइत्थियाओ पडिसेवमाणा समणा भवन्तु । अगारिणो वि समणा भवन्तु सेवन्ति ऊ ते पि तहप्पगारं ॥ ९ ॥ ७५२ ॥ जे यावि बीयोदगभोइ भिक्खू भिक्खं विहं जायइ जीवियट्ठी । ते नाइसंजोगमविप्पहाय कायोवगा नन्तकरा भवन्ति ॥ १० ॥ ७५३ ॥ इमं वयं तु तुमं पाउकुव्वं पावाइणो गरिहसि सव्व एव । पावाइणो पुढो किट्टयन्ता सयं सयं दिट्ठि करेन्ति पाउ ॥ ११ ॥ ॥ ७५४ ॥ ते अन्नमन्नस्स उ गरहमाणा अक्खन्ति भो समणा माहणा य । सओ य अत्थी असओ य नत्थि गरहामु दिट्ठिं न गरहामु किंचि ॥ १२ ॥ ७५५ ॥ न किंचि रूवेणऽभिधारयामो सदिट्ठिमग्गं तु करेमु पाउ । मग्गे इमे किट्टिए आरिएहिं अणुत्तरे सप्पुरिसेहिं अञ्जू ॥ १३ ॥ ७५६ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । भूयाहिसंकाभिदुगुञ्छमाणा नो गरहइ वुसिमं किंचि लोए ॥ १४ ॥ ७५७ ॥ आगन्तगारे आरामगारे समणे उ भीए न उवेइ वासं । दक्खा हु सन्ती बहवे मणुस्सा ऊणाइरित्ता य लवालवा य ॥ १५ ॥ ७५८ ॥ मेहाविणो सिक्खिय बुद्धिमन्ता सुत्तेहि अत्थेहि य निच्छयन्ना । पुच्छिंसु मा णे अणगार अन्ने इइ संकमाणो न उवेइ तत्थ ॥ १६ ॥ ७५९ ॥ नो कामकिच्चा न य बालकिच्चा रायाभियोगेण कुओ भएण । वियागरेज्ज पसिणं न वा वि सकामकिच्चेणिह आरियाण ॥ १७ ॥ ७६० ॥ गन्ता च तत्था अदुवा अगन्ता वियागरेज्जा समियासुपन्ने ।

॥ ५४ ॥ ५९७ ॥ बुद्धस्स आणाए इमं समाहिं अस्सि सुठिच्चा तिविहेण ताई। तरिउं समुद्दं व महाभवोघं आयाणवं धम्ममुदाहरेज्जा ॥ ५५ ॥ ५९८ ॥ त्ति बेमि ॥ अद्दइज्जज्झयणं छट्ठं ॥

नालन्दइज्जज्झयणे सत्तमे

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धे (वण्णओ) जाव पडिरूवे। तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं नालन्दा नामं बाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंनिविट्ठा जाव पडिरूवा। तत्थ णं नालन्दाए बाहिरियाए लेवे नामं गाहावई होत्था अड्ढे दित्ते वित्ते विच्छिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरजए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था ॥ १ ॥ ५९९ ॥ से णं लेवे नामं गाहावई समणोवासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ निग्गन्थे पावयणे निस्संकिए निक्कंखिए निव्वितिगिच्छे लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगयट्ठे अट्ठिमिंजपेमाणुरागरत्ते। अयमाउसो निग्गन्थे पावयणे अयं अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे, उस्सियफलिहे अप्पावयदुवारे चियत्तंतेउरप्पवेसे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे निग्गन्थे तहाविहेणं एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे बहूहिं सीलव्वयगुणविरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ २ ॥ ६   ॥ तस्स णं लेवस्स गाहावइस्स नालन्दाए बाहिरियाए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं सेसदविया नामं उदगसाला होत्था अणेगखम्भसयसंनिविट्ठा पासादीया जाव पडिरूवा। तीसे णं सेसदवियाए उदगसालाए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं हत्थिजामे नामं वणसण्डे होत्था किण्हे (वण्णओ वणसण्डस्स) ॥ ३ ॥   १ ॥ तस्सिं च णं गिहपदेसम्मि भगवं गोयमे विहरइ, भगवं च णं अहे आरामंसि। अहे णं उदए पेढालपुत्ते भगवं पासावच्चिज्जे नियण्ठे मेयज्जे गोत्तेणं जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–आउसंतो गोयमा अत्थि खलु मे केइ पदेसे पुच्छियव्वे तं च आउसो अहासुयं अहादरिसियं मे वियागरेहि सवायं। भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी–अवियाइ आउसो सोच्चा निसम्म जाणिस्सामो सवायं। उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी ॥ ४ ॥

नियच्छई गरिहमिहेव लोए ॥ ३६ ॥ ७७९ ॥ थूलं उरब्भं इह मारियाणं उदि
भत्तं च पगप्पएत्ता । तं लोणतेल्लेण उवक्खडेत्ता सपिप्पलीयं पगरन्ति मंसं ॥३
॥ ७८० ॥ तं भुञ्जमाणा पिसियं पभूयं नो ओवलिप्पामु वयं रएणं । इच्चेवमा
अणज्जधम्मा अणारिया बाल रसेसु गिद्धा ॥ ३८ ॥ ७८१ ॥ जे यावि भुञ्
तहप्पगारं सेवन्ति ते पावमजाणमाणा । मणं न एयं कुसला करेन्ति वाया
एसा बुइया उ मिच्छा ॥ ३९ ॥ ७८२ ॥ सव्वेसि जीवाण दयट्ठयाए सावज्जदे
परिवज्जयन्ता । तस्संकिणो इसिणो नायपुत्ता उद्दिट्ठभत्तं परिवज्जयन्ति ॥ ४०
॥ ७८३ ॥ भूयाभिसंकाए दुगुञ्छमाणा सव्वेसि पाणाण निहाय दण्डं । तम्हा
भुञ्जन्ति तहप्पगारं एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ४१ ॥ ७८४ ॥ निग्गन्थधम्म
इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा अणिहे चरेज्जा । बुद्धे मुणी सीलगुणोववेए अच्च
पाउणई सिलोगं ॥ ४२ ॥ ७८५ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नि
माहणाणं । ते पुण्णखन्धे सुमहऽज्जणित्ता भवन्ति देवा इइ वेयवाओ ॥ ४३॥७८
सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए नियए कुलालयाणं । से गच्छई लोलुवस
गाढे तिव्वाभितावी नरगाभिसेवी ॥ ४४ ॥ ७८७ ॥ दयावरं धम्म दुगुञ्छमा
वहावहं धम्म पसंसमाणा । एगं पि जे भोययई असीलं निवो निसं जाइ कुओ
रेहिं ॥ ४५ ॥ ७८८ ॥ दुहओ वि धम्मम्मि समुट्ठियामो अस्सिं सुट्ठिच्चा तह ए
कालं । आयारसीले बुइएह नाणी न संपरायम्मि विसेसमत्थि ॥ ४६ ॥ ७८
अव्वत्तरूवं पुरिसं महन्तं सणातणं अक्खयमव्वयं च । सव्वेसु भूएसु वि सव्व
से चन्दो व ताराहि समत्तरूवे ॥ ४७ ॥ ७९० ॥ एवं न मिज्जन्ति न संसरन्ति
माहणा खत्तिय वेस पेसा । कीडा य पक्खी य सरीसिवा य नरा य सव्वे
देवलोगा ॥ ४८ ॥ ७९१ ॥ लोगं अयाणित्तिह केवलेणं कहन्ति जे धम्ममज
माणा । नासन्ति अप्पाणं परं च नट्ठा संसार घोरम्मि अणोरपारे ॥ ४९ ॥ ७९
लोगं विजाणन्तिह केवलेणं पुण्णेण नाणेण समाहिजुत्ता । धम्मं समत्तं च कह
जे उ तारन्ति अप्पाण परं च तिण्णा ॥ ५० ॥ ७९३ ॥ जे गरहियं ठाणमिह
सन्ति जे यावि लोए चरणोववेया । उदाहडं तं तु समं मईए अहाउसो विप्परि
समेव ॥ ५१ ॥ ७९४ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं बाणेण मारेउ महागयं
सेसाण जीवाण दयट्ठयाए वासं वयं वित्तिं पकप्पयामो ॥ ५२ ॥ ७९५ ॥ संव
रेणावि य एगमेगं पाणं हणन्ता अणियत्तदोसा । सेसाण जीवाण वहेण ल
सिया य थोवं गिहिणो वि तम्हा ॥ ५३ ॥ ७९६ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं
हणन्ता समणव्वएसु । आयाहिए से पुरिसे अणज्जे न तारिसे केवलिणो भव

॥ ८०२ ॥ आउसो गोयमा, अत्थि खलु कुमारपुत्तिया नाम समणा निग्गन्था तुम्हाण पवयण पवयमाणा गाहावइं समणोवासग उवसपन्न एवं पच्चक्खावेन्ति । नन्नत्थ अभिओएण गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं निहाय दण्डं । एव ण्ह पच्चक्खन्ताणं दुप्पच्चक्खायं भवइ । एव ण्ह पच्चक्खावेमाणाण दुपच्चक्खावियव्व भवइ । एव ते पर पच्चक्खावेमाणा अइयरन्ति सयं पइण्ण । कस्स ण त हेउ ? ससारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायसि उववज्जन्ति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायसि उववज्जन्ति । तेसिं च ण थावरकायसि उववण्णाण ठाणमेय घत्त ॥५॥८०३॥ एव ण्ह पच्चक्खन्ताणं सुपच्चक्खाय भवइ । एव ण्ह पच्चक्खावेमाणाण सुपच्चक्खाविय भवइ । एव ते परं पच्चक्खावेमाणा नाइयरन्ति सय पइण्ण नन्नत्थ अभियोगेण गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसभूएहिं पाणेहिं निहाय दण्ड । एवमेव सइ भासाए परक्कमे विज्जमाणे जे ते कोहा वा लोहा वा परं पच्चक्खावेन्ति अय पि नो उवएसे नो नेयाउए भवइ । अवियाइ आउसो गोयमा तुब्भ पि एव रोयइ ? ॥६॥८०४॥ सवाय भगव गोयमे उदय पेढालपुत्त एव वयासी—आउसन्तो उदगा, नो खलु अम्हे एव रोयइ । जे ते समणा वा माहणा वा एवमाइक्खन्ति जाव परूवेन्ति नो खलु ते समणा वा निग्गन्था भास भासन्ति, अणुताविय खलु ते भासं भासन्ति, अब्भाइक्खन्ति खलु ते समणे समणोवासए वा जेहिं पि अन्नेहिं जीवेहिं पाणेहिं भूएहिं सत्तेहिं सजमयन्ति ताण वि ते अब्भाइक्खन्ति । कस्स ण त हेउ ? ससारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायन्ति थावरा वि वा पाणा तसत्ताए पच्चायन्ति तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायसि उववज्जन्ति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायसि उववज्जन्ति, तेसिं च ण तसकायसि उववन्नाण ठाणमेयं अघत्तं ॥ ७ ॥ ८०५ ॥ सवाय उदए पेढालपुत्ते भगव गोयम एव वयासी—कयरे खलु ते आउसन्तो गोयमा तुब्भे वयह तसा पाणा तसा आउ अन्नहा ? सवाय भगव गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एव वयासी—आउसन्तो उदगा जे तुब्भे वयह तसभूया पाणा तसा ते वय वयामो तसा पाणा, जे वय वयामो तसा पाणा ते तुब्भे वयह तसभूया पाणा । एए सन्ति दुवे ठाणा तुल्ला एगट्ठा । किमाउसो इमे भे सुप्पणीयतराए भवइ तसभूया पाणा तसा, इमे भे दुप्पणीयतराए भवइ—तसा पाणा तसा । तओ एगमाउसो पडिक्कोसह एक्क अभिनन्दह । अय पि भेदो से नो नेयाउए भवइ । भगवं च ण उदाहु—सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति, तेसिं च ण एव वुत्तपुव्वं भवइ—नो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ।

किं तेसिं तहप्पगारेणं धम्मे आइक्खियव्वे ? हंता आइक्खियव्वे । तं चेव उव-ट्ठावित्तए जाव कप्पन्ति ? हंता कप्पन्ति । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति संभुंजित्तए ? हंता कप्पंति । ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा तं चेव जाव अगारं वएज्जा ? हंता वएज्जा । ते णं तहप्पगारा कप्पन्ति संभुंजित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । से जे से जीवे जे परेणं नो कप्पन्ति संभुंजित्तए । से जे से जीवे आरेणं कप्पन्ति संभुंजित्तए । से जे से जीवे जे इयाणिं नो कप्पन्ति संभुंजित्तए । परेणं अस्समणे आरेणं समणे इयाणिं अस्समणे अस्समणेणं सद्धिं नो कप्पन्ति समणाणं निग्गंथाणं संभुंजित्तए । से एवमायाणह ? नियण्ठा से एवमायाणियव्वं ॥ ११ ॥ ८१० भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । वयं णं चाउद्दसट्ठ-मुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा विहरिस्सामो । थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो एवं थूलगं मुसावायं थूलगं अदिन्नादाणं थूलगं मेहुणं थूलगं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो । इच्छापरिमाणं करिस्सामो दुविहं तिविहेणं । मा खलु ममट्ठाए किंचि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो । ते णं अभोच्चा अपिच्चा असिणाइत्ता आसन्दीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता ते तहा कालगया किं वत्तव्वं सिया–सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चन्ति ते तसा वि वुच्चन्ति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणो-वासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्च-क्खायं भवइ । इति से महयाओ जं णं तुब्भे वयह तं चेव जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणोवासगा भवन्ति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वइत्तए । णो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जाव अणुपाले-माणे विहरित्तए । वयं णं अपच्छिममारणन्तियं संलेहणाजूसणाजूसिया भत्तपाणं पडियाइक्खिया जाव कालं अणवकंखमाणा विहरिस्सामो । सव्वं पाणाइवायं पच्-चक्खाइस्सामो जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो तिविहं तिविहेणं मा खलु मम-ट्ठाए किंचि वि जाव आसन्दीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता एए तहा कालगया किं वत्तव्वं सिया सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति । तं जहा–महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिया जाव दुप्पडियाणंदा जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो

णं आमरणन्ताए दण्डे नो निक्खित्ते। केई च णं समणा जाव वासाइ चउपञ्चमाइं छट्ठद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देस दूइज्जित्ता अगारमावसेज्जा ? हंता-वसेज्जा । तस्स णं तं गारत्थं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे भङ्गे भवइ ? नो इणट्ठे समट्ठे। एवमेव समणोवासगस्स वि तसेहिं पाणेहिं दण्डे निक्खित्ते, थावरेहिं पाणेहिं दण्डे नो निक्खित्ते । तस्स णं तं थावरकायं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे नो भङ्गे भवइ। से एवमायाणह ? नियण्ठा। एवमायाणियव्वं ॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसन्तो नियण्ठा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्तो वा तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा ? हन्ता उवसंकमेज्जा। तेसिं च णं तहप्पगाराणं धम्मं आइक्खियव्वे ? हन्ता आइक्खियव्वे । किं ते तहप्पगारं धम्मं सोच्चा निसम्म एवं वएज्जा इणमेव निग्गन्थं पावयणं सच्चं अणुत्तरं केवलियं पडिपुण्णं संसुद्धं नेयाउयं सल्लकत्तणं सिद्धिमग्गं मुत्तिमग्गं निज्जाणमग्गं निव्वाणमग्गं अवितहमसंदिद्धं सव्वदुक्खप्पहीणमग्गं । एत्थ ठिया जीवा सिज्झन्ति बुज्झन्ति मुच्चन्ति परिणिव्वायन्ति सव्वदुक्खाणमन्तं करेन्ति । तमाणाए तहा गच्छामो तहा चिट्ठामो तहा निसीयामो तहा तुयट्टामो तहा भुञ्जामो तहा भासामो तहा अब्भुट्ठामो तहा उट्ठाए उट्ठेमो त्ति पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमामो त्ति वएज्जा ? हन्ता वएज्जा । किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति पव्वावित्तए ? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति मुण्डावित्तए ? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति सिक्खावित्तए ? हन्ता कप्पन्ति। किं ते तहप्पगारा कप्पन्ति उवट्ठावित्तए ? हन्ता कप्पन्ति। तेसिं च णं तहप्पगाराणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते ? हंता निक्खित्ते। से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा जाव वासाइं चउपञ्चमाइं छट्ठद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जेत्ता अगारं वएज्जा ? हन्ता वएज्जा । तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते ? नो इणट्ठे समट्ठे। से जे से जीवे जस्स परेणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स आरेणं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स इयाणिं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते भवइ, परेणं असंजए आरेणं संजए, इयाणिं असंजए, असंजयस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे नो निक्खित्ते भवइ। से एवमायाणह ? नियण्ठा से एवमायाणियव्वं ॥ भगवं च णं उदाहु नियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसन्तो नियण्ठा इह खलु परिव्वाइया वा परिव्वाइयाओ वा अन्नयरेहिंतो तित्थाययणेहिंतो आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा ? हन्ता उवसंकमेज्जा।

हुवन्ति ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुप-
च्चक्खायं भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु सन्तेगइया समणो-
वासगा भवन्ति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–नो खलु वयं संचाएमो मुण्डे
भवित्ता जाव पव्वइत्तए। नो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु
पडिपुण्णं पोसहं अणुपालित्तए। नो खलु वयं संचाएमो अपच्छिमं जाव विहरित्तए
वयं च णं सामाइयं देसावगासियं पुरत्था पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं
वा एतावता जाव सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे निक्खित्ते सव्वपाणभूय-
जीवसत्तेहिं खेमंकरे अहमंसि। तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स
आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ
आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायन्ति
जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे जाव नेया-
उए भवइ ॥ ८१ ॥ तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आया-
णसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति। विप्पजहित्ता
तत्थ आरेणं चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणि-
क्खित्ते अणट्ठाए दण्डे निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति। जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे
अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे निक्खित्ते ते पाणा वि वुच्चन्ति ते तसा ते चिरट्ठिइया
जाव अयं पि भेदे से। तत्थ जे आरेणं तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स
आयाणसो आमरणन्ताए तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता तत्थ परेणं
जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए तेसु
पच्चायन्ति तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि
भेदे से। तत्थ जे आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे
अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता तत्थ
आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए
तेसु पच्चायन्ति तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं
पि भेदे से। तत्थ जे ते आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए
दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहन्ति विप्पजहित्ता
ते तत्थ आरेणं चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणि-
क्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणट्ठाए
ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो। तत्थ जे ते आरेणं थावरा पाणा जेहिं
समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तओ आउं विप्पज-

आमरणंताए दंडे निक्खित्ते ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमादाए दुग्गइगामिणो भवंति, ते पाणावि वुच्चंति ते तसावि वुच्चति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते बहुयरगा आयाणसो इति से महयाओ णं जण्णं तुब्भे वदह तं चेव अयपि भेदे से णो णेयाउए भवइ-भगव च णं उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। त जहा-अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया जावज्जीवाए, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते, ते तओ आउग विप्पजहन्ति, ते तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइगामिणो भवन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगव च ण उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति · तं जहा-अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव एगच्चाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते। ते तओ आउग विप्पजहन्ति, तओ भुज्जो सगमादाए सोग्गइगामिणो भवन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगव च ण उदाहु सन्तेगइया मणुस्सा भवन्ति। तं जहा-आरण्णिया आवसहिया गामणियन्तिया कण्हुईरहस्सिया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए दण्डे निक्खित्ते भवइ। नो बहुसजया नो बहुपडिविरया पाणभूयजीवसत्तेहिं अप्पणा सच्चामोसाइ एव विप्पडिवेदेन्ति-अहं न हन्तव्वो अन्ने हन्तव्वा जाव कालमासे कालं किच्चा अन्नयराइ आसुरियाइ किव्विसियाइं जाव उववत्तारो भवन्ति, तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमुयत्ताए तमोरूवत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति जाव नो नेयाउए भवइ। भगव च ण उदाहु सन्तेगइया पाणा दीहाउया जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव काल करेन्ति करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि वुच्चन्ति। ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते दीहाउया ते बहुयरगा, पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ, जाव नो नेयाउए भवइ। भगव च ण उदाहु सन्तेगइया पाणा समाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते सयमेव कालं करेन्ति, करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, तसा वि वुच्चन्ति, ते महाकाया ते समाउया ते बहुयरगा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ जाव नो नेयाउए भवइ। भगव च णं उदाहु सन्तेगइया पाणा अप्पाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए जाव दण्डे निक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेन्ति, करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायन्ति। ते पाणा वि वुच्चन्ति, ते तसा वि

अयाणयाए असवणयाए अबोहिए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं अमुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अणिगूढाणं अविच्छिण्णाणं अणिसिट्ठाणं अणिवूढाणं अणुवहारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहियं णो पत्तियं णो रोइयं। इयाणिं णं भन्ते एएसिं पयाणं जाणयाए सवणयाए बोहिए जाव उवहारणयाए एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेव से जहेयं तुब्भे वयह। तए णं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी सद्दहाहि णं अज्जो पत्तियाहि णं अज्जो रोएहि णं अज्जो एवमेयं जहा णं अम्हे वयामो। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–इच्छामि णं भन्ते तुब्भं अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए॥ तए णं से भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं गहाय जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करित्ता वन्दइ नमंसइ वन्दित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भन्ते तुब्भं अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे उदयं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पिया मा पडिबन्धं करेहि। तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अन्तिए चाउज्जामाओ धम्माओ पञ्चमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ त्ति बेमि॥ १४॥८११॥ नालन्दइज्जज्झयणं सत्तमं॥

सूयगडं समत्तं॥

न्ति। विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आया-
सो आमरणन्ताए० तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ।
पाणा वि जाव अय पि भेदे से नो नेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथा-
रा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० ते तओ आउ विप्पज-
न्ति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेण जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो
आमरणन्ताए तेसु पच्चायन्ति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खाय भवइ। ते
पाणा वि जाव अय पि भेदे से नो नेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेण तसथावरा
पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० ते तओ आउ विप्पजहन्ति
विप्पजहित्ता तत्थ आरेण जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे
अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए
अणिक्खित्ते अणट्ठाए निक्खित्ते जाव से पाणा वि जाव अय पि भेदे से नो..।
तत्थ जे ते परेण तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए .
ते तओ आउ विप्पजहन्ति। विप्पजहित्ता ते तत्थ परेण चेव जे तसथावरा पाणा
जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणन्ताए० तेसु पच्चायन्ति, जेहिं समणोवास-
गस्स सुपच्चक्खाय भवइ। ते पाणा वि जाव अय पि भेदे से नो । भगव च ण
उदाहु न एयं भूय न एय भव्व न एय भविस्सइ जं ण तसा पाणा वोच्छिज्जिहिन्ति
थावरा पाणा भविस्सन्ति, थावरा पाणा वि वोच्छिज्जिहिन्ति तसा पाणा भवि-
स्सन्ति। अवोच्छिन्नेहिं तसथावरेहिं पाणेहिं ज ण तुब्भे वा अन्नो वा एव वदह-
नत्थि ण से केइ परियाए जाव नो नेयाउए भवइ॥ ८११॥ भगवं च ण उदाहु
आउसन्तो उदगा जे खलु समण वा माहण वा परिभासेइ मित्ति मन्नन्ति आगमित्ता
णाण आगमित्ता दंसण आगमित्ता चरित्त पावाण कम्माण अकरणयाए से खलु पर-
लोगपलिमन्थत्ताए चिट्ठइ, जे खलु समण वा माहण वा नो परिभासइ मित्ति
मन्नन्ति आगमित्ता णाण आगमित्ता दंसण आगमित्ता चरित्त पावाण कम्माणं अक-
रणयाए से खलु परलोगविसुद्धीए चिट्ठइ। तए ण से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं
अणाढायमाणे जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पहारेत्थ गमणाए। भगव च
ण उदाहु आउसन्तो उदगा जे खलु तहाभूयस्स समणस्स वा माहणस्स वा
अन्तिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयण सोच्चा निसम्म अप्पणो चेव सुहुमाए
पडिलेहाए अणुत्तर जोगखेमपयं लम्भिए समाणे सो वि ताव तं आढाइ परिजाणेइ
वन्दइ नमसइ सक्कारेइ सम्माणेइ जाव कल्लाण मगल देवय चेइयं पज्जुवासइ। तए
णं से उदए पेढालपुत्ते भगव गोयम एव वयासी-एएसि णं भन्ते ...

पाणाइवाए जाव एगे परिग्गहे ॥ एगे कोहे जाव लोहे, एगे पेज्जे एगे दोसे जाव एगे परपरिवाए, एगा अरइरई, एगे मायामोसे एगे मिच्छादंसणसल्ले ॥ ६५ ॥ एगे पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे एगे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे ॥६६॥ एगा ओसप्पिणी एगा सुसमसुसमा जाव एगा दुसमदुसमा एगा उस्सप्पिणी एगा दुसमदुसमा जाव एगा सुसमसुसमा ॥ ६७ ॥ एगा नेरइयाणं वग्गणा एगा असुरकुमाराणं वग्गणा चउवीसदंडओ जाव एगा वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६८ ॥ एगा भवसिद्धियाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं वग्गणा एगा भवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा एवं जाव एगा भवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६९ ॥ एगा सम्मद्दिट्ठियाणं वग्गणा, एगा मिच्छद्दिट्ठियाणं वग्गणा एगा सम्मामिच्छद्दिट्ठियाणं वग्गणा एगा सम्मद्दिट्ठियाणं नेरइयाणं वग्गणा एगा मिच्छद्दिट्ठियाणं नेरइयाणं वग्गणा एगा सम्मामिच्छद्दिट्ठियाणं नेरइयाणं वग्गणा एवं जाव थणियकुमाराणं एगा मिच्छद्दिट्ठियाणं पुढवीकाइयाणं वग्गणा एवं जाव वणस्सइकाइयाणं एगा सम्मद्दिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा एगा मिच्छद्दिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा एवं तेइंदियाणं चउरिंदियाण वि सेसा जहा नेरइया जाव एगा सम्मामिच्छद्दिट्ठियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ७० ॥ एगा कण्हपक्खियाणं वग्गणा एगा सुक्कपक्खियाणं वग्गणा एगा कण्हपक्खियाणं नेरइयाणं वग्गणा एगा सुक्कपक्खियाणं नेरइयाणं वग्गणा एवं चउवीसदंडओ भाणियव्वो ॥ ७१ ॥ एगा कण्हलेस्साणं वग्गणा एगा नीललेस्साणं वग्गणा, एवं जाव सुक्कलेस्साणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं नेरइयाणं वग्गणा जाव काउलेस्साणं नेरइयाणं वग्गणा एवं जस्स जइ लेस्साओ भवणवइवाणमंतरपुढविआउवणस्सइकाइयाणं च चत्तारि लेस्साओ तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं तिन्निलेस्साओ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं छल्लेस्साओ जोइसियाणं एगा तेउलेस्सा, वेमाणियाणं तिन्निउवरिमलेस्साओ एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं वग्गणा एवं छसु वि लेस्सासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं नेरइयाणं वग्गणा एवं जस्स जइ लेस्साओ तस्स तइ भाणियव्वाओ, जाव वेमाणियाणं। एगा कण्हलेस्साणं सम्मद्दिट्ठियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं मिच्छद्दिट्ठियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं सम्मामिच्छद्दिट्ठियाणं वग्गणा एवं छसु वि लेस्सासु जाव वेमाणियाणं जेसिं जइ दिट्ठीओ एगा कण्हलेस्साणं कण्हपक्खियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं सुक्कपक्खियाणं

णमो त्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्त महावीरस्स

ठाणे

पढमं ठाणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एव मक्खायं, एगे आया ॥ १ ॥ एगे दंडे ॥ २ ॥ एगा किरिया ॥ ३ ॥ एगे लोए ॥ ४ ॥ एगे अलोए ॥ ५ ॥ एगे धम्मे ॥ ६ ॥ एगे अहम्मे ॥ ७ ॥ एगे बंधे ॥ ८ ॥ एगे मोक्खे ॥ ९ ॥ एगे पुण्णे ॥ १० ॥ एगे पावे ॥ ११ ॥ एगे आसवे ॥ १२ ॥ एगे संवरे ॥ १३ ॥ एगा वेयणा ॥ १४ ॥ एगा णिज्जरा ॥ १५ ॥ एगे जीवे पाडिक्कएणं सरीरएणं ॥ १६ ॥ एगा जीवाणं अपरिआइत्ता विगुव्वणा ॥ १७ ॥ एगे मणे ॥ १८ ॥ एगा वई ॥ १९ ॥ एगे कायवायामे ॥ २० ॥ एगा उप्पा ॥ २१ ॥ एगा वियत्ती ॥ २२ ॥ एगा वियच्चा ॥ २३ ॥ एगा गई ॥ २४ ॥ एगा आगई ॥ २५ ॥ एगे चयणे ॥ २६ ॥ एगे उववाए ॥ २७ ॥ एगा तक्का ॥ २८ ॥ एगा सन्ना ॥ २९ ॥ एगा मन्ना ॥ ३० ॥ एगा विन्नू ॥ ३१ ॥ एगा वेयणा ॥ ३२ ॥ एगा छेयणा ॥ ३३ ॥ एगा भेयणा ॥ ३४ ॥ एगे मरणे अंतिमसारीरियाणं ॥ ३५ ॥ एगे संसुद्धे अहाभूते पत्ते ॥ ३६ ॥ एगे दुक्खे जीवाणं ॥ ३७ ॥ एगे भूए ॥ ३८ ॥ एगा अहम्मपडिमा जं से आया पडिकिलेसइ ॥ ३९ ॥ एगा धम्मपडिमा जं से आया पज्जवजाए ॥ ४० ॥ एगे मणे देवासुरमणुआणं तंसि तंसि समयंसि, एगा वई देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे कायवायामे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि ॥ ४१ ॥ एगे नाणे ॥ ४२ ॥ एगे दंसणे ॥ ४३ ॥ एगे चरित्ते ॥ ४४ ॥ एगे समए ॥ ४५ ॥ एगे पएसे ॥ ४६ ॥ एगे परमाणू ॥ ४७ ॥ एगा सिद्धी ॥ ४८ ॥ एगे सिद्धे ॥ ४९ ॥ एगे परिनिव्वाणे ॥ ५० ॥ एगे परिनिव्वुए ॥ ५१ ॥ एगे सद्दे ॥ ५२ ॥ एगे रूवे ॥ ५३ ॥ एगे गंधे ॥ ५४ ॥ एगे रसे ॥ ५५ ॥ एगे फासे ॥ ५६ ॥ एगे सुब्भिसद्दे, एगे दुब्भिसद्दे ॥ ५७ ॥ एगे सुरूवे एगे दुरूवे ॥ ५८ ॥ एगे दीहे एगे हस्से ॥ ५९ ॥ एगे वट्टे-एगे तंसे एगे चउरंसे एगे पिहुले-एगे परिमंडले ॥ ६० ॥ एगे किण्हे-एगे नीले एगे लोहिए एगे हालिद्दे एगे सुक्किले ॥ ६१ ॥ एगे सुब्भिगंधे-एगे दुब्भिगंधे ॥ ६२ ॥ एगे तित्ते एगे कडुए एगे कसाए एगे अंबिले-एगे महुरे ॥ ६३ ॥ एगे कक्खडे-जाव एगे लुक्खे ॥ ६४ ॥ एगे

किरिया चेव अजीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—इरियावहिया चेव संपराइया चेव ॥ ८१ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—काइया चेव आहिगरणिया चेव, काइया किरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—अणुवरयकायकिरिया चेव दुप्पउत्तकायकिरिया चेव आहिगरणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—संजोयणाहिगरणिया चेव निव्वत्तणाहिगरणिया चेव ॥ ८२ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पाउसिया चेव पारियावणिया चेव पाउसिया किरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—जीवपाउसिया चेव अजीवपाउसिया चेव पारियावणियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—सहत्थपारियावणिया चेव, परहत्थपारियावणिया चेव ॥ ८३ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पाणाइवायकिरिया चेव अपच्चक्खाणकिरिया चेव पाणाइवायकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—सहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, परहत्थपाणाइवायकिरिया चेव अपच्चक्खाणकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—जीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव अजीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव ॥ ८४ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—आरंभिया चेव परिग्गहिया चेव आरंभियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—जीवआरंभिया चेव अजीवआरंभिया चेव एवं परिग्गहियावि ॥ ८५ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—मायावत्तिया चेव मिच्छादंसणवत्तिया चेव मायावत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—आयभाववंकणया चेव परभाववंकणया चेव मिच्छादंसणवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—ऊणाइरित्तमिच्छादंसणवत्तिया चेव तव्वइरित्तमिच्छादंसणवत्तिया चेव ॥ ८६ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—दिट्ठिया चेव पुट्ठिया चेव, दिट्ठियाकिरिया दुविहा प० तंजहा—जीवदिट्ठिया चेव अजीवदिट्ठिया चेव एवं पुट्ठियावि ॥ ८७ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पाडुच्चिया चेव सामंतोवणिवाइया चेव पाडुच्चियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—जीवपाडुच्चिया चेव अजीवपाडुच्चिया चेव एवं सामंतोवणिवाइयावि ॥ ८८ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—साहत्थिया चेव नेसत्थिया चेव साहत्थियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—जीवसाहत्थिया चेव अजीवसाहत्थिया चेव एवं नेसत्थियावि ॥ ८९ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—आणवणिया चेव वेयारणिया चेव जहेव नेसत्थिया ॥ ९० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—अणाभोगवत्तिया चेव अणवकंखवत्तिया चेव अणाभोगवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—अणाउत्तआइयणया चेव अणाउत्तपमज्जणया चेव अणवकंखवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—आयसरीरअणवकंखवत्तिया चेव परसरीरअणवकंखवत्तिया चेव ॥ ९१ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव पेज्जवत्तियाकिरिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा—माया-

वग्गणा, एवं जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ लेस्साओ, एए अट्ठ चउवीसदंडया ॥७२॥ एगा तित्थसिद्धाणं वग्गणा, एगा अतित्थसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव एगा एगसिद्धाणं वग्गणा, एगा अणेगसिद्धाणं वग्गणा, एगा पढमसमयसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव अणंतसमयसिद्धाणं वग्गणा ॥ ७३ ॥ एगा परमाणुपोग्गलाणं वग्गणा, एवं जाव एगा अणंतपएसियाणं खंधाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव असंखेज्जसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्ज एगा अणंतगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एवं वण्णगंधरसफासा भाणियव्वा जाव एगा अणंतगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा जहन्नपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा उक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा अजहन्नुक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एवं जहन्नोगाहणगाणं, उक्कोसोगाहणगाणं, अजहन्नुक्कोसोगाहणगाणं, जहन्नठिइयाणं, उक्कोसठिइयाणं, अजहन्नुक्कोसठिइयाणं, जहन्नगुणकालगाणं, उक्कोसगुणकालगाणं, अजहन्नुक्कोसगुणकालगाणं, एवं वण्णगंधरसफासाणं वग्गणा भाणियव्वा, जाव एगा अजहन्नुक्कोसगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा ॥ ७४ ॥ एगे जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं जाव अद्धंगुलगं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं ॥ ७५ ॥ एगे समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थगराणं चरमतित्थयरे सिद्धे बुद्धे मुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं एगा रयणी उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता ॥ ७७ ॥ अद्दानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते, चित्तानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते, साईनक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते ॥ ७८ ॥ एगपएसोगाढा पोग्गला अणंता पन्नत्ता, एवमेगसमयठिइया, एगगुणकालगा पोग्गला अणंता पन्नत्ता, जाव एगगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता ॥ ७९ ॥ **पढमं ठाणं समत्तं ॥**

जदत्थि णं लोए तं सव्वं दुपओआरं, तंजहा—जीवा चेव अजीवा चेव, तसे चेव थावरे चेव, सजोणिया चेव अजोणिया चेव, साउया चेव अणाउया चेव, सइंदिया चेव अणिंदिया चेव, सवेयगा चेव अवेयगा चेव, सरूवि चेव अरूवि चेव, सपोग्गला चेव अपोग्गला चेव, संसारसमावन्नगा चेव असंसारसमावन्नगा चेव, सासया चेव असासया चेव, आगासे चेव नो आगासे चेव, धम्मे चेव अधम्मे चेव, बंधे चेव मोक्खे चेव, पुण्णे चेव पावे चेव, आसवे चेव संवरे चेव, वेयणा चेव, णिज्जरा चेव ॥ ८० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—जीवकिरिया चेव अजीवकिरिया चेव, जीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—सम्मत्तकिरिया चेव मिच्छत्त-

वत्तिया चेव, लोहवत्तिया चेव, दोसवत्तिया किरिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-कोहे चेव माणे चेव ॥ ९२ ॥ दुविहा गरिहा पन्नत्ता, तंजहा-मणसावेगे गरिहइ वयसा-वेगे गरिहइ, अहवा गरिहा दुविहा प० दीहं एगे अद्धं गरिहइ, रहस्सं एगे अद्धं गरिहइ ॥ ९३ ॥ दुविहे पच्चक्खाणे, मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, अहवा पच्चक्खाणे दुविहे, दीहं एगे अद्धं पच्चक्खाइ, रहस्स एगे अद्धं पच्चक्खाइ ॥ ९४ ॥ दोहिं ठाणेहिं अणगारे सपन्ने अणाइय अणवदग्ग दीहमद्धं चाउरंत-संसारकन्तारं वीइवएज्जा, तंजहा-विज्जाए चेव, चरणेण चेव ॥ ९५ ॥ दो ठाणाई अपरियाणित्ता आया णो केवलिपन्नत्त धम्मं लभेज्जा सवणयाए, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, दो ठाणाइ अपरिआणित्ता आया णो केवलं बोहिं बुज्झेज्जा तं० आरंभे चेव परिग्गहे चेव, दो ठाणाइ अपरियाइत्ता आया णो केवल मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारिअ पव्वइज्जा, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एव णो केवलं बंभचेरवासमावसेज्जा णो केवलेण संजमेणं संजमेज्जा, णो केवलेण संवरेण संवरेज्जा, णो केवलं आभिणिबोहियणाण उप्पाडेज्जा, एवं सुअणाण, ओहिणाणं, मण-पज्जवणाण, केवलणाण ॥ ९६ ॥ दो ठाणाइ परियाइत्ता आया केवलीपन्नत्त धम्मं लभेज्ज सवणयाए, तंजहा-आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एव जाव केवलणाणमुप्पा-डेज्जा ॥ ९७ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए तंजहा सोच्चा चेव, अभिसमेच्चा चेव, जाव केवलणाण उप्पाडेज्जा ॥ ९८ ॥ **दो समाओ पन्नत्ताओ**, तंजहा-**उस्सप्पिणिसमा** चेव, **ओसप्पिणिसमा** चेव ॥ ९९ ॥ दुविहे उम्माए पन्नत्ते, तंजहा-जक्खावेसे चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएण, तत्थण जे से जक्खावेसे से ण सुहवेयतराए चेव सुहविमोयतराए चेव, तत्थण जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएण, से ण दुहवेयतराए चेव दुहविमोयतराए चेव ॥ १०० ॥ दो दंडा पन्नत्ता, तंजहा-अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव, नेरइयाणं दो दंडा पन्नत्ता तंजहा-अट्ठादंडे चेव अणट्ठादंडे य एव चउवीसदंडओ जाव वेमाणियाण ॥ १०१ ॥ दुविहे दसणे० सम्मदसणे चेव, मिच्छादसणे चेव, सम्मदसणे दुविहे० णिसग्ग-सम्मदसणे चेव, अभिगमसम्मदसणे चेव, णिसग्गसम्मदसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव, अभिगमसम्मदसणे दुविहे०, पडिवाइ चेव, अपडिवाई चेव, मिच्छादसणे दुविहे० त जहा अभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव, अणभिग्गहियमिच्छा-दसणे चेव, अभिग्गहियमिच्छादसणे दुविहे० सपज्जवसिए चेव, अपज्जवसिए चेव, एवमणभिग्गहियमिच्छादसणेवि ॥ १०२ ॥ दुविहे नाणे० पच्चक्खे चेव, परोक्खे चेव, पच्चक्खनाणे दुविहे० केवलनाणे चेव, नो केवलनाणे चेव, केवलनाणे दुविहे०

एवं जाव वेमाणियाणं, पुढविकाइयाणं दो सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा—अब्भंतरगे चेव बाहिरगे चेव, अब्भंतरए कम्मए, बाहिरगे ओरालिए, जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं दो सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा—अब्भंतरए चेव बाहिरए चेव, अब्भंतरए कम्मए, अट्ठिमंससोणियबद्धे बाहिरए ओरालिए, जाव चउरिंदियाणं, पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं दो सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा—अब्भंतरगे चेव बाहिरगे चेव, अब्भंतरगे कम्मए, अट्ठिमंससोणियण्हारुछिराबद्धे, बाहिरए ओरालिए, मणुस्साणवि एवं चेव, विग्गहगइसमावन्नगाणं णेरइयाणं दो सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा—तेयए चेव कम्मए चेव, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं, णेरइयाणं दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया, तं०—रागेण चेव, दोसेण चेव, जाव वेमाणियाणं, णेरइयाणं दुट्ठाणनिव्वत्तिए सरीरगे पण्णत्ते, तं०—रागनिव्वत्तिए चेव दोसनिव्वत्तिए चेव, जाव वेमाणियाणं ॥ १०८ ॥ दो काया पण्णत्ता, तं०—तसकाए चेव थावरकाए चेव, तसकाए दुविहे पण्णत्ते, तं०—भवसिद्धिए चेव अभवसिद्धिए चेव, एवं थावरकाए वि ॥ १०९ ॥ दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाण वा, णिग्गंथीण वा पव्वावित्तए, पाईणं चेव उदीणं चेव एवं मुंडावित्तए, सिक्खावित्तए, उवट्ठावित्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए, सज्झायं उद्दिसित्तए, सज्झायं समुद्दिसित्तए, सज्झायमणुजाणित्तए, आलोइत्तए, पडिक्कमित्तए, णिंदित्तए, गरिहित्तए, विउट्टित्तए, विसोहित्तए, अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए, अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जित्तए, दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा अपच्छिममारणंतियसंलेहणा-झूसणा झूसियाणं भत्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगयाणं कालं अणवकंखमाणाणं विहरित्तए, तंजहा—पाईणं चेव उदीणं चेव ॥ ११० ॥ बीयट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥

जे देवा उड्ढोववन्नगा कप्पोववन्नगा विमाणोववन्नगा, चारोववन्नगा चारट्ठिइया गइरइया गइसमावन्नगा तेसि णं देवाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अन्नत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति णेरइयाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अन्नत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ, इहगयावि एगइया वेयणं वेयंति अन्नत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा ॥ १११ ॥ णेरइया दुगइया दुयागइया प० तं०—णेरइए णेरइएसु उववज्जमाणे मणुस्सेहिंतो वा पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से णेरइए णेरइयत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा एवं असुरकुमारावि

सजमे चेव, अहवा चरिमसमयउवसतकसायवीयरागसजमे चेव, अचरिमसमय-उवसतकसायवीयरागसजमे चेव, खीणकसायवीयरागसजमे दुविहे० छउमत्थखीण-कसायवीयरागसजमे चेव, केवलिखीणकसायवीयरागसजमे चेव, छउमत्थखीण-कसायवीयरागसजमे दुविहे० सयंवुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे, वुद्धवोहिय-छउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे, सयवुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे दुविहे० पढमसमयसयंवुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे, अपढमसमयसयवुद्धछउमत्थ-खीणकसायवीयरागसजमे, अहवा चरिमसमयसयवुद्धछउमत्थखीणकसायवीयराग-सजमे, अचरिमसमयसयवुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे, वुद्धवोहियछउमत्थ-खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयवुद्धवोहियछउमत्थखीणकसायवीयराग-सजमे, अपढमसमयवुद्धवोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे, अहवा चरिमसम-यवुद्धवोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसजमे अचरिमसमयवुद्धवोहियछउमत्थखीण-कसायवीयरागसजमे, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सजोगिकेवलिखीणक-सायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, सजोगिकेवलिखीणक-सायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसजमे अपढ-मसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसजमे, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलिखी-णकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसजमे, अजो-गिकेवलिखीणकसायवीयरागसजमे दुविहे० पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवी-यरागसजमे, अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमस-मयअयोगिकेवलिखीणकसायवीयरायसजमे, अचरिमसमयअयोगिकेवलिखीणकसाय-वीयरायसजमे ॥ १०४ ॥ दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तजहा–सुहुमा चेव, वायरा चेव, एवं जाव दुविहा वणस्सइकाइया पन्नत्ता तंजहा–सुहुमा चेव वायरा चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तजहा–पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता, तजहा–परिणया चेव, अपरिणया चेव, जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा० परिणया चेव अपरिणया चेव, दुविहा पुढविकाइया पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, एव जाव वणस्सइकाइया, दुविहा दव्वा पन्नत्ता तंजहा–गइसमावन्नगा चेव अगइसमावन्नगा चेव, दुविहा पुढविकाइया० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव, जाव दव्वा ॥ १०५ ॥ दुविहे काले० ओसप्पिणीकाले चेव, उस्सप्पिणीकाले चेव ॥ १०६ ॥ दुविहे आगासे० लोगागासे चेव, अलोगागासे चेव ॥ १०७ ॥ णेरइयाण दो सरीरगा० अब्भतरगे चेव, वाहिरगे चेव, अब्भंतरए कम्मए, वाहिरए वेउव्विए,

णवरं से चेवणं से असुरकुमारत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा तिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एव सव्वदेवा, पुढविकाइया दुगइया दुयागइया प० तं०–पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा णो पुढविकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेवण से पुढविकाइयत्त विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा णो पुढविकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं जाव मणुस्सा ॥ ११२ ॥ दुविहा णेरइया प० त० भवसिद्धिया चेव, अभवसिद्धिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० अणतरोववन्नगा चेव परपरोववन्नगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० तं० गइसमावन्नगा चेव, अगइसमावन्नगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० पढम-समयउववन्नगा चेव अपढमसमयउववन्नगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० आहारगा चेव अणाहारगा चेव, एव जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया पन्नत्ता त०, उस्सासगा चेव नोउस्सासगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० सन्नी चेव असन्नी चेव, एव जाव पचिंदिया सव्वे विगलिंदियवज्जा, जाव वाणमतरा। दुविहा णेरइया प० त० भासगा चेव अभासगा चेव, एवमेगेंदियवज्जा सव्वे, दुविहा णेरइया प० तं० समदिट्ठिया चेव मिच्छदिट्ठिया चेव, एगिंदियवज्जा सव्वे, दुविहा णेरइया प० तं० परित्तससारिया चेव, अणतससारिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० सखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव असखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव, एव पचिंदिया, एगिंदिया विगलिंदियवज्जा जाव वाणमतरा, दुविहा णेरइया प० त० सुलभवोहिया य दुल्लभवोहिया य जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० कण्हपक्खिया चेव सुक्कपक्खिया चेव, जाव वेमाणिया, दुविहा णेरइया प० त० चरिमा चेव अचरिमा चेव, जाव वेमाणिया ॥ ११३ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोग जाणइ पासइ, तं० समोहएणं चेव अप्पाणेण आया अहे लोग जाणइ पासइ, असमोहएण चेव अप्पाणेण आया अहे लोग जाणइ पासइ, आधोहि समोहया समोहएण चेव अप्पाणेण आया अहे लोग जाणइ पासइ । एव तिरियलोग उड्ढ-लोग केवलकप्प लोग। दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोग जाणइ पासइ, तजहा–विउव्विएण चेव अप्पाणेण आया अहेलोग जाणइ पासइ, अविउव्विएणं चेव अप्पाणेण आया अहेलोग जाणइ पासइ, आहोहि विउव्वियाविउव्विएण चेव अप्पाणेण आया अहेलोग जाणइ पासइ, एवतिरियलोगं उड्ढलोग केवलकप्प लोगं ॥ ११४ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया सद्दाइ सुणेइ, तजहा–देसेणवि आया सद्दाई सुणेइ,

प० त० तवायारे चेव, वीरियायारे चेव ॥ १२० ॥ दो पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा चेव, उवहाणपडिमा चेव, दो पडिमाओ प० त० विवेगपडिमा चेव, विउसग्गपडिमा चेव, दोपडिमाओ प०त० भद्दा चेव, सुभद्दा चेव, दो पडिमाओ प०तं० महाभद्दा चेव सव्वतोभद्दा चेव, दो पडिमाओ प० तं० खुड्डिया चेव मोयपडिमा महल्लिया चेव मोयपडिमा, दोपडिमाओ प० त० जवमज्झे चेव चदपडिमा वइरमज्झे चेव चदपडिमा ॥ १२१ ॥ दुविहे सामाइए प० तं० **आगारसामाइए** चेव, **अणगारसामाइए** चेव ॥ १२२ ॥ दोण्हं उववाए प० त० देवाणं चेव, नेरइयाण चेव, दोण्ह उव्वट्टणा प० त० नेरइयाण चेव, भवणवासीण चेव, दोण्ह चयणे प० त० जोइसियाण चेव, वेमाणियाण चेव, दोण्हं गब्भवक्कती प० त० मणुस्साण चेव, पचिंदियतिरिक्खजोणियाण चेव। दोण्ह गब्भत्थाण आहारे प० त० मणुस्साण चेव पर्चिदियतिरिक्खजोणियाण चेव दोण्हं गब्भत्थाणं वुड्ढी प० त० मणुस्साण चेव पर्चिदियतिरिक्खजोणियाण चेव, एव निव्वुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसजोगे आयाइ मरणे, दोण्हं छविपव्वा प० त० मणुस्साणं चेव पचिंदियतिरिक्खजोणियाण चेव, दो सुक्कसोणिअसभवा, प० तं० मणुस्सा चेव पर्चिदियतिरिक्खजोणिया चेव, दुविहा ठिई, कायट्ठिई चेव, भवट्ठिई चेव, दोण्हं कायट्ठिई, मणुस्साण चेव पर्चिदियतिरिक्खजोणिआण चेव, दोण्ह भवट्ठिई, देवाणं चेव णेरइयाण चेव, दुविहे आउए, अद्धाउए चेव, भवाउए चेव, दोण्हं अद्धाउए, मणुस्साण चेव पर्चिदियतिरिक्खजोणियाण चेव, दोण्ह भवाउए देवाणं चेव, णेरइयाण चेव, दुविहे कम्मे, पएसकम्मे चेव, अणुभावकम्मे चेव, दो अहाउय पालेंति, देवच्चेव णेरइयच्चेव, दोण्ह आउयसवट्टए प० त० मणुस्साण चेव पचिंदियतिरिक्खजोणियाण चेव ॥ १२३ ॥ जवुद्दीवे दीवे मदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण दोवासा वहुसमतुल्ला अविसेसमणाणत्ता अन्नमण्ण णाइवट्टंति, आयामविक्खमसंठाणपरिणाहेण, तजहा—भरहे चेव, एरवए चेव, एवमेएण अहिलावेण नेयव्व, हेमवए चेव हेरण्णवए चेव, हरिवरिसे चेव, रम्मयवरिसे चेव ॥ १२४ ॥ जवुद्दीवे दीवे मदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेण दो खित्ता, वहुसमतुल्ला अविसेस जाव पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव ॥१२५॥ जवूमदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण दोकुराओ, वहुसमतुल्लाओ अविसेसा जाव देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव, तत्थ णं दो महइ महालया महादुमा, वहुसमतुल्ला, अविसेसमणाणत्ता अन्नमन्न णाइवट्टंति, आयामविक्खभुच्चत्तोव्वेहसठाणपरिणाहेण तजहा कूडसामली चेव, जंवू चेव सुदसणा, तत्थण दो देवा महिड्ढिया जाव महासोक्खा,

स्संति वा । एवं चक्कवट्टिवंसा दसारवंसा जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा एवं चक्कवट्टिणो बलदेवा वासुदेवा जाव उप्पज्जिस्संति वा ॥ ११५ ॥ जंबू दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमम्-मिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–देवकुराए चेव उत्तरकुराए चेव जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव जंबु दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुस्समुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–हेमवए चेव एरन्नवए चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा–पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव, जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–भरहे चेव एरवए चेव ॥ ११६ ॥ जंबुद्दीवे २ दो चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा दो सूरिया तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा दो कत्तियाओ दो रोहिणीओ दो मिगसिराओ, दो अद्दाओ एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमिगसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य । तत्तोवि अस्सलेसा महा य दो फग्गुणीओ य १ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होइ अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वा य आसाढा उत्तरा चेव २ अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया, रेवइ अस्सिणि भरणी णेयव्वा आणुपुव्वीए ३ एवं गाहाणुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअदिती दोबहस्सई दोसप्पी दोपीई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोनिरई दोआऊ दोविस्सा दोबम्हा दोविण्हू दोवसू दोवरुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्छरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकणकणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जोवगा दोकब्बडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोकंसा दोकंसवन्ना दोकंसवन्नाभा दोसंखा दोसंखवन्ना दोसंखवन्नाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोणीला दोणीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवन्ना दोदगा दोदगपंचवन्ना दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गी दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोबहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोनियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपलंबा दोणिच्चालोगा दोणिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा

उला, अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं नाइवट्टंति, आयामविक्खंभउव्वेहसंठाणपरिणा-हेण, तंजहा-पउमद्दहे चेव, पुंडरीयद्दहे चेव, तत्थण दो देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिइयाओ परिवसंति, त० सिरी चेव लच्छी चेव, एव महाहिमवंत-रुप्पीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा प० वहुसमतुल्ला जाव महापउमद्दहे चेव, महापोंडरीयद्दहे चेव, देवताओ हिरिच्चेव वुद्धिच्चेव, एव निसहनीलवंतेसु तिगिच्छिद्दहे चेव, केसरिद्दहे चेव, देवताओ धिई चेव कित्ति च्चेव ॥ १३२ ॥ जंबूमंदरदाहिणेण महाहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ महापउमद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति तंजहा रोहियच्चेव हरिकंतच्चेव, एवं निसहाओ वासहरपव्वयाओ तिगिच्छिद्दहाओ दोमहानईओ पवहंति त० हरिच्चेव, सीलोअच्चेव। जंबूमंदरस्स उत्तरेण नीलवंताओ वासहरपव्वयाओ केसरिद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति त० सीता चेव, नारिकंता चेव, एव रुप्पिवासहरपव्वयाओ महापोंडरीयद्दहाओ दोमहाणईओ पवहंति, तंजहा णरकंता चेव रुप्पकूला चेव। जंबूमंदरदाहिणेण भारहेवासे दोपवायद्दहा प० त० वहुसमतुल्ला जाव गंगप्पवायद्दहे चेव सिंधुप्पवायद्दहे चेव। एव हेमवएवासे दोपवायद्दहा प० वहुसमतुल्ला त० रोहियप्पवायद्दहे चेव, रोहियंसप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरदाहिणे णं हरिवासे वासे दोपवायद्दहा प० वहुसमतुल्ला त० हरिप्पवायद्दहे चेव हरिकंतप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरउत्तरदाहिणेण महाविदेहे वासे दोपवायद्दहा प० त० वहुसमतुल्ला जाव० सीयप्पवायद्दहे चेव, सीओयप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरउत्तरेण रम्मएवासे दोपवायद्दहा प० वहुसमतुल्ला जाव नरकंतप्पवायद्दहे चेव णारिकंतप्पवायद्दहे चेव, एव हेरन्नवएवासे दोपवायद्दहा प० वहुसमतुल्ला जाव० सुवण्णकूलप्पवायद्दहे चेव, रुप्पकूलप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरउत्तरेण एरवएवासे दोपवायद्दहा, प० वहुसमतुल्ला जाव० रत्तप्पवायद्दहे चेव रत्तावइप्पवायद्दहे चेव, जंबूमंदरदाहिणेण भरहेवासे दोमहानईओ प० वहुसमतुल्ला गंगा चेव, सिंधू चेव, एव जहा प्पवायद्दहा एव णईओ भाणियव्वाओ, जाव एरवए वासे दोमहानईओ प० वहुसमतुल्लाओ जाव रत्ता चेव रत्तवई चेव॥१३३॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसुऽतीताए उस्सप्पिणीए सुसमदुसमाए समाए दो सागरोवमकोडाकोडीओ काले होत्था, एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव प० एव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेण होत्था, दोण्णियपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालइत्था, एवमागमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालइस्संति ॥ १३४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगसमए एगजुगे दो अरहंतवंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जि-

च्छा दोसुकच्छा दोमहाकच्छा दोकच्छगावई दोआवत्ता दोमंगलावत्ता दोपुक्खला
दोपुक्खलावई दोवच्छा दोसुवच्छा दोमहावच्छा दोवच्छगावई दोरम्मा दोरम्मग
दोरमणिज्जा दोमंगलावई दोपम्हा दोसुपम्हा दोमहापम्हा दोपम्हगावई दोसंखा दोण-
लिणा दोकुमुया दोसलिलावई दोवप्पा दोसुवप्पा दोमहावप्पा दोवप्पगा-
वई दोवग्गू दोसुवग्गू दोगंधिला दोगंधिलावई दोखेमाओ दोखेमपुरीओ दोरिट्ठाओ
दोरिट्ठपुरीओ दोखग्गीओ दोमंजूसाओ दोओसहीओ दोपुंडरीगिणीओ दोसुसीमाओ
दोकुंडलाओ दोअपराजियाओ दोपभंकराओ दोअंकावईओ दोपम्हावईओ दोसुभाओ
दोरयणसंचयाओ दोआसपुराओ दोसीहपुराओ दोमहापुराओ दोविजयपुराओ दोअव-
राजियाओ दोअवराओ दोअसोयाओ दोवीयसोगाओ दोविजयाओ दोवेजयंतीओ
दोजयंतीओ दोअपराजियाओ दोचक्कपुराओ दोखग्गपुराओ दोअवज्झाओ दोअ-
उज्झाओ दोभद्दसालवणा दोणंदणवणा दोसोमणसवणा दोपंडगवणा दोपंडुकंबल-
सिलाओ दोअइपंडुकंबलसिलाओ दोरत्तकंबलसिलाओ दोअइरत्तकंबलसिलाओ
दोमंदरा दोमंदरचूलियाओ, धायइसंडस्स दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं
उच्चत्तेणं पन्नत्ता कालोदस्स णं समुद्दस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता
पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहु-
समतुल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव जाव दोकुराओ पन्नत्ताओ देवकुरा चेव उत्तर-
कुरा चेव। तत्थ णं दोमहइमहालया महादुमा प० तं० कूडसामली चेव पउमरुक्खे
चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पउमे चेव जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा
विहरंति पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प०तं०
तहेव णाणत्तं कूडसामली चेव महापउमरुक्खे चेव देवा गरुले चेव, वेणुदेवे
पुंडरीए चेव, पुक्खरवरदीवड्ढेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं जाव दोमंदरा दोमंद-
रचूलियाओ पुक्खरवरस्स णं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० सव्वेसिं पि
णं दीवसमुद्दाणं वेइयाओ दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ताओ ॥ ११९ ॥ दो
असुरकुमारिंदा प० तं० चमरे चेव बली चेव दोणागकुमारिंदा प० तं० धरणे चेव
भूयाणंदे चेव दोसुवण्णकुमारिंदा प० तं० वेणुदेवे चेव वेणुदाली चेव, दोविज्जु-
कुमारिंदा प०तं० हरी चेव हरिस्सहे चेव दोअग्गिकुमारिंदा प०तं० अग्गिसिहे चेव
अग्गिमाणवे चेव दोदीवकुमारिंदा प०तं० पुण्णे चेव, विसिट्ठे चेव दोउदहिकुमारिंदा
प० तं० जलकंते चेव जलप्पभे चेव दोदिसाकुमारिंदा प० तं० अमियगई चेव
अमियवाहणे चेव दोवाउकुमारिंदा प० तं० वेलंबे चेव पभंजणे चेव दोथणिय-
कुमारिंदा प० तं० घोसे चेव महाघोसे चेव दोपिसायइंदा प० तं० काले चेव महा-

दोपभंकरा दोअपराजिता दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवि-
तत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी
दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥१३७॥ जंबुद्दीवस्स ण दीवस्स
वेइआ दोगाउआइ उड्ढ उच्चत्तेणं प० लवणेण समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवा-
लविक्खंभेण प० लवणस्सण समुद्दस्स वेइया दोगाउआइ उड्ढ उच्चत्तेण प० ॥१३८॥
धायईखडेण दीवे पुरत्थिमद्धेण मदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण दोवासा, बहुसम-
उल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव, एव जहा जंबूदीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं,
जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहपि काल पच्चणुभवमाणा विहरति, तजहा—भरहे चेव
एरवए चेव, णवर कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे
सुदसणेचेव, धायईखडदीवपच्चच्छिमद्धेण मदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेण दोवासा
प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि काल पच्चणुभवमाणा
विहरंति, णवर कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे
पियदसणे चेव, धायईखडेण दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवताइ दो
हेरण्णवयाइ दोहरिवासाइ दोरम्मगवासाइ, दोपुव्वविदेहाइ दोअवरविदेहाइं
दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ
दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा दोचुल्लहिमवता दोमहाहिमवता
दोनिसहा दोनीलवता दोरुप्पी दोसिहरी दोसद्दावाई दोसद्दावायवासी साई देवा,
दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगधावाई दोगधावाईवासी
अरुणादेवा दोमालवतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा दोमालवता
दोचित्तकूडा दोपउमकूडा दोनलिनकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा
दोअजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअकावई दोपम्हावई दोआसी-
विसा दोसुहावहा दोचदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंध-
मायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवतकूडा दोवे-
रुलियकूडा दोनिसहकूडा दोरुयगकूडा दोनीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा
दोमणिकचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ
सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एव जाव दोपुड-
रीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ दोगगप्पवायद्दहा जाव दोरत्त-
वईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपकव-
ईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ
दोअतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगभीरमालिणीओ दोक-

काले चेव, दोभूयइंदा प० तं० सुरूवे चेव पडिरूवे चेव, दोजक्खिंदा प० त० पुण्ण-भद्दे चेव माणिभद्दे चेव, दोरक्खसिंदा प० त० भीमे चेव महाभीमे चेव, दोकि-भरिंदा प० त० किन्नरे चेव किंपुरिसे चेव, दोकिंपुरिसिंदा प० त० सप्पुरिसे चेव महापुरिसे चेव, दोमहोरगिंदा प० त० अइकाये चेव महाकाये चेव, दोगधव्विंदा प० त० गीयरई चेव गीयजसे चेव, दोअणपण्णिंदा प० त० सनिहिए चेव, सामण्णे चेव, दोपणपन्निंदा प० त० धाए चेव विहाए चेव, दोइसिवाइंदा प० त० इसि चेव इसिवालए चेव, दोभूयवाइंदा प० त० ईसरे चेव महिस्सरे चेव, दोकदिंदा प० त० सुवच्छे चेव विसाले चेव, दोमहाकंदिंदा प० त० हासे चेव हासरई चेव, दोकुभडिंदा प० त० सेए चेव महासेए चेव,दोपयगिंदा प० त० पयए चेव पयगवई चेव, जोइसियाणं देवाण दोइंदा प० त० चंदे चेव सूरे चेव, सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० सक्के चेव ईसाणे चेव, एव सणकुमारमहिंदेसु कप्पेसु दोइंदा प० त० सणकुमारे चेव माहिंदे चेव, बभलोयलंतगेसु ण दोइंदा प० त० बभे चेव लंतए चेव, महासुक्कसहस्सारेसु ण कप्पेसु दोइंदा पन्नत्ता तजहा–महासुक्के चेव सहस्सारे चेव, आणयपाणयारणच्चुएसु ण कप्पेसु दोइंदा प०त० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ १४० ॥ महासुक्कसहस्सारेसु ण कप्पेसु विमाणा दुवण्णा प० त० हालिद्दा चेव सुक्किल्ला चेव, गेविज्जगाणं देवाण दोरयणीओ उड्ढं उच्चत्तेण पन्नत्ता ॥१४१॥

बीयट्ठाणस्स तइओदेसो समत्तो ॥

समयाइ वा आवलियाइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, आणापाणूइ वा, थोवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, खणाइ वा लवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ, एवं मुहुत्ताइ वा, अहोरत्ताइ वा, पक्खाइ वा, मासाइ वा, उऊइ वा, अयणाइ वा, सवच्छराइ वा, जुगाइ वा, वाससयाइ वा, वाससहस्साइ वा, वाससयसहस्साइ वा, वासकोडीइ वा, पुव्वगाइ वा, पुव्वाइ वा, तुडियगाइ वा तुडियाइ वा अडडगाइ वा, अडडाइ वा, अववगाइ वा, अववाइ वा हूहूअगाइ वा, हूहूयाइ वा, उप्पलगाइ वा, उप्पलाइ वा, पउमंगाइ वा, पउमाइ वा, णलिणगाइ वा, णलिणाइ वा, अच्छणिउरगाइ वा, अच्छणिउराइ वा, अउअगाइ वा अउआइ वा, णउअगाइ वा, णउआइ वा पउअगाइ वा, पउयाइ वा, चूलिअगाइ वा चूलियाइ वा, सीसप्पहेलिअगाइ वा, सीसप्पहेलियाइ वा, पलिओवमाइ वा, सागरोवमाइ वा उस्सप्पिणीइ वा, ओसप्पिणीइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ १४२ ॥ गामाइ वा, णगराइ वा, निगमाइ वा, रायहाणीइ वा, खेडाइ वा, कव्वडाइ वा, मडंबाइ वा, दोणमुहाइ वा, पट्टणाइ वा, आगराइ वा, आस-

समुद्दा प० तं० लवणे चेव कालोदे चेव दो चक्कवट्टी अपरिच्चत्तकामभोगा काल-
मासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणनरए नेरइयत्ताए उववन्ना तं०
सुभूमे चेव बंभदत्ते चेव ॥ १५८ ॥ असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं देसू-
णाइं दोपलिओवमाइं ठिई प० सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दोसागरोवमाइं ठिई
प० ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई प० सणंकुमारे
कप्पे देवाणं जहन्नेणं दोसागरोवमाइं ठिई प० माहिंदे कप्पे देवाणं जहन्नेणं
साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १५९ ॥ दोसु कप्पेसु कप्पत्थियाओ
पन्नत्ताओ तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा प० तं०
सोहम्मे चेव ईसाणे चेव दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा प० तं० सोहम्मे चेव
ईसाणे चेव दोसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा प० तं० सणंकुमारे चेव माहिंदे
चेव दोसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा प० तं० बंभलोए चेव लंतए चेव दोसु
कप्पेसु देवा सद्दपरियारगा प० तं० महासुक्के चेव सहस्सारे चेव दो इंदा मण
परियारगा प० तं० पाणए चेव अच्चुए चेव ॥ १६० ॥ जीवाणं दुट्ठाणनिव्वत्तिए
पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा–तसकायनिव्व-
त्तिए चेव थावरकायनिव्वत्तिए चेव एवं उवचिणिंसु वा उवचिणंति वा उवचिणि-
स्संति वा बंधिंसु वा बंधंति वा बंधिस्संति वा उदीरिंसु वा उदीरेंति वा,
उदीरिस्संति वा वेदिंसु वा वेदेंति वा वेदिस्संति वा निज्जरिंसु वा निज्जरेंति
वा निज्जरिस्संति वा ॥ १६१ ॥ दुपएसिया खंधा अणंता प० दुपएसोगाढा
पोग्गला अणंता प० एवं जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पन्नत्ता ॥ १६२ ॥
बीयट्ठाणस्स चउत्थोद्देसो समत्तो बीयं ठाणं समत्तं ॥

तइयट्ठाणं

तओ इंदा प० तं० नामिंदे-ठवणिंदे-दव्विंदे ॥ तओ इंदा प० तं० नाणिंदे
दंसणिंदे-चरित्तिंदे, तओ इंदा प० तं० देविंदे-असुरिंदे-मणुस्सिंदे ॥ १६३ ॥
तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरए पोग्गलए परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरए
पोग्गले अपरियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि
एगा विउव्वणा तिविहा विउव्वणा प० तं० अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा
विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगा विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले
परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिर-
ब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता

भगवया महावीरेण समणाणं णिग्गंथाणं णो णिच्चं वण्णियाइं कित्तियाइं णो णिच्चं बुइयाइं णो णिच्चं पसत्थाइं णो णिच्चं अब्भणुन्नायाइं भवंति तं० वलयमरणे चेव, वसट्टमरणे चेव, एवं णियाणमरणे चेव, तब्भवमरणे चेव, गिरिपडणे चेव, तरुपडणे चेव, जलप्पवेसे चेव, जलणप्पवेसे चेव, विसभक्खणे चेव, सत्थोवाडणे चेव, दोमरणाइं जाव णो णिच्चं अब्भणुन्नायाइं भवंति, कारणेणं पुण अप्पडिकुट्ठाइं तंजहा-वेहाणसे चेव गिद्धपिट्ठे चेव ॥ १४९ ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेण समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं जाव अब्भणुन्नायाइं भवंति तं०पाओवगमणे चेव भत्तपच्चक्खाणे चेव, पाओवगमणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव अणीहारिमे चेव, णियमं अप्पडिकम्मे, भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव, अणीहारिमे चेव, णियमं सप्पडिकम्मे ॥ १५० ॥ के अयं लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के अणंता लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के सासया लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव ॥ १५१ ॥ दुविहा बोही, णाणबोही चेव, दंसणबोही चेव। दुविहा बुद्धा-णाणबुद्धा चेव दंसणबुद्धा चेव, एवं मोहे मूढा ॥ १५२ ॥ णाणावरणिज्जे कम्मे दुविहे पन्नत्ते तं० देसणाणावरणिज्जे चेव, सव्वणाणावरणिज्जे चेव, दंसणावरणिज्जे कम्मे एवं चेव वेयणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० सायावेयणिज्जे चेव असायावेयणिज्जे चेव मोहणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० दंसणमोहणिज्जे चेव चरित्तमोहणिज्जे चेव, आउकम्मे दुविहे प० तं० अद्धाउए चेव, भवाउए चेव, णामकम्मे दुविहे प० तं० सुभणामे चेव असुभणामे चेव, गोत्तकम्मे दुविहे प० तं० उच्चागोए चेव णीयागोए चेव, अंतराइएकम्मे दुविहे प० तं० पडुप्पण्णविणासिए चेव पिहियआगामिपहं ॥ १५३ ॥ दुविहा मुच्छा प० तं० पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव, पेज्जवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० माए चेव लोहे चेव, दोसवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० कोहे चेव माणे चेव ॥ १५४ ॥ दुविहा आराहणा प० तं० धम्मियाराहणा चेव केवलिआराहणा चेव, धम्मियाराहणा दुविहा प० तं० सुयधम्माराहणा चेव चरित्तधम्माराहणा चेव, केवलिआराहणा दुविहा प० तं० अंतकिरिया चेव कप्पविमाणोववत्तिया चेव ॥ १५५ ॥ दोतित्थयरा नीलुप्पलसमावन्नेणं प० तं० मुणिसुव्वए चेव, अरिट्ठणेमी चेव, दोतित्थयरा पियंगुसमावन्नेणं प० तं० मल्ली चेव पासे चेव, दोतित्थयरा पउमगोरा वण्णेणं, प० तं० पउमप्पहे चेव, वासुपुज्जे चेव, दोतित्थयरा चंदगोरा वण्णेणं प० तं० चंदप्पभे चेव पुप्फदंते चेव ॥ १५६ ॥ सच्चप्पवायपुव्वस्सणं दुवे वत्थू पन्नत्ता, पुव्वभद्दवयानक्खत्ते दुतारे प० उत्तरभद्दवयानक्खत्ते दुतारे प०-एवं पुव्वफग्गुणी, उत्तरफग्गुणी ॥ १५७ ॥ अंतोणं मणुस्सखेत्तस्स दो

मणुस्सेणं पीइमणएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा सुहदीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति ॥१७०॥ तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ तं० मणगुत्ती वयगुत्ती कायगुत्ती संजयमणुस्साणं तओ गुत्तीओ प० तं० मण वय काय। तओ अगुत्तीओ प० तं० मणअगुत्ती वयअगुत्ती कायअगुत्ती एवं नेरइयाणं जाव थणियकुमाराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं असंजयमणुस्साणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं। तओ दंडा प० तं० मणदंडे वयदंडे कायदंडे नेरइयाणं तओ दंडा प० मणदंडे जाव कायदंडे विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥१७१॥ तिविहा गरिहा प० तं० मणसावेगे गरहइ, वयसावेगे गरहइ, कायसावेगे गरहइ, पावाणं कम्माणं अकरणयाए। अहवा गरहा तिविहा प० तं० दीहंपेगे अद्धं गरहइ, रहस्संपेगे अद्धं गरहइ, कायंपेगे पडिसाहरइ पावाणं कम्माणं अकरणयाए, तिविहे पच्चक्खाणे प० तं० मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, कायसावेगे पच्चक्खाइ, एवं जहा गरहा तहा पच्चक्खाणेवि दो आलावगा भाणियव्वा ॥१७२॥ तओ रुक्खा प० तं० पत्तोवए, फलोवए, पुप्फोवए, एवामेव तओ पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्खसमाणे पुप्फो वा रुक्खसमाणे फले वा रुक्खसमाणे। तओ पुरिसजाया प० तं० नामपुरिसे ठवणपुरिसे दव्वपुरिसे तओ पुरिसजाया प० तं० नाणपुरिसे दंसणपुरिसे चरित्तपुरिसे तओ पुरिसजाया प० तं० वेदपुरिसे चिंधपुरिसे अभिलावपुरिसे ॥ १७३ ॥ तिविहा पुरिसा प० तं० उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा जहन्नपुरिसा उत्तमपुरिसा तिविहा प० तं० धम्मपुरिसा भोगपुरिसा कम्मपुरिसा धम्मपुरिसा अरिहंता भोगपुरिसा चक्कवट्टी कम्मपुरिसा वासुदेवा मज्झिमपुरिसा तिविहा—उग्गा भोगा राइन्ना जहन्नपुरिसा तिविहा, प० तं० दासा भयगा भाइल्लगा ॥१७४॥ तिविहा मच्छा प० तं० अंडया पोयया संमुच्छिमा अंडया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा पोयया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥१७५॥ तिविहा पक्खी प० तं० अंडया पोयया संमुच्छिमा अंडया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा पोयया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी पुरिसा, णपुंसगा एवमेएणं अभिलावेणं उरपरिसप्पावि भाणियव्वा भुयपरिसप्पावि भाणियव्वा एवं चेव ॥१७६॥ तिविहाओ इत्थीओ पण्णत्ताओ तं० तिरिक्खजोणित्थीओ मणुस्सित्थीओ देवित्थीओ तिरिक्खजोणित्थीओ तिविहाओ प० तं० जलचरीओ थलचरीओ खहचरीओ मणुस्सित्थीओ तिविहाओ पण्णत्ताओ तं० कम्मभूमियाओ अकम्मभूमियाओ अंतरदीवियाओ ॥१७७॥ तिविहा पुरिसा तिरिक्खजोणियपुरिसा

एगा विउव्वणा बाहिरब्भतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा ॥ १६४ ॥ तिविहा नेरइया प० तं० कतिसंचिया, अकतिसंचिया अवत्तव्वगसंचिया एवमेगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया ॥ १६५ ॥ तिविहा परियारणा प० तं० एगे देवे अन्ने देवे अन्नेसिं देवाण देवीओ य अभिजुंजिय २ परियारेइ, अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ एगे देवे णो अन्नेदेवे णो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ। एगे देवे णो अन्नेदेवे णो अन्नेसिं देवाण देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ, णो अप्पणिज्जियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पाण विउव्विय २ परियारेइ ॥ १६६ ॥ तिविहे मेहुणे प० तं० दिव्वे माणुस्सए तिरिक्खजोणिए, तओ मेहुणं गच्छति तं० देवा मणुस्सा तिरिक्खजोणिया, तओ मेहुण सेवति तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १६७ ॥ तिविहे जोगे प० तं० मणजोगे वयजोगे कायजोगे, एव णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाण जाव वेमाणियाणं, तिविहे पओगे प० तं० मणपओगे, वयपओगे, कायपओगे, जहा जोगो विगलिंदियवज्जाण जाव वेमाणियाणं तहा पओगेवि। तिविहे करणे प० तं० मणकरणे, वयकरणे, कायकरणे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं । तिविहे करणे पन्नत्ते तं० आरंभकरणे, सरंभकरणे समारंभकरणे, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ १६८ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसवइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा, णिग्गंथं वा, अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभित्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति । तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तंजहा–णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं ण समणं णिग्गंथं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ । इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति ॥ १६९ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं णिग्गंथं वा हीलेत्ता निंदेत्ता खिंसेत्ता गरिहित्ता अवमाणित्ता अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं वा पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति, तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउअत्ताए कम्मं पगरेंति, तंजहा–णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा णिग्गंथं वा वंदित्ता नमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता

जाव तं चेव। एवमासणाइं चलेज्जा सीहणायं करेज्जा चेलुक्खेवं करेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवाणं रुक्खा चलेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, जाव तं चेव। तिहिं ठाणेहिं लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु ॥ १८३ ॥ तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो तंजहा-अम्मापिउणो भट्टिस्स धम्मायरियस्स संपाओवि य णं केइ पुरिसे अम्मापियरं सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेत्ता सुरभिणा गंधट्टएणं उव्वट्टित्ता तिहिं उदगेहिं मज्जावेत्ता सव्वालंकारविभूसियं करेत्ता मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भोयावेत्ता जावज्जीवं पिट्ठिवडिंसियाए परिवहेज्जा तेणावि तस्स अम्मापिउस्स दुप्पडियारं भवइ। अहे णं से तं अम्मापियरं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स अम्मापिउस्स सुप्पडियारं भवइ। समणाउसो केइ महच्चे दरिद्दं समुक्कसेज्जा तए णं से दरिद्दे समुक्किट्ठे समाणे पच्छा पुरं च णं विउलभोगसमिइसमन्नागए यावि विहरेज्जा तए णं से महच्चे अन्नया कयाइं दरिद्दी हूए समाणे तस्स दरिद्दस्स अंतियं हव्वमागच्छेज्जा तए णं से दरिद्दे तस्स भट्टिस्स सव्वस्समवि दलयमाणे तेणावि तस्स दुप्पडियारं भवइ, अहे णं से तं भट्टिं केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता पन्नवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स भट्टिस्स सुप्पडियारं भवइ। केइ तहारूवस्स समणस्स वा निग्गंथस्स वा अंतियं एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने, तए णं से देवे तं धम्मायरियं दुब्भिक्खाओ वा देसाओ सुभिक्खं देसं साहरेज्जा कंताराओ वा निक्कंतारं करेज्जा दीहकालिएणं वा रोगायंकेणं अभिभूयं समाणं विमोएज्जा, तेणावि तस्स धम्मायरियस्स दुप्पडियारं भवइ, अहे णं से तं धम्मायरियं केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भट्ठं समाणं भुज्जोवि केवलिपन्नत्ते धम्मे आघवइत्ता जाव ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स धम्मायरियस्स सुप्पडियारं भवइ ॥ १८४ ॥ तिहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अणाइयं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीईवएज्जा, तंजहा-अणियाणयाए, दिट्ठिसंपन्नयाए, जोगवाहियाए ॥ १८५ ॥ तिविहा ओसप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पि समाओ भाणियव्वाओ जाव दुसमदुसमा, तिविहा उस्सप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहन्ना एवं छप्पि समाओ भाणियव्वाओ जाव सुसमसुसमा ॥ १८६ ॥ तिहिं ठाणेहिं अच्छिन्ने पोग्गले चलेज्जा तं० आहारिज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा विकुव्वमाणे वा पोग्गले चलेज्जा ठाणाओ वा ठाणं संकामिज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा ॥ १८७ ॥ तिविहा उवही प० तं० कम्मोवही

मणुस्सपुरिसा, देवपुरिसा, तिरिक्खजोणियपुरिसा तिविहा प० तं० जलयरा, थलयरा, खहयरा, मणुस्सपुरिसा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया, अकम्मभूमिया अतरदीवया ॥१७८॥ तिविहा णपुंसगा, णेरइयणपुसगा, तिरिक्खजोणियणपुसगा मणुस्सणपुसगा, तिरिक्खजोणियणपुसगा तिविहा–जलयरा थलयरा खहयरा ॥ १७९ ॥ मणुस्सणपुसगा तिविहा प० त० कम्मभूमिया अकम्मभूमिया अतरदीवगा, तिविहा तिरिक्खजोणिया, इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १८० ॥ णेरइयाण तओ लेस्साओ प० त० कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा, असुरकुमाराणं तओ लेस्साओ सकिलिट्ठाओ प० त० कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा एवं जाव थणियकुमाराण । एव पुढविकाइयाण आउवणस्सइकाइयाण वि तेउवाउवेइदियतेइदियचउरिंदियाण वि तओ लेस्सा जहा णेरइयाण, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ सकिलिट्ठाओ प० त० कण्हनीलकाउलेस्सा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण तओ लेस्साओ असकिलिट्ठाओ प० त० तेउपम्हसुक्कलेस्सा एवं मणुस्साणवि वाणमतराण जहा असुरकुमाराण, वेमाणियाण तओ लेस्साओ प० त० तेउपम्हसुक्कलेस्सा ॥ १८१ ॥ तिहिं ठाणेहिं तारारूवे चलेज्जा त० विकुव्वमाणे वा परियारेमाणे वा, ठाणाओ वा ठाण सकममाणे तारारूवे चलेज्जा । तिहिं ठाणेहिं देवे विज्जुयार करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा तहारूवस्स समणस्स वा णिग्गथस्स वा इड्ढिं जुइ जस बल वीरिय पुरिसक्कारपरक्कम उवदंसेमाणे देवे विज्जुयारं करेज्जा, तिहिं ठाणेहिं देवे थणियसद्दं करेज्जा त० विउव्वमाणे एव जहा विज्जुयारं तहेव थणियसद्दंपि ॥ १८२ ॥ तिहिं ठाणेहिं लोगधयारे सिया तजहा–अरिहतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे । तिहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहतेहिं जायमाणेहिं अरिहतेसु पव्वयमाणेसु, अरिहताणं णाणुप्पायमहिमासु । तिहिं ठाणेहिं देवंधयारे सिया त० अरिहतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे । तिहिं ठाणेहिं देवुज्जोए सिया तं० अरिहतेहिं जायमाणेहिं, अरिहतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताण णाणुप्पायमहिमासु । तिहिं ठाणेहिं देवसन्निवाए सिया त० अरिहतेहिं जायमाणेहिं अरिहतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहताण णाणुप्पायमहिमासु । एव देवुक्कलिया, देवकहकहए, तिहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोग हव्वमागच्छति त० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहताण णाणुप्पायमहिमासु, एव सामाणिया, तायत्तीसगा लोगपाला देवा अग्गमहिसीओ देवीओ परिसोववन्नगा देवा, अणियाहिवई देवा, आयरक्खा देवा माणुस लोग हव्वमागच्छति, तिहिं ठाणेहिं देवा अब्भुट्ठेज्जा त० अरिहतेहिं जायमाणेहिं

उड्ढं उच्चत्तेणं तिन्निपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था एवं इमीसे ओसप्पिणीए आगमेस्साए उस्सप्पिणीए। जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया तिन्नि गाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० तिन्निपलिओवमाइं परमाउं पालयंति। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे ॥ १९४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणिउस्सप्पिणीए तओ वंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंतवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेववासुदेवा। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। तओ अहाउयं पालंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा। तओ मज्झिममाउयं पालंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा ॥ १९५ ॥ बायरतेउकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं ठिई प० वाउकाइयाणं उक्कोसेणं तिन्निवाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता ॥ १९६ ॥ अह भंते सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसिं णं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लंछियाणं मुद्दियाणं पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ पविद्धंसइ विद्धंसइ तेण परं बीए अबीए भवइ तेण परं जोणी वोच्छेदे प० ॥ १९७ ॥ दोच्चाए णं सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं तिन्नि सागरोवमाइं ठिई प०। तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं तिन्नि सागरोवमाइं ठिई प०। पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिन्नि निरयावाससयसहस्सा प०। तिसु णं पुढवीसु नेरइया उसिणवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० पढमाए दोच्चाए तच्चाए ॥ १९८ ॥ तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० अप्पइट्ठाणे नरए जंबुद्दीवे दीवे सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे। तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णं नरए समयक्खेत्ते ईसिपब्भारापुढवी ॥ १९९ ॥ तओ समुद्दा पयईए उदगरसेणं प० तं० कालोदे पुक्खरोदे सयंभुरमणे। तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइन्ना प० तं० लवणे कालोदे सयंभुरमणे ॥ २०० ॥ तओ लोगे निस्सीला निव्वया निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे नरए नेरइयत्ताए उववज्जंति तं० रायाणो मंडलिया जे य महारंभा कोडुंबी। तओ लोए सुसीला सुव्वया सगुणा सम्मेरा सपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० रायाणो परिचत्तकामभोगा सेणावई पसत्थारो ॥ २०१ ॥ बंभलोगकप्पे णं

सरीरोवही बाहिरभंडमत्तोवही, एवं असुरकुमाराणं भाणियव्वं, एवं एगिंदियनेरइय-वज्जं जाव वेमाणियाणं। अहवा तिविहा उवही प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया। एवं नेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं, तिविहे परिग्गहे प० तं० कम्मपरिग्गहे सरीरपरिग्गहे बाहिरभंडमत्तपरिग्गहे, एवं असुरकुमाराणं, एवं एगिंदियनेरइयवज्जं जाव वेमाणियाणं, अहवा तिविहे परिग्गहे प० तं० सचित्ते अचित्ते मीसए एवं णेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ १८८ ॥ तिविहे पणिहाणे प० तं० मणप-णिहाणे वयपणिहाणे कायपणिहाणे एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे सुप्प-णिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, संजयमणुस्साणं तिविहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, तिविहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे वयदुप्पणिहाणे कायदुप्पणिहाणे, एवं पंचिंदि-याणं जाव वेमाणियाणं ॥ १८९ ॥ तिविहा जोणी पण्णत्ता तंजहा—सीआ उसिणा सीओसिणा। एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं तेउकाइयवज्जाणं समुच्छिमपंचिंदियति-रिक्खजोणियाणं समुच्छिममणुस्साण य, तिविहा जोणी प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं समु-च्छिममणुस्साण य। तिविहा जोणी प० तं० संवुडा, वियडा संवुडवियडा। तिविहा जोणी प० तं० कुम्मुन्नया संखावत्ता वंसीवत्तिया, कुम्मुन्नयाणं जोणी उत्तमपुरिस-माऊणं, कुम्मुन्नयाएणं जोणीए तिविहा उत्तमपुरिसा गब्भं वक्कमंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा, संखावत्ता जोणी इत्थीरयणस्स संखावत्ताएणं जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति नो चेव णं णिप्पज्जंति। वंसीपत्तियाणं जोणी पिहज्जणस्स वंसीवत्तियाएणं जोणीए बहवे पिहज्जणे गब्भं वक्क-मंति ॥ १९० ॥ तिविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० संखेज्जजीविया असंखेज्जजी-विया अणंतजीविया ॥ १९१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहेवासे तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे एवं एरवएवि। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहवासे एगमेगे चक्क-वट्टिविजए तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे। एवं धायइखंडे दीवे पुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि ॥ १९२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीआए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए तिन्निसागरो-वमकोडाकोडीओ कालो होत्था। एवं ओसप्पिणीए णवरं प० आगमेस्साए उस्स-प्पिणीए भविस्सइ। एवं धायइखंडे पुरच्छिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि। एवं पुक्खरव-रदीवड्ढपुरत्थिमद्धे पच्चत्थिमद्धेवि कालो भाणियव्वो ॥ १९३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेर-वएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया तिन्नि गाउआई

णियंठि सिणाए, तओ णियंठा सण्णनोसण्णोवउत्ता प० तं० बउसे पडिसेवणाकुसीले कसायकुसीले ॥ २०९ ॥ तओ सेहभूमीओ प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा उक्कोसा छम्मासा मज्झिमा चउमासा जहण्णा सत्तराइंदिया ॥ २१० ॥ तओ थेरभूमीओ पन्नत्ताओ तं० जाइथेरे सुयथेरे परियायथेरे । सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जाइथेरे, ठाणसमवायधरे णं समणे णिग्गंथे सुयथेरे वीसवासपरियाए णं समणे णिग्गंथे परियायथेरे ॥ २११ ॥ तओ पुरिसजाया प० सुमणे दुम्मणे णोसुमणेणोदुम्मणे तओ पुरिसजाया प० गंतानामेगे सुमणे भवइ गंतानामेगे दुम्मणे भवइ गंतानामेगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, तओ पुरिसजाया प० तं० जामि एगे सुमणे भवइ, जामि एगे दुम्मणे भवइ, जामि एगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, एवं जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया पन्नत्ता तं० अगंतानामेगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं आगंतानामेगे सुमणे भवइ (३) एमि एगे सुमणे भवइ, एस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं एएणं अभिलावेणं गंता य अगंता य आगंता खलु तहा अणागंता । चिट्ठित्तम-चिट्ठित्ता णिसिइत्ता चेव नो चेव [1] हंता य अहंता य छिंदित्ता खलु तहा अछिंदित्ता, बूइत्ता अबूइत्ता भासित्ता चेव नो चेव [2] दच्चा य अदच्चा य भुंजित्ता खलु तहा अभुंजित्ता लंभित्ता अलंभित्ता पिइत्ता चेव नो चेव [3] सुइत्ता असुइत्ता जुज्झित्ता खलु तहा अजुज्झित्ता जइत्ता अजइत्ता य पराजिणित्ता चेव नो चेव [4] सद्दा रूवा गंधा रसा य फासा तहेव ठाणा य; निस्सीलस्स गरहिया, पसत्था पुण सीलमंतस्स [5] एवमेक्केक्के तिन्नितिन्नि उ आलावगा भाणियव्वा । सद्दं सुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) एवं सुणेमित्ति (३) सुणेस्सामित्ति ३ एवं असुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) ण सुणेमि त्ति ३ ण सुणेस्सामित्ति ३ एवं रूवाइं गंधाइं रसाइं फासाइं एक्केक्के छ छ आलावगा भाणियव्वा एवं १२८ आलावगा भवंति ॥ २१२ ॥ तओ ठाणा निस्सीलस्स निव्वयस्स निग्गुणस्स निम्मेरस्स निप्प-च्चक्खाणपोसहोववासस्स गरहिया भवंति तं० अस्सिं लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तओ ठाणा सुसीलस्स सुव्वयस्स सगुणस्स समेरस्स सपच्चक्खाणपोसहोववासस्स पसत्था भवंति तं० अस्सिं लोगे पसत्थे भवइ उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ ॥ २१३ ॥ तिविहा संसारसमा-वन्नगा जीवा प० तं० इत्थी पुरिसा नपुंसगा । तिविहा सव्वजीवा प० तं० सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी य । अहवा तिविहा सव्वजीवा प० तं० पज्जत्तगा

कप्पेसु विमाणा तिवन्ना पन्नत्ता तं० किण्हा नीला लोहिया। आणयपाणयारणच्चुएसु ण कप्पेसु देवाण भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेण तिन्नि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेण प० ॥ २०२ ॥ तओ पन्नत्तीओ कालेण अहिज्जन्ति त० चदपन्नत्ती सूरपन्नत्ती दीवसागर-पन्नत्ती ॥ २०३ ॥ **तइयट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

तिविहे लोगे पन्नत्ते त० णामलोगे ठवणलोगे दव्वलोगे, तिविहे लोगे प० त० णाणलोगे दसणलोगे चरित्तलोगे, तिविहे लोगे प० त० उड्ढलोगे अहोलोगे तिरिय-लोगे ॥ २०४ ॥ चमरस्सण असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चडा जाया अब्भितरिया समिया मज्झमिया चडा बाहिरया जाया, चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सामाणियाण देवाण तओ परिसाओ पण्णत्ताओ त० समिया जहेव चमरस्स। एव तायत्तीसगाणवि लोगपालाणं तुवा तुडिया पव्वा एव अग्गमहिसीण वि। बलिस्स वि एव चेव जाव अग्गमहिसीण। धरणस्स य सामाणियतायत्तीसगाण च समिया चडा जाया, लोगपालाण अग्ग-महिसीण ईसा तुडिया दढरहा, जहा धरणस्स तहा सेसाण भवणवासीण, काल-स्सण पिसाइदस्स पिसायरन्नो तओ परिसाओ पन्नत्ताओ, त० ईसा तुडिया दढरहा, एव सामाणियअग्गमहिसीण वि एव जाव गीयरइ गीयजसाण चदस्स ण जोइसिंदस्स जोइसरण्णो तओ परिसाओ, तुवा तुडिया पव्वा, एव सामाणियअग्गमहिसीण, एव सूरस्स वि, सक्कस्स ण देविंदस्स देवरण्णो तओ परिसाओ पन्नत्ताओ तं० समिया चढा जाया, एवं जहा चमरस्स जाव अग्गमहिसीण, एव जाव अच्चुयस्स लोगपालाण ॥ २०५ ॥ तओ जामा प० त० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, तिहिं जामेहिं आया केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए त० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, एवं जाव केवलनाण उप्पाडेज्जा पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। तओ वया प० त० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, तिहिं वएहिं आया केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए त० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, एसो चेव गमो णेयव्वो, जाव केवलनाणति ॥ २०६ ॥ तिविहा बोही प० त० णाणबोही दसणबोही चरित्तबोही, तिविहा बुद्धा प० त० णाणबुद्धा दसणबुद्धा चारित्तबुद्धा, एव मोहे मूढा ॥ २०७ ॥ तिविहा पव्वज्जा प० तं० इह-लोगपडिबद्धा, परलोगपडिबद्धा, दुहओ पडिबद्धा, तिविहा पव्वज्जा प० त० पुरओ-पडिबद्धा, मग्गओपडिबद्धा, उभओपडिबद्धा, तिविहा पव्वज्जा प० त० तुयावइत्ता पुयावइत्ता बुयावइत्ता, तिविहा पव्वज्जा पण्णत्ता त० उवायपव्वज्जा अक्खाय-पव्वज्जा सगारपव्वज्जा ॥ २०८ ॥ तओ णियठा णोसण्णोवउत्ता प० तं० पुलाए

अपज्जत्तगा नोपज्जत्तगानोअपज्जत्तगा । एवं सम्मद्दिट्ठिपरित्तपज्जत्तगसुहुमसण्णि-भविया य ॥ २१४ ॥ तिविहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही उदहीपइट्ठिया पुढवी । तओ दिसाओ प० तं० उड्ढा अहा तिरिया, तिहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तइ तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं आगइ वक्कंती आहारे वुड्ढी णिवुड्ढी गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभि-गमे । तिहिं दिसाहिं जीवाणं अजीवाभिगमे प० तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । एवं मणुस्साणवि ॥ २१५ ॥ तिविहा तसा प० तं० तेउकाइया, वाउकाइया उराला तसा पाणा, तिविहा थावरा प० तं० पुढविकाइया आउकाइया वणस्सइकाइया ॥ २१६ ॥ तओ अच्छेज्जा प० तं० समए पएसे परमाणू, एवमभेज्जा अडज्झा अगिज्झा अणड्ढा अमज्झा अपएसा । तओ अवि-भाइमा प० तं० समए पएसे परमाणू ॥ २१७ ॥ अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी । किं भया पाणा समणाउसो ? गोयमाई समणा णिग्गंथा समणं भगवं महावीरं उवसंकमंति, उवसंकमित्ता वंदंति नमसंति वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी णो खलु वयं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं जाणामो वा पासामो वा तं जइणं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं नो गिलायंति परिकहेत्तए तमि-च्छामो णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमट्ठं जाणित्तए, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी, दुक्खभया पाणा समणाउसो, से णं भंते दुक्खे केण कडे ? जीवेणं कडे पमाएणं, से णं भंते दुक्खे कहं वेइज्जति ? अप्पमाएणं ॥ २१८ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते एवमाइक्खन्ति, एवं भासेन्ति एवं परूवेन्ति कहण्णं समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ तत्थ जासा कडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा कडा नो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा नो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा कज्जइ तं पुच्छंति, से एवं वत्तव्वं सिया अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं जे ते एवमाहंसु ते मिच्छा, अहं पुण एवमाइक्खामि, एवं भासामि, एवं पन्नवेमि, एवं परूवेमि, किच्चं दुक्खं फुसं दुक्खं कज्जमाणकडं दुक्खं कट्टु २ पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं सिया ॥ २१९ ॥

तइयट्ठाणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा, णो णिंदिज्जा णो गर-हेज्जा णो विउट्टेज्जा णो विसोहेज्जा णो अकरणयाए अब्भुट्ठेज्जा णो अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जिज्जा तं० अकरिंसु वाहं करेमि वाहं करिस्सामि वाहं ॥ २२० ॥

दए अहिए। अहो णं मए इहलोगपडिबद्धेणं परलोगपरंमुहेणं विसयतिसिएणं णो दीहे सामण्णपरियाए अणुपालिए। अहो णं मए इड्ढिरससायगरुएणं भोगामिसगिद्धेणं णो विसुद्धे चरित्ते फासिए इच्चेएहिं ॥ २१२ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे चइस्सामित्ति जाणइ, तं० विमाणाभरणाइं णिप्पभाइं पासित्ता, कप्परुक्खगं मिलायमाणं पासित्ता, अप्पणो तेयलेस्सं परिहायमाणिं जाणित्ता इच्चेएहिं। तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमागच्छेज्जा तं० —अहो णं मए एयाओ एयारूवाओ दिव्वाओ देविड्ढीओ दिव्वाओ देवजुईओ दिव्वाओ देवाणुभावाओ पत्ताओ लद्धाओ अभिसमण्णागयाओ चइयव्वं भविस्सइ। अहो णं मए माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं तप्पढमयाए आहारो आहारेयव्वो भविस्सइ। अहो णं मए कलमलजंबालाए असुईए उव्वेयणियाए भीमाए गब्भवसहीए वसियव्वं भविस्सइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं ॥ २१३ ॥ तिसंठिया विमाणा प० तं० वट्टा तंसा चउरंसा। तत्थ णं जे ते वट्टविमाणा ते णं पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिया सव्वओ समंता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा प०। तत्थ णं जे ते तंसविमाणा ते सिंघाडगसंठाणसंठिया दुहओ पागारपरिक्खित्ता एगओ वेइया परिक्खित्ता तिदुवारा प०। तत्थ णं जे ते चउरंसविमाणा ते णं अक्खाडगसंठाणसंठिया सव्वओ समंता वेइया परिक्खित्ता चउदुवारा प०। तिपइट्ठिया विमाणा प० तं० घणोदहिपइट्ठिया घणवायपइट्ठिया, उवासंतरपइट्ठिया। तिविहा विमाणा प० तं० अवट्ठिया वेउव्विया पारिजाणिया ॥ २१४ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी। एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं। तओ दुग्गईओ पण्णत्ताओ तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई मणुस्सदुग्गई। तओ सुगईओ प० तं० सिद्धिसुगई देवसुगई मणुस्ससुगई। तओ दुग्गया प० तं० णेरइयदुग्गया तिरिक्खजोणियदुग्गया मणुस्सदुग्गया। तओ सुगया प० तं० सिद्धसुगया देवसुगया मणुस्ससुगया ॥ २१५ ॥ चउत्थभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तं० उस्सेइमे संसेइमे चाउलधोवणे। छट्ठभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा-तिलोदए तुसोदए जवोदए, अट्ठमभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तंजहा-आयामए सोवीरए सुद्धवियडे ॥ २१६ ॥ तिविहे उवहडे प० तं० फलिओवहडे सुद्धोवहडे संसट्ठोवहडे तिविहे ओग्गहिए प० तं० जं च ओगिण्हइ जं च साहरइ जं च आसगंसि पक्खिवइ ॥ २१७ ॥ तिविहा ओमोयरिया प० तं० उवगरणोमोयरिया भत्तपाणोमोयरिया, भावोमोयरिया। उवगरणोमोयरिया तिविहा प० तं० एगे वत्थे, एगे पाए चियत्तोवकि-

मंति, चयंति उववज्जंति अणुलोमवाऊ समुट्ठिय उदगपोग्गल परिणय वासिउकामं त देस साहरति अब्भवद्दलग च ण समुट्ठिय परिणय वासिउकाम णो वाउकाओ विहुणेति, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया ॥ २२९ ॥ तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुस लोग हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए त० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने से ण माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठ बधइ णो णियाण पगरेइ, णो ठिइप्पकप्पं पकरेइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने तस्स ण माणुस्सए पेम्मे वोच्छिन्ने दिव्वे सकते भवइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने तस्स णमेव भवइ इयण्हिं न गच्छं मुहुत्तं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा सजुत्ता भवति इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्जा माणुस्स लोगं हव्वमागच्छित्तए नो चेव ण सचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुस्सलोग हव्वमागच्छित्तए सचाएइ हव्वमागच्छित्तए त० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे तस्स ण एव भवइ अत्थि ण मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा, उवज्झाएइ वा पवत्तेइ वा थेरेइ वा, गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेण मए इमा एया रूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए त गच्छामि ण ते भगवते वदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाण मगल देवय जाव पज्जुवासामि अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने तस्स ण एव भवइ, एसण माणुस्सए भवे णाणीइ वा, तवस्सीइ वा, अइदुक्कर-दुक्करकारगे त गच्छामि णं भगवंत वदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि अहुणोव-वण्णे देवे देवलोगेसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स ण एव भवइ अत्थि ण मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा त गच्छामि णं तेसिमतिय पाउब्भवामि, पासंतु ता मे इम एयारूव दिव्व देविड्ढिं, दिव्व देवजुइ दिव्व देवाणुभाव लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु इच्छेज्ज माणुस लोग हव्वमागच्छित्तए सचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ २३० ॥ तओ ठाणाइ देवे पीहेज्जा त० माणुस्सग भवं, आरिए खेत्ते जम्मं, सुकुलपच्चायाइ ॥ २३१ ॥ तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा त० अहो णं मए सते बले सते वीरिए सते पुरिसक्कार-परक्कमे खेमसि सुभिक्खसि आयरियउवज्झाएहिं विज्जमाणेहिं कल्लसरीरेणं णो बहुए

तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया समुदाणकिरिया तिविहा प० तं० अणंतरसमुदाणकिरिया परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया अन्नाणकिरिया तिविहा प० तं० मइअन्नाणकिरिया सुयअन्नाणकिरिया विभंगअन्नाणकिरिया अविणए तिविहे प० तं० देसच्चाई, निरालंबणया णाणापेज्जदोसे अन्नाणे तिविहे प० तं० देसअन्नाणे सव्वअन्नाणे भावअन्नाणे ॥ १४९ ॥ तिविहे धम्मे प० तं० सुयधम्मे चरित्तधम्मे अत्थिकायधम्मे तिविहे उवक्कमे प० तं० धम्मिए उवक्कमे अहम्मिए उवक्कमे धम्मियाधम्मिए उवक्कमे अहवा तिविहे उवक्कमे प० तं० आओवक्कमे परोवक्कमे तदुभओवक्कमे एवं वेयावच्चे अणुग्गहे, अणुसिट्ठि, उवालंभे एवमिक्किक्के तिन्नि २ आलावगा जहेव उवक्कमे ॥ १५ ॥ तिविहा कहा प० तं० अत्थकहा धम्मकहा कामकहा तिविहे विणिच्छए प० तं० अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ १५१ ॥ तहारूवं णं भंते समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किं फला पज्जुवासणया ? सवणफला से णं भंते सवणे किं फले ? णाणफले से णं भंते णाणे किं फले ? विन्नाणफले एवमेएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा—"सवणे णाणे य विन्नाणे पच्चक्खाणे य संजमे । अणण्हए तवे चेव वोदाणे अकिरिय निव्वाणे (१) जाव से णं भंते अकिरिया किं फला ? निव्वाणफला से णं भंते निव्वाणे किं फले ? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पन्नत्ते समणाउसो ! ॥ १५२ ॥ तइओद्देसो समत्तो ॥

पडिमापडिवन्नस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ उवस्सया पडिलेहित्तए तं०—अहे आगमणगिहंसि वा अहे वियडगिहंसि वा अहे रुक्खमूलगिहंसि वा एवं अणुन्नवेत्तए, उवाइणित्तए, पडिमापडिवन्नस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ संथारगा पडिलेहित्तए तं० पुढवीसिला कट्ठसिला अहासंथडमेव एवमणुन्नवित्तए उवाइणित्तए ॥ १५३ ॥ तिविहे काले प० तं० तीए पडुप्पन्ने अणागए, तिविहे समए प० तं० तीए, पडुप्पन्ने अणागए, एवं आवलिया आणापाणू, थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते जाव वाससयसहस्से पुव्वंगे पुव्वे जाव ओसप्पिणी तिविहे पोग्गलपरियट्टे प० तं० तीते पडुप्पन्ने अणागए ॥ १५४ ॥ तिविहे वयणे प० तं०—एगवयणे दुवयणे बहुवयणे अहवा तिविहे वयणे प० तं० इत्थिवयणे पुंवयणे णपुंसगवयणे अहवा तिविहे वयणे प० तं० तीतवयणे पडुप्पन्नवयणे अणागयवयणे ॥ १५५ ॥ तिविहा पन्नवणा तं० णाणपन्नवणा दंसणपन्नवणा चरित्तपन्नवणा तिविहे सम्मे प० तं० णाणसम्मे दंसणसम्मे चरित्तसम्मे ॥ १५६ ॥ तिविहे उवघाए प० तं० उग्गमोवघाए, उप्पायणोवघाए, एसणोवघाए, एवं विसोही

साइज्जणया ॥ २३८ ॥ तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा अहियाए असुहाए अक्खमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवन्ति, तं० कूअणया, कक्करणया अवज्झाणया, तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवन्ति, तं० अकूअणया अकक्करणया अणवज्झाणया ॥ २३९ ॥ तओ सल्ला प० तं० मायासल्ले णियाणसल्ले मिच्छादंसणसल्ले ॥ २४० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेउलेस्से भवइ तं० आयावणयाए खंतिखमाए अपाणगेणं तवोकम्मेणं ॥ २४१ ॥ तिमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति तओ दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहित्तए तओ पाणगस्स, एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्मं अणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० उम्मायं वा लभेज्जा, दीहकालियं वा रोयातंकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा। एगराइयं णं भिक्खुपडिमं सम्मं अणुपालेमाणस्स अणगारस्स तओ ठाणा हियाए सुभाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवंति तं० ओहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा मणपज्जवणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा ॥ २४२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे तओ कम्मभूमीओ प० तं० भरहे, एरवए, महाविदेहे। एवं धायइखंडे दीवे पुरच्छिमद्धे जाव पुक्खर-वर-दीवड्ढ-पच्चत्थिमद्धे ॥ २४३ ॥ तिविहे दंसणे सम्मदंसणे, मिच्छादंसणे, सम्ममिच्छादंसणे, तिविहा रुई प० तं० सम्मरुई, मिच्छरुई, सम्ममिच्छरुई, तिविहे पओगे प० तं० सम्मप्पओगे, मिच्छप्पओगे, सम्ममिच्छप्पओगे ॥ २४४ ॥ तिविहे ववसाए प० तं० धम्मिए ववसाए अहम्मिए ववसाए, धम्मियाधम्मिए ववसाए, अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे, पच्चइए, आणुगामिए, अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए, इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए वेइए सामइए, लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे, वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जजुव्वेए सामवेए, सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥ २४५ ॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ २४६ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ २४७ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया, णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ २४८ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे, अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अन्नाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प०

उराला पोग्गला निवतेज्जा तए णं ते उराला पोग्गला निवयमाणा देसं पुढवीए चलेज्जा। महोरए वा महिड्डिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उम्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा। णागसुवण्णाण वा संगामंसि वट्टमाणंसि देसं पुढवीए चलेज्जा इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा तं० अहे णं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा तए णं से घणवाए गुविए समाणे घणोदहिमेएज्जा तए णं से घणोदही एइए समाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा। देवे वा महिड्डिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स माहणस्स वा इड्ढिं जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा। देवासुरसंगामंसि वा वट्टमाणंसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा इच्चेएहिं तिहिं ॥ १६१ ॥ तिविहा देवा किब्बिसिया प० तं० तिपलिओवमट्ठिईया तिसागरोवमट्ठिईया तेरससागरोवमट्ठिईया कहि णं भंते तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थ णं तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति कहि णं भंते तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं हेट्ठिं सणंकुमारमाहिंदे कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति । कहि णं भंते तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतए कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ॥ १६२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवाणं तिन्नि पलिओवमाइं ठिई प० सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवीणं तिन्नि पलिओवमाइं ठिई प० ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवीणं तिन्नि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ १६३ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपायच्छित्ते दंसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते । तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे मेहुणं सेवेमाणे राईभोयणं भुंजमाणे तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अन्नमन्नं करेमाणे पारंचिए, तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे अन्नधम्मियाणं तेणं करेमाणे हत्थातालं दलयमाणे तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए, पंडए, वाइए, कीवे एवं मुंडावित्तए, सिक्खावित्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए ॥ १६४ ॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगईपडिबद्धे, अविओसवियपाहुडे । तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगईपडिबद्धे विओसवियपाहुडे ॥ १६५ ॥ तओ दुस्सण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए, तओ सुसण्णप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए ॥ १६६ ॥ तओ

॥ २५७ ॥ तिविहा आराहणा प० त० णाणाराहणा, दंसणाराहणा, चरित्ताराहणा, णाणाराहणा तिविहा प० त० उक्कोसा, मज्झिमा, जहन्ना, एवं दंसणाराहणावि, चरित्ताराहणावि, तिविहे संकिलेसे प० त० णाणसंकिलेसे, दंसणसंकिलेसे, चरित्त-संकिलेसे, एवं असंकिलेसेवि, एवं अइक्कमे वि, वइक्कमे वि, अइयारे वि, अणायारे वि, तिण्हमइक्कमाणं आलोएज्जा, पडिक्कमेज्जा, णिंदेज्जा, गरहिज्जा जाव पडिवज्जिज्जा, तं० णाणाइक्कमस्स, दंसणाइक्कमस्स, चरित्ताइक्कमस्स, एवं वइक्कमाणं, अइयाराणं, अणायाराणं ॥ २५८ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० त० आलोयणारिहे, पडिक्कमणा-रिहे, तदुभयारिहे ॥ २५९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तओ अकम्मभूमीओ प० त० हेमवए हरिवासे देवकुरा, जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्व-यस्स उत्तरेणं तओ अकम्मभूमीओ प० त० उत्तरकुरा, रम्मगवासे, एरन्नवए, जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं तओ वासा प० त० भरहे, हेमवए, हरि-वासे, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासा प० त० रम्मगवासे, हेरन्नवए, एरवए, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ वासहरपव्वया प० त० चुल्लहिमवंते, महाहिमवंते, णिसढे, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासहरपव्वया प० त० णीलवंते, रुप्पी, सिहरी, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ महादहा प० त० पउमद्दहे, महापउमद्दहे, तिगिच्छिद्दहे, तत्थ णं तओ देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परि-वसंति तं० सिरी, हिरी, धिई। एवं उत्तरेण वि, णवरं केसरिद्दहे, महापोंडरीयद्दहे, पोंडरीयद्दहे, देवयाओ कित्ती, बुद्धी, लच्छी, जंबूमंदरस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ पउमद्दहाओ महादहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० गंगा सिन्धू रोहियंसा। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं सिहरीओ वासहरपव्वयाओ पोंडरीयद्दहाओ महद्दहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० सुवन्नकूला रत्ता रत्तवई । जंबूमंदरस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० त० गाहावई, दहवई, पंकवई, जंबूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंत-रणईओ प० त० तत्तजला, मत्तजला, उम्मत्तजला, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० त० खीरोदा, सीहसोया, अंतोवाहिणी, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरण-ईओ प० त० उम्मिमालिणी, फेणमालिणी, गंभीरमालिणी, एवं धायईसंडे दीवे पुरच्छिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणईओत्ति, णिरवसेसं भाणि-यव्वं, जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ २६० ॥ तिहिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा तंजहा—अहेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए

समायमे प० तं० उड्ढं अहं तिरियं जया णं एतस्स समणस्स वा माहणस्स वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं तओ पच्छा अहे अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ १७६ ॥ तिविहा इड्ढी प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी विउव्वणिड्ढी परियारणिड्ढी अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया राइड्ढी तिविहा प० तं० रण्णो अइयाणिड्ढी रण्णो णिज्जाणिड्ढी रण्णो बलवाहणकोसकोट्ठागारिड्ढी अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया, गणिड्ढी तिविहा प० तं० णाणिड्ढी दंसणिड्ढी चरित्तिड्ढी अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ १७७ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे, सायागारवे । करणे तिविहे प० तं० धम्मिए करणे अधम्मिए करणे धम्मियाधम्मिए करणे ॥ १७८ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्झिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए जया सुअहिज्झियं भवइ, तया सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ तया सुतवस्सियं भवइ, से सुअहिज्झिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए, सुयक्खाए णं भगवया धम्मे पण्णत्ते ॥ १७९ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, वितिगिच्छा एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ १८० ॥ तिविहे अंते प० तं० लोगंते वेयंते समयंते ॥ १८१ ॥ तओ जिणा प० तं० ओहिणाणजिणे मणपज्जवणाणजिणे केवलणाणजिणे तओ केवली प० तं० ओहिणाणकेवली मणपज्जवणाणकेवली केवलणाणकेवली तओ अरहा प० तं० ओहिणाणअरहा, मणपज्जवणाणअरहा केवलणाणअरहा ॥ १८२ ॥ तओ लेसाओ दुब्भिगंधाओ प० तं० कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा तओ लेसाओ सुब्भिगंधाओ प० तं० तेऊ पम्ह सुक्कलेसा । एवं दुग्गइगामिणीओ सुगइगामिणीओ तओ संकिलिट्ठाओ असंकिलिट्ठाओ अमणुन्नाओ मणुन्नाओ अविसुद्धाओ विसुद्धाओ अप्पसत्थाओ पसत्थाओ सीयलुक्खाओ णिद्धुण्हाओ ॥ १८३ ॥ तिविहे मरणे प० तं० बालमरणे, पंडियमरणे बालपंडियमरणे बालमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से संकिलिट्ठलेस्से पज्जवजायलेस्से । पंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से असंकिलिट्ठलेस्से पज्जवजायलेस्से बालपंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से असंकिलिट्ठलेस्से अपज्जवजायलेस्से ॥ १८४ ॥ तओ ठाणा अव्ववसियस्स अहियाए, असुभाए, अखमाए, अणिस्सेसाए, अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेयसमावन्ने कलुससमावन्ने णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ, णो

मडलियपव्वया प० त० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे, तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु ॥ २६७ ॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठावणियकप्पठिई निव्विसमाणकप्पठिई, अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिविट्ठकप्पठिई, जिणकप्पठिई, थेरकप्पठिई ॥ २६८ ॥ णेरइयाणं तओ सरीरगा प० त० वेउव्विए, तेयए, कम्मए, असुरकुमाराणं तओ सरीरगा, एवं चेव सव्वेसिं देवाण, पुढवीकाइयाण तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए, एवं वाउकाइयवज्जाण जाव चउरिंदियाण ॥ २६९ ॥ गुरु पडुच्च तओ पडिणीया प० त० आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए, गइ पडुच्च तओ पडिणीया प० त० इहलोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए । समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० त० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए, अणुकंप पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए, भावं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए, सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० त० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ॥ २७० ॥ तओ पितियंगा प० त० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमनहे । तओ माउयंगा प० त० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे ॥ २७१ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ त० कया णं अहं अप्पं वा बहुं वा सुयं अहिज्जिस्सामि, कया णं अहं एकल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सामि, कया णं अहं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि । एवं समणसा सवयसा सकायसा, पागडेमाणे निग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ २७२ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ त० कयाणमहमप्पं वा, बहुअं वा परिग्गहं परिच्चइस्सामि, कयाणमहं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि, कयाणमपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरिस्सामि, एवं समणसा सवयसा सकायसा जागरमाणे समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ २७३ ॥ तिविहे पोग्गलपडिघाए प० त० परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहण्णिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहण्णिज्जा, लोगंते वा पडिहण्णिज्जा ॥ २७४ ॥ तिविहे चक्खू प० त० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू, छउमत्थेणं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा णिग्गंथे वा उप्पन्नणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ २७५ ॥ तिविहे अभि-

विमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ २५१ ॥ जीवा णं तिट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा-इत्थिनिव्वत्तिए, पुरिसनिव्वत्तिए, नपुंसगनिव्वत्तिए, एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेय तह निज्जरा चेव ॥ २५२ ॥ तिपएसिया खंधा अणंता पण्णत्ता एवं जाव तिगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ २५३ ॥ तिट्ठाणं समत्तं ॥

चउत्थठाणं

चत्तारि अंतकिरियाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा अंतकिरिया, अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले समाहिबहुले लूहे तीरट्ठी उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स णं णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दीहेणं परियाएणं सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी पढमा अंतकिरिया । अहावरा दोच्चा अंतकिरिया । महाकम्मपच्चायाए यावि भवइ से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले जाव उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स णं तहप्पगारे तवे भवइ, तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ जहा से गयसुकुमाले अणगारे, दोच्चा अंतकिरिया । अहावरा तच्चा अंतकिरिया महाकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए जहा दोच्चा नवरं दीहेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से सणंकुमारे राया चाउरंतचक्कवट्टी तच्चा अंतकिरिया । अहावरा चउत्था अंतकिरिया, अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए संजमबहुले जाव तस्स णं णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए निरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ जहा सा मरुदेवा भगवई चउत्था अंतकिरिया ॥ २५४ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए नाममेगे उण्णए, उण्णए नाममेगे पणए, पणए नाममेगे उण्णए, पणए नाममेगे पणए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए नाममेगे उण्णए, तहेव जाव पणए नाममेगे पणए । चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए नाममेगे उण्णयपरिणए, उण्णए नाममेगे पणयपरिणए, पणए नाममेगे उण्णयपरिणए, पणए नाममेगे पणयपरिणए । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए नाममेगे उण्णयपरिणए, चउभंगो । चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए

रोएइ, त परीसहा अभिजुजिय अभिजुजिय अभिभवंति, नो से परीसहे अभि-जुजिय अभिजुजिय अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए, पंचहिं महव्वएहिं सकिए जाव कलुसमसमावण्णे, पंचमहव्वयाइं णो सद्दहइ जाव नो से परीसहे अभिजुजिय २ अभिभवइ, से ण मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए छहिं जीवनिकाएहिं जाव अभिभवइ, तओ ठाणा ववसिअस्स हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति त० से ण मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गथे पावयणे णिस्सकिए णिक्कखिए जाव णो कलुससमावण्णे णिग्गथ पावयण सद्दहइ पत्तियइ रोएइ से परीसहे अभिजुजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुजिय २ अभिभवति, सेण मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे पंचहिं महव्वएहिं णिस्सकिए णिक्करिए जाव, परीसहे अभिजुजिय २ अभिभवइ, णो त परीसहा अभिजुजिय २ अभिभवंति, से णं जाव छहिं जीव-निकाएहिं णिस्सकिए जाव परीसहे अभिजुजिय २ अभिभवइ णो त परीसहा अभिजुजिय २ अभिभवंति ॥ २८५ ॥ एगमेगाण पुढवी तिहिं वलएहिं सव्वओ समता सपरिक्खित्ता तजहा–घणोदहिवलएण, घणवायवलएण, तणुवायवलएण ॥ २८६ ॥ णेरइयाण उक्कोसेणं तिसमइएण विग्गहेण उववज्जति एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाण ॥ २८७ ॥ खीणमोहस्सण अरहओ तओ कम्मसा जुगव खिज्जति तं० णाणावरणिज्ज, दसणावरणिज्ज, अतराइय ॥ २८८ ॥ अभीईणक्खत्ते तितारे प० एव सवणे अस्सिणी भरणी मगसिरे पूसे जेट्ठा ॥ २८९ ॥ धम्माओ णं अरहाओ सती अरहा तिहिं सागरोवमेहिं तिचउब्भाग पलिओवमऊणएहिं वीइक्कतेहिं समुप्पन्ने । समणस्स ण भगवओ महावीरस्स जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगतकडभूमी, मल्लीण अरहा तिहिं पुरिससएहिं सद्धि मुंडे भवेत्ता जाव पव्वइए, एव पासेवि, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तिन्निसया चोद्दसपुव्वीण अजिणाणं जिणसकासाण सव्वक्ख-रसन्निवाईणं जिण इव अवितहवागरमाणाण उक्कोसिया चोद्दसपुव्विसपया होत्था, तओ तित्थयरा चक्कवट्टी होत्था त० सती कुंथू अरो ॥ २९० ॥ तओ गेविज्ज-विमाणपत्थडा प० त० हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० त० हिट्ठिम-हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, हिट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिमउवरिम-गेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, तिविहे प० त० मज्झिमहिट्ठिम-गेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमउवरिमगेविज्ज-विमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० त० उवरिमहिट्ठिमगेविज्ज-

इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने णेरइए निरयलोगंसि निरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववन्ने णेरइए निरयवेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिज्जिण्णंसि इच्छेज्जा णो चेव णं संचाएइ, हव्वमागच्छित्तए, एवं निरयाउयंसि कम्मंसि अक्खीणंसि जाव णो संचाएइ हव्वमागच्छित्तए इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने णेरइए जाव णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ १ ६ ॥ कप्पंति निग्गंथीणं चत्तारि संघाडीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० एगं दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थाराओ एगं चउहत्थवित्थारं ॥ १ ७ ॥ चत्तारि झाणा प० तं० अट्टे झाणे रोद्दे झाणे धम्मे झाणे सुक्के झाणे, अट्टे झाणे चउव्विहे प० तं० अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसतिसमन्नागए यावि भवइ, मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमन्नागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसति-समन्नागए यावि भवइ, परिजुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसति-समन्नागए यावि भवइ, अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० कंदणया सोयणया तिप्पणया परिदेवणया रोद्दे झाणे चउव्विहे प० तं० हिंसाणुबंधि मोसाणुबंधि तेणाणुबंधि सारक्खणाणुबंधि । रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० ओसन्नदोसे बहुदोसे अन्नाणदोसे आमरणंतदोसे । धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० आणाविजए, अवायविजए, विवागविजए, संठाणविजए । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० आणारुई, निसग्गरुई, सुत्तरुई, ओगाढरुई । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० वायणा, पडिपुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा । धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० एगाणुप्पेहा अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा संसाराणुप्पेहा । सुक्के झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० पुहुत्तवियक्केसवियारी एगत्तवियक्केअवियारी सुहुमकिरिए अनियट्टी समुच्छिन्नकिरिए अप्पडिवाई । सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० खंती मुत्ती मद्दवे अज्जवे सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० अणंतवत्तियाणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा, अवायाणुप्पेहा ॥ १ ८ ॥ चउव्विहा देवाणं ठिई प० तं० देवे णामेगे देवसिणाए णामेगे देवपुरोहिए णामेगे देवपज्जलणे णामेगे ॥ १ ९ ॥ चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णामेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा देवे णामेगे छवीए सद्धिं संवासं

णाममेगे उन्नए रूवे, तहेव चउभंगो, एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० उन्नए णाम ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० उन्नए णाममेगे उन्नए मणे, उन्न० एवं सकप्पे-पन्ने-दिठ्ठी-सीलाचारे-ववहारे-परक्कमे-एगे पुरिसजाए पडिवक्खो णत्थि ॥ २९५ ॥ चत्तारि रुक्खा प० त० उज्जूणाममेगे उज्जू, उज्जूणाममेगे वंके, चउभंगो। एवमेव चत्तारि पुरिसजाया, प० त० उज्जूणाममेगे उज्जू ४ एवं जहा उन्नयपणएहिं गमो तहा उज्जुवंकेहिं वि भाणियव्वो, जाव परक्कमे ॥ २९६ ॥ पडिमापडिवन्नस्स णं अणगारस्स कप्पंति **चत्तारि भासाओ** भासित्तए तं० जायणी पुच्छणी अणुन्नवणी पुठ्ठस्स वागरणी। **चत्तारिभासजाया** प० त० सच्चमेग भासजायं, बीयं मोसं तइयं सच्चमोसं चउत्थं असच्चमोसं ॥ २९७ ॥ चत्तारि वत्था प० त० सुद्धे णाममेगे सुद्धे, सुद्धे णाममेगे असुद्धे, असुद्धे णाममेगे सुद्धे, असुद्धे णाममेगे असुद्ध। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० सुद्धे णाममेगे सुद्धे चउभंगो। एवं परिणयरूवे वत्था सपडिवक्खा ॥ २९८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० सुद्धे णाममेगे सुद्धमणे चउभंगो, एवं सकप्पे जाव परक्कमे ॥ २९९ ॥ चत्तारि **सुया** प० त० अइजाए, अणुजाए, अवजाए, कुलिंगाले ॥ ३०० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० सच्चे णाममेगे सच्चे, सच्चे णाममेगे असच्चे (४) एवं परिणए जाव परक्कमे ॥ ३०१ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुई णाममेगे सुई, सुई णाममेगे असुई, चउभंगो, एवमेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० सुई णाममेगे सुई, चउभंगो। एवं जहेव सुद्धेण वत्थेण भणियं, तहेव सुइणावि जाव परक्कमे ॥ ३०२ ॥ चत्तारि कोरवा प० त० अंबपलवकोरवे, **तालपलंबकोरवे**, वल्लिपलवकोरवे, मिंढविसाणकोरवे, एवमेव चत्तारि पुरिस जाया प० त० अंबपलवकोरवसमाणे, **तालपलवको रवसमाणे**, वल्लिपलवकोरवसमाणे, मिंढविसाणकोरवसमाणे ॥ ३०३ ॥ चत्तारि **घुणा** प० त० तयक्खाए, छल्लिक्खाए, कट्ठक्खाए, सारक्खाए, एवमेव चत्तारि भिक्खायरा प० तं० तयक्खायसमाणे, जाव सारक्खायसमाणे, तयक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स सारक्खायसमाणे तवे प० सारक्खायसमागस्स णं भिक्खागस्स तयक्खायसमाणे तवे पन्नत्ते, छल्लिक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स कट्ठक्खायसमाणे तवे प० कट्ठक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स छल्लिक्खायसमाणे तवे प० ॥ ३०४ ॥ चउव्विहा तणवणस्सइकाइया प० त० अग्गवीया मूलवीया पोरवीया खधवीया ॥ ३०५ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेवणं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए, अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि समुब्भूयं वेयणं वेयमाणे

णु एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ ११७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए, संवासभद्दए णाममेगे णो आवायभद्दए, एगे आवायभद्दएवि संवासभद्दएवि एगे णो आवायभद्दए णो संवासभद्दए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं पासइ णो परस्स परस्स णाममेगे वज्जं पासइ ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उदीरेइ णो परस्स ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उवसामेइ णो परस्स ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेइ ४ । एवं वंदइ णाममेगे णो वंदावेइ ४ । एवं सक्कारेइ, सम्माणेइ ४ । पूएइ वाएइ पडिपुच्छइ पुच्छइ वाग-रेइ ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थधरे, अत्थधरे णाममेगे णो सुत्तधरे एगे सुत्तधरेवि अत्थधरेवि एगे णो सुत्तधरे णो अत्थधरे ॥ ११८ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चत्तारि लोगपाला प० तं० सोमे जमे वरुणे वेसमणे, एवं बलिस्सवि सोमे जमे वेसमणे वरुणे धरणस्स काल-वाले कोलवाले सेलवाले संखवाले। एवं भूयाणंदस्स कालवाले कोलवाले संखवाले सेल-वाले वेणुदेवस्स चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे वेणुदालिस्स चित्ते विचित्ते विचित्तपक्खे चित्तपक्खे। हरिकंतस्स पभे सुप्पभे पभकंते सुप्पभकंते, हरिसहस्स पभे सुप्पभे सुप्पभकंते पभकंते; अग्गिसिहस्स तेऊ तेउसिहे तेउकंते तेउप्पभे अग्गि-माणवस्स तेऊ तेउसिहे तेउप्पभे तेउकंते पुन्नस्स रूए रूयंसे रूयकंते रूयप्पभे विसि-ट्ठस्स रूए रूयंसे रूयप्पभे रूयकंते । जलकंतस्स जले जलरए जलकंते जलप्पभे । जलप्पभस्स जले जलरए जलप्पभे जलकंते । अमियगइस्स तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई, अमियवाहणस्स तुरियगई खिप्पगई सीहविक्कमगई सीहगई; वेलंबस्स काले महाकाले अंजणे रिट्ठे । पभंजणस्स काले महाकाले रिट्ठे अंजणे । घोसस्स आवत्ते वियावत्ते णंदियावत्ते महाणंदियावत्ते । महाघोसस्स आवत्ते वियावत्ते महाणंदियावत्ते णंदियावत्ते सक्कस्स सोमे जमे वरुणे वेसमणे । ईसाणस्स सोमे जमे वेसमणे वरुणे एवं एगंतरिया जाव अच्चुयस्स ॥ ११९ ॥ चउव्विहा वाउकुमारा प० तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे चउव्विहा देवा प० तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया विमाणवासी ॥ १२० ॥ चउव्विहे पमाणे प० तं० दव्वप्प-माणे खेत्तप्पमाणे कालप्पमाणे भावप्पमाणे ॥ १२१ ॥ चत्तारि दिसाकुमारिमहत्तरि-याओ प० तं० रूया रूयंसा सुरूवा रूयावई । चत्तारि विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० चित्ता चित्तकणगा सेरा सोयामणी ॥ १२२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०, ईसाणस्स णं देविंदस्स देव-

गच्छेजा, छवीणाममेगे देवीए सद्धिं सवासं गच्छेजा, छवीणाममेगे छवीए सद्धिं सवासं गच्छेजा ॥३१०॥ चत्तारि कसाया प०त० कोहकसाए माणकसाए माया-कसाए लोभकसाए, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, चउप्पइट्ठिए कोहे प० त० आयपइट्ठिए, परपइट्ठिए, तदुभयपइट्ठिए, अपइट्ठिए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणि-याणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं, चउहिं ठाणेहिं कोधुप्पत्ती सिया त० खेत्तं पडुच्च, वत्थुं पडुच्च, सरीरं पडुच्च, उवहिं पडुच्च, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहे वेमाणियाणं, चउव्विहे कोहे प० त० अणंताणुबंधिकोहे, अपच्चक्खाणकोहे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, संजलणे कोहे, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं, चउव्विहे कोहे पण्णत्ते, आभोगनिव्वत्तिए, अणाभोगनिव्वत्तिए, उवसंते, अणुवसंते, एवं नेरइयाणं, जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे, जाव वेमाणियाणं ॥ ३११ ॥ जीवा णं चउहिं ठाणेहिं अट्ठकम्मपगडीओ चिणिंसु त० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं चिणंति एस दंडओ। एवं चिणिस्संति एस दंडओ, एवमेएणं तिन्नि दंडगा, एवं उवचिणिंसु, उवचिणंति, उवचिणिस्संति, बंधिंसु ३। उदीरिंसु ३। वेदिंसु ३। णिज्जरिंसु णिज्जरेंति णिज्जरिस्संति, जाव वेमाणियाणमेवमेक्किक्के पदे तिन्नि २ दंडगा भाणियव्वा, जाव निज्जरिस्संति ॥ ३१२ ॥ चत्तारि पडिमाओ प० त० समाहिपडिमा, उवहाण-पडिमा, विवेगपडिमा, विउस्सग्गपडिमा, चत्तारि पडिमाओ प० त० भद्दा, सुभद्दा, महाभद्दा, सव्वओभद्दा, चत्तारि पडिमाओ प० त० खुड्डियामोयपडिमा, महल्लिया-मोयपडिमा, जवमज्झा, वइरमज्झा ॥ ३१३ ॥ चत्तारि अत्थिकाया अजीवकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, पोग्गलत्थिकाए, चत्तारि अत्थिकाया अरूविकाया प० त० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए ॥ ३१४ ॥ चत्तारि फला प०त० आमेणाममेगे आममहुरे, आमेणाम-मेगे पक्कमहुरे, पक्केणाममेगे आममहुरे, पक्केणाममेगे पक्कमहुरे, एवामेव चत्तारि पुरि-सजाया प० त० आमेणाममेगे आममहुरफलसमाणे (४) ॥ ३१५ ॥ चउव्विहे सच्चे प० त० काउज्जुयया, भासुज्जुयया, भावुज्जुयया, अविसंवायणाजोगे, चउ-व्विहे मोसे प० त०—कायअणुज्जुयया, भासअणुज्जुयया, भावअणुज्जुयया, विसं-वादणाजोगे ॥ ३१६ ॥ चउव्विहे पणिहाणे प० त० मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, उवगरणपणिहाणे। एवं नेरइयाणं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं, चउव्विहे सुप्पणिहाणे प० त० मणसुप्पणिहाणे जाव उवगरणसुप्पणिहाणे, एवं संजयमणुस्साणवि, चउव्विहे दुप्पणिहाणे प० त० मणदुप्पणिहाणे जाव उवगरण

मगस्स धरणस्स; धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररन्नो कालवालस्स महारन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, एवं जाव संखवालस्स। भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररन्नो कालवालस्स महारन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा। एवं जाव सेलवालस्स जहा धरणस्स एवं सव्वेसिं दाहिणिंदलोगपालाणं जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाणं। कालस्स णं पिसाइंदस्स पिसायरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, एवं महाकालस्स वि। सुरूवस्स णं भूइंदस्स भूयरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा। एवं पडिरूवस्स वि, पुण्णभद्दस्स णं जक्खिंदस्स जक्खरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुण्णा बहुपुत्तिया उत्तमा तारगा एवं माणिभद्दस्स वि। भीमस्स णं रक्खसिंदस्स रक्खसरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पउमा वसुमई कणगा रयणप्पभा। एवं महाभीमस्स वि किन्नरस्स णं किन्नरिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० वडेंसा केउमई रइसेणा रइप्पभा। एवं किंपुरिसस्स वि सप्पुरिसस्स णं किंपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई। एवं महापुरिसस्स वि अइकायस्स णं महोरगिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० भुयगा भुयगवई महाकच्छा फुडा एवं महाकायस्स वि गीयरइस्स णं गंधव्विंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, एवं गीयजसस्स वि चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा। एवं सूरस्स वि णवरं सूरप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा। इंगालस्स णं महग्गहस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया। एवं सव्वेसिं महग्गहाणं जाव भावकेउस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी मयणा चित्ता सोमा एवं जाव वेसमणस्स ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुढवी राई रयणी विज्जू एवं जाव वरुणस्स ॥ ११६ ॥ चत्तारि गोरसविगईओ प० तं० खीरं दहिं सप्पिं णवणीयं चत्तारि सिणेहविगईओ प० तं० तेल्लं घयं वसा णवणीयं चत्तारि महाविगईओ प० तं० महुं मंसं मज्जं णवणीयं ॥ ११७ ॥ चत्तारि कूडागारा प० तं० गुत्ते णाममेगे गुत्ते गुत्ते णाममेगे अगुत्ते अगुत्ते णाममेगे गुत्ते अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गुत्ते णाममेगे गुत्ते ४। चत्तारि कूडागारसालाओ प० तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा गुत्ता णाममेगा

रण्णो मज्झिमपरिसाए देवीण चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३२३ ॥ चउव्विहे **संसारे** दव्वससारे खेत्तससारे कालससारे भावससारे ॥ ३२४ ॥ चउव्विहे **दिट्ठिवाए** प० त० परिकम्म सुत्ताइ पुव्वगए अणुजोगे ॥ ३२५ ॥ चउव्विहे **पायच्छित्ते,** णाणपायच्छित्ते दसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते वियत्तकिच्चपायच्छित्ते, चउव्विहे पायच्छित्ते, पडिसेवणापायच्छित्ते सजोयणापायच्छित्ते, आरोवणापायच्छित्ते, पलिउचणापायच्छित्ते ॥३२६॥ चउव्विहे **काले** पमाणकाले अहाउयणिव्वत्तिकाले मरणकाले अद्धाकाले ॥ ३२७ ॥ चउव्विहे पोग्गलपरिणामे, वण्णपरिणामे गंधपरिणामे रसपरिणामे फासपरिणामे ॥ ३२८ ॥ भरहेरवएसु ण वासेसु पुरिमपच्छिमवज्जा मज्झिमगा बावीस अरहता भगवंता चाउज्जाम धम्म पन्नविंति त० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमण, एव मुसावायाओ, अदिन्नादाणाओ, सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं । सव्वेसु ण महाविदेहेसु अरहंता भगवता चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति त० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमण जाव सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमण ॥३२९॥ चत्तारि **दुग्गईओ** प० त० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई, मणुस्सदुग्गई, देवदुग्गई, चत्तारि **सोग्गई** प० त० सिद्धसोग्गई, देवसोग्गई, मणुयसोग्गई, सुकुले पच्चायाई, चत्तारि दुग्गया प० त० णेरइयदु० जाव देवदुग्गया, चत्तारि सुगया प० त० सिद्धसुगया जाव सुकुलपच्चायाया ॥ ३३० ॥ पढमसमयजिणस्स ण चत्तारि कम्मंसा खीणा भवंति त० णाणावरणिज्ज, दरिसणावरणिज्ज, मोहणिज्ज, अतराइय । उप्पन्नणाणदसणधरे ण अरहा जिणे केवली चत्तारि कम्मसे वेदेति त० वेयणिज्ज आउयं णामं गोयं । पढमसमयसिद्धस्स ण चत्तारि कम्मंसा जुगव खिज्जंति तं० वेयणिज्ज आउय णाम गोय ॥ ३३१ ॥ चउहिं ठाणेहिं **हासुप्पत्ती सिया** त० पासेत्ता भासेत्ता सुणेत्ता समरेत्ता ॥ ३३२ ॥ चउव्विहे अतरे प० त० कट्ठतरे पम्हतरे लोहतरे पत्थरंतरे । एवामेव इत्थीए वा पुरिसस्स वा, चउव्विहे अतरे प० तं० कट्ठतरसमाणे, पम्हतरसमाणे, लोहतरसमाणे, पत्थरंतरसमाणे ॥ ३३३ ॥ चत्तारि भयगा प० त० दिवसभयए जत्ताभयए उच्चत्तभयए कब्बालभयए ॥ ३३४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे णो पच्छण्णपडिसेवी, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे णो सपागडपडिसेवी, एगे सपागडपडिसेवीवि पच्छण्णपडिसेवीवि, एगे णो सपागडपडिसेवी णो पच्छण्णपडिसेवी ॥ ३३५ ॥ चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० त० कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुधरा, एवं जमस्स वरुणस्स वेसमणस्स, बलिस्स ण वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो, सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० मित्तगा सुभद्दा विज्जुया असणी, एव जमस्स वेस-

जाइसंपन्ने एगे कुलसंपन्नेवि जाइसंपन्नेवि एगे णो जाइसंपन्ने णो कुलसंपन्ने। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो बलसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। चत्तारि उसभा प० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४॥ २४४॥ चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे। चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे भद्दे णाममेगे मंदमणे भद्दे णाममेगे मियमणे भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे भद्दे णाममेगे मंदमणे भद्दे णाममेगे मियमणे भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे। चत्तारि हत्थी प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे मंदे णाममेगे मंदमणे मंदे णाममेगे मियमणे मंदे णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे मिए णाममेगे मंदमणे मिए णाममेगे मियमणे मिए णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, संकिण्णे णाममेगे मंदमणे, संकिण्णे णाममेगे मियमणे संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे तं चेव जाव संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। गाथाः-मधुगुलियपिंगलक्खो अणुपुव्वसुजायदीहणंगूले; पुरओ उदग्गधीरो सव्वंगसमाहिओ भद्दो॥ २४५॥ (१) चलबहलविसमचम्मो थूलसिरो थूलएण पेएण; थूलणहदंतवालो हरिपिंगललोयणो मंदो॥ २४६॥ (२) तणुओ तणुयग्गीवो तणुयतओ तणुयदंतणहवालो; भीरू तत्थुव्विग्गो तासी य भवे मिए नामं॥ २४७॥ (३) एएसिं हत्थीणं थोवं थोवं तु जो अणुहरइ हत्थी; रूवेण व सीलेण व सो संकिण्णो त्ति णायव्वो॥ २४८॥ (४) भद्दो मज्जइ सरए, मंदो उण मज्जए वसंतम्मि, मिउ मज्जइ हेमंते संकिण्णो सव्व-

अगुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा अगुत्तदुवारा, एवामेव चत्तारित्थीओ प० त० गुत्ता णाममेगा गुत्तिंदिया, गुत्ता णाममेगा अगुत्तिंदिया ४। ॥ ३३८ ॥ चउव्विहा ओगाहणा प० त० दव्वोगाहणा खेत्तोगाहणा कालोगाहणा भावोगाहणा ॥ ३३९ ॥ चत्तारि पण्णत्तीओ अगबाहिरियाओ प० त० चदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जबुद्दीवपण्णत्ती, दीवसागरपण्णत्ती ॥ ३४० ॥

चउट्ठाणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥

चत्तारि पडिसलीणा प० त० कोहपडिसलीणे माणपडिसंलीणे मायापडिसलीणे लोभपडिसंलीणे, चत्तारि अपडिसंलीणा प० त० कोहअपडिसलीणे जाव लोभअपडिसलीणे। चत्तारि पडिसलीणा प० त० मणपडिसलीणे, वइपडिसलीणे, कायपडिसलीणे, इंदियपडिसलीणे, चत्तारि अपडिसलीणा प० त० मणअपडिसलीणे जाव इदिय० ॥ ३४१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० दीणे णाममेगे दीणे, दीणे णाममेगे अदीणे, अदीणे णाममेगे दीणे, अदीणे णाममेगे अदीणे। चत्तारि पुरिसजाया प० त० दीणे णाममेगे दीणपरिणए, दीणे णाममेगे अदीणपरिणए, अदीणे णाममेगे दीणपरिणए, अदीणे णाममेगे अदीणपरिणए, चत्तारि पुरिसजाया प० त० दीणे णाममेगे दीणरूवे ४। एव दीणमणे दीणसकप्पे दीणपण्णे दीणदिट्ठी दीणसीलायारे दीणववहारे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० दीणे णाममेगे दीणपरक्कमे, दीणे णाममेगे अदीणपरक्कमे ४ । एव सव्वेर्सि चउभगो भाणियव्वो । चत्तारि पुरिसजाया प० त० दीणे णाममेगे दीणवित्ती ४। एव दीणजाई दीणभासी दीणोभासी, चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता प० त० दीणे णाममेगे दीणसेवी ४। एव दीणे णाममेगे दीणपरियाए ४ एव दीणे णाममेगे दीणपरियाले ४। सव्वत्थ चउभगो ॥३४२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० अज्जे णाममेगे अज्जे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० अज्जे णाममेगे अज्जपरिणए ४। एव अज्जरूवे ४ । अज्जमणे ४। अज्जसकप्पे ४ । अज्जपण्णे ४। अज्जदिट्ठी ४ । अज्जसीलायारे ४ । अज्जववहारे ४। अज्ज परक्कमे ४। अज्जवित्ती ४। अज्जजाई ४। अज्जभासी ४। अज्ज ओभासी ४ । अज्जसेवी ४। एवं अज्जपरियाए ४। अज्जपरियाले ४। एव सत्तरस आलावगा, जहा दीणेण भणिया तहा अज्जेणवि भाणियव्वा। चत्तारि पुरिसजाया प० त० अज्जे णाममेगे अज्जभावे, अज्जे णाममेगे अणज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अणज्जभावे ॥ ३४३ ॥ चत्तारि उसमा प० त० जाइसंपन्ने कुलसपन्ने बलसपन्ने रूवसपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपन्ने कुलसपन्ने बलसपन्ने रूवसपन्ने, चत्तारि उसमा प० त० जाइसंपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने, कुलसपन्ने णाममेगे णो

गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा जाव नो समुप्पज्जेज्जा। चउहिं ठाणेहिं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा अइसेसे नाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे समुप्पज्जेज्जा तं० इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं नो कहेत्ता भवइ, विवेगेण विउस्सग्गेणं सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा जाव समुप्पज्जेज्जा ॥ १५३ ॥ नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा चउहिं महापाडिवएहिं सज्झायं करेत्तए तं० आसाढपाडिवए इंदमहपाडिवए कत्तियपाडिवए सुगिम्हपाडिवए, नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा चउहिं संझाहिं सज्झायं करेत्तए तं० पढमाए पच्छिमाए मज्झण्हे अड्ढरत्ते। कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा चाउक्कालं सज्झायं करेत्तए तं० पुव्वण्हे अवरण्हे पओसे पच्चूसे ॥ १५४ ॥ चउव्विहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही उदहिपइट्ठिया पुढवी पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ॥ १५५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तहे नाममेगे नोतहे नाममेगे सोवत्थी नाममेगे पहाणे नाममेगे ॥ १५६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतकरे नाममेगे नो परंतकरे, परंतकरे नाममेगे नो आयंतकरे, एगे आयंतकरेवि परंतकरेवि एगे नो आयंतकरे नो परंतकरे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतमे नाममेगे नो परंतमे परंतमे नाममेगे नो आयंतमे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंदमे नाममेगे नो परंदमे परंदमे नाममेगे नो आयंदमे एगे आयंदमेवि परंदमेवि एगे नो आयंदमे नो परंदमे ॥ १५७ ॥ चउव्विहा गरहा प० तं० उवसंपज्जामित्ति एगा गरहा वितिगिच्छामित्ति एगा गरहा जं किंचिमिच्छामित्ति एगा गरहा एवंपि पन्नत्ते एगा गरहा ॥ १५८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो नाममेगे अलमंथू भवइ नो परस्स परस्स नाममेगे अलमंथू भवइ नो अप्पणो एगे अप्पणोवि अलमंथू भवइ परस्सवि एगे नो अप्पणो अलमंथू भवइ नो परस्स ॥ १५९ ॥ चत्तारि मग्गा प० तं० उज्जू नाममेगे उज्जू, उज्जू नाममेगे वंके, वंके नाममेगे उज्जू वंके नाममेगे वंके। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उज्जू नाममेगे उज्जू ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे नाममेगे खेमे खेमे नाममेगे अखेमे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे नाममेगे खेमे ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे नाममेगे खेमरूवे खेमे नाममेगे अखेमरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे नाममेगे खेमरूवे ४ ॥ १६० ॥ चत्तारि संबुक्का प० तं० वामे नाममेगे वामावत्ते, वामे नाममेगे दाहिणावत्ते

कालम्मि (५) ॥ ३४९ ॥ **चत्तारि विकहाओ** प० त० इत्थिकहा भत्तकहा देसकहा रायकहा। **इत्थिकहा चउव्विहा** प० त० इत्थीण जाइकहा, इत्थीण कुलकहा, इत्थीण रूवकहा, इत्थीणं नेवत्थकहा, **भत्तकहा** चउव्विहा प० त० भत्तस्स आवावकहा, भत्तस्स निव्वावकहा, भत्तस्स आरंभकहा, भत्तस्स णिट्ठाणकहा। **देसकहा** चउव्विहा प० त० देसविहिकहा, देसविकप्पकहा, देसच्छंदकहा, देसनेवत्थकहा, **रायकहा** चउव्विहा प० त० रण्णो अइयाणकहा रण्णो निज्जाणकहा, रण्णो वलवाहणकहा, रण्णो कोसकोट्ठागारकहा ॥३५०॥ चउव्विहा **धम्मकहा** प० त० अक्खेवणी विक्खेवणी संवेगणी णिव्वेगणी। **अक्खेवणी कहा** चउव्विहा प० त० आयारऽक्खेवणी ववहारऽक्खेवणी पण्णत्तिऽक्खेवणी दिट्ठिवायअक्खेवणी। **विक्खेवणी कहा** चउव्विहा प० त० ससमय कहेइ, ससमय कहेत्ता परसमय कहेइ, परसमय कहेत्ता ससमय ठावित्ता भवइ, सम्मावायं कहेइ, सम्मावाय कहेत्ता मिच्छावाय कहेइ, मिच्छावाय कहेत्ता सम्मावायं ठावइत्ता भवइ। **संवेगणी कहा** चउव्विहा प० त० इहलोगसवेगणी परलोगसवेगणी आयसरीरसवेगणी परसरीरसवेगणी। **णिव्वेगणी कहा** चउव्विहा प० त० इहलोगे दुचिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसजुत्ता भवति, इहलोगे दुचिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवति, परलोगे दुचिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसजुत्ता भवति। परलोगे दुचिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसजुत्ता भवति। इहलोगे सुचिण्णाकम्मा इहलोगे सुहफलविवागसजुत्ता भवति, इहलोगे सुचिण्णा कम्मा परलोगे सुहफलविवागसजुत्ता भवति, एव चउभगो तहेव ॥ ३५१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० किसे णाममेगे किसे, किसे णाममेगे दढे, दढे णाममेगे किसे, दढे णाममेगे दढे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किससरीरे, किसे णाममेगे दढसरीरे, दढे णाममेगे किससरीरे, दढे णाममेगे दढसरीरे। चत्तारि पुरिसजाया प० त० किससरीरस्स णाममेगस्स णाणदसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स, दढसरीरस्स णाममेगस्स णाणदसणे समुप्पज्जइ णो किसमरीरस्स, एगस्स किससरीरस्स वि णाणदसणे समुप्पज्जइ दढसरीरस्स वि, एगस्स णो किससरीरस्स णाणदसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स ॥ ३५२ ॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गथाण वा, णिग्गथीण वा अस्सि समयसि अइसेसे णाणदसणे समुपज्जिउकामेवि णो समुप्पज्जेज्जा तं० अभिक्खण अभिक्खण इत्थिकहं भत्तकह देसकह रायकह कहेत्ता भवइ, विवेगेण विउसग्गेण णो सम्ममप्पाण भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि णो धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उञ्छस्स सामुदाणियस्स णो सम्मं

सलयाथंभसमाणे। सेलथंभसमाणं माणं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, एवं जाव तिणिसलयाथंभसमाणं माणं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ १६७ ॥ चत्तारि राया प० तं० किमिरागरत्ते कद्दमरागरत्ते खंजणरागरत्ते हलिद्दरागरत्ते एवामेव चउव्विहे लोभे प० तं० किमिरागरत्तवत्थसमाणे कद्दमरागरत्तवत्थसमाणे खंजणरागरत्तवत्थसमाणे हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणे किमिरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, तहेव जाव हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ १६८ ॥ चउव्विहे संसारे प० तं० णेरइयसंसारे जाव देवसंसारे चउव्विहे आउए प० तं० णेरइयआउए जाव देवाउए, चउव्विहे भवे प० तं० णेरइयभवे जाव देवभवे ॥ १६९ ॥ चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे। चउव्विहे आहारे प० तं० उवक्खरसंपन्ने उवक्खडसंपन्ने सभावसंपन्ने, परिजुसियसंपन्ने ॥ १७० ॥ चउव्विहे बंधे प० तं० पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे चउव्विहे उवक्कमे प० तं० बंधणोवक्कमे उदीरणोवक्कमे उवसमणोवक्कमे विप्परिणामणोवक्कमे बंधणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइबंधणोवक्कमे ठिइबंधणोवक्कमे अणुभावबंधणोवक्कमे पएसबंधणोवक्कमे उदीरणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउदीरणोवक्कमे ठिइउदीरणोवक्कमे अणुभावउदीरणोवक्कमे पएसउदीरणोवक्कमे उवसामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउवसामणोवक्कमे ठिइअणुभावपएसउवसामणोवक्कमे। विप्परिणामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइठिइअणुभावपएसविप्परिणामणोवक्कमे। चउव्विहे अप्पाबहुए प० तं० पगइअप्पाबहुए ठिइअणुभावपएसअप्पाबहुए। चउव्विहे संकमे पगइसंकमे ठिइअणुभावपएससंकमे। चउव्विहे णिधत्ते प० तं० पगइणिधत्ते ठिइअणुभावपएसणिधत्ते। चउव्विहे णिकायए प० तं० पगइणिकायए, ठिइणिकायए, अणुभावणिकायए, पएसणिकायए ॥ १७१ ॥ चत्तारि एक्का प० तं० दविए एक्कए माउएक्कए पज्जवएक्कए संगहएक्कए, चत्तारि कई प० तं० दवियकई माउयकई पज्जवकई संगहकई, चत्तारि सव्वा प० तं० णामसव्वए ठवणसव्वए आएससव्वए निरवसेससव्वए ॥ १७२ ॥ माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसिं चत्तारि कूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए सव्वरयणे रयणसंचए ॥ १७३ ॥ जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था, जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था। जंबुद्दीवे दीवे जाव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए

दाहिणे णाममेगे वामावत्ते, दाहिणे णाममेगे दाहिणावत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। चत्तारि धूमसिहाओ प० त० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० त० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि अग्गिसिहाओ प० त० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० त० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वायमंडलिया, वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थियाओ प० त० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वणखंडा प० त० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० वामे णाममेगे वामावत्ते ४॥ ३६१॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं आलवमाणे वा संलवमाणे वा णाइक्कमइ, त० पंथं पुच्छमाणे वा पंथं देसमाणे वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दलयमाणे वा, दलावेमाणे वा ॥३६२॥ तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० त० तमेइ वा, तमुक्काएइ वा, अंधयारेइ वा, महंधयारेइ वा, तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० त० लोगंधयारेइ वा, लोगतमसेइ वा, देवंधयारेइ वा, देवतमसेइ वा, तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० त० वायफलिहेइ वा, वायफलिहखोभेइ वा, देवरण्णेइ वा, देववूहेइ वा, तमुक्काए णं चत्तारि कप्पे आवरित्ता चिट्ठइ त० सोहम्मीसाणं सणंकुमारमाहिंदं ॥ ३६३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० संपागडपडिसेवी णाममेगे, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे, पडुप्पण्णणंदी णाममेगे, णिस्सरणणंदी णाममेगे ॥ ३६४ ॥ चत्तारि सेणाओ प० त० जइत्ता णाममेगा णो पराजिणित्ता, पराजिणित्ता णाममेगा णो जइत्ता, एगा जइत्ता वि पराजिणित्तावि, एगा णो जइत्ता णो पराजिणित्ता। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जइत्ता णाममेगे णो पराजिणित्ता ४। चत्तारि सेणाओ प० त० जइत्ता णाममेगा जयइ, जइत्ता णाममेगा पराजिणइ, पराजिणित्ता णाममेगा जयइ, पराजिणित्ता णाममेगा पराजिणइ, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जइत्ता णाममेगे जयइ ॥ ३६५॥ चत्तारि केअणा प० त० वंसीमूलकेअणए, मेंढविसाणकेअणए, गोमुत्तिकेअणए, अवलेहणियकेअणए। एवामेव चउव्विहा माया प० त० वंसीमूलकेअणासमाणा जाव अवलेहणियाकेअणासमाणा, वंसीमूलकेअणासमाणं मायं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, मेंढविसाणकेअणासमाणं मायमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, गोमुत्तिअ जाव कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, अवलेहणिया जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ३६६ ॥ चत्तारि थंभा प० त० सेलथंभे अट्ठिथंभे दारुथंभे, तिणिसलयाथंभे, एवामेव चउव्विहे माणे प० त० सेलथंभसमाणे जाव तिणि-

ओभासिया वेसाणिया णंगोलिया । तेसि णं दीवाणं चउसु वि दिसासु लवणसमुद्दं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० हय-कण्णदीवे गयकण्णदीवे गोकण्णदीवे सक्कुलिकण्णदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० हयकण्णा गयकण्णा गोकण्णा सक्कुलिकण्णा । तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं पंच पंच जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतर-दीवा प० तं० आयंसमुहदीवे मेंढमुहदीवे अओमुहदीवे गोमुहदीवे । एसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा । तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं छ छजोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसमुहदीवे हत्थि-मुहदीवे सीहमुहदीवे वग्घमुहदीवे तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं सत्तसत्तजोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसकण्णदीवे हत्थिकण्णदीवे अकण्णदीवे कण्णपाउरणदीवे । तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा । तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं अट्ठ अट्ठजोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० उक्कामुहदीवे मेहमुहदीवे विज्जुमुहदीवे विज्जुदंतदीवे तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा । तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं नव नव जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० घणदंतदीवे लट्ठदंतदीवे गूढदंतदीवे सुद्धदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० घणदंता लट्ठदंता गूढदंता सुद्धदंता । जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगूरुयदीवे सेसं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव सुद्धदंता ॥ १७५ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइं जोयण-सहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं महइमहालया महालिंजरसंठाणसंठिया चत्तारि महा-पायाला प० तं० वलयामुहे केऊए जूवए ईसरे तत्थणं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे ॥ १७६ ॥ जंबु-दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयण-सहस्साइं ओगाहित्ता एत्थणं चउण्हं वेलंधरणागरायाणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० गोथूभे उदगभासे संखे दगसीमे तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव परि-वसंति तं० गोथूभे सिवए जाव मणोसिलए । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइ-यंताओ चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं चउण्हं अणुवेलंधरणागरायाणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० कक्कोडए विज्जुप्पभे

चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो भविस्सइ, जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरुवज्जाओ चत्तारि अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे, चत्तारि वट्टवेयड्ढपव्वया प० त० सद्दावई वियडावई गंधावई मालवंतपरियाए। तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति त० साई पभासे अरुणे पउमे, जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहेवासे चउव्विहे प० त० पुव्वविदेहे, अवरविदेहे, देवकुरा, उत्तरकुरा, सव्वेवि ण णिसढणीलवंतवासहरपव्वया चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेण, चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेण प०। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेण सीआए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० त० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले, जंबूमंदरपुरत्थिमेण सीआए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० त० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेण सीओआए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० त० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेण सीओआए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० त० चंदपव्वए सूरपव्वए देवपव्वए णागपव्वए, जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स चउसु विदिसासु चत्तारि वक्खारपव्वया प० त० सोमणसे विज्जुप्पभे गंधमायणे मालवंते, जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे जहण्णपए चत्तारि अरिहंता, चत्तारि चक्कवट्टी, चत्तारि बलदेवा, चत्तारि वासुदेवा, उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए चत्तारि वणा प० त० भद्दसालवणे, णंदणवणे, सोमणसवणे, पंडगवणे, जंबूमंदरपव्वयपंडगवणे चत्तारि अभिसेगसिलाओ प० तं० पंडुकंबलसिला, अतिपंडुकंबलसिला, रत्तकंबलसिला, अइरत्तकंबलसिला, मंदरचूलिया णं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं पण्णत्ता, एव धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धेवि कालं आइ करित्ता जाव मंदरचूलियत्ति। एव जाव पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धे जाव मंदरचूलियत्ति, जंबूदीवगआवस्सगं तु कालाओ चूलिया जाव धायइसंडे पुक्खरवरे य पुव्वावरे पासे। जंबूदीवस्स ण दीवस्स चत्तारि दारा प० त० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए, ते ण दारा चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेण तावइयं चेव पवेसेणं प० तत्थ ण चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति त० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए॥ ३७४॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० त० एगरूयदीवे आभासियदीवे वेसाणियदीवे णंगोलियदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति, एगरूया

सहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्समुव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। सेसं जहेव अंजणगपव्वयाणं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव चूयवणं उत्तरे पासे। तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरिणीओ प० तं० भद्दा विसाला कुमुया पोंडरीगिणी। सेसं तं चेव जाव दहिमुहगपव्वया जाव वणसंडा। तत्थणं जे से पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पोक्खरणीओ पन्नत्ताओ तं० णंदिसेणा अमोहा गोथूभा सुदंसणा सेसं तं चेव तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव जाव वणसंडा। तत्थणं जे से उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पोक्खरणीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव जाव वणसंडा। णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रतिकरगपव्वया प० तं० उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए, ते णं रतिकरगपव्वया दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। तत्थ णं जे से उत्तरपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पन्नत्ताओ तं० णंदुत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा। कण्हाए कण्हराईए रामाए रामरक्खियाए, तत्थ णं जे से दाहिणपुरच्छिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० समणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा। पउमाए सिवाए सईए अंजूए। तत्थणं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० भूता भूतवडिंसा गोथूभा सुदंसणा। अमलाए अच्छराए णवमियाए रोहिणीए। तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रतिकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० रयणा रयणोच्चया सव्वरयणा रयणसंचया। वसूए वसुगुत्ताए वसुमित्ताए वसुंधराए ॥ १८१ ॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावसच्चे ॥ १८१ ॥ आजी-

केलासे अरुणप्पभे। तत्थ णं चत्तारि महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया देवा परिवसंति तं० कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे ॥३७७॥ लवणे ण समुद्दे चत्तारि चदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, चत्तारि सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा, चत्तारि कत्तियाओ जाव चत्तारि भरणीओ, चत्तारि अग्गी जाव चत्तारि जमा, चत्तारि अगारया जाव चत्तारि भावकेऊ ॥ ३७८ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स चत्तारि दारा प० त० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए, ते ण दारा ण चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइय चेव पवेसेणं पण्णत्ता, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिइया परिवसंति विजए जाव अपराजिए ॥३७९॥ धायइसंडे ण दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० ॥ ३८० ॥ जंबुद्दीवस्स ण दीवस्स बहिया चत्तारि भरहाइं चत्तारि एरवयाइं, एवं जहा सद्दुद्देसए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं, जाव चत्तारि मंदरा चत्तारि मंदरचूलियाओ ॥ ३८१ ॥ णंदीसरवरस्स ण दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउद्दिसिं चत्तारि अंजणगपव्वया प० त० पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वए दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए, पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए, ते ण अंजणगपव्वया चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेण एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं तदणंतरं च णं मायाए मायाए परिहायमाणा परिहायमाणा उवरिमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं प० मूले एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं उवरिं तिण्णि २ जोयणसहस्साइं एगं च छावट्ठं जोयणसयं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वअंजणमया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसिणं अंजणगपव्वयाणं चउद्दिसिं चत्तारि २ णंदाओ पुक्खरणीओ प० तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणसंडा प० त० पुरच्छिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेण असोगवणं दाहिणओ होति सत्तवण्णवणं, अवरेण चंपगवणं, अववणं उत्तरे पासे ॥ १ ॥ तत्थ ण जे से पुरच्छिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदापोक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदा णंदुत्तरा आणंदा णंदिवद्धणा, तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा प० तेसिणं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ चत्तारि तोरणा प० पुरच्छिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, तासिणं पोक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणसंडा प० त० पुरओ दाहिणओ पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेण असोगवणं जाव अववणं उत्तरे पासे। तासिणं पुक्खरणीणं बहुमज्झदेसभाए चत्तारि दहिमुहगपव्वया प० ते णं दहिमुहगपव्वया चउसट्ठिं जोयण-

वा परिठवेति तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं नागकुमारावासंसि वा सुवन्नकुमारावासंसि वा वासं उवेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं आवकहाए चिट्ठइ जाव आसासे प०, एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ वि य णं सीलव्वयगुणव्वयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासाइं पडिवज्जइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं सामाइयं देसावगासियं सम्ममणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० जत्थ वि य णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० ॥ १५० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उदिओदिए णाममेगे उदियत्थमिए णाममेगे अत्थमिओदिए णाममेगे अत्थमियत्थमिए णाममेगे। भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी णं उदिओदिए, बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी उदियत्थमिए, हरिएसबले णं अणगारे अत्थमिओदिए, काले णं सोयरिए अत्थमियत्थमिए ॥ १५१ ॥ चत्तारि जुम्मा प० तं० कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए, नेरइयाणं चत्तारि जुम्मा प० तं० कडजुम्मे जाव कलिओए, एवमसुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइबेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वाणमंतरजोइसियाणं वेमाणियाणं सव्वेसिं जहा नेरइयाणं ॥ १५२ ॥ चत्तारि सूरा प० तं० खंतिसूरे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे, खंतिसूरा अरिहंता तवसूरा अणगारा, दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदेवे ॥ १५३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उच्चे णाममेगे उच्चच्छंदे उच्चे णाममेगे णीयच्छंदे णीए णाममेगे उच्चच्छंदे णीए णाममेगे णीयच्छंदे ॥ १५४ ॥ असुरकुमाराणं चत्तारि लेसाओ प० तं० कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा तेउलेसा, एवं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वाणमंतराणं सव्वेसिं जहा असुरकुमाराणं ॥ १५५ ॥ चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते जुत्ते णाममेगे अजुत्ते अजुत्ते णाममेगे जुत्ते अजुत्ते णाममेगे अजुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए, जुत्ते णाममेगे अजुत्तपरिणए ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए ४। चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे जुत्ते णाममेगे अजुत्तरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे ४। चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया

वियाण चउव्विहे तवे प० त० उग्गतवे घोरतवे रसनिज्जूहणया जिब्भिंदियपडिसंलीणया ॥ ३८४ ॥ चउव्विहे संजमे प० त० मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे उवगरणसंजमे । चउव्विहे चियाए प० त० मणचियाए वइचियाए कायचियाए उवगरणचियाए, चउव्विहा अकिंचणया प० त० मणअकिंचणया वइअकिंचणया कायअकिंचणया उवगरणअकिंचणया ॥ ३८५ ॥ **चउत्थट्ठाणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

चत्तारि राईओ प० त० पव्वयराई पुढविराई वालुयराई उदगराई । एवामेव चउव्विहे कोहे प० त० पव्वयराइसमाणे पुढविराइसमाणे वालुयराइसमाणे उदगराइसमाणे । पव्वयराइसमाण कोहमणुपविट्ठे जीवे काल करेइ णेरइएसु उववज्जइ, पुढविराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे काल करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, वालुयराइसमाण कोहमणुपविट्ठे जीवे काल करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, उदगराइसमाण कोहमणुपविट्ठे जीवे काल करेइ देवेसु उववज्जइ, चत्तारि उदगा प० त० कद्दमोदए खंजणोदए वालुओदए सेलोदए, एवामेव चउव्विहे भावे प० त० कद्दमोदगसमाणे खंजणोदगसमाणे वालुओदगसमाणे सेलोदगसमाणे । कद्दमोदगसमाण भावमणुपविट्ठे जीवे काल करेइ णेरइएसु उववज्जइ एवं जाव सेलोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे काल करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ३८६ ॥ चत्तारि पक्खी प० त० रुयसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने, रूवसंपन्ने णाममेगे णो रुयसंपन्ने, एगे रुयसंपन्ने वि रूवसंपन्ने वि, एगे णो रुयसंपण्णे णो रूवसंपन्ने, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० रुयसंपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने ४ ॥ ३८७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० पत्तिय करेमित्ति एगे पत्तिय करेइ, पत्तिय करेमित्ति एगे अपत्तिय करेइ, अपत्तिय करेमित्ति एगे पत्तिय करेइ, अपत्तिय करेमित्ति एगे अपत्तिय करेइ, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे पत्तिय करेइ णो परस्स, परस्स णाममेगे पत्तिय करेइ णो अप्पणो ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० त० पत्तिय पवेसामित्ति एगे पत्तिय पवेसेइ, पत्तिय पवेसामित्ति एगे अपत्तिय पवेसेइ, अपत्तिय पवेसामित्ति एगे पत्तिय पवेसेइ, अपत्तिय पवेसामित्ति एगे अपत्तिय पवेसेइ, चत्तारि पुरिसजाया प० त० अप्पणो णाममेगे पत्तिय पवेसेइ णो परस्स ४ ॥ ३८८ ॥ चत्तारि रुक्खा प० त० पत्तोवए पुप्फोवए फलोवए छायोवए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० पत्तो वा रुक्खसमाणे पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे छायो वा रुक्खसमाणे ॥ ३८९ ॥ भारं ण वहमाणस्स चत्तारि आसासा प० त० जत्थ ण असाओ असं साहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे पण्णत्ते, जत्थ वि य णं उच्चारं वा पासवण

प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४। चत्तारि जुग्गा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एव जहा जाणेण चत्तारि आलावगा तहा जुग्गेणवि पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया जाव सोभेत्ति, चत्तारि सारही प० त० जोआवइत्ता णाममेगे णो विजोयावइत्ता, विजोयावइत्ता णाममेगे णो जोयावइत्ता, एगे जोयावइत्तावि विजोयावइत्तावि, एगे णो जोयावइत्ता णो विजोयावइत्ता, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया, चत्तारि हया प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवं जुत्तपरिणए जुत्तरूवे जुत्तसोभे सव्वेसिं पडिवक्खो पुरिसजाया। चत्तारि गया प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४। एव जहा हयाण तहा गयाणवि भाणियव्वं। पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया, चत्तारि जुग्गारिया प० त० पथजाई णाममेगे णो उप्पहजाई उप्पहजाई णाममेगे णो पंथजाई एगे पथजाई वि उप्पहजाई वि एगे णो पथजाई णो उप्पहजाई। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४॥ ३९६॥ चत्तारि पुप्फा प० त० रूवसपन्ने णाममेगे णो गधसंपन्ने गधसपन्ने णाममेगे णो रूवसंपन्ने एगे रूवसपन्नेवि गधसपन्नेवि एगे णो रूवसंपन्ने णो गंधसपन्ने। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० रूवसपन्ने णाममेगे णो सीलसंपन्ने ४॥ ३९७॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० जाइसपन्ने णाममेगे णो कुलसंपन्ने कुलसपन्ने णाममेगे णो जाइसपन्ने ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसपन्ने णाममेगे णो बलसपन्ने बलसपन्ने णाममेगे णो जाइसपन्ने ४। एव जाईए रूवेण य चत्तारि आलावगा, एव जाईए सुएण य ४। एवं जाईए सीलेग ४ एव जाईए चरित्तेण ४। एव कुलेग बलेग ४। कुलेण रूवेण ४। कुलेण सुएण ४। कुलेग सीलेग ४। कुलेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० बलसपन्ने णाममेगे णो रूवसपन्ने ४। एव बलेग सुएण ४। एवं बलेण सीलेग ४। एवं बलेग चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० रूवसंपन्ने णाममेगे णो सुयसंपन्ने ४। एव रूवेण सीलेण ४। रूवेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुयसंपन्ने णाममेगे णो सीलसंपन्ने ४। एव सुएण चरित्तेण य ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० सीलसपन्ने णाममेगे णो चरित्तसपन्ने ४। एए इक्कवीसं भंगा भाणियव्वा॥ ३९८॥ चत्तारि फला प० त० आमलगमहुरे मुद्दियामहुरे खीरमहुरे खडमहुरे, एवामेव चत्तारि आयरिया प० त० आमलगमहुरफलसमाणे जाव खडमहुरफलसमाणे॥ ३९९॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० आयवेयावच्चकरे णाममेगे णो परवेयावच्चकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं०

इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पगप्पं पगरेइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए पेमे वोच्छिण्णे दिव्वे पेमे संकंते भवइ, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं एवं भवइ, इयण्हिं गच्छं मुहुत्तेणं गच्छं तेण कालेणमप्पाउआ मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, उड्ढं पि य णं माणुस्सए गंधे जाव चत्तारिपंचजोयणसयाइं हव्वमागच्छइ ४ इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥४०८॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोगेसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा उवज्झाएइ वा पवत्तीइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेण मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा तवस्सीइ वा अइदुक्करदुक्करकारए तं गच्छामि णं भगवन्तं वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववन्ने देवे जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि पासंतु ता मे इममेयारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववन्ने तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मित्तेइ वा सुहीइ वा सहीइ वा सहाएइ वा संगइए वा तेसिं च णं अम्हे अण्णमण्णस्स संगारे पडिसुए भवइ, जो मे पुव्विं चयइ से संबोहियव्वे इच्चेएहिं जाव संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥ ४०९ ॥ चउहिं ठाणेहिं लोगंधगारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं, अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे जायतेए वोच्छिज्जमाणे, चउहिं ठाणेहिं लोउज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, अरिहंताणं परिनिव्वाणमहिमासु, एवं देवंधगारे देवुज्जोए देवसन्निवाए देवुक्कलिया देवकहकहए,

अहावरा चउत्था सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जइ ताव अरिहंता भगवंता हट्ठा आरोग्गा बलिया कल्लसरीरा अन्नयराइं ओरालाइं कल्लाणाइं विउलाइं पयत्ताइं पग्गहियाइं महाणुभागाइं कम्मक्खयकारणाइं तवोकम्माइं पडिवज्जंति किमंगपुण अहं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं णो सम्मं सहामि खमामि तितिक्खेमि अहियासेमि मम च णं अब्भोवगमिओवक्कमियं सम्ममस-हमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किमण्णे कज्जइ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ मम च णं अब्भोवगमिओ जाव सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किमण्णे कज्जइ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ, **चउत्था सुह-सेज्जा** ॥ ४१२ ॥ चत्तारि **अवायणिज्जा** प० तं० अविणीए, विगईपडिबद्धे, अविओसवियपाहुडे, मायी, चत्तारि **वायणिज्जा** प० तं० विणीए, अविगईपडिबद्धे, विओसवियपाहुडे, अमायी ॥ ४१३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयभरे णाममेगे णो परंभरे, परंभरे णाममेगे णो आयभरे, एगे आयभरेवि परंभरेवि, एगे णो आयभरे णो परंभरे ॥ ४१४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाम-मेगे दुग्गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गए, सुग्गए णाममेगे दुग्गए, सुग्गए णाममेगे सुग्गए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुव्वए, दुग्गए णाममेगे सुव्वए, सुग्गए णाममेगे दुव्वए, सुग्गए णाममेगे सुव्वए, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुप्पडियाणंदे, दुग्गए णाममेगे सुप्पडियाणंदे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइगामी, दुग्गए णाममेगे सुगइगामी ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइं गए, दुग्गए णाममेगे सुगइं गए ॥ ४१५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमे, तमे णाममेगे जोई, जोई णाममेगे तमे, जोई णाममेगे जोई, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबले, तमे णाममेगे जोईबले, जोई णाममेगे तमबले, जोई णाममेगे जोईबले, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे नाममेगे तमबलपलज्जणे, तमे नाममेगे जोईबलपलज्जणे, ४ ॥ ४१६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे, परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे, एगे परिण्णायकम्मेवि परिण्णायसण्णेवि, एगे णो परिण्णायकम्मे णो परिण्णायसण्णे, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णाय-कम्मे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णाय-कम्मे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णाय-गिहावासे परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे ४ ॥ ४१७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० इहत्थे णाममेगे णो परत्थे परत्थे णाममेगे णो इहत्थे ४ । चत्तारि

त्थिकाएण अधम्मत्थिकाएण जीवत्थिकाएणं पोग्गलत्थिकाएण । चउहिं वायरकाएहिं उववज्जमाणेहिं लोगे फुडे प०त०पुढविकाइएहिं आउकाइएहिं वाउवणस्सइकाइएहिं । चत्तारि पएसग्गेण तुल्ला प०त० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए लोगागासे एगजीवे । चउण्हमेगसरीर नो सुपस्स भवइ तं० पुढविआउतेउवणस्सइकाइयाणं ॥ ४२६ ॥ चत्तारि इंदियत्था पुट्ठा वेदेंति त० सोइंदियत्थे घाणिंदियत्थे जिब्भिंदियत्थे फासिंदियत्थे ॥४२७॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा य पोग्गला य णो सचाएन्ति वहिया लोगता-गमणयाए त० गइअभावेण निरुवग्गहयाए लुक्खत्ताए लोगाणुभावेण ॥ ४२८ ॥ चउव्विहे णाए प० त० आहरणे आहरणतद्देसे आहरणतद्दोसे उवन्नासोवणए । आहरणे चउव्विहे प० त० अवाए उवाए ठवणाकम्मे पडुप्पन्नविणासी । आहरण-तद्देसे चउव्विहे प० तं० अणुसिट्ठी उवालंभे पुच्छा णिस्सावयणे । आहरणतद्दोसे चउव्विहे प० त० अधम्मजुत्ते पडिलोमे अतोवणीए दुरुवणीए । उवण्णासोवणए चउव्विहे प० त० तव्वत्थुए तदन्नवत्थुए पडिणिभे हेऊ ॥ ४२९ ॥ **चउव्विहे हेऊ** प० तं० जावए थावए वंसए लूसए, **अहवा हेऊ चउव्विहे** प० त० पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे **अहवा हेऊ चउव्विहे** प० अत्थित्तं अत्थि सो हेऊ अत्थित्त णत्थि सो हेऊ णत्थित्तं अत्थि सो हेऊ णत्थित्त णत्थि सो हेऊ ॥४३०॥ चउव्विहे सखाणे प० त० पडिकम्मं ववहारे रज्जू रासी ॥ ४३१ ॥ अहोलोगे ण चत्तारि अधयार करेंति त० णरगा णेरइया पावाइं कम्माइं असुभा पोग्गला, तिरियलोगे णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० चदा सूरा मणी **जोई,** उड्ढलोगे णं चत्तारि उज्जोय करेंति त० देवा देवीओ विमाणा आभरणा ॥ ४३२ ॥ **चउट्ठाणस्स तइओद्देसो समत्तो** ॥

चत्तारि पसप्पगा प० त० अणुप्पन्नाण भोगाणं उप्पाएत्ता एगे पसप्पए, पुव्वुप्पन्नाण भोगाण अविप्पओगेण एगे पसप्पए, अणुप्पण्णाण सोक्खाण उप्पाइत्ता एगे पसप्पए पुव्वुप्पण्णाण सोक्खाण अविप्पओगेण एगे पसप्पए ॥ ४३३ ॥ णेरइयाण चउविहे आहारे प० त० इगालोवमे मुम्मुरोवमे सीयले हिमसीयले, तिरिक्खजोणियाण चउव्विहे आहारे प० त० कंकोवमे विलोवमे पाणमसोवमे पुत्तमसोवमे । मणुस्साण चउव्विहे आहारे, असणे पाणे खाइमे साइमे । देवाण चउव्विहे आहारे प० त० वण्णमंते गधमंते रसमंते फासमंते ॥ ४३४ ॥ चत्तारि जाइआसीविसा प० त० विच्छुयजाइआसीविसे मडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे । विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते केवइए विसए प० ? पभूण विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्त बोंदि विसेणं

मज्झचारी एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी ॥ ४४६ ॥ चत्तारि गोला प० तं० मधुसित्थगोले जउगोले दारुगोले मट्टियागोले, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मधुसित्थगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० अयगोले तउगोले तंबगोले सीसगोले एवामेव चत्तारि पु० प० तं० अयगोलसमाणे जाव सीसगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० हिरण्णगोले सुवण्णगोले रयणगोले वयरगोले एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरण्णगोलसमाणे जाव वयरगोलसमाणे ॥ ४४७ ॥ चत्तारि पत्ता प० तं० असिपत्ते करपत्ते खुरपत्ते कलंबचीरियापत्ते एवामेव चत्तारि पु० प० तं० असिपत्तसमाणे जाव कलंबचीरियापत्तसमाणे ॥ ४४८ ॥ चत्तारि कडा प० तं० सुंबकडे विदलकडे चम्मकडे कंबलकडे एवामेव चत्तारि पु० प० तं० सुंबकडसमाणे जाव कंबलकडसमाणे ॥ ४४९ ॥ चउव्विहा चउप्पया प० तं० एगखुरा दुखुरा गंडीपया सणप्पया चउव्विहा पक्खी प० तं० चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी। चउव्विहा खुड्डपाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया ॥ ४५० ॥ चत्तारि पक्खी प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता परिवइत्ता णाममेगे णो णिवइत्ता एगे णिवइत्तावि परिवइत्तावि एगे णो णिवइत्ता णो परिवइत्ता एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता ४ ॥ ४५१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठे णिक्कट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिक्कट्ठे णाममेगे णिक्कट्ठप्पा णिक्कट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठप्पा ४। चत्तारि पु० प० तं० बुहे णाममेगे बुहे बुहे णाममेगे अबुहे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बुहे णाममेगे बुहहियए ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयाणुकंपए णाममेगे णो पराणुकंपए ४ ॥ ४५२ ॥ चउव्विहे संवासे प० तं० दिव्वे आसुरे रक्खसे माणुसे चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ देवे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे ४। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे मणुस्सीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे रक्खसीहिं सद्धिं संवासं गच्छइ ४ चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे

याण ॥ ४४२ ॥ चत्तारि मेहा प० त० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता, वासित्ता णाममेगे णो गज्जित्ता, एगे गज्जित्तावि वासित्तावि, एगे णो गज्जित्ता णो वासित्ता, एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता ४। चत्तारि मेहा प० त० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता, विज्जुयाइत्ता णाममेगे णो गज्जित्ता ४ । एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४ । एवामेव चत्तारि पु० प० त० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४ । चत्तारि मेहा प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी, अकालवासी णाममेगे णो कालवासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० त० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी ४ । चत्तारि मेहा प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४ । एवामेव चत्तारि पु० प० त० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४। चत्तारि मेहा प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता, णिम्मवइत्ता णाममेगे णो जणइत्ता ४ । एवामेव चत्तारि अम्मापियरो प० त० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० देसवासी णाममेगे णो सव्ववासी ४। एवामेव चत्तारि रायाणो प० तं० देसाहिवई णाममेगे णो सव्वाहिवई ४ । चत्तारि मेहा प० तं० पुक्खलसंवट्टए पज्जुण्णे जीमूए जिम्हे । पोक्खलसंवट्टए ण महामेहे एगेणं वासेण दसवाससहस्साई भावेइ, पज्जुण्णे णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससयाई भावेइ, जीमूए ण महामेहे एगेणं वासेण दसवासाइं भावेइ, जिम्हे णं महामेहे बहुवासेहिं एग वासं भावेइ वा ण भावेइ वा ॥ ४४३ ॥ चत्तारि करंडगा प० तं० सोवागकरंडए वेसियाकरंडए गाहावइकरंडए रायकरंडए, एवामेव चत्तारि आयरिया प०त० सोवागकरंडगसमाणे, वेसियाकरंडगसमाणे, गाहावइकरंडगसमाणे, रायकरंडगसमाणे ॥ ४४४ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए ४। एवामेव चत्तारि आयरिया प० त० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए एरंडे णाममेगे० ४ । चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४ । एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४। **गाहा** सालदुममज्झगारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे (१) एरंडमज्झगारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (२) सालदुममज्झयारे एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुलआयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे (३) एरंडमज्झयारे, एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुलआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (४) ॥४४५॥ चत्तारि मच्छा प० त० अणुसोयचारी पडिसोयचारी, अंतचारी

गंभीरोदए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए उत्ताणे णाममेगे गंभीरहियए ४ चत्तारि उदगा प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदही उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदही ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी ४ ॥३५८॥ चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरामित्ति एगे समुद्दं तरइ, समुद्दं तरामित्ति एगे गोप्पयं तरइ, गोप्पयं तरामित्ति एगे ४। चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरित्ता णाममेगे समुद्दे विसीयइ, समुद्दं तरित्ता णाममेगे गोप्पए विसीयइ ४ ॥३५९॥ चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे पुण्णे णाममेगे तुच्छे तुच्छे णाममेगे पुण्णे तुच्छे णाममेगे तुच्छे एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी पुण्णे णाममेगे तुच्छोभासी ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे पुण्णे णाममेगे तुच्छरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे, पुण्णेवि एगे अवदले तुच्छेवि एगे पियट्ठे तुच्छेवि एगे अवदले एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे ४। तहेव चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ, पुण्णेवि एगे णो विस्संदइ, तुच्छेवि एगे विस्संदइ, तुच्छेवि एगे णो विस्संदइ। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ ४ तहेव। चत्तारि कुंभा प० तं० भिण्णे जज्जरिए परिस्साई अपरिस्साई। एवामेव चउव्विहे चरित्ते प० तं० भिण्णे जाव अपरिस्साई। चत्तारि कुंभा प० तं० महुकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे महुकुंभे णाममेगे विसपिहाणे विसकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे विसकुंभे णाममेगे विसपिहाणे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४। हिययमपावमकलुसं जीहा वि य महुरभासिणी णिच्चं जंमि पुरिसंमि विज्जइ से महुकुंभे महुपिहाणे (१) हिययमपावमकलुसं, जीहा वि य कडुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से महुकुंभे विसपिहाणे (२) जं हिययं कलुसमयं जीहा वि य महुरभासिणी णिच्चं जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे महुपिहाणे (३) जं हिययं कलुसमयं जीहा वि य कडुयभासिणी णिच्चं जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे विसपिहाणे (४) ॥३६०॥ चउ-

णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं सवास गच्छइ ४। चउव्विहे सवासे प० तं० रक्खसे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं सवास गच्छइ, रक्खसे णाममेगे माणुस्सीए सद्धिं सवास गच्छइ ४ ॥ ४५३ ॥ चउव्विहे **अवद्धंसे** प० त० आसुरे आभियोगे समोहे देवकिब्बिसे, चउहिं ठाणेहिं जीवा आसुरत्ताए कम्म पकरेंति त० कोहसीलयाए पाहुडसीलयाए ससत्ततवोकम्मेण निमित्ताजीवयाए, चउहिं ठाणेहिं जीवा आभिओगत्ताए कम्म पगरेंति त० अत्तुक्कोसेणं परपरिवाएण भूइकम्मेण कोउयकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा सम्मोहत्ताए कम्म पगरेंति तं० उम्मग्गदेसणाए मग्गतराएण कामासंसपओगेणं भिज्झानियाणकरणेण। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवकिव्विसियाए कम्मं पगरेंति त० अरिहंताण अवण्ण वयमाणे अरिहतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्ण वयमाणे, आयरियउवज्झायाणमवण्ण वयमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्ण वयमाणे ॥ ४५४ ॥ **चउव्विहा पव्वज्जा** प० त० इहलोगपडिवद्धा परलोगपडिबद्धा दुहओ लोगपडिवद्धा अप्पडिबद्धा, चउव्विहा **पव्वज्जा** प० त० पुरओपडिबद्धा मग्गओपडिबद्धा दुहओपडिबद्धा अप्पडिबद्धा, चउव्विहा **पव्वज्जा** प० तं० ओवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा विहगगइपव्वज्जा चउव्विहा **पव्वज्जा** प० त० तुयावइत्ता पुयावइत्ता मोयावइत्ता परिपूयावइत्ता, चउव्विहा **पव्वज्जा** प० तं० णडखइया भडखइया सीहखइया सीयालक्खइया, चउव्विहा किसी प० त० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया एवामेव चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया, चउव्विहा पव्वज्जा प० त० धण्णपुंजियसमाणा धण्णविरल्लियसमाणा धण्णविक्खित्तसमाणा धण्णसंकट्टियसमाणा ॥ ४५५ ॥ **चत्तारि सण्णाओ** पण्णत्ताओ त० आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा **चउहिं ठाणेहिं आहारसण्णा समुप्पज्जइ** त० ओमकोट्ठयाए छुहावेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं, चउहिं ठाणेहिं **भयसण्णा** समुप्पज्जइ त० हीणसत्तयाए भयवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं, चउहिं ठाणेहिं मेहुणसण्णा समुप्पज्जइ तं० चियमंससोणिययाए मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएण मईए तदट्ठोवओगेण, चउहिं ठाणेहिं परिग्गहसण्णा समुप्पज्जइ त० अविमुत्तयाए लोभवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएण मईए तदट्ठोवओगेण ॥ ४५६ ॥ **चउव्विहा कामा** सिंगारा कलुणा बीभच्छा रोद्दा, **सिंगारा** कामा देवाणं, **कलुणा** कामा मणुयाणं, **बीभच्छा** कामा तिरिक्खजोणियाण, **रोद्दा** कामा णेरइयाणं ॥ ४५७ ॥ **चत्तारि उदगा** प० त० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदए उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदए गंभीरे णाममेगे उत्ताणोदए गंभीरे णाममेगे

व्विहा उवसग्गा प० त० दिव्वा माणुसा तिरिक्खजोणिया आयसंचेयणिज्जा। दिव्वा उवसग्गा चउव्विहा प० त० हासा पओसा वीमंसा पुढोवेमाया, माणुस्सा उवसग्गा चउव्विहा प० त० हासा पाओसा वीमसा कुसील-पडिसेवणया, तिरिक्खजोणिया उवसग्गा चउव्विहा प० त० भया पदोसा आहारहेउ अवच्चलेणसारक्खणया, आयसंचेयणिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० त० घट्टणया पवडणया थंभणया लेसणया ॥ ४६१ ॥ चउव्विहे कम्मे प० त० सुभे णामं एगे सुभे, सुभे णाममेगे असुभे, असुभे० ४। चउव्विहे कम्मे प० त० सुभे णाममेगे सुभविवागे, सुभे णाममेगे असुभविवागे, असुभे णाममेगे सुभविवागे, असुभे णाममेगे असुभविवागे। चउव्विहे कम्मे प० त० पगडीकम्मे, ठिइकम्मे, अणुभावकम्मे पदेसकम्मे ॥ ४६२ ॥ चउव्विहे संघे प० त० समणा समणीओ सावगा साविगाओ ॥ ४६३ ॥ चउव्विहा बुद्धी प० तं० उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया, पारिणामिया, चउव्विहा मई प० त० उग्गहमई ईहामई अवायमई धारणामई अहवा चउव्विहा मई, अरंजरोदगसमाणा, वियरोदग-समाणा सरोदगसमाणा सागरोदगसमाणा ॥ ४६४ ॥ चउव्विहा संसारसमा-वण्णगा जीवा प० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा, चउव्विहा सव्व-जीवा प० त० मणजोगी वइजोगी कायजोगी अजोगी, अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० त० इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसकवेयगा अवेयगा, अहवा चउव्विहा सव्व-जीवा प० तं० चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी, अहवा चउ-व्विहा सव्वजीवा प० तं० संजया असंजया संजयासंजया णोसंजयाणोअसंजया ॥ ४६५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प०त० मित्ते णाममेगे मित्ते, मित्ते णाममेगे अमित्ते, अमित्ते णाममेगे मित्ते, अमित्ते णाममेगे अमित्ते, चत्तारि पुरिसजाया प० त० मित्ते णाममेगे मित्तरूवे चउभंगो ॥ ४६६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० त० मुत्ते णाममेगे मुत्ते मुत्ते णाममेगे अमुत्ते ४। चत्तारि पुरिसजाया प० त० मुत्ते णाममेगे मुत्तरूवे ४ ॥ ४६७ ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चउगइया चउआगइया प० तं० पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणा णेरइएहिंतो वा, तिरिक्ख-जोणिएहिंतो वा, मणुस्सेहिंतो वा, देवेहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से पंचिंदियति-रिक्खजोणिए पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्तं विप्पजहमाणे णेरइयत्ताए वा जाव देवत्ताए वा उवागच्छेज्जा, मणुस्सा चउगइया चउआगइया एवं चेव मणुस्सावि ॥ ४६८ ॥ बेइंदिया णं जीवा असमारंभमाणस्स चउव्विहे संजमे कज्जइ तं० जिब्भामयाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, जिब्भामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, फासामयाओ

बहु सुक्कं पुरिसो तत्थ पजायइ (१) दोण्हं पि रत्तसुक्काणं, तुल्लभावे नपुंसओ; इत्थीओतसमाओगे, बिंबं तत्थ पजायइ (२) ॥ ४७५ ॥ उप्पायपुव्वस्स ण चत्तारि चूलियावत्थू प०, चउव्विहे कव्वे प० गज्जे पज्जे कत्थे गेए ॥४७६॥ णेरइयाण चत्तारि समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए एवं वाउकाइयाणवि ॥ ४७७ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स चत्तारि सया चोद्दसपुव्वीणं अजिणाण जिणसंकासाणं सव्वक्खरसंनिवाईण जिणो इव अवितहवागरमाणाणं उक्कोसिया चोद्दसपुव्विसंपया होत्था, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईण सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ ४७८ ॥ हेट्ठिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प० तं० सोहम्मे ईसाणे सणंकुमारे माहिंदे, मज्झिल्ला चत्तारि कप्पा पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया प० तं० बंभलोगे लंतए महासुक्के सहस्सारे, उवरिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प० तं० आणए पाणए आरणे अच्चुए ॥ ४७९ ॥ चत्तारि समुद्दा पत्तेयरसा प० तं० लवणोदए वरुणोदए खीरोदए घओदए, चत्तारि आवत्ता प० तं० खरावत्ते उन्नयावत्ते गूढावत्ते आमिसावत्ते, एवामेव चत्तारि कसाया प०तं० खरावत्तसमाणे कोहे उन्नयावत्तसमाणे माणे, गूढावत्तसमाणा माया, आमिसावत्तसमाणे लोभे। खरावत्तसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, उन्नयावत्तसमाणं माणं एवं चेव गूढावत्तसमाणं मायमेवं चेव आमिसावत्तसमाणं लोभं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ ॥ ४८० ॥ अणुराहा णक्खत्ते चउतारे प० पुव्वासाढे एवं चेव। उत्तरासाढे एवं चेव ॥ ४८१ ॥ जीवा णं चउट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णेरइयणिव्वत्तिए तिरिक्खजोणियणिव्वत्तिए मणुस्सणिव्वत्तिए देवणिव्वत्तिए। एवं उवचिणिंसु वा उवचिणंति वा उवचिणिस्संति वा एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ ४८२ ॥ चउप्पएसिया खंधा अणंता प० चउप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० चउसमयठिईया पोग्गला अणंता प० चउगुणकालगा पोग्गला अणंता जाव चउगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ४८३ ॥ **चउट्ठाणस्स चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ चउट्ठाणं समत्तं ॥**

पंचमट्ठाणं

पंचमहव्वया प० तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं, **पंचाणुव्वया** प० तं० थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, थूलाओ मुसावायाओ वेरमणं, थूलाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं, थूलाओ

पंचरसा प० तं० किण्हा जाव सुक्किला तित्ता जाव मधुरा, एवं निरंतरं जाव वेमाणि-याणं ॥ ४९१ ॥ पंच सरीरगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए, ओरालियसरीरे पंचवण्णे पंचरसे प० तं० किण्हे जाव सुक्किले, तित्ते जाव महुरे, एवं जाव कम्मगसरीरे, सव्वे वि णं बादरबोंदिधरा कलेवरा पंचवण्णा पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा ॥ ४९२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं पुरिमपच्छिमगाणं जिणाणं दुग्गमं भवइ तं० दुआइक्खं दुविभज्जं दुपस्सं दुतितिक्खं दुरणुचरं। पंचहिं ठाणेहिं मज्झिमगाणं जिणाणं सुगमं भवइ तं० सुआइक्खं सुविभज्जं सुपस्सं सुतितिक्खं सुरणुचरं ॥ ४९३ ॥ पंचठाणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं निग्गंथाणं **णिच्चं वण्णियाइं णिच्चं कित्तियाइं** णिच्चं बुइयाइं णिच्चं पसत्थाइं णिच्चमब्भणु-ण्णायाइं भवंति तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे, पंचठाणाइं समणाणं जाव **अब्भणुण्णायाइं** भवंति तं० सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ ४९४ ॥ पंचठाणाइं समणाणं जाव **अब्भणुण्णायाइं** भवंति तं० उक्खित्तचरए णिक्खित्त-चरए अंतचरए पंतचरए लूहचरए, पंचठाणाइं जाव **अब्भणुण्णायाइं** भवंति तं० अन्नायचरए अन्नवेलचरए मोणचरए संसट्ठकप्पिए तज्जायसंसट्ठकप्पिए, पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० उवनिहिए सुद्धेसणिए संखादत्तिए दिट्ठलाभिए पुट्ठलाभिए, पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० आयंबिलिए निव्वियए पुरिमड्ढिए परिमियपिंडवाइए भिन्नपिंडवाइए, पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे, पंचठाणाइं जाव भवंति तं० अरसजीवी विरसजीवी अंतजीवी पंतजीवी लूहजीवी, पंचठाणाइं जाव भवंति तंजहा-ठाणाइए उक्कुडुआसणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए, पंचठाणाइं जाव भवंति तं० दंडायइए लगंडसाई आयावए **अवाउडए** अकंडुयए ॥ ४९५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे **महानिज्जरे** महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए आयरियवेयावच्चं करेमाणे एवं उवज्झायवेयावच्चं थेरवेयावच्चं तवस्सिवेयावच्चं गिलाणवेयावच्चं करेमाणे, पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे **महानिज्जरे** महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए सेहवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए कुलवेयावच्चं करेमाणे, अगि-लाए गणवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए संघवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए साहम्मिय-वेयावच्चं करेमाणे ॥ ४९६ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गंथे **साहम्मियं संभो-इयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ** तं० सकिरियट्ठाणं पडिसेवित्ता भवति पडिसेवित्ता णो आलोएइ आलोएत्ता णो पट्ठवेइ पट्ठवेत्ता णो णिव्विसइ जाइं इमाइं थेराणं ठिइप्पकप्पाइं भवंति ताइं अइयंचिय २ पडिसेवेइ से हंद हं पडिसेवामि

पंच संगामिया अणियाहिवई प० त० पायत्ताणिए जाव रहाणिए भद्दसेणे पायत्ताणि-याहिवई जसोधरे आसराया पीढाणियाहिवई सुदंसणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई नीलकंठे महिसाणियाहिवई आणंदे रहाणियाहिवई । भूयाणंदस्स नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० त० पायत्ताणिए जाव रहाणिए, दक्खे पायत्ताणियाहिवई सुग्गीवे आसराया पीढा-णियाहिवई सुविक्कमे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई सेयकंठे महिसाणियाहिवई णंदुत्तरे रहाणियाहिवई वेणुदेवस्स णं सुवण्णिंदस्स सुवन्नकुमाररन्नो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० त० पायत्ताणिए एवं जहा धरणस्स तहा वेणुदेवस्स वि । वेणुदालियस्स य जहा भूयाणंदस्स, जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाण जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाण जाव महाघोसस्स, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प०तं० पाय-त्ताणिए जाव उसभाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई वाऊ आसराया पीढाणि-याहिवई एरावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई दामड्ढी उसभाणियाहिवई माढरे रहा-णियाहिवई ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो पंच संगामिया अणिया जाव पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए उसभाणिए रहाणिए, लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई महावाऊ आसराया पीढाणियाहिवई पुप्फदंते हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महादामड्ढी उस-भाणियाहिवई महामाढरे रहाणियाहिवई जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव आरणस्स जहा ईसाणस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाण जाव अच्चुयस्स । सक्कस्स णं देविं-दस्स देवरन्नो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प० ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अब्भिंतरपरिसाए देवीणं पंच पलिओवमाइं ठिई प०॥५०४॥ पंच विहा **पडिहा** प० त० गइपडिहा ठिइपडिहा बंधणपडिहा भोगपडिहा बलवीरिय-पुरिसक्कारपरक्कमपडिहा ॥ ५०५ ॥ पंचविहे **आजीवे** प० तं० जाइआजीवे कुलाजीवे कम्माजीवे सिप्पाजीवे लिंगाजीवे ॥ ५०६ ॥ पंच **रायककुहा** प० तं० *खग्गं छत्तं उप्फेसं उवाहणाओ वालवीयणी ॥ ५०७ ॥* पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे णं उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तितिक्खेज्जा अहियासेज्जा त० उदिन्नकम्मे खलु अयं पुरिसे उम्मत्तगभूए तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा अवह-सइ वा णिच्छोडेइ वा णिब्भच्छेइ वा बंधइ वा रुंधइ वा छविच्छेयं करेइ वा पमारं वा णेइ उद्दवेइ वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुच्छणमच्छिंदइ वा विच्छिंदइ वा भिंदइ वा अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिन्ने भवइ तेण मे एस

नो कप्पइ निग्गथाणं वा, निग्गथीण वा इमाओ उद्दिट्ठाओ गणियाओ वियंजियाओ पंच महण्णवाओ महाणईओ अतो मासस्स दुक्खुत्तो वा, तिक्खुत्तो वा, उत्तरित्तए वा संतरित्तए वा त० गंगा जउणा सरऊ एरावई मही, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ त० भयंसि वा, दुब्भिक्खंसि वा, पव्वहेज्ज व ण कोई उदयोघंसि वा एज्जमाणंसि, महता वा अणारिएहिं, णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गथीण वा पढमपाउसंसि गामाणुगाम दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ त० भयंसि वा दुब्भिक्खंसि वा जाव महता वा अणारिएहिं, वासावास पज्जोसवियाणं णो कप्पइ णिग्गंथाण वा निग्गथीण वा गामाणुगाम दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ त० णाणट्ठयाए दसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए आयरियउवज्झाया वा से वीसुंभेज्जा आयरियउवज्झायाण वा वहिया वेयावच्चं करणयाए ॥ ५१३ ॥ पंच **अणुग्घाइमा** प० त० हत्थकम्म करेमाणे मेहुण पडिसेवेमाणे राइभोयण भुजमाणे सागारियपिंड भुजमाणे रायपिंड भुजमाणे, पंचहिं ठाणेहि समणे निग्गथे रायतेउरमणुपविसमाणे नाइक्कमइ त० णगरं सिया सव्वओ समता गुत्ते गुत्तदुवारे वहवे समणा निग्गथा णो सचाएन्ति भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा तेसिं विण्णवणट्ठयाए रायतेउरमणुपविसेज्जा पाडिहारिय वा पीढफलगसेज्जासंथारग पच्चप्पिणमाणे रायतेउरमणुपविसेज्जा हयस्स वा गयस्स वा दुट्ठस्स आगच्छमाणस्स भीए रायतेउरमणुपविसेज्जा परो वा ण सहसा वा वलसा वा वाहाए गहाय रायतेउरमणुपविसेज्जा वहिया व ण आरामगय वा उज्जाणगय वा रायतेउरजणो सव्वओ समता संपरिक्खिवित्ता ण निविसेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं समणे निग्गथे जाव णाइक्कमइ ॥ ५१४ ॥ पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं असंवसमाणी वि** गब्भ धरेज्जा त० इत्थी दुव्वियडा दुन्निसन्ना सुक्कपोग्गले अहिट्ठेज्जा, सुक्कपोग्गलसंसिट्ठे वा से वत्थे अतो जोणीए अणुपविसेज्जा सयं वा सा सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा परो वा से सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा सीओदगवियडेण वा से आयममाणीए सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव धरेज्जा, पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भ नो धरेज्जा** त० अप्पत्तजोव्वणा अइक्कतजोव्वणा जाइवझा गेलन्नपुट्ठा दोमणंसिया इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भ नो धरेज्जा, पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा** त० निच्चोउआ अणोउआ वावन्नसोया वाविद्धसोया अणंगपडिसेविणी इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भ नो धरेज्जा, पंचहिं ठाणेहिं **इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं नो धरेज्जा** त० उउंसि णो णिगाम

कज्जइ, तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे पंचिंदिया णं जीवा असमारंभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ, तं० सोइंदियसंजमे जाव फासिंदियसंजमे, पंचिंदिया णं जीवा समारंभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ, तं० सोइंदियअसंजमे जाव फासिंदियअसंजमे, सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं असमारंभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ, तं० एगिंदियसंजमे जाव पंचिंदियसंजमे, सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं समारंभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ, तं० एगिंदियअसंजमे जाव पंचिंदियअसंजमे ॥ ५२४ ॥ पंचविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा ॥ ५२५ ॥ पंचविहे आयारे प० तं० णाणायारे दंसणायारे चरित्तायारे तवायारे वीरियायारे। पंचविहे आयारपकप्पे प० तं० मासिए उग्घाइए मासिए अणुग्घाइए चउमासिए उग्घाइए चउमासिए अणुग्घाइए आरोवणा, आरोवणा पंचविहा प० तं० पट्ठविया ठविया कसिणा अकसिणा हाडहडा ॥ ५२६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमे णं सीयाए महाणईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० मालवंते चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले जंबूमंदरस्स पुरच्छिमे सीयाए महाणईए दाहिणेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे सोमणसे जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए दाहिणेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० विज्जुप्पभे अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे, जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए गंधमायणे जंबूमंदरस्स दाहिणेणं देवकुराए कुराए पंचमहद्दहा प० तं० णिसहद्दहे देवकुरुद्दहे सूरद्दहे सुलसद्दहे विज्जुप्पभद्दहे, जंबूमंदरस्स उत्तरेणं उत्तरकुराए कुराए पंचमहद्दहा प० तं० णीलवंतद्दहे उत्तरकुरुद्दहे चंदद्दहे एरावणद्दहे मालवंतद्दहे, सव्वेवि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरं वा पव्वयंतेणं पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंचगाउयसयाइं उव्वेहेणं धायइसंडे दीवे पुरच्छिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० मालवंते एवं जहा जंबुद्दीवे तहा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे वक्खारा दहा य वक्खारपव्वयाणं उच्चत्तं भाणियव्वं समयक्खेत्ते णं पंच भरहाइं पंच एरवयाइं एवं जहा चउट्ठाणे बिइए उद्देसे तहा एत्थवि भाणियव्वं जाव पंच मंदरा पंच मंदरचूलियाओ णवरं उसुयारा णत्थि ॥ ५२७ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था बाहुबली णं अणगारे एवं चेव। बंभी णं अज्जा एवं चेव एवं सुंदरीवि। पंचहिं ठाणेहिं सुत्ते वि-

णत्थि ॥ ५१७ ॥ **पंच विहा परिण्णा** प० तं० उवहिपरिण्णा उवस्सयपरिण्णा कसायपरिण्णा जोगपरिण्णा भत्तपाणपरिण्णा ॥ ५१८ ॥ पंच विहे **ववहारे** प० तं० आगमे सुए आणा धारणा जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा णो से तत्थ सुए सिया एवं जाव जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, आगमेण जाव जीएणं जहा २ से तत्थ आगमे जाव जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा से किमाहु भंते ! आगमबलिया समणा णिग्गंथा ? इच्चेयं पंच विहं ववहारं जया जया जहिं जहिं तया तया तहिं तहिं अणिस्सिओवस्सियं सम्मं ववहरमाणे समणे णिग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ ५१९ ॥ **संजयमणुस्साणं सुत्ताणं पंच जागरा** प० तं० सद्दा जाव फासा संजयमणुस्साणं जागराणं पंच सुत्ता प० तं० सद्दा जाव फासा असंजयमणुस्साणं सुत्ताणं वा जागराणं वा पंच जागरा प० तं० सद्दा जाव फासा ॥ ५२० ॥ पंचहिं ठाणेहिं जीवा रयं आइज्जंति तं० पाणाइवाएणं जाव परिग्गहेणं । पंचहिं ठाणेहिं जीवा रयं वमंति तं० पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं । पंचमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पंति पंच दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पंच पाणगस्स ॥ ५२१ ॥ पंच विहे **उवघाए** प० तं० उग्गमोवघाए उप्पायणोवघाए एसणोवघाए परिकम्मोवघाए परिहरणोवघाए **पंचविहा विसोही** प० तं० उग्गमविसोही उप्पायणविसोही एसणाविसोही परिकम्मविसोही परिहरणविसोही, **पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुल्लभबोहियत्ताए कम्मं पगरेंति** तं० अरिहंताणमवण्णं वदमाणे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वदमाणे आयरियउवज्झायाणमवण्णं वदमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्णं वदमाणे विविक्कतवबंभचेराणं देवाणं अवण्णं वदमाणे, पंचहिं ठाणेहिं जीवा **सुलभबोहियत्ताए** कम्मं पगरेंति, अरिहंताणं वण्णं वदमाणे, जाव विविक्कतवबंभचेराणं देवाणं वण्णं वदमाणे ॥ ५२२ ॥ पंच **पडिसंलीणा** प० तं० सोइंदियपडिसंलीणे जाव फासिंदियपडिसंलीणे, **पंच अपडिसंलीणा** प० तं० सोइंदियअपडिसंलीणे जाव फासिंदियअपडिसंलीणे, **पंच विहे संवरे** प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे **पंचविहे असंवरे** प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव फासिंदियअसंवरे ॥ ५२३ ॥ **पंच विहे संजमे** प० तं० सामाइयसंजमे छेदोवट्ठावणियसंजमे परिहारविसुद्धियसंजमे सुहुमसंपरायसंजमे अहक्खायचरित्तसंजमे, एगिंदिया णं जीवा असमारंभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० पुढविक्काइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे, एगिंदिया णं जीवा समारंभमाणस्स पंचविहे असंजमे

वुज्झेज्जा तं० सद्देण फासेण भोयणपरिणामेण णिद्दक्खएणं सुविणदंसणेणं, पंचहिं ठाणेहिं **समणे णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ** तं० णिग्गंथिं च णं अन्नयरे पसुजाइए वा पक्खीजाइए वा ओहाएज्जा तत्थ णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं दुग्गंसि वा विसमंसि वा पक्खलमाणिं वा पवडमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं सेयंसि वा पंकंसि वा पणगंसि वा उदगंसि वा उक्कस्समाणिं वा उवुज्झमाणिं वा गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं णावं आरुहमाणे वा ओरुहमाणे वा णाइक्कमइ खित्तइत्तं दित्तइत्तं जक्खाइट्ठं उम्मायपत्तं उवसग्गपत्तं साहिगरणं सपायच्छित्तं जाव भत्तपाणपडियाइक्खित्तयं अट्ठजायं वा निग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ ॥ ५२८ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि **पंच अतिसेसा** प० तं० आयरियउवज्झाए अंतोउवस्सयस्स पाए निगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स उच्चारपासवणं विगिंचमाणे वा विसोहेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए पभू इच्छा वेयावडियं करेज्जा इच्छा णो करेज्जा आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा एगागी वसमाणे णाइक्कमइ। आयरियउवज्झाए बाहिं उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा वसमाणे णाइक्कमइ। पंचहिं ठाणेहिं आयरियउवज्झायस्स गणावक्कमणे प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा नो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि अहारायणियाए किइकम्मं वेणइयं नो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारिंति ते काले णो सम्ममणुपवादेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि सगणियाए वा परगणियाए वा निग्गंथीए बहिल्लेसे भवइ, मित्ते णाइगणे वा से गणाओ अवक्कमेज्जा तेसिं संगहोवग्गहट्ठयाए गणावक्कमणे पण्णत्ते। **पंचविहा इड्ढिमंता मणुस्सा** प० तं० अरहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा भावियप्पाणो अणगारा ॥ ५२९ ॥ **पंचमट्ठाणस्स बिइओ उद्देसो समत्तो ॥**

पंच अत्थिकाया प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए धम्मत्थिकाए अवन्ने अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे से समासओ पंचविहे प० तं० दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगं दव्वं खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते कालओ ण कयाइ णासी न कयाइ न भवइ न कयाइ न भवि[illegible] भुविं भवइ य भविस्सइ य धुवे णितिए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए [illegible] अवन्ने

अवन्ने अरसे अफासे गुणओ गमणगुणे य (१) अधम्मत्थिकाए अवन्ने एवं चेव नवरं गुणओ ठाणगुणे (२) आगासत्थिकाए अवन्ने एवं चेव नवरं खेत्तओ लोगालोगप्पमाणमित्ते गुणओ अवगाहणगुणे सेसं तं चेव (३) जीवत्थिकाए णं अवन्ने एवं चेव नवरं दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, अरूवी जीवे सासए, गुणओ उवओगगुणे सेसं तं चेव (४) पोग्गलत्थिकाए पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए जाव दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोगप्पमाणमेत्ते कालओ न कयाइ नासी जाव निच्चे भावओ वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते गुणओ गहणगुणे ॥ ५१० ॥ पंच गईओ प० तं० निरयगई तिरियगई मणुयगई देवगई सिद्धिगई । पंच इंदियत्था प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे पंच मुंडा प० तं० —सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे अहवा पंच मुंडा प० तं० कोहमुंडे माणमुंडे मायामुंडे लोभमुंडे सिरमुंडे ॥ ५११ ॥ अहे लोगे णं पंच बायरा प० तं० पुढविकाइया आउ० वाउ० वणस्सइ० ओराला तसा पाणा ॥ उड्ढलोगे णं पंच बायरा एए चेव तिरियलोगे णं पंच बायरा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया । पंच विहा बायरतेउकाइया प० तं० इंगाले जाल मुम्मुरे अच्ची अलाए, बायरवाउकाइया पंचविहा प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए विदिसिवाए पंचविहा अचित्ता वाउकाइया प० तं० अक्कंते धंते पीलिए सरीराणुगए संमुच्छिमे ॥ ५१२ ॥ पंच नियंठा प० तं० पुलाए बउसे कुसीले नियंठे सिणाए । पुलाए पंचविहे प० तं० नाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए नामं पंचमे । बउसे पंचविहे प० तं० आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे नामं पंचमे । कुसीले पंचविहे प० तं० नाणकुसीले दंसणकुसीले चरित्तकुसीले लिंगकुसीले अहासुहुमकुसीले नामं पंचमे । नियंठे पंचविहे प० तं० पढमसमयनियंठे अपढमसमयनियंठे चरिमसमयनियंठे अचरिमसमयनियंठे अहासुहुमनियंठे नामं पंचमे । सिणाए पंच विहे प० तं० अच्छवी असबले अकम्मंसे संसुद्धनाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अपरिस्सावी ॥ ५१३ ॥ कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा पंच वत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए भंगिए साणए पोत्तिए तिरीडपट्टए नामं पंचमए। कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा पंच रयहरणाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा तंजहा—उण्णिए उट्टिए साणए पच्चापिच्चिए मुंजापिच्चिए नामं पंचमे ॥ ५१४ ॥ धम्मं चरमाणस्स पंच निस्सा ठाणा प० तं० छक्काए गणे राया गिहवई सरीरं । पंच णिही प० तं०

वुज्झेज्जा त० सद्देण फासेणं भोयणपरिणामेण णिद्दक्खएणं सुविणदंसणेण, पंचहिं ठाणेहिं **समणे णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ** त० णिग्गथिं च ण अन्नयरे पसुजाइए वा पक्खीजाइए वा ओहाएज्जा तत्थ णिग्गथे णिग्गथिं गिण्हमाणे वा अवलवमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गथे णिग्गंथिं दुग्गसि वा विसमसि वा पक्खलमाणिं वा पवडमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलम्बमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गथे णिग्गथिं सेयसि वा पकसि वा पणगसि वा उदगसि वा उक्कस्समाणिं वा उवुज्झमाणिं वा गिण्हमाणे वा अवलवमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गथे णिग्गथिं णाव आरुहमाणे वा ओरुहमाणे वा णाइक्कमइ खित्तइत्त दित्तइत्त जक्खाइट्ठं उम्मायपत्त उवसग्गपत्त साहिगरण सपायच्छित्त जाव भत्तपाणपडियाइक्खिय अट्ठजाय वा निग्गथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलवमाणे वा णाइक्कमइ ॥ ५२८ ॥ आयरियउवज्झायस्स ण गणसि **पंच अतिसेसा** प० त० आयरियउवज्झाए अतोउवस्सयस्स पाए निगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए अतो उवस्सयस्स उच्चारपासवण विगिंचमाणे वा विसोहेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए पभू इच्छा वेयावडिय करेज्जा इच्छा णो करेज्जा आयरियउवज्झाए अतो उवस्सयस्स एगराइ वा दुराइ वा एगागी वसमाणे णाइक्कमइ। आयरियउवज्झाए वाहिं उवस्सयस्स एगराइ वा दुराइ वा वसमाणे णाइक्कमइ। पचहिं ठाणेहिं आयरियउवज्झायस्स गणावक्कमणे प० त० आयरियउवज्झाए गणसि आणं वा धारण वा नो सम्म पउजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणसि अहारायणियाए किइकम्म वेणइयं नो सम्म पउजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणसि जे सुयपज्जवजाए धारिंति ते काले णो सम्ममणुपवादेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणसि सगणियाए वा परगणियाए वा निग्गथीए वहिल्लेसे भवइ, मित्ते णाइगणे वा से गणाओ अवक्कमेज्जा तेसिं सगहोवग्गहट्ठयाए गणावक्कमणे पण्णत्ते। **पंच विहा इड्ढिमंता मणुस्सा** प० त० अरहता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा भावियप्पाणो अणगारा ॥ ५२९ ॥ **पंचमट्ठाणस्स विइओ उद्देसो समत्तो** ॥

पच अत्थिकाया प० त० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए धम्मत्थिकाए अवन्ने अगधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे से समासओ पचविहे प० त० दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ दव्वओ ण धम्मत्थिकाए एग दव्व खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते कालओ ण कयाइ णासी न कयाइ न भवइ न कयाइ न भविस्सइत्ति भुविं भवइ य भविस्सइ य धुवे णितिए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे [illegible] भावओ अवन्ने

जोएंति समगं उऊ परिणमंति; नच्चुण्हं नाइसीओ बहुउदओ होइ नक्खत्ते (१) ससिसगलपुण्णमासी जोएइ विसमचारिनक्खत्ते कडुओ बहुउदओ वा तमाहु संवच्छरं चंदं (२) विसमं पवालिणो परिणमंति, अणुऊसु देंति पुप्फफलं, वासं न सम्म वासइ तमाहु संवच्छरं कम्मं (३) पुढविदगाणं तु रसं पुप्फफलाणं तु देइ आइच्चो; अप्पेण वि वासेणं सम्मं निप्फज्जए सस्सं (४) आइच्चतेयतविया खणलवदिवसा उऊ परिणमंति; पूरिंति रेणुथलयाइं, तमाहु अभिवड्ढियं जाण ५ (५१९) पंचविहे जीवस्स निज्जाणमग्गे प० तं० पाएहिं ऊरूहिं उरेणं सिरेणं सव्वंगेहिं पाएहिं निज्जायमाणे निरयगामी भवइ ऊरूहिं निज्जायमाणे तिरियगामी भवइ उरेणं निज्जायमाणे मणुयगामी भवइ सिरेणं निज्जायमाणे देवगामी भवइ सव्वंगेहिं निज्जायमाणे सिद्धिगइपज्जवसाणे पण्णत्ते पंचविहे छेयणे प० तं० उप्पायछेयणे वियच्छेयणे बंधच्छेयणे पएसच्छेयणे दोधारच्छेयणे पंचविहे आणंतरिए प० तं० उप्पायाणंतरिए वियाणंतरिए पएसाणंतरिए समयाणंतरिए सामन्नाणंतरिए। पंचविहे अणंते प० तं० नामाणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए, अहवा पंचविहे अणंतए प० तं० एगओऽणंतए दुहओऽणंतए देसवित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ५४ ॥ पंचविहे णाणे प० तं० आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे पंचविहे णाणावरणिज्जे कम्मे प० तं० आभिणिबोहियणाणावरणिज्जे जाव केवलणाणावरणिज्जे, पंचविहे सज्झाए प० तं० वायणा पुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा पंचविहे पच्चक्खाणे प० तं० सद्दहणसुद्धे विणयसुद्धे अणुभासणासुद्धे अणुपालणासुद्धे भावसुद्धे पंचविहे पडिक्कमणे प० तं० आसवदारपडिक्कमणे मिच्छत्तपडिक्कमणे कसायपडिक्कमणे जोगपडिक्कमणे भावपडिक्कमणे पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं वाएज्जा तं० संगहट्ठयाए उवग्गहट्ठयाए निज्जरट्ठयाए सुत्ते वा मे पज्जवयाए भविस्सइ सुत्तस्स वा अवोच्छित्तिनयट्ठयाए पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खिज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए वुग्गहविमोयणट्ठयाए अहत्थे वा भावे जाणिस्सामीति कट्टु, सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचवण्णा प० तं० किण्हा जाव सुक्किला (१) सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० (२) बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं पंचरयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० (३) नेरइया णं पंचवण्णे पंचरसे पोग्गले बंधेसु वा बंधंति वा बंधिस्संति वा तं० किण्हे जाव सुक्किले, तित्ते जाव मधुरे, एवं जाव वेमाणिया [illegible]१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं गंगामहाणई पंचमहाणईओ

पुत्तणिही मित्तणिही सिप्पणिही धणणिही धन्नणिही **पंचविहे सोए** प० त० पुढविसोए आउसोए तेउसोए मंतसोए बंभसोए, **पंचठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ** त० धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव परमाणुपोग्गलं । **अहे** लोगे णं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया प० त० काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे, उड्ढलोगे णं पंच अणुत्तरा महइमहालया **महाविमाणा** प० त० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे ॥ ५२५ ॥ **पंच पुरिसजाया** प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते उदयणसत्ते **पंच मच्छा** प० त० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी सव्वचारी, एवामेव पंच भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी जाव सव्वसोयचारी **पंच वणीमगा** प० त० अतिहिवणीमए किवणवणीमए माहणवणीमए साणवणीमए समणवणीमए । **पंचहिं ठाणेहिं अचेलए पसत्थे भवइ** त० अप्पा पडिलेहा लाघविए पसत्थे रूवेवेसासिए तवे अणुण्णाए विउले इंदियनिग्गहे **पंच उक्कला** प० तं० दंडुक्कले रज्जुक्कले तेणुक्कले देसुक्कले सव्वुक्कले **पंच समिईओ** प० त० इरियासमिई भासा जाव पारिठावणियासमिई ॥ ५२६ ॥ **पंचविहा संसारसमावन्नगा** जीवा प० त० एगिंदिया जाव पंचिंदिया, एगिंदिया पंचगइया पंचागइया प० त० एगिंदिए एगिंदिएसु उववज्जमाणे एगिंदिएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से एगिंदिए एगिंदियत्तं विप्पजहमाणे एगिंदियत्ताए वा जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा, बेइंदिया पंचगइया पंचागइया एवं चेव, एवं जाव पंचिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० पंचिंदिया जाव गच्छेज्जा ॥ ५२७ ॥ **पंचविहा सव्वजीवा** प० त० कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाई, अहवा पंचविहा सव्वजीवा प० त० नेरइया जाव देवा सिद्धा, अह भंते ! कलमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसईणपलिमंथगाणं एएसि णं धन्नाणं कुट्ठाउत्ताणं जहा सालीणं जाव केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पंच संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव तेण परं जोणीवोच्छेदे पण्णत्ते ॥ ५२८ ॥ **पंच संवच्छरा** प० त० णक्खत्तसंवच्छरे जुगसंवच्छरे पमाणसंवच्छरे लक्खणसंवच्छरे सणिंचरसंवच्छरे, **जुगसंवच्छरे पंचविहे** प० त० चंदे चंदे अभिवड्ढिए चंदे अभिवड्ढिए चेव, **पमाणसंवच्छरे पंचविहे** प० त० णक्खत्ते चंदे उऊ आइच्चे अभिवड्ढिए **लक्खणसंवच्छरे पंचविहे** प० त० समगं नक्खत्ता जोगं

परमाणुपोग्गलं वा छिंदित्तए वा भिंदित्तए वा अगणिकाएणं वा समोदहित्तए, बहिया वा लोगंता गमणयाए ॥ ५४७ ॥ छज्जीवनिकाया पं० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५४८ ॥ छ तारग्गहा पं० तं० सुक्के बुहे, बहस्सती, अंगारए, सणिच्छरे, केऊ ॥ ५४९ ॥ छव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा पं० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५५० ॥ पुढविकाइया छगइया छआगइया पं० तं० पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव तसकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से पुढविकाइए पुढविकायत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा जाव तसकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, आउकाइयावि छगइया छआगइया एवं चेव जाव तसकाइया ॥ ५५१ ॥ छव्विहा सव्वजीवा पं० तं० आभिणिबोहियनाणी जाव केवलनाणी अन्नाणी ॥ ५५२ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा पं० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया ॥ ५५३ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा पं० तं० ओरालियसरीरी वेउव्वियसरीरी आहारगसरीरी तेयगसरीरी कम्मगसरीरी असरीरी ॥ ५५४ ॥ छव्विहा तणवणस्सइकाइया पं० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा संमुच्छिमा ॥ ५५५ ॥ छट्ठाणाइं सव्वजीवाणं णो सुलभाइं भवंति तं० माणुस्सए भवे आरिए खेत्ते जम्मं सुकुले पच्चायाती केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स सवणया सुयस्स वा सद्दहणया सद्दहियस्स वा पत्तियस्स वा रोइयस्स वा सम्मं काएणं फासणया ॥ ५५६ ॥ छ इंदियत्था पं० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे णोइंदियत्थे ॥ ५५७ ॥ छव्विहे संवरे पं० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे णोइंदियसंवरे ॥ ५५८ ॥ छव्विहे असंवरे पं० तं० सोइंदियअसंवरे जाव फासिंदियअसंवरे, णोइंदियअसंवरे ॥ ५५९ ॥ छव्विहे साए पं० तं० सोइंदियसाए जाव णोइंदियसाए ॥ ५६० ॥ छव्विहे असाए पं० तं० सोइंदियअसाए, जाव णोइंदियअसाए ॥ ५६१ ॥ छव्विहे पायच्छित्ते पं० तं० आलोयणारिहे, पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे, विवेगारिहे, विउस्सग्गारिहे, तवारिहे ॥ ५६२ ॥ छव्विहा मणुस्सा पं० तं० जंबूदीवगा धायइसंडदीवपुरच्छिमद्धगा धायइसंडदीवपच्चत्थिमद्धगा पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धगा पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धगा अंतरदीवगा अहवा छव्विहा मणुस्सा पं० तं० संमुच्छिममणुस्सा कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा गब्भवक्कंतियमणुस्सा कम्मभूमिगा अकम्मभूमिगा अंतरदीवगा ॥ ५६३ ॥ छव्विहा इड्ढिमंता मणुस्सा पं० तं० अरहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा चारणा विज्जाहरा ॥ ५६४ ॥ छव्विहा अणिड्ढिमंता मणुस्सा पं० तं० हेमवंतगा हेरन्नवंतगा हरिवंसगा रम्मगवंसगा कुरु-

समप्पेंति तं० जउणा सरऊ आदी कोसी मही (१) जंबूमंदरस्स दाहिणेणं सिंधुं महानइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० सतद्दू विभासा वितत्था एरावती चंदभागा (२) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तं महानइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० किण्हा महाकिण्हा नीला महानीला महातीरा (३) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तावइं महाणइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० इंदा इंदसेणा सुसेणा वारिसेणा महाभोगा (४) ॥ ५४२ ॥ **पंच तित्थयरा कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडा जाव पव्वइया** तं० वासुपुज्जे मल्ली अरिट्ठनेमी पासे वीरे। चमरचंचाए णं रायहाणीए **पंच सभा** प० तं० सुहम्मासभा उववायसभा अभिसेयसभा अलंकारियसभा ववसायसभा, एगमेगे णं इंदट्ठाणे णं पंच सभाओ प० तं० सुहम्मासभा जाव ववसायसभा। पंच णक्खत्ता पंच तारा प० तं० धणिट्ठा रोहिणी पुणव्वसू हत्थो विसाहा, जीवा णं पंचट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० एगिंदियनिव्वत्तिए जाव पंचिंदियनिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण बंध उदीर वेद तह णिज्जरा चेव, पंचपएसिया खंधा अणंता प० पंचपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० जाव पंच गुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ५४३ ॥ **पंचमट्ठाणस्स तइओ उद्देसो समत्तो, पंचमट्ठाणं समत्तं ॥**

छट्ठट्ठाणं

छहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ गणं धारित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए, सच्चे पुरिसजाए, मेहावी पुरिसजाए, बहुस्सुए पुरिसजाए, सत्तिमं, अप्पाहिगरणे, छहिं ठाणेहिं निग्गंथे निग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ, तं० खित्तचित्तं, दित्तचित्तं, जक्खाइट्ठं, उम्मायपत्तं, उवसग्गपत्तं, साहिगरणं ॥ ५४४ ॥ छहिं ठाणेहिं निग्गंथा निग्गंथीओ य साहम्मियं कालगयं समायरमाणा णाइक्कमन्ति तं० अंतोहिंतो वा बाहिं णीणेमाणा, बाहिंहिंतो वा निब्बाहिं णीणेमाणा, उवेहमाणा वा, उवासमाणा वा, अणुन्नवेमाणा वा, तुसिणीए वा संपव्वयमाणा ॥ ५४५ ॥ छ ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायमधम्मत्थिकायमागासं जीवमसरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं सद्दं, एयाणि चेव उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे जाव सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव सद्दं ॥५४६॥ छहिं ठाणेहिं सव्वजीवाणं णत्थि इड्ढीति वा जुतीति वा जसेइ वा बलेइ वा वीरिएइ वा पुरिसक्कार जाव परक्कमेति वा तं० जीवं वा अजीवं करणयाए, अजीवं वा जीवं करणयाए, एगसमएणं वा दो भासाओ भासित्तए, सयं कडं वा कम्मं वेएमि वा मा वा वेएमि,

वासिणो अतरदीवगा ॥ ५६५ ॥ छव्विहा ओसप्पिणी प० तं० सुसमसुसमा जाव दुसमदुसमा, छव्विहा उस्सप्पिणी प० त० दुसमदुसमा जाव सुसमसुसमा ॥५६६॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीताए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया छच्च धणुसहस्साइं उड्ढमुच्चत्तेणं हुत्था, छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालयित्था ॥५६७॥ जंवुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव ॥५६८॥ जंवू० भरहेरवए आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एव चेव, जाव छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउ पालइस्सति ॥ ५६९ ॥ जंवुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया छधणुस्सहस्साइ उड्ढ उच्चत्तेणं प० छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउ पालेंति ॥ ५७० ॥ एव धायइसडदीवपुरच्छिमद्धे चत्तारि आलावगा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चच्छिमद्धे चत्तारि आलावगा ॥ ५७१ ॥ छव्विहे सघयणे प०त० वइरोसभणारायसघयणे, उसभणारायसघयणे, नारायसघयणे, अद्धनारायसंघयणे, कीलियासघयणे, छेवट्ठसघयणे ॥ ५७२ ॥ छव्विहे सठाणे प०त० समचउरंसे, णग्गोहपरिमडले, साई, खुज्जे, वामणे, हुडे ॥ ५७३ ॥ छट्ठाणा अणत्तवओ अहियाए असुभाए जाव अणाणुगामियत्ताए भवंति, तं० परियाए परियाले सुए तवे लाभे पूयासक्कारे ॥ ५७४ ॥ छट्ठाणा अत्तवतो हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवति तं० परियाए परियाले जाव पूयासक्कारे ॥ ५७५ ॥ छव्विहा जाइआरिया मणुस्सा प० त० अवट्ठा य कलंदा य वेदेहा वेदिगाइया, हरिता चुंचुणा चेव छप्पेया इब्भजाइओ ॥ ५७६ ॥ छव्विहा कुलारिया मणुस्सा प० त० उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा णाया कोरवा ॥५७७॥ छव्विहा लोगट्ठिई प० त० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहिपइट्ठिया पुढवी पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा अजीवा जीवपइट्ठिया जीवा कम्मपइट्ठिया ॥ ५७८ ॥ छद्दिसाओ प० त० पाईणा पडीणा दाहिणा उईणा उड्ढा अहा ॥ ५७९ ॥ छहिं दिसाहिं जीवाण गई पवत्तइ त० पाईणाए जाव अहाए एवमागई वक्कंती आहारे वुड्ढी निवुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसजोगे दसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभिगमे अजीवाभिगमे एव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणवि मणुस्साणवि ॥ ५८० ॥ छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गथे आहारमाहारेमाणे णाइक्कमइ त० वेयणवेयावच्चे इरियट्ठाए य सजमट्ठाए, तह पाणवत्तियाए छट्ठ पुण धम्मचिंताए, छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गथे आहारं वोच्छिंदमाणे णाइक्कमइ तं० आतंके उवसग्गे तितिक्खणे बभचेरगुत्तीए पाणिदया तवहेउं सरीरवुच्छेयणट्ठाए ॥ ५८१ ॥ छहिं ठाणेहिं आया उम्माय पाउणेज्जा त० अरहताणमवण्ण वदमाणे, अरहंतपण्णत्तस्स

जंबुद्दीवे दीवे छ महद्दहा पं० तं० पउमद्दहे महापउमद्दहे तिगिंछिद्दहे केसरिद्दहे महापोंडरीयद्दहे पुंडरीयद्दहे ॥ ५१८ ॥ तत्थ णं छ देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिइयाओ परिवसंति तं० सिरी हिरी धिती कित्ती बुद्धी लच्छी ॥ ५१९ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं छ महानईओ पं० तं० गंगा सिंधू रोहिया रोहियंसा हरी हरिकंता ॥ ५२ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरे णं छ महानईओ पं० तं० नरकंता नारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ५२१ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमे णं सीयाए महानईए उभयकूले छ अंतरनईओ पं० तं० गाहावई दहवई पंकवई तत्तजला मत्तजला उम्मत्तजला ॥ ५२२ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमे णं सीओयाए महानईए उभयकूले छ अंतरनईओ पं० तं० खीरोदा सीहसोया अंतोवाहिणी उम्मिमालिणी फेणमालिणी गंभीरमालिणी ॥ ५२३ ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धेणं छ अकम्मभूमीओ पं० तं० हेमवए एवं जहा जंबुद्दीवे २ तहा नई जाव अंतरनईओ जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे भाणियव्वं ॥ ५२४ ॥ छ उऊ पं० तं० पाउसे वरिसारत्ते सरए हेमंते वसंते गिम्हे ॥ ५२५ ॥ छ ओमरत्ता पं० तं० तइए पव्वे सत्तमे पव्वे एक्कारसमे पव्वे पन्नरसमे पव्वे एगूणवीसइमे पव्वे तेवीसइमे पव्वे ॥ ५२६ ॥ छ अइरत्ता पं० तं० चउत्थे पव्वे अट्ठमे पव्वे दुवालसमे पव्वे सोलसमे पव्वे वीसइमे पव्वे चउवीसइमे पव्वे ॥ ५२७ ॥ आभिणिबोहियनाणस्स णं छव्विहे अत्थोग्गहे पं० तं० सोइंदियत्थोग्गहे जाव नोइंदियत्थोग्गहे ॥ ५२ ॥ छव्विहे ओहिनाणे पं० तं० आणुगामिए अणाणुगामिए वड्ढमाणए हीयमाणए पडिवाई अपडिवाई ॥ ५२९ ॥ नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा इमाइं छ अवयणाइं वइत्तए तं० अलियवयणे हीलियवयणे खिंसियवयणे फरुसवयणे गारत्थियवयणे विओसवियं वा पुणो उदीरित्तए ॥ ५३ ॥ छ कप्पस्स पत्थारा पं० तं० पाणाइवायस्स वायं वयमाणे मुसावायस्स वायं वयमाणे अदिन्नादाणस्स वायं वयमाणे अविरइवायं वयमाणे अपुरिसवायं वयमाणे दासवायं वयमाणे इच्चेए छ कप्पस्स पत्थारे पत्थरेत्ता सम्मम-पडिपूरेमाणे तट्ठाणपत्ते ॥ ५३१ ॥ छ कप्पस्स पलिमंथू पं० तं० कोकुइए संजमस्स पलिमंथू मोहरिए सच्चवयणस्स पलिमंथू चक्खुलोलुए इरियावहियाए पलिमंथू तितिणिए एसणागोयरस्स पलिमंथू इच्छालोभिए मुत्तिमग्गस्स पलिमंथू भिज्जानि-याणकरणे मोक्खमग्गस्स पलिमंथू सव्वत्थ भगवया अनियाणता पसत्था ॥ ५३२ ॥ छव्विहा कप्पट्ठिई पं० तं० सामाइयकप्पट्ठिई छेओवट्ठावणियकप्पट्ठिई निव्विसमाण-कप्पट्ठिई निव्विट्ठकप्पट्ठिई जिणकप्पट्ठिई थेरकप्पट्ठिई ॥ ५३३ ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं मुंडे जाव पव्वइए ॥ ५३४ ॥ समणस्स णं

छव्विहा खुद्दा पाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया समुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया तेउकाइया वाउकाइया ॥ ५९८ ॥ छव्विहा गोयरचरिया प० तं० पेडा अद्धपेडा गोमुत्तिया पतंगवीहिया संबुक्कवट्टा गंतुपच्चागया ॥ ५९९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंतमहानिरया प० तं० लोले लोलुए उद्दड्ढे निद्दड्ढे जरए पज्जरए ॥ ६०० ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंता महानिरया प० तं० आरे वारे मारे रोरे रोरुए खाडखडे ॥ ६०१ ॥ बंभलोए ण कप्पे छ विमाणपत्थडा प० तं० अरए विरए नीरए निम्मले वितिमिरे विसुद्धे ॥ ६०२ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता पुव्वभागा समखेत्ता तीसइमुहुत्ता प० तं० पुव्वाभद्दवया कत्तिया महा पुव्वाफग्गुणी मूलो पुव्वासाढा ॥ ६०३ ॥ चंदस्स ण जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता णत्तभागा अवड्ढखेत्ता पन्नरसमुहुत्ता प० तं० सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा ॥ ६०४ ॥ चंदस्स ण जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता उभयभागा दिवड्ढखेत्ता पणयालीसमुहुत्ता प० तं० रोहिणी पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा उत्तराभद्दवया ॥ ६०५ ॥ अभिचंदे ण कुलकरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥६०६॥ भरहे ण राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं महाराया हुत्था ॥६०७॥ पासस्स ण अरहओ पुरिसादाणियस्स छस्सया वाईण सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाण सपया होत्था ॥६०८॥ वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे जाव पव्वइए ॥६०९॥ चंदप्पभे ण अरहा छम्मासे छउमत्थे होत्था ॥६१०॥ तेइंदियाण जीवाणं असमारभमाणस्स छव्विहे संजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवति घाणामएण दुक्खेण असंजोगेत्ता भवइ जिब्भामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ एवं चेव फासामाओ वि ॥ ६११ ॥ तेइंदियाणं जीवाण समारभमाणस्स छव्विहे असंजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ घाणामएण दुक्खेण संजोगेत्ता भवइ जाव फासमएण दुक्खेण संजोगेत्ता भवइ ॥ ६१२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ६१३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे ॥ ६१४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसढे नीलवंते रुप्पी सिहरी ॥ ६१५ ॥ जंबूमंदरदाहिणे णं छ कूडा प० तं० चुल्लहिमवंतकूडे वेसमणकूडे महाहिमवंतकूडे वेरुलियकूडे निसढकूडे रुयगकूडे ॥ ६१६ ॥ जंबूमंदरउत्तरेण छक्कूडा प० तं० नीलवंतकूडे उवदंसणकूडे रुप्पिकूडे मणिकंचणकूडे सिहरिकूडे तिगिच्छकूडे ॥६१७॥

सत्तमट्ठाणं

सत्तविहे गणावक्कमणे प० तं० सव्वधम्मा रोएमि एगइया रोएमि एगइया नो रोएमि सव्वधम्मा वितिगिच्छामि एगइया वितिगिच्छामि एगइया नो वितिगिच्छामि सव्वधम्मा जुहुणामि एगइया जुहुणामि एगइया णो जुहुणामि इच्छामिणं भंते! एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए ॥ ५५८ ॥ सत्तविहे विभंगणाणे प० तं० एगदिसिंलोगाभिगमे पंचदिसिंलोगाभिगमे किरियावरणे जीवे मुदग्गे जीवे अमुदग्गे जीवे रूवी जीवे सव्वमिणं जीवा तत्थ खलु इमे पढमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं वा जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने एगदिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु पंचदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एव माहंसु पढमे विभंगणाणे, अहावरे दोच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने पंचदिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु एगदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु दोच्चे विभंगणाणे। अहावरे तच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ पाणे अइवाएमाणे मुसं वएमाणे अदिन्नमाइयमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे परिग्गहं परिगिण्हमाणे राइभोयणं भुंजमाणे वा पावं च णं कम्मं कीरमाणं णो पासइ तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने किरियावरणे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु नो किरियावरणे जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तच्चे विभंगणाणे। अहावरे चउत्थे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं फुसिय फुरेत्ता फुट्टित्ता विउव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणसमुप्पन्ने मुदग्गे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अमुदग्गे जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु चउत्थे विभंगणाणे, अहावरे पंचमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं

भगवओ महावीरस्स छट्ठेण भत्तेण अपाणएणं; अणते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ॥ ६३५ ॥ समणे भगव महावीरे छट्ठेण भत्तेणं अपाणएण सिद्धे जाव सव्वदुक्ख-प्पहीणे ॥ ६३६ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाई उड्ढ उच्च-त्तेण प० ॥ ६३७ ॥ सणकुमारमाहिंदेसु ण, कप्पेसु देवाण भवधारणिज्जगा सरीरगा उक्कोसेण छ रयणीओ उड्ढ उच्चत्तेण पण्णत्ता ॥ ६३८ ॥ छव्विहे भोयणपरिणामे प० त० मणुन्ने रसिए पीणणिज्जे विंहणिज्जे [मयणणिज्जे दीवणिज्जे] दप्पणिज्जे ॥ ६३९ ॥ छव्विहे विसपरिणामे प० त० डक्के भुत्ते-निवइए मसाणुसारी सोणि-याणुसारी अट्ठिमिंजाणुसारी ॥६४०॥ छव्विहे पट्ठे प० त० ससयपट्ठे वुग्गहपट्ठे अणु-जोगी अणुलोमे तहणाणे अतहणाणे ॥ ६४१ ॥ चमरचचा ण रायहाणी उक्कोसेण छम्मासा विरहिया उववाएण ॥ ६४२ ॥ एगमेगे ण इंदट्ठाणे उक्कोसेणं छम्मासा विरहिए उववाएणं ॥ ६४३ ॥ अहेसत्तमा ण पुढवी उक्कोसेण छम्मासा विरहिया उववाएण ॥ ६४४ ॥ सिद्धिगई ण उक्कोसेण छम्मासा विरहिया उववाएण ॥ ६४५ ॥ छव्विहे आउयबधे प० तं० जाइणामनिधत्ताउए गइणामणिधत्ताउए ठिइणामणिध-त्ताउए ओगाहणाणामणिधत्ताउए पएसणामणिधत्ताउए अणुभावणामणिधत्ताउए ॥ ६४६ ॥ णेरइयाण छव्विहे आउयबंधे प० त० जाइणामणिधत्ताउए जाव अणुभावणामणिधत्ताउए एव जाव वेमाणियाण ॥ ६४७ ॥ णेरइया णियमा छम्मा-सावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति, एवामेव असुरकुमाराचि जाव थणियकुमारा, असखेज्जवासाउया सन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिया णियम छम्मासावसेसाउया पर-भवियाउय पगरेंति, असखेज्जवासाउया सन्निमणुस्सा णियम जाव पगरेंति, वाण-मतरा जोइसवासिया वेमाणिया जहा णेरइया ॥ ६४८ ॥ छव्विहे भावे प० त० ओदइए उवसमिए खइए खयोवसमिए पारिणामिए संनिवाइए ॥ ६४९ ॥ छव्विहे पडिक्कमणे प० त० उच्चारपडिक्कमणे पासवणपडिक्कमणे इत्तरिए आवकहिए जंकिंचि-मिच्छा सोमणंतिए ॥ ६५० ॥ कत्तियाणक्खत्ते छतारे प० ॥ ६५१ ॥ असिलेसा-णक्खत्ते छत्तारे प० ॥ ६५२ ॥ जीवा णं छट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणति वा चिणिस्सति वा तं० पुढविकाइयनिव्वत्तिए जाव तसकायनि-व्वत्तिए एव चिण उवचिण बध उदीर वेय तह णिज्जरा चेव ॥६५३॥ छप्पएसिया णं खधा अणता प० ॥६५४॥ छप्पएसोगाढा पोग्गला अणता प० ॥६५५॥ छसमय-ठिईया पोग्गला अणता प० ॥ ६५६ ॥ छगुणकालगा पोग्गला जाव छगुणलुक्खा पोग्गला अणता पण्णत्ता ॥ ६५७ ॥ **छट्ठाणं छट्ठमज्झयणं समत्तं** ॥

भवइ ॥ ५६२ ॥ सत्त पिंडेसणाओ प० ॥ ५६३ ॥ सत्तपाणेसणाओ प० ॥ ५६४ ॥ सत्त उग्गहपडिमाओ प० ॥ ५६५ ॥ सत्त सत्तिक्कया प० ॥ ५६६ ॥ सत्त महज्झयणा प० ॥ ५६७ ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एगूणपन्नाए राइंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्तं (अहा अत्थं) जाव आराहिया यावि भवइ ॥ ५६८ ॥ अहे लोगे णं सत्त पुढवीओ प० सत्त घणोदहीओ प० सत्त घणवाया प० सत्त तणुवाया प० सत्त उवासंतरा प० एएसु णं सत्तसु उवासंतरेसु सत्त तणुवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु घणवाएसु सत्त घणोदही पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु घणोदहीसु पिंडलगपिहुलसंठाणसंठियाओ सत्त पुढवीओ प० तं० पढमा जाव सत्तमा एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त नामधेज्जा प० तं० घम्मा वंसा सेला अंजणा रिट्ठा मघा माघवई, एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त गोत्ता प० तं० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुयप्पभा पंकप्पभा धूमप्पभा तमा तमतमा ॥ ५६९ ॥ सत्तविहा बायरवाउकाइया प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए उड्ढवाए अहोवाए विदिसिवाए ॥ ५७० ॥ सत्त संठाणा प० तं० दीहे रहस्से वट्टे तंसे चउरंसे पिहुले परिमंडले ॥ ५७१ ॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए वेयणभए मरणभए असिलोगभए ॥ ५७२ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थं जाणेज्जा तं० पाणे अइवाएत्ता भवइ मुसं वइत्ता भवइ अदिन्नमादित्ता भवइ सद्दफरिसरसरूवगंधे आसाएत्ता भवइ पूयासक्कारमणुवूहेत्ता भवइ इमं सावज्जंति पन्नवेत्ता पडिसेवेत्ता भवइ नो जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ ५७३ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं केवली जाणेज्जा तं० नो पाणे अइवाएत्ता भवइ जाव जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ ५७४ ॥ सत्त मूलगोत्ता प० तं० कासवा गोयमा वच्छा कोच्छा कोसिया मंडवा वासिट्ठा। जे कासवा ते सत्तविहा प० तं० ते कासवा ते संडिल्ला ते गोला ते वाला ते मुंजइणो ते पव्वपेच्छइणो ते वरिसकण्हा जे गोयमा ते सत्त विहा प० तं० ते गोयमा ते गग्गा ते भारद्दा ते अंगिरसा ते सक्कराभा ते भक्खराभा ते उदत्ताभा जे वच्छा ते सत्त विहा प० तं० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तेया ते सामलिणो ते सेलयया ते अट्ठिसेणा ते वीयकण्हा, जे कोच्छा ते सत्तविहा प० तं० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा ते पिंगलायणा ते कोडीणा ते मंडलिणो ते हारिया ते सोमया जे कोसिया ते सत्त विहा प० तं० ते कोसिया ते कच्चायणा ते सालंकायणा ते गोलिकायणा ते पक्खिकायणा ते अग्गिच्चा ते लोहिच्चा जे मंडवा ते सत्तविहा प० तं० ते मंडवा ते आरिट्ठा ते संमुया ते तेला ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारायणा, जे वासिट्ठा ते

विभंगणाणेण समुप्पन्नेण देवामेव पासइ बाहिरब्भिंतरए पोग्गलए अपरियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्त जाव विउव्वित्ता ण चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि जाव समुप्पन्ने अमुदग्गे जीवे, सतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु मुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छ ते एवमाहंसु, **पंचमे विभंगणाणे** । अहावरे **छट्ठे विभंगणाणे**, जया ण तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जति, से ण तेणं विभंगणाणेणं समुप्पन्नेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता वा, अपरियाइत्ता वा पुढेगत्त णाणत्त फुसेत्ता जाव विकुव्वित्ता चिट्ठित्तए तस्स णमेव भवइ, अत्थि ण मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पन्ने रूवी जीवे सतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अरूवी जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छ ते एवमाहंसु **छट्ठे विभंगणाणे** । अहावरे **सत्तमे विभंगणाणे** जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभगणाणे समुप्पज्जइ, से ण तेण विभंगणाणेण समुप्पन्नेण पासइ सुहुमेण वाउकाएण फुड पोग्गलकाय एयत वेयत चलत खुब्भंत फंदत घट्टत उदीरेंत त त भाव परिणमत तस्स णमेव भवइ अत्थि ण मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, सव्वमिण जीवा सतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु जीवा चेव अजीवा चेव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तस्स णमिमे चत्तारि जीवनिकाया णो सम्ममुवगया भवति तजहा पुढविकाइया आऊ तेऊ वाउकाइया, इच्चेएहिं चउहिं जीवनिकाएहिं मिच्छादड पवत्तेइ, सत्तमे विभगणाणे ॥ ६५९ ॥ सत्तविहे जोणिसगहे प० त० अडया पोयया जराउया रसया ससेयया समुच्छिमा उब्भिया, अडगा सत्तगइया सत्तागइया प० त० अडगे अडगेसु उववज्जमाणे अडएहिंतो वा पोयएहिंतो वा जाव उब्भिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से अडए अडगत्तं विप्पजहमाणे अडयत्ताए वा पोययत्ताए वा जाव उब्भियत्ताए वा गच्छेज्जा, पोयया सत्तगइया सत्तागइया, एव चेव, सत्तण्हवि गइरागई भाणियव्वा जाव उब्भियत्ति ॥ ६६० ॥ आयरियउवज्झायस्स ण गणसि सत्तसगहठाणा प० त० आयरियउवज्झाए गणसि आण वा धारण वा सम्म पउजित्ता भवइ, एव जहा पंचट्ठाणे जाव आयरियउवज्झाए गणसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, नो अणापुच्छियचारी यावि भवइ आयरियउवज्झाए गणसि अणुप्पन्नाइं उवगरणाइं सम्म उप्पाइत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणसि पुव्वुप्पन्नाइं उवकरणाइ सम्म सारक्खेत्ता सगोवइत्ता भवइ नो असम्म सारक्खेत्ता सगोवित्ता भवइ ॥ ६६१ ॥ आयरियउवज्झायस्स ण गणंसि सत्त असगहठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए गणसि आणं वा धारण वा नो सम्म पउंजित्ता भवइ, एव जाव उवगरणाणं नो सम्म सारक्खेत्ता सगोवेत्ता

आरोहंता समुक्खेवा य मज्झगारंमि, अवसाणे उज्झंतो तिन्नि य गेयस्स आगारा (११) छद्दोसे अट्ठगुणे तिन्नि य वित्ताइं दो य भणिईओ जाणाहिति सो गाहिइ सुसिक्खिओ रंगमज्झम्मि (१२) भीयं दुयं रहस्सं गायंतो मा य गाहि उत्तालं काकस्सरमणुणासं च होंति गेयस्स छद्दोसा (१३) पुन्नं रत्तं च अलंकियं च वत्तं तहा अविघुट्ठं महुरं समं सुकुमारं अट्ठ गुणा होंति गेयस्स (१४) उरकंठसिरपसत्थं च गेज्जंते मउयरिभियपदबद्धं समतालपडुक्खेवं सत्तस्सरसीहरं गीयं (१५) निद्दोसं सारवंतं च हेउजुत्तमलंकियं उवणीयं सोवयारं च मियं महुरमेव य (१६) सममद्धसमं चेव सव्वत्थ विसमं च जं तिन्नि वित्तप्पयाराइं चउत्थं नोवलब्भइ (१७) सक्कया पागया चेव दुहा भणिईओ आहिया सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसिभासिया (१८) केसी गायइ महुरं केसी गायइ खरं च रुक्खं च केसी गायइ चउरं केसि विलंबं दुतं केसी (१९) विस्सरं पुण केरिसी ? सामा गायइ महुरं काली गायइ खरं च रुक्खं च गोरी गायइ चउरं काण विलंबं दुतं अंधा (२०) विस्सरं पुण पिंगला तंतिसमं तालसमं पादसमं लयसमं गहसमं च नीससिऊससियसमं संचारसमा सरा सत्त (२१) सत्त सरा य तओ गामा मुच्छणा एगवीसती ताणा एगूणपण्णासा समत्तं सरमंडलं (२२) सरमंडलं समत्तं ॥ ५७७ ॥

सत्तविहे कायकिलेसे प० तं० ठाणाइए उक्कुडुयासणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए नेसज्जिए दंडायए लगंडसाई ॥ ५७८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरन्नवए हरिवासे रम्मगवासे महाविदेहे ॥ ५७९ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसढे नीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे ॥ ५८० ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा रोहिया हिरी सीया नरकंता सुवण्णकूला रत्ता ॥ ५८१ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू रोहियंसा हरिकंता सीओदा नारिकंता रुप्पकूला रत्तवई ॥ ५८२ ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा प० तं० भरहे जाव महाविदेहे धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते जाव मंदरे धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ कालोयसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा जाव रत्ता धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू जाव रत्तवई, धायइसंडदीवे पच्चत्थिमद्धे णं सत्त वासा एवं चेव नवरं पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोयं सेसं तं चेव ॥ ५८३ ॥ पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा तहेव नवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समुद्दं

सत्तविहा प० तं० ते वासिट्ठा ते उजायणा ते जारेकण्हा ते वग्घावच्चा ते कोडिन्ना ते सण्णी ते पारासरा ॥ ६७५ ॥ सत्त मूलणया प० त० नेगमे संगहे ववहारे उज्जुसुए सद्दे समभिरूढे एवंभूते ॥ ६७६ ॥ सत्त सरा प० त० सज्जे रिसभे गंधारे मज्झिमे पंचमे सरे, धेवते चेव णिसादे सरा सत्त वियाहिया (१) एएसि णं सत्तण्हं सराणं सत्त सरट्ठाणा प० तं० सज्जं तु अग्गजिब्भाए उरेण रिसभं सरं, कण्ठुग्गएण गंधारं मज्झजिब्भाएँ मज्झिमं (२) णासाए पंचमं बूया दंतोट्ठेण य धेवयं, मुद्धाणेण य णेसायं सरठाणा वियाहिया (३) सत्त सरा जीवनिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मयूरो कुक्कुडो रिसहं सरं, हंसो णदइ गंधारं मज्झिमं तु गवेलगा (४) अह कुसुमसंभवे काले कोइला पंचमं सरं, छट्ठं च सारसा कोंचा णिसायं सत्तमं गया (५) सत्तसरा अजीवनिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मुइंगो गोमुही रिसभं सरं, संखो णदइ गंधारं मज्झिमं पुण झल्लरी (६) चउचलणपइट्ठाणा गोहिया पंचमं सरं, आडंबरो य रेवइयं महाभेरी य सत्तमं (७) एएसि णं सत्त सराणं सत्त सरलक्खणा प० तं० सज्जेण लभइ वित्तिं कयं च ण विणस्सइ, गावो मित्ता य पुत्ता य णारीणं चेव वल्लभो (८) रिसभेण उ एसज्जं, सेणावच्चं धणाणि य, वत्थगंधमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य (९) गंधारे गीयजुत्तिण्णा वज्जवित्ती कलाहिया, भवंति कइणो पन्ना जे अन्ने सत्थपारगा (१०) मज्झिमसरसंपन्ना भवंति सुहजीविणो, खायती पीयती देती, मज्झिमं सरमस्सिओ (११) पंचमसरसंपन्ना भवंति पुढवीपई, सूरा संगहकत्तारो अणेगगणणायगा (१२) धेवयसरसंपन्ना भवंति कलहप्पिया, साउणिता वग्गुरिया सोयरिया मच्छबंधा य (१३) चंडाला मुट्ठिया सेया, जे अन्ने पावकम्मिणो, गोघातगा य जे चोरा, णिसायं सरमस्सिता (१४) एएसि णं सत्तण्हं सराणं तओ गामा प० तं० सज्जगामे मज्झिमगामे गंधारगामे, सज्जगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० मग्गी कोरव्वीया हरी य रययणी य सारकंता य, छट्ठी य सारसी णाम सुद्धसज्जा य सत्तमा (१५) मज्झिमगामस्स णं सत्तमुच्छणाओ प० तं० उत्तरमंदा रयणी उत्तरा उत्तरासमा, आसोकंता य सोवीरा, अभीरू हवइ सत्तमा (१६) गंधारगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० णंदी य खुड्डिमा पूरिमा य चउत्थी य सुद्धगंधारा, उत्तरगंधारा वि य पंचमिया हवइ मुच्छा उ (१७) सुट्ठुतरमायामा सा छट्ठी णियमसो उ णायव्वा अह उत्तरायया कोडीमायसा सत्तमी मुच्छा (१८) सत्त सराओ कओ संभवंति गेयस्स का भवइ जोणी ? कइ समया उस्सासा कइ वा गेयस्स आगारा ? (१९) सत्त सरा णाभीओ भवंति, गीयं च रुण्णजोणीयं, पादसमा ऊसासा तिण्णि य गेयस्स आगारा (२०) आइमिउ

आरभंता समुव्वहंता य मज्झयारंमि; अवसाणे उज्झवितो तिण्णि य गेयस्स आगारा (११) छद्दोसे अट्ठगुणे तिण्णि य वित्ताइं दो य भणिईओ जाणाहिति सो गाहिइ सुसिक्खिओ रंगमज्झम्मि (१२) भीयं दुयं रहस्सं गायंतो मा य गाहि उत्तालं काकस्सरमणुनासं च होंति गेयस्स छद्दोसा (१३) पुण्णं रत्तं च अलंकियं च वत्तं तहा अविघुट्ठं, महुरं समं सुललियं अट्ठ गुणा होंति गेयस्स (१४) उरकंठसिरपसत्थं च गेज्जंते मउयरिभियपदबद्धं; समतालपडुक्खेवं सत्तस्सरसीहरं गीयं (१५) निद्दोसं सारवंतं च हेउजुत्तमलंकियं उवणीयं सोवयारं च मियं महुरमेव य (१६) सममद्धसमं चेव सव्वत्थ विसमं च जं तिण्णि वित्तप्पयाराइं चउत्थं नोवलब्भइ (१७) सक्कया पागया चेव दुहा भणिईओ आहिया; सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसिभासिया (१८) केसी गायइ महुरं केसी गायइ खरं च रुक्खं च केसी गायइ चउरं केसि विलंबं दुतं केसी (१९) विस्सरं पुण केरिसी? सामा गायइ महुरं काली गायइ खरं च रुक्खं च गोरी गायइ चउरं, काण विलंबं दुतं अंधा (१) विस्सरं पुण पिंगला; तंतिसमं तालसमं पादसमं लयसमं गहसमं च नीससिऊससियसमं संचारसमा सरा सत्त (२१) सत्त सरा य तओ गामा मुच्छणा एगवीसई ताणा एगूणपण्णासा समत्तं सरमंडलं (२२) सरमंडलं समत्तं ॥ ५७७ ॥

सत्तविहे कायकिलेसे प० तं० ठाणाइए उक्कुडुयासणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए दंडायए लगंडसाई ॥ ५७८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे महाविदेहे ॥ ५७९ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते निसढे णीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे ॥ ५८ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा रोहिया हिरी सीया णरकंता सुवण्णकूला रत्ता ॥ ५८१ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू रोहियंसा हरिकंता सीओदा णारिकंता रुप्पकूला रत्तवई ॥ ५८२ ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा प० तं० भरहे जाव महाविदेहे, धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते जाव मंदरे धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पुरत्थाभिमुहीओ कालोयसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा जाव रत्ता धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महानईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू जाव रत्तवई, धायइसंडदीवे पच्चत्थिमद्धे णं सत्त वासा एवं चेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोयं सेसं तं चेव ॥ ५८३ ॥ पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा तहेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समुद्दं

समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोद समुद्द समप्पेंति सेस त चेव एवं पच्चत्थिमद्धेवि णवरं पुरत्थाभिमुहीओ कालोद समुद्दं समप्पेंति, पच्चत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समप्पेंति, सव्वत्थ वासा वासहरपव्वया णईओ य भाणियव्वाणि ॥ ६८४ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासेऽतीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तजहा-मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयपभे, विमलघोसे सुघोसे य महाघोसे य सत्तमे ॥ ६८५ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था त० पढमित्थ विमलवाहण चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे, तत्तो य पसेणइ पुण मरुदेवे चेव नाभी य (१) एएसि ण सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारियाओ हुत्था, त० चंदजसा चंदकंता सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य, सिरिकंता मरुदेवी, कुलकरइत्थीण नामाइं (२) ॥ ६८६ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा भविस्सति त० मित्तवाहण सुभोमे य सुप्पभे य सयपभे, दत्ते सुहुमे [सुहे सुरूवे] सुबंधू य आगमेस्सिण होक्खइ ॥६८७॥ विमलवाहणे ण कुलगरे सत्तविहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्व-मागच्छिंसु त० मत्तगया य भिंगा चित्तगा चेव होंति चित्तरसा, मणियगा य अणियणा सत्तमगा कप्परुक्खा य (१) ॥ ६८८ ॥ सत्तविहा दंडनीई प० त० हक्कारे मक्कारे धिक्कारे परिभासे मंडलबंधे चारए छविच्छेदे ॥ ६८९ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स ण सत्त एगिंदियरयणा प० त० चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे दंडरयणे असिरयणे मणिरयणे काकणिरयणे ॥ ६९० ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त पंचिंदियरयणा प० त० सेणावइरयणे गाहावइरयणे वड्ढइरयणे पुरोहियरयणे इत्थिरयणे आसरयणे हत्थिरयणे ॥ ६९१ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढ दुस्सम जाणेज्जा, त० अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाहू पुज्जति साहू ण पुज्जति गुरूहिं जणो मिच्छ पडिवन्नो मणोदुहया वइदुहया ॥६९२॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढ सुसम जाणेज्जा त० अकाले ण वरिसइ काले वरिसइ असाहू ण पुज्जन्ति साहू पुज्जन्ति गुरूहिं जणो सम्मं पडिवन्नो मणोसुहया वइसुहया ॥६९३॥ सत्तविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० त० नेरइया, तिरिक्खजोणिया, तिरिक्खजो-णिणिओ, मणुस्सा, मणुस्सीओ, देवा, देवीओ ॥ ६९४ ॥ सत्तविहे आउभेदे प० तं० अज्झवसाणनिमित्ते, आहारे, वेयणा, पराघाए, फासे, आणापाणू, सत्तविह भिज्जए आउ ॥ ६९५ ॥ सत्तविहा सव्वजीवा प० त० पुढविकाइया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ० तसकाइया अकाइया, अहवा सत्तविहा सव्वजीवा प० त० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा अलेसा ॥ ६९६ ॥ बंभदत्ते ण राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्त धणूइ उड्ढं उच्चत्तेणं सत्त य वाससयाइ परमाउ पालइत्ता कालमासे काल किच्चा अहे-

सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे नरए नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ ६९७ ॥ मल्ली णं अरहा अप्पसत्तमे मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, तं०- मल्ली विदेहरायवरकन्नगा, पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अंगराया, रुप्पी कुणालाहिवई, संखे कासीराया, अदीणसत्तू कुरुराया, जियसत्तू पंचालराया ॥ ६९८ ॥ सत्तविहे दंसणे प० तं०- सम्मदंसणे मिच्छदंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे अचक्खुदंसणे ओहिदंसणे केवलदंसणे ॥ ६९९ ॥ छउमत्थवीयरागे णं मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएइ, तं०- नाणावरणिज्जं दंसणावरणिज्जं, वेयणिज्जं आउयं नामं गोयमंतराइयं ॥ ७०० ॥ सत्त ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं न जाणइ न पासइ, तं०- धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरपडिबद्धं, परमाणुपोग्गलं सद्दं, गंधं ॥ ७०१ ॥ एयाणि चेव उप्पन्ननाणे जाव जाणइ पासइ, तं०- धम्मत्थिकायं जाव गंधं ॥ ७०२ ॥ समणे भगवं महावीरे वइरोसभणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ७०३ ॥ सत्तविकहाओ प० तं०- इत्थिकहा, भत्तकहा, देसकहा, रायकहा, मिउकालुणिया दंसणभेयणी चरित्तभेयणी ॥ ७०४ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त अइसेसा प० तं०- आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स पाए निगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जमाणे वा णाइक्कमइ एवं जहा पंचट्ठाणे जाव बाहिं उवस्सयस्स एगरायं वा दुरायं वा वसमाणे णाइक्कमइ उवगरणाइसेसे भत्तपाणाइसेसे ॥ ७०५ ॥ सत्तविहे संजमे प० तं०- पुढविकाइयसंजमे जाव तसकाइयसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ७०६ ॥ सत्तविहे असंजमे प० तं०- पुढविकाइयअसंजमे जाव तसकाइयअसंजमे अजीवकायअसंजमे ॥ ७०७ ॥ सत्तविहे आरंभे प० तं०- पुढविकाइयआरंभे जाव अजीवकायआरंभे एवमणारंभेवि एवं सारंभे वि एवमसारंभे वि एवं समारंभेवि एव असमारंभेवि जाव अजीवकायअसमारंभे ॥ ७०८ ॥ अह भंते! अयसिकुसुंभकोद्दवकंगुरालग (वराकोदूसगा) सणसरिसवमूलगबीयाणं एएसि णं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं जाव पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव जोणीवोच्छेदे प० ॥ ७०९ ॥ बायरआउकाइयाणं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ७१० ॥ तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं नेरइयाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७११ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं सत्तसागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७१२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ७१३ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सत्त अग्ग-

समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोद समुद्द समप्पेति सेस त चेव एवं पच्चत्थिमद्धेवि णवरं पुरत्थाभिमुहीओ कालोद समुद्दं समप्पेंति, पच्चत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समप्पेंति, सव्वत्थ वासा वासहरपव्वया णईओ य भाणियव्वाणि ॥ ६८४ ॥ जबुद्दीवे २ भारहे वासेऽतीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तजहा–मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे, विमलघोसे सुघोसे य महाघोसे य सत्तमे ॥ ६८५ ॥ जबुद्दीवे २ भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था तं० पढमित्थ विमलवाहण चक्खुम जसम चउत्थमभिचदे, तत्तो य पसेणइ पुण मरुदेवे चेव नाभी य (१) एएसि णं सत्तण्ह कुलगराण सत्त भारियाओ हुत्था, तं० चदजसा चदकता सुरूव पडिरूव चक्खुकता य, सिरिकंता मरुदेवी, कुलकरइत्थीण नामाइ (२) ॥ ६८६ ॥ जबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा भविस्सति त० मित्तवाहण सुभोमे य सुप्पभे य सयपभे, दत्ते सुहुमे [सुहे सुरूवे] सुबधू य आगमेस्सिण होक्खइ ॥६८७॥ विमलवाहणे णं कुलगरे सत्तविहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छिसु त० मत्तगया य भिंगा चित्तगा चेव होंति चित्तरसा, मणियगा य अणियणा सत्तमगा कप्परुक्खा य (१) ॥ ६८८ ॥ सत्तविहा दडनीई प० त० हक्कारे मक्कारे धिक्कारे परिभासे मडलबधे चारए छविच्छेदे ॥ ६८९ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरतचक्कवट्टिस्स ण सत्त एगिंदियरयणा प० त० चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे दंडरयणे असिरयणे मणिरयणे काकणिरयणे ॥ ६९० ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त पचिंदियरयणा प० त० सेणावइरयणे गाहावइरयणे वड्ढतिरयणे पुरोहियरयणे इत्थिरयणे आसरयणे हत्थिरयणे ॥ ६९१ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढ दुस्सम जाणेज्जा, तं० अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाधू पुज्जति साधू ण पुज्जति गुरूहिं जणो मिच्छ पडिवन्नो मणोदुहया वइदुहया ॥६९२॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढ सुसम जाणेज्जा त० अकाले ण वरिसइ काले वरिसइ असाधू ण पुज्जन्ति साधू पुज्जन्ति गुरूहिं जणो सम्मं पडिवन्नो मणोसुहया वइसुहया ॥६९३॥ सत्तविहा ससारसमावन्नगा जीवा प० तं० नेरइया, तिरिक्खजोणिया, तिरिक्खजोणिणिओ, मणुस्सा, मणुस्सीओ, देवा, देवीओ ॥ ६९४ ॥ सत्तविहे आउभेदे प० तं० अज्झवसाणनिमित्ते, आहारे, वेयणा, पराघाए, फासे, आणापाणू, सत्तविहं भिज्जए आउ ॥ ६९५ ॥ सत्तविहा सव्वजीवा प० त० पुढविकाइया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ० तसकाइया अकाइया, अहवा सत्तविहा सव्वजीवा प० त० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा अलेसा ॥ ६९६ ॥ बंभदत्ते ण राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्त धणूइ उड्ढं उच्चत्तेण सत्त य वाससयाइं परमाउ पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे

जाव घोसमहाघोसाणं णेयव्वं सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई जाव माढरे रहाणियाहिवई सेए णट्टाणियाहिवई तुंबुरु गंधव्वाणियाहिवई ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवइणो प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई जाव महासेए णट्टाणियाहिवई रए गंधव्वाणियाहिवई सेसं जहा पंचट्ठाणे एवं जाव अच्चुयस्स वि णेयव्वं ॥ ७१०-७११ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा जाव सत्तमा कच्छा चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स पढमाए कच्छाए चउसट्ठि देवसहस्सा प० जावइया पढमा कच्छा तब्बिगुणा दोच्चा कच्छा तब्बिगुणा तच्चा कच्छा एवं जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा एवं बलिस्स वि णवरं महद्दुमे सट्ठिदेवसाहस्सिओ सेसं तं चेव धरणस्स एवं चेव णवरं अट्ठावीसं देवसहस्सा सेसं तं चेव जहा धरणस्स एवं जाव महाघोसस्स णवरं पायत्ताणियाहिवई अन्ने ते पुव्वभणिता ॥ ७१२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो हरिणेगमेसिस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा एवं जहा चमरस्स तहा जाव अच्चुयस्स णाणत्तं पायत्ताणियाहिवईणं ते पुव्वभणिया देवपरिमाणमिमं सक्कस्स चउरासीइं देवसहस्सा ईसाणस्स असीइं देवसहस्साइं देवा इमाए गाहाए अणुगंतव्वा 'चउरासीइ असीइ बावत्तरि सत्तरी य सट्ठीया; पन्ना चत्तालीसा तीसा वीसा दससहस्सा' (१) जाव अच्चुयस्स लहुपरक्कमस्स दसदेवसहस्सा जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा ॥ ७१३ ॥ सत्तविहे वयणविकप्पे प० तं० आलावे अणालावे उल्लावे अणुल्लावे, संलावे, पलावे, विप्पलावे ॥ ७१४ ॥ सत्तविहे विणए प० तं० णाणविणए, दंसणविणए, चरित्तविणए, मणविणए, वइविणए, कायविणए, लोगोवयारविणए ॥ ७१५ ॥ पसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे अकिरिए निरुवक्केसे अणण्हयकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकमणे ॥ ७१६ ॥ अपसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हयकरे छविकरे भूयाभिसंकमणे ॥ ७१७ ॥ पसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे जाव अभूयाभिसंकमणे ॥ ७१८ ॥ अपसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० पावए जाव भूयाभिसंकमणे ॥ ७१९ ॥ पसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं० आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयणं आउत्तं तुयट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया ॥ ७२० ॥ अपसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं०

महिसीओ प० ॥ ७१४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ७१५ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ७१६ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ७१७ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं देवीणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ७१८ ॥ सोहम्मे कप्पे परिग्गहियाणं देवीणं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥७१९॥ सारस्सयमाइच्चाणं सत्त देवा सत्त देवसया प० ॥ ७२० ॥ गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा प० ॥ ७२१ ॥ सणंकुमारे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७२२ ॥ माहिंदे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं साइरेगाइं सत्तसागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७२३ ॥ बंभलोए कप्पे जहन्नेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७२४ ॥ बंभलोयलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥७२५॥ भवणवासीणं देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प०, एवं वाणमंतराणं एवं जोइसियाणं सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरा सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ७२६ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त दीवा प० तं० जंबुद्दीवे २ धायइसंडे दीवे पोक्खरवरे वरुणवरे खीरवरे घयवरे खोयवरे ॥ ७२७ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त समुद्दा प० तं० लवणे कालोए पुक्खरोदे वरुणोए खीरोदे घओदे खोओए ॥ ७२८ ॥ सत्त सेढीओ प० तं० उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखुहा दुहओखुहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥ ७२९ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए नट्टाणिए गंधव्वाणिए दुमे पायत्ताणियाहिवई एवं जहा पंचट्ठाणे जाव किन्नरे रहाणियाहिवई रिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयरई गंधव्वाणियाहिवई बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए महद्दुमे पायत्ताणियाहिवई जाव किंपुरिसे रहाणियाहिवई महारिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयजसे गंधव्वाणियाहिवई, धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए रुद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जाव आणंदे रहाणियाहिवई नंदणे णट्टाणियाहिवई तेतली गंधव्वाणियाहिवई भूयाणंदस्स सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए दक्खे पायत्ताणियाहिवई जाव णंदुत्तरे रहाणियाहिवई रई णट्टाणियाहिवई माणसे गंधव्वाणियाहिवई एवं

अणाउत्त गमणं, जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया ॥ ७४१ ॥ लोगोवयारविणए सत्तविहे प० त० अब्भासवत्तिय परच्छंदाणुवत्तिय कज्जहेउ कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालण्णुया सव्वत्थेसु यापडिलोमया ॥ ७४२ ॥ सत्त समुग्घाया प० त० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेजससमुग्घाए आहारगसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए, मणुस्साण सत्त समुग्घाया प० एव चेव ॥ ७४३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि सत्त पवयणनिण्हगा प० तं० बहुरया जीवपएसिया अवत्तिया सामुच्छेइया दोकिरिया तेरासिया अबद्धिया, एएसि ण सत्तण्ह पवयणनिण्हगाणं सत्तऽधम्मायरिया होत्था त० जमाली तीसगुत्ते आसाढे आसमित्ते गंगे छलुए गोट्ठामाहिल्ले, एएसि ण सत्तण्हं पवयणनिण्हगाण सत्त उप्पत्तिनगरा होत्था त० सावत्थी उसभपुरं सेयविया मिहिलमुल्लगातीरं पुरिमतरंजि दसपुर णिण्हगउप्पत्तिनगराइ ॥ ७४४ ॥ सायावेयणिज्जस्स कम्मस्स सत्तविहे अणुभावे प० त० मणुन्ना सद्दा मणुण्णा रूवा जाव मणुन्ना फासा मणोसुहया वइसुहया ॥ ७४५ ॥ असायावेयणिज्जस्स ण कम्मस्स सत्तविहे अणुभावे प० त० अमणुन्ना सद्दा जाव वइदुहया ॥ ७४६ ॥ महाणक्खत्ते सत्ततारे प० ॥ ७४७ ॥ अभिईयाइया सत्तनक्खत्ता पुव्वदारिया प० त० अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तराभद्दवया रेवई, अस्सिणियाइया ण सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया प० त० अस्सिणी भरिणी कत्तिया रोहिणी मिगसिरे अद्दा पुणव्वसू पुस्साइया ण सत्त णक्खत्ता अवरदारिया प० त० पुस्सो असिलेसा मघा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता, साइयाइया ण सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया प० त० साई विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वाआसाढा उत्तरासाढा ॥ ७४८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सोमणसे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० त० सिद्धे सोमणसे तह बोधव्वे मंगलावईकूडे, देवकुरु विमल कंचण विसिट्ठकूडे य बोद्धव्वे ॥ ७४९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे गंधमायणे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० त० सिद्धे य गंधमायण बोद्धव्वे गंधिलावईकूडे उत्तरकुरुफलिहे लोहियक्ख आणंदणे चेव ॥ ७५० ॥ बिइंदियाण सत्त जाइकुलकोडिजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ ७५१ ॥ जीवा णं सत्तट्ठाणनिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा त० नेरइयनिव्वत्तिए जाव देवनिव्वत्तिए एव चिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ७५२ ॥ सत्तपएसिया खंधा अणंता प० ॥ ७५३ ॥ सत्त पएसोगाढा पोग्गला जाव सत्तगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ७५४ ॥ **सत्तमट्ठाणं समत्तं, सत्तमज्झयणं समत्तं ॥**

उसभे सुमत सुमिते सुरसे सुघसे कुहे कंठे जाव मणामे अहीणस्सरे जाव मणाम
स्सरे आदेज्जवयणे पच्चायाए आउसिया ते तस्स बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ
सावि य णं आढाइ जाव बहुमन्नइ अब्भुट्ठेति। भासउ ॥ ७५८ ॥ अट्ठविहे संवरे
प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मणसंवरे वइसंवरे कायसंवरे, अट्ठविहे
असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव कायअसंवरे ॥ ७५९ ॥ अट्ठ फासा प०
तं० कक्खडे मउए गरुए लहुए सीए उसिणे णिद्धे लुक्खे ॥ ७६ ॥ अट्ठविहा
लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही एवं जाव छट्ठाणे जाव
जीवा कम्मपइट्ठिया अजीवा जीवसंगहीया जीवा कम्मसंगहीया ॥७६१॥ अट्ठविहा
गणिसंपया प० तं० आयारसंपया सुयसंपया सरीरसंपया वयणसंपया वायणासंपया
मइसंपया पओगसंपया संगहपरिण्णाणाम अट्ठमा ॥ ७६२ ॥ एगमेगे णं महानिही
अट्ठचक्कवालपइट्ठाणे अट्ठट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ७६३ ॥ अट्ठ समिईओ
प० तं० इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई
उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई मणसमिई वइसमिई कायसमिई
॥ ७६४ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए तं०
आयारवं आहारवं ववहारवं ओवीलए पकुव्वए अपरिस्साई निज्जावए अवायदंसी
॥ ७६५ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोएत्तए तं० जाइ-
संपन्ने कुलसंपन्ने विणयसंपन्ने णाणसंपन्ने दंसणसंपन्ने चरित्तसंपन्ने खंते दंते ॥७६६॥
अट्ठविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे
विउस्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे ॥ ७६७ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा प० तं०
जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए ॥ ७६८ ॥
अट्ठ अकिरियावाई प० तं० एगावाई अणेगावाई मियवाई निम्मियवाई सायवाई
समुच्छेयवाई णियावाई ण संति परलोगवाई ॥ ७६९ ॥ अट्ठविहे महानिमित्ते
प० तं० भोमे उप्पाए सुविणे अंतलिक्खे अंगे सरे लक्खणे वंजणे ॥ ७७ ॥
अट्ठविहा वयणविभत्ती प० तं० निद्देसे पढमा होइ बिइया उवएसणे; तइया करणंमि
कया चउत्थी संपयावणे (१) पंचमी य अवायाणे छट्ठी सस्सामिवायणे; सत्तमी
सन्निहाणत्थे अट्ठमी आमंतणी भवे (२) तत्थ पढमा विभत्ती निद्देसे सो इमो
अहं वत्ति १-बिइया उण उवएसे भण कुण व इमं व तं वत्ति (३) तइया कर-
णंमि कया भणियं च कयं च तेण व मए वा; हंदि णमो साहाए हवइ चउत्थी
पयाणंमि (४) अवणे गिण्हसु तत्तो इओत्ति वा पंचमी अवायाणे; छट्ठी तस्स
इमस्स व गयस्स वा सामिसंबंधे (५) हवइ पुण सत्तमी तंमि इमंमि आहारकाल-

यइ जइवि य णं अण्णे केइ वदति तं पि य णं माई जाणइ अहमेसे अभिसंकिज्जामि माई णं मायं कट्टु अणालोइयपडिक्कते कालमासे काल किच्चा अण्णयरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति तजहा नो महिड्ढिएसु जाव नो दूरंगइएसु नो चिरट्ठिईएसु से णं तत्थ देवे भवइ णो महिड्ढिए जाव णो चिरट्ठिईए जावि य से तत्थ बाहिरब्भतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महारिहेणमासणेण उवनिमतेइ भासपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठति मा बहु देवे। भासउ से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएण भवक्खएण ठिइक्खएणं अणतरं चय चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइ इमाइं कुलाइ भवंति त० अतकुलाणि वा पतकुलाणि वा तुच्छकुलाणि वा दरिद्दकुलाणि वा भिक्खागकुलाणि वा किवणकुलाणि वा तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ से ण तत्थ पुमे भवइ दुरूवे दुवण्णे दुग्गंधे दुरसे दुफासे अणिट्ठे अकते अप्पिए अमणुण्णे अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठसरे अकतसरे अपियस्सरे अमणुण्णस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणपच्चायाए जावि य से तत्थ बाहिरब्भतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महारिहेण आसणेणं उवणिमतेइ भासपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति मा बहु अज्जउत्तो! भासउ माई ण माय कट्टु आलोइयपडिक्कंते कालमासे काल किच्चा अण्णतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति त० महिड्ढिएसु जाव चिरट्ठिईएसु से ण तत्थ देवे भवइ महिड्ढिए जाव चिरट्ठिईए हारविराइयवच्छे कडगतुडियथंभियभुए अगदकुंडलमट्ठगडतलकन्नपीढधारी विचित्तहत्थाभरणे विचित्तवत्थाभरणे विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिए कल्लाणगपवरगधमल्लाणुलेवणधरे भासुरबोंदी पलबवणमालधरे दिव्वेण वण्णेण दिव्वेण गंधेणं दिव्वेगं रसेण दिव्वेगं फासेण दिव्वेग सघाएण दिव्वेग सठाणेण दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएण दिव्वाए लेस्साए दसदिसाओ उज्जोएमाणे पभासेमाणे महयाऽहयणट्टगीयवाइयततीतलतालतुडियघणमुइगपडुप्पवाइयरवेण दिव्वाइ भोगभोगाइ भुजमाणे विहरइ, जावि य से तत्थ बाहिरब्भतरिया परिसा भवइ, सावि य ण आढाइ परिजाणाइ महारिहेण आसणेणं उवनिमतेइ भासपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति बहुं देवे। भासउ से ण तओ देवलोगाओ आउक्खएण ३ जाव चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइ इमाइ कुलाइ भवति, इड्ढाइ जाव बहुजणस्स अपरिभूयाइ तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ, से णं तत्थ पुमे भवइ

फासियव्वे) ॥ ७४८ ॥ अट्ठविहे आहारे प० तं० मणुन्ने असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुन्ने जाव साइमे ॥ ७४९ ॥ उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणे पत्थडे एत्थ णं अक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ प० तं० पुरच्छिमेणं दो कण्हराईओ दाहिणेणं दो कण्हराईओ पच्चत्थिमेणं दो कण्हराईओ उत्तरेणं दो कण्हराईओ पुरच्छिमा अब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा दाहिणा अब्भिंतरा कण्हराई पच्चत्थिमं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा पच्चत्थिमा अब्भंतरा कण्हराई उत्तरं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा उत्तरा अब्भंतरा कण्हराई पुरच्छिमं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा पुरच्छिमपच्चत्थिमिल्लाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ छलंसाओ उत्तरदाहिणिल्लाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि णं अब्भंतरकण्हराईओ चउरंसाओ एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठ नामधेज्जा प० तं० कण्हराईति वा मेहराईति वा मघाति वा माघवतीति वा वायफलिहेति वा वायपलिक्खोभेति वा देवफलिहेति वा देवपलिक्खोभेति वा, एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठ लोगंतियविमाणा प० तं० अच्ची अच्चिमाली वइरोयणे पभंकरे चंदाभे सूराभे सुपइट्ठाभे अग्गिच्चाभे एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतिया देवा प० तं० सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव बोद्धव्वा (१) एएसि णं अट्ठण्हं लोगंतियदेवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७५० ॥ अट्ठ धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अट्ठ अधम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव अट्ठ आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अट्ठ जीवमज्झपएसा प० ॥ ७५१ ॥ अरहया णं महापउमे अट्ठ रायाणो मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सति तं० पउमं पउमगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पउमद्धयं धणुद्धयं कणगरहं भरहं ॥ ७५२ ॥ कण्हस्स णं वासुदेवस्स अट्ठ अग्गमहिसीओ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अंतिए मुंडा भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया सिद्धाओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाओ तं० पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य जंबवई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअग्गमहिसीओ ॥ ७५३ ॥ वीरियपुव्वस्स णं अट्ठ वत्थू अट्ठ चूलियावत्थू प० ॥ ७५४ ॥ अट्ठ गईओ प० तं० निरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पब्भारगई ॥ ७५५ ॥ गंगासिंधुरत्तारत्तवईदेवीणं दीवा अट्ठ २ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ७५६ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जुमुहविज्जुदंतदीवाणं दीवा अट्ठ २ जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ७५७ ॥ कालोदे णं समुद्दे अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ७५८ ॥

भावे य, आमंतणी भवे अट्ठमी उ जह हे जुवाणत्ति (६) ॥ ७७१ ॥ अट्ठ ठाणाई छउमत्थे ण सव्वभावेण ण जाणइ ण पासइ त० धम्मत्थिकाय जाव गंध वायं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जाणइ पासइ जाव गंधं वायं ॥ ७७२ ॥ अट्ठविहे आउवेए प० तं० कुमारभिच्चे, कायतिगिच्छा, सालाई, सल्लहत्ता, जंगोली, भूयवेज्जा, खारतंते, रसायणे ॥ ७७३ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० पउमा सिवा सई अंजू अमला अच्छरा णवमिया रोहिणी ॥ ७७४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० कण्हा कण्हराई सामा सामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा ॥ ७७५ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो अट्ठग्गमहिसीओ प० ॥ ७७६-७७७ ॥ अट्ठ महग्गहा प० तं० चंदे सूरे सुक्के बुहे वहस्सई अंगारए सणिंचरे केऊ ॥७७८॥ अट्ठविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० मूले कंदे खंधे तया साले पवाले पत्ते पुप्फे ॥ ७७९ ॥ चउरिंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स अट्ठविहे संजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेण असंजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ फासामएणं दुक्खेण असंजोएत्ता भवइ ॥ ७८० ॥ चउरिंदिया णं जीवा समारभमाणस्स अट्ठविहे असंजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेण संजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ० ॥ ७८१ ॥ अट्ठ सुहुमा प० तं० पाणसुहुमे पणगसुहुमे वीयसुहुमे हरियसुहुमे पुप्फसुहुमे अंडसुहुमे लेणसुहुमे सिणेहसुहुमे ॥ ७८२ ॥ भरहस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठपुरिसजुगाइं अणुबद्धं सिद्धाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं तं०—आइच्चजसे महाजसे अइबले महाबले तेयवीरिए कित्तवीरिए दंडवीरिए जलवीरिए ॥ ७८३ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था तं० सुभे अज्जघोसे वसिट्ठे बंभयारी सोमे सिरिधरे वीरिए भद्दजसे ॥ ७८४ ॥ अट्ठविहे दंसणे प० तं० सम्मदंसणे मिच्छदंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे जाव केवलदंसणे सुविणदंसणे ॥ ७८५ ॥ अट्ठविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे सागरोवमे उस्सप्पिणी ओसप्पिणी पोग्गलपरियट्टे तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा ॥ ७८६ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स जाव अट्ठमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवासपरियाए अंतमकासी ॥ ७८७ ॥ समणेणं भगवया महावीरेणं अट्ठ रायाणो मुंडे भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वाविया तं० वीरंगय वीरजसे संजयए णिज्जए य रायरिसी, सेयसिवे उदायणे (तह संखे

अट्ठ दीहवेयड्ढपव्वया अट्ठ कयमालगा देवा अट्ठ नट्टमालगा देवा अट्ठ गंगा-
कुंडा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ अट्ठ उसभकूडपव्वया अट्ठ उस-
भकूडा देवा प० जंबूमंदरपुरच्छिमेणं सीयाए महानईए दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा
एवं चेव जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प० नवरमेत्थ रत्तारत्तवईओ तासिं चेव कुंडा
॥ ८१९ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओदाए महानईए दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा जाव
अट्ठ गंगाकुंडा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा
प० जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओदाए महानईए उत्तरेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा जाव अट्ठ नट्ट-
मालगा देवा अट्ठ रत्तकुंडा अट्ठ रत्तावइकुंडा अट्ठ रत्ताओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा
प० ॥ ८२० ॥ मंदरचूलिया णं बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प०
॥ ८२१ ॥ धायइसंडदीवे पुरच्छिमद्धेणं धायइरुक्खे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं
प० बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं
प० एवं धायइरुक्खाओ आढवेत्ता सच्चेव जंबूदीववत्तव्वया भाणियव्वा जाव मंदर
चूलियत्ति एवं पच्चत्थिमद्धेवि महाधायइरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति
॥ ८२२ ॥ एवं पुक्खरवरदीवड्ढपुरच्छिमद्धेवि पउमरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदर
चूलियत्ति एवं पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे महापउमरुक्खाओ जाव मंदरचूलियत्ति
॥ ८२३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए भद्दसालवणे अट्ठ दिसाहत्थिकूडा प० तं०—
पउमुत्तर नीलवंते सुहत्थी अंजणागिरी । कुमुए य पलासए वडिंसे अट्ठमए रोयणा-
गिरी ॥ ८२४ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहुम-
ज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं ॥ ८२५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स
दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सिद्धे महाहिमवंते हिमवंते
रोहिया हिरिकूडे हरिकंता हरिवासे वेरुलिए चेव कूडा उ ॥ ८२६ ॥ जंबूमंदरउत्त-
रेणं रुप्पिंमि वासहरपव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सिद्धे य रुप्पी रम्मग नरकंता बुद्धि
रुप्पकूडे या । हिरण्णवए मणिकंचणे य रुप्पिंमि कूडा उ ॥ ८२७ ॥ जंबूमंदरपुर-
च्छिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं०—रिट्ठे तवणिज्ज कंचण रयय दिसासोत्थिए
पलंबे य; अंजणे अंजणपुलए रुयगस्स पुरच्छिमे कूडा (१) तत्थ णं अट्ठ दिसा-
कुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० णंदुत्तरा
य णंदा य आणंदा णंदिवद्धणा, विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया ॥ ८२८ ॥
जंबूमंदरदाहिणेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं० –कणए कंचणे पउमे नलिणे ससि
दिवायरे चेव वेसमणे वेरुलिए रुयगस्स उ दाहिणे कूडा (१) तत्थ णं अट्ठ दिसा-
कुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० समाहारा

अब्भंतरपुक्खरद्धे ण अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० एवं वाहिर-पुक्खरद्धेवि ॥ ७९९ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठ सोवन्निए काकिणिरयणे छत्तले दुवालसंसिए अट्ठकण्णिए अधिकरणिसंठिए प० ॥ ८०० ॥ मागधस्स णं जोयणस्स अट्ठ धणुसहस्साइ निधत्ते प० ॥ ८०१ ॥ जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइ उड्ढं उच्चत्तेण बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइ विक्खंभेण साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइ सव्वग्गेण प० ॥ ८०२ ॥ कूडसामली ण अट्ठ जोयणाइ एवं चेव ॥ ८०३ ॥ तिमिसगुहा णमट्ठ जोयणाई उड्ढं उच्चत्तेण ॥ ८०४ ॥ खंडप्पवायगुहा णं अट्ठ जोयणाइ उड्ढं उच्चत्तेण एवं चेव ॥ ८०५ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेण सीताए महानईए उभओ कूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे नलिणकूडे एगसेले तिकूडे वेसमणकूडे अजणे मायजणे ॥ ८०६ ॥ जंबूमदरपच्चच्छिमेण सीओयाए महाणईए उभओकूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० त० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए ॥ ८०७ ॥ जंबूमदरपुरच्छिमेण सीआए महाणईए उत्तरेण अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० त० कच्छे सुकच्छे महाकच्छे कच्छगावई आवत्ते जाव पुक्खलावई ॥ ८०८ ॥ जंबूमंदरपुरच्छिमेण सीयाए महाणईए दाहिणेणमट्ठ चक्कवट्टिविजया प० त० वच्छे सुवच्छे जाव मंगलावई ॥ ८०९ ॥ जंबूमदरपच्चच्छिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेण अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० त० पम्हे जाव सलिलावई ॥ ८१० ॥ जंबूमदरपच्चत्थिमेण सीओयाए महाणईए उत्तरेण अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० त० वप्पे सुवप्पे जाव गंधिलावई ॥ ८११ ॥ जंबूमंदरपुरच्छिमेण सीताए महाणईए उत्तरेणमट्ठ रायहाणीओ प० त० खेमा खेमपुरी चेव जाव पुंडरीगिणी ॥ ८१२ ॥ जंबूमदरपुरच्छिमेण सीताए महाणईए दाहिणेणमट्ठ रायहाणीओ प० त० सुसीमा कुंडला चेव जाव रयणसंचया ॥ ८१३ ॥ जंबूमदरपच्चच्छिमेण सीओआए महाणईए दाहिणेण अट्ठ रायहाणीओ प० त० आसपुरा जाव वीतसोगा ॥ ८१४ ॥ जंबूमदरस्स पच्चच्छिमेण सीओआए महाणईए उत्तरेण अट्ठ रायहाणीओ प० त० विजया वेजयंती जाव अउज्झा ॥ ८१५ ॥ जंबूमदरस्स पुरच्छिमेण सीयाए महाणईए उत्तरेण उक्कोसपए अट्ठ अरिहंता अट्ठ चक्कवट्टी अट्ठ बलदेवा अट्ठ वासुदेवा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा ॥ ८१६ ॥ जंबूमदरपुरच्छिमेण सीयाए महाणईए दाहिणेण उक्कोसपए एव चेव ॥ ८१७ ॥ जंबूमदरपच्चत्थिमेण सीओयाए महाणईए दाहिणेण उक्कोसपए एव चेव ॥ ८१८ ॥ एव उत्तरेणवि जंबूमंदरपुरच्छिमेण सीआए महाणईए उत्तरेण अट्ठ दीहवेयड्ढा अट्ठ तिमिसगुहाओ

तं— ईसीइ वा ईसिपब्भाराइ वा तणूइ वा तणुतणूइ वा सिद्धीति वा सिद्धालएइ वा मुत्तीइ वा मुत्तालएइ वा ॥ ८४३ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं सम्मं संघडियव्वं जइयव्वं परक्कमियव्वं अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं भवइ, असुयाणं धम्माणं सम्मं सुणणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सुयाणं धम्माणं ओगिण्हणयाए उवधारणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, पावाणं कम्माणं संजमेणमकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, पोराणाणं कम्माणं तवसा विगिंचणयाए विसोहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, असंगिहीयपरियणस्स संगिण्हणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सेहं आयारगोयरग्गहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, गिलाणस्स अगिलाए वेयावच्चकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, साहम्मियाणमहिगरणंसि उप्पण्णंसि तत्थ अणिस्सिओवस्सिओ अपक्खग्गाही मज्झत्थभावभूए कह णु साहम्मिया अप्पसद्दा अप्पझंझा अप्पतुमंतुमा उवसामणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ ॥ ८४४ ॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ८४५ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठसया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ ८४६ ॥ अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए प० तं० पढमे समए दंडं करेइ बीए समए कवाडं करेइ तइए समए मंथाणं करेइ चउत्थे समए लोगं पूरेइ पंचमे समए लोगं पडिसाहरइ छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ ॥ ८४७ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठ सया अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं जाव आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था ॥ ८४८ ॥ अट्ठविहा वाणमंतरा देवा प० तं०—पिसाया भूया जक्खा रक्खसा किंनरा किंपुरिसा महोरगा गंधव्वा ॥ ८४९ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं वाणमंतरदेवाणं अट्ठ चेइयरुक्खा प० तं०—कलंबो उ पिसायाणं वडो जक्खाण चेइयं। तुलसी भूयाणं भवे रक्खसाणं च कंडओ (१) असोओ किंनराणं च किंपुरिसाण य चंपओ। नागरुक्खो भुयंगाणं गंधव्वाण य तेंदुओ (२) ॥ ८५० ॥ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठजोयणसए उड्ढमबाहाए सूरविमाणे चारं चरइ ॥ ८५१ ॥ अट्ठ नक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति तं० कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू महा चित्ता विसाहा अणुराहा जेट्ठा ॥ ८५२ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स दारा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० —सव्वेसिंपि दीवसमुद्दाणं दारा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ८५३ ॥ पुरिसवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स जहन्नेणं अट्ठसंवच्छराइं बंधठिई प० ॥ ८५४ ॥ जसोकित्तीनामस्स णं कम्मस्स जहन्नेणं अट्ठ मुहुत्ताइं बंधठिई प० ॥ ८५५ ॥ उच्चागोयस्स णं कम्मस्स एवं चेव

सुप्पइन्ना सुप्पबुद्धा जसोहरा, लच्छिवई सेसवई चित्तगुत्ता वसुधरा ॥ ८२९ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सोत्थिए य अमोहे य हिमवं मंदरे तहा, रुअगे रुयगुत्तमे चंदे अट्ठमे य सुदंसणे (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्डियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०–इलादेवी सुरादेवी पुढवी पउमावई, एगनासा नवमिया सीया भद्दा य अट्ठमा ॥ ८३० ॥ जंबूमंदरउत्तररुअगवरे पव्वए अट्ठकूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए या सव्वरयणे रयणसंचए चेव, विजये य वेजयंते य जयंते अपराजिए (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महड्डियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०–अलंबुसा मितकेसी पोंडरी गीतवारुणी, आसा य सव्वगा चेव सिरी हिरी चेव उत्तरओ ॥ ८३१ ॥ अट्ठ अहेलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० भोगंकरा भोगवई सुभोगा भोगमालिणी, सुवच्छा वच्छमित्ता य, वारिसेणा बलाहगा (१) अट्ठ उड्ढलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं०–मेघंकरा मेघवई सुमेघा मेघमालिणी, तोयधारा विचित्ता य पुप्फमाला अणिंदिता २ ॥ ८३२ ॥ अट्ठ कप्पा तिरियमिस्सोववन्नगा प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे ॥ ८३३ ॥ एएसु णं अट्ठसु कप्पेसु अट्ठ इंदा प० तं० सक्के जाव सहस्सारे ॥ ८३४ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं इंदाणं अट्ठ परियाणिया विमाणा प० तं० पालए पुप्फए सोमणसे सिरिवच्छे णंदावत्ते कामकमे पीइमणे विमले ॥ ८३५ ॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा णं चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव अणुपालियावि भवइ ॥ ८३६ ॥ अट्ठविहा संसारसमावन्नगा जीवा प० तं० पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया एवं जाव अपढमसमयदेवा ॥८३७॥ अट्ठविहा सव्वजीवा प०तं० नेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ मणुस्सा मणुस्सीओ देवा देवीओ सिद्धा ॥ ८३८ ॥ अहवा अट्ठविहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियनाणी जाव केवलनाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी ॥ ८३९ ॥ अट्ठविहे संजमे प० तं० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, पढमसमयबादरसंजमे, अपढमसमयबादरसंजमे, पढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, पढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे ॥ ८४० ॥ अट्ठ पुढवीओ प० तं० रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा ईसिपब्भारा ॥ ८४१ ॥ ईसिप्पब्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं प० ॥ ८४२ ॥ ईसिपब्भाराए णं पुढवीए अट्ठ नामधेज्जा प०

॥ ८५६ ॥ तेइंदियाणमट्ठ जाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ ८५७ ॥ जीवा ण अट्ठठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणति वा चिणिस्संति वा त०-पढमसमयनेरइयनिव्वत्तिए जाव अपढमसमयदेवनिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ८५८ ॥ अट्ठपएसिया खधा अणता प० ॥ ८५९ ॥ अट्ठ पएसोगाढा पोग्गला अणता प० ॥ ८६० ॥ जाव अट्ठगुणलुक्खा पोग्गला अणता प० ॥ ८६१ ॥ **अट्ठमं ठाणं समत्तं ॥**

नवमट्ठाणं

नवहिं ठाणेहिं समणे णिग्गथे सभोइयं विसभोइय करेमाणे णाइक्कमइ तं०-आयरियपडिणीय उवज्झायपडिणीय थेरपडिणीय कुल० गण० सघ० नाण० दसण० चरित्तपडिणीयं ॥ ८६२ ॥ नव वभचेरा प० तं० सत्थपरिन्ना लोगविजओ जाव उवहाणसुय महापरिण्णा ॥ ८६३ ॥ नव वभचेरगुत्तीओ प० त० विवित्ताइं सयणासणाइ सेवित्ता भवइ णो इत्थिसंसत्ताइं नो पसुसंसत्ताइ नो पडगसंसत्ताइ १ नो इत्थीण कह कहेत्ता २ नो इत्थिठाणाइं सेवित्ता भवइ ३ नो इत्थीणमिंदियाइं मणोहराइ मणोरमाइं आलोइत्ता निज्झाइत्ता भवइ ४ नो पणीयरसभोइ ५ नो पाणभोयणस्स अइमत्त आहारए सया भवइ ६ नो पुव्वरय पुव्वकीलिय समरेत्ता भवइ ७ णो सद्दाणुवाई णो रूवाणुवाई णो सिलोगाणुवाई ८ णो सायसोक्खपडिवद्धे यावि भवइ ९ ॥ ८६४ ॥ नव वभचेरअगुत्तीओ प० त० नो विवित्ताइ सयणासणाइ सेवित्ता भवइ इत्थीससत्ताइ पसुससत्ताइं पंडगससत्ताइ इत्थीणं कहं कहेत्ता भवइ इत्थीण ठाणाइ सेवित्ता भवइ इत्थीण इंदियाइ जाव निज्झाइत्ता भवइ पणीयरसभोई पाणभोयणस्स अइमायमाहारए सया भवइ पुव्वरय पुव्वकीलिय सरित्ता भवइ सद्दाणुवाई रूवाणुवाई सिलोगाणुवाई जाव सायासुक्खपडिवद्धे यावि भवइ ॥ ८६५ ॥ अभिणंदणाओ ण अरहओ सुमई अरहा नवहिं सागरोवमकोडिसयसहस्सेहिं विइक्कतेहिं समुप्पन्ने ॥ ८६६ ॥ नव सब्भावपयत्था प० त० जीवा अजीवा पुण्ण पावो आसवो सवरो णिज्जरा वधो मोक्खो ॥ ८६७ ॥ णवविहा ससारसमावन्नगा जीवा प० त० पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया वेइंदिया जाव पचिंदियत्ति ॥ ८६८ ॥ पुढवीकाइया नवगइया नव आगइया प० त० पुढवीकाइए पुढवीकाइएसु उववज्जमाणे पुढवीकाइएहिंतो वा जाव पचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से पुढवीकाइए पुढवीकायत्त विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा, एव आउकाइयावि जाव पचिंदियत्ति ॥ ८६९ ॥ नवविहा सव्वजीवा प० तं० एगिंदिया वेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया नेरइया पचिंदियति-

॥ ९९५-६ ॥ णव गेविज्जविमाणपत्थडा प० तं० हेट्ठिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे
हेट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमहेट्ठि-
मगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमउवरिमगेविज्जवि-
माणपत्थडे उवरिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे
उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ ९९७ ॥ एएसि णं णवण्हं गेविज्जविमाणपत्थ-
डाणं णव णामधिज्जा प० तं० भद्दे सुभद्दे सुजाए सोमणसे पियदरिसणे सुदंसणे
अमोहे य सुप्पबुद्धे जसोधरे ॥ ९९८ ॥ णवविहे आउपरिणामे प० तं० गइपरि-
णामे गइबंधणपरिणामे ठिइपरिणामे ठिइबंधणपरिणामे उड्ढंगारवपरिणामे अहे-
गारवपरिणामे तिरियंगारवपरिणामे दीहंगारवपरिणामे रहस्संगारवपरिणामे ॥ ९९९ ॥
णवणवमिया णं भिक्खुपडिमा एगासीए राइंदिएहिं चउहिं य पंचुत्तरेहिं भिक्खा-
सएहिं अहासुत्ता जाव आराहिया यावि भवइ ॥ १००० ॥ णवविहे पायच्छित्ते
प० तं० आलोयणारिहे जाव मूलारिहे अणवठ्ठप्पारिहे ॥ १००१ ॥ जंबूमंदरदाहि-
णेणं भरहे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे भरहे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण
तिमिसगुहा भरहे वेसमणे या भरहे कूडाण णामाइं ॥ १००२ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं
णिसहे वासहरपव्वए णवकूडा प० तं० सिद्धे णिसहे हरिवास विदेह हरि धिइ
य सीओया अवरविदेहे रुयगे णिसहे कूडाण णामाणि ॥ १००३ ॥ जंबूमंदरपव्वए
णंदणवणे णव कूडा प० तं० णंदणे मंदरे चेव णिसहे हेमवए रयय रुयए य
सागरचित्ते वइरे बलकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ १००४ ॥ जंबूमालवंतवक्खारपव्वए णव
कूडा प० तं० सिद्धे य मालवंते य उत्तरकुरु कच्छ सागरे रयए, सीया तह पुण्ण-
भद्दे हरिस्सहकूडे य बोद्धव्वे ॥ १००५ ॥ जंबू० कच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं०
सिद्धे कच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा कच्छे वेसमणे या कच्छे कूडाण
णामाइं ॥ १००६ ॥ जंबू० सुकच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे सुकच्छे खंडग
माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, सुकच्छे वेसमणे या सुकच्छे कूडाण णामाइं
॥ १००७ ॥ एवं जाव पोक्खलावइम्मि दीहवेयड्ढे एवं वच्छे दीहवेयड्ढे एवं जाव
मंगलावइम्मि दीहवेयड्ढे ॥ १००८ ॥ जंबू० विज्जुप्पभे वक्खारपव्वए णव कूडा प०
तं० —सिद्धे य विज्जुणामे देवकुरा पम्ह कणग सोवत्थी सीओयाए सयजले हरिकूडे
चेव बोद्धव्वे ॥ १००९ ॥ जंबू० पम्हे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० —सिद्धे पम्हे
खंडग माणी वेयड्ढ एवं चेव जाव सलिलावइम्मि दीहवेयड्ढे एवं वप्पे दीहवेयड्ढे एवं जाव
गंधिलावइम्मि दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० —सिद्धे गंधिल खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण
तिमिसगुहा, गंधिलावइ वेसमण कूडाणं होंति णामाइं (१) एवं सव्वेसु दीहवेयड्ढेसु

चाइं च (५) वत्थाण य उप्पत्ती णिप्फत्ती चेव सव्वभत्तीणं, रंगाण य धोयाण य सव्वा एसा महापउमे (६) काले कालण्णाणं भव्वपुराणं च तीसु वि वंसेसु सिप्पसयं कम्माणि य, तिन्नि पयाए हियकराइं (७) लोहस्स य उप्पत्ती होइ महाकालि आगराणं च, रुप्पस्स सुवण्णस्स य मणिमोत्तियसिलप्पवालाणं (८) जोहाण य उप्पत्ती आवरणाण य पहरणाण य, सव्वा य जुद्धनीई, माणवए दंडनीई य (९) णट्टविही णाडगविही, कव्वस्स चउव्विहस्स उप्पत्ती, संखे महाणिहिम्मी, तुडियंगाण य सव्वेसिं (१०) चक्कट्ठपइट्ठाणा अट्ठुस्सेहा य नव य विक्खंभे, बारसदीहा मंजूससंठिया, जण्हवीइ मुहे (११) वेरुलियमणिकवाडा कणगमया विविहरयणपडिपुण्णा, ससिसूरचक्कलक्खणअणुसमवयणोववत्ती य (१२) पलिओवमट्ठिइया णिहिसरिणामा य तेसु खलु देवा, जेसिं ते आवासा अक्किज्जा आहिवच्चा वा (१३) एए ते नवनिहिओ पभूयधणरयणसंचयसमिद्धा जे वसमुवगच्छंती सव्वेसिं चक्कवट्टीणं" (१४) ॥ ८८२ ॥ नव विगईओ प० तं० खीरं दहिं णवणीयं सप्पि तेल्लं गुलो महु मज्जं मंसं ॥ ८८३ ॥ णवसोयपरिस्सवा बोंदी प० तं० दो सोत्ता दो णेत्ता दो घाणा मुहं पोसे पाऊ ॥ ८८४ ॥ णवविहे पुण्णे प० तं० अन्नपुण्णे पाणपुण्णे वत्थपुण्णे लेणपुण्णे सयणपुण्णे मणपुण्णे वइपुण्णे कायपुण्णे नमोक्कारपुण्णे ॥ ८८५ ॥ णव पावस्सायतणा प० तं० पाणाइवाए मुसावाए जाव परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे ॥ ८८६ ॥ नवविहे पावसुयपसंगे प० तं० उप्पाए निमित्ते मंते आइक्खिए तिगिच्छए, कला आवरणे अन्नाणे मिच्छापावयणेति य ॥ ८८७ ॥ णव णेउणिया वत्थू प० तं० संखाणे निमित्ते काइए पोराणे पारिहत्थिए परपंडिए वाइए भूइकम्मे तिगिच्छए ॥ ८८८ ॥ समणस्स णं भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स नव गणा होत्था तं० गोदासगणे उत्तरबलिस्सहगणे उद्देहगणे चारणगणे उद्दवाइयगणे विस्सवाइयगणे कामड्ढियगणे माणवगणे कोडियगणे ॥ ८८९ ॥ समणेणं भगवया महावीरेण समणाण णिग्गंथाण णवकोडिपरिसुद्धे भिक्खे प० तं० ण हणइ ण हणावेइ हणंतं णाणुजाणइ ण पयइ ण पयावेइ पयंतं णाणुजाणइ ण किणइ ण किणावेइ किणंतं णाणुजाणइ ॥ ८९० ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो णव अग्गमहिसीओ प० ॥ ८९१ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं णवपलिओवमाइं ठिई प० ॥ ८९२ ॥ ईसाणे कप्पे उक्कोसेणं देवीणं णव पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ८९३ ॥ नव देवनिकाया प० तं० "सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य" ॥ ८९४ ॥ अव्वाबाहाणं देवाणं नव देवा नव देवसया प० एवं अग्गिच्चावि एवं रिट्ठावि

महापउमस्स रन्नो अन्नया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति तं० पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य तए णं सयदुवारे नगरे बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहप्पभिइओ अन्नमन्नं सद्दावेहिंति एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं महापउमस्स रन्नो दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं करेंति तं० पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया ! महापउमस्स रन्नो दोच्चेवि नामधेज्जे देवसेणे तए णं तस्स महापउमस्स दोच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेति २ तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो अन्नया कयाइ सेयसंखतलविमलसन्निगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिहिति तए णं से देवसेणे राया तं सेयसंखतलविमलसन्निगासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं नगरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अइज्जाहि य निज्जाहि य तए णं सयदुवारे नगरे बहवे राईसरतलवर जाव अन्नमन्नं सद्दावेहिंति २ एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं देवसेणस्स रन्नो सेयसंखतलविमलसन्निगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पन्ने तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया ! देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि नामधेज्जे विमलवाहणे तए णं तस्स देवसेणस्स रन्नो तच्चेवि नामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणे २ तए णं से विमलवाहणे राया तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं गुरुमहत्तरएहिं अब्भणुन्नाए समाणे उउम्मि सरए संबुद्धे अणुत्तरे मोक्खमग्गे पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं मणामाहिं उरालाहिं कल्लाणाहिं धन्नाहिं सिवाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं वग्गूहिं अभिणंदिज्जमाणे अभिथुव्वमाणे य बहिया सुभूमिभागे उज्जाणे एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिति तस्स णं भगवंतस्स साइरेगाइं दुवालस वासाइं निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केई उवसग्गा उप्पज्जंति तं० दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा ते उप्पन्ने सम्मं सहिस्सइ खमिस्सइ तितिक्खिस्सइ अहियासिस्सइ तए णं से भगवं इरियासमिए भासासमिए जाव गुत्तबंभयारी अममे अकिंचणे छिन्नग्गंथे निरुवलेवे कंसपाईव मुक्कतोए जहा भावणाए जाव सुहुयहुयासणेइव तेयसा जलंते कंसे संखे जीवे गगणे वाए य सारए सलिले पुक्खरपत्ते कुम्मे विहगे खग्गे य भारंडे (१) कुंजर वसहे सीहे नगराया चेव सागरमक्खोभे चंदे सूरे कणगे वसुंधरा चेव सुहुयहुए (२) नत्थि णं तस्स भगवंतस्स कत्थइ पडिबंधे भवइ, से य पडिबंधे चउव्विहे पं० तं०—अंडए वा पोयए वा उग्गहिए वा पग्गहिए वा जं णं जं णं दिसं इच्छइ तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धे सुइभूए लहुभूए अणप्पगंथे संजमेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरिस्सइ, तस्स णं भगवंतस्स

दो कूडा सरिसणामगा सेसा ते चेव ॥ ९१० ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं नीलवंते वासहर-पव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे नीलवन्त विदेहे सीया कित्ती य नारिकन्ता य, अव-रविदेहे रम्मगकूडे उवदसणे चेव ॥ ९११ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं एरवए दीहवेयड्ढे नव कूडा प० तं० सिद्धे रयणे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, एरवए वेस-मणे एरवए कूडणामाइ ॥ ९१२ ॥ पासे ण अरहा पुरिसादाणिए वज्जरिसहणा-रायसंघयणे समचउरससंठाणसंठिए नव रयणीओ उड्ढ उच्चत्तेणं होत्था ॥ ९१३ ॥ समणस्स ण भगवओ महावीरस्स तित्थंसि णवहिं जीवेहिं तित्थगरणामगोत्ते कम्मे णिव्वत्तिए तं० सेणिएण सुपासेणं उदाइणा पोट्टिलेणं अणगारेणं दढाउणा संखेणं सयएण सुलसाए सावियाए रेवईए ॥ ९१४ ॥ एस ण अज्जो ! कण्हे वासुदेवे, रामे बलदेवे, उदए पेढालपुत्ते, पुट्टिले, सयये गाहावई, दारुए नियंठे, सच्चई नियंठीपुत्ते, सावियवुद्धे अंबडे परिव्वायए, अज्जाविण सुपासा पासावच्चिज्जा, आगमेस्साए उस्स-प्पिणीए चाउज्जामं धम्मं पन्नवइत्ता सिज्झिहिंति जाव अंतं काहिंति ॥ ९१५ ॥ एस णं अज्जो ! सेणिए राया भिंभिसारे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढ-वीए सीमंतए नरए चउरासीइवाससहस्सठिइयंसि निरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिति से ण तत्थ णेरइए भविस्सइ काले कालोभासे जाव परमकिण्हे वन्नेण से ण तत्थ वेयण वेदिहिती उज्जल जाव दुरहियास से णं तओ नरयाओ उव्वट्टेत्ता आगमेस्साए उस्सप्पिणीए इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे संमुइस्स कुलगरस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुमत्ताए पच्चा-याहिइ तए ण सा भद्दा भारिया नवण्ह मासाण बहुपडिपुण्णाण अद्धट्ठमाण य राइं-दियाण वीइक्कंताण सुकुमालपाणिपाय अहीणपडिपुन्नपंचिंदियसरीरं लक्खणवंजण० जाव सुरूव दारग पयाहिती ज रयणिं च ण से दारए पयाहिती त रयणिं च ण सयदुवारे णयरे सब्भितरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिति तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वइक्कंते जाव बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फण्णं नामधिज्जं काहिंति जम्हा णं अम्ह इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे नयरे सब्भिंतरबाहिरए भार-ग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वुट्ठे तं होउ ण अम्ह इमस्स दारगस्स नामधिज्जं महापउमे तए ण तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधिज्जं काहिंति महापउमेत्ति, तए ण महापउम दारगं अम्मापियरो साइरेग अट्ठवासजायग जाणित्ता महया रायाभिसेएण अभिसिंचिहिंति से ण तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंतमलयमंदररायवन्नओ जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरिस्सइ तए णं तस्स

आहाकम्मिए वा जाव हरियभोयणे वा पडिसेहिस्सइ, से जहानामए अज्जो! म
समणाणं निग्गंथाणं पंचमहव्वइए सपडिक्कमणे अचेलए धम्मे प एवामेव महा
पउमेवि अरहा समणाणं निग्गंथाणं पंचमहव्वइयं जाव अचेलयं धम्मं पण्णवेहि
से जहानामए अज्जो! मए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे
प एवामेव महापउमेवि अरहा पंचाणुव्वइयं जाव सावगधम्मं पण्णवेस्सइ, से
जहानामए अज्जो! मए समणाणं निग्गंथाणं सेज्जायरपिंडे वा रायपिंडे वा प
सिद्धे एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं निग्गंथाणं सेज्जायरपिंडं वा जाव
पडिसेहिस्सइ, से जहानामए अज्जो! मम णव गणा इगारस गणहरा एवामेव
महापउमस्स वि अरहओ णव गणा इगारस गणहरा भविस्संति। से जहानामए
अज्जो! अहं तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दुवा
लस संवच्छराइं तेरस पक्खा छउमत्थपरियागं पाउणित्ता तेरसहिं पक्खेहिं ऊणगाइं
तीसं वासाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता बायालीसं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता
बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिस्सं जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सं एवा-
मेव महापउमेवि अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता जाव पव्वइहिति दुवा-
लस संवच्छराइं जाव बावत्तरिवासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिहिती जाव सव्वदु-
क्खाणमंतं काहिती "जंसीलसमायारो अरहा तित्थयरो महावीरो तस्सीलसमा-
यारो होइ उ अरहा महापउमे ॥ ११६ ॥ महापउमचरियं समत्तं ॥

णव णक्खत्ता चंदस्स पच्छंभागा प तं अभिई समणो धणिट्ठा रेवइ अस्सिणि
मग्गसिर पूसो हत्थो चित्ता य तहा पच्छंभागा णव हवंति ॥ ११७ ॥ आण-
यपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु विमाणा णव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प ॥ ११८ ॥
विमलवाहणे णं कुलगरे णव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ११९ ॥ उसभे णं
अरहा कोसलिए णं इमीसे ओसप्पिणीए णवहिं सागरोवमकोडाकोडीहिं विइक्कंताहिं
तित्थे पवत्तिए ॥ १२ ॥ घणदंतलट्ठदंतगूढदंतसुद्धदंतदीवा णं दीवा णवणवजोय-
णसयाइं आयामविक्खंभेणं प ॥ १२१ ॥ सुक्कस्स णं महागहस्स णव वीहीओ
प तं०—हयवीही गयवीही णागवीही वसहवीही गोवीही उरगवीही अयवीही
मियवीही वेसाणरवीही ॥ १२२ ॥ णवविहे णोकसायवेयणिज्जे कम्मे प तं —
इत्थिवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए हासे रई अरई भये सोगे दुगुंछा ॥ १२३ ॥ चउरिं
दियाणं णव जाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प ॥ १२४ ॥ भुयगपरिसप्पथल-
यरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं णव जाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प ॥ १२५ ॥
जीवा णं णवट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ ॥ १२६ ॥ पुढवि-

अणुत्तरेणं नाणेणं अणुत्तरेणं दंसणेणं अणुत्तरेणं चरित्तेणं एवं आलएणं विहारेणं अज्जवे मद्दवे लाघवे खंती मुत्ती गुत्ती सच्च संजम तवगुणसुचरियसोवचियफलपरि-निव्वाणमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिहिंति, तए णं से भगवं अरहा जिणे भविस्सइ केवली सव्वन्नू सव्वदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स परियागं जाणइ पासइ सव्वलोए सव्वजीवाणं आगइं गइं ठिइं चवणं उववायं तक्कं मणोमाणसियं भुत्तं कडं परिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं अरहा अरहस्स भागी तं तं कालं मणस-वयसकाइए जोगे वट्टमाणाणं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्वभावे जाणमाणे पासमाणे विहरइ, तए णं से भगवं तेणं अणुत्तरेणं केवलवरनाणदंसणेणं सदेवमणुयासुरलोगं अभिसमिच्चा समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छच्च जीवनिकायधम्मं देसेमाणे विहरिस्सइ से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं एगे आरंभ-ठाणे पण्णत्ते एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं एगं आरंभट्ठाणं पण्ण-वेहिति, से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं दुविहे बंधणे प० तं० पेज्जबंधणे, दोसबंधणे, एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं दुविहं बंधणं पन्नवेहिती तं० पेज्जबंधणं च दोसबंधणं च से जहानामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडा प० तं० मणदंडे ३ एवामेव महापउमेवि समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडे पण्णवेहिति तं० मणोदंडं ३ से जहानामए एएणं अभिलावेणं चत्तारि कसाया प० तं० कोहकसाए ४ पंच कामगुणे प० तं० सद्दे ५ छज्जीवनिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया एवामेव जाव तसकाइया से जहाणामए एएणं अभिलावेणं सत्त भयट्ठाणा प० तं० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सत्त भयट्ठाणा पन्नवेहिति, एवमट्ठ मयट्ठाणे, णव बंभचेरगुत्तीओ दस-विहे समणधम्मे एवं जाव तेत्तीसमासायणाउत्ति से जहानामए अज्जो ! मए सम-णाणं णिग्गंथाणं **थेरकप्पे जिणकप्पे** मुंडभावे अण्हाणए अदंतवणे अच्छत्तए अणुवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बंभचेरवासे परघरपवेसे जाव लद्धावलद्धवित्तीओ प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं **थेरकप्पं जिणकप्पं** जाव लद्धावलद्धवित्ती पण्णवेहिती, से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं आहाकम्मिएइ वा उद्देसिएइ वा मीसजाएइ वा अज्झोय-रएइ वा पूइए कीए पामिच्चे अच्छेज्जे अणिसट्ठे अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ वा दुब्भि-क्खभत्तेइ वा गिलाणभत्ते वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणभत्तेइ वा मूलभोयणेइ वा कंद० फल० बीय० हरियभोयणेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमे वि अरहा समणाणं०

करेज्जा पिउम्मिज्जमाणे वा करेज्जा परियारिज्जमाणे वा करेज्जा सक्काराई वा करेज्जा गामपरिग्गहे वा करेज्जा ॥ ९१५ ॥ दसहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती सिया तं० मणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरिंसु, अमणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं उवहरिंसु, मणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरइ, अमणुन्नाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं उवहरइ, मणुन्नाइं मे सद्द जाव अवहरिस्सइ, अमणुन्नाइं मे सद्द जाव उवहरिस्सइ, मणुन्नाइं मे सद्द जाव गंधाइं अवहरिंसु वा अवहरइ अवहरिस्सइ, अमणुन्नाइं मे सद्द जाव उवहरिंसु वा उवहरइ उवहरिस्सइ, मणुन्नामणुन्नाइं सद्द जाव अवहरिंसु अवहरइ अवहरिस्सइ उवहरिंसु उवहरइ उवहरिस्सइ, अहं च णं आयरियउवज्झायाणं सम्मं वट्टामि ममं च णं आयरियउवज्झाया मिच्छं पडिवन्ना ॥ ९१६ ॥ दसविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे बेइंदियसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदियसंजमे पंचिंदियसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ९१७ ॥ दसविहे असंजमे प० तं० पुढविकाइयअसंजमे जाव तेउ वाउ वणस्सइ जाव अजीवकायअसंजमे ॥ ९१८ ॥ दसविहे संवरे प० तं०—सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मण वय काय उवकरण सूचीकुसग्गसंवरे ॥ ९१९ ॥ दसविहे असंवरे प० तं०—सोइंदियअसंवरे, जाव सूचीकुसग्गअसंवरे ॥ ९२० ॥ दसहिं ठाणेहिं अहमंतीति थंभिज्जा तं०—जाइमएण वा कुलमएण वा जाव इस्सरियमएण वा णागसुवन्ना वा मे अंतियं हव्वमागच्छंति पुरिसधम्माओ वा मे उत्तरिए अहोहिए णाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ ९२१ ॥ दसविहा समाही प० तं०—पाणाइवायवेरमणे मुसा अदिन्ना मेहुण परिग्गह-ईरियासमिई भासा एसणा आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिई ॥ ९२२ ॥ दसविहा असमाही प० तं० पाणाइवाए जाव परिग्गहे, ईरियाऽसमिई जाव उच्चार ॥ ९२३ ॥ दसविहा पव्वज्जा प० तं०—छंदा रोसा परिजुन्ना सुविणा पडिस्सुया चेव सारणिया रोगिणिया अणाढिया देवसन्नत्ती वच्छाणुबंधिया ॥ ९२४ ॥ दसविहे समणधम्मे प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ ९२५ ॥ दसविहे वेयावच्चे प० तं० आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सि गिलाण सेह कुल गण संघ साहम्मियवेयावच्चे ॥ ९२६ ॥ दसविहे जीवपरिणामे प० तं० गइपरिणामे इंदियपरिणामे कसायपरिणामे लेसा जोग उवओग णाण दंसण चरित्त वेयपरिणामे ॥ ९२७ ॥ दसविहे अजीवपरिणामे प० तं० बंधणपरिणामे गइ संठाण भेद वण्ण रस गंध फास अगुरुलहु सद्दपरिणामे ॥ ९२८ ॥ दसविहे अंतलिक्खिए असज्झाए प० तं०—

काइयनिवत्तिए जाव पंचिंदियनिवत्तिए एव चिण उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ९२७ ॥ णव पएसिया खधा अणता प० ॥ ९२८ ॥ णव पएसोगाढा पोग्गला अणता प० ॥ ९२९ ॥ जाव णव गुणलुक्खा पोग्गला अणता प० ॥ ९३० ॥

नवमं ठाणं नवममज्झयणं समत्तं ॥

दसमट्ठाणं

दसविहा लोगट्ठिई प० त० जण्ण जीवा उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायति, एव एगा लोगट्ठिई प० १ जण्ण जीवाण सया समिय पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० २ जण्ण जीवा सया समियं मोहणिज्जे पावे कम्मे कज्जइ एव एगा लोगट्ठिई प० ३ ण एव भूयं वा भव्व वा भविस्सइ वा ज जीवा अजीवा भविस्सति अजीवा वा जीवा भविस्सति एवं एगा लोगट्ठिई प० ४ ण एव भूयं ३ ज तसा पाणा वोच्छिज्जिस्सति थावरा पाणा वोच्छिज्जिस्सति तसा पाणा भविस्सति वा एव पि एगा लोगट्ठिई प० ५ ण एव भूय वा ३ ज लोगे अलोगे भविस्सइ अलोगे वा लोगे भविस्सइ एव एगा लोगट्ठिई प० ६ ण एव भूय वा ३ ज लोए अलोए पविस्सइ अलोए वा लोए पविस्सइ एव एगा लोगट्ठिई प० ७ जाव ताव लोगे ताव ताव जीवा जाव ताव जीवा ताव ताव लोए एवं एगा लोगट्ठिई प० ८ जाव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए ताव ताव लोए जाव ताव लोए ताव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए एव एगा लोगट्ठिई प० ९ सव्वेसु वि ण लोगतेसु अबद्धपासपुट्ठा पोग्गला लुक्खत्ताए कज्जति जेण जीवा य पोग्गला य नो सचायति बहिया लोगता गमणयाए एव एगा लोगट्ठिई पण्णत्ता ॥ ९३१ ॥ दसविहे सद्दे प० त० नीहारि पिंडिमे लुक्खे भिन्ने जज्जरिए इय, दीहे रहस्से पुहत्ते य, काकणी खिखिणिस्सरे ॥ ९३२ ॥ दस इदियत्थातीता प० त० देसेण वि एगे सद्दाइ सुणिंसु सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु देसेण वि एगे रूवाइ पासिंसु सव्वेण वि एगे रूवाई पासिंसु एव गधाइ रसाइ फासाइ जाव सव्वेण वि एगे फासाइ पडिसवेदेंसु ॥ ९३३ ॥ दस इदियत्था पडुप्पन्ना प० तं०–देसेण वि एगे सद्दाइ सुणेंति, सव्वेण वि एगे सद्दाइ सुणेंति, एव जाव फासाइ, दस इदियत्था अणागया प० त०–देसेण वि एगे सद्दाइ सुणिस्संति सव्वेण वि एगे सद्दाइ सुणिस्संति एव जाव सव्वेण वि एगे फासाइ पडिसवेदेस्संति ॥ ९३४ ॥ दसहिं ठाणेहिं अच्छिन्ने पोग्गले चलेज्जा त०–आहारिज्जमाणे वा चलेज्जा, परिणामेज्जमाणे वा चलेज्जा, उस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, निस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, वेदेज्जमाणे वा चलेज्जा, णिज्जरिज्जमाणे वा

उव्वेहेणं प० मूले दससयाइं जोयणाइं विक्खंभेणं बहुमज्झदेसभाए एगपएसियाए सेढीए दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० उवरिं मुहमूले दससयाइं जोयणाइं विक्खं-भेणं प० तेसि णं वइरामया मूला सव्ववइरामया उव्वेह समा दस जोयणाइं बाहोल्लेणं प० ॥ ९६२ ॥ धायइसंडगा णं मंदरा दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं धर-णितले देसूणाइं दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खं-भेणं प० ॥ ९६३ ॥ पुक्खरवरदीवड्ढगा णं मंदरा दस जोयण एवं चेव ॥ ९६४ ॥ सव्वेवि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दसजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउ-यसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे दस खेत्ता प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवस्से रम्मयवस्से पुव्वविदेहे अवरविदेहे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ९६६ ॥ माणुसुत्तरे णं पव्वए मूले दस बावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ९६७ ॥ सव्वेवि णं अंजणगपव्वया दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयण-सहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६८ ॥ सव्वेवि णं दहिमुहपव्वया दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ९६९ ॥ सव्वेवि णं रइकरगपव्वया दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाण-संठिया दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ९७० ॥ रुयगवरे णं पव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयण-सयाइं विक्खंभेणं प० एवं कुंडलवरेवि ॥ ९७१ ॥ दसविहे दविआणुओगे प० तं० दवियाणुओगे माउयाणुओगे एगट्ठियाणुओगे करणाणुओगे अप्पियणप्पिए भाविआ-भाविए बाहिराबाहिरे सासयासासए तहणाणे अतहणाणे ॥ ९७२ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तिगिच्छिकूडे उप्पायपव्वए मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ९७३ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महा-रण्णो सोमप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ९७४ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो जमस्स महारण्णो जमप्पभे उप्पायपव्वए एवं चेव एवं वरुणस्सवि एवं वेसमणस्स वि ॥ ९७५ ॥ बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो रुयगिंदे उप्पायपव्वए मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ९७६ ॥ बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स सोमस्स एवं चेव जहा चमरस्स लोगपालाणं तं चेव बलिस्स वि ॥ ९७७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो धरणप्पभे उप्पायपव्वए

उक्कावाए दिसिदाघे गज्जिए विज्जुए निग्घाए जूवए जक्खालित्ते धूमिया महिया रयउग्घाए ॥ ९४९ ॥ दसविहे ओरालिए असज्झाइए प० तं०—अट्ठि मंसं सोणिए असुइसामंते सुसाणसामंते चंदोवराए सूरोवराए पडणे रायवुग्गहे उवस्सयस्स अंतो ओरालिए सरीरगे ॥ ९५० ॥ पंचिंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स दसविहे संजमे कज्जइ त०—सोयामयाओ सुक्खाओ अववरोवित्ता भवइ, सोयामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ, एवं जाव फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ, एवं असंजमोवि भाणियव्वो ॥ ९५१ ॥ दससुहुमा प० तं०—पाणसुहुमे, पणगसुहुमे जाव सिणेहसुहुमे, गणियसुहुमे, भंगसुहुमे ॥ ९५२ ॥ जम्बूमंदरदाहिणेण गंगासिंधुमहाणईओ दसमहाणईओ समप्पेंति त० जउणा, सरऊ, आवी, कोसी, मही, सिंधू, विवच्छा, विभासा, एरावई, चंदभागा ॥ ९५३ ॥ जम्बूमंदरउत्तरेणं रत्तारत्तवईओ महाणईओ दस महाणईओ समप्पेंति त०—किण्हा, महाकिण्हा, नीला, महानीला, तीरा, महातीरा, इंदा जाव महाभोगा ॥ ९५४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे दस रायहाणीओ प० त० चंपा, महुरा, वाणारसी य, सावत्थी, तह य साएयं, हत्थिणाउर, कपिल्ल, मिहिला, कोसंबि, रायगिहं ॥ ९५५ ॥ एयासु णं दससु रायहाणीसु दस रायाणो मुंडा भवेत्ता जाव पव्वइया, त०—भरहे, सगरो, मघवं, सणंकुमारो, संती, कुंथू, अरे, महापउमे, हरिसेणो, जयणामे ॥ ९५६ ॥ जंबूमंदरपव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेण धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेण उवरिं दसजोयणसयाइं विक्खंभेण दसदसाइं जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० ॥ ९५७ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं अट्ठ पएसिए रुयगे प० जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति तं० पुरच्छिमा, पुरच्छिमदाहिणा, दाहिणा, दाहिणपच्चत्थिमा, पच्चत्थिमा, पच्चत्थिमुत्तरा, उत्तरा, उत्तरपुरच्छिमा, उड्ढा, अहो ॥ ९५८ ॥ एएसि णं दसण्हं दिसाणं दस णामधिज्जा, प० त०—इंदा अग्गेइ जमा णेरई वारुणी य वायव्वा, सोमा ईसाणावि य विमला य तमा य बोद्धव्वा ॥ ९५९ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयणसहस्साइं गोतित्थविरहिए खेत्ते प० ॥ ९६० ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयणसहस्साइं उदगमाले पन्नत्ते ॥ ९६१ ॥ सव्वेवि णं महापायाला दसदसाइं जोयणसहस्साइं उव्वेहेण प० मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेण प० बहुमज्झदेसभागे एगपएसियाए सेढीए दसदसाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेण प० उवरिं मुहमूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेण प० तेसि णं महापायालाणं कुड्डा सव्ववइरामया सव्वत्थसमा दस जोयणसयाइं बाहल्लेण प० सव्वेवि णं खुड्डा पायाला दस जोयणसयाइं

दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेण दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेण ॥ ९७८ ॥ धरणस्स नागकुमारिंदस्स णं नागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो महाकालप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चेव, एवं जाव संखवालस्स, एवं भूयाणंदस्स वि, एवं लोगपालाणंपि से जहा धरणस्स, एवं जाव थणियकुमाराण सलोगपालाण भाणियव्वं, सव्वेसिं उप्पायपव्वया भाणियव्वा सरिसणामगा ॥९७९॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरण्णो सक्कप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेण दसगाउयसहस्साइं उव्वेहेणं मूले दस जोयण-सहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ९८० ॥ सक्कस्स ण देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं लोगपालाण सव्वेसिं च इंदाण जाव अच्चुयत्ति, सव्वेसिं पमाणमेग ॥ ९८१ ॥ बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेण दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० ॥ ९८२ ॥ जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाण उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० उरपरिसप्पथलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाण उक्कोसेण एवं चेव ॥ ९८३ ॥ संभवाओ ण अरहाओ अभिनंदणे अरहा दसहिं सागरोवमकोडिसयसहस्सेहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पन्ने ॥९८४॥ दसविहे अणंतए प० तं० णामाणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए एगओणंतए दुहओणंतए देसवित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ९८५ ॥ उप्पायपुव्वस्स ण दस वत्थू प० ॥ ९८६ ॥ अत्थिणत्थिप्पवायपुव्वस्स ण दस चूलवत्थू प० ॥९८७॥ दसविहा पडिसेवणा प० तं०—दप्प पमाय णाभोगे आउरे आवईसु य, संकिए सहसक्कारे भय प्पओसा य वीमंसा ॥९८८॥ दस आलोयणा दोसा प० तं० आकं-पइत्ता अणुमाणइत्ता जंदिट्ठं बायरं च सुहुमं वा, छण्णं सद्दाउलगं बहुजण अव्वत्त तस्सेवी ॥ ९८९ ॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोएत्तए तं०—जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने एवं जहा अट्ठट्ठाणे जाव खंते दंते अमाई अपच्छाणुतावी ॥ ९९० ॥ दसहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए तं०—आयारवं अवहारवं जाव अवायदंसी पियधम्मे दढधम्मे ॥ ९९१ ॥ दसविहे पाय-च्छित्ते प० तं०—आलोयणारिहे जाव अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे ॥ ९९२ ॥ दसविहे मिच्छत्ते प० तं०—अधम्मे धम्मसण्णा धम्मे अधम्मसण्णा उम्मग्गे मग्ग-सण्णा मग्गे उम्मग्गसण्णा अजीवेसु जीवसण्णा जीवेसु अजीवसण्णा असाहुसु साहु-सण्णा साहुसु असाहुसण्णा अमुत्तेसु मुत्तसण्णा मुत्तेसु अमुत्तसण्णा ॥ ९९३ ॥ चंदप्पभे ण अरहा दस पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ९९४ ॥ धम्मे ण अरहा दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव-

महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं चित्तविचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ तं० आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणामयं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेइ, तं०— अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवण्णाइण्णे संघे तं०—समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्णवेइ, तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं उम्मीवीयी जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणाइए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिण्णे ७ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पन्ने ८ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवे-रुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे उराला कित्तिवण्णसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इइ ९ जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥ ७११ ॥ दसविहे सरागसम्मदंसणे प० तं०—निसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव धम्मरुई ॥ १ ॥ ७१२ ॥ दससण्णाओ प० तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा नेरइयाणं दस सण्णाओ एवं चेव एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ ॥ ७१४ ॥ नेरइया णं दसविहं वेयणं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति तं० सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं भयं सोगं जरं वाहिं ॥ ७१५ ॥ दस ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं न जाणइ न पासइ तं०—धम्मत्थिकायं जाव वायं अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भविस्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंतं करिस्सइ वा ण वा करिस्सइ एयाणि चेव उप्पन्नणाणदंसणधरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा न वा करेस्सइ ॥ ७१६ ॥ दस दसाओ प० तं०—कम्मविवागदसाओ उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, आयारदसाओ पण्हावागरणदसाओ बंधदसाओ,

॥१०१३॥ दसविहे विसेसे प० तं०–वत्थु तज्जायदोसे य दोसे एगट्ठिएइ य, कारणे य पडुप्पण्णे दोसे निच्चे हि अट्ठमे, अत्तणा उवणीए य विसेसेति य ते दस.. ॥१०१४॥ दसविहे सुद्धावायाणुओगे प० तं०–चकारे मकारे पिंकारे सेयकारे सायकारे एगत्ते पुहुत्ते सजहे संकामिए भिन्ने ॥ १०१५ ॥ दसविहे दाणे प० तं० अणुकंपा संगहे चेव भये कालुणिएइ य, लज्जाए गारवेणं च, अहम्मे पुण सत्तमे ॥ धम्मे य अट्ठमे वुत्ते काहीइ य कयति य ॥ १०१६ ॥ दसविहा गई प० तं०–निरयगई, निरयविग्गहगई, तिरियगई, तिरियविग्गहगई, एवं जाव सिद्धिगई, सिद्धिविग्गहगई ॥ १०१७॥ दसमुंडा प० तं०–सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, कोहमुंडे जाव लोभमुंडे दसमे सिरमुंडे ॥ १०१८ ॥ दसविहे संखाणे प० तं०–परिकम्म ववहारो रज्जू रासी कलासवन्ने य, जावतावइ वग्गो घणो य तह वग्गवग्गो वि, कप्पो य ॥ १०१९ ॥ दसविहे पच्चक्खाणे प० तं०–अणागयमइक्कंतं कोडीसहियं नियंटियं चेव, सागारमणागारं, परिमाणकडं, निरवसेसं, सकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं दसविहं तु ॥ १०२० ॥ दसविहा सामायारी प० तं०–इच्छा मिच्छा तहक्कारो आवस्सिया निसीहिया, आपुच्छणा य पडिपुच्छा छंदणा य निमंतणा, उवसंपया य काले सामायारी भवे दसविहा उ ॥ १०२१ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे तं०–एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ४ एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ६ एगं च णं महासागरं उम्मीवीचीसहस्सकलियं भुयाहिं तिन्नं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ७ एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलियवण्णाभेणं नियएणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परिवेढियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ९ एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाओ उवरिं सीहासणवरगयमत्ताणं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे १० जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे तण्णं समणेणं भगवया महावीरेण मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किलपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं

महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्त-विचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं चित्त-विचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पन्नवेइ परूवेइ दंसेइ निदंसेइ उवदंसेइ तं० आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणामयं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पन्नवेइ, तं०—अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे संघे तं०—समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पन्नवेइ, तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं उम्मीवीयी जाव पडिबुद्धे तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणाइए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिण्णे ७ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पन्ने ८ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे उराला कित्तिवण्णसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इइ ९ जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तण्णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलिपन्नत्तं धम्मं आघवेइ पन्नवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥ १४२ ॥ दसविहे सरागसम्मदंसणे प० तं०—निसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव । अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव धम्मरुई ॥ १ ॥ १४३ ॥ दस सन्नाओ प० तं०—आहारसन्ना भयसन्ना मेहुणसन्ना परिग्गहसन्ना कोहसन्ना माणसन्ना मायासन्ना लोभसन्ना लोगसन्ना ओहसन्ना नेरइयाणं दस सन्नाओ एवं चेव एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ ॥ १४४ ॥ नेरइया णं दसविहं वेयणं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति तं० सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं भयं सोगं जरं वाहिं ॥ १४५ ॥ दस ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं न जाणइ न पासइ तं०—धम्मत्थिकायं जाव वायं अयं जिणे भविस्सइ वा न वा भविस्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा न वा करेस्सइ एयाणि चेव उप्पन्ननाण-दंसणधरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा न वा करेस्सइ ॥ १४६ ॥ दस दसाओ प० तं० —कम्मविवागदसाओ उवासगदसाओ अंतगड-दसाओ अणुत्तरोववाइयदसाओ, आयारदसाओ पण्हावागरणदसाओ, बंधदसाओ

दोगिद्धिदसाओ, दीहदसाओ, संखेवियदसाओ ॥ १०२७ ॥ कम्मविवागदसाण दस अज्झयणा प० तं०—मियापुत्ते य गोत्तासे अंडे सगडेइ यावरे, माहणे णंदिसेणे य सोरियत्ति उदुंबरे १ सहसुद्दाहे आमलए कुमारे लेच्छई इद २ ॥१०२८॥ उवासगदसाण दस अज्झयणा प० तं०—आणंदे कामदेवे अ गाहावइ चूलणीपिया, सुरादेवे चुल्लसयए गाहावइ कुंडकोलिए (१) सद्दालपुत्ते महासयए णंदिणीपिया सालइयापिआ ॥ १०२९ ॥ अंतगडदसाण दस अज्झयणा प० तं०—णमि मातंगे सोमिले रामगुत्ते सुदंसणे चेव, जमाली य भगाली य किंकमे पल्लए इ य (१) फाले अंबडपुत्ते य एमेए दस आहिआ ॥१०३०॥ अणुत्तरोववाइयदसाण दस अज्झयणा प० तं०—इसिदासे य धण्णे य सुणक्खत्ते य काइए, संठाणे सालिभद्दे य आणंदे तेयली इय (१) दसण्णभद्दे अइमुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०३१ ॥ आयारदसाण दस अज्झयणा प० तं० वीस असमाहिट्ठाणा एगवीस सबला तेत्तीस आसायणाओ अट्ठविहा गणिसंपया दस चित्तसमाहिट्ठाणा एगारसउवासगपडिमाओ बारस भिक्खुपडिमाओ पज्जोसवणाकप्पो तीसं मोहणिज्जट्ठाणा आजाइट्ठाण ॥ १०३२ ॥ पण्हावागरणदसाण दस अज्झयणा प० तं० उवमा संखा इसिभासियाई आयरियभासियाई महावीरभासियाइ खोमगपसिणाइ कोमलपसिणाइ अद्दागपसिणाइ अंगुट्ठपसिणाइ बाहुपसिणाइ ॥ १०३३ ॥ बंधदसाण दस अज्झयणा प० तं०—बंधे य मोक्खे य देवद्धि दसारमंडलेवि य, आयरियविप्पडिवत्ती उवज्झायविप्पडिवत्ती भावणा विमुत्ती साओ कम्मे ॥ १०३४ ॥ दोगेहिदसाण दस अज्झयणा प० तं० वाए विवाए उववाए सुक्खित्ते कसिणे बायालीसं सुमिणे तीसं महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा हारे रामे गुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०३५ ॥ दीहदसाण दस अज्झयणा प० तं० चंदे सूरए सुक्के य सिरिदेवी पभावई दीवसमुद्दोववत्ती बहुपुत्ती मंदरेइ य थेरे संभूयविजए थेरे पम्ह ऊसासनीसासे ॥ १०३६ ॥ संखेवियदसाण दस अज्झयणा प० तं० खुड्डियाविमाणपविभत्ती महल्लियाविमाणपविभत्ती अंगचूलिया वग्गचूलिया विवाहचूलिया अरुणोववाए वरुणोववाए गरुलोववाए वेलंधरोववाए वेसमणोववाए ॥ १०३७ ॥ दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणीए दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणीए ॥ १०३८ ॥ दसविहा नेरइया प० तं०—अणंतरोववन्ना परंपरोववन्ना अणंतरावगाढा परंपरावगाढा अणंतराहारगा परंपराहारगा अणंतरपज्जत्ता परंपरपज्जत्ता चरिमा अचरिमा एवं निरंतरं जाव वेमाणिया ॥ १०३९ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए दस निरयावाससयसहस्सा प० ॥ १०४० ॥ रयणप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं दसवाससहस्साइं

ठिई प० ॥ ७४१ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७४२ ॥ पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए जहन्नेणं नेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७४३ ॥ असुरकुमाराणं जहन्नेणं दस-वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ७४४ ॥ एवं जाव थणियकुमाराणं बायरवणस्सइ-काइयाणं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ७४५ ॥ वाणमंतराणं देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ७४६ ॥ बंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७४७ ॥ लंतए कप्पे देवाणं जहन्नेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७४८ ॥ दसहिं ठाणेहिं जीवा आगमेसिभद्दत्ताए कम्मं पगरेंति तं०—अणिदाणयाए, दिट्ठिसंपन्नयाए, जोगवाहियत्ताए, खंतिखमणयाए, जिइंदियाए, अमाइल्लयाए, अपासत्थयाए, सुसामण्णयाए, पवयणवच्छल्लयाए, पवयणउब्भावणयाए ॥ ७४९ ॥ दसविहे आसंसप्पओगे प० तं०—इहलोगासंसप्पओगे परलोगासंसप्पओगे दुहओलोगासंसप्पओगे जीवियासंसप्पओगे मरणासंसप्पओगे कामासंसप्पओगे, भोगासंसप्पओगे लाभासंसप्पओगे पूयासंसप्पओगे सक्कारासंसप्पओगे ॥ ७५० ॥ दसविहे धम्मे प० तं०—गामधम्मे नगरधम्मे, रट्ठधम्मे पासंडधम्मे कुलधम्मे गणधम्मे संघधम्मे सुयधम्मे चरित्तधम्मे अत्थिकायधम्मे ॥ ७५१ ॥ दस थेरा प० तं० गामथेरा, नगरथेरा रट्ठथेरा, पसत्थारथेरा कुलथेरा गणथेरा संघथेरा जाइथेरा सुयथेरा परियायथेरा ॥ ७५२ ॥ दस पुत्ता प० तं०—अत्तए खेत्तए दिन्नए विन्नए उरसे मोहरे सोंडीरे संवुड्ढे उवयाइए धम्मंतेवासी ॥ ७५३ ॥ केवलिस्स णं दस अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे नाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए अणुत्तरा खंती अणुत्तरा मुत्ती अणुत्तरे अज्जवे अणुत्तरे मद्दवे अणुत्तरे लाघवे ॥ ७५४ ॥ समयखेत्ते णं दस कुराओ प० तं०—पंच देवकुराओ पंच उत्तरकुराओ तत्थ णं दस महइमहालया महादुमा प० तं०—जंबू सुदंसणा धायइरुक्खे महाधायइरुक्खे पउमरुक्खे महापउमरुक्खे पंच कूडसामलीओ तत्थ णं दस देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति तं० अणाढिए जंबुद्दीवाहिवई सुदंसणे पियदंसणे पोंडरीए महापोंडरीए पंच गरुला वेणुदेवा ॥ ७५५ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा तं०—अकाले वरिसइ काले न वरिसइ असाहू पुज्जंति साहू न पुज्जंति गुरुसु जणो मिच्छं पडिवन्नो अमणुन्ना सद्दा जाव फासा ॥ ७५६ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं०—अकाले न वरिसइ तं चेव विवरीयं जाव मणुन्ना फासा ॥ ७५७ ॥ सुसमसुसमाए णं समाए दसविहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छंति तं०—मत्तंगया य भिंगा तुडियंगा दीव

जोइ चित्तगा, चित्तरसा मणियगा गेहागारा अणियणा य ॥ १०५८ ॥ जंबू-दीवे २ भारहे वासे तीताए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा होत्था तं०–सयज्जले सयाऊ य अणतसेणे य अमितसेणे य, तक्कसेणे भीमसेणे महाभीमसेणे य सत्तमे (१) दढरहे दसरहे सयरहे ॥ १०५९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमीसाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा भविस्सति त०–सीमकरे सीमधरे खेमकरे खेमधरे विमलवाहणे समुई पडिसुए दढधणू दसधणू सयधणू ॥ १०६० ॥ जवुद्दीवे दीवे मदरपव्वयस्स पुरच्छिमेण सीयाए महानईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० त०–मालवते चित्तकूडे विचित्तकूडे वभकूडे जाव सोमणसे ॥ १०६१ ॥ जवूमद-रपच्चत्थिमे ण सीओआए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० त०–विज्जुप्पभे जाव गधमायणे एव धायइसडपुरच्छिमद्धेवि वक्खारा भाणियव्वा जाव पुक्खरवरदीवद्धपचत्थिमद्धे ॥ १०६२ ॥ दसकप्पा इदाहिट्ठिया प० त० सोहम्मे जाव सहस्सारे पाणए अच्चुए एएसु ण दससु कप्पेसु दस इदा प० त०–सक्के ईसाणे जाव अच्चुए एएसु णं दसण्हं इदाण दस परिजाणियविमाणा प० त०–पालए पुप्फए जाव विमलवरे सव्वओभद्दे ॥ १०६३ ॥ दस दसमिया ण भिक्खुपडिमा णं एगेण राइदियसएण अद्धछट्ठेहिं य भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव आराहियावि भवइ ॥ १०६४ ॥ दसविहा ससारसमावन्नगा जीवा प० त०–पढमसमयएगिंदिया अपढमसमयएगिंदिया एव जाव अपढमसमयपचिंदिया ॥ १०६५ ॥ दसविहा सव्वजीवा प० त०–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेइंदिया जाव पचिंदिया अणिंदिया ॥ १०६६ ॥ अहवा दसविहा सव्वजीवा प० त० पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया जाव अपढमसमयदेवा पढमसमयसिद्धा अपढमसमयसिद्धा ॥ १०६७ ॥ वाससयाउयस्स णं पुरिसस्स दस दसाओ प० त०–वाला किड्डा य मदा य बला पन्ना य हायणी, पवचा पब्भारा य मुमुही सायणी तहा ॥ १०६८ ॥ दसविहा तणवणस्सइकाइया प० त०–मूले कदे जाव पुप्फे फले बीए ॥ १०६९ ॥ सव्वओवि णं विज्जाहरसेढीओ दसदसजोयणाइ विक्खभेणं प० ॥ १०७० ॥ सव्वओवि ण आभिओगसेढीओ दस दस जोयणाइ विक्खभेण प० ॥ १०७१ ॥ गेविज्जगविमाणाण दस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण प० ॥ १०७२ ॥ दसहिं ठाणेहिं सह तेयसा भासं कुज्जा, तं० केइ तहारूव समण वा माहण वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए तस्स तेय निसिरेज्जा से त परितावेइ, से तं परितावित्ता तामेव सह तेयसा भास कुज्जा, केइ तहारूव समण वा माहण वा अच्चा-साएज्जा से य अच्चासाइए समाणे देवे, परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा से तं परि-

सामेइ से तं २ तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा
अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए देवे य परिकुविए दुहओ पडिन्ना
तस्स तेयं निसिरेज्जा ते तं परितावेंति ते तं परितावेत्ता तमेव सह तेयसा भासं
कुज्जा केइ तहारूवं समणं माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए
तस्स तेयं निसिरेज्जा तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति ते फोडा भिन्ना
समाणा तामेव सह तेयसा भासं कुज्जा केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा
से य अच्चासाइए देवे परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते
फोडा भिज्जंति ते फोडा भिन्ना समाणा तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा केइ
तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए देवेवि य परि-
कुविए ते दुहओ पडिन्ना ते तस्स तेयं निसिरेज्जा तत्थ फोडा संमुच्छंति सेसं
तहेव जाव भासं कुज्जा केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य
अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा
भिज्जंति तत्थ पुला संमुच्छंति ते पुला भिज्जंति, ते पुला भिन्ना समाणा तामेव
सह तेयसा भासं कुज्जा एए तिन्नि आलावगा भाणियव्वा केइ तहारूवं समणं वा
माहणं वा अच्चासाएमाणे तेयं निसिरेज्जा से य तत्थ नो कम्मइ नो पकम्मइ अंचियं
चियं करेइ करेत्ता आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ से णं
तओ पडिहए पडिनियत्तइ २ त्ता तमेव सरीरगमणुदहमाणे २ सह तेयसा भासं
कुज्जा जहा वा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए ॥ १ ७३ ॥ दस अच्छेरगा
प० तं०—उवसग्ग गब्भहरणं इत्थीतित्थं अभाविया परिसा कण्हस्स अवरकंका
उत्तरणं चंदसूराणं (१) हरिवंसकुलुप्पत्ती चमरुप्पाओ य अट्ठसयसिद्धा अस्संजएसु
पूया दसवि अणंतेण कालेण २ ॥ १ ७४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणे
कंडे दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं प० ॥ १ ७५ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वइरे
कंडे दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं प० एवं वेरुलिए लोहियक्खे मसारगल्ले हंसगब्भे
पुलए सोगंधिए जोईरसे अंजणे अंजणपुलए रयए जायरूवे अंके फलिहे रिट्ठे जहा
रयणे तहा सोलसविहा भाणियव्वा ॥ १ ७६ ॥ सव्वेवि णं दीवसमुद्दा दस जोयण-
सयाइं उव्वेहेणं प० ॥ १ ७७ ॥ सव्वेवि णं महादहा दस जोयणाइं उव्वेहेणं
प० ॥ १ ७८ ॥ सव्वेवि णं सलिलकुंडा दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १ ७९ ॥
सीयासीओया णं महानईओ मुहमूले दस दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १ ८० ॥
कत्तियानक्खत्ते सव्वबाहिराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १ ८१ ॥
अणुराहा नक्खत्ते सव्वब्भंतराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १ ८२ ॥

जोइ चित्तगा, चित्तरसा मणियगा गेहागारा अणियणा य ॥ १०५८ ॥ जंबू-दीवे २ भारहे वासे तीताए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा होत्था तं०-सयज्जले सयाऊ य अणतसेणे य अमितसेणे य, तक्कसेणे भीमसेणे महाभीमसेणे य सत्तमे (१) दढरहे दसरहे सयरहे ॥ १०५९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमीसाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा भविस्संति त०-सीमंकरे सीमधरे खेमंकरे खेमंधरे विमलवाहणे समुई पडिसुए दढधणू दसधणू सयधणू ॥ १०६० ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स पुरच्छिमेण सीयाए महानईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० त०-मालवते चित्तकूडे विचित्तकूडे बभकूडे जाव सोमणसे ॥ १०६१ ॥ जंबूमंद-रपच्चत्थिमे ण सीओआए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० त०-विज्जुप्पभे जाव गंधमायणे एव धायइसंडपुरच्छिमद्धेवि वक्खारा भाणियव्वा जाव पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धे ॥ १०६२ ॥ दसकप्पा इंदाहिट्ठिया प० त० सोहम्मे जाव सहस्सारे पाणए अच्चुए एएसु णं दससु कप्पेसु दस इंदा प० तं०-सक्के ईसाणे जाव अच्चुए एएसु ण दसण्ह इंदाण दस परिजाणियविमाणा प० त०-पालए पुप्फए जाव विमलवरे सव्वओभद्दे ॥ १०६३ ॥ दस दसमिया ण भिक्खुपडिमा णं एगेण राइंदियसएण अद्धछट्ठेहिं य भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव आराहियावि भवइ ॥ १०६४ ॥ दसविहा ससारसमावन्नगा जीवा प० त०-पढमसमयएगिंदिया अपढमसमयएगिंदिया एव जाव अपढमसमयपंचिंदिया ॥ १०६५ ॥ दसविहा सव्वजीवा प० त०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेइंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया ॥ १०६६ ॥ अहवा दसविहा सव्वजीवा प० त० पढमसमयनेरइया अपढमसमयनेरइया जाव अपढमसमयदेवा पढमसमयसिद्धा अपढमसमयसिद्धा ॥ १०६७ ॥ वाससयाउयस्स णं पुरिसस्स दस दसाओ प० त०-बाला किड्डा य मदा य बला पन्ना य हायणी, पवचा पब्भारा य मुम्मुही सायणी तहा ॥ १०६८ ॥ दसविहा तणवणस्सइकाइया प० त०-मूले कदे जाव पुप्फे फले बीए ॥ १०६९ ॥ सव्वओवि ण विज्जाहरसेढीओ दसदसजोयणाई विक्खभेणं प० ॥ १०७० ॥ सव्वओवि ण आभिओगसेढीओ दस दस जोयणाइ विक्खभेण प० ॥ १०७१ ॥ गेविज्जगविमाणाण दस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण प० ॥ १०७२ ॥ दसहिं ठाणेहिं सह तेयसा भासं कुज्जा, तं० केइ तहारूवं समण वा माहण वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए तस्स तेयं निसिरेज्जा से त परितावेइ, से तं परितावित्ता तामेव सह तेयसा भास कुज्जा, केइ तहारूव समण वा माहण वा अच्चा-साएज्जा से य अच्चासाइए समाणे देवे, परिकुविए तस्स तेय निसिरेज्जा से तं परि-

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

समवाए

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ [इह खलु समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिसवरपुंडरीएणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगनाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं सरणदएणं जीवदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मनायगेणं धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरनाणदंसणधरेणं विअट्टछउमेणं जिणेणं जावएणं तिण्णेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वन्नुणा सव्वदरिसिणा सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तिसिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपाविउकामेणं इमे दुवालसंगे गणिपिडगे पन्नत्ते, तं जहा-आयारे १ सूयगडे २ ठाणे ३ समवाए ४ विवाहपन्नत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अंतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणं १० विवागसुए ११ दिट्ठिवाए १२ ॥ २ ॥ तत्थ णं जे से चउत्थे अंगे समवाए त्ति आहिते तस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते-तं जहा] एगे आया, एगे अणाया, एगे दंडे एगे अदंडे एगा किरिया एगा अकिरिया एगे लोए, एगे अलोए, एगे धम्मे एगे अधम्मे एगे पुण्णे एगे पावे एगे बंधे एगे मोक्खे एगे आसवे एगे संवरे, एगा वेयणा एगा निज्जरा ॥ ३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। अप्पइट्ठाणे नरए एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। पालए जाणविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पन्नत्ते। अद्दानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते। चित्तानक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते। सातिनक्खत्ते एगतारे पन्नत्ते ॥ ४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। दोच्चाए पुढवीए नेरइयाणं जहन्नेणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं साहियं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसन्निमणुयाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता। वाणमंतराणं

जीवा जे दोहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ८ ॥ तओ दंडा पण्णत्ता तं जहा-मणदंडे वयदंडे कायदंडे। तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ, तं जहा-मणगुत्ती वयगुत्ती कायगुत्ती। तओ सल्ला पण्णत्ता तं जहा-मायासल्ले णं, नियाणसल्ले णं मिच्छादंसणसल्ले णं। तओ गारवा पण्णत्ता तं जहा-इड्ढीगारवे णं रसगारवे णं सायागारवे णं। तओ विराहणा पण्णत्ता तं जहा-णाणविराहणा दंसणविराहणा चरित्तविराहणा। मिगसिरनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। पुस्सनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। जेट्ठानक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अभीइनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। सवणनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अस्सिणिनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। भरणीनक्खत्ते तितारे पण्णत्ते ॥ ९ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दोच्चाए णं पुढवीए नेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तच्चाए णं पुढवीए नेरइयाणं जहण्णेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयसण्णिगब्भवक्कंतियमणुस्साणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मीसाणेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। जे देवा आभंकरं पभंकरं आभंकरपभंकरं चंदं चंदावत्तं चंदप्पभं चंदकंतं चंदवण्णं चंदलेसं चंदज्झयं चंदसिंगं चंदसिट्ठं चंदकूडं चंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥ १० ॥ ते णं देवा तिण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं तिहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ११ ॥ चत्तारि कसाया पण्णत्ता, तं जहा-कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए। चत्तारि झाणा पण्णत्ता तं जहा-अट्टज्झाणे रुद्दज्झाणे धम्मज्झाणे सुक्कज्झाणे। चत्तारि विगहाओ प तं जहा-इत्थिकहा भत्तकहा रायकहा देसकहा। चत्तारि सण्णा पण्णत्ता, तं जहा-आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा। चउव्विहे बंधे पण्णत्ते तं जहा-पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे चउगाउए जोयणे पण्णत्ते ॥ १२ ॥ अणुराहानक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। पुव्वासाढानक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। उत्तरासाढानक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते ॥ १३ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थे-

देवाण उक्कोसेण एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता । जोइसियाणं देवाणं उक्कोसेण एगं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं ठिई पन्नत्ता । सोहम्मे कप्पे देवाणं जहन्नेण एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता । सोहम्मे कप्पे देवाणं अत्थेगइआणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता । ईसाणे कप्पे देवाण जहन्नेणं साइरेगं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता । ईसाणे कप्पे देवाण अत्थेगइयाण एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता । जे देवा सागरं सुसागरं सागरकंतं भवं मणुं माणुसोत्तरं लोगहियं विमाणं देवत्ताए उववन्ना तेसि णं देवाण उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पन्नत्ता । ते णं देवा एगस्स अद्धमासस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं एगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ । अत्थेगइया भवसिद्धिया जे जीवा ते एगेणं भवग्गहणेणं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५ ॥ दो दंडा पन्नत्ता, तं जहा–अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव । दुवे रासी पन्नत्ता, तं जहा–जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव । दुविहे बंधणे पन्नत्ते, तं जहा–रागबंधणे चेव, दोसबंधणे चेव । पुव्वाफग्गुणी नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते । उत्तराफग्गुणी नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते । पुव्वाभद्दवया नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते । उत्तराभद्दवया नक्खत्ते दुतारे पन्नत्ते ॥ ६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । दुच्चाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचेंदियतिरिक्खजोणिआणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णिपंचिंदियमणुस्साणं अत्थेगइयाणं दोपलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । ईसाणे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । माहिंदे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । जे देवा सुभं सुभकंतं सुभवण्णं सुभगंधं सुभलेसं सुभफासं सोहम्मवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ ७ ॥ ते णं देवा दोण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं दोहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । अत्थेगइया भवसिद्धिया

रुत्तरवडिंसगं सूरं सुसूरं सूरावत्तं सूरप्पभं सूरकंतं सूरवण्णं सूरलेसं सूरज्झयं सूरसिंगं सूरसिट्ठं सूरकूडं सूरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पंच सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १८ ॥ ते णं देवा पंचण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं पंचहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पंचहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वं करिस्संति ॥ १९ ॥ छ लेसाओ पन्नत्ता तं जहा-कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा तेउलेसा पम्हलेसा सुक्कलेसा । छ जीवनिकाया पन्नत्ता तं जहा-पुढविकाए आउकाए तेउकाए वाउकाए वणस्सइकाए तसकाए । छव्विहे बाहिरे तवोकम्मे पन्नत्ते तं जहा-अणसणे ऊणोयरिया वित्तीसंखेवो रसपरिच्चाओ कायकिलेसो संलीणया । छव्विहे अब्भिंतरे तवोकम्मे पन्नत्ते तं जहा-पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ झाणं उस्सग्गो । छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता तं जहा-वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए । छव्विहे अत्थुग्गहे पन्नत्ते तं जहा-सोइंदियअत्थुग्गहे चक्खुइंदियअत्थुग्गहे घाणिंदियअत्थुग्गहे जिब्भिंदियअत्थुग्गहे फासिंदियअत्थुग्गहे नोइंदियअत्थुग्गहे ॥ २० ॥ कत्तियानक्खत्ते छत्तारे पन्नत्ते । असिलेसानक्खत्ते छत्तारे पन्नत्ते ॥ २१ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं छ सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता । जे देवा सयं सयंभुं सयंभूरमणं घोसं सुघोसं महाघोसं किट्ठिघोसं वीरं सुवीरं वीरगयं वीरसेणियं वीरावत्तं वीरप्पभं वीरकंतं वीरवण्णं वीरलेसं वीरज्झयं वीरसिंगं वीरसिट्ठं वीरकूडं वीरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छ सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ २२ ॥ ते णं देवा छण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं छहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २३ ॥ सत्त भयट्ठाणा पन्नत्ता तं जहा-इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए आजीवभए मरणभए असिलोगभए । सत्त समुग्घाया पन्नत्ता तं जहा-वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए ।

गइयाण नेरइयाण चत्तारि पलिओवमाइ ठिई पन्नत्ता। तच्चाए ण पुढवीए अत्थेगइ-याणं नेरइयाण चत्तारि सागरोवमाइ ठिई पन्नत्ता । असुरकुमाराण देवाणं अत्थेगइ-याणं चत्तारि पलिओवमाइ ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण चत्तारि पलिओवमाइ ठिई पन्नत्ता । सणकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाणं चत्तारि सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता । जे देवा किट्टि सुकिट्टि किट्टियावत्त किट्टिप्पभे किट्टिजुत्त किट्टिवण्णं किट्टिलेस किट्टिज्झय किट्टिसिंग किट्टिसिट्ठ किट्टिकूड किट्टुत्तर-वडिंसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता ॥ १४ ॥ ते ण देवा चउण्हऽद्धमासाण आणमंति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसिं देवाण चउहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । अत्थेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति जाव सव्वदु-क्खाण अतं करिस्संति ॥ १५ ॥ पच किरिया पन्नत्ता, तं जहा-काइया अहिगर-णिया पाउसिया पारितावणिया पाणाइवायकिरिया। पंचमहव्वया पन्नत्ता, त जहा-सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमण, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदत्ता-दाणाओ वेरमण, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमण, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमण । पंच कामगुणा पन्नत्ता, त जहा-सद्दा रूवा रसा गधा फासा । पच आसवदारा पन्नत्ता, त जहा-मिच्छत्त अविरई पमाया कसाया जोगा। पच सवरदारा पन्नत्ता, तं जहा-सम्मत्त विरई अप्पमत्तया अकसाया अजोगया। पच निज्जरट्ठाणा पन्नत्ता, त जहा-पाणाइवायाओ वेरमण, मुसावायाओ वेरमण, अदिन्नादाणाओ वेरमण, मेहुणाओ वेरमण, परिग्गहाओ वेरमण । पच समिईओ पन्नत्ताओ, तं जहा-इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघा-णजल्लपारिट्ठावणियासमिई । पच अत्थिकाया पन्नत्ता, त जहा-धम्मत्थिकाए अध-म्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए ॥ १६ ॥ रोहिणी नक्खत्ते पचतारे पन्नत्ते । पुणव्वसुनक्खत्ते पचतारे पन्नत्ते । हत्थनक्खत्ते पचतारे पन्नत्ते । विसाहानक्खत्ते पचतारे पन्नत्ते । धणिट्ठानक्खत्ते पचतारे पन्नत्ते ॥ १७ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण पच पलिओवमाई ठिई पन्नत्ता । तच्चाए ण पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण पंचसागरोवमाइ ठिई पन्नत्ता । असुरकु-माराण देवाण अत्थेगइयाणं पचपलिओवमाइ ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंचपलिओवमाई ठिई पन्नत्ता। सणकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाग पच सागरोवमाई ठिई पन्नत्ता। जे देवा वाय सुवायं वायावत्त वायप्पभं वायकत वायवण्ण वायलेस वायज्झय वायसिंग वायसिट्ठ वायकूड वाउत्त-

पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ, तत्तो पच्छा सरीरत्थे भवइ । पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था तं जहा-सुभे य सुभघोसे य, वसिट्ठे बंभयारि य । सोमे सिरिधरे चेव वीरभद्दे जसे इय ॥ १ ॥ अट्ठ णक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति तं जहा-कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू, महा चित्ता विसाहा अणुराहा जेट्ठा ॥ २८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा अच्चिं अच्चिमालिं वइरोयणं पभंकरं चंदाभं सूराभं सुपइट्ठाभं अग्गिच्चाभं रिट्ठाभं अरुणाभं अणुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० ॥ २९ ॥ ते णं देवा अट्ठण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥ ३० ॥

नव बंभचेरगुत्तीओ पण्णत्ताओ तं जहा-नो इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणि सिज्जासणाणि सेवित्ता भवइ, नो इत्थीणं कहं कहित्ता भवइ, नो इत्थीणं गणाइं सेवित्ता भवइ, नो इत्थीणं इंदियाणि मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता निज्झाइत्ता भवइ, नो पणीयरसभोई, नो पाणभोयणस्स अइमायाए आहारइत्ता, नो इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं समरइत्ता भवइ, नो सद्दाणुवाई नो रूवाणुवाई नो गंधाणुवाई नो रसाणुवाई नो फासाणुवाई नो सिलोगाणुवाई, नो सायासोक्खपडिबद्धे यावि भवइ । नव बंभचेरअगुत्तीओ पण्णत्ताओ तं जहा-इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणं सिज्जासणाणं सेवणया जाव सायासोक्खपडिबद्धे यावि भवइ । नव बंभचेरा पण्णत्ता तं जहा-सत्थपरिण्णा लोगविजओ सीओसणिज्जं सम्मत्तं । आवंति धुय विमोहा [य] उवहाणसुयं महपरिण्णा । पासे णं अरहा पुरिसादाणीए नव रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ ३१ ॥ अभीयी णक्खत्ते साइरेगे नव मुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ । अभीयियाइया नव णक्खत्ता चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति, तं जहा-अभीयि सवणो जाव भरणी । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नव जोयणसए उड्ढं अबाहाए उवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ॥ ३२ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे नवजोयणिया मच्छा पविसिंसु वा ३ । विजयस्स णं दारस्स एगमेगाए बाहाए नव

समणे भगव महावीरे सत्त रयणीओ उड्ढ उच्चत्तेण होत्था । इहेव जबुद्दीवे दीवे सत्त वासहरपव्वया पन्नत्ता त जहा-चुल्लहिमवते महाहिमवते निसढे नीलवते रुप्पी सिहरी मदरे । इहेव जबुद्दीवे दीवे सत्त वासा पन्नत्ता, त जहा-भरहे हेमवए हरिवासे महाविदेहे रम्मए एरण्णवए एरवए । खीणमोहेणं भगवया मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेए(ज्ज)ई ॥ २४ ॥ महानक्खत्ते सत्ततारे पन्नत्ते । कत्तिआइआ सत्त नक्खत्ता पुव्वदारिआ प० (अभियाइया सत्त नक्खत्ता) महाइआ सत्त नक्खत्ता दाहिणदारिआ प० । अणुराहाइआ सत्त नक्खत्ता अवरदारिआ प० । धणिट्ठाइआ सत्त नक्खत्ता उत्तरदारिआ प० ॥ २५ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण सत्त पलिओवमाइ ठिई प० । तच्चाए ण पुढवीए नेरइयाण उक्कोसेण सत्त सागरोवमाइ ठिई प० । चउत्थीए ण पुढवीए नेरइयाण जहण्णेण सत्त सागरोवमाइ ठिई प०। असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण सत्त पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण सत्त पलिओवमाई ठिई प० । सणकुमारे कप्पे अत्थेगइयाण देवाण उक्कोसेण सत्त सागरोवमाइ ठिई प० । माहिंदे कप्पे देवाण उक्कोसेण साइरेगाइ सत्त सागरोवमाइ ठिई प० । बभलोए कप्पे अत्थेगइयाण देवाण सत्त साहिया सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा सम समप्पभ महापभ पभास भासुर विमल कचणकूड सणकुमारवडिंसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण सत्त सागरोवमाइ ठिई प० ॥ २६ ॥ ते ण देवा सत्तण्ह अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण सत्तहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे ण सत्तहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति जाव सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ २७ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा पन्नत्ता, त जहा-जातिमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए । अट्ठ पवयणमायाओ प० त जहा-इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभडमत्तनिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई मणगुत्ती वइगुत्ती कायगुत्ती । वाणमतराण देवाणं रुक्खा अट्ठ जोयणाइ उड्ढ उच्चत्तेणं पन्नत्ता । जबू णं सुदसणा अट्ठ जोयणाइ उड्ढ उच्चत्तेण प० । कूडसामली ण गरुलावासे अट्ठ जोयणाइ उड्ढ उच्चत्तेण पन्नत्ता । जबुद्दीवस्स ण जगई अट्ठ जोयणाइ उड्ढ उच्चत्तेण पन्नत्ता । अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए पन्नत्ते त जहा-पढमे समए दंड करेइ, बीए समए कवाड करेइ, तइए समए मथ करेइ, चउत्थे समए मथतराइ पूरेइ, पचमे समए मंथतराइ पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथ पडिसाहरइ, सत्तमे समए कवाड

च भोमा पन्नत्ता। वाणमंतराणं देवाणं सभाओ सुहम्माओ नव जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पन्नत्ता। दंसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स नव उत्तरपगडीओ प०, तं जहा-निद्दा पयला निद्दानिद्दा पयलापयला थीणद्धी चक्खुदंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे॥ ३३॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं नव पलिओवमाइं ठिई प०। चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं नव सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं नव पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं नव पलिओवमाइं ठिई प०। बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं नव सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा पम्हं सुपम्हं पम्हावत्तं पम्हप्पभं पम्हकंतं पम्हवण्णं पम्हलेसं पम्हज्झयं पम्हसिंगं पम्हसिट्ठं पम्हकूडं पम्हुत्तरवडिंसगं सुज्जं सुसुज्जं सुज्जावत्तं सुज्जपभं सुज्जकंतं सुज्जवण्णं सुज्जलेसं सुज्जज्झयं सुज्जसिंगं सुज्जसिट्ठं सुज्जकूडं सुज्जुत्तरवडिंसगं रुइल्लं रुइल्लावत्तं रुइल्लप्पभं रुइल्लकंतं रुइल्लवण्णं रुइल्ललेसं रुइल्लज्झयं रुइल्लसिंगं रुइल्लसिट्ठं रुइल्लकूडं रुइल्लुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं नव सागरोवमाइं ठिई प०॥ ३४॥ ते णं देवा नवण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं नवहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे नवहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति॥ ३५॥ दसविहे समणधम्मे पन्नत्ते, तं जहा-खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे। दस चित्तसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता, तं जहा-धम्मचिंता वा से असमुप्पण्णपुव्वा समुप्पज्जिज्जा सव्वं धम्मं जाणित्तए, सुमिणदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा अहातच्चं सुमिणं पासित्तए, सण्णिनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा पुव्वभवे सुमरित्तए, देवदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं पासित्तए, ओहिनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं जाणित्तए, ओहिदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं पासित्तए, मणपज्जवनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा जाव मणोगए भावे जाणित्तए, केवलनाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोगं जाणित्तए, केवलदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोयं पासित्तए, केवलिमरणं वा मरिज्जा सव्वदुक्खप्पहीणाए। मंदरे णं पव्वए मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प०। अरिहा णं अरिट्ठनेमी दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। रामे णं

सुहुमस्स जोयणाइं अबाहाए उप्परिल्ला ईसिपब्भारानामपुढवी पन्नत्ता । ईसिपब्भाराए णं पुढवीए दुवालस नामधेज्जा पन्नत्ता, तं जहा—ईसित्ति वा ईसिपब्भारत्ति वा तणूइ वा तणुयतरि त्ति वा सिद्धित्ति वा सिद्धालए त्ति वा मुत्तीति वा मुत्तालए त्ति वा बंभे त्ति वा बंभवडिंसए त्ति वा लोकपडिपूरणे त्ति वा लोगग्गचूलियाइ वा ॥ ४० ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं बारस सागरोवमाइं ठिई प । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प । लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं बारस सागरोवमाइं ठिई प । जे देवा महिंदं महिंदज्झयं कंबुं कंबुग्गीवं पुंखं सुपुंखं महापुंखं पुंडं सुपुंडं महापुंडं नरिंदं नरिंदकंतं नरिंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववन्ना तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं ठिई प ॥ ४१ ॥ ते णं देवा बारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं बारसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ४२ ॥ तेरस किरियाठाणा प तं जहा—अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठीविपरियासियादंडे मुसावायवत्तिए अदिन्नादाणवत्तिए अज्झत्थिए माणवत्तिए मित्तदोसवत्तिए मायावत्तिए लोभवत्तिए इरियावहिए नामं तेरसमे । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु तेरस विमाणपत्थडा प । सोहम्मवडिंसगे णं विमाणे णं अद्धतेरससागरोवमसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प । एवं ईसाणवडिंसगे वि । जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अद्धतेरसजाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्साइं प । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प । गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तेरसविहे पओगे प तं जहा—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चामोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चामोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे कम्मसरीरकायपओगे । सूरमंडलं जोयणेणं तेरसेहिं (ए) हिं एगसट्ठिभाग (गे) हिं जोयणस्स ऊणं पन्नत्ते ॥ ४३ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेरस

चओ महावीरस्स एक्कारस गणहरा होत्था, त जहा–इंदभूई अग्गिभूई वायुभूई विअत्तो सोहम्मे मडिए मोरियपुत्ते अकपिए अयलभाए मेअज्जे पभासे। मूले नक्खत्ते एक्कारसतारे पन्नत्ते। हेट्ठिमगेविज्जयाण देवाण एक्कारसमुत्तर गेविज्जविमाणसत भवइ त्ति मक्खायं। मदरे णं पव्वए धरणितलाओ सिहरतले एक्कारसभागपरिहीणे उच्चत्तेण प०॥ ३९॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाण एक्कारस पलिओवमाइ ठिई प०। पचमीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाणं एक्कारस सागरोवमाइ ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाण अत्थेगइयाण एक्कारस पलिओवमाई ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण एक्कारस पलिओवमाई ठिई प०। लतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा बभ सुबंभ बभावत्त बभप्पभ बभकत बभवण्ण बभलेस बभज्झय बभसिंग बभसिट्ठ बभकूड बभुत्तरवडिंसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण (उक्कोसेण) एक्कारस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ४०॥ ते ण देवा एक्कारसण्ह अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा। तेसि ण देवाण एक्कारसण्ह वाससहस्साण आहारट्ठे समुप्पज्जइ। सतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे एक्कारसहिं भवग्गहणेहि सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ४१॥ बारस भिक्खुपडिमाओ पन्नत्ताओ, त जहा–मासिआ भिक्खुपडिमा, दोमासिआ भिक्खुपडिमा, तिमासिआ भिक्खुपडिमा, चउमासिआ भिक्खुपडिमा, पचमासिआ भिक्खुपडिमा, छमासिआ भिक्खुपडिमा, सत्तमासिआ भिक्खुपडिमा, पढमा सत्तराइदिआ भिक्खुपडिमा, दोच्चा सत्तराइदिआ भिक्खुपडिमा, तच्चा सत्तराइदिआ भिक्खुपडिमा, अहोराइआ भिक्खुपडिमा, एगराइआ भिक्खुपडिमा। दुवालसविहे सभोगे प० त जहा–"उवहीसुअभत्तपाणे, अजलीपग्गहे त्ति य। दायणे य निकाए अ अब्भुट्ठाणेति आवरे। कितिकम्मस्स य करणे, वेयावच्चकरणे इअ। समोसरणं सनिसिज्जा य, कहाए अ पबधणे"। दुवालसावत्ते कितिकम्मे पन्नत्ते, त जहा–"दुओणय जहाजाय, कितिकम्म बारसावय। चउसिर तिगुत्त च, दुपवेस एगनिक्खमण"। विजया णं रायहाणी दुवालस जोयणसयसहस्साइ आयामविक्खभेण प०। रामे ण बलदेवे दुवालस वाससयाइ सव्वाउय पालित्ता देवत्त गए। मदरस्स ण पव्वयस्स चूलिआ मूले दुवालस जोयणाइ विक्खभेण प०। जबूदीवस्स णं दीवस्स वेइआ मूले दुवालस जोयणाइ विक्खभेणं प०। सव्वजहण्णिया राई दुवालसमुहुत्तिआ प०। एवं दिवसोऽवि नायव्वो। सव्वट्ठसिद्धस्स णं महाविमाणस्स उवरिल्लाओ थूभिअग्गाओ

हरिकंता सीया सीओया नरकंता नारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ४८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं जहण्णेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सिरिकंतं सिरिमहियं सिरिसोमनसं लंतयं काविट्ठं महिंदं महिंदकंतं महिंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ४९ ॥ ते णं देवा चउद्दसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं चउद्दसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउद्दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५० ॥

पन्नरस परमाहम्मिया पन्नत्ता तं जहा—अंबे अंबरिसी चेव सामे सबले त्ति आवरे । रुद्दोवरुद्दकाले य महाकाले त्ति आवरे ॥ १ ॥ असिपत्ते धणु कुंभे वालुए वेयरणी त्ति य । खरस्सरे महाघोसे एते पन्नरसाहिया ॥ २ ॥ नमी णं अरहा पन्नरस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । धुवराहू णं बहुलपक्खस्स पाडिवए पन्नरसभागं पन्नरसभागेणं चंदस्स लेसं आवरेत्ताणं चिट्ठति तं जहा—पढमाए पढमं भागं बीयाए दुभागं तइयाए तिभागं चउत्थीए चउभागं पंचमीए पंचभागं छट्ठीए छभागं सत्तमीए सत्तभागं अट्ठमीए अट्ठभागं नवमीए नवभागं दसमीए दसभागं एक्कारसीए एक्कारसभागं बारसीए बारसभागं तेरसीए तेरसभागं चउद्दसीए चउद्दसभागं पन्नरसेसु पन्नरसभागं । तं चेव सुक्कपक्खस्स य उवदंसेमाणे २ चिट्ठति तं जहा—पढमाए पढमं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसभागं । छ नक्खत्ता पन्नरसमुहुत्तसंजुत्ता पन्नत्ता, तं जहा—सतभिसय भरणि अद्दा असलेसा साई तहा जेट्ठा । एते छन्नक्खत्ता पन्नरसमुहुत्तसंजुत्ता ॥ १ ॥ चेत्तासोएसु णं मासेसु पन्नरसमुहुत्तो दिवसो भवति एवं चेत्तासोएसु णं मासेसु पन्नरसमुहुत्ता राई भवति । विज्जाअणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पन्नरस वत्थू पन्नत्ता । मणूसाणं पन्नरसविहे पओगे प० तं जहा—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चामोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चामोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे

आहारयसरीरकायपओगे आहारयमीससरीरकायप्पओगे कम्मयसरीरकायपओगे ॥ ५१ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइआण नेरइआण पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । पचमीए पुढवीए अत्थेगइआण नेरइयाण पण्णरस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाण अत्थेगइयाण पण्णरस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइआण देवाण पण्णरस पलिओवमाइ ठिई प० । महासुक्के कप्पे अत्थेगइआणं देवाण पण्णरस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा णद सुणद णदावत्त णदप्पभ णदकंत णदवण्ण णदलेस णदज्झय णदसिंग णदसिट्ठ णदकूड णदुत्तरवडिंसग विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाणं उक्कोसेण पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ५२ ॥ ते ण देवा पण्णरसण्ह अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा । तेसि ण देवाणं पण्णरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे पन्नरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ५३ ॥ सोलस य गाहा सोलसगा पन्नत्ता, त जहा–समए वेयालिए उवसग्गपरिन्ना इत्थीपरिण्णा निरयविभत्ती महावीरथुई कुसीलपरिभासिए वीरिए धम्मे समाही मग्गे समोसरणे आहातहिए गंथे जमईए गाहासोलसमे सोलसगे । सोलस कसाया पन्नत्ता, त जहा–अणताणुबंधी कोहे, अणंताणुबधी माणे, अणताणुबधी माया, अणताणुबधी लोभे, अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाणकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, पच्चक्खाणावरणे माणे, पच्चक्खाणावरणा माया, पच्चक्खाणावरणे लोभे, सजलणे कोहे, सजलणे माणे, सजलणे माया, सजलणे लोभे । मदरस्स ण पव्वयस्स सोलस नामधेया पन्नत्ता, त जहा–मदर मेरु मणोरम, सुदसण सयपभे य गिरिराया । रयणुच्चय पियदसण, मज्झे लोगस्स नाभी य ॥ १ ॥ अत्थे अ सूरिआवत्ते, सूरिआवरणे त्ति अ । उत्तरे अ दिसाई अ, वडिंसे इअ सोलसमे ॥२॥ पासस्स ण अरहतो पुरिसादाणीयस्स सोलस समणसाहस्सीओ उक्कोसिआ समणसंपदा होत्था । आयप्पवायस्स ण पुव्वस्स णं सोलस वत्थू पन्नत्ता । चमरबलीणं ऊवारियालेणे सोलस जोयणसहस्साइ आयामविक्खभेण प० । लवणे ण समुद्दे सोलस जोयणसहस्साइ उस्सेहपरिवुड्ढीए पन्नत्ते ॥ ५४ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण सोलस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण सोलस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइ-

भोगतराय उवभोगंतराय वीरिअअतराय ॥ ५७ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइआण नेरइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। पचमीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाणं उक्कोसेण सत्तरस सागरोवमाइ ठिई प०। छट्टीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण जहण्णेण सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराण देवाणं अत्थेगइयाण सत्तरस पलिओवमाइ ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइआण देवाण सत्तरस पलिओवमाइ ठिई प०। महासुक्के कप्पे देवाण उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाण जहण्णेण सत्तरस सागरोवमाइ ठिई प०। जे देवा सामाणं सुसामाण महासामाण पउम महापउमं कुमुदं महाकुमुद नलिण महानलिण पोंडरीअ महापोंडरीअ सुक्क महासुक्क सीहं सीहकंतं सीहवीअ भाविअ विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाण उक्कोसेण सत्तरस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ५८ ॥ ते ण देवा सत्तरसहिं अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससति वा। तेसि ण देवाण सत्तरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। सतेगइया भवसिद्धिआ जीवा जे सत्तरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमत करिस्सति ॥ ५९ ॥ अट्ठारसविहे बंभे पन्नत्ते, त जहा–ओरालिए कामभोगे णेव सय मणेण सेवइ, नो वि अन्न मणेण सेवावेइ, मणेण सेवत पि अण्ण न समणुजाणाइ ओरालिए कामभोगे णेव सय वायाए सेवइ, नो वि अण्ण वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंत पि अण्ण न समणुजाणाइ, ओरालिए कामभोगे णेव सय काएण सेवइ, नो वि यऽण्ण काएण सेवावेइ, काएण सेवत पि अण्ण न समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, णो वि अण्ण मणेण सेवावेइ, मणेण सेवत पि अण्ण न समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सय वायाए सेवइ, णो वि अण्ण वायाए सेवावेइ, वायाए सेवत पि अण्ण न समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सय काएण सेवइ, णो वि अण्ण काएणं सेवावेइ, काएण सेवत पि अण्ण न समणुजाणाइ। अरहतो ण अरिट्ठनेमिस्स अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसपया होत्था। समणेण भगवया महावीरेण समणाण णिग्गथाण सखुड्डयविअत्ताण अट्ठारस ठाणा पन्नत्ता, त जहा–वयछक्कं कायछक्क, अकप्पो गिहिभायणं, पलियंक निसिज्जा य, सिणाणं सोभवज्जण ॥ १ ॥ आयारस्स ण भगवतो सचूलिआगस्स अट्ठारस पयसहस्साइ पयग्गेण पन्नत्ताइं। बंभीए ण लिवीए अट्ठारसविहे लेखविहाणे पन्नत्ते, त०–बंभी जवणी लियादोसा ऊरिया खरोट्ठिया खरसाविया पहाराइआ उच्चत्तरिआ अक्खरपुट्ठि(त्थि)या भोगवयता वेणतिया णिण्हइया अकलिवि गणिअलिवी गधव्वलिवी[भूयलिवि]

बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ६८ ॥
एक्कवीसं सबला पण्णत्ता तं जहा-हत्थकम्मं करेमाणे सबले मेहुणं पडिसेवमाणे
सबले राइभोयणं भुंजमाणे सबले आहाकम्मं भुंजमाणे सबले सागारियं पिंडं
भुंजमाणे सबले उद्देसियं कीयं आहट्टु दिज्जमाणं भुंजमाणे सबले अभिक्खणं
अभिक्खणं पडियाइक्खेत्ता णं भुंजमाणे सबले अंतो छण्हं मासाणं गणाओ गणं
संकममाणे सबले अंतो मासस्स तओ दगलेवे करेमाणे सबले अंतो मासस्स तओ
माइठाणे सेवमाणे सबले रायपिंडं भुंजमाणे सबले आउट्टियाए पाणाइवायं करे
माणे सबले आउट्टियाए मुसावायं वयमाणे सबले आउट्टियाए अदिन्नादाणं
गिण्हमाणे सबले आउट्टियाए अणंतरहियाए पुढवीए ठाणं वा निसीहियं वा
चेतेमाणे सबले एवं आउट्टिया चित्तमंताए पुढवीए एवं आउट्टिया चित्तमंताए
सिलाए कोलावासंसि वा दारुए ठाणं वा सिज्जं वा निसीहियं वा चेतेमाणे सबले
जीवपइट्ठिए सपाणे सबीए सहरिए सउत्तिंगे पणगदगमट्टीमक्कडासंताणए तहप्पगारे
ठाणं वा सिज्जं वा निसीहियं वा चेतेमाणे सबले आउट्टियाए मूलभोयणं वा कंद
भोयणं वा तयाभोयणं वा पवालभोयणं वा पुप्फभोयणं वा फलभोयणं वा हरिय-
भोयणं वा भुंजमाणे सबले अंतो संवच्छरस्स दस दगलेवे करेमाणे सबले अंतो
संवच्छरस्स दस माइठाणाइं सेवमाणे सबले अभिक्खणं अभिक्खणं सीओदग-
वियडवग्घारियपाणिणा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिग्गाहित्ता भुंज-
माणे सबले ॥ ६९ ॥ नियट्टिबायरस्स णं खवियसत्तयस्स मोहणिज्जस्स कम्मस्स
एक्कवीसं कम्मंसा संतकम्मा प० तं जहा-अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खा-
णकसाए माणे अपच्चक्खाणकसाए माया अपच्चक्खाणकसाए लोभे पच्चक्खा-
णावरणकसाए कोहे, पच्चक्खाणावरणकसाए माणे पच्चक्खाणावरणकसाए माया,
पच्चक्खाणावरणकसाए लोभे संजलणकसाए कोहे, संजलणकसाए माणे संज-
लणकसाए माया संजलणकसाए लोभे इत्थिवेदे, पुंवेदे, नपुंवेदे, हास अरति
रति भय सोग दुगुंछा। एगमेगाए णं ओसप्पिणीए पंचमछट्ठाओ समाओ एक्क-
वीसं एक्कवीसं वाससहस्साइं कालेणं प० तं जहा-दूसमा दूसमदूसमा। एगमे-
गाए णं उस्सप्पिणीए पढमबिइयाओ समाओ एक्कवीसं एक्कवीसं वाससहस्साइं
कालेणं प० तं जहा-दूसमदूसमाए दूसमाए य ॥ ७० ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए
पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कवीसपलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए
अत्थेगइयाणं नेरइयाणं एक्कवीससागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं
अत्थेगइयाणं एक्कवीसपलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइ-

देवाण जहण्णेण एगूणवीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा आणत पाणत णतं विणत घण सुसिर इद इदोकत इदुत्तरवडिंसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण एगूणवीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ६४ ॥ ते णं देवा एगूणवीसाए अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाण एगूणवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइआ भवसिद्धिया जीवा जे एगूणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाण अत करिस्सति ॥ ६५ ॥ वीस असमाहिठाणा पन्नत्ता, त जहा— दवदवचारि यावि भवइ, अपमज्जियचारि यावि भवइ, दुप्पमज्जियचारि आवि भवइ, अतिरित्तसेज्जासणिए, रातिणिअपरिभासी, थेरोवघाइए, भूओवघाइए, सजलणे कोहणे, पिट्ठिमसिए, अभिक्खण अभिक्खण ओहारइत्ता भवइ, णवाण अधिकरणाण अणुप्पण्णाण उप्पाएत्ता भवइ, पोराणाण अधिकरणाणं खामिअविउसविआण पुणोदीरेत्ता भवइ, ससरक्खपाणिपाए, अकालसज्झायकारए यावि भवइ, कलहकरे, सद्दकरे, झझकरे, सूरप्पमाणभोई, एसणाऽसमिते यावि भवइ । मुणिसुव्वए ण अरहा वीस धणूइ उड्ढ उच्चत्तेण होत्था । सव्वेऽविअ ण घणोदही वीस जोयणसहस्साइ बाहल्लेण पन्नत्ता । पाणयस्स ण देविंदस्स देवरण्णो वीस सामाणिअसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । णपुसयवेयणिज्जस्स ण कम्मस्स वीस सागरोवमकोडाकोडीओ बधओ बधठिई प० । पच्चक्खाणस्स ण पुव्वस्स वीसं वत्थू । उस्सप्पिणिओसप्पिणिमडले वीस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो पन्नत्तो ॥ ६६ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण वीस पलिओवमाइ ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण वीस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाणं वीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण वीस पलिओवमाइं ठिई प० । पाणते कप्पे देवाण उक्कोसेण वीस सागरोवमाइ ठिई प० । आरणे कप्पे देवाण जहण्णेण वीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा साय विसाय सुविसाय सिद्धत्थ उप्पल भित्तिल तिगिच्छ दिसासोवत्थिय पलब रुइल पुप्फं सुपुप्फ पुप्फावत्तं पुप्फपभ पुप्फकत पुप्फवण्ण पुप्फलेस पुप्फज्झय पुप्फसिंगं पुप्फसिद्ध पुप्फुत्तरवडिंसगं विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण वीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ६७ ॥ ते ण देवा वीसाए अद्धमासाण आणमति वा पाणमंति वा उस्ससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण वीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे वीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति

रोवमाइं ठिई प० ॥ ७४ ॥ ते णं देवा बावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं बावीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बावीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ७५ ॥ तेवीसं सुयगडज्झयणा पन्नत्ता तं जहा–समए, वेतालिए, उवसग्गपरिण्णा थीपरिण्णा नरयविभत्ती महावीरथुई, कुसीलपरिभासिए, वीरिए, धम्मे समाही मग्गे समोसरणे आहत्तहिए, गंथे जमईए, गाहा पुंडरीए, किरियाठाणा आहारपरिण्णा [अ]पच्चक्खाणकिरिया अणगारसुयं अद्दइज्जं, णालंदइज्जं । जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसाए जिणाणं सूरुग्गमणमुहुत्तंसि केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने । जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थकरा पुव्वभवे एक्कारसंगिणो होत्था तं जहा–अजित संभव अभिनंदण सुमई जाव पासो वद्धमाणो य उसभे णं अरहा कोसलिए चोद्दसपुव्वी होत्था । जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थकरा पुव्वभवे मंडलियरायाणो होत्था तं जहा–अजित संभव अभिनंदण जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए पुव्वभवे चक्कवट्टी होत्था ॥ ७६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणाणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । हेट्ठिममज्झिमगेविज्जाणं देवाणं जहन्नेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववन्ना तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ७७ ॥ ते णं देवा तेवीसाए अद्धमासाणं (मासेहिं) आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । तेसि णं देवाणं तेवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ७८ ॥ चउव्वीसं देवाहिदेवा प० तं जहा–उसभअजितसंभवअभिणंदणसुमइपउमप्पहसुपासचंदप्पहसुविहिसीयलसिज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लीमुणिसुव्वयनमिनेमीपासवद्धमाणा । चुल्लहिमवंतसिहरीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ चउव्वीसं चउव्वीसे जोयणसहस्साइं णवबत्तीसे जोयणसए एगं अट्ठतीसइभागं जोयणस्स किंचि विसेसाहियाओ आयामेणं प० । चउव्वीसं देवट्ठाणा सइंदया प० सेसा अहमिंदा अनिंदा अपुरोहिया ।

याण देवाण एक्कवीस पलिओवमाइं ठिई प० । आरणे कप्पे देवाण उक्कोसेणं एक्कवीस सागरोवमाइ ठिई प० । अच्चते कप्पे देवाणं जहण्णेण एक्कवीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा सिरिवच्छ सिरिदामकड मल्लं किट्टं चावोण्णत अरण्णवडिंसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण एक्कवीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ७१ ॥ ते ण देवा एक्कवीसाए अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा उस्ससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाणं एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमंत करिस्सति ॥ ७२ ॥ वावीस परीसहा प० त जहा–दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीतपरीसहे, उसिणपरीसहे, दसमसगपरीसहे, अचेलपरीसहे, अरइपरीसहे, इत्थीपरीसहे, चरिआपरीसहे, निसीहिआपरीसहे, सिज्जापरीसहे, अक्कोसपरीसहे, वहपरीसहे, जायणापरीसहे, अलाभपरीसहे, रोगपरीसहे, तणफासपरीसहे, जल्लपरीसहे, सक्कारपुरक्कारपरीसहे, पण्णापरीसहे, अण्णाणपरीसहे, दसणपरीसहे । दिट्ठिवायस्स णं वावीस सुत्ताइ छिन्नछेयणइयाइ ससमयसुत्तपरिवाडीए वावीस सुत्ताइ अछिन्नछेयणइयाइ आजीवियसुत्तपरिवाडीए । वावीस सुत्ताइ तिकणइयाइ तेरासियसुत्तपरिवाडीए । वावीसं सुत्ताइ चउक्कणइयाइ ससमयसुत्तपरिवाडीए । वावीसविहे पोग्गलपरिणामे पन्नत्ते, त जहा–कालवण्णपरिणामे, नीलवण्णपरिणामे, लोहियवण्णपरिणामे, हालिद्दवण्णपरिणामे, सुक्किलवण्णपरिणामे, सुब्भिगधपरिणामे, दुब्भिगंधपरिणामे, तित्तरसपरिणामे, कडुयरसपरिणामे, कसायरसपरिणामे, अंबिलरसपरिणामे, महुररसपरिणामे, कक्खडफासपरिणामे, मउयफासपरिणामे, गुरुफासपरिणामे, लहुफासपरिणामे, सीतफासपरिणामे, उसिणफासपरिणामे, णिद्धफासपरिणामे, लुक्खफासपरिणामे, अगुरुलहुफासपरिणामे, गुरुलहुफासपरिणामे ॥ ७३ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण वावीस पलिओवमाइ ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए (नेरइयाण)उक्कोसेण वावीस सागरोवमाइ ठिई प० । अहेसत्तमाए पुढवीए [अत्थेगइयाण]नेरइयाण जहण्णेण वावीस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण वावीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाणं वावीसं पलिओवमाइ ठिई प० । अच्चुते कप्पे देवाण (उक्कोसेण) वावीस सागरोवमाइ ठिई प० । हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जगाण देवाण जहण्णेणं वावीसं सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा महियं विसूहियं विमल पभास वणमालं अच्चुतवडिंसग विमाण देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण वावीसं साग-

उत्तरायणगते ण सूरिए चउवीसगुलिए पोरिसीछाय णिव्वराइत्ता णं णिअट्टति । गगासिंधूओ ण महाणदीओ पवाहे सातिरेगेण चउवीस कोसे वित्थारेण प० । रत्तारत्तवतीओ ण महाणदीओ पवाहे सातिरेगे चउवीस कोसे वित्थारेण प० ॥७९॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण चउवीस पलिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण चउवीस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण चउवीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाण देवाण चउवीस पलिओवमाइ ठिई प० । हेट्ठिमउवरिमगेविज्जाण देवाण जहण्णेण चउवीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण चउवीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ८० ॥ ते ण देवा चउवीसाए अद्धमासाण आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण चउवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइआ भवसिद्धिया जीवा जे चउवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमंत करिस्सति ॥ ८१ ॥ पुरिमपच्छिमगाण तित्थगराणं पचजामस्स पणवीस भावणाओ प० त जहा–इरियासमिई, मणगुत्ती, वयगुत्ती, आलोयभायणभोयण, आदाणभडमत्तनिक्खेवणासमिई, अणुवीतिभासणया, कोहविवेगे, लोभविवेगे, भयविवेगे, हासविवेगे, उग्गहअणुण्णवणया, उग्गहसीमजाणणया, सयमेव उग्गहं अणुगिण्हणया, साहम्मियउग्गह अणुण्णविय परिभुजणया, साहारणभत्तपाण अणुण्णविय पडिभुजणया, इत्थीपसुपंडगससत्तगसयणासणवज्जणया, इत्थीकहविवज्जणया, इत्थीण ईंदियाणमालोयणवज्जणया, पुव्वरयपुव्वकीलिआणं अणणुसरणया, पणीताहारविवज्जणया, सोइंदियरागोवरई, चक्खिदियरागोवरई, घाणिंदियरागोवरई, जिब्भिदियरागोवरई, फासिंदियरागोवरई । मल्ली ण अरहा पणवीस धणु उड्ढ उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि दीहवेयड्ढपव्वया पणवीस जोयणाणि उड्ढ उच्चत्तेण पन्नत्ता पणवीस पणवीसं गाउआणि उव्विद्धेण प० । दोच्चाए ण पुढवीए पणवीस णिरयावाससयसहस्सा पन्नत्ता । आयारस्स ण भगवओ सचूलिआयस्स पणवीस अज्झयणा पन्नत्ता, तं जहा–सत्थपरिण्णा लोगविजओ सीओसणीअ सम्मत्तं । आवति धुय विमोह उवहाणसुय महपरिण्णा । पिंडेसण सिज्जिरिआ भासज्झयणा य वत्थ पाएसा । उग्गहपडिमा सत्तिक्कसत्तया भावण विमुत्ती । निसीहज्झयणं पणवीसइम । मिच्छादिट्ठिविगलिंदिए ण अपज्जत्तए ण सकिलिट्ठपरिणामे णामस्स कम्मस्स पणवीस उत्तरपयडीओ णिबधति–तिरियगतिनाम विगलिंदियजातिनाम ओरालियसरीरणाम तेअग-

अत्थेगइयाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स अट्ठावीसं कम्मंसा संतकम्मा पण्णत्ता तं जहा–सम्मत्तवेयणिज्जं मिच्छत्तवेयणिज्जं सम्ममिच्छत्तवेयणिज्जं सोलस कसाया णव णोकसाया। आभिणिबोहियणाणे अट्ठावीसइविहे प० तं० सोइंदियअत्थावग्गहे, चक्खिंदियअत्थावग्गहे, घाणिंदियअत्थावग्गहे, जिब्भिंदियअत्थावग्गहे, फासिंदियअत्थावग्गहे, णोइंदियअत्थावग्गहे, सोइंदियवंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिंदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे, सोइंदियईहा चक्खिंदियईहा घाणिंदियईहा जिब्भिंदियईहा फासिंदियईहा णोइंदियईहा सोइंदियावाए, चक्खिंदियावाए, घाणिंदियावाए, जिब्भिंदियावाए, फासिंदियावाए, णोइंदियावाए, सोइंदियधारणा चक्खिंदियधारणा घाणिंदियधारणा जिब्भिंदियधारणा, फासिंदियधारणा, णोइंदियधारणा। ईसाणे णं कप्पे अट्ठावीसं विमाणावाससयसहस्सा प०। जीवे णं देवगइम्मि बंधमाणे नामस्स कम्मस्स अट्ठावीसं उत्तरपयडीओ णिबंधइ, तं जहा–देवगइनामं पंचिंदियजाइनामं वेउव्वियसरीरनामं तेयगसरीरनामं कम्मणसरीरनामं समचउरंससंठाणनामं वेउव्वियसरीरंगोवंगनामं वण्णनामं गंधनामं रसनामं फासनामं देवाणुपुव्विनामं अगुरुलहुनामं उवघायनामं पराघायनामं उस्सासनामं पसत्थविहायोगइनामं तसनामं बायरनामं पज्जत्तनामं पत्तेयसरीरनामं, थिराथिराणं सुभासुभाणं (सुभगनामं सुस्सरनामं) आएज्जाणाएज्जाणं दोण्हं अण्णयरं एगं नामं णिबंधइ जसोकित्तिनामं निम्माणनामं। एवं चेव णेरइया वि णवरं अप्पसत्थविहायोगइनामं हुंडसंठाणनामं अथिरनामं दुब्भगनामं असुभनामं दुस्सरनामं अणादिज्जनामं अजसोकित्तीनामं निम्माणनामं ॥ ९१ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा मज्झिमउवरिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ९२ ॥ ते णं देवा अट्ठावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठावीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ९३ ॥ एगूणतीसइविहे पावसुयपसंगे

जीवा जे छव्वीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइ-स्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ८७ ॥ सत्तावीसं अणगारगुणा पन्नत्ता, तं जहा-पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिन्नादाणाओ वेरमणं, मेहु-णाओ वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं, सोइंदियनिग्गहे, चक्खिदियनिग्गहे, घाणिं-दियनिग्गहे, जिब्भिंदियनिग्गहे, फासिंदियनिग्गहे, कोहविवेगे, माणविवेगे, मायावि-वेगे, लोभविवेगे, भावसच्चे, करणसच्चे, जोगसच्चे, खमा, विरागया, मणसमाहरणया, वयसमाहरणया, कायसमाहरणया, णाणसंपण्णया, दंसणसंपण्णया, चरित्तसंपण्णया, वेयणअहियासणया, मारणंतियअहियासणया । जंबुद्दीवे दीवे अभिइवज्जेहिं सत्तावी-साए णक्खत्तेहिं संववहारे वट्टति । एगमेगे णं णक्खत्तमासे सत्तावीसाहिं राइंदियाहिं राइंदियग्गेणं पन्नत्ते । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणपुढवी सत्तावीसं जोयणसयाइं बाहल्लेणं पन्नत्ता । वेयगसम्मत्तबंधोवरयस्स णं मोहणिज्जस्स कम्मस्स सत्तावीसं उत्तरपगडीओ संतकम्मंसा पन्नत्ता । सावणसुद्धसत्तमीसु णं सूरिए सत्तावीसंगुलियं पोरिसिच्छायं णिव्वत्तइत्ता णं दिवसखेत्तं नियट्टेमाणे रयणिखेत्तं अभिणिवट्टमाणे चारं चरइ ॥ ८८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तावीसं पलि-ओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । मज्झिमउवरिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा मज्झिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ८९ ॥ ते णं देवा सत्तावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीस-संति वा । तेसि णं देवाणं सत्तावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सत्तावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चि-स्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ९० ॥ अट्ठावीसविहे आयारपकप्पे पन्नत्ते, तं जहा-मासिआ आरोवणा, सपंचराईमासिया आरोवणा, सदसराइमासिया आरोवणा, (सपण्णरसराइमासिआ आरोवणा, सवीसइराइमासिआ आरोवणा, सपंचवीसराइमासिआ आरोवणा) एवं चेव दोमासिआ आरोवणा, सपंचराईदोमासिआ आरोवणा, एवं तिमासिआ आरोवणा, चउमासिआ आरोवणा, उवघाइया आरोवणा, अणुवघाइया आरोवणा, कसिणा आरोवणा, अकसिणा आरोवणा, एतावता आयारपकप्पे एताव ताव आयरियव्वे । भवसिद्धियाणं जीवाणं

अत्थेगइयाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स अट्ठावीसं कम्मंसा संतकम्मा पन्नत्ता तं जहा-सम्मत्तवेयणिज्जं मिच्छत्तवेयणिज्जं सम्ममिच्छत्तवेयणिज्जं सोलस कसाया णव णोकसाया। आभिणिबोहियणाणे अट्ठावीसइविहे प० तं० सोइंदियअत्थावग्गहे, चक्खिंदियअत्थावग्गहे, घाणिंदियअत्थावग्गहे, जिब्भिंदियअत्थावग्गहे, फासिंदियअत्थावग्गहे, णोइंदियअत्थावग्गहे, सोइंदियवंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिंदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे, सोइंदियईहा चक्खिंदियईहा घाणिंदियईहा जिब्भिंदियईहा फासिंदियईहा णोइंदियईहा सोइंदियावाए, चक्खिंदियावाए, घाणिंदियावाए, जिब्भिंदियावाए, फासिंदियावाए, णोइंदियावाए, सोइंदियधारणा चक्खिंदियधारणा घाणिंदियधारणा जिब्भिंदियधारणा फासिंदियधारणा णोइंदियधारणा। ईसाणे णं कप्पे अट्ठावीसं विमाणावाससयसहस्सा प०। जीवे णं देवगइम्मि बंधमाणे णामस्स कम्मस्स अट्ठावीसं उत्तरपयडीओ णिबंधति, तं जहा-देवगइणामं पंचिंदियजाइणामं वेउव्वियसरीरणामं तेयगसरीरणामं कम्मणसरीरणामं समचउरंससंठाणणामं वेउव्वियसरीरंगोवंगणामं वण्णणामं गंधणामं रसणामं फासणामं देवाणुपुव्विणामं अगुरुलहुणामं उवघायणामं पराघायणामं उस्सासणामं पसत्थविहायोगइणामं तसणामं, बायरणामं पज्जत्तणामं, पत्तेयसरीरणामं थिराथिराणं सुभासुभाणं (सुभगणामं सुस्सरणामं) आएज्जाणाएज्जाणं दोण्हं अण्णयरं एगं णामं णिबंधइ जसोकित्तिणामं णिम्माणणामं। एवं चेव णेरइया वि णाणत्तं अप्पसत्थविहायोगइणामं हुंडगसंठाणणामं अथिरणामं, दुब्भगणामं असुभणामं दुस्सरणामं अणादिज्जणामं अजसोकित्तीणामं णिम्माणणामं ॥ ११ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा मज्झिमउवरिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १२ ॥ ते णं देवा अट्ठावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठावीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १३ ॥ एगूणतीसइविहे पावसुयपसंगे

ण प० तं० भोमे, उप्पाए, सुमिणे, अतरिक्खे, अगे, सरे, वजणे, लक्खणे, भोमे तिविहे प० तं० सुत्ते वित्ती वत्तिए, एवं एक्केक्के तिविह, विकहाणुजोगे, विज्जाणुजोगे, मताणुजोगे, जोगाणुजोगे, अण्णतित्थियपवत्ताणुजोगे । आसाढे णं मासे एगूणतीसराइदिआइ राइदियग्गेण पन्नत्ताइ । (एव चेव) भद्दवए ण मासे । कत्तिए ण मासे । पोसे ण मासे । फग्गुणे णं मासे । वइसाहे ण मासे । चददिणे ण एगूणतीस मुहुत्ते सातिरेगे मुहुत्तग्गेण प० । जीवे ण पसत्थऽज्झवसाणजुत्ते भविए सम्मदिट्ठी तित्थकरनामसहिआओ णामस्स णियमा एगूणतीस उत्तरपगडीओ निवधित्ता वेमाणिएसु देवेसु देवत्ताए उववज्जइ ॥ ९४ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाणं एगूणतीस पलिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण एगूणतीस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराण देवाण अत्थेगइयाण एगूणतीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाण अत्थेगइयाण एगूणतीसं पलिओवमाइ ठिई प० । उवरिममज्झिमगेवेज्जयाण देवाण जहण्णेण एगूणतीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण एगूणतीस सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ९५ ॥ ते णं देवा एगूणतीसाए अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमंति वा ऊससति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण एगूणतीस वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणतीसभवग्गहणेहिं सिज्झिस्सति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमतं करिस्सति ॥ ९६ ॥ तीस मोहणीयठाणा प० त० जे यावि तसे पाणे, वारिमज्झे विगाहिआ । उदएण कम्मा मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ १-१ ॥ सीसावेढेण जे केई, आवेढेइ अभिक्खण । तिव्वासुभसमायारे, महामोह पकुव्वइ ॥ २-२ ॥ पाणिणा संपिहित्ता ण, सोयमावरिय पाणिणं । अतोनदत मारेई, महामोह पकुव्वइ ॥ ३-३ ॥ जायतेय समारब्भ, वहु ओरुंभिया जणं, अतोधूमेण मारेई(ज्जा), महामोहं पकुव्वइ ॥ ४-४ ॥ सिस्सम्मि जे पहणइ, उत्तमंगम्मि चेयसा । विभज्ज मत्थय फाले, महामोह पकुव्वइ ॥ ५-५ ॥ पुणो पुणो पणिधिए, हरित्ता उवहसे जण । फलेण अदुवा दंडेण, महामोह पकुव्वइ ॥ ६-६ ॥ गूढायारी निगूहिज्जा, मायं मायाए छायए । असच्चवाई णिण्हाई, महामोह पकुव्वइ ॥ ७-७ ॥ धसेइ जो अभूएण, अकम्म अत्तकम्मुणा । अदुवा तुम कासित्ति, महामोह पकुव्वइ ॥ ८-८ ॥ जाणमाणो परिसओ, सच्चामोसाणि भासइ । अक्खीणझझे पुरिसे, महामोह पकुव्वइ ॥ ९-९ ॥ अणायगस्स नयव, दारे तस्सेव धसिया । विउल विक्खोभइत्ता

जं किच्चा णं पडिबाहिरं ॥ १ ॥ उवगसंतं पि झंपित्ता पडिलोमाहिं वग्गूहिं। भोयभोगे वियारेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ ११-१ ॥ अकुमारभूए जे केई, कुमारभूए त्ति हं वए। इत्थीहिं गिद्धे वसए, महामोहं पकुव्वइ ॥ ११-११ ॥ अबंभयारी जे केई, बंभयारी त्ति हं वए। गद्दहेव्व गवां मज्झे विस्सरं नयई नदं ॥ १३ ॥ अप्पणो अहिए बाले मायामोसं बहुं भसे। इत्थीविसयगेहीए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १४-१२ ॥ जं निस्सिए उव्वहइ, जससाहिगमेण वा। तस्स लुब्भइ वित्तम्मि महामोहं पकुव्वइ ॥ १५-१३ ॥ ईसरेण अदुवा गामेणं अणिस्सरे ईसरीकए। तस्स संपयहीणस्स सिरी अतुलमागया ॥ १६ ॥ ईसादोसेण आविट्ठे, कलुसाविलचेयसे। जे अंतरायं चेएइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १७-१४ ॥ सप्पी जहा अंडउडं भत्तारं जो विहिंसइ। सेणावइं पसत्थारं, महामोहं पकुव्वइ ॥ १८-१५ ॥ जे नायगं च रट्ठस्स नेयारं निगमस्स वा। सेट्ठिं बहुरवं हंता महामोहं पकुव्वइ ॥ १९-१६ ॥ बहुजणस्स णेयारं, दीवं ताणं च पाणिणं। एयारिसं नरं हंता महामोहं पकुव्वइ ॥ २०-१७ ॥ उवट्ठियं पडिविरयं संजयं सुतवस्सियं। वुकम्म धम्माओ भंसेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१-१८ ॥ तहेवाणंतणाणीणं जिणाणं वरदंसिणं। तेसिं अवण्णवं बाले महामोहं पकुव्वइ ॥ २२-१९ ॥ नेयाउयस्स मग्गस्स दुट्ठे अवयरई बहुं। तं तिप्पयंतो भावेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २३-२ ॥ आयरियउवज्झाएहिं, सुयं विणयं च गाहिए। ते चेव खिंसई बाले महामोहं पकुव्वइ ॥ २४-२१ ॥ आयरियउवज्झायाणं सम्मं नो पडितप्पइ। अप्पडिपूयए थद्धे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २५-२२ ॥ अबहुस्सुए य जे केई, सुएणं पविकत्थई। सज्झायवायं वयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २६-२३ ॥ अतवस्सीए य जे केई, तवेण पविकत्थइ। सव्वलोयपरे तेणे महामोहं पकुव्वइ ॥ २७-२४ ॥ साहारणट्ठा जे केई, गिलाणम्मि उवट्ठिए। पभू ण कुणई किच्चं मज्झं पि से न कुव्वइ ॥ २ ॥ सढे नियडिपण्णाणे कलुसाउलचेयसे। अप्पणो य अबोहीए महामोहं पकुव्वइ ॥ २९-२५ ॥ जे कहाहिगरणाइं, संपउंजे पुणो पुणो। सव्वतित्थाण भेयाणं महामोहं पकुव्वइ ॥ ३०-२६ ॥ जे य आहम्मिए जोए, संपउंजे पुणो पुणो। सहाहेउं सहीहेउं महामोहं पकुव्वइ ॥ ३१-२७ ॥ जे य माणुस्सए भोए, अदुवा पारलोइए। तेऽतिप्पयंतो आसयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३२-२८ ॥ इड्ढी जुई जसो वण्णो देवाणं बलवीरियं। तेसिं अवण्णवं बाले महामोहं पकुव्वइ ॥ ३३-२९ ॥ अपस्समाणो पस्सामि देवे जक्खे य गुज्झगे। अण्णाणी जिणपूयट्ठी महामोहं पकुव्वइ ॥ ३४-३ ॥ ३० ॥ थेरे णं

ण प० तं० भोमे, उप्पाए, सुमिणे, अंतरिक्खे, अंगे, सरे, वजणे, लक्खणे, भोमे तिविहे प० तं० सुत्ते वित्ती वत्तिए, एव एक्केक्क तिविह, विकहाणुजोगे, विज्जाणुजोगे, मंताणुजोगे, जोगाणुजोगे, अण्णतित्थियपवत्ताणुजोगे । आसाढे ण मासे एगूणतीसराइंदिआइ राइंदियग्गेण पन्नत्ताइ । (एव चेव) भद्दवए ण मासे । कत्तिए ण मासे । पोसे ण मासे । फग्गुणे ण मासे । वइसाहे ण मासे । चददिणे ण एगूणतीस मुहुत्ते सातिरेगे मुहुत्तग्गेण प० । जीवे णं पसत्थऽज्झवसाणजुत्ते भविए सम्मदिट्ठी तित्थकरनामसहिआओ णामस्स णियमा एगूणतीस उत्तरपगडीओ निबंधित्ता वेमाणिएसु देवेसु देवत्ताए उववज्जइ ॥ ९४ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाणं एगूणतीस पलिओवमाइ ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाण नेरइयाण एगूणतीस सागरोवमाइ ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाण अत्थेगइयाण एगूणतीस पलिओवमाइ ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाण अत्थेगइयाण एगूणतीस पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिममज्झिमगेवेज्जयाण देवाण जहण्णेण एगूणतीस सागरोवमाइ ठिई प० । जे देवा उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि ण देवाण उक्कोसेण एगूणतीसं सागरोवमाइ ठिई प० ॥ ९५ ॥ ते ण देवा एगूणतीसाए अद्धमासेहिं आणमति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससति वा । तेसि ण देवाण एगूणतीस वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । सतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणतीसभवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्सति मुच्चिस्सति परिनिव्वाइस्सति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ९६ ॥ तीस मोहणीयठाणा प० त० जे यावि तसे पाणे, वारिमज्झे विगाहिआ । उदएण कम्मा मारेई, महामोह पकुव्वइ ॥ १-१ ॥ सीसावेढेण जे केई, आवेढेइ अभिक्खण । तिव्वासुभसमायारे, महामोह पकुव्वइ ॥ २-२ ॥ पाणिणा संपिहित्ता ण, सोयमावरिय पाणिण । अतोनदत मारेई, महामोह पकुव्वइ ॥ ३-३ ॥ जायतेय समारब्भ, वहु ओरुंभिया जण, अतोधूमेण मारेई(ज्जा), महामोह पकुव्वइ ॥ ४-४ ॥ सिस्सम्मि जे पहणइ, उत्तमगम्मि चेयसा । विभज्ज मत्थय फाले, महामोह पकुव्वइ ॥ ५-५ ॥ पुणो पुणो पणिधिए, हरित्ता उवहसे जण । फलेण अदुवा दंडेण, महामोह पकुव्वइ ॥ ६-६ ॥ गूढायारी निगूहिज्जा, माय मायाए छायए । असच्चवाई णिण्हाई, महामोह पकुव्वइ ॥ ७-७ ॥ धसेइ जो अभूएण, अकम्म अत्तकम्मुणा । अदुवा तुम कासित्ति, महामोह पकुव्वइ ॥ ८-८ ॥ जाणमाणो परिसओ, सच्चामोसाणि भासइ । अक्खीणझझे पुरिसे, महामोह पकुव्वइ ॥ ९-९ ॥ अणायगस्स नयव, दारे तस्सेव धसिया । विउलं विक्खोभइत्ता

मण्डियपुत्ते तीसं वासाइं सामण्णपरियायं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्प-हीणे। एगमेगे णं अहोरत्ते तीसमुहुत्ते मुहुत्तग्गेणं पन्नत्ते। एएसि णं तीसाए मुहुत्ताणं तीसं नामधेज्जा प०, तं जहा–रोद्दे, सत्ते, मित्ते, वाऊ, सुपीए, अभिचंदे, माहिंदे, पलवे, बंभे, सच्चे, आणंदे, विजए, विस्ससेणे, पायावच्चे, उवसमे, ईसाणे, तट्ठे, भाविअप्पा, वेसमणे, वरुणे, सतरिसभे, गंधव्वे, अग्गिवेसायणे, आतवे, आवत्ते, तट्ठवे, भूमहे, रिसभे, सव्वट्ठसिद्धे, रक्खसे। अरे णं अरहा तीसं धणु(णू)इं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सहस्सारस्स णं देविंदस्स देवरन्नो तीसं सामाणियसाहस्सीओ प०। पासे णं अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। समणे भगवं महावीरे तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए। रयणप्पभाए णं पुढवीए तीसं निरयावाससयसहस्सा प० ॥ ९८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मी-साणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। उवरिमउवरिम-गेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा उवरिममज्झिम-गेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ९९ ॥ ते णं देवा तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समु-प्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०० ॥ एक्कतीसं सिद्धाइगुणा पन्नत्ता, तं जहा–खीणे आभिणिबोहियणाणावरणे, खीणे सुय-णाणावरणे, खीणे ओहिणाणावरणे, खीणे मणपज्जवणाणावरणे, खीणे केवलणाणा-वरणे, खीणे चक्खुदंसणावरणे, खीणे अचक्खुदंसणावरणे, खीणे ओहिदंसणावरणे, खीणे केवलदंसणावरणे, खीणे निद्दा, खीणे णिद्दाणिद्दा, खीणे पयला, खीणे पयला-पयला, खीणे थीणद्धी, खीणे सायावेयणिज्जे, खीणे असायावेयणिज्जे, खीणे दंसण-मोहणिज्जे, खीणे चरित्तमोहणिज्जे, खीणे नेरइआउए, खीणे तिरिआउए, खीणे मणु-स्साउए, खीणे देवाउए, खीणे उच्चागोए, खीणे निच्चागोए, खीणे सुभणामे, खीणे असुभणामे, खीणे दाणंतराए, खीणे लाभंतराए, खीणे भोगंतराए, खीणे उवभोग-तराए, खीणे वीरिअंतराए ॥ १०१ ॥ मंदरे णं पव्वए धरणितले एक्कतीसं जोयण सहस्साइं छच्चेव तेवीसे जोयणसए किंचिदेसूणा परिक्खेवेणं पन्नत्ता। जया णं सूरिए

ते णं देवा वत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा। तेसि णं देवाणं वत्तीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे वत्तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिनिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०७ ॥ तेत्तीसं आसायणाओ पन्नत्ताओ, तं जहा–सेहे राइणियस्स आसन्नं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स पुरओ गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स सपक्खं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स आसन्नं ठिच्चा भवइ आसायणा सेहस्स, जाव सेहे राइणियस्स आलवमाणस्स तत्थगए चेव पडिसुणित्ता भवइ आसायणा सेहस्स। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चमरचंचाए रायहाणीए एगमेगवाराए तेत्तीसं तेत्तीसं भोमा प०। महाविदेहे णं वासे तेत्तीसं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं विक्खंभेणं प०। जया णं सूरिए बाहिराणंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इहगयस्स पुरिसस्स तेत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं किंचिविसेसूणेहिं चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ ॥ १०८ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं नेरइयाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए कालमहाकालरोरुयमहारोरुएसु नेरइयाणं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अप्पइट्ठाणनरए नेरइयाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प०। विजयवेजयंतजयंतअपराजिएसु विमाणेसु उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १०९ ॥ ते णं देवा तेत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा निस्ससंति वा। तेसि णं देवाणं तेत्तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेत्तीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ११० ॥ चोत्तीसं जिणाइसेसा प० तं जहा–अवट्ठिए केसमंसुरोमनहे, निरामया निरुवलेवा गायलट्ठी, गोक्खीरपंडुरे मंससोणिए, पउमुप्पलगंधिए उस्सासनिस्सासे, पच्छन्ने आहारनीहारे अदिस्से मंसचक्खुणा, आगासगयं चक्कं, आगासगयं छत्तं, आगासगयाओ सेयवरचामराओ, आगासफालियामयं सपायपीढं सीहासणं, आगासगओ कुडभीसहस्सपरिमंडिआभिरामो इंदज्झओ पुरओ गच्छइ, जत्थ जत्थ वि य णं अरहंता भगवंतो चिट्ठंति वा निसीयंति वा तत्थ तत्थ वि य णं तक्खणादेव संछन्नपत्तपुप्फपल्लवसमाउलो सच्छत्तो सज्झओ सघंटो

जीवविभत्ती य । चमरस्स ण असुरिंदस्स असुररण्णो सभा सुहम्मा छत्तीस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । समणस्स ण भगवओ महावीरस्स छत्तीस अज्जाण साहस्सीओ होत्था । चेत्तासोएसु ण मासेसु सइ छत्तीसंगुलिय सूरिए पोरिसिछाय निव्वत्तइ ॥ ११४॥ कुंथुस्स णं अरहओ सत्ततीस गणा सत्ततीस गणहरा होत्था । हेमवयहेरण्णवयाओ ण जीवाओ सत्ततीस जोयणसहस्साइं छच्च चउसत्तरे जोयणसए सोलस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स किंचि विसेसूणाओ आयामेण पन्नत्ताओ । सव्वासु ण विजयवेजयतजयतअपराजिआसु रायहाणीसु पागारा सत्ततीस सत्ततीस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेण प० । खुड्डियाए ण विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे सत्ततीस उद्देसणकाला प० । कत्तियबहुलसत्तमीए ण सूरिए सत्ततीसंगुलियं पोरिसिछाय निव्वत्तइत्ता णं चार चरइ ॥ ११५॥ पासस्स ण अरहओ पुरिसादाणीयस्स अट्ठतीस अज्जिआसाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासपया होत्था । हेमवयएरण्णवईयाण जीवाण धणुपिट्ठे अट्ठतीस जोयणसहस्साइं सत्त य चत्ताले जोयणसए दस एगूणवीसइभागे जोयणस्स किंचि विसेसूणा परिक्खेवेण पन्नत्ता । अत्यस्स ण पव्वयरण्णो बितिए कडे अट्ठतीस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेण होत्था । खुड्डियाए ण विमाणपविभत्तीए बितिए वग्गे अट्ठतीस उद्देसणकाला प० ॥ ११६ ॥ नमिस्स ण अरहओ एगूणचत्तालीस आहोहियसया होत्था । समयखेत्ते एगूणचत्तालीस कुलपव्वया प०, त जहा–तीस वासहरा, पच मदरा, चत्तारि उसुकारा । दोच्चचउत्थपचमछट्ठसत्तमासु णं पचसु पुढवीसु एगूणचत्तालीस निरयावाससयसहस्सा प० । नाणावरणिज्जस्स मोहणिज्जस्स गोत्तस्स आउयस्स एयासि णं चउण्ह कम्मपगडीण एगूणचत्तालीस उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ ॥ ११७ ॥ अरहओ ण अरिट्ठनेमिस्स चत्तालीस अज्जियासाहस्सीओ होत्था । मंदरचूलियाण चत्तालीस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेण पण्णत्ता । संती अरहा चत्तालीस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेण होत्था । भूयाणदस्स ण नागकुमारस्स नागरन्नो चत्तालीस भवणावाससयसहस्सा प० । खुड्डियाए ण विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे चत्तालीस उद्देसणकाला प० । फग्गुणपुण्णिमासिणीए ण सूरिए चत्तालीसंगुलिय पोरिसीछाय निव्वट्टइत्ता णं चारं चरइ । एवं कत्तियाए वि पुण्णिमाए । महासुक्के कप्पे चत्तालीस विमाणावाससहस्सा प० ॥ ११८ ॥ नमिस्स णं अरहओ एगचत्तालीस अज्जियासाहस्सीओ होत्था । चउसु पुढवीसु एक्कचत्तालीस निरयावाससयसहस्सा प०, त जहा–रयणप्पभाए पंकप्पभाए तमाए तमतमाए । महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे एकचत्तालीस उद्देसणकाला प० ॥ ११९ ॥ समणे भगव महावीरे बायालीस वासाइं साहियाइं सामण्णपरियाग पाउणित्ता सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । जंबुद्दीवस्स णं

चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा–तिन्नेव उत्तराइं, पुणव्वसू, रोहिणी विसाहा य। एए छ नक्खत्ता, पणयालमुहुत्तसजोगा ॥ महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पंचमे वग्गे पणयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ १२३ ॥ दिट्ठिवायस्स णं छायालीसं माउयापया प०। बंभीए णं लिवीए छायालीसं माउयक्खरा प०। पभंजणस्स णं वाउकुमारिंदस्स छायालीसं भवणावाससयसहस्सा प० ॥ १२४ ॥ जया णं सूरिए सव्वब्भिंतरमंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणूसस्स सत्तचत्तालीसं जोयणसहस्सेहिं दोहि य तेवट्ठेहिं जोयणसएहिं एक्कवीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुफासं हव्वमागच्छइ। थेरे णं अग्गिभूई सत्तचालीसं वासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १२५ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अडयालीसं पट्टणसहस्सा प०। धम्मस्स णं अरहओ अडयालीसं गणा अडयालीसं गणहरा होत्था। सूरमंडले णं अडयालीसं एकसट्ठिभागे जोयणस्स विक्खंभेणं प० ॥ १२६ ॥ सत्तसत्तमियाए णं भिक्खुपडिमाए एगूणपन्नाए राइंदिएहिं छन्नउइभिक्खासएणं अहासुत्तं जाव आराहिया भवइ। देवकुरुउत्तरकुरुएसु णं मणुया एगूणपन्ना राइंदिएहिं संपन्नजोव्वणा भवंति। तेइंदियाणं उक्कोसेणं एगूणपन्ना राइंदिया ठिई प० ॥ १२७ ॥ मुणिसुव्वयस्स णं अरहओ पंचास अज्जियासाहस्सीओ होत्था। अणंते णं अरहा पन्नासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पुरिसुत्तमे णं वासुदेवे पन्नासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढा मूले पन्नासं पन्नासं जोयणाणि विक्खंभेणं प०। लंतए कप्पे पन्नासं विमाणावाससहस्सा प०। सव्वाओ णं तिमिस्सगुहाखंडगप्पवायगुहाओ पन्नासं पन्नासं जोयणाइं आयामेणं प०। सव्वे वि णं कंचणगपव्वया सिहरतले पन्नासं पन्नासं जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १२८ ॥ नवण्हं बंभचेराणं एकावन्नं उद्देसणकाला प०। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररन्नो सभा सुधम्मा एकावन्नखंभसयसंनिविट्ठा प०। एवं चेव बलिस्स वि। सुप्पभे णं बलदेवे एकावन्नं वाससयसहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। दंसणावरणनामाणं दोण्हं कम्माणं एकावन्नं उत्तरकम्मपगडीओ पन्नत्ताओ ॥ १२९ ॥ मोहणिज्जस्स णं कम्मस्स बावन्नं नामधेज्जा प०, तं जहा–कोहे, कोवे, रोसे, दोसे, अखमा, संजलणे, कलहे, चंडिक्के, भंडणे, विवाए, माणे, मदे, दप्पे, थंभे, अत्तुक्कोसे, गव्वे, परपरिवाए, अक्कोसे, अवक्कोसे (परिभवे), उन्नए, उन्नामे, माया, उवही, नियडी, वलए, गहणे, णूमे, कक्के, कुरुए, दंभे, कूडे, जिम्हे, किब्बिसे, अणायरणया, गूहणया, वंचणया, पलिकुंचणया, सातिजोगे, लोभे, इच्छा, मुच्छा, कंखा, गेही,

अतरे प० । एव दगभासस्स केउयस्स य सखस्स य जूवयस्स य दगसीमस्स ईस-
रस्स य । मल्लिस्स ण अरहओ सत्तावन्नं मणपज्जवनाणिसया होत्था । महाहिमवंत-
रुप्पीण वासहरपव्वयाणं जीवाण धणुपिट्ठं सत्तावन्नं सत्तावन्नं जोयणसहस्साइं
दोन्नि य तेणउए जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेण प०
॥ १२५ ॥ पढमदोच्चपचमासु तिसु पुढवीसु अट्ठावन्नं निरयावाससयसहस्सा प० ।
नाणावरणिज्जस्स वेयणियआउयनामअतराइयस्स एएसि णं पंचण्हं कम्मपगडीणं
अट्ठावन्नं उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ । गोथुभस्स ण आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ
चरमताओ वलयामुहस्स महापायालस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस ण अट्ठावन्नं जोयण-
सहस्साइ अबाहाए अतरे प० । एवं चउद्दिसिं पि नेयव्वं ॥ १२६ ॥ चंदस्स णं
सवच्छरस्स एगमेगे उऊ एगूणसट्ठिं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं प० । संभवे णं अरहा
एगूणसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइ अगारमज्झे वसित्ता मुंडे जाव पव्वइए । मल्लिस्स णं
अरहओ एगूणसट्ठिं ओहिनाणिसया होत्था ॥ १२७ ॥ एगमेगे णं मंडले सूरिए सट्ठिए
सट्ठिए मुहुत्तेहिं सघाइए । लवणस्स ण समुद्दस्स सट्ठिं नागसाहस्सीओ अग्गोदयं
धारंति । विमले ण अरहा सट्ठिं धणूइ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स
सट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । बंभस्स ण देविंदस्स देवरण्णो सट्ठिं सामाणि-
यसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । सोहम्मीसाणेसु दोसु कप्पेसु सट्ठिं विमाणावाससयसहस्सा
प० ॥ १२८ ॥ पचसवच्छरियस्स ण जुगस्स रिउमासेणं मिज्जमाणस्स एगसट्ठिं उउ-
मासा प० । मदरस्स ण पव्वयस्स पढमे कंडे एगसट्ठिजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं
प० । चदमडले ण एगसट्ठिविभागविभाइए समसे प० । एव सूरस्स वि ॥ १२९ ॥
पचसवच्छरिए ण जुगे बासट्ठिं पुण्णिमाओ बावट्ठिं अमावसाओ पन्नत्ताओ । वासुपुज्जस्स
ण अरहओ बासट्ठिं गणा बासट्ठिं गणहरा होत्था । सुक्कपक्खस्स ण चंदे बासट्ठिं भागे
दिवसे दिवसे परिवड्ढइ, ते चेव बहुलपक्खे दिवसे दिवसे परिहायइ । सोहम्मीसा-
णेसु कप्पेसु पढमे पत्थडे पढमावलियाए एगमेगाए दिसाए बासट्ठिं बासट्ठिं विमाणा
प० । सव्वे वेमाणियाण बासट्ठिं विमाणपत्थडा पत्थडग्गेण प० ॥ १३० ॥ उसभे
ण अरहा कोसलिए तेसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइ महारायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता
अगाराओ अणगारियं पव्वइए । हरिवासरम्मयवासेसु मणुस्सा तेसट्ठिए राइंदिएहिं
सपत्तजोव्वणा भवंति । निसढे ण पव्वए तेसट्ठिं सूरोदया प० । एव नीलवंते वि
॥ १३१ ॥ अट्ठट्ठमिया ण भिक्खुपडिमा चउसट्ठीए राइदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं
भिक्खासएहिं अहासुत्त जाव भवइ । चउसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा प० ।
चमरस्स णं रण्णो चउसट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । सव्वे वि दधि मुहाग

माहिंदस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सत्तरिं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ ॥ १४८ ॥ चउत्थस्स ण चदसवच्छरस्स हेमंताण एक्कसत्तरीए राइदिएहिं वीइक्कतेहिं सव्वबाहिराओ मडलाओ सूरिए आउट्टिं करेइ। वीरियप्पवायस्स ण पुव्वस्स एक्कसत्तरिं पाहुडा प०। अजिते ण अरहा एक्कसत्तरिं पुव्वसयसहस्साइ अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए। एव सगरो वि राया चाउरंतचक्कवट्टी एक्कसत्तरिं पुव्व जाव पव्वइए त्ति ॥ १४९ ॥ बावत्तरिं सुवन्नकुमारावाससयसहस्सा प०। लवणस्स समुद्दस्स बावत्तरिं नागसाहस्सीओ बाहिरिय वेल धारति। समणे भगव महावीरे बावत्तरिं वासाइ सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। थेरे ण अयलभाया बावत्तरिं वासाइं सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। अब्भितरपुक्खरद्धे ण बावत्तरिं चदा पभासिंसु वा पभासति वा पभासिस्सति वा, बावत्तरिं सूरिया तविंसु वा तवति वा तविस्सति वा। एगमेगस्स ण रन्नो चाउरतचक्कवट्टिस्स बावत्तरिपुरवरसाहस्सीओ पन्नत्ताओ। बावत्तरिं कलाओ प० त जहा-लेह, गणिय, रूव, नट्ट, गीय, वाइय, सरगय, पुक्खरगय, समताल, जूय, जणवाय, पोक्खच्च, अट्ठावय, दगमट्टिय, अन्नविहीं, पाणविहीं, वत्थविहीं, सयणविहीं, अज्ज, पहेलिय, मागहिय, गाहं, सिलोग, गधजुत्तिं, मधुसित्थ, आभरणविहीं, तरुणीपडिकम्म, इत्थीलक्खण, पुरिसलक्खण, हयलक्खणं, गयलक्खण, गोणलक्खण, कुक्कुडलक्खणं, मिंढयलक्खण, चक्कलक्खण, छत्तलक्खण, दडलक्खण, असिलक्खण, मणिलक्खण, कागणिलक्खण, चम्मलक्खण, चंदलक्खण, सूरचरिय, राहुचरिय, गहचरियं, सोभागकरं, दोभागकर, विज्जागय, मतगय, रहस्सगय, सभास, चारं, पडिचार, वूह, पडिवूह, खधावारमाण, नगरमाण, वत्थुमाण, खधावारनिवेस, वत्थुनिवेस, नगरनिवेस, ईसत्थ, छरुप्पवायं, आससिक्ख, हत्थिसिक्ख, धणुव्वेय, हिरण्णपागं सुवन्नपाग मणिपाग धातुपाग, बाहुजुद्ध दंडजुद्ध मुट्ठिजुद्धं लट्ठिजुद्धं जुद्ध निजुद्ध जुद्धाइ जुद्ध, सुत्तखेड नालियाखेड वट्टखेड धम्मखेड चम्मखेड, पत्तच्छेज्ज कडगच्छेज्ज, सजीव निजीव, सउणरुय। समुच्छिमखहयरपचिंदियतिरिक्खजोणियाण उक्कोसेण बावत्तरिं वाससहस्साइ ठिई प० ॥ १५० ॥ हरिवासरम्मयवासयाओ णं जीवाओ तेवत्तरिं तेवत्तरिं जोयणसहस्साइ नव य एगुत्तरे जोयणसए सत्तरस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स अद्धभाग च आयामेण प०। विजए ण बलदेवे तेवत्तरिं वाससयसहस्साइ सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ॥ १५१ ॥ थेरे णं अग्गिभूई गणहरे चोवत्तरिं वासाइ सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। निसहाओ ण वासहरपव्वयाओ तिगिच्छिओ ण दहाओ सीतोयामहानदीओ चोवत्तरिं

सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ॥ १६२ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियायस्स पंचासीइं उद्देसणकाला प० । धायइसंडस्स णं मंदरा पंचासीइं जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । रुयए णं मंडलियपव्वए पंचासीइं जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । नंदणवणस्स णं हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं पंचासीइं जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ १६३ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ छलसीइं गणा छलसीइं गणहरा होत्था । सुपासस्स णं अरहओ छलसीइं वाइसया होत्था । दोच्चाए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभागाओ दोच्चस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं छलसीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥ १६४ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स दाहिणिल्लाओ चरमंताओ दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तरिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं मंदरस्स पच्चच्छिमिल्लाओ चरमंताओ संखस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चेव मंदरस्स उत्तरिल्लाओ चरमंताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहिणिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । छण्हं कम्मपगडीणं आइमउवरिल्लवज्जाणं सत्तासीइं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ १६५ ॥ एगमेगस्स णं चंदिमसूरियस्स अट्ठासीइं अट्ठासीइं महग्गहा परिवारो प० । दिट्ठिवायस्स णं अट्ठासीइं सुत्ताइं पण्णत्ताइं, तं जहा-उज्जुसुयं परिणयापरिणयं एवं अट्ठासीइं सुत्ताणि भाणियव्वाणि जहा नंदीए । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरच्छिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउसु वि दिसासु नेयव्वं । बाहिराओ उत्तराओ णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगते अट्ठासीति एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिनिवुड्ढेत्ता सूरिए चारं चरइ । दक्खिणकट्ठाओ णं सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगते अट्ठासीई एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिनिवुड्ढेत्ता णं सूरिए चारं चरइ ॥ १६६ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए इमीसे ओसप्पिणीए तइयाए सुसमदूसमाए (समाए) पच्छिमे भागे एगूणनउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्व-

पडिमा एक्कासीइ राइंदिएहिं चउहि य पचुत्तरेहिं (भिक्खासएहिं) अहासुत्तं जाव आराहिया । कुंथुस्स णं अरहओ एक्कासीतिं मणपज्जवनाणिसया होत्था । विवाहपन्नत्तीए एक्कासीतिं महाजुम्मसया प० ॥ १५९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे वासीयं मंडलसयं जं सूरिए दुक्खुत्तो संकमित्ता णं चारं चरइ, तं जहा-निक्खममाणे य पविसमाणे य । समणे भगवं महावीरे वासीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए । महाहिमवंतस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं वासीइं जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० । एवं रुप्पिस्स वि ॥१६०॥ समणे भगवं महावीरे वासीइ राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेयासीइमे राइंदिए वट्टमाणे गब्भाओ गब्भं साहरिए । सीयलस्स णं अरहओ तेसीई गणा तेसीई गणहरा होत्था । थेरे णं मंडियपुत्ते तेसीइं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । उसभे णं अरहा कोसलिए तेसीई पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता जिणे जाए केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी ॥ १६१ ॥ चउरासीइं निरयावाससयसहस्सा प० । उसभे णं अरहा कोसलिए चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । एवं भरहो बाहुबली बंभी सुंदरी । सिज्जंसे णं अरहा चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । तिविट्ठे णं वासुदेवे चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता अप्पइट्ठाणे नरए नेरइयत्ताए उववन्नो । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो चउरासीइं सामाणियसाहस्सीओ पन्नत्ताओ । सव्वे वि णं बाहिरया मंदरा चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वे वि णं अंजणगपव्वया चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । हरिवासरम्मयवासियाणं जीवाणं धणुपिट्ठा चउरासीइं जोयणसहस्साइं सोलस जोयणाइं चत्तारि य भागा जोयणस्स परिक्खेवेणं प० । पंकबहुलस्स णं कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं चोरासीइं जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । विवाहपन्नत्तीए णं भगवतीए चउरासीइं पयसहस्सा पदग्गेणं प० । चोरासीइं नागकुमारावाससयसहस्सा प० । चोरासीइं पइन्नगसहस्साइं पन्नत्ताइं । चोरासीइं जोणिप्पमुहसयसहस्सा प० । पुव्वाइयाणं सीसपहेलियापज्जवसाणाणं सट्ठाणट्ठाणंतराणं चोरासीए गुणकारे प० । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स चउरासीइं गणा चउरासीइं गणहरा होत्था, उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स उसभसेणपामोक्खाओ चउरासीइं समणसाहस्सीओ होत्था । सव्वे वि चउरासीइं विमाणावाससयसहस्सा

दुक्खप्पहीणे । समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउत्थाए दुसमसुसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणनउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्प-हीणे । हरिसेणे ण राया चाउरंतचक्कवट्टी एगूणनउइ वाससयाइं महाराया होत्था । संतिस्स ण अरहओ एगूणनउइं अज्जासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया होत्था ॥ १६७ ॥ सीयले णं अरहा नउइ धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अजियस्स णं अर-हओ नउइं गणा नउइं गणहरा होत्था । एवं संतिस्स वि । सयंभुस्स ण वासुदेवस्स णउइ वासाइं विजए होत्था । सव्वेसि णं वट्टवेयड्ढपव्वयाणं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ सोगंधियकण्डस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं नउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ १६८ ॥ एकाणउइं परवेयावच्चकम्मपडिमाओ पन्नत्ताओ । कालोए ण समुद्दे एकाणउइं जोयणसयसहस्साइं साहियाइं परिक्खेवेणं प० । कुंथुस्स णं अरहओ एकाणउइं आहोहियसया होत्था । आउयगोयवज्जाणं छण्हं कम्मपगडीणं एकाणउइं उत्तरपगडीओ पन्नत्ताओ ॥ १६९ ॥ बाणउइं पडिमाओ पन्नत्ताओ । थेरे णं इंदभूती बाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे । मंदरस्स ण पव्वयस्स बहुमज्झ-देसभागाओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं बाणउइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउण्ह वि आवासपव्वयाण ॥ १७० ॥ चंदप्पहस्स ण अरहओ तेणउइं गणा तेणउइं गणहरा होत्था । संतिस्स ण अरहओ तेणउइं चउद्दसपुव्विसया होत्था । तेणउइमंडलगते ण सूरिए अतिवट्टमाणे वा निव-ट्टमाणे वा समं अहोरत्तं विसमं करेइ ॥ १७१ ॥ निसहनीलवंतियाओ ण जीवाओ चउ-णउइ जोयणसहस्साइं एगं छप्पण्णं जोयणसयं दोन्नि य एगूणवीसइभागे जोयणस्स आयामेण प० । अजियस्स ण अरहओ चउणउइ ओहिनाणिसया होत्था ॥ १७२ ॥ सुपासस्स णं अरहओ पंचाणउइ गणा पंचाणउइ गणहरा होत्था । जंबुद्दीवस्स णं दीव-स्स चरमंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइं पंचाणउइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता चत्तारि महापायालकलसा प० तं जहा–वलयामुहे केऊए जूयए ईसरे । लवणसमुद्दस्स उभओ पासं पि पंचाणउयं पंचाणउयं पदेसाओ उव्वेहुस्सेहपरिहाणीए प० । कुंथू ण अरहा पंचाणउइं वाससहस्साइं परमाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । थेरे णं मोरियपुत्ते पंचाणउइं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे ॥ १७३ ॥ एगमेगस्स णं रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स छण्णउइं छण्णउइं गामकोडीओ होत्था । वाउकुमाराणं छण्णउइ भवणावाससयसहस्सा प० । ववहारिए ण दंडे छण्णउइ अंगुलाइं अंगुलमाणेणं । एवं धणू नालिया जुगे अक्खे मुसले वि हु । अब्भिंतरओ आइमुहुत्ते छण्णउइअंगुलछाए प० ॥ १७४ ॥ मंदरस्स ण पव्वयस्स पच्चच्छिमि-

उच्चत्तेणं पंच पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सव्वे वि णं नंदणकूडा बलकूडवज्जा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १८६ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चुल्लहिमवंतकूडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं छ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं सिहरीकूडस्स वि । पासस्स णं अरहओ छ सया वाईणं सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था । अभिचंदे णं कुलगरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १८७ ॥ बंभलंतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेउव्वियसया होत्था । अरिट्ठनेमी णं अरहा सत्त वाससयाइं देसूणाइं केवलपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ महाहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं सत्त जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ १८८ ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कंडे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमंतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठ सयाइं वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ १८९ ॥ आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा नव नव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । निसढकूडस्स णं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ निसढस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस णं नव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं नीलवंतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे णं नव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ नवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे तारारूवे चारं चरइ । निसढस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कंडस्स बहुमज्झदेस-

उव्वेहेण प० । सव्वे वि ण कंचणगपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं उव्वेहेण प० एगमेगं जोयणसयं मूले विक्खंभेणं प० ॥१७८॥ चंदप्पमे णं अरहा दियड्ढं धणुसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । आरणे कप्पे दिवड्ढं विमाणावाससयं प० । एवं अच्चुए वि ॥ १७९ ॥ सुपासे णं अरहा दो धणुसया उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि णं महाहिमवंतरुप्पीवासहरपव्वया दो दो जोयण-सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० दो दो गाउयसयाइं उव्वेहेण प० । जंबुद्दीवे णं दीवे दो कंचणपव्वयसया प० ॥ १८० ॥ पउमप्पभे णं अरहा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । असुरकुमाराणं देवाणं पासायवडिंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १८१ ॥ सुमई णं अरहा तिण्णि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अरिट्ठनेमी णं अरहा तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । वेमाणियाणं देवाणं विमाणपागारा तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स भगवओ महावीरस्स तिण्णि सयाणि चोद्दसपुव्वीणं होत्था । पंचधणुसइयस्स णं अंतिमसारीरियस्स सिद्धिगयस्स सातिरेगाणि तिण्णि धणुसयाणि जीवप्पदेसोगाहणा प० ॥१८२॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसयाइं चोद्दसपुव्वीणं संपया होत्था । अभिनंदणे णं अरहा अद्धुट्ठाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १८३ ॥ संभवे णं अरहा चत्तारि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वे वि णं णिसढनीलवंता वासहरपव्वया चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वक्खार-पव्वया णिसढनीलवंतवासहरपव्वयए णं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं पन्नत्ते । आणयपाणएसु दोसु कप्पेसु चत्तारि विमाणसया प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेव-मणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥ १८४ ॥ अजिए णं अरहा अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सगरे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १८५ ॥ सव्वे वि णं वक्खारपव्वया सीआसीओआओ महानईओ मंदरपव्वयंतेणं पंच पंच जोयण-सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० । सव्वे वि णं वासहरकूडा पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, मूले पंच पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० । उसभे णं अरहा कोसलिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सोमणसगंधमादण-विज्जुप्पभमालवंताणं वक्खारपव्वयाणं मंदरपव्वयंतेणं पंच पंच जोयणसयाइं उड्ढं

इसंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णत्ते ॥ १ २ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं पंच जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १ ३ ॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं रायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १ ४ ॥ जंबूद्दीवस्स णं दीवस्स पुरच्छिमिल्लाओ वेइयंताओ धायइसंडचक्कवालस्स पच्चच्छिमिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १ ५ ॥ माहिंदे णं कप्पे अट्ठ विमाणावाससयसहस्साइं पण्णत्ताइं ॥ १ ६ ॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं नव ओहिनाणिसहस्साइं होत्था ॥ १ ७ ॥ पुरिससीहे णं वासुदेवे दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता पंचमाए पुढवीए नेरइएसु नेरइयत्ताए उववन्ने ॥ १ ८ ॥ समणे भगवं महावीरे तित्थगरभवग्गहणाओ छट्ठे पोट्टिलभवग्गहणे एगं वासकोडिं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सहस्सारे कप्पे सव्वट्ठविमाणे देवत्ताए उववन्ने ॥ १ ९ ॥ उसभसिरिस्स भगवओ चरिमस्स य महावीरवद्धमाणस्स एगा सागरोवमकोडाकोडी अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ २१ ॥

दुवालसंगे गणिपिडगे पण्णत्ते तं जहा-आयारे, सूयगडे, ठाणे, समवाए, विवाहपन्नत्ती, नायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुए, दिट्ठिवाए । से किं तं आयारे? आयारे णं समणाणं निग्गंथाणं आयारगोयरविणयवेणइयट्ठाणगमणचंकमणपमाणजोगजुंजणभासासमितिगुत्तीसेज्जोवहिभत्तपाणउग्गमउप्पायणएसणाविसोहिसुद्धासुद्धग्गहणवयनियमतवोवहाणसुप्पसत्थमाहिज्जइ । से समासओ पंचविहे पण्णत्ते तं जहा-नाणायारे, दंसणायारे, चरित्तायारे, तवायारे, वीरियायारे । आयारस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए पढमे अंगे दो सुयक्खंधा पणवीसं अज्झयणा, पंचासीइं उद्देसणकाला पंचासीइं समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा, परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा निबद्धा निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं विण्णाया । एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से तं आयारे ॥ २११ ॥ से किं तं सूयगडे? सूयगडे णं ससमया सूइज्जंति परसमया सूइज्जंति ससमयपरसमया सूइज्जंति जीवा सूइज्जंति, अजीवा सूइज्जंति, जीवाजीवा सूइज्जंति, लोगे सूइज्जइ अलोगे

सभाए एस ण नव जोयणसयाइ अवाहाए अतरे पन्नत्ते। एवं नीलवतस्स वि ॥ १९० ॥ सव्वे वि ण गेवेज्जविमाणे दस दस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण पन्नत्ते। सव्वे वि ण जमगपव्वया दस दस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण प०, दस दस गाउयसयाइ उव्वेहेण प०, मूले दस दस जोयणसयाइ आयामविक्खभेण प०। एव चित्तविचित्तकूडा वि भाणियव्वा। सव्वे वि ण वट्टवेयड्ढपव्वया दस दस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण प०, दस दस गाउयसयाइं उव्वेहेण प० मूले दस दस जोयणसयाइं विक्खंभेण प०, सव्वत्थ समा पल्लगसठाणसठिया प०। सव्वे वि ण हरिहरिस्सहकूडा वक्खारकूडवज्जा दस दस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण प०, मूले दस दस जोयणसयाइ विक्खभेण प०। एव वलकूडा वि नदणकूडवज्जा। अरहा वि अरिट्ठनेमी दस वाससयाइ सव्वाउय पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। पासस्स ण अरहओ दस सयाइ जिणाण होत्था। पासस्स ण अरहओ दस अतेवासीसयाइ कालगयाइ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइ। पउमद्दहपुडरीयद्दहा य दस दस जोयणसयाइ आयामेण प० ॥ १९१ ॥ अणुत्तरोववाइयाण देवाण विमाणा एक्कारस जोयणसयाइ उड्ढ उच्चत्तेण प०। पासस्स ण अरहओ इक्कारस सयाइ वेउव्वियाण होत्था ॥१९२॥ महापउममहापुडरीयदहाण दो दो जोयणसहस्साइं आयामेणं प०॥१९३॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वइरकडस्स उवरिल्लाओ चरमताओ लोहियक्खकडस्स हेट्ठिल्ले चरमते एस ण तिन्नि जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे प० ॥१९४॥ तिगिच्छिकेसरिदहाण चत्तारि चत्तारि जोयणसहस्साइ आयामेण पन्नत्ताई ॥ १९५ ॥ धरणितले मंदरस्स णं पव्वयस्स वहुमज्झदेसभाए रुयगनाभीओ चउदिसिं पच पच जोयणसहस्साइ अवाहाए अतरे मदरपव्वए पन्नत्ते ॥ १९६ ॥ सहस्सारे ण कप्पे छ विमाणावाससहस्सा प० ॥ १९७ ॥ इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए रयणस्स कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ पुलगस्स कडस्स हेट्ठिल्ले चरमते एस ण सत्त जोयणसहस्साइं अवाहाए अतरे पन्नत्ते ॥ १९८ ॥ हरिवासरम्मयाण वासा अट्ठ जोयणसहस्साइं साइरेगाइ वित्थरेण प० ॥ १९९ ॥ दाहिणड्ढभरहस्स ण जीवा पाईणपडीणायया दुहओ समुद्द पुट्ठा नव जोयणसहस्साइ आयामेण प०। अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइ नव ओहिनाणसहस्साइं होत्था, मदरे णं पव्वए धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेण पन्नत्ते, जवूदीवे ण दीवे एग जोयणसयसहस्स आयामविक्खंभेण प०, लवणे ण समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० ॥ २०० ॥ पासस्स ण अरहओ तिन्नि सयसाहस्सीओ सत्तावीस च सहस्साइ उक्कोसिया सावियासंपया होत्था ॥ २०१ ॥ धाय-

सूइज्जति, लोगालोगो सूइज्जति । सूअगडे णं जीवाजीवपुण्णपावासवसंवरनिज्जरण-बंधमोक्खावसाणा पयत्था सूइज्जति । समणाणं अचिरकालपव्वइयाणं कुसमयमोह-मोहमइमोहियाणं संदेहजायसहजबुद्धिपरिणामसंसइयाणं पावकरमलिनमइगुणविसोह-णत्थं असीअस्स किरियावाइयसयस्स चउरासीए अकिरियवाईणं सत्तट्ठीए अण्णा-णियवाईणं बत्तीसाए वेणइयवाईणं तिण्हं तेवट्ठीणं अण्णदिट्ठियसयाणं वूहं किच्चा ससमए ठाविज्जति णाणदिट्ठंतवयणणिस्सारं सुट्ठु दरिसयंता विविहवित्थराणुगमपरम-सब्भावगुणविसिट्ठा मोक्खपहोयारगा उदारा अण्णाणतमंधकारदुग्गेसु दीवभूआ सोवाणा चेव सिद्धिसुगइगिहुत्तमस्स णिक्खोभनिप्पकंपा सुत्तत्था । सुयगडस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए दोच्चे अंगे दो सुयक्खंधा तेवीसं अज्झयणा तेत्तीसं उद्देसणकाला तेत्तीसं समुद्देसणकाला छत्तीसं पदसहस्साइं पय-ग्गेणं पन्नत्ताइं, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पण्णविज्जंति परूविज्जति दंसिज्जति निदंसिज्जति उवदंसिज्जति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जति पण्णविज्जति परूविज्जति दंसिज्जति निदंसिज्जति उवदंसिज्जति । सेत्तं सूअगडे ॥ २१२ ॥ से किं तं ठाणे? ठाणे णं ससमया ठाविज्जंति, परसमया ठाविज्जंति, ससमयपरसमया ठाविज्जंति, जीवा ठाविज्जंति, अजीवा ठाविज्जंति, जीवाजीवा ठाविज्जंति, लोगा ठाविज्जंति, अलोगा ठाविज्जंति, लोगालोगा ठाविज्जंति, ठाणेणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपयत्थाणं-सेला सलिला य समुद्दा, सूरभवणविमाणआगरणदीओ । णिहिओ पुरिसज्जाया, सरा य गोत्ता य जोइसंचाला ॥ १ ॥ एक्कविहवत्तव्वयं दुविहं जाव दसविहवत्तव्वयं, जीवाण पोग्गलाण य लोगट्ठाइं च णं परूवणया आघविज्जति । ठाणस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झ-यणा, एक्कवीसं उद्देसणकाला, (एक्कवीसं समुद्देसणकाला), बावत्तरिं पयसहस्साइं पयग्गेणं पन्नत्ताइं । संखेज्जा अक्खरा, (अणंता गमा) अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघवि-ज्जंति पण्णविज्जति परूविज्जति (दंसिज्जति) निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं ठाणे ॥ २१३ ॥ से किं तं समवाए? समवाए णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जति,

थिरत्तं मूलगुणउत्तरगुणाइयारा ठिइविसेसा य बहुविसेसा पडिमाभिग्गहग्गहणपालणा उवसग्गाहियासणा णिरुवसग्गा य तवा य विचित्ता सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाण-पोसहोववासा अपच्छिममारणंतिया य संलेहणाझोसणाहिं अप्पाणं जह य भावइत्ता बहूणि भत्ताणि अणसणाए य छेयइत्ता उववन्ना कप्पवरविमाणुत्तमेसु जह अणुभवंति सुरवरविमाणवरपोंडरीएसु सोक्खाइं अणोवमाइं कमेण भुत्तूण उत्तमाइं तओ आउक्खएणं चुया समाणा जह जिणमयम्मि बोहिं लद्धूण य संजमुत्तमं तमरओघविप्पमुक्का उवेंति जह अक्खयं सव्वदुक्खमोक्खं । एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थरेण य । उवासगदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता । संखेज्जाइं अक्खराइं जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जइ । से त्तं उवासगदसाओ ॥ २१६ ॥ से किं तं अंतगडदसाओ ? अंतगडदसासु णं अंतगडाणं नगराइं उज्जाणाइं वणाइं राया अम्मापियरो समोसरणा धम्मायरिया धम्मकहा इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं पडिमाओ बहुविहाओ खमा अज्जवं मद्दवं च सोअं च सच्चसहियं सत्तरसविहो य संजमो उत्तमं च बंभं आकिंचणया तवो चियाओ समिइगुत्तीओ चेव तह अप्पमायजोगो सज्झायज्झाणेण य उत्तमाणं दोण्हं पि लक्खणाइं पत्ताण य संजमुत्तमं जियपरीसहाणं चउव्विहकम्मक्खयम्मि जह केवलस्स लंभो परियाओ जत्तिओ य जह पालिओ मुणिहिं पाओवगओ य जो जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेयइत्ता अंतगडो मुणिवरो तमरओघविप्पमुक्को मोक्खसुहमणुत्तरं च पत्ता । एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थारेणं परूवेइ । अंतगडदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ जाव से णं अंगट्ठयाए अट्ठमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा सत्त वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं य संखेज्जा अक्खरा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं अंतगडदसाओ ॥ २१७ ॥ से किं तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ? अणुत्तरोववाइयदसासु णं अणुत्तरोववाइयाणं नगराइं उज्जाणाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोगपरलोगइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियागा पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपाणपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं अणुत्तरोववत्ती सुकुलपच्चायाई पुणो बोहिलाभो अंतकिरियाओ य आघविज्जंति । अणुत्तरोववाइयदसासु णं तित्थकरसमोसरणाइं परममंगल्लजगहियाणि

समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढीविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियागा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायायाइं पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति जाव नायाधम्मकहासु णं पव्वइयाणं विणयकरणजिणसामिसासणवरे संजमपइण्णपालणधिइमइववसायदुब्बलाणं तवनियमतवोवहाणरणदुद्धरभरभग्गयणिस्सहयणिसिट्ठाणं घोरपरीसहपराजियाणं सहपारद्धरुद्धसिद्धालयमग्गनिग्गयाणं विसयसुहतुच्छआसावसदोसमुच्छियाणं विराहियचरित्तनाणदंसणजइगुणविविहप्पयारनिस्सारसुन्नयाणं संसारअपारदुक्खदुग्गइभवविविहपरंपरापवंचा । धीराण य जियपरिसहकसायसेण्णधिइधणियसंजमउच्छाहनिच्छियाणं आराहियनाणदंसणचरित्तजोगनिस्सल्लसुद्धसिद्धालयमग्गमभिमुहाणं सुरभवणविमाणसुक्खाइं अणोवमाइं भुत्तूण चिरं च भोगभोगाणि ताणि दिव्वाणि महरिहाणि ततो य कालक्कमचुयाणं जह य पुणो लद्धसिद्धिमग्गाणं अंतकिरिया । चलियाण य सदेवमाणुस्सधीरकरणकारणानि बोधणअणुसासणाणि गुणदोसदरिसणाणि दिट्ठंते पच्चये य सोऊण लोगमुणिणो जहट्ठियसासणम्मि जरमरणनासणकरे आराहिअसंजमा य सुरलोगपडिनियत्ता ओवेंति जह सासयं सिवं सव्वदुक्खमोक्खं । एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य । णायाधम्मकहासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे दो सुअक्खंधा एगूणवीसं अज्झयणा, ते समासओ दुविहा पन्नत्ता, तं जहा—चरिता य कप्पिया य, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच पंच अक्खाइयासयाइं एगमेगाए अक्खाइयाए पंच पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवमेव सपुव्वावरेण अद्धुट्ठाओ अक्खाइयाकोडीओ भवंतीति मक्खायाओ, एगूणतीसं उद्देसणकाला एगूणतीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं पन्नत्ता, संखेज्जा अक्खरा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं णायाधम्मकहाओ ॥ २१५ ॥ से किं तं उवासगदसाओ? उवासगदसासु णं उवासयाणं णगराइं उज्जाणाइं वणखंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा उवासयाणं सीलव्वयवेरमणगुणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणयाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणा पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुणो बोहिलाभा अंतकिरियाओ आघविज्जंति । उवासगदसासु णं उवासयाणं रिद्धिविसेसा परिसा वित्थरधम्मसवणाणि बोहिलाभअभिगमसम्मत्तविसुद्धया

पन्नत्ते तं जहा-दुहविवागे चेव सुहविवागे चेव। तत्थ णं दस दुहविवागाणि दस सुहविवागाणि। से किं तं दुहविवागाणि? दुहविवागेसु णं दुहविवागाणं नगराइं उज्जाणाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ नगरगमणाइं संसारपबंधे दुहपरंपराओ य आघविज्जंति। से त्तं दुहविवागाणि। से किं तं सुहविवागाइं? सुहविवागेसु सुहविवागाणं नगराइं उज्जाणाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियागा पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुण बोहिलाभो अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। दुहविवागेसु णं पाणाइवायअलियवयणचोरिक्ककरणपरदारमेहुणससंगयाए महतिव्वकसायइंदियप्पमायपावप्पओयअसुहज्झवसाणसंचियाणं कम्माणं पावगाणं पावअणुभागफलविवागा णिरयगतितिरिक्खजोणिबहुविहवसणसयपरंपरापबद्धाणं मणुयत्ते वि आगयाणं जहा पावकम्मसेसेण पावगा होंति फलविवागा वहवसणविणासनासकन्नोट्ठंगुट्ठकरचरणनहच्छेयणजिब्भच्छेयणअंजणकडग्गिदाहगयचलणमलणफालणउल्लंबणसूललयाउलकुडलट्ठिभंजणतउसीसगतत्ततेल्लकलकलअहिसिंचणकुंभिपागकंपणथिरबंधणवेहवज्झकत्तणपतिभयकरकरपल्लीवणादिदारुणाणि दुक्खाणि अणोवमाणि। बहुविविहपरंपराणुबद्धा ण मुच्चंति पावकम्मवल्लीए, अवेयइत्ता हु नत्थि मोक्खो तवेण धितिधणियबद्धकच्छेण सोहणं तस्स वावि हुज्जा। एत्तो य सुहविवागेसु णं सीलसंजमणियमगुणतवोवहाणेसु साहूसु सुविहिएसु अणुकंपासयप्पओगतिकालमइविसुद्धभत्तपाणाइं पययमणसा हियसुहनीसेसतिव्वपरिणामनिच्छियमई पयच्छिऊणं पओगसुद्धाइं जह य निव्वत्तेंति उ बोहिलाभं जह य परित्तीकरेंति नरनिरयतिरियसुरगमणविपुलपरियट्टअरतिभयविसायसोगमिच्छत्तसेलसंकडं अन्नाणतमंधकारचिक्खिल्लसुदुत्तारं जरमरणजोणिसंखुभियचक्कवालं सोलसकसायसावयपयंडचंडं अणाइयं अणवदग्गं संसारसागरमिणं। जह य निबंधंति आउगं सुरगणेसु जह य अणुभवंति सुरगणविमाणसोक्खाणि अणोवमाणि ततो य कालंतरे चुयाणं इहेव नरलोगमागयाणं आउवपुवन्नरूवजातिकुलजम्मआरोग्गबुद्धिमेहाविसेसा मित्तजणसयणधणधन्नविभवसमिद्धिसारसमुदयविसेसा बहुविहकामभोगुब्भवाण सोक्खाण सुहविवागोत्तमेसु अणुवरयपरंपराणुबद्धा असुभाणं सुभाणं चेव कम्माणं भासिया बहुविहा विवागा विवागसुयम्मि भगवया जिणवरेण संवेगकारणत्था अन्ने वि य एवमाइया बहुविहा वित्थरेणं अत्थपरूवणया आघविज्जंति। विवागसुयस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ।

जिणातिसेसा य बहुविसेसा जिणसीसाण चेव समणगणपवरगंधहत्थीण थिरजसाणं परिसहसेण्णरिउबलपमद्दणाण तवदित्तचरित्तणाणसम्मत्तसारविविहप्पगारवित्थरपसत्थगुणसंजुयाण अणगारमहरिसीण अणगारगुणाण वण्णओ उत्तमवरतवविसिट्ठणाणजोगजुत्ताण जह य जगहियं भगवओ जारिसा इड्ढिविसेसा देवासुरमाणुसाणं परिसाण पाउब्भावा य जिणसमीव जह य उवासंति जिणवरं जह य परिकहंति धम्मं लोगगुरु अमरनरसुरगणाण सोऊण य तस्स भासिय अवसेसकम्मविसयविरत्ता नरा जहा अब्भुवेंति धम्ममुरालं संजम तव चावि बहुविहप्पगारं जह बहूणि वासाणि अणुचरित्ता आराहियनाणदंसणचरित्तजोगा जिणवयणमणुगयमहियभासिया जिणवराण हियएणमणुण्णेत्ता जे य जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेअइत्ता लद्धूण य समाहिमुत्तमज्झाणजोगजुत्ता उववन्ना मुणिवरोत्तमा जह अणुत्तरेसु पावंति जह अणुत्तरं तत्थ विसयसोक्खं तओ य चुआ कमेण काहिंति संजया जहा य अंतकिरियं एए अन्ने य एवमाइअत्था वित्थरेण । अणुत्तरोववाइयदसासु ण परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ संगहणीओ । से ण अंगट्ठयाए नवमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा तिन्नि वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेण प० । संखेज्जाणि अक्खराणि जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जति । से त्तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ॥ २१८ ॥ से किं तं पण्हावागरणाणि ? पण्हावागरणेसु ण अट्ठुत्तरं पसिणसयं अट्ठुत्तरं अपसिणसयं अट्ठुत्तरं पसिणापसिणसयं विज्जाइसया नागसुवण्णेहिं सद्धिं दिव्वा संवाया आघविज्जति । पण्हावागरणदसासु ण ससमयपरसमयपण्णवयपत्तेयबुद्धविविहत्थभासाभासियाण अइसयगुणउवसमणाणप्पगारआयरियभासियाण वित्थरेण वीरमहेसीहिं विविहवित्थरभासियाण च जगहियाण अद्दागंगुट्ठबाहुअसिमणिखीरआइच्चमाइयाण विविहमहापसिणविज्जामणपसिणविज्जादेवयपयोगपहाणगुणप्पगासियाण सब्भूयदुगुणप्पभावनरगणमइविम्हयकराण अईसयमईयकालसमयदमसमतित्थकरुत्तमस्स ठिइकरणकारणाण दुरहिगमदुरवगाहस्स सव्वसव्वन्नुसम्मअस्स अबुहजणविबोहणकरस्स पच्चक्खयपच्चयकराण पण्हाण विविहगुणमहत्था जिणवरप्पणीया आघविज्जति । पण्हावागरणेसु ण परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ । से णं अंगट्ठयाए दसमे अंगे एगे सुयक्खंधे पणयालीसं उद्देसणकाला पणयालीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पन्नत्ता । संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जति । से त्तं पण्हावागरणाइं ॥ २१९ ॥ से किं तं विवागसुयं ? विवागसुए ण सुक्कडदुक्कडाण कम्माण फलविवागे आघविज्जति से समासओ दुविहे

अट्ठ वत्थू प अट्ठ चूलियावत्थू प । अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठारस वत्थू प दस चूलियावत्थू प । नाणप्पवायस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प । सच्चप्पवायस्स णं पुव्वस्स दो वत्थू प । आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स सोलस वत्थू प । कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू प । पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प । विज्जाणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पनरस वत्थू प । अवंझस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प । किरियाविसालस्स णं पुव्वस्स तीसं वत्थू प । लोगबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प । "दस चोद्दस अट्ठट्ठारसेव बारस दुवे य वत्थूणि । सोलस तीसा वीसा पन्नरस अणुप्पवायम्मि ॥ बारस एक्कारसमे बारसमे तेरसेव वत्थूणि । तीसा पुण तेरसमे चउदसमे पणवीसाओ ॥ चत्तारि दुवालस अट्ठ चेव दस चेव चुल्लवत्थूणि । आइल्लाण चउण्हं, सेसाणं चूलिया नत्थि" से त्तं पुव्वगए ॥ ११३ ॥ से किं तं अणुओगे ? अणुओगे दुविहे पन्नत्ते तं जहा—मूलपढमाणुओगे य गंडियाणुओगे य । से किं तं मूलपढमाणुओगे ? एत्थ णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा देवलोगगमणाणि आउं चवणाणि जम्मणाणि य अभिसेया रायवरसिरीओ सीयाओ पव्वज्जाओ तवा य भत्ता केवलणाणुप्पाया य तित्थपवत्तणाणि य संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउं वन्नविभागो सीसा गणा गणहरा य अज्जा पवत्तिणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं वा वि परिमाणं जिणमणपज्जवओहिनाणसम्मत्तसुयनाणिणो य वाई अणुत्तरगई य जत्तिया सिद्धा पाओवगया य जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं छेयइत्ता अंतगडा मुणिवरुत्तमा तमरओघविप्पमुक्का सिद्धिपहमणुत्तरं च पत्ता एए अन्ने य एवमाइया भावा मूलपढमाणुओगे कहिया आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति से त्तं मूलपढमाणुओगे । से किं तं गंडियाणुओगे ? (गंडियाणुओगे) अणेगविहे पन्नत्ते तं जहा—कुलगरगंडियाओ तित्थगरगंडियाओ गणहरगंडियाओ चक्कहरगंडियाओ दसारगंडियाओ बलदेवगंडियाओ वासुदेवगंडियाओ हरिवंसगंडियाओ मरुयाणुगंडियाओ तवोकम्मगंडियाओ चित्तंतरगंडियाओ उस्सप्पिणीगंडियाओ ओसप्पिणीगंडियाओ अमरनरतिरियनिरयगइगमणविविहपरियट्टणाणुओगे एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति से त्तं गंडियाणुओगे ॥ ११४ ॥ से किं तं चूलियाओ ? जन्नं आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलियाओ सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, से त्तं चूलियाओ ॥ ११५ ॥ दिट्ठिवायस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ संगहणीओ से णं अंगट्ठयाए बारसमे अंगे एगे सुयक्खंधे चउद्दस पुव्वाइं संखेज्जा वत्थू संखेज्जा चूलवत्थू संखेज्जा

से ण अगट्ठयाए एगारसमे अंगे वीसं अज्झयणा वीसं उद्देसणकाला वीसं समुद्देसणकाला। संखेज्जाई पयसयसहस्साइं पयग्गेण पन्नत्ता। संखेज्जाणि अक्खराणि अणंता गमा अणंता पज्जवा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जति। से त्तं विवागसुए ॥ २२० ॥ से किं तं दिट्ठिवाए ? दिट्ठिवाए णं सव्वभावपरूवणया आघविज्जति। से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तं जहा-परिकम्मं, सुत्ताई, पुव्वगयं, अणुओगो, चूलिया। से किं तं परिकम्मे ? परिकम्मे सत्तविहे पन्नत्ते, तं जहा-सिद्धसेणियापरिकम्मे, मणुस्ससेणियापरिकम्मे, पुट्ठसेणियापरिकम्मे, ओगाढणसेणियापरिकम्मे, उवसंपज्जसेणियापरिकम्मे, विप्पजहसेणियापरिकम्मे, चुआचुअसेणियापरिकम्मे। से किं तं सिद्धसेणियापरिकम्मे ? सिद्धसेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे पन्नत्ते, तं जहा-माउयापयाणि, एगट्ठियपयाणि, पाढोट्ठपयाणि, आगासपयाणि, केउभूयं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूयं, पडिग्गहो, संसारपडिग्गहो, नंदावत्तं, सिद्धबद्धं, से त्तं सिद्धसेणियापरिकम्मे। से किं तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे ? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे पन्नत्ते, तं जहा-ताइं चेव माउआपयाणि जाव नंदावत्तं मणुस्सबद्धं, से त्तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे। अवसेसा परिकम्माइं पुट्ठाइयाइं एक्कारसविहाइं पन्नत्ताइं। इच्चेयाइं सत्त परिकम्माइं, छ ससमइयाइं सत्त आजीवियाइं, छ चउक्कणइयाइं सत्त तेरासियाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं सत्त परिकम्माइं तेसीति भवतीति मक्खायाइं, से त्तं परिकम्माइं ॥ २२१ ॥ से किं तं सुत्ताइं ? सुत्ताइं अट्ठासीति भवतीति मक्खायाइं, तं जहा-उज्जुगं परिणयापरिणयं बहुभंगियं विप्पच्चइयं [विन(ज)यचरियं] अणंतरं परंपरं समाणं संजूहं [मासाणं] संभिन्नं अहाच्चयं [अहव्वायं नन्दीए] सोवत्थि(वत्तं) यं णंदावत्तं बहुलं पुट्ठापुट्ठं वियावत्तं एवंभूयं दुआवत्तं वत्तमाणपयं समभिरूढं सव्वओभद्दं पणामं [पस्सासं नन्दीए] दुपडिग्गहं इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं छिण्णछेअणइआइं ससमयसुत्तपरिवाडीए इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं अछिन्नछेअणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेआइं बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेआइं बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीति सुत्ताइं भवतीति मक्खायाइं, से त्तं सुत्ताइं ॥२२२॥ से किं तं पुव्वगयं ? पुव्वगयं चउद्दसविहं पन्नत्तं, तं जहा-उप्पायपुव्वं, अग्गेणीयं, वीरियं, अत्थिणत्थिप्पवायं, नाणप्पवायं, सच्चप्पवायं, आयप्पवायं, कम्मप्पवायं, पच्चक्खाणप्पवायं, विज्जाणुप्पवायं, अवंझं, पाणाऊ, किरियाविसालं, लोगबिंदुसारं। उप्पायपुव्वस्स णं दसवत्थू पन्नत्ता, चत्तारि चूलियावत्थू पन्नत्ता। अग्गेणियस्स णं पुव्वस्स चोद्दसवत्थू प०, बारस चूलियावत्थू प०। वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स

णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठहुत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं तीसं निरयावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खाया। ते णं निरयावासा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा जाव असुभा निरया असुभाओ निरएसु वेयणाओ एवं सत्त वि भाणियव्वाओ जं जासु जुज्जइ—आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं तहेव वीसं च। अट्ठारस सोलसगं अट्ठुत्तरमेव बाहल्लं ॥ १ ॥ तीसा य पण्णवीसा पन्नरस दसेव सयसहस्साइं। तिन्नेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा नरगा ॥ २ ॥ चउसट्ठी असुराणं चउरासीइं च होइ नागाणं। बावत्तरि सुवन्नाण वाउकुमाराण छन्नउइ ॥ ३ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हं पि जुयलयाणं बावत्तरिमो य सयसहस्सा(स्सा) ॥ ४ ॥ बत्तीसट्ठावीसा बारस अट्ठ चउरो य सयसहस्सा। पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ ५ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि। सत्त विमाणसयाइं चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥ ६ ॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए। सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ७ ॥ दोच्चाए णं पुढवीए तच्चाए णं पुढवीए चउत्थीए पुढवीए पंचमीए पुढवीए छट्ठीए पुढवीए सत्तमीए पुढवीए गाहाहिं भाणियव्वा। सत्तमाए पुढवीए पुच्छा गोयमा! सत्तमाए पुढवीए अट्ठुत्तरजोयणसयसहस्साइं बाहल्लाए उवरिं अद्धतेवन्नं जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता हेट्ठा वि अद्धतेवन्नं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तिसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं सत्तमाए पुढवीए नेरइयाणं पंच अणुत्तरा महइमहालया महानिरया प० तं जहा—काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे नामं पंचमे। ते णं निरया वट्टे य तंसा य अहे खुरप्पसंठाणसंठिया जाव असुभा नरगा असुभाओ नरएसु वेयणाओ ॥ २१८ ॥ केवइया णं भंते! असुरकुमारावासा प० ? गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए चउसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा प०। ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा अहे पोक्खरकण्णियासंठाणसंठिया उक्किण्णंतरविउलगंभीरखायफलिहा अट्टालयचरियदारगोउरकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा जंतमुसलमुसुंढिसयग्घिपरिवारिया अउज्झा अडयालकोट्ठरइया अडयालकयवणमाला लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिन्नपंचंगुलितला कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघेंतगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टिभूया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा नीरया निम्मला वितिमिरा विसुद्धा सप्पभा समि-

पाहुडा संखेज्जा पाहुडपाहुडा संखेज्जाओ पाहुडियाओ संखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पन्नत्ता, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति, एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति, से त्तं दिट्ठिवाए, से त्तं दुवालसंगे गणिपिडगे ॥ २२६ ॥ इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिंसु, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णे काले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्संति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं वीईवइंसु, एवं पडुप्पण्णेऽवि, एवं अणागएऽवि । दुवालसंगे णं गणिपिडगे ण कयावि णत्थि, ण कयाइ णासी, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवति य भविस्सति य (अयले) धुवे णितिए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, से जहा णामए पंच अत्थिकाया ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सति, भुविं च भवति य भविस्सति य, (अयला) धुवा णितिया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा, एवामेव दुवालसंगे गणिपिडगे ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवति य भविस्सइ य, (अयले) धुवे जाव अवट्ठिए णिच्चे । एत्थ णं दुवालसंगे गणिपिडगे अणंता भावा अणंता अभावा अणंता हेऊ अणंता अहेऊ अणंता कारणा अणंता अकारणा अणंता जीवा अणंता अजीवा अणंता भवसिद्धिया अणंता अभवसिद्धिया अणंता सिद्धा अणंता असिद्धा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । एवं दुवालसंगं गणिपिडगं इति ॥ २२७ ॥ दुवे रासी प० तं जहा–जीवरासी अजीवरासी य । अजीवरासी दुविहा प० तं जहा–रूवी अजीवरासी अरूवी अजीवरासी य । से किं तं अरूवी अजीवरासी ? अरूवी अजीवरासी दसविहा प० तं जहा–धम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए । रूवी अजीवरासी अणेगविहा प० । जाव से किं तं अणुत्तरोववाइआ ? अणुत्तरोववाइआ पंचविहा प० तं जहा–विजयवेजयंतजयंतअपराजितसव्वट्ठसिद्धिआ, से त्तं अणुत्तरोववाइआ, से त्तं पंचिंदियसंसारसमावण्णजीवरासी । दुविहा णेरइया प० तं जहा–पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिय त्ति । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए केवइयं खेत्तं ओगाहेत्ता केवइया णिरयावासा प० ?, गोयमा ! इमीसे

रीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, एवं जं जस्स कमती तं तस्स जं जं गाहाहिं भणियं तह चेव वण्णओ ॥ २२९ ॥ केवइया णं भंते ! पुढविकाइयावासा प० गोयमा ! असंखेज्जा पुढवीकाइयावासा प० एवं जाव मणुस्स त्ति । केवइया णं भंते ! वाणमंतरावासा प० गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जा नगरावाससयसहस्सा पन्नत्ता, ते णं भोमेज्जा नगरा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा, एवं जहा भवणवासीणं तहेव णेयव्वा, णवरं पडागमालाउला सुरम्मा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥ २३० ॥ केवइया णं भंते ! जोइसियाणं विमाणावासा पन्नत्ता ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्तनउयाइं जोयणसयाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दसुत्तरजोयणसयबाहल्ले तिरियं जोइसविसए जोइसियाणं देवाणं असंखेज्जा जोइसियविमाणावासा पन्नत्ता, ते णं जोइसियविमाणावासा अब्भुग्गयमूसियपहसिया विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागछत्ताइछत्तकलिया तुंगा गगणतलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियागा वियसियसयपत्तपुंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ता अंतो बाहिं च सण्हा तवणिज्जवालुआपत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिज्जा ॥ २३१ ॥ केवइया णं भंते ! वेमाणियावासा पन्नत्ता ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणनक्खत्ततारारूवाणं वीइवइत्ता बहूणि जोयणाणि बहूणि जोयणसयाणि बहूणि जोयणसहस्साणि बहूणि जोयणसयसहस्साणि बहुइओ जोयणकोडीओ बहुइओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं वीइवइत्ता एत्थ णं विमाणियाणं देवाणं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुएसु गेवेज्जगमणुत्तरेसु य चउरासीइं विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खाया, ते णं विमाणा अच्चिमालिप्पभा भासरासिवण्णाभा अरया नीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा घट्ठा मट्ठा णिप्पंका णिक्कंकडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावासा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं ईसाणाइसु अट्ठावीसं बारस अट्ठ चत्तारि एयाइं सयसहस्साइं पण्णासं चत्तालीसं छ एयाइं सहस्साइं आणए पाणए चत्तारि आरणच्चुए तिन्नि एयाणि सयाणि, एवं गाहाहिं भाणियव्वं ॥ २३२ ॥

नेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अपज्जत्तगाणं नेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं। उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए एवं जाव विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जहन्नेणं बत्तीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं। सव्वट्ठे अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १११ ॥ कइ णं भंते! सरीरा पण्णत्ता? गोयमा! पंच सरीरा प० तं जहा-ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए। ओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते तं जहा-एगिंदियओरालियसरीरे जाव गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरे य। ओरालियसरीरस्स णं भंते! के महालिया सरीरोगाहणा प०? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलअसंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं एवं जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियपमाणं तहा निरवसेसं एवं जाव मणुस्से त्ति उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं। कइविहे णं भंते! वेउव्वियसरीरे पण्णत्ते? गोयमा! दुविहे पण्णत्ते-एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरे य एवं जाव सणंकुमारे आढत्तं जाव अणुत्तराणं भवधारणिज्जा जाव तेसिं रयणी रयणी परिहायइ। आहारयसरीरे णं भंते! कइविहे प०? गोयमा! एगागारे प०। जइ एगागारे प० किं मणुस्सआहारयसरीरे अमणुस्सआहारयसरीरे? गोयमा! मणुस्सआहारगसरीरे नो अमणुस्सआहारगसरीरे एवं जइ मणुस्सआहारगसरीरे किं गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारगसरीरे संमुच्छिममणुस्सआहारगसरीरे? गोयमा! गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारगसरीरे नो संमुच्छिममणुस्सआहारगसरीरे। जइ गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारगसरीरे किं कम्मभूमिया अकम्मभूमिया? गोयमा! कम्मभूमिया नो अकम्मभूमिया। जइ कम्मभूमिया किं संखेज्जवासाउय असंखेज्जवासाउय? गोयमा! संखेज्जवासाउय नो असंखेज्जवासाउय। जइ संखेज्जवासाउय किं पज्जत्तय अपज्जत्तय? गोयमा! पज्जत्तय नो अपज्जत्तय। जइ पज्जत्तय किं सम्मदिट्ठी मिच्छदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी? गोयमा! सम्मदिट्ठी-नो मिच्छदिट्ठी-नो सम्मामिच्छदिट्ठी। जइ सम्मदिट्ठी किं संजय असंजय संजयासंजय? गोयमा! संजय नो असंजय नो संजयासंजय। जइ संजय किं पमत्तसंजय अपमत्तसंजय? गोयमा! पमत्तसंजय नो अपमत्तसंजय। जइ पमत्तसंजय किं इड्ढिपत्त अणिड्ढिपत्त? गोयमा! इड्ढिपत्त नो अणिड्ढिपत्त

वयणा विभाणियव्वा आहारयसरीरे समचउरससंठाणसंठिए। आहारयसरीरस्स के महालिया सरीरोगाहणा प०? गोयमा! जहन्नेण देसूणा रयणी उक्कोसेणं पडि-पुण्णा रयणी। तेआसरीरे ण भंते! कतिविहे प०? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते–एगिंदियतेयसरीरे वितिचउपच० एव जाव गेवेज्जस्स ण भते! देवस्स णं मार-णतियसमुग्घाएण समोहयस्स समाणस्स के महालिया सरीरोगाहणा प०? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खभवाहल्लेण आयामेण जहन्नेणं अहे जाव विज्जाहरसेढीओ उक्कोसेणं जाव अहोलोइयग्गामाओ, उड्ढ जाव सयाई विमाणाइ, तिरिय जाव मणुस्सखेत्त, एव जाव अणुत्तरोववाइया। एव कम्मयसरीर भाणियव्वं ॥ २३४ ॥ भेय विसयसठाणे, अब्भितर वाहिरे य देसोही। ओहिस्स वुड्ढिहाणी, पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ १ ॥ २३५ ॥ कइविहे ण भते! ओही प०? गोयमा! दुविहा प०–भवपच्चइए य खओवसमिए य, एव सव्व ओहिपदं भाणियव्वं ॥ २३६ ॥ सीया य दव्व सारीर साता तह वेयणा भवे दुक्खा। अब्भुवगमुवक्कमिया णीयाए चेव अणियाए ॥ १ ॥ नेरइया ण भते! किं सीत वेयण वेयति उसिण वेयणं वेयति सीतोसिण वेयण वेयति? गोयमा! नेरइया० एव चेव वेयणापदं भाणियव्वं ॥ २३७ ॥ कइ ण भते! लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छ लेसाओ पन्नत्ताओ, तं जहा–किण्हा नीला काऊ तेऊ पम्हा सुक्का, एव लेसापय भाणियव्व ॥ २३८ ॥ अणतरा य आहारे, आहाराभोगणा इय। पोग्गला नेव जाणति, अज्झवसाणे य सम्मत्ते ॥ १ ॥ नेरइया ण भते! अणतराहारा तओ निव्वत्तणया तओ परियाइय-णया तओ परिणामणया तओ परियारणया तओ पच्छा विकुव्वणया? हता गोयमा! एव आहारपद भाणियव्व ॥ २३९ ॥ कइविहे ण भते! आउगबंधे प०? गोयमा! छव्विहे आउगबधे प०, तं जहा–जाइनामनिहत्ताउए गतिनाम-निहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगा-हणानामनिहत्ताउए। नेरइयाण भते! कइविहे आउगबंधे प०? गोयमा! छव्विहे प०, त जहा–जातिनामनिहत्ताउए गइनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएस-नामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए। एव जाव वेमा-णियाण ॥ २४० ॥ निरयगई ण भंते! केवइय कालं विरहिया उववाएणं प०? गोयमा! जहन्नेण एक्क समय उक्कोसेण वारस मुहुत्ते, एव तिरियगई मणुस्सगई देवगई। सिद्धिगई ण भते! केवइय काल विरहिया सिज्झणयाए प०? गोयमा! जहन्नेण एक्क समय उक्कोसेण छम्मासे, एव सिद्धिवज्जा उव्वट्टणा। इमीसे णं भते! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया केवइय काल विरहिया उववाएणं? एवं उववायदंडओ

वयणा विभाणियव्वा आहारयसरीरे समचउरंसंठाणसंठिए। आहारयसरीरस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा! जहन्नेण देसूणा रयणी उक्कोसेणं पडिपुण्णा रयणी। तेआसरीरे ण भंते! कतिविहे प० ? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते–एगिंदियतेयसरीरे वितिचउपंच० एवं जाव गेवेज्जस्स ण भंते! देवस्स णं मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स समाणस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जहन्नेण अहे जाव विज्जाहरसेढीओ उक्कोसेण जाव अहोलोइयग्गामाओ, उड्ढं जाव सयाइं विमाणाइ, तिरियं जाव मणुस्सखेत्तं, एव जाव अणुत्तरोववाइया। एवं कम्मयसरीरं भाणियव्वं ॥ २३४ ॥ भेय विसयसंठाणे, अब्भितर बाहिरे य देसोही। ओहिस्स वुड्ढिहाणी, पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ १ ॥ २३५ ॥ कइविहे ण भंते! ओही प० ? गोयमा! दुविहा प०–भवपच्चइए य खओवसमिए य, एवं सव्वं ओहिपदं भाणियव्वं ॥ २३६ ॥ सीया य दव्व सारीर साता तह वेयणा भवे दुक्खा। अब्भुवगमुवक्कमिया णीयाए चेव अणियाए ॥ १ ॥ नेरइया ण भंते! किं सीतं वेयणं वेयंति उसिणं वेयणं वेयंति सीतोसिणं वेयणं वेयंति ? गोयमा! नेरइया० एवं चेव वेयणापदं भाणियव्वं ॥ २३७ ॥ कइ ण भंते! लेसाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा! छ लेसाओ पन्नत्ताओ, तं जहा–किण्हा नीला काऊ तेऊ पम्हा सुक्का, एवं लेसापयं भाणियव्वं ॥ २३८ ॥ अणंतरा य आहारे, आहाराभोगणा इय। पोग्गला नेव जाणंति, अज्झवसाणे य सम्मत्ते ॥ १ ॥ नेरइया ण भंते! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया तओ परियाइयणया तओ परिणामणया तओ परियारणया तओ पच्छा विकुव्वणया ? हंता गोयमा! एवं आहारपदं भाणियव्वं ॥ २३९ ॥ कइविहे ण भंते! आउगबंधे प० ? गोयमा! छव्विहे आउगबंधे प०, तं जहा–जाइनामनिहत्ताउए गतिनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए। नेरइयाण भंते! कइविहे आउगबंधे प० ? गोयमा! छव्विहे प०, तं जहा–जातिनामनिहत्ताउए गइनामनिहत्ताउए ठिइनामनिहत्ताउए पएसनामनिहत्ताउए अणुभागनामनिहत्ताउए ओगाहणानामनिहत्ताउए। एवं जाव वेमाणियाणं ॥ २४० ॥ निरयगई णं भंते! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं प० ? गोयमा! जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेण बारस मुहुत्ते, एवं तिरियगई मणुस्सगई देवगई। सिद्धिगई ण भंते! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणयाए प० ? गोयमा! जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासे, एवं सिद्धिवज्जा उव्वट्टणा। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया केवइयं कालं विरहिया उववाएणं ? एवं उववायदंडओ

य निवेया, जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरा जोइसियवेमाणिया वि ॥ २४४ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं कप्पस्स समोसरणं णेयव्वं, जाव गणहरा सावच्चा निरवच्चा वोच्छिण्णा ॥ २४५ ॥ जम्बुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीआए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तं जहा–मित्तदामे सुदामे य, सुपासे य सयंपभे। विमलघोसे सुघोसे य, महाघोसे य सत्तमे ॥ १ ॥ जम्बुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए ओसप्पिणीए दस कुलगरा होत्था, तं जहा–सयजले सयाऊ य, अजियसेणे अणंतसेणे य। कज्जसेणे भीमसेणे, महाभीमसेणे य सत्तमे ॥ २ ॥ दढरहे दसरहे सयरहे ॥ जम्बुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए समाए सत्त कुलगरा होत्था, तं जहा–पढमेत्थ विमलवाहण [चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे। तत्तो य पसेणईए मरुदेवे चेव नाभी य ॥ ३ ॥] एतेसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारिया होत्था, तं जहा–चंदजसा चंदकंता [सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य। सिरिकंता मरुदेवी कुलगरपत्तीण णामाइं ॥ ४ ॥] २४६ ॥ जम्बुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगराणं पियरो होत्था, तं जहा–णाभी य जियसत्तू य [जियारी संवरे इय। मेहे धरे पइट्ठे य महसेणे य खत्तिए ॥ ५ ॥ सुग्गीवे दढरहे विण्हू वसुपुज्जे य खत्तिए। कयवम्मा सीहसेणे भाणू विस्ससेणे इय ॥ ६ ॥ सूरे सुदंसणे कुंभे, सुमित्तविजए समुद्दविजए य। राया य आससेणे य सिद्धत्थेचिय खत्तिए ॥ ७ ॥] उदितोदियकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं एए पियरो जिणवराणं ॥ ८ ॥ जम्बुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगराणं मायरो होत्था, तं जहा–मरुदेवी विजया सेणा [सिद्धत्था मंगला सुसीमा य। पुहवी लक्खणा रामा नंदा विण्हू जया सामा ॥ ९ ॥ सुजसा सुव्वय अइरा सिरिया देवी पभावई पउमा। वप्पा सिवा य वामा तिसला देवी य जिणमाया ॥ १० ॥] २४७ ॥ जम्बुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थगरा होत्था, तं जहा–उसभ अजिय संभव अभिनंदण सुमइ पउमप्पह सुपास चंदप्पभ सुविहि–पुप्फदंत सीयल सिज्जंस वासुपुज्ज विमल अणंत धम्म संति कुंथु अर मल्लि मुणिसुव्वय णमि णेमि पास वद्धमाणो य ॥ २४८ ॥ एएसि चउवीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं पुव्वभवया णामधेया होत्था, तं जहा–पढमेत्थ वइरणाभे विमले तह विमलवाहणे चेव। तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह धम्ममित्ते य ॥ ११ ॥ सुंदरबाहु तह दीहबाहु जुगबाहू लट्ठबाहू य। दिण्णे य इंददत्ते सुंदर माहिंदरे चेव ॥ १२ ॥ सीहरहे मेहरहे रुप्पी अ सुदंसणे य बोद्धव्वे। तत्तो य नंदणे खलु सीहगिरी चेव वीसइमे ॥ १३ ॥ अदीणसत्तु संखे सुदंसणे नंदणे य

तिंदुग पाडल जंबू आसत्थे खलु तहेव दहिवण्णे । णंदीरुक्खे तिलए अंबयरुक्खे असोगे य ॥ ३४ ॥ चंपय वउले य तहा वेडसरुक्खे य धायईरुक्खे । साले य वद्धमाणस्स चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३५ ॥ बत्तीस धणुयाइं चेइयरुक्खो य वद्धमाणस्स । णिच्चोउगो असोगो ओच्छण्णो सालरुक्खेणं ॥ ३६ ॥ तिण्णे व गाउआइं चेइयरुक्खो जिणस्स उसमस्स । सेसाण पुण रुक्खा सरीरओ वारसगुणा उ ॥ ३७ ॥ सच्छत्ता सपडागा सवेइया तोरणेहिं उववेया । सुरअसुरगरुलमहिया चेइयरुक्खा जिणवराण ॥ ३८ ॥ २५१ ॥ एएसिं चउवीसाए तित्थगराण चउव्वीस पढमसीसा होत्था, त जहा-पढमेत्थ उसमसेणे बीइए पुण होइ सीहसेणे य । चारू य वज्जणाभे चमरे तह सुव्वय विदब्भे ॥ ३९ ॥ दिण्णे य वराहे पुण आणंदे गोथुभे सुहम्मे य । मदर जसे अरिट्ठे चक्काह सयंभु कुंभे य ॥ ४० ॥ इंदे कुंभे य सुभे वरदत्ते दिण्ण इदभूई य । उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहिं उववेया । तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सा जिणवराण ॥ ४१ ॥ २५२ ॥ एएसि ण चउवीसाए तित्थगराण चउवीसं पढमसिस्सिणी होत्था, त जहा-बंभी य फग्गु सामा अजिया कासवीरई सोमा । सुमणा वारुणि सुलसा धारणि धरणी य धरणिधरा ॥ ४२ ॥ पउमा सिवा सुयी तह अजुया भावियप्पा य रक्खी य । बंधुवती पुप्फवती अज्जा अमिला य अहिया य ॥ ४३ ॥ जक्खिणी पुप्फचूला य चदणऽज्जा य आहियाउ । उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहिं उववेया । तित्थप्पवत्तयाण पढमा सिस्सी जिणवराण ॥ ४४ ॥ २५३ ॥ जंबुद्दीवे ण दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए वारस चक्कवट्टिपियरो होत्था, त जहा-उसमे सुमित्ते विजए समुद्दविजए य आससेणे य । विस्ससेणे य सूरे सुदसणे कत्तवीरिए चेव ॥ ४५ ॥ पउमुत्तरे महाहरी विजए राया तहेव य । बंभे वारसमे उत्ते पिउनामा चक्कवट्टीण ॥ ४६ ॥ २५४ ॥ जंबुद्दीवे ण दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए वारस चक्कवट्टिमायरो होत्था, तं जहा-सुमगला जसवती भद्दा सहदेवी अइरा सिरिदेवी । तारा जाला (जाला तारा) मेरा वप्पा चुल्लणि अपच्छिमा ॥ २५५ ॥ जंबुद्दीवे ण दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए वारस चक्कवट्टी होत्था, त जहा-भरहो सगरो मघव [सणकुमारो य रायसद्दूलो । सती कुंथू य अरो हवइ सुभूमो य कोरव्वो ॥ ४७ ॥ नवमो य महापउमो हरिसेणो चेव रायसद्दूलो । जयनामो य नरवई, वारसमो बंभदत्तो य ॥ ४८ ॥] एएसिं वारसण्हं चक्कवट्टीण वारस इत्थिरयणा होत्था, त जहा-पढमा होइ सुभद्दा भद्द सुणदा जया य विजया य । किण्हसिरी सूरसिरी पउमसिरी वसुंधरा देवी ॥ ४९ ॥ लच्छिमई कुरुमई इत्थिरयणाण नामाइं ॥ २५६ ॥ जंबुद्दीवे ण दीवे

केवली । आगमिस्सेण होक्खंति धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ७६ ॥ १६७ ॥ एएसि
णं चउव्वीसाए तित्थगराणं पुव्वभविया चउव्वीसं नामधेज्जा भविस्संति, तं जहा—
सेणिय सुपास उदए पोट्टिल अणगार तह दढाऊ य । कत्तिय संखे य तहा नंद
सुनंदे य सतए य ॥ ७७ ॥ बोद्धव्वा देवई य सच्चइ तह वासुदेव बलदेवे ।
रोहिणि सुलसा चेव तत्तो खलु रेवई चेव ॥ ७८ ॥ तत्तो हवइ सयाली बोद्धव्वे
खलु तहा भयाली य । दीवायणे य कण्हे तत्तो खलु नारए चेव ॥ ७९ ॥ अंबड
दारुमडे य साईबुद्धे य होइ बोद्धव्वे । भावीतित्थगराणं णामाइं पुव्वभवियाइं
॥ ८० ॥ १६८ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं पियरो भवि-
स्संति चउव्वीसं मायरो भविस्संति चउव्वीसं पढमसीसा भविस्संति चउव्वीसं
पढमसिस्सणीओ भविस्संति चउव्वीसं पढमभिक्खादायगा भविस्संति चउव्वीसं
चेइयरुक्खा भविस्संति ॥ १६९ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए
उस्सप्पिणीए बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति तं जहा—भरहे य दीहदंते गूढदंते य
सुद्धदंते य । सिरिउत्ते सिरिभूई सिरिसोमे य सत्तमे ॥ ८१ ॥ पउमे य महापउमे
विमलवाहणे विपुलवाहणे चेव । रिट्ठे बारसमे वुत्ते आगमिस्सा भरहाहिवा ॥ ८२ ॥
एएसि णं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस पियरो भविस्संति बारस मायरो भविस्संति
बारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ १७० ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमि-
स्साए उस्सप्पिणीए नव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति नव वासुदेवमायरो
भविस्संति नव बलदेवमायरो भविस्संति नव दसारमंडला भविस्संति तं जहा-
उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी एवं सो चेव वण्णओ
भाणियव्वो जाव नीलगपीयगवसणा दुवे दुवे रामकेसवा भायरो भविस्संति तं
जहा—नंदे य नंदमित्ते दीहबाहू तहा महाबाहू । अइबले महाबले बलभद्दे य सत्तमे
॥ ८३ ॥ दुविट्ठू य तिविट्ठू य आगमिस्साण विण्हुणो । जयंते विजये भद्दे सुप्पभे य
सुदंसणे । आणंदे नंदणे पउमे संकरिसणे य अपच्छिमे ॥ ८४ ॥ १७१ ॥ एएसि
णं नवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया नव नामधेज्जा भविस्संति नव धम्माय-
रिया भविस्संति नव नियाणभूमीओ भविस्संति नव नियाणकारणा भविस्संति
नव पडिसत्तू भविस्संति तं जहा—तिलए य लोहजंघे वइरजंघे य केसरी पहराए ।
अपराइए य भीमे महाभीमे य सुग्गीवे ॥ ८५ ॥ एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण
वासुदेवाणं । सव्वे वि चक्कजोही हम्मिहिंति सचक्केहिं ॥ ८६ ॥ १७२ ॥ जंबुद्दीवे
णं दीवे एरवए वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउव्वीसं तित्थगरा भविस्संति,
तं जहा—सुमंगले य सिद्धत्थे णिव्वाणे य महाजसे । धम्मज्झए य अरहा, आग-

वासुदेवाण पुव्वभविया नव धम्मायरिया होत्था, त जहा-सभूय सुभद्द सुदसणे य सेयंस कण्ह गगदत्ते अ । सागरसमुद्दनामे दुमसेणे य णवमए ॥ ५७ ॥ एए धम्मायरिया कित्तीपुरिसाण वासुदेवाण । पुव्वभवे एआसिं जत्थ नियाणाइ कासी य ॥ ५८ ॥ २६० ॥ एएसिं नवण्हं वासुदेवाणं पुव्वभवे नव नियाणभूमिओ होत्था, त जहा-महुरा य० हत्थिणाउर च ॥ ५९ ॥ २६१ ॥ एएसि ण नवण्हं वासुदेवाणं नव नियाणकारणा होत्था, त जहा-गावी जुवे जाव माउआ ॥ ६० ॥ २६२ ॥ एएसिं नवण्ह वासुदेवाण नव पडिसत्तू होत्था, तं जहा-अस्सग्गीवे जाव जरासधे ॥ ६१ ॥ एए खलु पडिसत्तू जाव सचक्केहिं ॥ ६२ ॥ एक्को य सत्तमीए पच य छट्ठीए पचमी एक्को । एक्को य चउत्थीए कण्हो पुण तच्चपुढवीए ॥ ६३ ॥ अणिदाणकडा रामा [सव्वे वि य केसवा नियाणकडा । उड्ढगामी रामा केसव सव्वे अहोगामी ॥ ६४ ॥] अट्ठतकडा रामा एगो पुण बंभलोयकप्पम्मि । एक्का से गब्भवसही सिज्झिस्सइ आगमिस्सेण ॥ ६५ ॥ २६३ ॥ जबुद्दीवे ण दीवे एरवए वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउव्वीस तित्थयरा होत्था, तं जहा-चदाणण सुचद अग्गीसेणं च नंदिसेण च । इसिदिण्ण वइ(व)हारिं वदिमो सोमचद च ॥६६॥ वदामि जुत्तिसेणं अजियसेण तहेव सिवसेण । बुद्ध च देवसम्म सयय निक्खित्तसत्थ च ॥ ६७ ॥ असजल जिणवसह वदे य अणतय अमियणाणिं । उवसत च धुयरय वदे खलु गुत्तिसेण च ॥ ६८ ॥ अतिपास च सुपास देवेसरवदियं च मरुदेव । निव्वाणगयं च ध(व)रं खीणदुह सामकोट्ठ च ॥६९॥ जियरागमग्गिसेण वदे खीणरायमग्गिउत्तं च । वोक्कसियपिज्जदोस वारिसेण गय सिद्धिं ॥ ७० ॥ २६४ ॥ जबुद्दीवे ण दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए भारहे वासे सत्त कुलगरा भविस्सति, तं जहा-मियवाहणे सुभूमे य सुप्पभे य सयपभे । दत्ते सुहुमे सुबंधू य आगमिस्साण होक्खति ॥ ७१ ॥ ॥ २६५ ॥ जबुद्दीवे ण दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए एरवए वासे दस कुलगरा भविस्सति, त जहा-विमलवाहणे सीमकरे सीमधरे खेमकरे खेमधरे दढधणू दसधणू सयधणू पडिसूई सुमइ त्ति ॥ २६६ ॥ जबुद्दीवे ण दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउवीस तित्थगरा भविस्संति, त जहा-महापउमे सूरदेवे, सुपासे य सयपभे । सव्वाणुभूई अरहा, देवस्सुए य होक्खई ॥ ७२ ॥ उदए पेढालपुत्ते य, पोट्टिले सत(त्त)कित्ति य । मुणिसुव्वए य अरहा, सव्वभावविऊ जिणे ॥ ७३ ॥ अममे णिक्कसाए य, निप्पुलाए य निम्ममे । चित्तउत्ते समाही य, आगमिस्सेण होक्खई ॥ ७४ ॥ सवरे (जसोहरे) अणियट्टी य, विजए विमलेति य । देवोववाए अरहा, अणंतविजए इय ॥ ७५ ॥ एए वुत्ता चउव्वीस, भरहे वासम्मि

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

भगवई-विवाहपण्णत्ती

णमो अरिहंताणं णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं णमो उवज्झायाणं णमो लोए सव्वसाहूणं ॥ १ ॥ णमो बंभीए लिवीए ॥ २ ॥ णमो सुयस्स ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था, वण्णओ, तस्स णं रायगिहस्स णगरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गुणसिलए णामं उज्जाणे होत्था, सेणिए राया चिल्लणा देवी ॥ ४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थयरे सहसंबुद्धे पुरिसुत्तमे पुरिससीहे पुरिसवरपुंडरीए पुरिसवरगंधहत्थीए लोगुत्तमे लोगणाहे लोगप्पईवे लोगपज्जोयगरे अभयदए चक्खुदए मग्गदए सरणदए [जीवदए] धम्मदेसए धम्मसारहीए धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टी अप्पडिहयवरणाणदंसणधरे वियट्टछउमे जिणे जाणए बुद्धे बोहए मुत्ते मोयए सव्वण्णू सव्वदरिसी सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावत्तयं सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपाविउकामे जाव समोसरणं ॥ ५ ॥ परिसा णिग्गया धम्मो कहिओ परिसा पडिगया ॥ ६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहणारायसंघयणे कणगपुलगणिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे ओराले घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेयलेस्से चोद्दसपुव्वी चउणाणोवगए सव्वक्खरसण्णिवाई समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ७ ॥ तए णं से भगवं गोयमे जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले उप्पण्णसड्ढे उप्पण्णसंसए उप्पण्णकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोउहल्ले समुप्पण्णसड्ढे समुप्पण्णसंसए समुप्पण्णकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ २ त्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी–से णूणं भंते ! चलमाणे चलिए १ उदीरिज्जमाणे उदीरिए वेइज्जमाणे वेइए २, पहिज्जमाणे पहीणे

---

१ [illegible] ॥ १ ॥

मिस्साण होक्खई ॥ ८७ ॥ सिरिचंदे पुप्फकेऊ, महाचंदे य केवली । सुयसायरे य अरहा, आगमिस्साण होक्खई ॥ ८८ ॥ सिद्धत्थे पुण्णघोसे य, महाघोसे य केवली । सच्चसेणे य अरहा, आगमिस्साण होक्खई ॥ ८९ ॥ सूरसेणे य अरहा, महासेणे य केवली । सव्वाणंदे य अरहा, देवउत्ते य होक्खई ॥ ९० ॥ सुपासे सुव्वए अरहा, अरहे य सुकोसले । अरहा अणंतविजए, आगमिस्साण होक्खई ॥ ९१ ॥ विमले उत्तरे अरहा, अरहा य महाबले । देवाणंदे य अरहा, आगमिस्साण होक्खई ॥ ९२ ॥ एए वुत्ता चउव्वीस, एरवयंमि केवली । आगमिस्साण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ९३ ॥ २७३ ॥ बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिपियरो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिमायरो भविस्संति, बारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ नव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं जहा- उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा जाव दुवे दुवे रामकेसवा भायरो भविस्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, नव पुव्वभवणामधेज्जा, नव धम्मायरिया, णव णियाणभूमीओ, णव णियाणकारणा, आयाए एरवए आगमिस्साए भाणियव्वा । एवं दोसु वि आगमिस्साए भाणियव्वा ॥ २७४ ॥ इच्चेयं एवमाहिज्जंति, तं जहा- कुलगरवंसेइ य एवं तित्थगरवंसेइ य चक्कवट्टिवंसेइ य दसारवंसेइ य गणधरवंसेइ य इसिवंसेइ य जइवंसेइ य मुणिवंसेइ य । सुएइ वा सुअंगेइ वा सुयसमासेइ वा सुयखंधेइ वा समवाएइ वा संखेइ वा सम्मत्तमंगमक्खायं अज्झयणं ति बेमि ॥२७५॥

समवायं चउत्थमंगं समत्तं ॥

४, छिज्जमाणे छिन्ने ५, भिज्जमाणे भिन्ने ६, दड्ढ (डज्झ) माणे दड्ढे ७, मिज्जमाणे मए ८, निज्जरिज्जमाणे निज्जिन्ने ९, हता गोयमा ! चलमाणे चलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे ॥ एए ण भते ! नव पया किं एगट्ठा णाणाघोसा नाणावजणा उदाहु नाणट्ठा नाणाघोसा नाणावजणा ?, गोयमा ! चलमाणे चलिए १ उदीरिज्जमाणे उदीरिए २ वेइज्जमाणे वेइए ३ पहिज्जमाणे पहीणे ४ ते एए ण चत्तारि पया एगट्ठा नाणाघोसा नाणावजणा उप्पन्नपक्खस्स, छिज्जमाणे छिन्ने भिज्जमाणे भिन्ने दड्ढ-(डज्झ)-माणे दड्ढे मिज्जमाणे मडे निज्जरिज्जमाणे निज्जिण्णे एए ण पच पया णाणट्ठा नाणाघोसा नाणावजणा विगयपक्खस्स ॥ ८ ॥ नेरइयाण भते ! केवइकाल ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण दस वाससहस्साइ उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइं ठिई प० १ । नेरइयाण भंते ! केवइकालस्स आणमति वा पाणमति वा ऊससति वा णीससति वा ?, जहा ऊसासपए २ । नेरइया ण भते आहारट्ठी ?, जहा पन्नवणाए पढमए आहारुद्देसए तहा भाणियव्व ३ । ठिइ उस्सासाहारे कि वाऽऽहारेंति २६ सव्वओ वावि २७ । कतिभाग ? २८ सव्वाणि व २९ कीस व भुज्जो परिणमति ? ४० ॥ १ ॥ ९ ॥ नेरइयाण भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १ ? आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया २ ?, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ३ ?, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ४ ?, गोयमा ! नेरइयाण पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १, आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया परिणमति य २, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला नो परिणया परिणमिस्सति ३, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला नो परिणता णो परिणमिस्सति ४ ॥ १० ॥ नेरइयाण भते ! पुव्वाहारिया पोग्गला चिया पुच्छा, जहा परिणया तहा चियावि, एव चिया उवचिया उदीरिया वेइया निज्जिन्ना, गाहा– परिणय चिया उवचिय उदीरिया वेइया य निज्जिन्ना । एक्केक्कमि पदमि(मी) चउव्विहा पोग्गला होंति ॥ १ ॥ ११ ॥ नेरइयाण भते ! कइविहा पोग्गला भिज्जति ?, गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला भिज्जति, तंजहा–अणू चेव बायरा चेव १ । नेरइयाण भंते ! कतिविहा पोग्गला चिज्जति ?, गोयमा ! आहारदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला चिज्जति, तजहा–अणू चेव बायरा चेव २ । एवं उवचिज्जति ३ । नेर० क० पो० उदीरेंति ?, गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहे पोग्गले उदीरेंति, तजहा–अणू चेव बायरा चेव, सेसावि एवं चेव भाणियव्वा, एव वेदेंति ५ निज्जरेंति ६ उयट्टिंसु ७ उव्वट्टेंति ८ उव्वट्टिस्संति ९ सकामिंसु १० सकामेंति ११ सकामिस्संति १२ निहत्तिंसु १३ निहत्तेंति १४ निह-

करेइ, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! संवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ, दीहकालठिईयाओ हस्सकालठिइयाओ पकरेइ, तिव्वाणुभावाओ मंदाणुभावाओ पकरेइ, बहुप्पएसग्गाओ अप्पपएसग्गाओ पकरेइ, आउयं च णं कम्मं न बंधइ, असायावेयणिज्जं च णं कम्मं नो भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ, अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीईवयइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-संवुडे अणगारे सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ १८ ॥ जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे इओ चुए पेच्चा देवे सिया ? गोयमा ! अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए नो देवे सिया । से केणट्ठेणं जाव इओ चुए पेच्चा अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए नो देवे सिया ? गोयमा ! जे इमे जीवा गामागरणयरनिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंनिवेसेसु अकामतण्हाए अकामछुहाए अकामबंभचेरवासेणं अकामसीयायवदंसमसगअण्हाणगसेयजल्लमलपंकपरिदाहेणं अप्पतरं वा भुज्जतरं वा कालं अप्पाणं परिकिलेसंति अप्पाणं परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु वाणमंतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ॥ केरिसा णं भंते ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहानामए-इहं मणुस्सलोगंमि असोगवणे इ वा सत्तवण्णवणे इ वा चंपयवणे इ वा चूयवणे इ वा तिलगवणे इ वा लाउयवणे इ वा निग्गोहवणे इ वा छत्तोववणे इ वा असणवणे इ वा सणवणे इ वा अयसिवणे इ वा कुसुंभवणे इ वा सिद्धत्थवणे इ वा बंधुजीवगवणे इ वा निच्चं कुसुमियमाइयलवइयथवइयगुलइयगोच्छियजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभत्तपिंडिमंजरिवडेंसगधरे सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणे चिट्ठइ, एवामेव तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएहिं उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिईएहिं बहूहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं तद्देवीहि य आइण्णा विइकिण्णा उवत्थडा संथडा फुडा अवगाढगाढा सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणा चिट्ठंति, एरिसगा णं गोयमा ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा प० । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जीवे णं असंजए जाव देवे सिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १९ ॥ पढमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे नयरे समोसरणं परिसा निग्गया जाव एवं वयासी-जीवे णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ— अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ ? गोयमा ! उदिन्नं वेएइ

नो परारभा नो तदुभयारंभा अणारंभा ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ-अत्थेगइया जीवा आयारंभावि ? एव पडिउच्चारेयव्वं, गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तजहा-ससारसमावन्नगा य असंसारसमावन्नगा य, तत्थ ण जे ते असंसार-समावन्नगा ते ण सिद्धा, सिद्धा ण नो आयारंभा जाव अणारम्भा, तत्थ ण जे ते ससारसमावन्नगा ते दुविहा पन्नत्ता, तजहा-सजया य असजया य, तत्थ ण जे ते सजया ते दुविहा पण्णत्ता, तजहा-पमत्तसंजया य अप्पमत्तसंजया य, तत्थ ण जे ते अप्पमत्तसजया ते ण नो आयारंभा नो परारंभा जाव अणारंभा, तत्थ णं जे ते पमत्तसजया ते सुहं जोगं पडुच्च नो आयारंभा नो परारंभा जाव अणारंभा, असुभं जोग पडुच्च आयारंभावि जाव नो अणारंभा, तत्थ ण जे ते असंजया ते अविरतिं पडुच्च आयारंभावि जाव नो अणारंभा, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ-अत्थेगइया जीवा जाव अणारंभा ॥ नेरइयाणं भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अणारंभा ?, गोयमा ! नेरइया आयारंभावि जाव नो अणा-रंभा, से केणट्ठेणं भन्ते एव वुच्चइ ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव नो अणारंभा, एव जाव असुरकुमाराणवि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा, नवरं सिद्धविरहिया भाणियव्वा, वाणमंतरा जाव वेमाणिया जहा नेर-इया । सलेस्सा जहा ओहिया, कण्हलेसस्स नीललेसस्स काउलेसस्स जहा ओहिया जीवा, नवरं पमत्तअप्पमत्ता न भाणियव्वा, तेउलेसस्स पम्हलेसस्स सुक्कलेसस्स जहा ओहिया जीवा, नवरं सिद्धा न भाणियव्वा ॥ १६ ॥ इहभविए भंते ! नाणे परभविए नाणे तदुभयभविए नाणे ?, गोयमा ! इहभविएवि नाणे परभविएवि नाणे तदुभयभविएवि णाणे । दंसणपि एवमेव । इहभविए भंते ! चरित्ते परभविए चरित्ते तदुभयभविए चरित्ते ?, गोयमा ! इहभविए चरित्ते नो परभविए चरित्ते नो तदुभय-भविए चरित्ते । एव तवे सजमे ॥ १७ ॥ असवुडे ण भंते ! अणगारे किं सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव नो अंत करेइ ?, गोयमा ! असंवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ हस्सकालठिइयाओ दीहकालठिइयाओ पकरेइ मंदाणुभावाओ तिव्वाणुभावाओ पकरेइ अप्पपएसग्गाओ बहुप्पएसग्गाओ पकरेइ आउयं च ण कम्मं सिय बंधइ सिय नो बंधइ अस्साया-वेयणिज्जं च ण कम्मं भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतससारकंतारं अणुपरियट्टइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! असंवुडे अणगारे णो सिज्झइ ५ । संवुडे ण भंते ! अणगारे सिज्झइ ५ ?, हंता सिज्झइ जाव अंतं

अणुदिन्न नो वेएइ, से तेणट्ठेण एव वुच्चइ–अत्थेगइय वेएइ अत्थेगतियं नो वेएइ, एव चउव्वीसदंडएण जाव वेमाणिए ॥ जीवा ण भंते ! सयंकडं दुक्खं वेएन्ति ?, गोयमा ! अत्थेगइयं वेयन्ति अत्थेगइय णो वेयन्ति, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! उदिन्न वेयन्ति नो अणुदिन्न वेयन्ति, से तेणट्ठेणं, एव जाव वेमाणिया ॥ जीवे णं भंते ! सयकडं आउयं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइय वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ जहा दुक्खेणं दो दंडगा तहा आउएणवि दो दंडगा एगत्तपुहुत्तिया, एगत्तेणं जाव वेमाणिया पुहुत्तेणवि तहेव ॥ २० ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा सव्वे समुस्सासनीसासा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया नो सव्वे समाहारा नो सव्वे समसरीरा नो सव्वे समुस्सासनिस्सासा ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–महासरीरा य अप्पसरीरा य, तत्थ णं जे ते महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति बहुतराए पोग्गले परिणामेंति बहुतराए पोग्गले उस्ससति बहुतराए पोग्गले नीससति अभिक्खणं आहारेंति अभिक्खणं परिणामेंति अभिक्खणं ऊससति अभिक्खण नी०, तत्थ ण जे ते अप्पसरीरा ते ण अप्पतराए पुग्गले आहारेंति अप्पतराए पुग्गले परिणामेंति अप्पतराए पोग्गले उस्ससंति अप्पतराए पोग्गले नीससति आहच्च आहारेंति आहच्च परिणामेंति आहच्च उस्ससति आहच्च नीससति, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ–नेरइया नो सव्वे समाहारा जाव नो सव्वे समुस्सासनिस्सासा ॥ नेरइया ण भंते ! सव्वे समकम्मा ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ ण जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अप्पकम्मतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते ण महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेण गोयमा !० ॥ नेरइया ण भंते ! सव्वे समवन्ना ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण तहेव ? गोयमा ! जे ते पुव्वोववन्नगा ते ण विसुद्धवन्नतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते ण अविसुद्धवन्नतरागा तहेव से तेणट्ठेग एव०॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समलेस्सा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण जाव नो सव्वे समलेस्सा ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ ण जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धलेस्सतरागा, तत्थ ण जे ते पच्छोववन्नगा ते ण अविसुद्धलेस्सतरागा, से तेणट्ठेण० ॥ नेरइया ण भंते ! सव्वे समवेयणा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सन्निभूया य असन्निभूया य, तत्थ ण जे ते सन्निभूया ते ण महावेयणा, तत्थ ण जे ते असन्निभूया ते णं अप्पवेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ॥ नेरइया

मणुस्सदेवाण य जहा नेरइयाणं ॥ एयस्स णं भंते! नेरइयस्स संसारसंचिट्ठणका-लस्स जाव देवसंसारसंचिट्ठण जाव विसेसाहिए वा? गोयमा! सव्वत्थोवे मणुस्ससंसारसंचिट्ठणकाले नेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेजगुणे देवसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेजगुणे तिरिक्खजोणिए अणंतगुणे ॥ २३ ॥ जीवे णं भंते! अंतकिरियं करेजा? गोयमा! अत्थेगइया करेजा अत्थेगइया नो करेजा अंतकिरियापयं नेयव्वं ॥ २४ ॥ अह भंते! असंजयभवियदव्वदेवाणं १ अविराहियसंजमाणं २ विराहियसंजमाणं ३ अविराहियसंजमासंजमाणं ४ विराहियसंजमासंजमाणं ५ असण्णीणं ६ तावसाणं ७ कंदप्पियाणं चरगपरिव्वायगाणं ९ किव्विसियाणं १० तेरिच्छि-याणं ११ आजीवियाणं १२ आभिओगियाणं १३ सलिंगीणं दंसणवावन्नगाणं १४ एएसि णं देवलोगेसु उववज्जमाणाणं कस्स कहिं उववाए पन्नत्ते? गोयमा! असंज-यभवियदव्वदेवाणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं उवरिमगेविज्जएसु १ अविरा-हियसंजमाणं जहन्नेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे विमाणे २ विराहियसंज-माणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे ३ अविराहियसंजमासंजमा ४ णं जह सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे ४ विराहियसंजमासंजमाणं जहन्नेणं भवण-वासीसु उक्कोसेणं जोइसिएसु ५, असण्णीणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं वाणमंत-रेसु ६, अवसेसा सव्वे जह भवणवा उक्कोसणं वोच्छामि–तावसाणं जोइसिएसु, कंदप्पियाणं सोहम्मे चरगपरिव्वायगाणं बंभलोए कप्पे किव्विसियाणं लंतगे कप्पे तेरिच्छियाणं सहस्सारे कप्पे आजीवियाणं अच्चुए कप्पे आभिओगियाणं अच्चुए कप्पे सलिंगीणं दंसणवावन्नगाणं उवरिमगेविज्जएसु १४ ॥ २५ ॥ कइविहे णं भंते! असण्णिआउए पन्नत्ते? गोयमा! चउव्विहे असण्णिआउए पन्नत्ते तंजहा–नेरइय-असण्णिआउए तिरिक्ख मणुस्स देव । असण्णी णं भंते! जीवे किं नेरइयाउयं पकरेइ तिरि मणु देवाउयं पकरेइ? हंता गोयमा! नेरइयाउयंपि पकरेइ तिरि मणु देवाउयंपि पकरेइ, नेरइयाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ, मणुस्साउएवि एवं चेव, देवाउयं जहा नेरइया ॥ एयस्स णं भंते! नेरइयअसण्णिआउयस्स तिरि मणु देवअसण्णिआउयस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिए वा? गोयमा! सव्वत्थोवे देव-असण्णिआउए, मणुस्स असंखेजगुणे तिरिय असंखेजगुणे नेरइए असंखेज-गुणे । सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २६ ॥ बिइओ उद्देसओ समत्तो ॥

जीवाणं भंते! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे? हंता कडे ॥ से भंते! किं देसेणं

जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा प०, तजहा-सजया अस्सजया सजयासजया य, तत्थ ण जे ते संजया ते दुविहा प०, तजहा-सरागसजया य वीयरागसजया य, तत्थ णं जे ते वीयरागसजया ते ण अकिरिया, तत्थ ण जे ते सरागसजया ते दुविहा प०, तजहा-पमत्तसजया य अपमत्तसजया य, तत्थ ण जे ते अप्पमत्तसजया तेसिण एगा मायावत्तिया किरिया कज्जइ, तत्थ ण जे ते पमत्तसजया तेसिण दो किरियाओ कज्जति, त०-आरंभिया य मायावत्तिया य, तत्थ ण जे ते सजयासजया तेसि णं आइल्लाओ तिन्नि किरियाओ कज्जति, तजहा-आरभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३, अस्सजयाण चत्तारि किरियाओ कज्जंति-आर० १ परि० २ मायावत्तिया ३ अप्प-च० ४, मिच्छादिट्ठीणं पच-आरंभि० १ परि० २ माया० ३ अप्पच० ४ मिच्छा-दसण० ५, सम्मामिच्छदिट्ठीण पच ५। वाणमतरजोतिसवेमाणिया जहा असुरकु-मारा, नवरं वेयणाए नाणत्त-मायिमिच्छादिट्ठीउववन्नगा य अप्पवेदणतरा अमायि-सम्मदिट्ठीउववन्नगा य महावेयणतरागा भाणियव्वा, जोतिसवेमाणिया ॥ सलेस्सा ण भते! नेरइया सव्वे समाहारगा?, ओहिया ण सलेस्साण सुक्कलेस्साण, एएसि ण तिण्ह एक्को गमो, कण्हलेस्साण नीललेस्साणपि एक्को गमो नवर वेदणाए मायिमि-च्छादिट्ठीउववन्नगा य अमायिसम्मदिट्ठीउवव० भाणियव्वा। मणुस्सा किरियासु सरागवीयरागपमत्तापमत्ता ण भाणियव्वा। काउलेसाएवि एसेव गमो, नवर नेरइए जहा ओहिए दडए तहा भाणियव्वा, तेउलेस्सा पम्हलेस्सा जस्स अत्थि जहा ओहिओ दडओ तहा भाणियव्वा नवरं मणुस्सा सरागा वीयरागा य न भाणियव्वा, गाहा-दुक्खाउए उदिन्ने आहारे कम्मवन्नलेस्सा य। समवेयणसमकिरिया समाउए चेव बोद्धव्वा ॥१॥२१॥ कइ ण भंते! लेस्साओ पन्नत्ताओ?, गोयमा! छल्लेसाओ पन्नत्ता, तजहा-लेस्माणं बीयओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव इड्ढी ॥ २२ ॥ जीवस्स णं भंते! तीतद्धाए आदिट्ठस्स कइविहे संसारसचिट्ठणकाले पण्णत्ते?, गोयमा! चउव्विहे संसा-रसचिट्ठणकाले पण्णत्ते, तजहा-णेरइयसंसारसचिट्ठणकाले तिरिक्ख० मणुस्स० देवसं-सारसचिट्ठणकाले य पण्णत्ते॥ नेरइयससारसचिट्ठणकाले ण भते! कतिविहे पण्णत्ते?, गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तजहा-सुन्नकाले असुन्नकाले मिस्सकाले ॥ तिरिक्खजोणि-यससार पुच्छा, गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-असुन्नकाले य मिस्सकाले य, मणु-स्साण य देवाण य जहा नेरइयाण ॥ एयस्स णं भते! नेरइयसंसारसचिट्ठणका-लस्स सुन्नकालस्स असुन्नकालस्स मीसकालस्स य कयरे२हिंतो अप्पा वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा?, गोयमा! सव्व० असुन्नकाले मिस्सकाले अणतगुणे सुन्न-काले अणंतगुणे ॥ तिरि० जो० भते! सव्व० असुन्नकाले मिस्सकाले अणतगुणे,

देसे कडे ? १ देसेणं सव्वे कडे ? २ सव्वेणं देसे कडे ? ३ सव्वेण सव्वे कडे ? ४, गोयमा ! नो देसेण देसे कडे १ नो देसेण सव्वे कडे २ नो सव्वेणं देसे कडे ३ सव्वेणं सव्वे कडे ४ ॥ नेरइया ण भंते ! कखामोहणिज्जे कम्मे कडे ?, हंता कडे, जाव सव्वेणं सव्वे कडे ४ । एव जाव वेमाणियाण दडओ भाणियव्वो ॥ २७ ॥ जीवा णं भंते ! कखामोहणिज्ज कम्म करिंसु ?, हंता करिंसु । तं भंते ! किं देसेण देस करिंसु ?, एएण अभिलावेणं दडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाण, एवं करेंति एत्थवि दडओ जाव वेमाणियाण, एवं करेस्सति, एत्थवि दडओ जाव वेमाणियाण ॥ एव चिए चिणिंसु चिणति चिणिस्सति, उवचिए उवचिणिंसु उवचिणाति उवचिणिस्सति, उदीरेंसु उदीरेंति उदीरिस्सति, वेदिंसु वेदति वेदिस्सति, निज्जरेंसु निज्जरेंति निजरिस्सति, गाहा–कडचिया उवचिया उदीरिया वेदिया य निज्जिन्ना । आदितिए चउभेदा तियभेदा पच्छिमा तिन्नि ॥ १ ॥ २८ ॥ जीवा ण भंते ! कखामोहणिज्ज कम्म वेदेंति ?, हता वेदेंति । कहन्न भंते ! जीवा कखामोहणिज्ज कम्म वेदेंति ?, गोयमा ! तेहिं तेहिं कारणेहिं संकिया कखिया वितिगिच्छिया भेदसमावन्ना कलुससमावन्ना, एव खलु जीवा कखामोहणिज्ज कम्मं वेदेंति ॥ २९ ॥ से नूण भंते ! तमेव सच्च णीसक ज जिणेहिं पवेइयं ?, हता गोयमा ! तमेव सच्च णीसक जं जिणेहिं पवेदित ॥ ३० ॥ से नूण भंते ! एव मण धारेमाणे एव पकरेमाणे एव चिट्ठेमाणे एव सवरेमाणे आणाए आराहए भवति ?, हता गोयमा ! एव मण धारेमाणे जाव भवइ ॥ ३१ ॥ से नूण भंते ! अत्थित्त अत्थित्ते परिणमइ नत्थित्त नत्थित्ते परिणमइ ?, हता गोयमा ! जाव परिणमइ ॥ जण्ण भंते ! अत्थित्त अत्थित्ते परिणमइ नत्थित्त नत्थित्ते परिणमइ त किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पयोगसावि तं वीससावि त, जहा ते भंते ! अत्थित्त अत्थित्ते परिणमइ तहा ते नत्थित्त नत्थित्ते परिणमइ ? जहा ते नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तहा ते अत्थित्त अत्थित्ते परिणमइ ?, हता गोयमा ! जहा मे अत्थित्त अत्थित्ते परिणमइ तहा मे नत्थित्त नत्थित्ते परिणमइ, जहा मे नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तहा मे अत्थित्त अत्थित्ते परिणमइ ॥ से णूण भंते ! अत्थित्त अत्थित्ते गमणिज्ज जहा परिणमइ दो आलावगा तहा ते इह गमणिज्जेणवि दो आलावगा भाणियव्वा जाव जहा मे अत्थित्त अत्थित्ते गमणिज्ज ॥३२॥ जहा ते भंते ! एत्थ गमणिज्जं तहा ते इह गमणिज्ज जहा ते इहं गमणिज्ज तहा ते एत्थं गमणिज्ज ?, हंता ! गोयमा !, जहा मे एत्थ गमणिज्ज जाव तहा मे एत्थ (इहं) गमणिज्ज ॥३३॥ जीवा ण भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं बधंति ?, हता ! बधंति । कह णं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्म बंधति ?, गोयमा ! पमा

तत्थ णं जं तं पएसकम्मं तं नियमा वेएइ, तत्थ णं जं तं अणुभागकम्मं तं अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ। णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया इमं कम्मं अयं जीवे अज्झोवगमियाए वेयणाए वेइस्सइ इमं कम्मं अयं जीवे उवक्कमियाए वेयणाए वेइस्सइ, अहाकम्मं अहानिगरणं जहा जहा तं भगवया दिट्ठं तहा तहा तं विप्परिणमिस्सतीति से तेणट्ठेणं गोयमा! नेरइयस्स वा ४ जाव मोक्खो ॥ ४ ॥ एस णं भंते! पोग्गले तीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया? हंता गोयमा! एस णं पोग्गले अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया। एस णं भंते! पोग्गले पडुप्पन्नसासयं समयं भवतीति वत्तव्वं सिया? हंता गोयमा! तं चेव उच्चारेयव्वं। एस णं भंते! पोग्गले अणागयमणंतं सासयं समयं भविस्सतीति वत्तव्वं सिया? हंता गोयमा! तं चेव उच्चारेयव्वं। एवं खंधेणवि तिन्नि आलावगा एवं जीवेणवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा ॥४४॥ छउमत्थे णं भंते! मणूसे अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति केवलेणं संजमेणं केवलेणं संवरेणं केवलेणं बंभचेरवासेणं केवलाहिं पवयणमायाहिं सिज्झिंसु बुज्झिंसु जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ तं चेव जाव अंतं करेंसु? गोयमा! जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु। पडुप्पन्नेवि एवं चेव नवरं सिज्झंति भाणियव्वं, अणागएवि एवं चेव, नवरं सिज्झिस्संति भाणियव्वं, जहा छउमत्थो तहा आहोहिओवि तहा परमाहोहिओवि तिन्नि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा। केवली णं भंते! मणूसे तीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेंसु? हंता सिज्झिंसु जाव अंतं करेंसु, एते तिन्नि आलावगा भाणियव्वा छउमत्थस्स जहा नवरं सिज्झिंसु सिज्झंति सिज्झिस्संति। से नूणं भंते! तीतमणंतं सासयं समयं पडुप्पन्नं वा सासयं समयं अणागयमणंतं वा सासयं समयं जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेस्संति वा? हंता गोयमा! तीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेस्संति वा। से नूणं भंते! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया? हंता गोयमा! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४५॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो॥

एवं जाव चउरिंदियाण पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा ओहिया जीवा ॥ ३६ ॥ अत्थि ण भंते ! समणावि निग्गंथा कखामोहणिज्ज कम्मं वेएन्ति ?, हंता अत्थि, कहन्न भंते ! समणा निग्गथा कखामोहणिज्ज कम्म वेएन्ति ?, गोयमा तेहिं २ नाणतरेहिं दसणतरेहिं चरित्ततरेहिं लिंगतरेहिं पवयणतरेहिं पावयणतरेहिं कप्पतरेहिं मग्गतरेहिं मततरेहिं भगतरेहिं णयतरेहिं नियमतरेहिं पमाणतरेहिं संकिया कखिया वितिगिच्छिया भेयसमावन्ना कलुससमावन्ना, एव खलु समणा निग्गथा कखामोहणिज्ज कम्म वेइति, से नूण भंते ! तमेव सच्चं नीसक ज जिणेहिं पवेइय, हंता गोयमा ! तमेव सच्च नीसक, जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा सेव भंते ! सेव भंते ! ॥ ३७ ॥ **पढमसए तत्तिओ उद्देसओ समत्तो ॥**

कति ण भंते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, कम्मप्पगडीए पढमो उद्देसो नेयव्वो जाव अणुभागो सम्मत्तो । गाहा–कइ पयडी कह बधइ कइहि व ठाणेहि बधई पयडी । कइ वेदेइ य पयडी अणुभागो कइविहो कस्स ? ॥ १ ॥ ३८ ॥ जीवे ण भंते ! मोहणिज्जेण कडेण कम्मेणं उदिन्नेण उवट्ठाएज्जा ? हंता उवट्ठाएज्जा । से भंते ! किं वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ? गोयमा ! वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा नो अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा, जइ वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा किं वालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा वालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ?, गोयमा ! वालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो वालपडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा । जीवे ण भंते ! मोहणिज्जेण कडेण कम्मेणं उदिन्नेणं अवक्कमेज्जा ? हंता अवक्कमेज्जा, से भंते ! जाव वालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा ३?, गोयमा ! वालवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा नो पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा, सिय वालपडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा । जहा उदिन्नेण दो आलावगा तहा उवसतेणवि दो आलावगा भाणियव्वा, नवरं उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा वालपडियवीरियत्ताए ॥ से भंते ! किं आयाए अवक्कमइ ? अणायाए अवक्कमइ ? गोयमा ! आयाए अवक्कमइ णो अणायाए अवक्कमइ, मोहणिज्जं कम्मं वेएमाणे से कहमेय भंते ! एव ? गोयमा ! पुव्विं से एय एवं रोयइ इयाणिं से एय एवं नो रोयइ एवं खलु एवं ॥३९॥ से नूण भंते ! नेरइयस्स वा तिरिक्खजोणियस्स वा मणूसस्स वा देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे नत्थि तस्स अवेइत्ता मोक्खो ?, हंता गोयमा ! नेरइयस्स वा तिरिक्ख० मणु० देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे नत्थि तस्स अवेइत्ता मोक्खो । से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चति–नेरइयस्स वा जाव मोक्खो, एवं खलु मए गोयमा ! दुविहे कम्मे पण्णत्ते, तजहा–पएसकम्मे य अणुभागकम्मे य,

एवं सत्तावीसं भंगा णेयव्वा ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि समयाहियाए जहन्नठिईए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता?, गोयमा! कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य लोभोवउत्ते य कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ता य लोभोवउत्ता य अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ता य एवं असीति भंगा नेयव्वा एवं जाव संखिज्जसमयाहिया ठिई असंखेज्जसमयाहियाए ठिईए तप्पाउग्गुक्कोसियाए ठिईए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा ॥ ४४ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं केवइया ओगाहणाठाणा पन्नत्ता? गोयमा! असंखेज्जा ओगाहणाठाणा पन्नत्ता तंजहा–जहन्निया ओगाहणा अंगुलस्स असंखेज्जइभागं जहन्निया ओगाहणा एगपदेसाहिया जहन्निया ओगाहणा दुप्पएसाहिया जहन्निया ओगाहणा जाव असंखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा तप्पाउग्गुक्कोसिया ओगाहणा ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि जहन्नियाए ओगाहणाए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता? असीतिभंगा भाणियव्वा जाव संखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जपएसाहियाए जहन्नियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं तप्पाउग्गुक्कोसियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं नेरइयाणं दोसुवि सत्तावीसं भंगा ॥ इमीसे णं भंते! रयण जाव एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं कइ सरीरया पन्नत्ता? गोयमा! तिन्नि सरीरया पन्नत्ता तंजहा–वेउव्विए तेयए कम्मए ॥ इमीसे णं भंते! जाव वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता? सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा एएणं गमएणं तिन्नि सरीरा भाणियव्वा ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए जाव नेरइयाणं सरीरया किं संघयणी पन्नत्ता? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी नेवट्ठी नेव छिरा नेव ण्हारूणि जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुहा अमणुन्ना अमणामा, एतेसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति ॥ इमीसे णं भंते! जाव छण्हं संघयणाणं असंघयणे वट्टमाणाणं नेरइया किं कोहोवउत्ता? सत्तावीसं भंगा ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभा जाव सरीरया किंसंठिया पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता तंजहा–भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया पन्नत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया पन्नत्ता। इमीसे णं जाव हुंडसंठाणे वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता? सत्तावीसं भंगा ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं कति लेस्साओ पन्नत्ता? गोयमा!

कति णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव तमतमा ॥ इमीसे ण भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए कति निरयावाससयसहस्सा प० ?, गोयमा ! तीस निरयावाससयसहस्सा प०, गाहा—तीसा य पन्नवीसा पन्नरस दसेव या सयसहस्सा । तिन्नेगं पंचूण पचेव अणुत्तरा निरया ॥ १ ॥ केवइया णं भंते ? असुरकुमारावाससयसहस्सा प० ?, एव—चउसट्ठी असुराण चउरासीई य होइ नागाण । बावत्तरिं सुवन्नाण वाउकुमाराण छन्नउई ॥ १ ॥ दीवदिसाउदहीण विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीण । छण्हपि जुयलयाण छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ २ ॥ केवइया ण भंते ! पुढविक्काइयावाससयसहस्सा प० ?, गोयमा ! असखेज्जा पुढविक्काइयावासमयसहस्सा प०, गोयमा ! जाव असखिज्जा जोतिसियविमाणावाससयसहस्सा प० । सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प० ?, गोयमा ! बत्तीस विमाणावाससयसहस्सा प०, एव–बत्तीसट्ठावीसा बारस अट्ठ चउरो सयसहस्सा । पन्ना चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि । सत्त विमाणसयाइ चउसुवि एएसु कप्पेसु ॥ २ ॥ एक्कारसुत्तर हेट्ठिमेसु सत्तुत्तर सय च मज्झिमए । सयमेग उवरिमए पचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ३ ॥ ४३ ॥ पुढवि ट्ठिति ओगाहणसरीरसघयणमेव सठाणे । लेस्सा दिट्ठी णाणे जोगुवओगे य दस ठाणा ॥ १ ॥ इमीसे णं भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावाससि नेरइयाण केवइया ठितिठाणा प० ?, गोयमा ! असखेज्जा ठितिठाणा प०, तजहा—जहन्निया ठिती समयाहिया जहन्निया ठिई दुसमयाहिया जाव असखेज्जसमयाहिया जहन्निया ठिई तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिती ॥ इमीसे ण भते रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगसि निरयावाससि जहन्नियाए ठितीए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्जा कोहोवउत्ता १, अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य २, अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य ३, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ते य ४, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ता य ५, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ते य ६, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ता य ७ । अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य १, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ता य २, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ते य ३, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ता य ४ एव कोहमाणलोभेणवि चउ ४, एव कोहमायालोभेणवि चउ ४ एवं १२, पच्छा माणेण मायाए लोभेण य कोहो भइयव्वो, ते कोह अमुंचता ८,

गिरिव्वयजोइसिया जहा नेरइया तहा भाणियव्वा णवरं णेसिं सत्तावीसं भंगा होंति अभंगयं णायव्वं जाव असीतिं तत्थ असीतिं चेव ॥ मणुस्साणवि जेहिं ठाणेहिं नेरइयाणं असीतिभंगा तेहिं ठाणेहिं मणुस्साणवि असीतिभंगा भाणियव्वा सेसेसु सत्तावीसा तेसु अभंगयं णवरं मणुस्साणं अब्भहियं जहन्निया ठिई आहारए य असीतिं भंगा ॥ वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी णवरं णाणत्तं जाणियव्वं जं जस्स जाव अणुत्तरा सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४९ ॥

पढमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

जावइयाओ य णं भंते ! उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति अत्थमंतेवि य णं सूरिए तावइयाओ चेव उवासंतराओ चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति ? हंता ! गोयमा ! जावइयाओ णं उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति अत्थमंतेवि सूरिए जाव हव्वमागच्छति । जावइयण्णं भंते ! खित्तं उदयंते सूरिए आयावेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ, अत्थमंतेवि य णं सूरिए तावइयं चेव खित्तं आयावेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ ? हंता गोयमा ! जावतियण्णं खेत्तं जाव पभासेइ ॥ तं भंते ! किं पुट्ठं ओभासेइ अपुट्ठं ओभासेइ ? जाव छद्दिसिं ओभासेइ, एवं उज्जोवेइ तवेइ पभासेइ जाव नियमा छद्दिसिं ॥ से नूणं भंते ! सव्वंति सव्वावंति फुसमाणकालसमयंसि जावतियं खेत्तं फुसइ तावतियं फुसमाणे पुट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता ! गोयमा ! सव्वंति जाव वत्तव्वं सिया ॥ तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसिं ॥ ५० ॥ लोयंते भंते ! अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ? हंता गोयमा ! लोयंते अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ? । तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ । दीवंते भंते ! सागरंतं फुसइ सागरंतेवि दीवंतं फुसइ ? हंता जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ, एवं एएणं अभिलावेणं उदयंते पोयंतं फुसइ छिद्दंते दूसंतं छायंते आयवंतं जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ ॥ ५१ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि । सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं । सा भंते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ? गोयमा ! कडा कज्जइ नो अकडा कज्जइ । सा भंते ! किं अत्तकडा कज्जइ परकडा कज्जइ तदुभयकडा कज्जइ ? गोयमा ! अत्तकडा कज्जइ नो परकडा कज्जइ नो तदुभयकडा कज्जइ । सा भंते ! किं आणुपुव्विं कडा कज्जइ अणाणुपुव्विं कडा कज्जइ ? गोयमा ! आणुपुव्विं कडा कज्जइ नो अणाणुपुव्विं कडा

एगा काउलेस्सा पण्णत्ता । इमीसे ण भंते ! रयणप्पभाए जाव काउलेस्साए वट्टमाणा सत्तावीस भगा ॥ ४५ ॥ इमीसे ण जाव किं सम्मादिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ?, तिन्निवि । इमीसे ण जाव सम्मद्दसणे वट्टमाणा नेरइया सत्तावीसं भगा, एव मिच्छादसणेवि, सम्मामिच्छादसणे असीति भगा ॥ इमीसे णं भंते ! जाव किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, तिन्नि नाणाइ नियमा, तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए । इमीसे ण भते ! जाव आभिणिबोहियनाणे वट्टमाणा सत्तावीस भगा, एव तिन्नि नाणाइ तिन्नि अन्नाणाइ भाणियव्वाइं ॥ इमीसे ण जाव किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी, ? तिन्निवि । इमीसे ण जाव मणजोए वट्टमाणा कोहोवउत्ता ?, सत्तावीस भगा । एव वइजोए एव कायजोए ॥ इमीसे ण जाव नेरइया किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ?, गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि । इमीसे ण जाव सागारोवओगे वट्टमाणा किं कोहोवउत्ता ?, सत्तावीस भगा । एव अणागारोवउत्तावि सत्तावीस भगा ॥ एव सत्तवि पुढवीओ नेयव्वाओ, णाणत्त लेसासु गाहा—काऊ य दोसु तइयाए मीसिया नीलिया चउत्थीए । पचमियाए मीसा कण्हा तत्तो परमकण्हा ॥ १ ॥ ४६ ॥ चउसट्ठीए ण भते ! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु एगमेगसि असुरकुमारावाससि असुरकुमाराणं केवइया ठिइठाणा प० ?, गोयमा ! असखेज्जा ठितिठाणा प०, जहन्निया ठिई जहा नेरइया तहा, नवर पडिलोमा भगा भाणियव्वा—सव्वेवि ताव होज्ज लोभोवउत्ता, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ते य, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ता य, एएण गमेणं नेयव्व जाव थणियकुमाराण, नवर णाणत्त जाणियव्व ॥ ४७ ॥ असखेज्जेसु णं भते ! पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु एगमेगसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयाणं केवतिया ठितिठाणा प० ?, गोयमा ! असखेज्जा ठितिठाणा प०, तंजहा—जहन्निया ठिई जाव तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई । असखेज्जेसु ण भते ! पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु एगमेगसि पुढविकाइयावाससि जहन्नियाए ठितीए वट्टमाणा पुढविकाइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! कोहोवउत्तावि माणोवउत्तावि मायोवउत्तावि लोभोवउत्तावि, एव पुढविकाइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभगय, नवरं तेउलेस्साए असीति भगा, एवं आउकाइयावि, तेउकाइयवाउकाइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभगय ॥ वणस्सइकाइया जहा पुढविकाइया ॥ ४८ ॥ बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाण जेहिं ठाणेहिं नेरइयाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं असीइं चेव, नवरं अब्भहिया सम्मत्ते आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे य, एएहिं असीइभंगा, जेहिं ठाणेहिं नेरइयाण सत्तावीस भगा तेसु ठाणेसु सव्वेसु अभगय ॥ पंचिंदिय-

कज्जइ, जा य कडा जा य कज्जइ जा य कज्जिस्सइ सव्वा सा आणुपुव्विं कडा नो अणाणुपुव्वि कडत्ति वत्तव्व सिया । अत्थि ण भते ! नेरइयाण पाणाइवायकिरिया कज्जइ ?, हता अत्थि । सा भते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ जाव नियमा छद्दिसिं कज्जइ, सा भते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ?, तं चेव जाव नो अणाणुपुव्वि कडत्ति वत्तव्व सिया, जहा नेरइया तहा एगिंदियवज्जा भाणियव्वा, जाव वेमाणिया, एगिंदिया जहा जीवा तहा भाणियव्वा, जहा पाणाइवाए तहा मुसावाए तहा अदिन्नादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे जाव मिच्छादसणसल्ले, एव एए अट्ठारस, चउवीस दडगा भाणियव्वा, सेव भते ! सेवं भते ! त्ति भगव गोयमे समण भगव जाव विहरति ॥ ५२ ॥ तेण कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतेवासी रोहे नाम अणगारे पगइभद्दए पगइमउए पगइविणीए पगइउवसंते पगइपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसपन्ने अल्लीणे भद्दए विणीए समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए सजमेण तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए ण से रोहे नाम अणगारे जायसड्ढे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी-पुव्विं भते ! लोए पच्छा अलोए पुव्विं अलोए पच्छा लोए ?, रोहा ! लोए य अलोए य पुव्विंपेते पच्छापेते दोवि एए सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! । पुव्विं भते ! जीवा पच्छा अजीवा पुव्विं अजीवा पच्छा जीवा ?, जहेव लोए य अलोए य तहेव जीवा य अजीवा य, एव भवसिद्धिया य अभवसिद्धिया य सिद्धी असिद्धी सिद्धा असिद्धा, पुव्विं भंते ! अडए पच्छा कुक्कुडी पुव्विं कुक्कुडी पच्छा अडए ?, रोहा ! से ण अडए कओ ?, भयव ! कुक्कुडीओ, सा णं कुक्कुडी कओ ?, भते ! अडयाओ, एवामेव रोहा ! से य अडए सा य कुक्कुडी, पुव्विंपेते पच्छापेते दुवेते सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! । पुव्विं भते ! लोयते पच्छा अलोयते पुव्विं अलोयते पच्छा लोयते ?, रोहा ! लोयते य अलोयते य जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! । पुव्विं भंते ! लोयते पच्छा सत्तमे उवासतरे पुच्छा, रोहा ! लोयते य सत्तमे उवासतरे पुव्विंपि दोवि एते जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! । एव लोयते य सत्तमे य तणुवाए, एव घणवाए घणोदही सत्तमा पुढवी, एव लोयंते एक्केक्केण संजोएयव्वे इमेहिं ठाणेहिं-तजहा-ओवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा । नेरइयाई अत्थिय समया कम्माइ लेस्साओ ॥ १ ॥ दिट्ठी दसण णाणा सन्न सरीग य जोग उवओगे । दव्वपएसा पज्जव अद्धा किं पुव्विं लोयते ? ॥ २ ॥ पुव्विं भंते ! लोयते पच्छा सव्वद्धा ? । जहा लोयतेण सजोइया सव्वे ठाणा एते एव अलोयंतेणवि सजोएयव्वा सव्वे । पुव्विं भते !

उववज्जइ सव्वेण देस उववज्जइ सव्वेण सव्वं उववज्जइ?, गोयमा! नो देसेण देस उववज्जइ नो देसेण सव्व उववज्जइ नो सव्वेण देस उववज्जइ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ, जहा नेरइए एवं जाव वेमाणिए ॥ १ ॥ ५७ ॥ नेरइए ण भंते! नेरइए उववज्जमाणे किं देसेण देस आहारेइ १ देसेण सव्वं आहारेइ २ सव्वेण देसं आहारेइ ३ सव्वेणं सव्वं आहारेइ? ४, गोयमा! नो देसेणं देस आहारेइ नो देसेण सव्व आहारेइ सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्व आहारेइ, एव जाव वेमाणिए २। नेरइए ण भंते! नेरइएहिंतो उव्वट्टमाणे किं देसेण देस उव्वट्टइ? जहा उववज्जमाणे तहेव उव्वट्टमाणेऽवि दंडगो भाणियव्वो ३। नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो उव्वट्टमाणे किं देसेग देस आहारेइ तहेव जाव सव्वेण वा देस आहारेइ?, सव्वेण वा सव्वं आ० ?, एव जाव वेमाणिए ४। नेरइ० भंते! नेर० उववन्ने किं देसेणं देस उववन्ने, एसोऽवि तहेव जाव सव्वेण सव्व उववन्ने?, जहा उववज्जमाणे उव्वट्टमाणे य चत्तारि दंडगा तहा उववन्नेणं उव्वट्टेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, सव्वेणं सव्व उववन्ने सव्वेण वा देस आहारेइ सव्वेण या सव्व आहारेइ, एएण अभिलावेणं उववन्नेवि उव्वट्टेणेवि नेयव्व ८॥ नेरइए ण भंते! नेरइएसु उववज्जमाणे किं अद्धेण अद्ध उववज्जइ? १ अद्धेण सव्व उववज्जइ? २ सव्वेण अद्धं उववज्जइ? ३ सव्वेण सव्व उववज्जइ०? ४, जहा पढमिल्लेग अट्ठ दंडगा तहा अद्धेणवि अट्ठ दंडगा भाणियव्वा, नवर जहिं देसेण देस उववज्जइ तहिं अद्धेण अद्ध उववज्जइ इति भाणियव्वं, एव णाणत्त, एते सव्वेवि सोलसदंडगा भाणियव्वा ॥ ५८ ॥ जीवे ण भंते! किं विग्गहगतिसमावन्नए अविग्गहगतिसमावन्नए?, गोयमा! सिय विग्गहगइसमावन्नए सिय अविग्गहगतिसमावन्नगे, एव जाव वेमाणिए। जीवा ण भंते! किं विग्गहगइसमावन्नया अविग्गहगइसमावन्नगा?, गोयमा! विग्गहगइसमावन्नगावि अविग्गहगइसमावन्नगावि। नेरइया ण भंते! किं विग्गहगतिसमावन्नया अविग्गहगतिसमावन्नगा?, गोयमा! सव्वेवि ताव होज्जा अविग्गहगतिसमावन्नगा १। अहवा अविग्गहगतिसमावन्नगा य विग्गहगतिसमावन्ने य २ अहवा अविग्गहगतिसमावन्नगा य विग्गहगइसमावन्नगा य ३॥ एवं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥५९॥ देवे ण भंते! महिड्ढिए महज्जुईए महब्बले महायसे महासुक्खे महाणुभावे अविउक्कंतिय चयमाणे किंचिविकाल हिरिवत्तिय दुगुंछावत्तियं परिसहवत्तिय आहार नो आहारेइ, अहे ण आहारेइ, आहारिज्जमाणे आहारिए परिणामिज्जमाणे परिणामिए पहीणे य आउए भवइ जत्थ उववज्जइ तमाउय पडिसवेएइ, तंजहा-तिरिक्खजोणियाउयं वा मणुस्साउयं वा?, हंता गोयमा! देवे ण महिड्ढिए

लोएसु उववज्जइ? गोयमा! एगंतबाले णं मणुस्से नेरइयाउयंपि पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयंपि पकरेइ नेरइयाउयंपि किच्चा नेरइएसु उव० तिरि० मणु० देवाउयं किच्चा तिरि० मणु० देवलोएसु उववज्जइ ॥ ६१ ॥ एगंतपंडिए णं भंते! मणुस्से किं नेर० पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवलोएसु उवव०? गोयमा! एगंतपंडिए णं मणुस्से आउयं सिय पकरेइ सिय नो पकरेइ, जइ पकरेइ नो नेरइयाउयं पकरेइ नो तिरि० नो मणु० देवाउयं पकरेइ, नो नेरइयाउयं किच्चा नेर० उव० नो तिरि० नो मणुस्स० देवाउयं किच्चा देवेसु उव० से केणट्ठेणं जाव देवा० किच्चा देवेसु उववज्जइ? गोयमा! एगंतपंडियस्स णं मणुस्सस्स केवलमेव दो गईओ पन्नायंति तंजहा-अंतकिरिया चेव कप्पोववत्तिया चेव से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ॥ बालपंडिए णं भंते! मणुस्से किं नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ? गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से केणट्ठेणं जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ? गोयमा! बालपंडिए णं मणुस्से तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म देसं उवरमइ देसं नो उवरमइ देसं पच्चक्खाइ देसं नो पच्चक्खाइ, से तेणट्ठेणं देसोवरमदेसपच्चक्खाणेणं नो नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ६४ ॥ पुरिसे णं भंते! कच्छंसि वा १ दहंसि वा २ उदगंसि वा ३ दवियंसि वा ४ वलयंसि वा ५ नूमंसि वा ६ गहणंसि वा ७ गहणविदुग्गंसि वा ८ पव्वयंसि ९ पव्वयविदुग्गंसि वा १० वणंसि वा ११ वणविदुग्गंसि वा १२ मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिएत्तिकाउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए कूडपासं उद्दाइ, तओ णं भंते! से पुरिसे कइकिरिए पन्नत्ते? गोयमा! जावं च णं से पुरिसे कच्छंसि वा १ (१२) जाव कूडपासं उद्दाइ तावं च णं से पुरिसे सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, से केणट्ठेणं सिय ति० सिय च० सिय पं०? गोयमा! जे भविए उद्दवणयाए णो बंधणयाए णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए तिहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि नो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि मारणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए जाव पंचहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं जाव पंचकिरिए ॥ ६५ ॥ पुरिसे णं भंते! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय २ अगणिकायं निसिरइ तावं च णं से भंते! से पुरिसे कइ-

निच्छुभइ नि० २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ समो० २ चाउरंगिणिं सेणं विउव्वइ चाउरंगिणीसेणं विउव्वेत्ता चाउरंगिणीए सेणाए पराणीएण सद्धिं संगामं संगामेइ, से णं जीवे अत्थकामए रज्जकामए भोगकामए कामकामए अत्थकंखिए रज्जकंखिए भोगकंखिए कामकंखिए अत्थपिवासिए रज्जपिवासिए भोगपिवासिए कामपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज नेरइएसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे देवलोगेसु उववज्जेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! से णं सन्नी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म तओ भवइ संवेगजायसड्ढे तिव्वधम्माणुरागरत्ते, से णं जीवे धम्मकामए पुण्णकामए सग्गकामए मोक्खकामए धम्मकंखिए पुण्णकंखिए सग्गमोक्खकं० धम्मपिवासिए पुण्णसग्गमोक्खपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करे० देवलो० उव०, से तेणट्ठेणं गोयमा !० । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे उत्ताणए वा पासिल्लए वा अंबखुज्जए वा अच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा निसीएज्ज वा तुयट्टेज्ज वा माउए सुयमाणीए सुवइ जागरमाणीए जागरइ सुहियाए सुहिए भवइ दुहियाए दुहिए भवइ ?, हंता गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जाव दुहियाए दुहिए भवइ, अहे णं पसवणकालसमयंसि सीसेण वा पाएहिं वा आगच्छइ सममागच्छइ तिरियमागच्छइ विणिहायमागच्छइ ॥ वण्णवज्झाणि य से कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं निहत्ताइं कडाइं पट्ठवियाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं उदिन्नाइं नो उवसंताइं भवंति तओ भवइ दुरूवे दुव्वन्ने दुग्गंधे दुरसे दुप्फासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुन्ने अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सरे अकंतस्सरे अप्पियस्सरे असुभस्सरे अमणुन्नस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ, वन्नवज्झाणि य से कम्माइं नो बद्धाइं पसत्थं नेयव्वं जाव आदेज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥६२॥ **पढमसयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे समोसरणं जाव एवं वयासी-एगंतबाले णं भंते ! मणूसे किं नेरइयाउयं पकरेइ तिरिक्ख० मणु० देवा० पक० ?, नेरइयाउयं किच्चा नेरइएसु उव० तिरियाउयं कि० तिरिएसु उवव० मणुस्साउयं किच्चा मणुस्से० उव० देवाउ० कि० देव-

नो अभिसमन्नागयाइं नो उदिन्नाइं उवसंताइं भवंति से णं पराइज्जइ, जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं बद्धाइं जाव उदिन्नाइं नो उवसंताइं भवंति से णं पुरिसे पराइज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-सवीरिए पराइज्जइ अवीरिए पराइज्जइ ॥ ७० ॥ जीवा णं भंते! किं सवीरिया अवीरिया? गोयमा! सवीरियावि अवीरियावि। से केणट्ठेणं? गोयमा! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य। तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा सिद्धा णं अवीरिया तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा य। तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवण्णगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सवीरियावि अवीरियावि। नेरइया णं भंते! किं सवीरिया अवीरिया? गोयमा! नेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि से केणट्ठेणं? गोयमा! जेसि णं नेरइयाणं अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ते णं नेरइया लद्धिवीरिएणवि सवीरिया करणवीरिएणवि सवीरिया जेसि णं नेरइयाणं नत्थि उट्ठाणे जाव परक्कमे ते णं नेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया से तेणट्ठेणं जहा नेरइया एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा जहा ओहिया जीवा नवरं सिद्धवज्जा भाणियव्वा वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा नेरइया सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ७१ ॥ पढमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कहण्णं भंते! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति? गोयमा! पाणाइवाएणं मुसावाएणं अदिन्ना मेहुण परि कोह माण माया लोभ पे दोस कलह अब्भक्खाण पेसुन्न रतिअरति परपरिवाय मायामोसमिच्छादंसणसल्लेणं एवं खलु गोयमा! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति। कहण्णं भंते! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति? गोयमा! पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं एवं खलु गोयमा! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति एवं संसारं आउलीकरेंति एवं परित्तीकरेंति दीहीकरेंति हस्सीकरेंति एवं अणुपरियट्टंति एवं वीईवयंति-पसत्था चत्तारि अप्पसत्था चत्तारि ॥ ७२ ॥ सत्तमे णं भंते! ओवासंतरे किं गरुए लहुए गरुयलहुए अगरुयलहुए? गोयमा! नो गरुए नो लहुए नो गरुयलहुए अगरुयलहुए। सत्तमे णं भंते! तणुवाए किं गरुए लहुए गरुयलहुए अगरुयलहुए? गोयमा! नो गरुए नो लहुए गरुयलहुए नो अगरुयलहुए। एवं सत्तमे घणवाए सत्तमे घणोदही सत्तमा

किरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकि० सिय पंच०, से केणट्ठेण ?, गोयमा ! जे भविए उस्सवणयाए तिहिं, उस्सवणयाएवि निस्सिरणयाएवि नो दहणयाए चउहिं, जे भविए उस्सवणयाएवि निस्सिरणयाएवि दहणयाएवि ताव च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेण० गोयमा ! ॥ ६६ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छसि वा जाव वणविदुग्गसि वा मियवित्तीए मियसकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गता एए मिएत्तिकाउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए उसु निसिरइ, ततो णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, से केणट्ठेण ?, गोयमा ! जे भविए निस्सिरणयाए नो विद्धंसणयाएवि नो मारणयाए तिहिं, जे भविए निस्सिरणयाएवि विद्धंसणयाएवि नो मारणयाए चउहिं, जे भविए निस्सिरणयाएवि वि० मा० ताव च ण से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेण गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ॥ ६७ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छसि वा जाव अन्नयरस्स मियस्स वहाए आययकन्नायय उसु आयामेत्ता चिट्ठिज्जा, अन्नयरे पुरिसे मग्गओ आगम्म सयपाणिणा असिणा सीसं छिंदेज्जा से य उसु ताए चेव पुव्वायामणयाए तं विंधेज्जा से ण भंते ! पुरिसे किं मियवेरेणं पुट्ठे पुरिसवेरेण पुट्ठे ?, गोयमा ! जे मियं मारेइ से मियवेरेण पुट्ठे, जे पुरिस मारेइ से पुरिसवेरेण पुट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ जाव से पुरिसवेरेणं पुट्ठे ?, से नूण गोयमा ! कज्जमाणे कडे संधिज्जमाणे संधिए निव्वत्तिज्जमाणे निव्वत्तिए निसिरिज्जमाणे निसिट्ठेत्ति वत्तव्व सिया ?, हंता भगवं ! कज्जमाणे कडे जाव निसिट्ठेत्ति वत्तव्व सिया, से तेणट्ठेण गोयमा ! जे मिय मारेइ से मियवेरेण पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे ॥ अतो छण्ह मासाण मरइ काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, बाहिं छण्ह मासाण मरइ काइयाए जाव पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे ॥ ६८ ॥ पुरिसे ण भंते ! पुरिस सत्तीए समभिधंसेज्जा सयपाणिणा वा से असिणा सीस छिंदेज्जा तओ ण भंते ! से पुरिसे कतिकिरिए ?, गोयमा ! जाव च ण से पुरिसे त पुरिस सत्तीए अभिसंधेइ सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदइ ताव च ण से पुरिसे काइयाए अहिगरणि० जाव पाणाइवायकिरियाए पचहिं किरियाहिं पुट्ठे, आसन्नवहएण य अणवकखवत्तिएणं पुरिसवेरेण पुट्ठे ॥ ६९ ॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया सरित्तया सरिव्वया सरिसभंडमत्तोवगरणा अन्नमन्नेणं सद्धिं संगाम संगामेन्ति, तत्थ ण एगे पुरिसे पराइणइ एगे पुरिसे पराइज्जइ, से कहमेयं भंते ! एव ?, गोयमा ! सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ, से केणट्ठेण जाव पराइज्जइ ?, गोयमा ! जस्स ण वीरियवज्झाइं कम्माइं णो बद्धाइं णो पुट्ठाइं जाव

पकरेति तं०—इहभवियाउयं च परभवियाउयं च से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव परभवियाउयं च जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि- एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेति तं०—इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा जं समयं इहभवियाउयं पकरेति णो तं समयं परभवियाउयं पकरेति, जं समयं परभवियाउयं पकरेइ णो तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, इह भवियाउयस्स पकरणताए णो परभवियाउयं पकरेति परभवियाउयस्स पकरणताए णो इहभवियाउयं पकरेति एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेति, तं०—इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरति ॥ ७५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे कालासवेसियपुत्ते णामं अणगारे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छति २ त्ता थेरे भगवंते एवं वयासी–थेरा सामाइयं ण याणंति थेरा सामाइयस्स अट्ठं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणस्स अट्ठं ण याणंति थेरा संजमं ण याणंति थेरा संजमस्स अट्ठं ण याणंति थेरा संवरं ण याणंति थेरा संवरस्स अट्ठं ण याणंति थेरा विवेगं ण याणंति थेरा विवेगस्स अट्ठं ण याणंति थेरा विउस्सग्गं ण याणंति थेरा विउस्सग्गस्स अट्ठं ण याणंति १। तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–जाणामो णं अज्जो ! सामाइयं जाणामो णं अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणामो णं अज्जो ! विउस्सग्गस्स अट्ठं। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी—जति णं अज्जो ! तुब्भे जाणह सामाइयं जाणह सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणह विउस्सग्गस्स अट्ठं किं भे अज्जो ! सामाइए किं भे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे ! जाव किं भे विउस्सग्गस्स अट्ठे ?, तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–आया णे अज्जो ! सामाइए आया णे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे जाव विउस्सग्गस्स अट्ठे। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी-जति भे अज्जो ! आया सामाइए आया सामाइयस्स अट्ठे एवं जाव आया विउस्सग्गस्स अट्ठे अवहट्टु कोहमाणमाया-लोभे किमट्ठं अज्जो ! गरहह ! कालास ! संजमट्ठयाए, से भंते ! किं गरहा संजमे अगरहा संजमे ? कालास ! गरहा संजमे नो अगरहासंजमे गरहावि य णं सव्वं दोसं पविणेति सव्वं बालियं परिण्णाए, एवं खु णे आया संजमे उवहिए भवति, एवं खु णे आया संजमे उवचिए भवति एवं खु णे आया संजमे उवट्ठिए भवति, एत्थ णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे संबुद्धे थेरे भगवंते वंदति णमंसति २ एवं

पुढवी, उवासतराइ सव्वाइ जहा सत्तमे ओवासतरे, (सेसा) जहा तणुवाए, एवं-ओवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा । नेरइया ण भते ! किं गुरुया जाव अगुरुलहुया ?, गोयमा ! नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुलहुयावि, से केणट्ठेण ?, गोयमा ! वेउव्वियतेयाइ पडुच्च नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुआ नो अगुरुलहुया, जीव च कम्मण च पडुच्च नो गुरुया नो लहुया नो गुरुयलहुया अगुरुयलहुया, से तेणट्ठेणं जाव वेमाणिया, नवरं णाणत्त जाणियव्व सरीरेहिं । धम्मत्थिकाए जाव जीवत्थिकाए चउत्थपएणं । पोग्गलत्थिकाए ण भंते ! किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! णो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुएवि अगुरुयलहुएवि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! गुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च नो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुए नो अगुरुयलहुए, अगुरुयलहुयदव्वाइ पडुच नो गुरुए नो लहुए नो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए, समया कम्माणि य चउत्थपदेणं । कण्हलेसा णं भते ! किं गुरुया जाव अगुरुयलहुया ?, गोयमा ! नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुयलहुयावि, से केणट्ठेण ?, गोयमा ! दव्वलेस पडुच्च ततियपदेण भावलेस पडुच्च चउत्थपदेण, एव जाव सुक्कलेसा, दिट्ठीदसणनाणअन्नाणसण्णा चउत्थपदेग णेयव्वाओ, हेट्ठिल्ला चत्तारि सरीरा नायव्वा ततियपदेण, कम्मं य चउत्थयपएण, मणजोगो वइजोगो चउत्थएण पदेण, कायजोगो ततिएण पदेण, सागारोवओगो अणागारोवओगो चउत्थपदेण, सव्वपदेसा सव्वदव्वा सव्वपज्जवा जहा पोग्गलत्थिकाओ, तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा चउत्थएणं पदेण ॥ ७३ ॥ से नूणं भते ! लाघवियं अप्पिच्छा अमुच्छा अगेही अपडिबद्धया समणाण णिग्गथाण पसत्थं ?, हंता गोयमा ! लाघवियं जाव पसत्थं ॥ से नूण भते ! अकोहत्त अमाणत्त अमायत्तं अलोभत्तं समणाण निग्गंथाण पसत्थं ?, हता गोयमा ! अकोहत्त अमाणत्त जाव पसत्थ ॥ से नूण भते ! कखापदोसे खीणे समणे निग्गथे अतकरे भवति अतिमसारीरिए वा बहुमोहेवि य ण पुव्वि विहरित्ता अह पच्छा सवुडे काल करेति तओ पच्छा सिज्झति ३ जाव अत करेइ ?, हता गोयमा ! कखापदोसे खीणे जाव अत करेति ॥ ७४ ॥ अण्णउत्थिया ण भते ! एवमाइक्खति एवं भासेंति एव पण्णवेंति एव परूवेंति–एव खलु एगे जीवे एगेण समएण दो आउयाइ पकरेति, तजहा–इहभवियाउय च परभवियाउय च, ज समयं इहभवियाउयं पकरेति त समयं परभवियाउय पकरेति, ज समयं परभवियाउय पकरेति त समय इहभवियाउयं पकरेति, इहभवियाउयस्स पकरणयाए परभवियाउयं पकरेइ, परभवियाउयस्स पकरणयाए इहभवियाउय पकरेति, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइ

वयासी-एएसि णं भंते ! पयाणं पुव्विं अण्णाणयाए असवणयाए अबोहियाए अण-भिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं असुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अव्वोच्छिन्नाणं अणिज्जूढाणं अणुवधारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहिए णो पत्तिइए णो रोइए इयाणिं भंते ! एतेसिं पयाणं जाणणयाए सवणयाए बोहीए अभिगमेणं दिट्ठाणं सुयाणं सुयाणं विण्णायाणं वोगडाणं वोच्छिन्नाणं णिज्जूढाणं उवधारियाणं एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेयं से जहेयं तुब्भे वदह, तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी-सद्दहाहि अज्जो ! पत्तियाहि अज्जो ! रोएहि अज्जो ! से जहेयं अम्हे वदामो । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंतो वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे मुंडभावे अण्हाणयं अदंतधुवणयं अच्छत्तयं अणोवाहणयं भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोओ बंभचेरवासो परघरपवेसो लद्धावलद्धी उच्चावया गामकंटगा बावीसं परिसहोवसग्गा अहियासिज्जंति तमट्ठं आराहेइ २ चरिमेहिं उस्सासनीसासेहिं सिद्धे बुद्धे मुक्के परिनिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वदासी-से नूणं भंते ! सेट्ठियस्स य तणुयस्स य किवणस्स य खत्तियस्स य समं चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ?, हंता गोयमा ! सेट्ठियस्स य जाव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते ! ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च से तेण० गोयमा ! एवं वुच्चइ-सेट्ठियस्स य तणु० जाव कज्जइ ॥ ७७ ॥ आहाकम्मं भुंजमाणे समणे निग्गंथे किं बंधइ किं पकरेइ किं चिणाइ किं उवचिणाइ ?, गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ जाव अणुपरियट्टइ, से केणट्ठेणं जाव अणुपरियट्टइ ?, गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आयाए धम्मं अइक्कमइ आयाए धम्मं अइक्कममाणे पुढविकायं णावकंखइ जाव तसकायं णावकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीराइं आहारमाहारेइ तेवि जीवे नावकंखइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ जाव अणुपरियट्टइ ॥ फासुएसणिज्जं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ जाव उवचिणाइ ?, गोयमा ! फासुएसणिज्जं णं

गाहा—उस्सासखंदए वि य १ समुग्घाय २ पुढवि ३ इंदिय ४ अन्नउत्थियभासा ५ य । देवा य ६ चमरचंचा ७ समय ८ खित्त ९ त्थिकाय १० बीयसए ॥१॥८३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था वण्णओ सामी समोसढे परिसा निग्गया धम्मो कहिओ पडिगया परिसा । तेणं कालेणं २ जेट्ठे अंतेवासी जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जे इमे भंते ! बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचिंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा नीसासं वा जाणामो पासामो जे इमे पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया एगिंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा निस्सासं वा ण याणामो ण पासामो एए णं भंते ! जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा ? हंता गोयमा ! एए वि य णं जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा ॥ ८४ ॥ किण्णं भंते ! जीवा आण पा उ नी ? गोयमा ! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ णं असंखपएसोगाढाइं कालओ अन्नयरठिइयाइं भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा, जाइं भावओ वण्णमंताइं आण पाण ऊस नीस ताइं किं एगवण्णाइं आणमंति पाणमंति ऊस नीस ? आहारगमो नेयव्वो जाव तिचउपंचदिसिं । किण्णं भंते ! नेरइया आ पा उ नी ? तं चेव जाव नियमा छद्दिसिं आ पा उ नी जीवा एगिंदिया वाघाया य निव्वाघाया य भाणियव्वा, सेसा नियमा छद्दिसिं ॥ वाउयाए णं भंते ! वाउयाए चेव आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा ? हंता गोयमा ! वाउयाए णं जाव नीससंति वा ॥ ८५ ॥ वाउयाए णं भंते ! वाउयाए चेव अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव भुज्जो भुज्जो पच्चायाति ? हंता गोयमा ! जाव पच्चायाति । से भंते ! किं पुट्ठे उद्दाति अपुट्ठे उद्दाति ? गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ । से भंते ! किं ससरीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ? गोयमा ! सिय ससरीरी निक्खमइ सिय असरीरी निक्खमइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सिय ससरीरी निक्खमइ सिय असरीरी निक्खमइ ? गोयमा ! वाउयायस्स णं चत्तारि सरीरया पन्नत्ता तंजहा—ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए, ओरालियवेउव्वियाइं विप्पजहाय तेयकम्मएहिं निक्खमति से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—सिय ससरीरी सिय असरीरी निक्खमइ ॥ ८६ ॥ मडाई णं भंते ! नियंठे नो निरुद्धभवे नो निरुद्धभवपवंचे नो पहीणसंसारे नो पहीणसंसारवेयणिज्जे नो वोच्छिन्नसंसारे नो वोच्छिन्नसंसारवेयणिज्जे नो निट्ठियट्ठे नो निट्ठियट्ठकरणिज्जे पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति ? हंता गोयमा !

वेदेंति, वत्तव्व सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंउ, अह पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि, एव खलु चलमाणे चलिए जाव निजरिज्जमाणे निज्जिण्णे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणति, कम्हा ? दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति ?, दोण्ह परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ सा०, ते भिज्जमाणा दुहा कज्जति, दुहा कज्जमाणे एगयओ पर० पोग्गले एगयओ प० पोग्गले भवति, तिण्णि परमा० एगओ साह०, कम्हा ? तिन्नि परमाणुपोग्गले एग० सा० ?, तिण्ह परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणति, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जति, दुहा कज्जमाणा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपदेसिए खंधे भवति, तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवति, एव जाव चत्तारिपंचपरमाणुपो० एगओ साहणित्ता २ खधत्ताए कज्जति, खधेवि य ण से असासए सया समिय उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य । पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीतिक्कंत च ण भासिया भासा अभासा जा सा पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीतिक्कत च णं भासिया भासा अभासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा ?, भासओ णं भासा नो खलु सा अभासओ भासा । पुव्विं किरिया अदुक्खा जहा भासा तहा भाणियव्वा, किरियावि जाव करणओ ण सा दुक्खा नो खलु सा अकरणओ दुक्खा, सेव वत्तव्व सिया—किच्च फुस दुक्ख कज्जमाणकड कट्टु २ पाणभूयजीवसत्ता वेदण वेदेंतीति वत्तव्व सिया ॥ ८० ॥ अण्णउत्थिया ण भंते ! एवमाइक्खति जाव—एव खलु एगे जीवे एगेण समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—इरियावहियं च संपराइय च, [ज समय इरियावहियं पकरेइ त समय सपराइय पकरेइ, ज समय सपराइय पकरेइ त समय इरियावहिय पकरेइ, इरियावहियाए पकरणताए संपराइय पकरेइ सपराइयपकरणयाए इरियावहिय पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेण समएण दो किरियाओ पकरेति, तंजहा—इरियावहिय च सपराइय च । से कहमेय भंते एव ?, गोयमा ! ज ण ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति त चेव जाव जे ते एवमाहसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि ४—एव खलु एगे जीवे एगसमए एक्कं किरिय पकरेइ] परउत्थियवत्तव्व णेयव्व, ससमयवत्तव्वयाए नेयव्व जाव इरियावहिय सपराइयं वा ॥ ८१ ॥ निरयगई ण भंते ! केवतिय काल विरहिया उववाएण प० ?, गोयमा ! जहन्नेण एक्कं समयं उक्कोसेण वारस मुहुत्ता, एवं वक्कंतीपय भाणियव्व निरवसेस, सेव भंते ! सेव भंते त्ति जाव विहरइ ॥ ८२ ॥ **दसमो उद्देसओ ॥ पढमं सयं समत्तं ॥**

मडाई णं नियंठे जाव पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ ॥ ८७ ॥ से णं भंते ! किं वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! पाणेत्ति वत्तव्वं सिया भूतेति वत्तव्वं सिया जीवेत्ति वत्तव्वं० सत्तेत्ति वत्तव्वं० विन्नुत्ति वत्तव्वं० वेदेति वत्तव्वं सिया पाणे भूए जीवे सत्ते विन्नू वेएति वत्तव्वं सिया, से केणट्ठेणं भंते ! पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेदेति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! जम्हा आ० पा० उ० नी० तम्हा पाणेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा भूते भवति भविस्सति य तम्हा भूएत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा जीवे जीवइ जीवत्तं आउयं च कम्मं उवजीवइ तम्हा जीवेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा सत्ते सुहासुहेहिं कम्मेहिं तम्हा सत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा तित्तकडुयकसायअंबिलमहुरे रसे जाणइ तम्हा विन्नुत्ति वत्तव्वं सिया, वेदेइ य सुहदुक्खं तम्हा वेदेति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं जाव पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेदेति वत्तव्वं सिया ॥ ८८ ॥ मडाई णं भंते ! नियंठे निरुद्धभवे निरुद्धभवपवंचे जाव निट्ठियट्ठकरणिज्जे णो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति ?, हंता गोयमा ! मडाई णं नियंठे जाव नो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति से णं भंते ! किंति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! सिद्धेत्ति वत्तव्वं सिया बुद्धेत्ति वत्तव्वं सिया मुत्तेत्ति वत्तव्वं० पारगएत्ति व० परंपरगएत्ति व० सिद्धे बुद्धे मुत्ते परिनिव्वुडे अंतकडे सव्वदुक्खप्पहीणेत्ति वत्तव्वं सिया, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति ॥ ८९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं कयंगलानामं नगरी होत्था वण्णओ, तीसे णं कयंगलाए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए छत्तपलासए नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, तए णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णनाणदंसणधरे जाव समोसरणं परिसा निग्गच्छति, तीसे णं कयंगलाए नगरीए अदूरसामंते सावत्थी नामं नयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए नामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायगे परिवसइ रिउव्वेदजजुव्वेदसामवेदअहव्वणवेदइतिहासपंचमाणं निघंटुछट्ठाणं चउण्हं वेदाणं संगोवंगाणं सरहस्साणं सारए वारए धारए पारए सडंगवी सट्ठितंतविसारए संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे निरुत्ते जोतिसामयणे अन्नेसु य बहूसु बंभण्णएसु परिव्वायएसु य नयेसु सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए पिंगलए नामं नियंठे वेसालियसावए परिवसइ, तए णं से पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए अण्णया कयाइं जेणेव

२ सावत्थीनाम नगरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए नगरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए णाम कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायए परिवसइ तं चेव जाव जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, से त अदूरागते बहुसंपत्ते अद्धाणपडिवण्णे अंतरापहे वट्टइ। अज्जेव णं दच्छिसि गोयमा!, भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी-पहू णं भंते! खंदए कच्चायणस्सगोत्ते देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए?, हंता पभू, जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ ताव च णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तं देसं हव्वमागते, तए णं भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं अदूरआगयं जाणित्ता खिप्पामेव अब्भुट्ठेति खिप्पामेव पच्चुवगच्छइ २ जेणेव खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी-हे खंदया! सागयं खंदया! सुसागयं खंदया! अणुरागयं खंदया! सागयमणुरागयं खंदया! से नूणं तुमं खंदया! सावत्थीए नयरीए पिंगलएणं नियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए—मागहा! किं सअंते लोगे अणंते लोगे? एवं तं चेव जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया! अट्ठे समट्ठे?, हंता अत्थि, तए णं से खंदए कच्चा० भगवं गोयमं एवं वयासी-से केणट्ठेणं गोयमा! तहारूवे नाणी वा तवस्सी वा जेण तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए? जओ णं तुमं जाणसि, तए णं से भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी-एवं खलु खंदया! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली तीयपच्चुप्पन्नमणागयवियाणए सव्वन्नू सव्वदरिसी जेण मम एस अट्ठे तव ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं अहं जाणामि खंदया! तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी—गच्छामो णं गोयमा! तव धम्मायरियं धम्मोवदेसयं समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं, तए णं से भगवं गोयमे खंदएणं कच्चायणस्सगोत्तेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणयाए। तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे वियडभोई यावि होत्था, तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स वियडभोइस्स सरीरं ओरालं सिंगारं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरीयं अणलंकियविभूसियं लक्खणवंजणगुणोववेयं सिरीए अतीव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ। तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स वियडभोइस्स सरीरं ओरालं जाव अतीव २ उवसोभेमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए जेणेव

खेजपएसिए असखेज्जपदेसोगाढे, अत्थि पुण से अते, कालओ णं सिद्धे साइए अपज्जवसिए नत्थि पुण से अते, भा० सिद्धे अणता णाणपज्जवा अणंता दसणपज्जवा जाव अणंता अगुरुलहुयप० नत्थि पुण से अते, सेत्त दव्वओ सिद्धे सअते खेत्तओ सिद्धे सअते का० सिद्धे अणंते भा० सिद्धे अणते। जेवि य ते खदया! इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–केण वा मरणेण मरमाणे जीवे वड्ढति वा हायति वा ?, तस्सवि य ण अयमट्ठे एवं खलु खदया! मए दुविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा–वालमरणे य पडियमरणे य, से किं त वालमरणे ?, २ दुवालसविहे प०, त०वलयमरणे वसट्टमरणे अतोसल्लमरणे तब्भवमरणे गिरिपडणे तरुपडणे जलप्पवेसे जलणप्प० विसभक्खणे सत्थोवाडणे वेहाणसे गिद्धपट्ठे । इच्चेतेणं खदया! दुवालसविहेण वालमरणेण मरमाणे जीवे अणतेहिं नेरइयभवग्गहणेहि अप्पाणं सजोएइ तिरियमणुदेव० अणाइयं च ण अणवदग्ग दीहमद्ध चाउरतससारकतार अणुपरियट्टइ, सेत्त मरमाणे वड्ढइ २, सेत्त वालमरणे । से किं त पडियमरणे ?, २ दुविहे प०, त० पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य । से किं तं पाओवगमणे ?, २ दुविहे प०, त०–नीहारिमे य अनीहारिमे य नियमा अप्पडिक्कमे, सेत्तं पाओवगमणे । से किं त भत्तपच्चक्खाणे ?, २ दुविहे प०, त०–नीहारिमे य अनीहारिमे य, नियमा सपडिक्कमे, सेत्त भत्तपच्चक्खाणे । इच्चेते खदया! दुविहेण पडियमरणेणं मरमाणे जीवे अणतेहिं नेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाण विसजोएइ जाव वीईवयति, सेत्त मरमाणे हायइ, सेत्त पंडियमरणे । इच्चेएण खंदया! दुविहेण मरणेण मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायति वा ॥ ९० ॥ एत्थ णं से खदए कच्चायणस्स गोत्ते सबुद्धे समण भगवं महावीरं वंदइ नमसइ २ एव वदासी–इच्छामि ण भते! तुब्भं अतिए केवलिपन्नत्तं धम्म निसामेत्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबध । तए ण समणे भगव महावीरे खदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स तीसे महतिमहालियाए परिसाए धम्म परिकहेइ, धम्मकहा भाणियव्वा । तए ण से खदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समण भगव महावीर तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ २ एव वदासी–सद्दहामि ण भते! निग्गथ पावयणं, पत्तियामि ण भते! निग्गथ पावयण, रोएमि ण भते! निग्गथं पावयण, अब्भुट्ठेमि ण भते! निग्गथ पा०, एवमेय भते! तहमेय भंते! अवितहमेयं भते! असदिद्धमेय भते! इच्छियमेय भंते! पडिच्छियमेय भते! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते! से जहेय तुब्भे वदहत्ति कट्टु समण भगव महावीरं वदति नमसति २ उत्तर-

हिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धन्नेणं मंगल्लेणं सस्सिरीएणं उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं उदारेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के लुक्खे निम्मंसे अट्ठिचम्मावणद्धे किडिकिडियाभूए किसे धमणिसंतए जाते यावि होत्था जीवंजीवेण गच्छइ जीवंजीवेण चिट्ठइ भासं भासित्तावि गिलाइ भासं भासमाणे गिलाइ भासं भासिस्सामीति गिलाति से जहा नामए—कट्ठसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्ततिलभंडगसगडिया इ वा एरंडकट्ठसगडिया इ वा इंगालसगडिया इ वा उण्हे दिन्ना सुक्का समाणी ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव खंदएवि अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचिए तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणेविव भासरासिपडिच्छन्ने तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अतीव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ॥ ११ ॥ तेणं कालेणं २ रायगिहे नगरे जाव समोसरणं जाव परिसा पडिगया, तए णं तस्स खंदयस्स अण० अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं ओरालेणं जाव किसे धमणिसंतए जाते जीवंजीवेणं गच्छामि जीवंजीवेणं चिट्ठामि जाव गिलामि जाव एवामेव अहंपि ससद्दं गच्छामि ससद्दं चिट्ठामि तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवदेसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिलियंमि अहापंडुरे पभाए रत्तासोयप्पकासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागसरिसे कमलागरसंडबोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिंमि दिणयरे तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवेत्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता मेघघणसन्निगासं देवसन्निवातं पुढवीसिलावट्टयं पडिलेहित्ता दब्भसंथारगं संथरित्ता दब्भसंथारोवगयस्स संलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भग० जाव पज्जुवासति खंदयाइ समणे भगवं महावीरे खंदयं अणगारं एवं वयासी—से नूणं तव खंदया! पुव्वरत्तावरत्तकाल० जाव जागरमाणस्स इमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं तवेणं ओरालेणं विउलेणं तं चेव जाव कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेति २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया!

भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समण भगवं महावीरे वंदइ नमसइ २ एवं वयासी–इच्छामि ण भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ता ण विहरित्तए, अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबंध । तए ण से खदए अणगारे समणेण भगवया महावीरेण अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठे जाव नमसित्ता मासिय भिक्खुपडिम उवसपज्जित्ता णं विहरइ, तए णं से खदए अणगारे मासिय-भिक्खुपडिम अहासुत्त अहाकप्प अहामग्ग अहातच्च अहासम्मं काएण फासेति पालेति सोभेति तीरेति पूरेति किट्टेति अणुपालेइ आणाए आराहेइ सम काएण फासित्ता जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं जाव नमसित्ता एव वयासी–इच्छामि ण भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे दोमा-सिय भिक्खुपडिमं उवसपज्जित्ता ण विहरित्तए अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबध, त चेव, एव तेमासियं चाउम्मासिय पचछसत्तमा०, पढम सत्तराइदिय दोच्च सत्त-राइदिय तच्च सत्तरातिंदिय अहोरातिंदिय एगरा०, तए णं से खदए अणगारे एग-राइदिय भिक्खुपडिम अहासुत्त जाव आराहेत्ता जेणेव समणे० तेणेव उवागच्छति २ समण भगव म० जाव नमसित्ता एव वदासी–इच्छामि ण भते ! तुब्भेहि अब्भणुण्णाए समाणे गुणरयणसंवच्छर तवोकम्म उवसपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहा-सुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबध । तए ण से खदए अणगारे समणेण भगवया महावीरेण अब्भणुण्णाए समाणे जाव नमसित्ता गुणरयणसवच्छरं तवोकम्म उवस-पज्जित्ता ण विहरति, त०–पढम मास चउत्थचउत्थेणं अनिक्खित्तेण तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण अवाउ-डेण य । एव दोच्च मास छट्ठछट्ठेण एव तच्च मास अट्ठमअट्ठमेण चउत्थ मासं दसमदसमेणं पचम मास वारसमवारसमेण छट्ठ मास चोद्दसमचोद्दसमेण सत्तम मास सोलसम २ अट्ठम मास अट्ठारसम २ नवमं मास वीसतिम २ दसमं मास वावीस २ एक्कारसम मास चउव्वीसतिम २ वारसम मासं छव्वीसतिमं २ तेरसम मास अट्ठावीसतिम २ चोद्दसमं मास तीसइम २ पन्नरसम मास वत्तीसतिम २ सोलसम मास चोत्तीसइमं २ अनिक्खित्तेण तवोकम्मेण दिया ठाणुक्कुडए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण अवाउडेण, तए ण से खंदए अणगारे गुणरयणसवच्छर तवोकम्म अहासुत्तं अहाकप्प जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समण भगवं महावीर वंदइ नमंसइ २–वहूहिं चउ-त्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाण भावे-माणे विहरति । तए ण से खदए अणगारे तेणं–ओरालेण विउलेणं पयत्तेण पग्ग-

अट्ठे समट्ठे ? , हंता अत्थि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंध ॥ ९३ ॥ तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भग० महा० तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ जाव नमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता समणे य समणीओ य खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहेइ मेहघणसन्निगासं देवसन्निवायं पुढविसिलावट्टयं पडिलेहेइ २ उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ दब्भसंथारयं संथरइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसण्णे करयल-परिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी–नमोऽत्थु णं अरहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ म० जाव संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवंतं तत्थ गयं इहगते, पासउ मे भयवं तत्थगए इहगयंति कट्टु वंदइ नमंसति २ एवं वयासी–पुव्विंपि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए जावज्जीवाए इयाणिंपि य णं समणस्स भ० म० अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि, एवं सव्वं असणं पाणं खा० सा० चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव फुसंतुत्तिकट्टु एयंपि णं चरिमेहिं उस्सासनीसासेहिं वोसिरामित्तिकट्टु संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरति । तए णं से खंदए अण० समणस्स भ० म० तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए ॥ ९४ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो खंदयं अण० कालगयं जाणित्ता परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ पत्तचीवराणि गिण्हंति २ विपुलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ जेणेव समणे भगवं म० तेणेव उवा० समणं भगवं म० वंदंति नमंसंति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए नामं अणगारे पगइभद्दए पगतिविणीए पगतिउवसंते पगतिपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसंपन्ने अल्लीणे भद्दए विणीए, से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवित्ता समणे य समणीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं तं चेव निरवसेसं जाव आणुपुव्वीए कालगए इमे य से आयारभंडए । भंते त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं म० वंदति नमंसति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी

समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं २ तुंगिया नामं नयरी होत्था वण्णओ, तीसे णं तुंगियाए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए पुप्फवतिए नामं चेइए होत्था, वण्णओ, तत्थ णं तुंगियाए नयरीए बहवे समणोवासया परिवसंति अड्ढा दित्ता विच्छिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णा बहुधणबहुजायरूवरयया आओगपओगसंपउत्ता विच्छड्डियविपुलभत्तपाणा बहुदासीदासगोमहिसगवेलयप्पभूया बहुजणस्स अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरनिज्जरकिरियाहिकरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरनागसुवण्णजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गंथाओ पावयणाओ अणतिक्कमणिज्जा णिग्गंथे पावयणे निस्संकिया निक्कंखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता अयमाउसो! निग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्तंतेउरघरदारप्पवेसा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं, चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे निग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणेणं पीढफलगसेज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेण य पडिलाभेमाणा अहापडिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०५॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना कुलसंपन्ना बलसंपन्ना रूवसंपन्ना विणयसंपन्ना णाणसंपन्ना दंसणसंपन्ना चरित्तसंपन्ना लज्जासंपन्ना लाघवसंपन्ना ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहा जियमाणा जियलोभा जियनिद्दा जिइंदिया जियपरीसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का जाव कुत्तियावणभूया बहुस्सुया बहुपरिवारा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा अहाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव तुंगिया नगरी जेणेव पुप्फवईए चेइए तेणेव उवागच्छंति २ अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०६॥ तए णं तुंगियाए नयरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु जाव एगदिसाभिमुहा णिज्जायंति, तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा जाव सद्दावेंति २ एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिया! तहारूवाणं थेराणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणनमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए? जाव गहणयाए?, तं

भवन्ति महिड्ढिएसु जाव महाणुभागेसु दूरगतीसु चिरट्ठितीएसु, से ण तत्थ देवे भवति महिड्ढिए जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे जाव पडिरूवे। से ण तत्थ अन्ने देवे अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ १ अप्पणच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ नो अप्पणामेव अप्पाण विउव्विय २ परियारेइ ३, एगेविय ण जीवे एगेण समएण एग वेद वेदेइ, तजहा-इत्थिवेद वा पुरिसवेद वा, ज समय इत्थिवेद वेदेइ णो त समय पुरुसवेय वेएइ ज समय पुरिसवेयं वेएइ नो तं समयं इत्थिवेय वेदेइ, इत्थिवेयस्स उदएणं नो पुरिसवेद वेएइ, पुरिसवेयस्स उदएणं नो इत्थिवेय वेएइ, एव खलु एगे जीवे एगेण समएण एग वेद वेदेइ, तजहा-इत्थीवेय वा पुरिसवेय वा, इत्थी इत्थिवेएण उदिन्नेण पुरिस पत्थेइ, पुरिसो पुरिसवेएण उदिन्नेणं इत्थिं पत्थेइ, दोवि ते अन्नमन्नं पत्थेंति, तजहा-इत्थी वा पुरिस पुरिसे वा इत्थिं ॥९९॥ उदगगब्भे ण भते! उदगगब्भेत्ति कालतो केवच्चिर होइ?, गोयमा! जहन्नेण एक्क समय उक्कोसेण छम्मासा॥ तिरिक्खजोणियगब्भे ण भते! तिरिक्खजोणियगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होति?, गोयमा! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण अट्ठ सवच्छराइ॥ मणुस्सीगब्भे ण भते! मणुस्सीगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेणं बारस सवच्छराइ॥ १००॥ कायभवत्थे ण भते! कायभवत्थेत्ति कालओ केवच्चिर होइ?, गोयमा! जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण चउव्वीस सवच्छराइ॥ १०१॥ मणुस्सपचेंदियतिरिक्खजोणियबीए णं भंते! जोणियब्भूए केवतिय काल संचिट्ठइ?, गोयमा! जहन्नेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेण बारस मुहुत्ता॥ १०२॥ एगजीवे ण भंते! जोणिए बीयब्भूए केवतियाण पुत्तत्ताए हव्वमागच्छइ?, गोयमा! जहन्नेण इक्कस्स वा दोण्ह वा तिण्ह वा, उक्कोसेण सयपुहुत्तस्स जीवाण पुत्तत्ताए हव्वमागच्छति॥ १०३॥ एगजीवस्स णं भते! एगभवग्गहणेणं केवइया जीवा पुत्तत्ताए हव्वमागच्छति? गोयमा! जहन्नेण इक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेण सयसहस्सपुहत्त जीवा ण पुत्तत्ताए हव्वमागच्छति, से केणट्ठेण भते! एव वुच्चइ-जाव हव्वमागच्छइ?, गोयमा! इत्थीए य पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणीए मेहुणवत्तिए नाम सजोए समुप्पज्जइ, ते दुहओ सिणेहं सचिणति २ तत्थ णं जहन्नेण एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेण सयसहस्सपुहत्त जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छति, से तेणट्ठेण जाव हव्वमागच्छइ॥ १०४॥ मेहुणे ण भते! सेवमाणस्स केरिसिए असजमे कज्जइ?, गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे रूयनालिय वा बूरनालिय वा तत्तेण कणएणं समभिधसेज्जा एरिसए ण गोयमा! मेहुणं सेवमाणस्स असजमे कज्जइ, सेव भते! सेव भते! जाव विहरति॥ १०५॥ तए ण

पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो अन्नया कयाइं तुंगियाओ
पुप्फवईचेइयाओ पडिनिग्गच्छन्ति २ बहिया जणवयविहारं विहरन्ति ॥ १०८ ॥
तेणं कालेणं २ रायगिहे नामं नगरे जाव परिसा पडिगया तेणं कालेणं २ सम-
णस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूईनामं अणगारे जाव संखित्तवि-
उलतेयलेस्से छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावे-
माणे जाव विहरइ। तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरि-
सीए सज्झायं करेइ बीयाए पोरिसीए झाणं झियायइ तइयाए पोरिसीए अतुरियम
चवलमसंभंते मुहपोत्तियं पडिलेहेइ २ भायणाइं वत्थाइं पडिलेहेइ २ भायणाइं
पमज्जइ २ भायणाइं उग्गाहेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ
२ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं
अब्भणुन्नाए छट्ठक्खमणपारणगंसि रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरस-
मुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं। तए णं
भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ
महावीरस्स अंतियाओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ अतुरियमचवल-
मसंभंते जुगंतरपलोयणाए दिट्ठीए पुरओ रियं सोहेमाणे २ जेणेव रायगिहे नगरे
तेणेव उवागच्छइ २ रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स
भिक्खायरियं अडइ। तए णं से भगवं गोयमे रायगिहे न० जाव अडमाणे बहु-
जणसद्दं निसामेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! तुंगियाए नगरीए बहिया पुप्फवईए
चेइए पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं
पुच्छिया-संजमे णं भंते! किंफले! तवे णं भंते! किंफले! तए णं ते थेरा भग-
वंतो ते समणोवासए एवं वयासी-संजमे णं अज्जो! अणण्हयफले तवे वोदाणफले
तं चेव जाव पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु
उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥ से कहमेयं मन्ने
एवं? तए णं समणे भगवं गोयमे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जायसड्ढे जाव समुप्प-
न्नकोउहल्ले अहापज्जत्तं समुदाणं गेण्हइ २ रायगिहाओ नगराओ पडिनिक्खमइ २
अतुरियं जाव सोहेमाणे जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे
तेणेव उवा० समणस्स भ० महावीरस्स अदूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ एसण-
मणेसणं आलोएइ २ भत्तपाणं पडिदंसेइ २ समणं भ० महावीरं जाव एवं वयासी-
एवं खलु भंते! अहं तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झि-
माणि कुलाणि घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे बहुजणसद्दं निसामेमि(मि),

गच्छामो णं देवाणुप्पिया! थेरे भगवंते वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयं णं इह भवे वा परभवे वा जाव अणुगामियत्ताए भविस्सईतिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं मंगलाइं वत्थाइं पवराइं परिहिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सएहिं २ गेहेहिंतो पडिनिक्खमंति २ त्ता एगयओ मेलायंति २ पायविहारचारेणं तुंगियाए नगरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ जेणेव पुप्फवतीए चेइए तेणेव उवागच्छंति २ थेरे भगवंते पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छंति, तंजहा—सच्चित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए १ अच्चित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए २ एगसाडिएणं उत्तरासंगकरणेणं ३ चक्खुप्फासे अंजलिप्पग्गहेणं ४ मणसो एगत्तीकरणेणं ५ जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति ॥ १०८ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं तीसे य महतिमहालियाए चाउज्जामं धम्मं परिकहेंति जहा केसिसामिस्स जाव समणोवासियत्ताए आणाए आराहगे भवति जाव धम्मो कहिओ। तए णं ते समणोवासया थेराणं भगवंताणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेंति २ जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति २ एवं वयासी—संजमे णं भंते! किंफले? तवे णं भंते! किंफले?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वयासी—संजमे णं अज्जो! अणण्हयफले तवे वोदाणफले, तए णं ते समणोवासया थेरे भगवंते एवं वयासी—जति णं भंते! संजमे अणण्हयफले तवे वोदाणफले किंपत्तियं णं भंते! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं कालियपुत्ते नाम थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—पुव्वतवेणं अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं मेहिले नाम थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—पुव्वसंजमेणं अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं आणंदरक्खिए णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—कम्मियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं कासवे णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए सं[illegible] अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एस अट्ठे नो चेव णं [illegible]
तए णं ते समणोवासया थेरेहिं भगवंतेहिं इमाइं एया[illegible]
[illegible]या समाणा हट्ठतुट्ठा थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति २ [illegible]
उवादियंति २ उट्ठाए उट्ठेंति २ थेरे भगवंते तिक्खुत्तो [illegible]
भगवं० अंतियाओ पुप्फवतियाओ चेइयाओ पडि[illegible]

एवं खलु देवा०तुंगियाए नगरीए बहिया पुप्फवईए उज्जाणे पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया—संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे किंफले ? तं चेव जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, तं पभू णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अप्पभू ?, समिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु असमिया ? आउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए ? उदाहु अणाउज्जिया ? पलिउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अपलिउज्जिया ?, पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, पभू णं गोयमा ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, णो चेव णं अप्पभू, तह चेव नेयव्वं अवसेसियं जाव पभू समियं आउज्जिया पलिउज्जिया जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, अहंपि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि पुव्वतवेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति कम्मियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति संगियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥ ११० ॥

तहारूवं भंते ! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किंफला पज्जुवासणा ?, गोयमा ! सवणफला, से णं भंते ! सवणे किंफले ?, णाणफले, से णं भंते ! नाणे किंफले ?, विण्णाणफले, से णं भंते ! विन्नाणे किंफले ?, पच्चक्खाणफले, से णं भंते ! पच्चक्खाणे किंफले ?, संजमफले, से णं भंते ! संजमे किंफले ?, अणण्हयफले, एवं अणण्हए तवफले, तवे वोदाणफले, वोदाणे अकिरियाफले, से णं भंते ! अकिरिया किंफला ?, सिद्धिपज्जवसाणफला पण्णत्ता गोयमा !, गाहा—सवणे णाणे य विण्णाणे पच्चक्खाणे य संजमे । अणण्हए तवे चेव वोदाणे अकिरिया सिद्धी ॥ १ ॥ १११ ॥

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमातिक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति–एवं खलु रायगिहस्स नगरस्स बहिया वेभारस्स पव्वयस्स अहे एत्थ णं महं एगे हरए अघे पन्नत्ते अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं नाणादुमसंडमंडितउद्देसे सस्सिरीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं बहवे ओराला बलाहया संसेयंति सम्मुच्छिंति वासंति तव्वतिरित्ते य णं सया समिओ उसिणे २ आउकाए अभिनिस्सवइ । से कहमेयं

एव खलु देवा०तुंगियाए नगरीए बहिया पुप्फवईए उज्जाणे पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया—संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे किंफले ? तं चेव जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, तं पभू णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अप्पभू ?, समिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु असमिया ? आउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए ? उदाहु अणाउज्जिया ? पलिउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अपलिउज्जिया ?, पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, पभू णं गोयमा ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, णो चेव णं अप्पभू, तह चेव नेयव्वं अवसेसियं जाव पभू समियं आउज्जिया पलिउज्जिया जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, अहंपि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि पुव्वतवेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति कम्मियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति संगियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥११०॥

तहारूवं भंते ! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किंफला पज्जुवासणा ?, गोयमा ! सवणफला, से णं भंते ! सवणे किंफले ?, णाणफले, से णं भंते ! नाणे किंफले ?, विण्णाणफले, से णं भंते ! विन्नाणे किंफले ?, पच्चक्खाणफले, से णं भंते ! पच्चक्खाणे किंफले ?, संजमफले, से णं भंते ! संजमे किंफले ?, अणण्हयफले, एवं अणण्हए तवफले, तवे वोदाणफले, वोदाणे अकिरियाफले, से णं भंते ! अकिरिया किं फला ?, सिद्धिपज्जवसाणफला पण्णत्ता गोयमा !, गाहा—सवणे णाणे य विण्णाणे पच्चक्खाणे य संजमे । अणण्हए तवे चेव वोदाणे अकिरिया सिद्धी ॥ १ ॥ १११ ॥

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमातिक्खति भासंति पण्णवेंति परूवेंति—एवं खलु रायगिहस्स नगरस्स बहिया वेभारस्स पव्वयस्स अहे एत्थ णं महं एगे हरए अघे पन्नत्ते। अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं नाणादुमसंडमंडितउद्देसे सस्सिरीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं बहवे ओराला बलाहया संसेयंति सम्मुच्छिंति वासंति तव्वतिरित्ते य णं सया समिओ उसिणे २ आउकाए अभिनिस्सवइ । से कहमेयं

विसाले मज्झे वरवइरविग्गहिए महामउंदसंठाणसंठिए सव्ववरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण वणसंडेण य सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, पउमवरवेइयाए वणसंडस्स य वण्णओ, तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स उप्पायपव्वयस्स उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, वण्णओ, तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसए पन्नत्ते, अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेण पणवीसं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, पासायवण्णओ उल्लोयभूमिवन्नओ अट्ठ जोयणाइं मणिपेढिया चमरस्स सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं, तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स दाहिणेणं छक्कोडिसए पणपन्नं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदे समुद्दे तिरियं वीइवइत्ता अहे रयणप्पभाए पुढवीए चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचा नामं रायहाणी प० एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्दीवप्पमाणं, पागारो दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पन्नासं जोयणाइं विक्खंभेणं उवरिं अद्धतेरसजोयणा कविसीसगा अद्धजोयणआयामं कोसं विक्खंभेणं देसूणं अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं एगमेगाए बाहाए पंच २ दारसया अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं २५० उड्ढं उच्चत्तेणं १२५ अद्धं विक्खंभेणं उवरियलेणं सोलसजोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पन्नासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउयजोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं सव्वप्पमाणं वेमाणियप्पमाणस्स अद्धं नेयव्वं, सभा सुहम्मा, तओ उववायसभा हरओ अभिसेय० अलंकारो जहा विजयस्स अभिसेयविभूसणा य ववसाओ । चमरपरिवार इड्ढत्तं ॥ ११५ ॥ **बीयसए अट्ठमो उद्देसओ समत्तो ॥**

किमिदं भंते ! समयखेत्तेत्ति पवुच्चति ?, गोयमा ! अड्ढाइज्जा दीवा दो य समुद्दा एस णं एवइए समयखेत्तेति पवुच्चति, तत्थ णं अयं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरे एवं जीवाभिगमवत्तव्वया (जोइसविहूणं) नेयव्वा जाव अब्भिंतरं पुक्खरद्धं जोइसविहूणं (इमा गाहा) ॥ ११६ ॥ **बितीयस्स नवमो उद्देसो ॥**

कति णं भंते ! अत्थिकाया प० ?, गोयमा ! पंच अत्थिकाया प०, तंजहा-धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! कतिवन्ने कतिगंधे कतिरसे कतिफासे ?, गोयमा ! अवण्णे अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा-दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ, दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगे दव्वे, खेत्तओ णं लोगप्पमाणमेत्ते, कालओ न कयावि न आसि न कयाइ

णो असंखेज्जे णो सव्वं फुसइ, एवमाइयाइं सव्वाइं जहा रयणप्पभाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहेसत्तमाए, जंबुद्दीवाइया दीवा लवणसमुद्दाइया समुद्दा एवं सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारापुढवीए, एते सव्वेऽवि असंखेज्जतिभागं फुसंति सेसा पडिसेहेयव्वा। एवं अधम्मत्थिकाए, एवं लोयागासेवि गाहा—पुढवोदहीघणतणुकप्पा गेविज्जणुत्तरा सिद्धी। संखेज्जतिभागं अंतरेसु सेसा असंखेज्जा ॥ १ ॥ १२४ ॥ दसमो उद्देसो, बिइयं सयं समत्तं ॥

गाहा—केरिसविउव्वणया चमर किरिय जाणित्थि नगर पाला य। अहिवइ इंदियपरिसा ततियम्मि सए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मोया नामं नयरी होत्था वण्णओ। तीसे णं मोयाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए णं नंदणे नामं उज्जाणे होत्था वण्णओ। तेणं कालेणं २ सामी समोसढे परिसा निग्गच्छइ पडिगया परिसा। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स दोच्चे अंतेवासी अग्गिभूई नामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—चमरे णं भंते! असुरिंदे असुरराया केमहिड्ढीए? केमहज्जुईए? केमहब्बले? केमहायसे? केमहासोक्खे? केमहाणुभागे? केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए? गोयमा! चमरे णं असुरिंदे असुरराया महिड्ढीए जाव महाणुभागे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं जाव विहरइ, एवंमहिड्ढीए जाव महाणुभागे एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए से जहानामए-जुवई जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगाउत्ता सिया एवामेव गोयमा! चमरे असुरिंदे असुरराया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निसिरइ, तंजहा—रयणाणं जाव रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ अहासुहुमे पोग्गले परियाएइ २ दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ पभू णं गोयमा! चमरे असुरिंदे असुरराया केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णं वितिकिण्णं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए। अदुत्तरं च णं गोयमा! पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे वितिकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वति वा विउव्विस्सति वा ॥ १२५ ॥ जति णं भंते! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररण्णो

ताणं आभिणिवोहियनाणपज्जवाण एवं सुयनाणपज्जवाणं ओहिनाणपज्जवाण मणपज्ज-वनाणप० केवलनाणप० मइअन्नाणप० सुयअन्नाणप० विभंगणाणपज्जवाणं चक्खु-दंसणप० अचक्खुदंसणप० ओहिदंसणप० केवलदंसणप० उवओगं गच्छइ, उवओ-गलक्खणे ण जीवे, से तेणट्ठेण एवं वुचइ–गोयमा ! जीवे ण सउट्ठाणे जाव वत्तव्वं सिया ॥ ११९ ॥ कतिविहे ण भंते ! आगासे पण्णत्ते ?, गोयमा ! दुविहे आगासे प०, तंजहा–लोयागासे य अलोयागासे य ॥ लोयागासे णं भंते ! किं जीवा जीव-देसा जीवपदेसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ?, गोयमा ! जीवावि जीवदे-सावि जीवपदेसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपदेसावि जे जीवा ते नियमा एगिंदिया बेंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपदेसा ते नियमा एगिंदियपदेसा जाव अणिंदियपदेसा, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–रूवी य अरूवी य, जे रूवी ते चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–खंधा खंधदेसा खंधपदेसा परमाणुपोग्गला, जे अरूवी ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकायस्स देसे धम्म-त्थिकायस्स पदेसा अधम्मत्थिकाए नो अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पदेसा अद्धासमए ॥ १२० ॥ अलोगागासे ण भंते ! किं जीवा ? पुच्छा तह चेव, गोयमा ! नो जीवा जाव नो अजीवप्पएसा एगे अजीवदव्वदेसे अगुरुयलहुए अण-तेहिं अगुरुयलहुयगुणेहिं सजुत्ते सव्वागासे अणंतभागूणे ॥ १२१ ॥ धम्मत्थिकाए ण भंते ! किं (के) महालए पण्णत्ते ?, गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव फुसित्ता णं चिट्ठइ, एवं अहम्मत्थिकाए लोयागासे जीवत्थिकाए पोग्गल-त्थिकाए पचवि एक्काभिलावा ॥ १२२ ॥ अहेलोए ण भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं फुसति ?, गोयमा ! सातिरेगं अद्धं फुसति । तिरियलोए ण भंते ! पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जइभागं फुसइ । उड्ढलोए ण भंते ! पुच्छा, गोयमा ! देसूणं अद्धं फुसइ ॥ १२३ ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइ भागं फुसति ? असंखेज्जइभागं फुसइ ? संखिज्जे भागे फुसति ? असंखेज्जे भागे फुसति ? सव्वं फुसति ?, गोयमा ! णो संखेज्जइभागं फुसति असंखेज्जइभागं फुसइ णो संखेज्जे णो असंखेज्जे नो सव्वं फुसति । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे घणोदही धम्मत्थिकायस्स पुच्छा, किं संखेज्जइभागं फुसति ? जहा रयणप्पभा तहा घणोदहिघणवायतणुवाया । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जतिभागं फुसति असंखेज्जइभागं फुसइ जाव सव्वं फुसइ ?, गोयमा ! संखेज्जइभागं फुसइ णो असंखेज्जइभागं फुसइ नो संखेज्जे०

सामाणिया देवा केमहिड्ढिया जाव केवतियं च णं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा महिड्ढिया जाव महाणुभागा, ते णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियाणं साणं २ अग्गमहिसीणं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति, एवमहिड्ढिया जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, से जहानामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरयाउत्ता सिया एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणिए देवे वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणति २ पभू णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणिए देवे केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइन्नं वितिकिन्नं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए, अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणियदेवे तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे वितिकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगस्स सामाणियदेवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विंसु वा विकुव्वति वा विकुव्विस्सति वा। जति णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा एवमहिड्ढिया जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो तायत्तीसिया देवा केमहिड्ढिया ?, तायत्तीसिया देवा जहा सामाणिया तहा नेयव्वा, लोयपाला तहेव, नवरं संखेज्जा दीवसमुद्दा भाणियव्वा, बहूहिं असुरकुमारेहिं २ आइन्ने जाव विउव्विस्संति वा। जति णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो लोगपाला देवा एवमहिड्ढिया जाव एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो अग्गमहिसीओ देवीओ केमहिड्ढियाओ जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररन्नो अग्गमहिसीओ महिड्ढियाओ जाव महाणुभागाओ, ताओ णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ महत्तरियाणं साणं २ परिसाणं जाव एमहिड्ढियाओ अन्नं जहा लोगपालाणं अपरिसेसं। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १२६ ॥ भगवं दोच्चे गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ जेणेव तच्चे गोयमे वायुभूतिअणगारे तेणेव उवागच्छति २ तच्चं गोयमं वायुभूतिं अणगारं एवं वदासी-एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया एवमहिड्ढिए तं चेव एवं सव्वं अपुट्ठवागरणं नेयव्वं अपरिसेसियं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता। तए णं से तच्चे गोयमे वायुभूती अणगारे दोच्चस्स गोयमस्स अग्गिभूइस्स अणगा-

तिण्ह परिसाणं सत्तण्हं अणियाण सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउवीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च जाव विहरइ, एवतिय च णं पभू विउव्वित्तए से जहानामए—जुवतिं जुवाणे जाव पभू केवलकप्प जम्बुद्दीव २ जाव तिरियं संखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं नागकुमारेहिं २ जाव विउव्विस्सति वा, सामाणिया तायत्तीसलोगपालग्गमहिसीओ य तहेव, जहा चमरस्स एव धरणे ण नागकुमारराया महिड्ढिए जाव एवतिय जहा चमरे तहा धरणेणवि, नवरं संखेज्जे दीवसमुद्दे भाणियव्व, एव जाव थणियकुमारा वाणमंतरा जोइसियावि, नवर दाहिणिल्ले सव्वे अग्गिभूती पुच्छति, उत्तरिल्ले सव्वे वाउभूती पुच्छइ, भंतेत्ति भगव दोच्चे गोयमे अग्गिभूती अणगारे समण भगव म० वदति नमसति २ एव वयासी—जति ण भंते ! जोइसिंदे जोतिसराया एवंमहिड्ढिए जाव एवतिय च ण पभू विकुव्वित्तए सक्के ण भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए जाव केवतिय च ण पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! सक्के ण देविंदे देवराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से ण तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साण चउरासीए सामाणियसाहस्सीण जाव चउण्हं चउरासीण आयरक्ख (देव) साहस्सीणं अन्नेसिं च जाव विहरइ, एवमहिड्ढिए जाव एवतिय च ण पभू विकुव्वित्तए, एव जहेव चमरस्स तहेव भाणियव्वं, नवर दो केवलकप्पे जम्बुद्दीवे २ अवसेस त चेव, एस ण गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते ण वुइए नो चेव ण संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्वति वा विउव्विस्सति वा ॥ १२८ ॥

जइ ण भंते ! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवतिय च ण पभू विकुव्वित्तए ॥ एव खलु देवाणुप्पियाण अतेवासी तीसए णामं अणगारे पगतिभद्दए जाव विणीए छट्ठछट्ठेण अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइ अट्ठ संवच्छराइ सामण्णपरियाग पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताण झूसेत्ता सट्ठि भत्ताइ अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मे कप्पे सयसि विमाणसि उववायसभाए देवसयणिज्जसि देवदूसतरिए अगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सामाणियदेवत्ताए उववण्णे, तए ण तीसए देवे अहुणोववन्नमेत्ते समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा—आहारपज्जत्तीए सरीर० इंदिय० आणुपाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए, तए ण त तीसय देव पचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभाव गय समाण सामाणियपरिसोववन्नया देवा करयलपरिग्गहिय दसनह सिरसावत्त मत्थए अजलिं कट्टु जएण विजएण वद्धाविंति, २ एवं वदासी—अहो ण देवाणुप्पिए! दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते, जारिसिया णं

होत्था अड्ढे दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था तए णं तस्स मोरिय-
पुत्तस्स तामलिस्स गाहावइस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुं-
बजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अत्थि ता मे
पुरा पोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणफल-
वित्तिविसेसे जेणाहं हिरण्णेणं वड्ढामि सुवण्णेणं वड्ढामि धणेणं वड्ढामि धन्नेणं वड्ढामि
पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तर-
यणसंतसारसावएज्जेणं अतीव २ अभिवड्ढामि तं किण्णं अहं पुरा पोराणाणं सुचि-
ण्णाणं जाव कडाणं कम्माणं एगंतसोक्खयं उवेहेमाणे विहरामि ? तं जाव ताव अहं
हिरण्णेणं वड्ढामि जाव अतीव २ अभिवड्ढामि जावं च णं मे मित्तनातिनियगसयणसंबं-
धिपरियणो आढाति परियाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं विणएणं
पज्जुवासइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते सयमेव दारु-
मयं पडिग्गहियं करेत्ता विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेत्ता मित्तना-
तिनियगसयणसंबंधिपरियणं आमंतेत्ता तं मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणं विउलेणं
असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव
मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरियणस्स पुरओ जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठवेत्ता तं मित्तनातिणियग-
सयणसंबंधिपरियणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहियं गहाय मुंडे भवित्ता
पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए, पव्वइएवि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं
अभिगिण्हिस्सामि-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं
बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तए,
छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुभित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्ग-
हियं गहाय तामलित्तीए नयरीए उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खा-
यरियाए अडित्ता सुद्धोयणं पडिग्गाहेत्ता तं तिसत्तखुत्तो उदएणं पक्खालेत्ता तओ
पच्छा आहारं आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते
सयमेव दारुमयं पडिग्गहियं करेइ २ विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ
२ तओ पच्छा ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणा-
लंकियसरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तए णं मित्तणाइणियगसयण-
संबंधिपरिजणेणं सद्धिं तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणे
वीसाएमाणे परिभाएमाणे परिभुंजेमाणे विहरइ । जिमियभुत्तुत्तरागएवि य णं
समाणे आयंते चोक्खे परमसुइभूए तं मित्त जाव परियणं विउलेणं असणपाण
४-पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेइ २ तस्सेव मित्तनाइ जाव परियणस्स पुरओ

-अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए नो चेव ण सपत्तीए विउव्विसु वा ३ ॥१३१॥ एवं सणकुमारेवि, नवरं चत्तारि केवलकप्पे जंबुद्दीवे दीवे अदुत्तरं च णं तिरियम-सखेज्जे, एव सामाणियतायत्तीसलोगपालअग्गमहिसीणं असखेज्जे दीवसमुद्दे सव्वे विउव्वति, सणकुमाराओ आरद्धा उवरिल्ला लोगपाला सव्वेवि असखेज्जे दीवसमुद्दे विउव्विंति, एवं माहिंदेवि, नवरं सातिरेगे चत्तारि केवलकप्पे जंबुद्दीवे २, एव बंभ-लोएवि, नवरं अट्ठ केवलकप्पे, एव लंतएवि, नवरं सातिरेगे अट्ठ केवलकप्पे, महा-सुक्के सोलस केवलकप्पे, सहस्सारे सातिरेगे सोलस, एव पाणएवि, नवरं बत्तीस केवल०, एव अच्चुएवि नवर सातिरेगे बत्तीस केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ अन्नं त चेव, सेव भंते २ त्ति तच्चे गोयमे वायुभूती अणगारे समण भगव महावीर वदइ नमसति जाव विहरति। तए ण समणे भगव महावीरे अन्नया कयाइ मोयाओ नगरीओ नंदणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १३२ ॥ तेण कालेण तेण० रायगिहे नाम नगरे होत्था, वन्नओ, जाव परिसा पज्जुवा-सइ। तेणं कालेण २ ईसाणे देविंदे देवराया सूलपाणी वसभवाहणे उत्तरड्ढलोगा-हिवई अट्ठावीसविमाणावाससयसहस्साहिवई अयरंवरवत्थधरे आलइयमालमउडे नवहेमचारुचित्तचचलकुंडलविलिहिज्जमाणगडे जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभा-सेमाणे ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे जहेव रायप्पसेणइज्जे जाव दिव्व देविड्ढिं जाव जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। भंतेत्ति भगव गोयमे समण भगव महावीरं वदति णमसति २ एव वदासी-अहो ण भंते! ईसाणे देविंदे देव-राया महिड्ढिए, ईसाणस्स ण भंते! सा दिव्वा देविड्ढी कहिं गता कहिं अणुपविट्ठा ?, गोयमा! सरीरं गता २, से केणट्ठेग भंते! एव वुच्चति सरीर गता ? २, गोयमा! से जहानामए-कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा णिवाया णिवाय-गंभीरा तीसे णं कूडागारे जाव कूडागारसालादिट्ठतो भाणियव्वो। ईसाणेण भंते! देविंदेण देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभागे किण्णा लद्धे किन्ना पत्ते किण्णा अभिसमन्नागए के वा एस आसि पुव्वभवे किण्णामए वा किंगोत्ते वा कयरंसि वा गामसि वा नगरंसि वा जाव सनिवेससि वा किं वा सुच्चा किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा किच्चा किं वा समायरित्ता कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म [जण्ण] ईसाणेण देविंदेण देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ?, एव खलु गोयमा! तेण कालेण २ इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे तामलित्ती नाम नगरी होत्था, वन्नओ, तत्थ ण तामलित्तीए नगरीए तामली नाम मोरियपुत्ते गाहावती

जेट्ठ पुत्त कुडुंबे ठावेइ २ त्ता तस्सेव त मित्तनाइणियगसयणसंबंधिपरिजण जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २, मुडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए, पव्वइएवि य णं समाणे इमं एयारूव अभिग्गह अभिगिण्हइ-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठछट्ठेणं जाव आहारित्तएत्तिकट्टु इम एयारूव अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेण उड्ढ बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ २ सयमेव दारुमयं पडिग्गह गहाय तामलित्तीए नगरीए उच्चनीयमज्झिमाइ कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडइ २ सुद्धोयण पडिग्गाहेइ २ तिसत्तखुत्तो उदएण पक्खालेइ, तओ पच्छा आहारं आहारेइ । से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ-पाणामा पव्वज्जा २ ?, गोयमा ! पाणामाए णं पव्वज्जाए पव्वइए समाणे ज जत्थ पासइ इद वा खद वा रुद्द वा सिवं वा वेसमण वा अज्ज वा कोट्टकिरिय वा रायं वा जाव सत्थवाह वा काग वा साणं वा पाण वा उच्च पासइ उच्चं पणाम करेइ नीय पासइ नीय पणाम करेइ, ज जहा पासति तस्स तहा पणाम करेइ, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ—पाणामा जाव पव्वज्जा ॥ १३३ ॥ तए ण से तामली मोरियपुत्ते तेण ओरालेण विपुलेण पयत्तेण पग्गहिएण बालतवोकम्मेण सुक्के भुक्खे जाव धमणिसतए जाए यावि होत्था, तए ण तस्स तामलिस्स बालतवस्सिस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु अहं इमेण ओरालेण विपुलेण जाव उदग्गेण उदत्तेण उत्तमेण महाणुभागेण तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसतए जाए, त अत्थि जा मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ताव ता मे सेयं कल्ल जाव जलते तामलित्तीए नगरीए दिट्ठाभट्ठे य पासडत्थे य पुव्वसगतिए य गिहत्थे य पच्छासंगतिए य परियायसगतिए य आपुच्छित्ता तामलित्तीए नगरीए मज्झमज्झेणं निग्गच्छित्ता पाडग कुडियमादीय उवकरण दारुमय च पडिग्गहिय एगते [एडेइ] एडित्ता तामलित्तीए नगरीए उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए णियत्तणियमडल [आलिहइ] आलिहित्ता सलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स काल अणवकखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एव संपेहेइ एव सपेहेत्ता कल्ल जाव जलते जाव आपुच्छइ २ तामलित्तीए [एगते एडेइ] जाव जलते जाव भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमण निवन्ने । तेण कालेणं २ बलिचचारायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था । तए ण ते बलिचचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं ओहिणा आहोयंति २ अन्नमन्नं

दिसिं पडिगया ॥ १२४ ॥ तेणं कालेणं २ ईसाणे कप्पे अणिंदे अपुरोहिए यावि होत्था, तते णं से तामली बालतवस्सी बहुपडिपुण्णाइं सट्ठिं वाससहस्साइं परियागं पाउणित्ता दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सवीसं भत्तसयं अणसणाए छेदित्ता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्ताए ओगाहणाए ईसाणदेविंदविरहकालसमयंसि ईसाणदेविंदत्ताए उववण्णे, तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया अहुणोववन्ने पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छति, तंजहा–आहारप० जाव भासामणपज्जत्तीए, तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं कालगयं जाणित्ता ईसाणे य कप्पे देविंदत्ताए उववण्णं पासित्ता आसुरुत्ता कुविया चंडिक्किया मिसिमिसेमाणा बलिचंचाराय० मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती [ए] नयरी [ए] जेणेव तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरए तेणेव उवागच्छंति २ वामे पाए सुंबेण बंधंति २ तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुहंति २ तामलित्तीए नगरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासी–केस णं भो से तामली बालतव० सयंगहियलिंगे पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए? केस णं भंते (भो)! ईसाणे कप्पे ईसाणे देविंदे देवरायाइतिकट्टु तामलिस्स बालतव० सरीरयं हीलंति निंदति खिंसति गरिहंति अवमन्नंति तज्जंति तालेंति परिवहंति पव्वहेंति आकड्ढविकड्ढिं करेंति हीलेत्ता जाव आकड्ढविकड्ढिं करेत्ता एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ १२५ ॥ तए णं ते ईसाणकप्पवासी बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य बलिचंचारायहाणिवत्थव्वएहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरयं हीलिज्जमाणं निंदिज्जमाणं जाव आकड्ढविकड्ढिं कीरमाणं पासंति २ आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव ईसाणे देविंदे देवराया तेणेव उवागच्छंति २ करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वदासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिए कालगए जाणित्ता ईसाणे कप्पे इंदत्ताए उववन्ने पासेत्ता आसुरुत्ता जाव एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया तेसिं ईसाणकप्पवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तत्थेव सयणिज्जवरगए तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु बलिचंचा०

सत्त सागरोवमाणि ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! ॥ २ ॥ गाहाओ—छट्ठममासो अद्धमासो वासाई अट्ठ छम्मासा । तीसगकुरुदत्ताणं तवभत्तपरिण्णपरियाओ ॥ १ ॥ उच्चत्तविमाणाणं पाउब्भव पेच्छणा य संलावे । किंचि विवादुप्पत्ती सणंकुमारे य भवियत्तं (तं) ॥ २ ॥ १४ ॥ मोया समत्ता । तईयसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था जाव परिसा पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव नट्टविहिं उवदंसेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव अत्थि णं भंते ! ईसिपब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ? णो इणट्ठे समट्ठे । से कहिं णं भंते ! असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए, एवं असुरकुमारदेववत्तव्वया जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए ? हंता अत्थि । केवइयं च णं पभू ! ते असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! जाव अहेसत्तमाए पुढवीए तच्चं पुण पुढविं गया य गमिस्संति य । किंपत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य ? गोयमा ! पुव्ववेरियस्स वा वेदणउदीरणयाए पुव्वसंगइयस्स वा वेदणउवसामणयाए, एवं खलु असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पण्णत्ते ? हंता अत्थि । केवइयं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा नंदिस्सरवरं पुण दीवं गया य गमिस्संति य । किंपत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्संति य ? गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंता एएसि णं जम्मणमहेसु वा निक्खमणमहेसु वा नाणुप्पायमहिमासु वा परिनिव्वाणमहिमासु वा एवं खलु असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्संति य । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गइविसए ? हंता ! अत्थि । केवइयं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गइविसए ? गोयमा ! जावऽच्चुए

गोयमा! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जाव इंगियं निज्जाणरा चेव ॥ १२७ ॥ पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवित्तए?, हंता पभू, से णं भंते! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू?, गोयमा! आढायमाणे पभू नो अणाढायमाणे पभू, पभू णं भंते! ईसाणे देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवित्तए?, हंता पभू, से भंते! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू?, गोयमा! आढायमाणेवि पभू अणाढायमाणेवि पभू। पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया ईसाणं देविंदं देवरायं सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोएत्तए जहा पाउब्भवणा तहा दोवि आलावगा नेयव्वा। पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए?, हंता! पभू जहा पाउब्भवणा। अत्थि णं भंते! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं किच्चाइं करणिज्जाइं समुप्पज्जंति?, हंता! अत्थि, से कहमिदाणिं पकरेंति?, गोयमा! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवति, ईसाणे णं देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरायस्स अंतियं पाउब्भवइ, इति भो! सक्का देविंदा देवराया दाहिणड्ढलोगाहिवई, इति भो! ईसाणा देविंदा देवराया उत्तरड्ढलोगाहिवई, इति भो! इति भो त्ति ते अन्नमन्नस्स किच्चाइं करणिज्जाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ १२८ ॥ अत्थि णं भंते! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं विवादा समुप्पज्जंति?, हंता! अत्थि। से कहमिदाणिं पकरेंति?, गोयमा! ताहे चेव णं ते सक्कीसाणा देविंदा देवरायाणो सणंकुमारं देविंदं देवरायं मणसीकरेंति, तए णं से सणंकुमारे देविंदे देवराया तेहिं सक्कीसाणेहिं देविंदेहिं देवराईहिं मणसीकए समाणे खिप्पामेव सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं अंतियं पाउब्भवति, जं से वदइ तस्स आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति ॥ १२९ ॥ सणंकुमारे णं भंते! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठी मिच्छद्दिट्ठी परित्तसंसारए अणंतसंसारए सुलभबोहिए दुलभबोहिए आराहए विराहए चरिमे अचरिमे?, गोयमा! सणंकुमारे णं देविंदे देवराया भवसिद्धिए नो अभवसिद्धिए, एवं सम्मद्दिट्ठी परित्तसंसारए सुलभबोहिए आराहए चरिमे पसत्थं नेयव्वं। से केणट्ठेणं भंते!?, गोयमा! सणंकुमारे देविंदे देवराया बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए निस्सेयसिए हियसुहनिस्सेसकामए, से तेणट्ठेणं गोयमा! सणंकुमारे णं भवसिद्धिए जाव नो अचरिमे। सणंकुमारस्स णं भंते! देविंदस्स देवरण्णो केवतियं कालं ठिती पन्नत्ता?, गोयमा!

कप्पे सोहम्म पुण कप्प गया य गमिस्सति य । कि पत्तियण्ण भते ! असुरकुमारा देवा सोहम्म कप्प गया य गमिस्संति य ?, गोयमा ! तेसि ण देवाण भवपच्चइय-वेराणुबधे, ते ण देवा विकुव्वेमाणा परियारेमाणा वा आयरक्खे देवे वित्तासेंति अहालहुस्सगाइ रयणाइ गहाय आयाए एगतमत अवक्कमति । अत्थि ण भते ! तेसिं देवाणं अहालहुस्सगाइ रयणाइ ?, हंता अत्थि । से कहमियाणिं पकरेंति ?, तओ से पच्छा काय पव्वहति । पभू ण भंते ! ते असुरकुमारा देवा तत्थ गया चेव समाणा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइ भोगभोगाइ भुंजमाणा विहरित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, ते ण तओ पडिनियत्तति २ त्ता इहमागच्छति २ जति ण ताओ अच्छराओ आढायति परियाणति । पभू णं ते असुरकुमारा देवा ताहि अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइ भोगभोगाइ भुजमाणा विहरित्तए अहन्न ताओ अच्छराओ नो आढायंति नो परियाणति णो णं पभू ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइ भुजमाणा विहरित्तए, एव खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा सोहम्म कप्पं गया य गमिस्सति य ॥ १४१ ॥ केवइकालस्स ण भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढ उप्पयति जाव सोहम्म कप्प गया य गमिस्सति य ?, गोयमा ! अणताहिं उस्सप्पिणीहिं अणताहिं अवसप्पिणीहिं समइक्कताहिं, अत्थि ण एस भावे लोयच्छेरयभूए समुप्पज्जइ जन्न असुरकुमारा देवा उड्ढ उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो, किं निस्साए ण भते ! असुरकुमारा देवा उड्ढ उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?, गोयमा ! से जहानामए-इह सवरा इ वा बव्वरा इ वा टंकणा इ वा भुत्तुया इ वा पल्हया इ वा पुलिंदा इ वा एग मह गड्ड वा खड्ड वा दुग्ग वा दरिं वा विसम वा पव्वय वा णीसाए सुमहल्लमवि आसवल वा हत्थिवलं वा जोहवलं वा धणुवल वा आगलेंति, एवामेव असुरकुमारावि देवा, णण्णत्थ अरिहते वा अणगारे वा भावियप्पणो निस्साए उड्ढं उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो । सव्वेवि ण भते ! असुरकुमारा देवा उड्ढ उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, महिड्ढिया ण असुरकुमारा देवा उड्ढ उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । एसवि णं भते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया उड्ढ उप्पइयपुव्विं जाव सोहम्मो कप्पो ?, हता गोयमा ! २ । अहो णं भते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमार-राया महिड्ढिए महज्जुईए जाव कहिं पविट्ठा ?, कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो ॥ १४२ ॥ चमरेण भते ! असुरिंदेण असुररन्ना सा दिव्वा देविड्ढी त चेव जाव किन्ना लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया, एव खलु गोयमा ! तेण कालेण तेणं समएण इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बेभेले नाम सनिवेसे होत्था, वन्नओ,

णमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भं णीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासाइत्तएत्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे अवक्कमइ २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ एगं महं घोरं घोरागारं भीमं भीमागारं भासुरं भयाणीयं गंभीरं उत्तासणयं कालड्ढरत्तमासरासिसंकासं जोयणसयसाहस्सीयं महाबोंदिं विउव्वइ २ अप्फोडेइ २ वग्गइ २ गज्जइ २ हयहेसियं करेइ २ हत्थिगुलुगुलाइयं करेइ २ रहघणघणाइयं करेइ २ पायदद्दरगं करेइ २ भूमिचवेडयं दलयइ २ सीहणायं णदइ २ उच्छोलेइ २ पच्छोलेइ २ तिवइं छिंदइ २ वामं भुयं ऊसवेइ २ दाहिणहत्थपदेसिणीए य अंगुट्ठणहेण य वितिरिच्छमुहं विडंबेइ २ महया २ सद्देणं कलकलरवं करेइ, एगे अबीए फलिहरयणमायाए उड्ढं वेहासं उप्पइए, खोभंते चेव अहेलोयं कंपेमाणे व मेइणितलं आकड्ढंते (साकड्ढे) व तिरियलोयं फोडेमाणे व अंबरतलं कत्थइ गज्जंते कत्थइ विज्जुयायंते कत्थइ वासं वासमाणे कत्थइ रउग्घायं पकरेमाणे कत्थइ तमुक्कायं पकरेमाणे वाणमंतरे देवे वित्तासेमाणे जोइसिए देवे दुहा विभयमाणे २ आयरक्खे देवे विपलायमाणे २ फलिहरयणं अंबरतलंसि वियड्ढमाणे २ विउब्भाएमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सोहम्मवडिंसए विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छइ २ एगं पायं पउमवरवेइयाए करेइ एगं पायं सभाए सुहम्माए करेइ फलिहरयणेणं महया २ सद्देणं तिक्खुत्तो इंदकीलं आउडेइ २ एवं वयासी-कहि णं भो ! सक्के देविंदे देवराया ! कहि णं ताओ चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ ! जाव कहि णं ताओ चत्तारि चउरासीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ ! कहि णं ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ ! अज्ज हणामि अज्ज महेमि अज्ज वहेमि अज्ज ममं अवसाओ अच्छराओ वसमुवणमंतुत्तिकट्टु तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं फरुसं गिरं निसिरइ, तए णं से सक्के देविंदे देवराया तं अणिट्ठं जाव अमणामं अस्सुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वयासी-हं भो चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! अपत्थियपत्थया ! जाव हीणपुण्णचाउद्दसा ! अज्ज न भवसि नाहि ते सुहमत्थीतिकट्टु तत्थेव सीहासणवरगए वज्जं परामुसइ २ तं जलंतं फुडंतं तडतडंतं उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणं जालासहस्साइं पमुंचमाणं इंगालसहस्साइं पविक्खिरमाणं २ फुलिंगजालामालासहस्सेहिं चक्खुविक्खेवदिट्ठिपडिघायं पकरेमाणं हुयवहअइरेगतेयदिप्पंतं जइणवेगं फुल्लकिंसुयसमाणं महब्भयं भयंकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो वहाए

मक्कं देविंदं देवरायं मघवं पागसासणं सयक्कउं सहस्सक्खं वज्जपाणिं पुरंदरं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सक्कंसि सीहासणंसि जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-केस णं एस अपत्थियपत्थए दुरंत-पंतलक्खणे हिरिसिरिपरिवज्जिए हीणपुन्नचाउद्दसे जन्नं मम इमाए एयारूवाए दिव्वाए देविड्ढीए जाव दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए उप्पिं अप्पुस्सुए दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ २ सामाणियपरिसोववन्नए देवे सद्दावेइ २ एवं वयासी-केस णं एस देवाणुप्पिया अपत्थियपत्थए जाव भुंजमाणे विहरइ?, तए णं ते सामाणियपरिसोववन्नगा देवा चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया जाव विहरइ, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तेसिं सामाणि-यपरिसोववन्नगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडि-क्किए मिसिमिसेमाणे ते सामाणियपरिसोववन्नए देवे एवं वयासी-अन्ने खलु भो! (से) सक्के देविंदे देवराया अन्ने खलु भो! से चमरे असुरिंदे असुरराया, महिड्ढिए खलु भो! से सक्के देविंदे देवराया, अप्पड्ढिए खलु भो! से चमरे असुरिंदे असुरराया, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासाएत्तएत्तिकट्टु उसिणे उसिणब्भूए जाए यावि होत्था, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया ओहिं पउंजइ २ ममं ओहिणा आभोएइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे २ भारहे वासे सुंसमारपुरे नगरे असोगवणसंडे उज्जाणे असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि अट्ठमभत्तं पडिगिण्हित्ता एगराइयं महा-पडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरति, तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं नीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासाएत्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता देवदूसं परिहेइ २ उववायसभाए पुरच्छिमिल्लेणं दारेणं णिग्गच्छइ, जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव चोप्पाले पहरणकोसे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फलिहरयणं परामुसइ २ एगे अबीए फलिहरयणमायाए महया अमरिसं वहमाणे चमरचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ जेणेव तिगिच्छिकूडे उप्पायपव्वए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं जाव उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव पुढविसिलापट्टए जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छति २ ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेति जाव

भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १२५ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं
वंदति २ एवं वयासी-देवे णं भंते ! महिड्ढीए महज्जुईए जाव महाणुभागे पुव्वा-
मेव पोग्गलं खिवित्ता पभू तमेव अणुपरियट्टित्ता णं गिण्हित्तए ? हंता पभू ॥ से
केणट्ठेणं भंते ! जाव गिण्हित्तए ? गोयमा ! पोग्गले खित्ते समाणे पुव्वामेव
सिग्घगती भवित्ता ततो पच्छा मंदगती भवति, देवे णं महिड्ढीए पुव्विंपि पच्छावि
सीहे सीहगती चेव तुरिए तुरियगती चेव से तेणट्ठेणं जाव पभू गेण्हित्तए । जति
णं भंते ! देवे महिड्ढीए जाव अणुपरियट्टित्ता णं गेण्हित्तए कम्हा णं भंते ! सक्के
णं देविंदेणं देवरन्ना (रण्णा) चमरे असुरिंदे असुरराया नो संचाइए साहत्थिं
गेण्हित्तए ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए सीहे २ चेव तुरिए
२ चेव उड्ढं गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे मंदे चेव वेमाणियाणं देवाणं उड्ढं गति
विसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव अहे गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे २ चेव
जावतियं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया उड्ढं उप्पयति एक्केणं समएणं तं वज्जे दोहिं, जं
वज्जे दोहिं तं चमरे तिहिं, सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो उड्ढलोयकंडए
अहेलोयकंडए संखेज्जगुणे जावतियं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया अहे ओवयति
एक्केणं समएणं तं सक्के दोहिं जं सक्के दोहिं तं वज्जे तिहिं, सव्वत्थोवे चमरस्स
असुरिंदस्स असुररन्नो अहेलोयकंडए उड्ढलोयकंडए संखेज्जगुणे । एवं खलु गोयमा !
सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना चमरे असुरिंदे असुरराया नो संचाइए साहत्थिं गेण्हि-
त्तए ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो उड्ढं अहे तिरियं च गतिविसयस्स
कतरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवं
खेत्तं सक्के देविंदे देवराया अहे ओवयइ एक्केणं समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ
उड्ढं संखेज्जे भागे गच्छइ । चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो उड्ढं अहे
तिरियं च गतिविसयस्स कतरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए
वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया उड्ढं उप्पयति एक्केणं
समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ अहे संखेज्जे भागे गच्छइ वज्जं जहा सक्कस्स
देविंदस्स तहेव नवरं विसेसाहियं कायव्वं ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो
ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कतरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा
विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो उड्ढं उप्पयणकाले
ओवयणकाले संखेज्जगुणे ॥ चमरस्सवि जहा सक्कस्स णवरं सव्वत्थोवे ओवयणकाले
उप्पयणकाले संखेज्जगुणे ॥ वज्जस्स पुच्छा गोयमा ! सव्वत्थोवे उप्पयणकाले
ओवयणकाले विसेसाहिए ॥ एयस्स णं भंते ! वज्जस्स वज्जाहिवइस्स चमरस्स य

वज्ज निसिरइ। तते ण से चमरे असुरिंदे असुरराया तं जलंतं जाव भयकरं वज्ज-मभिमुह आवयमाणं पासइ पासइत्ता झियाति पिहाइ झियाइत्ता पिहाइत्ता तहेव संभग्गमउडविडए सालंबहत्थाभरणे उद्धपाए अहोसिरे कक्खागयसेयंपि च विणि-म्मुयमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ जेणेव जंबुद्दीवे २ जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भीए भयगग्गरसरे भगवं सरणमिति वुयमाणे मम दोण्हवि पायाणं अंतरंसि झत्तिवेगेण समोवडिए ॥१४३॥ तए ण तस्स सक्कस्स देविंदस्स देव-रन्नो इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—नो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया नो खलु समत्थे चमरे असुरिंदे असुरराया नो खलु विसए चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो अप्पणो निस्साए उड्ढं उप्पइत्ता जाव सोहम्मो कप्पो णण्णत्थ अरिहंते वा अणगारे वा भावियप्पणो णीसाए उड्ढं उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो, तं महादुक्खं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं अणगाराण य अच्चासायणाए-त्तिकट्टु ओहिं पउंजति २ मम ओहिणा आभोएति २ हा हा अहो हतोऽहमंसित्तिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव दिव्वाए देवगतीए वज्जस्स वीहिं अणुगच्छमाणे २ तिरियम-संखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरइ ॥ १४४ ॥ अवियाइं मे गोयमा! मुट्ठिवाएणं केसग्गे वीइत्था, तए णं से सक्के देविंदे देवराया वज्जं पडिसाहरित्ता मम तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी—एवं खलु भंते! अहं तुब्भं नीसाए चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना सयमेव अच्चासाइए, तए णं मए परिकुविएणं समाणेणं चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो वहाए वज्जे निसिट्ठे, तए णं मे इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—नो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तहेव जाव ओहिं पउंजामि देवाणुप्पिए ओहिणा आभोएमि हा हा अहो हतोमीतिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव देवाणुप्पिए तेणेव उवागच्छामि देवाणुप्पियाणं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरामि वज्जपडिसाहर-णट्ठयाए णं इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि, तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु णं देवाणुप्पिया! [खमंतु] मरहंतु णं देवाणु-प्पिया! णाइभुज्जो एवं पकरणयाएत्तिकट्टु मम वंदइ नमंसइ २ उत्तरपुरच्छिमं दिसी-भागं अवक्कमइ २ वामेणं पादेणं तिक्खुत्तो भूमिं दलेइ २ चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वदासी—मुक्कोऽसि णं भो चमरा! असुरिंदा! असुरराया! समणस्स भगवओ महावीरस्स पभावेणं नाहि ते दाणिं ममाओ भयमत्थीतिकट्टु जामेव दिसिं पाउ-

असुरिंदस्स असुररन्नो ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा ४?, गोयमा! सक्कस्स य उप्पयणकाले चमरस्स य ओवयणकाले एए णं दोन्निवि तुल्ला सव्वत्थोवा, सक्कस्स य ओवयणकाले वज्जस्स य उप्पयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले संखेज्जगुणे चमरस्स य उप्पयणकाले वज्जस्स य ओवयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले विसेसाहिए ॥ १४६ ॥ तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया वज्जभय-विप्पमुक्के सक्केणं देविंदेण देवरन्ना महया अवमाणेण अवमाणिए समाणे चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि ओहयमणसंकप्पे चिंतासोयसागर-संपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठीए झियाति, तते णं तं चमरं असुरिंदं असुररायं सामाणियपरिसोववन्नया देवा ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासति २ करयल जाव एवं वयासी-किण्णं देवाणुप्पिया! ओहयमण-संकप्पा जाव झियायह?, तए णं से चमरे असुरिंदे असुर० ते सामाणियपरिसोव-वन्नए देवे एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए समणं भगवं महावीरं नीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासादिए, तए णं तेणं परिकुविएणं समाणेणं मम वहाए वज्जे निसिट्ठे, तं भद्दण्णं भवतु देवाणुप्पिया! समणस्स भगवओ महावीरस्स जस्स मम्हि तनुपभावेण अक्किट्ठे अव्वहिए अपरिताविए इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु चउसट्ठीए सामाणिय-साहस्सीहिं जाव सव्विड्ढीए जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वदासी-एवं खलु भंते! मए तुब्भं नीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासादिए जाव तं भद्दं णं भवतु देवाणुप्पियाणं मम्हि जस्स अणुपभावेण अक्किट्ठे जाव विहरामि तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता जाव बत्तीसइबद्धं नट्टविहिं उवदंसेइ २ जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए, एवं खलु गोयमा! चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमन्नागया, ठिती सागरोवमं, महाविदेहे वासे सिज्झिहिंति जाव अंतं काहिति ॥ १४७ ॥ किं पत्तिए णं भंते! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो?, गोयमा! तेसि णं देवाणं अहुणोववन्नगाण वा चरिमभवत्थाण वा इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जइ-अहो णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमन्नागया जारिसिया णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया तारि-सिया णं सक्केणं देविंदेण देवरन्ना दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया जारिसिया

से जीवे सया समित जाव अंते अंतकिरिया न भवति ?, मंडियपुत्ता ! जाव च णं से जीवे सया समितं जाव परिणमति ताव च णं से जीवे आरभइ सारभइ समारंभइ आरंभे वट्टइ सारंभे वट्टइ समारंभे वट्टइ आरभमाणे सारभमाणे समारभमाणे आरंभे वट्टमाणे सारंभे वट्टमाणे समारंभे वट्टमाणे बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं दुक्खावणयाए सोयावणयाए जूरावणयाए तिप्पावणयाए पिट्टावणयाए परियावणयाए वट्टइ, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ–जाव च णं से जीवे सया समियं एयति जाव परिणमति तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया न भवइ ॥ जीवे णं भंते ! सया समियं णो एयइ जाव नो तं तं भावं परिणमइ ?, हंता मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं जाव नो परिणमति । जाव च णं भंते ! से जीवे नो एयति जाव नो तं तं भावं परिणमति ताव च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवइ ? हंता ! जाव भवति । से केणट्ठेणं भंते ! जाव भवति ?, मंडियपुत्ता ! जाव च णं से जीवे सया समियं णो एयति जाव णो परिणमइ तावं च णं से जीवे नो आरंभइ नो सारभइ नो समारंभइ नो आरंभे वट्टइ णो सारंभे वट्टइ णो समारंभे वट्टइ अणारंभमाणे असारभमाणे असमारंभमाणे आरंभे अवट्टमाणे सारंभे अवट्टमाणे समारंभे अवट्टमाणे बहूणं पाणाणं ४ अदुक्खावणयाए जाव अपरियावणयाए वट्टइ । से जहानामए केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं मंडियपुत्ता ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जइ ? हंता ! मसमसाविज्जइ, से जहानामए–केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदयबिंदू पक्खिवेज्जा, से नूणं मंडियपुत्ता ! से उदयबिंदू तत्तंसि अयकवल्लंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ ?, हंता ! विद्धंसमागच्छइ, से जहानामए हरए सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठति ?, हंता ! चिट्ठति, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरयंसि एगं महं णावं सतासवं सयच्छिद्दं ओगाहेज्जा से नूणं मंडियपुत्ता ! सा नावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरेमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठति ? हंता ! चिट्ठति, अहे णं केइ पुरिसे तीसे नावाए सव्वतो समंता आसवदाराइं पिहेइ २ नावाउस्सिंचणएणं उदयं उस्सिंचिज्जा से नूणं मंडियपुत्ता ! सा नावा तंसि उदयंसि उस्सिंचिज्जंसि समाणंसि खिप्पामेव उड्ढं उदाइ ?, हंता ! उदाइज्जा, एवामेव मंडियपुत्ता ! अत्तत्तासंवुडस्स अणगारस्स इरियासमियस्स जाव गुत्तबंभयारिस्स आउत्तं गच्छमाणस्स चिट्ठमाणस्स निसीयमाणस्स तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणं गेण्हमाणस्स णिक्खिवमाणस्स जाव चक्खुपम्हनिवाय-

नो इणट्ठे समट्ठे, एवं चेव बितिओऽवि आलावगो नवरं परियाइत्ता पभू ॥ से भंते ! किं माई विउव्वइ अमाई विउव्वइ ? गोयमा ! माई विउव्वइ नो अमाई विउव्वइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो अमाई विउव्वइ ? गोयमा ! माई णं पणीयं पाणभोयणं भोच्चा २ वामेति तस्स णं तेणं पणीएणं पाणभोयणेणं अट्ठि अट्ठिमिंजा बहलीभवंति पयणुए मंससोणिए भवति जेवि य से अहाबायरा पोग्गला तेवि य से परिणमंति तं० सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अट्ठि-अट्ठिमिंजकेसमंसुरोमनहत्ताए सुक्कत्ताए सोणियत्ताए, अमाई णं लूहं पाणभोयणं भोच्चा २ नो वामेइ, तस्स णं तेणं लूहेणं पाणभोयणेणं अट्ठि अट्ठिमिंजा पयणु भवंति बहले मंससोणिए, जेवि य से अहाबायरा पोग्गला तेवि य से परिणमंति तंजहा-उच्चारत्ताए पासवणत्ताए जाव सोणियत्ताए, से तेणट्ठेणं जाव नो अमाई विउव्वइ ॥ माई णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा । अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ १५९ ॥ तइयसए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? णो ति० । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? हंता ! पभू, अणगारे णं भंते ! भावि० केवतियाइं पभू इत्थिरूवाइं विउव्वित्तए ? गोयमा ! से जहानामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगाउत्ता सिया एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ जाव पभू णं गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं बहूहिं इत्थिरूवेहिं आइन्नं वितिकिन्नं जाव एस णं गोयमा ! अणगारस्स भावि० अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा ३ । एवं परिवाडीए नेयव्वं जाव संदमाणिया । से जहानामए केइ पुरिसे असिचम्मपायं गहाय गच्छेज्जा एवामेव भावियप्पा अणगारेवि असिचम्मपायहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता ! उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू असिचम्मपायहत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ? गोयमा ! से जहानामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विउव्विंसु वा ३ । से जहानामए केइ पुरिसे एगओपडागं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एगओपडागाहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू एगओपडागाहत्थकिच्चग-

मह पडागासठिय रूवं विकुव्वइ। पभू ण भते! वाउकाए एग मह पडागासठियं रूव विउव्वित्ता अणेगाइ जोयणाइ गमित्तए?, हता! पभू। से भंते! कि आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ?, गोयमा! आयड्ढीए ग० णो परिड्ढीए ग० जहा आयड्ढीए एव चेव आयकम्मुणावि आयप्पओगेणवि भाणियव्व। से भंते! किं ऊसिओदग गच्छइ पयोदगं ग०?, गोयमा! ऊसिओदयपि ग० पयोदयपि ग०, से भंते! किं एगओपडाग गच्छइ दुहओपडाग गच्छइ?, गोयमा! एगओपडागं गच्छइ नो दुहओपडागं गच्छइ, से ण भते! किं वाउकाए पडागा?, गोयमा! वाउकाए ण से नो खलु सा पडागा ॥१५६॥ पभू णं भंते! बलाहगे एग मह इत्थिरूव वा जाव सदमाणियरूव वा परिणामेत्तए?, हंता! पभू। पभू ण भंते! बलाहए एग मह इत्थिरूव परिणामेत्ता अणेगाइ जोयणाई गमित्तए?, हता! पभू, से भते! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ?, गोयमा! नो आयड्ढीए गच्छति, परिड्ढीए ग० एव नो आयकम्मुणा परकम्मुणा नो आयपओगेण परप्पओगेणं ऊसितोदय वा गच्छइ, पयोदय वा गच्छइ, से भंते! किं बलाहए इत्थी?, गोयमा! बलाहए णं से णो खलु सा इत्थी, एवं पुरिसे आसे हत्थी ॥ पभू णं भंते! बलाहए एग मह जाणरूवं परिणामेत्ता अणेगाइ जोयणाइ गमित्तए? जहा इत्थिरूवं तहा भाणियव्व, णवरं एगओचक्कवालंपि दुहओचक्कवालपि गच्छइ (त्ति) भाणियव्व, जुग्गगिल्लिथिल्लिसीयासदमाणियाण तहेव ॥ १५७ ॥ जीवे ण भते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते! किंलेसेसु उववज्जति?, गोयमा! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, त०—कण्हलेसेसु वा नीललेसेसु वा काउलेसेसु वा, एव जस्स जा लेस्सा सा तस्स भाणियव्वा जाव जीवे ण भते! जे भविए जोतिसिएसु उववज्जित्तए?, पुच्छा, गोयमा! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता काल करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, त०—तेउलेस्सेसु। जीवे ण भते! जे भविए वेमाणिएसु उववज्जित्तए से ण भंते! किंलेस्सेसु उववज्जइ?, गोयमा! जल्लेस्साइ दव्वाइ परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, त०—तेउलेस्सेसु वा पम्हलेसेसु वा सुक्कलेसेसु वा ॥ १५८ ॥ अणगारे णं भते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू वेभार पव्वय उल्लंघेत्तए वा पलघेत्तए वा?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे। अणगारे णं भते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू वेभार पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पलघेत्तए वा?, हता! पभू। अणगारे ण भते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता जावइयाइ रायगिहे नगरे रूवाइ एवइयाइं विकुव्वित्ता वेभारं पव्वय अतो अणुप्पविसित्ता पभू सम वा विसम करेत्तए विसम वा सम करेत्तए?, गोयमा!

याइ रूवाई विउव्वित्तए ? एव चेव जाव विकुव्विसु वा ३ । एव दुहओपडागापि । से जहानामए-केइ पुरिसे एगओजण्णोवइय काउ गच्छेज्जा, एवामेव अण० भा० एगओजण्णोवइयकिच्चगएण अप्पाणेणं उड्ढ वेहास उप्पएज्जा ? हता ! उप्पएज्जा, अणगारे ण भंते ! भावियप्पा केवतियाइ पभू एगओजण्णोवइयकिच्चगयाइ रूवाइ विकुव्वित्तए ? त चेव जाव विकुव्विसु वा ३, एवं दुहओजण्णोवइयपि । से जहानामए-केइ पुरिसे एगओपल्हत्थिय काउ चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एव चेव जाव विकुव्विसु वा ३ एव दुहओपलियक पि । अणगारे ण भते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एग मह आसरूव वा हत्थिरूव वा सीहरूव वा वग्घवगदीवियअच्छतरच्छपरासररूव वा अभिजुजित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, अणगारे ण एव बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू । अणगारे ण भते ! भा० एग मह आसरूव वा अभिजुजित्ता अणेगाइ जोयणाइ गमित्तए ? हता ! पभू, से भते ! किं आयड्ढीए गच्छति परिड्ढीए गच्छति ?, गोयमा ! आयड्ढीए गच्छइ नो परिड्ढीए, एव आयकम्मुणा नो परकम्मुणा आयप्पओगेण नो परप्पओगेण उस्सिओदय वा गच्छइ पयोदग वा गच्छइ । से ण भते ! किं अणगारे आसे ?, गोयमा ! अणगारे ण से नो खलु से आसे, एव जाव परासररूव वा । से भते ! किं माई विकुव्वति अमाई विकुव्वति ?, गोयमा ! माई विकुव्वति नो अमाई विकुव्वति, माई ण भते ! तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते काल करेइ कहिं उववज्जति ?, गोयमा ! अन्नयरेसु आभियोगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ, अमाई ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते काल करेइ कहिं उववज्जति ?, गोयमा ! अन्नयरेसु अणाभिओगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ, सेव भते २ त्ति, गाहा—इत्थीअसीपडागा जण्णोवइए य होइ बोद्धव्वे । पल्हत्थियपलियके अभिओगविकुव्वणा माई ॥ १ ॥ ॥ १६० ॥ **तइए सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणगारे ण भते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए विभगनाणलद्धीए वाणारसिं नगरिं समोहए समोहणित्ता रायगिहे नगरे रूवाइ जाणति पासति ?, हता ! जाणइ पासइ । से भते ! किं तहाभाव जाणइ पासइ अन्नहाभाव जा० पा० ?, गोयमा ! णो तहाभाव जाणइ पा० अण्णहाभाव जा० पा० । से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ नो तहाभावं जा० पा०, अन्नहाभाव जाणइ पा० ?, गोयमा ! तस्स ण एव भवति-एव खलु अह रायगिहे नगरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाई जाणामि पासामि, से से दसणे विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव पासति । अणगारे ण भते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी

वावीओ णेयव्वाओ सेसा नत्थि । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा-सोमकाइयाइ वा सोमदेवयकाइयाइ वा विज्जुकुमारा विज्जुकुमारीओ अग्गिकुमारा अग्गिकुमारीओ वाउकुमारा वाउकुमारीओ चंदा सूरा गहा नक्खत्ता तारारूवा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो आणाउववायवयणनिद्देसे चिट्ठंति । जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति तंजहा-गहदंडाइ वा गहमुसलाइ वा गहगज्जियाइ वा एवं गहजुद्धाइ वा गहसिंघाडगाइ वा गहावसव्वाइ वा अब्भाइ वा अब्भरुक्खाइ वा संझाइ वा गंधव्वनगराइ वा उक्कापायाइ वा दिसीदाहाइ वा गज्जियाइ वा विज्जुयाइ वा पंसुवुट्ठीइ वा जूवेत्ति वा जक्खालित्तत्ति वा धूमियाइ वा महियाइ वा रयुग्घायाइ वा चंदोवरागाइ वा सूरोवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ वा पडिचंदाइ वा पडिसूराइ वा इंदधणूइ वा उदगमच्छकपिहसियअमोहपाईणवायाइ वा पडीणवायाइ वा जाव संवट्टयवायाइ वा गामदाहाइ वा जाव सन्निवेसदाहाइ वा पाणक्खया जणक्खया धणक्खया कुलक्खया वसणब्भूया अणारिया जे यावन्ने तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो अण्णाया अदिट्ठा असुया अमुया अविन्नाया तेसिं वा सोमकाइयाणं देवाणं । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो इमे अहावच्चा देवा अभिन्नाया होत्था, तंजहा-इंगालए वियालए लोहियक्खे सणिच्चरे चंदे सूरे सुक्के बुहे बहस्सई राहू ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सत्तिभागं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता अहावच्चाभिन्नायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पन्नत्ता एवंमहिड्ढिए जाव महाणुभागे सोमे महाराया ॥ १६१ ॥ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो वरसिट्ठे नामं महाविमाणे पन्नत्ते ? गोयमा ! सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स दाहिणेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीइवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो वरसिट्ठे नामं महाविमाणे पन्नत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं जहा सोमस्स विमाणे तहा जाव अभिसेओ रायहाणी तहेव जाव पासायपंतीओ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो इमे देवा आणा जाव चिट्ठंति तंजहा-जमकाइयाइ वा जमदेवयकाइयाइ वा पेयकाइयाइ वा पेयदेवयकाइयाइ वा असुरकुमारा असुरकुमारीओ कंदप्पा निरयवाला आभिओगा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो आणाए जाव चिट्ठंति ॥-जंबुद्दीवे २ मंदरस्स

जाणति पासति। अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं गामरूवं वा नगररूवं वा जाव सन्निवेसरूवं वा विउव्वित्तए?, णो तिणट्ठे समट्ठे, एवं बितिओवि आलावगो, णवरं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू। अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवतियाइं पभू गामरूवाइं विउव्वित्तए?, गोयमा! से जहानामए जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३ एवं जाव सन्निवेसरूवं वा॥ १६१॥ चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररन्नो कति आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ता?, गोयमा! चत्तारि चउसट्ठीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, ते णं आयरक्खा वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे, एवं सव्वेसिं इंदाणं जस्स जत्तिया आयरक्खा भाणियव्वा। सेवं भंते २ त्ति॥ १६२॥

तइयसए छट्ठो उद्देसो समत्तो॥

रायगिहे नगरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–सक्कस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो कति लोगपाला पण्णत्ता?, गोयमा! चत्तारि लोगपाला पण्णत्ता, तंजहा–सोमे जमे वरुणे वेसमणे। एएसि णं भंते! चउण्हं लोगपालाणं कति विमाणा पण्णत्ता?, गोयमा! चत्तारि विमाणा प०, तंजहा–संझप्पभे वरसिट्ठे सयजले वग्गू। कहिं णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारन्नो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते?, गोयमा! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं जाव पंच वडिंसया पण्णत्ता, तंजहा–असोयवडेंसए सत्तवण्णवडिंसए चंपयवडिंसए अंबवडिंसए मज्झे सोहम्मवडिंसए, तस्स णं सोहम्मवडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरच्छिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणाइं वीइवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो संझप्पभे नामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं उयालीसं जोयणसयसहस्साइं बावन्नं च सहस्साइं अट्ठ य अडयाले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं प० जा सूरियाभविमाणस्स वत्तव्वया सा अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अभिसेओ नवरं सोमे देवे॥ संझप्पभस्स णं महाविमाणस्स अहे सपक्खिं सपडिदिसिं असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सोमा नामं रायहाणी पण्णत्ता एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्दीवपमाणे (ण) वेमाणियाणं पमाणस्स अद्धं नेयव्वं जाव उवरियलेणं सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पन्नासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउए जोयणसते किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते, पासायाणं चत्तारि परि-

पव्वयस्स दाहिणेण जाइ इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा-डिंबाइ वा डमराइ वा कल-
हाइ वा बोलाइ वा खाराइ वा महाजुद्धाइ वा महासंगामाइ वा महासत्थनिव-
डणाइ वा एवं पुरिसनिवडणाइ वा महारुधिरनिवडणाइ वा दुब्भूयाइ वा कुल-
रोगाइ वा गामरोगाइ वा मंडलरोगाइ वा नगररोगाइ वा सीसवेयणाइ वा
अच्छिवेयणाइ वा कन्ननहदंतवेयणाइ वा इंदग्गाहाइ वा खंदग्गाहाइ वा कुमारग्गाह
जक्खग्गाहा० भूयग्गाहा० एगाहियाइ वा बेआहियाइ वा तेयाहियाइ वा चाउत्थहियाइ
वा उव्वेयगाइ वा कासा० सासाइ वा सोसेइ वा जराइ वा दाहा० कच्छकोहाइ वा
अजीरया पंडुरगा हरिसाइ वा भगंदराइ वा हिययसूलाइ वा मत्थयसू० जोणिसू०
पाससू० कुच्छिसू० गाममारीइ वा नगर० खेड० कव्वड० दोणमुह० मडंब० पट्टण०
आसम० संवाह० संनिवेसमारीइ वा पाणक्खया धणक्खया जणक्खया कुलक्खया
वसण०भूयमणारिया जे यावन्ने तहप्पगारा न ते सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स
महारन्नो अण्णाया०५ तेसिं वा जमकाइयाण देवाणं ॥१६४॥ सक्कस्स ण देविंदस्स
देवरण्णो जमस्स महारन्नो इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तंजहा-अंबे १ अंब-
रिसे चेव २, सामे ३ सबलेत्ति यावरे ४। रुद्दो ५-वरुद्दे ६ काले ७ य, महाकालेत्ति
यावरे ८ ॥ १ ॥ असिपत्ते ९ धणू १० कुंभे ११ (असी य असिपत्ते कुंभे) वालू
१२ वेयरणीति य १३। खरस्सरे १४ महाघोसे १५, एए पन्नरसाहिया ॥ २ ॥
सक्कस्स ण देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो सत्तिभाग पलिओवम ठिई प०,
अहावच्चाभिण्णायाण देवाण एग पलिओवमं ठिई पन्नत्ता, एवंमहिड्ढिए जाव जमे
महाराया २ ॥१६५॥ कहि ण भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो
सयजले नाम महाविमाणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! तस्स ण सोहम्मवडिंसयस्स महावि-
माणस्स पच्चत्थिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइ जहा सोमस्स तहा विमाणरायहा-
णीओ भाणियव्वा जाव पासायवडिंसया नवरं नामणाणत्त। सक्कस्स णं २ वरुणस्स
महारन्नो इमे देवा आणा० जाव चिट्ठति, त०-वरुणकाइयाइ वा वरुणदेवकाइ-
याइ वा नागकुमारा नागकुमारीओ उदहिकुमारा उदहिकुमारीओ थणियकुमारा थणि-
यकुमारीओ जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति॥ जंबूदीवे २
मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेण जाइ इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा-अइवासाइ वा मंद-
वासाइ वा सुवुट्ठीइ वा दुव्वुट्ठीइ वा उदब्भेयाइ वा उदप्पीलाइ वा उदवाहाइ
वा पव्वाहाइ वा गामवाहाइ वा जाव सन्निवेसवाहाइ वा पाणक्खया जाव तेसिं
वा वरुणकाइयाण देवाणं, सक्कस्स ण देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो जाव
अहावच्चाभिन्नाया होत्था, तंजहा-कक्कोडए कद्दमए अंजणे संखवालए पुंडे पलासे

तंजहा-चमरे असुरिंदे असुररायो सोमे जमे वरुणे वेसमणे बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे। नागकुमाराणं भंते! पुच्छा, गोयमा! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा-धरणे नागकुमारिंदे नागकुमारराया कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले भूयाणंदे नागकुमारिंदे णागकुमारराया कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, जहा नागकुमारिंदाणं एयाए वत्तव्वयाए णेयव्वं एवं इमाणं नेयव्वं, सुवण्णकुमाराणं वेणुदेवे वेणुदाली चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, विज्जुकुमाराणं हरिक्कंते हरिस्सहे पभे १ सुप्पभे २ पभकंते ३ सुप्पभकंते ४, अग्गिकुमाराणं अग्गिसीहे अग्गिमाणवे तेऊ तेउसीहे तेउकंते तेउप्पभे, दीवकुमाराणं पुण्णविसिट्ठरूयसुरूयरूयकंत(रूयंस, रूयसीह)रूयप्पभा, उदहिकुमाराणं जलकंतजलप्पभजलजलरूयजलकंतजलप्पभा, दिसाकुमाराणं अमियगई अमियवाहणे तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई, वाउकुमाराणं वेलंबपभंजणकालमहाकालअंजणरिट्ठा, थणियकुमाराणं घोसमहाघोसआवत्तवियावत्तनंदियावत्तमहानंदियावत्ता, एवं भाणियव्वं जहा असुरकुमाराणं। सो० १ का० २ चि० ३ प० ४ ते० ५ रु० ६ ज० ७ तु० ८ का० ९ आ० १० सोमे य महाकाले, चित्तप्पभ तेउ तह रुए चेव। जल तह तुरियगई य काले आउत्त पढमा उ। पिसायकुमाराणं पुच्छा, गोयमा! दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा-काले य महाकाले सुरूवपडिरूव पुन्नभद्दे य। अमरवइ माणिभद्दे भीमे य तहा महाभीमे ॥१॥ किंनरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे। अइकाय महाकाए गीयरई चेव गीयजसे ॥२॥ एए वाणमंतराणं देवाणं। जोइसियाणं देवाणं दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा-चंदे य सूरे य। सोहम्मीसाणेसु णं भंते! कप्पेसु कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति? गोयमा! दस देवा जाव विहरंति, तंजहा-सक्के देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, ईसाणे देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, एसा वत्तव्वया सव्वेसुवि कप्पेसु, एए चेव भाणियव्वा, जे य इंदा ते य भाणियव्वा सेवं भंते! २ त्ति ॥ १६८ ॥ **तइए सए अट्ठमो उद्देसओ समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वदासी-कइविहे णं भंते! इंदियविसए पण्णत्ते?, गोयमा! पंचविहे इंदियविसए पण्णत्ते, तं०-सोतिंदियविसए० जीवाभिगमे जोइसियउद्देसो नेयव्वो अपरिसेसो, से०२त्ति ॥१६९॥ **तइए सए नवमो उद्देसओ समत्तो** ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररन्नो कइ परिसाओ पण्णत्ताओ?, गोयमा! तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-समिया चंडा जाया, एवं जहाणुपुव्वीए जावऽच्चुओ कप्पो, सेवं भंते! २ त्ति ॥१७०॥ **तइयसए दसमो उद्देसो समत्तो, तइयं सयं समत्तं** ॥

दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ पाईणदाहिणमागच्छंति, पाईण-दाहिणमुग्गच्छ दाहिणपडीणमागच्छंति, दाहिणपडीणमुग्गच्छ पडीणउदीणमागच्छंति पडीणउदीणं उग्गच्छ उदीचिपाईणमागच्छंति?, हंता ! गोयमा ! जंबूदीवे णं दीवे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जाव उदीचिपाईणमागच्छंति ॥ १७५ ॥ जया ण भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तदा ण उत्तरड्ढे दिवसे भवइ जदा णं उत्तरड्ढेवि दिवसे भवइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिम-पच्चत्थिमेणं राई भवइ?, हंता गोयमा ! जया णं जंबूदीवे २ दाहिणड्ढेवि दिवसे जाव राई भवइ। जदा ण भंते ! जंबु० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं दिवसे भवइ तदा णं पच्चत्थिमेणवि दिवसे भवइ जया णं पच्चत्थिमेणं दिवसे भवइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं राई भवइ?, हंता गोयमा ! जदा ण जंबू० मंदरपुरच्छिमेण दिवसे जाव राई भवइ, जदा णं भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा ण उत्तरड्ढेवि उक्कोसए अट्ठा-रसमुहुत्ते दिवसे भवइ जदा ण उत्तरड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा ण जंबूदीवे २ मंदरस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेण जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ?, हंता गोयमा ! जदा णं जंबू० जाव दुवालसमुहुत्ता राई भवइ। जदा णं जंबू० मंदरस्स पुरच्छिमेणं उक्कोसए अट्ठारस जाव तदा ण जंबूदीवे २ पच्चत्थिमेणवि उक्को० अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जया ण पच्चत्थिमेण उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा णं भंते ! जंबुदीवे २ उत्तर० दुवालसमुहुत्ता जाव राई भवइ?, हंता गोयमा ! जाव भवइ। जया णं भंते ! जंबू० दाहिणड्ढे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा ण उत्तरे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ जदा ण उत्तरे अट्ठा-रसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं सातिरेगा दुवालसमुहुत्ता राई भवइ?, हंता गोयमा ! जदा ण जंबू० जाव राई भवइ। जदा ण भंते ! जंबूदीवे २ पुरच्छिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं पच्चत्थिमेण अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ जदा णं पच्चत्थिमेणं अट्ठार-समुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तदा णं जंबू० २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं साइ-रेगा दुवालसमुहुत्ता राई भवइ?, हंता गोयमा ! जाव भवइ ॥ एवं एएण कमेणं उच्चारेयव्वं सत्तरसमुहुत्ते दिवसे तेरसमुहुत्ता राई भवइ सत्तरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा तेरसमुहुत्ता राई सोलसमुहुत्ते दिवसे चोद्दसमुहुत्ता राई सोलसमुहुत्ताणं-तरे दिवसे सातिरेगचोद्दसमुहुत्ता राई पन्नरसमुहुत्ते दिवसे पन्नरसमुहुत्ता राई भवइ पन्नरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा पन्नरसमुहुत्ता राई चोद्दसमुहुत्ते

रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि । अत्थि णं भंते ! पुरच्छिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि । एवं पच्चत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं पुरच्छिमदाहिणेणं दाहिणपच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमउत्तरेणं ॥ जया णं भंते ! पुरच्छिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं पुरेवाया जया णं पच्चत्थिमेणं ईसिं पुरेवाया तया णं पुरच्छिमेणवि ? हंता गोयमा ! जया णं पुरच्छिमेणं तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं जया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं तया णं पुरच्छिमेणवि ईसिं, एवं दिसासु विदिसासु ॥ अत्थि णं भंते ! दीविच्चया ईसिं ? हंता ! अत्थि । अत्थि णं भंते ! सामुद्दया ईसिं ? हंता ! अत्थि । जया णं भंते ! दीविच्चया ईसिं तया णं सामुद्दयावि ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं तया णं दीविच्चयावि ईसिं ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जया णं दीविच्चया ईसिं णो णं तया सामुद्दया ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं णो णं तया दीविच्चया ईसिं ? गोयमा ! तेसि णं वायाणं अन्नमन्नस्स विवच्चासेणं लवणे समुद्दे वेलं नातिक्कमइ से तेणट्ठेणं जाव वाया वायंति ॥ अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि । कया णं भंते ! ईसिं जाव वायंति ? गोयमा ! जया णं वाउयाए अहारियं रियंति तया णं ईसिं जाव वायंति । अत्थि णं भंते ! ईसिं ? हंता ! अत्थि । कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्था ?, गोयमा ! जया णं वाउयाए उत्तरकिरियं रियइ तया णं ईसिं जाव वायंति । अत्थि णं भंते ! ईसिं ? हंता ! अत्थि । कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्था ? गोयमा ! जया णं वाउकुमारा वाउकुमारीओ वा अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा अट्ठाए वाउकायं उदीरेंति तया णं ईसिं पुरेवाया जाव वायंति ॥ वाउकाए णं भंते ! वाउकायं चेव आणमंति पाण० जहा खंदए तहा चत्तारि आलावगा नेयव्वा अणेगसयसहस्स० पुट्ठे उद्दाइ वा ससरीरी निक्खमइ ॥ १८५ ॥ अह भंते ! ओदणे कुम्मासे सुरा एए णं किंसरीराति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! ओदणे कुम्मासे सुराए य जे घणे दव्वे एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च वणस्सइजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया सत्थपरिणामिया अगणिज्झामिया अगणिझूसिया अगणिसेविया अगणिपरिणामिया अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया सुराए य जे दवे दव्वे एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च आउजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिकायसरीराति वत्तव्वं सिया । अहे णं भंते ! अए तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया एए णं किंसरीराइ वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! अए तंबे तउए

२ सीसपहेलिआ २ पलिओवमेणवि सागरोवमेणवि भाणियव्वो । जया णं भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया ण उत्तरड्ढेवि पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढेवि पडिवज्जइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणवि णेवत्थि ओसप्पिणी नेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए ण तत्थ काले पन्नत्ते ? समणाउसो !, हंता गोयमा ! त चेव उच्चारेयव्वं जाव समणाउसो !, जहा ओसप्पिणीए आलावओ भणिओ एवं उस्सप्पिणीएवि भाणियव्वो ॥ १७७ ॥ लवणे ण भंते ! समुद्दे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जच्चेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव सव्वा अपरिसेसिया लवणसमुद्दस्सवि भाणियव्वा, नवर अभिलावो इमो णेयव्वो–जया ण भंते ! लवणे समुद्दे दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तं चेव जाव तदा णं लवणे समुद्दे पुरच्छिमपच्चत्थिमेण राई भवइ, एएणं अभिलावेणं नेयव्व । जदा ण भंते ! लवणसमुद्दे दाहिणड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तदा णं उत्तरड्ढेवि पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जदा णं उत्तरड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तदा ण लवणसमुद्दे पुरच्छिमपच्चत्थिमेण नेवत्थि ओसप्पिणी २ समणाउसो ! ?, हंता गोयमा ! जाव समणाउसो ! ॥ धायइसंडे ण भंते ! दीवे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जहेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव धायइसंडस्सवि भाणियव्वा, नवर इमेणं अभिलावेण सव्वे आलावगा भाणियव्वा । जया ण भंते ! धायइसंडे दीवे दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तदा ण उत्तरड्ढेवि जया ण उत्तरड्ढेवि तदा ण धायइसंडे दीवे मंदराण पव्वयाण पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं राई भवइ ?, हंता गोयमा ! एवं चेव जाव राई भवइ । जदा ण भंते ! धायइसंडे दीवे मंदराण पव्वयाण पुरच्छिमेण दिवसे भवइ तदा णं पच्चत्थिमेणवि, जदा णं पच्चत्थिमेणवि तदा ण धायइसंडे दीवे मंदराण पव्वयाण उत्तरेणं दाहिणेण राई भवइ ?, हंता गोयमा ! जाव भवइ, एव एएण अभिलावेणं नेयव्वं जाव जया णं भंते ! दाहिणड्ढे पढमा ओस० तया ण उत्तरड्ढे जया णं उत्तरड्ढे तया ण धायइसंडे दीवे मंदराण पव्वयाण पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नत्थि ओस० जाव समणाउसो !, ? हंता गोयमा ! जाव समणाउसो !, जहा लवणसमुद्दस्स वत्तव्वया तहा कालोदस्सवि भाणियव्वा, नवर कालोदस्स नामं भाणियव्वं । अब्भिंतरपुक्खरद्धे ण भंते ! सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जहेव धायइसंडस्स वत्तव्वया तहेव अब्भिंतरपुक्खरद्धस्सवि भाणियव्वा नवरं अभिलावो जाव जाणेयव्वो जाव तया ण अब्भिंतरपुक्खरद्धे मंदराण पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नेवत्थि ओस० नेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए ण तत्थ काले पन्नत्ते समणाउसो ! सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १७८ ॥ **पंचमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

सीसए उवले कसट्टिया, एए ण पुव्वभावपन्नवण पडुच्च पुढविजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया। अहण्णं भंते! अट्ठी अट्ठिज्झामे चम्मे चम्मज्झामे रोमे २ सिंगे २ खुरे २ नखे २ एए ण किंसरीराति वत्तव्वं सिया?, गोयमा! अट्ठी चम्मे रोमे सिंगे खुरे नहे एए ण तसपाणजीवसरीरा अट्ठिज्झामे चम्मज्झामे रोमज्झामे सिंग० खुर० णहज्झामे एए ण पुव्वभावपण्णवण पडुच्च तसपाणजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीव० त्ति वत्तव्वं सिया। अह भंते! इगाले छारिए भुसे गोमए एए णं किंसरीराइ वत्तव्व सिया?, गोयमा! इगाले छारिए भुसे गोमए एए ण पुव्वभावपण्णवण पडुच्च एगिंदियजीवसरीरप्पओगपरिणामियावि जाव पंचिंदियजीवसरीरप्पओगपरिणामियावि तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया॥ १८०॥ लवणे ण भंते! समुद्दे केवइय चक्कवालविक्खभेण पन्नत्ते?, एव नेयव्व जाव लोगट्ठिई लोगाणुभावे, सेव भंते! २ त्ति भगव जाव विहरइ॥ १८१॥

पंचमे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥

अण्णउत्थिया ण भंते! एवमाइक्खति भा० प० एव प० से जहानामए जालगठिया सिया आणुपुव्विगढिया अणतरगढिया परंपरगढिया अन्नमन्नगढिया अन्नमन्नगुरुयत्ताए अन्नमन्नभारियत्ताए अन्नमन्नगुरुयसभारियत्ताए अण्णमण्णघडत्ताए जाव चिट्ठति, एवामेव बहूण जीवाण बहूसु आजाइसयसहस्सेसु बहूइ आउयसहस्साइ आणुपुव्विगढियाइ जाव चिट्ठंति, एगेऽविय ण जीवे एगेण समएण दो आउयाइं पडिसवेदेइ, तजहा–इहभवियाउय च परभवियाउयं च, जं समय इहभवियाउयं पडिसवेदेइ त समय परभवियाउय पडिसवेदेइ जाव से कहमेय भंते! एवं?, गोयमा! जन्न ते अन्नउत्थिया त चेव जाव परभवियाउय च, जे ते एवमाहसु त मिच्छा, अह पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठति, एवामेव एगमेगस्स जीवस्स बहूहिं आजाइसहस्सेहिं बहूइ आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइ जाव चिट्ठति, एगेऽविय णं जीवे एगेण समएण एग आउयं पडिसवेदेइ, तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउय वा, ज समय इहभवियाउय पडिसवेदेइ नो त समय पर० पडिसवेदेइ ज समय प० नो त समयं इहभवियाउयं प०, इहभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए नो परभवियाउयं पडिसवेदेइ परभवियाउयस्स पडिसवेयणाए नो इहभवियाउयं पडिसवेदेइ, एव खलु एगे जीवे एगेण समएण एगं आउय प० तंजहा–इहभ० वा परभ० वा॥ १८२॥ जीवे ण भंते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते! किं साउए संकमइ निराउए संकमइ?,

अइमुत्ते कुमारसमणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ ? अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते थेरे एवं वयासी-एवं खलु अज्जो ! मम अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभद्दए जाव विणीए से णं अइमुत्ते कुमारसमणे इमेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ, तं मा णं अज्जो ! तुब्भे अइमुत्तं कुमारसमणं हीलेह निंदह खिंसह गरहह अवमन्नह, तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हह अगिलाए उवगिण्हह अगिलाए भत्तेणं पाणेणं विणएणं वेयावडियं करेह, अइमुत्ते णं कुमारसमणे अंतकरे चेव अंतिमसरीरिए चेव तए णं ते थेरा भगवंतो समणेणं भगवया म० एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हंति जाव वेयावडियं करेंति ॥ १८७ ॥ तेणं कालेणं २ महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्ढिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया तए णं ते देवा समणं भगवं महावीरं मणसा चेव वंदंति णमंसंति मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं पुच्छंति-कइ णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासीसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ? तए णं समणे भगवं महावीरे तेहिं देवेहिं मणसा पुट्ठे तेसिं देवाणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम सत्त अंतेवासीसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति तए णं ते देवा समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति २ त्ता मणसा चेव सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा जाव पज्जुवासंति । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव अदूरसामंते उड्ढंजाणू जाव विहरइ, तए णं तस्स भगवओ गोयमस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था एवं खलु दो देवा महिड्ढिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया तं नो खलु अहं ते देवे जाणामि कयराओ कप्पाओ वा सग्गाओ वा विमाणाओ वा कस्स वा अत्थस्स अट्ठाए इहं हव्वमागया ? तं गच्छामि णं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि इमाइं च णं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामित्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महा० जाव पज्जुवासइ, गोयमाइ समणे भगवं म० भगवं गोयमं एवं वयासी-से णूणं तव गोयमा ! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए से णूणं गोयमा ! अत्थे समत्थे ? हंता ! अत्थि तं गच्छाहि णं गोयमा ! एए चेव देवा

नो णं तहा केवली हसेज्ज वा जाव उस्सुयाएज्ज वा ?, गोयमा ! जण्णं जीवा चरित्तमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं हसंति वा उस्सुयायंति वा से णं केवलिस्स नत्थि, से तेणट्ठेणं जाव नो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा। जीवे णं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, णेरइएणं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, जीवा णं भंते ! हसमाणा वा उस्सुयायमाणा वा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य। एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएहिं-जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा ? हंता ! निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा, जहा हसेज्ज वा तहा नवरं दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं निद्दायंति वा पयलायंति वा, से णं केवलिस्स नत्थि, अन्नं तं चेव। जीवे णं भंते ! निद्दायमाणे वा पयलायमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥ १८५ ॥ हरी णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कदूए इत्थीगब्भं संहरणमाणे किं गब्भाओ गब्भं साहरइ १ गब्भाओ जोणिं साहरइ २ जोणीओ गब्भं साहरइ ३ जोणीओ जोणिं साहरइ ४ ?, गोयमा ! नो गब्भाओ गब्भं साहरइ नो गब्भाओ जोणिं साहरइ नो जोणीओ जोणिं साहरइ परामुसिय २ अव्वाबाहेणं अव्वाबाहं जोणीओ गब्भं साहरइ ॥ पभू णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कस्स णं दूए इत्थीगब्भं नहसिरंसि वा रोमकूवंसि वा साहरित्तए वा नीहरित्तए वा ?, हंता ! पभू, नो चेव णं तस्स गब्भस्स किंचिवि आबाहं वा विबाहं वा उप्पाएज्जा छविच्छेदं पुण करेज्जा, एसुहुमं च णं साहरिज्ज वा नीहरिज्ज वा ॥ १८६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभद्दए जाव विणीए, तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे अण्णया कयाइ महावुट्ठिकायंसि निवयमाणंसि कक्खपडिग्गहरयहरणमायाए बहिया संपट्ठिए विहाराए, तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे वाहयं वहमाणं पासइ २ मट्टियाए पालिं बंधइ २ णाविया मे २ नाविओविव णावमयं पडिग्गहगं उदगंसि कट्टु पव्वाहमाणे २ अभिरमइ, तं च थेरा अद्दक्खु, जेणेव समणे भगवं० तेणेव उवागच्छंति २ एवं वदासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे से णं भंते !

इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेहिंति, तए ण भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेण अब्भणुन्नाए समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ जेणेव ते देवा तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए ण ते देवा भगवं गोयमं एज्जमाणं पासंति २ हट्ठा जाव हयहियया खिप्पामेव अब्भुट्ठेंति २ खिप्पामेव पचुवागच्छंति २ जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! अम्हे महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्डिया जाव पाउब्भूआ तए णं अम्हे समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो २ मणसा चेव इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छामो-कइ णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ?, तए णं समणे भगवं महावीरे अम्हेहिं मणसा पुट्ठे अम्हं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ-एवं खलु देवाणु० मम सत्त अंतेवासिसयाइं जाव अंतं करेहिंति, तए णं अम्हे समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा चेव पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा समणं भगवं महावीरं वंदामो नमंसामो २ जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु भगवं गोयमं वंदंति नमंसंति २ जामेव दिसिं पाउ० तामेव दिसिं प० ॥ १८८ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं जाव एवं वयासी-देवा णं भंते ! संजयाति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, अब्भक्खाणमेयं, देवा णं भंते ! असंजयाइ वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे०, णिट्ठुरवयणमेयं, देवा णं भंते ! संजयासंजयाति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, असब्भूयमेयं देवाणं, से किं खाइ णं भंते ! देवाति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! देवा णं नोसंजयाति वत्तव्वं सिया ॥ १८९ ॥ देवा णं भंते ! कयराए भासाए भासंति ?, कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ ?, गोयमा ! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सावि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ ॥ १९० ॥ केवली णं भंते ! अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ ?, हंता ! गोयमा ! जाणइ पासइ। जहा णं भंते ! केवली अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणति पासति तहा णं छउमत्थेवि अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, सोच्चा जाणइ पासइ, पमाणओ वा, से किं तं सोच्चा ?, सोच्चा णं केवलिस्स वा केवलिसावयस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा से तं सोच्चा ॥ १९१ ॥ से किं तं पमाणे ?, पमाणे चउव्विहे प० तंजहा-पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे, जहा

॥ २०१ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! भारहे वासे इमीसे ओस० कइ कुलगरा होत्था ? गोयमा ! सत्त एवं तित्थयरा तित्थयरमायरो पियरो पढमा सिस्सिणीओ चक्कवट्टिमायरो पियरो इत्थिरयणं बलदेवा वासुदेवा वासुदेवमायरो पियरो एएसिं पडिसत्तू जहा समवाए नामपरिवाडीए तहा णेयव्वा सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५-५ ॥ पंचमसए पंचमो उद्देसमो समत्तो ॥

कहण्णं भंते ! जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं, तंजहा—पाणे अइवाएत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ कहण्णं भंते ! जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं—नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ कहण्णं भंते ! जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! पाणे अइवाएत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलित्ता निंदित्ता खिंसित्ता गरहित्ता अवमन्नित्ता अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ कहण्णं भंते ! जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता अन्नयरेणं मणुन्नेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ २०२ ॥ गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स केई भंडं अवहरेज्जा तस्स णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ परिग्गहिया माया अप० मिच्छा० ? गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ परि० माया अपच्च० मिच्छादंसणकिरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ ॥ अह से भंडे अभिसमन्नागए भवइ, तओ से पच्छा सव्वाओ ताओ पयणुईभवंति ॥ गाहावइस्स णं भंते ! तं भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जेज्जा भंडे य से अणुवणीए सिया गाहावइस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ? कइयस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ?, गोयमा ! गाहावइस्स ताओ भंडाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाणिया मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ, कइयस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स जाव भंडे से उवणीए

भंते ! अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा ओगाहित्ता णं चिट्ठइ पभू णं भंते ! केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव ओगाहित्ता णं चिट्ठित्तए ?, गोयमा ! णो ति०, से केणट्ठेणं भंते ! जाव केवली णं अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठित्तए ?, गो० ! केवलिस्स णं वीरियसजोगसद्दव्वयाए चलाइं उवगरणाइं भवंति, चलोवगरणट्ठयाए य णं केवली अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव जाव चिट्ठित्तए, से तेणट्ठेणं जाव वुच्चइ–केवली णं अस्सिं समयंसि जाव चिट्ठित्तए ॥ १९८ ॥ पभू णं भंते ! चोद्दसपुव्वी घडाओ घडसहस्सं पडाओ पडसहस्सं कडाओ २ रहाओ २ छत्ताओ छत्तसहस्सं दंडाओ दंडसहस्सं अभिनिव्वट्टेत्ता उवदंसेत्तए ?, हंता ! पभू, से केणट्ठेणं पभू चोद्दसपुव्वी जाव उवदंसेत्तए ? गोयमा ! चउद्दसपुव्विस्स णं अणंताइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं भिज्जमाणाइं लद्धाइं पत्ताइं अभिसमन्नागयाइं भवंति, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसित्तए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥१९९॥ **पंचमे सए चउत्थो उद्देसो ॥**

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं जहा पढमसए चउत्थुद्देसे आलावगा तहा नेयव्वा जाव अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया ॥२००॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वेदेंति जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से केणट्ठेणं अत्थेगइया ? तं चेव उच्चारेयव्वं, गोयमा ! जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा तहा वेदणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति, जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा नो तहा वेदणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं तहेव। नेरइया णं भंते ! किं एवंभूयं वेदणं वेदेंति अणेवंभूयं वेदणं वेदंति ?, गोयमा ! नेरइया णं एवंभूयं वेदणं वेदेंति अणेवंभूयंपि वेदणं वेदंति। से केणट्ठेणं तं चेव ? गोयमा ! जे णं नेरइया जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति ते णं नेरइया एवंभूयं वेदणं वेदेंति जे णं नेरइया जहा कडा कम्मा णो तहा वेदणं वेदेंति ते णं नेरइया अणेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया संसारमंडलं नेयव्वं

सिया कइयस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ ?, गाहावइस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! कइयस्स ताओ भंडाओ हेट्ठिल्लाओ चत्तारि किरियाओ कज्जंति मिच्छादंसणकिरिया भयणाए गाहावइस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते ! भंडं जाव धणे य से अणुवणीए सिया एवंपि जहा भंडे उवणीए तहा नेयव्वं चउत्थो आलावगो, धणे से उवणीए सिया जहा पढमो आलावगो भंडे य से अणुवणीए सिया तहा नेयव्वो पढमचउत्थाणं एक्को गमो बिइयतइयाणं एक्को गमो ॥ अगणिकाए णं भंते ! अहुणोज्जलिए समाणे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव भवइ, अहे णं समए २ वोक्कसिज्जमाणे २ चरिमकालसमयंसि इंगालभूए मुम्मुरभूए छारियभूए तओ पच्छा अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव भवइ ?, हंता गोयमा ! अगणिकाए णं अहुणोज्जलिए समाणे तं चेव ॥ २०४ ॥ पुरिसे णं भंते ! धणु परामुसइ धणु परामुसित्ता उसुं परामुसइ २ ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ आययकण्णाययं उसुं करेत्ता उड्ढं वेहासं उसुं उव्विहइ, २ तओ णं से उसुं उड्ढं वेहासं उव्विहिए समाणे जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणइ वत्तेइ लेस्सेइ संघाएइ संघट्टेइ परियावेइ किलामेइ ठाणाओ ठाणं संकामेइ जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ?, गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे धणुं परामुसइ २ जाव उव्विहइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू निव्वत्तिए तेऽवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे(ट्ठा) एवं धणुपुट्ठे पंचहिं किरियाहिं, जीवा पंचहिं, ण्हारू पंचहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले ण्हारू पंचहिं ॥ २०५ ॥ अहे णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुयसंभारियत्ताए अहे वीससाए पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे कइकिरिए ?, गोयमा ! जावं च णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू निव्वत्तिए तेवि जीवा चउहिं किरियाहिं, धणुपुट्ठे चउहिं, जीवा चउहिं, ण्हारू चउहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले ण्हारू पंचहिं, जेवि य से जीवा अहे पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे चिट्ठंति तेवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ २०६ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति से जहानामए-जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा

दुपएसिओ तिपएसियं फुसमाणो आदिल्लएहिं य पच्छिल्लएहिं य तिहिं फुसइ, मज्झि-
मएहिं तिहिं निरविसेसियव्वं दुपएसिओ जहा तिपएसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो
जाव अणंतपएसियं। तिपएसिए णं भंते! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा,
तइयछट्ठणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ दुपएसियं फुसमाणो पढमएणं तइएणं चउ-
त्थछट्ठसत्तमणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ तिपएसियं फुसमाणो सव्वेसुवि ठाणेसु
फुसइ, जहा तिपएसिओ तिपएसियं फुसाविओ एवं तिपएसिओ जाव अणंतपएसि-
एणं संजोएयव्वो जहा तिपएसिओ एवं जाव अणंतपएसिओ भाणियव्वो ॥ २१५ ॥
परमाणुपोग्गले णं भंते! कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं
उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवं जाव अणंतपएसिओ। एगपएसोगाढे णं भंते!
पोग्गले सेए तम्मि वा ठाणे अन्नम्मि वा ठाणे कालओ केवचिरं होइ? गोयमा!
जह० एगं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपएसो-
गाढे। एगपएसोगाढे णं भंते! पोग्गले निरेए कालओ केवचिरं होइ? गोयमा!
जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। एग-
गुणकालए णं भंते! पोग्गले कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! जह० एगं समयं
उ० असंखेज्जं कालं एवं जाव अणंतगुणकालए, एवं वण्णगंधरसफास० जाव अणंत
गुणलुक्खे एवं सुहुमपरिणए पोग्गले एवं बायरपरिणए पोग्गले। सद्दपरिणए णं
भंते! पोग्गले कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! ज० एगं समयं उ० आवलियाए
असंखेज्जइभागं असद्दपरिणए जहा एगगुणकालए ॥ परमाणुपोग्गलस्स णं भंते!
अंतरं कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं
कालं। दुपएसियस्स णं भंते! खंधस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ? गोयमा!
जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं एवं जाव अणंतपएसिओ। एगपएसो-
गाढस्स णं भंते! पोग्गलस्स सेयस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ? गोयमा!
जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। एग-
पएसोगाढस्स णं भंते! पोग्गलस्स निरेयस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ?
गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं एवं जाव असं-
खेज्जपएसोगाढे। वण्णगंधरसफाससुहुमपरिणयबायरपरिणयाणं एएसिं जं चेव संचि-
ट्ठणा तं चेव अंतरंपि भाणियव्वं। सद्दपरिणयस्स णं भंते! पोग्गलस्स अंतरं
कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं।
असद्दपरिणयस्स णं भंते! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ? गोयमा!
जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ॥ २१६ ॥ एयस्स णं

एयइ णो देसे एयइ सिय देसे एयइ णो देसा एयंति सिय देसा एयति णो देसे एयइ सिय देसा एयति नो देसा एयंति जहा चउप्पएसिओ तहा पंचपएसिओ तहा जाव अणंतपएसिओ ॥ २१२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! असिधारं वा खुर-धारं वा ओगाहेज्जा ?, हंता ! ओगाहेज्जा ! से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, एवं जाव असंखेज्ज-पएसिओ । अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ?, हंता ! ओगाहेज्जा, से ण तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?, गोयमा ! अत्थेगइए छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा अत्थेगइए नो छिज्जेज्ज वा नो भिज्जेज्ज वा, एवं अगणि-कायस्स मज्झमज्झेणं तहिं णवरं झियाएज्जा भाणियव्वं, एवं पुक्खलसंवट्टगस्स महामेहस्स मज्झमज्झेणं तहिं उल्ले सिया, एव गंगाए महाणईए पडिसोयं हव्वमा-गच्छेज्जा, तहिं विणिहायमावज्जेज्जा, उदगावत्तं वा उदगबिंदुं वा ओगाहेज्जा से णं तत्थ परियावज्जेज्जा ॥ २१३ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सअड्ढे समज्झे सप-एसे ? उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपएसे ?, गोयमा ! अणड्ढे अमज्झे अपएसे नो सअड्ढे नो समज्झे नो सपएसे ॥ दुपएसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे समज्झे सपएसे उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपदेसे ?, गोयमा ! सअड्ढे अमज्झे सपदेसे णो अणड्ढे णो समज्झे णो अपदेसे । तिपदेसिए ण भंते ! खंधे पुच्छा, गोयमा ! अणड्ढे समज्झे सपदेसे नो सअड्ढे णो अमज्झे णो अपदेसे, जहा दुपदेसिओ तहा जे समा ते भाणियव्वा, जे विसमा ते जहा तिपएसिओ तहा भाणियव्वा । संखेज्जपदेसिए ण भंते ! खंधे किं सअड्ढे ६ ? पुच्छा, गोयमा ! सिय सअड्ढे अमज्झे सपदेसे सिय अणड्ढे समज्झे सप-देसे जहा संखेज्जपदेसिओ तहा असंखेज्जपदेसिओऽवि अणंतपदेसिओऽवि ॥ २१४ ॥ परमाणुपोग्गले ण भंते ! परमाणुपोग्गल फुसमाणे किं देसेण देसं फुसइ १ देसेणं देसे फुसइ २ देसेणं सव्वं फुसइ ३ देसेहिं देसं फुसइ ४ देसेहिं देसे फुसइ ५ देसेहिं सव्वं फुसइ ६ सव्वेणं देसं फुसइ ७ सव्वेणं देसे फुसइ ८ सव्वेणं सव्वं फुसइ ९ ?, गोयमा ! णो देसेण देसं फुसइ णो देसेण देसे फुसइ णो देसेणं सव्वं फुसइ णो देसेहिं देसं फुसइ नो देसेहिं देसे फुसइ नो देसेहिं सव्वं फुसइ णो सव्वेणं देसं फुसइ णो सव्वेण देसे फुसइ सव्वेण सव्वं फुसइ, एवं परमाणुपोग्गले दुपदेसियं फुसमाणे सत्तमणवमेहिं फुसइ, परमाणुपोग्गले तिपएसियं फुसमाणे णिप्पच्छिमएहिं तिहिं फु०, जहा परमाणुपोग्गले तिपएसियं फुसाविओ एवं फुसावे-यव्वो जाव अणंतपएसिओ ॥ दुपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा, तइयनवमेहिं फुसइ, दुपदेसियं फुसमाणो पढमतइयसत्तमणवमेहिं फुसइ,

भंते ! दव्वट्ठाणाउयस्स खेत्तट्ठाणाउयस्स ओगाहणट्ठाणाउयस्स भावट्ठाणाउयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे खेत्तट्ठाणाउए ओगाहणट्ठाणाउए असखेज्जगुणे दव्वट्ठाणाउए असखेज्जगुणे भावट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे- खेत्तोगाहणदव्वे भावट्ठाणाउय च अप्पबहुं । खेत्ते सव्वत्थोवे सेसा ठाणा असखेज्जा ॥ १ ॥ २१७ ॥ नेरइया ण भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा उदाहु अणारंभा अपरिग्गहा ?, गोयमा ! नेरइया सारंभा सपरिग्गहा नो अणारंभा णो अपरिग्गहा । से केणट्ठेणं जाव अपरिग्गहा ?, गोयमा ! नेरइया णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइ परि० भ०, से तेणट्ठेणं तं चेव । असुरकुमारा ण भंते ! किं सारंभा ४? पुच्छा, गोयमा ! असुरकुमारा सारंभा सपरिग्गहा नो अणारंभा अप० । से केणट्ठेण ?, गोयमा ! असुरकुमारा णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकाय संमारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवति भवणा परि० भवति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ परिग्गहियाओ भवति आसणसयणभंडमत्तोवगरणा परिग्गहिया भवति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइ परिग्गहियाइं भवंति से तेणट्ठेण तहेव एव जाव थणियकुमारा । एगिंदिया जहा नेरइया । बेइंदिया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा त चेव जाव सरीरा परिग्गहिया भवति बाहिरिया भंडमत्तोवगरणा परि० भवति सचित्ताचित्त० जाव भवति एवं जाव चउरिंदिया । पंचेंदियतिरिक्खजोणिया ण भंते ! त चेव जाव कम्मा परि० भवन्ति टंका कूडा सेला सिहरी पब्भारा परिग्गहिया भवंति जलथलबिलगुहालेणा परिग्गहिया भवंति उज्झरनिज्झरचिल्लपल्लवप्पिणा परिग्गहिया भवति अगडतडागदहनईओ वाविपुक्खरिणीदीहिया गुंजालिया सरा सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ बिलपंतियाओ परिग्गहियाओ भवति आरामुज्जाणा काणणा वणाइ वणसंडाइ वणराईओ परिग्गहियाओ भवन्ति देवउलसभापवाथूभाखाइयपरिखाओ परिग्गहियाओ भवंति पागारट्टालगचरियदारगोपुरा परिग्गहिया भवति पासायघरसरणलेणआवणा परिग्गहिया भवंति सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहा परिग्गहिया भवंति सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसंदमाणियाओ परिग्गहियाओ भवति लोहीलोहकडाहकडुच्छुया परिग्गहिया भवति भवणा परिग्गहिया भवंति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिआ तिरिक्खजोणिणीओ आसणसयणखभभंडमचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइ भवंति से तेणट्ठेण०, (जहा) तिरिक्खजोणिया तहा मणुस्सावि

ते एगसमयठिईएवि पोग्गले २ त चेव, जइ ण अज्जो! भावादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा, एव ते एगगुणकालएवि पोग्गले सअ० २ त चेव, अह ते एव न भवइ तो जं वयसि दव्वादेसेणवि सव्वपोग्गला सअ० २ नो अणड्ढा अमज्झा अपदेसा एव खेत्तादेसेणवि काला० भावादेसेणवि तण्ण मिच्छा, तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियठिपुत्त अ० एव वयासी–नो खलु वयं देवा० एयमट्ठ जाणामो पासामो, जइ णं देवा० नो गिलायंति परिकहित्तए त इच्छामि णं देवा० अतिए एयमट्ठ सोचा निसम्म जाणित्तए, तए णं से नियठिपुत्ते अणगारे नारयपुत्त अणगारं एव वयासी–दव्वादेसेणवि मे अज्जो सव्वे पोग्गला सपदेसावि अपदेसावि अणता खेत्तादेसेणवि एव चेव कालादेसेणवि भावादेसेणवि एव चेव॥ जे दव्वओ अपदेसे से खेत्तओ नियमा अपदेसे कालओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे भावओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे । जे खेत्तओ अपदेसे से दव्वओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए । जहा खेत्तओ एव कालओ भावओ ॥ जे दव्वओ सपदेसे से खेत्तओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे, एव कालओ भावओवि, जे खेत्तओ सपदेसे से दव्वओ नियमा सपदेसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए जहा दव्वओ तहा कालओ भावओवि ॥ एएसि णं भते! पोग्गलाण दव्वादेसेणं खेत्तादेसेण कालादेसेण भावादेसेणं सपदेसाण य अपदेसाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, नारयपुत्ता! सव्वत्थोवा पोग्गला भावादेसेणं अपदेसा कालादेसेण अपदेसा असखेज्जगुणा दव्वादेसेणं अपदेसा असखेज्जगुणा खेत्तादेसेण अपदेसा असखेज्जगुणा खेत्तादेसेण चेव सपदेसा असखेज्जगुणा दव्वादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया कालादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया भावादेसेण सपदेसा विसेसाहिया । तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियठिपुत्त अणगारं वंदइ नमंसइ नियंठिपुत्त अणगार वदित्ता णमसित्ता एयमट्ठ सम्म विणएणं भुज्जो २ खामेइ २ त्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरइ ॥ २२० ॥ भन्तेत्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी–जीवा ण भते! किं वड्ढति हायंति अवट्ठिया ?, गोयमा! जीवा णो वड्ढति नो हायति अवट्ठिया । नेरइया ण भते! किं वड्ढति हायति अवट्ठिया ?, गोयमा! नेरइया वड्ढतिवि हायतिवि अवट्ठियावि, जहा नेरइया एव जाव वेमाणिया । सिद्धा णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सिद्धा वड्ढति नो हायंति अवट्ठियावि ॥ जीवा णं भंते! केवइय काल अवट्ठिया [वि] ?, सव्वद्ध । नेरइया णं भंते! केवइय काल वड्ढति ?, गोयमा! ज० एग समय उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभाग, एव हायति, नेरइया ण भते! केवइय कालं अवट्ठिया ?,

इहं तेसिं णाणं इहं चेव तेसिं एवं पन्नायए, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पि-णीइ वा से तेण॰ वाणमंतरजोइसवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ॥ २२४ ॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा [ते] थेरा भगवंतो जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी-से णूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जि-स्संति वा विगच्छिंसु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्संति वा परित्ता राइंदिया उप्प-ज्जिंसु वा ३ विगच्छिंसु वा ३ ? हंता अज्जो ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया तं चेव से केणट्ठेणं जाव विगच्छिस्संति वा ? से णूणं भंते ! अज्जो ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिएणं सासए लोए बुइए अणादीए अणवदग्गे परित्ते परिवुडे हेट्ठा विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते उप्पिं विसाले अहे पलियंकसंठिए मज्झे वरवइरविग्गहिए उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठिए तेसिं च णं सासयंसि लोगंसि अणादियंसि अणवदग्गंसि परित्तंसि परिवुडंसि हेट्ठा विच्छिन्नंसि मज्झे संखित्तंसि उप्पिं विसालंसि अहे पलियं-कसंठियंसि मज्झे वरवइरविग्गहियंसि उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठियंसि अणंता जीव-घणा उप्पज्जित्ता २ निलीयंति परित्ता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ निलीयंति से णूणं भूए उप्पन्ने विगए परिणए अजीवेहिं लोक्कइ पलोक्कइ जे लोक्कइ से लोए ? हंता भगवं [ते] ! से तेणट्ठेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ असंखेज्जे तं चेव । तप्पभिइं च णं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणंति सव्वण्णुं सव्वदरिसिं तए णं ते थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति २ एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सप्पडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह, तए णं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाव चरिमेहिं उस्सासनिस्सासेहिं सिद्धा जाव सव्वदुक्खप्पहीणा अत्थेगइया देवा देवलोएसु उववन्ना ॥ २२५ ॥ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पन्नत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा पन्नत्ता तंजहा-भवण-वासिवाणमंतरजोइसियवेमाणियभेएण भवणवासी दसविहा वाणमंतरा अट्ठविहा जोइसिया पंचविहा वेमाणिया दुविहा । गाहा-किमियं रायगिहंति य उज्जोए अंध-यार समए य । पासंतिवासि पुच्छा राइंदिय देवलोगा य ॥ १ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २२६ ॥ पंचमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी जहा पढमिल्लो उद्देसओ तहा नेयव्वो एसोवि नवरं चंदिमा भाणियव्वा ॥ २२७ ॥ पंचमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ पंचमं सयं समत्तं ॥

एगं समय उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं अवट्ठिएहिं सव्वनियकालो भाणियव्वो सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं सोवचया ?, गोयमा ! जह० एगं समयं उक्को० अट्ठ समया, केवइयं कालं निरुवचयनिरवचया ?, जह० एगं समयं उ० छम्मासा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २२१ ॥ **पंचमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी-किमिदं भंते ! नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ?, किं पुढवी नगरं रायगिहंति पवुच्चइ, आऊ नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ? जाव वणस्सई ?, जहा एयणुद्देसए पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं वत्तव्वया तहा भाणियव्वं जाव सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ?, गोयमा ! पुढवीवि नगरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसियाइं दव्वाइं नगरं रायगिहंति पवुच्चइ । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! पुढवी जीवाइय अजीवाइय नगरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसियाइं दव्वाइं जीवाइय अजीवाइय नगरं रायगिहंति पवुच्चइ से तेणट्ठेणं तं चेव ॥ २२२ ॥ से नूणं भंते ! दिया उज्जोए राइं अंधयारे ?, हंता गोयमा ! जाव अंधयारे । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! दिया सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे राइं असुभा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे से तेणट्ठेणं० । नेरइयाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! नेरइयाणं नो उज्जोए अंधयारे, से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! नेरइयाणं असुहा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे से तेणट्ठेणं० । असुरकुमाराणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं उज्जोए नो अंधयारे । से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइया जाव तेइंदिया जहा नेरइया । चउरिंदियाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! उज्जोएवि अंधयारेवि, से तेणट्ठेणं० ?, गोयमा ! चउरिंदियाणं सुभासुभा पोग्गला सुभासुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं एवं जाव मणुस्साणं । वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ २२३ ॥ अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं तत्थगयाणं एवं पन्नायइ-समयाइ वा आवलियाइ वा जाव ओसप्पिणीइ वा उस्सप्पिणीइ वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव समयाइ वा आवलियाइ वा ओसप्पिणीइ वा उस्सप्पिणीइ वा ?, गोयमा ! इहं तेसिं माणं इहं तेसिं पमाणं इहं तेसिं पण्णायइ, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा, से तेणट्ठेणं जाव नो एवं पण्णायए, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा, एवं जाव पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं, अत्थि णं भंते ! मणुस्साणं इहगयाणं एवं पन्नायइ, तंजहा-समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा ?, हंता ! अत्थि । से केणट्ठेणं ?, गोयमा !

चउव्विहे करणे पन्नत्ते तंजहा-मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ४ [ ] एवं पंचिंदियाणं सव्वेसिं चउव्विहे करणे पन्नत्ते। एगिंदियाणं दुविहे-कायकरणे य कम्मकरणे य। विगलिंदियाणं ३-वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे। नेरइयाणं भंते! किं करणओ असायं वेयणं वेयंति अकरणओ असायं वेयणं वेयंति? गोयमा! नेरइयाणं करणओ असायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ असायं वेयणं वेयंति। से केणट्ठेणं? गोयमा! नेरइयाणं चउव्विहे करणे पन्नत्ते तंजहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे इच्चेएणं चउव्विहेणं असुभेणं करणेणं नेरइया करणओ असायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ से तेणट्ठेणं। असुरकुमाराणं किं करणओ अकरणओ? गोयमा! करणओ नो अकरणओ। से केणट्ठेणं? गोयमा! असुरकुमाराणं चउव्विहे करणे पन्नत्ते तंजहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे इच्चेएणं सुभेणं करणेणं असुरकुमाराणं करणओ सायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविक्काइयाणं एवामेव पुच्छा नवरं इच्चेएणं सुभासुभेणं करणेणं पुढविक्काइया करणओ वेमायाए वेयणं वेयंति नो अकरणओ ओरालियसरीरा सव्वे सुभासुभेणं वेमायाए। देवा सुभेणं सायं वेयणं वेयंति॥ ११५॥ जीवा णं भंते! किं महावेयणा महानिज्जरा १ महावेयणा अप्पनिज्जरा २ अप्पवेयणा महानिज्जरा ३-अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ४? गोयमा! अत्थेगइया जीवा महावेयणा महानिज्जरा १ अत्थेगइया जीवा महावेयणा अप्पनिज्जरा २ अत्थेगइया जीवा अप्पवेयणा महानिज्जरा ३ अत्थेगइया जीवा अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ४। से केणट्ठेणं? गोयमा! पडिमापडिवन्नए अणगारे महावेयणे महानिज्जरे छट्ठसत्तमाउ पुढवीउ नेरइया महावेयणा अप्पनिज्जरा सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे अप्पवेयणे महानिज्जरे अणुत्तरोववाइया देवा अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा सेवं भंते! २ त्ति॥-महवेयणे य वत्थे कद्दमखंजणमए य अहिगरणी। तणहत्थे य कवल्ले करण महावेयणा जीवा॥ १॥ ॥११६॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ छट्ठसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो॥

रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी आहारुद्देसो जो पन्नवणाए सो सव्वो निरवसेसो नेयव्वो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥११७॥ छट्ठे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥

बहुकम्मवत्थपोग्गलपयोगवीससा य सादीए। कम्मट्ठिईत्थिसंजय सम्मदिट्ठी य सन्नी य॥ १॥ भविए दंसण पज्जत्ते भासअपरित्त नाणजोगे य। उवओगाहारगसुहुमचरिमबंधी य अप्पबहुं॥ २॥ से नूणं भंते! महाकम्मस्स महाकिरियस्स महासवस्स महावेयणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति सव्वओ पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं च णं पोग्गला बज्झंति सया

गाहा—वेयण १ आहार २ महस्सवे य ३ सपएम ४ तमुए य ५ भविए। ६ साली ७ पुढवी ८ कम्म ९ अन्नउत्थि १० दस छट्ठगमि सए ॥ १ ॥ से नूणं भंते ! जे महावेयणे से महानिज्जरे जे महानिज्जरे से महावेदणे, महावेदणस्स य अप्पवेदणस्स य से सेए जे पसत्थनिज्जराए ?, हंता गोयमा ! जे महावेदणे एवं चेव । छट्ठसत्तमासु ण भंते ! पुढवीसु नेरइया महावेयणा ?, हंता ! महावेयणा, ते ण भंते ! समणेहिंतो निग्गंथेहिंतो महानिज्जरतरा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ जे महावेदणे जाव पसत्थनिज्जराए ?, गोयमा ! से जहानामए-दुवे वत्था सिया, एगे वत्थे कद्दमरागरत्ते एगे वत्थे खंजणरागरत्ते एएसि ण गोयमा ! दोण्ह वत्थाण कयरे वत्थे दुधोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुपरिकम्मतराए चेव कयरे वा वत्थे सुधोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, जे वा से वत्थे कद्दमरागरत्ते जे वा से वत्थे खंजणरागरत्ते ?, भगवं ! तत्थ ण जे से वत्थे कद्दमरागरत्ते से ण वत्थे दुधोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुप्परिकम्मतराए चेव, एवामेव गोयमा ! नेरइयाणं पावाइं कम्माइ गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइ (अ) सिढिलीकयाइ खिलीभूयाइं भवंति संपगाढपि य ण ते वेयण वेदेमाणा णो महानिज्जरा णो महापज्जवसाणा भवंति, से जहा वा केइ पुरिसे अहिगरण आउडेमाणे महया २ सद्देण महया २ घोसेण महया २ परपराघाएण णो संचाएइ तीसे अहिगरणीए अहाबायरे पोग्गले परिसाडित्तए एवामेव गोयमा ! नेरइयाण पावाइं कम्माइं गाढीकयाइ जाव नो महापज्जवसाणा भवंति, भगवं ! तत्थ जे से वत्थे खंजणरागरत्ते से ण वत्थे सुधोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, एवामेव गोयमा ! समणाण निग्गंथाण अहाबायराइ कम्माइ सिढिलीकयाइ निट्ठियाइ कडाइ विप्परिणामियाइ खिप्पामेव विद्धत्थाइ भवंति, जावइय तावइयपि ण ते वेयणं वेदेमाणा महानिज्जरा महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए-केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जइ ?, हंता ! मसमसाविज्जइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं निग्गंथाणं अहाबायराइ कम्माइ जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदगबिंदू जाव हंता ! विद्धंसमागच्छइ, एवामेव गोयमा ! समणाण निग्गंथाण जाव महापज्जवसाणा भवंति, से तेणट्ठेण जे महावेदणे से महानिज्जरे जाव निज्जराए ॥ २२८ ॥ कइविहे ण भंते ! करणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे करणे पन्नत्ते, तंजहा—मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे । णेरइयाण भंते ! कइविहे करणे पन्नत्ते ?, गोयमा !

अपज्जवसिए नो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अप । से केण ? गोयमा !
इरियावहियाबंधयस्स कम्मोवचए साइए सप भवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणा-
इए सपज्जवसिए अभवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए अपज्जवसिए, से तेणट्ठेणं
गोयमा ! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जीवाणं कम्मोवचए साइए नो चेव णं जीवाणं
कम्मोवचए साइए अपज्जवसिए, वत्थे णं भंते ! किं साइए सपज्जवसिए चउ
भंगो ? गोयमा ! वत्थे साइए सपज्जवसिए अवसेसा तिन्निवि पडिसेहेयव्वा । जहा
णं भंते ! वत्थे साइए सपज्जवसिए नो साइए अपज्ज नो अणाइए सप० नो
अणाइए अपज्जवसिए तहा णं जीवाणं किं साइया सपज्जवसिया ? चउभंगो पुच्छा
गोयमा ! अत्थेगइया साइया सपज्जवसिया चत्तारिवि भाणियव्वा । से केणट्ठेणं ?
गोयमा ! नेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा गइरागइं पडुच्च साइया सप-
ज्जवसिया सिद्धि (द्धा) गई पडुच्च साइया अपज्जवसिया भवसिद्धिया लद्धिं पडुच्च
अणाइया सपज्जवसिया अभवसिद्धिया संसारं पडुच्च अणाइया अपज्जवसिया से
तेणट्ठेणं ॥ ११४ ॥ कइ णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ
कम्मप्पगडीओ प तंजहा-णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं ।
णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधठिई प ? गोयमा ! जह
अंतोमुहुत्तं उक्को तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिन्नि य वाससहस्साइं अबाहा
अबाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ एवं दरिसणावरणिज्जंपि वेदणिज्जं जह दो
समया उक्को जहा णाणावरणिज्जं, मोहणिज्जं जह अंतोमुहुत्तं उक्को सत्तरि साग
रोवमकोडाकोडीओ सत्त य वाससहस्साणि अबाहा अबाहूणिया कम्मठिई कम्मनि-
सेगो आउगं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्को तेत्तीसं सागरोवमाणि पुव्वकोडितिभाग-
मब्भहियाणि (पुव्वकोडितिभागो अबाहा अबाहूणिया) कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ,
नामगोयाणं जह अट्ठ मुहुत्ता उक्को वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ दोण्णि य वास-
सहस्साणि अबाहा अबाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेओ अंतराइयं जहा णाणा-
वरणिज्जं ॥ ११५ ॥ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ
नपुंसओ बंधइ ? णोइत्थी णोपुरिसो णोनपुंसओ बंधइ ? गोयमा ! इत्थीवि बंधइ
पुरिसोवि बंधइ नपुंसओवि बंधइ णोइत्थी णोपुरिसो णोनपुंसओ सिय बंधइ सिय
नो बंधइ एवं आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ ॥ आउगं णं भंते ! कम्मं किं
इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ नपुंसओ बंधइ ? पुच्छा गोयमा ! इत्थी सिय बंधइ
सिय नो बंधइ, एवं तिन्निवि भाणियव्वा णोइत्थी णोपुरिसो णोनपुंसओ न बंधइ ॥
णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं संजए बंधइ असंजए एवं संजयासंजए बंधइ

समिय पोग्गला चिज्जति सया समिय पोग्गला उवचिज्जति सया समियं च णं तस्स आया दुरूवत्ताए दुवन्नत्ताए दुगंधत्ताए दुरसत्ताए दुफासत्ताए अणिट्ठत्ताए अकंत० अप्पिय० असुभ० अमणुन्न० अमणामत्ताए अणिच्छियत्ताए अभिज्झियत्ताए अह-त्ताए नो उड्ढत्ताए दुक्खत्ताए नो सुहत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, हंता गोयमा ! महाकम्मस्स त चेव । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! से जहानामए-वत्थस्स अहयस्स वा धोयस्स वा ततुगयस्स वा आणुपुव्वीए परिभुज्जमाणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति जाव परिणमंति से तेणट्ठेणं० । से नूणं भंते ! अप्पासवस्स अप्पकम्मस्स अप्पकिरियस्स अप्पवेदणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति सव्वओ पोग्गला विद्धंसंति सव्वओ पोग्गला परिविद्धंसंति सया समिय पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति विद्धंसंति परिविद्धंसंति सया समियं च णं तस्स आया सुरूवत्ताए पसत्थं नेयव्वं जाव सुहत्ताए नो दुक्ख-त्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, हंता गोयमा ! जाव परिणमंति । से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! से जहानामए-वत्थस्स जल्लियस्स वा पंकियस्स वा मइल्लियस्स वा रइल्लि-यस्स वा आणुपुव्वीए परिकम्मिज्जमाणस्स सुद्धेणं वारिणा धोवेमाणस्स पोग्गला भिज्जंति जाव परिणमंति से तेणट्ठेणं० ॥ २३२ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पओगसावि वीससावि । जहा णं भंते ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए पओगसावि वीससावि तहा णं जीवाणं कम्मोवचए किं पओगसा वीससा ?, गोयमा ! पओगसा नो वीससा, से केणट्ठेणं० ?, गोयमा ! जीवाणं तिविहे पओगे पण्णत्ते, तंजहा-मणप्पओगे वइ० का०, इच्चेएणं तिविहेणं पओगेणं जीवाणं कम्मोवचए पओगसा नो वीससा, एवं सव्वेसिं पंचेंदियाणं तिविहे पओगे भाणियव्वे, पुढविकाइयाणं एगविहेणं पओगेणं एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, विग-लिंदियाणं दुविहे पओगे पण्णत्ते, तंजहा-वइपओगे य कायप्पओगे य, इच्चेएणं दुविहेणं पओगेणं कम्मोवचए पओगसा नो वीससा, से एएणट्ठेणं जाव नो वीससा एवं जस्स जो पओगो जाव वेमाणियाणं ॥ २३३ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलो-वचए किं साइए सपज्जवसिए १ साइए अपज्जवसिए २ अणाइए सपज्ज० ३ अणा० अप० ४ ?, गोयमा ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए साइए सपज्जवसिए नो साइए अप० नो अणा० स० नो अणा० अप० । जहा णं भंते ! वत्थस्स पोग्गलोवचए साइए सपज्ज० नो साइए अप० नो अणा० सप० नो अणा० अप० तहा णं जीवाणं कम्मोवचए पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइयाणं जीवाणं कम्मो-वचए साइए सपज्जवसिए अत्थे० अणाइए सपज्जवसिए अत्थे० अणाइए अप-

नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए वंधइ ?, गोयमा ! संजए सिय वंधइ सिय नो वंधइ असंजए वंधइ संजयासंजएवि वंधइ नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए न वंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउगे हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए उवरिल्ले ण वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सम्मदिट्ठी वंधइ मिच्छादिट्ठी वंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी वंधइ ?, गोयमा ! सम्मदिट्ठी सिय वंधइ सिय नो वंधइ मिच्छदिट्ठी वंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी वंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउए हेट्ठिल्ला दो भयणाए सम्मामिच्छदिट्ठी न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं सण्णी वंधइ असन्नी वंधइ नोसण्णीनोअसण्णी वंधइ ?, गोयमा ! सन्नी सिय वंधइ सिय नो वंधइ असन्नी वंधइ नोसन्नीनोअसन्नी न वंधइ, एवं वेदणिज्जाउगवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला दो वंधंति, उवरिल्ले भयणाए, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्ले न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं कम्मं किं भवसिद्धिए वंधइ अभवसिद्धिए वंधइ नोभवसिद्धिएनोअभवसिद्धिए वंधइ ?, गोयमा ! भवसिद्धिए भयणाए अभवसिद्धिए वंधइ नोभवसिद्धिएनोअभवसिद्धिए न वंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्ले न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं चक्खुदंसणी वंधइ अचक्खुदंस० ओहिदंस० केवलद० ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए उवरिल्ले ण वंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला तिन्नि वंधंति केवलदंसणी भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं कम्मं किं पज्जत्तओ वंधइ अपज्जत्तओ वंधइ नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए वंधइ ?, गोयमा ! पज्जत्तए भयणाए, अपज्जत्तए वंधइ, नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए न वंधइ, एवं आउगवज्जाओ, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्ले ण वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं किं भासए वंधइ अभासए० ?, गोयमा ! दोवि भयणाए, एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्त, वेदणिज्जं भासए वंधइ अभासए भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं किं परित्ते वंधइ अपरित्ते वंधइ नोपरित्तेनोअपरित्ते वंधइ ?, गोयमा ! परित्ते भयणाए अपरित्ते वंधइ नोपरित्तेनोअपरित्ते न वंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ, आउए परित्तोवि अपरित्तोवि भयणाए, नोपरित्तोनोअपरित्तो न वंधइ ॥ णाणावरणिज्जं कम्मं किं आभिणिवोहियनाणी वंधइ सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी केवलनाणी वं० ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला चत्तारि भयणाए केवलनाणी न वंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला चत्तारि वंधंति केवलनाणी भयणाए । णाणावरणिज्जं किं मइअन्नाणी वंधइ सुय० विभंग० ?, गोयमा ! (सव्वेवि) आउगवज्जाओ सत्तवि वंधंति, आउगं भयणाए ॥ णाणावरणिज्जं किं मणजोगी वंधइ वय० काय० अजोगी वंधइ ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए अजोगी न वंधइ, एवं वेदणिज्ज-

जीवसिद्धेहिं तियभगो मणुस्से(सु) छब्भगा, सम्मद्दिट्ठीहिं जीवाइ(य)तियभंगो, विग-लिंदिएसु छब्भगा, मिच्छदिट्ठीहिं एगिंदियवज्जो तियभगो,सम्मामिच्छदिट्ठीहिं छब्भंगा, सजएहिं जीवाइओ तियभगो, असजएहिं एगिंदियवज्जो तियभंगा, संजयासजएहिं तियभगो जीवादिओ,नोसजयनोअसजयनोसजयासजयजीवसिद्धेहिं तियभगो, सकसाईहिं जीवादिओ तियभगो, एगिंदिएसु अभगयं, कोहकसाईहिं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, देवेहिं छब्भगा, माणकसाई मायाकसाई जीवेगिंदियवज्जो तियभगो, नेरइयदेवेहिं छब्भगा, लोभकसाईहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभगो, नेरइएसु छब्भगा, अकसाईजीवमणुएहिं सिद्धेहिं तियभगो, ओहियनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे जीवादिओ तियभंगो, विगलिंदिएहिं छब्भगा, ओहिनाणे मण० केवलनाणे जीवादिओ तियभगो, ओहिए अन्नाणे मइअण्णाणे सुयअण्णाणे एगिंदियवज्जो तियभगो, विभगनाणे जीवादिओ तियभगो, सजोगी जहा ओहिओ, मणजोगी वयजोगी कायजोगी जीवादिओ तियभगो नवर कायजोगी एगिंदिया तेसु अभंगयं, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, सवेयगा य जहा सकसाई, इत्थिवेयगपुरिसवेयगनपुसगवेयगेसु जीवादिओ तियभंगो, नवरं नपुसगवेदे एगिंदिएसु अभगय, अवेयगा जहा अकसाई, ससरीरी जहा ओहिओ, ओरालियवेउव्वियसरीराण जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, आहारगसरीरे जीवमणुएसु छब्भंगा, तेयगकम्मगाण जहा ओहिया, असरीरेहिं जीवसिद्धेहिं तियभगो, आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणापाणुपज्जत्तीए जीवएगिंदियवज्जो तियभगो, भासामणपज्जत्तीए जहा सण्णी, आहारअपज्जत्तीए जहा अणाहारगा, सरीरअपज्जत्तीए इंदियअपज्जत्तीए आणापाणअपज्जत्तीए जीवेगिंदियवज्जो तियभगो, नेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा, भासामणअपज्जत्तीए जीवादिओ तियभगो, णेरइयदेवमणुएहिं छब्भगा ॥ गाहा—सपदेसा आहारगभवियसन्निलेस्सा दिट्ठी सजयकसाए । णाणे जोगुवओगे वेदे य सरीरपज्जत्ती ॥ १ ॥ २३८ ॥ जीवा ण भते ! किं पचक्खाणी अपचक्खाणी पचक्खाणापचक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा पचक्खाणीवि अपचक्खाणीवि पचक्खाणापचक्खाणीवि । सव्वजीवाण एव पुच्छा, गोयमा ! नेरइया अपचक्खाणी जाव चउरिंदिया, सेसा दो पडिसेहेयव्वा, पचेंदियतिरिक्खजोणिया नो पचक्खाणी अपचक्खाणीवि पचक्खाणापचक्खाणीवि, मणुस्सा तिन्निवि, सेसा जहा नेरइया ॥ जीवा ण भते ! किं पचक्खाण जाणंति अपचक्खाण जाणति पचक्खाणापचक्खाण जाणति ?, गोयमा ! जे पंचेंदिया ते तिन्निवि जाणति अवसेसा पचक्खाण न जाणति ३॥ जीवा णं भंते ! किं पचक्खाण कुव्वति अपचक्खाण कुव्वंति पचक्खाणापचक्खाण

समट्ठे । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए ओराला बलाहया संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति वा ?, हंता ! अत्थि, तं भंते ! किं देवो पकरेइ असुरो पकरेइ नागो पकरेइ ?, गोयमा ! देवोवि पकरेइ असुरोवि पकरेइ णागोवि पकरेइ । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए बादरे थणियसद्दे बायरे विज्जुए ?, हंता ! अत्थि, तं भंते ! किं देवो पकरेइ ३?, तिन्निवि पकरेन्ति, अत्थि णं भंते ! तमुक्काए बायरे पुढविकाए बादरे अगणिकाए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे णण्णत्थ विग्गहगइसमावन्नएणं । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, पलियस्सतो पुण अत्थि । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदाभाइ वा सूराभाइ वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, कादूसणिया पुण सा । तमुक्काए णं भंते ! केरिसए वन्नेणं पण्णत्ते ?, गोयमा ! काले कालावभासे गंभीरलोमहरिसजणणे भीमे उत्तासणए परमकिण्हे वन्नेणं पण्णत्ते, देवेवि णं अत्थेगइए जे णं तप्पढमयाए पासित्ता णं खुभाएज्जा अहे णं अभिसमागच्छेज्जा तओ पच्छा सीहं २ तुरियं २ खिप्पामेव वीईवएज्जा ॥ तमुक्कायस्स णं भंते ! कइ नामधेज्जा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तेरस नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा-तमेइ वा तमुक्काएइ वा अंधकारेइ वा महंधकारेइ वा लोगंधकारेइ वा लोगतमिस्सेइ वा देवंधकारेइ वा देवतमिस्सेइ वा देवारन्नेइ वा देववूहेइ वा देवफलिहेइ वा देवपडिक्खोभेइ वा अरुणोदएइ वा समुद्दे ॥ तमुक्काए णं भंते ! किं पुढविपरिणामे आउपरिणामे जीवपरिणामे पोग्गलपरिणामे ?, गोयमा ! नो पुढविपरिणामे आउपरिणामेवि जीवपरिणामेवि पोग्गलपरिणामेवि । तमुक्काए णं भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता पुढविकाइयत्ताए जाव तसकाइयत्ताए उववन्नपुव्वा ?, हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो णो चेव णं बादरपुढविकाइयत्ताए बादरअगणिकाइयत्ताए वा ॥ २४० ॥ कइ णं भंते ! कण्हराईओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ । कहि णं भंते ! एयाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हिट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणे पत्थडे, एत्थ णं अक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ, तंजहा-पुरच्छिमेणं दो पच्चत्थिमेणं दो दाहिणेणं दो उत्तरेणं दो, पुरच्छिमब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा दाहिणब्भंतरा कण्हराई पच्चत्थिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा पच्चत्थिमब्भंतरा कण्हराई उत्तरबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा उत्तरमब्भंतरा कण्हराई पुरच्छिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, दो पुरच्छिमपच्चत्थिमाओ बाहिराओ कण्हराईओ छलंसाओ दो उत्तरदाहिणबाहिराओ कण्हराईओ तंसाओ दो पुरच्छिमपच्चत्थिमाओ अब्भिंतराओ कण्हराईओ चउरंसाओ दो उत्तरदाहिणाओ अब्भिंतराओ कण्हरा-

रयणप्पभाए उववज्जित्तए जहा नेरइया तहा भाणियव्वा जाव थणियकुमारा। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए असंखेज्जेसु पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविक्काइयावासंसि पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं केवइयं गच्छेज्जा केवइयं पाउणेज्जा? गोयमा! लोयंतं गच्छेज्जा लोयंतं पाउणिज्जा। से णं भंते! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इह हव्वमागच्छइ २ त्ता दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्तं वा संखेज्जइभागमेत्तं वा वालग्गं वा वालग्गपुहुत्तं वा एवं लिक्खं जूयं जवं अंगुलं जाव जोयणकोडिं वा जोयणकोडा-कोडिं वा संखेज्जेसु वा असंखेज्जेसु वा जोयणसहस्सेसु लोगंते वा एगपएसियं सेढिं मोत्तूण असंखेज्जेसु पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविक्काइयावासंसि पुढविक्काइयत्ताए उववज्जेत्ता तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा। जहा पुरत्थिमेणं मंदरस्स पव्वयस्स आलावओ भणिओ एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढे अहे, जहा पुढविक्काइया तहा एगिंदियाणं सव्वेसिं एक्के-क्कस्स छ आलावया भाणियव्वा। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ त्ता जे भविए असंखेज्जेसु बेइंदियावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि बेइंदियावासंसि बेइंदियत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! तत्थगए चेव जहा नेरइया एवं जाव अणु-त्तरोववाइया। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए एवं पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु अण्णयरंसि अणुत्तरविमाणंसि अणुत्त-रोववाइयदेवत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते! तत्थगए चेव जाव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा? । सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥२४७॥ पुढवि-उद्देसो समत्तो। छट्ठसए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

अह णं भंते! सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसि णं धण्णाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं उल्लित्ताणं लित्ताणं पिहियाणं मुद्दि-याणं लंछियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ तेण परं जोणी पविद्धंसइ तेण परं बीए अबीए भवइ तेण परं जोणीवोच्छेदे पण्णत्ते समणाउसो!। अह भंते! कलायमसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसंदगसईणपलिमंथगमाईणं एएसि णं धण्णाणं जहा सालीणं तहा एयाणवि नवरं पंच संवच्छराइं, सेसं तं चेव। अह

य गद्दतोया य। तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥ १ ॥ कहि णं भंते ! सारस्सया देवा परिवसंति ?, गोयमा ! अच्चिविमाणे परिवसंति, कहि णं भंते ! आइच्चा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! अच्चिमालिविमाणे, एव नेयव्व जहाणुपुव्वीए जाव कहि ण भंते ! रिट्ठा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! रिट्ठविमाणे ॥ सारस्सयमाइच्चाण भंते ! देवाणं कइ देवा कइ देवसया पण्णत्ता ?, गोयमा ! सत्त देवा सत्त देवसया परिवारो पण्णत्तो, वण्हीवरुणाण देवाण चउद्दस देवा चउद्दस देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो, गद्दतोयतुसियाणं देवाण सत्त देवा सत्त देवसहस्सा पण्णत्ता, अवसेसाण नव देवा नव देवसया पण्णत्ता–'पढमजुगलम्मि सत्त उ सयाणि बीयंमि चोद्दसमहस्सा। तइए सत्तसहस्सा नव चेव सयाणि सेसेसु ॥ १ ॥' लोगंतियविमाणा ण भंते ! किंपइट्ठिया पण्णत्ता ?, गोयमा ! वाउपइट्ठिया तदुभयपइट्ठिया प०, एव नेयव्व–'विमाणाण पइट्ठाणं बाहल्लुच्चत्तमेव सठाण।' बंभलोयवत्तव्वया नेयव्वा [जहा जीवाभिगमे देवुद्देसए] जाव हंता गोयमा ! असइ अदुवा अणंतखुत्तो। नो चेव ण देवित्ताए। लोगंतियविमाणेसु ण भंते ! केवइय काल ठिई पण्णत्ता ?, गोयमा ! अट्ठ सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता। लोगंतियविमाणेहिंतो ण भंते ! केवइय अबाहाए लोगंते पण्णत्ते ?, गोयमा ! असखेज्जाइ जोयणसहस्साइं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते। सेव भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥ २४२ ॥ **छट्ठसए पंचमो उद्देसओ समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव तमतमा, रयणप्पभाईण आवासा भाणियव्वा (जाव) अहेसत्तमाए, एव जे जत्तिया आवासा ते भाणियव्वा जाव कइ ण भंते ! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता, तंजहा–विजए जाव सव्वट्ठसिद्धे ॥ २४३ ॥ जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएण समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिनियत्तइ, तओ पडिनियत्तित्ता इहमागच्छइ २ दोच्चपि मारणंतियसमुग्घाएण समोहणइ २ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जित्तए, तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा एव जाव अहेसत्तमा पुढवी। जीवे ण भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए चउसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि असुरकुमारावासंसि असु-

भंते ! अयसिकुसुंभगकोद्दवकंगुवरगरालगकोदूसगसणसरिसवमूलगबीयमाईणं एएसि णं धन्नाणं, एयाणिवि तहेव, नवरं सत्त संवच्छराइं, सेसं तं चेव ॥ २४५ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! मुहुत्तस्स केवइया ऊसासद्धा वियाहिया ?, गोयमा ! असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जा आवलिया ऊसासो संखेज्जा आवलिया निस्सासो—हट्ठस्स अणवगल्लस्स, निरुवकिट्ठस्स जंतुणो । एगे ऊसासनीसासे, एस पाणुत्ति वुच्चइ ॥ १ ॥ सत्त पाणूणि से थोवे, सत्त थोवाइं से लवे । लवाणं सत्तहत्तरिए, एस मुहुत्ते वियाहिए ॥ २ ॥ तिन्नि सहस्सा सत्त य सयाइं तेवत्तरिं च ऊसासा । एस मुहुत्तो दिट्ठो सव्वेहिं अणंतनाणीहिं ॥ ३ ॥ एएणं मुहुत्तपमाणेणं तीसमुहुत्तो अहोरत्तो, पन्नरस अहोरत्ता पक्खो, दो पक्खा मासे, दो मासा उऊ, तिन्नि उउए अयणे, दो अयणे संवच्छरे, पंचसंवच्छरिए जुगे, वीसं जुगाइं वाससयं, दस वाससयाइं वाससहस्सं, सयं वाससहस्साइं वाससयसहस्सं, चउरासीइं वाससयसहस्साणि से एगे पुव्वंगे, चउरासीइं पुव्वंगसयसहस्साइं से एगे पुव्वे, [एवं पुव्वे] २ तुडिए २ अडडे २ अववे २ हूहूए २ उप्पले २ पउमे २ नलिणे २ अच्छणिउरे २ अउए २ पउए य २ नउए य २ चूलिया २ सीसपहेलिया २ एताव ताव गणिए एताव ताव गणियस्स विसए, तेण परं ओवमिए । से किं तं ओवमिए ?, २ दुविहे पण्णत्ते तंजहा पलिओवमे य सागरोवमे य, से किं तं पलिओवमे ? से किं तं सागरोवमे ? ॥ सत्थेण सुतिक्खेणवि छेत्तुं भेत्तुं च जं न किर सक्का । तं परमाणुं सिद्धा वयंति आइं पमाणाणं ॥ १ ॥ अणंताणं परमाणुपोग्गलाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा उस्सण्हसण्हियाइ वा सण्हसण्हियाइ वा उड्ढरेणूइ वा तसरेणूइ वा रहरेणूइ वा वालग्गेइ वा लिक्खाइ वा जूयाइ वा जवमज्झेइ वा अंगुलेइ वा, अट्ठ उस्सण्हसण्हियाओ सा एगा सण्हसण्हिया, अट्ठ सण्हसण्हियाओ सा एगा उड्ढरेणू, अट्ठ उड्ढरेणूओ सा एगा तसरेणू, अट्ठ तसरेणूओ सा एगा रहरेणू, अट्ठ रहरेणूओ से एगे देवकुरुउत्तरकुरुगाणं मणूसाणं वालग्गे, एवं हरिवासरम्मगहेमवएरन्नवयाणं पुव्वविदेहाणं मणूसाणं अट्ठ वालग्गा सा एगा लिक्खा, अट्ठ लिक्खाओ सा एगा जूया, अट्ठ जूयाओ से एगे जवमज्झे, अट्ठ जवमज्झाओ से एगे अंगुले, एएणं अंगुलपमाणेणं छ अंगुलाणि पाओ, बारस अंगुलाइं विहत्थी, चउव्वीसं अंगुलाइं रयणी, अडयालीसं अंगुलाइं कुच्छी, छन्नउइं अंगुलाणि से एगे दंडेइ वा धणूइ वा जूएइ वा नालियाइ वा अक्खेइ वा मुसलेइ वा, एएणं धणुप्पमाणेणं दो धणुसहस्साइं गाउयं, चत्तारि गाउयाइं जोयणं, एएणं जोयणप्पमाणेणं जे पल्ले जोयणं आयाम-

तिणट्ठे समट्ठे, नन्नत्थ विग्गहगइसमावन्नएण । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयण० अहे चंदिम जाव ताराख्वा ?, नो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चंदाभाइ वा २ ?, णो इणट्ठे समट्ठे, एवं दोच्चाएवि पुढवीए भाणियव्वं, एव तच्चाएवि भाणियव्व, नवर देवोवि पकरेइ असुरोवि पकरेइ णो णागो पकरेइ, चउत्थाएवि एव नवरं देवो एक्को पकरेइ नो असुरो० नो नागो पकरेइ, एव हेट्ठिल्लासु सव्वासु देवो एक्को पकरेइ । अत्थि णं भंते ! सोहम्मीसाणाण कप्पाण अहे गेहाइ वा २ ? नो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि ण भंते ! उराला बलाहया ? हता ! अत्थि, देवो पकरेइ असुरोवि पकरेइ नो नाओ पकरेइ, एवं थणियसद्देवि । अत्थि ण भंते ! बायरे पुढविकाए बादरे अगणिकाए ?, णो इणट्ठे समट्ठे, नण्णत्थ विग्गहगइसमावन्नएण । अत्थि ण भंते ! चंदिम० ?, णो तिणट्ठे समट्ठे । अत्थि ण भंते ! गामाइ वा० ?, णो तिणट्ठे स० । अत्थि ण भंते ! चंदाभाइ वा २ ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे । एव सणंकुमारमाहिंदेसु नवरं देवो एगो पकरेइ । एव बंभलोएवि । एव बंभलोगस्स उवरिं सव्वहिं देवो पकरेइ, पुच्छियव्वो य, बायरे आउकाए बायरे अगणिकाए बायरे वणस्सइकाए अन्नं त चेव ॥ गाहा—तमुकाए कप्पपणए अगणी पुढवी य अगणि पुढवीसु । आऊतेउवणस्सइ कप्पुवरिमकण्हराईसु ॥ १ ॥ ॥ २४८ ॥ कइविहे ण भंते ! आउयबंधए पन्नत्ते ?, गोयमा ! छव्विहा आउयबंधा पन्नत्ता, तंजहा—जाइनामनिहत्ताउए १ गइनामनिहत्ताउए २ ठिइनामनिहत्ताउए ३ ओगाहणानामनिहत्ताउए ४ पएसनामनिहत्ताउए ५ अणुभागनामनिहत्ताउए ६ दंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ जीवा ण भंते ! किं जाइनामनिहत्ता जाव अणुभागनामनिहत्ता ?, गोयमा ! जाइनामनिहत्तावि जाव अणुभागनामनिहत्तावि, दंडओ जाव वेमाणियाण । जीवा ण भंते ! किं जाइनामनिहत्ताउया जाव अणुभागनामनिहत्ताउया ?, गोयमा ! जाइनामनिहत्ताउयावि जाव अणुभागनामनिहत्ताउयावि, दंडओ जाव वेमाणियाण । एव एए दुवालस दंडगा भाणियव्वा । जीवा ण भंते ! कि जाइनामनिहत्ता १ जाइनामनिहत्ताउया २ ?, १२ । जीवा ण भंते ! किं जाइनामनिउत्ता ३ जाइनामनिउत्ताउया ४ जाइगोयनिहत्ता ५ जाइगोयनिहत्ताउया ६ जाइगोयनिउत्ता ७ जाइगोयनिउत्ताउया ८ जाइणामगोयनिहत्ता ९ जाइणामगोयनिहत्ताउया १० जाइणामगोयनिउत्ता ११ ? जीवा ण भंते ! किं जाइनामगोयनिउत्ताउया १२ जाव अणुभागनामगोयनिउत्ताउया ?, गोयमा ! जाइनामगोयनिउत्ताउयावि जाव अणुभागनामगोयनिउत्ताउयावि दंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ २४९ ॥ लवणे ण भंते ! समुद्दे किं उस्सिओदए पत्थडोदए खुभियजले अखु-

सुद्धलेसे देवे समोहएण अप्पाणेण विसुद्धलेस देव ३, ४। अविसुद्धलेसे समोहया॰ समोहएण अप्पाणेग अविसुद्धलेस देव ३, ५। अविसुद्धलेसे समोहया॰ विसुद्धलेस देव ३, ६॥ विसुद्धलेसे असमो॰ अविसुद्धलेस देव ३, १। विसुद्धलेसे असमोहएण विसुद्धलेस देवं ३, २। विसुद्धलेसे ण भंते! देवे समोहएण अविसुद्धलेस देव ३ जाणइ०?, हता! जाणइ०, एवं विसुद्ध॰ समो॰ विसुद्धलेस देव ३ जाणइ?, हता! जाणइ ४। विसुद्धलेसे समोहयासमोहएण अविसुद्धलेस देव ३, ५। विसुद्धलेसे समोहयासमोहएण विसुद्धलेस देवं ३, ६। एव हेट्ठिल्लएहिं अट्ठहिं न जाणइ न पासइ उवरिल्लएहिं चउहिं जाणइ पासइ। सेव भंते! सेव भंते! त्ति॥ २५३॥

छट्ठसए नवमो उद्देसो समत्तो॥

अन्नउत्थिया ण भंते! एवमाइक्खति जाव परूवेति जावइया रायगिहे नयरे जीवा एवइयाण जीवाण नो चक्किया केइ सुह वा दुह वा जाव कोलट्ठिगमायमवि निप्फावमायमवि कलममायमवि मासमायमवि मुग्गमायमवि जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्टेत्ता उवदंसित्तए, से कहमेय भंते! एव?, गोयमा! जन्न ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खति जाव मिच्छ ते एवमाहसु, अह पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि सव्वलोएवि य ण सव्वजीवाणं णो चक्किया कोइ सुह वा त चेव जाव उवदंसित्तए। से केणट्ठेण?, गोयमा! अयन्न जंबुद्दीवे २ जाव विसेसाहिए परिक्खेवेण पन्नत्ते, देवे ण महिड्ढिए जाव महाणुभागे एग मह सविलेवण गंधसमुग्गग गहाय त अवद्दालेइ त अवद्दालेत्ता जाव इणामेव कट्टु केवलकप्प जंबुद्दीव २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ता ण हव्वमागच्छेज्जा, से नूण गोयमा! से केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे?, हता! फुडे, चक्किया ण गोयमा! केइ तेसिं घाणपोग्गलाण कोलट्ठियामायमवि जाव उवदंसित्तए?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेण जाव उवदंसेत्तए॥ २५४॥ जीवे ण भंते! जीवे २ जीवे?, गोयमा! जीवे ताव नियमा जीवे जीवेवि नियमा जीवे। जीवे ण भंते! नेरइए नेरइए जीवे?, गोयमा! नेरइए ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय नेरइए सिय अनेरइए, जीवे णं भंते! असुरकुमारे असुरकुमारे जीवे?, गोयमा! असुरकुमारे ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय असुरकुमारे सिय णो असुरकुमारे, एव दडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाण। जीवइ भंते! जीवे जीवे जीवइ?, गोयमा! जीवइ ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय जीवइ सिय नो जीवइ, जीवइ भंते! नेरइए २ जीवइ?, गोयमा! नेरइए ताव नियमा जीवइ २ पुण सिय नेरइए सिय अनेरइए, एव दडओ नेयव्वो जाव वेमाणियाणं। भवसिद्धिए ण भंते! नेरइए २ भवसिद्धिए?, गोयमा! भवसिद्धिए

याए गइपरिणामेणं अकम्मस्स गई पन्नायइ । कहन्नं भंते ! बंधणछेयणयाए अक-
म्मस्स गई प० ? गोयमा ! से जहानामए-कलसिंबलियाइ वा मुग्गसिंबलियाइ वा
माससिंबलियाइ वा सिंबलिसिंबलियाइ वा एरंडमिंजियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का स-
माणी फुडित्ता णं एगंतमंतं गच्छइ, एवं खलु गोयमा ! ० । कहन्नं भंते ! निरं-
धणयाए अकम्मस्स गई प० ? गोयमा ! से जहानामए-धूमस्स इंधणविप्पमुक्कस्स
उड्ढं वीससाए निव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! ० । कहन्नं भंते !
पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ? गोयमा ! से जहानामए कंडस्स कोदंडविप्प-
मुक्कस्स लक्खाभिमुही निव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! नीसंगयाए
निरंगणयाए जाव पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ॥ २६४ ॥ दुक्खी भंते !
दुक्खेणं फुडे अदुक्खी दुक्खेणं फुडे ? गोयमा ! दुक्खी दुक्खेणं फुडे नो अदुक्खी
दुक्खेणं फुडे । दुक्खी णं भंते ! नेरइए दुक्खेणं फुडे अदुक्खी नेरइए दुक्खेणं
फुडे ? गोयमा ! दुक्खी नेरइए दुक्खेणं फुडे नो अदुक्खी नेरइए दुक्खेणं फुडे
एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं एवं पंच दंडगा नेयव्वा-दुक्खी दुक्खेणं फुडे १
दुक्खी दुक्खं परियायइ २ दुक्खी दुक्खं उदीरेइ ३ दुक्खी दुक्खं वेएइ ४ दुक्खी
दुक्खं निज्जरेइ ५ ॥ २६५ ॥ अणगारस्स णं भंते ! अणाउत्तं गच्छमाणस्स वा
चिट्ठमाणस्स वा निसीयमाणस्स (वा) तुयट्टमाणस्स वा अणाउत्तं वत्थं पडिग्गहं
कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा तस्स णं भंते ! किं इरिया-
वहिया किरिया कज्जइ ? संपराइया किरिया कज्जइ ? गो० नो इरियावहिया किरिया
कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जस्स णं कोहमाण-
मायालोभा वोच्छिन्ना भवंति तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ नो संपराइया
किरिया कज्जइ, जस्स णं कोहमाणमायालोभा अवोच्छिन्ना भवंति तस्स णं संपराइया
किरिया कज्जइ नो इरियावहिया अहासुत्तं रीयमाणस्स इरियावहिया किरिया कज्जइ
उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं उस्सुत्तमेव रियइ से तेण-
ट्ठेणं ॥ २६६ ॥ अह भंते ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाण-
भोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ? गोयमा ! जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं
असणपाण० ४ पडिग्गहित्ता मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने आहारं आहारेइ
एस णं गोयमा ! सइंगाले पाणभोयणे जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं
असणपाण० ४ पडिग्गहित्ता महया २ अप्पत्तियकोहकिलामं करेमाणे आहारमाहारेइ
एस णं गोयमा ! सधूमे पाणभोयणे जे णं निग्गंथे वा २ जाव पडिग्गहेत्ता गुणु-
प्पायणहेउं अन्नदव्वेण सद्धिं संजोएत्ता आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! संजोयणा-

सासयसि लोगसि हेट्ठा विच्छिन्नंसि जाव उप्पिं उद्धमुइंगागारसंठियंसि उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जीवेवि जाणइ पासइ अजीवेवि जाणइ पासइ तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंत करेइ ॥ २६० ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! समणोवासयस्स णं सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स आया अहिगरणीभवइ आयाहिगरणवत्तियं च णं तस्स नो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव संपराइया० ॥ २६१ ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! पुव्वामेव तसपाणसमारंभे पच्चक्खाए भवइ पुढविसमारंभे अपच्चक्खाए भवइ से य पुढविं खणमाणेऽण्णयरं तसं पाणं विहिंसेज्जा से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु से तस्स अइवायाए आउट्टइ । समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव वणस्सइसमारंभे पच्चक्खाए से य पुढविं खणमाणे अन्नयरस्स रुक्खस्स मूलं छिंदेज्जा से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तस्स अइवायाए आउट्टइ ॥ २६२ ॥ समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे किं लब्भइ ?, गोयमा ! समणोवासए णं तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा समाहिं उप्पाएइ, समाहिकारएणं तमेव समाहिं पडिलभइ । समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे किं चयइ ?, गोयमा ! जीवियं चयइ दुच्चयं चयइ दुक्करं करेइ दुल्लहं लहइ बोहिं बुज्झइ तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ २६३ ॥ अत्थि णं भंते ! अकम्मस्स गई पन्नायइ ?, हंता ! अत्थि० ॥ कहन्नं भंते ! अकम्मस्स गई पन्नायइ ?, गोयमा ! निस्संगयाए निरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधणछेयणयाए निरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ॥ कहन्नं भंते ! निस्संगयाए निरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधणछेयणयाए निरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई पन्नायइ ?, से जहानामए-केइ पुरिसे सुक्कं तुंबं निच्छिड्डं निरुवहयंति आणुपुव्वीए परिकम्मेमाणे २ दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं लिंपइ २ उण्हे दलयइ भूइं २ सुक्कं समाणं अत्थाहमतारमपोरसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं गोयमा ! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुसंभारियत्ताए सलिलतलमइवइत्ता अहे धरणितलपइट्ठाणे भवइ ?, हंता ! भवइ, अहे णं से तुंबे अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं परिक्खएणं धरणितलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ ?, हंता ! भवइ, एवं खलु गोयमा ! निस्संगयाए निरंगण-

अचवचलं अदुयमविलंबियं अपरिसाडि अक्खोवंजणवणाणुलेवणभूयं संजमजायामा-यावत्तियं संजमभारवहणट्ठयाए बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं आहारमाहारेइ एस णं गोयमा! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स जाव पाणभोयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २६९ ॥ सत्तमसए पढमो उद्देसो समत्तो॥

से नूणं भंते! सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सुपच्चक्खायं भवइ दुपच्चक्खायं भवइ? गोयमा! सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सिय सुपच्चक्खायं भवइ सिय दुपच्चक्खायं भवइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सव्वपाणेहिं जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ? गोयमा! जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स णो एवं अभिसमन्नागयं भवइ इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स णो सुपच्चक्खायं भवइ दुपच्चक्खायं भवइ, एवं खलु से दुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्च-क्खायमिति वयमाणो नो सच्चं भासं भासइ मोसं भासं भासइ, एवं खलु से मुसा-वाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं असंजयविरयपडिहयपच्चक्खा-यपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले यावि भवइ, जस्स णं सव्वपा-णेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स एवं अभिसमन्नागयं भवइ-इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सुपच्चक्खायं भवइ णो दुपच्चक्खायं भवइ, एवं खलु से सुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणे सच्चं भासं भासइ नो मोसं भासं भासइ, एवं खलु से सच्चवाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंतपं-डिए यावि भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ ॥ २७० ॥ कइविहे णं भंते! पच्चक्खाणे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पच्चक्खाणे पन्नत्ते, तंजहा-मूलगुणपच्चक्खाणे य उत्तरगुणपच्चक्खाणे य। मूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे य देसमूलगुणपच्चक्खाणे य। सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा-सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं। देसमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा-थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव थूलाओ परिग्गहाओ वेरमणं। उत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते

दोसदुट्ठे पाणभोयणे, एस णं गोयमा ! सइंगालस्स सधूमस्स सजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते । अह भंते ! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स सजोयणादोस-विप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?, गोयमा ! जे ण णिग्गंथे वा जाव पडिगाहेत्ता अमुच्छिए जाव आहारेइ एस ण गोयमा ! वीतिंगाले पाणभोयणे, जे ण निग्गंथे वा निग्गंथी वा जाव पडिगाहेत्ता णो महया अप्पत्तियं जाव आहारेइ, एस ण गोयमा ! वीयधूमे पाणभोयणे, जे ण निग्गंथे वा निग्गंथी वा जाव पडि-गाहेत्ता जहालद्ध तहा आहारमाहारेइ एस ण गोयमा ! सजोयणादोसविप्पमुक्के पाणभोयणे, एस ण गोयमा ! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते ॥ २६७ ॥ अह भंते ! खेत्ताइक्कंतस्स कालाइक्कंतस्स मग्गाइक्कंतस्स पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?, गो० जे ण निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं णं असणं ४ अणुग्गए सूरिए पडिगाहित्ता उग्गए सूरिए आहारमाहारेइ एस ण गोयमा ! खेत्ताइक्कंते पाणभोयणे, जे ण निग्गंथो वा २ जाव साइम पढमाए पोरिसीए पडिगाहेत्ता पच्छिमं पोरिसिं उवायणावेत्ता आहार आहारेइ एस ण गोयमा ! कालाइक्कंते पाणभोयणे, जे ण निग्गंथो वा २ जाव साइम पडिगाहित्ता परं अद्धजोयणमेराए वीइक्कमावइत्ता आहारमाहारेइ एस ण गोयमा ! मग्गाइक्कंते पाणभोयणे, जे ण निग्गंथो वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं जाव साइम पडिगाहित्ता परं बत्तीसाए पमाणमेत्ताणं कवलाणं आहारमाहारेइ एस ण गोयमा ! पमाणाइक्कंते पाणभोयणे, अट्ठपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अप्पाहारे दुवालसपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अवड्ढोमोयरिया सोलस-पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे दुभागपत्ते चउव्वीस पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे ओमोयरिए बत्तीस पमाणमेत्ते कवले (जत्तिओ जस्स पुरिसस्स आहारो तस्साहारस्स बत्तीसइमो भागो तप्पुरिसावेक्खाए कवले, इणमेव 'कवल' पमाणं ति,) आहारमाहारेमाणे पमाणपत्ते, एत्तो एक्केणवि गासेण ऊणगं आहार-माहारेमाणे समणे निग्गंथे नो पकामरसभोईति वत्तव्वं सिया, एस ण गोयमा ! खेत्ताइक्कंतस्स कालाइक्कंतस्स मग्गाइक्कंतस्स पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते ॥ २६८ ॥ अह भंते ! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स एसियस्स वेसियस्स समुदाणियस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?, गोयमा ! जे ण निग्गंथे वा निग्गंथी वा निक्खित्तसत्थमुसले ववगयमालावन्नगविलेवणे ववगयचुयचइयचत्तदेहं जीवविप्पजढं अकयमकारियमसंकप्पियमणाहूयमकीयकडमणुद्दिट्ठं नवकोडीपरिसुद्धं दसदोसविप्पमुक्कं उग्गमुप्पायणेसणासुपरिसुद्धं वीतिंगालं वीयधूमं सजोयणादोसविप्पमुक्कं असुरसुरं

तंजहा-सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे य देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे य, सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे ण भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दसविहे पन्नत्ते, तंजहा-अणागयं १ अइक्कंतं २ कोडीसहियं ३ नियंटियं ४ चेव । सागार ५ मणागारं ६ परिमाणकडं ७ निरवसेसं ८ ॥ १ ॥ साकेयं ९ चेव अद्धाए १० पच्चक्खाणं भवे दसहा । देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे ण भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा-दिसिव्वयं १ उवभोगपरिभोगपरिमाणं २ अणत्थदंडवेरमणं ३ सामाइयं ४ देसावगासियं ५ पोसहोववासो ६ अतिहिसंविभागो ७ अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाराहणया ॥ ७७१ ॥ जीवा ण भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा मूलगुणपच्चक्खाणीवि उत्तरगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि । नेरइया णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी० पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो मूलगुणपच्चक्खाणी नो उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं उत्तरगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा । एएसि ण भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । एएसि ण भंते ! मणुस्साणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं० पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी संखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । जीवा ण भंते ! किं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीवि देसमूलगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि । नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी नो देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्ख० नो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा नेरइया । एएसि ण भंते ! जीवाणं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीणं देसमूलगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा । एवं अप्पाबहुगाणि तिन्निवि जहा पढमिल्लए दंडए, नवरं सव्वत्थोवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी

जीवफुडा ?, हंता गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा । जइ ण भंते ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा कम्हा ण भंते ! वणस्सइ-काइया आहारेंति कम्हा परिणामेंति ?, गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा पुढविजीव-पडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति, कंदा कंदजीवफुडा मूलजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेन्ति तम्हा परिणामेन्ति, एवं जाव बीया बीयजीवफुडा फलजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेन्ति तम्हा परिणामेन्ति ॥ २७५ ॥ अह भंते ! आलुए मूलए सिंगबेरे हिरिली सिरिली सिस्सिरिली किट्टिया छिरिया छीरविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे खेलूडे अद्दए भद्दमुत्था पिंडहलिद्दा लोही णीहू थीहू थिरुगा मुग्गकन्नी अस्सकन्नी सीहकण्णी मुसुंढी जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते अणंतजीवा विविहसत्ता ?, हंता गोयमा ! आलुए मूलए जाव अणंतजीवा विविहसत्ता ॥ २७६ ॥ सिय भंते ! कण्हलेसे नेरइए अप्पकम्मतराए नीललेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, हंता ! सिया, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ-कण्हलेसे नेरइए अप्पकम्मतराए नीललेसे नेरइए महा-कम्मतराए ?, गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए । सिय भंते ! नीललेसे नेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे नेरइए महाकम्मतराए ? हंता ! सिया, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ-नीललेसे नेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव महाकम्म-तराए । एवं असुरकुमारेवि, नवरं तेउलेसा अब्भहिया एवं जाव वेमाणिया, जस्स जइ लेसाओ तस्स तत्तिया भाणियव्वाओ, जोइसियस्स न भन्नइ, जाव सिय भंते ! पम्हलेसे वेमाणिए अप्पकम्मतराए सुक्कलेसे वेमाणिए महाकम्मतराए ?, हंता ! सिया, से केणट्ठेण० ? सेसं जहा नेरइयस्स जाव महाकम्मतराए ॥ २७७ ॥ से नूणं भंते ! जा वेयणा सा निज्जरा जा निज्जरा सा वेयणा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ जा वेयणा न सा निज्जरा जा निज्जरा न सा वेयणा ?, गोयमा ! कम्मं वेयणा णोकम्मं निज्जरा, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव न सा वेयणा । नेरइयाणं भंते ! जा वेयणा सा निज्जरा जा निज्जरा सा वेयणा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयाणं जा वेयणा न सा निज्जरा जा निज्जरा न सा वेयणा ?, गोयमा ! नेरइयाणं कम्मं वेयणा णोकम्मं निज्जरा, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव न सा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं । से नूणं भंते ! जं वेदेंसु तं निज्जरिंसु जं निज्जरिंसु तं वेदेंसु ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ जं वेदेंसु नो तं निज्जरेंसु जं निज्जरेंसु नो तं वेदेंसु ?, गोयमा ! कम्मं वेदेंसु नोकम्मं निज्जरिंसु, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव नो तं वेदेंसु, नेरइया णं भंते !

कम्मा कज्जंति ? हन्ता ! अत्थि कहं णं भंते ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं कोहविवेगेणं जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेणं एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति । अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जाव वेमाणिया णवरं मणुस्साणं जहा जीवाणं ॥ १८४ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? हंता ! अत्थि कहं णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! पाणाणुकंपाए भूयाणुकंपाए जीवाणुकंपाए सत्ताणुकंपाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए अतिप्पणयाए अपिट्टणयाए अपरियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति एवं णेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, हंता ! अत्थि । कहं णं भंते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्टणयाए परपरियावणयाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति एवं णेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं ॥ १८५ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुस्समदुस्समाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ?, गोयमा ! काले भविस्सइ हाहाभूए भंभाभूए कोलाहलभूए समयाणुभावेण य णं खरफरुसधूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा वाया संवट्टगा य वाइंति इह अभिक्खं २ धूमाइंति य दिसा समंता रउस्सला रेणुकलुसतमपडलनिरालोगा समयलुक्खयाए य णं अहियं चंदा सीयं मोच्छंति अहियं सूरिया तवइस्संति अदुत्तरं च णं अभिक्खणं बहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खत्तमेहा अग्गिमेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणिमेहा अप्पवणिज्जोदगा (अजवणिज्जोदगा) वाहिरोगवेदणोदीरणापरिणामसलिला अमणुण्णपाणियगा चंडानिलपहयतिक्खधारानिवायपउरं वासं वासिहिंति । जे णं भारहे वासे गामागरनगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमगयं जणवयं चउप्पयगवेलए खहयरे य पक्खिसंघे गामारण्णपयारनिरए तसे य पाणे बहुप्पगारे रुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितणपव्वगहरितोसहिपवालंकुरमाईए य तणवणस्सइकाइए विद्धंसेहिंति पव्वयगिरिडोंगरउच्छल(त्थ)भट्ठिमाईए य वेयड्ढगिरिवज्जे विरावेहिंति सलिलबिलगड्डदुग्गविसमं निण्णुन्नयाइं च गंगासिंधुवज्जाइं समीकरेहिंति । तीसे णं भंते ! समाए भरहस्स वासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ? गोयमा ! भूमी भविस्सइ

ण जोणीसंगहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! तिविहे जोणीसगहे पण्णत्ते, तजहा–अडया पोयया समुच्छिमा, एव जहा जीवाभिगमे जाव नो चेव ण ते विमाणे वीईव-एज्जा । एवंमहालयाण गोयमा ! ते विमाणा पन्नत्ता ॥ 'जोणीसगह लेसा दिट्ठी नाणे य जोग उवओगे । उववायठिइसमुग्घायचवणंजाईकुलविहीओ' ॥ १ ॥ सेव भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥ २८१ ॥ **सत्तमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवे ण भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! किं इहगए नेरइयाउय पकरेइ उववज्जमाणे नेरइयाउयं पकरेइ उववन्ने नेरइयाउय पकरेइ ?, गोयमा ! इहगए नेरइयाउय पकरेइ नो उववज्जमाणे नेरइया-उय पकरेइ नो उववन्ने नेरइयाउय पकरेइ, एवं असुरकुमारेसुवि एवं जाव वेमाणि-एसु । जीवे णं भते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! कि इहगए नेर-इयाउयं पडिसवेदेइ उववज्जमाणे नेरइयाउय पडिसवेदेइ उववन्ने नेरइयाउय पडिसंवेदेइ ?, गोयमा ! णो इहगए नेरइयाउय पडिसवेदेइ उववज्जमाणे नेरइयाउय पडिसवेदेइ उववन्नेवि नेरइयाउय पडिसवेदेइ, एव जाव वेमाणिएसु । जीवे णं भते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भते ! किं इहगए महावेयणे उववज्जमाणे महावेयणे उववन्ने महावेयणे ?, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे अहे ण उववन्ने भवइ तओ पच्छा एगतदुक्खं वेयण वेयइ आहच्च साय । जीवे ण भते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे अहे ण उववन्ने भवइ तओ पच्छा एगतसाय वेयण वेदेइ आहच्च असायं, एव जाव थणियकुमारेसु । जीवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे, एवं उववज्जमाणेवि, अहे ण उववन्ने भवइ तओ पच्छा वेमायाए वेयणं वेयइ, एव जाव मणुस्सेसु, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा असुरकुमारेसु ॥ २८२ ॥ जीवा ण भते ! कि आभोगनिव्वत्तियाउया अणाभोगनिव्वत्तियाउया ?, गोयमा ! नो आभोगनिव्वत्तियाउया अणाभोगनिव्वत्तियाउया, एवं नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ २८३ ॥ अत्थि ण भते ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ?, [गोयमा !] हता ! अत्थि, कहन्न भंते ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाण कक्कस-वेयणिज्जा कम्मा कज्जंति । अत्थि णं भ ते ! नेरइयाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जति ?, [एवं चेव] एव जाव वेमाणियाण । अत्थि ण भंते ! जीवाण अकक्कसवेयणिज्जा

संवुडस्स णं भंते! अणगारस्स आउत्तं गच्छमाणस्स जाव आउत्तं तुयट्टमा-
णस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा
तस्स णं भंते! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ?
गोयमा! संवुडस्स णं अणगारस्स जाव तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ नो
संपराइया किरिया कज्जइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-संवुडस्स णं जाव संप-
राइया किरिया कज्जइ? गोयमा! जस्स णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना भवंति
तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ तहेव जाव उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया
किरिया कज्जइ, से णं अहासुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव नो संपराइया
किरिया कज्जइ ॥ २८८ ॥ रूवी भंते! कामा अरूवी कामा? गोयमा! रूवी कामा
समणाउसो! नो अरूवी कामा। सचित्ता भंते! कामा अचित्ता कामा? गोयमा!
सचित्तावि कामा अचित्तावि कामा। जीवा भंते! कामा अजीवा कामा? गोयमा!
जीवावि कामा अजीवावि कामा। जीवाणं भंते! कामा अजीवाणं कामा? गोयमा!
जीवाणं कामा नो अजीवाणं कामा। कइविहा णं भंते! कामा पन्नत्ता? गोयमा!
दुविहा कामा पन्नत्ता, तंजहा-सद्दा य रूवा य। रूवी भंते! भोगा अरूवी भोगा?
गोयमा! रूवी भोगा नो अरूवी भोगा। सचित्ता भंते! भोगा अचित्ता भोगा?
गोयमा! सचित्तावि भोगा अचित्तावि भोगा। जीवा भंते! भोगा अजीवा भोगा?
गोयमा! जीवावि भोगा अजीवावि भोगा। जीवाणं भंते! भोगा अजीवाणं भोगा?
गोयमा! जीवाणं भोगा नो अजीवाणं भोगा, कइविहा णं भंते! भोगा पन्नत्ता?
गोयमा! तिविहा भोगा पन्नत्ता, तंजहा-गंधा रसा फासा। कइविहा णं भंते!
कामभोगा पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा कामभोगा पन्नत्ता, तंजहा-सद्दा रूवा गंधा
रसा फासा। जीवा णं भंते! किं कामी भोगी? गोयमा! जीवा कामीवि भोगीवि।
से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवा कामीवि भोगीवि? गोयमा! सोइंदियचक्खि-
दियाइं पडुच्च कामी घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं
गोयमा! जाव भोगीवि। नेरइया णं भंते! किं कामी भोगी? एवं चेव जाव
थणियकुमारा। पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा! पुढविक्काइया नो कामी भोगी। से
केणट्ठेणं जाव भोगी? गोयमा! फासिंदियं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव भोगी, एवं जाव
वणस्सइकाइया। बेइंदिया एवं चेव नवरं जिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी,
तेइंदियावि एवं चेव नवरं घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी। चउरिंदि-
याणं पुच्छा, गोयमा! चउरिंदिया कामीवि भोगीवि। से केणट्ठेणं जाव भोगीवि?
गोयमा! चक्खिंदियं पडुच्च कामी, घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी

इगालभूया मुम्मुरभूया छारियभूया तत्तकवेल्लयभूया तत्तसमजोइभूया धूलिवहुला रेणु-वहुला पक्कवहुला पणगवहुला चलणिवहुला वहूण धरणिगोयराणं सत्ताण दुन्निक्कमा यावि भविस्सइ ॥ २८६ ॥ तीसे ण भंते ! समाए भारहे वासे मणुयाण केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ?, गोयमा ! मणुया भविस्संति दुरूवा दुवन्ना दुगधा दुरसा दुफासा अणिट्ठा अकंता जाव अमणामा हीणस्सरा दीणस्सरा अणिट्ठस्सरा जाव अमणामस्सरा अणादेज्जवयणपच्चायाया निल्लज्जा कूडकवडकलहवहबंधवेरनिरया मज्जायाइक्कमप्पहाणा अकज्जनिच्चुज्जया गुरुनियोयविणयरहिया य विकलरूवा परूढ नहकेसमसुरोमा काला खरफरुसझामवन्ना फुट्टसिरा कविलपलियकेसा वहुण्हारु[णि]-सपिणद्धदुद्दसणिज्जरूवा सकुडियवलितरंगपरिवेढियंगमगा जरापरिणयव्व थेरगनरा पविरलपरिसडियदंतसेढी उब्भडघडमुहा विसमनयणा वकनासा वंगवलिविगय-भेसणमुहा कच्छुकसराभिभूया खरतिक्खनहकंडूइयविक्खयतणू दद्दुकिडिभसिंझ-फुडियफरुसच्छवी चित्तलगा टोलागइविसमसंधिबंधणउक्कुडुअट्ठिगविभत्तदुव्वलकु-संघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा कुठाणासणकुसेज्जकुभोइणो असुइणो अणेगवाहि-परिपीलियंगमगा खलंतविब्भलगई निरुच्छाहा सत्तपरिवज्जिया विगयचिट्ठा नट्ठतेया अभिक्खणं सीयउण्हखरफरुसवायविज्झडिया मलिणपंसुरयगुंडियंगमगा वहुकोह-माणमाया वहुलोभा असुहदुक्खभोगी ओसन्नं धम्मसण्णसम्मत्तपरिब्भट्ठा उक्कोसेण रयणिप्पमाणमेत्ता सोलसवीसइवासपरमाउसो पुत्तनत्तुपरियालपणयवहुला गंगा-सिंधूओ महानईओ वेयड्ढं च पव्वयं निस्साए वावत्तरिं निओदा वीयं वीयामेत्ता विलवासिणो भविस्संति ॥ ते णं भंते ! मणुया किमाहारमाहारेहिंति ?, गोयमा ! ते णं काले णं ते णं समए णं गंगासिंधूओ महानईओ रहपहवित्थराओ अक्खसोयप्प-माणमेत्तं जलं वोज्झिहिंति सेवि य णं जले वहुमच्छकच्छभाइन्ने णो चेव णं आउयहुले भविस्सइ, तए णं ते मणुया सूरुग्गमणमुहुत्तंसि य सूरत्थमणमुहुत्तंसि य विलेहिंतो निद्धाहिंति निद्धाइत्ता मच्छकच्छभे थलाइं गाहेहिंति सीयायवतत्तएहिं मच्छकच्छ-एहिं एक्कवीसं वाससहस्साइं वित्तिं कप्पेमाणा विहरिस्संति ॥ ते णं भंते ! मणुया निस्सीला निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा ओसण्णं मंसाहारा मच्छा-हारा खोद्दाहारा कुणिमाहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जि-हिंति ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति, ते णं भंते ! सीहा वग्घा वगा दीविया अच्छा तरच्छा परस्सरा निस्सीला तहेव जाव कहिं उववज्जि-हिंति ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति, ते णं भंते ! ढंका कंका विलका मद्दुगा सिही निस्सीला तहेव जाव ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उव-वज्जिहिंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२८७॥ **सत्तमस्स छट्ठो उद्देसओ ॥**

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं एवं जहा पढमसए चउत्थे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव अलमत्थु ॥२९२॥ से नूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ? हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव खुड्डियं वा महालियं वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समे चेव जीवे ॥२९३॥ नेरइयाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे जे य कज्जइ जे य कज्जिस्सइ सव्वे से दुक्खे जे निज्जिण्णे से सुहे ? हंता गोयमा ! नेरइयाणं पावे कम्मे जाव सुहे, एवं जाव वेमाणियाणं ॥२९४॥ कइ णं भंते ! सण्णाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—आहारसण्णा १ भयसण्णा २ मेहुणसण्णा ३ परिग्गहसण्णा ४ कोहसण्णा ५ माणसण्णा ६ मायासण्णा ७ लोभसण्णा ८ ओहसण्णा ९ लोगसण्णा १०, एवं जाव वेमाणियाणं । नेरइया दसविहं वेयणं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा—सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं जरं दाहं भयं सोगं ॥२९५॥ से नूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समा चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ? हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य जाव कज्जइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जइ ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव कज्जइ ॥२९६॥ आहाकम्मं णं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ ? किं पकरेइ ? किं चिणाइ ? किं उवचिणाइ ? एवं जहा पढमे सए नवमे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२९७॥ सत्तमसयस्स अट्ठमो उद्देसो ॥

असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं विउव्वित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं जाव हंता ! पभू । से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ? गोयमा ! इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ नो तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ नो अन्नत्थगए पोग्गले जाव विउव्वइ, एवं एगवण्णं अणेगरूवं चउभंगो जहा छट्ठसए नवमे उद्देसए तहा इहावि भाणियव्वं, नवरं अणगारे इहगए चेव पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, सेसं तं चेव जाव लुक्खपोग्गलं निद्धपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ? हंता ! पभू, से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता जाव नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ॥२९८॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया महासिलाकंटए संगामे । महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था के पराजइत्था ? गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते जइत्था, नव मल्लई नव लेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो पराजइत्था ॥

से तेणट्ठेण जाव भोगीवि, अवसेसा जहा जीवा जाव वेमाणिया । एएसि ण भंते ! जीवाण कामभोगीणं नोकामीण नोभोगीण भोगीण य कयरे २ यरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा कामभोगी नोकामीनोभोगी अणंतगुणा भोगी अणतगुणा ॥ २८९ ॥ छउमत्थे ण भंते ! मणूसे जे भविए अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जित्तए, से नूण भंते ! से खीणभोगी नो पभू उट्ठाणेण कम्मेण बलेण वीरिएण पुरिसक्कारपरक्कमेण विउलाइ भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरित्तए, से नूण भंते ! एयमट्ठ एव वयह ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ ? गोयमा ! पभू ण से उट्ठाणेणवि कम्मेणवि बलेणवि वीरिएणवि पुरिसक्कारपरक्कमेणवि अन्नयराइ विपुलाइ भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरित्तए, तम्हा भोगी भोगे परिच्चयमाणे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ । आहोहिए ण भंते ! मणुस्से जे भविए अन्नयरेसु देवलोएसु एव चेव जहा छउमत्थे जाव महापज्जवसाणे भवइ । परमाहोहिए ण भंते ! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेण सिज्झित्तए जाव अंत करेत्तए, से नूण भंते ! से खीणभोगी सेस जहा छउमत्थस्स । केवली ण भंते ! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं एव जहा परमाहोहिए जाव महापज्जवसाणे भवइ ॥ २९० ॥ जे इमे भंते ! असन्निणो पाणा, तंजहा–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य एगइया तसा, एए ण अंधा मूढा तमपविट्ठा तमपडलमोहजालपडिच्छण्णा अकामनिकरण वेयण वेदंतीति वत्तव्व सिया ?, हता गोयमा ! जे इमे असन्निणो पाणा पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य जाव वेयण वेदंतीति वत्तव्व सिया ॥ अत्थि ण भंते ! पभूवि अकामनिकरण वेयणं वेएइ ?, हता गोयमा ! अत्थि, कहन्न भंते ! पभूवि अकामनिकरण वेयण वेदेइ ?, गोयमा ! जे ण णो पभू विणा दीवेण अंधकारंसि रूवाइ पासित्तए जे ण नो पभू पुरओ रूवाइ अणिज्झाइत्ता णं पासित्तए जे ण नो पभू मग्गओ रूवाइ अणवयक्खित्ता ण पासित्तए [जे णं नो पभू पासओ रूवाइ अणुलोइत्ता णं पासित्तए जे ण नो पभू उड्ढ रूवाइ अणालोएत्ता ण पासित्तए जे णं नो पभू अहे रूवाइ अणालोएत्ता ण पासित्तए] एस ण गोयमा ! पभूवि अकामनिकरणं वेयण वेदेइ ॥ अत्थि ण भंते ! पभूवि पकामनिकरण वेयण वेदेइ ?, हता ! अत्थि, कहन्न भंते ! पभूवि पकामनिकरण वेयण वेदेइ ?, गोयमा ! जे ण नो पभू समुद्दस्स पार गमित्तए जे ण नो पभू समुद्दस्स पारगयाइ रूवाइ पासित्तए जे णं नो पभू देवलोग गमित्तए जे णं नो पभू देवलोगगयाइ रूवाइ पासित्तए एस ण गोयमा ! पभूवि पकामनिकरणं वेयण वेदेइ । सेव भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २९१ ॥ **सत्तमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसओ समत्तो ॥**

ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववन्ना ॥ २९९ ॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया रहमुसले संगामे, रहमुसले णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था के पराजइत्था ? गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया जइत्था नव मल्लई नव लेच्छई पराजइत्था, तए णं से कूणिए राया रहमुसलं संगामं उवट्ठियं सेसं जहा महासिलाकंटए नवरं भूयाणंदे हत्थिराया जाव रहमुसलं संगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया एवं तहेव जाव चिट्ठंति, मग्गओ य से चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया एगं महं आयसं किढिणपडिरूवगं विउव्वित्ता णं चिट्ठइ, एवं खलु तओ इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा-देविंदे य मणुइंदे य असुरिंदे य, एगहत्थिणा वि णं पभू कूणिए राया जइत्तए तहेव जाव दिसो दिसिं पडिसेहित्था । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ रहमुसले संगामे ? गोयमा ! रहमुसले णं संगामे वट्टमाणे एगे रहे अणासए असारहिए अणारोहए समुसले महया जणक्खयं जणवहं जणप्पमद्दं जणसंवट्टकप्पं रुहिरकद्दमं करेमाणे सव्वओ समंता परिधावित्था से तेणट्ठेणं जाव रहमुसले संगामे । रहमुसले णं भंते ! संगामे वट्टमाणे कइ जण सयसाहस्सीओ वहियाओ ? गोयमा ! छण्णउइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ । ते णं भंते ! मणुया निस्सीला जाव उववन्ना ? गोयमा ! तत्थ णं दस साहस्सीओ एगाए मच्छीए कुच्छिंसि उववन्नाओ एगे देवलोगेसु उववन्ने एगे सुकुले पच्चायाए, अवसेसा ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववन्ना ॥ १ ॥ कम्हा णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रन्नो साहेज्जं दलइत्था ? गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया पुव्वसंगइए चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया परियायसंगइए, एवं खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रन्नो साहेज्जं दलइत्था ॥ २ ॥ बहुजणे णं भंते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ एवं खलु बहवे मणुस्सा अन्नयरेसु उच्चावएसु संगामेसु अभिमुहा चेव पहया समाणा कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं से बहुजणे अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव उववत्तारो भवंति जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वेसाली नामं नयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं वेसालीए नयरीए वरुणे नामं णागणत्तुए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से वरुणे णागणत्तुए अन्नया कयाइ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं बलाभि-

तए ण से कोणिए राया महासिलाकटग सगाम उवट्ठियं जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एव वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! उदाइ हत्थिरायं पडिकप्पेह हयगयरहजोहकलिय चाउरगिणिं सेण सन्नाहेह २ त्ता मम एयमाणत्तिय खिप्पा- मेव पच्चप्पिणह । तए ण ते कोडुंबियपुरिसा कोणिएण रन्ना एव वुत्ता समाणा हट्ठ- तुट्ठ जाव अजलिं कट्टु एव सामी ! तहत्ति आणाए विणएण वयणं पडिसुणति २ खिप्पामेव छेयायरियोवएसमइकप्पणाविकप्पेहिं सुनिउणेहिं एव जहा उववाइए जाव भीम सगामिय अउज्झ उदाइ हत्थिरायं पडिकप्पेंति हयगय जाव सन्नाहेंति २ जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल०कूणियस्स रन्नो तमाणत्तियं पच्चप्पिणति, तए ण से कूणिए राया जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवा- गच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता मज्जणघरं अणुपविसइ मज्जणघरं अणुपविसित्ता ण्हाए सव्वालकारविभूसिए सन्नद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलियसरासणपट्टिए पिणद्धगे- वेज्जे विमलवरबद्धचिंधपट्टे गहियाउहप्पहरणे सकोरिंटमल्लदामेण छत्तेण धरिज्जमा- णेणं चउचामरवालवीइयगे मगलजयसद्दकयालोए एव जहा उववाइए जाव उवा- गच्छित्ता उदाइ हत्थिरायं दुरूढे, तए णं से कूणिए राया हारोत्थयसुकयरइयवच्छे जहा उववाइए जाव सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं उद्धुव्वमाणीहिं हयगयरहप- वरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं सपरिवुडे महया भडचडगरविंदपरि- क्खित्ते जेणेव महासिलाकटए सगामे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता महासिलाकटय सगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया एग महं अभे- ज्जकवय वइरपडिरूवग विउव्वित्ता ण चिट्ठइ, एव खलु दो इंदा सगामं सगामेंति, तजहा–देविंदे य मणुइंदे य, एगहत्थिणावि ण पभू कूणिए राया पराजिणित्तए, तए ण से कूणिए राया महासिलाकटय सगामं सगामेमाणे नव मल्लई नव लेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो हयमहियपवरवीरघाइयवियडियचिंधद्धयप- डागे किच्छपाणगए दिसो दिसिं पडिसेहित्था ॥ से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ महा- सिलाकटए संगामे ?, गोयमा ! महासिलाकटए णं सगामे वट्टमाणे जे तत्थ आसे वा हत्थी वा जोहे वा सारही वा तणेण वा पत्तेण वा कट्ठेण वा सक्कराए वा अभि- हम्मइ सव्वे से जाणइ महासिलाए अह अभिहए म० २, से तेणट्ठेणं गोयमा ! महासिलाकटए सगामे । महासिलाकटए ण भते ! सगामे वट्टमाणे कइ जणसय- साहस्सीओ वहियाओ ?, गोयमा ! चउरासीइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ । ते ण भंते ! मणुया निस्सीला जाव निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा रुट्ठा परिकुविया सम- रवहिया अणुवसता कालमासे काल किच्चा कहिं गया कहिं उववन्ना ?, गोयमा !

तुरए मोएत्ता तुरए विसज्जेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता [पुरत्थाभिमुहे दुरुहइ दब्भसं० ५] पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसण्णे करयल जाव कट्टु एवं वयासी-नमोत्थु णं अरिहंताणं जाव संपत्ताणं नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे से भगवं तत्थगए जाव वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी-पुव्विंपि णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए एवं जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए जावज्जीवाए, इयाणिंपि णं अहं तस्सेव अरिहंतस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए एवं जहा खंदओ जाव एयंपि णं चरमेहिं ऊसासनीसासेहिं वोसिरामित्तिकट्टु सन्नाहपट्टं मुयइ सन्नाहपट्टं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए, तए णं तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स एगे पियबालवयंसए रहमुसलं संगामं संगामेमाणे एगेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अबले जाव अधारणिज्जमितिकट्टु वरुणं णागनत्तुयं रहमुसलाओ संगामाओ पडिनिक्खममाणं पासइ पासित्ता तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता जहा वरुणे जाव तुरए विसज्जेइ पडसंथारगं दुरुहइ पडसंथारगं दुरुहित्ता पुरत्थाभिमुहे जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी-जाइं णं मम पियबालवयंसस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स सीलाइं वयाइं गुणाइं वेरमणाइं पच्चक्खाणपोसहोववासाइं ताइं णं ममंपि भवंतुत्तिकट्टु सन्नाहपट्टं मुयइ २ सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आणुपुव्वीए कालगए, तए णं तं वरुणं णागनत्तुयं कालगयं जाणित्ता अहासन्निहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं दिव्वे सुरभिगंधोदगवासे वुट्ठे दसद्धवन्ने कुसुमे निवाडिए दिव्वे य गीयगंधव्वनिनाए कए यावि होत्था, तए णं तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं सुणित्ता य पासित्ता य बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! बहवे मणुस्सा जाव उववत्तारो भवंति ॥ ३२० ॥ वरुणे णं भंते ! णागनत्तुए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ? गोयमा ! सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता तत्थ णं वरुणस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता । से णं भंते ! वरुणे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ । वरुणस्स णं भंते ! णागनत्तुयस्स पियबालवयंसए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ? गोयमा ! सुकुले पच्चायाए ।

ओगेण रहमुसले सगामे आणत्ते समाणे छट्ठभत्तिए अट्ठमभत्त अणुवट्टे(ट्टे)२ अट्ठमभत्त अणुवट्टेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एव वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घट आसरह जुत्तामेव उवट्ठावेह हयगयरहपवर जाव सन्नाहेत्ता मम एयमाणत्तिय पच्चप्पिणह, तए ण ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सच्छत्त सज्झय जाव उवट्ठावेति हयगयरह जाव सन्नाहेंति २ जेणेव वरुणे नागनत्तुए जाव पच्चप्पिणति, तए ण से वरुणे नागनत्तुए जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ जहा कूणिओ सव्वालकारविभूसिए सन्नद्धबद्धे सकोरेंटमल्लदामेणं जाव धरिज्जमाणेणं अणेगगणनायग जाव दूयसधिवालसद्धिं सपरिवुडे मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ २ हयगयरह जाव सपरिवुडे महया भडचडगर० जाव परिक्खित्ते जेणेव रहमुसले सगामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहमुसल सगामं ओयाए, तए ण से वरुणे णागणत्तुए रहमुसल सगाम ओयाए समाणे अयमेयारूव अभिग्गह अभिगिण्हइ-कप्पइ मे रहमुसल सगाम सगामेमाणस्स जे पुव्विं पहणइ से पडिहणित्तए अवसेसे नो कप्पइ त्ति, अयमेयारूव अभिग्गह अभिगेण्हइ अभिगेण्हित्ता रहमुसल सगाम सगामेइ, तए ण तस्स वरुणस्स नागनत्तुयस्स रहमुसल सगाम सगामेमाणस्स एगे पुरिसे सरिसए सरिसत्तए सरिसव्वए सरिसभंडमत्तोवगरणे रहेण पडिरह हव्वमागए, तए ण से पुरिसे वरुण णागणत्तुय एवं वयासी-पहण भो वरुणा ! णागणत्तुया ! प० २, तए ण से वरुणे णागणत्तुए त पुरिस एव वयासी-नो खलु मे कप्पइ देवाणुप्पिया ! पुव्विं अहयस्स पहणित्तए, तुम चेव ण पुव्विं पहणाहि, तए ण से पुरिसे वरुणेणं णागणत्तुएण एव वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणु परामुसइ २ उसुं परामुसइ उसु परामुसित्ता ठाण ठाइ ठाण ठिच्चा आययकन्नायय उसु करेइ आययकन्नायय उसु करेत्ता वरुण णागणत्तुयं गाढप्पहारी करेइ, तए णं से वरुणे णागनत्तुए तेण पुरिसेण गाढप्पहारीकए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणु परामुसइ धणु परामुसित्ता उसु परामुसइ उसुं परामुसित्ता आययकन्नायय उसु करेइ आययकन्नाययं० २ त पुरिस एगाहच्च कूडाहच्च जीवियाओ ववरोवेइ, तए ण से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेण गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमिति कट्टु तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता रह परावत्तेइ रह परावत्तित्ता रहमुसलाओ सगामाओ पडिनिक्खमइ २ एगतमत अवक्कमइ एगतमत अवक्कमित्ता तुरए निगिण्हइ २ रह ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ २ रहाओ तुरए मोएइ

अत्थिति वयामो अम्हे णं देवाणुप्पिया! सव्वं अत्थिभावं अत्थिति वयामो सव्वं नत्थिभावं नत्थिति वयामो तं चेयसा खलु तुब्भे देवाणुप्पिया! एयमट्ठं सयमेव पच्चुवेक्खहत्तिकट्टु ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-एवं २ जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे एवं जहा नियंठुद्देसए जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ भत्तपाणं पडिदंसेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे महाकहापडिवन्ने यावि होत्था कालोदाई य तं देसं हव्वमागए, कालोदाईति समणे भगवं महावीरे कालोदाइं एवं वयासी-से नूणं कालोदाई! अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सन्निविट्ठाणं तहेव जाव से कहमेयं मन्ने एवं! से नूणं कालोदाई! अत्थे समट्ठे! हंता! अत्थि तं सच्चे णं एसमट्ठे कालोदाई! अहं पंचत्थिकायं पन्नवेमि तंजहा-धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं तत्थ णं अहं चत्तारि अत्थिकाए अजीवत्थिकाए अजीवत्ताए पन्नवेमि तहेव जाव एगं च णं अहं पोग्गलत्थिकायं रूविकायं पन्नवेमि तए णं से कालोदाई समणं भगवं महावीरं एवं वयासी एयंसि णं भंते! धम्मत्थिकायंसि अधम्मत्थिकायंसि आगासत्थिकायंसि अरूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा १ सइत्तए वा २ चिट्ठित्तए वा ३ निसीइत्तए वा ४ तुयट्टित्तए वा ५! णो इणट्ठे समट्ठे कालोदाई! एगंसि णं पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा एयंसि णं भंते! पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावकम्मफलविवागसंजुत्ता कज्जंति! णो इणट्ठे समट्ठे कालोदाई! एयंसि णं जीवत्थिकायंसि अरूविकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति! हंता! कज्जंति एत्थ णं से कालोदाई संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतियं धम्मं निसामेत्तए एवं जहा खंदए तहेव पव्वइए तहेव एक्कारस अंगाइं जाव विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नयराओ गुणसिलयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए नामं चेइए होत्था तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ जाव समोसढे परिसा पडिगया तए णं से कालोदाई अणगारे अन्नया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी अत्थि णं भंते! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति! हंता! अत्थि। कहन्नं भंते! जीवाणं पावा कम्मा पावफ-

से ण भते ! तओहिंतो अणतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ?, गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अत करेहिइ । सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ३०३ ॥ **सत्तमस्स सयस्स णवमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेण कालेण तेण समएणं रायगिहे नाम नगरे होत्था वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ, जाव पुढविसिलापट्टए वण्णओ, तस्स ण गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते वहवे अन्नउत्थिया परिवसति, तजहा-कालोदाई सेलोदाई सेवालोदाई उदए नामुदए नमुदए अन्नवालए सेलवालए सुखवालए सुहत्थी गाहावई, तए ण तेसिं अन्नउत्थियाण अन्नया कयाइ एगयओ समुवागयाण सन्निविट्ठाण सन्नि-सन्नाण अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-एव खलु समणे नाय-पुत्ते पच अत्थिकाए पन्नवेइ, तजहा-धम्मत्थिकाय जाव आगासत्थिकाय, तत्थ ण समणे नायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अजीवकाए पन्नवेइ, तंजहा-धम्मत्थिकाय अध-म्मत्थिकाय आगासत्थिकाय पोग्गलत्थिकाय, एग च ण समणे णायपुत्ते जीवत्थिकायं अरूविकाय जीवकाय पन्नवेइ, तत्थ ण समणे नायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अरूवि-काए पन्नवेइ, तजहा-धम्मत्थिकाय अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवत्थिकाय, एग च ण समणे णायपुत्ते पोग्गलत्थिकाय रूविकाय अजीवकायं पन्नवेइ, से कहमेय मन्ने एव ?, तेण कालेण तेण समएण समणे भगव महावीरे जाव गुणसिलए उज्जाणे समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेण तेणं समएण समणस्स भगवओ महा-वीरस्स जेट्ठे अतेवासी इदभूई णाम अणगारे गोयमगोत्तेण एव जहा बिइयसए नियठुद्देसए जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्त भत्तपाण पडिगाहित्ता राय-गिहाओ जाव अतुरियमचवलमसभंत जाव रिय सोहेमाणे सोहेमाणे तेसिं अन्नउ-त्थियाण अदूरसामतेण वीइवयइ, तए णं ते अन्नउत्थिया भगवं गोयम अदूर-सामतेणं वीइवयमाण पासति पासेत्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति अन्नमन्न सद्दावेत्ता एव वयासी-एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह इमा कहा अविप्पकडा अय च ण गोयमे अम्ह अदूरसामतेण वीइवयइ तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह गोयम एयमट्ठ पुच्छित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अतिए एयमट्ठ पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव भगव गोयमे तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छित्ता ते भगवं गोयम एव वयासी-एव खलु गोयमा ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेइ, तजहा-धम्मत्थिकाय जाव आगासत्थिकाय, त चेव जाव रूविकाय अजीवकाय पन्नवेइ से कहमेय भते ! गोयमा ! एव ?, तए ण से भगव गोयमे ते अन्नउत्थिए एव वयासी-नो खलु वय देवाणुप्पिया ! अत्थिभाव नत्थित्ति वयामो नत्थिभाव

लविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, कालोदाई ! से जहानामए केइ पुरिसे मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं विससमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे परि० दुरूवत्ताए दुग्गंधत्ताए जहा महासवए जाव भुज्जो २ परिणमइ, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले तस्स णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणे २ दुरूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति। अत्थि णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा कल्लाणफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, हंता ! अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ?, कालोदाई ! से जहानामए केइ पुरिसे मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं ओसहमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए नो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए सुवन्नत्ताए जाव सुहत्ताए नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे तस्स णं आवाए नो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए जाव नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ॥ ३०५ ॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया जाव सरिसभंडमत्तोवगरणा अन्नमन्नेणं सद्धिं अगणिकायं समारंभंति तत्थ णं एगे पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ एगे पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ, एएसि णं भंते ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव कयरे वा पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, जे वा से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ जे वा से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ ?, कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-तत्थ णं जे से पुरिसे जाव अप्पवेयणतराए चेव ?, कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे बहुतरागं पुढविकायं समारंभइ बहुतरागं आउकायं समारंभइ अप्पतरायं तेउकायं समारंभइ बहुतरागं वाउकायं समारंभइ बहुतरायं वणस्सइकायं समारंभइ बहुतरागं तसकायं समारंभइ, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पतरायं पुढविकायं समारंभइ अप्पतरागं आउकायं समारंभइ बहुतरागं तेउकायं समारंभइ अप्पतरागं वाउकायं समारंभइ अप्पतरागं वणस्सइकायं समारंभइ अप्पतरागं तसकायं समारंभइ,

तजहा-चउप्पयथलयर० परिसप्पथलयर०, चउप्पयथलयर० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा-समुच्छिमचउप्पयथलयर० गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयर०, एव एएण अभिलावेण परिसप्प० दुविहा प०, तजहा-उरपरिसप्प० य भुयपरिसप्प० य, उरपरिसप्प० दुविहा प०, तजहा-समुच्छिम० य गब्भवक्कंतिय० य, एव भुयपरिसप्प० वि, एव खहयर० वि। मणुस्सपर्चिदियपओग० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तजहा-समुच्छिममणुस्स० गब्भवक्कंतियमणुस्स०। देवपर्चिदियपओग० पुच्छा, गोयमा ! चउव्विहा पन्नत्ता, तजहा-भवणवासिदेवपर्चिदियपओग० एव जाव वेमाणिय०। भवणवासिदेवपर्चिदिय० पुच्छा, गोयमा ! दसविहा प०, तजहा-असुरकुमार० जाव थणियकुमार०, एव एएण अभिलावेण अट्ठविहा वाणमतर० पिसाय० जाव गधव्व०, जोइसिय० पचविहा प०, तजहा-चदविमाणजोइसिय० जाव ताराविमाणजोइसियदेव०, वेमाणिय० दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-कप्पोववन्न० कप्पाईयगवेमाणिय०, कप्पोववन्नग० दुवालसविहा पण्णत्ता, तजहा-सोहम्मकप्पोववण्णग० जाव अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय०। कप्पाईय० दुविहा पण्णत्ता, तजहा-गेवेज्जकप्पातीयवे० अणुत्तरोववाइयकप्पाईयवे०, गेवेज्जकप्पातीयग० नवविहा पण्णत्ता, तजहा-हेट्ठिम २ गेवेज्जगकप्पातीयग० जाव उवरिम २ गेविज्जगकप्पाईय०। अणुत्तरोववाइयकप्पाईयगवेमाणियदेवपर्चिदियपओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा प० ?, गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तजहा-विजयअणुत्तरोववाइय जाव परिणया जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय० देवपर्चिदियपओगपरिणया ॥ सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ण भते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, [केइ अपज्जत्तग पढम भणति पच्छा पज्जत्तग] पज्जत्तगसुहुमपुढविकाइय जाव परिणया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणया य, बायरपुढविकाइयएगिंदिय० वि एव चेव, एव जाव वणस्सइकाइय०, एक्केक्का दुविहा पोग्गला-सुहुमा य बायरा य, पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य भाणियव्वा। बेंदियपओगपरिणयाण पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तजहा-पज्जत्तगबेंदियपओगपरिणया य अपज्जत्तग जाव परिणया य, एव तेइंदिय० वि एव चउरिंदिय० वि। रयणप्पभापुढविनेरइय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा-पज्जत्तगरयणप्पभापुढवि जाव परिणया य अपज्जत्तग जाव परिणया य, एव जाव अहेसत्तम०। समुच्छिमजलयरतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तजहा-पज्जत्तग० अपज्जत्तग०, एव गब्भवक्कंतिय० वि, समुच्छिमचउप्पयथलयर० वि एव चेव, एवं गब्भवक्कंतिय० वि, एव जाव समुच्छिमखहयर० गब्भवक्कंतिय० य, एक्केक्के पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य भाणियव्वा। संमुच्छिममणुस्सपर्चिदिय० पुच्छा, गोयमा ! एगविहा प०,

णपरिणयावि एवं एए नव दंडगा ९ ॥ १ ९ ॥ मीसापरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–एगिंदियमीसापरिणया जाव पंचिंदियमीसापरिणया। एगिंदियमीसापरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता? एवं जहा पओगपरिणएहिं नव दंडगा भणिया एवं मीसापरिणएहिंवि नव दंडगा भाणियव्वा तहेव सव्वं निरवसेसं, नवरं अभिलावो मीसापरिणया भाणियव्वो सेसं तं चेव, जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० जाव आययसंठाणपरिणयावि ॥ २१ ॥ वीससापरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–वण्णपरिणया गंधपरिणया रसपरिणया फासपरिणया संठाणपरिणया। जे वण्णपरिणया ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–कालवण्णपरिणया जाव सुक्किलवण्णपरिणया। जे गंधपरिणया ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, एवं जहा पण्णवणापए तहेव निरवसेसं जाव जे संठाणओ आययसंठाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव लुक्खफासपरिणयावि ॥ २२ ॥ एगे भंते! दव्वे किं पओगपरिणए मीसापरिणए वीससापरिणए? गोयमा! पओगपरिणए वा मीसापरिणए वा वीससापरिणए वा। जइ पओगपरिणए किं मणप्पओगपरिणए वइप्पओगपरिणए कायप्पओगपरिणए?, गोयमा! मणप्पओगपरिणए वा वइप्पओगपरिणए वा कायप्पओगपरिणए वा, जइ मणप्पओगपरिणए किं सच्चमणप्पओगपरिणए मोसमणप्पओग० सच्चामोसमणप्पओ० असच्चामोसमणप्पओ० ?, गोयमा! सच्चमणप्पओगपरिणए वा मोसमणप्पओग० सच्चामोसमणप्प० असच्चामोसमणप्प० जइ सच्चमणप्पओग० किं आरंभसच्चमणप्पओ० अणारंभसच्चमणप्पओगप० सारंभसच्चमणप्पओग० असारंभसच्चमण० समारंभसच्चमणप्पओगप० असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए?, गोयमा! आरंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा। जइ मोसमणप्पओगपरिणए किं आरंभमोसमणप्पओगपरिणए ?, एवं जहा सच्चेणं तहा मोसेणवि एवं सच्चामोसमणप्पओगपरिणएवि एवं असच्चामोसमणप्पओगेणवि। जइ वइप्पओगपरिणए किं सच्चवइप्पओगपरिणए मोसवइप्पओगपरिणए?, एवं जहा मणप्पओगपरिणए तहा वइप्पओगपरिणएवि जाव असमारंभवइप्पओगपरिणए वा। जइ कायप्पओगपरिणए किं ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ओरालियमीसासरीरकायप्पओ० वेउव्वियसरीरकायप्प० वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए आहारगमीसासरीरकायप्पओगपरिणए कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए?, गोयमा! ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा जाव कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए वा, जइ

यव्व। जे अपज्जत्ता रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियपओगपरिणया ते सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियपओगपरिणया, एवं पज्जत्तगावि, एवं सव्वे भाणियव्वा, तिरिक्खजोणिय०मणुस्स०देव० जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते सोइंदियचक्खिंदिय जाव परिणया ४ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया ते फासिंदियपओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहु० एवं चेव,अपज्जत्तबायर० एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं एएणं अभिलावेण जस्स जइ इंदियाणि सरीराणि य ताणि भाणियव्वाणि जाव जे य पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया ते सोइंदियचक्खिंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ५ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि नील० लोहिय० हालिद्द० सुक्किल०, गंधओ सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, रसओ तित्तरसपरिणयावि कडुयरसपरिणयावि कसायरसप० अंबिलरसप० महुररसप०, फासओ कक्खडफासपरि० जाव लुक्खफासपरि०, संठाणओ परिमंडलसंठाणपरिणयावि वट्ट० तंस० चउरंस० आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए नेयव्वं जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ६ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढवि० एगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरि० जाव आययसंठाणपरि०, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए नेयव्वं जस्स जइ सरीराणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय० देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ७ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियफासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ इंदियाणि तस्स तत्तियाणि भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० देवपंचिंदियसोइंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ८ ॥ जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरफासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणप०, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ सरीराणि इंदियाणि य तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरसोइंदिय जाव फासिंदियपओगपरि० ते वण्णओ कालवण्णपरि० जाव आययसंठा-

जाव परिणए किं वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए अवाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए? गोयमा! वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए नो अवाउक्काइय जाव परिणए, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरं भणियं तहा इहवि भाणियव्वं जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकायप्पओगपरिणए वा ३। जइ वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए? एवं जहा वेउव्वियं तहा वेउव्वियमीसगंपि नवरं देवनेरइयाणं अपज्जत्तगाणं सेसाणं पज्जत्तगाणं तहेव जाव नो पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो जाव पओग अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयदेवपंचिंदियवेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए ४। जइ आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए किं मणुस्साहारगसरीरकायप्पओगपरिणए अमणुस्साहारग जाव प०? एवं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव परिणए नो अणिड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव प० ५। जइ आहारगमीसासरीरकायप्पओगप० किं मणुस्साहारगमीसासरीर०? एवं जहा आहारगं तहेव मीसगंपि निरवसेसं भाणियव्वं ६। जइ कम्मासरीरकायप्पओगप० किं एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओगप० जाव पंचिंदियकम्मासरीर जाव प०? गोयमा! एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओ० एवं जहा ओगाहणसंठाणे कम्मगस्स भेओ तहेव इहावि जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणु० जाव परिणए वा ७। जइ मीसापरिणए किं मणमीसापरिणए वइमीसापरिणए कायमीसापरिणए? गोयमा! मणमीसापरिणए वा वइमीसा वा कायमीसापरिणए वा। जइ मणमीसापरिणए किं सच्चमणमीसापरिणए मोसमणमीसापरिणए? जहा पओगपरिणए तहा मीसापरिणएवि भाणियव्वं निरवसेसं जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरमीसापरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणु० जाव कम्मासरीरमीसापरिणए वा। जइ वीससापरिणए किं वण्णपरिणए गंधपरिणए रसपरिणए फासपरिणए संठाणपरिणए? गोयमा! वण्णपरिणए वा गंधपरिणए वा रसपरिणए वा फासपरिणए वा संठाणपरिणए वा। जइ वण्णपरिणए किं कालवण्णपरिणए नील जाव सुक्किल्लवण्णपरिणए? गोयमा! कालवण्णपरिणए वा जाव सुक्किल्लवण्णपरिणए वा, जइ गंधपरिणए किं सुब्भिगंधपरिणए दुब्भिगंधपरिणए? गोयमा! सुब्भिगंधपरिणए वा दुब्भिगंधपरिणए वा जइ रसपरिणए किं तित्तरसपरिणए ० पुच्छा गोयमा! तित्तरसपरिणए वा जाव महुर-

ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए एवं जाव पंचिंदियओरालिय जाव परि० ?, गोयमा ! एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा बेंदिय जाव परिणए वा जाव पंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं पुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए जाव वणस्सइकाइयएगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! पुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए वा जाव वणस्सइकाइयएगिंदिय जाव परिणए वा, जइ पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीर जाव परिणए किं सुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए बायरपुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! सुहुमपुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए वा बायरपुढविक्काइय जाव परिणए वा, जइ सुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए किं पज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए अपज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए ?, गोयमा ! पज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणए वा अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए वा, एवं बायरावि, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं चउक्कओ भेओ, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दुयओ भेओ पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । जइ पंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! तिरिक्खजोणिय जाव परिणए वा मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ तिरिक्खजोणिय जाव परिणए, किं जलयरतिरिक्खजोणिय जाव परिणए थलयरखहयर० ? एवं चउक्कओ भेओ जाव खहयराणं । जइ मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए किं समुच्छिममणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए ?, गोयमा ! दोन्नवि, जइ गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए किं पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए अपज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा अपज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा १ । जइ ओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए बेइंदिय जाव परिणए जाव पंचेंदियओरालिय जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदियओरालिय जाव परिणए एवं जहा ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणएणं आलावगो भणिओ तहा ओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणएवि आलावगो भाणियव्वो, नवरं बायरवाउक्काइयगब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियगब्भवक्कंतियमणुस्साणं एएसि णं पज्जत्तापज्जत्तगाणं सेसाणं अपज्जत्तगाणं २ । जइ वेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियवेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदियवेउव्वियसरीर जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदिय जाव परिणए वा पंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ एगिंदिय

रसपरिणए वा, जइ फासपरिणए किं कक्खडफासपरिणए जाव लुक्खफासपरिणए ?, गोयमा! कक्खडफासपरिणए वा जाव लुक्खफासपरिणए वा, जइ संठाणपरिणए पुच्छा, गोयमा! परिमंडलसंठाणपरिणए वा जाव आययसंठाणपरिणए वा॥३१०॥ दो भंते! दव्वा किं पओगपरिणया मीसापरिणया वीससापरिणया?, गोयमा! पओगपरिणया वा १ मीसापरिणया वा २ वीससापरिणया वा ३ अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसापरिणए ४ अहवेगे पओगप० एगे वीससापरि० ५ अहवा एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए एवं ६। जइ पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया वइप्पओग० कायप्पओगपरिणया?, गोयमा! मणप्पओ० वइप्पओगप० कायप्पओगपरिणया वा अहवेगे मणप्पओगप० एगे वइप्पओगप०, अहवेगे मणप्पओगपरिणए एगे कायप०, अहवेगे वइप्पओगप० एगे कायप्पओगपरि०, जइ मणप्पओगप० किं सच्चमणप्पओगप०४?, गोयमा! सच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पओगप० वा, १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे मोसमणप्पओगपरिणए १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगप० एगे सच्चामोसमणप्पओगपरिणए २ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे असच्चामोसमणप्पओगपरिणए ३ अहवा एगे मोसमणप्पओगप० एगे सच्चामोसमणप्पओगप० ४ अहवा एगे मोसमणप्पओगप० एगे असच्चामोसमणप्पओगप० ५ अहवा एगे सच्चामोसमणप्पओगप० एगे असच्चामोसमणप्पओगप०६। जइ सच्चमणप्पओगप० किं आरंभसच्चमणप्पओगपरिणया जाव असमारंभसच्चमणप्पओगप०?, गोयमा! आरंभसच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणया वा, अहवा एगे आरंभसच्चमणप्पओगप० एगे अणारंभसच्चमणप्पओगप० एवं एएणं गमएणं दुयसंजोएणं नेयव्वं, सव्वे संजोगा जत्थ जत्तिया उट्ठेंति ते भाणियव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धगत्ति। जइ मीसाप० किं मणमीसापरि०? एवं मीसापरि० वि। जइ वीससापरिणया किं वन्नपरिणया गंधप०? एवं वीससापरिणयावि जाव अहवा एगे चउरंससंठाणपरि० एगे आययसंठाणपरिणए वा॥ तिन्नि भंते! दव्वा किं पओगपरिणया मीसाप० वीससाप०?, गोयमा! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा। अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसाप० १ अहवेगे पओगपरिणए दो वीससाप० २ अहवा दो पओगपरिणया एगे मीससापरिणए ३ अहवा दो पओगप० एगे वीससाप० ४ अहवा एगे मीसापरिणए दो वीससाप० ५ अहवा दो मीससाप० एगे वीससाप० ६ अहवा एगे पओगप० एगे मीसापरि० एगे वीससाप० ७। जइ पओगप० किं मणप्पओगपरिणया वइप्पओगप० कायप्पओगप०?, गोयमा! मणप्पओगपरिणया वा एवं एक्कगसंजोगो दुयासंजोगो तियासंजोगो भाणि-

सपत्तीए करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा १, मंडुक्कजाइआसीविसपुच्छा, गोयमा ! पभू ण मंडुक्कजाइआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेस तं चेव जाव करेस्सति वा २, एवं उरगजाइआसीविसस्सवि नवरं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगय सेस त चेव जाव करेस्सति वा ३, मणुस्सजाइआसीविसस्सवि एव चेव नवरं समयखेत्तप्पमाणमेत्त बोंदिं विसेणं विसपरिगय सेस तं चेव जाव करेस्सति वा ४। जइ कम्मआसीविसे किं नेरइयकम्मआसीविसे तिरिक्खजोणियकम्मआसीविसे मणुस्सकम्मआसीविसे देवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! नो नेरइयकम्मासीविसे तिरिक्खजोणियकम्मासीविसेवि मणुस्सकम्मा० देवकम्मासी०, जइ तिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ?, गोयमा ! नो एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव नो चउरिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे, पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे, जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं समुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ?, एवं जहा वेउव्वियसरीरस्स भेओ जाव पज्जत्तासंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे नो अपज्जत्तासंखेज्जवासाउय जाव कम्मासीविसे। जइ मणुस्सकम्मासीविसे किं संमुच्छिममणुस्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे ?, गोयमा ! णो समुच्छिममणुस्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे एवं जहा वेउव्वियसरीरं जाव पज्जत्तासंखेज्जवासाउयकम्मभूमियगब्भवक्कंतियमणूसकम्मासीविसे नो अपज्जत्ता जाव कम्मासीविसे। जइ देवकम्मासीविसे कि भवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव वेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! भवणवासिदेवकम्मासीविसेवि वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, जइ भवणवासिदेवकम्मासीविसे किं असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव थणियकुमार जाव कम्मासीविसे ?, गोयमा ! असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसेवि जाव थणियकुमार० आसीविसेवि, जइ असुरकुमार जाव कम्मासीविसे किं पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे ? गोयमा ! नो पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे, एव थणियकुमाराण, जइ वाणमंतरदेवकम्मासीविसे किं पिसायवाणमंतर० एव सव्वेसिंपि अपज्जत्तगाण, जोइसियाणं सव्वेसिं अपज्जत्तगाण, जइ वेमाणियदेवकम्मासीविसे किं कप्पोववण्णगवेमाणियदेवकम्मासीविसे कप्पाईयवेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! कप्पोववन्नगवेमाणियदेवकम्मासीविसे नो कप्पातीयवेमाणियदेवकम्मासीविसे, जइ कप्पोववण्णगवे-

जाव वणस्सइकाइया णो णाणी अण्णाणी नियमा दुअण्णाणी तंजहा-मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य तसकाइया जहा सकाइया। बायरा णं भंते! जीवा किं णाणी ? जहा सिद्धा ३॥ सुहुमा णं भंते! जीवा किं णाणी ? जहा पुढविकाइया। बायरा णं भंते! जीवा किं णाणी ? जहा सकाइया। नोसुहुमानोबायरा णं भंते! जीवा जहा सिद्धा ४॥ पज्जत्ता णं भंते! जीवा किं णाणी ? जहा सकाइया। पज्जत्ता णं भंते! नेरइया किं णाणी ? तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा जहा नेरइया एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया जहा एगिंदिया एवं जाव चउरिंदिया। पज्जत्ता णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं णाणी अण्णाणी ? तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए। मणुस्सा जहा सकाइया। वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया जहा नेरइया। अपज्जत्ता णं भंते! जीवा किं णाणी ? तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए। अपज्जत्ता णं भंते! नेरइया किं णाणी अण्णाणी ? तिन्नि नाणा नियमा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया जहा एगिंदिया। बेइंदियाणं पुच्छा दो नाणा दो अन्नाणा नियमा एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। अपज्जत्तगा णं भंते! मणुस्सा किं णाणी अण्णाणी ? तिन्नि नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा वाणमंतरा जहा नेरइया, अपज्जत्तगा जोइसियवेमाणियाणं तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा। नोपज्जत्तगनोअपज्जत्तगा णं भंते! जीवा किं णाणी ? जहा सिद्धा ५॥ निरयभवत्था णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? जहा निरयगइया। तिरियभवत्था णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए। मणुस्सभवत्था णं जहा सकाइया। देवभवत्था णं भंते! जहा निरयभवत्था। अभवत्था जहा सिद्धा ६॥ भवसिद्धिया णं भंते! जीवा किं णाणी ? जहा सकाइया, अभवसिद्धियाणं पुच्छा गोयमा! नो नाणी अन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए। नो भवसिद्धिया-नोअभवसिद्धिया णं भंते! जीवा जहा सिद्धा ७॥ सन्नीणं पुच्छा जहा सइंदिया असन्नी जहा बेइंदिया नोसन्नीनोअसन्नी जहा सिद्धा ८॥ ११८॥

कइविहा णं भंते! लद्धी पन्नत्ता ? गोयमा! दसविहा लद्धी प० तंजहा-नाणलद्धी १ दंसणलद्धी २ चरित्तलद्धी ३ चरित्ताचरित्तलद्धी ४ दाणलद्धी ५ लाभलद्धी ६ भोगलद्धी ७ उवभोगलद्धी ८ वीरियलद्धी ९ इंदियलद्धी १०। णाणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ? गोयमा! पंचविहा प० तंजहा-आभिणिबोहियणाणलद्धी जाव केवलणाणलद्धी॥ अन्नाणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ? गोयमा! तिविहा प० तंजहा-मइअन्नाणलद्धी सुयअन्नाणलद्धी विभंगनाणलद्धी॥ दंसणलद्धी णं भंते!

वोहियनाणी य सुयनाणी य, जे तिन्नाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहि- नाणी अहवा आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी मणपज्जवनाणी, जे चउनाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी, जे एगनाणी ते नियमा केवलनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया दुअन्नाणी अत्थेगइया तिअन्नाणी, जे दुअ- न्नाणी ते मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, जे तियअन्नाणी ते मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभगनाणी । नेरइया ण भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा तिन्नाणी, तजहा-आभिणिवोहि० सुयनाणी ओहिनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया दुअन्नाणी अत्थेगइया तिअन्नाणी, एव तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए । असुरकुमारा ण भते ! कि नाणी अन्नाणी ?, जहेव नेरइया तहेव तिन्नि नाणाणि नियमा, तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविक्काइया ण भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी-मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, एव जाव वणस्सइकाइया । वेइंदियाण पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा दुन्नाणी, तंजहा-आभिणि- वोहियनाणी य सुयनाणी य, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी त० आभिणिवोहिय- अन्नाणी सुयअन्नाणी, एव तेइदियचउरिंदियावि, पचिंदियतिरिक्खजो० पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थे० दुन्नाणी अत्थे० तिन्नाणी एवं तिन्नि नाणाणि तिन्नि अन्नाणाणि य भयणाए । मणुस्सा जहा जीवा तहेव पंच नाणाणि तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए । वाणमतरा जहा ने०, जोइ- सियवेमाणियाणं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइ नियमा । सिद्धा ण भते ! पुच्छा, गोयमा ! णाणी नो अन्नाणी, नियमा एगनाणी केवलनाणी ॥ ३१७ ॥ निरयगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, तिन्नि नाणाइ नियमा तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए । तिरियगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! दो नाणाई दो अन्नाणाइ नियमा । मणुस्सगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! तिन्नि नाणाई भयणाए दो अन्नाणाइ नियमा, देवगइया जहा निरयगइया । सिद्धगइया ण भंते ! जहा सिद्धा ॥ सइंदिया ण भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! चत्तारि नाणाइ तिन्नि अन्नाणाइ भय- णाए । एगिंदिया णं भंते ! जीवा किं नाणी० ?, जहा पुढविकाइया, वेइदियतेइदि- यचउरिंदियाण दो नाणाई दो अन्नाणाई नियमा । पचिंदिया जहा सइंदिया । अणिं- दिया णं भंते ! जीवा किं नाणी० ?, जहा सिद्धा ॥ सकाइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! पच नाणाणि तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए । पुढविकाइया

अन्नाणी पंच नाणाई भयणाए जहा अन्नाणस्स लद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स य लद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा । विभंगनाणलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाई नियमा तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाई भयणाए दो अन्नाणाई नियमा ॥ दंसणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि पंच नाणाई तिन्नि अन्नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! तस्स अलद्धिया नत्थि । सम्मदंसणलद्धियाणं पंच नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाई भयणाए, मिच्छादंसणलद्धिया णं भंते ! पुच्छा, जो नाणी अन्नाणी तिन्नि अन्नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाई तिन्नि य अन्नाणाई भयणाए, सम्मामिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया य जहा मिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया तहेव भाणियव्वा ॥ चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी पंच नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवनाणवज्जाइं चत्तारि नाणाई तिन्नि य अन्नाणाई भयणाए, सामाइयचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! नाणी केवलवज्जाइं चत्तारि नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाई तिन्नि य अन्नाणाई भयणाए, एवं जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं जाव अहक्खायचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा, नवरं अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच नाणाई भ चरित्ताचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी अत्थेगइया दुन्नाणी अत्थेगइया तिन्नाणी जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य जे तिन्नाणी ते आभि सुयनाणी ओहिनाणी तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाई तिन्नि अन्नाणाई भयणाए ४ ॥ दाणलद्धियाणं पंच नाणाई तिन्नि अन्नाणाई भयणाए, तस्स अ पुच्छा गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी नियमा एगनाणी केवलनाणी । एवं जाव वीरियलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा ॥ बालवीरियलद्धियाणं तिन्नि नाणाई तिन्नि अन्नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाई भयणाए । पंडियवीरियलद्धियाणं पंच नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवनाणवज्जाइं नाणाई अन्नाणाणि तिन्नि य भयणाए । बालपंडियवीरियलद्धिया णं भंते ! जीवा तिन्नि नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाई तिन्नि अन्नाणाई भयणाए ॥ इंदियलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! चत्तारि नाणाई तिन्नि य अन्नाणाई भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी नियमा एगनाणी केवलनाणी सोइंदियलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया तस्स अलद्धियाणं पुच्छा गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि जे नाणी ते अत्थे-

कइविहा प० ?, गोयमा ! तिविहा प०, तंजहा-सम्मदंसणलद्धी मिच्छादंसणलद्धी सम्मामिच्छादसणलद्धी ॥ चरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा प०?, गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा-सामाइयचरित्तलद्धी छेदोवट्ठावणियलद्धी परिहारविसुद्धचरित्तलद्धी सुहुमसंपरायचरित्तलद्धी अहक्खायचरित्तलद्धी ॥ चरित्ताचरित्तलद्धी ण भंते ! कइविहा प०?, गोयमा ! एगागारा प०, एव जाव उवभोगलद्धी एगागारा प० ॥ वीरियलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ?, गोयमा ! तिविहा प०, तजहा-वालवीरियलद्धी पंडियवीरियलद्धी वालपंडियवीरियलद्धी । इंदियलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ?, गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा-सोइंदियलद्धी-जाव फासिंदियलद्धी ॥ नाणलद्धिया ण भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुन्नाणी, एव पंच नाणाई भयणाए । तस्स अलद्धिया ण भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, अत्थेगइया दुअन्नाणी तिन्नि-अन्नाणाणि भयणाए । आभिणिवोहियणाणलद्धिया ण भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुन्नाणी तिनाणी, चत्तारि नाणाइ भयणाए । तस्स अलद्धिया ण भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया-दुअन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए । एव सुयनाणलद्धियावि, तस्स अलद्धियावि जहा आभिणिवोहियनाणस्स लद्धिया । ओहिनाणलद्धियाण पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउनाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुय० ओहि० मणपज्जवनाणी । तस्स अलद्धिया ण भंते ! जीवा किं-नाणी०?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि । एव ओहिनाणवज्जाइ चत्तारि-नाणाई तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए । मणपज्जवनाणलद्धियाण पुच्छा, गोयमा ! णाणी णो अन्नाणी, अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयणाणी मणपज्जवणाणी, जे चउनाणी ते आभिणिवोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, मणपज्जवणाणवज्जाइ चत्तारि णाणाई, तिन्नि अन्नाणाई भयणाए । केवलनाणलद्धिया ण भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, नियमा एगणाणी केवलनाणी, तस्स अलद्धियाण पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, केवलनाणवज्जाइं चत्तारि णाणाई तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए ॥ अन्नाणलद्धियाण पुच्छा, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, तिन्नि अन्नाणाइ भयणाए, तस्स अलद्धियाण पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो

गइया दुन्नाणी अत्थेगइया एगणाणी जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी, जे एगनाणी ते केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, चक्खिंदियघाणिंदियलद्धियाणं अलद्धियाण य जहेव सोइंदियलद्धिया अलद्धिया य, जिब्भिंदियलद्धियाण चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाणि भयणाए, तस्स अलद्धियाण पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, फासिंदियलद्धियाण अलद्धियाण जहा इंदियलद्धिया य अलद्धिया य ॥ ३१९ ॥ सागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ॥ आभिणिबोहियनाणसागारोवउत्ता णं भंते ! चत्तारि णाणाइं भयणाए । एवं सुयनाणसागारोवउत्तावि । ओहिनाणसागारोवउत्ता जहा ओहिनाणलद्धिया, मणपज्जवनाणसागारोवउत्ता जहा मणपज्जवनाणलद्धिया, केवलनाणसागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया, मइअन्नाणसागारोवउत्ताण तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, एवं सुयअन्नाणसागारोवउत्तावि, विभंगनाणसागारोवउत्ताण तिन्नि अन्नाणाइं नियमा ॥ अणागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए । एवं चक्खुदंसणअचक्खुदंसणअणागारोवउत्तावि, नवरं चत्तारि णाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, ओहिदंसणअणागारोवउत्ताण पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगइया तिन्नाणी अत्थेगइया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा तिअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी, केवलदंसणअणागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया ॥ सजोगी णं भंते ! जीवा किं नाणी० ? जहा सकाइया, एवं मणजोगी वइजोगी कायजोगीवि, अजोगी जहा सिद्धा ॥ सलेस्सा णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? जहा सकाइया, कण्हलेस्सा णं भंते ! जहा सकाइया सइंदिया, एवं जाव पम्हलेस्सा, सुक्कलेस्सा जहा सलेस्सा, अलेस्सा जहा सिद्धा ॥ सकसाई णं भंते ! जहा सइंदिया, एवं जाव लोहकसाई, अकसाई णं भंते !० ? पंच नाणाइं भयणाए ॥ सवेयगा णं भंते ! जहा सइंदिया, एवं इत्थिवेयगावि, एवं पुरिसवेयगावि, एवं नपुंसगवे०, अवेयगा जहा अकसाई ॥ आहारगा णं भंते ! जीवा० ? जहा सकसाई, नवरं केवलनाणंपि, अणाहारगा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? मणपज्जवनाणवज्जाइं नाणाइं अन्नाणाणि य तिन्नि भयणाए ॥ ३२० ॥ आभिणिबोहियनाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पन्नत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे प०, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ

इमाणं तेसिं जीवपएसाणं किंचि आबाहं वा विबाहं वा उप्पायइ छविच्छेदं वा
करेइ? णो तिणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं संकमइ ॥ १९४ ॥ कइ णं भंते!
पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव
अहे सत्तमा पुढवी ईसिपब्भारा। इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा
अचरिमा? चरिमपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वेमाणिया णं भंते! फासचरि-
मेणं किं चरिमा अचरिमा? गोयमा! चरिमावि अचरिमावि। सेवं भंते! २ त्ति
भगवं गोयमे ॥ १९५ ॥ अट्ठमसए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! किरियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पंच
किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-काइया अहिगरणिया एवं किरियापयं निरवसेसं
भाणियव्वं जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ। सेवं भंते! सेवं भंते!
त्ति भगवं गोयमे ॥ १९६ ॥ अट्ठमसए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-आजीविया णं भंते! थेरे भगवंते एवं वयासी-
समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंडं
अवहरेज्जा से णं भंते! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ परायगं
भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! सयं भंडं अणुगवेसइ, णो परायगं भंडं अणुगवेसेइ,
तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे
भवइ? हंता! भवइ। से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुग-
वेसइ णो परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे हिरण्णे
णो मे सुवण्णे णो मे कंसे णो मे दूसे णो मे विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंख-
सिलप्पवालरत्तरयणमाइए संतसारसावएज्जे ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ,
से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-सयं भंडं अणुगवेसइ णो परायगं भंडं अणुगवेसइ ॥
समणोवासयस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं
चरेज्जा से णं भंते! किं जायं चरइ अजायं चरइ? गोयमा! जायं चरइ णो
अजायं चरइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं
सा जाया अजाया भवइ? हंता! भवइ, से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-
जायं चरइ णो अजायं चरइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे माया णो मे
पिया णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया णो मे
सुण्हा, पेज्जबंधणे पुण से अवोच्छिन्ने भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव णो अजायं
चरइ ॥ १९७ ॥ समणोवासयस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्च-
क्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ? गोयमा! तीयं पडिक्क-

सुयनाणपज्जवा प० ? एवं चेव एव जाव केवलनाणस्स। एव- मइअन्नाणस्स सुय-अन्नाणस्स, केवइया ण भंते! विभंगनाणपज्जवा प० ? गोयमा! अणंता विभग-नाणपज्जवा प०, एएसि ण भंते! आभिणिवोहियनाणपज्जवाणं सुयनाण० ओहि-नाण० मणपज्जवनाण० केवलनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा ओहिनाणपज्जवा अणतगुणा सुयनाणप-ज्जवा अणतगुणा आभिणिवोहियनाणपज्जवा अणंतगुणा केवलणाणपज्जवा अणत-गुणा॥ एएसि ण भंते! मइअन्नाणपज्जवाणं सुयअन्नाण० विभगनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा विभंगनाणपज्जवा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा मइअन्नाणपज्जवा अणतगुणा॥ एएसि णं भंते! आभिणिवोहि-यणाणपज्जवाण जाव केवलनाणप० मइअन्नाणप० सुयअन्नाणप० विभंगनाणप० कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा विभग-नाणपज्जवा अणंतगुणा ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा सुयअन्नाणपज्जवा अणतगुणा सुयनाणपज्जवा विसेसाहिया मइअन्नाणपज्जवा अणतगुणा आभिणिवोहियनाणपज्जवा विसेसाहिया केवलणाणपज्जवा अणतगुणा। सेव भंते! सेव भंते! त्ति॥ ३२२॥

अट्ठमस्स सयस्स विइओ उद्देसो समत्तो॥

कइविहा ण भंते! रुक्खा पन्नत्ता? गोयमा! तिविहा रुक्खा प०, तंजहा-सखेज्जजीविया असखेज्जजीविया अणंतजीविया। से किं त सखेज्जजीविया ? सखेज्ज० अणेगविहा प०, तजहा-ताले तमाले तक्कलि तेतलि जहा पन्नवणाए जाव नालि-एरी, जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्त सखेज्जजीविया। से किं त असखेज्जजीविया ? असखेज्जजीविया दुविहा प०, तंजहा-एगट्ठिया य वहुबीयगा य। से किं त एग-ट्ठिया ? २ अणेगविहा प०, तजहा-निंबबजंबू० एवं जहा पन्नवणापए जाव फला वहुवीयगा, सेत्तं वहुवीयगा, सेत्त असखेज्जजीविया। से किं त अणतजीविया ? अणतजीविया अणेगविहा प०, तजहा-आलुए मूलए सिंगवेरे, एव जहा सत्तमसए जाव सीउण्हे सिउढी मुसुढी, जे यावन्ने त०, सेत्तं अणतजीविया॥ ३२३॥ अह भंते! कुम्मे कुम्मावलिया गोहे गोहावलिया गोणे गोणावलिया मणुस्से मणुस्सा-वलिया महिसे महिसावलिया एएसि णं दुहा वा तिहा वा सखेज्जहा वा छिन्नाणं जे अतरा तेवि ण तेहिं जीवपएसेहिं फुडा ? हता! फुडा। पुरिसे णं भंते! (ज अंतरं) ते अतरे हत्थेण वा पाएण वा अगुलियाए वा सलागाए वा कट्ठेण वा कलिंचेण वा आमुसमाणे वा समुसमाणे वा आलिहमाणे वा विलिहमाणे वा अन्नयरेण वा तिक्खेणं सत्थजाएण आच्छिंदमाणे वा विच्छिंदमाणे वा अगणिकाएणं वा समोड-

वयसा कायसा ४० एगविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ मणसा ४१ अहवा न करेइ वयसा ४२ अहवा न करेइ कायसा ४३, अहवा न कारवेइ मणसा ४४ अहवा न कारवेइ वयसा ४५, अहवा न कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ४७ अहवा करेंतं नाणुजाणइ वयसा ४८ अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा ४९। पडुप्पन्नं संवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं संवरेइ? एवं जहा पडिक्कममाणेणं एगूणपन्नं भंगा भणिया एवं संवरमाणेणवि एगूणपन्नं भंगा भाणियव्वा। अणागयं पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेणं पच्चक्खाइ? एवं ते चेव भंगा एगूणपन्नं भाणियव्वा जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा॥ समणोवासगस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए मुसावाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे एवं जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगसयं भणियं तहा मुसावायस्सवि भाणियव्वं। एवं अदिन्नादाणस्सवि एवं थूलगस्स मेहुणस्सवि थूलगस्स परिग्गहस्सवि जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा॥ एए खलु एरिसगा समणोवासगा भवंति नो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवंति॥ ११८॥ आजीवियसमयस्स णं अयमट्ठे पन्नत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हंता छेत्ता भेत्ता लुंपित्ता विलुंपित्ता उद्दवइत्ता आहारमाहारेंति तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवंति तंजहा–ताले १ तालपलंबे २ उव्विहे, ३ संविहे, ४ अवविहे, ५ उदए, ६ नामुदए, ७ णमुदए, ८ अणुवालए, ९ संखवालए, १० अयंबुले ११ कायरिए, १२ इच्चेए दुवालस आजीवियोवासगा अरिहंतदेवतागा अम्मापिउसुस्सूसगा पंचफल-पडिक्कंता तंजहा उंबरेहिं, वडेहिं, बोरेहिं, सतरेहिं, पिलंखूहिं, पलंडुल्हसण(कं)कंद-मूलविवज्जगा अणिल्लंछिएहिं अणक्कभिन्नेहिं गोणेहिं तसपाणविवज्जिएहिं वि(चि)त्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएवि ताव एवं इच्छंति, किमंग पुण जे इमे समणोवासगा भवंति जेसिं नो कप्पंति इमाइं पन्नरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा कारवेत्तए वा करेंतं वा अन्नं समणुजाणेत्तए तंजहा–इंगालकम्मे वणकम्मे साडीकम्मे भाडीकम्मे फोडीकम्मे दंतवाणिज्जे लक्खवाणिज्जे केसवाणिज्जे, रसवाणिज्जे विसवाणिज्जे जंतपीलणकम्मे निल्लंछणकम्मे दवग्गिदावणया सरदहतलायपरिसोसणया असई-पोसणया इच्चेए समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजाइया भवित्ता भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ॥ ११९ ॥ कइविहा णं भंते! [देवा] देवलोगा पन्नत्ता? गोयमा! चउव्विहा देवलोगा प० तंजहा–भवणवासिवाणमंतरजोइसवेमाणिया सेवं भंते! २ त्ति ॥ १२ ॥ अट्ठमसयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो॥

मइ पडुप्पन्न सवरेइ अणागय पच्चक्खाइ ॥ तीय पडिक्कममाणे किं तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ १ तिविह दुविहेण पडिक्कमइ २ तिविहं एगविहेण पडिक्कमइ ३ दुविहं तिविहेण पडिक्कमइ ४ दुविहं दुविहेण पडिक्कमइ ५ दुविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ६ एक्कविह तिविहेणं पडिक्कमइ ७ एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ८ एक्कविह एगविहेणं पडिक्कमइ ९? गोयमा! तिविह तिविहेण पडिक्कमइ तिविह दुविहेण वा पडिक्कमइ त चेव जाव एक्कविहं वा एक्कविहेण पडिक्कमइ, तिविह तिविहेण पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ करेंत णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १, तिविह दुविहेण पडि० न क० न का० करेंत नाणुजाणइ मणसा वयसा २, अहवा न करेइ न का० करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३, अहवा न करेइ ३ वयसा कायसा ४, तिविह एगविहेण पडि० न करेइ ३ मणसा ५, अहवा न करेइ ३ वयसा ६, अहवा न करेइ ३ कायसा ७, दुविह ति० प० न करेइ न का० मणसा वयसा कायसा ८, अहवा न करेइ करेंत नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ९, अहवा न कारवेइ करेंते नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १०, दु० दु० प० न क० न का० म० व० ११, अहवा न क० न का० म० कायसा १२, अहवा न क० न का० वयसा कायसा १३, अहवा न करेइ करेंत नाणुजाणइ मणसा वयसा १४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १५, अहवा न करेइ करेंत नाणुजाणइ वयसा कायसा १६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १७, अहवा न कारवेइ करेंत नाणुजाणइ मणसा कायसा १८, अहवा न कारवेइ करेंत नाणुजाणइ वयसा कायसा १९, दुविह एक्कविहेण पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेइ मणसा २०, अहवा न करेइ न कारवेइ वयसा २१, अहवा न करेइ न कारवेइ कायसा २२, अहवा न करेइ करेंत नाणुजाणइ मणसा २३, अहवा न करेइ करेंत नाणुजाणइ वयसा २४, अहवा न करेइ करेंत नाणुजाणइ कायसा २५, अहवा न कारवेइ करेंत नाणुजाणइ मणसा २६, अहवा न कारवेइ करेंत नाणुजाणइ वयसा २७, अहवा न कारवेइ करेंत नाणुजाणइ कायसा २८, एगविह त्रिविहेण पडि० न करेइ मणसा वयसा कायसा २९, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा कायसा ३०, अहवा करेंत नाणुजाणइ मणसा ३।३१, एक्कविहं दुविहेण पडिक्कममाणे न करेइ मणसा वयसा ३२, अहवा न करेइ मणसा कायसा ३३, अहवा न करेइ वयसा कायसा ३४, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा ३५, अहवा न कारवेइ मणसा कायसा ३६, अहवा न कारवेइ वयसा कायसा ३७, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा ३८, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा ३९, अहवा करेंत नाणुजाणइ

ए १। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए २। से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए ३, से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए ४ से य संपट्ठिए संपत्ते थेरा य अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए नो विराहए, से य संपट्ठिए संपत्ते अप्पणा य एवं संपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असंपत्तेणं। निग्गंथेण य बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खंतेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ-इहेव ताव अहं एवं एत्थवि एए चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए। निग्गंथेण य गामाणुगामं दूइज्जमाणेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ इहेव ताव अहं एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए॥ निग्गंथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे णं एवं भवइ इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्मं पडिवज्जामि तओ पच्छा पवत्तिणीए अंतियं आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि सा य संपट्ठिया असंपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा णं भंते! किं आराहिया विराहिया? गोयमा! आराहिया नो विराहिया सा य संपट्ठिया जहा निग्गंथस्स तिण्णि गमा भणिया एवं निग्गंथीएवि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा जाव आराहिया नो विराहिया॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-आराहए नो विराहए? गोयमा! से जहा नामए-केइ पुरिसे एगं महं उण्णालोमं वा गयलोमं वा सणलोमं वा कप्पासलोमं वा तणसूयं वा दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकायंसि पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! छिज्जमाणे छिन्ने पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते दज्झमाणे दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया? हंता भगवं! छिज्जमाणे छिन्ने जाव दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया। से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहयं वा धोयं वा तंतुग्गयं वा मंजिट्ठादोणीए पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया? हंता भगवं! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-आराहए नो विराहए ॥ १११ ॥ पईवस्स णं भंते! झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेल्ले झियाइ पईवचंपए झियाइ जोई झियाइ? गोयमा! नो पईवे झियाइ जाव नो पईवचंपए झियाइ, जोई झियाइ॥ अगारस्स णं भंते! झियाय

समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेण असणपाणखाइमसाइमेण पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ? गोयमा ! एगंतसो निज्जरा कज्जइ नत्थि य से पावे कम्मे कज्जइ। समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूव समणं वा माहणं वा अफासुएण अणेसणिज्जेण असणपाण जाव पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ? गोयमा ! बहुतरिया से निज्जरा कज्जइ अप्पतराए से पावे कम्मे कज्जइ। समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मं फासुएण वा अफासुएण वा एसणिज्जेण वा अणेसणिज्जेण वा असणपाण जाव किं कज्जइ ? गोयमा ! एगंतसो से पावे कम्मे कज्जइ नत्थि से काइ निज्जरा कज्जइ, [मोक्खत्थं जं दाणं, तं पइ एसो विही समक्खाओ। अणुकंपादाणं पुण, जिणेहिं न कयाइ पडिसिद्धं] ॥ ३३१ ॥ निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ दोहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा–एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य तं पिण्डं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसियव्वा सिया जत्थेव अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तत्थेव अणुप्पदायव्वे सिया नो चेव णं अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तं नो अप्पणा भुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए एगंते अणावाए अचित्ते बहुफासुए थंडिल्ले पडिलेहेत्ता पमज्जित्ता परिट्ठावेयव्वे सिया। निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ तिहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा–एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि दो थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसेयव्वा सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा नवरं एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि नव थेराणं दलयाहि सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया। निग्गंथं च णं गाहावइकुलं जाव केइ दोहिं पडिग्गहेहिं उवनिमंतेज्जा एगं आउसो ! अप्पणा पडिभुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, तहेव जाव तं नो अप्पणा पडिभुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पडिग्गहेहिं, एवं जहा पडिग्गहवत्तव्वया भणिया एवं गोच्छगरयहरणचोलपट्टगकंबललट्ठिसंथारगवत्तव्वया य भाणियव्वा जाव दसहिं संथारएहिं उवनिमंतेज्जा जाव परिट्ठावेयव्वे सिया ॥ ३३२ ॥ निग्गंथेण य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं एवं भवइ–इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि विउट्टामि विसोहेमि अकरणयाए अब्भुट्ठेमि अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जामि, तओ पच्छा थेराणं अंतियं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य पुव्वामेव अमुहा सिया से णं भंते ! किं आराहए विराहए ? गोयमा ! आराहए नो विरा-

माणस्स किं अगारे झियाइ कुड्डा झियाइ कडणा झि० धारणा झि० वलहरणे झि० वसा० मल्ला झि० वग्गा झियाइ छित्तरा झियाइ छाणे झियाइ जोई झियाइ ? गोयमा ! नो अगारे झियाइ नो कुड्डा झियाइ जाव नो छाणे झियाइ, जोई झियाइ ॥ ३३४ ॥ जीवे ण भते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए सिय अकिरिए ॥ नेरइए ण भते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । असुरकुमारे णं भते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? एव चेव, एव जाव वेमाणिए, नवर मणुस्से जहा जीवे । जीवे णं भते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए जाव सिय अकिरिए । नेरइए ण भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए ? एव एसो जहा पढमो दडओ तहा इमोवि अपरिसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिए, नवर मणुस्से जहा जीवे । जीवा णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिया ? गोयमा ! सिय तिकिरिया जाव सिय अकिरिया, नेरइया ण भते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिया ? एव एसोवि जहा पढमो दंडओ तहा भाणियव्वो, जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा । जीवा ण भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पचकिरियावि अकिरियावि, नेरइया ण भते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पचकिरियावि एव जाव वेमाणिया, नवर मणुस्सा जहा जीवा ॥ जीवे ण भते ! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय अकिरिए, नेरइए णं भते ! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए एव जाव वेमाणिए, नवर मणुस्से जहा जीवे, एवं जहा ओरालियसरीरेण चत्तारि दडगा तहा वेउव्वियसरीरेणवि चत्तारि दडगा भाणियव्वा, नवरं पचमकिरिया न भन्नइ, सेस त चेव, एव जहा वेउव्वियं तहा आहारगपि तेयगपि कम्मगंपि भाणियव्व, एक्केक्के चत्तारि दडगा भाणियव्वा जाव वेमाणिया णं भते ! कम्मगसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि । सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ३३५ ॥ **अट्ठमसयस्स छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥**

तेण कालेणं २ रायगिहे नगरे वन्नओ, गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ, जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स ण गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामते वहवे अन्नउत्थिया परिवसति, तेण कालेण २ समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेण कालेण २ समणस्स भगवओ महावीरस्स वहवे अतेवासी थेरा भगवतो जाइसपन्ना कुलसपन्ना जहा विइयसए जाव जीवियासामरणभयविप्पमुक्का

वे ते थेरा भगवंतो अन्नउत्थिए एवं पडिहणंति पडिहणित्ता गइप्पवायं णामं अज्झयणं पन्नवइंसु ॥ ३३६ ॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पन्नत्ते, तंजहा-पओगगई, ततगई, बंधणछेयणगई, उववायगई, विहायगई, एत्तो आरब्भ पओगपयं निरवसेसं भाणियव्वं, जाव सेत्तं विहायगई । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३३७ ॥ अट्ठमसयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे नयरे जाव एवं वयासी-गुरुं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पन्नत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा-आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए ॥ गइं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पन्नत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा-इहलोगपडिणीए, परलोगपडिणीए, दुहओलोगपडिणीए ॥ समूहण्णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पन्नत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा-कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए ॥ अणुकंपं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा-तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए ॥ सुयण्णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा-सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए । भावं णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा-नाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए ॥ ३३८ ॥ कइविहे णं भंते ! ववहारे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे ववहारे पन्नत्ते, तंजहा-आगमे, सुए, आणा, धारणा, जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा णो य से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा णो य से तत्थ सुए सिया जहा से तत्थ आणा सिया आणाए ववहारं पट्ठवेज्जा णो य से तत्थ आणा सिया जहा से तत्थ धारणा सिया धारणाए ववहारं पट्ठवेज्जा णो य से तत्थ धारणा सिया जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा तंजहा-आगमेणं सुएणं आणाए, धारणाए, जीएणं जहा २ से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा ॥ से किमाहु भंते ! आगमबलिया समणा निग्गंथा इच्चेयं पंचविहं ववहारं जया २ जहिं २ तहा २ तहिं २ अणिस्सिओवस्सियं सम्मं ववहरमाणे समणे निग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ ३३९ ॥ कइविहे णं भंते ! बंधे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे बंधे पन्नत्ते, तंजहा-इरियावहियाबंधे य संपराइयबंधे य । इरियावहियण्णं भंते ! कम्मं किं नेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ तिरिक्खजोणिणी बंधइ मणुस्सो बंधइ मणुस्सी बंधइ देवो बंधइ देवी बंधइ ? गोयमा ! नो नेरइओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिणी बंधइ नो देवो बंधइ नो देवी बंधइ,

भगवते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं जाव एगतबाला यावि भवामो ?, तए ण ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एव वयासी–तुज्झे ण अज्जो ! अदिन्न गेण्हह ३, तए ण तु अज्जो ! तुब्भे अदिन्नं गे० जाव एगंत०, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एव वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिन्न गेण्हामो जाव एगतबा० ?, तए णं ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एव वयासी–तुज्झे ण अज्जो ! दिज्जमाणे अदिन्ने त चेव जाव गाहावइस्स ण णो खलु त तुज्झे, तए ण तुज्झे अदिन्न गेण्हह, तं चेव जाव एगंतबाला यावि भवह, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भ० एव व०–तुज्झे ण अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगतबा० भवह, तए णं ते थेरा भ० ते अन्नउत्थिए एव वयासी–केण कारणेण अम्हे तिविह तिविहेण जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! रीय रीयमाणा पुढविं पेच्चेह अभिहणह वत्तेह लेसेह सघाएह सघट्टेह परियावेह किलामेह उवद्दवेह तएण तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेण असजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए ण ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हे रीय रीयमाणा पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो अम्हे णं अज्जो ! रीय रीयमाणा काय वा जोग वा रीय वा पडुच्च देसं देसेणं वयामो पएस पएसेण वयामो तेण अम्हे देस देसेण वयमाणा पएस पएसेणं वयमाणा नो पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो, तएणं अम्हे पुढविं अपेच्चेमाणा अणभिहणेमाणा जाव अणुवद्दवेमाणा तिविह तिविहेणं सजय जाव एगतपडिया यावि भवामो, तुज्झे ण अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेण असजय जाव एगंत बाला यावि भवह, तए ण ते अन्नउत्थिया थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविह तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए ण ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे ण अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह जाव उवद्दवेह, तए ण तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगतबाला यावि भवह, तए ण ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवते एव वयासी–तुज्झे ण अज्जो ! गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कते रायगिह नगरं संपाविउकामे असंपत्ते, तए णं ते थेरा भगवतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हे गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कते रायगिहं नगरं जाव असपत्ते, अम्हे ण अज्जो ! गममाणे गए वीइक्कमिज्जमाणे वीइक्कंते रायगिह नगर सपाविउकामे सपत्ते, तुज्झे णं अप्पणा चेव गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कते रायगिह नगरं जाव असपत्ते, तए

बंधइ अणाईयं सपज्जवसियं बंधइ अणाईयं अपज्जवसियं बंधइ? गोयमा! साईयं सपज्जवसियं बंधइ नो साईयं अपज्जवसियं बंधइ नो अणाईयं सपज्जवसियं बंधइ नो अणाईयं अपज्जवसियं बंधइ ॥ तं भंते! किं देसेणं देसं बंधइ देसेणं सव्वं बंधइ सव्वेणं देसं बंधइ सव्वेणं सव्वं बंधइ? गोयमा! नो देसेणं देसं बंधइ णो देसेणं सव्वं बंधइ णो सव्वेणं देसं बंधइ सव्वेणं सव्वं बंधइ ॥ ३४ ॥ संपराइयण्णं भंते! कम्मं किं नेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ जाव देवी बंधइ? गोयमा! नेरइओवि बंधइ तिरिक्खजोणिओवि बंधइ तिरिक्खजोणिणीवि बंधइ मणुस्सोवि बंधइ मणुस्सीवि बंधइ देवोवि बंधइ देवीवि बंधइ ॥ तं भंते! किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ तहेव जाव नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ बंधइ? गोयमा! इत्थीवि बंधइ पुरिसोवि बंधइ जाव नपुंसगोवि बंधन्ति अहवेए य अवगयवेओ य बंधइ अहवेए य अवगयवेया य बंधन्ति। जइ भंते! अवगयवेओ य बंधइ अवगयवेया य बंधन्ति तं भंते! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ पुरिसपच्छाकडो बंधइ? एवं जहेव ईरियावहियाबंधगस्स तहेव निरवसेसं जाव अहवा इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य [बंधइ] नपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ॥ तं भंते! किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २ बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३ बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४? गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ अत्थेगइए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २ अत्थेगइए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३ अत्थेगइए बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ॥ तं भंते! किं साईयं सपज्जवसियं बंधइ? पुच्छा तहेव, गोयमा! साईयं वा सपज्जवसियं बंधइ अणाईयं वा सपज्जवसियं बंधइ अणाईयं वा अपज्जवसियं बंधइ णो चेव णं साईयं अपज्जवसियं बंधइ। तं भंते! किं देसेणं देसं बंधइ एवं जहेव ईरियावहियाबंधगस्स जाव सव्वेणं सव्वं बंधइ ॥३४१॥ कइ णं भंते! कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं ॥ कइ णं भंते! परीसहा पण्णत्ता? गोयमा! बावीसं परीसहा प० तंजहा–दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, जाव दंसणपरीसहे। एए णं भंते! बावीसं परीसहा कइसु कम्मपयडीसु समोयरंति? गोयमा! चउसु कम्मपयडीसु समोयरंति, तंजहा–नाणावरणिज्जे, वेयणिज्जे, मोहणिज्जे, अंतराइए। नाणावरणिज्जे णं भंते! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति? गोयमा! दो परीसहा समोयरंति तं०–पन्नापरीसहे नाणपरीसहे य। वेयणिज्जे णं भंते! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति? गोयमा! एक्कारस परीसहा समोयरंति, तंजहा–पंचेव आणुपुव्वी चरिया सेज्जा वहे य रोगे य। तणफास जल्लमेव य एक्कारस वेयणिज्जंमि ॥ १ ॥ दंसणमोहणिज्जे णं

पुव्वपडिवन्नए पडुच मणुस्सा य मणुस्सीओ य वधंति, पडिवज्जमाणए पडुच मणुस्सो वा वधइ १ मणुस्सी वा वधइ २ मणुस्सा वा वंधति ३ मणुस्सीओ वा वंधति ४ अहवा मणुस्सो य मणुस्सी य वधइ ५ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य वंधन्ति ६ अहवा मणुस्सा य मणुस्सी य वधइ ७ अहवा मणुस्सा य मणुस्सीओ य वंधति ॥ तं भंते ! किं इत्थी वधइ पुरिसो वधइ नपुंसगो वधइ, इत्थीओ वधन्ति पुरिसा वधति नपुंसगा वंधन्ति, नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ वधइ ? गोयमा ! नो इत्थी वंधइ नो पुरिसो वधइ जाव नो नपुंसगा वधन्ति, पुव्वपडिवन्नए पडुच अवगयवेया वधति, पडिवज्जमाणए य पडुच अवगयवेओ वा वधइ अवगयवेया वा वधंति ॥ जइ भंते ! अवगयवेओ वा वधइ अवगयवेया वा वंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो वधइ १ पुरिसपच्छाकडो वधइ २ नपुंसगपच्छाकडो वधइ ३ इत्थीपच्छाकडा वंधति ४ पुरिसपच्छाकडा वधंति ५ नपुसगपच्छाकडा वंधंति ६ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य वधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडा य वधति, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडो य वधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य वधंति, उदाहु इत्थीपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य वधइ ४ उदाहु पुरिसपच्छाकडो य णपुसगपच्छाकडो य वंधइ ४ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य णपुसगपच्छाकडो य(वंधइ)भाणियव्व ८, एव एए छव्वीसं भंगा २६ जाव उदाहु इत्थीपच्छाकडा य पुरिसप० नपुंसगप० वधति ? गोयमा ! इत्थिपच्छाकडोवि वधइ १ पुरिसपच्छाकडोवि वधइ २ नपुसगपच्छाकडोवि वंधइ ३ इत्थीपच्छाकडावि वंधति ४ पुरिसपच्छाकडावि वंधति ५ नपुसगपच्छाकडावि वधंति ६ अहवा इत्थीपच्छाकडो पुरिसपच्छाकडो य वधइ ७ एव एए चेव छव्वीस भंगा भाणियव्वा, जाव अहवा इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य नपुंसगपच्छाकडा य वधंति ॥ त भंते ! किं वधी वधइ वंधिस्सइ १ वंधी वंधइ न वंधिस्सइ २ वधी न वधइ वधिस्सइ ३ वधी न वधइ न वधिस्सइ ४ न वधी वंधइ वधिस्सइ ५ न वधी वधइ न वधिस्सइ ६ न वंधी न वधइ वधिस्सइ ७ न वधी न वंधइ न वधिस्सइ ८ ? गोयमा ! भवागरिस पडुच अत्थेगइए वंधी वधइ वधिस्सइ अत्थेगइए वधी वधइ न वंधिस्सइ, एवं तं चेव सव्वं जाव अत्थेगइए न वंधी न वधइ न वधिस्सइ, गहणागरिस पडुच अत्थेगइए वंधी वधइ वंधिस्सइ एवं जाव अत्थेगइए न वधी वधइ वंधिस्सइ, णो चेव णं न वधी वंधइ न वंधिस्सइ, अत्थेगइए न वंधी न वंधइ वधिस्सइ अत्थेगइए न वंधी न वधइ न वंधिस्सइ ॥ त भंते ! किं साइयं सपज्जवसिय वंधइ साइय अपज्जवसियं

भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एगे दंसणपरीसहे समोयरइ, चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! सत्त परीसहा समोयरंति, तंजहा-अरई अचेल इत्थी निसीहिया जायणा य अक्कोसे । सक्कारपुरक्कारे चरित्तमोहंमि सत्तेए ॥ १ ॥ अंतराइए णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एगे अलाभपरीसहे समोयरइ ॥ सत्तविहबंधगस्स णं भंते ! कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीस परीसहा पण्णत्ता, वीसं पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं निसीहियापरीसहं वेदेइ जं समयं निसीहियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ । अट्ठविहबंधगस्स णं भंते ! कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीस परीसहा पण्णत्ता, तंजहा-छुहापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीयप०, दंसमसगप० जाव अलाभप०, एवं अट्ठविहबंधगस्सवि सत्तविहबंधगस्सवि । छव्विहबंधगस्स णं भंते ! सरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोद्दस परीसहा पण्णत्ता बारस पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ नो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ । एक्कविहबंधगस्स णं भंते ! वीयरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव जहेव छव्विहबंधगस्स । एगविहबंधगस्स णं भंते ! सजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, नव पुण वेदेइ, सेसं जहा छव्विहबंधगस्स । अबंधगस्स णं भंते ! अजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, नव पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ नो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ नो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेइ नो तं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ नो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ ॥ ३४२ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ? हंता गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य तं चेव जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं ? हंता गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमण जाव उच्चत्तेणं । जइ णं

दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–साइयवीससावंधे य अणाइयवीससावंधे य। अणाइयवीससा-वंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–धम्मत्थिकायअन्न-मन्नअणाइयवीससावंधे, अधम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे, आगासत्थि-कायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे। धम्मत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे णं भंते ! किं देसवंधे सव्ववंधे? गोयमा ! देसवंधे नो सव्ववंधे, एवं अधम्मत्थिकायअन्न-मन्नअणाइयवीससावंधेवि, एवमागासत्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधेवि। धम्म-त्थिकायअन्नमन्नअणाइयवीससावंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! सव्वद्धं, एवं अधम्मत्थिकाए, एवं आगासत्थिकाए। साइयवीससावंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–बंधणपच्चइए, भायणपच्चइए, परि-णामपच्चइए। से किं तं बंधणपच्चइए? २ जन्नं परमाणुपोग्गला दुपएसिया तिपएसिया जाव दसपएसिया संखेज्जपएसिया असंखेज्जपएसिया, अणंतपएसियाणं खंधाणं वेमा-यनिद्धयाए वेमायलुक्खयाए वेमायनिद्धलुक्खयाए एवं बंधणपच्चइए णं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, सेत्तं बंधणपच्चइए। से किं तं भायण-पच्चइए? भायणपच्चइए जन्नं जुन्नसुराजुन्नगुलजुन्नतंदुलाणं भायणपच्चइएणं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं भायणपच्चइए। से किं तं परिणामपच्चइए? परिणामपच्चइए जन्नं अब्भाणं अब्भरुक्खाणं जहा तइयसए जाव अमोहाणं परिणामपच्चइए णं बंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सेत्तं परिणामपच्चइए, सेत्तं साइयवीससाबंधे, सेत्तं वीससाबंधे ॥ ३४५ ॥ से किं तं पओगबंधे? पओगबंधे तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से अणाइए अपज्जव-सिए से णं अट्ठण्हं जीवमज्झपएसाणं ॥ तत्थवि णं तिण्हं २ अणाइए अपज्जवसिए सेसाणं साइए, तत्थ णं जे से साइए अपज्जवसिए से णं सिद्धाणं, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से णं चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–आलावणबंधे, अल्लियावणबंधे, सरीरबंधे, सरीरप्पओगबंधे ॥ से किं तं आलावणबंधे, आलावणबंधे, जण्णं तण-भाराण वा कट्ठभाराण वा पत्तभाराण वा पलालभाराण वा वेल्लभाराण वा वेत्तल-यावागवरत्तरज्जुवल्लिकुसदब्भमाइएहिं आलावणबंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं आलावणबंधे। से किं तं अल्लियावणबंधे? अल्लिया-वणबंधे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–लेसणाबंधे, उच्चयबंधे, समुच्चयबंधे, साहणणाबंधे, से किं तं लेसणाबंधे? लेसणाबंधे जन्नं कुड्डा(ड्डा)णं कोट्टिमाणं खंभाणं पासायाणं कट्ठाणं चम्माणं घडाणं पडाणं कडाणं छुहाचिक्खिल्लसिलेसलक्खमहुसित्थमाइएहिं लेसणएहिं

गोयमा! सव्वबंधंतरं जहेव एगिंदियस्स तहेव भाणियव्वं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं तिन्नि समया जहा पुढविक्काइयाणं एवं जाव चउरिंदियाणं वाउक्काइयवज्जाणं नवरं सव्वबंधंतरं उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयाहिया कायव्वा वाउक्काइयाणं सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं तिन्नि वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियओरालियपुच्छा गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं पुव्वकोडी समयाहिया देसबंधंतरं जहा एगिंदियाणं तहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एवं मणुस्साणवि निरवसेसं भाणियव्वं जाव उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं॥ जीवस्स णं भंते! एगिंदियत्ते णोएगिंदियत्ते पुणरवि एगिंदियत्ते एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दो खुड्डागभवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, जीवस्स णं भंते! पुढविक्काइयत्ते णोपुढविक्काइयत्ते पुणरवि पुढविक्काइयत्ते पुढविक्काइयएगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दो खुड्डागभवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ अणंता लोगा असंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा ते णं पोग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागो, देसबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं समयाहियं उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, जहा पुढविक्काइयाणं एवं वणस्सइकाइयवज्जाणं जाव मणुस्साणं वणस्सइकाइयाणं दोन्नि खुड्डाइं, एवं चेव उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ असंखेज्जा लोगा एवं देसबंधंतरंपि उक्कोसेणं पुढविकालो॥ एएसि णं भंते! जीवाणं ओरालियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा अबंधगा विसेसाहिया देसबंधगा असंखेज्जगुणा॥१४७॥

वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य। जइ एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे किं वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे अवाउक्काइयएगिंदिय० एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरभेदो तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पातीयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव पओ-

लियसरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्स जाव बंधे य ॥ ओरालिय-सरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्व-याए पमादपच्चया कम्मं च जोगं च भवं च आउयं च पडुच्च ओरालियसरीरप्प-ओगनामाए कम्मस्स उदएणं ओरालियसरीरप्पओगबंधे ॥ एगिंदियओरालियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? एवं चेव, पुढविक्काइयएगिंदियओरा-लियसरीरप्पओगबंधेवि एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, एवं बेइंदिया, एवं तेइंदिया, एवं चउरिंदिया, तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? एवं चेव, मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए पमादपच्चया जाव आउयं च पडुच्च मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं ॥ ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि, एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? एवं चेव, एवं पुढविकाइया, एवं जाव मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि ॥ ओरालियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं समयऊणाइं, एगिंदिय-ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयऊणाइं, पुढवि-काइयएगिंदियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयऊणाइं, एवं सव्वेसिं सव्वबंधो एक्कं समयं, देसबंधो जेसिं नत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं जा जस्स उक्कोसिया ठिई सा समयऊणा कायव्वा, जेसिं पुण अत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं देसबंधो जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयऊणा कायव्वा जाव मणुस्साणं देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिन्नि पलि-ओवमाइं समयऊणाइं ॥ ओरालियसरीरप्पओगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडिसमयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं तिसमयाहियाइं, एगिंदियओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जह-न्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, पुढविक्काइयएगिंदियपुच्छा

अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं एवं देसबंधंतरंपि एवं मणुस्सस्सवि ॥ जीवस्स णं भंते! वाउकाइयत्ते णोवाउकाइयत्ते पुणरवि वाउकाइयत्ते वाउकाइयएगिंदियवेउव्वियपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं देसबंधंतरंपि ॥ जीवस्स णं भंते! रयणप्पभापुढविनेरइयत्ते णोरयणप्पभापुढवी पुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अहेसत्तमाए, णवरं जा जस्स ठिई जहन्निया सा सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्साण य जहा वाउकाइयाणं। असुरकुमारनागकुमार जाव सहस्सारदेवाणं एएसिं जहा रयणप्पभापुढविनेरइयाणं, णवरं सव्वबंधंतरं जस्स जा ठिई जहन्निया सा अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव ॥ जीवस्स णं भंते! आणयदेवत्ते णोआणयदेवत्तेपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अच्चुए, णवरं जस्स जा ठिई सा सव्वबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तमब्भहिया कायव्वा सेसं तं चेव। गेवेज्जकप्पातीयपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो ॥ जीवस्स णं भंते! अणुत्तरोववाइयपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं वेउव्वियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे२हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा, देसबंधगा असंखेज्जगुणा, अबंधगा अणंतगुणा ॥ आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! एगागारे पन्नत्ते। जइ एगागारे पन्नत्ते किं मणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे अमणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे? गोयमा! मणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे णो अमणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमिगगब्भवक्कंतियमणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे णो अणिड्ढिपत्तपमत्त जाव आहारगसरीरप्पओगबंधे। आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव लद्धिं वा

गवधे य। वेउव्वियसरीरप्पओगवधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा लद्धिं वा पडुच्च वेउव्वियसरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं वेउव्वियसरीरप्पओगवधे । वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओग० पुच्छा, गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए एव चेव जाव लद्धिं च पडुच्च जाव वाउक्काइयएगिंदियवेउव्विय जाव बंधे । रयणप्पभापुढविनेरइयपचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगवधे ण भंते ! कस्स कम्मस्स उदएण ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउय वा पडुच्च रयणप्पभापुढवि जाव बंधे, एव जाव अहेसत्तमाए। तिरिक्खजोणियपचिंदियवेउव्वियसरीरपुच्छा, गोयमा ! वीरिय० जाव जहा वाउक्काइयाणं, मणुस्सपचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओग० पुच्छा, एव चेव, असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्विय जाव बधे, जहा रयणप्पभापुढविनेरइयाण एवं जाव थणियकुमारा, एवं वाणमतरा, एव जोइसिया, एव सोहम्मकप्पोवगया वेमाणिया एवं जाव अच्चुयगेवेज्जगकप्पाईयवेमाणिया णेयव्वा, अणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणिया एव चेव । वेउव्वियसरीरप्पओगवधे ण भंते ! किं देसबधे सव्वबधे ? गोयमा ! देसबधेवि सव्वबधेवि, वाउक्काइयएगिंदिय० एव चेव, रयणप्पभापुढविनेरइया एवं चेव, एवं जाव अणुत्तरोववाइया ॥ वेउव्वियसरीरप्पओगवधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबधे जहन्नेण एक्कं समय, उक्कोसेणं दो समया, देसबंधे जहन्नेण एक्कं समयं, उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइं समयऊणाइं ॥ वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबधे एक्कं समयं, देसबधे जहन्नेण एक्कं समयं, उक्कोसेणं अतोमुहुत्त ॥ रयणप्पभापुढविनेरइयपुच्छा, गोयमा ! सव्वबधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं दसवाससहस्साइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं सागरोवमं समयऊणं, एव जाव अहेसत्तमाए, नवरं देसबंधे जस्स जा जहन्निया ठिई सा तिसमयऊणा कायव्वा जाव उक्कोसा समयऊणा ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण, मणुस्साण य जहा वाउक्काइयाण । असुरकुमारनागकुमार जाव अणुत्तरोववाइयाणं जहा नेरइयाणं नवरं जस्स जा ठिई सा भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइयाण सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबधे जहन्नेण एक्कतीसं सागरोवमाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेण तेत्तीस सागरोवमाइं समयऊणाइं ॥ वेउव्वियसरीरप्पओगबधतरे ण भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबधतरं जहन्नेण एक्क समय, उक्कोसेणं अणतं कालं अणंताओ जाव आवलियाए असखेज्जइभागो, एवं देसबधंतरंपि ॥ वाउक्काइयवेउव्वियसरीरपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेण अतोमुहुत्त, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असखेज्जइभाग, एवं देसबंधंतरंपि ॥ तिरिक्खजोणियपचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधतरं पुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधतरं जहन्नेणं

म्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! दंसणपडिणीय-याए एवं जहा णाणावरणिज्जं नवरं दंसणनाम घेत्तव्वं जाव दंसणविसंवादणाजोगेणं दरिसणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं जाव पओगबंधे। साया-वेयणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! पाणा-णुकंपयाए भूयाणुकंपयाए एवं जहा सत्तमसए दुस्समोद्देसए जाव अपरियावणयाए सायावेयणिज्जकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं सायावेयणिज्जकम्मा जाव बंधे। असायावेयणिज्जपुच्छा गोयमा! परदुक्खणयाए परसोयणयाए जहा सत्तमसए दुस्समोद्देसए जाव परियावणयाए असायावेयणिज्जकम्मा जाव पओगबंधे। मोहणिज्ज-कम्मासरीरप्पओगपुच्छा गोयमा! तिव्वकोहयाए, तिव्वमाणयाए, तिव्वमायाए, तिव्वलोहयाए, तिव्वदंसणमोहणिज्जयाए, तिव्वचरित्तमोहणिज्जयाए, मोहणिज्जकम्मासरीरप्पओग जाव पओगबंधे। नेरइयाउयकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! पुच्छा गोयमा! महारंभयाए, महापरिग्गहयाए, कुणिमाहारेणं पंचिंदियवहेणं नेरइयाउय-कम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं नेरइयाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे। तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीरप्पओगपुच्छा गोयमा! माइल्लयाए, नियडिल्लयाए, अलियवयणेणं कूडतुलकूडमाणेणं तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे। मणुस्साउयकम्मासरीरपुच्छा गोयमा! पगइभद्दयाए, पगइविणीययाए, साणुक्को-सयाए, अमच्छरियाए, मणुस्साउयकम्मा जाव पओगबंधे। देवाउयकम्मासरीर पुच्छा गोयमा! सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं बालतवोकम्मेणं अकामनिज्जराए, देवाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे॥ सुभनामकम्मासरीरपुच्छा गोयमा! काय-उज्जुयाए, भावुज्जुयाए, भासुज्जुयाए, अविसंवायणाजोगेणं सुभनामकम्मासरीर जाव पओगबंधे॥ असुभनामकम्मासरीरपुच्छा गोयमा! कायअणुज्जुयाए, भाव-अणुज्जुयाए, भासअणुज्जुयाए, विसंवायणाजोगेणं असुभनामकम्मा जाव पओग-बंधे। उच्चागोयकम्मासरीरपुच्छा गोयमा! जाइअमएणं कुलअमएणं बलअमएणं, रूवअमएणं तवअमएणं सुयअमएणं लाभअमएणं इस्सरियअमएणं उच्चागोय-कम्मासरीर जाव पओगबंधे। नीयागोयकम्मासरीरपुच्छा गोयमा! जाइमएणं कुलमएणं बलमएणं जाव इस्सरियमएणं णीयागोयकम्मासरीर जाव पओगबंधे। अंतराइयकम्मासरीरपुच्छा गोयमा! दाणंतराएणं लाभंतराएणं भोगंतराएणं उवभोगंतराएणं वीरियंतराएणं अंतराइयकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं अंतराइयकम्मासरीरप्पओगबंधे॥ णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे? गोयमा! देसबंधे णो सव्वबंधे एवं जाव

पडुच्च आहारगसरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं आहारगसरीरप्पओगबंधे। आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे? गोयमा! देसबंधेवि सव्वबंधेवि। आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं॥ आहारगसरीरप्पओगबंधंतरे णं भंते! कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोया अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं देसबंधंतरंपि॥ एएसि णं भंते! जीवाणं आहारगसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्वबंधगा, देसबंधगा संखेज्जगुणा, अबंधगा अणंतगुणा ३॥३४८॥ तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–एगिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे य बेइंदिय० तेइंदिय० जाव पंचिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे य। एगिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पातीयवेमाणियदेवपंचिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव बंधे य। तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं च पडुच्च तेयासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं तेयासरीरप्पओगबंधे। तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे? गोयमा! देसबंधे नो सव्वबंधे॥ तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए॥ तेयासरीरप्पओगबंधंतरे णं भंते! कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! अणाइयस्स अपज्जवसियस्स नत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स नत्थि अंतरं॥ एएसि णं भंते! जीवाणं तेयासरीरस्स देसबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा तेयासरीरस्स अबंधगा, देसबंधगा अणंतगुणा ४॥३४९॥ कम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! अट्ठविहे पण्णत्ते, तंजहा–नाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे जाव अंतराइयकम्मासरीरप्पओगबंधे। णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! नाणपडिणीययाए, णाणणिण्हवणयाए, णाणंतराएणं, णाणप्पओसेणं, णाणच्चासायणाए, णाणविसंवायणाजोगेणं, णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगनामाए कम्मस्स उदएणं णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे। दरिसणावरणिज्जक-

अतराइयकम्मा० । णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगवंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिर होइ ? गोयमा ! णाणा० दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-अणाइए सपज्जवसिए अणाइए अपज्जवसिए, एवं जहा तेयगस्स सचिट्ठणा तहेव एवं जाव अतराइयकम्मस्स । णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगवधंतरे ण भंते ! कालओ केवच्चिर होइ ? गोयमा ! अणाइयस्स एवं जहा तेयगसरीरस्स अतरं तहेव एवं जाव अतराइयस्स । एएसि ण भंते ! जीवाण नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स देसवंधगाण अवंधगाण य कयरे२ जाव अप्पावहुगं जहा तेयगस्स, एवं आउयवज्जं जाव अतराइयं ॥ आउयस्स पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आउयस्स कम्मस्स देसवंधगा, अवंधगा संखेज्जगुणा ५ ॥३५०॥ जस्स ण भंते ! ओरालियसरीरस्स सव्ववंधे से ण भंते ! वेउव्वियसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! नो वंधए अवंधए, आहारगसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! नो वंधए अवंधए, तेयासरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! वंधए नो अवंधए, जइ वंधए किं देसवंधए सव्ववंधए ? गोयमा ! देसवंधए नो सव्ववंधए, कम्मासरीरस्स किं वंधए अवंधए ? जहेव तेयगस्स जाव देसवंधए नो सव्ववंधए ॥ जस्स ण भंते ! ओरालियसरीरस्स देसवंधे से ण भंते ! वेउव्विय-सरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! नो वंधए अवंधए, एवं जहेव सव्ववंधेण भणियं तहेव देसवंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स ण भंते ! वेउ-व्वियसरीरस्स सव्ववंधे से ण भंते ! ओरालियसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! नो वंधए अवंधए, आहारगसरीरस्स एवं चेव, तेयगस्स कम्मगस्स य जहेव ओरालिएण समं भणियं तहेव भाणियव्वं जाव देसवंधए नो सव्ववंधए । जस्स ण भंते ! वेउव्वियसरीरस्स देसवंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! नो वंधए अवंधए, एवं जहा सव्ववंधेण भणियं तहेव देसवंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स सव्व-वंधे से ण भंते ! ओरालियसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! नो वंधए अवंधए, एवं वेउव्वियस्सवि, तेयाकम्माणं जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं । जस्स ण भंते ! आहारगसरीरस्स देसवंधे से ण भंते ! ओरालिय-सरीरस्स एवं जहा आहारगसरीरस्स सव्ववंधेणं भणियं तहा देसवंधेणवि भाणि-यव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स ण भंते ! तेयासरीरस्स देसवंधे से ण भंते ! ओरा-लियसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? गोयमा ! वंधए वा अवंधए वा, जइ वंधए किं देसवंधए सव्ववंधए ? गोयमा ! देसवंधए वा सव्ववंधए वा, वेउव्वियसरीरस्स किं वंधए अवंधए ? एवं चेव, एवं आहारगसरीरस्सवि, कम्मगसरीरस्स किं वंधए

दव्वदेसे य ७ अहवा दव्वाइं च दव्वदेसा य ८? गोयमा! सिय दव्वं सिय
दव्वदेसे नो दव्वाइं नो दव्वदेसा नो दव्वं च दव्वदेसे य जाव नो दव्वाइं च
दव्वदेसा य ॥ दो भंते! धम्मत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे? पुच्छा तहेव,
गोयमा! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ सिय दव्वाइं ३ सिय दव्वदेसा ४ सिय
दव्वं च दव्वदेसे य ५ नो दव्वं च दव्वदेसा य ६ सेसा पडिसेहेयव्वा ॥ तिन्नि
भंते! धम्मत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे? पुच्छा, गोयमा! सिय दव्वं
१ सिय दव्वदेसे २ एवं सत्त भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसे य नो
दव्वाइं च दव्वदेसा य। चत्तारि भंते! धम्मत्थिकायपएसा किं दव्वं? पुच्छा,
गोयमा! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ अट्ठवि भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं
च दव्वदेसा य ८। जहा चत्तारि भणिया एवं पंच छ सत्त जाव संखेज्जा असंखेज्जा।
अणंता भंते! धम्मत्थिकायपएसा किं दव्वं? एवं चेव जाव सिय दव्वाइं च दव्व-
देसा य ॥१५८॥ केवइया णं भंते! लोयागासपएसा प०? गोयमा! असंखेज्जा लोया-
गासपएसा प० ॥ एगमेगस्स णं भंते! जीवस्स केवइया जीवपएसा प०? गोयमा!
जावइया लोयागासपएसा एगमेगस्स णं जीवस्स एवइया जीवपएसा पन्नत्ता ॥१५९॥
कइ णं भंते! कम्मपयडीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपयडीओ पन्नत्ताओ,
तंजहा-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। नेरइयाणं भंते! कइ कम्मपयडीओ पन्न-
त्ताओ? गोयमा! अट्ठ, एवं सव्वजीवाणं अट्ठ कम्मपयडीओ ठावेयव्वाओ जाव
वेमाणियाणं। नाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया
प०? गोयमा! अणंता अविभागपलिच्छेया प०। नेरइयाणं भंते! नाणावरणिज्जस्स
कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प०? गोयमा! अणंता अविभागपलिच्छेया
प० एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं पुच्छा, गोयमा! अणंता अविभागपलि-
च्छेया प० एवं जहा नाणावरणिज्जस्स अविभागपलिच्छेया भणिया तहा अट्ठण्हवि
कम्मपयडीणं भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं अंतराइयस्स। एगमेगस्स णं भंते!
जीवस्स एगमेगे जीवपएसे नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं
आवेढिए परिवेढिए? गोयमा! सिय आवेढियपरिवेढिए सिय नो आवेढिय-
परिवेढिए, जइ आवेढियपरिवेढिए नियमा अणंतेहिं, एगमेगस्स णं भंते! नेरइ-
यस्स एगमेगे जीवपएसे नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं
आवेढिए परिवेढिए? गोयमा! नियमा अणंतेहिं, जहा नेरइयस्स एवं जाव
वेमाणियस्स नवरं मणूसस्स जहा जीवस्स। एगमेगस्स णं भंते! जीवस्स एगमेगे
जीवपएसे दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं? एवं जहेव नाणावरणिज्जस्स

उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया दसणाराहणा जस्स उक्कोसिया दसणाराहणा तस्स उक्कोसिया णाणाराहणा ? गोयमा ! जस्स उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स दसणाराहणा उक्कोसिया वा अजहन्नउक्कोसिया वा, जस्स पुण उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स नाणाराहणा उक्कोसा वा जहन्ना वा अजहन्नमणुक्कोसा वा । जस्स ण भंते ! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सुक्कोसिया णाणाराहणा ? जहा उक्कोसिया णाणाराहणा य दसणाराहणा य भणिया तहा उक्कोसिया नाणाराहणा य चरित्ताराहणा य भाणियव्वा ॥ जस्स णं भते ! उक्कोसिया दसणाराहणा तस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सुक्कोसिया दसणाराहणा ? गोयमा ! जस्स उक्कोसिया दसणाराहणा तस्स चरित्ताराहणा उक्कोसा वा जहन्ना वा अजहन्नमणुक्कोसा वा जस्स पुण उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स दंसणाराहणा नियमा उक्कोसा ॥ उक्कोसिय णं भते ! णाणाराहण आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अत करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेण सिज्झइ जाव अतं करेइ अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अत करेइ, अत्थेगइए कप्पोवएसु वा कप्पातीयएसु वा उववज्जइ, उक्कोसिय णं भते ! दसणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं० एव चेव, उक्कोसियण्ण भते ! चरित्ताराहणं आराहेत्ता० एव चेव, नवर अत्थेगइए कप्पातीयएसु उववज्जइ । मज्झिमिय ण भंते ! णाणाराहण आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंत करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए दोच्चेग भवग्गहणेण सिज्झइ जाव अतं करेइ तच्चं पुण भवग्गहण नाइक्कमइ, मज्झिमियं ण भते ! दसणाराहण आराहेत्ता० एव चेव, एवं मज्झिमिय चरित्ताराहणपि । जहन्नियन्न भते ! नाणाराहण आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अतं करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए तच्चेण भवग्गहणेण सिज्झइ जाव अतं करेइ सत्तट्ठभवग्गहणाइं पुण नाइक्कमइ, एवं दंसणाराहणपि, एव चरित्ताराहणपि ॥३५४॥ कइविहे णं भते ! पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते, तजहा–वन्नपरिणामे १ गंधप० २ रसप० ३ फासप० ४ संठाणप० ५, वन्नपरिणामे णं भते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पचविहे पण्णत्ते, तजहा–कालवन्नपरिणामे जाव सुक्किल्लवन्नपरिणामे, एव एएण अभिलावेण गधपरिणामे दुविहे, रसपरिणामे पचविहे, फासपरिणामे अट्ठविहे, संठाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पचविहे पण्णत्ते, तजहा–परिमडलसंठाणपरिणामे जाव आययसठाणपरिणामे ॥३५५॥ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे किं दव्व १ दव्वदेसे २ दव्वाइं ३ दव्वदेसा ४ उदाहु दव्वं च दव्वदेसे य ५ उदाहु दव्व च दव्वदेसा य ६ उदाहु दव्वाइं च

तहेव दंडगो भाणियव्वो जाव वेमाणियस्स, एवं जाव अंतराइयस्स भाणियव्वं, नवरं वेयणिज्जस्स आउयस्स णामस्स गोयस्स एएसिं चउण्हवि कम्माणं मणूसस्स जहा नेरइयस्स तहा भाणियव्वं सेसं तं चेव ॥ ३५८ ॥ जस्स णं भंते ! नाणावरणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं जस्स दंसणावरणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं? गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स दंसणावरणिज्जं नियमा अत्थि, जस्स दरिसणावरणिज्जं तस्सवि नाणावरणिज्जं नियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं? गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि, जस्स पुण वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि । जस्स णं भंते ! नाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं? गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं नियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स आउयं०? एवं जहा वेयणिज्जेण समं भणियं तहा आउएणवि समं भाणियव्वं, एवं नामेणवि एवं गोएणवि समं, अंतराइएण समं जहा दरिसणावरणिज्जेण समं तहेव नियमा परोप्परं भाणियव्वाणि १ ॥ जस्स णं भंते ! दरिसणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं? जहा नाणावरणिज्जं उवरिमेहिं सत्तहिं कम्मेहिं समं भणियं तहा दरिसणावरणिज्जंपि उवरिमेहिं छहिं कम्मेहिं समं भाणियव्वं जाव अंतराइएणं २ । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं? गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स आउयं०? एवं एयाणि परोप्परं नियमा, जहा आउएण समं एवं नामेणवि गोएणवि समं भाणियव्वं । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं०? पुच्छा, गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि ३ । जस्स णं भंते ! मोहणिज्जं तस्स आउयं जस्स आउयं तस्स मोहणिज्जं? गोयमा ! जस्स मोहणिज्जं तस्स आउयं नियमा अत्थि, जस्स पुण आउयं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, एवं नामं गोयं अंतराइयं च भाणियव्वं ४, जस्स णं भंते ! आउयं तस्स नामं०? पुच्छा, गोयमा ! दोवि परोप्परं नियमं, एवं गोत्तेणवि समं भाणियव्वं, जस्स णं भंते ! आउयं तस्स अंतराइयं०? पुच्छा, गोयमा ! जस्स आउयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स आउयं नियमा अत्थि ५ । जस्स णं भंते ! नामं तस्स गोयं जस्स गोयं तस्स नामं?

रणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बोहिं नो बुज्झेज्जा से तेणट्ठेणं जाव नो बुज्झेज्जा ॥ असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं नो पव्वएज्जा से केणट्ठेणं जाव नो पव्वएज्जा ? गोयमा ! जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव मुंडे भवित्ता जाव नो पव्वएज्जा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो पव्वएज्जा । असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं नो आवसेज्जा से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो आवसेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो आवसेज्जा से तेणट्ठेणं जाव नो आवसेज्जा । असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं नो संजमेज्जा से केणट्ठेणं जाव नो संजमेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो संजमेज्जा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगइए नो संजमेज्जा । असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा अत्थेगइए केवलेणं जाव नो संवरेज्जा से केणट्ठेणं जाव नो संवरेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे

ससुद्दे केवइया चदा पभासिंसु वा ३ ? एव सव्वेसु दीवसमुद्देसु जोइसियाण भाणियव्वं जाव सयभुरमणे जाव सोभ सोभिंसु वा सोभंति वा सोभिस्सति वा । सेवं भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ३६२ ॥ **नवमसए बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–कहि णं भते ! दाहिणिल्लाण एगो(गू)रुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पन्नत्ते ? गोयमा ! जवुद्दीवे दीवे मदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवतस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमिल्लाओ चरिमताओ लवणसमुद्दं उत्तरपुरच्छिमे ण तिन्नि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाण एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे नाम दीवे पण्णत्ते, त गोयमा ! तिन्नि जोयणसयाइ आयामविक्खभेणं णवएगूणवण्णे जोयणसए किंचिविसे(साहिए)सूणे परिक्खेवेण पन्नत्ते, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेण सव्वओ समंता सपरिक्खित्ते दोण्हवि पमाण वन्नओ य, एव एएण कमेण जहा जीवाभिगमे जाव सुद्धदंतदीवे जाव देवलोगपरिग्गहिया ण ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो ! । एव अट्ठावीसं अतरदीवा सएण २ आयामविक्खंभेण भाणियव्वा, नवर दीवे २ उद्देसओ, एवं सव्वेवि अट्ठावीस उद्देसगा भाणियव्वा । सेव भते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ३६३ ॥ **नवमस्स सयस्स तइयाइया तीसंता उद्देसा समत्ता, तीसइमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा केवलिसावगस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्त धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! असोच्चा ण केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपन्नत्तं धम्म नो लभेज्ज सवणयाए ॥ से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ–असोच्चा ण जाव नो लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! जस्स ण नाणावरणिज्जाण कम्माण खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए, जस्स ण नाणावरणिज्जाण कम्माण खओवसमे नो कडे भवइ से ण असोच्चा ण केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्त धम्म नो लभेज्ज सवणयाए, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ–त चेव जाव नो लभेज्ज सवणयाए ॥ असोच्चा ण भते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवल बोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवल बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवल बोहिं णो बुज्झेज्जा ॥ से केणट्ठेण भते ! जाव नो बुज्झेज्जा ? गोयमा ! जस्स ण दरिसणाव-

केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा? गोयमा! जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ १ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ २ जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ ३ एवं चरित्तावरणिज्जाणं ४ जयणावरणिज्जाणं ५ अज्झवसाणावरणिज्जाणं ६ आभिणिबोहियनाणावरणिज्जाणं ७ जाव मणपज्जवनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ १० जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं जाव खए नो कडे भवइ ११ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं नो बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं धम्मंतराइयाणं एवं जाव जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा ॥ ३६४ ॥ तस्स णं भंते! छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए पगइउवसंतयाए पगइपयणुकोहमाणमायालोभयाए मिउमद्दवसंपन्नयाए अल्लीणयाए भद्दयाए विणीययाए अन्नया कयाइ सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं २ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स विब्भंगे नामं अन्नाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विब्भंगनाणेणं समुप्पन्नेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं जाणइ पासइ, से णं तेणं विब्भंगनाणेणं समुप्पन्नेणं जीवेवि जाणइ अजीवेवि जाणइ पासंडत्थे सारंभे सपरिग्गहे संकिलिस्समाणेवि जाणइ विसुज्झमाणेवि जाणइ से णं पुव्वामेव सम्मत्तं पडिवज्जइ सम्मत्तं पडिवज्जित्ता समणधम्मं रोएइ समणधम्मं रोएत्ता चरित्तं पडिवज्जइ चरित्तं पडिवज्जित्ता लिंगं पडिवज्जइ, तस्स णं तेहिं मिच्छत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ सम्मद्दंसणपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं २ से विब्भंगे अन्नाणे सम्मत्तपरिग्गहिए खिप्पामेव ओही परावत्तइ ॥ ३६५ ॥ से णं भंते! कयरासु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तंजहा–तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए। से णं भंते! कइसु नाणेसु होज्जा? गोयमा! तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा। से णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा? गोयमा! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा। से णं भंते! किं सागारोवउत्ते

णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो संवरेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो संवरेज्जा। असोच्चा ण भंते! केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिबोहियनाण उप्पाडेज्जा? गोयमा! असोच्चा ण केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियनाणं नो उप्पाडेज्जा, से केणट्ठेणं जाव नो उप्पाडेज्जा? गोयमा! जस्स ण आभिणिबोहियनाणावरणिज्जाण कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवल आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा, जस्स ण आभिणिबोहियनाणावरणिज्जाण कम्माण खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवल आभिणिबोहियनाण नो उप्पाडेज्जा, से तेणट्ठेण जाव नो उप्पाडेज्जा, असोच्चा ण भंते! केवलिस्स वा जाव केवल सुयनाणं उप्पाडेज्जा? एव जहा आभिणिबोहियनाणस्स वत्तव्वया भणिया तहा सुयनाणस्सवि भाणियव्वा, नवरं सुयनाणावरणिज्जाण कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे। एव चेव केवल ओहिनाणं भाणियव्व, नवरं ओहिणाणावरणिज्जाण कम्माण खओवसमे भाणियव्वे, एव केवल मणपज्जवनाण उप्पाडेज्जा, नवरं मणपज्जवणाणावरणिज्जाण कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे, असोच्चा ण भंते! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलनाण उप्पाडेज्जा? एव चेव नवरं केवलनाणावरणिज्जाण कम्माण खए भाणियव्वे, सेसं त चेव, से तेणट्ठेणं गोयमा! एव वुच्चइ जाव केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा। असोच्चा ण भंते! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए केवल बोहिं बुज्झेज्जा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा केवल बंभचेरवास आवसेज्जा केवलेण संजमेण संजमेज्जा केवलेण संवरेण संवरेज्जा केवल आभिणिबोहियनाण उप्पाडेज्जा जाव केवल मणपज्जवनाण उप्पाडेज्जा केवलनाण उप्पाडेज्जा? गोयमा! असोच्चा ण केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपन्नत्त धम्म लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपन्नत्त धम्म नो लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवल बोहिं णो बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवल मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, अत्थेगइए जाव नो पव्वएज्जा, अत्थेगइए केवल बंभचेरवास आवसेज्जा, अत्थेगइए केवल बंभचेरवास नो आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेण संजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेण नो संजमेज्जा, एव संवरेणवि, अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियनाण उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए जाव नो उप्पाडेज्जा, एव जाव मणपज्जवनाणं, अत्थेगइए केवलनाण उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा। से केणट्ठेणं भंते! एव वुच्चइ असोच्चा ण तं चेव जाव अत्थेगइए

…वणे वा पंडगवणे वा होज्जा अहे होज्जमाणे गड्डाए वा दरीए वा होज्जा साह-
रणं पडुच्च पायाले वा भवणे वा होज्जा तिरियं होज्जमाणे पन्नरससु कम्मभूमीसु
होज्जा साहरणं पडुच्च अड्ढाइज्जे दीवसमुद्दे तदेक्कदेसभाए होज्जा ते णं भंते ! ए-
गसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं दस
से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलि-
पन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव नो लभेज्ज
सवणयाए जाव अत्थेगइए केवलनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगइए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा
॥३६८॥ सोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं
धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलि-
पन्नत्तं धम्मं एवं जा चेव असोच्चाए वत्तव्वया सा चेव सोच्चाए वि भाणियव्वा नवरं
अभिलावो सोच्चेति सेसं तं चेव निरवसेसं जाव जस्स णं मणपज्जवनाणावरणिज्जाणं
कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे
भवइ से णं सोच्चा केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज
सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं
अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स पगइभद्दयाए तहेव जाव गवेसणं
करेमाणस्स ओहिणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं ओहिनाणेणं समुप्पन्नेणं जहन्नेणं
अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खंडाइं
जाणइ पासइ ॥ से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! छसु लेस्सासु होज्जा
तंजहा—कण्हलेसाए जाव सुक्कलेसाए । से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा !
तिसु वा चउसु वा होज्जा तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहि-
नाणेसु होज्जा चउसु होज्जमाणे आभिणि० जाव मणपज्जवनाणेसु होज्जा । से
णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? एवं जोगोवओगो संघयणं संठाणं उच्चत्तं
आउयं च एयाणि सव्वाणि जहा असोच्चाए तहेव भाणियव्वाणि । से णं भंते !
किं सवेदए ? पुच्छा गोयमा ! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा जइ अवेदए
होज्जा किं उवसंतवेदए होज्जा खीणवेदए होज्जा ? गोयमा ! नो उवसंतवेदए
होज्जा खीणवेदए होज्जा जइ सवेदए होज्जा किं इत्थीवेदए होज्जा पुरिसवेदए
होज्जा नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए होज्जा ? पुच्छा गोयमा ! इत्थि-
वेदए वा होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए वा होज्जा । से णं भंते !
किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई वा होज्जा अकसाई वा
होज्जा जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा ? गोयमा !

होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि संघयणे होज्जा ? गोयमा ! वइरोसभनारायसंघयणे होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि संठाणे होज्जा ? गोयमा ! छण्हं संठाणाणं अन्नयरे संठाणे होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि उच्चत्ते होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्त रयणी उक्कोसेणं पंचधणुसइए होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि आउए होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगट्ठवासाउए उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउए होज्जा । से णं भंते ! किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा ? गोयमा ! सवेदए होज्जा नो अवेदए होज्जा, जइ सवेदए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेदए होज्जा नपुंसगवेदए होज्जा पुरिस-नपुंसगवेदए होज्जा ? गोयमा ! नो इत्थिवेदए होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा नो नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए वा होज्जा । से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु संजलणकोहमाणमाया-लोभेसु होज्जा । तस्स णं भंते ! केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्था नो अप्प-सत्था, से णं भंते ! तेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं वट्टमाणेहिं अणंतेहिं नेरइयभव-ग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं तिरिक्खजोणिय जाव विसंजोएइ अणंतेहिं मणुस्सभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं देवभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ, जाओवि य से इमाओ नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवगइनामाओ चत्तारि उत्तरपयडीओ तासिं च णं उवग्गहिए अणंताणुबंधी कोहमाणमायालोभे खवेइ अण० २ त्ता अपच्चक्खाणकसाए कोहमाणमायालोभे खवेइ अप० २ त्ता पच्चक्खाणावरणकोह-माणमायालोभे खवेइ पच्च० २ त्ता संजलणकोहमाणमायालोभे खवेइ संज० २ त्ता पंचविहं नाणावरणिज्जं नवविहं दरिसणावरणिज्जं पंचविहमंतराइयं तालमत्थकडं च णं मोहणिज्जं कट्टु कम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरा-वरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जइ ॥३६६॥ से णं भंते ! केवलि-पन्नत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा ? नो तिणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ एग-णाएण वा एगवागरणेण वा, से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? णो तिणट्ठे समट्ठे, उवएसं पुण करेज्जा, से णं भंते ! किं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ ३६७ ॥ से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा अहो होज्जा तिरियं होज्जा ? गोयमा ! उड्ढं वा होज्जा अहे वा होज्जा तिरियं वा होज्जा, उड्ढं होज्जमाणे सद्दावइ-वियडावइगंधावइमालवंतपरियाएसु वट्टवेयड्ढपव्वएसु होज्जा, साहरणं पडुच्च सोम-

असुरा वेइंदिया जाव वेमाणिया एए जहा णेरइया ॥ १७० ॥ संतरं भंते ! णेरइया उववज्जंति निरंतरं णेरइया उववज्जंति ? गंगेया ! संतरंपि णेरइया उववज्जंति निरंतरंपि णेरइया उववज्जंति एवं जाव थणियकुमारा संतरं भंते ! पुढविक्काइया उववज्जंति ? पुच्छा गंगेया ! णो संतरं पुढविक्काइया उववज्जंति निरंतरं पुढविक्काइया उववज्जंति एवं जाव वणस्सइकाइया णो संतरं निरंतरं उववज्जंति संतरं भंते ! बेइंदिया उववज्जंति निरंतरं बेइंदिया उववज्जंति ? गंगेया ! संतरंपि बेइंदिया उववज्जंति निरंतरंपि बेइंदिया उववज्जंति एवं जाव वाणमंतरा संतरं भंते ! जोइसिया चयंति ? पुच्छा, गंगेया ! संतरंपि जोइसिया चयंति निरंतरंपि जोइसिया चयंति एवं जाव वेमाणिया ॥ १७१ ॥ कइविहे णं भंते ! पवेसणए प० ? गंगेया ! चउव्विहे पवेसणए पण्णत्ते, तंजहा-णेरइयपवेसणए, तिरियजोणियपवेसणए, मणुस्सपवेसणए, देवपवेसणए । णेरइयपवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गंगेया ! सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा-रयणप्पभापुढविणेरइयपवेसणए जाव अहेसत्तमापुढविणेरइयपवेसणए । एगे णं भंते ! णेरइए णेरइयपवेसणएणं पविसमाणे किं रयणप्पभाए होज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा । दो भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव एगे रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, एवं एक्केक्का पुढवी छड्डेयव्वा जाव अहवा एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ तिण्णि भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ एवं जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया तहा सव्वपुढवीणं भाणियव्वा जाव अहवा दो

नो उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एक्कंमि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगंमि होज्जमाणे एगंमि संजलणे लोभे होज्जा । तस्स णं भंते ! केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा, एवं जहा असोच्चाए तहेव जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जइ, से णं भंते ! केवलिपन्नत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा ? हंता गोयमा ! आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा । से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? हंता गोयमा ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा, तस्स णं भंते ! सिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? हंता पव्वावेज्ज वा मुण्डावेज्ज वा, तस्स णं भंते ! पसिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? हंता पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा । से णं भंते ! सिज्झइ बुज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ, तस्स णं भंते ! सिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति ? हंता सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति, तस्स णं भंते ! पसिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेन्ति ? एवं चेव जाव अंतं करेन्ति । से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा जहेव असोच्चाए जाव तदेक्कदेसभाए होज्जा । ते णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं १०८, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलिउवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगइए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३६९ ॥

नवमसयस्स इगतीसइमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नगरे होत्था वन्नओ, दूइपलासे उज्जाणे सामी समोसढे, परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे गंगेए नामं अणगारे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–संतरं भंते ! नेरइया उववज्जंति निरंतरं नेरइया उववज्जंति ? गंगेया ! संतरंपि नेरइया उववज्जंति निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति, संतरं भंते ! असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति ? गंगेया ! संतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति, एवं जाव थणियकुमारा, संतरं भंते ! पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति ? गंगेया ! नो संतरं पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति, एवं जाव वणस्सइ-

तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, ४-४-३-३-२-२-१-१ (४२) अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा २ जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा ६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा ७ एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९, अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १० जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १७ जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २० जाव अहवा एगे सक्कर० एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २३ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २४ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २५ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २६ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा २७ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २८ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २९ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५॥ चत्तारि भंते! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १२,

भवइ तत्थ एगो संचारिज्जइ एवं दोवि सेसं तं चेव जाव अहवा तिन्नि धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुय दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुय दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण एगे सक्कर दो वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण एगे सक्कर दो वालुय एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण दो सक्करप्पभाए एगे वालुय एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण दो सक्कर एगे वालुय एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा दो रयण एगे सक्कर० एगे वालुय एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण एगे सक्कर एगे वालुय एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे पंक दो धूमप्पभाए होज्जा एवं जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि चउक्कसंजोगो भाणियव्वो नवरं अब्भहियं एगो संचारेयव्वो एवं जाव अहवा दो पंक एगे धूम एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुय एगे पंक एगे धूमप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुय एगे पंक एगे तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण जाव एगे पंक एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुय एगे धूमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे वालुय एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे पंक एगे धूम एगे तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे पंक एगे धूम एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे पंक एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण एगे सक्कर एगे धूम एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण एगे वालुय एगे पंक एगे धूम एगे तमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण एगे वालुय एगे पंक एगे धूम एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयण एगे वालुय एगे पंक एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयण एगे वालुय एगे धूम एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयण एगे पंक जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्कर एगे वालुय जाव एगे तमाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्कर जाव एगे पंक एगे धूम एगे अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा एगे सक्कर जाव एगे पंक एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे सक्कर एगे वालुय एगे धूम

अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे रयण० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए होज्जा २१ एवं जहा रयणप्पभाए उवरिमाओ पुढवीओ संचारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि उवरिमाओ चा(उच्चा)रियव्वाओ जाव अहवा एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५ ॥ पंच भंते ! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा तिण्णि रयणप्पभाए दोण्णि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा चत्तारि रयण० एगे सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा चत्तारि रयण० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्कर० चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जहा रयणप्पभाए समं उवरिमपुढवीओ संचारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि समं चा(उच्चा)रेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं एक्केक्काए समं चा(उच्चा)रेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० तिन्नि सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० तिन्नि सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० दो सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव दो रयण० दो सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० एगे सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा तिन्नि रयण० एगे सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे वालुय० तिन्नि पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा चउण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि तियासंजोगो भाणियव्वो

एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्कर० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २१ ॥ छब्भंते ! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयण० पंच सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयण० पंच वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० पंच अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं दुयासंजोगो तहा छण्हवि भाणियव्वो नवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव अहवा पंच तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा छण्हवि भाणियव्वो णवरं एक्को अब्भहिओ उच्चारेयव्वो, सेसं तं चेव ३४, चउक्कसंजोगोवि तहेव, पंचगसंजोगोवि तहेव, नवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव पच्छिमो भंगो अहवा दो वालुय० एगे पंक०, एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० जाव एगे तमाए होज्जा १ अहवा एगे रयण० जाव एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० जाव एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयण० जाव एगे वालुय० एगे धूम० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ ॥ सत्त भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयणप्पभाए छ सक्करप्पभाए होज्जा एवं एएणं कमेणं जहा छण्हं दुयासंजोगो तहा सत्तण्हवि भाणियव्वं नवरं एगो अब्भहिओ संचारिज्जइ, सेसं तं चेव, तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचसंजोगो छक्कसंजोगो य छण्हं जहा तहा सत्तण्हवि भाणियव्वं, नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव छक्कगसंजोगो अहवा दो सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ॥ अट्ठ भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए

होज्जा ४ अहवा रयण य सक्कर य पंक य धूमप्पभाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण य धूम य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयण य सक्कर य वालुय य पंक य धूमप्पभाए य होज्जा १ अहवा रयणप्पभाए य जाव पंक य तमाए य होज्जा २ अहवा रयण य जाव पंकप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण य सक्कर य वालुय य धूम य तमाए य होज्जा ४ एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा पंचण्हं पंचगसंजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० य पंकप्पभाए य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयण य सक्कर य जाव धूमप्पभाए य तमाए य होज्जा १ अहवा रयण य जाव धूम य अहेसत्तमाए य होज्जा २ अहवा रयण य सक्कर य जाव पंक य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण य सक्कर य वालुय य धूमप्पभाए य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण य सक्कर य पंक य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण य वालुय य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ६ अहवा रयणप्पभाए य सक्कर य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ७ ॥ एयस्स णं भंते ! रयणप्पभापुढविनेरइयपवेसणगस्स सक्करप्पभापुढवी जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे अहेसत्तमापुढविनेरइयपवेसणए, तमापुढविनेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे एवं पडिलोमगं जाव रयणप्पभापुढविनेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ १०९ ॥ तिरिक्खजोणियपवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गंगेया ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए । एगे भंते ! तिरिक्खजोणिए तिरिक्खजोणियपवेसणएणं पविसमाणे किं एगिंदिएसु होज्जा जाव पंचिंदिएसु होज्जा ? गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा । दो भंते ! तिरिक्खजोणिया पुच्छा गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा अहवा एगे एगिंदिएसु होज्जा एगे बेइंदिएसु होज्जा एवं जहा नेरइयपवेसणए तहा तिरिक्खजोणियपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्जा । उक्कोसा भंते ! तिरिक्खजोणिया पुच्छा गंगेया ! सव्वेवि ताव एगिंदिएसु होज्जा अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य होज्जा एवं जहा नेरइया चारिया तहा तिरिक्खजोणियावि चारेयव्वा एगिंदिया अमुयंतेसु दुयासंजोगो तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचगसंजोगो उव(उजु)उत्तिऊण भाणियव्वो जाव अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य जाव पंचिंदिएसु य होज्जा ॥ एयस्स णं भंते ! एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणगस्स जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?

जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० तिन्नि सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को रयणप्पभाए संचारेयव्वो जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे वालुय० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० एगे वालुय० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो वालुय० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं तियासंजोगो चउक्कसंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा दसण्हं तहेव भाणियव्वो पच्छिमो आलावगो सत्तसंजोगस्स अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० जाव संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ॥ असंखेज्जा भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयण० असंखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा, एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा संखेज्जाणं भणिओ तहा असंखेज्जाणवि भाणियव्वो, नवरं असंखेज्जाओ अब्भहिओ भाणियव्वो, सेसं तं चेव जाव सत्तगसंजोगस्स पच्छिमो आलावगो अहवा असंखेज्जा रयण० असंखेज्जा सक्कर० जाव असंखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा ॥ उक्कोसेणं भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव रयणप्पभाए होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा एवं जाव अहवा रयण० य सक्करप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण० य वालुय० य पंकप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयण० य वालुय० य अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० य पंकप्पभाए य धूमाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा तिण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० य तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा १५ अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुय० य पंकप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुय० य धूमप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुय० य अहेसत्तमाए य

भवणवासीसु य होज्जा अहवा जोइसियवाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसियवेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा। एयस्स णं भंते! भवणवासिदेवपवेसणगस्स वाणमंतरदेवपवेसणगस्स जोइसियदेवपवेसणगस्स वेमाणियदेवपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गंगेया! सव्वत्थोवे वेमाणियदेवपवेसणए, भवणवासिदेवपवेसणए असंखेज्जगुणे, वाणमंतरदेवपवेसणए असंखेज्जगुणे जोइसियदेवपवेसणए संखेज्जगुणे ॥ १७८ ॥ एयस्स णं भंते! नेरइयपवेसणगस्स तिरिक्ख० मणुस्स० देवपवेसणगस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिया वा? गंगेया! सव्वत्थोवे मणुस्सपवेसणए, नेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे देवपवेसणए असंखेज्जगुणे तिरिक्खजोणियपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ १७९ ॥ संतरं भंते! नेरइया उववज्जंति निरंतरं नेरइया उववज्जंति संतरं असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति जाव संतरं वेमाणिया उववज्जंति निरंतरं वेमाणिया उववज्जंति संतरं नेरइया उव्वट्टंति निरंतरं नेरइया उव्वट्टंति जाव संतरं वाणमंतरा उव्वट्टंति निरंतरं वाणमंतरा उव्वट्टंति संतरं जोइसिया चयंति निरंतरं जोइसिया चयंति संतरं वेमाणिया चयंति निरंतरं वेमाणिया चयंति? गंगेया! संतरंपि नेरइया उववज्जंति निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति जाव संतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति निरंतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति नो संतरं पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया जाव संतरंपि वेमाणिया उववज्जंति निरंतरंपि वेमाणिया उववज्जंति संतरंपि नेरइया उव्वट्टंति निरंतरंपि नेरइया उव्वट्टंति एवं जाव थणियकुमारा नो संतरं पुढविकाइया उववट्टंति निरंतरं पुढविकाइया उव्वट्टंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया, नवरं जोइसियवेमाणिया चयंति अभिलावो जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति निरंतरंपि वेमाणिया चयंति ॥ संतो भंते! नेरइया उववज्जंति असंतो भंते! नेरइया उववज्जंति? गंगेया! संतो नेरइया उववज्जंति नो असंतो नेरइया उववज्जंति एवं जाव वेमाणिया। संतो भंते! नेरइया उव्वट्टंति असंतो नेरइया उव्वट्टंति? गंगेया! संतो नेरइया उव्वट्टंति नो असंतो नेरइया उव्वट्टंति एवं जाव वेमाणिया नवरं जोइसियवेमाणिएसु चयंति भाणियव्वं। संतो भंते! नेरइया उववज्जंति असंतो भंते! नेरइया उववज्जंति संतो असुरकुमारा उववज्जंति जाव संतो वेमाणिया उववज्जंति असंतो वेमाणिया उववज्जंति संतो नेरइया उव्वट्टंति असंतो नेरइया उव्वट्टंति

गंगेया ! सव्वत्थोवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए, चउरिंदियतिरिक्खजोणिय० विसेसाहिए, तेइंदिय० विसेसाहिए, बेइंदिय० विसेसाहिए, एगिंदियतिरिक्ख० विसेसाहिए ॥ ३७३ ॥ मणुस्सपवेसणए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गंगेया ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–समुच्छिममणुस्सपवेसणए य गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणए य । एगे भंते ! मणुस्से मणुस्सपवेसणएणं पविसमाणे किं संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ? गंगेया ! समुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा । दो भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! समुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा नेरइयपवेसणए तहा मणुस्सपवेसणएवि भाणियव्वे एवं जाव दस ॥ संखेज्जा भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा दो समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं एक्केक्कं उस्सारिंते(रिए)सु जाव अहवा संखेज्जा समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ॥ असंखेज्जा भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा समुच्छिममणुस्सेसु एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा समुच्छिममणुस्सेसु दो गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं जाव असंखेज्जा समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ॥ उक्कोसा भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव समुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा समुच्छिममणुस्सेसु य गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु य होज्जा । एयस्स णं भंते ! समुच्छिममणुस्सपवेसणगस्स गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणए, समुच्छिममणुस्सपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ ३७४ ॥ देवपवेसणए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गंगेया ! चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–भवणवासिदेवपवेसणए जाव वेमाणियदेवपवेसणए । एगे भंते ! देवे देवपवेसणएणं पविसमाणे किं भवणवासीसु होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु होज्जा ? गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु वा होज्जा । दो भंते ! देवा देवपवेसणएणं० पुच्छा, गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु वा होज्जा अहवा एगे भवणवासीसु एगे वाणमंतरेसु होज्जा एवं जहा तिरिक्खजोणियपवेसणए तहा देवपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्जत्ति । उक्कोसा भंते !० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव जोइसिएसु होज्जा अहवा जोइसियभ-

उववज्जंति णो असयं जाव उववज्जंति से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुसंभारियत्ताए असुभाणं कम्माणं उदएणं असुभाणं कम्माणं विवागेणं असुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं पुढविक्काइया जाव उववज्जंति णो असयं पुढविक्काइया जाव उववज्जंति से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति एवं जाव मणुस्सा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ सयं वेमाणिया जाव उववज्जंति णो असयं वेमाणिया जाव उववज्जंति ॥३७७॥ तप्पभिइं च णं से गंगेए अणगारे समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणइ सव्वण्णू सव्वदरिसी तए णं से गंगेए अणगारे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेत्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतियं चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं एवं जहा कालासवेसियपुत्ते अणगारे तहेव भाणियव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३७८॥ गंगेयो समत्तो ॥९।३२॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं माहणकुंडग्गामे णामं णयरे होत्था वण्णओ बहुसालए चेइए वण्णओ तत्थ णं माहणकुंडग्गामे णयरे उसभदत्ते णामं माहणे परिवसइ अड्ढे दित्ते वित्ते जाव अपरिभूए रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जहा खंदओ जाव अन्नेसु य बहुसु बंभण्णएसु नएसु सुपरिनिट्ठिए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे उवलद्धपुण्णपावे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तस्स णं उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदा णामं माहणी होत्था सुकुमालपाणिपाया जाव पियदंसणा सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा जाव पज्जुवासइ, तए णं से उसभदत्ते माहणे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठ जाव हियए जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवाणंदं माहणिं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए ! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे बहुसालए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिए ! जाव तहारूवाणं अरिहंताणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए, एगस्सवि आ(य)रियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिए ! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयण्णं इहभवे य परभवे य हियाए सुहाए खमाए णिस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ। तए णं सा देवाणंदा माहणी उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया करयल जाव कट्टु

सओ असुरकुमारा उववट्टंति जावं सओ वेमाणिया चयंति असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति सओ असुरकुमारा उववज्जंति नो असओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति नो असओ वेमाणिया उववज्जंति, सओ नेरइया उववट्टंति नो असओ नेरइया उववट्टंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति ? से नूणं भे ! गंगेया ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिएणं सासए लोए बुइए अणाइए अणवयग्गे जहा पंचमसए जाव जे लोक्कइ से लोए, से तेणट्ठेण गंगेया ! एवं वुच्चइ जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति ॥ सयं भंते ! एए एवं जाणह उदाहु असयं, असोच्चा एए एवं जाणह उदाहु सोच्चा, सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! सयं एए एवं जाणामि नो असयं, असोच्चा एए एवं जाणामि नो सोच्चा सओ नेरइया उववज्जंति नो असओ नेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति नो असओ वेमाणिया चयंति, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव नो असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! केवली णं पुरच्छिमेण मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ दाहिणेणं एवं जहा स(छु)गड्डुद्देसए जाव निव्वुडे नाणे केवलिस्स, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव नो असओ वेमाणिया चयंति ॥ सयं भंते ! नेरइया नेरइएसु उववज्जन्ति असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति ? गंगेया ! सयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति नो असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुयसंभारियत्ताए असुभाणं कम्माणं उदएणं असुभाणं कम्माणं विवागेणं असुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति नो असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति ॥ सयं भंते ! असुरकुमारा० पुच्छा, गंगेया ! सयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति नो असयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति, से केणट्ठेणं तं चेव जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मोवसमेणं कम्मविगईए कम्मविसोहीए कम्मविसुद्धीए सुभाणं कम्माणं उदएणं सुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति नो असयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति, एवं जाव थणियकुमारा ॥ सयं भंते ! पुढविकाइया० पुच्छा, गंगेया ! सयं पुढविकाइया जाव

धम्माणं ठिइसरणयाए एवं जहा निग्गमणए जाव तिविहाए पज्जुवासणयाए पज्जुवासइ, तए णं सा देवाणंदा माहणी धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहित्ता बहूहिं खुज्जाहिं जाव महत्तरगवंदपरिक्खित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा-सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं अविमोयणयाए विणओणयाए गायलट्ठीए, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं मणस्स एगत्तीभावकरणेणं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता उसभदत्तं माहणं पुरओ कट्टु ठिया चेव सपरिवारा सुस्सूसमाणी नमंसमाणी अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा जाव पज्जुवासइ ॥३८०॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी आगयपण्हया पप्फुयलोयणा संवरियवलयबाहा कंचुयपरिक्खित्तिया धाराहयकलंबपुप्फगंपिव स(मुस्ससिय)मूसवियरोमकूवा समणं भगवं महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ॥ भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-किण्णं भंते! एसा देवाणंदा माहणी आगयपण्हया तं चेव जाव रोमकूवा देवाणुप्पिए अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा! देवाणंदा माहणी मम अम्मगा अहण्णं देवाणंदाए माहणीए अत्तए, तए णं सा देवाणंदा माहणी तेणं पुव्वपुत्तसिणेहाणुराएणं आगयपण्हया जाव समूसवियरोमकूवा ममं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥३८१॥ तए णं समणे भगवं महावीरे उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदाए माहणीए तीसे य महइमहालियाए इसिपरिसाए जाव परिसा पडिगया। तए णं से उसभदत्ते माहणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते! तहमेयं भंते! जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वयह त्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ सयमे २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमे २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी-आलित्ते णं भंते! लोए, पलित्ते णं भंते! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते! लोए जराए मरणेण य एवं एएणं कमेणं जहा खंदओ तहेव पव्वइओ जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसम जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए

उसभदत्तस्स माहणस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, तए णं से उसभदत्ते माहणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइयसमखुरवालिहाणसमलिहियसिंगेहिं जंबूणयामयकलावजुत्तपरिविसिट्ठेहिं रययामयघंटसुत्तरज्जुयपवरकंचणनत्थपग्गहोग्गहियएहिं नीलुप्पलकयामेलएहिं पवरगोणजुवाणएहिं नाणामणि(मय)रयणघंटियाजालपरिगयं सुजायजुगजोत्तरज्जुयजुगपसत्थसुविरइयनिम्मियं पवरलक्खणोववेयं धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया करयल जाव एवं सामी! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव लहुकरणजुत्त जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेत्ता जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं से उसभदत्ते माहणे ण्हाए जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ साओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे। तए णं सा देवाणंदा माहणी अंतो अंतेउरंसि ण्हाया किंच वरपायपत्तनेउरमणिमेहलाहारविरइयउचियकडगखुड्डा(ड्ड)यएगावलीकंठसुत्तउरत्थगेवेज्जसोणिसुत्तगनाणामणिरयणभूसणविराइयंगी चीणंसुयवत्थपवरपरिहिया दुगुल्लसुकुमालउत्तरिज्जा सव्वोउयसुरभिकुसुमव(ध)रियसिरया वरचंदणवंदिया वरा(भूसण)भरणभूसियंगी कालागु(ग)रुधूवधूविया सिरिसमाणवेसा जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा बहूहिं खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणियाहिं वडहियाहिं बब्बरियाहिं पओसियाहिं ईसिगणियाहिं जोण्हियाहिं चारु(वास)गणियाहिं पल्हवियाहिं ल्हासियाहिं लउसियाहिं आरबीहिं दमिलाहिं सिंघलीहिं पुलिंदीहिं पुक्खली(पक्कणी)हिं बहलीहिं मुरुंडीहिं सबरीहिं पारसीहिं नाणादेसीहिं विदेसपरिपिंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणियाहिं सदेसनेवत्थगहियवेसाहिं कुसलाहिं विणीयाहि य चेडियाचक्कवालवरिसधरथेरकंचुइज्जमहत्तरगविंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ निग्गच्छइ अंतेउराओ निग्गच्छित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता जाव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा॥ तए णं से उसभदत्ते माहणे देवाणंदाए माहणीए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे समाणे णियगपरियालसंपरिवुडे माहणकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जेणेव बहुसालए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता छत्ताइए तित्थयराइसए पासइ छ० २ त्ता धम्मियं जाणप्पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ ध० २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभि(समा)गच्छइ, तंजहा–सच्चित्ताणं

इंदमहेइ वा जाव णं एए बहवे उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा नाया कोरव्वा खत्तिया खत्तियपुत्ता भडा भडपुत्ता जहा उववाइए जाव सत्थवाहप्पभिइ(य)ओ ण्हाया जहा उववाइए जाव निग्गच्छंति। एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-किण्णं देवाणुप्पिया! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नगरे इंदमहे इ वा जाव निग्गच्छंति? तए णं से कंचुइज्जपुरिसे जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल जमालिं खत्तियकुमारं जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी-णो खलु देवाणुप्पिया! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नयरे इंदमहे इ वा जाव निग्गच्छंति एवं खलु देवाणुप्पिया! अज्ज समणे भगवं महावीरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स नयरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ, तए णं एए बहवे उग्गा भोगा जाव अप्पेगइया वंदणवत्तियं जाव निग्गच्छंति। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता ण्हाए जहा उववाइए परिसावण्णओ तहा भाणियव्वं जाव चंद(णु)क्खित्तगायसरीरे सव्वालंकारविभूसिए मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ मज्जणघराओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहेइ जाव २ त्ता सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडगरपहकरवंदपरिक्खित्ते खत्तियकुंडग्गामे नयरे मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए निगिण्हेइ २ त्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहा २ त्ता पुप्फतंबोलाउहमाईयं वा(वा)हणाओ य विसज्जेइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ उत्तरासंगं करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइब्भूए अंजलिमउलियहत्थे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तीसे य महइमहालियाए इसि जाव धम्मकहा जाव परिसा पडिगया। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणस्स भग-

अत्ताण झूसेइ मासि० २ त्ता सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदेइ सट्ठि० २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जिणकप्पभावे थेरकप्पभावे जाव तमट्ठं आराहेइ तमट्ठ आराहेत्ता तए णं सो जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। तए णं सा देवाणंदा माहणी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते! तहमेयं भंते! एवं जहा उसभदत्तो तहेव जाव धम्ममाइ(क्खइ)क्खियं। तए णं समणे भगवं महावीरे देवाणंदं माहणिं सयमेव पव्वावेइ सय० २ त्ता सयमेव अज्जचंदणाए अज्जाए सीसिणित्ताए दलयइ॥ तए णं सा अज्जचंदणा अज्जा देवाणंदं माहणिं सयमेव मुंडावेइ सयमेव सेहावेइ एवं जहेव उसभदत्तो तहेव अज्जचंदणाए अज्जाए इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ जाव संजमेणं संजमेइ, तए णं सा देवाणंदा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतियं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सेसं तं चेव जाव सव्वदुक्खप्पहीणा॥ ३८१॥ तस्स णं माहणकुंडग्गामस्स नगरस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे नामं नगरे होत्था वण्णओ, तत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे नयरे जमाली नामं खत्तियकुमारे परिवसइ अड्ढे दित्ते जाव अपरिभूए उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं बत्तीसइबद्धेहिं नाडएहिं णाणाविहवरतरुणीसंपउत्तेहिं उवनच्चिज्जमाणे उवनच्चिज्जमाणे उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ पाउसवासारत्तसरयहेमंतसिसिरवसंतगिम्हपज्जंते छप्पिउऊ जहा विभवेणं माणमाणे २ कालं गालेमाणे इट्ठे सद्दफरिसरसरूवगंधे पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। तए णं खत्तियकुंडग्गामे नगरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चर जाव बहुजणसद्दे वा जहा उववाइए जाव एवं पन्नवेइ एवं परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स नगरस्स बहिया बहुसालए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं महप्फलं खलु देवाणुप्पिया! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं जहा उववाइए जाव एगाभिमुहे खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नगरे जेणेव बहुसालए उज्जाणे एवं जहा उववाइए जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जाव जणसन्निवायं वा सुणमाणस्स वा पासमाणस्स वा अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-किण्णं अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नगरे इंदमहेइ वा खंदमहेइ वा मुगुंदमहेइ वा णागमहेइ वा जक्खमहेइ वा भूयमहेइ वा कूवमहेइ वा तडागमहेइ वा नइमहेइ वा दहमहेइ वा पव्वयमहेइ वा रुक्खमहेइ वा

वओ महावीरस्स अतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमसित्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते! तहमेयं भंते! अवितहमेयं भंते! असदिद्धमेयं भंते! जाव से जहेयं तुब्भे वदह, ज नवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि। तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं ॥ ३८२ ॥ तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठ-तुट्ठे जाव समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमसित्ता तमेव चाउग्घंटं आसरहं दुरुहेइ दुरुहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता सकोरेंट० जाव धरिज्जमाणेणं महया भडचडगर जाव परिक्खित्ते जेणेव खत्तियकुंडग्गामे नयरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अब्भितरिया उवट्ठाणसाला जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अम्मापियरो जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्मताओ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे निसंते, सेवि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–धन्नेसि णं तुमं जाया! कयत्थेसि णं तुमं जाया! कयपुन्नेसि णं तुमं जाया! कयलक्खणेसि णं तुमं जाया! जन्नं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे निसंते सेवि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु मए अम्मताओ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते जाव अभिरुइए, तए णं अहं अम्मताओ! संसारभयउव्विग्गे भीए जम्मजरामरणेणं तं इच्छामि णं अम्म! ताओ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुन्नं अमणामं असुयपुव्वं गिरं सोच्चा निसम्म सेयागयरोमकूवपगलंतविलीणगत्ता सोगभर-पवेवियंगमंगी नित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुग्ग-दुब्बलसरीरलायन्नसुन्ननिच्छाया गयसिरीया पसिढिलभूसणप(डिय)डंतखुण्णियसंचु

ण पि जाया । धम्मस्स जाव पव्वइहिसि एवं खलु अम्मताओ । हिरण्णे य सुवण्णे य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिए चोरसाहिए रायसाहिए मच्चुसाहिए दाइयसाहिए अग्गिसामन्ने जाव दाइयसामन्ने अधुवे अणितिए असासए पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ तं चेव जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मताओ जाहे नो संचाएन्ति विसयाणुलोमाहिं बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य आघवेत्तए वा पन्नवेत्तए वा सन्नवेत्तए वा विन्नवेत्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं संजमभउव्वेयणकरीहिं पन्नवणाहिं पन्नवेमाणा एवं वयासी—एवं खलु जाया । निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले जहा आवस्सए जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति अहीव एगंतदिट्ठीए खुरे इव एगंतधाराए लोहमया जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव निस्सा(ए)ए गंगा वा महानदी पडिसोयगमणयाए महासमुद्दे वा भुयाहिं दुत्तरे तिक्खं कमियव्वं ग(रु)यं लंबेयव्वं असिधारए वयं चरियव्वं नो खलु कप्पइ जाया । समणाणं निग्गंथाणं आहाकम्मिए वा उद्देसिए वा मिस्सजाए वा अज्झोयरए वा पूइए वा कीए वा पामिच्चे वा अच्छेज्जे वा अणिसिट्ठे वा अभिहडे वा कंतारभत्ते वा दुब्भिक्खभत्ते वा गिलाणभत्ते वा वद्दलियाभत्ते वा पाहुणगभत्ते वा सेज्जायरपिंडे वा रायपिंडे वा मूलभोयणे वा कंदभोयणे वा फलभोयणे वा बीयभोयणे वा हरियभोयणे वा भुत्तए वा पायए वा तुमं च णं जाया । सुहसमुचिए नो चेव णं दुहसमुचिए नालं सीयं नालं उण्हं नालं खुहा नालं पिवासा नालं चोरा नालं वाला नालं दंसा नालं मसया नालं वाइयपित्तियसेंभियसन्निवाइए विविहे रोगायंके परीसहोवसग्गे उदिण्णे अहियासेत्तए, तं नो खलु जाया । अम्हे इच्छामो तुज्झं खणमवि विप्पओगं तं अच्छाहि ताव जाया । जाव ताव अम्हे जीवामो तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्म । ताओ । जन्नं तुब्भे ममं एवं वयह—एवं खलु जाया । निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले तं चेव जाव पव्वइहिसि एवं खलु अम्मताओ । निग्गंथे पावयणे कीवाणं कायराणं कापुरिसाणं इहलोगपडिबद्धाणं परलोगपरंमुहाणं विसयतिसियाणं दुरणुचरे पागयजणस्स धीरस्स निच्छियस्स ववसियस्स नो खलु एत्थं किंचिवि दुक्करं करणयाए, तं इच्छामि णं अम्म । ताओ । तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य ४ आघवेत्तए वा जाव विन्नवेत्तए वा ताहे अकामए

वदह-इम च ण ते जाया! सरीरग तं चेव जाव पव्वइहिसि, एव खलु अम्म-ताओ! माणुस्सगं सरीरं दुक्खाययणं विविहवाहिसयसनिकेयं अट्ठियकट्ठुट्ठिय छिरा-ण्हारुजालओणद्धसपिणद्धं मट्टियभंड व दुव्वलं असुइसकिलिट्ठं अणिट्ठवियसव्व-कालसठप्पयं जराकुणिमजज्जरघरं व सडणपडणविद्धसणधम्म पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्व भविस्सइ, से केस ण जाणइ, अम्मताओ! के पुव्विं त चेव जाव पव्वइत्तए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमार अम्मापियरो एव वयासी—इमाओ य ते जाया! विउलकुलवालियाओ सरिसयाओ सरित्तयाओ सरिव्वयाओ सरिसलावन्नरूवजोव्वणगुणोववेयाओ सरिसएहिंतो अ कुलेहिंतो आणिएल्लियाओ कलाकुसलसव्वकाललालियसुहोच्चियाओ मद्दवगुणजुत्तनिउणविणओवयारपंडियविय-क्खणाओ मजुलमियमहुरभणियविहसियविप्पेक्खियगइविलासचिट्ठियविसारयाओ अविकलकुलसीलसालिणीओ विसुद्धकुलवंससंताणततुवद्धणप्पग(ब्भु)ब्भव(य)प्प-भाविणीओ मणाणुकूलहियइच्छियाओ अट्ठ तुज्झ गुणवल्लहाओ उत्तमाओ निच्च भावाणु-(रत्त)त्तरसव्वंगसुदरीओ भारियाओ, तं भुजाहि ताव जाव जाया! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी विसयविगयवोच्छिन्नकोउहल्ले अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्वइहिसि। तए ण से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी-तहावि ण त अम्म! ताओ! जन्न तुब्भे मम एव वयह इमाओ य ते जाया! विउलकुल जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्म! ताओ! माणुस्सया कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्तासवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा उच्चारपासवणखे-लसिंघाणगवतपित्तपूयसुक्कसोणियसमुब्भवा अमणुन्नदुरूवमुत्तपूइयपुरीसपुन्ना मयगधु-स्सासअसुभनिस्सासउव्वेयणगा बीभच्छा अप्पकालिया लहूसगा कलमलाहिया सदु-क्खवहुजणसाहारणा परिकिलेसकिच्छदुक्खसज्झा अवुहजणणिसेविया सया साहुग-रहणिज्जा अणतसंसारवद्धणा कडुयफलविवागा चु(डु)डलिव्व अमुच्चमाणदुक्खाणु-वंधिणो सिद्धिगमणविग्घा, से केस णं जाणइ अम्मताओ! के पुव्विं गमणयाए के पच्छा गमणयाए, तं इच्छामि ण अम्मताओ! जाव पव्वइत्तए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एव वयासी—इमे य ते जाया! अज्जयपज्जयपिउपज्ज-यागए वहु हिरन्ने य सुवन्ने य कंसे य दूसे य विउलधणकणग जाव सतसारसावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवसाओ पकाम दाउं पकाम भोत्तु पकाम परिभाएत्त तं अणुहोहि ताव जाया! विउले माणुस्सए इड्ढिसक्कारसमुदए, तओ पच्छा अणुभूय-कल्लाणे वड्ढियकुलवंसततु जाव पव्वइहिसि। तए ण से जमाली खत्तियकुमारे अम्मा-पियरो एव वयासी—तहावि णं तं अम्मताओ! जन्न तुज्झे मम एव वदह-इम

चेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स निक्खमणं अणुमन्नित्था ॥ ३८३ ॥ तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एव वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! खत्तियकुण्डग्गाम नगरं सब्भिंतरबाहिरिय आसिय-सम्मज्जिओवलित्त जहा उववाइए जाव पच्चप्पिणति, तए ण से जमालिस्स खत्तिय-कुमारस्स पिया दोच्चपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावइत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स महत्थ महग्घ महरिहं विपुल निक्खमणा-भिसेय उवट्ठवेह, तए ण ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव पच्चप्पिणति, तए णं त जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुह निसीयावेंति निसीयावेत्ता अट्ठसएण सोवन्नियाण कलसाणं एव जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठसएण भोमेज्जाण कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेण महया महया निक्खमणाभिसेगेण अभिसिंचन्ति निक्खमणाभिसेगेण अभिसिंचित्ता करयल जाव जएण विजएण वद्धावेन्ति, जएण विजएण वद्धावेत्ता एवं वयासी–भण जाया ! किं देमो किं पयच्छामो, किणा वा ते अट्ठो ? , तए ण से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एव वयासी–इच्छामि ण अम्म ! ताओ ! कुत्तियावणाओ रयहरण च पडिग्गह च आणिउं कासवग च सद्दा-विउ, तए ण से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एव वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरण च पडिग्गह च आणेह सयसहस्सेण कासवग च सद्दावेह, तए ण ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एव वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइ तहेव जाव कासवग सद्दावेंति । तए ण से, कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठे तुट्ठे ण्हाए जाव सरीरे जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवा-गच्छित्ता करयल० जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पियरं जएण विजएण वद्धावेइ जएणं विजएणं वद्धावित्ता एव वयासी–संदिसतु णं देवाणुप्पिया ! ज मए करणिज्जं, तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया त कासवग एव वयासी–तुम देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेण चउरंगुलवज्जे निक्खमणपओगे अग्गकेसे (कप्पेह) पडिकप्पेहि, तए ण से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे करयल जाव एव सामी ! तहत्ति आणाए विणएण वयण पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गधोदएणं हत्थपाए पक्खालेइ सुरभिणा० २ त्ता सुद्धाए अट्ठपडलाए पोत्तीए मुहं बधइ मुह बंधित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेण जत्तेण चउ-

तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगय जाव रूवजोव्वणविलासकलिया सुंदरथण० हिमरययकुमुयकुंदेंदुप्पगासं सकोरेंटमल्लदामं धवलं आयवत्तं गहाय सलीलं उवरिं धारेमाणी २ चिट्ठइ, तए णं तस्स जमालिस्स उभओपासिं दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारु जाव कलियाओ नाणामणिकणगरयणविमलमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाओ चिल्लियाओ संखंक-कुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसंनिगासाओ धवलाओ चामराओ गहाय सलीलं वीयमाणीओ वीयमाणीओ चिट्ठंति, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स उत्तर-पुरच्छिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया सेयरययामयं विमलसलिलपुण्ण मत्तगयमहामुहाकिइसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तिय-कुमारस्स दाहिणपुरच्छिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया चित्तकणगदंडं तालवेंटं गहाय चिट्ठइ, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबिय-पुरिसे सद्दावेइ को० २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सरिसयं सरित्तयं सरिव्वयं सरिसलावन्नरूवजोव्वणगुणोववेयं एगाभरणवसणगहियनिज्जोयं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं सद्दावेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सरिसयं सरित्तयं जाव सद्दावेंति, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ० ण्हाया एगाभरणवसणगहियनिज्जोया जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवा-गच्छन्ति ते० २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं अम्हेहिं करणिज्जं, तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कोडुंबियवर-तरुणसहस्संपि एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! ण्हाया जाव गहियनिज्जोगा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स जाव पडिसुणेत्ता ण्हाया जाव गहियनिज्जोगा जमालिस्स खत्तिय-कुमारस्स सीयं परिवहंति। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरिससहस्स-वाहिणिं सीयं दुरूढस्स समाणस्स तप्पढमयाए इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणु-पुव्वीए संपट्ठिया, तं०–सोत्थिय सिरिवच्छ जाव दप्पण, तयाणंतरं च णं पुन्नकलस-भिंगारं जहा उववाइए जाव गगणतलमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, एवं जहा उववाइए तहेव भाणियव्वं जाव आलोयं वा करेमाणा जय २ सद्दं च पउंजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तयाणंतरं च णं बहवे उग्गा भोगा जहा उववाइए जाव महापुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ य मग्गओ य पासओ य अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमा-

जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था वण्णओ कोट्ठए उज्जाणे वण्णओ जाव वणसंडस्स तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था वण्णओ पुण्णभद्दे उज्जाणे वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टए। तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव कोट्ठए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपानगरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ अहा० २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स तेहिं अरसेहि य विरसेहि य अंतेहि य पंतेहि य लूहेहि य तुच्छेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य सीएहि य पाणभोयणेहिं अन्नया कयाइ सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले विउले पगाढे कक्कसे कडुए चंडे दुक्खे दुग्गे तिव्वे दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतिए यावि विहरइ। तए णं से जमाली अणगारे वेयणाए अभिभूए समाणे समणे निग्गंथे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया! मम सेज्जासंथारगं संथरेह, तए णं ते समणा निग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति पडिसुणेत्ता जमालिस्स अणगारस्स सेज्जासंथारगं संथरेंति, तए णं से जमाली अणगारे बलियतरं वेयणाए अभिभूए समाणे दोच्चंपि समणे निग्गंथे सद्दावेइ २ त्ता दोच्चंपि एवं वयासी-ममण्णं देवाणुप्पिया! सेज्जासंथारए किं कडे कज्जइ? (एवं वुत्ते समाणे समणा निग्गंथा विंति-भो सामी! कीरइ) तए णं ते समणा निग्गंथा जमालिं अणगारं एवं वयासी-नो खलु देवाणुप्पियाणं सेज्जासंथारए कडे कज्जइ, तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जण्णं समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ-एवं खलु चलमाणे चलिए उदीरिज्जमाणे उदीरिए जाव निज्जरिज्जमाणे निज्जिण्णे तं णं मिच्छा इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए जम्हा णं सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए तम्हा चलमाणेवि अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणेवि अनिज्जिण्णे एवं संपेहेइ एवं संपेहेत्ता समणे निग्गंथे सद्दावेइ समणे निग्गंथे सद्दावेत्ता एवं वयासी-जण्णं देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु चलमाणे चलिए तं चेव सव्वं जाव निज्जरिज्जमाणे अनिज्जिण्णे। तए

जाए जले संवुड्ढे णोवलिप्पइ पंकरएण णोवलिप्पइ जलरएणं एवामेव जमालीवि खत्तियकुमारे कामेहिं जाए भोगेहिं संवुड्ढे णोवलिप्पइ कामरएण णोवलिप्पइ भोगरएण णोवलिप्पइ मित्तणाइनियगसयणसंबंधिपरिजणेण, एस ण देवाणुप्पिया! संसारभयउव्विग्गे भीए जम्मजरामरणेणं इच्छइ देवाणुप्पियाण अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए, त एयण्ण देवाणुप्पियाणं अम्हे सीसभिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु ण देवाणुप्पिया! सीसभिक्खं, तए ण समणे० ३ त जमालिं खत्तियकुमारं एव वयासी-अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं। तए ण से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समण भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ, तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेण पडसाडएगं आभरणमल्लालंकारं पडिच्छइ पडिच्छित्ता हारवारि जाव विणिम्मुयमाणी २ जमालिं खत्तियकुमारं एव वयासी-घडियव्वं जाया! जइयव्वं जाया! परक्कमियव्वं जाया! अस्सिं च ण अट्ठे णो पमायेयव्वंति कट्टु जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदन्ति णमंसन्ति वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए ण से जमाली खत्तियकुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता एवं जहा उसभदत्तो तहेव पव्वइओ नवरं पंचहिं पुरिससएहिं सद्धिं तहेव जाव सव्वं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जेत्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ३८४ ॥ तए ण से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-इच्छामि ण भंते! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए, तए ण समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो आढाइ णो परिजाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए ण से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-इच्छामि ण भंते! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं जाव विहरित्तए, तए ण समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स दोच्चंपि तच्चंपि एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए ण से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया

ओसप्पिणी भविता उस्सप्पिणी भवइ उस्सप्पिणी भविता ओसप्पिणी भवइ, सासए जीवे जमाली! जं न कयाइ णासि जाव णिच्चे, असासए जीवे जमाली! जं णं नेरइए भविता तिरिक्खजोणिए भवइ तिरिक्खजोणिए भविता मणुस्से भवइ मणुस्से भविता देवे भवइ। तए णं से जमाली अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे दोच्चंपि समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमइ दोच्चंपि आयाए अवक्कमित्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ य २ त्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेएइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमट्ठिइएसु देवकिब्बिसिएसु देवेसु देवकिब्बिसियत्ताए उववन्ने ॥ १८५ ॥ तए णं से भगवं गोयमे जमालिं अणगारं कालगयं जाणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे से णं भंते! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी-एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे से णं तया मम एवं आइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो सद्दहइ ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ दोच्चंपि ममं अंतियाओ आयाए अवक्कमइ २ त्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं तं चेव जाव देवकिब्बिसियत्ताए उववन्ने ॥ १८६ ॥ कइविहा णं भंते! देवकिब्बिसिया प०? गोयमा! तिविहा देवकिब्बिसिया प०, तंजहा-तिपलिओवमट्ठिइया तिसागरोवमट्ठिइया तेरससागरोवमट्ठिइया, कहि णं भंते! तिपलिओवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति? गोयमा! उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थ णं तिपलिओवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते! तिसागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति? गोयमा! उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं हिट्ठिं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति, कहि णं भंते! तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया देवा परिवसंति? गोयमा! उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतए कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया देवा परिवसंति। देवकिब्बिसिया णं भंते! केसु कम्मादाणेसु देवकिब्बिसियत्ताए उववत्तारो भवंति? गोयमा! जे इमे जीवा आयरियपडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया गणपडिणीया संघ-

णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स एव आइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स अत्थेगइया समणा निग्गथा एयमट्ठ सद्दहंति पत्तियंति रोयति, अत्थेगइया समणा निग्गंथा एयमट्ठं णो सद्दहति ३, तत्थ ण जे ते समणा निग्गथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं सद्दहति ३ ते ण जमालिं चेव अणगार उवसपज्जित्ता णं विहरंति, तत्थ ण जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठ णो सद्दहति णो पत्तियति णो रोयति ते ण जमालिस्स अणगारस्स अतियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगाम दूइज्जमाणा जेणेव चपानयरी जेणेव पुन्नभद्दे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता समण भगव महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेंति २ त्ता वदति णमसति २ त्ता समणं भगव महावीर उवसपज्जित्ता ण विहरति ॥ ३८५ ॥ तए ण से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ ताओ रोगायकाओ विप्पमुक्के हट्ठे तुट्ठे जाए अरोए बलियसरीरे सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगाम दूइज्जमाणे जेणेव चपानयरी जेणेव पुन्नभद्दे उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समण भगवं महावीर एवं वयासी-जहा णं देवाणुप्पियाण वहवे अतेवासी समणा निग्गथा छउमत्था भवेत्ता छउमत्थावक्कमणेण अवक्कता णो खलु अहं तहा चेव छउमत्थे भवित्ता छउमत्थावक्कमणेण अवक्कमिए, अहन्न उप्पन्नणाणदसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेण अवक्कमिए, तए ण भगवं गोयमे जमालिं अणगारं एवं वयासी-णो खलु जमाली ! केवलिस्स णाणे वा दंसणे वा सेलसि वा थभसि वा थूभसि वा आवरिज्जइ वा णिवारिज्जइ वा, जइ ण तुमं जमाली ! उप्पन्नणाणदसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेण अवक्कते तो ण इमाइं दो वागरणाइ वागरेहि-सासए लोए जमाली ! असासए लोए जमाली ? सासए जीवे जमाली ! असासए जीवे जमाली ? तए ण से जमाली अणगारे भगवया गोयमेण एव वुत्ते समाणे सकिए कखिए जाव कलुससमावन्ने जाए यावि होत्था, णो सचाएइ भगवओ गोयमस्स किंचिवि पमोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीए सचिट्ठइ, जमालीति समणे भगवं महावीरे जमालिं अणगार एव वयासी-अत्थि ण जमाली ! मम वहवे अतेवासी समणा निग्गथा छउमत्था जे ण पभू एय वागरण वागरित्तए जहा ण अह, नो चेव ण एयप्पगारं भास भासित्तए जहा णं तुम, सासए लोए जमाली ! जन्न कयाइ णासि ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, असासए लोए जमाली ! जओ

क्खे । पुरिसे णं भंते ! अन्नयरं तसपाणं हणमाणे किं अन्नयरं तसपाणं हणइ नोअ-
न्नयरे तसपाणे हणइ ? गोयमा ! अन्नयरंपि तसपाणं हणइ नोअन्नयरेवि तसे पा-
हणइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अन्नयरंपि तसं पाणं हणइ नोअन्नयरेवि तसे पा-
हणइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं अन्नयरं तसं पाणं हणा-
मि से णं एगं अन्नयरं तसं पाणं हणमाणे अणेगे जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! ए-
वं एए सव्वेवि एक्कगमा । पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिं हणइ नोइसिं
हणइ ? गोयमा ! इसिंपि हणइ नोइसिंपि हणइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जा-
नोइसिंपि हणइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं इसिं हणामि से
णं एगं इसिं हणमाणे अणंते जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं निक्खेवओ । पुरिसे णं भंते ! पुरिसं
हणमाणे किं पुरिसवेरेणं पुट्ठे नोपुरिसवेरेणं पुट्ठे ? गोयमा ! नियमा ताव पुरिसवेरेणं
पुट्ठे, अहवा पुरिसवेरेण य नोपुरिसवेरेण य पुट्ठे अहवा पुरिसवेरेण य नोपुरिसवेरेहि
य पुट्ठे, एवं आसं एवं जाव चिल्ललगं जाव अहवा चिल्ललगवेरेण य नोचिल्ललगवेरेहि य
पुट्ठे, पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिवेरेणं पुट्ठे नोइसिवेरेणं पुट्ठे ? गोयमा !
नियमा इसिवेरेण य नोइसिवेरेहि य पुट्ठे ॥१९॥ पुढविक्काइया णं भंते ! पुढविक्काइयं
चेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? हंता गोयमा ! पुढवि-
क्काइया पुढविक्काइयं चेव आणमंति वा जाव नीससंति वा । पुढविक्काइया णं भंते !
आउक्काइयं आणमंति वा जाव नीससंति वा ? हंता गोयमा ! पुढविक्काइया आउक्काइयं
आणमंति वा जाव नीससंति वा एवं तेउक्काइयं वाउक्काइयं एवं वणस्सइकाइयं ।
आउक्काइया णं भंते ! पुढविक्काइयं आणमंति वा पाणमंति वा ? एवं चेव, आउ-
क्काइया णं भंते ! आउक्काइयं चेव आणमंति वा ? एवं चेव, एवं तेउवाउवणस्सइ-
काइयं । तेउक्काइया णं भंते ! पुढविक्काइयं आणमंति वा ? एवं जाव वणस्सइकाइया
णं भंते ! वणस्सइकाइयं चेव आणमंति वा ? तहेव । पुढविक्काइए णं भंते ! पुढविक्का-
इयं चेव आणममाणे वा पाणममाणे वा ऊससमाणे वा नीससमाणे वा कइकिरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, पुढविक्काइए णं भंते ! आउ-
क्काइयं आणममाणे वा ? एवं चेव एवं जाव वणस्सइकाइयं एवं आउक्काइएणवि सव्वे
भाणियव्वा एवं तेउक्काइएणवि एवं वाउक्काइएणवि जाव वणस्सइकाइए णं भंते !
वणस्सइकाइयं चेव आणममाणे वा ? पुच्छा गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउ-
किरिए सिय पंचकिरिए ॥१९१॥ वाउक्काइए णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा
पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकि-
रिए । एवं कंदं एवं जाव मूलं बीयं पचालेमाणे वा पुच्छा गोयमा ! सिय तिकिरिए

पडिणीया आयरियउवज्झायाण अयसकरा अवन्नकरा अकित्तिकरा बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि य अप्पाण च ३ वुग्गाहेमाणा वुप्पाएमाणा बहूइं वासाइ सामन्नपरियाग पाउणति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता कालमासे काल किच्चा अन्नयरेसु देवकिब्बिसिएसु देवकिब्बिसियत्ताए उववत्तारो भवति, तंजहा–तिपलिओवमट्ठिइएसु वा तिसागरोवमट्ठिइएसु वा तेरससागरोवमट्ठिइएसु वा। देवकिब्बिसिया ण भते! ताओ देवलोगाओ आउक्खएण भवक्खएणं ठिइक्खएण अणंतर चयं चइत्ता कहिं गच्छति कहिं उववज्जति? गोयमा! जाव चत्तारि पच नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवभवग्गहणाइ ससार अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झति बुज्झति जाव अत करेंति, अत्थेगइया अणाइय अणवदग्ग दीहमद्ध चाउरतससारकंतारं अणुपरियट्टति॥ जमाली ण भते! अणगारे अरसाहारे विरसाहारे अताहारे पंताहारे लूहाहारे तुच्छाहारे अरसजीवी विरसजीवी जाव तुच्छजीवी उवसतजीवी पसतजीवी विवित्तजीवी? हता गोयमा! जमाली ण अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी। जइ ण भते! जमाली अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी कम्हा ण भते! जमाली अणगारे कालमासे काल किच्चा लतए कप्पे तेरससागरोवमट्ठिइएसु देवकिब्बिसिएसु देवेसु देवकिब्बिसियत्ताए उववन्ने? गोयमा! जमाली ण अणगारे आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाण अयसकारए जाव वुप्पाएमाणे बहूइ वासाइ सामन्नपरियाग पाउणित्ता अद्धमासियाए सलेहणाए तीस भत्ताइ अणसणाए छेदेइ तीस० २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते कालमासे कालं किच्चा लतए कप्पे जाव उववन्ने ॥ ३८८ ॥ जमाली ण भते! देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएण जाव कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! चत्तारि पच तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवभवग्गहणाइ ससारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झिहिइ जाव अत काहिइ। सेव भते! २ त्ति ॥३८९॥ **जमाली समत्तो ॥ नवमसए ३३ इमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेण कालेण तेण समएणं रायगिहे जाव एव वयासी–पुरिसे ण भते! पुरिस हणमाणे किं पुरिस हणइ नोपुरिस हणइ? गोयमा! पुरिसपि हणइ नोपुरि(सेवि)सपि हणइ, से केणट्ठेण भते! एव वुच्चइ पुरिसपि हणइ नोपुरिसपि हणइ? गोयमा! तस्स ण एव भवइ एवं खलु अह एग पुरिस हणामि से ण एग पुरिस हणमाणे अणेगजीवा हणइ, से तेणट्ठेण गोयमा! एव वुच्चइ पुरिसपि हणइ नोपुरिसपि हणइ। पुरिसे ण भते! आस हणमाणे किं आस हणइ नोआसे हणइ? गोयमा! आसपि हणइ नोआसेवि हणइ, से केणट्ठेण अट्ठो तहेव, एव हत्थि सीह वग्घ जाव चिल्ल-

सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३९२ ॥ **नवमसए चउत्तीसइमो उद्देसो समत्तो ॥ नवमं सयं समत्तं ॥**

गाहा—दिसि १ संवुडअणगारे २ आइड्ढी ३ सामहत्थि ४ देवि ५ सभा ६। उत्तरअंतरदीवा २८ दसमम्मि सयम्मि चोत्तीसा ॥२४॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-किमियं भंते! पाईणत्ति पवुच्चइ? गोयमा! जीवा चेव अजीवा चेव, किमियं भंते! पडीणत्ति पवुच्चइ? गोयमा! एवं चेव, एवं दाहिणा, एवं उदीणा, एवं उड्ढा, एवं अहोवि। कइ णं भंते! दिसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! दस दिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-पुरच्छिमा १ पुरच्छिमदाहिणा २ दाहिणा ३ दाहिणपच्चत्थिमा ४ पच्चत्थिमा ५ पच्चत्थिमुत्तरा ६ उत्तरा ७ उत्तरपुरच्छिमा ८ उड्ढा ९ अहो १०। एयासि णं भंते! दसण्हं दिसाणं कइ णामधेज्जा पण्णत्ता? गोयमा! दस नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा-इंदा १ अग्गेई २ जमा य ३ नेरई ४ वारुणी य ५ वायव्वा ६, सोमा ७ ईसाणी य ८ विमला य ९ तमा य १० बोद्धव्वा। इंदा णं भंते! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा? गोयमा! जीवावि ३ तं चेव जाव अजीवपएसावि, जे जीवा ते नियमा एगिंदिया बेइंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा बेइंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा-खंधा १ खंधदेसा २ खंधपएसा ३ परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा-नोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, नोअधम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकायस्स देसे, अधम्मत्थिकायस्स पएसा, नोआगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थिकायस्स पएसा, अद्धासमए ॥ अग्गेई णं भंते! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा०? पुच्छा, गोयमा! णोजीवा जीवदेसावि १ जीवपएसावि २ अजीवावि १ अजीवदेसावि २ अजीवपएसावि ३, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे १ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसा २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ अहवा एगिंदियदेसा तेइंदियस्स देसे एवं चेव तियभंगो भाणियव्वो एवं जाव अणिंदियाणं तियभंगो, जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा एवं आइल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा-रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा

निच्च वोसट्ठकाए चियत्तदेहे, एव मासिया भिक्खुपडिमा निरवसेसा भाणियव्वा [जहा दसाहिं] जाव आराहिया भवइ ॥ ३९८ ॥ भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाण पडिसेवित्ता से ण तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते काल करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते काल करेइ अत्थि तस्स आराहणा, भिक्खू य अन्नयर अकिच्चट्ठाण पडिसेवित्ता तस्स ण एव भवइ पच्छावि ण अह च(रि)रमकालसमयसि एयस्स ठाणस्स आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, से ण तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते जाव नत्थि तस्स आराहणा, से ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते काल करेइ अत्थि तस्स अराहणा, भिक्खू य अन्नयर अकिच्चट्ठाण पडिसेवित्ता तस्स ण एव भवइ–जइ ताव समणोवासगावि कालमासे काल किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवति किमग पुण अह अन्नपन्नियदेवत्तणपि नो लभिस्सामित्ति कट्टु से ण तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से ण तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कते काल करेइ अत्थि तस्स आराहणा। सेवं भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ३९९ ॥ **दसमसयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एव वयासी–आइड्ढीए णं भंते ! देवे जाव चत्तारि पंच देवावासतराइ वीइक्कंते तेण परं परिड्ढीए ? हता गोयमा ! आइड्ढीए ण त चेव, एव असुरकुमारेवि, नवर असुरकुमारावासतराइ सेस त चेव, एव एएण कमेण जाव थणियकुमारे, एव वाणमतरजोइसियवेमाणिए जाव तेण परं परिड्ढीए। अप्पिड्ढिए णं भते ! देवे से महिड्ढियस्स देवस्स मज्झमज्झेण वीइवएज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । समिड्ढिए ण भते ! देवे समिड्ढियस्स देवस्स मज्झमज्झेण वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, पमत्त पुण वीइवएज्जा, से ण भते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहित्ता पभू ? गोयमा ! विमोहेत्ता पभू नो अविमोहेत्ता पभू । से भते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा णो पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा । महिड्ढिए ण भते ! देवे अप्पिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा, से ण भते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहेत्ता पभू ? गोयमा ! विमोहेत्तावि पभू अविमोहेत्तावि पभू, से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवइज्जा पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वा वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा । अप्पिड्ढिए ण भते ! असुरकुमारे महिड्ढियस्स असुरकुमारस्स मज्झंमज्झेण वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एव असुरकुमारेणवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा जहा ओहिएण देवेण भणिया, एवं जाव थणियकुमा(रा)रेणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएण

एवं जाव महाघोसस्स । अत्थि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो पुच्छा ? हंता अत्थि । से केणट्ठेणं भंते ! जाव तायत्तीसगा देवा २ ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पालासए(वालाए) नामं संनिवेसे होत्था वण्णओ । तत्थ णं पालासए संनिवेसे तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा जहा चमरस्स जाव विहरंति । तए णं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा पुव्विंपि पच्छावि उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेन्ति झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ त्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा जाव उववन्ना । जप्पभिइं च णं भंते ! पालासिगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा सेसं जहा चमरस्स जाव अन्ने उववज्जंति । अत्थि णं भंते ! ईसाणस्स ? एवं जहा सक्कस्स नवरं चंपाए नयरीए जाव उववन्ना जप्पभिइं च णं भंते ! चंपिज्जा तायत्तीसं सहाया सेसं तं चेव जाव अन्ने उववज्जंति । अत्थि णं भंते ! सणंकुमारस्स देविंदस्स देवरण्णो पुच्छा, हंता अत्थि से केणट्ठेणं जहा धरणस्स तहेव एवं जाव पाणयस्स एवं अच्चुयस्स जाव अन्ने उववज्जंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! सि ॥४ ॥

दसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसओ समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए चेइए जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना जहा अट्ठमे सए सत्तमुद्देसए जाव विहरंति । तए णं ते थेरा भगवंतो जायसड्ढा जाव संसया जहा गोयमसामी जाव पज्जुवासमाणा एवं वयासी-चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ तंजहा-काली रायी रयणी विज्जू मेहा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ देविसहस्सा परिवारो पण्णत्तो । पभू णं भंते ! ताओ एगमेगा देवी अन्नाइं अट्ठट्ठदेवीसहस्साइं परि(या)वारं विउव्वित्तए ? एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तालीसं देवीसहस्सा से तं तुडिए, पभू णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ? नो इणट्ठे समट्ठे । पभू णं अज्जो ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए जाव अन्नेहिं य बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाहय जाव भुंजमाणे विहरित्तए केवलं परियारिड्ढीए नो चेव णं मेहुणवत्तियं ॥ ४ ४ ॥ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुर

रीए तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवासगा परिवसन्ति अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा जाव विहरन्ति, तए ण ते तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवासगा पुव्विं उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी भवित्ता तओ पच्छा पासत्था पासत्थविहारी ओसन्ना ओसन्नविहारी कुसीला कुसीलविहारी अहाछंदा अहाछंदविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति २ त्ता अद्ध-मासियाए संलेहणाए अत्ताण झूसेंति अत्ताणं झूसेत्ता तीस भत्ताइ अणसणाए छेदेंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंता कालमासे काल किच्चा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगदेवत्ताए उववन्ना, जप्पभिइ च ण भंते ! कायंदगा तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवासगा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो ताय-त्तीसगदेवत्ताए उववन्ना तप्पभिइ च ण भते ! एव वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असु-रकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २ ? (तत्थ)तए ण भगव गोयमे सामहत्थिणा अणगारेणं एव वुत्ते समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता सामह-त्थिणा अणगारेण सद्धिं जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगव महावीरं वदइ नमसइ वदित्ता नमसित्ता एव वयासी—अत्थि ण भते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? हता अत्थि, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ ? एवं त चेव सव्व भाणियव्व जाव तप्पभिइं च णं एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २ ? णो इणट्ठे समट्ठे, एव खलु गोयमा ! चमरस्स ण असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगाणं देवाण सासए नामधेज्जे पण्णत्ते, ज न कयाइ नासी न कयाइ न भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ जाव निच्चे अव्वोच्छित्तिनयट्ठयाए अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति । अत्थि ण भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो तायत्तीसगा देवा २ ? हता अत्थि, से केणट्ठेणं भते ! एवं वुच्चइ बलिस्स वइरोयणिंदस्स जाव तायत्तीसगा देवा २ ? एव खलु गोयमा ! तेण कालेण तेण समएणं इहेव जबुद्दीवे २ भारहे वासे बिभेले णाम सनिवेसे होत्था वण्णओ, तत्थ णं बिभेले संनिवेसे जहा चमरस्स जाव उव-वन्ना, जप्पभिइ च णं भते ! ते बिभेलगा तायत्तीस सहाया गाहावई समणोवा-सगा बलिस्स वइरोयणिंदस्स सेसं त चेव जाव निच्चे अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए अन्ने चयति अन्ने उववज्जंति । अत्थि ण भते ! धरणस्स णागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २ ? हता अत्थि, से केणट्ठेण जाव तायत्तीसगा देवा २ ? गोयमा ! धरणस्स नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो तायत्तीसगाण देवाण सासए नामधेज्जे पन्नत्ते ज न कयाइ नासी जाव अन्ने चयति अन्ने उववज्जंति, एव भूयाणंदस्सवि,

देवीए अवसेसं जहा चमरलोगपालाणं एवं सेसाणं तिण्हवि लोगपालाणं जे दाहिणिल्ला इंदा तेसिं जहा धरणिंदस्स लोगपालाणंपि तेसिं जहा धरणस्स लोगपालाणं उत्तरिल्लाणं इंदाणं जहा भूयाणंदस्स लोगपालाणवि तेसिं जहा भूयाणंदस्स लोगपालाणं नवरं इंदाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसनामगाणि परियारो जहा तइयसए पढमे उद्देसए, लोगपालाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसनामगाणि परियारो जहा चमरस्स लोगपालाणं। कालस्स णं भंते! पिसाइंदस्स पिसायरन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ? अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं सेसं जहा चमरलोगपालाणं, परियारो तहेव नवरं कालाए रायहाणीए कालंसि सीहासणंसि सेसं तं चेव एवं महाकालस्सवि। सुरूवस्स णं भंते! भूइंदस्स भूयरन्नो पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा, तत्थ णं एगमेगा(ए) सेसं जहा कालस्स एवं पडिरूवस्सवि। पुन्नभद्दस्स णं भंते! जक्खिंदस्स पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ तंजहा–पुन्ना बहुपुत्तिया उत्तमा तारया तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा कालस्स एवं माणिभद्दस्सवि। भीमस्स णं भंते! रक्खसिंदस्स पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ तंजहा–पउमा पउमावई कणगा रयणप्पभा तत्थ णं एगमेगा देवी सेसं जहा कालस्स। एवं महाभीमस्सवि। किन्नरस्स णं भंते! पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ तंजहा–वडेंसा केउमई रइसेणा रइप्पिया, तत्थ णं सेसं तं चेव एवं किंपुरिसस्सवि। स(प)पुरिसस्स णं पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ तंजहा–रोहिणी नवमिया हिरी पुप्फवई, तत्थ णं एगमेगा देवी सेसं तं चेव एवं महापुरिसस्सवि। अइकायस्स णं पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ प तंजहा–भु(य)यंगा भुयंगवई महाकच्छा फुडा, तत्थ णं सेसं तं चेव एवं महाकायस्सवि। गीयरइस्स णं भंते! पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ प तंजहा–सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, तत्थ णं सेसं तं चेव, एवं गीयजसस्सवि सव्वेसिं एएसिं जहा कालस्स नवरं सरिसणा(नामि)याओ रायहाणीओ सीहासणाणि य सेसं तं चेव। चंदस्स णं भंते! जोइसिंदस्स जोइसरन्नो पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ तंजहा–चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा एवं जहा जीवाभिगमे जोइसियउद्देसए तहेव सूरस्सवि सूरप्पभा आ(इचा)-भाभा अच्चिमाली पभंकरा, सेसं तं चेव, जाव नो चेव णं मेहुणवत्तियं। इंगालस्स णं भंते! महग्गहस्स कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ

कुमाररन्नो सोमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्ग-महिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, तत्थ णं एग-मेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं परिवारो पन्नत्तो, पभू णं ताओ एगमेगा(ए) देवी(ए) अन्न एगमेग देविसहस्स परियारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तारि देवि-सहस्सा, सेत्त तुडिए, पभू ण भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सोमे महाराया सोमाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए सोमसि सीहासणंसि तुडिएण अवसेस जहा चमरस्स, नवरं परियारो जहा सूरियाभस्स, सेस त चेव, जाव णो चेव णं मेहुणवत्तिय । चमरस्स ण भंते ! जाव रन्नो जमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ ? एव चेव नवरं जमाए रायहाणीए सेस जहा सोमस्स, एव वरुणस्सवि, नवर वरुणाए रायहाणीए, एव वेसमणस्सवि नवरं वेसमणाए रायहाणीए सेस त चेव जाव मेहु-णवत्तिय । वलिस्स ण भंते ! वइरोयणिंदस्स पुच्छा, अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-सुभा निसुभा रंभा निरंभा मयणा, तत्थ ण एगमेगाए देवीए अट्ठ सेस जहा चमरस्स, नवर वलिचंचाए रायहाणीए परिया(वा)रो जहा मोउद्दे-सए, सेस त चेव जाव मेहुणवत्तिय । वलिस्स ण भंते ! वइरोयणिंदस्स वइरोय-णरन्नो सोमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गम-हिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-मीणगा सुभद्दा वि(ज्ज)जया असणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सेस जहा चमर(सोम)स्स, एव जाव वेसमणस्स ॥ धरणस्स ण भंते ! नाग-कुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-इ(अ)ला सु(स)क्का स(ते)दारा सोयामणी इंदा घणविज्जुया, तत्थ ण एगमेगाए देवीए छ छ देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो, पभू ण भंते ! ताओ एगमेगा(ए) देवी(ए) अन्नाइं छ छ देविसहस्साइ परियार विउव्वित्तए एवामेव सपुव्वावरेण छत्तीस देविसहस्साइं, सेत्त तुडिए । पभू णं भंते ! धरणे सेस त चेव, नवर धरणाए राय-हाणीए धरणसि सीहासणंसि सओ परिवारो सेस त चेव । धरणस्स ण भंते ! नागकु-मारिंदस्स कालवालस्स लोगवालस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-असोगा विमला सुप्पभा सुदसणा, तत्थ ण एगमेगाए देवीए अवसेस जहा चमरस्स लोगपालाण, एव सेसाण तिण्हवि । भूया-णदस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-रूया रूयसा सुरूया रु(रू)यगावई रूयकता रूयप्पभा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेस जहा धर-णस्स, भूयाणदस्स ण भंते ! नागकुमारस्स चि(चि)त्तस्स पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा, तत्थ णं एगमेगाए

पन्नत्ताओ, तंजहा-विजया वेजयती जयती अपराजिया, तत्थ ण एगमेगाए देवीए सेस तं चेव जहा चंदस्स, नवरं इगालवडेंसए विमाणे इंगालगंसि सीहासणसि सेस त चेव, एव वियालगस्सवि, एव अट्ठासी(ई)एवि महागहाण भाणियव्वं जाव भावकेउस्स, नवर वडेंसगा सीहासणाणि य सरिसनामगाणि, सेस तं चेव। सक्कस्स ण भंते! देविंदस्स देवरन्नो पुच्छा, अज्जो! अट्ठ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-पउमा सिवा से(वा)या अजू अमला अच्छरा नवमिया रोहिणी, तत्थ ण एगमेगाए देवीए सोलस सोलस देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो, पभू णं ताओ एगमेगा देवी अन्नाइ सोलस २ देविसहस्सपरियारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेण अट्ठावीसुत्तर देविसयसहस्स परियारं विउव्वित्तए, सेत्त तुडिए। पभू ण भंते! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए सक्कसि सीहासणसि तुडिएण सर्द्धि सेस जहा चमरस्स नवर परिवारो जहा मोउद्देसए। सक्कस्स ण भते! देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तजहा-रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, तत्थ ण एगमेगा० सेस जहा चमरलोगपालाण, नवर सयपभे विमाणे सभाए सुहम्माए सोमसि सीहासणसि, सेस त चेव, एव जाव वेसमणस्स, नवरं विमाणाइ जहा तइयसए। ईसाणस्स ण भंते! पुच्छा, अज्जो! अट्ठ अग्गमहिसीओ प०, तजहा-कण्हा कण्हराई रामा रामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुधरा, तत्थ ण एगमेगाए० सेस जहा सक्कस्स। ईसाणस्स ण भंते! देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा-पुढवी राई रयणी विज्जू, तत्थ णं०, सेस जहा सक्कस्स लोगपालाणं, एवं जाव वरुणस्स, नवरं विमाणा जहा चउत्थसए, सेस त चेव, जाव नो चेव ण मेहुणवत्तिय। सेवं भंते! सेवं भते! त्ति जाव विहरइ ॥४०५॥ **दसमसए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

कहि ण भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सभा सुहम्मा पन्नत्ता? गोयमा! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेण, इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पच वडेंसगा पन्नत्ता, तजहा-असोगवडेंसए जाव मज्झे सोहम्मवडेंसए, से णं सोहम्मवडेंसए महाविमाणे अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइ आयामविक्खमेणं,-एव जह सूरियाभे तहेव माण तहेव उववाओ। सक्कस्स य अभिसेओ तहेव जह सूरियाभस्स ॥ १ ॥ अलकारो तहेव जाव आयरक्खदेवत्ति, दो सागरोवमाइ ठिई। सक्के ण भंते! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए जाव केम(हेस)हासोक्खे? गोयमा! महिड्ढिए जाव महासोक्खे, से ण तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साण

णं भंते ! जीवा किं आहारसण्णोवउत्ता भयसण्णोवउत्ता मेहुणसण्णोवउत्ता परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! आहारसण्णोवउत्त(वि)त्ता वा असीइ भंगा २१। ते णं भंते ! जीवा किं कोहकसाई माणकसाई मायाकसाई लोभकसाई ? गोयमा ! कोहकसाई वा असीइ भंगा २२। ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयए वा णपुंसगवेयगा वा २३। ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेयबंधगा पुरिसवेयबंधगा णपुंसगवेयबंधगा ? गोयमा ! इत्थिवेयबंधए वा पुरिसवेयबंधए वा णपुंसगवेयबंधए वा छव्वीसं भंगा २४। ते णं भंते ! जीवा किं सण्णी असण्णी ? गोयमा ! णो सण्णी असण्णी वा असण्णिणो वा २५। ते णं भंते ! जीवा किं सइंदिया अणिंदिया ? गोयमा ! णो अणिंदिया सइंदिए वा सइंदिया वा २६। से णं भंते ! उप्पलजीवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं २७। से णं भंते ! उप्पलजीवे पुढविजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा से णं भंते ! उप्पलजीवे आउजीवे एवं चेव एवं जहा पुढविजीवे भणिए तहा जाव वाउजीवे भाणियव्वे, से णं भंते ! उप्पलजीवे से वणस्सइजीवे से पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा से णं भंते ! उप्पलजीवे बेइंदियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा एवं तेइंदियजीवेवि एवं चउरिंदियजीवेवि। से णं भंते ! उप्पलजीवे पंचेंदियतिरिक्खजोणियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति पुच्छा, गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ताइं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्ताइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा एवं मणुस्सेणवि समं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २८। ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा आहारुद्देसए वणस्सइकाइयाणं आहारो तहेव जाव

भंगा ५। ते ण भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वेयगा अवेयगा? गोयमा! नो अवेयगा वेदए वा वेयगा वा एवं जाव अंतराइयस्स, ते णं भंते! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा? गोयमा! सायावेयए वा असायावेयए वा अट्ठ भंगा ६। ते ण भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदई अणुदई? गोयमा! नो अणुदई उदई वा उदइणो वा, एवं जाव अंतराइयस्स ७॥ ते ण भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदीरगा०? गोयमा! नो अणुदीरगा उदीरए वा उदीरगा वा, एवं जाव अंतराइयस्स, नवरं वेयणिज्जाउएसु अट्ठ भंगा ८। ते ण भंते! जीवा किं कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा तेउलेसा? गोयमा! कण्हलेसे वा जाव तेउलेसे वा कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेस्सा वा अहवा कण्हलेसे य नीललेस्से य एवं एए दुयासंजोगतियासंजोगचउक्कसंजोगेणं असीई भंगा भवंति ९॥ ते ण भंते! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी? गोयमा! नो सम्मदिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी वा मिच्छादिट्ठिणो वा १०। ते ण भंते! जीवा किं नाणी अन्नाणी? गोयमा! नो नाणी अण्णाणी वा अन्नाणिणो वा ११। ते ण भंते! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी? गोयमा! नो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी वा कायजोगिणो वा १२। ते ण भंते! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता? गोयमा! सागारोवउत्ते वा अणागारोवउत्ते वा अट्ठ भंगा १३। तेसि ण भंते! जीवाणं सरीरगा कइवन्ना कइगंधा कइरसा कइफासा प०? गोयमा! पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा प०, ते पुण अप्पणा अवन्ना अगंधा अरसा अफासा प० १४-१५॥ ते ण भंते! जीवा किं उस्सासा निस्सासा नो उस्सासनिस्सासा? गोयमा! उस्सासए वा १ निस्सासए वा २ नो उस्सासनिस्सासए वा ३ उस्सासगा वा ४ निस्सासगा वा ५ नो उस्सासनीसासगा वा ६, अहवा उस्सासए य निस्सासए य ४ अहवा उस्सासए य नो उस्सासनिस्सासए य ४ अहवा निस्सासए य नो उस्सासनीसासए य ४, अहवा ऊसासए य नीसासए य नो उस्सासनिस्सासए य अट्ठ भंगा, एए छव्वीसं भंगा भवंति ॥१६॥ ते ण भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! नो अणाहारगा आहारए वा अणाहारए वा एवं अट्ठ भंगा १७। ते ण भंते! जीवा किं विरया अविरया विरयाविरया? गोयमा! नो विरया नो विरयाविरया अविरए वा अविरया वा १८। ते णं भंते! जीवा किं सकिरिया अकिरिया? गोयमा! नो अकिरिया सकिरिए वा सकिरिया वा १९। ते ण भंते! जीवा किं सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा? गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा अट्ठ भंगा २०। ते

सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति नवरं नियमा छद्दिसिं सेसं तं चेव २९। तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ३०। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ समुग्घाया प०? गोयमा! तओ समुग्घाया प०, तंजहा–वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए ३१। ते णं भंते! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति? गोयमा! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति ३२। ते णं भंते! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति किं नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति एवं जहा वक्कंतीए उव्वट्टणाए वणस्सइकाइयाणं तहा भाणियव्वं। अह भंते! सव्वपाणा सव्वभूया सव्वजीवा सव्वसत्ता उप्पलमूलत्ताए उप्पलकंदत्ताए उप्पलनालत्ताए उप्पलपत्तत्ताए उप्पलकेसरत्ताए उप्पलकण्णियत्ताए उप्पलथिभुगत्ताए उववन्नपुव्वा? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ३३ ॥ ४०८ ॥ **एक्कारसमस्स सयस्स पढमो उप्पलुद्देसओ समत्तो ॥**

सालुए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? गोयमा! एगजीवे, एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अणंतखुत्तो, नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४०९॥११–२॥ पलासे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा, नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं गाउयपुहु(त्त)त्ता, देवा एएसु न उववज्जंति। लेसासु ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा०? गोयमा! कण्हलेस्से वा नीललेस्से वा काउलेस्से वा छव्वीसं भंगा, सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४१० ॥ ११–३ ॥ कुंभिए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं जहा पलासुद्देसए तहा भाणियव्वे, नवरं ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४११ ॥ ११–४ ॥ नालिए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं कुंभिउद्देसगवत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१२ ॥ ११–५ ॥ पउमे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१३ ॥ ११–६ ॥ कण्णिए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे०? एवं चेव निरवसेसं भाणियव्वं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१४ ॥ ११–७ ॥ नलिणे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं चेव निरवसेसं जाव अणंतखुत्तो ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४१५ ॥ **एयारहमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

आसिय जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं से सिवे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सिवभद्दस्स कुमारस्स महत्थं ३ विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव उवट्ठवेंति, तए णं से सिवे राया अणेगगणनायगदंडनायग जाव संधिवाल सद्धिं संपरिवुडे सिवभद्दं कुमारं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं निसीयावे(न्ति)इ २त्ता अट्ठसएणं सोवण्णियाणं कल- साणं जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंच(न्ति)इ २ त्ता पम्हलसुकुमालाए सुरभिए गंधकासाईए गायाइं लूहे(न्ति)इ पम्ह० २ त्ता सरसेणं गोसीसेणं एवं जहेव जमालिस्स अलंकारो तहेव जाव कप्परुक्ख- गंपिव अलंकियविभूसियं करेंति २ त्ता करयल जाव कट्टु सिवभद्दं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं एवं जहा उववाइए कोणियस्स जाव परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडे हत्थिणापुरस्स नयरस्स अन्नेसिं च बहूणं गामागरनगर जाव विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति, तए णं से सिवभद्दे कुमारे राया जाए महया हिमवंत० वन्नओ जाव विहरइ, तए णं से सिवे राया अन्नया कयाइ सोहणंसि तिहिकरणदिवसमुहुत्तनक्खत्तंसि विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ उवक्खडावेत्ता मित्तणाइनियग जाव परिजणं रायाणो खत्तिए य आमं- तेइ आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव सरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासण- वरगए तेणं मित्तणाइनियगसयण जाव परिजणेणं राएहि य खत्तिएहि य सद्धिं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं एवं जहा तामली जाव सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्मा- णेत्ता तं मित्तणाइणियग जाव परिजणं रायाणो य खत्तिए य सिवभद्दं च रायाणं आपु- च्छइ आपुच्छित्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं जाव भंडगं गहाय जे इमे गंगा- कूलगा वाणपत्था तावसा भवंति तं चेव जाव तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खि- यतावसत्ताए पव्वइए, पव्वइएऽवि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ- कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं तं चेव जाव अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता पढमं छट्ठक्ख- मणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। तए णं से सिवे रायरिसी पढमछट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीए पच्चोरुहइ आयावणभूमीए पच्चोरुहित्ता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता किढिणसंकाइयगं गिण्हइ गिण्हित्ता पुर- च्छिमं दिसिं पोक्खेइ पुरच्छिमाए दिसाए सोमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिर- क्खउ सिवं रायरिसिं अभि० २, जाणि य तत्थ कंदाणि य मूलाणि य तयाणि य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य बीयाणि य हरियाणि य ताणि अणुजाणउत्ति कट्टु पुरच्छिमं दिसं पसरइ पुर० २ त्ता जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइं

अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि । अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे दव्वाइं सवन्नाइंपि एवं चेव एवं जाव सयंभूरमणसमुद्दे जाव हंता अत्थि । तए णं सा महइमहालिया महच्चपरिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए णं हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-जन्नं देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे नाणदंसणे जाव समुद्दा य तं नो इणट्ठे समट्ठे, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु एयस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं तं चेव जाव भंडनिक्खेवं करेइ भंडनिक्खेवं करेत्ता हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग जाव समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाव समुद्दा य तण्णं मिच्छा समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ०-एवं खलु जंबुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा तं चेव जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा पन्नत्ता समणाउसो ! । तए णं से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुससमावन्ने जाए यावि होत्था, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स संकियस्स कंखियस्स जाव कलुससमावन्नस्स से विभंगे अन्नाणे खिप्पामेव परिवडिए, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थयरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सहसंबवणे उज्जाणे अहापडि० जाव विहरइ, तं महाफलं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं नामगोयस्स जहा उववाइए जाव गहणयाए, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जुवासामि एयं णे इहभवे य परभवे य जाव भविस्सइत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तावसावसहं अणुप्पविसइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाह जाव किढिणसंकाइयगं च गेण्हइ गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिनिक्खमइ ताव० २ त्ता परिवडियविब्भंगे हत्थिणापुरं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता नच्चासन्ने नाइदूरे जाव पंजलिउडे पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसे य महइमहालियाए जाव आणाए आराहए भवइ, तए णं से सिवे रायरिसी समणस्स

वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, एवं संपेहेइ २ त्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं जाव भंडग किढिणसंकाइय च गेण्हइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे नयरे जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडनिक्खेवं करेइ २ त्ता हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! मम अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, एवं खलु अस्सिं लोए जाव दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! मम अइसेसे नाणदंसणे समुप्पण्णे जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं मन्ने एवं ? । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा जाव पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जहा बिइयसए नियंठुद्देसए जाव अडमाणे बहुजणसद्दं निसामेइ बहुजणो अन्नमन्नस्स एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! तं चेव जाव वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं मन्ने एवं ? तए णं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जायसड्ढे जहा नियंठुद्देसए जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–जन्नं गोयमा ! से बहुजणे अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव भंडनिक्खेवं करेइ हत्थिणापुरे नयरे सिंघाडग० तं चेव जाव वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य तण्णं मिच्छा, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु जंबुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा संठाणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा एवं जहा जीवाभिगमे जाव सयंभूरमणसमुद्दपज्जवसाणा अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा पन्नत्ता समणाउसो ! ॥ अत्थि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता, अत्थि । अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि

भगवओ महावीरस्स अंतिय धम्मं सोच्चा निसम्म जहा खंदओ जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सुबहु लोहीलोहकडाहं जाव किढिणसंकाइगं च एगंते एडेइ एडित्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमे० २ त्ता समणं भगवं महावीरं एवं जहेव उसभदत्तो तहेव पव्वइओ तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ तहेव सव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ४१७ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि संघयणे सिज्झंति ? गोयमा ! वइरोसभणारायसंघयणे सिज्झंति; एवं जहेव उववाइए तहेव संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च परिवसणा, एवं सिद्धिगंडिया निरवसेसा भाणियव्वा जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुहवं (हुंती) ति सास(य)या सिद्धा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ॥ ४१८ ॥ **सिवो समत्तो ॥ एक्कारसमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइविहे णं भंते ! लोए पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे लोए पन्नत्ते, तंजहा-दव्वलोए, खेत्तलोए, काललोए, भावलोए । खेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते, तंजहा-अहोलोयखेत्तलोए १ तिरियलोयखेत्तलोए २ उड्ढलोयखेत्तलोए ३ । अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा-रयणप्पभापुढविअहेलोयखेत्तलोए जाव अहेसत्तमापुढविअहोलोयखेत्तलोए । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जविहे पन्नत्ते, तंजहा-जंबुद्दीवे २ तिरियलोयखेत्तलोए जाव सयंभूरमणसमुद्दे तिरियलोयखेत्तलोए । उड्ढलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पन्नरसविहे पन्नत्ते, तंजहा-सोहम्मकप्पउड्ढलोयखेत्तलोए जाव अच्चुयकप्पउड्ढलोयखेत्तलोए गेवेज्जविमाणउड्ढलोयखेत्तलोए अणुत्तरविमाणउड्ढलोयखेत्तलोए ईसिंपब्भारपुढविउड्ढलोयखेत्तलोए । अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! तप्पागारसंठिए पन्नत्ते । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! झल्लरिसंठिए पन्नत्ते । उड्ढलोयखेत्तलोय० पुच्छा, गोयमा ! उड्ढमुइंगागारसंठिए पन्नत्ते । लोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठगसंठिए लोए पन्नत्ते, तंजहा-हेट्ठा विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव अंतं करेंति । अलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! झुसिरगोलसंठिए पन्नत्ते ॥ अहेलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा० ? एवं जहा इंदा दिसा तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव अद्धासमए । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा० ? एवं चेव, एवं उड्ढलोयखेत्तलोएवि, नवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमओ नत्थि ॥ लोए णं भंते ! किं जीवा० ? जहा बिइयसए अत्थिउद्देसए लोगागासे, नवरं अरूवी सत्तविहा जाव अहम्मत्थिकायस्स पएसा नो आगासत्थिकाए

णं अण्णमण्णस्स किंचि आबाहं वा जाव करेंति? गोयमा! से जहानामए नट्टिया सिया सिंगारागारचारुवेसा जाव कलिया रंगट्ठाणंसि जणसयाउलंसि जणसयसहस्साउलंसि बत्तीसइविहस्स नट्टस्स अन्नयरं नट्टविहिं उवदंसेज्जा, से णूणं गोयमा! ते पेच्छगा तं नट्टियं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएंति? हंता भंते! समभिलोएंति। ताओ णं गोयमा! दिट्ठीओ तंसि नट्टियंसि सव्वओ समंता संनिपडियाओ? हंता सन्नि(प)डियाओ। अत्थि णं गोयमा! ताओ दिट्ठीओ तीसे नट्टियाए किंचिवि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति? णो इणट्ठे समट्ठे, अहवा सा नट्टिया तासिं दिट्ठीणं किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएइ छविच्छेदं वा करेइ? णो इणट्ठे समट्ठे, ताओ वा दिट्ठीओ अन्नमन्नाए दिट्ठीए किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति? णो इणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ तं चेव जाव छविच्छेदं वा करेंति ॥ ४२१ ॥ लोगस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे जहन्नपए जीवपएसाणं उक्कोसपए जीवपएसाणं सव्वजीवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा लोगस्स एगंमि आगासपएसे जहन्नपए जीवपएसा सव्वजीवा असंखेज्जगुणा उक्कोसपए जीवपएसा विसेसाहिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४२२ ॥ एक्कारसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था वन्नओ दूइपलासए चेइए वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तत्थ णं वाणियगामे नयरे सुदंसणे नामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं से सुदंसणे सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ, साओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं पायविहारचारेणं महया पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ते वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छित्ता जेणेव दूइपलासए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तं — सच्चित्ताणं दव्वाणं जहा उसभदत्तो जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स सेट्ठिस्स तीसे य महतिमहालियाए जाव आराहए भवइ। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी-कइविहे णं भंते! काले पन्नत्ते? सुदंसणा! चउव्विहे काले

बहियाभिमुहे पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा! तओ एगमेगे देवे ते चत्तारि बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाए, एवं दाहिणाभिमुहे एवं पच्चत्थाभिमुहे एवं उत्तराभिमुहे एवं उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए, तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आउए पहीणे भवइ णो चेव णं जाव संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स अट्ठिमिंजा पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आसत्तमेवि कुलवंसे पहीणे भवइ णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स नामगोएवि पहीणे भवइ णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तेसि णं भंते! देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए? गोयमा! गए बहुए नो अगए बहुए, गयाओ से अगए असंखेज्जइभागे अगयाउ से गए असंखेज्जगुणे, लोए णं गोयमा! एमहालए पन्नत्ते। अलोए णं भंते! केमहालए पन्नत्ते? गोयमा! अयन्नं समयखेत्ते पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं जहा खंदए जाव परिक्खेवेणं, तेणं कालेणं तेणं समएणं दस देवा महिड्ढिया तहेव जाव संपरिक्खित्ताणं संचिट्ठेज्जा, अह णं अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ अट्ठ बलिपिंडे गहाय माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स चउसुवि दिसासु चउसुवि विदिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा अट्ठ बलिपिंडे जमगसमगं बहियाभिमुहीओ पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा! तओ एगमेगे देवे ते अट्ठ बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए लोगंते ठिच्चा असब्भावपट्ठवणाए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाए एगे देवे दाहिणपुरच्छाभिमुहे पयाए एवं जाव उत्तरपुरच्छाभिमुहे पयाए एगे देवे उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए, तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससयसहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति नो चेव णं ते देवा अलोयंतं संपाउणंति, तं चेव जाव तेसि णं भंते! देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए? गोयमा! नो गए बहुए अगए बहुए, गयाउ से अगए अणंतगुणे अगयाउ से गए अणंतभागे, अलोए णं गोयमा! एमहालए पन्नत्ते ॥४२०॥ लोगस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव पंचिंदियपएसा अणिंदियपएसा अन्नमन्नबद्धा अन्नमन्नपुट्ठा जाव अन्नमन्नसमभरघडत्ताए चिट्ठंति, अत्थि णं भंते! अन्नमन्नस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पायंति छविच्छेदं वा करेंति? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ लोगस्स णं एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव चिट्ठंति णत्थि

निव्वत्तिए सेत्तं अहाउनिव्वत्तिकाले। से किं तं मरणकाले? २ जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ सेत्तं मरणकाले॥ से किं तं अद्धाकाले? अद्धाकाले अणेगविहे पन्नत्ते, से णं समयट्ठयाए आवलियट्ठयाए जाव उस्सप्पिणिट्ठयाए। एस णं सुदंसणा! अद्धा दोहारच्छेदेणं छिज्जमाणी जाहे विभागं नो हव्वमागच्छइ सेत्तं समए, समयट्ठयाए असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जाओ आवलियाओ जहा सालिउद्देसए जाव तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परिमाणं। एएहि णं भंते! पलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं? सुदंसणा! एएहिं पलिओवमसागरोवमेहिं नेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवाणं आउयाइं मविज्जंति ॥ ४२८ ॥ नेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता? एवं ठिइपयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ ४२९ ॥ अत्थि णं भंते! एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थि णं एएसि णं पलिओवमसागरोवमाणं जाव अवचएइ वा?। एवं खलु सुदंसणा! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे नामं नयरे होत्था वण्णओ सहसंबवणे उज्जाणे वण्णओ तत्थ णं हत्थिणापुरे नयरे बले नामं राया होत्था वण्णओ तस्स णं बलस्स रन्नो पभावई नामं देवी होत्था सुकुमाल० वण्णओ जाव विहरइ। तए णं सा पभावई देवी अन्नया कयाइ तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भिंतरओ सचित्तकम्मे बाहिरओ दूमियघट्ठमट्ठे विचित्तउल्लोगचिल्लियतले मणिरयणपणासियंधयारे बहुसमसुविभत्तदेसभाए पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिए कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामे सुगंधिवरगंधिए गंधवट्टिभूए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ बिब्बोयणे दुहओ उन्नए मज्झेणयगंभीरे गंगापुलिणवालुयउद्दालसालिसए उवचियखोमियदुगुल्लपट्टपडिच्छन्ने सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुए सुरम्मे आइणगरूयबूरणवणीयतूलफासे सुगंधवरकुसुमचुन्नसयणोवयारकलिए अद्धरत्तकालसमयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ अयमेयारूवं ओरालं कल्लाणं सिवं धन्नं मंगल्लं सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा। हाररययखीरसागरससंककिरणदगरयरययमहासेलपंडुरतरोरुरमणिज्जपेच्छणिज्जं थिरलट्ठपउट्ठवट्टपीवरसुसिलिट्ठविसिट्ठतिक्खदाढाविडंबियमुहं परिकम्मियजच्चकमलकोमलमाइयसोभंतलट्ठउट्ठं रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुजीहं मूसागयपवरकणगतावियआवत्तायंतवट्टतडिविमलसरिसनयणं विसालपीवरोरुं पडिपुन्नविमलखंधं मिउविसयसुहुमलक्खणपसत्थविच्छिन्नकेसरसडोवसोहियं ऊसियसुनिम्मियसुजायअप्फोडियलंगूलं सोमं सोमाकारं लीलायंतं जंभायंतं नहयलाओ

पन्नत्ते, तंजहा-पमाणकाले १ अहाउनिव्वत्तिकाले २ मरणकाले ३ अद्धाकाले ४, से किं तं पमाणकाले ? २ दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-दिवसप्पमाणकाले य १ राइप्पमाणकाले य २, चउपोरिसिए दिवसे चउपोरिसिया राई भवइ ॥ ८२३ ॥ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी २ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? सुदंसणा ! जया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीसुसयभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जया णं जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीससयभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी परिवड्ढमाणी उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ । कया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ कया वा जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? सुदंसणा ! जया णं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ, जया णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्तिया राई भवइ जहन्निए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ । कया णं भंते ! उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ कया वा उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ ? सुदंसणा ! आसाढपुण्णिमाए णं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, पोसस्स पुण्णिमाए णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ ॥ अत्थि णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति ? हंता ! अत्थि, कया णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति ? सुदंसणा ! चित्तासोयपुण्णिमासु णं, एत्थ णं दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति, पन्नरसमुहुत्ते दिवसे पन्नरसमुहुत्ता राई भवइ चउभागमुहुत्तभागूणा चउमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, सेत्तं पमाणकाले ॥ ८२४ ॥ से किं तं अहाउनिव्वत्तिकाले ? अहाउनिव्वत्तिकाले, जण्णं जेणं नेरइएण वा तिरिक्खजोणिएण वा मणुस्सेण वा देवेण वा अहाउय

णं सा पभावई देवी बलस्स रण्णो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० करयल जाव एवं वयासी-एवमेयं देवाणुप्पिया! तहमेयं देवाणुप्पिया! अवितहमेयं देवाणुप्पिया! असंदिद्धमेयं देवाणुप्पिया! इच्छियमेयं देवाणुप्पिया! पडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया! इच्छियपडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया! से जहेयं तुब्भे वयहत्तिकट्टु तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ पडिच्छित्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणिरयण-भत्तिचित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवल जाव गईए जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयणिज्जंसि निसीयइ निसीइत्ता एवं वयासी-मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुमिणे अन्नेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिस्सइत्तिकट्टु देवगुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं मंगल्लाहिं धम्मियाहिं कहाहिं सुमिणजागरियं पडिजागरमाणी २ विहरइ। तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अज्ज सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधोदयसित्तसुइयसंमज्जिओवलित्तं सुगंधवरपंचवण्णपुप्फोवयारकलियं कालागुरुपवरकुंदुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं करेह य करावेह य करेत्ता करावेत्ता सीहासणं रएह सीहासणं रयावेत्ता ममेयं जाव पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से बले राया पच्चूसकालसमयंसि सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ पायपीढाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं अणुपविसइ जहा उववाइए तहेव अट्टणसाला तहेव मज्जणघरे जाव ससिव्व पियदंसणे नरवई मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ निसीइत्ता अप्पणो उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थगकयमंगलोवयाराइं रयावेइ रयावेत्ता अप्पणो अदूरसामंते णाणामणिरयणमंडियं अहियपेच्छणिज्जं महग्घवरपट्टणुग्गयं सण्हपट्टबहुभत्तिसयचित्तताणं ईहामियउसभ जाव भत्तिचित्तं अब्भिंतरियं जवणियं अंछावेइ अंछावेत्ता णाणामणिरयणभत्तिचित्तं अत्थरयमउयमसूरगोत्थयं सेयवत्थपच्चुत्थुयं अंगसुहफासयं सुमउयं पभावईए देवीए भद्दासणं रयावेइ रयावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अट्ठंगमहानिमित्तसुत्तत्थधारए विविहसत्थकुसले सुमिणपाढए सद्दावेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता बलस्स रण्णो अंतियाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्खमित्ता सिग्घं तुरियं चवलं चंडं वेइयं हत्थिणापुरं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव तेसिं सुमिणपाढगाणं गिहाइं तेणेव उवाग-

ओवयमाणं नियगवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा। तए णं सा पभावई देवी अयमेयारूवं ओरालं जाव सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हियया धाराहयकलंबपुप्फगंपिव समूससियरोमकूवा तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव बलस्स रन्नो सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं मणामाहिं ओरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धन्नाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं मिउमहुरमंजुलाहिं गिराहिं संलवमाणी संलवमाणी पडिबोहेइ पडिबोहेत्ता बलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि णिसीयइ णिसीइत्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणी २ एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगण० तं चेव जाव नियगवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तण्णं देवाणुप्पिया! एयस्स ओरालस्स जाव महासुविणस्स के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ? तए णं से बले राया पभावईए देवीए अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए धाराहयनीवसुरभिकुसुमचंचुमालइयतणुयऊसवियरोमकूवे तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता ईहं पविसइ ईहं पविसित्ता अप्पणो साभाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविन्नाणेणं तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेइ तस्स० २ त्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव मंगल्लाहिं मिउमहुरसस्सिरीयाहिं संलवमाणे २ एवं वयासी-ओराले णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे जाव सस्सिरीए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगलकारए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिए! भोगलाभो देवाणुप्पिए! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए! रज्जलाभो देवाणुप्पिए!, एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए! णवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं वीइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं कुलदीवं कुलपव्वयं कुलवडेंसयं कुलतिलगं कुलकित्तिकरं कुलनंदिकरं कुलजसकरं कुलाधारं कुलपायवं कुलविवद्धणकरं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं देवकुमारसमप्पभं दारगं पयाहिसि। सेऽवि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते विच्छिन्नविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ, तं उराले णं तुमे देवी! सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मंगलकारए णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठेत्तिकट्टु पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं दोच्चंपि तच्चंपि अणुवूहइ। तए

च्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता ते सुविणलक्खणपाढए सद्दावेंति । तए ण ते सुविण-लक्खणपाढगा बलस्स रन्नो कोडुबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठा ण्हाया जाव सरीरा सिद्धत्थगहरियालियाकयमगलमुद्धाणा सएहिं २ गिहेहिंतो निग्गच्छंति स० २ त्ता हत्थिणापुरं नयर मज्झमज्झेण जेणेव बलस्स रन्नो भवणवरवडेंसए तेणेव उवा-गच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता भवणवरवडेंसगपडिदुवारंसि एगओ मिलति एगओ मिलित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल० बल राय जएण विजएणं वद्धावेंति । तए ण ते सुविणलक्खण-पाढगा बलेण रन्ना वंदियपूइयसक्कारियसम्माणिया समाणा पत्तेय २ पुव्वन्नत्थेसु भद्दासणेसु निसीयति, तए ण से बले राया पभावइ देविं जवणियतरिय ठावेइ ठावेत्ता पुप्फफलपडिपुन्नहत्थे परेण विणएण ते सुविणलक्खणपाढए एव वयासी–एव खलु देवाणुप्पिया ! पभावई देवी अज्ज तसि तारिसगसि वासघरंसि जाव सीहं सुविणे पासित्ता ण पडिबुद्धा, तण्ण देवाणुप्पिया ! एयस्स ओरालस्स जाव के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? तए ण ते सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रन्नो अतिय एय-मट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० त सुविण ओगिण्हन्ति २ त्ता ईह अणुप्पविसन्ति अणुप्प-विसित्ता तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहण करेन्ति तस्स० २ त्ता अन्नमन्नेण सद्धिं सचालेंति २ त्ता तस्स सुविणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा बलस्स रन्नो पुरओ सुविणसत्थाइ उच्चारेमाणा २ एव वयासी–एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह सुविणसत्थंसि बायालीस सुविणा तीस महासुविणा बावत्तरिं सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिया ! तित्थगरमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा तित्थगरंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भ वक्कममाणसि एएसिं तीसाए महासुविणाण इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झति, तजहा–गयवसहसीहअभिसेयदामससिदिणयरं झयं कुंभ । पउमसर-सागरविमाणभवणरयणुच्चयसिहिं च १४ ॥ १ ॥ वासुदेवमायरो वा वासुदेवसि गब्भ वक्कममाणसि एएसिं चोद्दसण्ह महासुविणाण अन्नयरे सत्त महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झति, बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भ वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्ह महासुविणाण अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ता ण पडिबुज्झति, मंडलियमायरो वा मडलियंसि गब्भ वक्कममाणंसि एएसि ण चउदसण्ह महासुविणाण अन्नयरं एगं महासुविण पासित्ता ण पडिबुज्झन्ति, इमे य णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए एगे महासुविणे दिट्ठे, त ओराले ण देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मगलकारए णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिया ! भोग० पुत्त० रज्जलाभो देवाणुप्पिया ! एव खलु देवाणु-

रओ दुवे पमाणाईए दिवीए अत्तए तं होउ णं अम्हं एयस्स दारगस्स नामधेज्जे
महब्बले। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति महब्बलेत्ति। तए
णं से महब्बले दारए पंचधाईपरिग्गहिए, तंजहा—खीरधाईए एवं जहा दढपइण्णे
जाव निवायनिव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं तस्स महब्बलस्स दारगस्स
अम्मापियरो अणुपुव्वेणं ठिइवडियं वा चंदसूरदंसावणियं वा जागरियं वा नामकरणं
वा परंगामणं वा पयचंकमणं वा जेमा(म)मणं वा पिंडवद्धणं वा पजंपावणं वा कण्ण-
वेहणं वा संवच्छरपडिलेहणं वा चोलोयणगं वा उवणयणं च अन्नाणि य बहूणि
गब्भाधाणजम्मणमाइयाइं कोउयाइं करेंति। तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो
सातिरेगट्ठवासगं जाणित्ता सोभणंसि तिहिकरणमुहुत्तंसि एवं जहा दढप्पइण्णो जाव
अलं भोगसमत्थे जाए यावि होत्था। तए णं तं महब्बलं कुमारं उम्मुक्कबालभावं
जाव अलं भोगसमत्थं वियाणित्ता अम्मापियरो अट्ठ पासायवडेंसए करेंति
अब्भुग्गयमूसियपहसिए इव वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पडिरूवे तेसिं णं
पासायवडेंसगाणं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं भवणं करेंति अणेगखंभसयसंनि-
विट्ठं वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे पेच्छाघरमंडवंसि जाव पडिरूवे ॥ ४२९ ॥ तए
णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो अन्नया कयाइ सोभणंसि तिहिकरणदिवसनक्खत्त-
मुहुत्तंसि ण्हायं कयबलिकम्मं कयकोउयमंगलपायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं पमक्खणगण्हाणगीयवाइयपसाहणट्ठंगतिलग-
कंकणअविहववहुउवणीयं मंगलसुजंपिएहि य वरकोउयमंगलोवयारकयसंतिकम्मं सरि-
सियाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं विणीयाणं सरि-
सएहिंतो रायकुलेहिंतो आणिल्लियाणं अट्ठण्हं रायवरकन्नाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हा-
विंसु। तए णं तस्स महाबलस्स कुमारस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं पीइदाणं
दलयंति तं०—अट्ठ हिरण्णकोडीओ अट्ठ सुवण्णकोडीओ अट्ठ मउडे मउडप्पवरे अट्ठ
कुंडलजोए कुंडलजोयप्पवरे अट्ठ हारे हारप्पवरे अट्ठ अद्धहारे अद्धहारप्पवरे अट्ठ
एगावलीओ एगावलिप्पवराओ एवं मुत्तावलीओ एवं कणगावलीओ एवं रयणावलीओ
अट्ठ कडगजोए कडगजोयप्पवरे एवं तुडियजोए अट्ठ खोमजुयलाइं खोमजुयलप्प-
वराइं एवं वडगजुयलाइं एवं पट्टजुयलाइं एवं दुगुल्लजुयलाइं अट्ठ सिरीओ अट्ठ हिरीओ
एवं धिईओ कित्तीओ बुद्धीओ लच्छीओ अट्ठ नंदाइं अट्ठ भद्दाइं अट्ठ तले तलप्पवरे
सव्वरयणामए णियगवरभवणकेऊ अट्ठ झए झयप्पवरे अट्ठ वए वयप्पवरे दसगो-
साहस्सिएणं वएणं अट्ठ नाडगाइं नाडगप्पवराइं बत्तीसबद्धेणं नाडएणं अट्ठ आसे
आसप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे सव्वरयणामए
सिरिघरपडिरूवए अट्ठ जाणाइं जाणप्पवराइं अट्ठ जुगाइं जुगप्पवराइं एवं सिबियाओ

तीसे पभावईए देवीए अंगपडियारियाओ पभावइं देविं पसूयं जाणेत्ता जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल जाव बलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव दारगं पयाया तं एयण्णं देवाणुप्पियाणं पियट्ठयाए पियं निवेदेमो पियं भे भवउ। तए णं से बले राया अंगपडियारियाणं अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव धाराहयणीव जाव रोमकूवे तासिं अंगपडियारियाणं मउडवज्जं जहामालियं ओमोयं दलयइ २ त्ता सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं भिंगारं च गिण्हइ गिण्हित्ता मत्थए धोवइ मत्थए धोवित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ पीइदाणं दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ ॥ ४२७ ॥ तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हत्थिणापुरे नयरे चारगसोहणं करेह चारग० २ त्ता माणुम्माण(प्पमाण)वद्धणं करेह मा० २ त्ता हत्थिणापुरं नयरं सब्भिंतरबाहिरियं आसियसमज्जिओवलित्तं जाव करेह य कारवेह य करेत्ता य कारवेत्ता य जूयसहस्सं वा चक्कसहस्सं वा पूयामहामहिमसक्कारं वा उस्सवेह २ त्ता ममेयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा बलेणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से बले राया जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तं चेव जाव मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडकोदंडिमं अधरिमं गणियावरनाडइज्जकलियं अणेगतालाचराणुचरियं अणुद्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं पमुइयपक्कीलियं सपुरजणजाणवयं दसदिवसे ठिइवडियं करेइ, तए णं से बले राया दसाहियाए ठिइवडियाए वट्टमाणीए सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य जाए य दाए य भाए य दलमाणे य दवावेमाणे य सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य लंभे पडिच्छमाणे य पडिच्छावेमाणे य एवं विहरइ। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं करेन्ति, तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेन्ति, छट्ठे दिवसे जागरियं करेन्ति, एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते निव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहदिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता जहा सिवो जाव खत्तिए य आमंतेंति २ त्ता तओ पच्छा ण्हाया तं चेव जाव सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता तस्सेव मित्तणाइ जाव राईण य खत्तियाण य पुरओ अज्जयपज्जयपिउपज्जयागयं बहुपुरिसपरंपरप्परूढं कुलाणुरूवं कुलसरिसं कुलसंताणतंतुविवद्धणकरं अयमेयारूवं गोणं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति-जम्हा णं अम्हं इमे दारए बलस्स

णामओ जहा केसिसामिस्स जाव पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव हत्थिणापुरे नगरे जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडग जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं तस्स महब्बलस्स कुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जणवूहं वा एवं जहा जमाली तहेव चिंता तहेव कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ, कंचुइज्जपुरिसोवि तहेव अक्खाइ, नवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल जाव निग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया! विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे सेसं तं चेव जाव सोवि तहेव रहवरेणं निग्गच्छइ, धम्मकहा जहा केसिसामिस्स सोवि तहेव अम्मापियरो आपुच्छइ, नवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए तहेव वुत्तपडिवुत्तया नवरं इमाओ य ते जाया विउलरायकुलबालियाओ कला सेसं तं चेव जाव ताहे अकामाइं चेव महब्बलकुमारं एवं वयासी—तं इच्छामो ते जाया! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए, तए णं से महब्बले कुमारे अम्मापियराण वयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ एवं जहा सिवभद्दस्स तहेव रायाभिसेओ भाणियव्वो जाव अभिसिंचंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं महब्बलं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावित्ता एवं वयासी—भण जाया! किं देमो किं पयच्छामो सेसं जहा जमालिस्स तहेव जाव तए णं से महब्बले अणगारे धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं दुवालस वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जहा अम्मडो जाव बंभलोए कप्पे देवत्ताए उववन्ने। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तत्थ णं महब्बलस्सवि देवस्स दस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, से णं तुमं सुदंसणा! बंभलोए कप्पे दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्ता ताओ चेव देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव वाणियग्गामे नगरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाए ॥ तए णं तुमं सुदंसणा! उम्मुक्कबालभावेणं विण्णायपरिणयमेत्तेणं जोव्वणगमणुप्पत्तेणं तहारूवाणं थेराणं अंतियं केवलिपन्नत्ते धम्मे निसंते सेऽवि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए तं सुट्ठु णं तुमं सुदंसणा! इयाणिं पकरेसि। से तेणट्ठेणं सुदंसणा!

एवं सदमाणीओ एव गिल्लीओ थिल्लीओ अट्ठ वियडजाणाइ वियडजाणप्पवराइं अट्ठ रहे पारिजाणिए अट्ठ रहे संगामिए अट्ठ आसे आसप्पवरे अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे अट्ठ गामे गामप्पवरे दसकुलसाहस्सिएण गामेण अट्ठ दासे दासप्पवरे एव दासीओ एवं किंकरे एव कचुइज्जे एव वरिसधरे एव महत्तरए अट्ठ सोवन्निए ओलवणदीवे अट्ठ रुप्पमए ओलवणदीवे अट्ठ सुवन्नरुप्पमए ओलवणदीवे अट्ठ सोवन्निए उक्कंचणदीवे एवं चेव तिन्निवि, अट्ठ सोवण्णिए पजरदीवे एव चेव तिण्णिवि, अट्ठ सोवण्णिए थाले अट्ठ रुप्पमए थाले अट्ठ सुवन्नरुप्पमए थाले अट्ठ सोवन्नियाओ पत्तीओ ३ अट्ठ सोवन्नियाइ थासयाइ ३ अट्ठ सोवन्नियाइं मंगल्ला(मल्लगा)इ ३ अट्ठ सोवन्नियाओ तलियाओ ३ अट्ठ सोवन्नियाओ कविचियाओ ३ अट्ठ सोवन्निए अवएडए अट्ठ सोवन्नियाओ अवयक्काओ ३ अट्ठ सोवण्णिए पायपीढए ३ अट्ठ सोवन्नियाओ भिसियाओ ३ अट्ठ सोवन्नियाओ करोडियाओ ३ अट्ठ सोवन्निए पल्लके ३ अट्ठ सोवन्नियाओ पडिसेज्जाओ ३ अट्ठ हंसासणाइ अट्ठ कोंचासणाइ एवं गरुलासणाइ उन्नयासणाइ पणयासणाइ दीहासणाइं भद्दासणाइ पक्खासणाइ मगरासणाइ अट्ठ पउमासणाइ अट्ठ दिसासोवत्थियासणाइं अट्ठ तेल्लसमुग्गे जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठ सरिसवसमुग्गे अट्ठ खुज्जाओ जहा उववाइए जाव अट्ठ पारिसीओ अट्ठ छत्ते अट्ठ छत्तधारीओ चेडीओ अट्ठ चामराओ अट्ठ चामरधारीओ चेडीओ अट्ठ तालियटे अट्ठ तालियटधारीओ चेडीओ अट्ठ करोडियाधारीओ चेडीओ अट्ठ खीरधाईओ जाव अट्ठ अकधाईओ अट्ठ अगमद्दियाओ अट्ठ उम्मद्दियाओ अट्ठ ण्हावियाओ अट्ठ पसाहियाओ अट्ठ वन्नग(चदण)पेसीओ अट्ठ चुन्नगपेसीओ अट्ठ कोट्ठागारीओ अट्ठ दवकारीओ अट्ठ उवत्थाणियाओ अट्ठ नाडइज्जाओ अट्ठ कोडुबिणीओ अट्ठ महाणसिणीओ अट्ठ भंडागारिणीओ अट्ठ अ(ज्झा)ज्झाधारिणीओ अट्ठ पुप्फधारिणीओ अट्ठ पाणिधारिणीओ अट्ठ बलिकारीओ अट्ठ सेज्जाकारीओ अट्ठ अब्भितरियाओ पडिहारीओ अट्ठ बाहिरियाओ पडिहारीओ अट्ठ मालाकारीओ अट्ठ पेसणकारीओ अन्न च सुबहु हिरन्न वा सुवन्न वा कंस वा दूसं वा विउलधणकणग जाव सतसारसावएज्ज अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवसाओ पकामं दाउ पकाम भोत्तुं पकाम परिभाएउं। तए ण से महब्बले कुमारे एगमेगाए भज्जाए एगमेग हिरन्नकोडिं दलयइ एगमेग सुवन्नकोडिं दलयइ एगमेगं मउड'मउडप्पवरं दलयइ एव तं चेव सव्वं जाव एगमेग पेसणकारिं दलयइ अन्न च सुबहु हिरन्नं वा सुवण्ण वा जाव परिभाएउ, तए णं से महब्बले कुमारे उप्पि पासायवरगए जहा जमाली जाव विहरइ ॥ ४२९ ॥ तेण कालेण तेणं समएण विमलस्स अरहओ पओप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे जाइसंपन्ने

आमं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, से कहमेयं भंते! एवं? अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी–जं णं अज्जो! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तुब्भं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे, अहं पुण अज्जो! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं तं चेव जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म समणं भगवं महावीरं वंदन्ति नमंसन्ति वं० २ त्ता जेणेव इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता इसिभद्दपुत्तं समणोवासगं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति। तए णं ते समणोवासगा पसिणाइं पुच्छंति २ त्ता अट्ठाइं परियादियंति अ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ४११ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा! इसिभद्दपुत्ते णं समणोवासए बहूहिं सीलव्वयगुणवयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ ब० २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेहिइ मा० २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेहिइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० तत्थ णं इसिभद्दपुत्तस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई भविस्सइ। से णं भंते! इसिभद्दपुत्ते देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ४१२ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ आलंभियाओ नयरीओ संखवणाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं आलंभिया नामं नयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं संखवणे णामं चेइए होत्था वण्णओ, तत्थ णं संखवणस्स चेइयस्स अदूरसामंते पोग्गले णामं परिव्वायए परिवसइ रिउ-

एवं वुच्चइ-अत्थि णं एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा, तए णं तस्स सुदंसणस्स सेट्ठिस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सण्णीपुव्वजाईसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमेइ, तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वभवे दुगुणाणीयसड्ढसंवेगे आणंदंसुपुण्णनयणे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आ० २ वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, नवरं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ, बहुपडिपुण्णाइं दुवालस वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४३१॥

महब्बलो समत्तो ॥ एगारसमे सए एगारसमो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं आलंभिया नामं नयरी होत्था वण्णओ, संखवणे उज्जाणे वण्णओ, तत्थ णं आलंभियाए नयरीए बहवे इसिभद्दपुत्तपामोक्खा समणोवासगा परिवसंति, अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति । तए णं तेसिं समणोवासयाणं अन्नया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सन्नि(समु)विट्ठाणं सन्निसन्नाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-देवलोगेसु णं अज्जो ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? तए णं से इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवट्ठिगहियट्ठे ते समणोवासए एवं वयासी-देवलोएसु णं अज्जो ! देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव दससमयाहिया संखेज्जसमयाहिया असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य । तए णं ते समणोवासगा इसिभद्दपुत्तस्स समणोवासगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति नो पत्तियंति नो रोयंति एयमट्ठं असद्दहमाणा अपत्तियमाणा अरोएमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ४३२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ । तए णं ते समणोवासगा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा एवं जहा तुंगिउद्देसए जाव पज्जुवासंति । तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महइ० धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवइ । तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेन्ति उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदन्ति नमंसन्ति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए

संखे १ जयंति २ पुढवी ३ पोग्गल ४ अइवाय ५ राहु ६ लोगे य ७। नागे य ८ देव ९ आया १० बारसमसए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था वण्णओ कोट्ठए उज्जाणे वण्णओ तत्थ णं सावत्थीए नयरीए बहवे संखप्पामोक्खा समणोवासगा परिवसंति, अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति तस्स णं संखस्स समणोवासगस्स उप्पला नामं भारिया होत्था सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरइ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए पोक्खली नामं समणोवासए परिवसइ अड्ढे अभिगय जाव विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ, तए णं ते समणोवासगा इमीसे कहाए जहा आलभियाए जाव पज्जुवासंति तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महति धम्मकहा जाव परिसा पडिगया तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता पसिणाइं पुच्छंति २ त्ता अट्ठाइं परियादियंति अ० २ त्ता उट्ठाए उट्ठेंति उ० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ ४१६ ॥ तए णं से संखे समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी-तुम्हे णं देवाणुप्पिया! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह, तए णं अम्हे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणा विहरिस्सामो तए णं ते समणोवासगा संखस्स समणोवासगस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणंति तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-नो खलु मे सेयं तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणस्स ४ पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, सेयं खलु मे पोसहसालाए पोसहियस्स बंभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवण्णस्स ववगयमालावन्नगविलेवणस्स निक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अबिइयस्स दब्भसंथारोवगयस्स पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव सए गिहे जेणेव उप्पला समणोवासिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उप्पलं समणोवासियं आपुच्छइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं अणुपविसइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ पो० २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ उ० २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ दब्भ० २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ, तए

च्चेयजजुव्वेय जाव नएसु सुपरिनिट्ठिए छट्ठंछट्ठेण अणिक्खित्तेण तवोकम्मेण उड्ढं बाहाओ जाव आयावेमाणे विहरइ । तए णं तस्स पोग्गलस्स छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए जहा सिवस्स जाव विभंगे नामं अन्नाणे समुप्पन्ने, से णं तेणं विभंगेणं अण्णाणेणं समुप्पन्नेणं बंभलोए कप्पे देवाणं ठिइं जाणइ पासइ । तए णं तस्स पोग्गलस्स परिव्वायगस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि णं मम अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं ठिई प०, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं दससागरोवमाइं ठिई प०, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, एवं संपेहेइ २ त्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तिदंडकुंडिया जाव धाउरत्ताओ य गेण्हइ २ त्ता जेणेव आलभिया णयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडनिक्खेवं करेइ भं० २ त्ता आलभियाए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! मम अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं तहेव जाव वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य । तए णं आलभियाए नयरीए एएणं अभिलावेणं जहा सिवस्स तं चेव जाव से कहमेयं मन्ने एवं ? सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, भगवं गोयमे तहेव भिक्खायरियाए तहेव बहुजणसद्दं निसामेइ तहेव बहुजणसद्दं निसामेत्ता तहेव सव्वं भाणियव्वं जाव अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि एवं भासामि जाव परूवेमि–देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य । अत्थि णं भंते ! सोहम्मे कप्पे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि तहेव जाव हंता अत्थि, एवं ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुए, एवं गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसुवि, ईसिपब्भाराएवि जाव हंता अत्थि, तए णं सा महइमहालिया जाव पडिगया, तए णं आलभियाए नयरीए सिंघाडगतिय० अवसेसं जहा सिवस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे नवरं तिदंड-कुंडियं जाव धाउरत्तवत्थपरिहिए परिवडियविभंगे आलभियं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता तिदंडं कुंडियं च जहा खंदओ जाव पव्वइओ सेसं जहा सिवस्स जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुभवंति सासयं सिद्धा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४३५ ॥ **एक्कारसमे सए बारहमो उद्देसो समत्तो, एक्कारसमं सयं समत्तं ॥**

णं ते समणोवासगा जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता अन्नमन्ने सद्दावेंति अ० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असणपाणखाइमसाइमे उवक्खडाविए, संखे य णं समणोवासए नो हव्वमागच्छइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं संखं समणोवासगं सद्दावेत्तए। तए णं से पोक्खली समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी-अच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सुनिव्वुया वीसत्था अहण्णं संखं समणोवासगं सद्दावेमित्तिकट्टु तेसिं समणोवासगाणं अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सावत्थीए नयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखस्स समणोवासगस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता संखस्स समणोवासगस्स गिहं अणुपविट्ठे। तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासगं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता पोक्खलिं समणोवासगं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता आसणेणं उवनिमंतेइ आ० २ त्ता एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं? तए णं से पोक्खली समणोवासए उप्पलं समणोवासियं एवं वयासी-कहिन्नं देवाणुप्पिए! संखे समणोवासए? तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव विहरइ। तए णं से पोक्खली समणोवासए जेणेव पोसहसाला जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गमणागमणाए पडिक्कमइ ग० २ त्ता संखं समणोवासगं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असणं जाव साइमे उवक्खडाविए तं गच्छामो णं, देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणा जाव पडिजागरमाणा विहरामो, तए णं से संखे समणोवासए पोक्खलिं समणोवासगं एवं वयासी-णो खलु कप्पइ मे देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणस्स जाव पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, कप्पइ मे पोसहसालाए पोसहियस्स जाव विहरित्तए, तं छंदेणं देवाणुप्पिया! तुब्भे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा जाव विहरह, तए णं से पोक्खली समणोवासए संखस्स समणोवासगस्स अंतियाओ पोसहसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव ते समणोवासगा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते समणोवासए एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए जाव विहरइ, तं छंदेणं देवाणुप्पिया! तुब्भे विउलं असणपाणखाइमसाइमं जाव विहरह, संखे णं समणोवासए नो

जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं ण्हाया जाव सरीरा बहूहिं खुज्जाहिं जाव अंतेउराओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव दुरूढा। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा समाणी नियगपरियालसंपरिवुडा जहा उसभदत्तो जाव धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं बहूहिं खुज्जाहिं जहा देवाणंदा जाव वंदइ नमंसइ उदायणं रायं पुरओ कट्टु ठिया चेव जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रण्णो मियावईए देवीए जयंतीए समणोवासियाए तीसे य महइ जाव धम्मं परिकहेइ जाव परिसा पडिगया उदायणे पडिगए मियावई देवीवि पडिगया ॥ ४४१ ॥ तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कहन्नं भंते! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति? जयंती! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति एवं जहा पढमसए जाव वीईवयंति। भवसिद्धियत्तणं भंते! जीवाणं किं सभावओ परिणामओ? जयंती! सभावओ नो परिणामओ। सव्वेवि णं भंते! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति? हंता जयंती! सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति। जइ णं भंते! सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति तम्हा णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणं खाइएणं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ? जयंती! से जहानामए सव्वागाससेढी सिया अणादीया अणवदग्गा परित्ता परिवुडा सा णं परमाणुपोग्गलमेत्तेहिं खंडेहिं समए २ अवहीरमाणी २ अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरइ नो चेव णं अवहिया सिया से तेणट्ठेणं जयंती! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ॥ सुत्तत्तं भंते! साहू जागरियत्तं साहू? जयंती! अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जाव साहू? जयंती! जे इमे जीवा अहम्मिया अहम्माणुया अहम्मिट्ठा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपलज्जणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, एए णं जीवा सुत्ता समाणा नो बहूणं पाणभूयजीवसत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्टंति, एए णं जीवा सुत्ता समाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा नो बहूहिं अहम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्ता

कि उवचिणाइ? सता ! कोहवसट्टे ण जीवे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ एव जहा पढमसए असंवुडस्स अणगारस्स जाव अणुपरियट्टइ । माणवसट्टे ण भते ! जीवे एव चेव । एव मायावसट्टेवि, एवं लोभवसट्टेवि जाव अणु॰ परियट्टइ । तए ण ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय एयमट्ठ सोच्चा निसम्म भीया तत्था तसिया ससारभउव्विग्गा समण भगव महावीरं वदंति नमं-सति व० २ त्ता जेणेव सखे समणोवासए तेणेव उवागच्छति २ त्ता सखं समणोवासग वदति नमसति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्म विणएण भुज्जो २ खामेंति । तए ण ते समणोवासगा सेस जहा आलभियाए जाव पडिगया, भते ! त्ति भगव गोयमे समण भगव महावीर वंदइ नमसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-पभू ण भंते ! सखे समणोवासए देवाणुप्पियाण अतिय सेस जहा इसिभद्दपुत्तस्स जाव अत काहिइ । सेव भते ! सेव भते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४३९ ॥ **बारहमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेण कालेण तेण समएण कोसबी नाम नयरी होत्था वण्णओ, चदो(त्तराय)वतरणे उज्जाणे वण्णओ, तत्थ ण कोसबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो पोत्ते सयाणीयस्स रण्णो पुत्ते चेडगस्स रण्णो नत्तुए मिगावईए देवीए अत्तए जयतीए समणोवासियाए भत्तिज्जए उदायणे नामं राया होत्था वण्णओ, तत्थ ण कोसबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो सुण्हा सयाणीयस्स रण्णो भज्जा चेडगस्स रण्णो धूया उदायणस्स रण्णो माया जयतीए समणोवासियाए भाउज्जा मियावई नाम देवी होत्था वण्णओ सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया जाव विहरइ, तत्थ णं कोसबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो धूया सयाणीयस्स रण्णो भगिणी उदायणस्स रण्णो पिउच्छा मिगावईए देवीए नणंदा वेसालीसावयाण अरहताण पुव्वसिज्जायरी जयती नाम समणोवासिया होत्था सुकु-माल जाव सुरूवा अभिगय जाव विहरइ ॥४४०॥ तेण कालेणं तेण समएण सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ । तए णं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! कोसबिं नयरिं सब्भितरबाहिरियं एव जहा कूणिओ तहेव सव्वं जाव पज्जुवासइ । तए ण सा जयती समणोवासिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठतुट्ठा जेणेव मिगावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मियावइ देविं एवं वयासी-एव जहा नवमसए उसभदत्तो जाव भविस्सइ । तए ण सा मियावई देवी जयतीए समणोवासियाए जहा देवाणदा जाव पडिसुणेइ । तए ण सा मियावई देवी कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! लहुकरणजुत्तजोइय जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति जाव पच्चप्पिणति । तए ण सा मियावई देवी

भवति, एएसिं जीवाणं सुत्तत्त साहू, जयती! जे इमे जीवा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेण चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि ण जीवाणं जागरियत्त साहू, एए णं जीवा जागरा समाणा वहूण पाणाण जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए जाव अपरियावणयाए वट्टति, ते ण जीवा जागरमाणा अप्पाण वा पर वा तदुभय वा वहूहिं धम्मियाहिं संजोयणाहिं सजोएत्तारो भवति, एए णं जीवा जागरमाणा धम्मजागरियाए अप्पाण जागरइत्तारो भवति, एएसि ण जीवाण जागरियत्त साहू, से तेणट्ठेण जयती! एव वुच्चइ अत्थेगइयाण जीवाण सुत्तत्त साहू अत्थेगइयाण जीवाण जागरियत्त साहू॥ वलियत्त भंते! साहू दुव्वलियत्त साहू? जयंती! अत्थेगइयाण जीवाण वलियत्त साहू अत्थेगइयाण जीवाण दुव्वलियत्त साहू, से केणट्ठेणं भंते! एव वुच्चइ जाव साहू? जयती! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरति एएसि ण जीवाण दुव्वलियत्त साहू, एए ण जीवा एव जहा सुत्तस्स तहा दुव्वलियस्स वत्तव्वया भाणियव्वा, वलियस्स जहा जागरस्स तहा भाणियव्व जाव सजोएत्तारो भवति, एएसि ण जीवाण वलियत्त साहू, से तेणट्ठेण जयंती! एवं वुच्चइ त चेव जाव साहू॥ दक्खत्त भंते! साहू आलसियत्त साहू? जयती! अत्थेगइयाणं जीवाण दक्खत्त साहू अत्थेगइयाण जीवाण आलसियत्त साहू, से केणट्ठेण भंते! एव वुच्चइ त चेव जाव साहू? जयती! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि ण जीवाण आलसियत्त साहू, एए ण जीवा आलसा समाणा नो वहूण जहा सुत्ता तहा आलसा भाणियव्वा, जहा जागरा तहा दक्खा भाणियव्वा जाव सजोएत्तारो भवति, एए ण जीवा दक्खा समाणा वहूहिं आयरियवेयावच्चेहिं उवज्झाय० थेर० तवस्सि० गिलाणवेयावच्चेहिं सेहवेयावच्चेहिं कुलवेयावच्चेहिं गणवेयावच्चेहिं सघवेयावच्चेहिं साहम्मियवेयावच्चेहिं अत्ताण सजोएत्तारो भवति, एएसि ण जीवाणं दक्खत्त साहू, से तेणट्ठेण त चेव जाव साहू॥ सोइंदियवसट्टे ण भंते! जीवे किं वधइ? एव जहा कोहवसट्टे तहेव जाव अणुपरियट्टइ। एव चक्खिदियवसट्टेवि, एवं जाव फासिंदियवसट्टेवि जाव अणुपरियट्टइ। तए ण सा जयती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय एयमट्ठ सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा सेस जहा देवाणंदाए तहेव पव्वइया जाव सव्वदुक्खप्पहीणा। सेव भंते! २ त्ति॥ ४४७॥

वारहमे सए वीओ उद्देसो समत्तो॥

रायगिहे जाव एव वयासी–कइ ण भंते! पुढवीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पढमा दोच्चा जाव सत्तमा। पढमा ण भंते! पुढवी किंनामा किंगोत्ता पण्णत्ता? गोयमा! धम्मा नामेणं रयणप्पभा गोत्तेण, एव जहा

सिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवन्ति सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ अट्ठहा कज्जमाणे अट्ठ परमाणुपोग्गला भवंति ॥ नव भंते ! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा ! जाव नवविहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ, एवं एक्केक्कं संचा(रे)एंतेहिं जाव अहवा एगयओ चउप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा तिन्नि तिपएसिया खंधा भवंति चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि दुप्पएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, नवहा कज्जमाणे नव परमाणुपोग्गला भवंति ॥ दस भंते ! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा ! जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ

सत्तहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिप्पएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, सत्तहा कज्जमाणे सत्त परमाणुपोग्गला भवंति। अट्ठ भंते! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा! अट्ठपएसिए खंधे भवइ जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा दो चउप्पएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दोन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ तिपए-

एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति अहवा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, नवहा कज्जमाणे एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ दसहा कज्जमाणे दस परमाणुपोग्गला भवंति। संखेज्जा णं भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति एगयओ साहन्नित्ता किं भवइ? गोयमा! संखेज्जपएसिए खंधे भवइ से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि कज्जइ दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दसपएसिए एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा

नवपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ एवं एक्केक्कं संचारेयव्वंति जाव अहवा दो पंचपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउप्पएसिए० एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो तिपएसिया खंधा० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ तिपएसिए० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा० एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ छपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणु० एग० दो दुपएसिया खंधा एग० चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे० एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि दुपएसिया० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा पंच दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए०

चत्तारि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, एवं एएणं कमेणं पंचगसंजोगोवि भाणियव्वो जाव नवगसंजोगो, दसहा कज्जमाणे एगयओ नव परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्ज-पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को पूरेयव्वो जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ नव संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा दस संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे संखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति। असंखेज्जा णं भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति एगयओ साहणित्ता किं भवइ? गोयमा! असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि असंखेज्जहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असं-खेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए० एगयओ असंखेज्जप-एसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमा-णुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एग-यओ दुपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ परमा-णुपोग्गले एगयओ दसपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एग-यओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए० एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एग-यओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं चउक्कगसंजोगो जाव दसगसंजोगो ए(वं)ए जहेव संखेज्जपएसियस्स नवरं असंखेज्जयं एगं अहिगं भाणियव्वं जाव अहवा दस असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ संखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा दसपए-सिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्ज-पएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा संखेज्जा असंखेज्जपए-सिया खंधा भवंति, असंखेज्जहा कज्जमाणे असंखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति। अणंता णं भंते! परमाणुपोग्गला जाव किं भवंति? गोयमा! अणंतपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव दसहावि संखेज्जहा असंखेज्जहा अणंतहावि कज्जइ,

गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सऽत्थि जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा० ? एवं चेव, एव जाव वेमाणियस्स। एगमेगस्स ण भंते ! नेरइयस्स केवइया वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! अणंता, एव जहेव ओरालियपोग्गलपरियट्टा तहेव वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि भाणियव्वा, एव जाव वेमाणियस्स एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टा,एए एगत्ति(इ)या सत्त दंडगा भवंति। नेरइयाण भंते ! केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! अणता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता, एव जाव वेमाणियाण, एव वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि एव जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टावि जाव वेमाणियाणं, एव एए पोहत्तिया सत्तचउव्वीसइ दंडगा ॥ एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा ! नत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? नत्थि एक्कोवि, एगमेगस्स ण भंते ! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा० ? एव चेव, एव जाव थणियकुमारत्ते जहा असुरकुमारत्ते। एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स पुढविक्काइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणता, केवइया पुरक्खडा ? कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि तस्स जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा वा असखेज्जा वा अणता वा एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते। एगमेगस्स ण भते ! असुरकुमारस्स नेरइयत्ते केवइया अतीया ओरालियपोग्गलपरियट्टा एवं जहा नेरइयस्स वत्तव्वया भणिया तहा असुरकुमारस्सवि भाणियव्वा जाव वेमाणियत्ते, एव जाव थणियकुमारस्स, एव पुढविकाइयस्सवि, एव जाव वेमाणियस्स, सव्वेसिं एक्को गमो। एगमेगस्स ण भते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणता, केवइया पुरक्खडा ? एगुत्तरिया जाव अणंता, एवं जाव थणियकुमारत्ते, पुढविकाइयत्ते पुच्छा, नत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? नत्थि एक्कोवि, एवं जत्थ वेउव्वियसरीरं अत्थि तत्थ एगुत्तरि(या)ओ जत्थ नत्थि तत्थ जहा पुढविकाइयत्ते तहा भाणियव्वं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। तेयापोग्गलपरियट्टा कम्मापोग्गलपरियट्टा य सव्वत्थ एगुत्तरिया भाणियव्वा, मणपोग्गलपरियट्टा सव्वेसु पंचिंदिएसु एगुत्तरिया, विगलिंदिएसु नत्थि, वइपोग्गलपरियट्टा एव चेव, नवरं एगिंदिएसु नत्थि भाणियव्वा। आणापाणुपोग्गलपरियट्टा सव्वत्थ एगुत्तरिया एवं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? नत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? नत्थि एक्कोवि, एव जाव थणि-

पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे चउफासे पण्णत्ते ॥ अह भंते ! माणे मदे दप्पे थंभे गव्वे अ(णु)त्तुक्कोसे परपरिवाए उक्कासे अवक्कासे उन्नए उन्नामे दुन्नामे १२, एस णं कइवन्ने ४ प० ? गोयमा ! पंचवन्ने जहा कोहे तहेव । अह भंते ! माया उवही नियडी वलए गहणे णूमे कक्के कुरूए जिम्हे किब्बिसे १० आयरणया गूहणया वंचणया पलिउंचणया साइजोगे य १५, एस णं कइवन्ने ४ प० ? गोयमा ! पंचवन्ने जहेव कोहे ॥ अह भंते ! लोभे इच्छा मुच्छा कंखा गेही तण्हा भिज्झा अभिज्झा आसासणया पत्थणया १० लालप्पणया कामासा भोगासा जीवियासा मरणासा नंदिरागे १६, एस णं कइवन्ने ४ प० ? गोयमा ! जहेव कोहे । अह भंते ! पेज्जे दोसे कलहे जाव मिच्छादंसणसल्ले एस णं कइवन्ने ४ प० ? जहेव कोहे तहेव जाव चउफासे ॥४४८॥ अह भंते ! पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे एस णं कइवन्ने जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! अवन्ने अगंधे अरसे अफासे पण्णत्ते ॥ अह भंते ! उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया पारिणामिया एस णं कइवन्ना ४ प० ? तं चेव जाव अफासा पन्नत्ता ॥ अह भंते ! उग्गहे ईहा अवाए धारणा एस णं कइवन्ना ४ प० ? एवं चेव जाव अफासा पन्नत्ता ॥ अह भंते ! उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे एस णं कइवन्ने ४ प० ? तं चेव जाव अफासे पन्नत्ते । सत्तमे णं भंते ! उवासंतरे कइवन्ने ४ प० ? एवं चेव जाव अफासे पन्नत्ते । सत्तमे णं भंते ! तणुवाए कइवन्ने ४ प० ? जहा पाणाइवाए, नवरं अट्ठफासे पण्णत्ते, एवं जहा सत्तमे तणुवाए तहा सत्तमे घणवाए घणोदही पुढवी, छट्ठे उवासंतरे अवन्ने, तणुवाए जाव छट्ठी पुढवी एयाइं अट्ठ फासाइं, एवं जहा सत्तमाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया तहा जाव पढमाए पुढवीए भाणियव्वं, जंबुद्दीवे २ जाव सयंभुरमणे समुद्दे, सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारा पुढवी, नेरइयावासा जाव वेमाणियावासा एयाणि सव्वाणि अट्ठफासाणि । नेरइया णं भंते ! कइवन्ना जाव कइफासा पन्नत्ता ? गोयमा ! वेउव्वियतेयाइं पडुच्च पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा चउफासा पण्णत्ता, जीवं पडुच्च अवन्ना जाव अफासा पण्णत्ता, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! ओरालियतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च जहा नेरइयाणं, जीवं पडुच्च तहेव, एवं जाव चउरिंदिया, नवरं वाउक्काइया ओरालियवेउव्वियतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, सेसं जहा नेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा वाउक्काइया, मणुस्साणं पुच्छा, गोयमा ! ओरालियवेउव्वियआहारगतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं जीवं च पडुच्च जहा नेरइयाणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया

भंते! जोइसिंदस्स जोइसरन्नो कइ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ? जहा दसमसए जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं। सूरस्सवि तहेव। चंदिमसूरिया णं भंते! जोइसिंदा जोइसरायाणो केरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति? गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे पढमजोव्वणुट्ठाणबलत्थे पढमजोव्वणुट्ठाणबलसमत्थाए भारियाए सद्धिं अचिरवत्तविवाहकज्जे अत्थगवेसणयाए सोलसवासविप्पवासिए से णं तओ लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्ग(ए)मे पुणरवि नियगगिहं हव्वमागए ण्हाए सव्वालंकारविभूसिए मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भुत्ते समाणे तंसि तारिसगंसि वासघरंसि वन्नओ महब्बले जाव सयणोवयारकलिए ताए तारिसियाए भारियाए सिंगारागारचारुवेसाए जाव कलियाए अणुरत्ताए अविरत्ताए मणाणुकूलाए सद्धिं इट्ठे सद्दे फरिसे जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरए, ता से णं गोयमा! पुरिसे विउसमणकालसमयंसि केरिसयं सायासोक्खं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ? ओरालं समणाउसो! तस्स णं गोयमा! पुरिसस्स कामभोगेहिंतो वाणमंतराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा वाणमंतराणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा असुरिंदवज्जियाणं भवणवासियाणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरकुमाराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा असुरकुमाराणं देवाणं कामभोगेहिंतो गहगणनक्खत्तताराख्वाणं जोइसियाणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा गहगणनक्खत्त० जाव कामभोगेहिंतो चंदिमसूरियाणं जोइसियाणं जोइसराईणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा चंदिमसूरिया णं गोयमा! जोइसिंदा जोइसरायाणो एरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव विहरइ ॥ ४५५ ॥ बारसमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी-केमहालए णं भंते! लोए पन्नत्ते? गोयमा! महतिमहालए लोए पन्नत्ते पुरच्छिमेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ दाहिणेणं असंखेज्जाओ एवं चेव, एवं पच्चत्थिमेणवि एवं उत्तरेणवि एवं उड्ढंपि अहे असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं। एयंसि णं भंते! एमहालगंसि लोगंसि अत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ एयंसि णं एमहालगंसि लोगंसि नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे अयासयस्स एगं महं

वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्स पुरच्छिमेणं आवरेत्ता ण पच्चच्छिमेणं वीईवयइ, तया ण पुरच्छिमेण चदे उवदसेइ पच्चच्छिमेण राहू, जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्स पच्चच्छिमेणं आवरेत्ताण पुरच्छिमेण वीईवयइ, तया ण पच्चच्छिमेणं चंदे उवदंसेइ पुरच्छिमेण राहू, एवं जहा पुरच्छिमेणं पच्चच्छिमेण य दो आलावगा भणिया तहा दाहिणेण उत्तरेण य दो आलावगा भाणियव्वा, एव उत्तरपुरच्छिमेण दाहिणपच्चच्छिमेण य दो आलावगा भाणियव्वा, एवं दाहिणपुरच्छिमेण उत्तरपच्चच्छिमेण य दो आलावगा भाणियव्वा एवं चेव जाव तया ण उत्तरपच्चच्छिमेणं चदे उवदंसेइ दाहिणपुरच्छिमेण राहू, जया ण राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठइ, तया ण मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एव खलु राहू चंद गेण्हइ एवं०, जया ण राहू आगच्छमाणे वा ४ चदस्स लेस्स आवरेत्ताण पासेणं वीईवयइ तया ण मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एव खलु चंदेण राहुस्स कुच्छी भिन्ना एव०, जया ण राहू आगच्छमाणे वा ४ चदस्स लेस आवरेत्ताण पच्चोसक्कइ तया ण मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एवं खलु राहुणा चदे वंते एव०, जया ण राहू आगच्छमाणे वा जाव परियारेमाणे वा चदलेस्स अहे सपक्खिं सपडिदिसिं आवरेत्ताण चिट्ठइ, तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति-एव खलु राहुणा चदे घत्थे एव० ॥ कइविहे ण भंते ! राहू पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे राहू पन्नत्ते, तजहा-धुवराहू य पव्वराहू य, तत्थ णं जे से धुवराहू से णं बहुलपक्खस्स पाडिवए पन्नरसतिभागेणं पन्नरसभाग चदस्स लेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठइ, तजहा-पढमाए पढम भाग बिइयाए बिइयं भाग जाव पन्नरसेसु पन्नरसम भाग, चरिमसमए चदे रत्ते भवइ अवसेसे समए चदे रत्ते वा विरत्ते वा भवइ, तमेव सुक्कपक्खस्स उवदसेमाणे २ चिट्ठइ तं० पढमाए पढमं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसम भाग, चरिमसमए चंदे विरत्ते भवइ अवसेसे समए चंदे रत्ते वा विरत्ते वा भवइ, तत्थ णं जे से पव्वराहू से जहन्नेणं छण्हं मासाणं उक्कोसेणं बायालीसाए मासाण चदस्स, अडयालीसाए सवच्छराण सूरस्स ॥४५१॥ से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ-चदे ससी २ ? गोयमा ! चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो मियंके विमाणे कता देवा कताओ देवीओ कंताइ आसणसयणखंभभंडमत्तोवगरणाइं अप्पणोवि य ण चंदे जोइसिंदे जोइसराया सोमे कते सुभगे पियदसणे सुरूवे से तेणट्ठेण जाव ससी ॥ ४५२ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ-सूरे आइच्चे सूरे० २ ? गोयमा ! सूराइया ण समयाइ वा आवलियाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा अवसप्पिणीइ वा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव आइच्चे० २ ॥४५४॥ चंदस्स णं

याणि य एवं चेव एवं जाव मणुस्सेसु, नवरं तेइंदिएसु जाव वणस्सइकाइयत्ताए
तेइंदियत्ताए चउरिंदिएसु चउरिंदियत्ताए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु पंचिंदियतिरिक्ख-
जोणियत्ताए मणुस्सेसु मणुस्सत्ताए सेसं जहा बेइंदियाणं वाणमंतरजोइसियसोहम्मी-
साणेसु य जहा असुरकुमाराणं अयन्नं भंते! जीवे सणंकुमारे कप्पे बारससु
विमाणावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि वेमाणियावासंसि पुढविकाइयत्ताए सेसं जहा
असुरकुमाराणं जाव अणंतखुत्तो, नो चेव णं देवित्ताए, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव
आणयपाणएसु, एवं आरणच्चुएसुवि अयन्नं भंते! जीवे तिसुवि अट्ठारसुत्तरेसु गेवि-
ज्जविमाणावाससएसु एवं चेव अयन्नं भंते! जीवे पंचसु अणुत्तरविमाणेसु एगमेगंसि
अणुत्तरविमाणंसि पुढवि तहेव जाव अणंतखुत्तो नो चेव णं देवत्ताए वा देवित्ताए
वा एवं सव्वजीवावि। अयन्नं भंते! जीवे सव्वजीवाणं माइत्ताए पियत्ताए भाइ-
त्ताए भगिणित्ताए भज्जत्ताए पुत्तत्ताए धूयत्ताए सुण्हत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा!
असइं अदुवा अणंतखुत्तो सव्वजीवावि णं भंते! इमस्स जीवस्स माइत्ताए जाव
उववन्नपुव्वा? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो अयन्नं भंते! जीवे सव्वजीवाणं
अरित्ताए वेरियत्ताए घायगत्ताए वहगत्ताए पडिणीयत्ताए पच्चामित्तत्ताए उववन्नपुव्वे?
हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो सव्वजीवावि णं भंते! एवं चेव अयन्नं भंते!
जीवे सव्वजीवाणं रायत्ताए जुवरायत्ताए जाव सत्थवाहत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता
गोयमा! असइं जाव अणंतखुत्तो सव्वजीवाणं एवं चेव। अयन्नं भंते! जीवे
सव्वजीवाणं दासत्ताए पेसत्ताए भयगत्ताए भाइल्लगत्ताए भोगपुरिसत्ताए सीसत्ताए
वेसत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो एवं सव्वजीवावि जाव
अणंतखुत्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ॥ ४५७॥ बारसमे
सए सत्तमो उद्देसो समत्तो॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी—देवे णं भंते! महिड्ढीए जाव महे-
सक्खे अणंतरं चयं चइत्ता बिसरीरेसु नागेसु उववज्जेज्जा? हंता गोयमा! उवव-
ज्जेज्जा, से णं तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियसम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए
संनिहियपाडिहेरे यावि भवेज्जा? हंता भवेज्जा, से णं भंते! तओहिंतो अणंतरं
उव्वट्टित्ता सिज्झेज्जा बुज्झेज्जा जाव अंतं करेज्जा? हंता सिज्झेज्जा जाव अंतं
करेज्जा। देवे णं भंते! महिड्ढीए एवं चेव जाव बिसरीरेसु मणीसु उववज्जेज्जा एवं
चेव जहा नागाणं। देवे णं भंते! महिड्ढीए जाव बिसरीरेसु रुक्खेसु उववज्जेज्जा?
हंता उववज्जेज्जा एवं चेव नवरं इमं नाणत्तं जाव सन्निहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए
यावि भवेज्जा? हंता भवेज्जा सेसं तं चेव जाव अंतं करेज्जा॥ ४५८॥ अह

अयावयं करेज्जा, से णं तत्थ जहन्नेणं एग वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेण अयास-हस्सं पक्खिवेज्जा, ताओ णं तत्थ पउरगोयराओ पउरपाणियाओ जहन्नेण एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे परिवसेज्जा, अत्थि णं गोयमा! तस्स अयावयस्स केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा पास-वणेण वा खेलेण वा सिंघाणएण वा वंतेण वा पित्तेण वा पूएण वा सुक्केण वा सोणिएण वा चम्मेहिं वा रोमेहिं वा सिंगेहिं वा खुरेहिं वा नहेहिं वा अणाकंतपुव्वे भवइ? भगवं! णो इणट्ठे समट्ठे, होज्जावि णं गोयमा! तस्स अयावयस्स केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे ण तासिं अयाण उच्चारेण वा जाव णहेहिं वा अणक्कंतपुव्वे णो चेव ण एयंसि एमहालयंसि लोगंसि लोगस्स सासयं भावं संसारस्स य अणाइभावं जीवस्स य णिच्चभावं कम्मबहुत्तं जम्मणमरणबाहुल्लं च पडुच्च नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि, से तेणट्ठेणं त चेव जाव न मए वावि ॥ ४५६ ॥ कइ ण भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ जहा पढमसए पंचमउद्देसए तहेव आवासा ठावेयव्वा जाव अणुत्तरविमाणेत्ति जाव अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे। अयन्न भंते! जीवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए नरगत्ताए नेरइयत्ताए उव-वन्नपुव्वे? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, अयन्न भंते! जीवे सक्करप्प-भाए पुढवीए पणवीसाए एवं जहा रयणप्पभाए तहेव दो आलावगा भाणियव्वा, एवं जाव धूमप्पभाए। अयन्न भंते! जीवे तमाए पुढवीए पंचूणे निरयावाससयस-हस्से एगमेगंसि सेसं तं चेव, अयन्न भंते! जीवे अहेसत्तमाए पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महानिरएसु एगमेगंसि निरयावासंसि सेसं जहा रयणप्प-भाए, अयन्न भंते! जीवे चोसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि असुर-कुमारावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए देवत्ताए देवित्ताए आसण सयणभंडमत्तोवगरणत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवावि ण भंते! एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारेसु, नाणत्तं आवासेसु, आवासा पुव्वभणिया, अयन्नं भंते! जीवे असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइ-यावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव वणस्सइकाइएसु, अयण्णं भंते! जीवे असंखे-ज्जेसु बेंदियावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि बेंदियावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्स-इकाइयत्ताए बेइंदियत्ताए उववन्नपुव्वे? हंता गोयमा! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजी-

भंते ! गोलंगूलवसभे कुक्कुडवसभे मंडुक्कवसभे एए णं निस्सीला निव्वया निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिइयंसि नरगंसि नेरइयत्ताए उववज्जेज्जा ? समणे भगवं महावीरे वागरेइ-उववज्जमाणे उववन्नेत्ति वत्तव्वं सिया। अह भंते ! सीहे वग्घे जहा उस्सप्पिणीउद्देसए जाव परस्सरे एए णं निस्सीला एवं चेव जाव वत्तव्वं सिया, अह भंते ! ढंके कंके विलए मग्गुए सिखीए, एए णं निस्सीला० सेसं तं चेव जाव वत्तव्वं सिया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४५९ ॥

बारहमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा-भवियदव्वदेवा १ नरदेवा २ धम्मदेवा ३ देवा(इ)हिदेवा ४ भावदेवा ५, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा भवियदव्वदेवा ? गोयमा ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवेसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा २, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नरदेवा नरदेवा ? गोयमा ! जे इमे रायाणो चाउरंतचक्कवट्टी उप्पन्नसमत्तचक्करयणप्पहाणा नवनिहिपइणो समिद्धकोसा बत्तीसं रायवरसहस्साणुजायमग्गा सागरवरमेहलाहिवइणो मणुस्सिंदा से तेणट्ठेण जाव नरदेवा २, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ धम्मदेवा धम्मदेवा ? गोयमा ! जे इमे अणगारा भगवंतो इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारी से तेणट्ठेण जाव धम्मदेवा २, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ देवाहिदेवा देवाहिदेवा ? गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पन्ननाणदंसणधरा जाव सव्वदरिसी से तेणट्ठेण जाव देवाहिदेवा २, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ-भावदेवा भावदेवा ? गोयमा ! जे इमे भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा देवगइनामगोयाइं कम्माइं वेदेंति से तेणट्ठेण जाव भावदेवा ॥ ४६० ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्स० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, भेओ जहा वक्कंतीए सव्वेसु उववाएयव्वा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, नवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमियअंतरदीवगसव्वट्ठसिद्धवज्जं जाव अपराजियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, णो सव्वट्ठसिद्धदेवेहिंतो उववज्जंति। नरदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइए० पुच्छा, गोयमा ! नेरइएहिंतो उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति ?

भंते! गोलंगूलवसभे कुक्कुडवसभे मंडुक्कवसभे एए णं निस्सीला निव्वया निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिइयंसि नरगंसि नेरइयत्ताए उववज्जेज्जा? समणे भगवं महावीरे वागरेइ-उववज्जमाणे उववन्नेत्ति वत्तव्वं सिया। अह भंते! सीहे वग्घे जहा उस्सप्पिणीउद्देसए जाव परस्सरे एए ण निस्सीला एवं चेव जाव वत्तव्वं सिया, अह भंते! ढंके कंके विलए मग्गुए सिखीए, एए णं निस्सीला० सेसं तं चेव जाव वत्तव्वं सिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४५९ ॥

बारहमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहा णं भंते! देवा पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा-भवियदव्वदेवा १ नरदेवा २ धम्मदेवा ३ देवा(दे)हिदेवा ४ भावदेवा ५, से केणट्ठेण भंते! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा भवियदव्वदेवा? गोयमा! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवेसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा २, से केणट्ठेण भंते! एवं वुच्चइ नरदेवा नरदेवा? गोयमा! जे इमे रायाणो चाउरंतचक्कवट्टी उप्पन्नसमत्तचक्करयणप्पहाणा नवनिहिपइणो समिद्धकोसा बत्तीस रायवरसहस्साणुजायमग्गा सागरवरमेहलाहिवइणो मणुस्सिंदा से तेणट्ठेण जाव नरदेवा २, से केणट्ठेण भंते! एवं वुच्चइ धम्मदेवा धम्मदेवा? गोयमा! जे इमे अणगारा भगवंतो इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारी से तेणट्ठेण जाव धम्मदेवा २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ देवाहिदेवा देवाहिदेवा? गोयमा! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पन्ननाणदंसणधरा जाव सव्वदरिसी से तेणट्ठेण जाव देवाहिदेवा २, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-भावदेवा भावदेवा? गोयमा! जे इमे भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा देवगइनामगोयाइं कम्माइं वेदेंति से तेणट्ठेणं जाव भावदेवा ॥ ४६० ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्स० देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, भेओ जहा वक्कंतीए सव्वेसु उववाएयव्वा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, नवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमियअंतरदीवगसव्वट्ठसिद्धवज्जं जाव अपराजियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, णो सव्वट्ठसिद्धदेवेहिंतो उववज्जंति। नरदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइए० पुच्छा, गोयमा! नेरइएहिंतो उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति?

एसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० णो देवेसु उववज्जंति, जइ नेरइएसु उववज्जंति० सत्तसुवि पुढवीसु उववज्जंति। धम्मदेवा णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा! नो नेरइएसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा! नो भवणवासिदेवेसु उववज्जंति नो वाणमंतर० नो जोइसिय० वेमाणियदेवेसु उववज्जंति, सव्वेसु वेमाणिएसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइएसु उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति जाव अंतं करेंति। देवाहिदेवा णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति? गोयमा! सिज्झंति जाव अंतं करेंति। भावदेवा णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, जहा वक्कंतीए असुरकुमाराणं उव्वट्टणा तहा भाणियव्वा॥ भवियदव्वदेवे णं भंते! भवियदव्वदेवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, एवं जहेव ठिई सच्चेव संचिट्ठणावि जाव भावदेवस्स, नवरं धम्मदेवस्स जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी॥ भवियदव्वदेवस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो। नरदेवाणं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं साइरेगं सागरोवमं उक्कोसेणं अणंतं कालं अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। धम्मदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा! नत्थि अंतरं। भावदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो॥ एएसि णं भंते! भवियदव्वदेवाणं नरदेवाणं जाव भावदेवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नरदेवा, देवाहिदेवा संखेज्जगुणा, धम्मदेवा संखेज्जगुणा, भवियदव्वदेवा असंखेज्जगुणा, भावदेवा असंखेज्जगुणा॥ ४६४॥ एएसि णं भंते! भावदेवाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्मगाणं जाव अच्चुयगाणं गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइया भावदेवा, उवरिमगेवेज्जा भावदेवा संखेज्जगुणा, मज्झिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, हेट्ठिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, अच्चुए कप्पे देवा संखेज्जगुणा जाव आणयकप्पे भावदेवा संखेज्जगुणा एवं जहा जीवाभिगमे तिविहे देवपुरिसे अप्पाबहुयं जाव जोइसिया भावदेवा असंखेज्जगुणा। सेवं भंते! २ त्ति॥ ४६५॥ **बारहमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो॥**

कइविहा णं भंते! आया पण्णत्ता? गोयमा! अट्ठविहा आया पण्णत्ता, तंजहा-दवियाया कसायाया जोगाया उवओगाया णाणाया दंसणाया चरित्ताया वीरियाया॥

जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स कसायाया जस्स कसायाया तस्स दवियाया ? गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय नत्थि जस्स पुण कसायाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि । जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स जोगाया ? एवं जहा दवियाया कसायाया भणिया तहा दवियाया जोगाया भाणियव्वा । जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स उवओगाया एवं सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स उवओगाया नियमं अत्थि जस्सवि उवओगाया तस्सवि दवियाया नियमं अत्थि जस्स दवियाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स पुण णाणाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि जस्स दवियाया तस्स दंसणाया नियमं अत्थि जस्सवि दंसणाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि जस्स दवियाया तस्स चरित्ताया भयणाए, जस्स पुण चरित्ताया तस्स दवियाया नियमं अत्थि एवं वीरियायाएवि समं । जस्स णं भंते ! कसायाया तस्स जोगाया पुच्छा गोयमा ! जस्स कसायाया तस्स जोगाया नियमं अत्थि जस्स पुण जोगाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय नत्थि एवं उवओगायाएवि समं कसायाया नेयव्वा कसायाया य णाणाया य परोप्परं दोवि भइयव्वाओ जहा कसायाया य उवओगाया य तहा कसायाया य दंसणाया य कसायाया य चरित्ताया य दोवि परोप्परं भइयव्वाओ जहा कसायाया य जोगाया य तहा कसायाया य वीरियाया य भाणियव्वाओ, एवं जहा कसायायाए वत्तव्वया भणिया तहा जोगायाएवि उवरिमाहिं समं भाणियव्वा । जहा दवियायाए वत्तव्वया भणिया तहा उवओगायाएवि उवरिल्लाहिं समं भाणियव्वा । जस्स णाणाया तस्स दंसणाया नियमं अत्थि जस्स पुण दंसणाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स णाणाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि जस्स पुण चरित्ताया तस्स णाणाया नियमं अत्थि णाणाया वीरियाया दोवि परोप्परं भयणाए । जस्स दंसणाया तस्स उवरिमाओ दोवि भयणाए, जस्स पुण ताओ तस्स दंसणाया नियमं अत्थि । जस्स चरित्ताया तस्स वीरियाया नियमं अत्थि जस्स पुण वीरियाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि ॥ एयासि णं भंते ! दवियायाणं कसायायाणं जाव वीरियायाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ चरित्तायाओ णाणायाओ अणंतगुणाओ कसायायाओ अणंतगुणाओ जोगायाओ विसेसाहियाओ वीरियायाओ विसेसाहियाओ उवओगदवियदंसणायाओ तिण्णिवि तुल्लाओ विसेसाहियाओ ॥ ४६९ ॥ आया भंते ! णाणे अण्णाणे ? गोयमा ! आया सिय णाणे सिय अण्णाणे णाणे पुण नियमं आया ॥ आया भंते ! नेरइयाणं णाणे अण्णे नेरइयाणं णाणे ? गोयमा ! आया नेरइयाणं

एसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० णो देवेसु उववज्जंति, जइ नेरइएसु उववज्जंति० सत्तसुवि पुढवीसु उववज्जंति। धम्मदेवा ण भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा! नो नेरइएसु उववज्जंति नो तिरि० नो मणु० देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा! नो भवणवासिदेवेसु उववज्जंति नो वाणमंतर० नो जोइसिय० वेमाणियदेवेसु उववज्जंति, सव्वेसु वेमाणिएसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइएसु उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति जाव अंतं करेंति। देवाहिदेवा ण भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति? गोयमा! सिज्झंति जाव अंतं करेंति। भावदेवा णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, जहा वक्कंतीए असुरकुमाराणं उव्वट्टणा तहा भाणियव्वा ॥ भवियदव्वदेवे ण भंते! भवियदव्वदेवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण तिन्नि पलिओवमाइं, एवं जहेव ठिई सच्चेव संचिट्ठणावि जाव भावदेवस्स, नवरं धम्मदेवस्स जहण्णेण एक्कं समयं उक्कोसेण देसूणा पुव्वकोडी ॥ भवियदव्वदेवस्स ण भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेण दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण अणंतं कालं वणस्सइकालो। नरदेवाण पुच्छा, गोयमा! जहन्नेण साइरेगं सागरोवमं उक्कोसेण अणंतं कालं अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। धम्मदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेण अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। देवाहिदेवाण पुच्छा, गोयमा! नत्थि अंतरं। भावदेवस्स ण पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण अणंतं कालं वणस्सइकालो ॥ एएसि णं भंते! भवियदव्वदेवाण नरदेवाण जाव भावदेवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नरदेवा, देवाहिदेवा संखेज्जगुणा, धम्मदेवा संखेज्जगुणा, भवियदव्वदेवा असंखेज्जगुणा, भावदेवा असंखेज्जगुणा ॥ ४६४ ॥ एएसि ण भंते! भावदेवाण भवणवासीणं वाणमंतराण जोइसियाण वेमाणियाण सोहम्मगाण जाव अच्चुयगाण गेवेज्जगाण अणुत्तरोववाइयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइया भावदेवा, उवरिमगेवेज्जा भावदेवा संखेज्जगुणा, मज्झिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, हेट्ठिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, अच्चुए कप्पे देवा संखेज्जगुणा जाव आणयकप्पे भावदेवा संखेज्जगुणा, एवं जहा जीवाभिगमे तिविहे देवपुरिसे अप्पाबहुयं जाव जोइसिया भावदेवा असंखेज्जगुणा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ४६५ ॥ **बारहमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा ण भंते! आया पण्णत्ता? गोयमा! अट्ठविहा आया पण्णत्ता, तंजहा-दवियाया कसायाया जोगाया उवओगाया णाणाया दंसणाया चरित्ताया वीरियाया ॥

णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ६ से तेणट्ठेणं तं चेव जाव णो आयाइ य ॥ आया भंते ! तिपएसिए खंधे अन्ने तिपएसिए खंधे ? गोयमा ! तिपएसिए खंधे सिय आया १ सिय णो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ सिय आया य णो आया य ४ सिय आया य णो आयाओ य ५ सिय आयाओ य णो आया य ६ सिय आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ७ सिय आया य अवत्तव्वाइं आया(ए)ओ य णो आयाओ य ८ सिय आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ९ सिय णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १ सिय(णो) आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य ११ सिय णो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १२ सिय आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १३ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव सिय आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे णो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य णो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य णो आयाओ य ५ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य णो आया य ६ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ९ एए तिण्णि भंगा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १ देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे णो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य ११ देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे णो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १२ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया तं चेव जाव णो आयाइ य ॥ आया भंते ! चउप्पएसिए खंधे अन्ने पुच्छा, गोयमा ! चउप्पएसिए खंधे सिय

सिय नाणे सिय अन्नाणे, नाणे पुण से नियमं आया, एवं जाव थणियकुमाराण, आया भंते ! पुढविकाइयाण अन्नाणे अन्ने पुढविकाइयाणं अन्नाणे ? गोयमा ! आया पुढविकाइयाण नियम अन्नाणे अन्नाणेवि नियमं आया, एव जाव वणस्सइ-काइयाण, वेइंदियतेइंदिय जाव वेमाणियाण जहा नेरइयाण। आया भंते ! दसणे अन्ने दसणे ? गोयमा ! आया नियम दसणे दसणेवि नियम आया। आया भंते ! नेरइयाण दसणे अण्णे नेरइयाणं दंसणे ? गोयमा ! आया नेरइयाणं नियम दसणे दसणेवि से नियम आया, एव जाव वेमाणियाण निरतर दडओ ॥४६७॥ आया भंते ! रयणप्पभापुढवी अन्ना रयणप्पभापुढवी ? गोयमा ! रयणप्पभापुढवी सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ रयणप्पभापुढवी सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे नो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्व रयणप्पभापुढवी आयाइ य नो आयाइ य, से तेणट्ठेण त चेव जाव नो आयाइ य। आया भंते ! सक्करप्पभापुढवी जहा रयणप्पभापुढवी तहा सक्करप्प-भा(ए)वि एव जाव अहे सत्तमा(ए)। आया भंते ! सोहम्मकप्पे पुच्छा, गोयमा ! सोहम्मे कप्पे सिय आया सिय नो आया जाव नो आयाइ य, से केणट्ठेणं भंते ! जाव नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे नो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य, से तेणट्ठेण गोयमा ! त चेव जाव नो आयाइ य, एवं जाव अच्चुए कप्पे। आया भंते ! गेविज्जविमाणे अन्ने गेविज्जविमाणे ? एव जहा रयणप्पभापुढवी तहेव, एव अणुत्तरविमाणावि, एव ईसिपब्भारावि। आया भंते ! परमाणुपोग्गले अन्ने परमाणुपोग्गले ? एव जहा सोहम्मे कप्पे तहा परमाणु-पोग्गलेवि भाणियव्वे ॥ आया भंते ! दुपएसिए खंधे अन्ने दुपएसिए खंधे ? गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ५ सिय नो आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ६, से केणट्ठेण भंते ! एव तं चेव जाव नो आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्व दुपएसिए खंधे आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे दुपएसिए खंधे आया य नो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भाव-पज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ५ देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे

नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ६ । से तेणट्ठेणं तं चेव जाव नो आयाइ य ॥ आया भंते ! तिपएसिए खंधे अन्ने तिपएसिए खंधे ? गोयमा ! तिपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य नो आयाओ य ५ सिय आयाओ य नो आया य ६ सिय आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ सिय आया य अवत्तव्वाइं आया(इ)ओ य नो आयाओ य ८ सिय आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ९ सिय नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १० सिय(नो) आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ११ सिय नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य नो आयाओ य ५ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य नो आया य ६ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ९ एए तिण्णि भंगा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १० देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ११ देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया तं चेव जाव नो आयाइ य ॥ आया भंते ! चउप्पएसिए खंधे अन्ने पुच्छा गोयमा ! चउप्पएसिए खंधे सिय

या १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय
या य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्व ४ सिय नो आया य अवत्तव्व
सिय आया य नो आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १६ सिय आया
नो आया य अवत्तव्वाइ आयाओ य नो आयाओ य १७ सिय आया य नो
ायाओ य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १८ सिय आयाओ य नो आया
अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १९। से केणट्ठेण भंते! एवं वुच्चइ चउप्प-
एसिए खंधे सिय आया य नो आया य अवत्तव्व त चेव अट्ठे पडिउच्चारेयव्व,
गोयमा! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे
अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे अस-
ब्भावपज्जवे चउभंगो, सब्भावपज्जवेण तदुभएण य चउभगो, असब्भावेण तदु-
भएण य चउभगो, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे
आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्व आयाइ य
नो आयाइ य, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा
तदुभयपज्जवा चउप्पएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वाइ आयाओ
य नो आयाओ य १७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा
देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य नो आयाओ य अवत्तव्वं
आयाइ य नोआयाइ य १८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे
देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आयाओ य नोआया य अवत्तव्व
आयाइ य नो आयाइ य १९, से तेणट्ठेण गोयमा! एवं वुच्चइ चउप्पएसिए खंधे सिय
आया सिय नो आया सिय अवत्तव्व निक्खेवे ते चेव भंगा उच्चारेयव्वा जाव नो
आयाइ य ॥ आया भंते! पंचपएसिए खंधे अन्ने पंचपएसिए खंधे? गोयमा!
पंचपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्व आयाइ य नो
आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय अवत्तव्व (४) आया य नो आया य
४ (नोआया य अवत्तव्वेण य ४) तियगसंजोगे एक्को ण पडइ, से केणट्ठेणं भंते!
त चेव पडिउच्चारेयव्व? गोयमा! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया
२ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्व ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भाव-
पज्जवे एवं दुयगसंजोगे सव्वे पडंति तियगसंजोगे एक्को ण पडइ। छप्पएसियस्स
सव्वे पडंति, जहा छप्पएसिए एवं जाव अणंतपएसिए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति
जाव विहरइ ॥ ४६८ ॥ **दसमो उद्देसो समत्तो, बारसमं सयं समत्तं ॥**

पुढवी १ देव २ मणतर ३ पुढवी ४ ---रमेव ५ उववाए ६। भासा ७

कम्म ८ अणगारे केयापडिया ९ समुग्घाए १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ तंजहा-रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं केवइया नेरइया उववज्जंति १ ? केवइया काउलेस्सा उववज्जंति २ ? केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति ३ ? केवइया सुक्कपक्खिया उववज्जंति ४ ? केवइया सन्नी उववज्जंति ५ ? केवइया असन्नी उववज्जंति ६ ? केवइया भवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ७ ? केवइया अभवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ८ ? केवइया आभिणिबोहियनाणी उववज्जंति ९ ? केवइया सुयनाणी उववज्जंति १० ? केवइया ओहिनाणी उववज्जंति ११ ? केवइया मइअन्नाणी उववज्जंति १२ ? केवइया सुयअन्नाणी उववज्जंति १३ ? केवइया विभंगनाणी उववज्जंति १४ ? केवइया चक्खुदंसणी उववज्जंति १५ ? केवइया अचक्खुदंसणी उववज्जंति १६ ? केवइया ओहिदंसणी उववज्जंति १७ ? केवइया आहारसन्नोवउत्ता उववज्जंति १८ ? केवइया भयसन्नोवउत्ता उववज्जंति १९ ? केवइया मेहुणसन्नोवउत्ता उववज्जंति २ ? केवइया परिग्गहसन्नोवउत्ता उववज्जंति २१ ? केवइया इत्थिवेयगा उववज्जंति २२ ? केवइया पुरिसवेयगा उववज्जंति २३ ? केवइया नपुंसगवेयगा उववज्जंति २४ ? केवइया कोहकसाई उववज्जंति २५ जाव केवइया लोभकसाई उववज्जंति २ ? केवइया सोइंदियउवउत्ता उववज्जंति २९ जाव केवइया फासिंदियोवउत्ता उववज्जंति ३३ ? केवइया नोइंदियोवउत्ता उववज्जंति ३४ ? केवइया मणजोगी उववज्जंति ३५ ? केवइया वइजोगी उववज्जंति ३६ ? केवइया कायजोगी उववज्जंति ३७ ? केवइया सागारोवउत्ता उववज्जंति ३८ ? केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ३ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नेरइया उववज्जंति जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उववज्जंति जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कण्हपक्खिया उववज्जंति एवं सुक्कपक्खियावि एवं सन्नीवि एवं असन्नीवि एवं भवसिद्धिया एवं अभवसिद्धिया आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी एवं चेव चक्खुदंसणी न उववज्जंति जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खु-

आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्व ४ सिय नो आया य अवत्तव्व ४ सिय आया य नो आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १६ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वाइ आयाओ य नो आयाओ य १७ सिय आया य नो आयाओ य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १८ सिय आयाओ य नो आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १९। से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ चउप्पएसिए खधे सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं त चेव अट्ठे पडिउच्चारेयव्व, गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे चउभंगो, सब्भावपज्जवेण तदुभएण य चउभंगो असब्भावेण तदुभएण य चउभगो, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खधे आया य नो आया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा चउप्पएसिए खधे आया य नो आया य अवत्तव्वाइ आयाओ य नो आयाओ य १७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खधे आया य नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नोआयाइ य १८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खधे आयाओ य नोआया य अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य १९,-से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ चउप्पएसिए खधे सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्व निक्खेवे ते चेव भगा उच्चारेयव्वा जाव नो आयाइ य ॥ आया भते ! पचपएसिए खधे अन्ने पचपएसिए खधे ? गोयमा ! पंचपएसिए खधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्व आयाइ य नो आयाइ य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय अवत्तव्व (४) आया य नो आया य ४ (नोआया य अवत्तव्वेण य ४) तियगसजोगे एक्को ण पडइ, से केणट्ठेण भते ! त चेव पडिउच्चारेयव्व ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्व ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे एव दुयगसजोगे सव्वे पडति तियगसजोगे एक्को ण पडइ । छप्पएसियस्स सव्वे पडति, जहा छप्पएसिए एव जाव अणतपएसिए। सेव भते ! सेव भते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४६८ ॥ **दसमो उद्देसो समत्तो, बारसम सयं समत्तं ॥**

पुढवी १ देव २ मणंतर ३ पुढवी ४ आहारमेव ५ उववाए ६ । भासा ७

कम्म ८ अणगारे केयाघडिया ९ समुग्घाए १० ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं केवइया नेरइया उववज्जंति १ ? केवइया काउलेस्सा उववज्जंति २ ? केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति ३ ? केवइया सुक्कपक्खिया उववज्जंति ४ ? केवइया सन्नी उववज्जंति ५ ? केवइया असन्नी उववज्जंति ६ ? केवइया भवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ७ ? केवइया अभवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ८ ? केवइया आभिणिबोहियनाणी उववज्जंति ९ ? केवइया सुयनाणी उववज्जंति १० ? केवइया ओहिनाणी उववज्जंति ११ ? केवइया मइअन्नाणी उववज्जंति १२ ? केवइया सुयअन्नाणी उववज्जंति १३ ? केवइया विभंगनाणी उववज्जंति १४ ? केवइया चक्खुदंसणी उववज्जंति १५ ? केवइया अचक्खुदंसणी उववज्जंति १६ ? केवइया ओहिदंसणी उववज्जंति १७ ? केवइया आहारसन्नोवउत्ता उववज्जंति १८ ? केवइया भयसन्नोवउत्ता उववज्जंति १९ ? केवइया मेहुणसन्नोवउत्ता उववज्जंति २० ? केवइया परिग्गहसन्नोवउत्ता उववज्जंति २१ ? केवइया इत्थिवेयगा उववज्जंति २२ ? केवइया पुरिसवेयगा उववज्जंति २३ ? केवइया नपुंसगवेयगा उववज्जंति २४ ? केवइया कोहकसाई उववज्जंति २५ जाव केवइया लोभकसाई उववज्जंति २८ ? केवइया सोइंदियउवउत्ता उववज्जंति २९ जाव केवइया फासिंदियोवउत्ता उववज्जंति ३३ ? केवइया नोइंदियोवउत्ता उववज्जंति ३४ ? केवइया मणजोगी उववज्जंति ३५ ? केवइया वइजोगी उववज्जंति ३६ ? केवइया कायजोगी उववज्जंति ३७ ? केवइया सागारोवउत्ता उववज्जंति ३८ ? केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ३९ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा नेरइया उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कण्हपक्खिया उववज्जंति, एवं सुक्कपक्खियावि एवं सन्नीवि एवं असन्नीवि एवं भवसिद्धिया एवं अभवसिद्धिया आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी एवं चेव चक्खुदंसणी न उववज्जंति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खु-

दसणी उववज्जति, एव ओहिदसणीवि, एवं आहारसन्नोवउत्तावि जाव परिग्गहसन्नोवउत्तावि, इत्थीवेयगा न उववज्जति पुरिसवेयगावि न उववज्जंति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नपुंसगवेयगा उववज्जति, एव कोहकसाई जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता न उववज्जति एव जाव फासिंदिओवउत्ता न उववज्जति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नोइंदिओवउत्ता उववज्जति, मणजोगी ण उववज्जति, एव वइजोगीवि, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा कायजोगी उववज्जति, एवं सागारोवउत्तावि एव अणागारोवउत्तावि ॥ इमीसे णं भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएण केवइया नेरइया उववट्टति, केवइया काउलेस्सा उववट्टति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उव्वट्टंति ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएण जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नेरइया उववट्टति, एव जाव सन्नी, असन्नी ण उव्वट्टति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा भवसिद्धिया उव्वट्टति एव जाव सुयअन्नाणी विभगनाणी ण उववट्टंति, चक्खुदंसणी ण उव्वट्टति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा अचक्खुदसणी उव्वट्टति, एव जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता ण उव्वट्टति एव जाव फासिंदियोवउत्ता न उव्वट्टति, जहन्नेग एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नोइंदियोवउत्ता उव्वट्टंति, मणजोगी न उव्वट्टति एव वइजोगीवि, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा कायजोगी उव्वट्टति, एव सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ॥ इमीसे णं भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु केवइया नेरइया पन्नत्ता ? केवइया काउलेस्सा प० जाव केवइया अणागारोवउत्ता पन्नत्ता ? केवइया अणतरोववन्नगा पन्नत्ता १ ? केवइया परंपरोववन्नगा पन्नत्ता २ ? केवइया अणतरोगाढा पन्नत्ता ३ ? केवइया परंपरोगाढा प० ४ ? केवइया अणतराहारा प० ५ ? केवइया परंपराहारा प० ६ ? केवइया अणतरपज्जत्ता प० ७ ? केवइया परपरपज्जत्ता पन्नत्ता ८ ? केवइया चरिमा प० ९ ? केवइया अचरिमा प० १० ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु संखेज्जा नेरइया प०, सखेज्जा काउलेस्सा प०, एव जाव सखेज्जा सन्नी प०, असन्नी सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा प०, सखेज्जा भवसिद्धिया प०, एव जाव सखेज्जा परिग्गहसन्नोवउत्ता प०; इत्थिवेयगा नत्थि पुरिसवेयगा नत्थि, सखेज्जा नपुसगवेयगा प०; एव कोहकसा-

ईसि माणकसाई जहा असन्नी एवं जाव लोभकसाई, संखेज्जा सोइंदियोवउत्ता ण एवं जाव फासिंदियोवउत्ता नोइंदियोवउत्ता जहा असन्नी संखेज्जा मणजोगी ण एवं जाव अणागारोवउत्ता अणंतरोववन्नगा सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहा असन्नी संखेज्जा परंपरोववन्नगा ण एवं जहा अणंतरोववन्नगा तहा अणंतरोगाढगा अणंतराहारगा अणंतरपज्जत्तगा चरिमा परंपरोगाढगा जाव अचरिमा जहा परंपरोववन्नगा ॥ इमीसे ण भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु असंखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं केवइया नेरइया उववज्जंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु असंखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं असंखेज्जा नेरइया उववज्जंति एवं जहेव संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा तहा असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा नवरं असंखेज्जा भाणियव्वा सेसं तं चेव जाव असंखेज्जा अचरिमा ण नाणत्तं लेस्सासु लेसाओ जहा पढमसए नवरं संखेज्जवित्थडेसुवि असंखेज्जवित्थडेसुवि ओहिनाणी ओहिदंसणी य संखेज्जा उव्वट्टावेयव्वा सेसं तं चेव ॥ सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए केवइया निरयावास पुच्छा गोयमा ! पणवीसं निरयावाससयसहस्सा पन्नत्ता ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? एवं जहा रयणप्पभाए तहा सक्करप्पभाएवि नवरं असन्नी तिसुवि गमएसु न भन्नइ, सेसं तं चेव । वालुयप्पभाए णं पुच्छा गोयमा ! पन्नरस निरयावाससयसहस्सा प० सेसं जहा सक्करप्पभाए णाणत्तं लेसासु लेसाओ जहा पढमसए ॥ पंकप्पभाए णं पुच्छा गोयमा ! दस निरयावाससयसहस्सा प० एवं जहा सक्करप्पभाए नवरं ओहिनाणी ओहिदंसणी य न उव्वट्टंति सेसं तं चेव ॥ धूमप्पभाए णं पुच्छा गोयमा ! तिन्नि निरयावाससयसहस्सा एवं जहा पंकप्पभाए ॥ तमाए णं भंते ! पुढवीए केवइया निरयावास पुच्छा गोयमा ! एगे पंचूणे निरयावाससयसहस्से पन्नत्ते सेसं जहा पंकप्पभाए ॥ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए कइ अणुत्तरा महइमहालया महानिरया पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरा जाव अपइट्ठाणे ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालया जाव महानिरएसु संखेज्जवित्थडे नरए एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं जहा पंकप्पभाए नवरं तिसु नाणेसु न उववज्जंति न उव्वट्टंति पन्नत्तएसु तहेव अत्थि एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि नवरं असंखेज्जा भाणियव्वा ॥ ४९५ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु नरएसु किं सम्मद्दिट्ठी नेरइया उववज्जंति मिच्छ-

दसणी उववज्जति, एव ओहिदसणीवि, एवं आहारसन्नोवउत्तावि, जाव परिग्गहसन्नोव-उत्तावि, इत्थीवेयगा न उववज्जति पुरिसवेयगावि न उववज्जति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नपुंसगवेयगा उववज्जति, एव कोहकसाई जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता न उववज्जति एव जाव फासिंदिओवउत्ता न उववज्जति, जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नोइंदिओवउत्ता उववज्जंति, मणजोगी ण उववज्जति, एव वइजोगीवि, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा कायजोगी उववज्जति, एवं सागारोवउत्तावि एव अणागारोवउत्तावि ॥ इमीसे ण भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएण केवइया नेरइया उववट्टंति, केवइया काउलेस्सा उववट्टति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उव्वट्टति ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु एगसमएण जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सखेज्जा नेरइया उववट्टंति, एव जाव सन्नी, असन्नी ण उव्वट्टति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा भवसिद्धिया उव्वट्टति एव जाव सुयअन्नाणी विभगनाणी ण उववट्टंति, चक्खुदंसणी ण उव्वट्टति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा अचक्खुदसणी उव्वट्टति, एव जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता ण उव्वट्टति एव जाव फासिंदियोवउत्ता न उव्वट्टति, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा नोइंदियोवउत्ता उव्वट्टंति, मणजोगी न उव्वट्टति एव वइजोगीवि, जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा कायजोगी उव्वट्टति, एव सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ॥ इमीसे णं भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु केवइया नेरइया पन्नत्ता ? केवइया काउलेस्सा प० जाव केवइया अणागारोवउत्ता पन्नत्ता ? केवइया अणतरोववन्नगा पन्नत्ता १ ? केवइया परंपरोववन्नगा पन्नत्ता २ ? केवइया अणतरोगाढा पन्नत्ता ३ ? केवइया परपरोगाढा प० ४ ? केवइया अणत-राहारा प० ५ ? केवइया परंपराहारा प० ६ ? केवइया अणतरपज्जत्ता प० ७ ? केव-इया परपरपज्जत्ता पन्नत्ता ८ ? केवइया चरिमा प० ९ ? केवइया अचरिमा प० १० ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्ज-वित्थडेसु नरएसु सखेज्जा नेरइया प०, सखेज्जा काउलेस्सा प०, एव जाव सखेज्जा सन्नी प०, असन्नी सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा प०, सखेज्जा भवसिद्धिया प०, एव जाव सखेज्जा परिग्गहसन्नोवउत्ता प०, इत्थिवेयगा नत्थि पुरिसवेयगा नत्थि, सखेज्जा नपुसगवेयगा प०, एव कोहकसा-

दिट्ठी नेरइया उववज्जंति सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया उववज्जंति ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीवि नेरइया उववज्जति, मिच्छादिट्ठीवि नेरइया उववज्जति, नो सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया उववज्जति । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु किं सम्मदिट्ठी नेरइया उव्वट्टति ? एवं चेव । इमीसे ण भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडा नरगा किं सम्मदिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया सम्मामिच्छ दिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीहिवि नेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिवि नेरइएहिं अविरहिया, सम्मामिच्छादिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया विरहिया वा, एव असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा भाणियव्वा, एव सक्करप्पभाएवि, एव जाव तमाएवि । अहेसत्तमाए ण भते ! पुढवीए पचसु अणुत्तरेसु जाव सखेज्जवित्थडे नरए कि सम्मदिट्ठी नेरइया पुच्छा, गोयमा ! सम्मदिट्ठी नेरइया न उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी नेरइया उववज्जति, सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया न उववज्जति, एव उव्वट्टतिवि, अविरहिए जहेव रयणप्पभाए, एव असखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा ॥ ४७० ॥ से नूण भंते ! कण्हलेस्से नीललेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु नेरइएसु उववज्जति ? हता गोयमा ! कण्हलेस्से जाव उववज्जति, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुचइ कण्हलेस्से जाव उववज्जति ? गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु सकिलिस्समाणेसु २ कण्हलेसं परिणमइ २ त्ता कण्हलेसेसु नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेण जाव उववज्जति । से नूण भंते ! कण्हलेस्से जाव सुक्कलेसे भवित्ता नीललेस्सेसु नेरइएसु उववज्जति ? हता गोयमा ! जाव उववज्जति, से केणट्ठेण जाव उववज्जति ? गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु सकिलिस्समाणेसु वा विसुज्झमाणेसु नीललेस्स परिणमइ २ त्ता नीललेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव उववज्जति, से नूण भंते ! कण्हलेस्से नीललेस्से जाव भवित्ता काउलेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति ? एव जहा नीललेस्साए तहा काउलेस्सा(ए)वि भाणियव्वा जाव से तेणट्ठेण जाव उववज्जति । सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ४७१ ॥ **तेरहमे सए पढमो उद्देसो समत्तो** ॥

कइविहा ण भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवा पन्नत्ता, तजहा—भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया । भवणवासी ण भंते ! देवा कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तजहा—असुरकुमारा एव भेओ जहा बिइयसए देवुद्देसए जाव अपराजिया सव्वट्ठसिद्धगा । केवइया ण भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते ण भते ! किं संखेज्जवित्थडा असखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! सखेज्जवित्थडावि

असंखेज्जवित्थडावि । चोसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु एगसमएणं केवइया असुरकुमारा उववज्जंति केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए तहेव पुच्छा तहेव वागरणं णवरं दोहिं वेएहिं उववज्जंति णपुंसगवेयगा ण उववज्जंति सेसं तं चेव उव्वट्टंतगावि तहेव णवरं असण्णी उव्वट्टंति ओहिणाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्टंति सेसं तं चेव पण्णत्तएसु तहेव णवरं संखेज्जगा इत्थिवेयगा पण्णत्ता एवं पुरिसवेयगावि, णपुंसगवेयगा णत्थि कोहकसाई सिय अत्थि सिय णत्थि जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता एवं माण माया संखेज्जा लोभकसाई पण्णत्ता, सेसं तं चेव तिसुवि गमएसु संखेज्जवित्थडेसु चत्तारि लेस्साओ भाणियव्वाओ एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि णवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता। केवइया णं भंते ! णागकुमारावास एवं जाव थणियकुमारावासा णवरं जत्थ जत्तिया भवणा ॥ केवइया णं भंते ! वाणमंतरावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरावाससयसहस्सा पण्णत्ता ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा णो असंखेज्जवित्थडा संखेज्जेसु णं भंते ! वाणमंतरावाससयसहस्सेसु एगसमएणं केवइया वाणमंतरा उववज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराणं संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा तहेव भाणियव्वा वाणमंतराणवि तिण्णि गमगा । केवइया णं भंते ! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा ? एवं जहा वाणमंतराणं तहा जोइसियाणवि तिण्णि गमगा भाणियव्वा णवरं एगा तेउलेस्सा उववज्जंतेसु पण्णत्तेसु य असण्णी णत्थि सेसं तं चेव ॥ सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि सोहम्मे णं भंते ! कप्पे बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु विमाणेसु एगसमएणं केवइया सोहम्मगा देवा उववज्जंति ? केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति ? एवं जहा जोइसियाणं तिण्णि गमगा तहेव तिण्णि गमगा भाणियव्वा णवरं तिसुवि संखेज्जा भाणियव्वा ओहिणाणी ओहिदंसणी य चयावेयव्वा सेसं तं चेव । असंखेज्जवित्थडेसु एवं चेव तिण्णि गमगा णवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा, ओहिणाणी य ओहिदंसणी य संखेज्जा चयंति सेसं तं चेव एवं जहा सोहम्मे वत्तव्वया भणिया तहा ईसाणेवि छ गमगा भाणियव्वा, सणंकुमारेवि एवं

दिट्ठी नेरइया उववज्जंति सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया उववज्जति ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीवि नेरइया उववज्जति, मिच्छादिट्ठीवि नेरइया उववज्जति, नो सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया उववज्जति । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु नरएसु किं सम्मदिट्ठी नेरइया उव्वट्टति ? एव चेव । इमीसे णं भते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडा नरगा किं सम्मद्दिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया सम्मामिच्छ दिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया ? गोयमा ! सम्मद्दिट्ठीहिवि नेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिवि नेरइएहिं अविरहिया, सम्मामिच्छादिट्ठीहिं नेरइएहिं अविरहिया विरहिया वा, एव असखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा भाणियव्वा, एव सक्करप्पभाएवि, एव जाव तमाएवि । अहेसत्तमाए णं भते ! पुढवीए पचसु अणुत्तरेसु जाव सखेज्जवित्थडे नरए किं सम्मद्दिट्ठी नेरइया पुच्छा, गोयमा ! सम्मद्दिट्ठी नेरइया न उववज्जति, मिच्छादिट्ठी नेरइया उववज्जति, सम्मामिच्छदिट्ठी नेरइया न उववज्जति, एव उव्वट्टतिवि, अविरहिए जहेव रयणप्पभाए, एव असखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा ॥ ४७० ॥ से नूण भते ! कण्हलेस्से नीललेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु नेरइएसु उववज्जति ? हंता गोयमा ! कण्हलेस्से जाव उववज्जति, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ कण्हलेस्से जाव उववज्जति ? गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु सकिलिस्समाणेसु २ कण्हलेसं परिणमइ २ त्ता कण्हलेसेसु नेरइएसु उववज्जति, से तेणट्ठेण जाव उववज्जति । से नूण भंते ! कण्हलेस्से जाव सुक्कलेसे भवित्ता नीललेस्सेसु नेरइएसु उववज्जति ? हता गोयमा ! जाव उववज्जति, से केणट्ठेण जाव उववज्जति ? गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु वा विसुज्झमाणेसु नीललेस्स परिणमइ २ त्ता नीललेस्सेसु नेरइएसु उववज्जति, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव उववज्जति, से नूण भते ! कण्हलेस्से नीललेस्से जाव भवित्ता काउलेस्सेसु नेरइएसु उववज्जंति ? एव जहा नीललेस्साए तहा काउलेस्सा(ए)वि भाणियव्वा जाव से तेणट्ठेणं जाव उववज्जति । सेव भते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ४७१ ॥ **तेरहमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा ण भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवा पन्नत्ता, तजहा–भवणवासी वाणमतरा जोइसिया वेमाणिया । भवणवासी ण भते ! देवा कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तंजहा–असुरकुमारा एव भेओ जहा बिइयसए देवुद्देसए जाव अपराजिया सव्वट्ठसिद्धगा । केवइया णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते ण भते ! किं सखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि

असंखेज्जवित्थडावि चोसट्ठीए णं भंते! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु एगसमएणं केवइया असुरकुमारा उववज्जंति केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए तहेव पुच्छा तहेव वागरणं नवरं दोहिं वेएहिं उववज्जंति नपुंसगवेयगा न उववज्जंति सेसं तं चेव उव्वट्टंतगावि तहेव नवरं असण्णी उव्वट्टंति ओहिनाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्टंति सेसं तं चेव पण्णत्तएसु तहेव नवरं संखेज्जगा इत्थिवेयगा पण्णत्ता एवं पुरिसवेयगावि नपुंसगवेयगा नत्थि कोहकसाई सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता एवं माण माया संखेज्जा लोभकसाई पण्णत्ता सेसं तं चेव तिसुवि गमएसु संखेज्जवित्थडेसु चत्तारि लेस्साओ भाणियव्वाओ एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि नवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता। केवइया णं भंते! नागकुमारावास० एवं जाव थणियकुमारावास नवरं जत्थ जत्तिया भवणा॥ केवइया णं भंते! वाणमंतरावाससयसहस्सा पन्नत्ता? गोयमा! असंखेज्जा वाणमंतरावाससयसहस्सा पन्नत्ता, ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडा नो असंखेज्जवित्थडा संखेज्जेसु णं भंते! वाणमंतरावाससयसहस्सेसु एगसमएणं केवइया वाणमंतरा उववज्जंति? एवं जहा असुरकुमाराणं संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा तहेव भाणियव्वा वाणमंतराणवि तिन्नि गमगा। केवइया णं भंते! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पन्नत्ता? गोयमा! असंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पन्नत्ता ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा? एवं जहा वाणमंतराणं तहा जोइसियाणवि तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं एगा तेउलेस्सा उववज्जंतेसु पन्नत्तेसु य असन्नी नत्थि सेसं तं चेव॥ सोहम्मे णं भंते! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा पन्नत्ता? गोयमा! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा पन्नत्ता ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि सोहम्मे णं भंते! कप्पे बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु विमाणेसु एगसमएणं केवइया सोहम्मगा देवा उववज्जंति केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति? एवं जहा जोइसियाणं तिन्नि गमगा तहेव तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं तिसुवि संखेज्जा भाणियव्वा ओहिनाणी ओहिदंसणी य चयावेयव्वा सेसं तं चेव। असंखेज्जवित्थडेसु एवं चेव तिन्नि गमगा नवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा, ओहिनाणी य ओहिदंसणी य संखेज्जा चयंति सेसं तं चेव, एवं जहा सोहम्मे वत्तव्वया भणिया तहा ईसाणेवि छ गमगा भाणियव्वा सणंकुमारेवि एवं

चेव नवरं इत्थीवेयगा न उववज्जति पन्नत्तेसु य न भण्णति, असन्नी तिन्नुवि गमएसु न भण्णति, सेस त चेव, एव जाव सहस्सारे, नाणत्त विमाणेसु लेस्सासु य, सेस त चेव॥ आणयपाणएसु णं भते! कप्पेसु केवइया विमाणावाससया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि विमाणावाससया पण्णत्ता, ते णं भते! कि सखेज्जवित्थडा असखेज्जवित्थडा? गोयमा! सखेज्जवित्थडावि असखेज्जवित्थडावि,एव सखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा जहा सहस्सारे असखेज्जवित्थडेसु उववज्जतेसु य चयतेसु य एवं चेव सखेज्जा भाणियव्वा पन्नत्तेसु असखेज्जा नवर नोइंदियोवउत्ता अणतरोववन्नगा अणतरोगाढगा अणतराहारगा अणतरपज्जत्तगा य एएसिं जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा प०, सेसा असखेज्जा भाणियव्वा। आरणच्चुएसु एव चेव जहा आणयपाणएसु नाणत्त विमाणेसु, एव गेवेज्जगावि। कइ ण भते! अणुत्तरविमाणा पन्नत्ता? गोयमा! पच अणुत्तरविमाणा पन्नत्ता, ते ण भते! किं सखेज्जवित्थडा असखेज्जवित्थडा? गोयमा! सखेज्जवित्थडे य असखेज्जवित्थडा य, पचसु ण भंते! अणुत्तरविमाणेसु सखेज्जवित्थडे विमाणे एगसमएण केवइया अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जति केवइया सुक्कलेस्सा उववज्जति पुच्छा तहेव, गोयमा! पचसु ण अणुत्तरविमाणेसु सखेज्जवित्थडे अणुत्तरविमाणे एगसमएण जहण्णेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जति, एव जहा गेवेज्जविमाणेसु सखेज्जवित्थडेसु नवरं किण्हपक्खिया अभवसिद्धिया तिसु अन्नाणेसु एए न उववज्जति न चयति नवि पन्नत्तएसु भाणियव्वा अचरिमावि खोडिज्जति जाव सखेज्जा चरिमा प०, सेस त चेव, असखेज्जवित्थडेसुवि एए न भन्नति नवरं अचरिमा अत्थि, सेस जहा गेवेज्जएसु असखेज्जवित्थडेसु जाव असखेज्जा अचरिमा प०। चोसट्ठीए ण भते! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु सखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु कि सम्मदिट्ठी असुरकुमारा उववज्जति मिच्छादिट्ठी एवं जहा रयणप्पभाए तिन्नि आलावगा भणिया तहा भाणियव्वा, एव असखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा, एव जाव गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसु एव चेव, नवरं तिसुवि आलावएसु मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी य न भन्नति, सेस त चेव। से नूण भते! कण्हलेस्से नील जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु देवेसु उववज्जति? हता गोयमा! एवं जहेव नेरइएसु पढमे उद्देसए तहेव भाणियव्व, नीललेसाएवि जहेव नेरइयाण, जहा नीललेस्साए एवं जाव पम्हलेस्सेसु सुक्कलेस्सेसु एव चेव, नवरं लेस्सट्ठाणेसु विसुज्झमाणेसु २ सुक्कलेस्सं परिणमइ २ त्ता सुक्कलेस्सेसु देवेसु उववज्जति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जति। सेवं भते! सेवं भते! त्ति॥ ४७२॥ **तेरहमे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥**

नेरइया णं भंते! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया एवं परियारणापयं निरव-सेसं भाणियव्वं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४७३ ॥ तेरसमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ तंजहा-रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया जाव अपइट्ठाणे ते णं णरगा छट्ठीए तमाए पुढवीए नरएहिंतो महंततरा चेव १ महाविच्छिन्नतरा चेव २ महावासतरा चेव ३ महापइरिक्कतरा चेव ४ नो तहा महापवेसणतरा चेव १ नो आइन्नतरा चेव २ नो आउलतरा चेव ३ नो अणो(मा)यणतरा चेव ४ तेसु णं नरएसु नेरइया छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव १ महाकिरियतरा चेव २ महासवतरा चेव ३ महावेयणतरा चेव ४ नो तहा अप्पकम्मतरा चेव १ नो अप्पकिरियतरा चेव २ नो अप्पासवतरा चेव ३ नो अप्पवेयणतरा चेव ४ अप्पिड्ढियतरा चेव १ अप्प-ज्जुइयतरा चेव २ नो तहा महिड्ढियतरा चेव १ नो महज्जुइयतरा चेव २। छट्ठीए णं तमाए पुढवीए एगे पंचूणे निरयावाससयसहस्से पण्णत्ते ते णं नरगा अहेसत्त-माए पुढवीए नरएहिंतो नो तहा महंततरा चेव महाविच्छिन्नतरा चेव ४ महप्पवेस-णतरा चेव आइन्नतरा चेव ४ तेसु णं नरएसु नेरइया अहेसत्तमाए पुढवीए नेर-इएहिंतो अप्पकम्मतरा चेव अप्पकिरियतरा चेव ४ नो तहा महाकम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव ४ महिड्ढियतरा चेव महज्जुइयतरा चेव नो तहा अप्पिड्ढियतरा चेव अप्पज्जुइयतरा चेव। छट्ठीए णं तमाए पुढवीए नरगा पंचमाए धूमप्पभाए पुढ-वीए नरएहिंतो महंततरा चेव ४ नो तहा महप्पवेसणतरा चेव ४ तेसु णं नरएसु नेरइया पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव ४ नो तहा अप्पकम्मतरा चेव ४ अप्पिड्ढियतरा चेव २ नो तहा महिड्ढियतरा चेव २ पंच-माए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिन्नि निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता एवं जहा छट्ठीए भणिया एवं सत्तवि पुढवीओ परोप्परं भण्णंति जाव रयणप्पभंति जाव नो तहा महिड्ढियतरा चेव अप्पज्जुइयतरा चेव ॥ ४७४ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते! केरिसयं पुढविफासं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं एवं जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया एवं आउफासं एवं जाव वणस्सइफासं ॥ ४७५ ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी दोच्चं सक्करप्पभं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया बाहल्लेणं सव्वखुड्डिया सव्वंतेसु एवं जहा जीवाभिगमे बिइए नेरइयउद्देसए ॥ ४७६ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए निरयपरिसामंतेसु जे पुढविक्काइया एवं जहा नेरइ-

चेव नवरं इत्थीवेयगा न उववज्जति पन्नत्तेसु य न भण्णति, असन्नी तिसुवि गमएसु न भण्णति, सेसं तं चेव, एवं जाव सहस्सारे, नाणत्तं विमाणेसु लेस्साइ य, सेस तं चेव॥ आणयपाणएसु णं भंते! कप्पेसु केवइया विमाणावाससया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि विमाणावाससया पण्णत्ता, ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि, एवं संखेज्जवित्थडेसु तिन्नि गमगा जहा सहस्सारे असंखेज्जवित्थडेसु उववज्जतेसु य चयंतेसु य एवं चेव संखेज्जा भाणियव्वा पन्नत्तेसु असंखेज्जा नवरं नोइंदियोवउत्ता अणंतरोववन्नगा अणंतरोगाढगा अणंतराहारगा अणंतरपज्जत्तगा य एएसिं जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा प०, सेसा असंखेज्जा भाणियव्वा। आरणच्चुएसु एवं चेव जहा आणयपाणएसु नाणत्तं विमाणेसु, एवं गेवेज्जगावि। कइ णं भंते! अणुत्तरविमाणा पन्नत्ता? गोयमा! पंच अणुत्तरविमाणा पन्नत्ता, ते णं भंते! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा? गोयमा! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, पंचसु णं भंते! अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे विमाणे एगसमएणं केवइया अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जति केवइया सुक्कलेस्सा उववज्जति पुच्छा तहेव, गोयमा! पंचसु णं अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे अणुत्तरविमाणे एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जति, एवं जहा गेवेज्जविमाणेसु संखेज्जवित्थडेसु नवरं किण्हपक्खिया अभवसिद्धिया तिसु अन्नाणेसु एए न उववज्जति न चयंति नवि पन्नत्तएसु भाणियव्वा अचरिमावि खोडिज्जति जाव संखेज्जा चरिमा प०, सेसं तं चेव, असंखेज्जवित्थडेसुवि एए न भन्नति नवरं अचरिमा अत्थि, सेसं जहा गेवेज्जएसु असंखेज्जवित्थडेसु जाव असंखेज्जा अचरिमा प०। चोसट्ठीए णं भंते! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु किं सम्मदिट्ठी असुरकुमारा उववज्जति मिच्छादिट्ठी, एवं जहा रयणप्पभाए तिन्नि आलावगा भणिया तहा भाणियव्वा, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि तिन्नि गमगा, एवं जाव गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसु एवं चेव, नवरं तिसुवि आलावएसु मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी य न भन्नति, सेसं तं चेव। से नूणं भंते! कण्हलेस्से नील जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु देवेसु उववज्जति? हंता गोयमा! एवं जहेव नेरइएसु पढमे उद्देसए तहेव भाणियव्वं, नीललेसाएवि जहेव नेरइयाणं, जहा नीललेस्साए एवं जाव पम्हलेस्सेसु सुक्कलेस्सेसु एवं चेव, नवरं लेस्सट्ठाणेसु विसुज्झमाणेसु २ सुक्कलेस्सं परिणमइ २त्ता सुक्कलेस्सेसु देवेसु उववज्जति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ४७२॥ **तेरहमे सए बीओ उद्देसो समत्तो॥**

नेरइया णं भंते ! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया एवं परियारणापदं निरवसेसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४७३ ॥ तेरहमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा । अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया जाव अपइट्ठाणे, ते णं णरगा छट्ठीए तमाए पुढवीए नरएहिंतो महंततरा चेव १ महाविच्छिन्नतरा चेव २ महावासतरा चेव ३ महापइरिक्कतरा चेव ४ णो तहा महापवेसणतरा चेव १ णो आइण्णतरा चेव २ णो आउलतरा चेव ३ णो अणो(मा)यणतरा चेव ४ तेसु णं नरएसु नेरइया छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव १ महाकिरियतरा चेव २ महासवतरा चेव ३ महावेयणतरा चेव ४ णो तहा अप्पकम्मतरा चेव १ णो अप्पकिरियतरा चेव २ णो अप्पासवतरा चेव ३ णो अप्पवेयणतरा चेव ४ अप्पिड्ढियतरा चेव १ अप्पज्जुइयतरा चेव २ णो तहा महिड्ढियतरा चेव १ णो महज्जुइयतरा चेव २ । छट्ठीए णं तमाए पुढवीए एगे पंचूणे निरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, ते णं नरगा अहेसत्तमाए पुढवीए नरएहिंतो णो तहा महत्तरा चेव महाविच्छिन्नतरा चेव ४ महप्पवेसणतरा चेव आइण्णतरा चेव ४ तेसु णं नरएसु नेरइया अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइएहिंतो अप्पकम्मतरा चेव अप्पकिरियतरा चेव ४ णो तहा महाकम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव ४ महिड्ढियतरा चेव महज्जुइयतरा चेव णो तहा अप्पिड्ढियतरा चेव अप्पज्जुइयतरा चेव । छट्ठीए णं तमाए पुढवीए णरगा पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नरएहिंतो महत्तरा चेव ४ णो तहा महप्पवेसणतरा चेव ४ तेसु णं नरएसु नेरइया पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव ४ णो तहा अप्पकम्मतरा चेव ४ अप्पिड्ढियतरा चेव २ णो तहा महिड्ढियतरा चेव २ । पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिण्णि निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता एवं जहा छट्ठीए भणिया एवं सत्तवि पुढवीओ परोप्परं भण्णंति जाव रयणप्पभंति जाव णो तहा महिड्ढियतरा चेव अप्पज्जुइयतरा चेव ॥ ४७४ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केरिसयं पुढविफासं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया, एवं आउफासं एवं जाव वणस्सइफासं ॥ ४७५ ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी दोच्चं सक्करप्पभं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया बाहल्लेणं सव्वखुड्डिया सव्वंतेसु एवं जहा जीवाभिगमे बिइए नेरइयउद्देसए ॥ ४७६ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए निरयपरिसामंतेसु जे पुढविक्काइया एवं जहा नेरइ-

यउद्देसए जाव अहेसत्तमाए ॥४७७॥ कहि ण भंते ! लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! इमीसे ण रयणप्पभाए उवासतरस्स असखेज्जइभाग ओगाहेत्ता एत्थ ण लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते । कहि ण भते ! अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउत्थीए पकप्पभाए पुढवीए उवासंतरस्स साइरेग अद्ध ओगाहित्ता एत्थ ण अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते, कहि ण भंते ! उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! उप्पि सणकुमारमाहिंदाण कप्पाण हेट्ठिं बभलोए कप्पे रिट्ठविमाणे पत्थडे एत्थ ण उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते । कहिणं भते ! तिरियलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! जबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ ण तिरियलोगस्स मज्झे अट्ठपएसिए रुयए पण्णत्ते, जओ ण इमाओ दस दिसाओ पवहति, तंजहा–पुरच्छिमा पुरच्छिमदाहिणा एव जहा दसमसए नामधेज्जति ॥ ४७८ ॥ इंदा णं भते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसुत्तरा कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! इदा ण दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा दुपएसाइया दुपएसुत्तरा लोग पडुच्च असखेज्जपएसिया, अलोग पडुच्च अणतपएसिया, लोग पडुच्च साइया सपज्जवसिया, अलोग पडुच्च साइया अपज्जवसिया, लोग पडुच्च मुरजसठिया, अलोग पडुच्च सगडुद्धिसठिया पन्नत्ता । अग्गेई ण भते ! दिसा किमाइया किपवहा कइपएसाइया कइपएसविच्छिन्ना कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! अग्गेई ण दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा एगपएसाइया एगपएसविच्छिन्ना अणुत्तरा लोग पडुच्च असखेज्जपएसिया अलोग पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया अलोग पडुच्च साइया अपज्जवसिया, छिन्नमुत्तावलिसठिया पण्णत्ता । जमा जहा इदा, नेरई जहा अग्गेई, एव जहा इदा तहा दिसाओ चत्तारि, जहा अग्गेई तहा चत्तारिवि विदिसाओ । विमला ण भते ! दिसा किमाइया० पुच्छा जहा अग्गेईए, गोयमा ! विमला ण दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा चउप्पएसाइया दुपएसविच्छिन्ना अणुत्तरा लोगं पडुच्च सेस जहा अग्गेईए नवर रुयगसठिया पण्णत्ता, एव तमावि ॥ ४७९ ॥ किमिय भंते ! लोएत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! पचत्थिकाया, एस ण एवइए लोएत्ति पवुच्चइ, तजहा–धम्मत्थिकाए अहम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए । धम्मत्थिकाएण भंते ! जीवाण किं पवत्तइ ? गोयमा ! धम्मत्थिकाएण जीवाण आगमणगमणभासुम्मेसमणजोगा वइजोगा कायजोगा जे यावन्ने तहप्पगारा चला भावा सव्वे ते धम्मत्थिकाए पवत्तति, गइलक्खणे ण धम्मत्थिकाए । अहम्मत्थिकाएणं भते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा !

अहम्मत्थिकाएणं जीवाणं ठाणनिसीयणतुयट्टण मणस्स य एगत्तीभावकरणता जे यावन्ने तहप्पगारा थिरा भावा सव्वे ते अहम्मत्थिकाए पवत्तंति ठाणलक्खणे णं अहम्मत्थिकाए ॥ आगासत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं अजीवाण य किं पवत्तइ ? गोयमा ! आगासत्थिकाएणं जीवदव्वाण य अजीवदव्वाण य भायणभूए-एगेणवि से पुन्ने दोहिवि पुन्ने सयंपि माएज्जा । कोडिसएणवि पुन्ने कोडिसहस्संपि माएज्जा ॥१॥ अवगाहणालक्खणे णं आगासत्थिकाए ॥ जीवत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा ! जीवत्थिकाएणं जीवे अणंताणं आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं अणंताणं सुयनाणपज्जवाणं एवं जहा बितियसए अत्थिकायउद्देसए जाव उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे ॥ पोग्गलत्थिकाए णं पुच्छा गोयमा ! पोग्गलत्थिकाएणं जीवाणं ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मा सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियमणजोगवइजोगकायजोगआणापाणूणं च गहणं पवत्तइ, गहणलक्खणे णं पोग्गलत्थिकाए ॥ ४८ ॥ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं । केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवइएहिं आगासत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जइ पुट्ठे नियमं अणंतेहिं ॥ एगे भंते ! अहम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ एगे भंते ! आगासत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे जहन्नपए एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थिकाय ? गोयमा ! छहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियमं अणंतेहिं । एवं पोग्गलत्थिकायपएसेहिंवि अद्धासमएहिंवि ॥ ४ १ ॥ एगे भंते ! जीवत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकाय-पुच्छा जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थिकाय ? सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्थि ? सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं ? एवं जहेव जीवत्थिकायस्स ॥ दो भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहन्नपए छहिं उक्कोसपए बारसहिं, एवं अहम्मत्थिकायप्पएसेहिंवि । केवइएहिं आगा-

यदेसए जाव अहेसत्तमाए ॥४७७॥ कहि णं भंते ! लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! इमीसे ण रयणप्पभाए उवासंतरस्स असखेज्जइभाग ओगाहेत्ता एत्थ ण लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते । कहि ण भते ! अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउत्थीए पकप्पभाए पुढवीए उवासतरस्स साइरेग अद्ध ओगाहित्ता एत्थ ण अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते, कहि ण भंते ! उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! उप्पिं सणकुमारमाहिंदाण कप्पाण हेट्ठिं वभलोए कप्पे रिट्ठविमाणे पत्थडे एत्थ ण उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते । कहिणं भते ! तिरियलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! जवूदीवे २ मदरस्स पव्वयस्स वहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ ण तिरियलोगस्स मज्झे अट्ठपएसिए रुयए पण्णत्ते, जओ ण इमाओ दस दिसाओ पवहति, तजहा–पुरच्छिमा पुरच्छिमदाहिणा एव जहा दसमसए नामधेज्जति ॥ ४७८ ॥ ईदा णं भंते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसुत्तरा कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! इदा ण दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा दुपएसाइया दुपएसुत्तरा लोग पडुच्च असखेज्जपएसिया, अलोग पडुच्च अणतपएसिया, लोग पडुच्च साइया सपज्जवसिया, अलोग पडुच्च साइया अपज्जवसिया, लोग पडुच्च मुरजसठिया, अलोग पडुच्च सगडुद्धिसठिया पन्नत्ता । अग्गेई ण भते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसविच्छिन्ना कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! अग्गेई ण दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा एगपएसाइया एगपएसविच्छिन्ना अणुत्तरा लोग पडुच्च असखेज्जपएसिया अलोग पडुच्च अणंतपएसिया, लोग पडुच्च साइया सपज्जवसिया अलोग पडुच्च साइया अपज्जवसिया, छिन्नमुत्तावलिसठिया पण्णत्ता । जमा जहा इदा, नेरई जहा अग्गेई, एव जहा इदा तहा दिसाओ चत्तारि, जहा अग्गेई तहा चत्तारिवि विदिसाओ । विमला ण भते ! दिसा किमाइया० पुच्छा जहा अग्गेईए, गोयमा ! विमला ण दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा चउप्पएसाइया दुपएसविच्छिन्ना अणुत्तरा लोगं पडुच्च सेस जहा अग्गेईए नवरं रुयगसठिया पण्णत्ता, एव तमावि ॥ ४७९ ॥ किमिय भते ! लोएत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! पचत्थिकाया, एस ण एवइए लोएत्ति पवुच्चइ, तजहा–धम्मत्थिकाए अहम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए । धम्मत्थिकाएण भंते ! जीवाण किं पवत्तइ ? गोयमा ! धम्मत्थिकाएण जीवाण आगमणगमणभासुम्मेसमणजोगा वइजोगा कायजोगा जे यावन्ने तहप्पगारा चला भावा सव्वे ते धम्मत्थिकाए पवत्तति, गइलक्खणे ण धम्मत्थिकाए । अहम्मत्थिकाएग भते ! जीवाण किं पवत्तइ ? गोयमा !

अहम्मत्थिकाएणं जीवाणं ठाणनिसीयणतुयट्टण मणस्स य एगत्तीभावकरणता जे यावन्ने तहप्पगारा थिरा भावा सव्वे ते अहम्मत्थिकाए पवत्तंति, ठाणलक्खणे णं अहम्मत्थिकाए ॥ आगासत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं अजीवाण य किं पवत्तइ ? गोयमा ! आगासत्थिकाएणं जीवदव्वाण य अजीवदव्वाण य भायणभूए-एगेणवि से पुन्ने दोहिवि पुन्ने सयंपि माएज्जा । कोडिसएणवि पुन्ने कोडिसहस्संपि माएज्जा ॥१॥ अवगाहणालक्खणे णं आगासत्थिकाए ॥ जीवत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा ! जीवत्थिकाएणं जीवे अणंताणं आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं अणंताणं सुयनाणपज्जवाणं एवं जहा बितियसए अत्थिकायउद्देसए जाव उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे ॥ पोग्गलत्थिकाए णं पुच्छा, गोयमा ! पोग्गलत्थिकाएणं जीवाणं ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मा सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियमणजोगवइजोगकायजोगआणापाणूणं च गहणं पवत्तइ, गहणलक्खणे णं पोग्गलत्थिकाए ॥ ४८० ॥ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपएसे केवतिएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं । केवतिएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवतिएहिं आगासत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सत्तहिं । केवतिएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । केवतिएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! अणंतेहिं । केवतिएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जइ पुट्ठे नियमं अणंतेहिं ॥ एगे भंते ! अहम्मत्थिकायपएसे केवतिएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं । केवतिएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! जहन्नपए तिहिं उक्कोसपए छहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ एगे भंते ! आगासत्थिकायपएसे केवतिएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? गोयमा ! सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे जहन्नपए एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिवि । केवतिएहिं आगासत्थिकाय० ? गोयमा ! छहिं, केवतिएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियमं अणंतेहिं । एवं पोग्गलत्थिकायपएसेहिवि अद्धासमएहिवि ॥ ४८१ ॥ एगे भंते ! जीवत्थिकायपएसे केवतिएहिं धम्मत्थिकाय० पुच्छा, जहन्नपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिवि । केवतिएहिं आगासत्थिकाय० ? सत्तहिं । केवतिएहिं जीवत्थि० ? सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे केवतिएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं ? एवं जहेव जीवत्थिकायस्स ॥ दो भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवतिएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहन्नपए छहिं उक्कोसपए बारसहिं, एवं अहम्मत्थिकायप्पएसेहिवि । केवतिएहिं आगा-

सत्थिकाय० ? वारसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ तिन्नि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? जहन्नपए अट्ठहिं उक्कोसपए सत्तरसहिं । एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिवि । केवइएहिं आगासत्थि० ? सत्तरसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं एएणं गमेणं भाणियव्वं जाव दस, नवरं जहन्नपए दोन्नि पक्खिवियव्वा उक्कोसपए पंच । चत्तारि पोग्गलत्थिकायपएसे० जहन्नपए दसहिं उक्कोसपए बावीसाए, पंच पोग्गलत्थिकाय० जहण्णपए बारसहिं उक्कोसपए सत्तावीसाए, छ पोग्गल० जहण्णपए चोद्दसहिं उक्कोसेणं बत्तीसाए, सत्त पोग्गल० जहन्नेणं सोलसहिं उक्कोसपए सत्ततीसाए, अट्ठ पोग्गल० जहन्नपए अट्ठारसहिं उक्कोसेणं बायालीसाए, नव पोग्गल० जहन्नपए वीसाए उक्कोसपए सीयालीसाए, दस पोग्गल० जहण्णपए बावीसाए उक्कोसपए बावन्नाए । आगासत्थिकायस्स सव्वत्थ उक्कोसगं भाणियव्वं ॥ संखेज्जा णं भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहन्नपए तेणेव संखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिएणं, उक्कोसपए तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, केवइएहिं अधम्मत्थिकाएहिं ? एवं चेव, केवइएहिं आगासत्थिकाय० तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, केवइएहिं जीवत्थिकाय० ? अणंतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकाय० ? अणंतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहिं ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जाव अणंतेहिं । असंखेज्जा भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? जहन्नपए तेणेव असंखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिएणं, उक्कोसपए तेणेव असंखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, सेसं जहा संखेज्जाणं जाव नियमं अणंतेहिं ॥ अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० एवं जहा असंखेज्जा तहा अणंतावि निरवसेसं ॥ एगे भंते ! अद्धासमए केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? सत्तहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि० ? एवं चेव, एवं आगासत्थिकायपएसेहिंवि, केवइएहिं जीवत्थिकाय० ? अणंतेहिं, एवं जाव अद्धासमएहिं ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकायप्पएसेहिं पुट्ठे ? नत्थि एक्केणवि, केवइएहिं अधम्मत्थिकायप्पएसेहिं ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं आगासत्थिकायप० ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं ? अणंतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं० ? अणंतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहिं ? सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियमा अणंतेहिं । अहम्मत्थिकाए णं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि० ? णत्थि एक्केणवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स, एवं एएणं गमएणं सव्वेवि सट्ठाणए नत्थि एक्केणवि पुट्ठा, परट्ठाणए आइल्लएहिं तिहिं असंखेज्जेहिं भाणियव्वं, पच्छिल्लएसु तिसु अणंता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे ? नत्थि

एगेणवि ॥ जत्थ णं भंते ! एगे धम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थि-
कायपएसा ओगाढा ? नत्थि एक्कोवि केवइया अहम्मत्थिकायपएसा ओगाढा ?
एक्को केवइया आगासत्थिकाय ? एक्को केवइया जीवत्थिकाय ? अणंता केवइया
पोग्गलत्थिकाय ? अणंता केवइया अद्धासमया ? सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा
जइ ओगाढा अणंता । जत्थ णं भंते ! एगे अहम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केव-
इया धम्मत्थिकाय ? एक्को केवइया अहम्मत्थि ? नत्थि एक्कोवि सेसं जहा धम्म-
त्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! एगे आगासत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया
धम्मत्थिकाय ? सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा जइ ओगाढा एक्को एवं अह-
म्मत्थिकायपएसावि केवइया आगासत्थिकाय ? नत्थि एक्कोवि केवइया जीवत्थि ?
सिय ओगाढा सिय नो ओगाढा जइ ओगाढा अणंता एवं जाव अद्धासमया ।
जत्थ णं भंते ! एगे जीवत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ?
एक्को एवं अहम्मत्थिकायपएसावि एवं आगासत्थिकायपएसावि केवइया जीव-
त्थिकाय ? अणंता सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! एगे पोग्गलत्थि-
कायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ? एवं जहा जीवत्थिकायपएसे तहेव
निरवसेसं । जत्थ णं भंते ! दो पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्म-
त्थिकाय ? सिय एक्को सिय दोन्नि एवं अहम्मत्थिकायस्सवि एवं आगासत्थि-
कायस्सवि सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! तिन्नि पोग्गलत्थिकाय-
पएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ? सिय एक्को सिय दोन्नि सिय तिन्नि
एवं अहम्मत्थिकायस्सवि एवं आगासत्थिकायस्सवि सेसं जहेव दोण्हं, एवं एक्केक्को
वड्ढियव्वो पएसो आइल्लएहिं तिहिं अत्थिकाएहिं, सेसं जहेव दोण्हं जाव दसण्हं सिय
एक्को सिय दोन्नि सिय तिन्नि जाव सिय दस संखेज्जाणं सिय एक्को सिय दोन्नि जाव
सिय दस सिय संखेज्जा असंखेज्जाणं सिय एक्को जाव सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा
जहा असंखेज्जा एवं अणंतावि । जत्थ णं भंते ! एगे अद्धासमए ओगाढे तत्थ केव-
इया धम्मत्थिकाय ? एक्को केवइया अहम्मत्थिकाय ? एक्को केवइया आगास-
त्थिकाय ? एक्को केवइया जीवत्थि ? अणंता एवं जाव अद्धासमया । जत्थ णं
भंते ! धम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायपएसा ओगाढा ? नत्थि
एक्कोवि केवइया अहम्मत्थिकाय ? असंखेज्जा केवइया आगासत्थि ? असंखेज्जा
केवइया जीवत्थिकाय ? अणंता एवं जाव अद्धासमया । जत्थ णं भंते ! अहम्म-
त्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय ? असंखेज्जा केवइया अहम्मत्थि-
काय ? नत्थि एक्कोवि सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स एवं सव्वे सट्ठाणे नत्थि एक्कोवि

सत्थिकाय०² बारसहिं, सेस जहा धम्मत्थिकायस्स ॥ तिन्नि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय०² जहन्नपए अट्ठहिं उक्कोसपए सत्तरसहिं । एव अहम्मत्थिकायपएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थि०² सत्तरसहिं, सेस जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं एएण गमेण भाणियव्वं जाव दस, नवरं जहन्नपए दोन्नि पक्खिवियव्वा उक्कोसपए पच । चत्तारि पोग्गलत्थिकायपएसे० जहन्नपए दसहिं उक्कोसपए वावीसाए, पच पोग्गलत्थिकाय० जहण्णपए वारसहिं उक्कोसपए सत्तावीसाए, छ पोग्गल० जहण्णपए चोद्दसहिं उक्कोसेणं वत्तीसाए, सत्त पोग्गल० जहन्नेण सोलसहिं उक्कोसपए सत्ततीसाए, अट्ठ पोग्गल० जहन्नपए अट्ठारसहिं उक्कोसेण बायालीसाए, नव पोग्गल० जहन्नपए वीसाए उक्कोसपए सीयालीसाए, दस पोग्गल० जहण्णपए वावीसाए उक्कोसपए बावन्नाए । आगासत्थिकायस्स सव्वत्थ उक्कोसग भाणियव्व ॥ सखेज्जा ण भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा² जहन्नपए तेणेव सखेज्जएण दुगुणेणं दुरूवाहिएण, उक्कोसपए तेणेव सखेज्जएण पचगुणेण दुरूवाहिएण, केवइएहिं अधम्मत्थिकाएहिं² एव चेव, केवइएहिं आगासत्थिकाय० तेणेव सखेज्जएणं पचगुणेण दुरूवाहिएण, केवइएहिं जीवत्थिकाय०² अणतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकाय०² अणतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहिं² सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे जाव अणतेहिं । असखेज्जा भते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय०² जहन्नपए तेणेव असखेज्जएण दुगुणेणं दुरूवाहिएण, उक्कोसपए तेणेव असखेज्जएण पचगुणेण दुरूवाहिएण, सेस जहा सखेज्जाणं जाव नियमं अणतेहिं ॥ अणता भते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० एव जहा असखेज्जा तहा अणतावि निरवसेस ॥ एगे भंते ! अद्धासमए केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे² सत्तहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि०² एव चेव, एव आगासत्थिकायपएसेहिंवि, केवइएहिं जीवत्थिकाय०² अणतेहिं, एव जाव अद्धासमएहिं ॥ धम्मत्थिकाए ण भते ! केवइएहिं धम्मत्थिकायप्पएसेहिं पुट्ठे² नत्थि एक्केणवि, केवइएहिं अधम्मत्थिकायप्पएसेहिं² असखेज्जेहिं, केवइएहिं आगासत्थिकायप०² असखेज्जेहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं² अणतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं०² अणतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहिं² सिय पुट्ठे सिय नो पुट्ठे, जइ पुट्ठे नियमा अणतेहिं । अहम्मत्थिकाए ण भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकाय०² असखेज्जेहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि०² णत्थि एक्केणवि, सेस जहा धम्मत्थिकायस्स, एव एएण गमएण सव्वेवि सट्ठाणए नत्थि एक्केणवि पुट्ठा, परट्ठाणए आइल्लएहिं तिहिं असखेज्जेहिं भाणियव्व, पच्छिल्लएसु तिन्नि अणता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे² नत्थि

णिरवसेसो भाणियव्वो ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४८७ ॥ तेरसमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–संतरं भंते ! नेरइया उववज्जंति निरंतरं नेरइया उववज्जंति ? गोयमा ! संतरंपि नेरइया उववज्जंति निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति एवं असुरकुमारावि एवं जहा गंगेए तहेव दो दंडगा जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति निरंतरंपि वेमाणिया चयंति ॥ ४८८ ॥ कहिं णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो चमरचंचा नामं आवासे पन्नत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे एवं जहा बिइयसए सभाए चेव वत्तव्वया सच्चेव अपरिसेसा नेयव्वा नवरं इमं नाणत्तं जाव तिगिच्छिकूडस्स उप्पायपव्वयस्स चमरचंचाए रायहाणीए चमरचंचस्स आवासपव्वयस्स अन्नेसिं च बहूणं सेसं तं चेव जाव तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहिया परिक्खेवेणं तीसे णं चमरचंचाए रायहाणीए दाहिणपच्चत्थिमेणं छक्कोडिसए पणपन्नं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पन्नासं च सहस्साइं अरुणोदयसमुद्दं तिरियं वीइवइत्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चमरचंचे नामं आवासे पन्नत्ते चउरासीइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं दो जोयणसयसहस्सा पन्नट्ठिं च सहस्साइं छच्च बत्तीसे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं से णं एगेणं पागारेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते से णं पागारे दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चमरचंचाए रायहाणीए वत्तव्वया भाणियव्वा सभाविहूणा जाव चत्तारि पासायपंतीओ। चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचे आवासे वसहिं उवेइ ? नो इणट्ठे समट्ठे, से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चमरचंचे आवासे २ ? गोयमा ! से जहानामए–इहं मणुस्सलोगंसि उवगारियलेणाइ वा उज्जाणियलेणाइ वा णिज्जाणियलेणाइ वा धारिवारियलेणाइ वा तत्थ णं बहवे मणुस्सा य मणुस्सीओ य आसयंति सयंति जहा रायप्पसेणइज्जे जाव कल्लाणफलवित्तिविसेसं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति अन्नत्थ पुण वसहिं उवेंति एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चमरचंचे आवासे केवलं किड्डारतिपत्तियं अन्नत्थ पुण वसहिं उवेइ, से तेणट्ठेणं जाव आवासे सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४८९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नगरी होत्था वन्नओ पुन्नभद्दे चेइए वन्नओ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव विहरमाणे जेणेव चंपा नगरी जेणेव पुन्नभद्दे चेइए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता

भाणियव्वं, परट्ठाणे आइल्लगा तिन्नि असंखेज्जा भाणियव्वा, पच्छिल्लगा तिन्नि अणंता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइया अद्धासमया ओगाढा ? नत्थि एक्कोवि ॥४८२॥ जत्थ णं भंते ! एगे पुढविकाइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढविक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया आउक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया तेउक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया वाउक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया वणस्सइक्काइया ओगाढा ? अणंता, जत्थ णं भंते ! एगे आउक्काइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढवि० ? असंखेज्जा, केवइया आउ० ? असंखेज्जा, एवं जहेव पुढविकाइयाणं वत्तव्वया तहेव सव्वेसिं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वणस्सइक्काइयाणं जाव केवइया वणस्सइक्काइया ओगाढा ? अणंता ॥४८३॥ एयंसि णं भंते ! धम्मत्थिकाय० अधम्मत्थिकाय० आगासत्थिकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सुइत्तए वा चिट्ठित्तए वा निसीइत्तए वा तुयट्टित्तए वा ? नो इणट्ठे समट्ठे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एयंसि णं धम्मत्थि० जाव आगासत्थिकायंसि णो चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव ओगाढा ? गोयमा ! से जहा नामए-कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा जहा रायप्पसेणइज्जे जाव दुवारवयणाइं पिहेइ पिहेइत्ता तीसे कूडागारसालाए बहुमज्झदेसभाए जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं पईवसहस्सं पलीवेज्जा, से नूणं गोयमा ! ताओ पईवलेस्साओ अन्नमन्नसंबद्धाओ अन्नमन्नपुट्ठाओ जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता चिट्ठंति, चक्किया णं गोयमा ! केइ तासु पईवलेस्सासु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? भगवं ! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव ओगाढा ॥ ४८४ ॥ कहि णं भंते ! लोए बहुसमे, कहि णं भंते ! लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं लोए बहुसमे एत्थ णं लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते । कहि णं भंते ! विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! विग्गहकंडए एत्थ णं विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ॥ ४८५ ॥ किंसंठिए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठियसंठिए लोए पण्णत्ते, हेट्ठा विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमुद्देसए जाव अंतं करेइ ॥ एयस्स णं भंते ! अहेलोगस्स तिरियलोगस्स उड्ढलोगस्स य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे तिरियलोए, उड्ढलोए असंखेज्जगुणे, अहेलोए विसेसाहिए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४८६ ॥ **तेरहमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

नेरइया णं भंते ! किं सचित्ताहारा अचित्ताहारा मीसाहारा ? गोयमा ! नो सचित्ताहारा अचित्ताहारा नो मीसाहारा, एवं असुरकुमारा पढमो नेरइयउद्देसओ

भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी-एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वदह त्तिकट्टु जं नवरं देवाणुप्पिया ! अभीइकुमारं रज्जे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से उदायणे राया समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता तमेव आभिसेक्कं हत्थिं दुरूहइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ मियवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव वीइभए नयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तस्स उदायणस्स रण्णो अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था एवं खलु अभीइकुमारे ममं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग पुण पासणयाए, तं जइ णं अहं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि तो णं अभीइकुमारे रज्जे य रट्ठे य जाव जणवए य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने अणाईयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्सइ, तं नो खलु मे सेयं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, सेयं खलु मे णियगं भाइणेज्जं केसिकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव वीइभए नयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वीइभयं नयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गेहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आभिसेक्कं हत्थिं ठवेइ २ त्ता आभिसेक्काओ हत्थीओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! वीइभयं नयरं सब्भिंतरबाहिरियं जाव पच्चप्पिणंति तए णं से उदायणे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! केसिस्स कुमारस्स महत्थं ३ एवं रायाभिसेओ जहा सिवभद्दस्स कुमारस्स तहेव भाणियव्वो जाव परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडे सिंधुसोवीरपामोक्खाणं सोलसण्हं जणवयाणं वीइभयपामोक्खाणं तिण्हं तेसट्ठीणं नगरागरसयाणं महसेणपामोक्खाणं दसण्हं राईणं अन्नेसिं च बहूणं राईसर जाव कारेमाणे पालेमाणे विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति । तए णं से केसीकुमारे राया जाए महया जाव विहरइ । तए णं से उदायणे राया केसिं रायाणं आपुच्छइ, तए णं से केसीराया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ एवं जहा जमालिस्स तहेव सब्भिंतरबाहिरियं तहेव जाव निक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेंति, तए णं से केसीराया अणेगगणणायग जाव संपरिवुडे उदायणं रायं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं निसी-

जाव विहरइ, तेण कालेणं तेण समएणं सिंधुसोवीरेसु जणवएसु वीइभए नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स ण वीइभयस्स नयरस्स वहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं मियवणे नाम उज्जाणे होत्था सव्वोउय० वन्नओ; तत्थ ण वीइभए नयरे उदायणे नाम राया होत्था महया वन्नओ, तस्स णं उदायणस्स रन्नो प(उमा)भावई नामं देवी होत्था सुकुमाल० वन्नओ, तस्स ण उदायणस्स रन्नो पुत्ते पभावइए देवीए अत्तए अभीइनाम कुमारे होत्था सुकुमाल जहा सिवभद्दे जाव पच्चुवेक्खमाणे विहरइ, तस्स ण उदायणस्स रन्नो नियए भायणेज्जे केसीनाम कुमारे होत्था सुकुमाल जाव सुरूवे, से ण उदायणे राया सिंधुसोवीरप्पामोक्खाण सोलसण्ह जणवयाण, वीइभयप्पामोक्खाणं तिण्ह तेसट्ठीण नगरागरसयाण, महसेणप्पामोक्खाण दसण्ह राईण बद्धमउडाण विदिन्नछत्तचामरवालवीयणाण अन्नेसिं च बहूणं राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिईण आहेवच्च पोरेवच्च जाव कारेमाणे पालेमाणे समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तए ण से उदायणे राया अन्नया कयाइ जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जहा सखे जाव विहरइ। तए ण तस्स उदायणस्स रन्नो पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-धन्ना ण ते गामागरनगरखेडकव्वडमडवदोणमुहपट्टणासमसंवाहसन्निवेसा जत्थ ण समणे भगवं महावीरे विहरइ, धन्ना ण ते राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ जे ण समण भगव महावीरं वंदति नमसति जाव पज्जुवासति, जइ णं समणे भगव महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगाम जाव विहरमाणे इहमागच्छेज्जा इह समोसरेज्जा, इहेव वीइभयस्स नयरस्स वहिया मियवणे उज्जाणे अहापडिरूव उग्गह उग्गिण्हित्ता सजमेण तवसा जाव विहरेज्जा, तो ण अह समणं भगव महावीरं वंदेज्जा नमंसेज्जा जाव पज्जुवासेज्जा, तए ण समणे भगव महावीरे उदायणस्स रन्नो अयमेयारूव अज्झत्थियं जाव समुप्पन्न विजाणित्ता चपाओ नयरीओ पुन्नभद्दाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगाम जाव विहरमाणे जेणेव सिंधुसोवीरे जणवए जेणेव वीइभए णयरे जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव विहरइ। तए ण वीइभए नयरे सिंघाडग जाव परिसा पज्जुवासइ। तए ण से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एव वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! वीइभय नयरं सब्भितरबाहिरिय जहा कूणिओ उववाइए जाव पज्जुवासइ, पभावईपामोक्खाओ देवीओ तहेव जाव पज्जुवासंति, धम्मकहा। तए ण से उदायणे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय धम्म सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं

ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ४५१ ॥ तेरहमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–आया भंते! भासा अन्ना भासा? गोयमा! नो आया भासा अन्ना भासा, रू(विं)वी भंते! भासा अरूवी भासा? गोयमा! रूवी भासा नो अरूवी भासा, सचित्ता भंते! भासा अचित्ता भासा? गोयमा! नो सचित्ता भासा अचित्ता भासा, जीवा भंते! भासा अजीवा भासा? गोयमा! नो जीवा भासा अजीवा भासा। जीवाणं भंते! भासा अजीवाणं भासा? गोयमा! जीवाणं भासा नो अजीवाणं भासा, पुव्विं भंते! भासा भासिज्जमाणी भासा भासासमयवीइक्कंता भासा? गोयमा! नो पुव्विं भासा भासिज्जमाणी भासा नो भासासमयवीइक्कंता भासा, पुव्विं भंते! भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ? गोयमा! नो पुव्विं भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, नो भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ। कइविहा णं भंते! भासा पण्णत्ता? गोयमा! चउव्विहा भासा पण्णत्ता, तंजहा–सच्चा मोसा सच्चामोसा असच्चामोसा ॥ ४५२ ॥ आया भंते! मणे अन्ने मणे? गोयमा! नो आया मणे अन्ने मणे, जहा भासा तहा मणेवि जाव नो अजीवाणं मणे, पुव्विं भंते! मणे मणिज्जमाणे मणे? एवं जहेव भासा, पुव्विं भंते! मणे भिज्जइ, मणिज्जमाणे मणे भिज्जइ, मणसमयवीइक्कंते मणे भिज्जइ? एवं जहेव भासा। कइविहे णं भंते! मणे पण्णत्ते? गोयमा! चउव्विहे मणे पण्णत्ते, तंजहा–सच्चे जाव असच्चामोसे ॥ ४५३ ॥ आया भंते! काए अन्ने काए? गोयमा! आयावि काए अन्नेवि काए, रूवी भंते! काए अरूवी काए? गोयमा! रूवीवि काए अरूवीवि काए, एवं एक्केक्के पुच्छा, गोयमा! सचित्तेवि काए अचित्तेवि काए, जीवेवि काए अजीवेवि काए, जीवाणवि काए अजीवाणवि काए, पुव्विं भंते! काए पुच्छा, गोयमा! पुव्विंपि काए कायिज्जमाणेवि काए कायसमयवीइक्कंतेवि काए, पुव्विं भंते! काए भिज्जइ पुच्छा, गोयमा! पुव्विंपि काए भिज्जइ कायिज्जमाणेवि काए भिज्जइ, कायसमयवीइक्कंतेवि काए भिज्जइ ॥ कइविहे णं भंते! काए पण्णत्ते? गोयमा! सत्तविहे काए पण्णत्ते, तंजहा–ओरालिए ओरालियमीसए वेउव्विए वेउव्वियमीसए आहारए आहारगमीसए कम्मए ॥ ४५४ ॥ कइविहे णं भंते! मरणे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा—आवीचियमरणे ओहिमरणे आइंतियमरणे बालमरणे पंडियमरणे। आवीचियमरणे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वा-

यावेइ २ त्ता अट्ठसएण सोवण्णियाण एवं जहा जमालिस्स जाव एवं वयासी-भण सामी! किं देमो किं पयच्छामो किणा वा ते अट्ठो? तए ण से उदायणे राया केसिं राय एवं वयासी-इच्छामि णं देवाणुप्पिया! कुत्तियावणाओ एव जहा जमालिस्स णवर पउमावई अग्गकेसे पडिच्छइ पियविप्पओगदूस(णा)हा, तए णं से केसी राया दोच्चंपि उत्तरावक्कमण सीहासण रयावेइ दो० २ त्ता उदायण राय सेयापीयएहिं कलसेहिं सेस जहा जमालिस्स जाव सन्निसन्ने, तहेव अम्मधाई नवरं पउमावई हसलक्खण पडसाडग गहाय सेस तं चेव जाव सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समण भगव महावीर तिक्खुत्तो जाव वदइ नमसइ वदित्ता नमसित्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभाग अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालकारं त चेव जाव पउमावई पडिच्छइ जाव घडियव्व सामी! जाव नो पमाएयव्वतिकट्टु केसी राया पउमावई य समण भगव महावीर वदंति नमसति वं० २ त्ता जाव पडिगया। तए ण से उदायणे राया सयमेव पचमुट्ठियं लोयं सेस जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ४९० ॥ तए ण तस्स अभीइकुमारस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयसि कुडुबजागरिय जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु अह उदायणस्स पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए, तए ण से उदायणे राया मम अवहाय नियग-भायणिज्ज केसिकुमार रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइए, इमेण एयारूवेण महया अप्पत्तिएण मणोमाणसिएण दुक्खेण अभिभूए समाणे अतेउरपरियालसपरिवुडे सभंडमत्तोवगरणमायाए वीइभयाओ नयराओ निग्गच्छइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चपा नयरी जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कूणिय राय उवसपज्जित्ताण विहरइ, तत्थवि ण से विउलभोगसमिइसमन्नागए यावि होत्था, तए ण से अभीइकुमारे समणोवासए यावि होत्था, अभिगय जाव विहरइ, उदायणमि रायरिसिंमि समणुबद्धवेरे यावि होत्था, तेण कालेणं तेणं समएण इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए निरयपरिसामतेसु चो(य)सट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पन्नत्ता, तए ण से अभीइकुमारे बहूइ वासाइ समणोवासगपरियाग पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए सलेहणाए तीसं भत्ताइ अणसणाए छेदेइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयपरिसामतेसु चोयट्ठीए आयावा जाव सहस्सेसु अन्नयरसि आयावा असुरकुमारा(आया)वाससि असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णे, तत्थ ण अत्थेगइयाण आयावगाणं असुरकुमाराण देवाण एग पलिओवम ठिई प०, तस्स णं अभीइस्सवि देवस्स एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। से ण भते! अभीइदेवे

वीचियमरणे खेत्तावीचियमरणे कालावीचियमरणे भवावीचियमरणे भावावीचियमरणे, दव्वावीचियमरणे ण भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-नेरइयदव्वावीचियमरणे, तिरिक्खजोणियदव्वावीचियमरणे, मणुस्सदव्वावीचियमरणे, देवदव्वावीचियमरणे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वावीचियमरणे नेरइयदव्वावीचियमरणे ?, गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं नेरइयाउयत्ताए गहियाइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पट्ठवियाइं निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं भवंति ताइं दव्वाइं आवी(विय)ची अणुसमयं निरंतरं मरंतित्तिकट्टु से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वावीचियमरणे, एवं जाव देवदव्वावीचियमरणे । खेत्तावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-नेरइयखेत्तावीचियमरणे जाव देवखेत्तावीचियमरणे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयखेत्तावीचियमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयखेत्ते वट्टमाणा जाइं दव्वाइं नेरइयाउयत्ताए एवं जहेव दव्वावीचियमरणे तहेव खेत्तावीचियमरणेवि, एवं जाव भावावीचियमरणे । ओहिमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा-दव्वोहिमरणे खेत्तोहिमरणे जाव भावोहिमरणे । दव्वोहिमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-नेरइयदव्वोहिमरणे जाव देवदव्वोहिमरणे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वोहिमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति जण्णं नेरइया ताइं दव्वाइं अणागए काले पुणोवि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव दव्वोहिमरणे, एवं तिरिक्खजोणिय० मणुस्स० देवदव्वोहिमरणेवि, एवं एएणं गमेणं खेत्तोहिमरणेवि कालोहिमरणेवि भवोहिमरणेवि भावोहिमरणेवि । आइंतियमरणे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं०-दव्वाइंतियमरणे खेत्ताइंतियमरणे जाव भावाइंतियमरणे, दव्वाइंतियमरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प० तं०-नेरइयदव्वाइंतियमरणे जाव देवदव्वाइंतियमरणे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयदव्वाइंतियमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति जे णं नेरइया ताइं दव्वाइं अणागए काले नो पुणोवि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव मरणे, एवं तिरिक्ख० मणुस्स० देवाइंतियमरणे, एवं खेत्ताइंतियमरणेवि, एवं जाव भावाइंतियमरणेवि । बालमरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुवालसविहे प० तं०—वलयमरणे जहा खंदए जाव गिद्धपिट्ठे ॥ पंडियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य । पाओवगमणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे

समट्ठे, नेरइया णं एगसमएण वा दुसमएण वा तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, नेरइयाणं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पन्नत्ते एवं जाव वेमाणियाणं नवरं एगिंदियाणं चउसमइए विग्गहे भाणियव्वे सेसं तं चेव ॥ ५ ॥ नेरइया णं भंते ! किं अणंतरोववन्नगा परंपरोववन्नगा अणंतरपरंपरअणुववन्नगा ? गोयमा ! नेरइया णं अणंतरोववन्नगावि परंपरोववन्नगावि अणंतरपरंपरअणुववन्नगावि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अणंतरपरंपरअणुववन्नगावि ? गोयमा ! जे णं नेरइया पढमसमयोववन्नगा ते णं नेरइया अणंतरोववन्नगा जे णं नेरइया अपढमसमयोववन्नगा ते णं नेरइया परंपरोववन्नगा जे णं नेरइया विग्गहगइसमावन्नगा ते णं नेरइया अणंतरपरंपरअणुववन्नगा से तेणट्ठेणं जाव अणुववन्नगावि एवं निरंतरं जाव वेमाणिया ९ । अणंतरोववन्नगा णं भंते ! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्ख मणुस्स देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेंति । परंपरोववन्नगा णं भंते ! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति, नो देवाउयं पकरेंति । अणंतरपरंपरअणुववन्नगा णं भंते ! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेन्ति एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य परंपरोववन्नगा चत्तारिवि आउयाइं पकरें(संसं)ति, सेसं तं चेव २ ॥ नेरइया णं भंते ! किं अणंतरनिग्गया परंपरनिग्गया अणंतरपरंपरअनिग्गया ? गोयमा ! नेरइया णं अणंतरनिग्गयावि जाव अणंतरपरंपरअनिग्गयावि से केणट्ठेणं भंते ! जाव अनिग्गयावि ? गोयमा ! जे णं नेरइया पढमसमयनिग्गया ते णं नेरइया अणंतरनिग्गया जे णं नेरइया अपढमसमयनिग्गया ते णं नेरइया परंपरनिग्गया जे णं नेरइया विग्गहगइसमावन्नगा ते णं नेरइया अणंतरपरंपरअनिग्गया से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अनिग्गयावि एवं जाव वेमाणिया ३ ॥ अणंतरनिग्गया णं भंते ! नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेंति । परंपरनिग्गया णं भंते ! नेरइया किं नेरइयाउयं पुच्छा गोयमा ! नेरइयाउयंपि पकरेंति जाव देवाउयंपि पकरेंति । अणंतरपरंपरअनिग्गया णं भंते ! नेरइया पुच्छा गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेंति जाव नो देवाउयं पकरेंति एवं निरवसेसं जाव वेमाणिया ४ ॥ नेरइया णं भंते ! किं अणंतरखेदोववन्नगा परंपरखेदोववन्नगा अणंतरपरंपरखेदाणुववन्नगा ? गोयमा ! नेरइया एवं एएणं अभिलावेणं तं चेव चत्तारि दंडगा भाणियव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५ ॥ चोद्दसमसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥

गहाय गच्छेज्जा, एव चेव, से जहानामए-केइ पुरिसे भिस अवद्दालिय २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भिसकिच्चगएण अप्पाणेणं त चेव, से जहानामए-मुणालिया सिया उदगंसि काय उम्मजिय २ चिट्ठिज्जा, एवामेव सेस जहा वग्गुलीए, से जहानामए-वण(खं)सढे सिया किण्हे किण्होभासे जाव निकुरुंबभूए पासादीए ४, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वगसढकिच्चगएण अप्पाणेणं उड्ढं वेहास उप्पएज्जा, सेस त चेव, से जहानामए-पुक्खरिणी सिया चउक्कोणा समतीरा अणुपुव्वसुजाय जावसद्दुन्नइयमहुरसरणाइया पासाईया ४, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा पोक्खरिणीकिच्चगएण अप्पाणेण उड्ढं वेहास उप्पएज्जा? हता उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवइयाइ पभू पोक्खरिणीकिच्चगयाइ रूवाइ विउव्वित्तए, सेस त चेव जाव विउव्विस्सति वा। से भते! किं माई विउव्वइ अमाई विउव्वइ? गोयमा! माई विउव्वइ नो अमाई विउव्वइ, माई ण तस्स ठाणस्स अणालोइय० एव जहा तइयसए चउत्थुद्देसए जाव अत्थि तस्स आराहणा। सेव भते! सेव भते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४९७ ॥ **तेरहमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ ण भते! छाउमत्थियसमुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता, तजहा-वेयणासमुग्घाए एव छाउमत्थियसमुग्घाया नेयव्वा जहा पन्नवणाए जाव आहारगसमुग्घाएत्ति। सेव भंते! सेव भते! त्ति जाव विहरइ ॥ ४९८ ॥ **तेरहमे सए दसमो उद्देसो समत्तो, तेरसमं सयं समत्तं ॥**

चर १ उम्माय २ सरीरे ३ पोग्गल ४ अगणी ५ तहा किमाहारे ६। ससिट्ठ ७ मतरे खलु ८ अणगारे ९ केवली चेव १० ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एव वयासी-अणगारे ण भते! भावियप्पा चरम देवावास वीइक्कते परम देवावासमसपत्ते एत्थ ण अतरा कालं करेज्जा, तस्स ण भते! कहिं गई कहिं उववाए पन्नत्ते? गोयमा! जे से तत्थ परि(य)स्सओ तल्लेसा देवावासा तहिं तस्स गई तहिं तस्स उववाए पन्नत्ते, से य तत्थगए विराहेज्जा कम्मलेस्सामेव पडि(म)वडइ, से य तत्थ गए नो विराहेज्जा तामेव लेस्स उवसपज्जित्ताणं विहरइ ॥ अणगारे ण भंते! भावियप्पा चरमं असुरकुमारावासं वीइक्कते परम असुरकुमारा० एव चेव, एवं जाव थणियकुमारावास जोइसियावास, एव वेमाणियावास जाव विहरइ ॥ ४९९ ॥ नेरइयाण भते! कह सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलव जुगव जाव निउणसिप्पोवगए आउंटिय वाह पसारेज्जा पसारिय वा बाह आउंटेज्जा, विक्खिण्ण वा मुट्ठिं साहरेज्जा, साहरिय वा मुट्ठिं विक्खिरेज्जा, उम्मिसिय वा अच्छि निम्मिसेज्जा निम्मिसियं वा अच्छि उम्मिसेज्जा, भवे एयारूवे? णो इणट्ठे

कहमियाणिं पकरेइ? गोयमा! ताहे चेव णं से ईसाणे देविंदे देवराया अब्भिंतरपरिसए देवे सद्दावेइ, तए णं ते अब्भिंतरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा एवं जहेव सक्कस्स जाव तए णं ते आभिओगिया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्काइए देवे सद्दावेंति, तए णं ते तमुक्काइया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्कायं पकरेंति एवं खलु गोयमा! ईसाणे देविंदे देवराया तमुक्कायं पकरेइ ॥ अत्थि णं भंते! असुरकुमारा वि देवा तमुक्कायं पकरेंति? हंता अत्थि। किं पत्तियं णं भंते! असुरकुमारा देवा तमुक्कायं पकरेंति? गोयमा! किड्डारइपत्तियं वा पडिणीयविमोहणट्ठयाए वा गुत्तीसंरक्खणहेउं वा अप्पणो वा सरीरपच्छायणट्ठयाए, एवं खलु गोयमा! असुरकुमारा वि देवा तमुक्कायं पकरेंति एवं जाव वेमाणिया। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५४ ॥ चोद्दसमसयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥

देवे णं भंते! महाकाए महासरीरे अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा? गोयमा! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा? गोयमा! देवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-मायिमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमायिसम्मदिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे से मायिमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ २ त्ता णो वंदइ णो णमंसइ णो सक्कारेइ णो सम्माणेइ णो कल्लाणं मंगलं देवयं जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा, तत्थ णं जे से अमायिसम्मदिट्ठिउववन्नए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ पासित्ता वंदइ णमंसइ जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं नो वीईवएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव नो वीईवएज्जा। असुरकुमारे णं भंते! महाकाए महासरीरे एवं चेव एवं देवदंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिए ॥ ५५ ॥ अत्थि णं भंते! नेरइयाणं सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा किइकम्मेइ वा अब्भुट्ठाणेइ वा अंजलिपग्गहेइ वा आसणाभिग्गहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा इंतस्स पच्चुग्गच्छणया ठियस्स पज्जुवासणया गच्छंतस्स पडिसंसाहणया? णो इणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते! असुरकुमाराणं सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जाव पडिसंसाहणया? हंता अत्थि एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं जाव चउरिंदियाणं एएसिं जहा नेरइयाणं अत्थि णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सक्कारेइ वा जाव पडिसंसाहणया? हंता अत्थि नो चेव णं आसणाभिग्गहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा मणुस्साणं जाव वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ५६ ॥ अप्पिड्ढिए णं भंते! देवे महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा? णो इणट्ठे समट्ठे, समिड्ढिए

कइविहे ण भंते ! उम्माए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तजहा-जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएण, तत्थ णं जे से जक्खावेसे से ण सुहवेयणतराए चेव सुहविमोयणतराए चेव, तत्थ ण जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएण से ण दुहवेयणतराए चेव दुहविमोयणतराए चेव ॥ नेरइयाणं भते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तजहा-जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएण, से केणट्ठेणं भते ! एव वुच्चइ नेरइयाण दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तजहा-जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएण ? गोयमा ! देवे वा से असुमे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से ण तेसिं असुभाण पोग्गलाण पक्खिवणयाए जक्खावेस उम्माय पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा कम्मस्स उदएण मोहणिज्ज उम्माय पाउणेज्जा, से तेणट्ठेण जाव उदएण । असुरकुमाराण भते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ? एव जहेव नेरइयाण नवरं देवे वा से महिड्ढियतराए चेव असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाण पोग्गलाण पक्खिवणयाए जक्खा(ए)वेसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा सेस त चेव, से तेणट्ठेण जाव उदएण, एव जाव थणियकुमाराण, पुढविकाइयाण जाव मणुस्साण एएसिं जहा नेरइयाण; वाणमंतरजोइसियवेमाणियाण जहा असुरकुमाराण ॥ ५०२ ॥ अत्थि ण भते !, पज्जन्ने कालवासी वुट्ठिकाय पकरेइ ? हता अत्थि ॥ जाहे णं भते ! सक्के देविंदे देवराया वुट्ठिकाय काउकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया अब्भितरपरि(सा)सए देवे सद्दावेइ, तए ण ते अब्भितरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा मज्झिमपरिसए देवे सद्दावेंति, तए ण ते मज्झिमपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा वाहिरपरिसए देवे सद्दावेंति, तए ण ते वाहिरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा वाहिरवाहिरगा देवा सद्दावेंति, तए ण ते वाहिरवाहिरगा देवा सद्दाविया समाणा आभिओगिए देवे सद्दावेंति, तए ण ते जाव सद्दाविया समाणा वुट्ठिकाइए देवे सद्दावेंति, तए ण ते वुट्ठिकाइया देवा सद्दाविया समाणा वुट्ठिकाय पकरेंति, एव खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया वुट्ठिकाय पकरेइ ॥ अत्थि ण भते ! असुरकुमाराVि देवा वुट्ठिकाय पकरेंति ? हता अत्थि, किं पत्तियन्नं भते ! असुरकुमारा देवा वुट्ठिकाय पकरेंति ? गोयमा ! जे इमे अरहता भगवत्ता एएसि ण जम्मणमहिमासु वा, निक्खमणमहिमासु वा, णाणुप्पायमहिमासु वा, परिनिव्वाणमहिमासु वा, एव खलु गोयमा ! असुरकुमाराVि देवा वुट्ठिकायं पकरेंति, एव नागकुमाराVि, एव जाव थणियकुमारा, वाणमतरजोइसियवेमाणिया एव चेव ॥ ५०३ ॥ जाहे णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुकाय काउंकामे भवइ से

नेरइए णं भंते! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा! गोयमा! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा! गोयमा! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावन्नए नेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा! नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ णं जे से अविग्गहगइसमावन्नए नेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं नो वीईवएज्जा से तेणट्ठेणं जाव नो वीईवएज्जा ॥ असुरकुमारे णं भंते! अगणिकायस्स पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा से केणट्ठेणं जाव नो वीईवएज्जा! गोयमा! असुरकुमारा दुविहा पन्नत्ता तंजहा–विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावन्नए असुरकुमारे से णं एवं जहेव नेरइए जाव कमइ, तत्थ णं जे से अविग्गहगइसमावन्नए असुरकुमारे से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा! नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, से तेणट्ठेणं एवं जाव थणियकुमारे, एगिंदिया जहा नेरइया। बेइंदिए णं भंते! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं जहा असुरकुमारे तहा बेइंदिएवि नवरं जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा! हंता झियाएज्जा सेसं तं चेव एवं जाव चउरिंदिए ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! अगणिकाय पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा से केणट्ठेणं ! गोयमा! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा–विग्गहगइसमावन्नगा य अविग्गहगइसमावन्नगा य विग्गहगइसमावन्नए जहेव नेरइए जाव नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, अविग्गहगइसमावन्नगा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा–इड्ढिप्पत्ता य अणिड्ढिप्पत्ता य तत्थ णं जे से इड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्खजोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा! नो इणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ णं जे से अणिड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्खजोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए नो वीईवएज्जा जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा! हंता झियाएज्जा से तेणट्ठेणं जाव नो वीई-(वि)एज्जा एवं मणुस्सेवि वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे ॥५७४॥ नेरइया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति तंजहा–अणिट्ठा सद्दा अणिट्ठा रूवा

ण भते ! देवे समिड्डियस्स देवस्स मज्झमज्झेणं वीईवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, पमत्त पुण वीईवएज्जा, से ण भते ! किं सत्थेण अक्कमित्ता पभू अणक्कमित्ता पभू ? गोयमा ! अक्कमित्ता पभू नो अणक्कमित्ता पभू, से ण भंते ! किं पुव्विं सत्थेण अक्कमित्ता पच्छा वीईवएज्जा, पुव्विं वीईवएज्जा पच्छा सत्थेण अक्कमेज्जा ? एवं एएणं अभिलावेण जहा दसमसए आइड्डिउद्देसए तहेव निरवसेस चत्तारि दण्डगा भाणियव्वा जाव महिड्डिया वेमाणिणी अप्पिड्डियाए वेमाणिणीए ॥५०७॥ रयणप्पभापुढविनेरइया ण भते ! केरिसय पोग्गलपरिणाम पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठ जाव अमणाम, एव जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया, एवं वेयणापरिणाम, एव जहा जीवाभिगमे बिइए नेरइयउद्देसए जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया णं भते ! केरिसय परिग्गहसन्नापरिणाम पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठ जाव अमणामं । सेव भंते ! २ त्ति ॥ ५०८ ॥ **चोद्दसमसयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

एस ण भते ! पोग्गले तीतमणत सासय समयं लुक्खी समय अलुक्खी समयं लुक्खी वा अलुक्खी वा, पुव्विं च ण करणेण अणेगवन्न अणेगरूवं परिणाम परिणमइ, अह से परिणामे निज्जिन्ने भवइ तओ पच्छा एगवन्ने एगरूवे सिया ? हता गोयमा ! एस ण पोग्गले तीत तं चेव जाव एगरूवे सिया ॥ एस ण भते ! पोग्गले पडुप्पन्न सासयं समय० ? एव चेव, एव अणागयमणंतंपि ॥ एस ण भते ! खधे तीतमणंत० ? एव चेव, खधेवि जहा पोग्गले ॥ ५०९ ॥ एस ण भंते ! जीवे तीतमणंत सासय समयं दुक्खी समय अदुक्खी समय दुक्खी वा अदुक्खी वा, पुव्विं च ण करणेण अणेगभाव अणेगभूयं परिणामं परिणमइ, अह से वेयणिज्जे निज्जिन्ने भवइ तओ पच्छा एगभावे एगभूए सिया ? हता गोयमा ! एस ण जीवे जाव एगभूए सिया, एव पडुप्पन्न सासय समय, एव अणागयमणंत सासय समय ॥ ५१० ॥ परमाणुपोग्गले ण भते ! किं सासए असासए ? गोयमा ! सिय सासए सिय असासए, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ सिय सासए सिय असासए ? गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासए, वन्नपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासए, से तेणट्ठेणं जाव सिय सासए सिय असासए ॥ ५११ ॥ परमाणुपोग्गले ण भते ! किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! दव्वादेसेण नो चरिमे अचरिमे खेत्तादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, कालादेसेण सिय चरिमे सिय अचरिमे, भावादेसेण सिय चरिमे सिय अचरिमे ॥ ५१२ ॥ कइविहे ण भते ! परिणामे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे परिणामे पण्णत्ते, तजहा—जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य, एव परिणामपय निरवसेस भाणियव्व । सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५१३ ॥ **चोद्दसमसयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

जाव मणीणं फासे तस्स णं बेमिपरिक्खगस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसगे विउव्वइ पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसियवण्णओ जाव पडिरूवं तस्स णं पासायवडिंसगस्स उल्लोए पउमलयभत्तिचित्ते जाव पडिरूवे तस्स णं पासायवडिंसगस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभाए जाव मणीणं फासो मणिपेढिया अट्ठजोयणिया जहा वेमाणियाणं तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं महं एगे देवसयणिज्जे विउव्वइ सयणिज्जवण्णओ जाव पडिरूवे, तत्थ णं से सक्के देविंदे देवराया अट्ठहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहि य अणिएहिं -नट्टाणिएण य गंधव्वाणिएण य सद्धिं महयाहयनट्ट जाव दिव्वाइं भोग-भोगाइं भुंजमाणे विहरइ ॥ जाहे णं ईसाणे देविंदे देवराया दिव्वाइं जहा सक्के तहा ईसाणेवि निरवसेसं एवं सणंकुमारेवि नवरं पासायवडिंसओ छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं तिन्नि जोयणसयाइं विक्खंभेणं मणिपेढिया तहेव अट्ठजोयणिया तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं एत्थ णं महेगं सीहासणं विउव्वइ सपरिवारं भाणियव्वं तत्थ णं सणंकुमारे देविंदे देवराया बावत्तरीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव चउहिं बावत्तरीहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं य बहूहिं सणंकुमारकप्पवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महया जाव विहरइ। एवं जहा सणंकुमारे तहा जाव पाणओ अच्चुओ नवरं जो जस्स परिवारो सो तस्स भाणियव्वो पासा-यउच्चत्तं जं सएसु २ कप्पेसु विमाणाणं उच्चत्तं अद्धद्धं वित्थारो जाव अच्चुयस्स नवजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धपंचमाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं तत्थ णं गोयमा! अच्चुए देविंदे देवराया दसहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव विहरइ, सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ५११ ॥ **चोद्दसमे सए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव परिसा पडिगया गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं आमंतेत्ता एवं वयासी-चिरसंसिट्ठोऽसि मे गोयमा! चिरसंथुओऽसि मे गोयमा! चिरपरिचिओऽसि मे गोयमा! चिरजुसिओऽसि मे गोयमा! चिराणुगओऽसि मे गोयमा! चिराणुवत्तीसि मे गोयमा! अणंतरं देवलोए अणंतरं माणुस्सए भवे किं परं मरणा कायस्स भेदा इओ चुया दोवि तुल्ला एगट्ठा अविसेसमणाणत्ता भविस्सामो ॥ ५१२ ॥ जहा णं भंते! वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा णं अणुत्तरोववाइया देवावि एयमट्ठं जाणंति पासंति? हंता गोयमा! जहा णं वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा अणुत्तरोववाइया देवावि एयमट्ठं जाणंति पासंति। से केणट्ठेणं जाव पासंति? गोयमा! अणुत्तरोववाइयाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमन्नागयाओ भवंति से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव

अणिट्ठा गंधा अणिट्ठा रसा अणिट्ठा फासा अणिट्ठा गई अणिट्ठा ठिई अणिट्ठे लायन्ने अणिट्ठे जसोकित्ती अणिट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे । असुरकुमारा दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-इट्ठा सद्दा इट्ठा रूवा जाव इट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे, एवं जाव थणियकुमारा ॥ पुढविकाइया छट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, त०-इट्ठाणिट्ठा फासा इट्ठाणिट्ठा गई एवं जाव परक्कमे, एवं जाव वणस्सइकाइया । बेइंदिया सत्तट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-इट्ठाणिट्ठा रसा सेसं जहा एगिंदियाणं, तेइंदिया णं अट्ठट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, त०-इट्ठाणिट्ठा गंधा सेसं जहा बेइंदियाणं, चउरिंदिया णं नवट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, त०-इट्ठाणिट्ठा रूवा सेसं जहा तेइंदियाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा-इट्ठाणिट्ठा सद्दा जाव परक्कमे, एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ५१५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू तिरियपव्वयं वा तिरियभित्तिं वा उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू तिरियं जाव पल्लंघेत्तए वा ? हंता पभू । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५१६ ॥

चोद्दसमे सए पञ्चमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-नेरइया णं भंते ! किमाहारा किंपरिणामा किंजोणिया किंठिईया पण्णत्ता ? गोयमा ! नेरइया णं पोग्गलाहारा पोग्गलपरिणामा पोग्गलजोणिया पोग्गलट्ठिईया कम्मोवगा कम्मनियाणा कम्मट्ठिईया कम्मुणा(चे)मेव विप्परियासमेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥५१७॥ नेरइया णं भंते ! किं वीचिदव्वाइं आहारेंति अवीचिदव्वाइं आहारेंति ? गोयमा ! नेरइया वीचिदव्वाइंपि आहारेंति अवीचिदव्वाइंपि आहारेंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया वीचि० तं चेव जाव आहारेंति ? गोयमा ! जे णं नेरइया एगपएसूणाइंपि दव्वाइं आहारेंति ते णं नेरइया वीचिदव्वाइं आहारेंति, जे णं नेरइया पडिपुण्णाइं दव्वाइं आहारेंति ते णं नेरइया अवीचिदव्वाइं आहारेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव आहारेंति, एवं जाव वेमाणिया आहारेंति ॥ ५१८ ॥ जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजिउकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया एगं महं नेमिपडिरूवगं विउव्वइ, एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिन्नि जोयणसयसहस्साइं जाव अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहियं परिक्खेवेणं, तस्स णं नेमिपडिरूवस्स उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पन्नत्ते

वट्टस्स संठाणस्स संठाणओ तुल्ले, समचउरंसे संठाणे समचउरंससंठाणवइरित्तस्स संठाणस्स संठाणओ णो तुल्ले एवं परिमंडले एवं जाव हुंडे से तेणट्ठेणं जाव संठाणतुल्लए २ ॥ ५२२ ॥ भत्तपच्चक्खायए णं भंते! अणगारे मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने आहारमाहारेइ अहे णं वीससाए कालं करेइ तओ पच्छा अमुच्छिए अगिद्धे जाव अणज्झोववन्ने आहारमाहारेइ? हंता गोयमा! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे तं चेव से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ भत्तपच्चक्खायए णं तं चेव? गोयमा! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने आहारे भवइ, अहे णं वीससाए कालं करेइ तओ पच्छा अमुच्छिए जाव आहारे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव आहारमाहारेइ ॥ ५२३ ॥ अत्थि णं भंते! लवसत्तमा देवा २? हंता अत्थि से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ लवसत्तमा देवा २? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे जाव निउणसिप्पोवगए सालीण वा वीहीण वा गोधूमाण वा।जवाण वा जवजवाण वा प(पि)क्काणं परियाताणं हरियाणं हरियकंडाणं तिक्खेणं णवपज्जणएणं असियएणं पडिसाहरिया २ पडिसंखिविया २ जाव इणामेव (२) त्तिकट्टु सत्तलवे लुएज्जा जइ णं गोयमा! तेसिं देवाणं एवइयं कालं आउए पहुप्पए तो णं ते देवा तेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झं(ता)ति जाव अंतं करेंति से तेणट्ठेणं जाव लवसत्तमा देवा लवसत्तमा देवा ॥५२४॥ अत्थि णं भंते! अणुत्तरोववाइया देवा २? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अणुत्तरोववाइया देवा २? गोयमा! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं अणुत्तरा सद्दा अणुत्तरा रूवा जाव अणुत्तरा फासा से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव अणुत्तरोववाइया देवा २। अणुत्तरोववाइया णं भंते! देवा केवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववन्ना? गोयमा! जावइयं छट्ठभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइया देवा देवत्ताए उववन्ना। सेवं भंते! २ त्ति ॥५२५॥ चोद्दसमे सए सत्तमो उद्देसो समत्तो॥

इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए य पुढवीए केवइयं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते, सक्करप्पभाए णं भंते! पुढवीए वालुयप्पभाए य पुढवीए केवइयं? एवं चेव एवं जाव तमाए अहेसत्तमाए य अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए अलोगस्स य केवइयं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पन्नत्ते। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए जोइसियस्स य केवइयं पुच्छा गोयमा! सत्तणउए जोयणसए अबाहाए अंतरे पन्नत्ते जोइसियस्स णं भंते! सोहम्मीसाणाण य कप्पाणं केवइयं पुच्छा गोयमा! असंखेज्जाइं जोयण जाव

पासति ॥ ५२१ ॥ कइविहे ण भंते ! तुल्लए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे तुल्लए पण्णत्ते, तंजहा-दव्वतुल्लए, खेत्ततुल्लए, कालतुल्लए, भवतुल्लए, भावतुल्लए, संठाणतुल्लए, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ दव्वतुल्लए २ ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलस्स दव्वओ तुल्ले, परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलवइरित्तस्स दव्वओ णो तुल्ले, दुपएसिए खधे दुपएसियस्स खधस्स दव्वओ तुल्ले, दुपएसिए खधे दुपएसियवइरित्तस्स खंधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं जाव दसपएसिए, तुल्लसखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, तुल्लसखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसखेज्जपएसियवइरित्तस्स खधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं तुल्लअसखेज्जपएसिएवि, एवं तुल्लअणतपएसिएवि, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ दव्वतुल्लए । से केणट्ठेणं भते ! एव वुच्चइ खेत्ततुल्लए २ ? गोयमा ! एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स खेत्तओ तुल्ले, एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढवइरित्तस्स पोग्गलस्स खेत्तओ णो तुल्ले, एव जाव दसपए-सोगाढे, तुल्लसखेज्जपएसोगाढेवि एव चेव, एव तुल्लअसंखेज्जपएसोगाढेवि, से तेणट्ठेण जाव खेत्ततुल्लए । से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ कालतुल्लए २ ? गोयमा ! एगसमयठि-ईए पोग्गले एगसमयठिईयस्स पोग्गलस्स कालओ तुल्ले, एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईयवइरित्तस्स पोग्गलस्स कालओ णो तुल्ले, एव जाव दससमयट्ठिईए, तुल्लसखेज्जसमयठिईए एव चेव, एव तुल्लअसखेज्जसमयट्ठिईएवि, से तेणट्ठेण जाव काल-तुल्लए। से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ भवतुल्लए २ ? गोयमा ! नेरइए नेरइयस्स भवट्ठयाए तुल्ले, नेरइए नेरइयवइरित्तस्स भवट्ठयाए नो तुल्ले, तिरिक्खजोणिए एव चेव, एवं मणु-स्सेवि, एव देवेवि, से तेणट्ठेण जाव भवतुल्लए। से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ भावतुल्लए भावतुल्लए ? गोयमा ! एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालयस्स पोग्गलस्स भावओ तुल्ले, एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालगवइरित्तस्स पोग्गलस्स भावओ णो तुल्ले, एव जाव दसगुणकालए, एव तुल्लसखेज्जगुणकालए पोग्गले, एव तुल्लअसखेज्जगुणकालएवि, एव तुल्लअणतगुणकालएवि, जहा कालए एव नीलए लोहियए हालिद्दए सुक्किल्लए, एवं सुब्भिगधे, एवं दुब्भिगधे, एव तित्ते जाव महुरे, एवं कक्खडे जाव लुक्खे, उदइए भावे उदइयस्स भावस्स भावओ तुल्ले, उदइए भावे उदइयभाववइरित्तस्स भावस्स भावओ नो तुल्ले, एवं उवसमिएवि, खइए० खओवसमिए० पारिणामिए० सनिवाइए भावे सनिवाइयस्स भावस्स, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ भावतुल्लए २ । से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ सठाणतुल्लए २ ? गोयमा ! परिमडले सठाणे परिमडलस्स सठाणस्स सठाणओ तुल्ले, परिमंडलसठाणे परिमंडलसठाणवइरित्तस्स सठाणस्स संठाणओ नो तुल्ले, एव वट्टे तसे चउरंसे आयए, समचउरंससंठाणे सम-

अतरे पण्णत्ते, सोहम्मीसाणाणं भते ! सणकुमारमाहिंदाण य केवइय० ? एवं चेव, सणंकुमारमाहिंदाणं भंते ! बभलोगस्स य कप्पस्स केवइयं० ? एव चेव, बंभलोगस्स ण भते ! लतगस्स य कप्पस्स केवइय० ? एवं चेव, लंतगस्स णं भंते ! महासुक्कस्स य कप्पस्स केवइय० ? एव चेव, एवं महासुक्कस्स य कप्पस्स सहस्सारस्स य, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाण, एवं आणयपाणयाण य कप्पाण आरणच्चुयाण य कप्पाण, एव आरणच्चुयाण गेविज्जविमाणाण य, एवं गेविज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य । अणुत्तरविमाणाणं भंते ! ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए केवइय० पुच्छा, गोयमा ! दुवालसजोयणे अबाहाए अतरे पण्णत्ते, ईसिप्पब्भाराए ण भते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइए अबाहाए० पुच्छा, गोयमा ! देसूणं जोयणं अबाहाए अतरे पण्णत्ते ॥५२६॥ एस ण भते ! सालरुक्खे उण्हाभिहए तण्हाभिहए दवग्गिजा-लाभिहए कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव रायगिहे नयरे सालरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियस-म्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सन्निहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए यावि भविस्सइ, से ण भते ! तओहिंतो अणतरं उव्वट्टित्ता कहिं गमिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अत काहिइ ॥ एस णं भंते ! साललट्ठिया उण्हाभिहया तण्हाभिहया दवग्गिजालाभिहया कालमासे काल किच्चा जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विञ्झगिरिपायमूले महेस्सरीए नयरीए सामलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, सा ण तत्थ अच्चियवदियपूइय जाव लाउल्लोइय-महिया यावि भविस्सइ, से ण भते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता सेस जहा सालरुक्खस्स जाव अंत काहिइ । एस ण भंते ! उबरलट्ठिया उण्हाभिहया ३ कालमासे काल किच्चा जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जबुद्दीवे २ भारहे वासे पाडलिपुत्ते नयरे पाडलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चियवदिय जाव भविस्सइ, से ण भंते ! अणतरं उव्वट्टित्ता सेस त चेव जाव अत काहिइ ॥ ५२७ ॥ तेणं कालेण तेण समएण अम्मडस्स परिव्वायगस्स सत्त अंतेवासीसया गिम्हकालसमयंसि एव जहा उववाइए जाव आराहगा ॥ ५२८ ॥ बहुजणे ण भते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४ एवं खलु अम्मडे परिव्वायगे कपिल्लपुरे नयरे घरसए एव जहा उववाइए अम्मडस्स वत्तव्वया जाव दढप्पइण्णो अत काहिइ ॥ ५२९ ॥ अत्थि णं भते ! अव्वाबाहा देवा अव्वाबाहा देवा ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भते ! एवं वुच्चइ अव्वाबाहा देवा २ ? गोयमा ! पभू णं एगमेगे अव्वाबाहे देवे एगमेगस्स पुरिसस्स एगमेगसि अच्छिपत्तसि दिव्वं

वागरेज्ज वा ? हंता भासेज्ज वा वागरेज्ज वा, जहा णं भंते ! केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा तहा णं सिद्धेवि भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केण-ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जहा णं केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा णो तहा णं सिद्धे भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? गोयमा ! केवली णं सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे सिद्धे णं अणुट्ठाणे जाव अपुरिसक्कारपरक्कमे से तेणट्ठेणं जाव वागरेज्ज वा । केवली णं भंते ! उम्मिसेज्ज वा निम्मिसेज्ज वा ? हंता गोयमा ! उम्मि-सेज्ज वा निम्मिसेज्ज वा एवं चेव एवं आउट्टेज्ज वा पसारेज्ज वा, एवं ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चेएज्जा केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ, जहा णं भंते ! केवली इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि इमं रयणप्पभं पुढविं रय-णप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, केवली णं भंते ! सक्करप्पभं पुढविं सक्करप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव एवं जाव अहेसत्तमं केवली णं भंते ! सोहम्मं कप्पं सोहम्मकप्पेति जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, एवं ईसाणं एवं जाव अच्चुयं केवली णं भंते ! गेवेज्जविमाणे गेवेज्जविमाणेति जाणइ पासइ ? एवं चेव एवं अणुत्तरविमाणेवि केवली णं भंते ! ईसिप्पब्भारं पुढविं ईसिप्पब्भार-पुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव केवली णं भंते ! परमाणुपोग्गलं परमाणुपोग्गलेत्ति जाणइ पासइ ? एवं चेव एवं दुपएसियं खंधं एवं जाव जहा णं भंते ! केवली अणंतपएसियं खंधं अणंतपएसिए खंधेत्ति जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि अणंतपएसियं खंधं जाव पासइ ? हंता जाणइ पासइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५१७ ॥

चोद्दसमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ चोद्दसमं सयं समत्तं ॥

नमो सुयदेवयाए भगवईए । तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था वण्णओ तीसे णं सावत्थीए नयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए तत्थ णं कोट्ठए नामं चेइए होत्था वण्णओ तत्थ णं सावत्थीए नयरीए हालाहला नामं कुंभकारी आजीवियोवासिया परिवसइ, अड्ढा जाव अपरिभूया आजीविय-समयंसि लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता अय-माउसो ! आजीवियसमए अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठेत्ति आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं गोसाले मंखलिपुत्ते चउव्वीसवास-परियाए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजी-वियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अन्नया कयाइ इमे छ दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्था तंजहा-साणे क(लं)दे

अणत्तावि पोग्गला, एव जाव मणुस्साणं, वाणमतरजोइसियवेमाणियाण जहा असुर-कुमाराण, नेरइयाणं भते ! किं इट्ठा पोग्गला अणिट्ठा पोग्गला ? गोयमा ! नो इट्ठा पोग्गला अणिट्ठा पोग्गला, जहा अत्ता भणिया एवं इट्ठावि कतावि पियावि मणुन्नावि भाणियव्वा एए पच दडगा ॥ देवे ण भते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्स विउव्वित्ता पभू भासासहस्स भासित्तए ? हता पभू, सा ण भते ! किं एगा भासा भासासहस्स ? गोयमा ! एगा ण सा भासा णो खलु तं भासासहस्स ॥ ५३४ ॥ तेण कालेण तेणं समएण भगव गोयमे अचिरुग्गय बालसूरिय जासुमणाकुसुमपुजप्प-गास लोहितगं पासइ पासित्ता जायसड्ढे जाव समुप्पन्नकोउहल्ले जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव नमसित्ता एव वयासी–किमिदं भते ! सूरिए किमिदं भंते ! सूरियस्स अट्ठे ? गोयमा ! सुभे सूरिए सुभे सूरियस्स अट्ठे । किमिदं भंते ! सूरिए किमिदं भंते ! सूरियस्स पभा ? एव चेव, एव छाया, एवं लेस्सा ॥५३५॥ जे इमे भते ! अज्जत्ताए समणा निग्गंथा विहरंति एए ण कस्स ते(उ)यलेस्सं वीई-वयति ? गोयमा ! मासपरियाए समणे निग्गथे वाणमतराण देवाण तेयलेस्स वीइवयइ, दुमासपरियाए समणे निग्गथे असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाण तेयलेस्स वीइ-वयइ, एव एएण अभिलावेण तिमासपरियाए समणे निग्गथे असुरकुमाराण देवाणं तेयलेस्स वीइवयइ, चउम्मासपरियाए समणे निग्गंथे गहगणनक्खत्तताराख्वाण जोइ-सियाण देवाण तेयलेस्स वीइवयइ,पचमासपरियाए समणे निग्गथे चदिमसूरियाणं जोइ-सिंदाण जोइसरायाण तेयलेस्स वीइवयइ, छम्मासपरियाए समणे निग्गंथे सोहम्मीसा-णाण देवाण ०सत्तमासपरियाए० सणकुमारमाहिंदाणं देवाण० अट्ठमासपरियाए समणे निग्गथे बभलोगलतगाण देवाणं तेयलेस्स वीइवयइ, नवमासपरियाए समणे निग्गथे महासुक्कसहस्साराण देवाण तेयलेस्स वीइवयइ,दसमासपरियाए समणे निग्गथे आणय-पाणयआरणच्चुयाणं देवाण० एक्कारसमासपरियाए समणे निग्गथे गेवेज्जगाण देवाणं० बारसमासपरियाए समणे निग्गथे अणुत्तरोववाइयाणं देवाण तेयलेस्स वीइवयइ, तेण परं सुक्के सुक्काभिजाए भवित्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अत करेइ । सेवं भंते ! सेवं भते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५३६ ॥ **चोद्दसमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

केवली णं भते ! छउमत्थ जाणइ पासइ ? हता जाणइ पासइ, जहा ण भते ! केवली छउमत्थं जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि छउमत्थं जाणइ पासइ ? हता जाणइ पासइ, केवली ण भंते ! आहोहियं जाणइ पासइ ? एव चेव, एव परमाहो-हियं, एव केवलिं एवं सिद्धं जाव जहा ण भंते ! केवली सिद्ध जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि सिद्धं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ । केवली णं भंते ! भासेज्ज वा

गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सरवणे संनिवेसे जेणेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि भंडनिक्खेवं करेइ भंड० २ त्ता सरवणे संनिवेसे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे वसहीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, वसहीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणे अन्नत्थ वसहिं अलभमाणे तस्सेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए, तए णं सा भद्दा भारिया नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमाल जाव पडिरूवगं दारगं पयाया, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति—जम्हा णं अम्हं इमे दारए गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए जाए, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नामधेज्जं गोसाले गोसालेत्ति, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति गोसालेत्ति, तए णं से गोसाले दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सयमेव पाडिएक्कं चित्तफलगं करेइ २ त्ता चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ५४१ ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं एवं जहा भावणाए जाव एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, तए णं अहं गोयमा! पढमं वासं अद्धमासंअद्धमासेणं खममाणे अट्ठियगामं निस्साए पढमं अंतरावासं वासावासं उवागए, दोच्चं वासं मासंमासेणं खममाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे नगरे जेणेव नालिंदा बाहिरिया जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छामि ते० २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हामि अहा० २ त्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए, तए णं अहं गोयमा! पढमं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे नगरे जेणेव नालिंदा बाहिरिया जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि भंडनिक्खेवं करेइ भं० २ त्ता रायगिहे नगरे उच्चनीय जाव अन्नत्थ कत्थवि वसहिं अलभमाणे तीसे य तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए जत्थेव णं अहं गोयमा! तए णं अहं गोयमा! पढममासक्खमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि तं० २ त्ता णालिंदाबाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे नगरे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता रायगिहे नगरे

कणियारे अच्छिद्दे अग्गिवेसायणे अज्जुणे गोमायुपुत्ते, तए ण ते छ दिसाचरा अट्ठविह पुव्वगय मग्गदसम सएहिं २ मइंदसणेहिं निज्जूहंति स० २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्त उवट्ठाइंसु, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेण अट्ठगस्स महानिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेण सव्वेसिं पाणाण भूयाण जीवाण सत्ताण इमाइ छ अणइक्कमणिज्जाइ वागरणाइं वागरेइ, तं०—लाभ अलाभ सुह दुक्ख जीविय मरणं तहा । तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते तेण अट्ठंगस्स महानिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणं सावत्थीए नयरीए अजिणे जिणप्पलावी अणरहा अरहप्पलावी अकेवली केवलिप्पलावी असव्वन्नू सव्वन्नुप्पलावी अजिणे जिणसद्द पगासेमाणे विहरइ ॥ ५३८ ॥ तए ण सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ—एव खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मन्ने एव ? , तेण कालेण तेण समएण सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेण कालेण तेण समएण समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इदभूई णाम अणगारे गोयमगोत्तेण जाव छट्ठंछट्ठेण एव जहा विइयसए नियंठुद्देसए जाव अडमाणे वहुजणसद्द निसामेइ, वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४—एव खलु देवाणुप्पिया । गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेय मन्ने एवं ? , तए णं भगव गोयमे वहुजणस्स अतिय एयमट्ठ सोच्चा निसम्म जाव जायसड्ढे जाव भत्तपाण पडिदसेइ जाव पज्जुवासमाणे एव वयासी—एव खलु अहं भंते ! छट्ठ त चेव जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, से कहमेय भंते ! एव ? त इच्छामि ण भंते ! गोसालस्स मखलिपुत्तस्स उट्ठाणपरियाणिय परिकहिय, गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगव गोयम एव वयासी—जण्ण गोयमा ! से वहुजणे अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४—एवं खलु गोसाले मखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ तण्ण मिच्छा, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि—एवं खलु एयस्स गोसालस्स मखलिपुत्तस्स मखलिनामं मखे पिया होत्था, तस्स ण मखलिस्स मखस्स भद्दा नाम भारिया होत्था सुकुमाल जाव पडिरूवा, तए ण सा भद्दा भारिया अन्नया कयाइ गुव्विणी यावि होत्था, तेणं कालेण तेण समएणं सरवणे नाम सन्निवेसे होत्था रिद्धत्थिमिय जाव सन्निभप्पगासे पासाईए ४, तत्थ ण सरवणे सन्निवेसे गोवहुले नाम माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था, तस्स ण गोवहुलस्स माहणस्स गोसाला यावि होत्था, तए ण से मखलीमंखे नाम अन्नया कयाइ भद्दाए भारियाए गुव्विणीए सद्धिं चित्तफलगहत्थगए मखत्तणेण अप्पाण

तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे नयरे जाव अडमाणे आणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से आणंदे गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ २ त्ता एवं जहेव विजयस्स नवरं ममं विउलाए खज्जगविहीए पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे सेसं तं चेव जाव तच्चं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि तए णं अहं गोयमा! तच्चमासक्खमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि २ त्ता तहेव जाव अडमाणे सुणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से सु(सुणं)दे गाहावई एवं जहेव विजयगाहावई, नवरं ममं सव्वकामगुणिएणं भोयणेणं पडिलाभेइ सेसं तं चेव जाव चउत्थं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि तीसे णं नालंदाए बाहिरियाए अदूरसामंते एत्थ णं कोल्लाए नामं संनिवेसे होत्था संनिवेस वण्णओ तत्थ णं कोल्लाए संनिवेसे बहुले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था तए णं से बहुले माहणे कत्तियचाउम्मासियपाडिवगंसि विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमन्नेणं माहणे आयामेत्था तए णं अहं गोयमा! चउत्थमासक्खमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमामि २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छामि २ त्ता जेणेव कोल्लाए संनिवेसे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता कोल्लाए संनिवेसे उच्चनीय जाव अडमाणे बहुलस्स माहणस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से बहुले माहणे ममं एज्जमाणं तहेव जाव ममं विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमन्नेणं पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे सेसं जहा विजयस्स जाव बहुले माहणे ब० २। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं तंतुवायसालाए अपासमाणे रायगिहे नयरे सब्भिंतरबाहिरियाए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं कत्थवि सुइं वा खुइं वा पवत्तिं वा अलभमाणे जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता साडियाओ य पाडियाओ य कुंडियाओ य पाहणा(वाहणा)ओ य चित्तफलगं च माहणे आयामेइ आयामेत्ता सउत्तरोट्ठं मुंडं कारेइ २ त्ता तंतुवायसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव कोल्लायसंनिवेसे तेणेव उवागच्छइ, तए णं तस्स कोल्लायस्स संनिवेसस्स बहिया बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ धन्ने णं देवाणुप्पिया! बहुले माहणे तं चेव जाव जीवियफले बहुलस्स माहणस्स य २ तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जारिसिया णं मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स इड्ढी जु(त्ती)ई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए, नो खलु अत्थि

उच्चनीय जाव अडमाणे विजयस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए ण से विजए गाहावई ममं एज्जमाण पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ खि० २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ पा० २ त्ता एगसाडियं उत्तरासगं करेइ २ त्ता अजलिमउलियहत्थे मम सत्तट्ठपयाइ अणुगच्छइ २ त्ता मम तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता मम वंदइ नमसइ व० २ त्ता ममं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभिस्सामित्तिकट्टु तुट्ठे पडिलाभेमाणेवि तुट्ठे पडिलाभिएवि तुट्ठे, तए ण तस्स विजयस्स गाहावइस्स तेण दव्वसुद्धेण दायगसुद्धेणं [तवस्सिविसुद्धेण तिकरणसुद्धेण] पडिगाहगसुद्धेण तिविहेण तिकरणसुद्धेण दाणेण मए पडिलाभिए समाणे देवाउए निवद्धे संसारे परित्तीकए गिहसि य से इमाइं पंच दिव्वाइ पाउब्भूयाइ, तजहा—वसुहारा वुट्ठा १ दसद्धवन्ने कुसुमे निवाइए २ चेलुक्खेवे कए ३ आहयाओ देवदुंदुभीओ ४ अतरावि य ण आगासे अहो दाणे २ त्ति घुट्ठे ५, तए ण रायगिहे नयरे सिंघाडग जाव पहेसु वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एव परूवेइ—धन्ने ण देवाणुप्पिया ! विजए गाहावई, कयत्थे ण देवाणुप्पिया ! विजए गाहावई, कयपुन्ने ण देवाणुप्पिया ! विजए गाहावई, कयलक्खणे ण देवाणुप्पिया ! विजए गाहावई, कया ण लोया देवाणुप्पिया ! विजयस्स गाहावइस्स, सुलद्धे ण देवाणुप्पिया ! माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स जस्स ण गिहसि तहारूवे साहू साहुरूवे पडिलाभिए समाणे इमाइं पच दिव्वाइ पाउब्भूयाइ, तजहा—वसुहारा वुट्ठा जाव अहो दाणे २ घुट्ठे, त धन्नेण० कयत्थे० कयपुन्ने० कयलक्खणे० कया ण लोया० सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स विजय० २ । तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते वहुजणस्स अतिए एयमट्ठ सोच्चा निसम्म समुप्पन्नससए समुप्पन्नकोउहल्ले जेणेव विजयस्स गाहावइस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासइ विजयस्स गाहावइस्स गिहसि वसुहारं वुट्ठं दसद्धवन्न कुसुम निवडिय मम च णं विजयस्स गाहावइस्स गिहाओ पडिनिक्खममाण पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० जेणेव मम अतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मम तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिण करेइ २ त्ता ममं वदइ नमसइ व० २ त्ता मम एव वयासी—तुब्भे ण भंते ! मम धम्मायरिया अहन्न तुब्भं धम्मतेवासी, तए ण अह गोयमा ! गोसालस्स मखलिपुत्तस्स एयमट्ठं नो आढामि नो परिजाणामि तुसिणीए सचिट्ठामि, तए ण अह गोयमा ! रायगिहाओ नयराओ पडिनिक्खमामि २ त्ता णालदं वाहिरियं मज्झमज्झेण जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छामि २ त्ता दोच्च मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताण विहरामि, तए ण अहं गोयमा ! दोच्च मासक्खमणपारणगंसि

अहं गोयमा! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं जेणेव कुम्मग्गामे नगरे तेणेव उवा-
गच्छामि तए णं तस्स कुम्मग्गामस्स नगरस्स बहिया वेसियायणे नामं बालतवस्सी
छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे
आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, आइच्चतेयतवियाओ य से छप्पईओ सव्वओ
समंता अभिनिस्सवंति पाणभूयजीवसत्तदयट्ठयाए च णं पडियाओ २ तत्थेव २
भुज्जो २ पच्चोरुभेइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवस्सिं पासइ
२ त्ता ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ ममं २ त्ता जेणेव वेसियायणे बाल-
तवस्सी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वेसियायणं बालतवस्सिं एवं वयासी-किं भवं
मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए? तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालस्स
मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं से
गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-किं भवं
मुणी मुणिए जाव सेज्जायरए?, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालेणं मंखलि-
पुत्तेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ
पच्चोरुभइ आ २ त्ता तेयासमुग्घाएणं समोहण्णइ तेयासमुग्घाएणं समोहणित्ता
सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ स २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वहाए सरीरगंसि तेयं
निसिरइ, तए णं अहं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अणुकंपणट्ठयाए वेसियायणस्स
बालतवस्सिस्स सीओसिणतेयलेस्सा-(तेय)पडिसाहरणट्ठयाए एत्थ णं अंतरा अहं
सीयलियं तेयलेस्सं निसिरामि जाए सा ममं सीयलियाए तेयलेस्साए वेसियायणस्स
बालतवस्सिस्स सीओ(उसि)णा तेयलेस्सा पडिहया तए णं से वेसियायणे बाल-
तवस्सी ममं सीयलियाए तेयलेस्साए सीओसिणं तेयलेस्सं पडिहयं जाणित्ता गोसालस्स
य मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेयं वा अकीरमाणं
पासित्ता सीओसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ सीओ २ त्ता ममं एवं वयासी-से
गयमेयं भगवं! गयगयमेयं भगवं! तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी-
किण्णं भंते! एस जूयासेज्जायरए तुब्भे एवं वयासी-से गयमेयं भगवं! गयगयमेयं
भगवं! तए णं अहं गोयमा! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी-तुमं णं गोसाला!
वेसियायणं बालतवस्सिं पास(इ)सि पासित्ता ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कसि
जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छसि ते २ त्ता वेसियायणं बाल-
तवस्सिं एवं वयासी-किं भवं मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए?, तए णं से
वेसियायणे बालतवस्सी तव एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ,
तए णं तुमं गोसाला! वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-किं भवं

तारित्तिया णं अजस्स पस्स(वि)इ तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा इड्ढी जुई जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए, तं निस्संदिद्धं च णं एत्थ ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे भविस्सतीतिकट्टु कोल्लागसंनिवेसे सब्भितरबाहिरिए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं सव्वओ जाव करेमाणे कोल्लागसंनिवेसस्स बहिया पणियभूमीए मए सद्धिं अभिसमन्नागए, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हट्ठतुट्ठे ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी–तुब्भे णं भंते ! ममं धम्मायरिया अहण्णं तुब्भं अंतेवासी, तए णं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेमि, तए णं अहं गोयमा ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं पणियभूमीए छव्वासाइं लाभं अलाभं सुहं दुक्खं सक्कारमसक्कारं पच्चणुब्भवमाणे अणिच्चजागरियं विहरित्था ॥ ५४० ॥ तए णं अहं गोयमा ! अन्नया कयाइ पढमसरदकालसमयंसि अप्पवुट्ठिकायंसि गोसालेणं मंखलिपुत्तेण सद्धिं सिद्धत्थगामाओ नयराओ कुम्मारगामं नयरं संपट्ठिए विहाराए, तस्स णं सिद्धत्थगामस्स नयरस्स कु(म्मा)म्मारगामस्स नयरस्स य अंतरा एत्थ णं महं एगे तिलथंभए पत्तिए पुप्फिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तं तिलथंभगं पासइ २ त्ता ममं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एस णं भंते ! तिलथंभए किं निप्फज्जिस्सइ नो निप्फज्जिस्सइ, एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति ?, तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–गोसाला ! एस णं तिलथंभए निप्फज्जिस्सइ नो न निप्फज्जिस्सइ, एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसं(ग)गलियाए सत्त तिला पच्चायाइस्संति, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं आइक्खमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोएइ, एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहाय अयण्णं मिच्छावाई भवउत्तिकट्टु ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ २ त्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं तिलथंभगं सलेट्ठुयायं चेव उप्पाडेइ २ त्ता एगंते एडेइ, तक्खणमेत्तं च णं गोयमा ! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए, तए णं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव पतणतणा(य)एइ २ त्ता खिप्पामेव पविज्जुयाइ २ त्ता खिप्पामेव नच्चोदगं णाइमट्टियं पविरलपप्फुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सलिलोदगं वासं वासइ, जेणं से तिलथंभए आसत्थे वीसत्थए पच्चायाए तत्थेव बद्धमूले तत्थेव पइट्ठिए, ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ तस्सेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया ॥ ५४१ ॥ तए णं

तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहइ ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे जाव अरोएमाणे जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताओ तिलथंभयाओ तं तिलसंगलियं खुड्डइ २ करयलंसि सत्त तिले पप्फोडेइ, तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ते सत्त तिले गणमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु सव्वजीवावि पउट्टपरिहारं परिहरंति एस णं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स पउट्टे, एस णं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ममं अंतियाओ आया(ओ)ए अवक्कमणे प० ॥ ५४३ ॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते एगाए सणहाए कुम्मासपिंडियाए एगेण य वियडासएणं छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउलतेयलेस्से जाए ॥ ५४४ ॥ तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अन्नया कयाइ इमे छद्दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्था तं०-साणे तं चेव सव्वं जाव अजिणे जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं नो खलु गोयमा! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, तए णं सा महइमहालिया महच्चपरिसा जहा सिवे जाव पडिगया। तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव बहुजणो अन्नमन्नस्स जाव परूवेइ-जन्नं देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ तं मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ एवं खलु तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखली नामं मंखे पिया होत्था, तए णं तस्स मंखलिस्स एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव अजिणे जिणप्पलावी जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं नो खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आयावणभूमीओ पच्चोरुहित्ता सावत्थिं नगरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ २ हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे एवं वावि विहरइ ॥ ५४५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंदे नामं थेरे पगइभद्दए जाव विणीए छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से आणंदे थेरे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए एवं जहा

मुणी मुणिए जाव जूयासेज्जायरए ?, तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी तुमं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव पच्चोसक्कइ २ त्ता तव वहाए सरीरगं(सि) तेयलेस्सं निस्सिरइ, तए णं अहं गोसाला ! तव अणुकंपणट्ठयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स सीयतेयलेस्सापडिसाहरणट्ठयाए एत्थ णं अंतरा सीयलियं तेयलेस्सं निसिरामि जाव पडिहयं जाणित्ता तव य सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकीरमाणं पासित्ता सीओसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ सी० २ त्ता ममं एवं वयासी–से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं !, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं अंतियाओ एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीए जाव संजायभए ममं वंदइ नमंसइ ममं वं० २ त्ता एवं वयासी–कहण्णं भंते ! संखित्तविउलतेयलेस्से भवइ ?, तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जे णं गोसाला ! एगाए सणहाए कुम्मास-पिंडियाए एगेण य वियडासणएणं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरइ, से णं अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउलतेयलेस्से भवइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एयमट्ठं सम्मं विणएणं पडिसुणेइ ॥ ५४२ ॥

तए णं अहं गोयमा ! अन्नया कयाइ गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं कुम्मगामाओ नयराओ सिद्धत्थगामं नयरं संपट्ठिए विहाराए, जाहे य मो तं देसं हव्वमागया जत्थ णं से तिलथंभए, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी–तु(ज्झे)ब्भे णं भंते ! तया ममं एवं आइक्खह जाव एवं परूवेह–गोसाला ! एस णं तिलथंभए निप्फज्जिस्सइ नो नो निप्फज्जिस्सइ तं चेव जाव पच्चायाइस्संति तण्णं मिच्छा, इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ एस णं से तिलथंभए णो निप्फन्ने अनिप्फन्नमेव ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ नो एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलि-याए सत्त तिला पच्चायाया, तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–तुमं णं गोसाला ! तदा ममं एवं आइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहसि नो पत्तियसि नो रोयसि, एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहा(ए)य अयण्णं मिच्छावाई भवउत्तिकट्टु ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोस-क्कसि २ त्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छसि २ त्ता जाव एगंतमंते एडेसि, तक्खणमेत्तं गोसाला ! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए, तए णं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव तं चेव जाव तस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया, तं एस णं गोसाला ! से तिलथंभए निप्फन्ने णो अनिप्फन्नमेव, ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया, एवं खलु गोसाला ! वणस्सइकाइया पउट्टपरिहारं परिहरंति,

वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदंति ते णं तत्थ अच्छं पत्थं जच्चं तणुयं फालियवण्णाभं ओरालं उदगरयणं आसाएंति तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा पाणियं पिबंति २ त्ता वाहणाइं पज्जेंति वा २ त्ता भायणाइं भरेंति वा २ त्ता दोच्चंपि अन्नमन्नं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे अस्साइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थ ओरालं सुवण्णरयणं अस्सादेस्सामो तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ २ त्ता तस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदंति ते णं तत्थ अच्छं जच्चं तावणिज्जं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं सुवण्णरयणं अस्साएंति तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता तच्चंपि अन्नमन्नं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे अस्साइए, दोच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले सुवण्णरयणे अस्साइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स तच्चंपि व(प्पिं)प्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थ ओरालं मणिरयणं अस्सादेस्सामो तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ २ त्ता तस्स वम्मीयस्स तच्चंपि वप्पिं भिंदंति ते णं तत्थ विमलं निम्मलं नित्तलं निक्कलं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं मणिरयणं अस्साएंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति वा २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता चउत्थंपि अन्नमन्नं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे अस्साइए, दोच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले सुवण्णरयणे अस्साइए, तच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले मणिरयणे अस्साइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स चउत्थंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवि याइं एत्थ उत्तमं महग्घं महत्थं महरिहं ओरालं वइररयणं अस्सादेस्सामो तए णं तेसिं वणियाणं एगे वणिए हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए निस्सेसिए हियसुहनिस्सेसकामए ते वणिए एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिन्नाए ओराले उदगरयणे जाव तच्चाए वप्पाए भिन्नाए ओराले मणिरयणे अस्साइए, तं होउ अलाहि पज्जत्तं णे एसा चउत्थी वप्पा मा भिज्जउ चउत्थी णे वप्पा सउवसग्गा यावि हो(त्था)त्था, तए णं ते वणिया तस्स वणियस्स हियकामगस्स सुहकामगस्स जाव हियसुहनिस्सेसकामगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति जाव नो रोयंति एयमट्ठं असद्दहमाणा जाव अरोएमाणा तस्स वम्मीयस्स चउत्थंपि वप्पिं भिंदंति ते णं तत्थ उग्गविसं

गोयमसामी तहेव आपुच्छइ, तहेव जाव उच्चनीयमज्झिम जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेण वीईवयइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणदं थेरं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेण वीईवयमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी-एहि ताव आणंदा ! इओ एगं महं उवमियं निसामेहि, तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं एवं वयासी-एवं खलु आणंदा ! इओ चिरा(ती)ईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया अत्थत्थी अत्थलुद्धा अत्थगवेसी अत्थकंखिया अत्थपिवासिया अत्थगवेसणयाए णाणाविहविउलपणियभंडमायाय सगडीसागडेणं सुबहुं भत्तपाणपत्थयणं गहाय एगं महं अगामियं अणोहियं छिन्नावायं दीहमद्धं अडविं अणुप्पविट्ठा, तए णं तेसिं वणियाणं तीसे अगामियाए अणोहियाए छिन्नावायाए दीहमद्धाए अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परि(भुज्ज)भुंजेमाणे २ खीणे, तए णं ते वणिया खीणोदगा समाणा तण्हाए परिब्भवमाणा अन्नमन्नं सद्दावेंति अन्न० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुंजेमाणे २ खीणे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेत्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति अन्न० २ त्ता तीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेंति, उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा एगं महं वणसंडं आसादेंति, किण्हं किण्होभासं जाव निकुरं(रुं)वभूयं पासाईयं जाव पडिरूवं, तस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं वम्मीयं आसादेंति, तस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ अभिनिस(ढा)डाओ तिरियं सुसंपग्गहियाओ अहे पन्नगद्धरूवाओ पन्नगद्धसंठाणसंठियाओ पासाईयाओ जाव पडिरूवाओ, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा अन्नमन्नं सद्दावेंति अ० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे इमीसे अगामियाए जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणेहिं इमे वणसंडे आसादिए किण्हे किण्होभासे० इमस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए इमे वम्मीए आसादिए, इमस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ जाव पडिरूवाओ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिन्दित्तए, अवि याइं ओरालं उदगरयणं अस्सादेस्सामो, तए णं ते वणिया अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता तस्स

मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी–एवं खलु आणंदा ! इओ चिराईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया एवं तं चेव सव्वं निरवसेसं भाणियव्वं जाव नियगं नगरं साहिए तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स जाव परिकहेहि ॥ ५३९ ॥ तं पभू णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेत्तए, विसए णं भंते ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स जाव करेत्तए, समत्थे णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए ? पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए, णो चेव णं अरिहंते भगवंते पारियावणियं पुण करेज्जा, जावइए णं आणंदा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठयराए चेव तवतेए अणगाराणं भगवंताणं खंतिखमा पुण अणगारा भगवंतो जावइए णं आणंदा ! अणगाराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठयराए चेव तवतेए थेराणं भगवंताणं खंतिखमा पुण थेरा भगवंतो जावइए णं आणंदा ! थेराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठयराए चेव तवतेए अरिहंताणं भगवंताणं खंतिखमा पुण अरिहंता भगवंतो तं पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा ! जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! जाव करेत्तए, नो चेव णं अरिहंते भगवंते पारियावणियं पुण करेज्जा ॥ ५४० ॥ तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! गोयमाईणं समणाणं निग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेहि–मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेउ धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेउ गोसाले णं मंखलिपुत्ते समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने तए णं से आणंदे थेरे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव गोयमाइसमणा निग्गंथा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोयमाइसमणे निग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अज्जो ! छट्ठक्खमणपारणगंसि समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सावत्थीए नयरीए उच्चनीय तं चेव सव्वं जाव नायपुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि, तं मा णं अज्जो ! तुब्भे केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ जाव मिच्छं विप्पडिवन्ने ॥ ५४१ ॥ जावं च णं आणंदे थेरे गोयमाईणं समणाणं निग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे सिग्घं तुरियं जाव सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए चेइए जेणेव समणे भगवं

चडविसं घोरविसं महाविसं अइकायमहाकायं मसिमूसाकालगं नयणविसरोसपुण्णं अंजणपुंजनिगरप्पगासं रत्तच्छं जमलजुयलचंचलचलंतजीहं धरणितलवेणिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडुलकक्खडविकडफडाडोवकरणदच्छं लोहागरधम्ममाणधमधमेंतघोसं अणागलियचंडतिव्वरोसं समुहिं तुरियं चवलं धमंतं दिट्ठिविसं सप्पं संघट्टेति, तए णं से दिट्ठिविसे सप्पे तेहिं वणिएहिं संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सणियं २ उट्ठेइ २ त्ता सरसरसरस्स वम्मीयस्स सिहरतलं दुरूहइ सि० २ त्ता आइच्चं णिज्झाइ आ० २ त्ता ते वणिए अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएइ, तए णं ते वणिया तेणं दिट्ठिविसेणं सप्पेणं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोइया समाणा खिप्पामेव सभंडमत्तोवगरणमायाए एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासी कया यावि होत्था, तत्थ णं जे से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव हियसुहनिस्सेसकामए से णं अणुकं(प)पियाए देवयाए सभंडमत्तोवगरणमायाए नियगं नयरं साहिए, एवामेव आणंदा! तववि धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं समणेणं नायपुत्तेणं ओराले परियाए अस्सादिए, ओराला कित्तिवन्नसद्दसिलोगा संदेवमणुयासुरे लोए पुव्वंति गुवंति थुवंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इति० २, तं जइ मे से अज्ज किंचिवि वदइ, तो णं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि जहा वा वालेणं ते वणिया, तुमं च णं आणंदा! सारक्खामि संगोवयामि जहा वा से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव निस्सेसकामए अणुकंपियाए देवयाए सभंडमत्तोवं० जाव साहिए, तं गच्छह णं तुमं आणंदा! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स नायपुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि। तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे भीए जाव संजायभए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सिग्घं तुरियं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं भंते! छट्ठक्खमणपारणगंसि तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए समाणे सावत्थीए नयरीए उच्चनीय जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए जाव वीईवयामि, तए णं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं हालाहलाए जाव पासित्ता एवं वयासी-एहि ताव आणंदा! इओ एगं महं उवमियं निसामेहि, तए णं अहं गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छामि, तए णं से गोसाले

दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता तच्चे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता उवरिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता चउत्थे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता पंचमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हिट्ठिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता छट्ठे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता बंभलोगे नामं से कप्पे पन्नत्ते पाईणपडीणायए उदीणदाहिणवित्थिन्ने जहा ठाणपए जाव पंच वडेंसगा प० तंजहा-असोगवडेंसए जाव पडिरूवा, से णं तत्थ देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता सत्तमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तत्थ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण जाव वीइक्कंताणं सुकुमालगभद्दलए मिउकुंडलकुंचियकेसए मट्ठगंडतलकण्णपीढए देवकुमारस(म)प्पभए दारए पयाइ(ए)मि, से णं अहं कासवा ! ते(त)णं अहं आउसो ! कासवा ! कोमारियाए पव्वज्जाए कोमारएणं बंभचेरवासेणं अविद्धकन्नए चेव संखाणं पडिलभामि से १ त्ता इमे सत्त पउट्टपरिहारे परिहरामि तंजहा-एणेज्जगस्स मल्लरामस्स मंडियस्स रोहस्स भारद्दाइस्स अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स, गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तत्थ णं जे से पढमे पउट्टपरिहारे से णं रायगिहस्स नगरस्स बहिया मंडिकुच्छिंसि चेइयंसि उदा(इय)स्स कुंडियायणस्स सरीरं विप्पजहामि उदा० २ त्ता एणेज्जगस्स सरीरगं अणुप्पविसामि एणे० २ त्ता बावीसं वासाइं पढमं पउट्टपरिहारं परिहरामि तत्थ णं जे से दोच्चे पउट्टपरिहारे से णं उद्दंडपुरस्स नगरस्स बहिया चंदोयरणंसि चेइयंसि एणेज्जगस्स सरीरगं विप्पजहामि २ त्ता मल्लरामस्स सरीरगं अणुप्पविसामि मल्ल० २ त्ता एक्कवीसं वासाइं दोच्चं पउट्टपरिहारं परिहरामि तत्थ णं जे से तच्चे पउट्टपरिहारे से णं चंपाए नगरीए बहिया अंगमंदिरंसि चेइयंसि मल्लरामस्स सरीरगं विप्पजहामि मल्ल० २ त्ता मंडियस्स सरीरगं अणुप्पविसामि मंडि० २ त्ता वीसं वासाइं तच्चं पउट्टपरिहारं परिहरामि तत्थ णं जे से चउत्थे पउट्टपरिहारे से णं वाणारसीए नगरीए बहिया काममहावणंसि चेइयंसि मंडियस्स सरीरगं विप्पजहामि मंडि० २ त्ता रोहस्स सरीरगं अणुप्पविसामि रोह० २ त्ता एगूणवीसं वासाइं चउत्थं पउट्टपरिहारं परिहरामि तत्थ णं जे से पंचमे पउट्टपरिहारे से णं आलभियाए नगरीए बहिया पत्तकालगंसि चेइयंसि रोहस्स सरीरगं विप्पजहामि रोह० २ त्ता भारद्दाइस्स सरीरगं अणुप्पविसामि भा० २ त्ता अट्ठारस

महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समण भगव महावीरं एव वयासी-सुट्ठु णं आउसो! कासवा! मम एवं वयासी साहु णं आउसो! कासवा! मम एवं वयासी-गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मतेवासी गोसाले० २, जे ण गोसाले मंखलिपुत्ते तव धम्मंतेवासी से णं सुक्के सुक्काभिजाइए भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ने, अहण्ण उदाई नाम कुंडियायणीए अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अ० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि गो० २ त्ता इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, जेवि आ(या)इं आउसो! कासवा! अम्हं समयंसि केइ सिज्झिसु वा सिज्झति वा सिज्झिस्संति वा सव्वे ते चउरासीइ महाकप्पसयसहस्साइ सत्त दिव्वे सत्त संजूहे सत्त सण्णिगब्भे सत्त पउट्टपरिहारे पंच कम्मणिसयसहस्साइं सट्ठिं च सहस्साइं छच्च सए तिन्नि य कम्मंसे अणुपुव्वेण खवइत्ता तओ पच्छा सिज्झति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वाइति सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु वा करेंति वा करिस्सति वा, से जहा वा गगा महानई जओ पवूढा जहिं वा पज्जुवत्थिया एस ण अद्धपंचजोयणसयाइं आयामेण अद्धजोयणं विक्खंभेणं पंच धणुहसयाइ उव्वेहेणं एएणं गंगापमाणेणं सत्त गंगाओ सा एगा महागंगा, सत्त महागंगाओ सा एगा साईणगंगा, सत्त साईणगंगाओ सा एगा मच्चुगंगा, सत्त मच्चुगंगाओ सा एगा लोहियगंगा, सत्त लोहियगंगाओ सा एगा आवईगंगा, सत्त आवईगंगाओ सा एगा परमावई, एवामेव सपुव्वावरेणं एगं गंगासयसहस्सं सत्तरस य सहस्सा छच्चगुणपन्नगंगासया भवतीति मक्खाया, तासिं दुविहे उद्धारे पण्णत्ते, तंजहा-सुहुमबोंदिकलेवरे चेव बायरबोंदिकलेवरे चेव, तत्थ णं जे से सुहुमबोंदिकलेवरे से ठप्पे, तत्थ णं जे से बायरबोंदिकलेवरे तओ णं वाससए २ गए २ एगमेगं गंगावालुयं अवहाय जावइएणं कालेणं से कोट्ठे खीणे णी(र)रेए निल्लेवे निट्ठिए भवइ, सेत्तं सरे सरप्पमाणे, एएणं सरप्पमाणेणं तिन्नि सरसयसाहस्सीओ से एगे महाकप्पे, चउरासीइ महाकप्पसयसहस्साइ से एगे महामाणसे, अणंताओ संजूहाओ जीवे चयं चइत्ता उवरिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइ भुंजमाणे विहरइ विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता पढमे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइ जाव विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता दोच्चे सन्निगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हेट्ठिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ

वंदइ नमंसइ जाव अम्हं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ, किमंग पुण तुमं गोसाला
भगवया चेव पव्वाविए, भगवया चेव मुंडाविए, भगवया चेव सेहाविए, भगव
चेव सिक्खाविए, भगवया चेव बहुस्सुईकए, भगवओ चेव मिच्छं विप्पडिवन्ने
मा एवं गोसाला! नारिहसि गोसाला! सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना। तए णं से
गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइणामेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते
५ सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं जाव भासरासिं करेइ, तए
णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं जाव
भासरासिं करेत्ता दोच्चंपि समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउस
जाव सुहं नत्थि। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स
अंतेवासी कोसलजाणवए सुनक्खत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरि
याणुरागेणं जहा सव्वाणुभूई तहेव जाव सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना। तए णं से
गोसाले मंखलिपुत्ते सुनक्खत्तेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ सुनक्खत्तं
अणगारं तवेणं तेएणं परितावेइ, तए णं से सुनक्खत्ते अणगारे गोसालेणं मंखलि-
पुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ
२ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ
नमंसइ वं २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता समणा य समणीओ य
खामेइ खा २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए। तए णं से
गोसाले मंखलिपुत्ते सुनक्खत्तं अणगारं तवेणं तेएणं परितावेत्ता तच्चंपि समणं
भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ सव्वं तं चेव जाव सुहं नत्थि।
तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जेवि ताव गोसाला!
तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा तं चेव जाव पज्जुवासइ, किमंग पुण
गोसाला! तुमं मए चेव पव्वाविए जाव मए चेव बहुस्सुईकए ममं चेव मिच्छं
विप्पडिवन्ने तं मा एवं गोसाला! जाव नो अन्ना। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते
समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ तेयासमुग्घाएणं समोहन्नइ
तेया २ त्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए
सरीरगंसि तेयं निसिरइ, से जहानामए वाउक्कलियाइ वा वायमंडलियाइ वा सेलंसि
वा कुड्डंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवारिज्जमा(णी)णी वा निवारिज्जमाणी वा
सा णं तत्थ णो कमइ नो पक्कमइ, एवामेव गोसालस्सवि मंखलिपुत्तस्स तवे तेए
समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगंसि निसिट्ठे समाणे से णं तत्थ णो
कमइ नो पक्कमइ, अंचियंचिं करेइ अंचि २ त्ता आयाहिणं पयाहिणं करेइ आ

वासाइं पंचमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ ण जे से छट्ठे पउट्टपरिहारे से णं वेसालीए नयरीए बहिया कों(क)डियायणंसि उज्जाणंसि भारद्दाइस्स सरीरगं विप्पजहामि भा० २ त्ता अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि अ० २ त्ता सत्तरस वासाइं छट्ठं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से सत्तमे पउट्टपरिहारे से णं इहेव सावत्थीए नयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अज्जुणगस्स० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं सीयसहं उण्हसहं खुहासहं विविहदंसमसगपरीसहोवसग्गसहं थिरसंघयणंतिकट्टु तं अणुप्पविसामि २ त्ता तं सोलस वासाइं इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, एवामेव आउसो ! कासवा ! एगेणं तेत्तीसेणं वाससएणं सत्त पउट्टपरिहारा परिहरिया भवतीति मक्खाया, तं सुट्ठु णं आउसो ! कासवा ! ममं एवं वयासी साहु णं आउसो ! कासवा ! मम एवं वयासी–गोसाले मंखलिपुत्ते मम धम्मंतेवासित्ति गोसाले० २ ॥ ५४९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–गोसाला ! से जहानामए तेणए सिया गामेल्लएहिं परब्भ(व)माणे २ कत्थ(वि) ग(त्त)ड्डं वा दरिं वा दुग्गं वा निन्नं वा पव्वयं वा विसमं वा अणस्सादेमाणे एगेणं महं उण्णालोमेण वा सणलोमेण वा कप्पासपम्हेण वा तणसूएण वा अत्ताणं आवरेत्ताणं चिट्ठेज्जा, से णं अणावरिए आवरियमिति अप्पाणं मन्नइ, अपच्छण्णे य पच्छण्णमिति अप्पाणं मन्नइ, अ(ण)णिलुक्के णिलुक्कमिति अप्पाणं मन्नइ, अपलायए पलायमिति अप्पाणं मन्नइ, एवामेव तुमंपि गोसाला ! अणन्ने संते अन्नमिति अप्पाणं उपलभसि, तं मा एवं गोसाला ! नारिहसि गोसाला ! सच्चेव ते सा छाया नो अन्ना ॥ ५५० ॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ उच्चा० २ त्ता उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेइ उद्धंसेत्ता उच्चावयाहिं निब्भंछणाहिं निब्भंछेइ उ० २ त्ता उच्चावयाहिं निच्छोडणाहिं निच्छोडेइ उ० २ त्ता एवं वयासी–नट्ठेसि कयाइ, विणट्ठेसि कयाइ, भट्ठेसि कयाइ, नट्ठविणट्ठभट्ठेसि कयाइ, अज्ज न भवसि नाहि ते ममाहिंतो सुहमत्थि ॥ ५५१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरियाणुरागेणं एयमट्ठं असद्दहमाणे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जेवि ताव गोसाला ! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतियं एगमवि आ(य)रियं धम्मियं सुवयणं निसामेइ सेवि ताव तं

मिसिमिसेमाणे नो संचाएइ समणाणं निग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएत्तए छविच्छेदं वा करेत्तए, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं समणेहिं निग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएज्जमाणं धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारिज्जमाणं धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारिज्जमाणं अट्ठेहि य हेऊहि य जाव कीरमाणं आसुरुत्तं जाव मिसिमिसेमाणं समणाणं निग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकरेमाणं पासंति २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमंति आयाए अवक्कमित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति ते २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं वंदंति नमंसंति वं०२ त्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति अत्थेगइया आजीविया थेरा गोसालं चेव मंखलिपुत्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते जस्सट्ठाए हव्वमागए तमट्ठं असाहेमाणे रुंदाइं पलोएमाणे दीहुण्हाइं नी(स)ससमाणे दाढियाए लोमा(इ)ए लुंचमाणे अवडं कंडूयमाणे पुयलिं पप्फोडेमाणे हत्थे विणिद्धुणमाणे दोहिंवि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे हाहा अहो! हओऽहमस्सीतिकट्टु समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ ते २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए मज्जपाणगं पियमाणे अभिक्खणं गायमाणे अभिक्खणं नच्चमाणे अभिक्खणं हालाहलाए कुंभकारीए अंजलिकम्मं करेमाणे सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ ॥ ५५१ ॥ अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी-जावइएणं अज्जो! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं ममं वहाए सरीरगंसि तेए निसट्ठे से णं अलाहि पज्जत्ते सोलसण्हं जणवयाणं तं०—अंगाणं वंगाणं मगहाणं मलयाणं मालवगाणं अ(च्छ)त्थाणं वच्छाणं कोच्छाणं पाढाणं लाढाणं वज्जीणं मोलीणं कासीणं कोसलाणं अबाहाणं सुंभुत्तराणं घायाए वहाए उच्छादणयाए भासीकरणयाए, जंपि य अज्जो! गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए मज्जपाणगं पियमाणे अभिक्खणं जाव अंजलिकम्मं करेमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं अट्ठ चरिमाइं पन्नवेइ, तंजहा-चरिमे पाणे चरिमे गेए, चरिमे नट्टे, चरिमे अंजलिकम्मे चरिमे पोक्खलसंवट्टए महामेहे, चरिमे सेयणए गंधहत्थी चरिमे महासिलाकंटए संगामे अहं च णं इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थकराणं चरिमे तित्थकरे सिज्झिस्सं जाव अंतं करेस्सं ति, जंपि य अज्जो!

२ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पइए, से णं तओ पडिहए पडिनियत्ते समाणे त(स्से)मेव गोसालस्स मखलिपुत्तस्स सरीरग अणुडहमाणे २ अतो २ अणुप्पविट्ठे, तए ण से गोसाले मंखलिपुत्ते सएण तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे समणं भगवं महावीरं एव वयासी–तुमं णं आउसो! कासवा! मम तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अतो छण्ह मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कतीए छउमत्थे चेव काल करिस्ससि, तए णं समणे भगव महावीरे गोसालं मंखलिपुत्त एवं वयासी–नो खलु अह गोसाला! तव तवेण तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अतो छण्हं मासाण जाव कालं करिस्सामि, अहन्नं अन्नाइ सोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तुम णं गोसाला! अप्पणा चेव सएण तवेण तेएण अन्नाइट्ठे समाणे अतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे जाव छउमत्थे चेव कालं करिस्ससि, तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु वहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एव खलु देवाणुप्पिया! सावत्थीए नयरीए वहिया कोट्ठए उज्जाणे दुवे जिणा सलवति, एगे एव वदति–तुम पुव्विं कालं करिस्ससि एगे एवं वदति तुमं पुव्विं काल करिस्ससि, तत्थ ण के पुण सम्मावाई के पुण मिच्छावाई? तत्थ णं जे से अहप्पहाणे जणे से वदइ–समणे भगव महावीरे सम्मावाई गोसाले मंखलिपुत्ते मिच्छावाई, अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गथे आमतेत्ता एवं वयासी–अज्जो! से जहानामए तणरासीइ वा कट्ठरासीइ वा पत्तरासीइ वा तयारासीइ वा तुसरासीइ वा भुसरासीइ वा गोमयरासीइ वा अवकररासीइ वा अगणिज्झामिए अगणिज्झसिए अगणिपरिणामिए हयतेए गयतेए नट्ठतेए भट्ठतेए छुत्ततेए विणट्ठतेए जाव एवामेव गोसाले मखलिपुत्ते मम वहाए सरीरगंसि तेयं निसिरित्ता हयतेए गयतेए जाव विणट्ठतेए जाए, त छदेणं अज्जो! तुब्भे गोसालं मखलिपुत्त धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएह धम्मि० २ त्ता धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेह धम्मि० २ त्ता धम्मिएणं पडोयारेण पडोयारेह धम्मि० २ त्ता अट्ठेहि य हेऊहि य पसिणेहि य वागरणेहि य कारणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरण करेह, तए ण ते समणा निग्गथा समणेणं भगवया महावीरेणं एव वुत्ता समाणा समणं भगव महावीर वदंति नमसति वदित्ता नमंसित्ता जेणेव गोसाले मखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्त धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएंति ध० २ त्ता धम्मियाए पडिसा(ह)रणाए पडिसारेंति ध० २ त्ता [मिएण] पडोयारेण पडोयारेंति ध० २ त्ता अट्ठेहि य हेऊहि य कारणेहि य जाव [वाग]रण क(वाग)रेंति। तए ण से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेहिं निग्गथेहिं धम्मियाए [प]डिचोयणाए पडिचोइज्जमाणे जाव निप्पट्ठपसिणवागरणे कीरमाणे आसुरुत्ते जाव

अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे; साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासइ गोसालं मंखलिपुत्तं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगयं जाव अंजलिकम्मं करेमाणं सीयलएणं, मट्टिया जाव गायाइं परिसिंचमाणं पासइ २ त्ता लज्जिए विलिए विड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ, तए णं ते आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं लज्जियं जाव पच्चोसक्कमाणं पासंति २ त्ता एवं वयासी–एहि ताव अयंपुला! एत्त(ए)ओ, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीवियथेरेहिं एवं वुत्ते समाणे जेणेव आजीविया थेरा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता आजीविए थेरे वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, अयंपुलाइ आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी–से नूणं ते(मे) अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता?, तए णं तव अयंपुला! दोच्चंपि अयमेया० तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से नूणं ते अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। जंपि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए जाव अंजलिं करेमाणे विहरइ तत्थवि णं भगवं इमाइं अट्ठ चरिमाइं पण्णवेइ, तं०–चरिमे पाणे जाव अंतं करेस्सइ, जेवि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्टिया जाव विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पण्णवेइ, से किं तं पाणए? पाणए जाव तओ पच्छा सिज्झ(न्ति)इ जाव अंतं करे(न्ति)इ, तं गच्छ णं तुमं अयंपुला! एस चेव ते धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते इमं एयारूवं वागरणं वाग(रे)रेहि(त्ति), तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीविएहिं थेरेहिं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंबकूणग(ए)डावणट्ठयाए एगंतमंते संगारं कुव्वंति, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आजीवियाणं थेराणं संगारं पडिच्छइ २ त्ता अंबकूणगं एगंतमंते एडेइ, तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ, अयंपुलाइ गोसाले मंखलिपुत्ते अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी–से नूणं अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव जेणेव ममं अंतियं तेणेव हव्वमागए, से नूणं अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता

गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पन्नवेइ, से किं तं पाणए? पाणए चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा-गोपुट्ठए, हत्थमद्दियए, आयवतत्तए, सिलापब्भट्ठए, सेत्तं पाणए, से किं तं अपाणए? अपाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-थालपाणए, तयापाणए, सिंबलिपाणए, सुद्धपाणए, से किं तं थालपाणए? २ जण्णं (जेण) दाथालगं वा दावारगं वा दाकुंभगं वा दाकलसं वा सीयलगं (वा) उल्लगं हत्थेहिं परामुसइ न य पाणियं पियइ, सेत्तं थालपाणए, से किं तं तयापाणए? २ जण्णं अंबं वा अंबाडगं वा जहा पओगपए जाव बोरं वा तिंदुरुयं वा [तरुयं] वा तरुणगं वा आमगं वा आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा न य पाणियं पियइ, सेत्तं तयापाणए, से किं तं सिंबलिपाणए? २ जण्णं कलसंगलियं वा मुग्गसंगलियं वा माससंगलियं वा सिंबलिसंगलियं वा तरुणियं आमियं आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा ण य पाणियं पियइ, सेत्तं सिंबलिपाणए, से किं तं सुद्धपाणए? सुद्धपाणए जण्णं छम्मासे सुद्धखाइमं खाइ दो मासे पुढविसंथारोवगए दो मासे कट्ठसंथारोवगए दो मासे दब्भसंथारोवगए, तस्स णं बहुपडिपुण्णाणं छण्हं मासाणं अंतिमराइए इमे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा अंतियं पाउब्भवंति, तं०-पुन्नभद्दे य माणिभद्दे य, तए णं ते देवा सीयलएहिं उल्लएहिं हत्थेहिं गायाइं परामुसंति, जे णं ते देवे साइज्जइ से णं आसीविसत्ताए कम्मं पकरेइ, जे णं ते देवे नो साइज्जइ तस्स णं संसि सरीरगंसि अगणिकाए संभवइ, से णं सएणं तेएणं सरीरगं झामेइ सं० २त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ, सेत्तं सुद्धपाणए। तत्थ णं सावत्थीए नयरीए अयंपुले णामं आजीवियोवासए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए जहा हालाहला जाव आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियोवासगस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता?, तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियोवासगस्स दोच्चंपि अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते उप्पन्ननाणदंसणधरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी इहेव सावत्थीए नयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते गोसालं मंखलिपुत्तं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एया(णु)रूवं वागरणं वागरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ संपेहित्ता कल्लं जाव जलंते ण्हाए जाव

अत्थि, तं नो खलु एस अवकूणए अवचोयए ण एसे, किंसठिया हल्ला पन्नत्ता ? वंसीमूलसठिया हल्ला पण्णत्ता; वीणं वाएहि रे वीरगा वी० २, तए ण से अयंपुले आजीवियोवासए गोसालेणं मंखलिपुत्तेण इम एयारूवं वागरणं वागरिए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए गोसालं मखलिपुत्तं वंदइ नमसइ व० २ त्ता पसिणाइ पुच्छइ २ त्ता अट्ठाइं परियादियइ अ० २ त्ता उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता गोसाल मखलिपुत्त वंदइ नमसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए। तए ण से गोसाले मखलिपुत्ते अप्पणो मरण आभोएइ २ त्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे ण देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता सुरभिणा गधोदएण ण्हाणेह ण्हा० २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाइए गायाइ लूहेह गा० २ त्ता सरसेण गोसीसचदणेण गायाइं अणुलिंपह स० २ त्ता महरिह हंसलक्खणं पाडसाडग नियंसेह मह० २ त्ता सव्वालंकार-विभूसिय करेह स० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीय दुरुहेह पुरि० २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव पहेसु महया महया सद्देण उग्घोसेमाणा २ एव -वदह–एव खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्द पगासेमाणे विहरित्ता इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराण चरिमे तित्थयरे सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, इड्ढीसक्कारसमुदएण मम सरीरगस्स णीहरणं करेह, तए ण ते आजीविया थेरा गोसालस्स मखलिपुत्तस्स एयमट्ठ विणएण पडिसुणेंति ॥ ५५३ ॥ तए ण तस्स गोसालस्स मखलिपुत्तस्स सत्तरत्तसि परिणम-माणसि पडिलद्धसम्मत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्द पगासेमाणे विहरइ, अह ण गोसाले चेव मखलिपुत्ते समणघायए समणमारए समणपडिणीए आयरियउवज्झायाण अयस-कारए अवन्नकारए अकित्तिकारए बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि य अप्पाणं वा परं वा तदुभय वा वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहरित्ता सएण तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कतीए छउमत्थे चेव काल करेस्सं, समणे भगव महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्द पगासेमाणे विहरइ, एव संपेहेइ एवं संपेहित्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता उच्चावय-सवहसाविए करेइ उच्चा० २ त्ता एव वयासी–नो खलु अह जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, अहन्न गोसाले मखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव काल करेस्स, समणे भगव महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्द पगा-सेमाणे विहरइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम कालगयं जाणित्ता वामे पाए सुंबेण बधह बा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभह ति० २ त्ता सावत्थीए नयरीए सिंघाडग

वंदित्ता अतुरियमचवलमसंभंतं मुहपोत्तियं पडिलेहेइ मु० २ त्ता जहा गोयमसामी जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता अतुरिय जाव जेणेव मेंढियगामे नगरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मेंढियगामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव रेवईए गाहावइणीए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रेवईए गाहावइणीए गिहं अणुपविट्ठे, तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सीहं अणगारं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ स० २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं? तए णं से सीहे अणगारे रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी–एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए! समणस्स भगवओ महावीरस्स अट्ठाए दुवे [कोहंडफला] उवक्खडिया तेहिं नो अट्ठो अत्थि ते अन्ने पारियासिए (माउए बीजऊरए) तमाहराहि तेणं अट्ठो तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एवं वयासी–केस णं सीहा! से णाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं तुमं जाणासि? एवं जहा खंदए जाव जओ णं अहं जाणामि तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहस्स अणगारस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पत्तगं मोएइ पत्तगं मोएत्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहस्स अणगारस्स पडिग्गहगंसि तं सव्वं सम्मं निसिरइ, तए णं तीए रेवईए गाहावइणीए तेणं दव्वसुद्धेणं जाव दाणेणं सीहे अणगारे पडिलाभिए समाणे देवाउए निबद्धे जहा विजयस्स जाव जम्मजीवियफले रेवईए गाहावइणीए रेवईए गाहावइणीए, तए णं से सीहे अणगारे रेवईए गाहावइणीए गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता मेंढियगामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जहा गोयमसामी जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स पाणिंसि तं सव्वं सम्मं निसिरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अमुच्छिए जाव अणज्झोववन्ने बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं सरीरकोट्ठगंसि पक्खिवइ तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स तमाहारं आहारियस्स समाणस्स से विउले रोगायंके खिप्पामेव उवसमं पत्ते हट्ठे जाए आरोग्गे बलियसरीरे तुट्ठा समणा तुट्ठाओ समणीओ तुट्ठा सावया तुट्ठाओ सावियाओ तुट्ठा देवा तुट्ठाओ देवीओ सदेवमणुयासुरे लोए तुट्ठे हट्ठे जाए समणे भगवं महावीरे हट्ठे १ ॥ ५५९ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं

समणे भगवं महावीरे गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेण तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्सइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सीहे नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए मालुयाकच्छगस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ जाव विहरइ, तए णं तस्स सीहस्स अणगारस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सइ, वदिस्संति य णं अन्नउत्थिया छउमत्थे चेव कालगए, इमेणं एयारूवेणं महया मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आया० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अंतो २ अणुप्पविसइ मालुया० २ त्ता महया २ सद्देणं कुहुकुहुस्स परुन्ने। अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे समणे निग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अज्जो! मम अंतेवासी सीहे नामं अणगारे पगइभद्दए तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव परुन्ने, तं गच्छह णं अज्जो! तुब्भे सीहं अणगारं सद्दह, तए णं ते समणा निग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति सा० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता सीहं अणगारं एवं वयासी-सीहा! तव धम्मायरिया सद्दावेंति, तए णं से सीहे अणगारे समणेहिं निग्गंथेहिं सद्धिं मालुयाकच्छयाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव सालकोट्ठए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं २ जाव पज्जुवासइ, सीहादि समणे भगवं महावीरे सीहं अणगारं एवं वयासी-से नूणं ते सीहा! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव परुन्ने, से नूणं ते सीहा! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि, तं नो खलु अहं सीहा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अन्नाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करेस्सं, अहन्नं अन्नाइं अद्धसोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि, तं गच्छह णं तुमं सीहा! मेंढियगामं नयरं रेवईए गाहावइणीए गिहे, तत्थ णं रेवईए गाहावइणीए मम अट्ठाए दुवे (कोहंडफला) उवक्खडिया तेहिं नो अट्ठो, अत्थि से अन्ने पारियासिए [फासुए बीयऊरए] तमाहराहि तेणं अट्ठो, तए णं से सीहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता

महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे उड्ढं चंदिमसूरिय जाव बंभलंतगमहासुक्के कप्पे वीईवइत्ता सहस्सारे कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तत्थ णं सव्वाणुभूइस्सवि देवस्स अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, से णं सव्वाणुभूई देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कोसलजाणवए सुनक्खत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी सुनक्खत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता समणा य समणीओ य खामेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव आणयपाणयारणकप्पे वीईवइत्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं सुनक्खत्तस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं सेसं जहा सव्वाणुभूइस्स जाव अंतं काहिइ ॥ ५५७ ॥ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले नामं मंखलिपुत्ते से णं भंते! गोसाले मंखलिपुत्ते कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने? एवं खलु गोयमा! ममं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले नामं मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं गोसालस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। से णं भंते! गोसाले देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे नयरे संमु(म्मु)इस्स रन्नो भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव वीइक्कंताणं जाव सुरूवे दारए पयाहिइ, जं रयणिं च णं से

निव्विसए करेहि(न्ति)इ, तए ण संयदुवारे नयरे बहवे राईसर जाव वदिहिंति-एवं खलु देवाणुप्पिया। विमलवाहणे राया समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, अप्पेगइए आवसइ जाव निव्विसए करेइ, त नो खलु देवाणुप्पिया। एयं अम्ह सेयं, नो खलु एय विमलवाहणस्स रन्नो सेयं, नो खलु एयं रज्जस्स वा रट्ठस्स वा बलस्स वा वाहणस्स वा पुरस्स वा अंतेउरस्स वा जणवयस्स वा सेयं जण्ण विमलवाहणे राया समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ने, तं सेय खलु देवाणुप्पिया। अम्हं विमलवाहणं रायं एयमट्ठं विन्नवित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता जेणेव विमलवाहणे राया तेणेव उवागच्छति २ त्ता करयलपरिग्गहियं विमलवाहण राय जएणं विजएण वद्धावेंति ज० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया। समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ना, अप्पेगइए आउस्सति जाव अप्पेगइए निव्विसए करेंति, त नो खलु एय देवाणुप्पियाण सेयं, नो खलु एयं अम्ह सेयं, नो खलु एय रज्जस्स वा जाव जणवयस्स वा सेय जं णं देवाणुप्पिया। समणेहिं निग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवन्ना, त विरमतु ण देवाणुप्पिया। एयस्स अट्ठस्स अकरणयाए, तए णं से विमलवाहणे राया तेहिं बहूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभिईहिं एयमट्ठं विन्नत्ते समाणे नो धम्मोत्ति नो तवोत्ति मिच्छाविणएण एयमट्ठ पडिसुणेहिइ, तस्स ण सयदुवारस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ ण सुभूमिभागे नाम उज्जाणे भविस्सइ सव्वोउय० वन्नओ। तेण कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पउप्पए सुमंगले नाम अणगारे जाइसपन्ने जहा धम्मघोसस्स वन्नओ जाव संखित्तविउलतेयलेस्से तिन्नाणोवगए सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ। तए ण से विमलवाहणे राया अन्नया कयाइ रहचरियं काउं निज्जाहिइ, तए णं से विमलवाहणे राया सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते रहचरियं करेमाणे सुमंगलं अणगारं छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणं पासिहिइ २ त्ता आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं रहसिरेण णोल्लावेहिइ, तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रन्ना रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता दोच्चंपि उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ, तए ण से विमलवाहणे राया सुमंगलं अणगारं दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ, तए ण से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रन्ना दोच्चंपि रहसिरेण णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता ओहिं पउंजेहिइ २ त्ता विमलवाहणस्स रण्णो तीतद्धं ओहिणा आभोएहिइ २ त्ता विमलवाहण राय एव वदिहिइ-नो खलु तुमं विमलवाहणे राया, नो खलु तुम देवसेणे राया, नो खलु

तेसु अणेगसय जाव पच्चायाइस्सइ, सव्वत्थ वि णं [illegible] सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं [illegible]विहाणाइं भवंति तंजहा—पाईम्मयाणं जाव मुहुयाणं तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेइंदियविहाणाइं भवंति तं०—इंगालगाणं जाव सुरिमकरसमणिसिस्सियाणं तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं आउक्काइयविहाणाइं भवंति तं०—उस्साणं जाव खातोदगाणं तेसु अणेगसयसहस्स जाव पच्चायाइस्सइ, सव्वत्थ वि णं खारोदएसु खातोदएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं पुढविकाइयविहाणाइं भवंति तं०—पुढवीणं सक्कराणं जाव सूरकंताणं तेसु अणेगसय जाव पच्चायाहिइ, सव्वत्थ वि णं खरबायरपुढविकाइएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा रायगिहे णयरे बाहिं खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि रायगिहे णयरे अंतो खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बिभेले सन्निवेसे माहणकुलंसि दारियत्ताए पच्चायाहिइ। तए णं तं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं जोव्वणगमणुप्पत्तं पडिरूवएणं सुक्केणं पडिरूवएणं विणएणं पडिरूवियस्स भत्तारस्स भारियत्ताए दलइस्संति सा णं तस्स भारिया भविस्सइ इट्ठा कंता जाव अणुमया भंडकरंडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया चेलपे(डा)ला इव सुसंपरिग्गहिया रयणकरंडगोविव सुसारक्खिया सुसंगोविया मा णं सीयं मा णं उण्हं जाव परिसहोवसग्गा फुसंतु। तए णं सा दारिया अन्नया कयाइं गुब्विणी ससुरकुलाओ कुलघरं निज्जमाणी अंतरा दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु अग्गिकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं [illegible] माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ माणुस्सं २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ [illegible] मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिइ, तत्थवि य णं विराहिय[illegible] कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु असुरकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, [illegible] जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं तं चेव जाव तत्थवि णं विराहियस[illegible] कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु नागकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, [illegible] अणंतरं उव्वट्टित्ता एवं एएणं अभिलावेणं दाहिणिल्लेसु सुवण्णकुमारेसु [illegible] कुमारेसु एवं अग्गिकुमारवज्जं जाव दाहिणिल्लेसु थणियकुमारेसु से णं तओ [illegible] उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव विराहियसामण्णे जोइसिएसु देवेसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं

सत्थवज्झे दाह- जाव दोच्चपि छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता दोच्चपि इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्थवज्झे जाव किच्चा पचमाए धूमप्प-भाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयसि जाव उव्वट्टित्ता उरएसु उववज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चपि पंचमाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चपि उरएसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा चउत्थीए पकप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयसि जाव उव्वट्टित्ता सीहेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे तहेव जाव काल किच्चा दोच्चपि चउत्थीए पक-प्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चपि सीहेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चपि तच्चाए वालुय० जाव उव्वट्टित्ता दोच्चपि पक्खीसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता सिरीसवेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चपि दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चपि सिरीसवेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयसि नरयसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ जाव उव्वट्टित्ता सण्णीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्थवज्झे जाव किच्चा असन्नीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि ण सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चपि इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पलिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिइयसि णरयसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से ण तओ जाव उव्वट्टित्ता जाइ इमाइ खहचरविहाणाइ भवति, त०-चम्मपक्खीणं, लोमपक्खीण, समुग्गपक्खीण, विययपक्खीण, तेसु अणेगसयसहस्स-खुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायाहिइ, सव्वत्थवि ण सत्थवज्झे दाहवक्कतीए कालमासे काल किच्चा जाइ इमाइ भुयपरिसप्पविहाणाइ भवति, तजहा-गोहाण नउलाण जहा पन्नवणापए जाव जाहगाण, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो सेस जहा खहचराण जाव किच्चा जाइ इमाइ उरपरिसप्पविहाणाइ भवति, त०-अहीणं अय-गराण आसालियाण महोरगाण, तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो जाव किच्चा जाइ इमाइ चउप्पयविहाणाइ भवति, त०-एगखुराण दुखुराण गडीपयाणं सणहपयाण, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइ इमाइ जलचरविहाणाइ भवति, त०-मच्छाण कच्छभाण जाव सुसुमाराण, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइ इमाइ चउरिं-दियविहाणाइ भवति, त०-अधियाण पोत्तियाण जहा पन्नवणापए जाव गोमय-कीडाण, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाई इमाइ तेइदियविहाणाइ भवति, त०-उ(ओ)वचियाण जाव हत्थिसोंडाण, तेसु अणेग जाव किच्चा जाइ इमाइ बेइ-दियविहाणाइ भवति, त०-पुलाकिमियाण जाव समुद्दलिक्खाण, तेसु अणेगसय जाव किच्चा जाइ इमाइ वणस्सइविहाणाइ भवति, तं०-रुक्खाण गुच्छाण जाव कुहु(हु)णाण,

चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ, केवलं बोहिं बुज्झिहिइ, तत्थवि णं अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ० चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ० तत्थवि णं अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सणंकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो एवं जहा सणंकुमारे तहा बंभलोए महासुक्के आणए आरणे, से णं तओ जाव अविराहियसामन्ने कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति–अड्ढाइं जाव अपरिभूयाइं, तहप्पगारेसु कुलेसु पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, एवं जहा उववाइए दढप्पइन्नवत्तव्वया सच्चेव वत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ, तए णं से दढप्पइन्ने केवली अप्पणो तीतद्धं आभोएहिइ अप्प० २ त्ता समणे निग्गंथे सद्दावेहिइ सम० २ त्ता एवं वदिहिइ–एवं खलु अहं अज्जो ! इओ चिरातीयाए अद्धाए गोसाले नामं मंखलिपुत्ते होत्था समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तम्मूलगं च णं अहं अज्जो ! अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिए, तं मा णं अज्जो ! तुब्भंपि केइ भवउ आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए अवन्नकारए अकित्तिकारए, मा णं सेऽवि एवं चेव अणादीयं अणवदग्गं जाव संसारकंतारं अणुपरियट्टिहिइ जहा णं अहं। तए णं ते समणा निग्गंथा दढप्पइन्नस्स केवलिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया तत्था तसिया संसारभयउव्विग्गा दढप्पइन्नं केवलिं वंदिहिंति नमंसिहिंति वं० २ त्ता तस्स ठाणस्स आलोइएहिंति निंदिहिंति जाव पडिवज्जिहिंति, तए णं से दढप्पइन्ने केवली बहूइं वासाइं केवलपरियागं पाउणिहिइ बहू० २ त्ता अप्पणो आउसेसं जाणित्ता भत्तं पच्चक्खाहिइ, एवं जहा उववाइए जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५५९ ॥ **तेयनिसग्गो समत्तो (अद्धेणं) ॥ समत्तं च पन्नरसमं सयं एक्कसरयं ॥**

अहिगरणि जरा कम्मे जावइयं गंगदत्त सुमिणे य। उवओग लोग बलि ओहि दीव उदही दिसा थणिया ॥१॥ चउदस० सोलसमे ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! अहिगरणिंसि वाउयाए वक्कमइ ? हंता अत्थि, से भंते ! किं पुट्ठे उद्दाइ अपुट्ठे उद्दाइ ? गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ, से भंते ! किं ससरीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ? एवं जहा खंदए जाव से तेणट्ठेणं जाव नो असरीरी निक्खमइ ॥५६०॥ इंगालकारियाए णं भंते ! अगणिकाए केवइयं कालं संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि राइंदियाइं,

तंजहा-सोइंदिए जाव फासिंदिए, कइविहे ण भंते ! जोए पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोए पण्णत्ते, तंजहा-मणजोए वइजोए कायजोए ॥ जीवे ण भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ अहिगरणीवि अहिगरणंपि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि, पुढविकाइए णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं चेव, एवं जाव मणुस्से । एवं वेउव्वियसरीरंपि, नवरं जस्स अत्थि । जीवे णं भंते ! आहारगसरीरं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी० पुच्छा, गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, से केणट्ठेण जाव अहिगरणंपि ? गोयमा ! पमायं पडुच्च, से तेणट्ठेण जाव अहिगरणंपि, एवं मणुस्सेवि, तेयासरीरं जहा ओरालियं, नवरं सव्वजीवाणं भाणियव्वं, एवं कम्मगसरीरंपि । जीवे णं भंते ! सोइंदियं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं जहेव ओरालिय-सरीरं तहेव सोइंदियंपि भाणियव्वं, नवरं जस्स अत्थि सोइंदियं, एवं चक्खिंदिय-घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणवि, नवरं जाणियव्वं जस्स जं अत्थि । जीवे णं भंते ! मणजोगं निव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं जहेव सोइंदियं तहेव निरवसेसं, वइजोगो एवं चेव, नवरं एगिंदियवज्जाणं, एवं कायजोगोवि, नवरं सव्वजीवाणं जाव वेमाणिए । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५६४ ॥ **सोलसमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-जीवाणं भंते ! किं जरा सोगे ? गोयमा ! जीवाणं जरावि सोगेवि, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ जाव सोगेवि ? गोयमा ! जे णं जीवा सारीरं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं जरा, जे णं जीवा माणसं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं सोगे, से तेणट्ठेण जाव सोगेवि, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव थणियकुमा-राणं, पुढविकाइयाणं भंते ! किं जरा सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं जरा नो सोगे, से केणट्ठेणं जाव नो सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइया णं सारीरं वेयणं वेदेंति नो माणसं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेण जाव नो सोगे, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं जहा जीवाणं जाव वेमाणियाणं, सेवं भंते ! २ त्ति जाव पज्जुवासइ ॥ ५६५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे जाव भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ पासइ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहा ईसाणे तइयसए तहेव सक्कोवि नवरं आभिओगे ण सद्दावेइ हरी पायत्ताणियाहिवई, सुघोसा घंटा, पालओ विमाणकारी पालगं विमाणं, उत्तरिल्ले निज्जाणमग्गे, दाहिणपुरच्छिमिल्ले रइकरगपव्वए सेसं तं चेव

इणट्ठे समट्ठे, जावइयं भंते! दसमभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वासकोडीए वा वासकोडीहिं वा वासकोडाकोडीए वा खवयंति? नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जावइयं अन्न(इ)गिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वासेण वा वासेहिं वा वाससएण वा (जाव) वास-(सय) सहस्सेण वा नो खवयंति जावइयं चउत्थभत्तिए एवं तं चेव पुव्वभणियं उच्चारेयव्वं जाव वासकोडाकोडीए वा नो खवयंति? गोयमा! से जहानामए-केइ पुरिसे जुन्ने जराजज्जरियदेहे सिढिलतयावलितरंगसंपिणद्धगत्ते पविरलपरिसडियदंतसेढी उण्हाभिहए तण्हाभिहए आउरे झुंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते एगं महं कोसंबगंडियं सुक्कं जडिलं गंठिल्लं चिक्कणं वाइद्धं अपत्तियं मुंडेण परसुणा अक्कमेज्जा तए णं से पुरिसे महंताइं २ सद्दाइं करेइ नो महंताइं २ दलाइं अवदालेइ, एवामेव गोयमा! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं एवं जहा छट्ठसए जाव नो महापज्जवसाणा भवंति से जहानामए-केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया जाव नो महापज्जवसाणा भवंति से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव मेहावी निउणसिप्पोवगए एगं महं सामलिगंडियं उल्लं अजडिलं अगंठिल्लं अचिक्कणं अवाइद्धं सपत्तियं तिक्खेण परसुणा अक्कमेज्जा तए णं से पुरिसे नो महंताइं २ सद्दाइं करेइ, महंताइं २ दलाइं अवदालेइ, एवामेव गोयमा! समणाणं निग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं निट्ठियाइं कयाइं जाव खिप्पामेव परिविद्धत्थाइं भवंति जावइयं तावइयं जाव महापज्जवसाणा भवंति से जहा वा केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा एवं जहा छट्ठसए तहा अयोकवल्लेवि जाव महापज्जवसाणा भवंति से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जावइयं अन्नगिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ तं चेव जाव वासकोडाकोडीए वा नो खवयंति ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ५७१ ॥ सोलसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरे नामं नगरे होत्था वण्णओ एगजंबुए चेइए वण्णओ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी एवं जहेव बितिय उद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव नमंसित्ता एवं वयासी—देवे णं भंते! महिड्ढीए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू आगमित्तए? नो इणट्ठे समट्ठे, देवे णं भंते! महिड्ढीए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू आग-

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते ! नाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कइ कम्मपगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ, एवं जहा पन्नवणाए वेयावेउद्देसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो, वेदाबंधोवि तहेव, बंधावेदोवि तहेव, बंधाबंधोवि तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियाणंति। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५६९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नयराओ गुणसिलाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरे नामं नयरे होत्था वन्नओ, तस्स णं उल्लुयातीरस्स नयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं एगजंबुए नामं उज्जाणे होत्था वन्नओ, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव एगजंबुए समोसढे जाव परिसा पडिगया, भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणस्स तस्स णं पुरच्छिमेणं अवड्ढं दिवसं नो कप्पइ हत्थं वा पायं वा बाहं वा ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, पच्चच्छिमेणं से अवड्ढं दिवसं कप्पइ हत्थं वा पायं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, तस्स णं अंसियाओ लंबंति, तं च वेज्जे अदक्खु इ(ई)सिं पाडेइ २ त्ता अंसियाओ छिंदेज्जा, से नूणं भंते ! जे छिंदइ तस्स किरिया कज्जइ, जस्स छिज्जइ नो तस्स किरिया कज्जइ णण्णत्थेगेणं धम्मंतराइएणं ? हंता गोयमा ! जे छिंदइ जाव धम्मंतराइएणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५७०॥ **सोलसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी-जावइयन्नं भंते ! अन्नगिलायए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया णं वासेण वा वासेहिं वा वाससए(ण)हिं वा खवेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयण्णं भंते ! चउत्थभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससएण वा वाससएहिं वा वाससहस्से(ण)हिं वा वाससयसहस्से(ण)हिं वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते ! छट्ठभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससहस्सेण वा वाससहस्सेहिं वा वाससयसहस्से(हिं)ण वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयन्नं भंते ! अट्ठमभत्तिए समणे निग्गंथे कम्मं निज्जरेइ एवइयं कम्मं नरएसु नेरइया वाससयसहस्सेणं वा वाससयसहस्सेहिं वा वासकोडीए वा खवयंति ? नो

नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते ! महासुक्के कप्पे महासामाणे विमा
एगे मायिमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे ममं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला नो प
णया अपरिणया परिणमंतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया तए णं अहं
मायिमिच्छादिट्ठिउववन्नगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अप
रिणया परिणमंतीति पोग्गला परिणया नो अपरिणया से कहमेयं भंते ! एवं
गंगदत्तादि समणे भगवं महावीरे गंगदत्तं देवं एवं वयासी–अहंपि णं गंगदत्ता ! एव
माइक्खामि ४–परिणममाणा पोग्गला जाव नो अपरिणया सच्चमेसे अट्ठे, तए
णं गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म
हट्ठतुट्ठ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ,
तए णं समणे भगवं महावीरे गंगदत्तस्स देवस्स तीसे य जाव धम्मं परिकहेइ जाव
आराहए भवइ, तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए
धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंद
नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहण्णं भंते ! गंगदत्ते देवे किं भवसिद्धिए अभव
सिद्धिए ? एवं जहा सूरियाभो जाव बत्तीसइविहं नट्टविहिं उवदंसेइ उ० २ त्ता जाव
तामेव दिसिं पडिगए ॥ ५७४ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं
जाव एवं वयासी–गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई
जाव अणुप्पविट्ठा ? गोयमा ! सरीरं गया सरीरं अणुप्पविट्ठा कूडागारसालादिट्ठंतो
जाव सरीरं अणुप्पविट्ठा । अहो णं भंते ! गंगदत्ते देवे महिड्ढिए जाव महेसक्खे
गंगदत्तेणं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई किण्णा लद्धा जाव जं णं
गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ? गोयमाइ समणे
भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं
समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणागपुरे नामं नयरे होत्था वण्णओ
सहसंबवणे उज्जाणे वण्णओ तत्थ णं हत्थिणागपुरे नयरे गंगदत्ते नामं गाहावई
परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए, तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आदि
गरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव पकड्ढिज्जमाणेणं २ सीसगण
संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जाव
विहरइ, परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ, तए णं से गंगदत्ते गाहावई इमीसे
कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता
पायविहारचारेणं हत्थिणागपुरं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे
उज्जाणे जेणेव मुणिसुव्वए अरहा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं तिक्खुत्तो

मित्तए ? हता पभू, देवे णं भते ! महिड्ढिए एव एएणं अभिलावेणं गमित्तए २, एव भासित्तए वा वा(विया)गरित्तए वा ३, उम्मिसावेत्तए वा निम्मिसावेत्तए वा ४, आउटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ५, ठाण वा सेज्जं वा निसीहिय वा चेइत्तए वा ६, एवं विउव्वित्तए वा ७, एव परियारावेत्तए वा ८ जाव हता पभू, इमाइ अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ इमाइ० २ त्ता समतियवदणएणं वदइ सभतिय० २ त्ता तमेव दिव्व जाणविमाण दुरूहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥५७२॥ भते ! त्ति भगव गोयमे समणं भगव महावीर वदइ नमसइ व०२ त्ता एवं वयासी–अन्नया ण भते ! सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं वदइ नमसइ सक्कारेइ जाव पज्जुवासइ, किण्ग भते ! अज्ज सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पिय अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइ पुच्छइ २ त्ता सभतियवदणएण वदइ णमसइ व० २ त्ता जाव पडिगए ? गोयमादि समणे भगव महावीरे भगव गोयम एव वयासी–एव खलु गोयमा ! तेण कालेण तेण समएण महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा एगविमाणंसि देवत्ताए उववन्ना, त०–माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नए य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए य, तए ण से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए देवे तं अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नग देव एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला नो परिणया अपरिणया, परिणमतीति पोग्गला नो परिणया अपरिणया, तए णं से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नए देवे त माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नग देव एव वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया नो अपरिणया, परिणमतीति पोग्गला परिणया नो अपरिणया, त माइमिच्छदिट्ठिउववन्नग देव एव पडिहणइ २ त्ता ओहिं पउजइ २ त्ता मम ओहिणा आभोएइ मम० २ त्ता अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–एव खलु समणे भगव महावीरे जबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयातीरे नयरे जेणेव एगजबुए उज्जाणे अहापडिरूव जाव विहरइ, त सेय खलु मे समण भगवं महावीर वदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एयारूव वागरण पुच्छित्तएत्तिकट्टु एव सपेहेइ एव सपेहित्ता चउहिवि सामाणियसाहस्सीहिं परियारो जहा सूरियाभस्स जाव निग्घोसनाइयरवेण जेणेव जबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयातीरे नयरे जेणेव एगजबुए उज्जाणे जेणेव मम अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए ण से सक्के देविंदे देवराया तस्स देवस्स त दिव्वं देविड्ढिं दिव्व देवजुइ दिव्वं देवाणुभा(व)ग दिव्व तेयलेस्सं असहमाणे मम अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइ पुच्छइ २ त्ता संभतिय जाव पडिगए॥५७३॥ जावं च ण समणे भगव महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठ परिकहेइ ताव च णं से देवे त देस हव्वमागए, तए ण से देवे समण भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वदइ

नो जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ॥ जीवा णं भंते ! किं सुत्ता जागरा सुत्तजागरा ? गोयमा ! जीवा सुत्तावि जागरावि सुत्तजागरावि नेरइया णं भंते ! किं सुत्ता पुच्छा गोयमा ! नेरइया सुत्ता नो जागरा नो सुत्तजागरा एवं जाव चउरिंदिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सुत्ता पुच्छा गोयमा ! सुत्ता नो जागरा सुत्तजागरावि मणुस्सा जहा जीवा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५९१ ॥ संवुडे णं भंते ! सुविणं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ ? गोयमा ! संवुडेवि सुविणं पासइ, असंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडासंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडे सुविणं पासइ अहातच्चं पासइ असंवुडे सुविणं पासइ तहा वा तं होज्जा अन्नहा वा तं होज्जा संवुडासंवुडे सुविणं पासइ एवं चेव ॥ जीवा णं भंते ! किं संवुडा असंवुडा संवुडासंवुडा ? गोयमा ! जीवा संवुडावि असंवुडावि संवुडासंवुडावि एवं जहेव सुत्ताणं दंडओ तहेव भाणियव्वो ॥ कइ णं भंते ! सुविणा पन्नत्ता ? गोयमा ! बायालीसं सुविणा पन्नत्ता कइ णं भंते ! महासुविणा पन्नत्ता ? गोयमा ! तीसं महासुविणा पन्नत्ता कइ णं भंते ! सव्वसुविणा पन्नत्ता ? गोयमा ! बावत्तरिं सव्वसुविणा पन्नत्ता । तित्थगरमायरो णं भंते ! तित्थगरंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! तित्थगरमायरो णं तित्थगरंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति तं०—गयउसभसीहअभिसेय जाव सिहिं च । चक्कवट्टिमायरो णं भंते ! चक्कवट्टिंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! चक्कवट्टिमायरो चक्कवट्टिंसि जाव वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं एवं जहा तित्थगरमायरो जाव सिहिं च । वासुदेवमायरो णं पुच्छा गोयमा ! वासुदेवमायरो जाव वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे सत्त महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । बलदेवमायरो णं पुच्छा गोयमा ! बलदेवमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । मंडलियमायरो णं भंते ! पुच्छा गोयमा ! मंडलियमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरं एगं महासुविणं जाव पडिबुज्झंति ॥ ५९२ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे, तं०—एगं च णं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिबुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ३, एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं

पडिवुद्धे ४, एगं च ण मह सेय गोवग्गं सुविणे पासित्ताण पडिवुद्धे ५, एग च णं महं पउमसर सव्वओ समंता कुसुमियं सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ६, एग च ण मह सागर उम्मीवीईसहस्सकलिय भुयाहिं तिन्न सुविणे पासित्ताणं पडिवुद्धे ७, एग च ण मह दिणयर तेयसा जलत सुविणे पासित्ताण पडिवुद्धे ८, एग च ण मह हरिवेरुलियवन्नाभेण नियगेणं अतेण माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समता आवेढियं परिवेढियं सुविणे पासित्ताण पडिवुद्धे ९, एग च ण मह मदरे पव्वए मदरचूलियाए उवरिं सीहासणवरगय अप्पाण सुविणे पासित्ताण पडिवुद्धे १० । जण्ण समणे भगवं महावीरे एग मह घोररूवदित्तधर तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिवुद्धे, तण्ण समणेण भगवया महावीरेण मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १, जन्न समणे भगव महावीरे एग महं सुक्किल जाव पडिवुद्धे, तण्ण समणे भगव महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २, जण्ण समणे भगव महावीरे एगं महं चित्तविचित्त जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगव महावीरे विचित्त ससमयपरसमइय दुवालसगं गणिपिडगं आघवेइ पन्नवेइ परूवेइ दसेइ निदसेइ उवदसेइ, तजहा–आयारं सूयगड जाव दिट्ठिवाय ३, जण्ण समणे भगव महावीरे एग मह दामदुग सव्वरयणामय सुविणे पासित्ताण पडिवुद्धे, तण्ण समणे भगव महावीरे दुविहं धम्म पन्नवेइ, तं०–आगारधम्म वा अणागारधम्म वा ४, जण्ण समणे भगव महावीरे एग मह सेयगोवग्ग जाव पडिवुद्धे, तण्ण समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइन्ने समणसघे प०, तं०–समणा समणीओ सावया सावियाओ ५, जण्ण समणे भगव महावीरे एग मह पउमसर जाव पडिवुद्धे, तण्ण समणे भगव महावीरे चउव्विहे देवे पन्नवेइ, तं०–भवणवासी वाणमतरे जोइसिए वेमाणिए ६, जन्न समणे भगव महावीरे एग मह सागरं जाव पडिवुद्धे, तन्न समणेण भगवया महावीरेण अणादीए अणवदग्गे जाव संसारकतारे तिन्ने ७, जन्न समणे भगव महावीरे एग मह दिणयर जाव पडिवुद्धे, तन्न समणस्स भगवओ महावीरस्स अणते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ८, जण्ण समणे जाव वीरे एग महं हरिवेरुलिय जाव पडिवुद्धे, तण्ण समणस्स भगवओ महावीरस्स ओराला कित्तिवन्नसद्दसिलोया सदेवमणुयासुरे लोगे परिभ(व)मति–इति खलु समणे भगव महावीरे इति खलु समणे भगवं महावीरे ९, जन्न समणे भगव महावीरे मदरे पव्वए मदरचूलियाए जाव पडिवुद्धे, तण्णं समणे भगव महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलीपन्नत्त धम्म आघवेइ जाव उवदसेइ ॥५७८॥ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणते एग महं हयपतिं वा गयपतिं वा जाव उसभपंतिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिति अप्पाण मन्नइ,

तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं दामिणिं पाईणपडीणाययं दुहओ समुद्दे पुट्ठं पासमाणे पासइ, संवेल्लेमाणे संवेल्लेइ, संवेल्लियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं रज्जुं पाईणपडीणाययं दुहओ लोगंते पुट्ठं पासमाणे पासइ, छिंदमाणे छिंदइ, छिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं किण्हसुत्तगं वा जाव सुक्किलसुत्तगं वा पासमाणे पासइ, उग्गोवेमाणे उग्गोवेइ, उग्गोवियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं अयरासिं वा तंबरासिं वा तउयरासिं वा सीसगरासिं वा पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हिरन्नरासिं वा सुवन्नरासिं वा रयणरासिं वा वइररासिं वा पासमाणे पासइ, दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं तणरासिं वा जहा तेयनिसग्गे जाव अवकररासिं वा पासमाणे पासइ, विक्खिरमाणे विक्खिरइ, विक्खिण्णमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सरथंभं वा वीरणथंभं वा वंसीमूलथंभं वा वल्लीमूलथंभं वा पासमाणे पासइ, उम्मूलेमाणे उम्मूलेइ, उम्मूलियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं खीरकुंभं वा दहिकुंभं वा घयकुंभं वा मधुकुंभं वा पासमाणे पासइ, उप्पाडेमाणे उप्पाडेइ, उप्पाडियमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सुरावियडकुंभं वा सोवीरवियडकुंभं वा तेल्लकुंभं वा वसाकुंभं वा पासमाणे पासइ, भिंदमाणे भिंदइ, भिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं पउमसरं कुसुमियं पासमाणे पासइ, ओगाहमाणे ओगाहइ, ओगाढमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं सागरं उम्मीवीयी जाव कलियं पासमाणे पासइ, तरमाणे तरइ, तिन्नमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं भवणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, [दुरुहमाणे दुरुहइ, दुरूढमिति अप्पाणं मन्नइ,] अणुप्पविसमाणे अणुप्पविसइ, अणुप्पविट्ठमिति अप्पाणं मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा

सुविणते एगं महं विमाण सव्वरयणामय पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढ-मिति अप्पाण मन्नइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंत करेइ ॥ ५७९ ॥ अह भंते ! कोट्ठपुडाण वा जाव केयईपुडाण वा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाण वा जाव ठाणाओ वा ठाणं संकामिज्जमाणाण किं कोट्ठे वाइ जाव केयई वाइ ? गोयमा ! नो कोट्ठे वाइ जाव नो केयई वाइ, घाणसहगया पोग्गला वाइ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ५८० ॥ **सोलसमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे ण भंते ! उवओगे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे उवओगे पन्नत्ते, एव जहा उवओगपय पन्नवणाए तहेव निरवसेस भाणियव्व, पासणयापय च निरवसेसं नेयव्व । सेव भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥५८१॥ **सोलसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

केमहालए ण भंते ! लोए पन्नत्ते ? गोयमा ! महइमहालए जहा बारसमसए तहेव जाव असंखेजाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेण, लोगस्स ण भंते ! पुर-च्छिमिल्ले चरिमंते किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीव-प्पएसा ? गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि ॥ जे जीवदेसा ते नियम एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे एव जहा दसमसए अग्गेईदिसा तहेव, नवरं देसेसु अणिंदियाण आइल्लविरहिओ । जे अरूवी अजीवा ते छव्विहा, अद्धासमओ नत्थि, सेस तं चेव सव्व निरवसेस । लोगस्स ण भंते ! दाहिणिल्ले चरिमंते किं जीवा० ? एवं चेव, एव पच्चच्छिमिल्लेवि, एव उत्तरिल्लेवि, लोगस्स ण भंते ! उवरिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि । जे जीवदेसा ते नियम एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे, अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा, एव मज्झिल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाण, जे जीवप्पएसा ते नियम एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदिय-प्पएसा य बेइंदियस्स पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइं-दियाण य पएसा, एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाण, अजीवा जहा दसमसए तमाए तहेव निरवसेस भाणियव्वं ॥ लोगस्स ण भंते ! हेट्ठिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! नो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि, जे जीवदेसा ते नियमं एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे अहवा एगिंदियदेसा बेइंदियाण य देसा, एव मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदियाण पएसा;

परिमाणं जहेव तिगिच्छिकूडस्स पासायवडिंसगस्सवि तं चेव पमाणं सीहासणं सप० रिवारं बलिस्स परि(वा)यारेण अट्ठो तहेव, नवरं रुयगिंदप्पभाइं ३ सेसं तं चेव जाव बलिचंचाए रायहाणीए अन्नेसिं च जाव (णिच्चे) रुयगिंदस्स णं उप्पायपव्वयस्स उत्तरेणं छक्कोडिसए तहेव जाव चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो बलिचंचा नामं रायहाणी प० एगं जोयणसयसहस्सं पमाणं तहेव उववाओ जाव आयरक्खा सव्वं तहेव निरवसेसं, नवरं साइरेगं सागरोवमं ठिई प०, सेसं तं चेव जाव बली वइरोयणिंदे बली० २ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥५८६॥ **सोलसमस्स सयस्स नवमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे णं भंते ! ओही पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहा ओही प०, तं०-ओहीपयं निरव० सेसं भाणियव्वं ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥५८७॥ **सोलसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

दीवकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समुस्सासनिस्सासा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए दीवकुमाराणं वत्तव्वया तहेव जाव समाउया समुस्सासनिस्सासा । एवं नागावि, दीवकुमाराणं भंते ! कइ लेस्साओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पन्नत्ताओ, तंजहा-कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा । एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दीवकुमारा तेउलेस्सा, काउलेस्सा असंखेज्ज० गुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! कण्हलेस्साहिंतो नीललेस्सा महिड्ढिया जाव सव्वमहिड्ढिया तेउलेस्सा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ १६ ॥ ११ ॥ उदहिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १२ ॥ एवं दिसाकुमारावि सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १३ ॥ एवं थणियकुमारावि, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥५८८॥ **सोलसमस्स सयस्स चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥ सोलसमं सयं समत्तं ॥**

नमो सुयदेवयाए भगवईए ॥ कुंजर १ संजय २ सेलेसि ३ किरिय ४ ईसाण ५ पुढवि ६-७ दग ८-९ वाऊ १०-११ । एगिंदिय १२ नाग १३ सुवन्न १४ विज्जु १५ वाउ १६ ऽग्गि १७ सत्तरसे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-उदाई णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरायत्ताए उववन्ने ? गोयमा ! असुरकुमारेहिंतो देवेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरा०

त्ताए उववन्ने ? उदाई णं भंते ! हत्थिराया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोससागरोवमट्ठिइयंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ भूयाणंदे णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता भूयाणंदे हत्थिरायत्ताए एवं जहेव उदायी जाव अंतं काहिइ ॥ ५८९ ॥ पुरिसे णं भंते ! तालमारुहइ ता० २ त्ता ताओ तालाओ तालफलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालमारुहइ तालमारुहित्ता ताओ तालाओ तालफलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो ताले निव्वत्तिए तालफले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ अहे णं भंते ! से तालफले अप्पणो गरुयत्ताए जाव पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालफले अप्पणो प(गु)रुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो ताले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो तालफले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा जेवि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे रुक्खस्स मूलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा अहे णं भंते ! से मूले अप्पणो गुरुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से मूले अप्पणो जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य णं से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स

कद पचाले० ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाण सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि ण जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, अहे णं भंते ! से कंदे अप्पणो जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाण सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए खंधे निव्वत्तिए जाव चउहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए तेवि ण जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य से जीवा अहे वीससाए पचोवयमाणस्स जाव पंचहिं पुट्ठा जहा (कंदे) खंधो एवं जाव बीय ॥५९०॥ कइ ण भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पन्नत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए । कइ णं भंते ! इंदिया प० ? गोयमा ! पंच इंदिया प०, त०–सोइंदिए जाव फासिंदिए । कइविहे णं भंते ! जोए प० ? गोयमा ! तिविहे जोए प०, त०–मणजोए वइजोए कायजोए । जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, एवं पुढविक्काइएवि, एवं जाव मणुस्से । जीवा ण भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणा कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि, एवं पुढविकाइयावि, एवं जाव मणुस्सा, एवं वेउव्वियसरीरेणवि दो दंडगा नवरं जस्स अत्थि वेउव्वियं, एवं जाव कम्मगसरीरं, एवं सोइंदियं जाव फासिंदियं, एवं मणजोगं वइजोगं कायजोगं जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वं, एए एगत्तपुहुत्तेणं छव्वीसं दंडगा ॥ ५९१ ॥ कइविहे ण भंते ! भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे भावे प०, तं०–उदइए उवसमिए जाव सन्निवाइए, से किं तं उदइए भावे ? उदइए भावे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–उदइए य उदयनिप्फन्ने य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अणुओगदारे छन्नामं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव से तं सन्निवाइए भावे ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५९२॥ **सत्तरसमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

से नूणं भंते ! संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे धम्मे ठिए, असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अहम्मे ठिए, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए ? हंता गोयमा ! संजयविरय जाव धम्माधम्मे ठिए, एएसि णं भंते ! धम्मंसि वा अहम्मंसि वा धम्माधम्मंसि वा चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केण खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव धम्माधम्मे ठिए ? गोयमा ! संजयविरय जाव पावकम्मे धम्मे ठिए धम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, असंजय जाव पावकम्मे अहम्मे ठिए अहम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए धम्माधम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ठिए ॥ जीवा णं भंते ! किं धम्मे ठिया अहम्मे ठिया धम्माधम्मे ठिया ?

गोयमा ! जीवा धम्मेवि ठिया अहम्मेवि ठिया धम्माधम्मेवि ठिया । नेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नेरइया णो धम्मे ठिया अहम्मे ठिया णो धम्माधम्मे ठिया, एवं जाव चउरिंदियाणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया नो धम्मे ठिया अहम्मे ठिया धम्माधम्मेवि ठिया, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५५३ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु समणा पंडिया समणोवासया बालपंडिया जस्स णं एगपाणाएवि दंडे अणिक्खित्ते से णं एगंतबालेत्ति वत्तव्वं सिया, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु समणा पंडिया समणोवासगा बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे निक्खित्ते से णं नो एगंतबालेत्ति वत्तव्वं सिया ॥ जीवा णं भंते ! किं बाला पंडिया बालपंडिया ? गोयमा ! जीवा बालावि पंडियावि बालपंडियावि, नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया बाला नो पंडिया नो बालपंडिया, एवं जाव चउरिंदियाणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया बाला नो पंडिया बालपंडियावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ५५४ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति-एवं खलु पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उप्पत्तियाए जाव पारिणामियाए वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, उग्गहे ईहा अवाए धारणाए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, उट्ठाणे जाव परक्कमे वट्टमाणस्स जाव जीवाया, नेरइयत्ते तिरिक्खमणुस्सदेवत्ते वट्टमाणस्स जाव जीवाया, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, एवं कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए ३, एवं चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियणाणे ५, मइअन्नाणे ३, आहारसन्नाए ४, एवं ओरालियसरीरे ५, एवं मणजोए ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे वट्टमाणस्स अन्ने जीवे अन्ने जीवाया, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया जाव अणागारोवओगे वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया ॥ ५५५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पुव्वामेव रूवी भवित्ता पभू अरूविं विउ-

कंदे पचाले० ? गोयमा ! जाव च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाण सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए जाव बीए निव्वत्तिए तेवि णं जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, अहे ण भंते ! से कंदे अप्पणो जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाण सरीरेहिंतो मूले निव्वत्तिए खंधे निव्वत्तिए जाव चउहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाण सरीरेहिंतो कंदे निव्वत्तिए तेवि ण जीवा जाव पचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स जाव पचहिं पुट्ठा जहा (कंदे) खंधो एवं जाव बीय ॥५९०॥ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पच सरीरगा पन्नत्ता, तंजहा-ओरालिए जाव कम्मए । कइ णं भंते ! इंदिया प० ? गोयमा ! पंच इंदिया प०, त०-सोइंदिए जाव फासिंदिए । कइविहे णं भंते ! जोए प० ? गोयमा ! तिविहे जोए प०, त०-मणजोए वइजोए कायजोए । जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं निव्वत्तेमाणे कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, एव पुढविकाइएवि, एवं जाव मणुस्से । जीवा ण भंते ! ओरालियसरीर निव्वत्तेमाणा कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पचकिरियावि, एव पुढविकाइयावि, एव जाव मणुस्सा, एवं वेउव्वियसरीरेणवि दो दंडगा नवरं जस्स अत्थि वेउव्वियं, एव जाव कम्मगसरीरं, एव सोइदियं जाव फासिंदियं, एव मणजोग वइजोग कायजोगं जस्स ज अत्थि त भाणियव्वं, एए एगत्तपुहुत्तेणं छव्वीस दंडगा ॥ ५९१ ॥ कइविहे ण भंते ! भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे भावे प०, तं०-उदइए उवसमिए जाव सन्निवाइए, से किं त उदइए भावे ? उदइए भावे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-उदइए य उदयनिप्फन्ने य, एव एएणं अभिलावेणं जहा अणुओगदारे छन्नाम तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव से तं सन्निवाइए भावे ॥ सेवं भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥५९२॥ **सत्तरसमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

से नूण भंते ! संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे धम्मे ठिए, असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अहम्मे ठिए, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए ? हंता गोयमा ! संजयविरय जाव धम्माधम्मे ठिए, एएसि णं भंते ! धम्मंसि वा अहम्मंसि वा धम्माधम्मंसि वा चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केण खाइ अट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ जाव धम्माधम्मे ठिए ? गोयमा ! संजयविरय जाव पावकम्मे धम्मे ठिए धम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, असंजय जाव पावकम्मे अहम्मे ठिए अहम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए धम्माधम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ठिए ॥ जीवा णं भंते ! किं धम्मे ठिया अहम्मे ठिया धम्माधम्मे ठिया ?

व्वित्ताणं, चिट्ठित्तए? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ देवे णं जाव नो पभू अरूविं विउव्वित्ताण-चिट्ठित्तए? गोयमा! अहमेयं जाणामि, अहमेयं पासामि, अहमेयं बुज्झामि, अहमेयं अभिसमन्नागच्छामि, मए एयं नायं, मए एयं दिट्ठं, मए एयं बुद्धं, मए एयं अभिसमन्नागयं-जण्णं तहागयस्स जीवस्स सरूविस्स सकम्मस्स सरागस्स सवेयस्स समोहस्स सलेसस्स ससरीरस्स ताओ सरीराओ अविप्पमुक्कस्स एवं पन्नायइ, तंजहा-कालत्ते वा जाव सुक्किलत्ते वा, सुब्भिगंधत्ते वा दुब्भिगंधत्ते वा, तित्तत्ते वा जाव महुरत्ते वा, कक्खडत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेण गोयमा! जाव चिट्ठित्तए॥ सच्चेव णं भंते! से जीवे पुव्वामेव अरूवी भवित्ता पभू रूविं विउव्वित्ताण चिट्ठित्तए? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेण जाव चिट्ठित्तए? गोयमा! अहमेयं जाणामि जाव जन्न तहागयस्स जीवस्स अरूविस्स अकम्मस्स अरागस्स अवेयस्स अमोहस्स अलेसस्स असरीरस्स ताओ सरीराओ विप्पमुक्कस्स णो एवं पन्नायइ, तं०-कालत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेण जाव चिट्ठित्तए वा॥ सेवं भंते! २ त्ति॥ ५९६॥ **सत्तरसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो॥**

सेलेसिं पडिवन्नए णं भंते! अणगारे सया समियं एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थेगेणं परप्पओगेण॥ कइविहा णं भंते! एयणा प०? गोयमा! पंचविहा एयणा प०, तंजहा-दव्वेयणा खेत्तेयणा कालेयणा भवेयणा भावेयणा, दव्वेयणा णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! चउव्विहा प०, तंजहा-नेरइयदव्वेयणा, तिरिक्खदव्वेयणा, मणुस्सदव्वेयणा, देवदव्वेयणा, से केणट्ठेण भंते! एवं वुच्चइ-नेरइयदव्वेयणा २? गोयमा! जन्नं नेरइया नेरइयदव्वे वट्टिंसु वा वट्टंति वा वट्टिस्संति वा ते णं तत्थ नेरइया नेरइयदव्वे वट्टमाणा नेरइयदव्वेयणं एइंसु वा एयंति वा एइस्संति वा, से तेणट्ठेण जाव दव्वेयणा, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ तिरिक्खजोणियदव्वेयणा २? एवं चेव, नवरं तिरिक्खजोणियदव्वे० भाणियव्वं, सेसं तं चेव, एवं जाव देवदव्वेयणा। खेत्तेयणा णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! चउव्विहा प०, तं०-नेरइयखेत्तेयणा जाव देवखेत्तेयणा, से केणट्ठेण भंते! एवं वुच्चइ नेरइयखेत्तेयणा २? एवं चेव, नवरं नेरइयखेत्तेयणा भाणियव्वा, एवं जाव देवखेत्तेयणा, एवं कालेयणावि, एवं भवेयणावि, एवं जाव देवभावेयणावि॥ ५९७॥ कइविहा णं भंते! चलणा प०? गोयमा! तिविहा चलणा प०, तं०-सरीरचलणा इंदियचलणा जोगचलणा, सरीरचलणा णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! पंचविहा प०, तं०-ओरालियसरीरचलणा जाव कम्मगसरीरचलणा, इंदियचलणा णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! पंचविहा प०, तंजहा—

वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहन्नमाणे देसेण वा समोहन्नइ सव्वेण वा समोहन्नइ, देसेणं समोहन्नमाणे पुव्विं संपाउणित्ता पच्छा उववज्जिज्जा सव्वेणं समोहन्नमाणे पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा। पुढविक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव समोहए २ त्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढवि० एवं चेव ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुयगेवेज्जविमाणे अणुत्तरविमाणे ईसिप्पब्भाराए य एवं चेव। पुढविक्काइए णं भंते! सक्करप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढवि० एवं जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ उववाइओ एवं सक्करप्पभाएवि पुढविकाइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहेसत्तमाए समोहए ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। सेवं भंते! २ त्ति (१७-६) ॥५९७॥ पुढविक्काइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! किं पुव्विं सेसं तं चेव जहा रयणप्पभाए पुढविक्काइओ सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए ताव उववाइओ एवं सोहम्मपुढविक्काइओवि सत्तसुवि पुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहेसत्तमाए, एवं जहा सोहम्मपुढविक्काइओ सव्वपुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढविक्काइओ सव्वपुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहेसत्तमाए, सेवं भंते! २ त्ति (१७-७) ॥५९८॥ आउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा पुढविक्काइओ तहा आउक्काइओवि सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए तहेव उववाएयव्वो एवं जहा रयणप्पभाआउक्काइओ उववाइओ तहा जाव अहेसत्तमापुढविआउक्काइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, सेवं भंते! २ त्ति (१७-८) ॥५९९॥ आउक्काइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! सेसं तं चेव एवं जाव अहेसत्तमाए जहा सोहम्मआउक्काइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराआउक्काइओ जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, सेवं भंते! २ त्ति (१७-९) ॥६००॥ वाउक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं जहा पुढविक्काइओ तहा वाउक्काइओवि नवरं वाउक्काइयाणं चत्तारि समुग्घाया प० तं०—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहन्नमाणे देसेण वा सव्वेण वा सेसं तं चेव जाव अहेसत्तमाए समोहओ ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो, सेवं भंते! २ त्ति (१७-१०) ॥६०१॥ वाउक्काइए णं भंते! सोहम्मे कप्पे समोहए २ त्ता जे

वाएण किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि, सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? जहा पाणाइवाएणं दंडओ एवं मुसावाएणवि, एव अदिन्नादाणेणवि मेहुणेणवि परिग्गहेणवि, एव एए पच दंडगा ५ । जंसमयन्नं भंते ! जीवाण पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? एव तहेव जाव वत्तव्व सिया जाव वेमाणियाण, एव जाव परिग्गहेण, एवं एएवि पंच दंडगा १० । जंदेसेण भंते ! जीवाण पाणाइवाएण किरिया कज्जइ एव चेव जाव परिग्गहेण, एव एएवि पंच दंडगा १५ । जंपएसन्नं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ एवं तहेव दण्डओ, एवं जाव परिग्गहेण २०, एव एए वीस दंडगा ॥ ६०० ॥ जीवाण भंते ! किं अत्तकडे दुक्खे, परकडे दुक्खे, तदुभयकडे दुक्खे ? गोयमा ! अत्तकडे दुक्खे, नो परकडे दुक्खे, नो तदुभयकडे दुक्खे, एव जाव वेमाणियाण, जीवा णं भंते ! किं अत्तकड दुक्खं वेदेंति, परकड दुक्ख वेदेंति, तदुभयकड दुक्ख वेदेंति ? गोयमा ! अत्तकड दुक्ख वेदेंति, नो परकड दुक्ख वेदेंति, नो तदुभयकड दुक्ख वेदेंति, एव जाव वेमाणियाण । जीवाण भंते ! किं अत्तकडा वेयणा, परकडा वेयणा, तदुभयकडा वेयणा ? गोयमा ! अत्तकडा वेयणा, णो परकडा वेयणा, णो तदुभयकडा वेयणा, एव जाव वेमाणियाण, जीवा ण भंते ! किं अत्तकड वेयण वेदेंति, परकड वेयण वेदेंति, तदुभयकड वेयण वेदेंति ? गोयमा ! जीवा अत्तकड वेयण वेदेंति, नो परकड वेयण वेदेंति, नो तदुभयकड वेयण वेदेंति, एव जाव वेमाणियाण । सेव भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥ ६०१ ॥ **सत्तरसमे सए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥**

कहि ण भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेण इमीसे ण रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरिय जहा ठाणपए जाव मज्झे ईसाणवडिंसए महाविमाणे से ण ईसाणवडिंसए महाविमाणे अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं० एव जहा दसमसए सक्कविमाणवत्तव्वया सा इहवि ईसाणस्स निरवसेसा भाणियव्वा जाव आयरक्खत्ति, ठिई साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेस त चेव जाव ईसाणे देविंदे देवराया २, सेव भंते ! सेव भंते ! त्ति ॥६०२॥ **सत्तरसमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से भंते ! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्विं वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा, से केणट्ठेण जाव पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुढविक्काइयाण तओ समुग्घाया प०, त०-

पुच्छा गोयमा! पढमावि अपढमावि, नेरइया जाव वेमाणिया नो पढमा अपढमा सिद्धा पढमा नो अपढमा एक्केक्के पुच्छा भाणियव्वा २ ॥ भवसिद्धिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, एवं अभवसिद्धिएवि णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिए णं भंते! जीवे णोभव० पुच्छा गोयमा! पढमे नो अपढमे णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिए णं भंते! सिद्धे णोभव० एवं चेव पुहुत्तेणवि दोण्हवि ॥ सन्नी णं भंते! जीवे सन्निभावेणं किं पढमे पुच्छा गोयमा! नो पढमे अपढमे, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि ३ ॥ असन्नी एवं चेव एगत्तपुहुत्तेणं नवरं जाव वाणमंतरा णोसन्नीणोअसन्नी जीवे मणुस्से सिद्धे पढमे नो अपढमे, एवं पुहुत्तेणवि ४ ॥ सलेस्से णं भंते! पुच्छा गोयमा! जहा आहारए एवं पुहुत्तेणवि कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा एवं चेव नवरं जस्स जा लेस्सा अत्थि। अलेस्से णं जीवमणुस्ससिद्धे जहा णोसन्नीणोअसन्नी ५ ॥ सम्मद्दिट्ठिए णं भंते! जीवे सम्मद्दिट्ठिभावेणं किं पढमे पुच्छा गोयमा! सिय पढमे सिय अपढमे एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, सिद्धे पढमे नो अपढमे पुहुत्तिया जीवा पढमावि अपढमावि एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा पढमा नो अपढमा मिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारगा सम्मामिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी नवरं जस्स अत्थि सम्मामिच्छत्तं ६ ॥ संजए जीवे मणुस्से य एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी असंजए जहा आहारए, संजयासंजए जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सा एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी णोसंजएणोअसंजएणोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमे नो अपढमे ७ ॥ सकसाई कोहकसाई जाव लोभकसाई एए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, अकसाई जीवे सिय पढमे सिय अपढमे एवं मणुस्सेवि सिद्धे पढमे नो अपढमे पुहुत्तेणं जीवा मणुस्सा पढमावि अपढमावि सिद्धा पढमा नो अपढमा ॥ णाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी एगत्तपुहुत्तेणं एवं चेव नवरं जस्स जं अत्थि केवलणाणी जीवे मणुस्से सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमा नो अपढमा। अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगणाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए ९ ॥ सजोगी मणजोगी वयजोगी कायजोगी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, नवरं जस्स जो जोगो अत्थि अजोगी जीवमणुस्ससिद्धा एगत्तपुहुत्तेणं पढमा नो अपढमा १० ॥ सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता एगत्तपुहुत्तेणं जहा अणाहारए ११ ॥ सवेदगो जाव णपुंसग[illegible] एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए नवरं जस्स जो वेदो अत्थि अवेदओ [illegible] ए पएसु जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जहा आहारए, एवं -

भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए तणुवाए घणवायवलएसु तणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेस त चेय एवं जहा सोहम्मकप्पवाउकाइओ सत्तसुवि पुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराए वाउक्काइओ अहे सत्तमाए जाव उववाएयव्वो, सेव भते ! २ त्ति (१७-११) ॥ ६०८ ॥ एगिंदिया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे (समसरीरा) समुस्सासणीसासा एव जहा पढमसए बिइयउद्देसए पुढविकाइयाण वत्तव्वया भणिया सा चेव एगिंदियाणं इह भाणियव्वा जाव समाउया समोववन्नगा। एगिंदियाण भते ! कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ प०, त०-कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा । एएसि णं भते ! एगिंदियाण कण्हलेस्साणं जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदियाण तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । एएसि ण भते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्सा इड्ढी जहेव दीवकुमाराण, सेव भंते ! २ त्ति (१७-१२) ॥ ६०९ ॥ नागकुमारा ण भते ! सव्वे समाहारा जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसए तहेव निरवसेस भाणियव्व जाव इड्ढीति, सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ (१७-१३) ॥ ६१० ॥ सुवन्नकुमारा ण भते ! सव्वे समाहारा० एव चेव, सेव भते ! २ त्ति (१७-१४) ॥ ६११ ॥ विज्जुकुमारा ण भते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव, सेव भते ! २ त्ति (१७-१५) ॥ ६१२ ॥ वाउकुमारा ण भते ! सव्वे समाहारा० एव चेव, सेवं भते ! २ त्ति (१७-१६) ॥ ६१३ ॥ अग्गिकुमारा ण भते ! सव्वे समाहारा० एव चेव, सेव भते ! २ त्ति ॥६१४॥ **सत्तरसमस्स सयस्स सत्तरसमो उद्देसो समत्तो ॥ सत्तरसमं सयं समत्तं ॥**

पढमे १ विसाह २ मायदिए य ३ पाणाइवाय ४ असुरे य ५ । गुल ६ केवलि ७ अणगारे ८ भविए ९ तह सोमिलऽट्ठारसे १० ॥ १ ॥ तेण कालेण तेण समएण रायगिहे जाव एव वयासी–जीवे ण भते ! जीवभावेण किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एवं नेरइए जाव वेमाणिए । सिद्धे ण भते ! सिद्धभावेण किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! पढमे नो अपढमे, जीवा ण भते ! जीवभावेण किं पढमा अपढमा ? गोयमा ! नो पढमा अपढमा, एव जाव वेमाणियाण १ ॥ सिद्धाण पुच्छा, गोयमा ! पढमा नो अपढमा ॥ आहारए ण भंते ! जीवे आहारभावेण किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! नो पढमे अपढमे, एव जाव वेमाणिए, पोहत्तिएवि एव चेव । अणाहारए ण भते ! जीवे अणाहारभावेणं पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे । नेरइए ण भते ! एवं नेरइए जाव वेमाणिए नो पढमे अपढमे, सिद्धे पढमे नो अपढमे । अणाहारगा ण भते ! जीवा अणाहारभावेणं

सरीरं, नवरं आहारगसरीरी एगत्तपुहुत्तेण जहा सम्मदिट्ठी, असरीरी जीवो सिद्धो एगत्तपुहुत्तेणं पढमो नो अपढमो १३ ॥ पचर्हिं पज्जत्तीहिं पंचर्हिं अपज्जत्तीहिं एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारए, नवरं जस्स जा अत्थि जाव वेमाणिया नो पढमा अपढमा १४ ॥ इमा लक्खणगाहा—जो जेण पत्तपुव्वो भावो सो तेण अपढमो होइ। सेसेसु होइ पढमो अपत्तपुव्वेसु भावेसु ॥ १ ॥ जीवे ण भते ! जीवभावेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! नो चरिमे अचरिमे । नेरइए ण भते ! नेरइयभावेण पुच्छा, गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे । जीवाण पुच्छा, गोयमा ! जीवा नो चरिमा अचरिमा, नेरइया चरिमावि अचरिमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा १ ॥ आहारए सव्वत्थ एगत्तेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि, अणाहारओ जीवो सिद्धो य एगत्तेणवि पुहुत्तेणवि नो चरिमो अचरिमो, सेसट्ठाणेसु एगत्तपुहुत्तेण जहा आहारओ २ ॥ भवसिद्धीओ जीवपए एगत्तपुहुत्तेण चरिमे नो अचरिमे, सेसट्ठाणेसु जहा आहारओ । अभवसिद्धीओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेण नो चरिमे अचरिमे, नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीय जीवा सिद्धा य एगत्तपुहुत्तेण जहा अभवसिद्धीओ ३ ॥ सन्नी जहा आहारओ, एवं असन्नीवि, नोसन्नीनोअसन्नी जीवपए सिद्धपए य अचरिमो, मणुस्सपए चरिमो एगत्तपुहुत्तेण ४ ॥ सलेस्सो जाव सुक्कलेस्सो जहा आहारओ नवर जस्स जा अत्थि, अलेस्सो जहा नोसन्नीनोअसन्नी ५ ॥ सम्मदिट्ठी जहा अणाहारओ, मिच्छादिट्ठी जहा आहारओ, सम्मामिच्छादिट्ठी एगिंदियविगलिंदियवज्ज सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि ६ ॥ सजओ जीवो मणुस्सो य जहा आहारओ, असजओवि तहेव, सजयासजओवि तहेव, नवरं जस्स ज अत्थि, नोसजयनोअसजयनोसंजयासजय जहा नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीओ ७ ॥ सकसाई जाव लोभकसाई सव्वट्ठाणेसु जहा आहारओ, अकसाई जीवपए सिद्धपए य नो चरिमो अचरिमो, मणुस्सपए सिय चरिमो सिय अचरिमो ८ ॥ णाणी जहा सम्मदिट्ठी सव्वत्थ आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी जहा आहारओ नवर जस्स ज अत्थि, केवलनाणी जहा नोसन्नीनोअसन्नी, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा आहारओ ९ ॥ सजोगी जाव कायजोगी जहा आहारओ जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जहा नोसन्नीनोअसन्नी १० ॥ सागारोवउत्तो अणागारोवउत्तो य जहा अणाहारओ ११ ॥ सवेदओ जाव नपुसगवेदओ जहा आहारओ, अवेदओ जहा अकसाई १२ ॥ ससरीरी जाव कम्मगसरीरी जहा आहारओ नवरं जस्स जं अत्थि, असरीरी जहा नोभवसिद्धीयनोअभवसिद्धीय १३ ॥ पचर्हिं पज्जत्तीहिं पचर्हिं

म २ त्ता सद्धिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ छे २ त्ता आलोइयपडिक्कंते जाव कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव सक्के देविंदत्ताए उववन्ने, तए णं से गंगदत्ते देवे अहुणोववन्नमेत्तए सेसं जहा गंगदत्तस्स जाव अंतं काहिइ, नवरं ठिई दो सागरोवमाइं प० सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६१६ ॥ अट्ठारसमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था वण्णओ गुणसिलए चेइए वण्णओ जाव परिसा पडिगया तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव अंतेवासी मागंदियपुत्ते नामं अणगारे पगइभद्दए जहा मंडियपुत्ते जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी-से नूणं भंते ! काउलेस्से पुढविक्काइए काउलेस्सेहिंतो पुढविक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ के २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता ! काउलेस्से पुढविक्काइए जाव अंतं करेइ । से नूणं भंते ! काउलेस्से आउक्काइए काउलेस्सेहिंतो आउक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता मागंदियपुत्ता ! जाव अंतं करेइ । से नूणं भंते ! काउलेस्से वणस्सइकाइए एवं चेव जाव अंतं करेइ, सेवं भंते ! २ त्ति मागंदियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं जाव नमंसित्ता जेणेव समणे निग्गंथे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणे निग्गंथे एवं वयासी-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविक्काइए तहेव जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइए जाव अंतं करेइ, तए णं ते समणा निग्गंथा मा(गं)दियपुत्तस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति ३ एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वं २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! मागंदियपुत्ते अणगारे अम्हं एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, से कहमेयं भंते ! एवं ? अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणे निग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी-जण्णं अज्जो ! मागंदियपुत्ते अणगारे तुब्भे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढवीकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं अज्जो ! एवमाइक्खामि ४-एवं खलु

तं णेगमट्ठसहस्सपि त कत्तिय सेट्ठिं एव वयासी–जइ ण देवाणुप्पिया ! ससारभय-उव्विग्गा भीया जाव पव्वइस्सति, अम्ह देवाणुप्पिया ! कि अन्ने आलवणे वा आहारे वा पडिवधे वा ? अम्हेवि ण देवाणुप्पिया ! ससारभयउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पिएहिं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ अतिय मु(डे)डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वयामो, तए णं से कत्तिए सेट्ठी त नेगमट्ठसहस्स एव वयासी–जइ ण देवाणुप्पिया ! ससारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाण मए सद्धिं मुणिसुव्वय जाव पव्वयह त गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सएसु २ गिहेसु विउल असण जाव उवक्खडावेह मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुवे ठावेह जेट्ठ० २ त्ता त मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते आपुच्छह २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहह पु० २ त्ता मित्तनाइ जाव-परिजणेण जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेण अकालपरिहीण चेव मम अतिय पाउब्भवह, तए ण ते नेगमट्ठसहस्सपि कत्तियस्स सेट्ठिस्स एय-मट्ठं विणएण पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव साइ साइं गिहाइ तेणेव उवागच्छति २ त्ता विपुल असण जाव उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइ जाव तस्सेव मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुवे ठावेंति जेट्ठपुत्ते० २ त्ता त मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते य आपुच्छति जेट्ठ० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहति २ त्ता मित्तणाइ जाव परिजणेण जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेण अकाल-परिहीण चेव कत्तियस्स सेट्ठिस्स अतिय पाउब्भवति, तए ण से कत्तिए सेट्ठी विपुल असणं ४ जहा गगदत्तो जाव मित्तणाइ जाव परिजणेण जेट्ठपुत्तेण णेगमट्ठसहस्सेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव रवेण हत्थिणापुर नयरं मज्झमज्झेण जहा गंगदत्तो जाव आलित्ते णं भते ! लोए पलित्ते ण भते ! लोए आलित्तपलित्ते ण भंते ! लोए जाव आणुगामियत्ताए भविस्सइ, त इच्छामि ण भते ! णेगमट्ठसहस्सेण सद्धिं सयमेव पव्वाविय, सयमेव मुंडाविय जाव धम्ममाइक्खियं, तए ण मुणिसुव्वए अरहा कत्तियं सेट्ठिं णेगमट्ठसहस्सेण सार्द्धं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममाइक्खइ, एव देवाणु-प्पिया ! गतव्वं एवं चिट्ठियव्व जाव सजमियव्वं, तए ण से कत्तिए सेट्ठी नेगमट्ठसह-स्सेणं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ इम एयारूव धम्मियं उवएसं सम्म सपडिवज्जइ, तमाणाए तहा गच्छइ जाव सजमेइ, तए ण से कत्तिए सेट्ठी णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं अणगारे जाए इरियासमिए जाव गुत्तबंभयारी, तए ण से कत्तिए अणगारे मुणि-सुव्वयस्स अरहओ तहारूवाण थेराण अतिय सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइ अहिज्जइ सा० २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुन्नाइं दुवालसवासाइ सामन्नपरियाग पाउणइ २ त्ता मासियाए सलेहणाए अत्ताणं झोसेइ

सम्मद्दिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ णं जे ते मायिमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते अमायिसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा ते दुविहा प० तं०—अणंतरोववन्नगा य परंपरोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते अणंतरोववन्नगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववन्नगा ते दुविहा प० तं०—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा प० तं०—उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण जाणंति २ आहारेंति ॥६१४॥ कइविहे णं भन्ते! बंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे बंधे प० तं०—दव्वबंधे य भावबंधे य, दव्वबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प० तं०—पओगबंधे य वीससाबंधे य, वीससाबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प० तं०—साइयवीससाबंधे य अणाइयवीससाबंधे य, पओगबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प० तं०—सिढिलबंधणबद्धे य धणियबंधणबद्धे य, भावबंधे णं भंते! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे प० तं०—मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, णेरइयाणं भंते! कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प० तं०—मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं, णाणावरणिज्जस्स णं भंते! कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प० तं०—मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, णेरइयाणं भंते! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता! दुविहे भावबंधे प० तं०—मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं जहा णाणावरणिज्जेणं दंडओ भणिओ एवं जाव अंतराइएणं भाणियव्वो ॥ ६१५ ॥ जीवाणं भंते! पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स केइ णाणत्ते? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवाणं पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स णाणत्ते? मागंदियपुत्ता! से जहाणामए—केइ पुरिसे धणुं परामुसइ २ त्ता उसुं परामुसइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता आययकण्णाययं उसुं करेइ आ० २ त्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ से णूणं मागंदियपुत्ता! तस्स उसुस्स उड्ढं वेहासं उव्वीढस्स समाणस्स एयतिवि णाणत्तं जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं? हंता भगवं! एयतिवि णाणत्तं जाव परिणमइवि णाणत्तं, से तेणट्ठेणं मागंदियपुत्ता! एवं वुच्चइ जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं, णेरइयाणं भंते! पावे कम्मे जे य कडे एवं चेव एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ६१६ ॥ णेरइया णं भंते! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति तेसि णं भंते! पोग्गलाणं सेयकालंसि कइभागं आहारेंति कइभागं णिज्जरेंति?

अज्जो ! कण्हलेस्से पुढविकाइए कण्हलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो जाव अंत करेइ, एवं खलु अज्जो ! नीललेस्से पुढविकाइए जाव अंत करेइ, एव काउलेस्सेवि जहा पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एव आउकाइएवि, एव वणस्सइकाइएवि, सच्चे ण एसमट्ठे ॥ सेवं भंते ! २ त्ति समणा निग्गंथा समण भगवं महावीरं वंदति नमसति वं० २ त्ता जेणेव मागंदियपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छति २ त्ता मागंदियपुत्त अणगारं वदति नमंसति वं० २ त्ता एयमट्ठ सम्म विणएण भुज्जो २ खामेंति ॥६१७॥ तए ण से मागंदियपुत्ते अणगारे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ वं० २ त्ता समण भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ त्ता एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो सव्वं कम्मं वेदेमाणस्स सव्व कम्म निज्जरेमाणस्स सव्व मारं मरमाणस्स सव्व सरीर विप्पजहमाणस्स चरिम कम्म वेदेमाणस्स चरिम कम्मं निज्जरेमाणस्स चरिम मारं मरमाणस्स चरिम सरीरं विप्पजहमाणस्स मारणतियं कम्म वेदेमाणस्स मारणतिय कम्म निज्जरेमाणस्स मारणतिय मार मरमाणस्स मारणतिय सरीरं विप्पजहमाणस्स जे चरिमा निज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला प०, समणाउसो ! सव्व लोगंपिणं ते टग्गाहित्ताण चिट्ठंति ? हता मागंदियपुत्ता ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव ओगाहित्ताण चिट्ठति, छउमत्थे ण भंते ! मणुस्से तेसिं निज्जरापोग्गलाणं किंचि आणत्त वा णाणत्त वा एव जहा इंदियउद्देसए पढमे जाव वेमाणिया जाव तत्थ ण जे ते उवउत्ता ते जाणति पासति आहारेंति, से तेणट्ठेण निक्खेवो भाणियव्वोत्ति न पासति आहारेंति, नेरइया णं भते ! निज्जरापोग्गला न जाणति न पासति आहारेंति, एवं जाव पचिंदियतिरिक्खजोणियाण, मणुस्सा ण भते ! निज्जरापोग्गले किं जाणति पासति आहारेंति उदाहु न जाणति न पासति न आहारेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया जाणति ३ अत्थेगइया न जाणंति न पासति आहारेंति, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ अत्थेगइया जाणति पासति आहारेंति, अत्थेगइया न जाणति न पासति आहारेंति ? गोयमा ! मणुस्सा दुविहा प०, तजहा–सण्णिभूया य असण्णिभूया य, तत्थ ण जे ते असण्णिभूया ते न जाणति न पासंति आहारेंति, तत्थ ण जे ते सण्णिभूया ते दुविहा प०, तं०–उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ ण जे ते अणुवउत्ता ते न जाणति न पासति आहारेंति, तत्थ ण जे ते उवउत्ता ते जाणंति ३, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ अत्थेगइया न जाणंति २ आहारेंति, अत्थेगइया जाणति ३, वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया । वेमाणिया णं भंते ! ते निज्जरापोग्गले किं जाणंति ६ ? गोयमा ! जहा मणुस्सा नवरं वेमाणिया दुविहा प०, तं०–माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा य अमा-

णाणं पुच्छा गोयमा! जहण्णपए कडजुम्मा उक्कोसपए तेयोगा अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा एवं जाव चउरिंदिया सेसा एगिंदिया जहा बेइंदिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया सिद्धा जहा वणस्सइकाइया। इत्थीओ णं भंते! किं कडजुम्माओ पुच्छा गोयमा! जहण्णपए कडजुम्माओ उक्कोसपए कडजुम्माओ अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ एवं असुरकुमारइत्थीओवि जाव थणियकुमारइत्थीओवि एवं तिरिक्खजोणियइत्थीओवि एवं मणुस्सइत्थीओवि एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणियदेवित्थीओवि ॥ ५२३ ॥ जावइया णं भंते! वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा? हंता गोयमा! जावइया वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ५२४ ॥

अट्ठारसमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

दो भंते! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववन्ना तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे एगे असुरकुमारे देवे से णं नो पासादीए नो दरिसणिज्जे नो अभिरूवे नो पडिरूवे, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! असुरकुमारा देवा दुविहा पण्णत्ता, तं० -वेउव्वियसरीरा य अवेउव्वियसरीरा य, तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं पासादीए जाव पडिरूवे तत्थ णं जे से अवेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं नो पासादीए जाव नो पडिरूवे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे तं चेव जाव नो पडिरूवे? गोयमा! से जहाणामए-इह मणुस्सलोगंसि दुवे पुरिसा भवंति एगे पुरिसे अलंकियविभूसिए, एगे पुरिसे अणलंकियविभूसिए, एएसि णं गोयमा! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे पासादीए जाव पडिरूवे कयरे पुरिसे नो पासादीए जाव नो पडिरूवे जे वा से पुरिसे अलंकियविभूसिए जे वा से पुरिसे अणलंकियविभूसिए? भगवं! तत्थ णं जे से पुरिसे अलंकियविभूसिए से णं पुरिसे पासादीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से पुरिसे अणलंकियविभूसिए से णं पुरिसे नो पासादीए जाव नो पडिरूवे, से तेणट्ठेणं जाव नो पडिरूवे। दो भंते! नागकुमारा देवा एगंसि नागकुमारावासंसि एवं चेव एवं जाव थणियकुमारा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ ५२५ ॥ दो भंते! नेरइया एगंसि नेरइयावासंसि नेरइयत्ताए उववन्ना तत्थ णं एगे नेरइए महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव एगे नेरइए अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तं०-मायिमिच्छादिट्ठिउववन्नगा य अमायिसम्मदिट्ठि

मागदियपुत्ता ! असखेज्जइभागं आहारेंति अणतभाग निज्जरेंति, चक्किया ण भंते ! केइ तेसु निज्जरापोग्गलेसु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, अणाहरणमेय वुइय समणाउसो ! एवं जाव वेमाणियाण । सेव भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६२१ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

तेण कालेण तेण समएण रायगिहे जाव भगव गोयमे एव वयासी–अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे मुसावाय० जाव मिच्छादसणसल्लवेरमणे, पुढविक्काइए जाव वणस्सइकाइए, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवे असरीरपडिवद्धे परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए ण दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाण परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! पाणाइवाए जाव एए ण दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य अत्थेगइया जीवाण परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, अत्थेगइया जीवाण जाव नो हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ पाणाइवाए जाव नो हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! पाणाइवाए जाव मिच्छादसणसल्ले, पुढविकाइए जाव वणस्सइकाइए, सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए ण दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाण परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे एए ण दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाण परिभोगत्ताए नो हव्वमागच्छन्ति, से तेणट्ठेण जाव नो हव्वमागच्छंति ॥ ६२२ ॥ कइ ण भंते ! कसाया पन्नत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, त०–कसायपय निरवसेस भाणियव्व जाव निज्जरिस्संति लोभेण ॥ कइ ण भंते ! जुम्मा पन्नत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पन्नत्ता, त०–कडजुम्मे तेओगे दावरजुम्मे कलिओगे, से केणट्ठेण भंते ! एवं वुच्चइ जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे ण रासी चउक्कएणं अवहारेण अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्त कडजुम्मे, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्त तेओगे, जे ण रासी चउक्कएण अवहारेण अवहीरमाणे (२) दुपज्जवसिए सेत्त दावरजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेण अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्त कलिओगे, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ जाव कलिओगे ॥ नेरइया णं भंते ! किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा ? गोयमा ! जहन्नपए कडजुम्मा, उक्कोसपए तेओगा, अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव थणियकुमारा । वणस्सइकाइयाण पुच्छा, गोयमा ! जहन्नपए अपया उक्कोसपए य अपया अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । बेइंदि-

उववन्नगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए नेरइए से णं महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ ण जे से अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नए नेरइए से ण अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, दो भंते ! असुरकुमारा एवं चेव, एव एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिया ॥ ६२६ ॥ नेरइ(या)ए णं भंते ! अणतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! कयरं आउय पडिसवेदेइ ? गोयमा ! नेरइयाउय पडिसवेदेइ, पचिंदियतिरिक्खजोणियाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एव मणुस्सेवि, नवर मणुस्साउए से पुरओ कडे चिट्ठइ । असुरकुमारा ण भंते ! अणतर उव्वट्टित्ता जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! असुरकुमाराउयं पडिसवेदेइ, पुढविकाइयाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एव जो जहिं भविओ उववज्जित्तए तस्स तं पुरओ कडं चिट्ठइ, जत्थ ठिओ त पडिसवेदेइ जाव वेमाणिए, नवरं पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जइ पुढविकाइयाउयं पडिसवेदेइ, अन्ने य से पुढविकाइयाउए पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जाव मणुस्सो सट्ठाणे उववाएयव्वो परट्ठाणे तहेव ॥ ६२७ ॥ दो भंते ! असुरकुमारा एगसि असुरकुमारावाससि असुरकुमारदेवत्ताए उववन्ना, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे उज्जुय विउव्विस्सामित्ति उज्जुय विउव्वइ, वंक विउव्विस्सामित्ति वक विउव्वइ, ज जहा इच्छइ त तहा विउव्वइ, एगे असुरकुमारे देवे उज्जुय विउव्विस्सामित्ति वक्क विउव्वइ, वकं विउव्विस्सामित्ति उज्जुय विउव्वइ, ज जहा इच्छइ णो त तहा विउव्वइ, से कहमेय भंते ! एवं ? गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०—माइमिच्छदिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नगा य, तत्थ ण जे से माइमिच्छादिट्ठिउववन्नए असुरकुमारे देवे से ण उज्जुयं विउव्विस्सामित्ति वक्क विउव्वइ जाव णो त तहा विउव्वइ, तत्थ ण जे से अमाइसम्मदिट्ठिउववन्नए असुरकुमारे देवे से ण उज्जुय विउव्विस्सामीति उज्जुय विउव्वइ जाव तं तहा विउव्वइ । दो भंते ! नागकुमारा एव चेव, एव जाव थणियकुमारा, वाणमतरजोइसियवेमाणिया एव चेव ॥ सेव भते ! २ त्ति ॥ ६२८ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

फाणियगुले ण भंते ! कइवन्ने कइगधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! एत्थ णं दो नया भवंति, त०—निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स गोड्डे फाणियगुले, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ने दुगधे पचरसे अट्ठफासे प० । भमरे ण भंते ! कइवन्ने० पुच्छा, गोयमा ! एत्थ ण दो नया भवति, तं०—निच्छइयनए य वावहारियनए य, वावहारियनयस्स कालए भमरे, नेच्छइयनयस्स पंचवन्ने जाव अट्ठफासे प० । सुयपिच्छे ण भंते ! कइवन्ने० प० ? एव चेव, नवरं वावहारियनयस्स

एयमट्ठं पडिसुणेंति अन्नमन्नस्स २ त्ता जेणेव मद्दुए समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मद्दुयं समणोवासगं एवं वयासी-एवं खलु मद्दु(मंदु)या! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेइ जहा सत्तमे सए अन्नउत्थिउद्देसए जाव से कहमेयं मद्दुया! एवं? तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी-जइ कज्जं कज्जइ जाणामो पासामो अह कज्जं न कज्जइ न जाणामो न पासामो। तए णं ते अन्नउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी-केस णं तुमं मद्दुया! समणोवासगाणं भवसि जे णं तुमं एयमट्ठं न जाणसि न पाससि! तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अन्नउत्थिए एवं वयासी—अत्थि णं आउसो! वाउयाए वाइ? हंता मद्दुया! वाइ, तु(ब्भे)ब्भे णं आउसो! वाउयायस्स वायमाणस्स रूवं पासह? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो! घाणसहगया पोग्गला? हंता अत्थि तुब्भे णं आउसो! घाणसहगयाणं पोग्गलाणं रूवं पासह? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो! अरणिसहगए अगणिकाए? हंता अत्थि तुब्भे णं आउसो! अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स रूवं पासह? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं? हंता अत्थि तुब्भे णं आउसो! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासह? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो! देवलोगगयाइं रूवाइं? हंता अत्थि तुब्भे णं आउसो! देवलोगगयाइं रूवाइं पासह? णो इणट्ठे समट्ठे, एवामेव आउसो! अहं वा तुब्भे वा अन्नो वा छउमत्थो जइ जो जं न जाणइ न पासइ तं सव्वं न भवइ एवं भे सुबहुए लोए ण भविस्सतीतिकट्टु ते अन्नउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं जाव पज्जुवासइ। मद्दुयाति! समणे भगवं महावीरे मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी-सुट्ठु णं मद्दुया! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं वयासी साहु णं मद्दुया! तुमं ते अन्नउत्थिए एवं वयासी जे णं मद्दुया! अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा अन्नायं अदिट्ठं अस्सुयं अमयं अविण्णायं बहुजणमज्झे आघवेइ पन्नवेइ जाव उवदंसेइ, से णं अरिहंताणं आसायणाए वट्टइ, अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, केवलीणं आसायणाए वट्टइ, केवलिपन्नत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, तं सुट्ठु णं तुमं मद्दुया! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी साहु णं तुमं मद्दुया! जाव एवं वयासी। तए णं मद्दुए समणोवासए समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता णच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे मद्दुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया, तए णं मद्दुए

दुविहे उवही प०, तजहा–कम्मोवही य सरीरोवही य, कइविहे णं भंते ! उवही प० ? गोयमा ! तिविहे उवही प०, तंजहा–सचित्ते, अचित्ते, मीसए, एवं नेरइयाणवि, एव निरवसे(सा)स जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! परिग्गहे प० ? गोयमा ! तिविहे परिग्गहे प०, त०–कम्मपरिग्गहे, सरीरपरिग्गहे, वाहिरभडमत्तोवगरण-परिग्गहे, नेरइयाणं भंते ! एवं जहा उवहिणा दो दडगा भणिया तहेव परिग्गहेणवि दो दडगा भाणियव्वा, कइविहे ण भंते ! पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे पणिहाणे प०,त०–मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, नेरइयाणं भते ! कइविहे पणिहाणे प० ? एवं चेव, एव जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाण पुच्छा, गोयमा ! एगे कायपणिहाणे प०, एव जाव वणस्सइकाइयाण, वेइंदियाण पुच्छा, गोयमा ! दुविहे पणिहाणे प०, त०–वइपणिहाणे य कायपणिहाणे य, एव जाव चउरिंदियाण, सेसाणं तिविहेवि जाव वेमाणियाण। कइविहे ण भते ! दुप्पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे दुप्पणिहाणे प०, त०–मणदुप्पणिहाणे, वइदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, जहेव पणिहाणेण दडगो भणिओ तहेव दुप्पणिहाणेणवि भाणियव्वो। कइविहे ण भते ! सुप्पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे सुप्पणिहाणे प०, तजहा–मणसुप्प-णिहाणे, वइसुप्पणिहाणे, कायसुप्पणिहाणे, मणुस्साण भते ! कइविहे सुप्पणिहाणे प० ? एव चेव जाव वेमाणियाण, सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ तए ण समणे भगव महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६३२ ॥ तेण कालेण तेण समएण रायगिहे नाम नयरे गुणसिलए उज्जाणे वन्नओ जाव पुढविसिला-पट्टओ, तस्स ण गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामते वहवे अन्नउत्थिया परिवसति, तं०–कालोदाई सेलोदाई एव जहा सत्तमसए अन्नउत्थिउद्देसए जाव से कहमेय मन्ने एव ? तत्थ ण रायगिहे नयरे मद्दुए नामं समणोवासए परिवसइ, अड्ढे जाव अपरि-भूए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, तए ण समणे भगव महावीरे अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ, तए ण म(द्दु)-दुए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए ण्हाए जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमइ स० २ त्ता पायविहारचारेण रायगिहं नयरं जाव निग्गच्छइ २ त्ता तेसिं अन्नउत्थियाण अदूरसामतेण वीईवयइ, तए ण ते अन्नउत्थिया मद्दुय समणोवासय अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासति २ त्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति २ त्ता एव वयासी–एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह इमा कहा अविउप्पकडा इम च णं मद्दुए समणोवासए अम्ह अदूरसामतेण वीईवयइ, तं सेय खलु देवाणु-प्पिया ! अम्ह मद्दुयं समणोवासग एयमट्ठ पुच्छित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अतियं

देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वास जाव खवयंति चंदिमसूरिया जोइसिंदा जोइसरायाणो अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससएहिं खवयंति, सोहम्मीसाणगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससहस्सेणं (जाव) खवयंति सणंकुमारमाहिंदगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससहस्सेहिं खवयंति एवं एएणं अभिलावेणं बंभलोगलंतगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससहस्सेहिं खवयंति महासुक्कसहस्सारगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससहस्सेहिं खवयंति आणयपाणयआरणअच्चुया देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससयसहस्सेणं खवयंति, मज्झिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति उवरिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, विजयवेजयंतजयंतअपराजियगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, सव्वट्ठसिद्धगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति एएणं गोयमा! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति एएणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति एएणट्ठेणं गोयमा! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥६१७॥

अट्ठारसमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो पुरओ दुहओ जुगमायाए पेहाए रीयं रीयमाणस्स पायस्स अहे कुक्कुडपोए वा वट्टापोए वा कुलिंगच्छाए वा परियावज्जेज्जा तस्स णं भंते! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ? गोयमा! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ, णो संपराइया किरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ? जहा सत्तमसए संवुडुद्देसए जाव अट्ठो निक्खित्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे बहिया जाव विहरइ ॥६१८॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स णं गुणसिलयस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ, तए णं ते अन्नउत्थिया जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–तुम्हे णं अज्जो! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह, तए णं भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–से केणं कारणेणं अज्जो! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो?, तए णं ते अन्न-

समणोवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव निसम्म हट्ठतुट्ठे पसिणाइ (वागरणाइ) पुच्छइ प० २ त्ता अट्ठाइ परियादियइ २ त्ता उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समण भगव महावीर वंदइ नमंसइ व० २ त्ता जाव पडिगए । भते ! त्ति भगव गोयमे समण भगव महावीरं वदइ नमसइ व० २ त्ता एव वयासी–पभू ण भंते ! मद्दुए समणोवासए देवाणुप्पियाण अतियं जाव पव्वइत्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, एव जहेव सखे तहेव अरुणाभे जाव अत करे(का)हिइ ॥ ६३३ ॥ देवे ण भते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्स विउव्वित्ता पभू अन्नमन्नेण सद्धिं सगामं सगामेत्तए ? हता पभू । ताओ ण भते ! बोंदीओ किं एगजीवफुडाओ अणेगजीवफुडाओ ? गोयमा ! एगजीवफुडाओ णो अणेगजीवफुडाओ, तेसि ण भते ! बोंदीण अतरा किं एगजीवफुडा अणेगजीवफुडा ? गोयमा ! एगजीवफुडा नो अणेगजीवफुडा । पुरिसे ण भंते ! अतरेण हत्थेण वा एव जहा अट्ठमसए तइए उद्देसए जाव नो खलु तत्थ सत्थ कमइ ॥ ६३४ ॥ अत्थि ण भते ! देवासुराण सगामे ? ? हता अत्थि, देवासुरेसु ण भंते ! सगामेसु वट्टमाणेसु किन्न तेसिं देवाण पहरणरयणत्ताए परिणमइ ? गोयमा ! जन्न ते देवा तणं वा कट्ठ वा पत्त वा सक्करं वा परामुसति त (ण) त तेसिं देवाण पहरणरयणत्ताए परिणमइ, जहेव देवाणं तहेव असुरकुमाराण ? णो इणट्ठे समट्ठे, असुरकुमाराण देवाण निच्च विउव्विया पहरणरयणा प० ॥ ६३५ ॥ देवे ण भते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पभू लवणसमुद्द अणुपरियट्टित्ताण हव्वमागच्छित्तए ? हता पभू, देवे ण भते ! महिड्ढिए एवं धायइसड दीव जाव हता पभू, एव जाव रुयगवरं दीव जाव हता पभू, ते ण पर वीईवएज्जा नो चेव ण अणुपरियट्टेज्जा ॥ ६३६ ॥ अत्थि ण भते ! देवा जे अणते कम्मसे जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पचहिं वाससएहिं खवयति ? हता अत्थि, अत्थि ण भते ! देवा जे अणते कम्मसे जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वास सहस्सेहिं खवयति ? हता अत्थि, अत्थि ण भते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण पचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ? हता अत्थि, कयरे ण भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मसे जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा जाव पचहिं वाससएहिं खवयति, कयरे ण भते ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयति, कयरे ण भते ! ते देवा जाव पचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयति ? गोयमा ! वाणमतरा देवा अणते कम्मसे एगेण वाससएण खवयंति, असुरिंदवज्जिया ण भवणवासी देवा अणते कम्मंसे दोहिं वाससएहिं खवयति, असुरकुमारा णं देवा अणते कम्मसे ति(ती)हिं वाससएहिं खवयति, गहगणनक्खत्ततारारूवा जोइसिय

उत्थिया भगवं गोयम एवं वयासी-तुब्भे ण अज्जो ! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह अभिहणह जाव उ(व)द्दवेह, तए ण तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविह तिविहेण जाव एगतवाला यावि भवह, तए ण भगव गोयमे ते अन्नउत्थिए एव वयासी-नो खलु अज्जो ! अम्हे रीय रीयमाणा पाणे पेच्चेमो जाव उद्दवेमो, अम्हे ण अज्जो ! रीय रीयमाणा काय च जोय च रीय च पडुच्च दिस्सा २ पदिस्सा २ वयामो, तए ण अम्हे दिस्सा दिस्सा वयमाणा पदिस्सा पदिस्सा वयमाणा णो पाणे पेच्चेमो जाव णो उद्दवेमो, तए ण अम्हे पाणे अपेच्चेमाणा जाव अणोद्दवेमाणा तिविह तिविहेणं जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुब्भे ण अज्जो ! अप्पणा चेव तिविह तिविहेण जाव एगंतवाला यावि भवह, तए ण ते अन्नउत्थिया भगव गोयमं एवं वयासी-केण कारणेण अज्जो ! अम्हे तिविह तिविहेण जाव भवामो ?, तए ण भगव गोयमे ते अन्नउत्थिए एव वयासी-तु(ज्झे)ब्भे णं अज्जो ! रीय रीयमाणा पाणे पेच्चेह जाव उद्दवेह, तए ण तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविह जाव एगत-वाला यावि भवह, तए ण भगव गोयमे ते अन्नउत्थिए एव पडिहणइ एव पडिहणित्ता जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समण भगव महावीरं वदइ नमसइ वदित्ता नमसित्ता णच्चासन्ने जाव पज्जुवासइ, गोयमादि ! समणे भगव महा-वीरे भगव गोयम एव वयासी-सुट्ठु ण तुम गोयमा ! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी, साहु ण तुम गोयमा ! ते अन्नउत्थिए एव वयासी, अत्थि ण गोयमा ! मम वहवे अतेवासी समणा निग्गथा छउमत्था जे णं नो पभू एय वागरण वागरेत्तए जहा ण तुम, त सुट्ठु ण तुम गोयमा ! ते अन्नउत्थिए एव वयासी, साहु ण तुम गोयमा ! ते अन्नउत्थिए एवं वयासी ॥ ६३९ ॥ तए ण भगव गोयमे समणेण भगवया महा-वीरेण एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० समण भगव महावीर वदइ नमसइ व० २ त्ता एवं वयासी-छउमत्थे णं भते ! मणुस्से परमाणुपोग्गल किं जाणइ पासइ उदाहु न जाणइ न पासइ ? गोयमा ! अत्थेगइए जाणइ पासइ, अत्थेगइए न जाणइ न पासइ, छउ-मत्थे ण भंते ! मणूसे दुपएसिय खध किं जाणइ पासइ ? एव चेव, एव जाव अस-खेज्जपएसियं, छउमत्थे णं भते ! मणूसे अणतपएसिय खध किं पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए जाणइ पासइ १, अत्थेगइए जाणइ न पासइ २, अत्थेगइए न जाणइ पासइ ३, अत्थेगइए न जाणइ न पासइ ४, आहोहिए ण भते ! मणुस्से परमाणु-पोग्गल जहा छउमत्थे एव आहोहिएवि जाव अणतपएसिय, परमाहोहिए ण भंते ! मणूसे परमाणुपोग्गल ज समयं जाणइ त समय पासइ, ज समयं पासइ त समयं जाणइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ परमाहोहिए णं मणूसे पर-

फुडे । दुपएसिए णं भंते ! खंधे वाउयाएणं एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसिए ॥ अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे वाउयाए० पुच्छा, गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे वाउयाएणं फुडे वाउयाए अणंतपएसिएणं खंधेणं सिय फुडे सिय नो फुडे ॥ वत्थी णं भंते ! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वत्थिणा फुडे ? गोयमा ! वत्थी वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए वत्थिणा फुडे ॥६४३॥ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे दव्वाइं वण्णओ कालनीललोहियहालिद्दसुक्किलाइं, गंधओ सुब्भिगंधाइं दुब्भिगंधाइं, रसओ तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं, फासओ कक्खडमउयगुरुयलहुयसीयउसिण-निद्धलुक्खाइं, अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए । अत्थि णं भंते ! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे० एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥६४४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नयरे होत्था वण्णओ, दूइपलासए उज्जाणे वण्णओ, तत्थ णं वाणियगामे नयरे सोमिले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए, रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए पंचण्हं खंडियसयाणं सयस्स कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्प-ज्जित्था-एवं खलु समणे णायपुत्ते पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं जाव इहमागए जाव दूइपलासए उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणस्स नायपुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामि, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं वागरेहिइ तओ णं वं(दी)दिहामि नमं(सी)सिहामि जाव पज्जुवासिहामि, अहमेयं से इमाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं नो वागरेहिइ तो णं एएहिं चेव अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरणं करेस्सामित्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं एगेणं खंडियसएणं सद्धिं संपरिवुडे वाणियगामं नयरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव दूइपलासए उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी-जत्ता ते भंते ! जवणिज्जं ते भंते ! अव्वाबाहं ते भंते ! फासुयविहारं ते भंते ! ? सोमिला ! जत्तावि मे, जवणिज्जंपि मे, अव्वाबाहंपि मे, फासुयविहारंपि मे, किं ते भंते ! जत्ता ? सोमिला ! जं मे तवनियमसंजमसज्झायज्झाणावस्सयमाइएसु जोगेसु जयणा सेत्तं जत्ता, किं ते

भंते! जवणिज्जं? सोमिला! जवणिज्जे दुविहे प० तं०—इंदियजवणिज्जे य नोइंदिय-
जवणिज्जे य। से किं तं इंदियजवणिज्जे? इंदियजवणिज्जे जं मे सोइंदियचक्खिंदियघाणिं-
दियजिब्भिंदियफासिंदियाइं निरुवहयाइं वसे वट्टंति से तं इंदियजवणिज्जे। से किं तं
नोइंदियजवणिज्जे? २ जं मे कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना नो उदीरेंति से तं नोइंदिय-
जवणिज्जे से तं जवणिज्जे, से किं ते भंते! अव्वाबाहं? सोमिला! जं मे वाइयपित्ति-
यसिंभियसन्निवाइया विविहा रोगायंका सरीरगया दोसा उवसंता नो उदीरेंति से तं
अव्वाबाहं, किं ते भंते! फासुयविहारं? सोमिला! जं णं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु
सभासु पवासु इत्थीपसुपंडगविवज्जियासु वसहीसु फासुएसणिज्जं पीढफलगसेज्जासंथा-
रगं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि से तं फासुयविहारं। सरिसवा ते भंते! किं भक्खेया
अभक्खेया? सोमिला! सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि। से केणट्ठेणं भंते!
एवं वुच्चइ सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि? से नूणं ते सोमिला! बंभन्नएसु
नएसु दुविहा सरिसवा पन्नत्ता तंजहा—मित्तसरिसवा य धन्नसरिसवा य तत्थ णं
जे ते मित्तसरिसवा ते तिविहा प० तं०—सहजायया सहवड्ढि(य)या सहपंसुकीलि-
(य)या ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया तत्थ णं जे ते धन्नसरिसवा ते
दुविहा प० तं०—सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य तत्थ णं जे ते असत्थपरिण-
या ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया तत्थ णं जे ते सत्थपरिणया ते
दुविहा प० तं०—एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते
समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा प० तं०—
जाइया य अजाइया य तत्थ णं जे ते अजाइया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभ-
क्खेया तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा प० तं०—लद्धा य अलद्धा य तत्थ
णं जे ते अलद्धा ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया तत्थ णं जे ते लद्धा ते
णं समणाणं निग्गंथाणं भक्खेया, से तेणट्ठेणं सोमिला! एवं वुच्चइ जाव अभक्खे-
यावि। मासा ते भंते! किं भक्खेया अभक्खेया? सोमिला! मासा मे भक्खेयावि
अभक्खेयावि से केणट्ठेणं भंते! जाव अभक्खेयावि? से नूणं ते सोमिला!
बंभन्नएसु नएसु दुविहा मासा प० तं०—दव्वमासा य कालमासा य तत्थ णं जे ते
कालमासा ते णं सावणादीया आसाढपज्जवसाणा दुवालस प० तं०—सावणे भद्दवए
आसोए कत्तिए मग्गसिरे पोसे माहे फग्गुणे चेत्ते वइसाहे जेट्ठामूले आसाढे, ते णं
समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया तत्थ णं जे ते दव्वमासा ते दुविहा प० तं०—
अत्थमासा य धन्नमासा य तत्थ णं जे ते अत्थमासा ते दुविहा प० तं०—
सुवण्णमासा य रुप्पमासा य ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया तत्थ णं जे ते

फुडे । दुपएसिए ण भंते ! खधे वाउयाएण एव चेव, एवं जाव असखेज्जपएसिए ॥ अणतपएसिए ण भते ! खधे वाउयाए० पुच्छा, गोयमा ! अणतपएसिए खंधे वाउयाएणं फुडे वाउयाए अणतपएसिएण खंधेणं सिय फुडे सिय नो फुडे ॥ वत्थी ण भंते ! वाउयाएण फुडे वाउयाए वत्थिणा फुडे ? गोयमा ! वत्थी वाउयाएणं फुडे नो वाउयाए वत्थिणा फुडे ॥६४३॥ अत्थि ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे दव्वाई वन्नओ कालनीललोहियहालिद्दसुक्किल्लाइ, गधओ सुब्भिगधाइ दुब्भिगंधाइ, रसओ तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं, फासओ कक्खडमउयगुरुयलहुयसीयउसिणनिद्धलुक्खाइ, अन्नमन्नबद्धाइ अन्नमन्नपुट्ठाइ जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठति ? हंता अत्थि, एव जाव अहेसत्तमाए । अत्थि ण भते ! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे० एव चेव, एव जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए । सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ । तए णं समणे भगव महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥६४४॥ तेण कालेण तेण समएणं वाणियगामे नाम नयरे होत्था वन्नओ, दूइपलासए उज्जाणे वन्नओ, तत्थ ण वाणियगामे नयरे सोमिले नाम माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए, रिउव्वेय जाव सुपरिनिट्ठिए पचण्ह खडियसयाण सयस्स कुडुबस्स आहेवच्च जाव विहरइ, तए ण समणे भगव महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ, तए ण तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था-एव खलु समणे णायपुत्ते पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगाम दूइज्जमाणे सुहसुहेण जाव इहमागए जाव दूइपलासए उज्जाणे अहापडिरूव जाव विहरइ, त गच्छामि ण समणस्स नायपुत्तस्स अतियं पाउब्भवामि, इमाइ च ण एयारूवाइं अट्ठाई जाव वागरणाइ पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइ एयारूवाइ अट्ठाइं जाव वागरणाई वागरेहिइ तओ णं वं(दी)दिहामि नमं(सी)सिहामि जाव पज्जुवासिहामि, अहमेय से इमाइ अट्ठाइ जाव वागरणाई नो वागरेहिइ तो ण एएहिं चेव अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य निप्पट्ठपसिणवागरणं करेस्सामित्तिकट्टु एवं सपेहेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेण एगेण खडियसएण सद्धिं सपरिवुडे वाणियगाम नयरं मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव दूइपलासए उज्जाणे जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समण भगवं महावीरं एव वयासी-जत्ता ते भंते ! जवणिज्ज ते भते ! अव्वाबाहं ते भते ! फासुयविहारं ते भंते ! ? सोमिला ! जत्तावि मे, जवणिज्जंपि मे, अव्वाबाहंपि मे, फासुयविहारंपि मे, किं ते भंते ! जत्ता ? सोमिला ! जं मे तवनियमसजमसज्झायज्झाणावस्सयमाईएस जोगेसु जयणा सेत्त जत्ता, किं ते

धन्नमासा ते दुविहा प०, तं०-सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, एवं जहा धन्न-सरिसवा जाव से तेणट्ठेण जाव अभक्खेयावि। कुलत्था ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! कुलत्था मे भक्खेयावि अभक्खेयावि, से केणट्ठेण जाव अभक्खेयावि ? से नूणं ते सोमिला ! बंभन्नएसु नएसु दुविहा कुलत्था प०, तं०-इत्थिकुलत्था य धन्नकुलत्था य, तत्थ णं जे ते इत्थिकुलत्था ते तिविहा प०, तंजहा--कुलकन्नयाइ वा कुलवहू(धू)याइ वा कुलमाउयाइ वा, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धन्नकुलत्था एवं जहा धन्नसरिसवा, से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ॥ ६४५ ॥ एगे भवं दुवे भवं अक्खए भवं अव्वए भवं अवट्ठिए भवं अणेगभूयभावभविए भवं ? सोमिला ! एगेवि अहं जाव अणेगभूयभावभविएवि अहं, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव भविएवि अहं ? सोमिला ! दव्वट्ठयाए एगे अहं, नाणदंसणट्ठयाए दुविहे अहं, पएसट्ठयाए अक्खएवि अहं अव्वएवि अहं अवट्ठिएवि अहं, उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अहं, से तेणट्ठेणं जाव भविएवि अहं, एत्थ णं से सोमिले माहणे संबुद्धे, तए णं से समणं भगवं महावीरं जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदह जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतियं बहवे राईसर एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्तो जाव दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए, तए णं से सोमिले माहणे समणोवासए जाए अभिगयजीवा जाव विहरइ। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-पभू णं भंते ! सोमिले माहणे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जहेव संखे तहेव निरवसेसं जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६४६ ॥ **अट्ठारसमस्स सयस्स दसमो उद्देसो समत्तो ॥ अट्ठारसमं सयं समत्तं ॥**

लेस्सा य १ गब्भ २ पुढवी ३ महासवा ४ चरम ५ दीव ६ भवणा ७ य । निव्वत्ति ८ करण ९ वणचरसुरा य १० एगूणवीसइमे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! लेस्साओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ, तंजहा-एवं जहा पन्नवणाए चउत्थो लेसुद्देसओ भाणियव्वो निरवसेसो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६४७ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! लेस्साओ प० ? एवं जहा पन्नवणाए गब्भुद्देसो सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति (१९-२) ॥ ६४८ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच पुढविकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ? नो इणट्ठे

हिया ४ तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ४१ पत्ते-यसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४३ तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४४ ॥ ६५ ॥ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! वणस्सइकाइए सव्वसुहुमे वणस्सइकाइए सव्वसुहुमतराए १ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! वाउक्काइए सव्वसुहुमे वाउक्काइए सव्वसुहुमतराए २ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! तेउक्काइए सव्वसुहुमे तेउक्काइए सव्वसुहुमतराए ३ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! आउक्काइए सव्वसुहुमे आउक्काइए सव्वसुहुमतराए ४ ॥ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वबायरे कयरे काए सव्वबायरत-राए ? गोयमा ! वणस्सइकाइए सव्वबायरे वणस्सइकाइए सव्वबायरतराए १ एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबायरे कयरे काए सव्वबायरतराए ? गोयमा ! पुढविकाए सव्वबायरे पुढविकाए सव्वबायरतराए २ एयस्स णं भंते ! आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबायरे कयरे काए सव्वबायरतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वबायरे आउक्काए सव्वबायरतराए ३ एयस्स णं भंते ! तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबायरे कयरे काए सव्वबायरतराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वबायरे तेउक्काए सव्वबायरतराए ४ ॥ केमहालए णं भंते ! पुढविसरीरे पन्नत्ते ? गोयमा ! अणंताणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमवाउसरीरे असंखेज्जाणं सुहुम-वाउसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमतेउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमतेउकाइय-सरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमआउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमआउकाइय-सरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमपुढविसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमपुढविकाइय-सरीराणं जावइया सरीरा से एगे बायरवाउसरीरे असंखेज्जाणं बायरवाउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरतेउसरीरे असंखेज्जाणं बायरतेउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरआउसरीरे असंखेज्जाणं बायरआउक्काइयाणं जावइया सरीरा

सो चेव भाणियव्वो जाव उव्वट्टंति, नवरं ठिई सत्तवाससहस्साइं उक्कोसेण सेसं तं चेव। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच तेउक्काइया एवं चेव नवरं उववाओ ठिई उव्वट्टणा य जहा पन्नवणाए सेसं तं चेव। वाउक्काइयाण एवं चेव नाणत्तं नवरं चत्तारि समुग्घाया। सिय भंते! जाव चत्तारि पंच वणस्सइकाइया पुच्छा, गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता वणस्सइकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सेसं जहा तेउकाइयाणं जाव उव्वट्टंति, नवरं आहारो नियमं छद्दिसिं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव॥ ६४९॥ एएसि णं भंते! पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइकाइयाणं सुहुमाणं बायराणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं जाव जहन्नुक्कोसियाए ओगाहणाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमनिगोयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा १, सुहुमवाउक्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा २, सुहुमतेउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३, सुहुमआउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४, सुहुमपुढविअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ५, बायरवाउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ६, बायरतेउअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ७, बायरआउअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ८, बायरपुढविकाइयअपज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ९, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स बायरनिगोयस्स एएसि णं पज्जत्तगाणं एएसि णं अपज्जत्तगाणं जहन्निया ओगाहणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १०-११, सुहुमनिओयस्स पज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १४, सुहुमवाउकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १५, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १६, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १७, एवं सुहुमतेउक्काइयस्स विसे० १८।१९।२०। एवं सुहुमआउक्काइयस्सवि २१।२२।२३। एवं सुहुमपुढविकाइयस्स विसेसाहिया २४।२५।२६। एवं बायरवाउकाइयस्स विसेसाहिया २७।२८।२९। एवं बायरतेउक्काइयस्स विसेसाहिया ३०।३१।३२। एवं बायरआउकाइयस्स विसेसाहिया ३३।३४।३५। एवं बायरपुढविकाइयस्स विसेसाहिया ३६।३७।३८। सव्वेसिं तिविहेण गमेणं भाणियव्वं, बायरनिगोयस्स पज्जत्तगस्स जहन्निया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३९, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसा-

अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ८ सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ९ सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १० सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ११ सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १२ सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १३, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १४ सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १५, सिय भंते ! नेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे १६, एए सोलस भंगा। सिय भंते ! असुरकुमारा महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे, एवं चउत्थो भंगो भाणियव्वो सेसा पन्नरस भंगा खोडेयव्वा एवं जाव थणियकुमारा सिय भंते ! पुढविक्काइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? हंता सिया एवं जाव सिय भंते ! पुढविक्काइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? हंता सिया एवं जाव मणुस्सा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५१ ॥ एगूणवीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

अत्थि णं भंते ! चरिमावि नेरइया परमावि नेरइया ? हंता अत्थि से नूणं भंते ! चरिमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा नेरइया महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव परमेहिंतो वा नेरइएहिंतो चरमा नेरइया अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव ? हंता गोयमा ! चरमेहिंतो नेरइएहिंतो परमा जाव महावेयणतराए चेव परमेहिंतो नेरइएहिंतो चरमा नेरइया जाव अप्पवेयणतरा चेव से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव । अत्थि णं भंते ! चरमावि असुरकुमारा परमावि असुरकुमारा ? एवं चेव नवरं विवरीयं भाणियव्वं परमा अप्पकम्मा चरमा महाकम्मा सेसं तं चेव जाव थणियकुमारा ताव एवमेव, पुढविक्काइया जाव मणुस्सा एए जहा नेरइया वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ६५२ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा प० ? गोयमा ! दुविहा वेयणा प० तं०—निदा य अणिदा य । नेरइया णं भंते ! किं निदायं वेयणं वेदेंति अणिदायं वेयणं वेदेंति ? जहा पन-

से एगे बायरपुढविसरीरे, एमहालए णं गोयमा ! पुढविसरीरे पन्नत्ते ॥ ६५१ ॥ पुढविकाइयस्स ण भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! से जहानामए रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स वन्नगपेसिया तरुणी बलवं जुगवं जुवाणी अप्पायंका वन्नओ जाव निउणसिप्पोवगया नवरं चम्मेट्ठदुहणमुट्ठियसमाहयणिचियगत्तकाया न भण्णइ सेसं तं चेव जाव निउणसिप्पोवगया तिक्खाए वइरामईए सण्हकरणीए तिक्खेण वइरामएण वट्टावरएण एगं महं पुढविकाइयं जउगोलासमाणं गहाय पडिसाहरिय २ पडिसंखिविय २ जाव इणामेवत्तिकट्टु तिसत्तखुत्तो उप्पीसेज्जा, तत्थ णं गोयमा ! अत्थेगइया पुढविकाइया आलिद्धा, अत्थेगइया पुढविकाइया नो आलिद्धा, अत्थेगइया संघट्टि(ट्टि)या, अत्थेगइया नो संघट्टि(ट्टि)या, अत्थेगइया परियाविया, अत्थेगइया नो परियाविया, अत्थेगइया उद्दविया, अत्थेगइया नो उद्दविया, अत्थेगइया पिट्ठा, अत्थेगइया नो पिट्ठा, पुढविकाइयस्स ण गोयमा ! एमहालिया सरीरोगाहणा प० ॥ पुढविकाइए ण भंते ! अक्कंते समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! से जहानामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव निउणसिप्पोवगए एगं पुरिसं जुण्णं जराजज्जरियदेहं जाव दुब्बलं किलंतं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहणिज्जा, से ण गोयमा ! पुरिसे तेण पुरिसेण जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? अणिट्ठं समणाउसो !, तस्स ण गोयमा ! पुरिसस्स वेयणाहिंतो पुढविकाइए अक्कंते समाणे एत्तो अणिट्ठतरियं चेव अकंततरियं चेव जाव अमणामतरियं चेव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ । आउयाए णं भंते ! संघट्टिए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! जहा पुढविकाइए एवं आउकाएवि, एवं तेउकाएवि, एवं वाउकाएवि, एवं वणस्सइकाएवि जाव विहरइ, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५२ ॥ **एगूणवीसइमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे १, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? हंता सिया २, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ३, सिय भंते ! नेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पनिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ४, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा महानिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ५, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पनिज्जरा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे ६, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महानिज्जरा ? नो इणट्ठे समट्ठे ७, सिय भंते ! नेरइया महासवा अप्पकिरिया

अट्ठविहा कम्मनिव्वत्ती प० तं०—नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मनिव्वत्ती नेरइयाणं भंते! कइविहा कम्मनिव्वत्ती प० ? गोयमा! अट्ठविहा कम्मनिव्वत्ती प० तं०—नाणावरणिज्जकम्मनिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मनिव्वत्ती एवं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते! सरीरनिव्वत्ती प० ? गोयमा! पंचविहा सरीरनिव्वत्ती प० तं० —ओरालियसरीरनिव्वत्ती जाव कम्मगसरीरनिव्वत्ती। नेरइयाणं भंते! एवं चेव एवं जाव वेमाणियाणं नवरं नायव्वं जस्स जइ सरीराणि। कइविहा णं भंते! सव्विंदियनिव्वत्ती प० ? गोयमा! पंचविहा सव्विंदियनिव्वत्ती प० तं० —सोइंदियनिव्वत्ती जाव फासिंदियनिव्वत्ती एवं (जाव) नेरइया जाव थणियकुमाराणं पुढविकाइयाणं पुच्छा गोयमा! एगा फासिंदियनिव्वत्ती प० एवं जस्स जइ इंदियाणि जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते! भासानिव्वत्ती प० ? गोयमा! चउव्विहा भासानिव्वत्ती प० तं०—सच्चाभासानिव्वत्ती, मोसाभासानिव्वत्ती सच्चामोसभासानिव्वत्ती असच्चामोसभासानिव्वत्ती एवं एगिंदियवज्जं जस्स जा भासा जाव वेमाणियाणं कइविहा णं भंते! मणनिव्वत्ती प० ? गोयमा! चउव्विहा मणनिव्वत्ती प० तं०—सच्चमणनिव्वत्ती जाव असच्चामोसमणनिव्वत्ती एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते! कसायनिव्वत्ती प० ? गोयमा! चउव्विहा कसायनिव्वत्ती प० तं० —कोहकसायनिव्वत्ती जाव लोभकसायनिव्वत्ती एवं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते! वण्णनिव्वत्ती प० ? गोयमा! पंचविहा वण्णनिव्वत्ती प० तं०—कालवण्णनिव्वत्ती जाव सुक्किल्लवण्णनिव्वत्ती एवं निरवसेसं जाव वेमाणियाणं एवं गंधनिव्वत्ती दुविहा जाव वेमाणियाणं रसनिव्वत्ती पंचविहा जाव वेमाणियाणं फासनिव्वत्ती अट्ठविहा जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते! संठाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा! छव्विहा संठाणनिव्वत्ती प० तं० —समचउरंससंठाणनिव्वत्ती जाव हुंडसंठाणनिव्वत्ती नेरइयाणं पुच्छा गोयमा! एगा हुंडसंठाणनिव्वत्ती प० असुरकुमाराणं पुच्छा गोयमा! एगा समचउरंससंठाणनिव्वत्ती प० एवं जाव थणियकुमाराणं पुढविकाइयाणं पुच्छा गोयमा! एगा मसूरचंदसंठाणनिव्वत्ती प० एवं जस्स जं संठाणं जाव वेमाणियाणं कइविहा णं भंते! सण्णानिव्वत्ती प० ? गोयमा! चउव्विहा सण्णा निव्वत्ती प० तं०—आहारसण्णानिव्वत्ती जाव परिग्गहसण्णानिव्वत्ती एवं जाव वेमाणियाणं कइविहा णं भंते! लेसानिव्वत्ती प० ? गोयमा! छव्विहा लेसानिव्वत्ती प० तं०—कण्हलेसानिव्वत्ती जाव सुक्कलेसानिव्वत्ती एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ लेसाओ तस्स तत्तिया भाणियव्वा। कइविहा णं भंते! दिट्ठीनिव्वत्ती

वणाए जाव वेमाणियत्ति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५५ ॥ **एगूणवीसइ-मस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

कहि णं भंते ! दीवसमुद्दा, केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा, किंसंठिया णं भंते ! दीवसमुद्दा ? एवं जहा जीवाभिगमे दीवसमुद्दुद्देसो सो चेव इहवि जोइसियमंडि-उद्देसगवज्जो भाणियव्वो जाव परिणामो जीवउववाओ जाव अणंतखुत्तो, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५६ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥**

केवइया णं भंते ! असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! चउसट्ठिं असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वरयणामया अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा, तत्थ णं बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, सासया णं ते भवणा दव्वट्ठयाए, वण्णपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासया, एवं जाव थणियकुमारावासा, केवइया णं भंते ! वाणमंतरभोमेज्जनयरावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरभोमे-ज्जनयरावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? सेसं तं चेव, केवइया णं भंते ! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जा जोइसिय-विमाणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वफालिहा-मया अच्छा सेसं तं चेव, सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वरयणामया अच्छा सेसं तं चेव, एवं जाव अणुत्तरविमाणा, नवरं जाणियव्वा जत्थ जत्तिया भवणा विमाणा वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५७ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! जीवनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा जीवनिव्वत्ती प०, तं०-एगिंदियजीवनिव्वत्ती जाव पंचिंदियजीवनिव्वत्ती, एगिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तं०-पुढविक्काइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती जाव वणस्सइकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती, पुढविकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती णं भंते ! कइ-विहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-सुहुमपुढविक्काइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती य बाय-रपुढवीकाइयएगिंदियजीवनिव्वत्ती य, एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा वड्डगबंधो तेयगसरीरस्स जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियजीव-निव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-पज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअ-णुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती य अपज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवनिव्वत्ती य । कइविहा णं भंते ! कम्मनिव्वत्ती प० ? गोयमा !

प० ? गोयमा ! तिविहा दिट्ठिनिव्वत्ती प०, तजहा-सम्मादिट्ठिनिव्वत्ती, मिच्छादिट्ठिनिव्वत्ती, सम्मामिच्छादिट्ठिनिव्वत्ती, एव जाव वेमाणियाण जस्स जइविहा दिट्ठी। कइविहा ण भते ! णाणनिव्वत्ती पन्नत्ता ? गोयमा ! पचविहा णाणनिव्वत्ती प०, त०-आभिणिबोहियणाणनिव्वत्ती जाव केवलनाणनिव्वत्ती, एव एगिंदियवज्ज जाव वेमाणियाण जस्स जइ णाणाइ। कइविहा ण भते ! अन्नाणनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा अन्नाणनिव्वत्ती प०, त०-मइअन्नाणनिव्वत्ती, सुयअण्णाणनिव्वत्ती, विभगनाणनिव्वत्ती, एव जस्स जइ अन्नाणा जाव वेमाणियाण। कइविहा ण भते ! जोगनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा जोगनिव्वत्ती प०, त०-मणजोगनिव्वत्ती, वइजोगनिव्वत्ती, कायजोगनिव्वत्ती, एव जाव वेमाणियाण जस्स जइविहो जोगो। कइविहा ण भते ! उवओगनिव्वत्ती प० ? गोयमा ! दुविहा उवओगनिव्वत्ती प०, त०-सागारोवओगनिव्वत्ती अणागारोवओगनिव्वत्ती, एव जाव वेमाणियाण, सगहगाहा-जीवाण निव्वत्ती कम्मप्पगडी सरीरनिव्वत्ती। सव्विदियनिव्वत्ती भासा य मणे कसाया य ॥ १ ॥ वन्ने गधे रसे फासे सठाणविही य होइ बोद्धव्वो। लेस्सा दिट्ठी णाणे उवओगे चेव जोगे य ॥ २ ॥ सेव भते ! सेवं भते ! त्ति ॥ ६५८ ॥ **एगूणवीसइमस्स सयस्स अट्ठमो उद्देसो समत्तो** ॥

कइविहे ण भते ! करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पचविहे करणे पन्नत्ते, तजहा-दव्वकरणे, खेत्तकरणे, कालकरणे, भवकरणे, भावकरणे, नेरइयाण भते ! कइविहे करणे प० ? गोयमा ! पचविहे करणे प०, त०-दव्वकरणे, जाव भावकरणे, एवं जाव वेमाणियाण, कइविहे ण भते ! सरीरकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे सरीरकरणे पन्नत्ते, तजहा-ओरालियसरीरकरणे जाव कम्मगसरीरकरणे, एवं जाव वेमाणियाण जस्स जइ सरीराणि। कइविहे ण भते ! इदियकरणे प० ? गोयमा ! पचविहे इदियकरणे प०, तजहा-सोइदियकरणे जाव फासिंदियकरणे, एवं जाव वेमाणियाण जस्स जइ इदियाइ, एव एएण कमेण भासाकरणे चउव्विहे, मणकरणे चउव्विहे, कसायकरणे चउव्विहे, समुग्घायकरणे सत्तविहे, सन्नाकरणे चउव्विहे, लेस्साकरणे छव्विहे, दिट्ठिकरणे तिविहे, वेयकरणे तिविहे पन्नत्ते, तजहा-इत्थिवेयकरणे, पुरिसवेयकरणे, नपुमगवेयकरणे, एए सव्वे नेरइयादिदडगा जाव वेमाणियाण जस्स ज अत्थि त तस्स सव्व भाणियव्व। कइविहे ण भते ! पाणाइवायकरणे प० ? गोयमा ! पचविहे पाणाइवायकरणे प०, त०-एगिंदियपाणाइवायकरणे जाव पचिंदियपाणाइवायकरणे, एव निरवसेस जाव वेमाणियाण। कइविहे णं भंते ! पोग्गलकरणे प० ? गोयमा ! पचविहे पोग्गलकरणे प०, त०-वन्नकरणे, गंधकरणे,

गोयमा! अणेगा अभिवयणा प० तं०-अहम्मेइ वा अहम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवाएइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लेइ वा इरियाअस्समिईइ वा जाव उच्चारपासवण जाव पारिट्ठावणियाअस्समिईइ वा मणअगुत्तीइ वा वइअगुत्तीइ वा कायअगुत्तीइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते अहम्मत्थिकायस्स अभिवयणा। आगासत्थिकायस्स णं पुच्छा, गोयमा! अणेगा अभिवयणा प० तं०-आगासेइ वा आगासत्थिकाएइ वा गगणेइ वा नभेइ वा समेइ वा विसमेइ वा खहेइ वा विहेइ वा वीईइ वा विवरेइ वा अंबरेइ वा अंबरसेइ वा छिड्डेइ वा झुसिरेइ वा मग्गेइ वा विमुहेइ वा अ(इ)हेइ वा विय(इ)हेइ वा आधारेइ वा वोमेइ वा भायणेइ वा अंतरिक्खेइ वा सामेइ वा ओवासंतरेइ वा अगमेइ वा फलिहेइ वा अणंतेइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते आगासत्थिकायस्स अभिवयणा प०। जीवत्थिकायस्स णं भंते! केवइया अभिवयणा प०? गोयमा! अणेगा अभिवयणा प० तं०-जीवेइ वा जीवत्थिकाएइ वा पाणेइ वा भूएइ वा सत्तेइ वा विन्नूइ वा चेयाइ वा जेयाइ वा आयाइ वा रंगणेइ वा हिंडुएइ वा पोग्गलेइ वा माणवेइ वा कत्ताइ वा विकत्ताइ वा जएइ वा जंतूइ वा जोणीइ वा सयंभूइ वा ससरीरीइ वा नायएइ वा अंतरप्पाइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते जीवअभिवयणा प०। पोग्गलत्थिकायस्स णं भंते! पुच्छा, गोयमा! अणेगा अभिवयणा प० तं०-पोग्गलेइ वा पोग्गलत्थिकाएइ वा परमाणुपोग्गलेइ वा दुपएसिएइ वा तिपएसिएइ वा जाव असंखेज्जपएसिएइ वा अणंतपएसिएइ वा (खंधे) जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते पोग्गलत्थिकायस्स अभिवयणा प०। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६६३ ॥ वीसइमस्स सयस्स बीओ उद्देसो समत्तो ॥

अह भंते! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे उप्पत्तिया जाव पारिणामिया उग्गहे जाव धारणा, उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे नेरइयत्ते असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते नाणावरणिज्जे जाव अंतराइए, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा सम्मदिट्ठी ३, चक्खुदंसणे ४ आभिणिबोहियनाणे जाव विभंगनाणे आहारसन्ना ४ ओरालियसरीरे ५, मणजोगे ३ सागारोवओगे अणागारोवओगे जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते णन्नत्थ आयाए परिणमंति? हंता गोयमा! पाणाइवाए जाव सव्वे ते णन्नत्थ आयाए परिणमंति ॥ ६६४ ॥ जीवे णं भंते! गब्भं वक्कममाणे कइवण्णं कइगंधं एवं जहा बारसमसए पंचमुद्देसए जाव कम्मओ णं जए णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६६५ ॥ वीसइमे सए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

कइविहे णं भंते! इंदियउवचए पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे इंदियउवचए प०

वेदेमो ? गोयमा ! अत्थेगइयाण एवं सन्नाइ वा जाव वईइ वा अम्हे ण इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, अत्थेगइयाण नो एव सन्नाइ वा पण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे ण इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, पडिसंवेदेति पुण ते, ते ण भते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जति० ? गोयमा ! अत्थेगइया पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जति जाव मिच्छादसणसल्लेवि उवक्खाइज्जति, अत्थेगइया नो पाणाइवाए उवक्खाइज्जति नो मुसावाए उवक्खाइज्जति जाव नो मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जति, जेसिंपिय णं जीवाण ते जीवा एवमाहिज्जति तेसिंपि ण जीवाण अत्थेगइयाण विन्नाए नाणत्ते, अत्थेगइयाण नो विण्णाए नाणत्ते, उववाओ सव्वओ जाव सव्वट्ठसिद्धाओ, ठिई जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण तेत्तीसं सागरोवमाइ, छस्समुग्घाया केवलिवज्जा, उव्वट्टणा सव्वत्थ गच्छति जाव सव्वट्ठसिद्धति, सेस जहा बेइदियाण । एएसि ण भते ! बेइंदियाण जाव पचिंदियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया, बेइंदिया विसेसाहिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६६१ ॥ **वीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहे ण भते ! आगासे प० ? गोयमा ! दुविहे आगासे प०, तं०—लोयागासे य अलोयागासे य, लोयागासे ण भते ! किं जीवा जीवदेसा० ? एवं जहा बिइयसए अत्थिउद्देसए तह चेव इहवि भाणियव्व, नवरं अभिलावो जाव धम्मत्थिकाए णं भते ! केमहालए प० ? गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोय चेव ओगाहित्ताण चिट्ठइ, एव जाव पोग्गलत्थिकाए । अहेलोए ण भते ! धम्मत्थिकायस्स केवइय ओगाढे ? गोयमा ! साइरेग अद्ध ओगाढे, एवं एएणं अभिलावेण जहा बिइयसए जाव ईसिप्पब्भारा ण भते ! पुढवी लोयागासस्स किं सखेज्जइभागं ओगाढा० पुच्छा, गोयमा ! नो संखेज्जइभाग ओगाढा, असंखेज्जइभागं ओगाढा, नो सखेज्जे भागे ओगाढा, नो असखेज्जे भागे ओगाढा, नो सव्वलोयं ओगाढा, सेस त चेव ॥ ६६२ ॥ धम्मत्थिकायस्स ण भते ! केवइया अभिवयणा प० ? गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तजहा—धम्मेइ वा धम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवायवेरमणेइ वा मुसावायवेरमणेइ वा एव जाव परिग्गहवेरमणेइ वा कोहविवेगेइ वा जाव मिच्छादसणसल्लविवेगेइ वा इरियासमि(ए)ईइ वा भासासमिईइ वा एसणासमिईइ वा आयाणभडमत्तनिक्खेवणासमिईइ वा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिईइ वा मणगुत्तीइ वा वइगुत्तीइ वा कायगुत्तीइ वा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते धम्मत्थिकायस्स अभिवयणा, अहम्मत्थिकायस्स ण भते ! केवइया अभिवयणा प० ?

य हालिद्दए य सुक्किलए य ६ सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ७ सिय नीलए य लोहियए य सुक्किलए य ८ सिय नीलए य हालिद्दए य सुक्किलए य ९ सिय लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य १ एवं एए दस तियासंजोगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य भंगा ३। रसा जहा वन्ना। जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एवं जहेव दुपएसियस्स तहेव चत्तारि भंगा जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २ सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि भंगा तिन्नि ३, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिन्नि ३ सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिन्नि एवं १२, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १ देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २ देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४ देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ५, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ६, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ७ देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा ८ देसा सीया देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ९, एवं एए तिपएसिए फासेसु पणवीसं भंगा॥ चउप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते जइ एगवन्ने सिय कालए य जाव सुक्किलए य ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १ सिय कालए य नीलगा य २ सिय कालगा य नीलए य ३ सिय कालगा य नीलगा य ४ सिय कालए य लोहियए य एत्थवि चत्तारि भंगा ४ सिय कालए य हालिद्दए य ४ सिय कालए य सुक्किलए य ४ सिय नीलए य लोहियए य ४ सिय नीलए य हालिद्दए य ४ सिय नीलए य सुक्किलए य ४ सिय लोहियए य हालिद्दए य ४ सिय लोहियए य सुक्किलए य ४ सिय हालिद्दए य सुक्किलए य ४ एवं एए दस दुयासंजोगा भंगा पुण चत्तालीसं ४ जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १ सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय काल(ए)गा य नीलगा य लोहियए य ३ सिय कालगा य नीलए य लोहियए य एए णं चत्तारि भंगा एवं कालनीलहालिद्दएहिं भंगा ४ कालनीलसुक्किल ४ काललोहियहालिद्द ४ काललोहियसुक्किल ४ कालहालिद्दसुक्किल ४ नीललोहियहालिद्दगाणं भंगा ४ नीललोहियसुक्किल ४ नीलहालिद्दसुक्किल ४ लोहियहालिद्दसुक्किलगाणं भंगा ४ एवं एए दसतियासंजोगा एक्केक्के संजोए चत्तारि भंगा सव्वे ते चत्तालीसं भंगा ४ जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए

त०-सोइंदियउवचए एवं विइओ इंदियउद्देसओ निरवसेसो भाणियव्वो जहा पन्नव-णाए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ ॥ ६६६ ॥

वीसइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

परमाणुपोग्गले णं भंते! कइवन्ने कइगंधे कइरसे कइफासे पन्नत्ते? गोयमा! एगवन्ने एगगंधे एगरसे दुफासे पन्नत्ते, तंजहा-जइ एगवन्ने सिय कालए सिय नीलए सिय लोहिए सिय हालिद्दए सिय सुक्किल्लए, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भि-गंधे, जइ एगरसे सिय तित्ते सिय कडुए सिय कसाए सिय अंबिले सिय महुरे, जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य १, सिय सीए य लुक्खे य २, सिय उसिणे य निद्धे य ३, सिय उसिणे य लुक्खे य ४ ॥ दुपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने०? एवं जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते। जइ एगवन्ने सिय कालए जाव सिय सुक्किल्लए, जइ दुवन्ने सिय कालए य नीलए य १, सिय कालए य लोहिए य २, सिय कालए य हालिद्दए य ३, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य ५, सिय नीलए य हालिद्दए य ६, सिय नीलए य सुक्किल्लए य ७, सिय लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय लोहियए य सुक्किलए य ९, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दुयासंजोगे दस भंगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे। जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य, रसेसु जहा वन्नेसु, जइ दुफासे सिय सीए य निद्धे य एवं जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे २, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ३, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, एए नव भंगा फासेसु ॥ तिपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने० जहा अट्ठार-समसए छट्ठुद्देसे जाव चउफासे प०, जइ एगवन्ने सिय कालए जाव सुक्किल्लए ५, जइ दुवन्ने सिय कालए य सिय नीलए य १, सिय कालए य नीलगा य २, सिय कालगा य नीलए य ३, सिय कालए य लोहियए य १, सिय कालए य लोहियगा य २, सिय कालगा य लोहियए य ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं ३, सिय नीलए य लोहियए य एत्थवि भंगा ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय लोहियए य हालिद्दए य भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य भंगा ३, एवं सव्वेते दस दुयासंजोगा भंगा तीसं भवंति, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य २, सिय कालए य नीलए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य लोहियए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए

हालिद्दसुक्किलएसुवि पंच भंगा कालगलोहियहालिद्दसुक्किलएसुवि पंच भंगा ५, नीलग-लोहियहालिद्दसुक्किलएसुवि पंच भंगा एवमेए चउक्कगसंजोएणं पणवीसं भंगा जइ पंच-वन्ने कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य एवमेए एगदुयतियचउक्कपंच-गसंजोएणं ईयालं भंगसयं भवइ। गंधा जहा चउप्पएसियस्स। रसा जहा वन्ना। फासा जहा चउप्पएसियस्स ५ छप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने? एवं जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्ना जहा पंचपएसियस्स जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य एवं जहेव पंचपएसियस्स सत्त भंगा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७ सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य एए अट्ठ भंगा एवमेए दस तियासंजोगा एक्केक्कए संजोगे अट्ठ भंगा एवं सव्वेवि तियगसंजोगे असीई भंगा जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १ सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २ सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य ४ सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ५, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य ६ सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य ७ सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य ८ सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य ९ सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य १० सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ११ एए एक्कारस भंगा एवमेए पंचचउक्कसंजोगा कायव्वा एक्केक्कसंजोए एक्कारस भंगा सव्वेते चउक्कगसंजोगेणं पणपन्नं भंगा जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य १ सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलगा य २ सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किलए य ३ सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किलए य ४ सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य ५ सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य ६ एवं एए छब्भंगा भाणियव्वा एवमेए सव्वेवि एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएसु छासीयं भंगसयं भवइ। गंधा जहा पंचपएसियस्स। रसा जहा एयस्सेव वन्ना फासा जहा चउप्पएसियस्स ६। सत्तपएसिए णं भंते! खंधे कइवन्ने? जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे प० जइ एगवन्ने एवं एगवन्नदुवन्नतिवन्ना जहा छप्पएसियस्स जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १ सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य

य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य २, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, एवमेए चउक्कगसंजोए पच भंगा, एए सव्वे नउइभगा, जइ एगगधे सिय सुब्भिगधे सिय दुब्भिगधे, जइ दुगधे सुब्भिगधे य दुब्भिगधे य। रसा जहा वन्ना। जइ दुफासे जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे सीए देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एव भगा ४, सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए तिफासे सोलस भगा, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ५, देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे देसा लुक्खा ६, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसे लुक्खे ७, देसे सीए देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ९, एव एए चउफासे सोलस भंगा भाणियव्वा जाव देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा, सव्वे एए फासेसु छत्तीस भगा ॥ पचपएसिए ण भते ! खधे कइवन्ने० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्ना जहेव चउप्पएसिए, जइ तिवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य २, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य ३, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य ४, सिय काल(गा)ए य नीलए य लोहियए य ५, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य ६, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य ७, सिय कालए य नीलए य हालिद्दए य एत्थवि सत्त भगा ७, एवं कालगनीलगसुक्किल्लएसु सत्त भगा ७, कालगलोहियहालिद्देसु ७, कालगलोहियसुक्किल्लेसु ७, कालगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, नीलगलोहियहालिद्देसु ७, नीलगलोहियसुक्किल्लेसु सत्त भगा ७, नीलगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, लोहियहालिद्दसुक्किल्लेसुवि सत्त भगा ७, एवमेए तियासंजोएण सत्तरि भगा, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगे य ३, सिय कालए य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दगे य ४, सिय कालगा य नीलए य लोहियगे य हालिद्दगे य ५, एए पंच भगा, सिय कालए य नीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य एत्थवि पंच भंगा, एव कालगनीलग-

१७ सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किलगे य १८ सिय कालगा य नीलगे य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किलगा य १९ सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किलए य २० सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किलगा य २१ सिय कालगा य नीलगे य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किलगे य २२, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य २३, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दए य सुक्किलगा य २४ सिय कालगा य नीलगा य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किलए य २५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किलए य २६, एए पंचगसंजोएणं छव्वीसं भंगा भवंति एवामेव सपुव्वावरेणं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएणं दो एक्कतीसं भंगसया भवंति गंधा जहा चउप्पएसियस्स रसा जहा एयस्स चेव वण्णा फासा जहा चउप्पएसियस्स ॥ नवपएसियस्स पुच्छा गोयमा! सिय एगवन्ने जहा अट्ठपएसिए जाव सिय चउफासे प० जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव अट्ठपएसियस्स जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलए य १ सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किलगा य २ एवं परिवाडीए एक्कतीसं भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किलए य ३१ एवं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेहिं दो छत्तीसा भंगसया भवंति गंधा जहा अट्ठपएसियस्स रसा जहा एयस्स चेव वण्णा फासा जहा चउप्पएसियस्स । दसपएसिए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा नवपएसिए जाव सिय चउफासे पन्नत्ते जइ एगवन्ने एगवन्नदुवन्नतिवन्नचउवन्ना जहेव नवपएसियस्स पंचवन्नेवि तहेव नवरं बत्तीसइमो भंगो भण्णइ, एवमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएसु होंति सत्ती(सं)ना भंगसया भवंति गंधा जहा नवपएसियस्स रसा जहा एयस्स चेव वण्णा फासा जहा चउप्पएसियस्स । जहा दसपएसिओ एवं संखेज्जपएसिओवि एवं असंखेज्जपएसिओवि सुहुमपरिणओवि अणंतपएसिओवि एवं चेव ॥ ६६७ ॥ बायरपरिणए णं भंते! अणंतपएसिए खंधे कइवन्ने ? एवं जहा अट्ठारसमसए जाव सिय अट्ठफासे पन्नत्ते, वण्णगंधरसा जहा दसपएसियस्स जइ चउफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे १ सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे २ सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे ३ सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ४ सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे ५, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे ६ सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे

३, एवमेते चउक्कगसजोगेण पन्नरस भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य १५, एवमेए पंचचउक्कसजोगा नेयव्वा एक्केक्के सजोए पन्नरस भगा, सव्वमेए पचसत्तरिं भगा भवति। जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य ४, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ६, सिय कालए य नीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ७, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ८, सिय कालए य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ९, सिय कालगे य नीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्ले य १०, सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ११, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १२, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य १३, सिय कालगा य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १४, सिय कालगा य नीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, एए सोलस भगा, एव सव्वमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेण दो सोलस भंगसया भवति, गधा जहा चउप्पएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वन्ना, फासा जहा चउप्पएसियस्स॥ अट्ठपएसिए णं भंते! खंधे० पुच्छा, गोयमा! सिय एगवन्ने जहा सत्तपएसियस्स जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवन्ने एव एगवन्नदुवन्नतिवन्ना जहेव सत्तपएसिए, जइ चउवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, एव जहेव सत्तपएसिए जाव सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगे य १५, सिय कालगा य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य १६, एए सोलस भगा, एवमेए पच चउक्कसजोगा, एवमेए असीइ भंगा ८०, जइ पंचवन्ने सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य नीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, एवं एएणं कमेणं भंगा चा(उचा)रेयव्वा जाव सिय कालए य नीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १५, एसो पन्नरसमो भगो, सिय कालगा य नीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, सिय कालगा य नीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य

१९ एए चउसट्ठिं भंगा सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसा कक्खडा देसा निद्धा देसा मउया देसा लुक्खा एए चउसट्ठिं भंगा सव्वे गुरुए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे लहुए सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा सीया देसा उसिणा एए चउसट्ठिं भंगा सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए जाव सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा गुरुया देसा लहुया एवमेए चउसट्ठिं भंगा सव्वे ते छप्पएसे तिन्निचउरासीया भंगसया भवंति १८४। जइ सत्तपएसे सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १ सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसा निद्धा देसा लुक्खा ४ सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे निद्धे दे(दे)सा लुक्खा ४ सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४ सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे सव्वेऽवि सोलस भंगा माणियव्वा सव्वे कक्खडे देसे गुरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं गुरुएणं एगत्तेणं लहुएणं पुहुत्तेणं एएवि सोलस भंगा सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा माणियव्वा सव्वे कक्खडे देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा माणियव्वा, एवमेए चउसट्ठिं भंगा कक्खडेण समं सव्वे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे । एवं मउएणवि समं चउसट्ठिं भंगा माणियव्वा सव्वे गुरुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं गुरुएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा सव्वे लहुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं लहुएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं सीएणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा सव्वे उसिणे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एवं उसिणेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं निद्धेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा सव्वे लुक्खे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं लुक्खेणवि समं चउसट्ठिं भंगा कायव्वा जाव सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा

उसिणे सव्वे निद्धे ७, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ८, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे ९, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १०, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे ११, सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १२, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे १३, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १४, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे निद्धे १५, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १६, एए सोलस भगा ॥ जइ पचफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसा निद्धा दे(सा)से लुक्खे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसा निद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे । ४ । एव एए कक्खडेण सोलस भगा। सव्वे मउए सव्वे गुरुए सव्वे सीए देसे निद्धे देसे लुक्खे ८, एव मउएणवि सम सोलस भगा, एव वत्तीस भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे निद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए वत्तीस भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे गुरुए देसे लहुए ४, एत्थवि वत्तीस भगा, सव्वे गुरुए सव्वे सीए सव्वे निद्धे देसे कक्खडे देसे मउए ४, एत्थवि वत्तीस भगा, एव सव्वेते पचफासे अट्ठावीस भंगसयं भवइ। जइ छप्फासे सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसा लुक्खा २, एवं जाव सव्वे कक्खडे सव्वे गुरुए देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा १६, एए सोलस भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भगा, सव्वे मउए सव्वे गुरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भगा, सव्वे मउए सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भगा, एए चउसट्ठिं भगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए देसे गुरुए देसे लहुए देसे निद्धे देसे लुक्खे एव जाव सव्वे मउए सव्वे उसिणे देसा गुरुया देसा लहुया देसा णिद्धा देसा लुक्खा एत्थवि चउसट्ठिं भगा, सव्वे कक्खडे सव्वे निद्धे देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे मउए सव्वे लुक्खे देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा

एवं दुयए पुव्विं वा जाव उववज्जेत्ता पच्छा तहिं संपाउणित्ता इमीसे आहारेइ मज्झ सेसं तं चेव। पुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए जे भविए ईसाणे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव एवं जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। पुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए वालुयप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव णिक्खेवओ। पुढविकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो एवं सणंकुमारमाहिंदाणं बंभलोगस्स कप्पस्स अंतरा समोहए समोहणित्ता पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो एवं बंभलोगस्स लंतगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं लंतगस्स महासुक्कस्स कप्पस्स य अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं महासुक्कस्स सहस्सारस्स य कप्पस्स अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आणयपाणयाणं आरणच्चुयाण य कप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आरणच्चुयाणं गेवेज्जविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं गेवेज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ ६० ॥ आउकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं जहा पुढविकाइयस्स जाव से तेणट्ठेणं एवं पढमादोच्चाणं अंतरा समोहओ जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो आउकाइयत्ताए, आउकाइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहि(१)—वलएसु आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं तं चेव एवं एएहिं चेव अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए पुढवीए घणोदहिवलएसु

मउया देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा, एव सत्तफासे पंचवारसुत्तरा भगसया भवति । जइ अट्ठफासे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसे सीएं देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया दे(सा)से उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे निद्धे देसे लुक्खे ४, एए चत्तारि चउक्का सोलस भगा, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गुरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे, एव एए गुरुएणं एगत्तएणं लहुएण पोहत्तएण सोलस भगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गुरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गुरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे निद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भगा कायव्वा, सव्वेऽवि ते चउसट्ठिं भंगा कक्खडमउएहिं एगत्तएहिं, ताहे कक्खडेण एगत्तएण मउएण पुहत्तेण एए चेव चउसट्ठिं भगा कायव्वा, ताहे कक्खडेणं पुहत्तएण मउएण एगत्तएण चउसट्ठि भगा कायव्वा, ताहे एएहिं चेव दोहिवि पुहुत्तेहिं चउसट्ठिं भगा कायव्वा जाव देसा कक्खडा देसा मउया देसा गुरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा देसा निद्धा देसा लुक्खा एसो अपच्छिमो भंगो, सव्वेते अट्ठफासे दो छप्पन्ना भगसया भवति । एव एए बायरपरिणए अणतपएसिए खधे सव्वेसु सजोएसु बारस छन्नउया भगसया भवति ॥ ६६८ ॥ कइविहे णं भते ! परमाणू प० ? गोयमा ! चउव्विहे परमाणू प०, त०-दव्वपरमाणू, खेत्तपरमाणू, कालपरमाणू, भावपरमाणू, दव्वपरमाणू ण भते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, त०-अच्छेज्जे, अभेज्जे, अडज्झे, अगेज्झे, खेत्तपरमाणू ण भते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, त०-अणड्ढे, अमज्झे, अपएसे, अविभाइमे, कालपरमाणू पुच्छा, गोयमा ! चउव्विहे प०, त०-अवन्ने, अगधे, अरसे, अफासे, भावपरमाणू ण भते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, त०-वन्नमते, गधमते, रसमते, फासमते । सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६६९ ॥ **वीसइमस्स सयस्स पंचमो उद्देसो समत्तो ॥**

पुढविक्काइए ण भते ! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य अतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से ण भते ! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा पुव्विं आहारित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा उववज्जित्ता एव जहा सत्तरसमसए छट्ठुद्देसए जाव से तेणट्ठेण गोयमा !

कइ णं भंते ! कम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! पन्नरस कम्मभूमीओ प० तं०—पंच भरहाइं, पंच एरवयाइं, पंच महाविदेहाइं, कइ णं भंते ! अकम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! तीसं अकम्मभूमीओ प० तं०—पंच हेमवयाइं, पंच हे(र)ण्णवयाइं, पंच हरिवासाइं पंच रम्मगवासाइं, पंच देवकुराइं, पंच उत्तरकुराइं, एयासु णं भंते ! तीसासु अकम्मभूमीसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं भंते ! पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? हंता अत्थि एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु णेवत्थि उस्सप्पिणी णेवत्थि ओसप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले प० समणाउसो ! ॥ ६७४ ॥ एएसु णं भंते ! पंचसु महाविदेहेसु अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पन्नवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु पु(रि)रिमपच्छि(म)मगा दुवे अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं पंचाणुव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पन्न(वे)वंति, अवसेसा णं अरिहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पन्नवयंति । जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ तित्थयरा पन्नत्ता ? गोयमा ! चउव्वीसं तित्थयरा पन्नत्ता, तंजहा—उसभअजियसंभवअभिणंदणसुमइसुप्पभसुपाससिसुपुप्फदंतसीयलसेज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लिमुणिसुव्वयनमिनेमिपासवद्धमाणा २४ ॥ ६७५ ॥ एएसि णं भंते ! चउवीसाए तित्थगराणं कइ जिणंतरा प० ? गोयमा ! तेवीसं जिणंतरा प० । एएसु णं भंते ! तेवीसाए जिणंतरेसु कस्स कहिं कालियसुयस्स वोच्छेदे प० ? गोयमा ! एएसु णं तेवीसाए जिणंतरेसु पुरिमपच्छिमएसु अट्ठसु २ जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स अवोच्छेदे प० मज्झिमएसु सत्तसु जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स वोच्छेदे प० सव्वत्थवि णं वोच्छिन्ने दिट्ठिवाए ॥ ६७६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं पुव्वगए अणु(स)सज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ, जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए अवसेसाणं तित्थगराणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जित्था ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं संखेज्जं कालं अत्थेगइयाणं असंखेज्जं कालं ॥ ६७७ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगवीसं वाससहस्साइं

आउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो, एवं जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए पुढवीए अतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए घणोदहिवलएसु उववाएयव्वो ॥ ६७१ ॥ वाउक्काइए ण भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एव जहा सत्तरसमसए वाउक्काइयउद्देसए तहा इहवि, नवरं अतरेसु समोहणा नेयव्वा सेस त चेव जाव अणुत्तरविमाणाण ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए घणवायतणुवाए घणवायतणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेस त चेव जाव से तेणट्ठेण जाव उववज्जेज्जा । सेव भंते ! २ त्ति ॥ ६७२ ॥

वीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहे ण भंते ! बंधे प० ? गोयमा ! तिविहे बधे प०, त०–जीवप्पओगबंधे, अणतरबधे, परंपरबंधे । नेरइयाण भंते ! कइविहे बधे प० ? एव चेव, एव जाव वेमाणियाण । नाणावरणिज्जस्स ण भंते ! कम्मस्स कइविहे बधे प० ? गोयमा ! तिविहे बधे प०, त०–जीवप्पओगबधे, अणतरबधे, परपरबधे, नेरइयाण भते ! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे बधे प० ? एवं चेव, एव जाव वेमाणियाण, एव जाव अतराइयस्स । णाणावरणिज्जोदयस्स ण भते ! कम्मस्स कइविहे बधे प० ? गोयमा ! तिविहे बधे प० एवं चेव, एव नेरइयाणवि एव जाव वेमाणियाण, एव जाव अतराइयउदयस्स, इत्थीवेयस्स ण भंते ! कइविहे बधे प० ? गोयमा ! तिविहे बंधे प० एव चेव, असुरकुमाराण भते ! इत्थीवेयस्स कइविहे बधे प० ? गोयमा ! तिविहे बधे प० एव चेव, एव जाव वेमाणियाण, नवरं जस्स इत्थिवेदो अत्थि, एव पुरिसवेयस्सवि, एव नपुंसगवेयस्सवि जाव वेमाणियाण, नवर जस्स जो अत्थि वेदो, दसणमोहणिज्जस्स ण भते ! कम्मस्स कइविहे बधे प० ? एवं चेव निरतर जाव वेमाणियाण, एव चरित्तमोहणिज्जस्सवि जाव वेमाणियाण, एव एएण कमेण ओरालियसरीरस्स जाव कम्मगसरीरस्स, आहारसन्नाए जाव परिग्गहसण्णाए, कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए मिच्छादिट्ठीए सम्मामिच्छादिट्ठीए, आभिणिबोहियणाणस्स जाव केवलनाणस्स, मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स विभंगनाणस्स, एव आभिणिबोहियणाणविसयस्स ण भते ! कइविहे बधे प० जाव केवलनाणविसयस्स मइअन्नाणविसयस्स सुयअन्नाणविसयस्स विभगणाणविसयस्स एएसिं सव्वेसिं पयाण तिविहे बधे प०, सव्वेते चउव्वीस दडगा भाणियव्वा, नवरं जाणियव्व जस्स जइ अत्थि जाव वेमाणियाण भंते ! विभंगणाणविसयस्स कइविहे बधे प० ? गोयमा ! तिविहे बधे प०, त०–जीवप्पओगबधे, अणतरबधे, परंपरबधे, सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६७३ ॥ **वीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ॥१८२०॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जंघाचार(णे)णा २ ? गोयमा ! तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स जंघाचारणलद्धी नामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव जंघाचारणा २ । जंघाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहेव विज्जाचारणस्स नवरं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते सेसं तं चेव । जंघाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं रुयगवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं नंदीसरवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता इह(हव्व)मागच्छइ, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते । जंघाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं नंदणवणे समोसरणं करेइ २ त्ता इहमागच्छइ, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ १८२१ ॥ वीसइमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥

जीवा णं भंते ! किं सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया ? गोयमा ! जीवा सोवक्कमाउयावि निरुवक्कमाउयावि । नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो सोवक्कमाउया निरुवक्कमाउया, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया जहा जीवा, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥१८२२॥ नेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उववज्जंति परोवक्कमेणं उववज्जंति निरुवक्कमेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आओवक्कमेणवि उववज्जंति परोवक्कमेणवि उववज्जंति निरुवक्कमेणवि उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया णं । नेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उव्वट्टंति परोवक्कमेणं उव्वट्टंति निरुवक्कमेणं उव्वट्टंति ? गोयमा ! नो आओवक्कमेणं उव्वट्टंति नो परोवक्कमेणं उव्वट्टंति निरुवक्कमेणं उव्वट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया जाव मणुस्सा तिसु उव्वट्टंति, सेसा जहा नेरइया नवरं जोइसियवेमाणिया चयंति ॥ नेरइया णं भंते ! किं आ(य)इड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति ? गोयमा ! आइड्ढीए

तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥ ६७८ ॥ जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एक्कवीसं वाससहस्साइं तित्थे अणुसिज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जावइए णं उसभस्स अरहओ कोसलियस्स जिणपरियाए एवइयाइं संखेज्जाइं आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥६७९॥ तित्थं भंते ! ति(त्थे)त्थं तित्थगरे तित्थं ? गोयमा ! अरहा ताव नियमं तित्थगरे, तित्थं पुण चाउवण्णाइण्णे समणसंघे, तं०–समणा समणीओ सावगा सावियाओ ॥६८०॥ पवयणं भंते ! पवयणं पावयणी पवयणं ? गोयमा ! अरहा ताव नियमं पावयणी, पवयणं पुण दुवालसंगे गणिपिडगे, तं०–आयारो जाव दिट्ठिवाओ ॥ जे इमे भंते ! उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा नाया कोरव्वा एए णं अस्सिं धम्मे ओगाहंति अस्सिं० २ त्ता अट्ठविहं कम्मरयमलं पवाहेंति पवाहित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता गोयमा ! जे इमे उग्गा भोगा तं चेव जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति । कइविहा णं भंते ! देवलोया प० ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोया प०, तं०–भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६८१ ॥ **वीसइमे सए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा णं भंते ! चारणा प० ? गोयमा ! दुविहा चारणा प०, तंजहा–विज्जाचारणा य जंघाचारणा य, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ विज्जाचारणा विज्जाचारणा ? गोयमा ! तस्स णं छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं विज्जाए उत्तरगुणलद्धिं खममाणस्स विज्जाचारणलद्धी नामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव विज्जाचारणा २, विज्जाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयन्नं जंबूद्दीवे दीवे जाव किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं देवे णं महिड्ढिए जाव महेसक्खे जाव इणामेवत्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिक्खुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते । विज्जाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं माणुसुत्तरे पव्वए समोसरणं करेइ करेत्ता बिइएणं उप्पाएणं नंदीसरवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ, विज्जाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते, विज्जाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं नंदणवणे समोसरणं करेइ करेत्ता बिइएणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तओ पडिनियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ,

उववज्जति नो परिड्ढीए उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया ण । नेरइया णं भंते ! किं आइड्ढीए उववट्टति परिड्ढीए उववट्टंति ? गोयमा ! आइड्ढीए उव्वट्टति नो-परिड्ढीए उववट्टति, एव जाव वेमाणिया, नवर जोइसियवेमाणिया चयतीति अभिलावो । नेरइया ण भते ! किं आयकम्मुणा उववज्जति परकम्मुणा उववज्जति ? गोयमा ! आयकम्मुणा उववज्जति नो परकम्मुणा उववज्जति, एव जाव वेमाणिया, एव उव्वट्टणादंडओवि । नेरइया णं भते ! किं आयप्पओगेणं उववज्जति परप्पओगेण उववज्जति ? गोयमा ! आयप्पओगेणं उववज्जति नो परप्पओगेण उववज्जति, एवं जाव वेमाणिया, एव उव्वट्टणादंडओवि ॥ ६८५ ॥ नेरइया णं भते ! किं कइसच्चिया अकइसच्चिया अव्वत्त(व)गसच्चिया ? गोयमा ! नेरइया कइसच्चियावि अकइसच्चियावि अव्वत्तगसच्चियावि, से केणट्ठेणं जाव अव्वत्तगसच्चियावि ? गोयमा ! जे ण नेरइया सखेजएण पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया कइसच्चिया, जे ण नेरइया असखेज्जएणं पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया अकइसंच्चिया, जे ण नेरइया एक्कएग पवेसणएणं पविसति ते णं नेरइया अव्वत्तगसच्चिया, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव अव्वत्तगसच्चियावि, एव जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइयाण पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो कइसच्चिया अकइसच्चिया नो अव्वत्तगसच्चिया, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ जाव नो अव्वत्तगसच्चिया ? गोयमा ! पुढविकाइया असखेज्जएण पवेसणएण पविसति से तेणट्ठेण जाव नो अव्वत्तगसच्चिया, एव जाव वणस्सइकाइया, वेइंदिया जाव वेमाणिया जहा नेरइया, सिद्धाण पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा कइसच्चिया नो अकइसच्चिया अव्वत्त(व्व)गसच्चियावि, से केणट्ठेण भंते ! जाव अव्वत्तगसच्चियावि ? गोयमा ! जे ण सिद्धा संखेज्जएण पवेसणएण पविसति ते ण सिद्धा कइसच्चिया, जे णं सिद्धा एक्कएण पवेसणएण पविसति ते ण सिद्धा अव्वत्तगसंच्चिया, से तेणट्ठेण गोयमा ! जाव अव्वत्तगसच्चियावि ॥ एएसि ण भते ! नेरइयाणं कइसच्चियाण अकइसच्चियाणं अव्वत्तगसच्चियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नेरइया अव्वत्तगसच्चिया, कइसच्चिया सखेज्जगुणा, अकइसच्चिया असंखेज्जगुणा, एव एगिंदियवज्जाण जाव वेमाणियाणं अप्पावहुग, एगिंदियाण नत्थि अप्पावहुग । एएसि ण भते ! सिद्धाण कइसच्चियाण अव्वत्तगसच्चियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा कइसच्चिया, अव्वत्तगसच्चिया सखेज्जगुणा ॥ नेरइया ण भंते ! किं छक्कसमज्जिया १, नोछक्कसमज्जिया २, छक्केण य नोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहिं य समज्जिया ४, छक्केहि य नोछक्केण य समज्जिया ५ ? गोयमा ! नेरइया छक्कसमज्जियावि १, नोछक्कसमज्जियावि २, छक्केण य नोछक्केण य समज्जियावि ३,

ज्जिया सखेज्जगुणा, छक्कसमज्जिया सखेज्जगुणा, नोछक्कसमज्जिया सखेज्जगुणा । नेरइया ण भते ! किं वारससमज्जिया १, नोवारससमज्जिया २, वारसएण य नोवारसएण य समज्जिया ३, वारसएहिं समज्जिया ४, वारसएहि य नोवारसएण य समज्जिया ५? गोयमा ! नेरइया वारससमज्जियावि जाव वारसएहि य नोवारसएण य समज्जियावि, से केणट्ठेण भते ! एवं जाव समज्जियावि? गोयमा ! जे णं नेरइया वारसएण पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया वारससमज्जिया १, जे णं नेरइया जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण एक्कारसएण पवेसणएणं पविसति ते ण नेरइया नोवारससमज्जिया २, जे ण नेरइया वारसएण पवेसणएण अन्नेण य जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएण पवेसणएणं पविसति ते ण नेरइया वारसएण य नोवारसएण य समज्जिया ३, जे ण नेरइया णेगेहिं वारसएहिं पवेसणग पविसति ते ण नेरइया वारसएहिं समज्जिया ४, जे ण नेरइया णेगेहिं वारसएहिं अन्नेण य जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण एक्कारसएण पवेसणएण पविसंति ते ण नेरइया वारसएहि य नोवारसएण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेण जाव समज्जियावि, एव जाव थणियकुमारा, पुढविकाइयाण पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो वारससमज्जिया १, नो नोवारससमज्जिया २, नो वारसएण य नोवारसएण य समज्जिया ३, वारसएहिं समज्जिया ४, वारसएहि य नो वारसएण य समज्जियावि ५, से केणट्ठेण भंते ! जाव समज्जियावि? गोयमा ! जे ण पुढविकाइया णेगेहिं वारसएहिं पवेसणग पविसति ते णं पुढविकाइया वारसएहिं समज्जिया, जे ण पुढविकाइया णेगेहिं वारसएहिं अन्नेण य जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण एक्कारसएण पवेसणएण पविसति ते ण पुढविकाइया वारसएहि य नोवारसएण य समज्जिया, से तेणट्ठेण जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, वेइंदिया जाव सिद्धा जहा नेरइया । एएसि ण भंते ! नेरइयाण वारससमज्जियाणं० सव्वेसिं अप्पावहुग जहा छक्कसमज्जियाण, नवरं वारसाभिलावो सेस त चेव । नेरइया ण भते ! किं चुलसीइसमज्जिया १, नोचुलसीइसमज्जिया २, चुलसीईए य नोचुलसीईए य समज्जिया ३, चुलसीईहिं समज्जिया ४, चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जिया ५? गोयमा ! नेरइया चुलसीइसमज्जियावि जाव चुलसीईहि य नोचुलसीईए य समज्जियावि, से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ जाव समज्जियावि? गोयमा ! जे ण नेरइया चुलसी(ई)इएणं पवेसणएण पविसति ते ण नेरइया चुलसीइसमज्जिया १, जे ण नेरइया जहन्नेण एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेण तेसीइपवेसणएण पविसति ते ण नेरइया नोचुलसीइसमज्जिया २, जे ण नेरइया चुलसी-

रोगाहणा प० ? गोयमा ! जहन्नेणं अगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेण धणुहपुहुत्तं, ते ण भंते ! जीवा नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वधगा अवधगा ? तहेव जहा उप्पलुद्देसए, एव वेदेवि उदएवि उदीरणाएवि । ते ण भंते ! जीवा किं कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा छव्वीस भगा, दिट्ठी जाव इदिया जहा उप्पलुद्देसए, ते ण भते ! साली वीही गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे कालओ केवच्चिर होइ ? गोयमा ! जहण्णेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण असखेज्जं कालं ॥ से ण भते ! साली वीही गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे पुढवीजीवे पुणरवि साली वीही जाव जवजवगमूलगजीवेत्ति केवइय काल सेवेज्जा केवइय काल गइरागइ करेज्जा ? एव जहा उप्पलुद्देसए, एएण अभिलावेण जाव मणुस्सजीवे, आहारो जहा उप्पलुद्देसे ठिईं जहण्णेण अतोमुहुत्तं उक्कोसेण वासपुहुत्तं, समुग्घायसमोहया उव्वट्टणा य जहा उप्पलुद्देसे । अह भते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता साली वीही जाव जवजवगमूलगजीवत्ताए उववन्नपुव्वा ? हता गोयमा ! असइ अदुवा अणतखुत्तो । सेव भते ! २ त्ति ॥ ६८७ ॥ **एगवीसइमे सए पढमवग्गस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥२१-१-१ ॥**

अह भते ! साली वीही जाव जवजवाणं एएसि ण जे जीवा कदत्ताए वक्कमति ते ण भते ! जीवा कओहिंतो उववज्जति एवं कदाहिगारेण सो चेव मूलुद्देसो अपरिसेसो भाणियव्वो जाव असई अदुवा अणतखुत्तो, सेव भते ! २ त्ति (२१-१-२) एव खधेवि उद्देसओ णेयव्वो (२१-१ ३) एव तयाएवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-४) सालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-५) पवालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-६) पत्तेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-७) एए सत्तवि उद्देसगा अपरिसेस जहा मूले तहा णेयव्वा । एव पुप्फेवि उद्देसओ णवर देवो उववज्जइ जहा उप्पलुद्देसे चत्तारि लेस्साओ असीइ भंगा ओगाहणा जहण्णेण अंगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण अगुलपुहुत्त सेस त चेव, सेव भते ! २ त्ति (२१-१-८) जहा पुप्फे एव फलेवि उद्देसओ अपरिसेसो भाणियव्वो (२१-१-९) एवं बीएवि उद्देसओ (२१-१-१०) एए दस उद्देसगा ॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥ २१-१ ॥ अह भंते ! कलायमसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसदगसइणपलिमथगाणं एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति ते ण भते ! जीवा कओहिंतो उववज्जति ? एव मूलाईया दस उद्देसगा भाणियव्वा जहेव सालीण णिरवसेस तहेव ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ ॥ २१-२ ॥ अह भंते ! अयसिकुसुभकोद्दवकगुरालगतुवरीकोदूसासणसरिसवमूलगबीयाण एएसि ण जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति ते ण भते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एव एत्थवि मूलाईया दस उद्देसगा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव भाणि-

ङ्गोयइमालुयचउलपलासकरंजपुत्तजीवगरिट्ठवहेडगहरियगभल्लायउंबरियखीरणिधायइपियालपूइयणिवायगसेण्हयपासियसीसवअयसिपुण्णागनागरुक्खसीवण्णअसोगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा निरवसेसं जहा तालवग्गो ॥ बिइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-२ ॥ अह भंते ! अत्थियतिंदुयबोरकविट्ठअंबाडगमाउलिंगबिल्लआमलगफणसदाडिमआसत्थउंबरवडणग्गोहनंदिरुक्खपिप्पलिसतरपिलक्खुरुक्खकाउंबरियकुच्छुंभरियदेवदालितिलगलउयछत्तोहसिरीसत्तवण्णदहिवण्णलोद्धधवचंदणअज्जुणणीवकुडगकलंबाण एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयं ॥ तइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-३ ॥ अह भंते ! वाइंगणिअल्लइपोडइ एवं जहा पण्णवणाए गाहाणुसारेणं णेयव्वं जाव गंजपाडलावासिअंकोल्लाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयंति निरवसेसं जहा वंसवग्गो ॥ चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २२-४ ॥ अह भंते ! सिरियकणवनालियकोरंटगबंधुजीवगमणोज्जा जहा पण्णवणाए पढमपए गाहाणुसारेणं जाव नलणी य कुंदमहाजाईणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा निरवसेसं जहा सालीणं ॥ पंचमो वग्गो समत्तो ॥ ॥ २२-५ ॥ अह भंते ! पूसफलिकालिंगीतुंबीतउसीएलावालुंकी एवं पयाणि छिंदियव्वाणि पण्णवणागाहाणुसारेणं जहा तालवग्गे जाव दधिफोल्लइकाकलिसोक्कलिअक्कबोंदीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहा तालवग्गो, णवरं फलउद्देसे ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, ठिई सव्वत्थ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं सेसं तं चेव ॥ छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ २२-६ ॥ एवं छसुवि वग्गेसु सट्ठि उद्देसगा भवंति ॥ ६८९ ॥ **बावीसइमं सयं समत्तं ॥**

णमो सुयदेवयाए भगवईए। आलुयलोही अवया पाढी तह मासवण्णिवल्ली य। पंचेते दसवग्गा पण्णासं होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—अह भंते ! आलुयमूलगसिंगबेरहालिद्दरुक्खकंडरियजारुच्छीरबिरालिकिट्ठिकुंदुकण्हकडडसुमहुपयलइमहुसिंगिणिरुहासप्पसुगंधाछिण्णरुहाबीयरुहाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा वंसवग्गसरिसा णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, अवहारो गोयमा ! ते णं अणंता समए २ अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणीहिं उस्सप्पिणीहिं एवइयकालेणं अवहीरंति णो चेव णं अवहारिया सिया.

से णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा ? गोयमा ! सायावेयगावि असायावेयगावि १६, से णं भंते ! जीवा किं इत्थीवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थीवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा १७ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी १८ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प० ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्थावि अप्पसत्थावि १९, से णं भंते ! पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी २ से णं भंते ! पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए रयणप्पभापुढविणेरइए पुणरवि पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २१। पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहण्णकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं सच्चेव वत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा जाव अणुबंधोत्ति, से णं भंते ! पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहण्णकालट्ठिईरयणप्पभापुढविणेरइए जहण्णकाल २ पुणरवि पज्जत्तअसण्णि जाव गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २। पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! जीवा अवसेसं तं चेव जाव अणुबंधो । से णं भंते ! पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईरयणप्पभापुढविणेरइए उक्कोस पुणरवि पज्जत्त जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा

एहिंतोवि उववज्जति, जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जति थलचरेहिंतो उववज्जति खहचरेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! जलचरेहिंतो उववज्जति, थलचरेहिंतोवि उववज्जति, खहचरेहिंतोवि उववज्जति, जइ जलचरे० थलचरे० खहचरेहिंतो उववज्जति किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतो उववज्जति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जति, पज्जत्तअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगाए रयणप्पभाए पुढवीए उववज्जेज्जा, पज्जत्तअसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेण पलिओवमस्स असखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा १, ते ण भंते ! जीवा एगसमएण केवइया उववज्जति ? गोयमा ! जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति २, तेसि ण भंते ! जीवाण सरीरगा किंसघयणी पन्नत्ता ? गोयमा ! छेवट्ठसघयणी प० ३, तेसि ण भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण जोयणसहस्स ४, तेसि ण भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसठिया पन्नत्ता ? गोयमा ! हुडसठाणसठिया पन्नत्ता ५, तेसि ण भंते ! जीवाण कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! तिन्नि लेस्साओ प०, त०—कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा ६, ते ण भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी ७, ते ण भंते ! जीवा किं णाणी अन्नाणी ? गोयमा ! णो णाणी अन्नाणी नियमा दुअन्नाणी तं०—मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य ८-९, ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि १०, ते ण भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ११, तेसि ण भंते ! जीवाण कइ सन्नाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि सन्नाओ प०, त०—आहारसन्ना भयसन्ना मेहुणसन्ना परिग्गहसन्ना १२, तेसि ण भंते ! जीवाण कइ कसाया प० ? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, त०—कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए १३, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ इंदिया प० ? गोयमा ! पचिंदिया प०, तं०—सोइंदिए चक्खिंदिए जाव फासिंदिए १४, तेसि ण भंते ! जीवाण कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तओ समुग्घाया प०, त०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणतियसमुग्घाए १५,

ट्ठीएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेजा ते णं भंते! जीवा एगसमएणं अवसेसं जहेव ओहियगमएणं तहेव अणुगंतव्वं णवरं (जाव) इमाइं दोन्नि णाणत्ताइं-ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि अवसेसं तं चेव से णं भंते! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्नि जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं जाव करेजा ७। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्ततिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ जाव उववज्जेजा? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेजा ते णं भंते! सेसं तं चेव जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते! उक्कोसकालट्ठिई जाव तिरिक्खजोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेजा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणवि पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं जाव करेजा ८। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकाल जाव उववज्जेजा? गोयमा! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेजा ते णं भंते! जीवा एगसमएणं सेसं जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेजा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं कालं सेवेजा जाव गइरागइं करेजा ९। एवं एए ओहिया तिन्नि गमगा १ जहन्नकालट्ठिईएसु तिन्नि गमगा २, उक्कोसकालट्ठिईएसु तिन्नि गमगा ३ सव्वेते णव गमगा भवंति॥ ९९१-२॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्ख जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति नो असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति पुच्छा गोयमा! जलचरेहिंतो उववज्जंति जहा असन्नी जाव पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति नो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति,

एवइय कालं गइरागइ करेज्जा ३। जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्ख-जोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते! जीवा एगसमएण केवइया अवसेस त चेव णवरं इमाइं तिन्नि णाणत्ताइं आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य, जहन्नेण ठिई अंतोमुहुत्त उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, तेसि ण भंते! जीवाण केवइया अज्झवसाणा प०? गोयमा! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०, ते ण भंते! किं पसत्था अप्पसत्था? गोयमा! णो पसत्था अप्पसत्था, अणुबंधो अंतोमुहुत्त सेस तं चेव। से ण भंते! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदिय० रयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेण दो भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहण्णेण दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण पलिओवमस्स असंखेज्जइभाग अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइय काल सेवेज्जा जाव गइरागइ करेज्जा ४। जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भंते! जे भविए जहन्नकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते! जीवा सेसं त चेव ताइं चेव तिन्नि णाणत्ताइं जाव से ण भंते! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव जोणिए जहन्नकालट्ठिईयरयणप्पभा पुणरवि जाव गोयमा! भवादेसेण दो भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहन्नेण दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणवि दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं एवइय काल सेवेज्जा जाव करेज्जा ५। जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणियाण भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेण पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठि(इ)ईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते! जीवा अवसेस त चेव ताइं चेव तिन्नि णाणत्ताइं जाव से ण भंते! जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेण दो भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहन्नेण पलिओवमस्स असंखेज्जइभाग अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभाग अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइय काल जाव करेज्जा ६। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते! केवइयकाल(ट्ठिई)स्स जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठि-

केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव गमओ नवरं इमाइं अट्ठ णाणत्ताइं–सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, लेस्साओ तिन्नि आदिल्लाओ णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी णो णाणी दो अन्नाणा णियमं समुग्घाया आदिल्ला तिन्नि आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य जहेव असन्नीणं अवसेसं जहा पढमगमए जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ४ । सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६ । उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! जीवा अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणो एएसिं चेव पढमो गमओ णेयव्वो नवरं ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि सेसं तं चेव कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७ । सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! जीवा सो चेव सत्तमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईय जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं

पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तंजहा–रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेण सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? जहेव असण्णी, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छव्विहसंघयणी प०, तं०–वइरोसभनारायसंघयणी उसभनारायसंघयणी जाव छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहेव असण्णीणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेण जोयणसहस्सं, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! छव्विहसंठिया प०, तंजहा–समचउरंस० णग्गोह० जाव हुंड०, तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! छल्लेस्साओ पण्णत्ताओ, तंजहा–कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, दिट्ठी तिविहावि, तिण्णि नाणा तिण्णि अन्नाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि सेसं जहा असण्णीणं जाव अणुबंधो, नवरं पंच समुग्घाया प० आइल्लगा, वेदो तिविहोवि, अवसेसं तं चेव जाव से णं भंते ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेण अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहन्नेण दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा १ । पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव जे भविए जहन्नकालं जाव से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं सो चेव पढमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेण जहन्नेण दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेण सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसो परि(णामा)माणादीओ भवादेसपज्जवसाणो सो चेव पढमगमगो णेयव्वो जाव कालादेसेण जहन्नेण सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ३, जहन्नकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढवि जाव उववज्जित्तए से णं भंते !

उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३। सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव रयणप्पभापुढविजहन्नकालट्ठिईवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति णवरं पढमसंघयणं णो इत्थिवेयगा भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एवं सो चेव चउत्थो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेत्ति ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा से णं भंते! अवसेसा सच्चेव सत्तमपुढविपढमगमगवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति णवरं ठिई अणुबंधो य जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी संवेहोवि तहेव सत्तमगमगसरिसो ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ॥ ६६४ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति जइ सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जन्ति किं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उ णो असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति जइ संखेज्जवासाउय जाव उववज्जन्ति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति अपज्जत्त जाव उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति णो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णि-

सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते ! जीवा सो चेव सत्तमो गमओ निरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहन्नेण सागरोवम पुव्वकोडीए अब्भहिय उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइय जाव करेज्जा ९। एवं एए णव गमगा उक्खेवनिक्खेवओ नवसुवि जहेव असन्नीण ॥ ६९३ ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्ख-जोणिए ण भंते ! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेण तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते ! जीवा एगसमएण एव जहेव रयणप्पभाए उववज्जंत(गम)गस्स लद्धी सच्चेव निरवसेसा भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेण सागरोवम अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बार-ससागरोवमाइ चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं रयणप्पभापुढविगमगसरिसा णववि गमगा भाणियव्वा नवरं सव्वगमएसुवि नेरइय-ट्ठिई(य)संवेहेसु सागरोवमा भाणियव्वा एव जाव छट्ठीपुढवित्ति, णवरं नेरइयठिई जा जत्थ पुढवीए जहन्नुक्कोसिया सा तेण चेव कमेण चउग्गुणा कायव्वा, वालुयप्पभाए पुढवीए अट्ठावीस सागरोवमा चउगुणिया भवति, पंकप्पभाए चत्तालीस, धूमप्प-भाए अट्ठसट्ठिं, तमाए अट्ठासीइं, संघयणाइ वालुयप्पभाए पचविहसंघयणी त०–वइ-रोसभनारायसंघयणी जाव कीलियासंघयणी, पंकप्पभाए चउव्विहसंघयणी, धूमप्प-भाए तिविहसंघयणी, तमाए दुविहसंघयणी तं०–वइरोसभनारायसंघयणी य उसभनारायसंघयणी य, सेस त चेव ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्ख-जोणिए ण भंते ! जे भविए अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्को सेण तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते ! जीवा एव जहेव रयणप्प-भाए णव गमगा लद्धीवि सच्चेव णवरं वइरोसभणारायसंघयणी, इत्थिवेदगा न उववज्जंति सेस त चेव जाव अणुबंधोत्ति, संवेहो भवादेसेण जहन्नेण तिन्नि भवग्गहणाइ उक्कोसेण सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइ उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइय जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेण कालादेसोवि तहेव जाव चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइय जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं

पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि भवादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं जाव करेज्जा ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो सा चेव सत्तमगमगवत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं एवं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ९॥ ११५॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइएसु जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकाल जाव उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! एवं सो चेव रयणप्पभापुढविगमओ नेयव्वो नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति कालादेसेणं जहन्नेणं सागरोवमं वासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १ एवं एसा ओहिएसु तिसु गमएसु मणूसस्स लद्धी नाणत्तं नेरइयट्ठिइं कालादेसेणं संवेहं च जाणेज्जा ३। सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तिसुवि गमएसु एस चेव लद्धी नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि सेसं जहा ओहियाणं संवेहो सव्वो उव(जु)ज्जिऊण भाणियव्वो ४-५-६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु इमं नाणत्तं-सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुसयाइं, ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि सेसं जहा पढमगमए नवरं नेरइयठिइं(ई) य कायसंवेहं च जाणेज्जा ९ एवं जाव छट्ठपुढवी नवरं तच्चाए आढवेत्ता एक्केक्कं संघयणं परिहायइ जहेव तिरिक्खजोणियाणं कालादेसोवि तहेव नवरं मणुस्सट्ठिई भाणियव्वा॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए अहेसत्तमापुढविनेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं बावीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते! जीवा एगसमए- एवं अवसेसो सो चेव सक्करप्पभापुढविगमओ नेयव्वो नवरं पढमं संघयणं इत्थिवेयगा न उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं

मणुस्से णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तं०-रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से ण भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए नेरइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेण दसवाससहस्सट्ठिइएसु उक्कोसेण सागरोवमट्ठिइएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते ! जीवा एगसमएण केवइया उववज्जति ? गोयमा ! जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण संखेज्जा (वा) उववज्जति, संघयणा छ, सरीरोगाहणा जहन्नेण अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइ, एवं सेस जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियाण जाव भवादेसोत्ति, नवर चत्तारि णाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, छ समुग्घाया केवलिवज्जा, ठिई अणुबंधो य जहन्नेण मासपुहुत्त उक्कोसेग पुव्वकोडी सेस तं चेव, कालादेसेणं जहन्नेण दसवाससहस्साइ मासपुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाइ चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाई एवइय जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सा चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेण जहन्नेण दसवाससहस्साइ मास पुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइय जाव करेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिइएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेण जहण्णेण सागरोवम मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइ चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाई एवइय जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं इमाइ पच नाणत्ताई-सरीरोगाहणा जहन्नेगं अंगुलपुहुत्त उक्कोसेणवि अंगुलपुहुत्त, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, पच समुग्घाया आइल्ला, ठिई अणुबंधो य जहन्नेण मासपुहुत्त उक्कोसेणवि मासपुहुत्त सेस त चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेग दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाइ चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाई एवइय जाव करेज्जा ४। सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया चउत्थगमगसरिसा णेयव्वा नवरं कालादेसेणं जहन्नेण दसवाससहस्साइ मासपुहुत्तमब्भहियाई उक्कोसेण चत्तालीस वाससहस्साइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइय जाव करेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव गमगो नवरं कालादेसेण जहन्नेग सागरोवम मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेण चत्तारि सागरोवमाई चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइ एवइय जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमओ णेयव्वो नवर सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहन्नेण

उववज्जंति, वइरोसभनारायसंघयणी ओगाहणा जहन्नेणं धणुपुहुत्तं उक्कोसेणं छ गाउयाइं, समचउरंससंठाणसंठिया प० चत्तारि लेस्साओ आइल्लाओ नो सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी नो नाणी अन्नाणी नियमं दुअन्नाणी मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य जोगो तिविहोवि उवओगो दुविहोवि चत्तारि सन्नाओ चत्तारि कसाया पंच इंदिया तिन्नि समुग्घाया आइल्लगा समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति वेयणा दुविहावि सायावेयगावि असायावेयगावि वेदो दुविहोवि इत्थिवेयगावि पुरिसवेयगावि नो नपुंसगवेयगा ठिई जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि अणुबंधो जहेव ठिई, कायसंवेहो भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठि(ई)ई संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई से जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि कालादेसेणं जहन्नेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं सेसं तं चेव ३ सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते! अवसेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति नवरं ओगाहणा जहन्नेणं धणुपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगं धणुसहस्सं ठिई जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणवि साइरेगा पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं ४ सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिई संवेहं च जाणेज्जा ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं साइरेगपुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि साइरेगपुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा सेसं तं चेव नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ उक्कोसेणवि साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं कालं सेवेज्जा ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमओ भाणियव्वो नवरं ठिई जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छ पलिओवमाइं एवइयं ७ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं असुरकुमारट्ठिई संवेहं च जाणेज्जा ८ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो

कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, सो चेव जहन्न- कालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं नेरइयट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं संवेहं च जाणेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्त- व्वया नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, संवेहो उवउज्जिऊण भाणियव्वो ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं पंचधणुसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुसयाइं, ठिई जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि णवसुवि एएसु गम- एसु नेरइयट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ भवग्गहणाइं दोन्नि जाव णवमगमए कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ९। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६९६ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–असुरकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइ- एहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्से० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति नो देवेहिंतो उववज्जंति, एवं जहेव नेरइय- उद्देसए जाव पज्जत्तअसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवास- सहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एवं रयणप्पभागमगसरिसा णववि गमा भाणियव्वा नवरं जाहे अप्पणा जहन्न- कालट्ठिईओ भवइ ताहे अज्झवसाणा पसत्था णो अप्पसत्था तिसुवि गमएसु अवसेसं तं चेव ९॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउय- सन्निपंचिंदिय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्ज- वासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउय सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा

एएसि रयणप्पभाए उववज्जमाणाणं नव गमगा तहेव इहवि नव गमगा भाणियव्वा णवरं संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो सेसं तं चेव ९ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९७ ॥ चउवीसइमे सए बीओ उद्देसो समत्तो ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–नागकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो देवेहिंतो उववज्जंति, जइ तिरिक्खजोणि० एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया तहा एएसिंपि जाव असण्णित्ति जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० जाव उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए नागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिई० ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदुपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स गमगो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १ सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो तस्सवि एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति कालादेसेणं जहण्णेणं देसूणाइं चत्तारि पलिओवमाइं उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं कालं ३, सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जहण्णकालट्ठिईयस्स तहेव निरवसेसं ६ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तहेव तिण्णि गमगा जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय जाव किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० णो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय० पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० जाव जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स वत्तव्वया तहेव इहवि णवसुवि गमएसु, णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणु० असण्णिमणु० ? गोयमा ! सण्णिमणु० णो असण्णिमणुस्से० जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जाव असंखेज्जवास

जहण्णेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया नवर कालादेसेण जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइ एवइय० ९ ॥ जइ सखेज्जवासाउयसन्निपचिंदिय जाव उववज्जति किं जलचर० एव जाव पज्जत्तसखेज्जवासाउयसन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से ण भते ! केवइयकालट्ठिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेण दसवाससहस्सट्ठिइएसु उक्कोसेण साइरेगसागरोवमट्ठिइएसु उववज्जेज्जा, ते ण भते ! जीवा एगसमएण एव एएसिं रयणप्पभपुढविगमगसरिसा नव गमगा णेयव्वा, नवर जाहे अप्पणा जहन्नकालट्ठिइओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं चत्तारि लेस्साओ अज्झवसाणा पसत्था नो अप्पसत्था सेस तं चेव संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो ९ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उ० असन्निमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सन्निमणुस्सेहिंतो उ० नो असन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जति, जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जति किं सखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जति असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! सखेज्जवासाउय जाव उववज्जति असखेज्जवासाउय जाव उववज्जति, असखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से ण भते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेण दसवाससहस्सट्ठिइएसु उक्कोसेण तिपलिओवमट्ठिइएसु उववज्जेज्जा, एव असखेज्जवासाउयतिरिक्खजोणियसरिसा आइल्ला तिन्नि गमगा नेयव्वा, नवरं सरीरोगाहणा पढमविइएसु गमएसु जहन्नेण साइरेगाइ पचधणुहसयाइ उक्कोसेण तिन्नि गाउयाइं सेस त चेव, तइयगमे ओगाहणा जहन्नेण तिन्नि गाउयाइ उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइ सेस जहेव तिरिक्खजोणियाण ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिइओ जाओ तस्सवि जहन्नकालट्ठिईयतिरिक्खजोणियसरिसा तिन्नि गमगा भाणियव्वा, नवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहण्णेण साइरेगाइ पचधणुहसयाइ उक्कोसेणवि साइरेगाइ पचधणुहसयाइ सेसं तं चेव ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि ते चेव पच्छिल्लगा तिन्नि गमगा भाणियव्वा नवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहन्नेण तिन्नि गाउयाइ उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइं अवसेस त चेव ९ ॥ जइ सखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जति किं पज्जत्तसखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसखेज्ज जाव उववज्जति ? गोयमा ! पज्जत्तसखेज्ज० णो अपज्जत्तसखेज्ज०, पज्जत्तसखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से ण भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिइएसु उक्कोसेण साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते ! जीवा एव जहेव

सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी णो णाणी अण्णाणी दो अण्णाणा णियमं णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी उवओगो दुविहोवि चत्तारि सण्णाओ चत्तारि कसाया एगे फासिंदिए पण्णत्ते तिण्णि समुग्घाया वेयणा दुविहा णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि अणुबंधो जहा ठिई १ से णं भंते! पुढविक्काइए पुणरवि पुढविक्काइएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवइयं जाव करेज्जा १ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु एवं चेव वत्तव्वया निरवसेसा २ से चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति णवरं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जेज्जा भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावत्तरिं वाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं कालं जाव करेज्जा ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमिल्लओ गमओ भाणियव्वो णवरं लेस्साओ तिण्णि ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं अप्पसत्था अज्झवसाणा अणुबंधो जहा ठिई सेसं तं चेव ४ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो सच्चेव चउत्थगमगवत्तव्वया भाणियव्वा ५ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया णवरं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा जाव भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं ६ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एवं तइयगमगसरिसो निरवसेसो भाणियव्वो णवरं अप्पणा से ठिई जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणवि बावीसं वाससहस्साइं ७ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं एवं जहा सत्तमगमो जाव भवादेसो कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं ८ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु एव

साउयसन्निमणुस्से ण भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जइ ? गोयमा ! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेण देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु एव जहेव असखेज्जवासाउयाण तिरिक्खजोणियाण नागकुमारेसु आइल्ला तिन्नि गमगा तहेव इमस्सवि, नवरं पढमविइएसु गमएसु सरीरोगाहणा जहन्नेण साइरेगाइ पचधणुहसयाई उक्कोसेण तिन्नि गाउयाइ, तइयगमे ओगाहणा जहन्नेण देसूणाइ दो गाउयाइ उक्कोसेण तिन्नि गाउयाइ सेस त चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव निरवसेस ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव उक्कोसकालट्ठिईयस्स असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स नवर णागकुमारट्ठिइं सवेह च जाणेज्जा, सेस त चेव ९ ॥ जइ सखेज्जवासाउयसन्निमणु० किं पज्जत्तसखेज्ज० अपज्जत्तसखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसखेज्ज० णो अपज्जत्तसखेज्ज०, पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से ण भते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेण दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेण देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु उ० एव जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स सच्चेव लद्धी निरवसेसा नवसु गमएसु णवर णागकुमारट्ठिइ सवेह च जाणेज्जा, सेव भते ! २ त्ति ॥ ६९८ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

अवसेसा सुवन्नकुमाराई जाव थणियकुमारा एएवि अट्ठ उद्देसगा जहेव नागकुमाराण तहेव निरवसेसा भाणियव्वा, सेव भते ! सेव भते ! त्ति ॥ ६९९ ॥

चउवीसइमस्स सयस्स एक्कारसमो उद्देसो समत्तो ॥

पुढविकाइया ण भते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जति, जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं एगिंदियतिरिक्खजोणिए० एवं जहा वक्कतीए उववाओ जाव जइ बायरपुढविक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं पज्जत्तबादर जाव उववज्जति अपज्जत्तबादरपुढवि जाव उ० ? गोयमा ! पज्जत्तबादरपुढवि० अपज्जत्तबादरपुढवि जाव उववज्जंति, पुढविक्काइए णं भते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भते ! जीवा एगसमएण पुच्छा, गोयमा ! अणुसमय अविरहिया असखेज्जा उववज्जति, छेवट्ठसघयणी, सरीरोगाहणा जहन्नेण अगुलस्स असंखेज्जइभाग उक्कोसेणवि अगुलस्स असखेज्जइभाग, मसूरचदसंठिया, चत्तारि लेस्साओ, णो

चेव सत्तमगमगवत्तव्वया जाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहण्णेण चोयालीस वाससहस्साइं उक्कोसेण छावत्तरिवाससहस्सुत्तर मयसहस्स एवइयं० ९ ॥ जइ आउक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं सुहुमआउ० बादर-आउ० एव चउक्कओ भेदो भाणियव्वो जहा पुढविक्काइयाण, आउक्काइयाण भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण अतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण बावीस वाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एव पुढविक्काइयगमगसरिसा नव गमगा भाणियव्वा ९, नवरं थिवुगबिंदुसठिए, ठिई जहन्नेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण सत्त वाससहस्साइ, एव अणुबधोवि एव तिसुवि गमएसु, ठिई सवेहो तइयछट्ठसत्तमट्ठमणवमगमएसु भवादेसेण जहण्णेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण अट्ठ भवग्गहणाइ, सेसेसु चउसु गमएसु जहण्णेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेणं असंखेज्जाइ भवग्गहणाइ, तइयगमए कालादेसेण जहन्नेण बावीस वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण सोलसुत्तरं वाससयसहस्स एवइय०, छट्ठे गमए कालादेसेण जहन्नेण बावीस वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण अट्ठासीइ वाससहस्साइ चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइ एवइय०, सत्तमे गमए कालादेसेण जहन्नेण सत्त वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेणं सोलसुत्तरवाससयसहस्स एवइय०, अट्ठमे गमए कालादेसेणं जहन्नेण सत्त वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण अट्ठावीस वाससहस्साइ चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइ एवइय०, णवमे गमए भवादेसेण जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेण एगूणतीस वाससहस्साइ उक्कोसेण सोलसुत्तर वाससयसहस्स एवइय०, एव णवसुवि गमएसु आउक्काइयठिई जाणियव्वा ९ ॥ जइ तेउक्काइएहिंतो उववज्जति तेउक्काइयाणवि एस चेव वत्तव्वया नवर नवसुवि गमएसु तिन्नि लेस्साओ तेउक्काइयाण सु(सू)ईकलावसठिया ठिई जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेण बावीस वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण अट्ठासीइ वाससहस्साइ बारसहिं राइदिएहिं अब्भहियाइ एवइयं एव सवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९॥ जइ वाउक्काइएहिंतो उववज्जति वाउक्काइयाणवि एवं चेव णव गमगा जहेव तेउक्काइयाण णवर पडागासठिया प० सवेहो वाससहस्सेहिं कायव्वो तइयगमए कालादेसेण जहण्णेण बावीस वाससहस्साइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण एग वाससयसहस्सं एव सवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ॥ जइ वणस्सइ-काइएहिंतो उववज्जति वणस्सइकाइयाण आउकाइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा नवरं णाणासठिया सरीरोगाहणा प० पढमएसु पच्छिल्लएसु

मज्झिमएसु तिसु गमएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहा एयस्स चेव पढमगमए, णवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव जाव णवमगमए जहन्नेणं पुव्वकोडी बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा ९ ॥ जइ सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए जाव उ० किं संखेज्जवासाउय असंखेज्जवासाउय ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय णो असंखेज्जवासाउय जाव उ० जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं जलयरेहिंतो सेसं जहा असन्नीणं जाव ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स सन्निपंचिंदियस्स तहेव इहवि णवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तहेव जाव कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं० एवं संवेहो णवसुवि गमएसु जहा असन्नीणं तहेव निरवसेसं लद्धी से आदिल्लएसु तिसुवि गमएसु एस चेव मज्झिल्लएसुवि तिसु गमएसु एस चेव णवरं इमाइं णव णाणत्ताइं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं तिन्नि लेस्साओ मिच्छादिट्ठी दो अन्नाणा, कायजोगी तिन्नि समुग्घाया ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा अणुबंधो जहा ठिई सेसं तं चेव पच्छिल्लएसु तिसुवि गमएसु जहेव पढमगमए णवरं ठिई अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव ९ ॥ ७ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असन्निमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असन्निमणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति असन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु एवं जहा असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहन्नकालट्ठिईयस्स तिन्नि गमगा तहा एयस्सवि ओहिया तिन्नि गमगा भाणियव्वा तहेव निरवसेसा सेसा छ न भन्नंति ९ ॥ जइ सन्निमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउय असंखेज्जवासाउय जाव उ० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय णो असंखेज्जवासाउय जाव उ० जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं पज्जत्त० अपज्जत्त० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय अपज्जत्तसंखेज्जवासा जाव उ० सन्निमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स तहेव तिसुवि गमएसु लद्धी णवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्को-

बारस संवच्छराइं उक्कोसेणवि बारस संवच्छराइं, एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं जाव णवमे गमए जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं बारसहिं संवच्छरेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइय० ९ ॥ जइ तेइंदिएहिंतो पुढविकाइएसु उववज्जन्ति एवं चेव नव गमगा भाणियव्वा नवरं आइल्लेसु तिसुवि गमएसु सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तिन्नि इंदियाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं, तइयगमए कालादेसेणं जहन्नेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं छन्नउइं राइंदियसयमब्भहियाइं एवइय०, मज्झिमगा तिन्नि गमगा तहेव पच्छिमगावि तिन्नि गमगा तहेव नवरं ठिई जहन्नेणं एगूणपन्नं राइंदियाइं उक्कोसेणवि एगूणपन्नं राइंदियाइं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९ ॥ जइ चउरिंदिएहिंतो उववज्जन्ति एवं चेव चउरिंदियाणवि नव गमगा भाणियव्वा नवरं एएसु चेव ठाणेसु नाणत्ता भाणियव्वा सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छम्मासा एवं अणुबंधोवि, चत्तारि इंदियाइं सेसं तं चेव जाव नवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं छहिं मासेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउवीसाए मासेहिं अब्भहियाइं एवइय० ९ ॥ जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए०? गोयमा ! सन्निपंचिंदिय०, असण्णिपंचिंदिय०, जइ असण्णिपंचिंदिय जाव उ० किं जलचरेहिंतो उववज्जंति जाव किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति, असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव बेइंदियस्स ओहियगमए लद्धी तहेव नवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, पंचिंदिया, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइय० णवसुवि गमएसु कायसंवेहो भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं, नवरं मज्झिमएसु तिसु गमएसु जहेव बेइंदियस्स

सेणं पुव्वकोडी एव अणुबंधोवि, संवेहो नवसु गमएसु जहेव सन्निपंचिंदियस्स मज्झि-ल्लएसु तिसु गमएसु लद्धी जहेव सन्निपंचिंदियस्स म० सेस तं चेव निरवसेस, पच्छिल्ला तिन्नि गमगा जहा एयस्स चेव ओहिया गमगा नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंचध-णुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेस तहेव नवर पच्छिल्लएसु गमएसु संखेज्जा उववज्जंति नो असंखेज्जा उववज्जंति ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमं-तर० जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवण-वासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, जइ भवणवासिदे-वेहिंतो उववज्जंति किं असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमा-रभवणवासिदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पुढवि-क्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ठिई, ते णं भंते ! जीवा पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी जाव परिणमंति, तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त रयणीओ, तत्थ णं जा सा उत्तर-वेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं, तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते समचउरंस-संठाणसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णाणासंठाणसंठिया प०, लेस्साओ चत्तारि, दिट्ठी तिविहावि, तिन्नि णाणा नियमं, तिन्नि अन्नाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सन्नाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, पंच समुग्घाया, वेयणा दुविहावि, इत्थिवेदगावि पुरिसवेदगावि णो णपुंसगवेदगा, ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं, अज्झवसाणा असंखेज्जा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहा ठिई, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइय०, एवं णववि गमा णेयव्वा नवरं मज्झिल्लएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु असुरकुमाराणं ठिइविसेसो जाणियव्वो सेसा ओहिया चेव

उक्कोसेणं चउरासीइं वाससहस्साइं छण्णउइराइंदियसयमब्भहियाइं तेत्तिएहिं एवं तइयगमे उक्कोसेणं बावत्तराइं तिन्नि राइंदियसयाइं एवं सव्वत्थ जाणेज्जा जाव सन्निमणुस्सत्ति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७ ८ ॥ २४-१८ ॥ चउरिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? जहा तेइंदियाणं उद्देसओ तहेव चउरिंदियाणवि नवरं ठिई संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७ ९ ॥ २४-१९ ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइ० तिरिक्ख मणु देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइएहिंतोवि उववज्जंति तिरिक्ख मणुस्सेहिंतोवि य देवेहिंतोवि उववज्जंति जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतोवि उववज्जंति, रयणप्पभापुढविनेरइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया नवरं संघयणे पोग्गला अणिट्ठा अकंता जाव परिणमंति, ओगाहणा दुविहा प० तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिन्नि रयणीओ छच्चंगुलाइं, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं पन्नरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प० तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया प० तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया प० एगा काउलेस्सा प० समुग्घाया चत्तारि णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा ठिई जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं सागरोवमं एवं अणुबंधोवि सेसं तहेव भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु अवसेसं तहेव नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं तहेव उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं २ एवं सेसावि सत्त गमगा भाणियव्वा जहेव नेरइयउद्देसए सन्निपंचिंदिएहिं(णं) समं नेरइयाणं मज्झिमएसु य तिसुवि गमएसु पच्छिमएसु तिसुवि गमएसु ठिइनाणत्तं

साइरेगं पलिओवम उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं सेस तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०२ ॥ **चउवीसइमे सए बारहमो उद्देसो समत्तो ॥**

आउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जति ? एव जहेव पुढविक्काइयउद्देसए जाव पुढविक्काइए ण भंते ! जे भविए आउक्काइएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अतोमुहुत्त उक्कोसेणं सत्तवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो भाणियव्वो णवरं ठिइ सवेह च जाणेज्जा, सेस तहेव, सेव भते ! २ त्ति ॥ ७०३ ॥ **चउवीसइमे सए तेरहमो उद्देसो समत्तो ॥**

तेउक्काइया ण भंते ! कओहिंतो उववज्जति ? एव (णवर) पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो उद्देसो भाणियव्वो नवर ठिइ सवेह च जाणेज्जा, देवेहिंतो ण उववज्जति, सेस त चेव । सेवं भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०४ ॥ **चउवीसइमस्स सयस्स चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥**

वाउक्काइया ण भते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एव जहेव तेउक्काइयउद्देसओ तहेव नवरं ठिइ सवेह च जाणेज्जा । सेव भंते ! २ त्ति ॥ ७०५ ॥ **चउवीसइमे सए पण्णरहमो उद्देसो समत्तो ॥**

वणस्सइकाइया ण भते ! कओहिंतो उववज्जति ? एवं पुढविक्काइयसरिसो उद्देसो नवर जाहे वणस्सइकाइया वणस्सइकाइएसु उववज्जन्ति ताहे पढमबिइयचउत्थपचमेसु गमएसु परिमाण अणुसमय अविरहियं अणता उववज्जति, भवादेसेण जहण्णेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण अणंताइ भवग्गहणाइं, कालादेसेण जहण्णेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण अणत काल एवइय०, सेसा पंच गमा अट्ठभवग्गहणिया तहेव नवर ठिइं सवेह च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥७०६॥ **चउवीसइमस्स सयस्स सोलहमो उद्देसो समत्तो ॥**

बेइदिया ण भते ! कओहिंतो उववज्जंति जाव पुढविकाइए णं भते ! जे भविए बेइदिएसु उववज्जित्तए से ण भते ! केवइ० सच्चेव पुढविकाइयस्स लद्धी जाव कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण संखेज्जाइ भवग्गहणाइं एवइयं०, एव तेसु चेव चउसु गमएसु सवेहो सेसेसु पंचसु गमएसु तहेव अट्ठ भवा । एव जाव चउरिंदिएण सम चउसु सखेज्जा भवा, पचसु अट्ठ भवा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु समं तहेव अट्ठ भवा, देवे चेव न उववज्जति, ठिइं सवेह च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०७ ॥ २४-१७ ॥ तेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जति ? एव तेइंदियाणं जहेव बेइदियाण उद्देसो नवर ठिइं सवेह च जाणेज्जा, तेउक्काइएसु सम तइयगमो उक्कोसेणं अट्ठुत्तराइ बेराइंदियसयाइं बेइंदिएहिं समं तइयगमे

भाणियव्वा नवरं नवसुवि गमएसु परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति भवादेसेणवि नवसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसं तं चेव कालादेसेणं उभओ ठि(ई)इं करेज्जा। जइ आउक्काइएहिंतो उववज्जंति एवं आउक्काइ(ए)यावि एवं जाव चउरिंदिया उववाएयव्वा, नवरं सव्वत्थ अप्पणो लद्धी भाणियव्वा नवसुवि गमएसु भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उभओ ठिइं करेज्जा सव्वेसिं सव्वगमएसु, जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणाणं लद्धी तहेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ॥ जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सन्निपंचिंदिय० असन्निपंचिंदिय० भेदो जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स जाव असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उवव० ते णं भंते ! अवसेसं जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेसं जाव भवादेसोत्ति कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं० १ बिइयगमए एस चेव लद्धी नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं० २ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जइ, ते णं भंते ! जीवा एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स तहेव निरवसेसं जाव कालादेसोत्ति नवरं परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति सेसं तं चेव ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते ! अवसेसं जहा एयस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहा इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु जाव अणुबंधोत्ति भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ४ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अट्ठ अंतोमुहुत्ता एवइयं ५, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं पुव्वकोडीआउएसु उक्कोसेणवि पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जाणेज्जा ६ सो चेव

भवइ, सेस त चेव सव्वत्थ ठिंइ संवेहं च जाणेज्जा ९ ॥ सक्करप्पभापुढविनेरइए णं भंते ! जे भविए एवं जहा रयणप्पभाए णव गमगा तहेव सक्करप्पभाएवि, नवरं सरीरोगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, तिन्नि णाणा तिन्नि अन्नाणा नियमं, ठिई अणुबंधो य पुव्वभणिया, एवं णववि गमगा उवजुंजिऊण भाणियव्वा, एवं जाव छट्ठपुढवी, नवरं ओगाहणा लेस्सा ठिई अणुबंधो संवेहो य जाणियव्वा, अहेसत्तमापुढवीनेरइए ण भंते ! जे भविए एवं चेव णव गमगा, णवरं ओगाहणा लेस्सा ठिई अणुबंधा जाणियव्वा, संवेहो भवादेसेण जहण्णेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण छब्भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेण बावीसं सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइ तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइ एवइयं०, आइल्लएसु छसुवि गमएसु जहन्नेणं दो भवग्गहणाइ उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहन्नेण दो भवग्गहणाइ उक्कोसेण चत्तारि भवग्गहणाइं, लद्धी नवसुवि गमएसु जहा पढमगमए नवरं ठिईविसेसो कालादे(सेण)मो य बिइयगमए जहन्नेण बावीस सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइ तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइय काल०, तइयगमए जहन्नेग बावीस सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइ उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइ तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइ, चउत्थगमए जहन्नेण बावीस सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइ तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइ, पंचमगमए जहन्नेगं बावीस सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइ तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइ, छट्ठगमए जहन्नेगं बावीसं सागरोवमाइ पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइ, सत्तमगमए जहन्नेण तेत्तीस सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं (अंतोमुहुत्तेहिं) पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, अट्ठमगमए जहण्णेण तेत्तीस सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेग छावट्ठिं सागरोवमाइ दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, णवमगमए जहन्नेण तेत्तीस सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइ उक्कोसेण छावट्ठिं सागरोवमाइ दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइय० ९ ॥ जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० एव उववाओ जहा पुढविकाइयउद्देसए जाव पुढविकाइए ण भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेग अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेण पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते ! जीवा एवं परिमाणादीया अणुबंधपज्जवसाणा जच्चेव अप्पणो सट्ठाणे वत्तव्वया सच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसुवि उववज्जमाणस्स

ठिई जहन्नेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी अणुबंधो जहन्नेणं पुव्वकोडी भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं ७ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८ सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु अवसेसं तं चेव नवरं परिमाणं ओगाहणा य जहा एयस्सेव तइयगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं ९। जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सन्निमणु० असन्निमणु०? गोयमा! सन्निमणु० असन्निमणु० असन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइय० ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जंति, लद्धी से तिसुवि गमएसु जहा पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स संवेहो जहा एत्थ चेव असन्निपंचिंदियस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहेव निरवसेसो भाणियव्वो जइ सन्निमणुस्स० किं संखेज्ज-वासाउयसन्निमणुस्स० असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्स०? गोयमा! संखेज्जवासाउय० नो असंखेज्जवासाउय० जइ संखेज्ज० किं पज्जत्त० अपज्जत्त०? गोयमा! पज्जत्त० अप-ज्जत्तसंखेज्जवासाउय० सन्निमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइय० ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ते णं भंते! लद्धी से जहा एयस्सेव सन्निमणुस्सस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स पढमगमए जाव भवादेसोत्ति कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं १ सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं ति(प्पि)पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिप-लिओवमट्ठिईएसु सच्चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंच धणुसयाइं, ठिई जहन्नेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहा सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु वत्तव्वया भणिया एस चेव

अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया नवर ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेस तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेण पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेण पलिओवमस्स असखेज्जइभाग पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहिय एवइय० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया जहा सत्तमगमए नवरं कालादेसेण जहन्नेण पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइय० ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेण पलिओवमस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभाग, एव जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असन्निस्स नवमगमए तहेव निरवसेस जाव कालादेसोत्ति, नवरं परिमाण जहा एयस्सेव तइयगमे सेस त चेव ९॥ जइ सन्निपचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं सखेज्जवासा० असंखेज्जवासा० ? गोयमा ! सखेज्ज० णो असखेज्ज०, जइ सखेज्जवासाउय जाव किं पज्जत्तसखेज्ज० अपज्जत्तसखेज्ज० ? दोसुवि, सखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए ण भंते ! जे भविए पचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं अतोमुहुत्त उक्कोसेण तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भते ! अवसेस जहा एयस्स चेव सन्निस्स रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स पढमगमए, नवर ओगाहणा जहन्नेण अगुलस्स असखेज्जइभाग उक्कोसेण जोअणसहस्स सेस त चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण तिन्नि पलिओवमाइ पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइ एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवर कालादेसेण जहन्नेण दो अतोमुहुत्ता उक्कोसेण चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेण तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया नवरं परिमाण जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सखेज्जा उववज्जंति, ओगाहणा जहन्नेण अगुलस्स असंखेज्जइभाग उक्कोसेण जोयणसहस्स सेस त चेव जाव अणुबधोत्ति, भवादेसेण दो भवग्गहणाइ, कालादेसेण जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइ अतोमुहुत्तमब्भहियाइ उक्कोसेण तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइ ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेण अतोमुहुत्त उक्कोसेण पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, लद्धी से जहा एयस्स चेव सन्निपचिंदियस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु सच्चेव इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु कायव्वा, सवेहो जहेव एत्थ चेव असन्निस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहा पढमगमए णवर

एयस्सवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु निरवसेसा भाणियव्वा, नवरं परिमाणं उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं एवइय० ७, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहण्णेणं तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं, एस चेव लद्धी जहेव सत्तमगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९ ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो उ० जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उ०, जइ भवणवासि जाव उ० किं असुरकुमारभवण० जाव थणियकुमारभवण० ? गोयमा ! असुरकुमार० जाव थणियकुमारभवण०, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, असुरकुमाराणं लद्धी णवसुवि गमएसु जहा पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स एवं जाव ईसाणदेवस्स तहेव लद्धी भवादेसेणं सव्वत्थ अट्ठ भवग्गहणाइं उक्कोसेणं जहण्णेणं दोन्नि, भवट्ठिइं संवेहं च सव्वत्थ जाणेज्जा ९॥ नागकुमारा णं भंते ! जे भविए एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमारे ९। जइ वाणमंतरेहिंतो उ० किं पिसाय० तहेव जाव वाणमंतरे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एवं चेव नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९, जइ जोइसिय० उववाओ तहेव जाव जोइसिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एस चेव वत्तव्वया जहा पुढविक्काइयउद्देसए भवग्गहणाइं णवसुवि गमएसु अट्ठ जाव कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं चउहि य वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइय०, एवं नवसुवि गमएसु नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९॥ जइ वेमाणियदेवे० किं कप्पोववन्नग० कप्पातीतवेमाणिय० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय० नो कप्पातीतवेमाणिय०, जइ कप्पोववण्णग० जाव सहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, नो आणय जाव णो

जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे पढमगमए अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, बिइयगमए अप्पसत्था, तइयगमए पसत्था भवंति सेसं तं चेव निरवसेसं ९ ॥ जइ आउकाइए एवं आउक्काइयाणवि, एवं वणस्सइकाइयाणवि, एवं जाव चउरिंदियाणवि, असन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिया असन्निमणुस्सा सन्निमणुस्सा य एए सव्वेवि जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए तहेव भाणियव्वा, नवरं एयाणि चेव परिमाणअज्झवसाणणाणत्ताणि जाणिज्जा, पुढविकाइयस्स एत्थ चेव उद्देसए भणियाणि सेसं तहेव निरवसेसं ॥ जइ देवेहिंतो उववज्जति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! भवणवासि० जाव वेमाणिय जाव उ०, जइ भवण० किं असुर० जाव थणिय० ? गोयमा ! असुर० जाव थणिय०, असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एवं जच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव एत्थवि भाणियव्वा, नवरं जहा तहिं जहन्नगं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु तहा इह मासपुहुत्तट्ठिईएसु, परिमाणं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव, एवं जाव ईसाणदेवोत्ति, एयाणि चेव णाणत्ताणि सणंकुमारादीया जाव सहस्सारोत्ति जहेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए, नवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, उववाओ जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जंति, सेसं तं चेव संवेहं वा(मा)सपुहुत्तपुव्वकोडीसु करेज्जा ॥ सणंकुमारे ठिई चउगुणिया अट्ठावीसं सागरोवमा भवंति, माहिंदे ताणि चेव साइरेगाणि, बंभलोए चत्तालीसं, लंतए छप्पन्नं, महासुक्के अट्ठसट्ठिं, सहस्सारे बावत्तरिं सागरोवमाइं एसा उक्कोसा ठिई भाणियव्वा जहन्नट्ठिइंपि चउ गुणेज्जा ९ ॥ आणयदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहन्नेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं पुव्वकोडिठिईएसु, ते णं भंते ! एवं जहेव सहस्सारदेवाणं वत्तव्वया नवरं ओगाहणा ठिई अणुबंधो य जाणेज्जा, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावन्नं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं काल०, एवं णववि गमगा, नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव अच्चुयदेवो, नवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, पाणयदेवस्स ठिई तिगुणिया सट्ठिं सागरोवमाइं, आरणगस्स तेवट्ठिं सागरोवमाइं, अच्चुयदेवस्स छावट्ठिं सागरो-

उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं एवइय० २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया, नवरं कालादेसेण जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं०३, एए चेव तिन्नि गमगा सेसा न भण्णंति। सेवं भंते! २ त्ति॥ ७११॥ **चउवीसइमे सए एक्कवीसइमो उद्देसो समत्तो॥**

वाणमन्तरा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० एवं जहेव णागकुमारउद्देसए असन्नी तहेव निरवसेसं। जइ सन्निपंचिंदिय० जाव असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय० जे भविए वाणमंतर० से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिईएसु सेसं तं चेव जहा नागकुमारउद्देसए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइय०, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो जहेव णागकुमाराणं बिइयगमे वत्तव्वया २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई से जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, संवेहो जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइय० ३, मज्झिमगमगा तिन्निवि जहेव नागकुमारेसु पच्छिमेसु तिसु गमएसु तं चेव जहा नागकुमारुद्देसए नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, संखेज्जवासाउय तहेव नवरं ठिई अणुबंधो संवेहं च उभओ ठिईएसु जाणेज्जा, जइ मणुस्स० असंखेज्जवासाउयाणं जहेव नागकुमाराणं उद्देसए तहेव वत्तव्वया नवरं तइयगमए ठिई जहन्नेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, ओगाहणा जहण्णेणं गाउयं उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं सेसं तं चेव, संवेहो से जहा एत्थ चेव उद्देसए असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियाणं, संखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से जहेव नागकुमारुद्देसए नवरं वाणमंतरे ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते! २ त्ति॥ ७१२॥ **चउवीसइमे सए बावीसइमो उद्देसो समत्तो॥**

जोइसिया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइए० भेदो जाव सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति नो असन्निपंचिंदियतिरिक्ख०, जइ सन्नि० किं संखेज्ज० असंखेज्ज०? गोयमा! संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उ०, असंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमवाससयसहस्समब्भहियट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसं जहा असुरकुमारुद्देसए नवरं ठिई जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेसं

उववज्जंति । ईसाणदेवाणं एस चेव सोहम्मगदेवगमसरिसा वत्तव्वया णवरं असंखेज्ज-वासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जेसु ठाणेसु सोहम्मे उववज्जमाणस्स पलिओवमठिई तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं पलिओवमं कायव्वं चउत्थगमे ओगाहणा जहन्नेणं धणुपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो गाउयाइं सेसं तं चेव १॥ असंखेज्जवासाउयसन्नि-मणुस्सस्सवि तहेव ठिई जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स असंखेज्जवासाउयस्स ओगाहणावि जेसु ठाणेसु गाउयं तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं गाउयं सेसं तहेव १॥ संखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहेव सोहम्मेसु उववज्जमाणाणं तहेव निरवसेसं णववि गमगा णवरं ईसाणठिइं संवेहं च जाणेज्जा १॥ सणंकुमार-देवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? उववाओ जहा सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सणंकुमार-देवेसु उववज्जित्तए अवसेसा परिमाणाईया भवाएसपज्जवसाणा सच्चेव वत्तव्वया भाणियव्वा जहा सोहम्मे उववज्जमाणस्स णवरं सणंकुमारठिइं संवेहं च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु पंच लेस्साओ आइ-ल्लाओ कायव्वाओ सेसं तं चेव १॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति मणुस्साणं जहेव सक्करप्पभाए उववज्जमाणाणं तहेव णववि गमा भाणियव्वा णवरं सणंकुमारठिइं संवेहं च जाणेज्जा १॥ माहिंदगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? जहा सणंकुमार-देवाणं वत्तव्वया तहा माहिंदगदेवाणवि भाणियव्वा णवरं माहिंदगदेवाणं ठिई साइ-रेगा भा(मा)णियव्वा सा चेव एवं बंभलोगदेवाणवि वत्तव्वया णवरं बंभलोगठिइं संवेहं च जाणेज्जा एवं जाव सहस्सारो णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा लंतगाईणं जहन्नकालट्ठिईयस्स तिरिक्खजोणियस्स तिसुवि गमएसु छप्पि लेस्साओ कायव्वाओ संघयणाइं बंभलोगलंतएसु पंच आइल्लाणि महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि, तिरिक्ख-जोणियाणवि मणुस्साणवि सेसं तं चेव १॥ आणयदेवा णं भंते ! कओहिंतो उव-वज्जंति ? उववाओ जहा सहस्सारे देवाणं णवरं तिरिक्खजोणिया खोडेयव्वा जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसन्निमणु(स्सा)स्से णं भंते ! जे भविए आणयदेवेसु उववज्जित्तए मणुस्साणं वत्तव्वया जहेव सहस्सारेसु उववज्जमाणाणं णवरं तिन्नि संघयणाणि सेसं तहेव जाव अणुबंधो भवाएसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्ग-हणाइं, कालाएसेणं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावन्नं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव १॥ एवं जाव अच्चुयदेवा णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा १॥ चउसुवि संघयणा तिन्नि

जहा जोइसियउद्देसए, असखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सोहम्मगदेवेसु उववज्जित्तए से ण भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेण पलिओवमट्ठिईएसु उ० उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, ते ण भंते ! अवसेसं जहा जोइसिएसु उववज्जमाणस्स नवरं सम्मद्दिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणीवि अन्नाणीवि दो णाणा दो अन्नाणा नियमं, ठिई जहण्णेण पलिओवम उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेस तहेव, कालादेसेण जहण्णेणं दो पलिओवमाइ उक्कोसेण छप्पलिओवमाइं एवइयं० १, सो चेव जहन्नकालट्ठिईएसु उववन्नो एस चेव वत्तव्वया नवर कालादेसेणं जहन्नेणं दो पलिओवमाइ उक्कोसेण चत्तारि पलिओवमाइ एवइयं० २, सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववन्नो जहन्नेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया नवरं ठिई जहन्नेण तिन्नि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिन्नि पलिओवमाइ सेसं त चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं० ३, सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया नवर ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्त उक्कोसेणं दो गाउयाइ, ठिई जहन्नेणं पलिओवम उक्कोसेणवि पलिओवम सेस तहेव, कालादेसेण जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणंपि दो पलिओवमाइ एवइय० ६, सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ आइल्लगमगसरिसा तिन्नि गमगा णेयव्वा नवरं ठिइ कालादेसं च जाणेज्जा ९ ॥ जइ संखेज्जवासाउयसन्निपंचिंदिय० सखेज्जवासाउयस्स जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव नववि गमगा, नवरं ठिइ सवेह च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु सम्मद्दिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो नाणा दो अन्नाणा नियम सेस त चेव ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जति भेदो जहेव जोइसिएसु उववज्जमाणस्स जाव असंखेज्जवासाउयसन्निमणुस्से ण भते ! जे भविए सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जित्तए एव जहेव असंखेज्जवासाउयस्स सन्निपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स सोहम्मे कप्पे उववज्जमाणस्स तहेव सत्त गमगा नवरं आइल्लएसु दोसु गमएसु ओगाहणा जहन्नेणं गाउय उक्कोसेण तिन्नि गाउयाइ, तइयगमे जहन्नेण तिन्नि गाउयाइ उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइ, चउत्थगमए जहन्नेण गाउय उक्कोसेणवि गाउयं, पच्छिमएसु तिसु गमएसु जहण्णेण तिन्नि गाउयाइ उक्कोसेणवि तिन्नि गाउयाइ सेस तहेव निरवसेस ९ ॥ जइ सखेज्जवासाउयसन्निमणुस्सेहिंतो०एवं सखेज्जवासाउयसन्निमणुस्साण जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव णव गमगा भाणियव्वा नवरं सोहम्मगदेवट्ठिइ सवेह च जाणेज्जा, सेसं त चेव ९ ॥ ईसाणदेवा ण भंते ! कओहिंतो

सिया ८ एवं चउरिंदिया १० असण्णिपंचिंदिया अपज्जत्तगा ११ असण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा १२ सण्णिपंचिंदिया अपज्जत्तगा १३ सण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा १४। एएसि णं भंते! चउद्दसविहाणं संसारसमावन्नगाणं जीवाणं जहन्नुक्कोसगस्स जोगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए १ बायरस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे २ बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ३ एवं तेइंदियस्स ४ एवं चउरिंदियस्स ५, असण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ६ सण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ७ सुहुमस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ८ बायरस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ९, सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १० बायरस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ११ सुहुमस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १२, बायरस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १४ एवं तेइंदियस्सवि १५, एवं जाव सण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १८ बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १९ एवं तेइंदियस्सवि २० एवं चउरिंदियस्सवि २१ एवं जाव सण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २४ एवं तेइंदियस्सवि पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २५, चउरिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २६, असण्णिपंचिंदियपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २७ एवं सण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥ २८ ॥ ७१६ ॥ दो भंते! नेरइया पढमसमयोववन्नगा किं समजोगी किं विसमजोगी? गोयमा! सिय समजोगी सिय विसमजोगी, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सिय समजोगी सिय विसमजोगी? गोयमा! आहारयाओ वा से अणाहारए अणाहारयाओ वा से आहारए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा से तेणट्ठेणं जाव सिय समजोगी सिय विसमजोगी एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७१७ ॥ कइविहे णं भंते! जोए प०? गोयमा! पन्नरसविहे जोए प० तं०— सच्चमणजोए मोसमणजोए सच्चामोसमणजोए असच्चामोसमणजोए सच्चवइजोए मोसवइजोए सच्चामोसवइजोए असच्चामोसवइजोए ओरालियसरीरकायजोए ओरालि-

आणयाईसु। गेवेज्जगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया नवरं दो संघयणा, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया निरवसेसा जाव अणुबंधोत्ति, नवरं पढमं संघयणं, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहन्नेणं तिन्नि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, नवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, मणूसे लद्धी णवसुवि गमएसु जहा गेवेज्जेसु उववज्जमाणस्स नवरं पढमं संघयणं। सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहेव विजयाईणं जाव से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसा जहा विजयाईसु उववज्जंताणं नवरं भवादेसेणं तिन्नि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० १॥ सो चेव अप्पणा जहन्नकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणाठिईओ रयणिपुहुत्तवासपुहुत्ताणि सेसं तहेव संवेहं च जाणेज्जा २॥ सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया नवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिईं जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एए तिन्नि गमगा सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं। सेवं भंते! २ त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ॥७१४॥ **चउवीसइमस्स सयस्स चउवीसइमो उद्देसो समत्तो ॥ चउवीसइमं सयं समत्तं ॥**

लेस्सा य १ दव्व २ संठाण ३ जुम्म ४ पज्जव ५ नियंठ ६ समणा य ७ ओहे ८ भविया ९ अभविए १० सम्मा ११ मिच्छे य १२ उद्देसा ॥१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते! लेस्साओ प०? गोयमा! छल्लेस्साओ प०, तं०-कण्हलेस्सा जहा पढमसए बिइए उद्देसए तहेव लेस्साविभागो अप्पाबहुगं च जाव चउव्विहाणं देवाणं चउव्विहाणं देवीणं मीसगं अप्पाबहुगंति ॥ ७१५ ॥ कइविहा णं भंते! संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता? गोयमा! चउद्दसविहा संसारसमावन्नगा जीवा प०, तं०-सुहुमअपज्जत्तगा १, सुहुमपज्जत्तगा २, बायरअपज्जत्तगा ३, बायरपज्जत्तगा ४, बेइंदिया अपज्जत्तगा ५, बेइंदिया पज्जत्तगा ६, एवं तेइं-

यमीसासरीरकायजोए वेउव्वियसरीरकायजोए वेउव्वियमीसासरीरकायजोए आहार-
गसरीरकायजोए आहारगमीसासरीरकायजोए कम्मासरीरकायजोए १५॥ एयस्स णं
भंते ! पन्नरसविहस्स जहन्नुक्कोसगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्व-
त्थोवे कम्मगसरीरस्स जहन्नए जोए १, ओरालियमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्ज-
गुणे २, वेउव्वियमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ३, ओरालियसरीरस्स जहन्नए
जोए असंखेज्जगुणे ४, वेउव्वियसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ५, कम्मगसरीरस्स
उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ६, आहारगमीसगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ७,
आहारगमीसगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ८, ओरालियमीसगस्स वेउव्वियमी-
सगस्स एएसि णं उक्कोसए जोए दोण्हवि तुल्ले असंखेज्जगुणे ९-१०, असच्चामोसमण-
जोगस्स जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे ११, आहारगसरीरस्स जहन्नए जोए असंखेज्ज-
गुणे १२, तिविहस्स मणजोगस्स चउव्विहस्स वइजोगस्स एएसि ण सत्तण्हवि तुल्ले
जहन्नए जोए असंखेज्जगुणे १९, आहारगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २०,
ओरालियसरीरस्स वेउव्वियसरीरस्स चउव्विहस्स य मणजोगस्स चउव्विहस्स य
वइजोगस्स एएसि ण दसण्हवि तुल्ले उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ३०, सेवं भंते ! २
त्ति ॥ ७१८ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइविहा ण भंते ! दव्वा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा दव्वा प०, त०—जीवदव्वा
य अजीवदव्वा य, अजीवदव्वा ण भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०,
तंजहा—रूविअजीवदव्वा य अरूविअजीवदव्वा य, एव एएणं अभिलावेण जहा
अजीवपज्जवा जाव से तेणट्ठेण गोयमा ! एव वुच्चइ ते ण नो संखेज्जा नो असंखेज्जा
अणंता। जीवदव्वा ण भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा
नो असंखेज्जा अणंता, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ जीवदव्वा णं नो संखेज्जा नो
असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! असंखेज्जा नेरइया जाव असंखेज्जा वाउक्काइया, वणस्स-
इकाइया अणंता, असंखेज्जा बेइंदिया एव जाव वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से तेणट्ठेण
जाव अणंता ॥ ७१९ ॥ जीवदव्वाण भंते ! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति
अजीवदव्वाण जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जीवदव्वाणं
अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति नो अजीवदव्वाण जीवदव्वा परिभोगत्ताए
हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेण भंते ! एव वुच्चइ जाव हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जीव-
दव्वा ण अजीवदव्वे परियादियंति अजीव० २ त्ता ओरालियं वेउव्विय आहारग तेयग
कम्मग सोइंदियं जाव फासिंदिय मणजोग वइजोगं कायजोग आणापाणुत्तं च निव्व-
(त्त)त्तियंति, से तेणट्ठेण जाव हव्वमागच्छंति, नेरइयाणं भंते ! अजीवदव्वा परिभोग-

कइ णं भंते ! संठाणा प० ? गोयमा ! छ संठाणा प०, तं०—परिमंडले वट्टे तंसे चउरंसे आयए अणित्थंथे, परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा० एवं चेव, एवं जाव अणित्थंथा, एवं पएसट्ठयाएवि, एवं दव्वट्ठपएसट्ठयाएवि, एएसि णं भंते ! परिमंडलवट्टतंसचउरंसआययअणित्थंथाणं संठाणाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए, वट्टा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, चउरंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, तंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, आययसंठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाएवि जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए सो चेव गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणित्थंथेहिंतो संठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए (हिंतो) परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, सो चेव पएसट्ठयाए गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ॥७२३॥ कइ णं भंते ! संठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा प०, तं०—परिमंडले जाव आयए। परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव आयया। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता, वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव आयया। सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं जाव अहेसत्तमाए। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव अच्चुए, गेवेज्जगविमाणाणं भंते ! परिमंडलसंठाणा एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेसुवि, एवं ईसिप्पब्भाराएवि ॥ जत्थ णं भंते ! एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता। वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? एवं चेव, एवं जाव आयया। जत्थ णं भंते ! एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा एवं चेव, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा, जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ

भंते ! संठाणे किं कडजुम्मपएसोगाढे जाव कलिओगपएसोगाढे ? गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओगपएसोगाढे नो दावरजुम्मपएसोगाढे नो कलिओगपएसोगाढे ॥ वट्टे णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्म पुच्छा गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे नो दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ॥ तंसे णं भंते ! संठाणे पुच्छा गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे नो कलिओगपएसोगाढे । चउरंसे णं भंते ! संठाणे जहा वट्टे तहा चउरंसेवि । आयए णं भंते ! पुच्छा गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपएसोगाढा पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओगपएसोगाढा नो दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग नो दावरजुम्म नो कलिओग विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपएसोगाढावि नो दावरजुम्मपएसोगाढा कलिओगपएसोगाढावि तंसा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मा पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग नो दावरजुम्म नो कलिओगपएसोगाढा विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपएसोगाढावि (वि) दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा । चउरंसा जहा वट्टा, आयया णं भंते ! संठाणा पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओगपएसोगाढा नो दावरजुम्मपएसोगाढा नो कलिओगपएसोगाढा विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मसमयट्ठिईए तेओगसमयट्ठिईए दावरजुम्मसमयट्ठिईए कलिओगसमयट्ठिईए ? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव आयए । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मसमयट्ठिईया पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि एवं जाव आयया ॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! सिय कडजुम्मे एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ठिईए एवं नीलवण्णपज्जवेहिं, एवं पंचहिं वण्णेहिं, दोहिं गंधेहिं, पंचहिं रसेहिं, अट्ठहिं फासेहिं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ॥ ७२६ ॥ सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ ? गोयमा ! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ पाईणपडीणाययाओ णं भंते !

य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहन्नेणं सत्तावीसइपएसिए सत्तावीसइपएसोगाढे उक्कोसेण अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेणं अट्ठपएसिए अट्ठपएसोगाढे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए तहेव ॥ आयए णं भंते ! सठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प० ? गोयमा ! आयए ण संठाणे तिविहे प०, त०—सेढिआयए पयरायए घणायए, तत्थ णं जे से सेढिआयए से दुविहे प०, त०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जेसे ओयपएसिए से जहण्णेण तिपएसिए तिपएसोगाढे उक्कोसेण अणतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं दुपएसिए दुपएसोगाढे उक्कोसेणं अणतपएसिए त चेव, तत्थ णं जे से पयरायए से दुविहे प०, त०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जे से ओयपएसिए से जहन्नेण पन्नरसपएसिए पन्नरसपएसोगाढे उक्कोसेण अणत० तहेव, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहन्नेण छप्पएसिए छप्पएसोगाढे उक्कोसेण अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से घणायए से दुविहे प०, तं०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ ण जे से ओयपएसिए से जहन्नेण पणयालीसपएसिए पणयालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेण अणंत० तहेव, तत्थ ण जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेण बारसपएसिए बारसपएसोगाढे प०, उक्कोसेण अणत० तहेव ॥ परिमंडले णं भंते ! सठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा ! परिमंडले ण सठाणे दुविहे प०, तं०—घणपरिमंडले य पयरपरिमंडले य, तत्थ ण जे से पयरपरिमंडले से जहन्नेण वीसइपएसिए वीसइपएसोगाढे उक्कोसेण अणतपएसिए तहेव, तत्थ ण जे से घणपरिमंडले से जहन्नेण चत्तालीसपएसिए चत्तालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेण अणतपएसिए असखेज्जपएसोगाढे पन्नत्ते ॥ ७२५ ॥ परिमंडले ण भंते ! सठाणे दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए ? गोयमा ! नो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओए, वट्टे ण भंते ! सठाणे दव्वट्ठयाए एवं चेव, एवं जाव आयए ॥ परिमंडला ण भंते ! सठाणा दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा सिय तेओगा सिय दावरजुम्मा सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, एव जाव आयया ॥ परिमंडले ण भंते ! सठाणे पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे सिय तेओगे सिय दावरजुम्मे सिय कलिओगे, एव जाव आयए, परिमंडला ण भंते ! सठाणा पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि तेओगावि दावरजुम्मावि कलिओगावि, एव जाव आयया ॥ परिमंडले णं

एवं चेव एवं अहेलोयखेत्तसेढीओवि । सेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्माओ पुच्छा, एवं चेव एवं जाव उड्ढमहायताओ । लोयागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्माओ नो तेओयाओ सिय दावरजुम्माओ नो कलिओयाओ एवं पाईणपडीणायताओवि दाहिणुत्तरायताओवि उड्ढमहायताओ णं पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्माओ नो तेओयाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओयाओ । अलोयागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओयाओ एवं पाईणपडीणायताओवि एवं दाहिणुत्तरायताओवि उड्ढमहायताओवि एवं चेव नवरं नो कलिओयाओ सेसं तं चेव ॥ ७२८ ॥ कइ णं भंते ! सेढीओ प० ? गोयमा ! सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥ परमाणु-पोग्गलाणं भंते ! किं अणुसेढिं(ढी) गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? गोयमा ! अणुसेढिं गई पवत्तइ नो विसेढिं गई पवत्तइ । दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? एवं चेव एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं । नेरइयाणं भंते ! किं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? एवं चेव एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७२९ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया निरयावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! तीसं निरयावाससयसहस्सा प० एवं जहा पढमसए पंचमुद्देसए जाव अणुत्तरविमाणत्ति ॥ ७३० ॥ कइविहे णं भंते ! गणिपिडए प० ? गोयमा ! दुवालसंगे गणिपिडए प० तं०-आयारो जाव दिट्ठिवाओ, से किं तं आयारो ? आयारे णं समणाणं निग्गंथाणं आयारगोयर० एवं अंगपरूवणा भाणियव्वा जहा नंदीए जाव सुत्तत्थो खलु पढमो बीओ निज्जुत्तिमीसिओ भणिओ । तइओ य निरवसेसो एस विही होइ अणुओगे ॥ १ ॥ ७३१ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं जाव देवाणं सिद्धाण य पंचगइसमासेणं कयरे २ हिंतो० पुच्छा, गोयमा ! अप्पाबहुयं जहा बहुवत्तव्वयाए अट्ठगइसमासअप्पाबहुयं च । एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं जाव अणिंदियाण य कयरे २ ? एयंपि जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव ओहियं पयं भाणियव्वं सकाइयअप्पाबहुयं तहेव ओहियं भाणियव्वं । एएसि णं भंते ! जीवाणं पोग्गलाणं जाव सव्वपज्जवाण य कयरे २ जाव बहुवत्तव्वयाए एएसि णं भंते ! जीवाणं आउयस्स कम्मस्स बंधगाणं अबंधगाणं जहा बहुवत्तव्वयाए जाव आउयस्स कम्मस्स अबंधगा विसेसाहिया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७३२ ॥

पणवीसइमस्स सयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते ! जुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा प० तं०-कडजुम्मे जाव

सेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ ३ एवं चेव, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढ-महाययाओवि। लोगागाससेढीओ णं भंते! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा! नो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ नो अणंताओ, पाईणपडीणाय-याओ णं भंते! लोगागाससेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ० एवं चेव, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। अलोगागाससेढीओ णं भंते! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा! नो संखेज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं पाईणपडीणायययाओवि, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। सेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए किं संखेज्जाओ० जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाएवि जाव उड्ढमहाययाओवि सव्वाओ अणंताओ। लोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए किं संखेज्जाओ० पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ सिय अस-खेज्जाओ नो अणंताओ, एवं पाईणपडीणायययाओवि, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, एवं चेव उड्ढमहाययाओवि नो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ नो अणंताओ॥ अलोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ, पाईणपडीणायययाओ णं भंते! अलोया० पुच्छा, गोयमा! नो संखे-ज्जाओ नो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं दाहिणुत्तरायययाओवि, उड्ढमहाययाओ पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ ॥ ७२७ ॥ सेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ १, साइयाओ अपज्जवसियाओ २, अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४? गोयमा! नो साइयाओ सपज्जवसियाओ, नो साइयाओ अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्ज-वसियाओ, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा! साइयाओ सपज्जव-सियाओ, नो साइयाओ अपज्जवसियाओ, नो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, नो अणा-इयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ। अलोगागाससेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा! सिय साइयाओ सपज्जवसियाओ १, सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ २, सिय अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, सिय अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४, पाईणपडीणायययाओ दाहिणुत्तरायययाओ य एवं चेव, नवरं नो साइयाओ सपज्जवसियाओ सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ सेसं तं चेव, उड्ढमहाययाओ जहा ओहियाओ तहेव चउभंगो। सेढीओ णं भंते! दव्वट्ठ-याए किं कडजुम्माओ तेओयाओ० पुच्छा, गोयमा! कडजुम्माओ नो तेओगाओ नो दावरजुम्माओ नो कलिओगाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ

पएसट्ठयाए पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा एवं जाव सिद्धा ॥ जीवे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे पुच्छा गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे एवं जाव वेमाणिए । सिद्धे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे पुच्छा गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे नो कलिओगे । जीवा णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा पुच्छा गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि एवं नेरइयावि एवं जाव वेमाणिया । सिद्धा णं भंते ! पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा ॥ ७२४ ॥ जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे पुच्छा गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे एवं जाव सिद्धे । जीवा णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा नो तेओग नो दावर नो कलिओगपएसोगाढा विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि नेरइया णं भंते ! पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मपएसोगाढा जाव सिय कलिओगपएसोगाढा विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि एवं एगिंदियसिद्धवज्जा (जाव वेमाणिया) सव्वेवि सिद्धा एगिंदिया य जहा जीवा । जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए पुच्छा गोयमा ! कडजुम्मसमयट्ठिईए नो तेओग नो दावर नो कलिओगसमयट्ठिईए । नेरइए णं भंते ! पुच्छा गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे । जीवा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मसमयट्ठिईया नो तेओग नो दावरजुम्म नो कलिओगसमयट्ठिईया नेरइयाणं पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा ॥ ७२५ ॥ जीवे णं भंते ! कालवन्नपज्जवेहिं किं कडजुम्मे पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च नो कडजुम्मे जाव नो कलिओगे सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धो चेव न पुच्छिज्जइ।

कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ चत्तारि जुम्मा प० कडजुम्मे जाव कलिओगे एव जहा अट्ठारसमसए चउत्थे उद्देसए तहेव जाव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एव वुच्चइ। नेरइयाण भंते ! कइ जुम्मा प० ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा प०, तंजहा–कडजुम्मे जाव कलिओगे, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ नेरइयाण चत्तारि जुम्मा प०, त०–कडजुम्मे अट्ठो तहेव, एव जाव वाउकाइयाण, वणस्सइकाइयाण पुच्छा, गोयमा ! वणस्सइकाइया सिय कडजुम्मा सिय तेओया सिय दावरजुम्मा सिय कलिओया, से केणट्ठेणं भंते ! एव वुच्चइ वणस्सइकाइया जाव कलिओगा ? गोयमा ! उववायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं त चेव, बेइंदियाण जहा नेरइयाण, एव जाव वेमाणियाण, सिद्धाणं जहा वणस्सइकाइयाण ॥ कइविहा णं भंते ! सव्वदव्वा प० ? गोयमा ! छव्विहा सव्वदव्वा प०, तंजहा–धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए। धम्मत्थिकाए णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे कलिओगे, एव अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, अद्धासमए जहा जीवत्थिकाए ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, एव जाव अद्धासमए ॥ एएसि ण भंते ! धम्मत्थिकायअहम्मत्थिकाय जाव अद्धासमयाण दव्वट्ठयाए० एएसि ण अप्पाबहुग जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव निरवसेसं ॥ धम्मत्थिकाए ण भंते ! किं ओगाढे अणोगाढे ? गोयमा ! ओगाढे नो अणोगाढे, जइ ओगाढे किं संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! नो संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे नो अणंतपएसोगाढे, जइ असंखेज्जपएसोगाढे किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओग० नो दावरजुम्म० नो कलिओगपएसोगाढे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एव आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए अद्धासमए एवं चेव ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुढवी किं ओगाढा अणोगाढा जहेव धम्मत्थिकाए एव जाव अहेसत्तमा, सोहम्मे एव चेव, एव जाव ईसिप्पब्भारापुढवी ॥ ७३२ ॥ जीवे ण भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओगे नो दावरजुम्मे कलिओगे, एव नेरइएवि, एव जाव सिद्धे। जीवा ण भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेण कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, विहाणादेसेण नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, नेरइया ण भंते

जीवा ण भते ! कालवन्नपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि णो कडजुम्मा जाव णो कलिओगा, सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एव जाव वेमाणिया, एव नीलवन्नपज्जवेहिं दडओ भाणियव्वो एगत्तपुहत्तेणं एवं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं ॥ जीवे णं भंते ! आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एव एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए । जीवा ण भते ! आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एव एगिंदियवज्ज जाव वेमाणिया, एव सुयणाणपज्जवेहिवि, ओहिणाणपज्जवेहिवि एवं चेव, नवरं विगलिंदियाण नत्थि ओहिनाण, मणपज्जवनाणपि एव चेव, नवर जीवाण मणुस्साण य, सेसाण नत्थि, जीवे ण भते ! केवलनाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे णो कलिओगे, एव मणुस्सेवि, एव सिद्धेवि, जीवा ण भते ! केवलनाण०पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा णो कलिओगा, एव मणुस्सावि, एव सिद्धावि । जीवे ण भते ! मइअन्नाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० ? जहा आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं तहेव दो दडगा, एव सुयअन्नाणपज्जवेहिवि, एवं विभंगनाणपज्जवेहिवि । चक्खुदसणअचक्खुदसणओहिदसणपज्जवेहिवि एव चेव, नवर जस्स ज अत्थि तस्स त भाणियव्व, केवलदसणपज्जवेहिं जहा केवलनाणपज्जवेहिं ॥ ७३६ ॥ कइ ण भते ! सरीरगा प० ? गोयमा ! पच्च सरीरगा प०, तं०–ओरालिए जाव कम्मए, एत्थ सरीरपदं निरवसेस भाणियव्व जहा पन्नवणाए ॥ ७३७ ॥ जीवा ण भते ! किं सेया णिरेया ? गोयमा ! जीवा सेयावि निरेयावि, से केणट्ठेणं भते ! एव वुच्चइ जीवा सेयावि निरेयावि ? गोयमा ! जीवा दुविहा प०, तजहा–संसारसमावन्नगा य अससारसमावन्नगा य, तत्थ ण जे ते अससारसमावन्नगा ते ण सिद्धा, सिद्धा ण दुविहा प०, तजहा–अणतरसिद्धा य परपरसिद्धा य, तत्थ णं जे ते परंपरसिद्धा ते ण निरेया, तत्थ ण जे ते अणतरसिद्धा ते ण सेया, ते णं भते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! णो देसेया सव्वेया, तत्थ ण जे ते ससारसमावन्नगा ते दुविहा प०, तजहा–सेलेसिपडिवन्नगा य असेलेसिपडिवन्नगा य, तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवन्नगा ते ण निरेया, तत्थ ण जे ते असेलेसीपडिवन्नगा ते णं सेया, ते ण भते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसेयावि सव्वेयावि, से तेणट्ठेण जाव निरेयावि । नेरइया णं भते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसे-

अणंतगुणा संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं संखेज्जपएसोगाढाणं असंखेज्जपएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला(अ)पएसट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए(अ)संखेज्जगुणा असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा दव्वट्ठपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगसमयट्ठिईयाणं संखेज्जसमयट्ठिईयाणं असंखेज्जसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं जहा ओगाहणाए तहा ठिईएवि भाणियव्वं अप्पाबहुगं। एएसि णं भंते! एगगुणकालगाणं संखेज्जगुणकालगाणं असंखेज्जगुणकालगाणं अणंतगुणकालगाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाणं अप्पाबहुगं तहा एएसिंपि अप्पाबहुगं एवं सेसाणवि वण्णगंधरसाणं। एएसि णं भंते! एगगुणकक्खडाणं संखेज्जगुणकक्खडाणं असंखेज्जगुणकक्खडाणं अणंतगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा पएसट्ठयाए एवं चेव नवरं संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ते चेव पएसट्ठयाए अ(संखेज्ज) णंतगुणा, एवं मउयगरुयलहुयाणवि अप्पाबहुयं सीयउसिणनिद्धलुक्खाणं जहा वण्णाणं तहेव ॥ ७४ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए? गोयमा! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, एवं जाव अणंतपएसिए

सोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो नवपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एएसि णं भंते ! दसपए०पुच्छा, गोयमा ! दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, पुच्छा सव्वत्थ भाणियव्वा। एएसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं पएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव नवपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते ! एगसमयट्ठिईयाणं दुसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए जहा ओगाहणाए वत्तव्वया एवं ठिईएवि। एएसि णं भंते ! एगगुणकालयाणं दुगुणकालयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाईणं तहेव वत्तव्वया निरवसेसा, एवं सव्वेसिं वण्णगंधरसाणं, एएसि णं भंते ! एगगुणकक्खडाणं दुगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव नवगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, दसगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, असंखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, एवं पएसट्ठयाए सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, जहा कक्खडा एवं मउयगुरुयलहुयावि, सीयउसिणनिद्धलुक्खा जहा वण्णा ॥ ७३९ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए, परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए

खंधे । परमाणुपोग्गला णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा । परमाणुपोग्गले ण भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे कलिओए, दुपएसिए पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे नो तेओए दावरजुम्मे नो कलिओए, तिपएसिए पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मे तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, चउप्पएसिए पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे नो तेओए नो दावरजुम्मे नो कलिओए, पंचपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, छप्पएसिए जहा दुपएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा चउप्पएसिए, नवपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, दसपएसिए जहा दुपएसिए, संखेज्जपएसिए णं भंते ! पोग्गले पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एव असंखेज्जपएसिएवि, एव अणंतपएसिएवि । परमाणुपोग्गला ण भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण नो कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा कलिओगा, दुपएसियाण पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा नो तेओगा सिय दावरजुम्मा नो कलिओगा, विहाणादेसेण नो कडजुम्मा नो तेओगा दावरजुम्मा नो कलिओगा, तिपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण नो कडजुम्मा तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, चउप्पएसियाण पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा नो तेओगा नो दावरजुम्मा नो कलिओगा, पंचपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, छप्पएसिया जहा दुपएसिया, सत्तपएसिया जहा तिपएसिया, अट्ठपएसिया जहा चउप्पएसिया, नवपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, दसपएसिया जहा दुपएसिया, संखेज्जपएसियाण पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेण सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेण कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं असंखेज्जपएसियावि अणंतपएसियावि ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! (णो)कडजुम्मपएसोगाढे नो तेओग० नो दावरजुम्म० कलिओगपएसोगाढे । दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! नो कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग० सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे । तिपएसिए ण पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ३ । चउप्पएसिए ण पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे ४, एव जाव

दुयाए अणंतगुणा ३, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ४ असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ७ असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८ पएसट्ठयाए एवं चेव नवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा संखेज्जपएसिया खंधा निरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए १ ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३ ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४ परमाणुपोग्गला सेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए अणंतगुणा ५, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, तं चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा ७ असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८ ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १० संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११ ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १२ असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १३, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४। परमाणुपोग्गले णं भंते! किं देसेए सव्वेए निरेए? गोयमा! नो देसेए सिय सव्वेए सिय निरेए, दुपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा, गोयमा! सिय देसेए सिय सव्वेए सिय निरेए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! किं देसेया सव्वेया निरेया? गोयमा! नो देसेया सव्वेयावि निरेयावि, दुपएसिया णं भंते! खंधा पुच्छा, गोयमा! देसेयावि सव्वेयावि निरेयावि एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गले णं भंते! सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसिए णं भंते! खंधे देसेए कालओ केव(चि)चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं निरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं, निरेया कालओ केवच्चिरं होइ(न्ति)? गोयमा! सव्वद्धं। दुपएसिया णं भंते! खंधा देसेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं, सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, निरेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गल-

गोयमा ! सड्ढा वा अणड्ढा वा, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ ३४८ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सेए निरेए ? गोयमा ! सिय सेए सिय निरेए, एवं जाव अणंतपएसिए । परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं सेया निरेया ? गोयमा ! सेयावि निरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! सेए कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परमाणुपोग्गले णं भंते ! निरेए कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए, परमाणुपोग्गला णं भंते ! सेया कालओ केवच्चिरं हो(इ)न्ति ? गोयमा ! सव्वद्धं, परमाणुपोग्गला णं भंते ! निरेया कालओ केवच्चिरं होन्ति ? गोयमा ! सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ परमाणुपोग्गलस्स णं भंते ! सेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखे(ज्ज)ज्जं कालं । दुपएसियस्स णं भंते खंधस्स सेयस्स पुच्छा, गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं । निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स । परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सेयाणं निरेयाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सेया, निरेया असं-

ट्ठयाए संखेज्जगुणा १ असंखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११ पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए एवं पएसट्ठयाए वि नवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा संखेज्जपएसिया खंधा निरेया पए-सट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १ ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २ अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४ अणंत-पएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ५, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ६ असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ७ ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८ संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९ ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १० परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११ संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १२ ते चेव पएसट्ठयाए (अ)संखेज्जगुणा १३ असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४ ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १५, परमाणुपोग्गला निरेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १६, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा १७ ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा १८ असंखेज्जपएसिया निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १९ ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा २० ॥ ७४३ ॥ कइ णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० । कइ णं भंते ! अहम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! एवं चेव, कइ णं भंते ! आगासत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? एवं चेव, कइ णं भंते ! जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० एए णं भंते ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा कइसु आगासपएसेसु ओगा-हंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कंसि वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा पंचहिं वा छहिं वा उक्कोसेणं अट्ठसु, नो चेव णं सत्तसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७४४ ॥ पणवी-सइमस्स सयस्स चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

कइविहा णं भंते ! पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पज्जवा प० तं० -जीव-पज्जवा य अजीवपज्जवा य पज्जवपयं निरवसेसं भाणियव्वं जहा पन्नवणाए ॥ ७४५ ॥ आवलिया णं भंते ! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया ? गोयमा ! नो संखेज्जा समया असंखेज्जा समया नो अणंता समया । आणापाणू णं भंते ! किं संखेज्जा० ? एवं चेव, थोवे णं भंते ! किं संखेज्जा० ? एवं चेव एवं लवेवि मुहुत्तेवि एवं अहोरत्तेवि, एवं पक्खे मासे उ(उ)डू अयणे संवच्छरे जुगे वाससए

खस्स ण भंते ! सव्वेयस्स केवइय कालं अंतरं होइ? गोयमा ! सट्टाणंतरं पडुच जह-ण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। निरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? सट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स देसेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा ! सट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, सव्वेयस्स केवइयं कालं०? एवं चेव जहा देसेयस्स, निरेयस्स केवइयं कालं०? सट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्टाणंतरं पडुच जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स ॥ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सव्वेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा ! नत्थि अंतरं, निरेयाणं केव-इयं०? नत्थि अंतरं, दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं देसेयाणं केवइयं कालं०? नत्थि अंतरं, सव्वेयाणं केवइयं कालं०? नत्थि अंतरं, निरेयाणं केवइयं कालं०? नत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सव्वेयाणं निरेयाणं य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सव्वेया, निरेया असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते ! दुपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाणं य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा दुपए-सिया खंधा सव्वेया, देसेया असंखेज्जगुणा, निरेया असंखेज्जगुणा, एवं जाव अस-खेज्जपएसियाणं खंधाणं। एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वे-याणं निरेयाणं य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतप-एसिया खंधा सव्वेया, निरेया अणंतगुणा, देसेया अणंतगुणा। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं निरेयाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, अणंतपएसिया खंधा निरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अ(णंत)संखेज्ज-गुणा ४, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असं-खेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, परमाणु-पोग्गला निरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, संखेज्जपएसिया खंधा निरेया दव्व-

पलिओवमा सिय असंखेज्जा पलिओवमा सिय अणंता पलिओवमा एवं जाव ओसप्पिणी(ओ)त्ति उस्सप्पिणीति। पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा। ओसप्पिणी णं भंते! किं संखेज्जा सागरोवमा जहा पलिओवमस्स वत्तव्वया तहा सागरोवमस्सवि पोग्गलपरियट्टे णं भंते! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणीओ पोग्गलपरियट्टाणं भंते! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणीओ पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जाओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ पोग्गलपरियट्टे णं भंते! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ एवं जाव सव्वद्धा पोग्गलपरियट्टाणं भंते! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणि-उस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ। तीयद्धा णं भंते! किं संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा णो असंखेज्जा अणंता पोग्गलपरियट्टा एवं अणागयद्धावि एवं सव्वद्धावि ॥७४९॥ अणागयद्धा णं भंते! किं संखेज्जाओ तीयद्धाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा! णो संखेज्जाओ तीयद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीयद्धाओ णो अणंताओ तीयद्धाओ अणागयद्धा णं तीयद्धाओ समयाहिया तीयद्धा णं अणागयद्धाओ समयूणा। सव्वद्धा णं भंते! किं संखेज्जाओ तीयद्धाओ पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जाओ तीयद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीयद्धाओ णो अणंताओ तीयद्धाओ सव्वद्धा णं तीयद्धाओ सातिरेगदुगुणा तीयद्धा णं सव्वद्धाओ थोवूणए अद्धे, सव्वद्धा णं भंते! किं संखेज्जाओ अणागयद्धाओ पुच्छा गोयमा! णो संखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो असंखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो अणंताओ अणागयद्धाओ सव्वद्धा णं अणागयद्धाओ थोवूणदुगुणा अणागयद्धा णं सव्वद्धाओ सातिरेगे अद्धे ॥ ७५० ॥ कइविहा णं भंते! णिओदा प० ? गोयमा! दुविहा णिओदा प० तं०—णिओ(गो)गा य णिओयजीवा य, णिओदा णं भंते! कइविहा प० ? गोयमा! दुविहा प० तंजहा—सुहुमणिओदा य बायरनिओ(दा)गा य एवं णिओदा भाणियव्वा जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं ॥ ७५१ ॥ कइविहे णं भंते! णामे पण्णत्ते? गोयमा! छव्विहे णामे पण्णत्ते तंजहा—उदइए जाव सन्निवाइए। से किं तं उदइए णामे? उदइए णामे दुविहे प० तं०—उद(इ)ए य उदयनिप्फन्ने य एवं जहा सत्तरसमसए पढमे उद्देसए भावो तहेव इहवि नवरं इमं नामणाणत्तं सेसं तहेव जाव सन्निवाइए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ७५२ ॥ पणवीसइमे सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

वासमहस्से वासमयसहस्से पुव्वगे पुव्वे तुडियंगे तुडिए अडडगे अडडे अववगे अववे हुहुअगे हुहुए उप्पलंगे उप्पले पउमगे पउमे नलिणगे नलिणे अच्छिणि(उ) पूरगे अच्छिणि(उ)पूरे अउयगे अउए नउयंगे नउए पउयंगे पउए चूलियगे चूलि(या)ए सीसपहेलियगे सीसपहेलिया पलिओवमे सागरोवमे ओसप्पिणी एव उस्सप्पिणीवि, पोग्गलपरियट्टे ण भते ! कि सखेज्जा समया असखेज्जा समया अणता समया ? गोयमा ! नो सखेज्जा समया नो असखेज्जा समया अणता समया, एव तीयद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा ॥ आवलियाओ ण भते ! किं सखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा ! नो सखेज्जा समया सिय असखेज्जा समया सिय अणता समया, आणापाणूण भते ! कि सखेज्जा समया० पुच्छा, एव चेव, थोवाणं भते ! किं सखेज्जा समया ३ ? एव चेव एवं जाव उस्सप्पिणीओत्ति, पोग्गलपरियट्टाण भंते ! कि सखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जा समया णो असखेज्जा समया अणता समया, आणापाणूण भते ! किं सखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा ! सखेज्जाओ आवलियाओ णो असखेज्जाओ आवलियाओ नो अणताओ आवलियाओ, एव थोवेवि, एवं जाव सीसप्पहेलियत्ति । पलिओवमे णं भते ! किं सखेज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जाओ आवलियाओ असंखेज्जाओ आवलियाओ नो अणताओ आवलियाओ, एव सागरोवमेवि, एव ओसप्पिणीवि उस्सप्पिणीवि, पोग्गलपरियट्टे पुच्छा, गोयमा ! नो सखेज्जाओ आवलियाओ णो असखेज्जाओ आवलियाओ अणताओ आवलियाओ, एव जाव सव्वद्धा । आणापाणूणं भते ! किं सखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा ! सिय सखेज्जाओ आवलियाओ सिय असखेज्जाओ सिय अणताओ, एव जाव सीसप्पहेलियाओ, पलिओवमाण पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जाओ आवलियाओ सिय असखेज्जाओ आवलियाओ सिय अणताओ आवलियाओ, एव जाव उस्सप्पिणीओत्ति, पोग्गलपरियट्टाण पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जाओ आवलियाओ णो असखेज्जाओ आवलियाओ अणताओ आवलियाओ । थोवे ण भत्ते ! किं सखेज्जाओ आणापाणूओ असखेज्जाओ जहा आवलियाए वत्तव्वया एव आणापाणूओवि निरवसेसा, एव एएण गमएण जाव सीसप्पहेलिया भाणियव्वा । सागरोवमे ण भते ! किं सखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा ! सखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा णो अणता पलिओवमा, एव ओसप्पिणीएवि उस्सप्पिणीएवि, पोग्गलपरियट्टे ण भते ! पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जा पलिओवमा णो असखेज्जा पलिओवमा अणता पलिओवमा, एव जाव सव्वद्धा । सागरोवमाणं भते ! किं सखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा ! सिय सखेज्जा

पन्नवण १ वेय २ रागे ३ कप्प ४ चरित्त ५ पडिसेवणा ६ णाणे ७ । तित्थे ८ लिंग ९ सरीरे १० खेत्ते ११ काले १२ गइ १३ संजम १४ निगासे १५ ॥ १ ॥ जोगु १६ वओग १७ कसाए १८ लेसा १९ परिणाम २० बंध २१ वेदे य २२ । कम्मोदीरण २३ उवसंपजहन्न २४ सन्ना य २५ आहारे २६ ॥ २ ॥ भव २७ आगरिसे २८ काल २९ तरे य ३० समुग्घाय ३१ खेत्त ३२ फुसणा य ३३ । भावे ३४ परि(माणे)णामे ३५ (खलु)विय अप्पाबहुय ३६ नियठाणं ३७ ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! णियंठा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच णियंठा पन्नत्ता, तंजहा–पुलाए बउसे कुसीले णियंठे सिणाए ॥ पुलाए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–नाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे । बउसे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पंचमे । कुसीले णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे प०, तं०–पडिसेवणाकुसीले य कसायकुसीले य, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा–नाणपडिसेवणाकुसीले दंसणपडिसेवणाकुसीले चरित्तपडिसेवणाकुसीले लिंगपडिसेवणाकुसीले अहासुहुमपडिसेवणाकुसीले णामं पंचमे, कसायकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–नाणकसायकुसीले दंसणकसायकुसीले चरित्तकसायकुसीले लिंगकसायकुसीले अहासुहुमकसायकुसीले णामं पंचमे । नियंठे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा–पढमसमयनियंठे अपढमसमयनियंठे चरिमसमयनियंठे अचरिमसमयनियंठे अहासुहुमनियंठे णामं पंचमे । सिणाए णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०–अच्छवी १, असबले २, अकम्मंसे ३, संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली ४, अपरिस्सावी ५ ।१। पुलाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! नो इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा । बउसे णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! इत्थिवेयए वा होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं भंते ! किं सवेयए होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा, जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेदए होज्जा

खीणवेयए होज्जा ? गोयमा ! उवसंतवेयए वा होज्जा खीणवेयए वा होज्जा जइ अवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुच्छा गोयमा ! तिसुवि जहा बउसे। णियंठे णं भंते ! किं सवेयए पुच्छा गोयमा ! णो सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा जइ अवेयए होज्जा किं उवसंत पुच्छा गोयमा ! उवसंतवेयए वा होज्जा खीणवेयए वा होज्जा। सिणाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा ? जहा णियंठे तहा सिणाएवि णवरं णो उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा २ ॥ ७५० ॥ पुलाए णं भंते ! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा णो वीयरागे होज्जा एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं भंते ! किं सरागे होज्जा पुच्छा गोयमा ! णो सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा जइ वीयरागे होज्जा किं उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसायवीयरागे वा होज्जा खीणकसायवीयरागे वा होज्जा सिणाए एवं चेव णवरं णो उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ३ ॥ ७५१ ॥ पुलाए णं भंते ! किं ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा एवं जाव सिणाए। पुलाए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा ? गोयमा ! णो जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा णो कप्पातीते होज्जा। बउसे णं भंते ! पुच्छा गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा णो कप्पातीते होज्जा एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा कप्पातीते वा होज्जा। णियंठे णं पुच्छा गोयमा ! णो जिणकप्पे होज्जा णो थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा एवं सिणाएवि ४ ॥ ७५२ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सामाइयसंजमे होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे होज्जा परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा ? गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे वा होज्जा णो परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा एवं बउसेवि एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा जाव सुहुमसंपरायसंजमे वा होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा। णियंठे णं पुच्छा गोयमा ! णो सामाइयसंजमे होज्जा जाव णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा एवं सिणाएवि ५ ॥ ७५३ ॥ पुलाए णं भंते ! किं पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! मूलगुणपडिसेवए वा होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए वा होज्जा मूलगुणपडिसेवमाणे पंचण्हं आसवाणं

पन्नवण १ वेय २ रागे ३ कप्प ४ चरित्त ५ पडिसेवणा ६ णाणे ७ । तित्थे ८ लिंग ९ सरीरे १० खेत्ते ११ काले १२ गइ १३ संजम १४ निगासे १५ ॥ १ ॥ जोगु १६ वओग १७ कसाए १८ लेसा १९ परिणाम २० बंध २१ वेदे य २२ । कम्मोदीरण २३ उवसंपजहन्न २४ सन्ना य २५ आहारे २६ ॥ २ ॥ भव २७ आगरिसे २८ काल २९ तरे य ३० समुग्घाय ३१ खेत्त ३२ फुसणा य ३३ । भावे ३४ परि(माणे)णामे ३५ (खलु)विय अप्पाबहुयं ३६ नियंठाण ३७ ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! णियंठा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच णियंठा पन्नत्ता, तंजहा-पुलाए बउसे कुसीले णियंठे सिणाए ॥ पुलाए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०-नाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे । बउसे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०-आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पंचमे । कुसीले णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे प०, तं०-पडिसेवणाकुसीले य कसायकुसीले य, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा-नाणपडिसेवणाकुसीले दंसणपडिसेवणाकुसीले चरित्तपडिसेवणाकुसीले लिंगपडिसेवणाकुसीले अहासुहुमपडिसेवणाकुसीले णामं पंचमे, कसायकुसीले णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०-नाणकसायकुसीले दंसणकसायकुसीले चरित्तकसायकुसीले लिंगकसायकुसीले अहासुहुमकसायकुसीले णामं पंचमे । नियंठे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा-पढमसमयनियंठे अपढमसमयनियंठे चरिमसमयनियंठे अचरिमसमयनियंठे अहासुहुमनियंठे णामं पंचमे । सिणाए णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०-अच्छवी १, असबले २, अकम्मंसे ३, संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली ४, अपरिस्सावी ५॥१॥ पुलाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! नो इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा । बउसे णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! इत्थिवेयए वा होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेयए वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं भंते ! किं सवेयए होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा, जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेदए होज्जा

वेउव्वियसरीरकायप्पओगे होज्जा, एवं परिहारविसुद्धीए वि। कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, पंचसु होज्जमाणे पंचसु ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मएसु होज्जा, णियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ ॥१०॥ ७५९॥ पुलाए णं भंते! किं कम्मभूमी(मी)ए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा? गोयमा! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा। बउसे णं पुच्छा, गोयमा! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा, साहरणं पडुच्च कम्मभूमीए वा होज्जा अकम्मभूमीए वा होज्जा, एवं जाव सिणाए ॥ ११ ॥ ७६० ॥ पुलाए णं भंते! किं ओसप्पिणिकाले होज्जा उस्सप्पिणिकाले होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा? गोयमा! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा। जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले होज्जा १ सुसमाकाले होज्जा २ सुसमदूसमाकाले होज्जा ३ दूसमसुसमाकाले होज्जा ४ दूसमाकाले होज्जा ५ दूसमदूसमाकाले होज्जा ६? गोयमा! जम्मणं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा १ णो सुसमाकाले होज्जा २ सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ३ दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ४ णो दूसमाकाले होज्जा ५ णो दूसमदूसमाकाले होज्जा ६ संतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दूसमसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा। जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दूसमदूसमाकाले होज्जा दूसमाकाले होज्जा दूसमसुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले होज्जा सुसमाकाले होज्जा सुसमसुसमाकाले होज्जा? गोयमा! जम्मणं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १ दूसमाकाले वा होज्जा २ दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३ सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४ णो सुसमाकाले होज्जा ५ णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६ संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १ (णो)दूसमाकाले होज्जा २ दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४ णो सुसमाकाले होज्जा णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६। जइ णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमापलिभागे होज्जा सुसमापलिभागे होज्जा सुसमदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा? गोयमा! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा णो सुसमापलिभागे होज्जा णो सु(सु)समदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा। बउसे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्स-

अन्नयरं पडिसेवेज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अन्नयरं पडिसेवेज्जा। बउसे ण पुच्छा, गोयमा! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा? गोयमा! णो मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अन्नयर पडिसेवेज्जा, पडिसेवणाकुसीले जहा पुलाए। कसायकुसीले ण पुच्छा, गोयमा! णो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एव नियठेवि, एव सिणाएवि ६ ॥ ७५४ ॥ पुलाए ण भंते! कइसु नाणेसु होज्जा? गोयमा! दोसु वा तिसु वा होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु आभिणिवोहियनाणे सुअनाणे होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिवोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे होज्जा, एव बउसेवि, एव पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले ण पुच्छा, गोयमा! दोसु वा तिसु वा चउसु वा होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु आभिणिवोहियनाणे सुयनाणे होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिवोहियनाणसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा अहवा तिसु होज्जमाणे आभिणिबोहियनाणसुयनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु आभिणिवोहियनाणसुयनाणओहिनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, एव नियठेवि। सिणाए ण पुच्छा, गोयमा! एगमि केवलनाणे होज्जा ॥ ७५५ ॥ पुलाए णं भंते! केवइय सुय अहिज्जेज्जा? गोयमा! जहन्नेण नवमस्स पुव्वस्स तइय आयारवत्थु, उक्कोसेण नव पुव्वाइ अहिज्जेज्जा। बउसे णं पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेण दस पुव्वाइ अहिज्जेज्जा। एव पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले ण पुच्छा, गोयमा! जहन्नेण अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेण चउद्दस पुव्वाइ अहिज्जेज्जा, एव नियठेवि। सिणाए ण पुच्छा, गोयमा! सुयवइरित्ते होज्जा ७॥७५६॥ पुलाए ण भंते! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा? गोयमा! तित्थे होज्जा णो अतित्थे होज्जा, एव बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा, जइ अतित्थे होज्जा किं तित्थयरे होज्जा पत्तेयबुद्धे होज्जा? गोयमा! तित्थगरे वा होज्जा पत्तेयबुद्धे वा होज्जा, एव नियठेवि, एवं सिणाएवि ८॥७५७॥ पुलाए ण भंते! किं सलिंगे होज्जा अन्नलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा? गोयमा! दव्वलिंगं पडुच्च सलिंगे वा होज्जा अन्नलिंगे वा होज्जा गिहिलिंगे वा होज्जा, भावलिंग पडुच्च नियमा सलिंगे होज्जा, एव जाव सिणाए ९॥७५८॥ पुलाए णं भंते! कइसु सरीरेसु होज्जा? गोयमा! तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, बउसे ण भंते! पुच्छा, गोयमा! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु ओरालिय-

केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं, बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं, एवं पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, णियंठस्स पुच्छा, गोयमा ! अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ११ ॥ ७६२ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया संजमठ्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमठ्ठाणा प०, एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियंठस्स णं भंते ! केवइया संजमठ्ठाणा प० ? गोयमा ! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमठ्ठाणे प०, एवं सिणायस्सवि, एएसि णं भंते ! पुलागबउसपडिसेवणाकसायकुसीलनियंठसिणायाणं संजमठ्ठाणाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे णियंठस्स सिणायस्स य एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमठ्ठाणे, पुलागस्स संजमठ्ठाणा असंखेज्जगुणा, बउसस्स संजमठ्ठाणा असंखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स संजमठ्ठाणा असंखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स संजमठ्ठाणा असंखेज्जगुणा १२ ॥ ७६३ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव सिणायस्स। पुलाए णं भंते ! पुलागस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे १ सिय तुल्ले २ सिय अब्भहिए ३, जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा ॥ पुलाए णं भंते ! बउसस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं पडिसेवणाकुसीलेणवि, कसायकुसीलेण समं छट्ठाणवडिए जहेव सट्ठाणे, णियंठस्स जहा बउसस्स, एवं सिणायस्सवि ॥ बउसे णं भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए। बउसे णं भंते ! बउसस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे छट्ठाणवडिए। बउसे णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे ? छट्ठाणवडिए, एवं कसायकुसीलस्सवि ॥ बउसे णं भंते ! णियंठस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं पुच्छा, गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं सिणायस्सवि, पडिसेवणाकुसीलस्स एस चेव बउसवत्तव्वया भाणियव्वा, कसायकुसीलस्स सट्ठाणेणं एस चेव

प्पिणिकाले वा होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले० पुच्छा, गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे समाकाले होज्जा । जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दूसमदूसमाकाले होज्जा ६ पुच्छा, गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा जहेव पुलाए, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा णो दूसमाकाले होज्जा एवं संतिभावेणवि जहा पुलाए जाव णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे समाकाले होज्जा । जइ नोओसप्पिणिनोउस्सप्पिणिकाले होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा जहेव पुलाए जाव दूसमसुसमापलिभागे होज्जा, साहरणं पडुच्च अन्नयरे पलिभागे होज्जा, जहा बउसे एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, नियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ, नवरं एएसिं अब्भहियं साहरणं भाणियव्वं, सेसं तं चेव १२ ॥ ७६१ ॥ पुलाए णं भंते ! कालगए समाणे (किं)गं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसियवेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु उ० णो वाणमंतरेसु उ० णो जोइसिएसु उ० वेमाणिएसु उववज्जेज्जा, वेमाणिएसु उववज्जमाणे जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे उववज्जेज्जा, बउसे णं एवं चेव नवरं उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे, पडिसेवणाकुसीले जहा बउसे, कसायकुसीले जहा पुलाए, नवरं उक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, णियंठे णं भंते ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिएसु उववज्जमाणे अजहन्नमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, सिणाए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! सिद्धिगइं गच्छइ । पुलाए णं भंते ! देवेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए वा उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए वा उववज्जेज्जा नो अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए वा उववज्जेज्जा जाव अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा, नियंठे पुच्छा, गोयमा अविराहणं पडुच्च णो इंदत्ताए उववज्जेज्जा जाव णो लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अन्नयरेसु उववज्जेज्जा ॥ पुलागस्स णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स

केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठारस
सागरोवमाइं, बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं
बावीसं सागरोवमाइं, एवं पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा !
जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, नियंठस्स पुच्छा, गोयमा !
अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं १३ ॥ ७९२ ॥ पुलागस्स णं भंते !
केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प० एवं जाव कसाय-
कुसीलस्स। नियंठस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! एगे अजहन्नम-
णुक्कोसए संजमट्ठाणे प० एवं सिणायस्सवि एएसि णं भंते ! पुलागबउसपडिसेवणाक-
सायकुसीलनियंठसिणायाणं संजमट्ठाणाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा !
सव्वत्थोवे नियंठस्स सिणायस्स य एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे पुलागस्स
संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा बउसस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा पडिसेवणाकुसीलस्स
संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७९३ ॥
पुलागस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा
प० एवं जाव सिणायस्स । पुलाए णं भंते ! पुलागस्स सट्ठाणसन्निगासेणं
चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे १ सिय तुल्ले २, सिय
अब्भहिए ३, जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे
वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा अह अब्भहिए अणंत-
भागमब्भहिए वा असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुण-
मब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा ॥ पुलाए णं भंते !
बउसस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! हीणे
नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे एवं पडिसेवणाकुसीलेणवि कसायकुसीलेण समं
छट्ठाणवडिए जहेव सट्ठाणे नियंठस्स जहा बउसस्स एवं सिणायस्सवि ॥ बउसे णं
भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ?
गोयमा ! नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए । बउसे णं भंते ! बउसस्स
सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं पुच्छा गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय
अब्भहिए, जइ हीणे छट्ठाणवडिए । बउसे णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलस्स परट्ठाण-
सन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे ? छट्ठाणवडिए, एवं कसायकुसीलस्सवि ॥
बउसे णं भंते ! नियंठस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं पुच्छा गोयमा !
हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे एवं सिणायस्सवि पडिसेवणाकुसीलस्स
एस चेव बउसवत्तव्वया भाणियव्वा कसायकुसीलस्स सट्ठाणे एस चेव

बउसवत्तव्वया नवरं पुलाएणवि समं छट्ठाणवडिए। णियंठे णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियंठे णं भंते! णियंठस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं पुच्छा, गोयमा! नो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए, एवं सिणायस्सवि। सिणाए णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं एवं जहा नियंठस्स वत्तव्वया तहा सिणायस्सवि भाणियव्वा जाव सिणाए णं भंते! सिणायस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं पुच्छा, गोयमा! णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए॥ एएसि णं भंते! पुलागबउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियंठसिणायाणं जहण्णुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! पुलागस्स कसायकुसीलस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, पुलागस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, बउसस्स पडिसेवणाकुसीलस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, बउसस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, कसायकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, णियंठस्स सिणायस्स य एएसि णं अजहण्णमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा १५॥ ७६४॥ पुलाए णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा? गोयमा! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा, एवं जाव नियंठे। सिणाए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सजोगी वा होज्जा अजोगी वा होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा सेसं जहा पुलागस्स १६॥ ७६५॥ पुलाए णं भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा? गोयमा! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा, एवं जाव सिणाए १७॥ ७६६॥ पुलाए णं भंते! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा? गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु कोहमाणमायालोभेसु होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एगम्मि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगम्मि होज्जमाणे एगम्मि संजलणलोभे होज्जा, नियंठे णं पुच्छा, गोयमा! णो सकसाई

होज्जा अकसाई होज्जा जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा? गोयमा! उवसंतकसाई वा होज्जा खीणकसाई वा होज्जा सिणाए एवं चेव नवरं णो उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा १४ ॥७९७॥ पुलाए णं भंते! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा? गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा तं०-तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए, एवं बउसस्सवि एवं पडिसेवणाकुसीलेवि कसायकुसीले पुच्छा गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! छसु लेस्सासु होज्जा तं०-कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, णियंठे णं भंते! पुच्छा गोयमा! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा सिणाए पुच्छा गोयमा! सलेस्से वा होज्जा अलेस्से वा होज्जा जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते! कइसु लेस्सासु होज्जा? गोयमा! एगाए परमसुक्कलेस्साए होज्जा १५ ॥७९८॥ पुलाए णं भंते! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ही(हा)यमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा णो हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा एवं सिणाएवि ॥ पुलाए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं सत्त समया एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। सिणाए णं भंते! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी १६ ॥७९९॥ पुलाए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ। बउसे पुच्छा गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा!

बउसवत्तव्वया नवरं पुलाएणवि समं छट्ठाणवडिए। णियठे णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियठे ण भंते! णियंठस्स सट्ठाणसन्निगासेणं पुच्छा, गोयमा! नो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए, एवं सिणायस्सवि। सिणाए णं भंते! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेण एवं जहा नियठस्स वत्तव्वया तहा सिणायस्सवि भाणियव्वा जाव सिणाए णं भंते! सिणायस्स सट्ठाणसन्निगासेणं पुच्छा, गोयमा! णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए॥ एएसि ण भंते! पुलागबउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियठसिणायाणं जहन्नुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! पुलागस्स कसायकुसीलस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, पुलागस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, बउसस्स पडिसेवणाकुसीलस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणतगुणा, बउसस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणतगुणा, कसायकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणतगुणा, णियंठस्स सिणायस्स य एएसि ण अजहन्नमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा १५॥ ७६४॥ पुलाए ण भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? गोयमा! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा? गोयमा! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा, एवं जाव नियंठे। सिणाए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सजोगी वा होज्जा अजोगी वा होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा सेस जहा पुलागस्स १६॥ ७६५॥ पुलाए ण भंते! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा? गोयमा! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा, एव जाव सिणाए १७॥ ७६६॥ पुलाए णं भंते! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा? गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से ण भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु कोहमाणमायालोभेसु होज्जा, एव बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले ण पुच्छा, गोयमा! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से ण भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एगम्मि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु सजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगम्मि होज्जमाणे एगम्मि सजलणलोभे होज्जा, नियठे ण पुच्छा, गोयमा! णो सकसाई

कुसीले वा णियंठे वा असंजमं वा उवसंपज्जइ। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! सिणा-
यत्तं जहइ सिद्धिगइं उवसंपज्जइ २४ ॥ ७७३ ॥ पुलाए णं भंते! किं सण्णोवउत्ते
होज्जा णोसण्णोवउत्ते होज्जा? गोयमा! णो सण्णोवउत्ते होज्जा णोसण्णोवउत्ते होज्जा।
बउसे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सण्णोवउत्ते वा होज्जा णोसण्णोवउत्ते वा होज्जा
एवं पडिसेवणाकुसीलेवि एवं कसायकुसीलेवि णियंठे सिणाए य जहा पुलाए
२५ ॥ ७७४ ॥ पुलाए णं भंते! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा? गोयमा!
आहारए होज्जा णो अणाहारए होज्जा एवं जाव णियंठे। सिणाए णं पुच्छा,
गोयमा! आहारए वा होज्जा अणाहारए वा होज्जा २६ ॥ ७७५ ॥ पुलाए णं
भंते! कइ भवग्गहणाइं होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं तिण्णि। बउसे णं
पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं अट्ठ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि एवं कसा-
यकुसीलेवि णियंठे जहा पुलाए। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! एक्कं २७ ॥ ७७६ ॥
पुलागस्स णं भंते! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प०? गोयमा! जहण्णेणं
एक्को उक्कोसेणं तिण्णि। बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्को उक्कोसेणं सयग्गसो
एवं पडिसेवणाकुसीलेवि कसायकुसीलेवि एवं चेव। णियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा!
जहण्णेणं एक्को उक्कोसेणं दोण्णि। सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा! एक्को ॥ पुलागस्स
णं भंते! णाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प०? गोयमा! जहण्णेणं दोण्णि
उक्कोसेणं सत्त। बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं सहस्सग्गसो
एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं
पंच। सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा! णत्थि एक्कोवि २८ ॥ ७७७ ॥ पुलाए णं भंते!
कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं। बउसे
णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी एवं पडिसेवणा-
कुसीलेवि कसायकुसीलेवि एवं चेव। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं
उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा
पुव्वकोडी ॥ पुलाया णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं
उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। बउसा णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सव्वद्धं, एवं जाव कसाय-
कुसीला णियंठा जहा पुलागा सिणाया जहा बउसा २९ ॥ ७७ ॥ पुलागस्स
णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं
कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं
देसूणं एवं जाव णियंठस्स। सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा! णत्थि अंतरं ॥ पुलागाणं
भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखे-

सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, छ बंधमाणे आउयमोहणिज्जवज्जाओ छकम्मप्पगडीओ बंधइ । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! एगविहबंधए वा अबंधए वा, एगं बंधमाणे एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ २१ ॥ ७७० ॥ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! नियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव कसायकुसीले, नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! वेयणिज्जआउयनामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२ ॥ ७७१ ॥ पुलाए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पडिसेवणाकुसीले एवं चेव, कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ । नियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! पंचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ २३ ॥ ७७२ ॥ पुलाए णं भंते ! पुलायत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! पुलायत्तं जहइ कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा उवसंपज्जइ, बउसे णं भंते ! बउसत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! बउसत्तं जहइ पडिसेवणाकुसीलं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! पडिसेवणाकुसीलत्त० पुच्छा, गोयमा ! पडिसेवणाकुसीलत्तं जहइ बउसं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! कसायकुसीलत्तं जहइ पुलायं वा बउसं वा पडिसेवणाकुसीलं वा णियंठं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ, णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! नियंठत्तं जहइ कसाय-

कोसिय जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं बावट्ठं सयं अट्ठसयं खवगाणं चउप्पन्नं उव(स)सामगाणं पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं। सिणायाणं पुच्छा गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं॥ एएसि णं भंते! पुलागबउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलनियंठसिणायाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नियंठा पुलागा संखेज्जगुणा सिणाया संखेज्जगुणा बउसा संखेज्जगुणा पडिसेवणाकुसीला संखेज्जगुणा कसायकुसीला संखेज्जगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ॥ ७८४॥

पणवीसइमस्स सयस्स छट्ठो उद्देसो समत्तो॥

कइ णं भंते! संजया प०? गोयमा! पंच संजया प० तं०—सामाइयसंजए छेओवट्ठावणियसंजए परिहारविसुद्धियसंजए सुहुमसंपरायसंजए अहक्खायसंजए, सामाइयसंजए णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते तंजहा—इत्तरिए य आवकहिए य छेओवट्ठावणियसंजए णं पुच्छा गोयमा! दुविहे प० तं०—सअइयारे य निरइयारे य परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा गोयमा! दुविहे प० तं०—णिव्विसमाणए य निव्विट्ठकाइए य, सुहुमसंपराय पुच्छा गोयमा! दुविहे प० तं०—संकिलिस्समाणए य विसुज्झमाणए य अहक्खायसंजए पुच्छा गोयमा! दुविहे प० तं०—छउमत्थे य केवली य॥ गाहाओ—सामाइयंमि उ कए चाउज्जामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो सामाइयसंजओ स खलु॥ १॥ छेत्तूण उ परियागं पोराणं जो ठवेइ अप्पाणं। धम्मंमि पंचजामे छेओवट्ठावणो स खलु॥ २॥ परिहरइ जो विसुद्धं तु पंचजामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो परिहारियसंजओ स खलु॥ ३॥ लोभाणु वेययंतो जो खलु उवसामओ व खवओ वा। सो सुहुमसंपराओ अहखाया ऊणओ किंचि॥ ४॥ उवसंते खीणंमि व जो खलु कम्मंमि मोहणिज्जंमि। छउमत्थो व जिणो वा अहखाओ संजओ स खलु॥ ५॥ ७८५॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा? गोयमा! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा होज्जा जइ सवेदए होज्जा एवं जहा कसायकुसीले तहेव निरवसेसं एवं छेओवट्ठावणियसंजएवि परिहारविसुद्धियसंजओ जहा पुलाओ सुहुमसंपरायसंजओ अहक्खायसंजओ य जहा नियंठे २। सामाइयसंजए णं भंते! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा? गोयमा! सरागे होज्जा नो वीयरागे होज्जा एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खायसंजए जहा नियंठे ३। सामाइयसंजए णं भंते! किं

ज्जाइं वासाइं । वउसाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अतरं, एवं जाव कसाय-कुसीलाण । नियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सिणायाणं जहा वउसाण ३० ॥ ७७९ ॥ पुलागस्स णं भते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तिन्नि समुग्घाया प०, तं०-वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, वउसस्स णं भते ! पुच्छा, गोयमा ! पच समुग्घाया प०, तं०-वेयणासमुग्घाए जाव तेयासमुग्घाए, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! छ समुग्घाया प०, तं०-वेयणासमुग्घाए जाव आहारगसमुग्घाए, नियठस्स ण पुच्छा, गोयमा ! नत्थि एक्कोवि, सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! एगे केवलिसमुग्घाए प० ३१ ॥ ७८० ॥ पुलाए ण भते ! लोगस्स किं सखेज्जइभागे होज्जा १, असखेज्जइभागे होज्जा २, सखेज्जेसु भागेसु होज्जा ३, असखेज्जेसु भागेसु होज्जा ४, सव्वलोए होज्जा ५ ? गोयमा ! णो सखेज्जइभागे होज्जा, असखेज्जइभागे होज्जा, णो सखेज्जेसु भागेसु होज्जा, (णो) असखेज्जेसु भागेसु होज्जा, णो सव्वलोए होज्जा, एव जाव नियठे । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! णो सखेज्जइभागे होज्जा असखेज्जइभागे होज्जा णो सखेज्जेसु भागेसु होज्जा असखेज्जेसु भागेसु होज्जा सव्वलोए वा होज्जा ३२ ॥ ७८१ ॥ पुलाए ण भते ! लोगस्स किं सखेज्जइभाग फुसइ असखेज्जइभागं फुसइ० ? एवं जहा ओगाहणा भणिया तहा फुसणावि भाणियव्वा जाव सिणाए ३३ ॥ ७८२ ॥ पुलाए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा, एव जाव कसायकुसीले । नियठे पुच्छा, गोयमा ! उवसमिए वा भावे होज्जा खइए वा भावे होज्जा । सिणाए पुच्छा, गोयमा ! खइए भावे होज्जा ३४ ॥ ७८३ ॥ पुलाया ण भते ! एगसमएण केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सयपुहुत्त, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सहस्सपुहुत्त । वउसा ण भते ! एगसमएणं० पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेण एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण सयपुहुत्त, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेण कोडिसयपुहुत्त उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्त, एव पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीलाण पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेण (कोडि)सहस्सपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेण कोडिसहस्सपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसहस्सपुहुत्तं । नियठाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ

होज्जा णो निदिलिंगे होज्जा सेसा जहा सामाइयसंजए ९। सामाइयसंजए णं भंते! कइसु सरीरेसु होज्जा? गोयमा! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा जहा कसायकुसीले एवं छेओवट्ठावणिएवि सेसा जहा पुलाए १०। सामाइयसंजए णं भंते! किं कम्मभूमीए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा? गोयमा! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए जहा बउसे एवं छेओवट्ठावणिएवि परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ११ ॥ ७८७ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! किं ओसप्पिणीकाले होज्जा उस्सप्पिणीकाले होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा? गोयमा! ओसप्पिणीकाले जहा बउसे एवं छेओवट्ठावणिएवि नवरं जम्मणं संतिभावं (च) पडुच्च चउसुवि पलिभागेसु नत्थि साहरणं पडुच्च अन्नयरे पलिभागे होज्जा, सेसं तं चेव परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले णो होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा जहा पुलाओ उस्सप्पिणिकालेवि जहा पुलाओ सुहुमसंपरा(इ)ओ जहा नियंठो एवं अहक्खायोवि १२ ॥ ७८८ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! कालगए समाणे किं गइं गच्छइ? गोयमा! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसिएसु उववज्जेज्जा वेमाणिएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! णो भवणवासीसु उववज्जेज्जा जहा कसायकुसीले एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंठे अहक्खाए पुच्छा, गोयमा! एवं अहक्खायसंजएवि जाव अजहन्नमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, अत्थेगइ(या)ए सिज्झं(ति)इ जाव अंतं करे(न्ति)इ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! देवलोगेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जइ पुच्छा, गोयमा! अविराहणं पडुच्च एवं जहा कसायकुसीले एवं छेओवट्ठावणिएवि परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सेसा जहा नियंठे। सामाइयसंजयस्स णं भंते! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं छेओवट्ठावणिएवि परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं, सेसाणं जहा नियंठस्स १३ ॥ ७८९ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइया संजमट्ठाणा प०? गोयमा! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प० एवं जाव परिहारविसुद्धियस्स सुहुमसंपरायसंजयस्स पुच्छा, गोयमा! असंखेज्जा अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा प० अहक्खायसंजयस्स पुच्छा गोयमा! एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प०। एएसि णं भंते! सामाइयछेओवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं संजमट्ठाणाणं

ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा, छेदोवट्ठावणियसजए पुच्छा, गोयमा ! ठियकप्पे होज्जा नो अट्ठियकप्पे होज्जा, एव परिहारविसुद्धियसंजएवि, सेसा जहा सामाइयसजए । सामाइयसजए णं भते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पातीते होज्जा ? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा जहा कसायकुसीले तहेव निरवसेस, छेदोवट्ठावणिओ परिहारविसुद्धिओ य जहा बउसो, सेसा जहा नियंठे ४ ॥ ७८६ ॥ सामाइयसंजए ण भते ! किं पुलाए होज्जा बउसे जाव सिणाए होज्जा ? गोयमा ! पुलाए वा होज्जा बउसे जाव कसायकुसीले वा होज्जा, नो नियंठे होज्जा नो सिणाए होज्जा, एव छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए णं भते ! पुच्छा, गोयमा ! नो पुलाए नो बउसे नो पडिसेवणाकुसीले होज्जा, कसायकुसीले होज्जा, नो नियंठे होज्जा नो सिणाए होज्जा, एव सुहुमसपराएवि, अहक्खायसजए पुच्छा, गोयमा ! नो पुलाए होज्जा जाव नो कसायकुसीले होज्जा, नियंठे वा होज्जा सिणाए वा होज्जा ५ ॥ सामाइयसजए ण भते ! किं पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए वा होज्जा अपडिसेवए वा होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा० सेसं जहा पुलागस्स, जहा सामाइयसजए एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसजए पुच्छा, गोयमा ! नो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एव जाव अहक्खायसजए ६ ॥ सामाइयसजए ण भते ! कइसु नाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा नाणेसु होज्जा, एव जहा कसायकुसीलस्स तहेव चत्तारि नाणाइ भयणाए, एव जाव सुहुमसपरा(इ)ए, अहक्खायसजयस्स पच नाणाई भयणाए जहा नाणुद्देसए । सामाइयसजए ण भंते ! केवइय सुय अहिज्जेज्जा ? गोयमा ! जहन्नेण अट्ठ पवयणमायाओ जहा कसायकुसीले, एव छेदोवट्ठावणिएवि; परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण नवमस्स पुव्वस्स तइय आयारवत्थु उक्कोसेणं असपुन्नाइ दस पुव्वाइ अहिज्जेज्जा, सुहुमसपरायसंजए जहा सामाइयसंजए, अहक्खायसजए पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेण चउद्दस पुव्वाइ अहिज्जेज्जा सुयवइरित्ते वा होज्जा ७ । सामाइयसजए ण भंते ! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा ? गोयमा ! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा जहा कसायकुसीले, छेदोवट्ठावणिए परिहारविसुद्धिए (सुहुमसपराए) य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ८ । सामाइयसजए ण भते ! किं सलिंगे होज्जा अन्नलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा ? जहा पुलाए, एव छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियसंजए-ण भते ! किं० पुच्छा, गोयमा ! दव्वलिंगपि भावलिंगपि पडुच्च सलिंगे होज्जा नो अन्नलिंगे

होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते जहा पुलाए, एवं जाव अहक्खाए, नवरं सुहुमसंपराए सागारोवउत्ते होज्जा नो अणागारोवउत्ते होज्जा १७ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा जहा कसायकुसीले एवं छेओवट्ठावणिएवि परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! एगम्मि संजलणलोभे होज्जा अहक्खायसंजए जहा नियंठे १८ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा नियंठे अहक्खाए जहा सिणाए, नवरं जइ सलेस्से होज्जा एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७९१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए पुच्छा गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा नो अवट्ठियपरिणामे होज्जा अहक्खाए जहा नियंठे। सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा एवं चेव अहक्खायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७९२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा एवं जहा बउसे एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा गोयमा ! आउयमोहणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ बंधइ, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! नियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खाए पुच्छा गोयमा ! सत्तविहवेयए वा चउव्विहवेयए वा सत्त वेदेमाणे मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ, चत्तारि वेदेमाणे वेयणिज्जाउयनामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! सत्तविह जहा बउसे एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए पुच्छा गोयमा ! छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्ज-

कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे अहक्खायसंजयस्स एगे अजहन्नमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, सुहुमसंपरायसंजयस्स अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं संजमट्ठाणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७९० ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव अहक्खायसंजयस्स ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयस्स सट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, सामाइयसंजए णं भंते ! छेदोवट्ठावणियसंजयस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, एवं परिहारविसुद्धियस्सवि, सामाइयसंजए णं भंते ! सुहुमसंपरायसंजयस्स परट्ठाणसन्निगासेणं चरित्तपज्जवे० पुच्छा, गोयमा ! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं अहक्खायसंजयस्सवि, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, हेट्ठिल्लेसु तिसुवि समं छट्ठाणवडिए, उवरिल्लेसु दोसुवि तहेव हीणे, जहा छेदोवट्ठावणिए तहा परिहारविसुद्धिएवि, सुहुमसंपरागसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा ! नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं छेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धिएसुवि समं सट्ठाणे सिय हीणे नो (सिय)तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे अणंतगुणहीणे, अह (जइ) अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सुहुमसंपरायसंजयस्स अहक्खायसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा ! हीणे नो तुल्ले नो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, अहक्खाए हेट्ठिल्लाण चउण्हवि नो हीणे नो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सट्ठाणे नो हीणे तुल्ले नो अब्भहिए। एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपराय-अहक्खायसंजयाणं जहन्नुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं जहन्नगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स जहन्नगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं उक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, सुहुमसंपरायसंजयस्स जहन्नगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, अहक्खायसंजयस्स अजहन्नमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा १५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खाए जहा सिणाए १६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते

परिहारविसुद्धिए जहन्नेणं एवं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं एगूणतीसाए वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, सुहुमसंपराए जहा नियंठे, अहक्खाए जहा सामाइयसंजए। सामाइयसंजया णं भंते! कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! सव्व(द्धं)द्धा, छेदोवट्ठावणिए पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं अड्ढाइज्जाइं वाससयाइं उक्कोसेणं पन्नासं सागरोवमकोडिसयसहस्साइं, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं देसूणाइं दो वाससयाइं उक्कोसेणं देसूणाओ दो पुव्वकोडीओ, सुहुमसंपरायसंजया णं भंते! पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, अहक्खायसंजया जहा सामाइयसंजया १९ ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं जहा पुलागस्स एवं जाव अहक्खायसंजयस्स। सामाइयसंजयाणं भंते! पुच्छा, गोयमा! नत्थि अंतरं, छेदोवट्ठावणिय पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं तेवट्ठिं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा! जहन्नेणं चउरासीइं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, सुहुमसंपरायाणं जहा नियंठाणं, अहक्खायाणं जहा सामाइयसंजयाणं २० ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते! कइ समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ समुग्घाया पन्नत्ता जहा कसायकुसीलस्स, एवं छेदोवट्ठावणियस्सवि, परिहारविसुद्धियस्स जहा पुलागस्स, सुहुमसंपरायस्स जहा नियंठस्स, अहक्खायस्स जहा सिणायस्स २१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे पुच्छा, गोयमा! नो संखेज्जइ० जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए। अहक्खायसंजए जहा सिणाए २२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ? जहेव होज्जा तहेव फुसइ २३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते! कयरम्मि भावे होज्जा? गोयमा! उ(ओ)वसमिए भावे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा! उवसमिए वा खइए वा भावे होज्जा २४। सामाइयसंजया णं भंते! एगसमएणं केवइया होज्जा? गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च जहा कसायकुसीला तहेव निरवसेसं, छेदोवट्ठावणिया पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, परिहारविसुद्धिया जहा पुलागा, सुहुमसंपराया जहा नियंठा, अहक्खायसंजयाणं पुच्छा, गोयमा! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं बावट्ठसयं अट्ठुत्तरसयं खवगाणं चउप्पन्नं उवसामगाणं, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च जहन्नेणं कोडिपुहुत्तं

ज्झाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अहक्खायसजए पुच्छा, गोयमा ! पचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, पच उदीरेमाणे आउय० सेस जहा नियठस्स २३ ॥ ७९३ ॥ सामाइयसंजए ण भंते ! सामाइयसजयत्त जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! सामाइयसजयत्त जहइ छेदोवट्ठावणियसज(य)म वा सुहुमसंपरायसंज(य)मं वा असजम वा सजमासजम वा उवसंपजइ, छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा ! छेदोवट्ठावणियसजयत्त जहइ सामाइयसजम वा परिहारविसुद्धियसंजमं वा सुहुमसंपरायसजम वा असजम वा सजमासजमं वा उवसपज्जइ, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! परिहारविसुद्धियसजयत्त जहइ छेदोवट्ठावणियसज(यं)म वा असजमं वा उवसपज्जइ, सुहुमसपराए पुच्छा, गोयमा ! सुहुमसपरायसजयत्त जहइ सामाइयसंज(यं)म वा छेदोवट्ठावणियसज(य)म वा अहक्खायसज(य)म वा असजम वा उवसपज्जइ, अहक्खायसजए ण पुच्छा, गोयमा ! अहक्खायसजयत्त जहइ सुहुमसंपरायसंज(यं)म वा असजम वा सिद्धिगई वा उवसपज्जइ २४ ॥ ७९४ ॥ सामाइयसजए णं भते ! कि सण्णोवउत्ते होज्जा नोसण्णोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सण्णोवउत्ते होज्जा जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसपराए अहक्खाए य जहा पुलाए २५ ॥ सामाइयसजए ण भते ! कि आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? जहा पुलाए, एव जाव सुहुमसपराए, अहक्खायसजए जहा सिणाए २६॥ सामाइयसजए णं भते ! कइ भवग्गहणाइ होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेण एक्कं (समय) उक्कोसेण अट्ठ, एव छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेण एक्क उक्कोसेण तिन्नि, एव जाव अहक्खाए २७ ॥ ७९५ ॥ सामाइयसजयस्स ण भते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहन्नेण जहा बउसस्स, छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं उक्कोसेण वीसपुहुत्तं, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण एक्क उक्कोसेणं तिन्नि, सुहुमसपरायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण ए(क्को)क्क उक्कोसेण चत्तारि, अहक्खायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण एक्क उक्कोसेण दोन्नि। सामाइयसजयस्स णं भंते ! नाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहा बउसे, छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेण दोन्नि उक्कोसेण उवरिं नवण्ह सयाणं अतो सहस्सस्स, परिहारविसुद्धियस्स जहन्नेण दोन्नि उक्कोसेण सत्त, सुहुमसपरायस्स जहन्नेणं दोन्नि उक्कोसेणं नव, अहक्खायस्स जहन्नेण दोन्नि उक्कोसेण पंच २८ ॥७९६॥ सामाइयसजए ण भते ! कालओ केवच्चिर होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्क समयं उक्कोसेण देसूणएहिं नवहिं वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, एव छेदोवट्ठावणिएवि,

अणसणे। से किं तं ओमोयरिया? ओमोयरिया दुविहा प० तं०—दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य। से किं तं दव्वोमोयरिया? दव्वोमोयरिया दुविहा प० तं०—उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्तपाणदव्वोमोयरिया य। से किं तं उवगरणदव्वोमोयरिया? उवगरणदव्वोमोयरिया एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जणया सेत्तं उवगरणदव्वोमोयरिया। से किं तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया? भत्तपाणदव्वोमोयरिया अट्ठ कुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारं आहारेमा(णे)णस्स अप्पाहारे दुवालस जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव नो पकामरसभोईत्ति वत्तव्वं सिया सेत्तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया सेत्तं दव्वोमोयरिया। से किं तं भावोमोयरिया? भावोमोयरिया अणेगविहा प० तं०—अप्पकोहे जाव अप्पलोभे अप्पसद्दे अप्पझंझे अप्पतुमंतुमे सेत्तं भावोमोयरिया सेत्तं ओमोयरिया। से किं तं भिक्खायरिया? भिक्खायरिया अणेगविहा प० तं०—दव्वाभिग्गहचरए जहा उववाइए जाव सुद्धेसणिए संखादत्तिए, सेत्तं भिक्खायरिया। से किं तं रसपरिच्चाए? रसपरिच्चाए अणेगविहे प० तं०—निव्वियए पणीयरसविवज्जए जहा उववाइए जाव लूहाहारे सेत्तं रसपरिच्चाए। से किं तं कायकिलेसे? कायकिलेसे अणेगविहे प० तं०—ठाणाइए उक्कुडुयासणिए जहा उववाइए जाव सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्के सेत्तं कायकिलेसे। से किं तं पडिसंलीणया? पडिसंलीणया चउव्विहा प० तं०—इंदियपडिसंलीणया कसायपडिसंलीणया जोगपडिसंलीणया विवित्तसयणासणसेवणया। से किं तं इंदियपडिसंलीणया? इंदियपडिसंलीणया पंचविहा प० तं०—सोइंदियविसयप्पयारनिरोहो वा सोइंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो चक्खिंदियविसय एवं जाव फासिंदियविसयप्पयारनिरोहो वा फासिंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो सेत्तं इंदियपडिसंलीणया। से किं तं कसायपडिसंलीणया? कसायपडिसंलीणया चउव्विहा प० तं० जहा—कोहोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं एवं जाव लोभोदयनिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा लोभस्स विफलीकरणं सेत्तं कसायपडिसंलीणया। से किं तं जोगपडिसंलीणया? जोगपडिसंलीणया तिविहा प० तं०—मणजोगए वइजोगए कायजोगपडिसंलीणया। से किं तं मणजोगपडिसंलीणया? २ तिविहा प० तं०—अकुसलमणनिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा मणस्स वा एगत्तीभावकरणं से किं तं वइजोगपडिसंलीणया? २ तिविहा प० तं०—अकुसलवइनिरोहो वा कुसलवइउदीरणं वा वईए वा एगत्तीभावकरणं से किं तं कायपडिसंलीणया? कायपडिसंलीणया जण्णं सुसमाहियपसंतसाहरियपाणिपाए कुम्मो इव गुत्तिंदिए अल्लीणे पल्लीणे चिट्ठइ, सेत्तं कायपडिसंलीणया सेत्तं जोगपडिसंलीणया, से किं तं विवित्तसयणासणसेवणया? विवित्तसयणासणसेवणया जण्णं आरामेसु

उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं ॥ एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसु- हुमसपरायअहक्खायसंजयाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमसपरायसजया, परिहारविसुद्धियसंजया सखेज्जगुणा, अहक्खायसजया सखेज्ज- गुणा, छेदोवट्ठावणियसजया सखेज्जगुणा, सामाइयसजया संखेज्जगुणा ३६ ॥७९७॥ पडिसेवण दोसालोयणा य आलोयणारिहे चेव । तत्तो सामायारी पायच्छित्ते तवे चेव ॥१॥ कइविहा णं भंते ! पडिसेवणा प० ? गोयमा ! दसविहा पडिसेवणा प०, तं०— दप्प १ प्पमाद २ ऽणाभोगे ३, आउरे ४ आवती ५ ति य । सकिन्ने ६ सहसक्कारे, ७ भय ८ प्पओसा ९ य वीमसा १० ॥ १ ॥ दस आलोयणादोसा प०, तंजहा— आकंपइत्ता १ अणुमाणइत्ता २ जं दिट्ठ ३ वायरं च ४ सुहुमं (च) वा ५ । छन्नं ६ सद्दा- उलयं ७ बहुजण ८ अव्वत्त ९ तस्सेवी १० ॥ २ ॥ दसहिं ठाणेहिं सपन्ने अणगारे अरिहइ अत्तदोस आलोइत्तए, तजहा—जाइसंपन्ने १, कुलसपन्ने २, विणयसंपन्ने ३, णाणसपन्ने ४, दसणसपन्ने ५, चरित्तसपन्ने ६, खंते ७, दंते ८, अमाई ९, अपच्छा- णुतावी १० । अट्ठहिं ठाणेहिं संपन्ने अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए, तंजहा— आयारव १, आहारव २, ववहारवं ३, उव्वीलए ४, पकुव्वए ५, अपरिस्सावी ६, निज्जवए ७, अवायदसी ८ ॥ ७९८ ॥ दसविहा सामायारी प०, तं०—इच्छा १ मिच्छा २ तहक्कारे ३, आवस्सिया य ४ निसीहिया ५ । आपुच्छणा य ६ पडिपुच्छा ७, छदणा य ८ निमतणा ९ ॥ १ ॥ उवसपया १० य काले, सामायारी भवे दसहा ॥ ७९९ ॥ दसविहे पायच्छित्ते प०, त०—आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउसग्गारिहे तवारिहे छेदारिहे मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे ॥ ८०० ॥ दुविहे तवे पन्नत्ते, तंजहा—बाहि(रि)रए य अब्भितरए य, से कि त बाहि- रए तवे ? बाहिरए तवे छव्विहे प०, तं०—अणसण ऊणोयरिया भिक्खायरिया य रसपरिच्चाओ । कायकिलेसो पडिसलीणया (वज्झो तवो होइ) ॥ १ ॥ से किं तं अणसणे ? अणसणे दुविहे प०, त०—इत्तरिए य आवकहिए य, से किं त इत्तरिए ? इत्तरिए अणेगविहे पन्नत्ते, तजहा—चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउद्दसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए भत्ते ते(ति)मासिए भत्ते जाव छम्मासिए भत्ते, सेत्तं इत्तरिए । से कि त आवकहिए ? आवकहिए दुविहे प०, त०—पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य, से किं त पाओवगमणे ? पाओवगमणे दुविहे प०, त०—नीहारिमे य अणीहारिमे य नियमं(मा) अपडिक्कमे, से त पाओवगमणे, से कि तं भत्तपच्चक्खाणे ? भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प०, त०—नीहारिमे य अनीहारिमे य नियम सपडिक्कमे, सेत्त भत्तपच्चक्खाणे, सेत्त आवकहिए, सेत्त

प॰। से किं तं पसत्थकायविणए ? पसत्थकायविणए सत्तविहे प॰, तंजहा–आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं निसीयणं आउत्तं तुयट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया, सेत्तं पसत्थकायविणए, से किं तं अप्पसत्थकायविणए ? अप्पसत्थकायविणए सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा–अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया, सेत्तं अप्पसत्थकायविणए, सेत्तं कायविणए, से किं तं लोगोवयारविणए ? लोगोवयारविणए सत्तविहे प॰, तं॰–अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेउं कयपडिकिरिया अत्तगवेसणया देसकालण्णया सव्वत्थेसु अप्पडिलोमया, सेत्तं लोगोवयारविणए, सेत्तं विणए। से किं तं वेयावच्चे ? वेयावच्चे दसविहे प॰, तं॰–आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे सेहवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे, सेत्तं वेयावच्चे। से किं तं सज्झाए ? सज्झाए पंचविहे पन्नत्ते, तं॰–वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा, सेत्तं सज्झाए ॥ ८ ॥ से किं तं झाणे ? झाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–अट्टे झाणे रोद्दे झाणे धम्मे झाणे सुक्के झाणे अट्टे झाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–अमणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगस्सतिसमन्नागए यावि भवइ १ मणुन्नसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमन्नागए यावि भवइ २ आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसतिसमन्नागए यावि भवइ ३, परिजुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसतिसमन्नागए यावि भवइ ४ अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प॰, तं॰–कंदणया सोयणया तिप्पणया परिदेवणया १। रोद्दझाणे चउव्विहे प॰, तं॰ हिंसाणुबंधी मोसाणुबंधी तेयाणुबंधी सारक्खणाणुबंधी, रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प॰, तं॰–ओसन्नदोसे बहुदोसे अन्नाणदोसे आमरणांतदोसे २। धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प॰, तं॰–आणाविजए अवायविजए विवागविजए संठाणविजए, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प॰, तं॰–आणारुई निसग्गरुई सुत्तरुई ओगाढरुई, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प॰, तं॰–वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा धम्मकहा, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प॰, तं॰–एगत्ताणुप्पेहा अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा संसाराणुप्पेहा ३। सुक्के झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प॰, तं॰–पुहुत्तवियक्के सवियारी १ एगत्तवियक्के अवियारी २ सुहुमकिरिए अनियट्टी ३ समुच्छिन्नकिरिए अप्पडिवाई ४ सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प॰, तं॰–खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प॰, तं॰–अव्वहे असंमोहे विवेगे विउसग्गे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि

वा उज्जाणेसु वा जहा सोमिलुद्देसए जाव सेज्जासंथारग उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, सेत्तं विवित्तसयणासणसेवणया, सेत्तं पडिसंलीणया, सेत्तं बाहिरए तवे १ ॥ से किं तं अब्भितरए तवे ? अब्भितरए तवे छव्विहे प०, त०-पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ । झाणं विउस्सग्गो । से किं तं पायच्छित्ते ? पायच्छित्ते दसविहे प०, त०-आलोयणारिहे जाव पारंचियारिहे, सेत्तं पायच्छित्ते । से किं तं विणए ? विणए सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा-नाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मणविणए वइविणए कायविणए लोगोवयारविणए, से किं तं नाणविणए ? नाणविणए पंचविहे प०, त०-आभिणिबोहियनाणविणए जाव केवलनाणविणए, सेत्तं नाणविणए, से किं तं दंसणविणए ? दंसणविणए दुविहे प०, त०-सुस्सूसणाविणए य अणच्चासायणाविणए य, से किं तं सुस्सूसणाविणए ? सुस्सूसणाविणए अणेगविहे प०, त०-सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जहा चउद्दसमसए तइए उद्देसए जाव पडिसंसाह(र)णया, सेत्तं सुस्सूसणाविणए, से किं तं अणच्चासायणाविणए ? अणच्चासायणाविणए पणयालीसइविहे प०, तं०-अरिहंताणं अणच्चासायणया अरिहंतपन्नत्तस्स धम्मस्स अणच्चासायणया आयरियाणं अणच्चासायणया उवज्झायाणं अणच्चासायणया थेराणं अणच्चासायणया कुलस्स अणच्चासायणया गणस्स अणच्चासायणया संघस्स अणच्चासायणया किरियाए अणच्चासायणया संभोगस्स अणच्चासायणया आभिणिबोहियनाणस्स अणच्चासायणया जाव केवलनाणस्स अणच्चासायणया १५, एएसिं चेव भत्तिबहुमाणेणं एएसिं चेव वण्णसंजलणया, सेत्तं अणच्चासायणयाविणए, सेत्तं दंसणविणए, से किं तं चरित्तविणए ? चरित्तविणए पंचविहे प०, त०-सामाइयचरित्तविणए जाव अहक्खायचरित्तविणए, सेत्तं चरित्तविणए, से किं तं मणविणए ? मणविणए दुविहे प०, तं०-पसत्थमणविणए य अपसत्थमणविणए य, से किं तं पसत्थमणविणए ? पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तंजहा-अपावए असावज्जे अकिरिए निरुवक्केसे अणण्हयकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थमणविणए, से किं तं अपसत्थमणविणए ? अप्पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, त०-पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हयकरे छविकरे भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थमणविणए, सेत्तं मणविणए, से किं तं वइविणए ? वइविणए दुविहे प०, तं०-पसत्थवइविणए य अप्पसत्थवइविणए य, से किं तं पसत्थवइविणए ? पसत्थवइविणए सत्तविहे प०, त०-अपावए जाव अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थवइविणए, से किं तं अप्पसत्थवइविणए ? अप्पसत्थवइविणए सत्तविहे प०, तं०-पावए सावज्जे जाव भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थवइविणए, से तं वइविणए, से किं तं कायविणए ? कायविणए दुविहे प०, त०-पसत्थकायविणए य अप्पसत्थकायविणए

एगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया एगिंदिया णं (एवं) चेव नवरं चउसमइओ विग्गहो, सेसं तं चेव, सेवं भंते! २त्ति जाव विहरइ ॥ ८४ ॥ २५।८ ॥ भवसिद्धियनेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहानामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव जाव वेमाणिए, सेवं भंते! २त्ति ॥ ८५ ॥ २५।९ ॥ अभवसिद्धियनेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहानामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं जाव वेमाणि(ए)या सेवं भंते! २त्ति ॥ ८६ ॥ २५।१० ॥ सम्मदिट्ठिनेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहानामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणि(ए)या सेवं भंते! २त्ति ॥ ८७ ॥ २५।११ ॥ मिच्छादिट्ठिनेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहानामए-पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं जाव वेमाणिए, सेवं भंते! २त्ति जाव विहरइ ॥ ८८ ॥ २५।१२ ॥ पणवीसइमस्स सयस्स बारसमो उद्देसो समत्तो ॥ पणवीसइमं सयं समत्तं ॥

नमो सुयदेवयाए भगवईए। जीवा १ य लेस्सा पक्खिय ३ दिट्ठी ४ अन्नाण ५ नाण ६ सन्नाओ ७। वेय ८ कसा(य)ए ९ उवओ(गे)ग १० जोग ११ एक्कार(स)वि ठाणा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी-जीवे णं भंते! पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २, बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३, बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४? गोयमा! अत्थेगइए (जीवे) बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ अत्थेगइए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २, अत्थेगइए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३ अत्थेगइए बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४-१ ॥ सलेस्से णं भंते! जीवे पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, बंधी बंधइ न बंधिस्सइ पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए एवं चउभंगो। कण्हलेस्से णं भंते! जीवे पावं कम्मं किं बंधी पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ एवं जाव पम्हलेस्से सव्वत्थ पढमबिइया भंगा सुक्कलेस्से जहा सलेस्से तहेव चउभंगो। अलेस्से णं भंते! जीवे पावं कम्मं किं बंधी पुच्छा गोयमा! बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ २। कण्हपक्खिए णं भंते! जीवे पावं कम्मं पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया भंगा। सुक्कपक्खिए णं भंते! जीवे पुच्छा गोयमा! चउभंगो भाणियव्वो ॥ ८९ ॥ सम्मदिट्ठीणं चत्तारि भंगा मिच्छादिट्ठीणं पढमबिइया भंगा, सम्मामिच्छादिट्ठीणं एवं चेव। नाणीणं चत्तारि भंगा आभिणिबोहियनाणीणं जाव मणपज्जवनाणीणं चत्तारि भंगा, केवलनाणीणं चरिमो भंगो जहा अलेस्साणं २, अन्नाणीणं पढमबिइया,

अणुप्पेहाओ प०, त०—अणंतवत्तियाणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा असुभाणुप्पेहा अवायाणुप्पेहा ४, सेत्तं झाणे ॥ ८०२ ॥ से किं तं विउसग्गे ? विउसग्गे दुविहे प०, त०—दव्वविउसग्गे य भावविउसग्गे य, से किं तं दव्वविउसग्गे ? दव्वविउसग्गे चउव्विहे प०, त०—गणविउसग्गे सरीरविउसग्गे उवहिविउसग्गे भत्तपाणविउसग्गे, सेत्तं दव्वविउसग्गे, से किं तं भावविउसग्गे ? भावविउसग्गे तिविहे प०, तं०—कसायविउसग्गे संसारविउसग्गे कम्मविउसग्गे, से किं तं कसायविउसग्गे ? कसायविउसग्गे चउव्विहे प०, तंजहा—कोहविउसग्गे माणविउसग्गे मायाविउसग्गे लोभविउसग्गे, सेत्तं कसायविउसग्गे, से किं तं संसारविउसग्गे ? संसारविउसग्गे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—नेरइयसंसारविउसग्गे जाव देवसंसारविउसग्गे, सेत्तं संसारविउसग्गे, से किं तं कम्मविउसग्गे ? कम्मविउसग्गे अट्ठविहे प०, तंजहा—णाणावरणिज्जकम्मविउसग्गे जाव अंतराइयकम्मविउसग्गे, सेत्तं कम्मविउसग्गे, सेत्तं भावविउसग्गे, सेत्तं अब्भित(र)रिए तवे । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८०३ ॥ **पणवीसइमस्स सयस्स सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे जाव एवं वयासी–नेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे अज्झवसाणनिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं ठाणं विप्पजहित्ता पुरिमं ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ एवामेव एए(ते)वि जीवा पवओविव पवमाणा अज्झवसाणनिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं भवं विप्पजहित्ता पुरिमं भवं उवसंपज्जित्ताणं विहरन्ति । तेसि णं भंते ! जीवाणं कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए प० ? गोयमा ! से जहानामए–केइ पुरिसे तरुणे बलवं एवं जहा चउद्दसमसए पढमुद्देसए जाव तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, तेसि णं जीवाणं तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए प० । ते णं भंते ! जीवा कहं परभवियाउयं पकरेंति ? गोयमा ! अज्झवसाण(जोग)निव्वत्तिएणं करणोवाएणं एवं खलु ते जीवा परभवियाउयं पकरेन्ति, तेसि णं भंते ! जीवाणं कहं गई पवत्तइ ? गोयमा ! आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं, एवं खलु तेसिं जीवाणं गई पवत्तइ, ते णं भंते ! जीवा किं आइड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति ? गोयमा ! आइड्ढीए उववज्जंति नो परिड्ढीए उववज्जंति । ते णं भंते ! जीवा किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति ? गोयमा ! आयकम्मुणा उववज्जंति नो परकम्मुणा उववज्जंति, ते णं भंते ! जीवा किं आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति । असुरकुमारा णं भंते ! कहं उववज्जंति ? जहा नेरइया तहेव निरवसेसं जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं

तिज्जा भंगा। सुक्कलेस्से तइयविहूणा भंगा अलेस्से चरिमो भंगो। कण्हपक्खिए पढमबिइया भंगा। सुक्कपक्खिया तइयविहूणा एवं सम्मद्दिट्ठिस्सवि। मिच्छादिट्ठिस्स सम्मामिच्छादिट्ठिस्स य पढमबिइया। णा(ण)िस्स तइयविहूणा आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी पढमबिइया। केवलणाणी तइयविहूणा एवं णोसण्णोवउत्ते अवेदए अकसाई सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते एएसु तइयविहूणा अजोगिम्मि य चरिमो सेसेसु पढमबिइया। णेरइए णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ एवं णेरइया(ईणं) जाव वेमाणियत्ति जस्स जं अत्थि सव्वत्थवि पढमबिइया, णवरं मणुस्से(स्स) जहा जीवे, जीवे णं भंते! मोहणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ जहेव पावं कम्मं तहेव मोहणिज्जंपि णिरवसेसं जाव वेमाणिए ॥ ८११ ॥ जीवे णं भंते! आउयं कम्मं किं बंधी बंधइ पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए बंधी चउभंगो सलेस्से जाव सुक्कलेस्से चत्तारि भंगा अलेस्से चरिमो भंगो। कण्हपक्खिए णं पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ, सुक्कपक्खिए सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी चत्तारि भंगा सम्मामिच्छादिट्ठी पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ, णाणी जाव ओहिणाणी चत्तारि भंगा मणपज्जवणाणी पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ, केवलणा(णी)णे चरिमो भंगो एवं एएणं कमेणं णोसण्णोवउत्ते बिइयविहूणा जहेव मणपज्जवणाणे अवेदए अकसाई य तइयचउत्था जहेव सम्मामिच्छत्ते अजोगिम्मि चरिमो सेसेसु पएसु चत्तारि भंगा जाव अणागारोवउत्ते ॥ णेरइए णं भंते! आउयं कम्मं किं बंधी पुच्छा गोयमा! अत्थेगइए चत्तारि भंगा एवं सव्वत्थवि णेरइयाणं चत्तारि भंगा णवरं कण्हलेस्से कण्हपक्खिए य पढमतइया भंगा सम्मामिच्छत्ते तइयचउत्था असुरकुमारे एवं चेव णवरं कण्हलेस्से(स्स)वि चत्तारि भंगा भाणियव्वा सेसं जहा णेरइयाणं एवं जाव थणियकुमाराणं पुढविक्काइयाणं सव्वत्थवि चत्तारि भंगा णवरं कण्हपक्खिए पढमतइया भंगा तेउलेस्से पुच्छा गोयमा! बंधी न बंधइ बंधिस्सइ, सेसेसु सव्वत्थ चत्तारि भंगा एवं आउक्काइयवणस्सइकाइयाणवि णिरवसेसं तेउकाइयवाउकाइयाणं सव्वत्थवि पढमतइया भंगा बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणंपि सव्वत्थवि पढमतइया भंगा णवरं सम्मत्ते णाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे तइओ भंगो। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हपक्खिए पढमतइया भंगा सम्मामिच्छत्ते तइयचउत्था भंगा, सम्मत्ते णाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे एएसु पंचसुवि पएसु बिइयविहूणा भंगा सेसेसु चत्तारि भंगा मणुस्साणं

एव मइअन्नाणीणं सुयअन्नाणीणं विभगणाणीणवि ६ । आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताणं पढमविइया नोसन्नोवउत्ताण चत्तारि ७ । सवेदगाणं पढमविइया,एवं इत्थिवेदगाणं पुरिसवेदगाण नपुंसगवेदगाणवि, अवेदगाण चत्तारि भंगा ॥ सकसाईण चत्तारि, कोहकसाईण पढमविइया भगा, एव माणकसा(य)इस्सवि माया-कसाइस्सवि लोभकसाइस्सवि चत्तारि भगा, अकसाई ण भते ! जीवे पावं कम्मं किं बधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बधी न बधइ बधिस्सइ ३, अत्थेगइए बधी ण बधइ ण बधिस्सइ ४ । सजोगिस्स चउभगो, एव मणजो(ग)गिस्सवि वइ-जोगिस्सवि कायजोगिस्सवि, अजोगिस्स चरिमो, सागारोवउत्ते चत्तारि, अणागारो-वउत्तेवि चत्तारि भगा ११ ॥ ८१० ॥ नेरइए ण भते ! पाव कम्म किं बंधी बंधइ बधिस्सइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बधी पढमविइया १, सलेस्से ण भंते ! नेरइए पाव कम्म० एव चेव, एवं कण्हलेस्सेवि नीललेस्सेवि काउलेस्सेवि, एव कण्हप-क्खिए(वि) सुक्कपक्खिए(वि), सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणी आभि-णिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिणाणी अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी आहारसन्नोवउत्ते जाव परिग्गहसन्नोवउत्ते, सवेदए जाव नपुंसगवेदए, सकसाई जाव लोभकसाई, सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी, सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते, एएसु सव्वेसु पएसु पढमविइया भगा भाणियव्वा, एव असुरकुमारस्सवि वत्तव्वया भाणियव्वा नवरं तेउलेस्सा इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा य अब्भहिया नपुंसगवेदगा न भन्नति सेस त चेव सव्वत्थ पढमविइया भगा, एव जाव थणियकुमारस्स, एव पुढविकाइयस्सवि आउकाइयस्सवि जाव पचिंदियतिरिक्खजोणियस्सवि सव्वत्थवि पढम-विइया भगा नवरं जस्स जा लेस्सा दिट्ठी णाण अन्नाण वेदो जोगो य ज जस्स अत्थि त तस्स भाणियव्व सेस तहेव, मणूसस्स जच्चेव जीवपदे वत्तव्वया सच्चेव निरवसेसा भाणियव्वा, वाणमंतरस्स जहा असुरकुमारस्स, जोइसियस्स वेमाणियस्स एव चेव नवर लेस्साओ जाणियव्वाओ, सेस तहेव भाणियव्वं ॥ ८११ ॥ जीवे ण भंते ! नाणावरणिज्ज कम्मं किं बधी बधइ बधिस्सइ एव जहेव पावकम्मस्स वत्तव्वया भणिया तहेव नाणावरणिजस्सवि वत्तव्वया भाणियव्वा नवरं जीवपदे मणुस्सपदे य सकसाई जाव लोभकसाइम्मि य पढमविइया भंगा अवसेस तं चेव जाव वेमाणिए, एव दरिसणावरणिज्जेणवि दंडगो भाणियव्वो निरवसेसो ॥ जीवे ण भते ! वेयणिज्ज कम्मं किं बधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बधी बधइ बधि-स्सइ १, अत्थेगइए बंधी बधइ न बंधिस्सइ २, अत्थेगइए बधी न बधइ न बंधि-स्सइ ४, सलेस्सेवि एवं चेव तइयविहूणा भंगा, कण्हलेस्से जाव पम्हलेस्से पढम-

जहा जीवाणं, नवरं सम्मत्ते ओहिए नाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे एएसु बिइयविहूणा भंगा, सेसं तं चेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुर-कुमारा, नामं गोयं अंतरा(इ)यं च एयाणि जहा नाणावरणिज्जं। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१३ ॥ **बंधिसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणंतरोववन्नए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा तहेव, गोयमा! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया भंगा। सलेस्से णं भंते! अणंतरोववन्नए नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! पढमबिइया भंगा, एवं खलु सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, नवरं सम्मामिच्छत्तं मणजोगो वइजोगो य न पुच्छिज्जइ, एवं जाव थणिय-कुमाराणं, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वइजोगो न भण्णइ, पंचिंदियतिरिक्खजोणि-याणंपि सम्मामिच्छत्तं ओहिनाणं विभंगनाणं मणजोगो वइजोगो एयाणि पंच पदाणि ण भण्णंति। मणुस्साणं अलेस्ससम्मामिच्छत्तमणपज्जवनाणकेवलनाणविभंगनाण-नोसन्नोवउत्तअवेदगअकसाइमणजो(गि)गवइजोगअजोगी एयाणि एगारस पयाणि ण भण्णंति, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं तहेव ते तिन्नि न भण्णंति सव्वेसिं, जाणि सेसाणि ठाणाणि सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, एगिंदियाणं सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, जहा पावे एवं नाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं आउयवज्जेसु जाव अंतराइए दंडओ ॥ अणंतरोववन्नए णं भंते! नेरइए आउयं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! बंधी न बंधइ बंधिस्सइ। सलेस्से णं भंते! अणंतरोववन्नए नेरइए आउयं कम्मं किं बंधी०? एवं चेव तइओ भंगो, एवं जाव अणागारोवउत्ते, सव्वत्थवि तइओ भंगो, एवं मणुस्सवज्जं जाव वेमाणियाणं, मणुस्साणं सव्वत्थ तइयचउत्था भंगा, नवरं कण्हपक्खिएसु तइओ भंगो सव्वेसिं नाणत्ताइं ताइं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१४ ॥ **बंधिसयस्स बिइओ उद्देसो समत्तो ॥**

परंपरोववन्नए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! अत्थेग-इए पढमबिइया, एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव परंपरोववन्नएहिवि उद्देसओ भाणियव्वो नेरइयाईओ तहेव नवदंडगसंगहिओ, अट्ठण्हवि कम्मप्पगडीणं जा जस्स कम्मस्स वत्तव्वया सा तस्स अहीणमइरित्ता नेयव्वा जाव वेमाणिया अणागारो-वउत्ता। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१५ ॥ **बंधिसयस्स तइओ उद्देसो समत्तो ॥**

अणंतरोगाढए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा! अत्थे-गइए० एवं जहेव अणंतरोववन्नएहिं नवदंडगसंगहिओ उद्देसओ भणिओ तहेव अणंतरोगाढएहिवि अहीणमइरित्तो भाणियव्वो नेरइयाईए जाव वेमाणिए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ २६-४ ॥ परंपरोगाढए णं भंते! नेरइए पावं कम्मं किं बंधी० जहेव

एवं एएवि अट्ठ भंगा एवं अणंतरोववन्नगाणं नेरइयाईणं जस्स जं अत्थि लेस्सा-
दीयं अणागारोवओगपज्जवसाणं तं सव्वं एयाए भयणाए भाणियव्वं जाव वेमा-
णियाणं नवरं अणंतरेसु जे परिहरियव्वा ते जहा बंधिसए तहा इहंपि एवं
नाणावरणिज्जेणवि दंडओ एवं जाव अंतराइएणं निरवसेसं एसोवि नवदंडगसंग-
हिओ उद्देसओ भाणियव्वो। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१९ ॥ १८१२ ॥ एवं एएणं
कमेणं जहेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी तहेव इहंपि अट्ठसु भंगेसु नेयव्वा नवरं
जाणियव्वं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं जाव (अ)चरिमुद्देसो। सव्वेवि एए
एक्कारस उद्देसगा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२० ॥ अट्ठावीसइमं
कम्मसमज्जणणसयं समत्तं ॥

जीवा णं भंते! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु १ समायं
पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु २, विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु ३, विसमायं
पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु ४? गोयमा! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु
जाव अत्थेगइया विसमायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ
अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु? तं चेव गोयमा! जीवा चउव्विहा
पन्नत्ता तंजहा-अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा १ अत्थेगइया समाउया
विसमोववन्नगा २ अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा ३, अत्थेगइया विसमाउया
विसमोववन्नगा ४ तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं
पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं पावं कम्मं
समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववन्नगा ते णं
पावं कम्मं विसमायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमो-
ववन्नगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से तेणट्ठेणं गोयमा!
तं चेव। सलेस्सा णं भंते! जीवा पावं कम्मं एवं चेव एवं सव्वट्ठाणेसुवि जाव
अणागारोवउत्ता एए सव्वेवि पया एयाए वत्तव्वयाए भाणियव्वा। नेरइया णं
भंते! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइया
समायं पट्ठविंसु एवं जहेव जीवाणं तहेव भाणियव्वं जाव अणागारोवउत्ता एवं जाव
वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि तं एएणं चेव कमेणं भाणियव्वं जहा पावेण कम्मेण
दंडओ, एवं एएणं कमेणं अट्ठसुवि कम्मप्पगडीसु अट्ठ दंडगा भाणियव्वा जीवाईया
वेमाणियपज्जवसाणा एसो नवदंडगसंगहिओ पढमो उद्देसओ भाणियव्वो। सेवं भंते!
२ त्ति ॥ ८२१ ॥ एगूणतीसइमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

अणंतरोववन्नगा णं भंते! नेरइया पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं

पढमतइया भंगा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाण एवं चेव नवरं सम्मत्ते ओहिनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे एएसु चउसुवि ठाणेसु तइओ भगो, पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियाण सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो, सेसेसु पदेसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, मणुस्साणं सम्मामिच्छत्ते अवेदए अकसाइम्मि य तइओ भंगो, अलेस्स केवलनाण अजोगी य न पुच्छिज्जति, सेसपदेसु सव्वत्थ पढमतइया भगा, वाणमंतरजोइसिय-वेमाणिया जहा नेरइया । नामं गोय अतराइयं च जहेव नाणावरणिज्ज तहेव निरवसेस । सेव भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१६ ॥ **छव्वीसइमे बंधिसए एयारहमो उद्देसो समत्तो ॥ छव्वीसइमं बंधिसयं समत्तं ॥**

जीवा णं भंते ! पाव कम्मं किं करिंसु करेन्ति करिस्सति १, करिंसु करेंति न करिस्सति २, करिंसु न करेंति करिस्संति ३, करिंसु न करेंति न करिस्सति ४ ? गोयमा ! अत्थेगइए करिंसु करेंति करिस्सति १, अत्थेगइए करिंसु करेंति न करि-स्संति २, अत्थेगइए करिंसु न करेंति करिस्संति ३, अत्थेगइए करिंसु न करेंति न करिस्सति ४ । सलेस्से ण भंते ! जीवे पाव कम्म एव एएण अभिलावेण जच्चेव बंधिसए वत्तव्वया सच्चेव निरवसेसा भाणियव्वा, तहेव नवदंडगसंगहिया एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ॥ ८१७ ॥ **सत्तावीसइमं करिंसुगसयं समत्तं ॥**

जीवा ण भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा १ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य होज्जा २ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य मणुस्सेसु य होज्जा ३ अहवा तिरिक्खजोणि-एसु य देवेसु य होज्जा ४ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य मणुस्सेसु य होज्जा ५ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य देवेसु य होज्जा ६ अहवा तिरिक्खजो-णिएसु य मणुस्सेसु य देवेसु य होज्जा ७ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य नेरइएसु य मणुस्सेसु य देवेसु य होज्जा ८ । सलेस्सा ण भंते ! जीवा पाव कम्म कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? एव चेव, एव कण्हलेस्सा जाव अलेस्सा, कण्हपक्खिया सुक्कप-क्खिया एव जाव अणागारोवउत्ता । नेरइया ण भंते ! पावं कम्म कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जत्ति एव चेव अट्ठ भगा भाणियव्वा, एवं सव्वत्थ अट्ठ भंगा, एवं जाव अणागारोवउत्तावि, एव जाव वेमाणियाण, एव नाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एव जाव अंतराइएण, एव एए जीवादीया वेमाणियपज्जवसाणा नव दंडगा भवंति । सेव भंते ! २ त्ति जाव विह-रइ ॥ ८१८ ॥ २८।१ ॥ अणंतरोववन्नगा णं भंते ! नेरइया पावं कम्म कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा,

जाव वेमाणियाणं । सलेस्सा णं भंते ! नेरइया किं किरियावाई ? एवं चेव एवं जाव काउलेस्सा । कण्हपक्खिया किरियाविवज्जिया एवं एएणं कमेणं जच्चेव जीवाणं वत्तव्वया सच्चेव नेरइयाणवि वत्तव्वया जाव अणागारोवउत्ता नवरं जं अत्थि तं भाणियव्वं सेसं न भण्णइ, जहा नेरइया एवं जाव थणियकुमारा ॥ पुढविकाइया णं भंते ! किं किरियावाई पुच्छा गोयमा ! नो किरियावाई अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि नो वेणइयवाई, एवं पुढविक्काइयाणं जं अत्थि तत्थ सव्वत्थवि एयाइं दो मज्झिल्लाइं समोसरणाइं जाव अणागारोवउत्तावि एवं जाव चउरिंदियाणं सव्वट्ठाणेसु एयाइं चेव मज्झिल्लगाइं दो समोसरणाइं, सम्मत्तनाणेहिवि एयाणि चेव मज्झिल्लगाइं दो समोसरणाइं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा जीवा नवरं जं अत्थि तं भाणियव्वं मणुस्सा जहा जीवा तहेव निरवसेसं वाणमंतरजोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ किरियावाई णं भंते ! जीवा किं नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयं पकरेन्ति देवाउयं पकरेन्ति ? गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवा-उयंपि पकरेन्ति जइ देवाउयं पकरेन्ति किं भवणवासिदेवाउयं पकरेन्ति जाव वेमाणियदेवाउयं पकरेन्ति ? गोयमा ! नो भवणवासिदेवाउयं पकरेन्ति नो वाणमंतरदेवाउयं पकरेन्ति नो जोइसियदेवाउयं पकरेन्ति वेमाणियदेवाउयं पकरेन्ति । अकिरियावाई णं भंते ! जीवा किं नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्ख पुच्छा गोयमा ! नेरइयाउयंपि पकरेन्ति जाव देवाउयंपि पकरेन्ति एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति पुच्छा गोयमा ! नो नेरइयाउयं एवं जहेव जीवा तहेव सलेस्साव चउहिवि समोसरणेहिं भाणियव्वा । कण्हलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइया-उयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयं पकरेन्ति नो देवाउयं पक-रेन्ति अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य चत्तारिवि आउयाइं पकरेन्ति एवं नीललेस्सावि काउलेस्सावि तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउयं पकरेन्ति पुच्छा गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पकरेन्ति जइ देवाउयं पकरेन्ति तहेव, तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं नेरइयाउयं पुच्छा गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पकरेन्ति एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि जहा तेउलेस्सा एवं पम्हलेस्सावि सुक्कलेस्सावि नेयव्वा ॥ अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं

निट्ठविंसु० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु अत्थेग-इया समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठविंसु, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु तं चेव, गोयमा ! अणंतरोववन्नगा नेरइया दुविहा प०, तं०-अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा, तत्थ णं जे ते समाउया समोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु समायं निट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववन्नगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु विसमायं निट्ठ-विंसु, से तेणट्ठेणं तं चेव । सलेस्सा णं भंते ! अणंतरोववन्नगा नेरइया पावं कम्मं एवं चेव, एवं जाव अणागारोवउत्ता, एवं असुरकुमारावि एवं जाव वेमाणिया नवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं, एवं नाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं निरवसेसं जाव अंतराइएणं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ २५१२ ॥ एवं एएणं गमएणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगपरिवाडी सच्चेव इहवि भाणियव्वा जाव अचरिमोत्ति, अणं-तरउद्देसगाणं चउण्हवि एक्का वत्तव्वया सेसाणं सत्तण्हं एक्का वत्तव्वया ॥ ८२२ ॥

एगूणतीसइमं कम्मपट्ठवणसयं समत्तं ॥

कइ णं भंते ! समोसरणा प० ? गोयमा ! चत्तारि (चउव्विहा) समोसरणा प०, तंजहा—किरियावाई अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई, जीवा णं भंते ! किं किरियावाई अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई ? गोयमा ! जीवा किरियावाईवि अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सलेस्सा णं भंते ! जीवा किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, एवं जाव सुक्कलेस्सा, अलेस्सा णं भंते ! जीवा पुच्छा, गोयमा ! किरियावाई नो अकिरियावाई नो अन्नाणियवाई नो वेणइयवाई । कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! नो किरियावाई अकिरियावाई अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी जहा अलेस्सा, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठीणं पुच्छा, गोयमा ! नो किरियावाई नो अकिरियावाई अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, णाणी जाव केवलनाणी जहा अलेस्सा, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, आहा-रसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता जहा सलेस्सा, नोसन्नोवउत्ता जहा अलेस्सा, सवेदगा जाव नपुंसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा अलेस्सा, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा अलेस्सा, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा । नेरइया णं भंते ! किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि

एवं आउक्काइयाणवि एवं वणस्सइकाइयाणवि तेउकाइया वाउकाइया सव्वट्ठाणेसु
मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति
नो मणुस्साउयं पकरेंति नो देवाउयं पकरेन्ति बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं जहा
पुढविकाइयाणं नवरं सम्मत्तनाणेसु न एक्कंपि आउयं पकरेन्ति ॥ किरियावाई णं भंते !
पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं नेरइयाउयं पकरेन्ति पुच्छा गोयमा ! जहा मणपज्ज-
वनाणी, अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य चउव्विहंपि पकरेन्ति, जहा
ओहिया तहा सलेस्सावि । कण्हलेस्सा णं भंते ! किरियावाई पंचिंदियतिरिक्खजो-
णिया किं नेरइयाउयं पुच्छा गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्ख नो
मणुस्साउयं पकरेंति नो देवाउयं पकरेन्ति अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई
चउव्विहंपि पकरेन्ति जहा कण्हलेस्सा एवं नीललेस्सावि काउलेस्सावि तेउलेस्सा
जहा सलेस्सा नवरं अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई य नो नेरइयाउयं
पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयंपि पक-
रेंति एवं पम्हलेस्सावि एवं सुक्कलेस्सावि भाणियव्वा कण्हपक्खिया तिहिं समोस-
रणेहिं चउव्विहंपि आउयं पकरेन्ति सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा सम्मद्दिट्ठी जहा
मणपज्जवनाणी तहेव वेमाणियाउयं पकरेन्ति मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया,
सम्मामिच्छादिट्ठी ण य एक्कंपि आउयं पकरेन्ति जहेव नेरइया नाणी जाव ओहि-
नाणी जहा सम्मद्दिट्ठी अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सेसा जाव
अणागारोवउत्ता सव्वे जहा सलेस्सा तहा चेव भाणियव्वा जहा पंचिंदियतिरिक्ख-
जोणियाणं वत्तव्वया भणिया एवं मणुस्साणवि वत्तव्वया भाणियव्वा, नवरं मणप-
ज्जवनाणी नोसन्नोवउत्ता य जहा सम्मद्दिट्ठी तिरिक्खजोणिया तहेव भाणियव्वा,
अलेस्सा केवलनाणी अवेदगा अकसाई अजोगी य एए एक्कंपि आउयं न पकरेन्ति
जहा ओहिया जीवा सेसं त चेव वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥
किरियावाई णं भंते ! जीवा किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया
नो अभवसिद्धिया । अकिरियावाई णं भंते ! जीवा किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा !
भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं
भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभव
सिद्धिया । सलेस्सा णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा !
भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि जहा सलेस्सा,
एवं जाव सुक्कलेस्सा अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा,
गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, एवं एएणं अभिलावेणं कण्हपक्खिया

णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेंति नो तिरिक्ख० नो मणुस्स० नो देवाउयं पकरेंति, कण्हपक्खिया णं भंते! जीवा अकिरियावाई किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा! नेरइयाउयंपि पकरेन्ति एवं चउव्विहंपि, एवं अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी ण भंते! जीवा किरियावाई किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति देवाउयपि पकरेन्ति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी ण भते! जीवा अन्नाणियवाई किं नेरइयाउयं० जहा अलेस्सा, एवं वेणइयवाईवि, णाणी आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य ओहिनाणी य जहा सम्मद्दिट्ठी, मणपज्जवणाणी णं भंते! किं० पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरेन्ति नो तिरिक्ख० नो मणुस्साउयं पकरेंति देवाउय पकरेन्ति, जइ देवाउय पकरेन्ति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा! नो भवणवासिदेवाउय पकरेन्ति नो वाणमंतर० नो जोइसिय० वेमाणियदेवाउय पकरेन्ति, केवलनाणी जहा अलेस्सा, अन्नाणी जाव विभगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सन्नासु चउसुवि जहा सलेस्सा, नोसन्नोवउत्ता जहा मणपज्जवनाणी, सवेदगा जाव नपुसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा अलेस्सा, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा अलेस्सा, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ता य अणागारोवउत्ता य जहा सलेस्सा ॥ ८२३ ॥ किरियावाई णं भते! नेरइया किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउय पकरे(इ)न्ति नो तिरिक्खजोणियाउय पकरेंति मणुस्साउय पकरेन्ति नो देवाउय पकरेन्ति, अकिरियावाई ण भंते! नेरइया पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउयपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति नो देवाउयं पकरेन्ति, एव अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि। सलेस्सा ण भते! नेरइया किरियावाई किं नेरइयाउय० एव सव्वेवि नेरइया जे किरियावाई ते मणुस्साउयं एग पकरेन्ति, जे अकिरियावाई अन्नाणियवाई वेणइयवाई ते सव्वट्ठाणेसुवि नो नेरइयाउय पकरेन्ति तिरिक्खजोणियाउयपि पकरेन्ति मणुस्साउयंपि पकरेन्ति नो देवाउय पकरेन्ति, नवरं सम्मामिच्छत्ते उवरिल्लेहिं दोहिवि समोसरणेहिं न किंचिवि पकरेन्ति जहेव जीवपए, एव जाव थणियकुमारा जहेव नेरइया। अकिरियावाई णं भंते! पुढविक्काइया पुच्छा, गोयमा! नो नेरइयाउयं पकरे(इ)न्ति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेन्ति मणुस्साउय पकरेन्ति नो देवाउय पकरेन्ति, एव अन्नाणियवाईवि। सलेस्सा ण भंते! एवं ज जं पदं अत्थि पुढविकाइयाणं तहिं २ मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु एव चेव दुविह आउयं पकरेन्ति नवरं तेउलेस्साए न किंपि पकरेन्ति,

अभवसिद्धियावि एवं अन्नाणियावि वेभंगनाणीवि । सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणंतरोववन्नया नेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिए उद्देसए नेरइयाणं वत्तव्वया भणिया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव अणागारोवउत्तत्ति, एवं जाव वेमाणियाणं नवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं इमं से लक्खणं–जे किरियावाई सुक्कपक्खिया सम्मामिच्छदिट्ठिया एए सव्वे भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया सेसा सव्वे भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि । सेवं भंते ! २ त्ति ॥८२५॥ ३० ।२॥ परंपरोववन्नया णं भंते ! नेरइया किं किरियावाई एवं जहेव ओहिओ उद्देसओ तहेव परंपरोववन्नएसुवि नेरइयाईओ तहेव निरवसेसं भाणियव्वं तहेव तियदंडगसंगहिओ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२६ ॥ ३ ।३ ॥ एवं एएणं कमेणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी सच्चेव इहंपि जाव अचरिमो उद्देसो नवरं अणंतरा चत्तारिवि एक्कगमगा परंपरा चत्तारिवि एक्कगमएणं एवं चरिमावि अचरिमावि एवं चेव नवरं अलेस्सो केवली अजोगी न भण्णइ, सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति । एए एक्कारसवि उद्देसगा ॥ ८२७ ॥ तीसइमं समोसरणसयं समत्तं ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! खुड्डा(ग) जुम्मा प० ? गोयमा ! चत्तारि खुड्डा(ग) जुम्मा प० तं०–कडजुम्मे १ तेओगे २, दावरजुम्मे ३, कलिओगे ४ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चत्तारि खुड्डा(ग) जुम्मा प० तं० –कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागकडजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागतेओगे जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागदावरजुम्मे जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागकलिओगे से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे । खुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० पुच्छा गोयमा ! नो नेरइएहिंतो उववज्जंति एवं नेरइयाणं उववाओ जहा वक्कंतीए तहा भाणियव्वो । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । ते णं भंते ! जीवा कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहानामए पवए पवमाणे अज्झवसाण० एवं जहा पंचवीसइमे सए अट्ठमुद्देसए नेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव आयप्पओगेणं उववज्जंति नो परप्पओगेणं उववज्जंति । रयणप्पभापुढविखुड्डागकडजुम्म-

तिसुवि समोसरणेसु भयणाए, सुक्कपक्खिया चउसुवि समोसरणेसु भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, सम्मद्दिट्ठी जहा अलेस्सा, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी दोसुवि समोसरणेसु जहा अलेस्सा, नाणी जाव केवलनाणी भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, अन्नाणी जाव विभंगनाणी जहा कण्हपक्खिया, सन्नासु चउसुवि जहा सलेस्सा, नोसन्नोवउत्ता जहा सम्मद्दिट्ठी, सवेदगा जाव नपुंसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा सम्मद्दिट्ठी, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा सम्मद्दिट्ठी, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा सम्मद्दिट्ठी, सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा, एवं नेरइयावि भाणियव्वा नवरं नायव्वं जं अत्थि, एवं असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा, पुढविकाइया सव्वट्ठाणेसुवि मज्झिल्लेसु दोसुवि समोसरणेसु भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिया एव चेव नवरं सम्मत्ते ओहिनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे एएसु चेव दोसु मज्झिमेसु समोसरणेसु भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया, सेसं तं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नवर नायव्व ज अत्थि, मणुस्सा जहा ओहिया जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा । सेव भंते ! २ त्ति ॥ ८२४ ॥ **तीसइमस्स सयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

अणंतरोववन्नगा ण भंते ! नेरइया किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि जाव वेणइयवाईवि, सलेस्सा ण भंते ! अणतरोववन्नगा नेरइया किं किरियावाई० एव चेव, एव जहेव पढमुद्देसे नेरइयाण वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा, नवर जं जस्स अत्थि अणतरोववन्नगाण नेरइयाणं तं तस्स भाणियव्वं, एवं सव्वजीवाण जाव वेमाणियाण, नवरं अणतरोववन्नगाणं ज जहिं अत्थि तं तहिं भाणियव्वं । किरियावाई ण भंते ! अणतरोववन्नगा नेरइया किं नेरइयाउयं पकरेन्ति० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउय पकरेंति नो तिरि० नो मणु० नो देवाउयं पकरेन्ति, एव अकिरियावाईवि अन्नाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणतरोववन्नगा नेरइया किं नेरइयाउय० पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइयाउय पकरेन्ति जाव नो देवाउय पकरेन्ति, एव जाव वेमाणिया, एव सव्वट्ठाणेसुवि अणतरोववन्नगा नेरइया न किंचिवि आउयं पकरेन्ति जाव अणागारोवउत्तत्ति, एवं जाव वेमाणिया नवरं जं जस्स अत्थि त तस्स भाणियव्वं । किरियावाई णं भंते ! अणतरोववन्नगा नेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया नो अभवसिद्धिया । अकिरियावाईण पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धियावि

नेरइया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? एवं जहा ओहियनेरइयाणं वत्तव्वया सच्चेव रयणप्पभाएवि भाणियव्वा जाव नो परप्पओगेणं उववज्जति, एवं सक्करप्पभाएवि, एव जाव अहेसत्तमाए, एव उववाओ जहा वक्कतीए, असन्नी खलु पढम दोच्चं व सरीसवा तइय पक्खी । गाहाए उववाएयव्वा, सेस तहेव । खुड्डागतेओग-नेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो० ? उववाओ जहा वक्कतीए; ते ण भंते ! जीवा एगसमएण केवइया उववज्जति ? गोयमा ! तिन्नि वा सत्त वा एक्कारस वा पन्नरस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति, सेस जहा कडजुम्मस्स, एवं जाव अहेसत्तमाए । खुड्डागदावरजुम्मनेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव खुड्डागकडजुम्मे नवर परिमाण दो वा छ वा दस वा चउद्दस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा सेस त चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए । खुड्डागकलिओग-नेरइया ण भते ! कओ उववज्जंति० ? एव जहेव खुड्डागकडजुम्मे नवरं परिमाणं एक्को वा पच वा नव वा तेरस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उववज्जति, सेस तं चेव, एव जाव अहेसत्तमाए । सेवं भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२८ ॥ ३१।१ ॥ कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? एव चेव जहा ओहि-यगमो जाव नो परप्पओगेण उववज्जति, नवर उववाओ जहा वक्कतीए, धूमप्पभा-पुढविनेरइया ण सेस तहेव, धूमप्पभापुढविकण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भते ! कओ उववज्जति० ? एव चेव निरवसेस, एव तमाएवि एव अहेसत्तमाएवि, नवरं उववाओ सव्वत्थ जहा वक्कतीए । कण्हलेस्सखुड्डागतेओगनेरइया ण भंते ! कओ उववज्जंति० ? एव चेव नवरं तिन्नि वा सत्त वा एक्कारस वा पन्नरस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा सेस तहेव एव जाव अहेसत्तमाएवि । कण्हलेस्सखुड्डागदावरजुम्म-नेरइया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? एव चेव नवरं दो वा छ वा दस वा चउद्दस वा सेस त चेव, एव धूमप्पभाएवि जाव अहेसत्तमाएवि । कण्हलेस्सखुड्डागकलिओग-नेरइया ण भंते ! कओ उववज्जति० ? एव चेव नवरं एक्को वा पच वा नव वा तेरस वा संखेज्जा वा असखेज्जा वा सेस त चेव, एव धूमप्पभाएवि तमाएवि अहेसत्त-माएवि । सेव भंते ! २ त्ति ॥ ८२९ ॥ ३१।२ ॥ नीललेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया ण भंते ! कओ उववज्जति० एव जहेव कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मा नवरं उववाओ जो वालुयप्पभाए सेस त चेव, वालुयप्पभापुढविनीललेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया एव चेव, एव पकप्पभाएवि, एव धूमप्पभाएवि, एव चउसुवि जुम्मेसु नवरं परिमाणं जाणियव्व, परिमाण जहा कण्हलेस्सउद्देसए । सेस तहेव । सेव भते ! सेवं भते ! त्ति ॥ ८३० ॥ ३१।३ ॥ काउलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भते ! कओ उववज्जति० ?

एवं जहेव कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णवरं उववाओ जो रयणप्पभाए सेसं तहेव। रयणप्पभापुढविणीललेस्सखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? एवं चेव एवं सक्करप्पभाएवि एवं वालुयप्पभाएवि एवं चउसुवि जुम्मेसु, णवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं जहा कण्हलेस्सउद्देसए सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८११ ॥ १११४ ॥ भवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति किं नेरइए? एवं जहेव ओहिओ गमओ तहेव निरवसेसं जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति। रयणप्पभापुढविभवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! एवं चेव निरवसेसं एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं भवसिद्धियखुड्डागतेओयनेरइयावि एवं जाव कलिओगत्ति, णवरं परिमाणं जाणियव्वं परिमाणं पुव्वभणियं जहा पढमुद्देसए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१२ ॥ १११५ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? एवं जहेव ओहिओ कण्हलेस्सउद्देसओ तहेव निरवसेसं चउसुवि जुम्मेसु भाणियव्वो जाव अहेसत्तमपुढविकण्हलेस्सभवसिद्धियखुड्डागकलिओगनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? तहेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१३ ॥ १११६ ॥ नीललेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव भाणियव्वा जहा ओहिए नीललेस्सउद्देसए। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ८१४ ॥ १११७ ॥ काउलेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव उववाएयव्वा जहेव ओहिए काउलेस्सउद्देसए। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१५ ॥ ॥ १११८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि उद्देसगा भणिया एवं अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव काउलेस्साउद्देसओत्ति। सेवं भंते! २त्ति ॥ ८१६ ॥ ॥ १११९ ॥ एवं सम्मदिट्ठीहिवि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा णवरं सम्मदिट्ठी पढमबिइएसु दोसुवि उद्देसएसु अहेसत्तमापुढवीए न उववाएयव्वो सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ८१७ ॥ ११२० ॥ मिच्छादिट्ठीहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहा भवसिद्धियाणं। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८१८ ॥ ॥ ११२१ ॥ एवं कण्हपक्खिएहिवि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहेव भवसिद्धिएहिं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ८१९ ॥ ११२२ ॥ सुक्कपक्खिएहिं एवं चेव चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव वालुयप्पभापुढविकाउलेस्ससुक्कपक्खियखुड्डागकलिओगनेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति? तहेव जाव नो परप्पओगेणं उववज्जंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८२० ॥ ११२३ ॥ सव्वेवि एए अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ एगतीसइमं उववायसयं समत्तं ॥

खुड्डागकडजुम्मनेरइया णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उव-

ज्जंति किं नेरइएसु उववज्जति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति० उव्वट्टणा जहा वक्कं-तीए । ते ण भते ! जीवा एगसमएण केवइया उव्वट्टति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा सखेज्जा वा असखेज्जा वा उव्वट्टति, ते ण भते ! जीवा कह उव्वट्टति ? गोयमा ! से जहानामए पवए एव तहेव, एव सो चेव गमओ जाव आयप्पओगेण उव्वट्टति नो परप्पओगेण उव्वट्टति, रयणप्पभापुढवि-(नेरइए) खुड्डागकडजुम्म० एव रयणप्पभाएवि एव जाव अहेसत्तमाएवि, एव खुड्डाग-तेओगखुड्डागदावरजुम्मखुड्डागकलिओगा नवरं परिमाण जाणियव्व, सेस त चेव । सेव भते ! २ त्ति ॥ ८४१ ॥ ३२।१ ॥ कण्हलेस्सकडजुम्मनेरइया एव एएण कमेण जहेव उववायसए अट्ठावीस उद्देसगा भणिया तहेव उव्वट्टणासएवि अट्ठावीस उद्देसगा भाणियव्वा निरवसेसा नवर उव्वट्टतित्ति अभिलावो भाणियव्वो, सेस तं चेव । सेव भते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥८४२॥ **बत्तीसइमं उववट्टणासयं समत्तं** ॥

कइविहा ण भते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पचविहा एगिंदिया प०, त०-पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया, पुढविकाइया ण भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, त०-सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, सुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तजहा-पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य, बायरपुढविकाइया णं भते ! कइविहा प० ? गोयमा ! एव चेव, एव आउकाइयावि चउक्कएण भेदेण भाणियव्वा एवं जाव वणस्सइकाइया(ण) । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, त०-नाणावरणिज्ज जाव अंतराइयं, पज्जत्त-सुहुमपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तजहा-नाणावरणिज्ज जाव अतराइय । अपज्जत्तबायरपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! एव चेव ८, पज्जत्तबायरपुढविकाइयाण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एव चेव ८, एव एएण कमेण जाव बायरवणस्सइकाइयाण पज्जत्तगाणति । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ बधति ? गोयमा ! सत्तविहबधगावि अट्ठविहबधगावि सत्त बधमाणा आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बधति अट्ठ बधमाणा पडिपुन्नाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बधति, पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ बधति ? एव चेव, एव सव्वे जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ बधति ? एव चेव । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया ण भते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, त०-नाणावरणिज्जं जाव अतराइयं, सोइदियवज्झ चक्खि-